



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 343]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 11, 2018/भाद्र 20, 1940

No. 343]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 2018/BHADRA 20, 1940

## भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

### अधिसूचना

मुम्बई, 11 सितम्बर, 2018

### भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018

सं. सेबी/ एल. ए. डी. - एन.आर. ओ./ जी. एन./ 2018/ 31.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:-

### अध्याय-I - प्रारंभिक

#### संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 कहा जा सकेगा।

(2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से साठवें दिन प्रवृत्त होंगे।

#### परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;

(ख) "विज्ञापन" में शामिल हैं - सूचनाएँ (नोटिस), विवरणिकाएँ (ब्रोशर), पुस्तिकाएँ (पैम्फलेट), शो-कार्ड, प्रसूची (कैटेलॉग), विज्ञापन पट्ट (होर्डिंग), प्लेकार्ड, पोस्टर, समाचारपत्र में कुछ भी छपना, किसी प्रिंट मीडिया या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, टेलीविज़न कार्यक्रम में चित्र और फिल्मों;

- (ग) "एंकर निवेशक" से ऐसा अर्हित संस्थागत क्रेता (क्वालिफाइड इन्स्टिट्यूशनल बायर) अभिप्रेत है, जो इन विनियमों के अनुसार बही-निर्माण (बुक बिल्डिंग) प्रक्रिया के माध्यम से मुख्य-बोर्ड (मेन बोर्ड) पर लाए गए सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) में कम से कम दस करोड़ रुपये के मूल्य का आवेदन करता है या जो इन विनियमों के अध्याय-IX के अनुसार लाए गए निर्गम (इश्यू) में कम से कम दो करोड़ रुपये के मूल्य का आवेदन करता है;
- (घ) "निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन" (एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉकड अमाउंट) से सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) या साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) में अभिदान करने (पैसा लगाने/ सक्क्रिप्शन करने) के लिए किया जाने वाला वह आवेदन अभिप्रेत है, जो बैंक खाते में आवेदन की रकम को निरुद्ध (ब्लॉक) करने के लिए स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक (सेल्फ-सर्टिफाइड सिंडिकेट बैंक) को प्राधिकार देते हुए किया गया हो;
- (ङ) "सहयोगी" (सहयुक्त / असोसिएट) से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो निर्गमकर्ता (इश्युअर) का सहयोगी हो और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत परिभाषित हो;
- (च) "बोर्ड" से अधिनियम के तहत स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है;
- (छ) "बही-निर्माण" (बुक बिल्डिंग) से वह प्रक्रिया अभिप्रेत है, जो इन विनियमों के अनुसार माँग जानने के लिए और कीमत निर्धारित करने के लिए अपनाई जाती है ताकि, यथास्थिति, निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) या भारतीय निक्षेपागार रसीदों (डिपॉज़िटरी रिसीट्स) की मात्रा या का मूल्य या का कूपन तय किया जा सके;
- (ज) "संयुक्त निर्गम" (कम्पोज़िट इश्यू) से सार्वजनिक-सह-साधिकार (पब्लिक-कम-राइट्स) आधार पर सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टेड इश्युअर) द्वारा निर्धारित प्रतिभूतियों का निर्गम (इश्यू) अभिप्रेत है, जिसके अंतर्गत सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) तथा साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) दोनों में आबंटन (अलॉटमेंट) साथ-साथ किए जाने का प्रस्ताव हो ;
- (झ) "नियंत्रण" का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटेंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन, 2011] के तहत इसके लिए नियत है;
- (ञ) "संपरिवर्तनीय ऋण लिखत" (कन्वर्टिबल डैट इन्स्ट्रूमेंट) से ऐसी लिखत (इन्स्ट्रूमेंट) अभिप्रेत है जिसके कारण ऋणग्रस्तता सृजित हो जाती है या जिसके जरिए ऋणग्रस्तता स्वीकार की जाती है और जिसका संपरिवर्तन लिखत के धारक (होल्डर) के विकल्प पर या के विकल्प के बिना, बाद में किसी तारीख को निर्गमकर्ता (इश्युअर) के इच्छिटी शेयरों में हो सकता हो, फिर चाहे निर्गमकर्ता की आस्तियों (असेट्स) पर भार के रूप में हो या न हो;
- (ट) "संपरिवर्तनीय प्रतिभूति" (कन्वर्टिबल सिक्क्यूरिटी) से ऐसी प्रतिभूति अभिप्रेत है जिसे या तो, प्रतिभूति के धारक के विकल्प पर या के विकल्प के बिना, बाद में किसी तारीख को निर्गमकर्ता (इश्युअर) के इच्छिटी शेयरों में संपरिवर्तित किया जा सकता हो या से बदला जा सकता हो, और जिसमें संपरिवर्तनीय ऋण लिखत (कन्वर्टिबल डैट इन्स्ट्रूमेंट) तथा संपरिवर्तनीय अधिमानी शेयर (कन्वर्टिबल प्रेफरेंस शेयर) शामिल हैं;
- (ठ) "नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज" से निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा चुना गया राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल वाला ऐसा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जिसमें निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टेड) हों या जिसमें इन विनियमों के तहत लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों के किसी निर्गम के प्रयोजनार्थ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव हो:
- परंतु यह कि, निर्गमकर्ता बाद में लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों के किसी निर्गम के लिए नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में किसी दूसरे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को चुन सकेगा;
- (ड) "प्रारूप प्रस्ताव-पत्र" (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) से इन विनियमों के तहत साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) के संबंध में बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रारूप प्रस्ताव-पत्र अभिप्रेत है;
- (ढ) "प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज" (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) से इन विनियमों के तहत सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के संबंध में बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज अभिप्रेत है;
- (ण) "कर्मचारी" से निर्गमकर्ता (इश्युअर) का अथवा निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या की समनुषंगी (सब्सिडियरी) का स्थायी कर्मचारी (जो चाहे भारत में कार्यरत हो या विदेश में) अथवा निर्गमकर्ता का निदेशक (चाहे पूर्णकालिक हो या अंशकालिक) अभिप्रेत है, और जिसमें ये शामिल नहीं हैं - (i) संप्रवर्तक (ii) संप्रवर्तक समूह से संबंधित कोई व्यक्ति;

या (iii) ऐसा निदेशक जो या तो स्वयं या अपने नातेदारों के माध्यम से या किसी निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) के माध्यम से, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, निर्गमकर्ता के बकाया इक्विटी शेयरों का दस प्रतिशत से अधिक धारण (होल्ड) करता हो:

**परंतु यह कि** स्टॉक विकल्प (स्टॉक ऑप्शन) स्कीमों के प्रयोजनार्थ, कर्मचारी का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी फायदे) विनियम, 2014 [सेबी (शेयर बेस्ड एम्प्लॉई बेनिफिट्स) रेग्यूलेशन, 2014] के तहत इसके लिए नियत है;

- (त) "भगोड़ा आर्थिक अपराधी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (द फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स एक्ट, 2018) [2018 का 17] की धारा 12 के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया हो;
- (थ) "बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव" से सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टेड इश्युअर) द्वारा जनता के लिए अभिदान करने (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) हेतु लाया जाने वाला निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव (ऑफर) अभिप्रेत है और जिसके अंतर्गत सूचीबद्ध निर्गमकर्ता में ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के किन्हीं मौजूदा धारकों (होल्डर्स) द्वारा जनता के लिए लाया जाने वाला निर्धारित प्रतिभूतियों का 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' (ऑफर फॉर सेल) शामिल है;
- (द) "साधारण कारपोरेट प्रयोजनों" में शामिल हैं - प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट), प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) या प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में निर्धारित किए गए ऐसे कोई प्रयोजन जिनके लिए कोई राशि आबंटित न की गई हो या साधारण कारपोरेट प्रयोजन के लिए इस प्रकार निर्धारित की गई कोई रकम या ऐसा कोई प्रयोजन (चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाए):

**परंतु यह कि** निर्गम से संबंधित किन्हीं खर्चों को केवल इसीलिए साधारण कारपोरेट प्रयोजन का हिस्सा नहीं माना जाएगा कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसे खर्चों के लिए कोई राशि आबंटित नहीं की गई है;

- (ध) "ग्रीन शू विकल्प" से सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) में प्रस्तावित इक्विटी शेयरों से अधिक इक्विटी शेयरों को आबंटित करने का विकल्प अभिप्रेत है, जिसका इस्तेमाल सूचीबद्धता के पश्चात् कीमत के स्थिरीकरण के लिए किया जाता है;
- (न) "समूह कंपनियों" में ऐसी कंपनियाँ [संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) और समनुषंगी (समनुषंगियों / सब्सिडियरी) को छोड़कर] शामिल हैं जिनके साथ उस अवधि के दौरान संबद्ध पक्षकार संव्यवहार (रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन) [जो लागू लेखा मानकों के तहत आते हों] किए गए हों, जिसके लिए वित्तीय जानकारी प्रकट की जाती हो और उनमें ऐसी कंपनियाँ भी शामिल हैं जो निर्गमकर्ता (इश्युअर) के बोर्ड द्वारा महत्वपूर्ण मानी जाएँ;
- (प) "आवास वित्त कंपनी" से जमा (डिपॉजिट) लेने वाली वह आवास वित्त (हाउसिंग फाइनेंस) कंपनी अभिप्रेत है, जो आवास वित्त का कारबार करने के लिए राष्ट्रीय आवास बैंक से रजिस्ट्रीकृत हो;
- (फ) "अवसंरचना क्षेत्र" (इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर) में निम्नलिखित सुविधाएँ / सेवाएँ शामिल हैं:

i) परिवहन [जिसमें अलग-अलग साधनों के जरिए परिवहन (इंटर मोडल ट्रांसपोर्टेशन) शामिल है] में निम्नलिखित शामिल हैं:

क) सड़कें, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य के राजमार्ग, जिलों की बड़ी सड़कें, जिलों की दूसरी सड़कें और गाँव की सड़कें (जिनमें टोल वाली सड़कें, ब्रिज, राजमार्ग, सड़क परिवहन सेवाएँ प्रदान करने वाले और सड़कों से संबंधित दूसरी सेवाएँ शामिल हैं);

ख) रेल व्यवस्था, रेल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने वाले, मेट्रो रेल-मार्ग और रेलवे से संबंधित अन्य सेवाएँ;

ग) पत्तन (पोर्ट) [जिनमें लघु पत्तन और बंदरगाह (हार्बर) शामिल हैं], अंतर्देशीय जलमार्ग (इनलैण्ड वॉटरवेज), तटीय पोत परिवहन (कोस्टल शिपिंग) [जिसमें शिपिंग लाइन्स और पत्तन से संबंधित अन्य सेवाएँ शामिल हैं];

घ) विमानन (एविएशन) [जिसमें एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट, एयरलाइन्स और एयरपोर्ट से संबंधित अन्य सेवाएँ शामिल हैं];

ड) लॉजिस्टिक्स सेवाएँ;

ii) कृषि, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) भंडारण (स्टोरेज) की बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर);
- ख) कृषि-प्रसंस्करण (एग्रो-प्रोसेसिंग) और कृषि-क्षेत्र को वस्तुओं (इनपुट्स) की आपूर्ति (सप्लाई) से जुड़ी परियोजनाओं से संबंधित निर्माण-कार्य;
- ग) प्रसंस्कृत कृषि-उत्पादों (प्रोसेस्ड एग्री-प्रोडक्ट), जल्दी खराब होने वाली चीजें (जैसे फल, सब्जियाँ और फूल) को सुरक्षित रखने और उनके भंडारण से संबंधित निर्माण-कार्य [जिसमें गुणवत्ता (क्वालिटी) को जाँचने की सुविधाएँ शामिल हैं];

iii) जल प्रबंधन, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) जल आपूर्ति या वितरण;
- ख) सिंचाई;
- ग) जल शोधन (वाटर ट्रीटमेंट), आदि;

iv) दूरसंचार, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) मूलभूत (बेसिक) या सेलुलर, जिसमें रेडियो पेजिंग शामिल है;
- ख) देशी उपग्रह सेवा (सेटेलाइट सर्विस) [अर्थात्, दूरसंचार सेवा प्रदान करने के लिए भारतीय कंपनी का और भारतीय कंपनी द्वारा संचालित उपग्रह];
- ग) ट्रंकिंग का नेटवर्क, ब्रॉडबैंड नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएँ;

v) औद्योगिक, वाणिज्यिक और सामाजिक विकास तथा रखरखाव, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) रियल इस्टेट का विकास, जिसमें इंडस्ट्रियल पार्क या विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन) शामिल हैं;
- ख) पर्यटन, जिसमें होटल, सम्मेलन केन्द्र (कन्वेंशन सेंटर) और मनोरंजन केन्द्र शामिल हैं;
- ग) सार्वजनिक बाजार और भवन, व्यापार मेला, सम्मेलन, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक केन्द्र, खेल-कूद और मनोरंजन से जुड़ी बुनियादी सुविधाएँ, सार्वजनिक बगीचे और पार्क;
- घ) शैक्षणिक संस्थाओं और अस्पतालों का निर्माण-कार्य;
- ङ) शहरी विकास से जुड़े दूसरे कार्य आदि [जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) की व्यवस्थाएँ, स्वच्छता (सैनिटेशन) और मलवहन (सीवरेज) की व्यवस्थाएँ, आदि शामिल हैं];

vi) विद्युत, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) ताप (थर्मल), जल, परमाणु, जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल), पवन और दूसरे नवीकरणीय स्रोतों (रिन्युएबल सोर्सेज़) के माध्यम से बिजली (विद्युत) का उत्पादन;
- ख) नई पारेषण (ट्रांसमिशन) या वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) लाइनों का नेटवर्क डालकर विद्युत का पारेषण, वितरण या व्यापार (ट्रेडिंग);

vii) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) खोज और उत्पादन;
- ख) आयात टर्मिनल;
- ग) द्रव में बदलना (लिक्विफिकेशन) और फिर से गैस का रूप देना (री-गैसीफिकेशन);
- घ) भंडारण (स्टोरेज) टर्मिनल;
- ङ) पारेषण (ट्रांसमिशन) नेटवर्क और वितरण नेटवर्क (जिसमें शहर में गैस संबंधी बुनियादी सुविधाएँ शामिल हैं);

viii) आवास, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) शहरी और ग्रामीण आवास [जिसमें सार्वजनिक आवास या जन आवास, झोपड़पट्टी (स्लम) को फिर से बसाना (पुनर्वास) शामिल हैं];
- ख) दूसरी संबंधित गतिविधियाँ, जैसे जल-निकासी (ड्रेनेज), प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग), सड़कें बनाना, स्वच्छता सुविधाएँ, आदि;

ix) प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) के संबंध में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों और रजिस्ट्रीकृत निक्षेपागारों (डिपॉज़िटरीज़) द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ;

x) दूसरी विविध सुविधाएँ या सेवाएँ, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) खनन और संबंधित गतिविधियाँ;
- ख) प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) से संबंधित बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर);
- ग) अवसंरचना क्षेत्र (इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर) के लिए आवश्यक वस्तुओं (कम्पोनेन्ट) और सामग्री का उत्पादन आदि या कोई दूसरी सुविधाएँ आदि जो अवसंरचना क्षेत्र के लिए जरूरी हों, जैसे ऊर्जा की बचत करने वाले उपकरण और मीटर उपकरण, आदि;
- घ) पर्यावरण से संबंधित बुनियादी सुविधाएँ;
- ङ) आपदा प्रबंधन संबंधी सेवाएँ;
- च) स्मारकों और प्रतिमाओं का संरक्षण;
- छ) संकटकालीन सेवाएँ (जैसे चिकित्सा, पुलिस, अग्निशमन और बचाव);

xi) ऐसी कोई दूसरी सुविधा या सेवा, जो बोर्ड की राय में, अवसंरचना क्षेत्र की मानी जाती हो;

(ब) "आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव" (इनिशियल पब्लिक ऑफर) से असूचीगत निर्गमकर्ता (अनलिस्टिड इश्युअर) द्वारा जनता के लिए अभिदान (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) हेतु निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) का प्रस्ताव (ऑफर) अभिप्रेत है और जिसके अंतर्गत असूचीगत निर्गमकर्ता में ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के किन्हीं मौजूदा धारकों (होल्डर्स) द्वारा जनता के लिए लाया जाने वाला निर्धारित प्रतिभूतियों का 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' (ऑफर फॉर सेल) शामिल है;

(भ) "संस्थागत व्यापारिक प्लेटफॉर्म" (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म) से उन निर्गमकर्ताओं की निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) और उनके व्यापार (उनकी ट्रेडिंग) हेतु व्यापारिक (ट्रेडिंग) प्लेटफॉर्म अभिप्रेत है, जो विनियम 288 में निर्धारित पात्रता मानदंडों का पालन करते हैं;

(म) "संस्थागत निवेशक" (इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर) से, अध्याय-X के अनुसार संस्थागत व्यापारिक प्लेटफॉर्म (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म) पर सूचीबद्धता (लिस्टिंग) और/या व्यापार (ट्रेडिंग) के प्रयोजनार्थ, (i) अर्हित संस्थागत क्रेता (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर); या (ii) कौटुंबिक न्यास (फैमिली ट्रस्ट) या बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) अभिप्रेत हैं, जिनकी शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार पाँच सौ करोड़ रुपये से अधिक हो;

(य) "निर्गम के आकार" में प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से प्रस्ताव और संप्रवर्तकों का वह अंशदान शामिल है जो निर्गम (इश्यू) के हिस्से के रूप में लाया गया हो;

(कक) "निर्गमकर्ता" (इश्युअर) से कोई ऐसी कंपनी या निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) अभिप्रेत है, जो संबंधित कानूनों के तहत निर्धारित प्रतिभूतियाँ (सिक्क्यूरिटीज़) निर्गमित (इश्यू) करने के लिए प्राधिकृत हो और इन विनियमों के अनुसार जिसकी निर्धारित प्रतिभूतियाँ निर्गमित की जा रही हों और/या ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' (ऑफर फॉर सेल) लाया जा रहा हो;

(खख) "प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति" से निर्गमकर्ता (इश्युअर) के ऐसे अधिकारी या व्यक्ति अभिप्रेत हैं, जो प्रबंध-मंडल के मुख्य दल (कोर मैनेजमेंट टीम) [निदेशक मंडल (बोर्ड) को छोड़कर] के सदस्य हों और जिनमें शामिल हैं - निर्गमकर्ता के कार्यपालक निदेशकों (एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर) से एक स्तर नीचे के प्रबंध-मंडल के सदस्य, कार्यों के

प्रमुख और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित 'मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक' ('प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति') या कोई दूसरा व्यक्ति जिसे निर्गमकर्ता प्रबंध-मंडल का मुख्य व्यक्ति घोषित करे;

- (गग) "अग्रणी प्रबंधक" (लीड मैनेजर) से बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत और निर्गम (इश्यू) का कामकाज देखने के लिए निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा नियुक्त मर्चेन्ट बैंककार (मर्चेन्ट बैंकर) अभिप्रेत है, और वही-निर्माण वाले निर्गम (बुक बिल्ट इश्यू) के मामले में, निर्गमकर्ता द्वारा नियुक्त अग्रणी प्रबंधक, वही-निर्माण के प्रयोजनार्थ, वही संचालक अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) [बुक रनिंग लीड मैनेजर] के रूप में कार्य करेगा (करेंगे);
- (घघ) "सूचीबद्ध निर्गमकर्ता" (लिस्टिड इश्युअर) से वह निर्गमकर्ता अभिप्रेत है जिसके इक्विटी शेयर राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों;
- (ङङ) "मुख्य-बोर्ड" (मेन बोर्ड) से, एसएमई एक्सचेंज को छोड़कर, राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल वाला मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है;
- (चच) "शुद्ध प्रस्ताव" (नेट ऑफर) से जनता के लिए लाया जाने वाला निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव अभिप्रेत है, किन्तु जिसमें आरक्षण (रिज़र्वेशन) और निर्गम (इश्यू) के हिस्से के रूप में लाया जाने वाला संप्रवर्तकों का अंशदान शामिल नहीं है;
- (छछ) "शुद्ध मूर्त आस्तियों" [नेट टेंजिबल असेट्स] से निर्गमकर्ता (इश्युअर) की सभी शुद्ध आस्तियों [भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 26 (एएस 26) या भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) 38, जो भी लागू हो, में यथा परिभाषित अमूर्त आस्तियों (इन्टेंजिबल असेट्स) को छोड़कर] का जोड़ अभिप्रेत है;
- (जज) "शुद्ध-मालियत" (नेट वर्थ) से अभिप्रेत है - लेखापरीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार, समादत्त शेयर पूँजी (पेड-अप शेयर कैपिटल), लाभों से बनाई गई सभी आरक्षितियों (रिज़र्व), प्रतिभूति प्रीमियम खाते (सिक्यूरिटीज़ प्रीमियम अकाउंट) तथा लाभ और हानि लेखे के नामे शेष (डेबिट बैलेंस) या जमा शेष (क्रेडिट बैलेंस) का कुल मूल्य [संचित हानियों, आस्थगित (डेफर्ड) व्यय और बढ़े खाते न डाले गए (राइट ऑफ न किए गए) विविध व्यय के कुल मूल्य को घटाकर], किन्तु जिसमें आस्तियों (असेट्स) के पुनर्मूल्यांकन (रीवैल्यूएशन) से बनाई गई आरक्षितियाँ (रिज़र्व्स), ह्रास (डिप्रीसिएशन) को बढ़े खाते डालना और समामेलन (अमैलगमेशन) शामिल नहीं हैं;
- (झझ) "नामनिर्दिष्ट निवेशक" से अर्हित संस्थागत क्रेता (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर) या निजी इक्विटी निधि (प्राइवेट इक्विटी फंड) अभिप्रेत है, जो अल्प-अभिदान (अंडर-सब्सक्रिप्शन) के मामले में अध्याय-IX के अनुसार लाए गए निर्गम में अभिदान करने (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) के लिए अथवा ऐसे निर्गम में बाजार-निर्माण (मार्केट मेकिंग) की प्रक्रिया में निर्धारित प्रतिभूतियाँ प्राप्त करने या उन्हें सुपुर्द (डिलीवर) करने के लिए अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के साथ करार करता है;
- स्पष्टीकरण:** "निजी इक्विटी निधि" से किसी विनियामक प्राधिकरण (रेग्युलेटरी अथॉरिटी) के पास रजिस्ट्रीकृत निधि (फंड) या किसी विनियामक प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत किसी व्यक्ति द्वारा बनाई गई निधि अभिप्रेत है;
- (ञञ) "गैर संस्थागत निवेशक" (नॉन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर) से छोटे व्यक्तिगत निवेशक और अर्हित संस्थागत क्रेता (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर) से भिन्न कोई निवेशक अभिप्रेत है;
- (टट) "प्रस्ताव दस्तावेज" (ऑफर डॉक्यूमेंट) से सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत उल्लिखित, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस, प्रॉस्पेक्टस या शेल्फ प्रॉस्पेक्टस, जो भी लागू हो, अभिप्रेत है, और साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) के मामले में प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) अभिप्रेत है;
- (ठठ) "प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव" से शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) और आरक्षण (रिज़र्वेशन) अभिप्रेत हैं;
- (डड) "सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों" का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटेंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के विनियम 2(1)(थ) के तहत इसके लिए नियत है;
- (ढढ) "अधिमानि निर्गम" (प्रेफरेंशियल इश्यू) से इन विनियमों के अध्याय-V के अनुसार निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) आधार पर किसी चुनिंदा व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) द्वारा निर्धारित प्रतिभूतियों का निर्गम अभिप्रेत है और जिसमें कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम, कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के माध्यम से लाया जाने वाला निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव (ऑफर) अथवा श्रमजन्य (स्वेट) इक्विटी शेयरों का निर्गम

(इश्यू) या भारत से बाहर किसी देश में जारी की जाने वाली (निर्गमित) निक्षेपागार रसीदें (डिपॉज़िटरी रिसीट्स) या विदेशी प्रतिभूतियों का निर्गम शामिल नहीं हैं;

(णण) "संप्रवर्तक" (प्रोमोटर) में शामिल होगा:

- i) वह व्यक्ति जिसके नाम का उल्लेख इस रूप में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) या प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में किया गया हो या जिसका उल्लेख निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92 में उल्लिखित वार्षिक विवरणी में इस रूप में किया गया हो; या
- ii) वह व्यक्ति जिसका निर्गमकर्ता के कामकाज पर, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, नियंत्रण हो, चाहे शेयरधारक के रूप में, निदेशक के रूप में या किसी अन्य रूप में; या
- iii) वह व्यक्ति जिसकी सलाह, निदेशों या अनुदेशों के अनुसार निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल कार्य करता हो:

**परंतु यह कि** उप-खंड (iii) में दी हुई कोई भी बात उस व्यक्ति पर लागू नहीं होगी जो केवल व्यावसायिक हैसियत से ही अपना कार्य कर रहा हो:

**परंतु यह और कि** किसी वित्तीय संस्था, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, प्रवर्ग-III के विदेशी पार्टफोलियो निवेशक को छोड़कर दूसरे विदेशी पार्टफोलियो निवेशक, पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड), जोखिम पूँजी निधि (वेंचर कैपिटल फंड), आनुकूलिक निवेश निधि (ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड), विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक (फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी या किसी अन्य श्रेणी (प्रवर्ग) [जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए] को केवल इस तथ्य के आधार पर संप्रवर्तक नहीं समझा जाएगा कि निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या उससे अधिक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित है, जब तक कि ऐसा व्यक्ति इन विनियमों के तहत निर्धारित दूसरी अपेक्षाओं पर खरा न उतरे;

(तत) "संप्रवर्तक समूह" (प्रोमोटर ग्रुप) में शामिल हैं:

- i) संप्रवर्तक;
- ii) संप्रवर्तक का सीधा नातेदार (अर्थात् उस व्यक्ति का कोई पति या पत्नी, अथवा व्यक्ति का या पति या पत्नी का कोई पिता या माता, भाई, बहन या संतान); और
- iii) यदि संप्रवर्तक निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) हो, तो:
  - क) ऐसे निगमित निकाय की समनुषंगी (सब्सिडियरी) या नियंत्री (होलडिंग) कंपनी;
  - ख) कोई निगमित निकाय जिसमें संप्रवर्तक इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या उससे अधिक धारण करता हो; और/या कोई निगमित निकाय जो संप्रवर्तक की इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या उससे अधिक धारण करता हो;
  - ग) कोई निगमित निकाय जिसमें व्यक्तियों का समूह या कंपनियाँ या दोनों मिलकर सामान्य मति से कार्य करते हों, जो उस निगमित निकाय में इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या उससे अधिक धारण करते हों और ऐसा व्यक्तियों का समूह या कंपनियाँ या दोनों निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी का भी बीस प्रतिशत या उससे अधिक धारण करते हों और सामान्य मति से कार्य भी करते हों; और
- iv) यदि संप्रवर्तक कोई व्यक्ति हो, तो:
  - क) कोई निगमित निकाय जिसमें इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या उससे अधिक संप्रवर्तक या संप्रवर्तक का सीधे नातेदार या फर्म या हिंदू अविभक्त कुटुंब (जिसमें संप्रवर्तक अथवा उसका कोई एक या एक से अधिक सीधा नातेदार सदस्य हो) धारण करता हो;
  - ख) कोई निगमित निकाय जिसमें ऊपर (क) में यथा उल्लिखित निगमित निकाय इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या उससे अधिक धारण करता हो; और
  - ग) कोई हिंदू अविभक्त कुटुंब या फर्म जिसमें संप्रवर्तक और उसके सीधे नातेदारों की कुल शेयरधारिता कुल पूँजी के बीस प्रतिशत के बराबर या उससे अधिक हो;
- v) वे सभी व्यक्ति जिनकी शेयरधारिता को "संप्रवर्तक समूह की शेयरधारिता" शीर्षक के तहत दर्शाया जाता है:

**परंतु यह कि** किसी वित्तीय संस्था, अनुसूचित बैंक, प्रवर्ग-III के विदेशी पार्टफोलियो निवेशक को छोड़कर दूसरे विदेशी पार्टफोलियो निवेशक, पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड), जोखिम पूँजी निधि (वेंचर कैपिटल फंड), आनुकल्पिक निवेश निधि (ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड), विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक (फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी या किसी अन्य श्रेणी (प्रवर्ग) [जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए] को केवल इस तथ्य के आधार पर संप्रवर्तक समूह नहीं समझा जाएगा कि संप्रवर्तक की इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या उससे अधिक ऐसे व्यक्ति या एंटीटी द्वारा धारित है:

**परंतु यह और कि** ऐसी किसी वित्तीय संस्था, अनुसूचित बैंक, प्रवर्ग-III के विदेशी पार्टफोलियो निवेशक को छोड़कर दूसरे विदेशी पार्टफोलियो निवेशक, पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड), जोखिम पूँजी निधि (वेंचर कैपिटल फंड), आनुकल्पिक निवेश निधि (ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड), विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक (फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी या किसी अन्य श्रेणी (प्रवर्ग) [जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए] को समनुषंगियों (सब्डियरी) या उनके द्वारा संप्रवर्तित कंपनियों का या उनके द्वारा प्रायोजित पारस्परिक निधि का संप्रवर्तक समूह समझा जाएगा;

(यथ) "लोक वित्तीय संस्था" से कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित लोक वित्तीय संस्था अभिप्रेत है;

(दद) "सार्वजनिक निर्गम" (पब्लिक इश्यू) से आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (इनिशियल पब्लिक ऑफर) या बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव (फर्दर पब्लिक ऑफर) अभिप्रेत है;

(धध) "अर्हित संस्थागत क्रेता" (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर) से अभिप्रेत है –

- (i) बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड), जोखिम पूँजी निधि (वेंचर कैपिटल फंड), आनुकल्पिक निवेश निधि (ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड) और विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक (फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर);
- (ii) प्रवर्ग-III के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक को छोड़कर दूसरा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, जो बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हो;
- (iii) लोक वित्तीय संस्था;
- (iv) अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक;
- (v) बहुपक्षीय तथा द्विपक्षीय विकास वित्तीय संस्था;
- (vi) राज्य औद्योगिक विकास निगम;
- (vii) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी;
- (viii) भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड), जिसका कॉर्पस न्यूनतम पच्चीस करोड़ रुपये का हो;
- (ix) पेंशन निधि, जिसका कॉर्पस न्यूनतम पच्चीस करोड़ रुपये का हो;
- (x) भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के तारीख 23 नवम्बर, 2005 के संकल्प सं. एफ.नं.2/3/2005-डीडीII के अनुसार बनाई गई राष्ट्रीय निवेश निधि;
- (xi) भारत की सेना, नौसेना या वायुसेना द्वारा बनाई गई तथा चलाई जाने वाली बीमा निधियाँ; और
- (xii) भारतीय डाक विभाग द्वारा बनाई गई और चलाई जाने वाली बीमा निधियाँ; और
- (xiii) प्रणालीगत रूप से (सिस्टमिकली) महत्वपूर्ण (संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ;

(नन) "अर्हित संस्था नियोजन" (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशन्स प्लेसमेंट) से, इन विनियमों की शर्तों आदि के अनुसार, सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टेड इश्युअर) द्वारा निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) आधार पर अर्हित संस्थागत क्रेताओं (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर) को पात्र प्रतिभूतियों का निर्गम (इश्यू) अभिप्रेत है और जिसमें निजी स्थानन आधार पर संप्रवर्तकों (प्रोमोटर) और/या संप्रवर्तक समूह द्वारा निर्धारित प्रतिभूतियों का 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' (ऑफर फॉर सेल) शामिल है;

(पप) "नातेदार" से कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित नातेदार अभिप्रेत है;



- (फफ) "छोटे व्यक्तिगत निवेशक" से वह व्यक्तिगत निवेशक अभिप्रेत है जो निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन करता है या बोली लगाता है, जिनका मूल्य दो लाख रुपये से अधिक न हो;
- (बब) "छोटे व्यक्तिगत शेयरधारक" से वह शेयरधारक अभिप्रेत है जो निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन करता है या बोली लगाता है, जिनका मूल्य दो लाख रुपये से अधिक न हो;
- (भभ) "साधिकार निर्गम" (राइट्स इश्यू) से सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) द्वारा निर्गमकर्ता के शेयरधारकों (जो साधिकार निर्गम के लिए निर्धारित की गई रिकॉर्ड तिथि को शेयरधारक हों) के लिए लाया जाने वाला निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव (ऑफर) अभिप्रेत है;
- (मम) "अनुसूची" से इन विनियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;
- (यय) "अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक" से भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की द्वितीय अनुसूची में शामिल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक अभिप्रेत हैं;
- (ककक) "स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक" (सेल्फ-सर्टिफाइड सिंडिकेट बैंक) से बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत वह निर्गमन बैंककार (बैंकर टू एन इश्यू) अभिप्रेत है, जो निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉकड अमाउंट) की सुविधा प्रदान करता हो;
- (खखख) "विक्रय करने वाले शेयरधारक" से निर्गमकर्ता का ऐसा कोई शेयरधारक अभिप्रेत है, जो इन विनियमों के अनुसार सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) में निर्धारित प्रतिभूतियों का विक्रय के लिए प्रस्ताव कर रहा हो;
- (गगग) "प्रतिभूति विधियों" से अभिप्रेत है - अधिनियम, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) एक्ट, 1956], निक्षेपागार अधिनियम, 1996 [डिपॉजिटरीज़ एक्ट, 1996] तथा उनके तहत बनाए गए नियम एवं विनियम और बोर्ड द्वारा उनके तहत जारी आदि किए गए साधारण या विशेष आदेश, दिशानिर्देश (गाइडलाइन्स) या परिपत्र (सर्कुलर) और कंपनी अधिनियम, 2013 या पहले की किसी कंपनी विधि के प्रावधान तथा उनके तहत बनाया गया कोई अधीनस्थ विधायन (कानून) जो बोर्ड के दायरे में आता हो;
- (घघघ) "एसएमई एक्सचेंज" से अध्याय-IX के अनुसार निर्गमित निर्धारित प्रतिभूतियाँ को सूचीबद्ध करने के लिए राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का ऐसा व्यापारिक प्लेटफॉर्म अभिप्रेत है, जिसे बोर्ड द्वारा मंजूरी दी गई हो और जिसके अंतर्गत वह स्टॉक एक्सचेंज शामिल है जिसे इस प्रयोजनार्थ मान्यता प्रदान की गई हो किन्तु जिसमें मुख्य-बोर्ड (मेन बोर्ड) शामिल नहीं है;
- (ङङङ) "निर्धारित प्रतिभूतियों" से इक्विटी शेयर और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ (कन्वर्टिबल सिक्यूरिटीज़) अभिप्रेत हैं;
- (चचच) "स्थिरीकरण एजेंट" (स्टेबिलाइज़िंग एजेंट) से वह मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) अभिप्रेत है जो इन विनियमों के अनुसार ग्रीन शू विकल्प के अंतर्गत इक्विटी शेयरों की कीमत को स्थिर करने के लिए जिम्मेदार है;
- (छछछ) "स्टॉक एक्सचेंज" से, एसएमई एक्सचेंज को छोड़कर, निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा चुना गया राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल वाला कोई ऐसा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जिसमें निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों या जिसमें इन विनियमों के तहत लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों के किसी निर्गम के प्रयोजनार्थ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव हो;
- (जजज) "सिंडिकेट सदस्य" से बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) अभिप्रेत है, जिसे निर्गम (इश्यू) के संबंध में बोलियाँ, आवेदन स्वीकार करने तथा ऑर्डर डालने की और हामीदार (अंडरराइटर) के रूप में क्रियाकलाप करने की अनुमति है;
- (झझझ) "प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी" से वह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी अभिप्रेत है जो भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रजिस्ट्रीकृत हो और जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रणालीगत रूप से (सिस्टमिकली) महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में मान्यता प्रदान की गई हो;
- (ञञञ) "असूचीगत निर्गमकर्ता" (अनलिस्टिड इश्युअर) से वह निर्गमकर्ता अभिप्रेत है जो सूचीबद्ध (लिस्टिड) निर्गमकर्ता न हो;

- (टटट) “मूल्यांकक” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 247 तथा उसके तहत बनाए गए संबंधित नियमों के तहत रजिस्ट्रीकृत हो या जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए;
- (ठठठ) “इरादतन चूककर्ता” (जानबूझकर चूक करनेवाला) से वह व्यक्ति या निर्गमकर्ता (इश्युअर) अभिप्रेत है, जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा इरादतन चूककर्ताओं के संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) के अनुसार, किसी बैंक या वित्तीय संस्था (कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित) या उनके कनसॉर्टियम द्वारा, इरादतन चूककर्ता के रूप में वर्गीकृत किया गया हो;
- (डडड) “कार्य-दिवस” से वह प्रत्येक दिन अभिप्रेत है जिस दिन उस शहर में वाणिज्यिक (कमर्शियल) बैंक कारबार के लिए खुले रहते हों जिसका उल्लेख प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में किया गया हो;

**स्पष्टीकरण:** इस खंड के प्रयोजनार्थ,

(क) मूल्य दायरे (प्राइस बैंड) की घोषणा; और

(ख) बोली / निर्गम (इश्यू) की अवधि,

के संबंध में कार्य-दिवस से वह प्रत्येक दिन (शनिवार, रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिनों को छोड़कर) अभिप्रेत होगा, जिस दिन उस शहर में वाणिज्यिक बैंक कारबार के लिए खुले रहते हों जिसका उल्लेख प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में किया गया हो;

(ग) बोली / निर्गम के बंद होने की तारीख और स्टॉक एक्सचेंजों में निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के बीच की समयावधि के संबंध में, कार्य-दिवस से, रविवार और बैंक में अवकाश के दिनों को छोड़कर, वह प्रत्येक दिन [बोर्ड द्वारा जारी किए गए परिपत्रों के अनुसार] अभिप्रेत होगा, जिस दिन स्टॉक एक्सचेंजों में व्यापार (ट्रेडिंग) होता है।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए किन्तु अपरिभाषित, किन्तु अधिनियम या कंपनी अधिनियम, 2013, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और/या उनके तहत बनाए गए नियमों तथा विनियमों में परिभाषित अन्य सभी शब्दों और पदों का वही अर्थ होगा जो, यथास्थिति, ऐसे कानूनों या नियमों या विनियमों या किसी कानूनी संशोधन या उनकी पुनःअधिनियमिति में क्रमशः उनके लिए नियत हों।

### विनियमों का लागू होना

**3.** जब तक कि अन्यथा कोई प्रावधान न किया गया हो, ये विनियम निम्नलिखित के प्रति लागू होंगे:

- (क) असूचीगत निर्गमकर्ता (अनलिस्टिड इश्युअर) द्वारा लाया जाने वाला आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (इनिशियल पब्लिक ऑफर);
- (ख) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) द्वारा लाया जाने वाला साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू); जहाँ निर्गम का कुल मूल्य दस करोड़ रुपये या उससे अधिक हो;
- (ग) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा लाया जाने वाला, 'बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव' (फर्दर पब्लिक ऑफर);
- (घ) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा लाया जाने वाला अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू);
- (ङ) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा किया जाने वाला अर्हित संस्था नियोजन (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशन्स प्लेसमेंट);
- (च) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (डिपॉज़िटरी रिसीट्स) का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (इनिशियल पब्लिक ऑफर);
- (छ) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (डिपॉज़िटरी रिसीट्स) का साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू);
- (ज) लघु एवं मध्यम उद्यम द्वारा लाया जाने वाला आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव;
- (झ) संस्थागत व्यापारिक (ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म) पर सूचीबद्धता (चाहे निर्गम के माध्यम से हो या न हो); और
- (ञ) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा लाया जाने वाला बोनस निर्गम।

**परंतु यह कि** दस करोड़ रुपये से कम के आकार वाले साधिकार निर्गम के मामले में, निर्गमकर्ता प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) इन विनियमों में निर्धारित अपेक्षाओं के अनुसार तैयार करेगा और उसे बोर्ड के पास जानकारी के लिए तथा बोर्ड के वेबसाइट पर प्रसारित करने के लिए दाखिल करेगा।

**परंतु यह और कि** ये विनियम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के विनियम 9 के उप-विनियम (1) के खंड (ख), (घ) एवं (ड) के तहत प्रतिभूतियों के निर्गमन (इश्यू) के प्रति लागू नहीं होंगे।

## अध्याय-II मुख्य-बोर्ड (मेन बोर्ड) पर आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव

### भाग-I: पात्रता अपेक्षाएँ

#### संदर्भ तारीख

**4.** जब तक कि इस अध्याय में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, निर्धारित प्रतिभूतियों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (इनिशियल पब्लिक ऑफर) लाने वाला निर्गमकर्ता बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल किए जाने की तारीख तक और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने की तारीख तक भी इस अध्याय में दी हुई शर्तों को पूरा करेगा।

#### आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए अपात्र एंटिटियाँ

**5. (1)** निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए पात्र नहीं होगा,

- (क) यदि निर्गमकर्ता, उसके किसी संप्रवर्तक (प्रमोटर), संप्रवर्तक समूह या निदेशक या विक्रय करने वाले शेयरधारक को बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो।
- (ख) यदि निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या निदेशकों में से कोई ऐसी किसी अन्य कंपनी का संप्रवर्तक या निदेशक हो जिसे बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो।
- (ग) यदि निर्गमकर्ता अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) हो।
- (घ) यदि उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी हो।

**स्पष्टीकरण:** ऊपर (क) एवं (ख) के तहत दी हुई पाबंदियाँ उनमें उल्लिखित उन व्यक्तियों या एंटिटियों पर लागू नहीं होंगी, जिन्हें बोर्ड द्वारा पहले कभी विवर्जित किया गया हो और विवर्जन की अवधि बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से पहले ही पूरी हो चुकी हो।

(2) निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए पात्र नहीं होगा, यदि कोई बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ (कन्वर्टिबल सिक्यूरिटीज़) हों या कोई अन्य अधिकार हो, जिससे कि कोई व्यक्ति निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर प्राप्त करने के किसी विकल्प का हकदार बन जाए:

#### परंतु यह कि इस उप-विनियम के प्रावधान:

- (क) इस संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 अथवा भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी किए गए संबद्ध मार्गदर्शन टिप्पण (गाइडेंस नोट) या लेखा मानकों, यदि कोई हों, का पालन करते हुए लाई गई कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम के अनुसरण में कर्मचारियों (चाहे वे वर्तमान में कर्मचारी हो या न हों) को प्रदान किए गए बकाया विकल्पों के प्रति लागू नहीं होंगे;
- (ख) उन पूर्णतः समादत्त बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (कन्वर्टिबल सिक्यूरिटीज़) के प्रति लागू नहीं होंगे, जिन्हें यथास्थिति, प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गमों के मामले में) या प्रॉस्पेक्टस [नियत कीमत वाले निर्गमों के मामले में] दाखिल करने की तारीख तक संपरिवर्तित किया जाना अपेक्षित हो।

#### आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए पात्रता अपेक्षाएँ

**6. (1)** निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए केवल तभी पात्र होगा, जब:

- (क) उसके पास पिछले तीन पूरे वर्षों (प्रत्येक बारह महीने का) में से प्रत्येक वर्ष में कम से कम तीन करोड़ रुपये की शुद्ध मूर्त आस्तियाँ (नेट टेंजिबल असेट्स) [जिनकी गणना रीस्टेटेड तथा समेकित आधार पर की गई हो] रही हों, जिनमें से अधिक से अधिक पचास प्रतिशत मौद्रिक आस्तियों (मॉनिटरी असेट्स) के रूप में धारित रही हों:

**परंतु यह कि** यदि शुद्ध मूल्य आस्तियों का पचास प्रतिशत से अधिक मौद्रिक आस्तियों में धारित हो, तो निर्गमकर्ता ने अपने कारबार या परियोजना में ऐसी अधिक मौद्रिक आस्तियों का उपयोग कर लिया हो या वह उसका उपयोग करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हो:

**परंतु यह और कि** मौद्रिक आस्तियों के संबंध में पचास प्रतिशत की सीमा उस दशा में लागू नहीं होगी, जब आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव पूरी तरह से 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' के माध्यम से लाया जाए।

(ख) उसका पिछले तीन वर्षों (प्रत्येक बारह महीने का) के दौरान कम से कम पंद्रह करोड़ रुपये का औसत परिचालन लाभ (एवरेज ऑपरेटिंग प्रॉफिट) [जिसकी गणना रीस्टेटेड तथा समेकित आधार पर की गई हो] हुआ हो और इन पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष में परिचालन लाभ हुआ हो;

(ग) उसकी पिछले तीन पूरे वर्षों (प्रत्येक बारह महीने का) में से प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक करोड़ रुपये की शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) [जिसकी गणना रीस्टेटेड तथा समेकित आधार पर की गई हो] रही हो;

(घ) यदि उसने पिछले एक वर्ष के भीतर अपने नाम में परिवर्तन किया हो, तो पिछले एक पूरे वर्ष हेतु उसे कम से कम पचास प्रतिशत की आमदनी [जिसकी गणना रीस्टेटेड तथा समेकित आधार पर की गई हो] उस क्रियाकलाप से हुई हो जो उसके नए नाम से झलकता हो।

(2) उप-विनियम (1) में दी हुई शर्त को पूरा न करने वाला निर्गमकर्ता (इश्युअर) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए तभी पात्र होगा, जब निर्गम (इश्यू) बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाया जाए और निर्गमकर्ता अर्हित संस्थागत क्रेताओं (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर्स) को शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) का कम से कम पचहत्तर प्रतिशत आबंटित करने का तथा यदि वह ऐसा करने में असफल रहता है तो अभिदान (सब्सक्रिप्शन) की पूरी रकम लौटाने का वचन दे।

### सामान्य शर्तें

**7. (1)** आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि:

(क) उसने, **अनुसूची-XIX** के अनुसार, एक या एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे स्टॉक एक्सचेंजों में अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराने हेतु सैद्धांतिक मंजूरी लेने के लिए, आवेदन कर दिया है और उनमें से किसी एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुन लिया है;

(ख) उसने पहले ही से निर्गमित या निर्गमित किए जाने के लिए प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों को गैर-कागजी (डीमैट) रूप दिए जाने हेतु निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) के साथ करार (एग्रीमेंट) कर लिया है;

(ग) संप्रवर्तकों (प्रोमोटर) द्वारा धारित उसकी सभी निर्धारित प्रतिभूतियाँ प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल किए जाने से पहले गैर-कागजी (डीमैट) रूप में हैं;

(घ) उसके सभी मौजूदा अंशतः समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर या तो पूर्णतः समादत्त हो गए हैं या वे जब्त (समपह्त / फॉफीट) हो गए हैं;

(ङ) उसने माध्यमों (जिनकी पुष्टि की जा सकती हो) या मौजूदा आंतरिक एक्रूअल (जिनकी पहचान की जा सकती हो) के जरिए उस विशिष्ट परियोजना का पचहत्तर प्रतिशत वित्तपोषण [जिसमें प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के माध्यम से जुटाई जाने वाली रकम शामिल नहीं है] करने के लिए पक्के इंतजाम कर लिए हैं, जिसका वित्तपोषण निर्गम से आए पैसों से किए जाने का प्रस्ताव हो।

(2) साधारण कारपोरेट प्रयोजनों (जिनका उल्लेख प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गम के उद्देश्यों के अंतर्गत किया गया हो) के लिए रकम निर्गमकर्ता द्वारा जुटाई जाने वाली रकम की पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ:

(I) "परियोजना" से वह उद्देश्य अभिप्रेत है जिसके लिए निर्गम के उद्देश्यों के संबंध में पैसा जुटाए जाने का प्रस्ताव है;

(II) उस निर्गमकर्ता के मामले में जो भागीदारी फर्म या सीमित दायित्व भागीदारी (लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप) रहा हो, भागीदारी फर्म या सीमित दायित्व भागीदारी के परिचालन लाभ के पिछले रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) पर केवल तभी विचार किया जाएगा, जब जिस अवधि के दौरान निर्गमकर्ता भागीदारी फर्म या सीमित दायित्व भागीदारी रहा था उस अवधि हेतु भागीदारी के कारबार के वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कंपनियों के लिए निर्धारित

किए गए फॉर्मेट के अनुरूप हों तथा उनके अनुसार संशोधित किए गए हों और जो निम्नलिखित अपेक्षाओं का पालन करते हुए तैयार किए गए हों:

(क) वित्तीय विवरणों में ऐसे पर्याप्त प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किए जाएँ, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-III के अनुसार निर्गमकर्ता द्वारा किए जाने अपेक्षित हों;

(ख) वित्तीय विवरण कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किए जाएँ, जिनमें यह उल्लेख हो कि:

- (i) लेखे और किए गए प्रकटीकरण कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-III के प्रावधानों के अनुसार हैं;
- (ii) लागू लेखा मानकों का अनुसरण किया गया है;
- (iii) वित्तीय विवरण फर्म के लेखों की सही तस्वीर दर्शाते हैं;

(III) मौजूदा कंपनी के विभाजन से बने निर्गमकर्ता के मामले में, हुए विभाजन से निकले डिवीज़न के वितरणयोग्य लाभों के पिछले रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) पर केवल तभी विचार किया जाएगा, जब स्पष्टीकरण (II) में भागीदारी फर्मों या सीमित दायित्व भागीदारियों हेतु यथा उल्लिखित वित्तीय विवरणों से संबंधित अपेक्षाओं का पालन किया जाता हो।

### **‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ हेतु अतिरिक्त शर्तें**

**8.** केवल ऐसे पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों का ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ जनता के लिए लाया जा सकेगा, जो प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने से कम से कम एक वर्ष पहले की अवधि तक विक्रेताओं के पास रहे हों:

**परंतु यह कि** यदि पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (जिनमें निक्षेपागार रसीदें शामिल हैं) के संपरिवर्तन या विनिमय पर प्राप्त इक्विटी शेयरों का ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ लाया जा रहा हो, तो ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (जिनमें निक्षेपागार रसीदें शामिल हैं) को और साथ ही संपरिवर्तित इक्विटी शेयरों को धारण करने की अवधि पर एक साथ, इस उप-विनियम में उल्लिखित एक वर्ष की अवधि की गणना करने के प्रयोजनार्थ, विचार किया जाएगा।

**परंतु यह और कि** इस प्रकार धारण करने की एक वर्ष की अवधि का पालन प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने के समय करना जरूरी होगा।

**स्पष्टीकरण:** यदि पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनिमय से मिलने वाले इक्विटी शेयरों का ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ किया जा रहा है, तो ऐसा संपरिवर्तन या विनिमय प्रस्ताव दस्तावेज [अर्थात् बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस और नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में प्रॉस्पेक्टस] दाखिल किए जाने से पहले पूरा कर लिया जाना चाहिए, बशर्ते कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में संपरिवर्तन या विनिमय की शर्तों आदि के पूरे प्रकटीकरण कर दिए जाएँ।

**परंतु यह और कि** एक वर्ष की अवधि तक इक्विटी शेयरों को धारण करने की अपेक्षा निम्नलिखित मामलों में लागू नहीं होंगी:

- (क) सरकारी कंपनी या कानूनी प्राधिकरण (स्टैट्यूटरी अथॉरिटी) या निगम (कारपोरेशन) या उनमें से किसी एक या एक से अधिक द्वारा बनाए गए तथा नियंत्रित किसी विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पज वीहिकल), जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो, के ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ के मामले में;
- (ख) यदि विक्रय के लिए प्रस्तावित इक्विटी शेयर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत अधिकरण (ट्रायब्युनल) या केंद्रीय सरकार द्वारा मंजूर किसी स्कीम (जो भी लागू हो) के अनुसरण में उस कारबार तथा निवेश की गई पूँजी की एवज में अर्जित किए गए थे, जो ऐसी स्कीम की मंजूरी से पहले एक वर्ष से अधिक की अवधि तक मौजूद रही हो।
- (ग) यदि विक्रय के लिए प्रस्तावित इक्विटी शेयर बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने से कम से कम एक वर्ष पहले की अवधि तक धारित प्रतिभूतियों के संबंध में बोनस निर्गम के तहत निर्गमित (इश्यू) किए गए थे, और बशर्ते कि-
  - (i) जिस वित्तीय वर्ष में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास दाखिल किया जाता है, उस वित्तीय वर्ष से पहले के वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक की स्थिति के अनुसार लेखा बहियों में यथा उल्लिखित खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स) और शेयर प्रीमियम में से ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ निर्गमित की जा रही हों; और

- (ii) ऐसे इक्विटी शेयर निर्गमकर्ता की पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों (रीवैल्यूएशन रिज़र्व) या अप्राप्त लाभों का इस्तेमाल करके निर्गमित न किए जा रहे हों।

### भाग-II: संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों और वारंटों का निर्गमन

#### संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के लिए पात्रता अपेक्षाएँ

9. (1) निर्गमकर्ता अपने इक्विटी शेयरों का पहले सार्वजनिक निर्गम लाए बिना या उनकी सूचीबद्धता कराए बिना भी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (कनवर्टिबल डेट इंस्ट्रुमेंट्स) का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने का पात्र होगा।

**परंतु यह कि** उसने स्वयं द्वारा जनता को निर्गमित ऋण लिखतों (डेट इंस्ट्रुमेंट्स), यदि कोई हों, के संबंध में, छह महीनों से अधिक की अवधि तक, ब्याज अदा करने में या मूलधन की रकम की चुकौती करने में चूक न की हो।

#### संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएँ

10. (1) इन विनियमों में जिन अन्य अपेक्षाओं का उल्लेख किया गया है उनके अलावा, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों का भी पालन करेगा:

- (क) उसने कम से कम एक साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) एजेंसी से क्रेडिट रेटिंग ले ली हो;
- (ख) उसने कंपनी अधिनियम, 2013 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 [सेबी (डिबेंचर ट्रस्टीज़) रेग्यूलेशन, 1993] के प्रावधानों के अनुसार कम से कम एक डिबेंचर न्यासी नियुक्त कर लिया हो;
- (ग) वह कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार डिबेंचर मोचन आरक्षित (रिडेंप्शन रिज़र्व) बनाएगा;
- (घ) यदि निर्गमकर्ता प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की बाबत अपनी आस्तियों (असेट्स) पर भार या जमानत (सिक्यूरिटी) सृजित करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि:
  - (i) ऐसी आस्तियाँ किसी भी समय मूलधन की रकम चुकाने के लिए पर्याप्त हैं;
  - (ii) ऐसी आस्तियों पर कोई ऋण-भार नहीं है;
  - (iii) जहाँ ऐसी आस्तियों पर जमानत पहले ही से किसी मौजूदा उधारदाता या प्रतिभूति न्यासी (सिक्यूरिटी ट्रस्टी) के पक्ष में सृजित की गई हो या संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम को पट्टेवाली (लीज़होल्ड) भूमि पर जमानत सृजित करके प्रतिभूत किए जाने का प्रस्ताव हो, वहाँ द्वितीय या एक समान भार हेतु ऐसे उधारदाता या प्रतिभूति न्यासी या पट्टाकर्ता की सहमति प्राप्त कर ली गई है और निर्गम के खुलने से पहले डिबेंचर न्यासी को प्रस्तुत कर दी गई है;
  - (iv) यदि संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें द्वितीय भार या बाद में किसी भार द्वारा प्रतिभूत हों, तो जमानत या आस्ति कवर का निर्धारण दायित्वों, जिनका पहला या पूर्व भार हो, को घटाने के पश्चात् किया जाएगा।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन (को रिडीम) करेगा।

#### वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तन

11. (1) निर्गमकर्ता अपनी वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों को इक्विटी शेयरों में तब तक संपरिवर्तित नहीं करेगा, जब तक कि ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों (होल्डर) ने निर्गमकर्ता को अपनी निश्चित सहमति न भेज दी हो और इस प्रयोजनार्थ निर्गमकर्ता द्वारा भेजी गई किसी सूचना के प्रति उत्तर प्राप्त न होने का अर्थ यह नहीं लगाया जाएगा कि किन्हीं संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के लिए सहमति मिल गई है।

(2) जहाँ निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित किन्हीं सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तनीय भाग का मूल्य दस करोड़ रुपये से अधिक हो और निर्गमकर्ता ने निर्गम लाने के समय ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की संपरिवर्तन (कन्वर्ज़न) कीमत तय न की हो, वहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, संपरिवर्तनीय भाग इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तित न करने का, विकल्प दिया जाएगा:

**परंतु यह कि** जहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की कीमत संबंधी ऊपरी सीमा तथा उसका औचित्य तय किया जाता है और निर्गम लाने के समय निवेशकों को प्रकट किया जाता है, वहाँ संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, उक्त ऊपरी सीमा के भीतर संपरिवर्तनीय भाग को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के लिए, ऐसा विकल्प देना जरूरी नहीं होगा।

(3) जहाँ उप-विनियम (2) के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को विकल्प दिया जाना हो और यदि ऐसे धारकों में से एक या एक से अधिक धारक, शेयरधारकों की साधारण बैठक में तय की गई कीमत पर, लिखतों को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के विकल्प का प्रयोग नहीं करते हैं, तो निर्गमकर्ता अंतिम तारीख (जिस तारीख तक विकल्प का प्रयोग किया जाना हो) से एक महीने के भीतर लिखतों के उस भाग का मोचन (रिडेंप्शन) उस कीमत पर करेगा जो उसके अंकित मूल्य से कम न हो।

(4) यदि ऐसा मोचन प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों के अनुसार किया गया हो, तो उप-विनियम (2) का प्रावधान लागू नहीं होगा।

### वित्तपोषण के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन

**12.** निर्गमकर्ता किसी व्यक्ति (जो संप्रवर्तक समूह या समूह कंपनियों का हिस्सा हो) को वित्तपोषण के लिए या उधार देने के लिए या उसके शेयरों को अर्जित करने के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें निर्गमित नहीं करेगा:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता इन प्रयोजनों से पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन करने के लिए पात्र होगा, यदि ऐसी ऋण लिखतों के संपरिवर्तन की अवधि ऐसी ऋण लिखतों के निर्गमन की तारीख से अठारह महीने से कम हो।

### वारंटों का निर्गमन

**13.** निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में वारंटों का निर्गमन के लिए पात्र होगा, बशर्ते कि निम्नलिखित का पालन किया जाए:

(क) ऐसे वारंटों की अवधि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में उनके आबंटन की तारीख से अठारह महीनों से अधिक की नहीं होगी;

(ख) निर्धारित प्रतिभूति के साथ एक या एक से अधिक वारंट हो सकेंगे;

(ग) वारंटों की प्रयोग कीमत तय करने के लिए कीमत या फॉर्मूला पहले ही तय कर लिया जाएगा तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा और प्रयोग कीमत के आधार पर कम से कम पच्चीस प्रतिशत प्रतिफल की रकम भी पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी:

**परंतु यह कि** यदि वारंट की प्रयोग कीमत फॉर्मूला पर आधारित हो, तो उसके साथ के इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के लिए तय किए गए मूल्य दायरे की उच्चतम कीमत (केप प्राइस) के आधार पर पच्चीस प्रतिशत प्रतिफल की रकम पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी।

(घ) यदि वारंटधारक, प्रतिफल की रकम अदा किए जाने की तारीख से तीन महीनों के भीतर, स्वयं द्वारा धारित वारंटों में से किसी वारंट की एवज में इक्विटी शेयर लेने के विकल्प का प्रयोग नहीं करता है, तो ऐसे वारंटों की बाबत दिया गया ऐसा प्रतिफल निर्गमकर्ता द्वारा जब्त (फोर्फीट) कर लिया जाएगा।

## भाग-III — संप्रवर्तकों का अंशदान

### संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान

**14.** (1) निर्गमकर्ता का संप्रवर्तक निर्गम के पश्चात् की पूँजी का कम से कम बीस प्रतिशत धारण करेगा:

**परंतु यह कि** यदि संप्रवर्तकों की निर्गम के पश्चात् की शेयरधारिता बीस प्रतिशत से कम हो, तो आनुकल्पिक निवेश निधियाँ या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्थाएँ या भारतीय बीमा और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनियाँ संप्रवर्तकों के लिए यथा-निर्धारित न्यूनतम अंशदान में रही कमी को पूरा करने के लिए अंशदान (निर्गम के पश्चात् की पूँजी के अधिकतम दस प्रतिशत के अध्यक्षीन) कर सकेंगी किंतु उनकी पहचान संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) के रूप में नहीं की जाएगी।

**परंतु यह और कि** संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की अपेक्षा वहाँ लागू नहीं होगी, जहाँ निर्गमकर्ता में कोई पहचानयोग्य संप्रवर्तक न हो।

(2) संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान निम्नानुसार होगा:

(क) संप्रवर्तक, यथास्थिति, या तो इक्विटी शेयरों के रूप में या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के रूप में, उप-विनियम (1) में यथा-निर्धारित बीस प्रतिशत का अंशदान करेंगे:

**परंतु यह कि** यदि संपरिवर्तन के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयरों की कीमत पहले ही तय न की गई हो और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट न की गई हो, तो संप्रवर्तक सार्वजनिक निर्गम के जरिए निर्गमित की जा रही संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के रूप में ही अंशदान करेंगे और ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में इक्विटी शेयरों में अभिदान करने का लिखित में वचन देंगे।

(ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों, जिनका अलग-अलग तारीखों को संपरिवर्तन या विनिमय किया जाएगा, के किसी निर्गमन के मामले में और यदि संप्रवर्तकों का अंशदान इक्विटी शेयरों (जिनकी संपरिवर्तन कीमत पहले से ही तय की चुकी हो) के रूप में हो, तो ऐसा अंशदान उस कीमत पर नहीं होगा जो ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन से मिलने वाली इक्विटी शेयर पूंजी की भारित औसत कीमत (वेटेड एवरेज प्राइस) से कम हो।

(ग) उपरोक्त खंड (क) तथा (ख) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, इक्विटी शेयरों के पूर्व सार्वजनिक निर्गम के बिना संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, संप्रवर्तक इक्विटी शेयरों के रूप में परियोजना (प्रोजेक्ट) की लागत का कम से कम बीस प्रतिशत का अंशदान लाएंगे, बशर्ते कि निर्गम के आकार के कम से कम बीस प्रतिशत का अंशदान इक्विटी शेयरों के रूप में उनकी स्वयं की निधियों (फंड्स) से किया जाए:

**परंतु यह कि** यदि परियोजना का कार्यान्वयन चरणों में किया जाना हो, तो संप्रवर्तकों का अंशदान किसी अमुक चरण तक सार्वजनिक निर्गम के जरिए जुटाई गए ऋण या जुटाए जाने के लिए प्रस्तावित ऋण के अनुसरण में कुल इक्विटी सहभागिता के अनुरूप होगा।

(3) संप्रवर्तक निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम एक दिन पहले इस विनियम की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे।

(4) यदि संप्रवर्तकों को संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान हेतु इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान करना (पैसा लगाना / सब्सक्रिप्शन करना) पड़े, तो संप्रवर्तकों के अंशदान की रकम अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में निलंब खाते (एस्करो अकाउंट) में रखी जाएगी, और जो निर्गम से आए पैसे के साथ निर्गमकर्ता को सौंप दी जाएगी:

**परंतु यह कि** जहाँ संप्रवर्तकों का अंशदान पहले से ही लाया जा चुका हो और उसका उपयोग किया जा चुका हो, वहाँ निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में नकदी प्रवाह विवरण (कैश फ्लो स्टेटमेंट) देगा, जिसमें ऐसी निधियों (फंड्स) के उपयोग को प्रकट किया गया हो:

**परंतु यह और कि** जहाँ संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान एक सौ करोड़ रुपये से अधिक हो और आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव अंशतः संदत्त शेयरों के लिए हो, वहाँ संप्रवर्तक निर्गम के खुलने की तारीख से पहले कम से कम एक सौ करोड़ रुपये लाएंगे और बाकी की रकम, जनता से मांग किए जाने से पहले, आनुपातिक आधार पर लाई जा सकेगी।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ:

(I) संप्रवर्तकों के अंशदान की गणना निर्गम के पश्चात् की बड़ी हुई पूंजी के आधार पर की जाएगी:

(क) यह मानते हुए कि संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों का इक्विटी शेयरों में पूरा संपरिवर्तन हो गया है, जैसा कि प्रस्ताव किया गया था;

(ख) यह मानते हुए कि जहाँ कोई कर्मचारी स्टॉक विकल्प विनियम 5 के उप-विनियम (2) के परंतुक (क) के अनुसार आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के समय बकाया हों, वहाँ सभी निहित विकल्पों (वैस्टेड ऑप्शन्स) का प्रयोग कर लिया गया है।

(II) "भारित औसत कीमत" की गणना के लिए:

(क) "भार" से विभिन्न चरणों में ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तन से मिलने वाले इक्विटी शेयरों की संख्या अभिप्रेत है;

(ख) "कीमत" से संपरिवर्तन हो जाने पर इक्विटी शेयरों की वह कीमत अभिप्रेत है, जो विभिन्न चरणों में पहले से तय की गई संपरिवर्तन कीमत पर विचार करने के बाद निकाली गई हो।

**संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के लिए अपात्र प्रतिभूतियाँ**

**15. (1)** संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की गणना के लिए, निम्नलिखित निर्धारित प्रतिभूतियाँ पात्र नहीं होंगी:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान अर्जित निर्धारित प्रतिभूतियाँ, यदि:



- (i) उन्हें नकद से भिन्न प्रतिफल (कन्सिडरेशन)के लिए अर्जित किया गया हो और ऐसे लेनदेन (ट्रांजैक्शन) में आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन (रीवैल्यूएशन) या अमूर्त आस्तियों (इन्टैन्जिबल असेट्स) का पूंजीकरण शामिल हो ; या
- (ii) वे निर्गमकर्ता की पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों (रीवैल्यूएशन रिज़र्व्स) या अप्राप्त लाभों का उपयोग करके लाए गए बोनस निर्गम अथवा इक्विटी शेयरों (जो संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के लिए पात्र न हों) के प्रति लाए गए बोनस निर्गम का हिस्सा हों;
- (ख) पिछले एक वर्ष के दौरान संप्रवर्तकों और आनुकल्पिक निवेश निधियों या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों या लोक वित्तीय संस्थाओं या भारतीय बीमा और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनियों द्वारा उस कीमत से कम कीमत पर अर्जित निर्धारित प्रतिभूतियाँ, जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव जनता को आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के जरिए किया जा रहा हो:

**परंतु यह कि** इस खंड में दी हुई कोई भी बात लागू नहीं होगी:

- (i) यदि संप्रवर्तक और आनुकल्पिक निवेश निधियाँ (जो भी लागू हों) जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के जरिए किया जा रहा हो उस कीमत और जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियाँ अर्जित की गई हों उस कीमत के बीच जितनी रकम का फर्क हो उतनी रकम निर्गमकर्ता को अदा करते हैं;
- (ii) यदि ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत मंजूर की गई स्कीम [जिसे उच्च न्यायालय या अधिकरण (ट्रायब्युनल) या केंद्रीय सरकार (जो भी लागू हो) द्वारा मंजूर किया गया हो] के अनुसार संप्रवर्तकों द्वारा उस कारबार तथा निवेश की गई पूँजी की एवज में अर्जित किए गए थे, जो ऐसी मंजूरी से पहले एक वर्ष से अधिक की अवधि तक मौजूद रही हो;
- (iii) उस सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण (स्टैट्यूटरी अथॉरिटी) या निगम (कारपोरेशन) या उनमें से किसी के द्वारा बनाए गए किसी विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पज वीहिकल) के 'आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव' के प्रति, जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो;
- (ग) यदि कोई निर्गमकर्ता एक या एक से अधिक भागीदारी फर्मों या सीमित दायित्व भागीदारियों के संप्रवर्तन से बना हो, जहाँ पहले की भागीदारी फर्मों या सीमित दायित्व भागीदारियों के भागीदार निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक हों और प्रबंध-मंडल में कोई बदलाव न हुआ हो, तो पिछले एक वर्ष के दौरान निर्गम कीमत से कम कीमत पर संप्रवर्तकों और आनुकल्पिक निवेश निधियों को आबंटित निर्धारित प्रतिभूतियाँ [जो उस अवधि के दौरान उनके द्वारा लाई गई निधियों (फंड्स) की एवज में आबंटित की गई हों]:

**परंतु यह कि** ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ पात्र होंगी, जो सतत आधार पर एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए ऐसी फर्मों में मौजूद पूँजी की एवज में संप्रवर्तकों को आबंटित की गई हों;

- (घ) किसी लेनदार के पास गिरवी रखी हुई निर्धारित प्रतिभूतियाँ ।

(2) उप-विनियम (1) के खंड (क) तथा (ग) में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों के अंशदान की गणना के लिए पात्र होंगी, यदि ऐसी प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत अधिकरण (ट्रायब्युनल) या केंद्रीय सरकार द्वारा मंजूर स्कीम के अनुसरण में अर्जित की जाती हैं ।

#### **अध्याय-IV: अवरुद्धता (लॉक-इन) और अंतरणीयता (ट्रांसफरेबिलिटी) के संबंध में पाबंदियाँ**

##### **संप्रवर्तकों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)**

**16.** संप्रवर्तकों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों का अंतरण (ट्रांसफर) यहाँ नीचे उल्लिखित अवधियों के लिए नहीं किया जा सकेगा:

- क) संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान [जिसमें विनियम 14 के उप-विनियम (1) के परंतुक में यथा उल्लिखित आनुकल्पिक निवेश निधियों या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों या लोक वित्तीय संस्थाओं या भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनियों द्वारा किया गया अंशदान शामिल है]

वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख या आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख (जो भी बाद में हो) से तीन वर्षों की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएगा;

ख) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान से अधिक संप्रवर्तकों की धारिता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध हो जाएगी।

**स्पष्टीकरण:** इस खंड के प्रयोजनार्थ, शब्दों "वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख" से उस महीने की अंतिम तारीख अभिप्रेत है जिस महीने में परियोजना (प्रोजेक्ट) [जिसके लिए जुटाए गए पैसों का उपयोग उस तरह से किए जाने का प्रस्ताव हो, जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लेख किया गया हो] का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

### संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

**17.** संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित निर्गम से पूर्व की पूरी पूँजी आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध हो जाएगी:

**परंतु यह कि** इस विनियम में दी हुई कोई भी बात:

क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव से पहले निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के तहत कर्मचारियों (चाहे वे वर्तमान में कर्मचारी हो या न हों) को आबंटित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी, यदि निर्गमकर्ता ने **अनुसूची-VI** के **भाग क** के अनुसार ऐसे विकल्पों या स्कीम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण कर दिए हों;

ख) कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अनुसार, कर्मचारी स्टॉक विकल्प न्यास (ऑप्शन ट्रस्ट) द्वारा धारित या कर्मचारियों (चाहे वे वर्तमान में कर्मचारी हो या न हों) द्वारा विकल्पों का प्रयोग किए जाने के अनुसरण में कर्मचारी स्टॉक विकल्प न्यास द्वारा कर्मचारियों को अंतरित (ट्रांसफर) किए गए इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी:

**परंतु यह कि** कर्मचारियों को आबंटित किए गए इक्विटी शेयर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी फायदे) विनियम, 2014 [सेबी (शेयर बेस्ड एम्प्लॉई बेनिफिट्स) रेग्यूलेशन, 2014] में यथा-निर्धारित अवरुद्धता (लॉक-इन) के प्रावधानों के अध्वधीन होंगे।

ग) जोखिम पूँजी निधि या आनुकल्पिक निवेश निधि (प्रवर्ग-I या प्रवर्ग-II की) या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक द्वारा धारित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी:

**परंतु यह कि** ऐसे इक्विटी शेयर जोखिम पूँजी निधि या आनुकल्पिक निवेश निधि या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक द्वारा खरीद की तारीख से कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगे।

**स्पष्टीकरण:** खंड (ग) के प्रयोजनार्थ, यदि ऐसे इक्विटी शेयर पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संप्रिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संप्रिवर्तन के अनुसरण में संप्रिवर्तित हुए हों, तो एक वर्ष की अवधि की गणना करने के प्रयोजनार्थ ऐसी संप्रिवर्तनीय प्रतिभूतियों को और साथ ही संप्रिवर्तित इक्विटी शेयरों को धारण करने की अवधि पर एक साथ विचार किया जाएगा और संप्रिवर्तनीय प्रतिभूतियों को पूर्णतः समादत्त समझा जाएगा, यदि उनके संबंध में अदा किया जाने वाला पूरा प्रतिफल अदा कर दिया गया हो तथा कोई और प्रतिफल उनके संप्रिवर्तन के समय देय न हो।

### ग्रीन शू विकल्प के अंतर्गत स्थिरीकरण (स्टैबिलाइज़िंग) एजेंट को उधार दी गई निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

**18.** अवरुद्धता (लॉक-इन) संबंधी प्रावधान ग्रीन शू विकल्प के प्रयोजनार्थ स्थिरीकरण एजेंट को उधार दी गई निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में, ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों को उधार दिए जाने की तारीख से शुरू होने वाली तथा उस तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान लागू नहीं होंगे, जिस तारीख को वे विनियम 57 के उप-विनियम (5) या (6) के अनुसार उधारदाता को लौटाई जाती हैं:

**परंतु यह कि** निर्धारित प्रतिभूतियाँ उस तारीख से बाकी की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगी, जिस तारीख को वे उधारदाता को लौटाई जाती हैं।

### अंशतः समादत्त प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

**19.** यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ [जो अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्वधीन हों] अंशतः समादत्त हों और ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में मांगी गई रकम जनता के लिए निर्गमित (जारी) की गई निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में मांगी गई

रकम से कम हो, वहाँ अवरुद्धता (लॉक-इन), ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के जनता को निर्गमित निर्धारित प्रतिभूतियों जैसी ही हो जाने के तीन वर्षों के बाद ही समाप्त होगी।

#### **अनंतरणीयता (नॉन-ट्रांसफरेबिलिटी) का अंकन या उसे दर्ज करना**

**20.** निर्धारित प्रतिभूतियों, जो अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यक्षीन हैं, के प्रमाणपत्रों पर यह अंकित होगा कि वे "अनंतरणीय" (नॉन-ट्रांसफरेबल) हैं तथा अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि का उल्लेख होगा और यदि ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में हों, तो निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि अवरुद्धता (लॉक-इन) निक्षेपागार द्वारा दर्ज कर ली जाए।

#### **रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी**

**21.** संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा रुद्ध (लॉकड-इन) निर्धारित प्रतिभूतियों को किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था या प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी या आवास वित्त कंपनी द्वारा दिए गए ऋण (उधार) हेतु संपार्श्विक प्रतिभूति (कोलैटरल सिक्यूरिटी) के रूप में गिरवी रखा जा सकेगा, बशर्ते कि:

क) यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ विनियम 16 के खंड (क) के अनुसार रुद्ध हों, तो ऋण निर्गमकर्ता कंपनी या उसकी समनुषंगी (समनुषंगियों) को, निर्गम के किसी एक उद्देश्य या एक से अधिक उद्देश्यों के संबंध में वित्तपोषण करने के प्रयोजनार्थ दिया गया हो और निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक हो;

ख) यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ विनियम 16 के खंड (ख) के अनुसार रुद्ध हों और निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक हो:

**परंतु यह कि** ऐसी अवरुद्धता (लॉक-इन) गिरवी को लागू कराए जाने के अनुसरण में जारी रहेगी और ऐसा अंतरिती (ट्रांसफरी / जिसे अंतरण किया गया हो) तब तक निर्धारित प्रतिभूतियों का अंतरण (को ट्रांसफर) करने के लिए पात्र नहीं होगा, जब तक इन विनियमों में दी हुई अवरुद्धता की अवधि समाप्त न हो जाए।

#### **रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियों की अंतरणीयता**

**22.** भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के प्रावधानों के अध्यक्षीन, संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा विनियम 16 के अनुसार रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ दूसरे संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह के किसी व्यक्ति या नए संप्रवर्तक को अंतरित की जा सकेंगी और संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित तथा विनियम 17 के अनुसार रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ किसी अन्य व्यक्ति, जिसके पास रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ हों, को अंतरित की जा सकेंगी:

**परंतु यह कि** ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता (लॉक-इन) बाकी की अवधि के लिए अंतरिती (ट्रांसफरी / जिसे अंतरण किया गया हो) के पास जारी रहेगी और ऐसा अंतरिती तब तक उनका अंतरण (उनको ट्रांसफर) करने के लिए पात्र नहीं होगा, जब तक इन विनियमों में दी हुई अवरुद्धता की अवधि समाप्त न हो जाए।

#### **भाग-V: अग्रणी प्रबंधकों, अन्य मध्यवर्तियों और अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) की नियुक्ति**

**23.** (1) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक मर्चेट बैंककारों (बैंकर्स) को निर्गम (इश्यू) के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) [लीड मैनेजर] के रूप में नियुक्त करेगा।

(2) जहाँ निर्गम का कामकाज एक से अधिक अग्रणी प्रबंधक द्वारा देखा जाता हो, वहाँ, *अन्य बातों के साथ-साथ*, प्रकटीकरणों, आबंटन, पैसा लौटाए जाने (रिफंड) तथा हामीदारी (अंडरराइटिंग) संबंधी बाध्यताओं, यदि कोई हों, से संबंधित प्रत्येक अग्रणी प्रबंधक के अधिकारों, उसकी बाध्यताओं तथा जिम्मेदारियों को पहले ही तय कर लिया जाएगा और जिन्हें प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा, जैसा **अनुसूची-I** में उल्लेख किया गया है।

(3) निर्गम का कम से कम एक अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) [जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992 के तहत परिभाषित है] नहीं होगा और यदि कोई अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी हो, तो वह स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयोगी के रूप में प्रकट करेगा और उसकी भूमिका निर्गम की मार्केटिंग (के विपणन) तक ही सीमित रहेगी।

(4) निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा अन्य मध्यवर्तियों की बाध्यताओं को निभाने की क्षमता का स्वतंत्र रूप से आकलन करने के बाद, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत अन्य मध्यवर्तियों को नियुक्त करेगा।

(5) निर्गमकर्ता **अनुसूची-II** में निर्धारित फॉर्मेट में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के साथ करार (एग्रीमेंट) करेगा, और अन्य मध्यवर्तियों के साथ करार करेगा, जैसा संबंधित मध्यवर्ती के लिए लागू संबंधित विनियमों के तहत अपेक्षित है :

**परंतु यह कि** ऐसे करारों में ऐसे अन्य खंड शामिल किए जा सकेंगे, जो निर्गमकर्ता तथा मध्यवर्ती ठीक समझें, किंतु जिसमें अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 2013 या कंपनी अधिनियम, 1956 (जहाँ तक लागू हो), प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उनके तहत बनाए गए नियमों तथा विनियमों या किसी कानूनी संशोधन या उनकी कानूनी अधिनियमिति के तहत अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), अन्य मध्यवर्तियों और निर्गमकर्ता के दायित्व और बाध्यताएँ किसी भी तरह से कम न हों या सीमित न हों:

**परंतु यह और कि** निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) संबंधी प्रक्रिया के मामले में, निर्गमकर्ता स्व-प्रमाणित (सेल्फ-सर्टिफाइड) सिंडिकेट बैंकों के साथ निर्गमकर्ता के डीम्ड एग्रीमेंट (समझे गए करार) को ध्यान में रखेगा।

(6) निर्गमकर्ता, बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम के मामले में, सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) को और किसी अन्य निर्गम के मामले में, निर्गमन बैंकारों (बैंकर टू इश्यू) को केन्द्रों में उसी प्रकार नियुक्त करेगा, जैसा **अनुसूची-XII** में उल्लेख किया गया है।

(7) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत उस निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू) को नियुक्त करेगा, जो सभी निक्षेपागारों से जुड़ा हुआ हो:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता स्वयं रजिस्ट्रार हो, तो वह स्वयं को निर्गम रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त नहीं करेगा:

**परंतु यह और कि** अग्रणी प्रबंधक उस निर्गम के रजिस्ट्रार के रूप में कार्य नहीं करेगा जिसमें वह निर्गम के पश्चात् की जिम्मेदारियाँ भी संभाल रहा हो।

(8) निर्गमकर्ता अनुपालन अधिकारी को नियुक्त करेगा, जो प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉ) के पालन पर निगरानी रखने और निवेशकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिम्मेदार होगा।

#### **भाग-VI: प्रस्ताव दस्तावेजों में प्रकटीकरण और उन्हें दाखिल किया जाना**

##### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण**

**24. (1)** प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में वे सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण शामिल किए जाएंगे जो सही और पर्याप्त हों, ताकि आवेदक निवेश के संबंध में सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

(2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस, और प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित शामिल होंगे:

(क) कंपनी अधिनियम, 2013 में उल्लिखित प्रकटीकरण; और

(ख) **अनुसूची-VI** के **भाग-क** में उल्लिखित प्रकटीकरण।

(3) अग्रणी प्रबंधक पूरी तत्परता बरतेगा (बरतेंगे) और निर्गम के समस्त पहलुओं के मद्देनज़र अपनी संतुष्टि कर लेंगे, जिनके अंतर्गत प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों की सत्यता और पर्याप्तता शामिल है।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता, उसके संप्रवर्तकों तथा उसके निदेशकों या 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' के मामले में 'विक्रय करने वाले शेयरधारकों' से यह अपेक्षा करेगा (करेंगे) कि वे अपनी उन बाध्यताओं को पूरा करें, जो उनके द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गई हों और जैसा इन विनियमों के अनुसार अपेक्षित हो।

(5) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में दी हुई जानकारी और प्रस्ताव दस्तावेज में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों (रीस्टेटेड) के अनुसार विवरण निर्गम के खुलने की तारीख से छह महीनों से अधिक पुराने न हों।

##### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया जाना**

**25. (1)** आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने से पहले, निर्गमकर्ता प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की तीन प्रतियाँ, **अनुसूची-IV** के अनुसार, **अनुसूची-III** में यथा-निर्धारित फीस के साथ, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से, बोर्ड के उस संबंधित प्रादेशिक कार्यालय में दाखिल करेगा, जिसके क्षेत्राधिकार में निर्गमकर्ता कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो।

(2) अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ बोर्ड को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

- क) प्रमाणपत्र, जिसमें यह पुष्टि की जाए कि निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच करार (एग्रीमेंट) कर लिया गया है;
- ख) **अनुसूची-V** के भाग-क के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलिजेंस सर्टिफिकेट);
- ग) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के मामले में, **अनुसूची-V** के भाग-ख के अनुसार डिबेंचर न्यासी से पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र;
- (3) निर्गमकर्ता उस स्टॉक एक्सचेंज (उन स्टॉक एक्सचेंजों) के पास भी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव हो और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास, उसके संप्रवर्तकों की (जहाँ वे व्यक्ति हों) स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या तथा पासपोर्ट संख्या और जहाँ संप्रवर्तक निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) हों, वहाँ स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या, कंपनी रजिस्ट्रीकरण संख्या या वैसी ही कोई अन्य संख्या और उस कंपनी रजिस्ट्रार का पता जिसके पास संप्रवर्तक रजिस्ट्रीकृत हो, प्रस्तुत करेगा।
- (4) बोर्ड, निम्नलिखित तारीखों में से जो अंतिम तारीख हो उस तारीख से तीस दिनों के भीतर, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख कर सकेगा या अभिमत जारी कर सकेगा, यदि कोई हों:
- क) उप-विनियम (1) के तहत प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की प्राप्ति की तारीख; या
- ख) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से संतोषजनक उत्तर की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने उनसे कोई स्पष्टीकरण मांगा हो या अतिरिक्त जानकारी मांगी हो; या
- ग) किसी विनियामक या एजेंसी से स्पष्टीकरण या जानकारी की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने ऐसे विनियामक या एजेंसी से कोई स्पष्टीकरण मांगा हो या जानकारी मांगी हो; या
- घ) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा जारी किए गए सैद्धांतिक मंजूरी पत्र की प्राप्ति की तारीख।
- (5) यदि बोर्ड प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख करता है या अभिमत जारी करता है, तो निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसे परिवर्तन करेंगे और बोर्ड के पास अपडेट किया हुआ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (जिसमें प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए सभी परिवर्तनों को हाइलाइट करके दर्शाया गया हो), यथास्थिति, कंपनी रजिस्ट्रार या उपयुक्त प्राधिकरण, जो भी लागू हो, के पास प्रस्ताव दस्तावेजों को रजिस्टर या दाखिल करने से पहले प्रस्तुत करेंगे।
- (6) यदि **अनुसूची-XVI** में उल्लिखित विषयों के संबंध में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में कोई परिवर्तन हुए हों, तो, यथास्थिति, अपडेट किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज या नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास **अनुसूची-III** में उल्लिखित फीस के साथ दाखिल किया जाएगा।
- (7) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने के बाद, प्रस्ताव दस्तावेजों की प्रति अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास भी जल्द से जल्द दाखिल की जाएगी।
- (8) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज की सॉफ्ट कॉपी भी बोर्ड को दी जाएगी।
- (9) अग्रणी प्रबंधक बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने के पश्चात् या यदि बोर्ड ने अभिमत जारी न किए हों तो विनियम 25 के उप-विनियम (4) में निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात्, बोर्ड को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा (करेंगे):
- क) यह प्रमाणित करते हुए कथन कि बोर्ड द्वारा किए गए सभी परिवर्तनों, दिए गए सभी सुझावों तथा अभिमतों को प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल कर लिया गया है;
- ख) प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने के समय, **अनुसूची-V** के भाग-ग के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र;
- ग) निर्गम के खुलने से पहले, संप्रवर्तकों से अंशदान के रूप में प्राप्त रकम की एवज में संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) को निर्धारित प्रतिभूतियाँ आबंटित करने के लिए निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा पारित किए गए संकल्प की प्रति;
- घ) निर्गम के खुलने से पहले, यह प्रमाणित करते हुए कानूनी लेखापरीक्षक (स्टैट्यूटरी ऑडिटर) का प्रमाणपत्र कि संप्रवर्तकों का अंशदान इन विनियमों के अनुसार प्राप्त हो गया है, जिसके साथ उन संप्रवर्तकों के नाम तथा पते दिए जाएँ जिन्होंने

संप्रवर्तकों के अंशदान में योगदान दिया हो और जिसके साथ ऐसे अंशदान हेतु उनमें से प्रत्येक द्वारा अदा की गई तथा निर्गमकर्ता के बैंक खाते में जमा की गई रकम के व्यौरे भी दिए जाएँ;

- ड) जब निर्गमकर्ता ने **अनुसूची-IX** के पैरा 4 के अनुसरण में सार्वजनिक सूचना जारी करके किसी महत्वपूर्ण घटना का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किया हो, तो **अनुसूची-V** के **फॉर्म-घ** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र।

#### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज जनता को उपलब्ध कराया जाना**

**26. (1)** बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज टिप्पणियों (यदि कोई हों) हेतु उसे दाखिल किए जाने की तारीख से कम से कम इक्कीस दिनों की अवधि तक, बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंजों (जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव है) और निर्गम से जुड़े अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के वेबसाइटों पर डालकर सार्वजनिक किया जाएगा।

(2) निर्गमकर्ता, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से दो दिनों के भीतर, व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, में एक सार्वजनिक घोषणा करेगा, जिसमें बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने का तथ्य प्रकट किया जाए और जिसके जरिए जनता को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों (**डिस्क्लोज़र**) के संबंध में बोर्ड, निर्गमकर्ता या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए आमंत्रित किया जाए।

(3) अग्रणी प्रबंधक, उप-विनियम (1) में निर्धारित अवधि के समाप्त होने के पश्चात्, उस अवधि के दौरान प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में उनके द्वारा या निर्गमकर्ता द्वारा जनता से प्राप्त टिप्पणियों तथा उन परिवर्तनों, यदि कोई हों, के व्यौरे बोर्ड के पास प्रस्तुत करेगा (करेंगे), जो तदनुसार प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए जाने अपेक्षित हों।

(4) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्ताव दस्तावेज वेबसाइटों पर डाल दिए जाएँ, जैसा कि इन विनियमों के तहत अपेक्षित है और उनकी विषय-वस्तु वही हो जो कंपनी रजिस्ट्रार, बोर्ड तथा स्टॉक एक्सचेंजों, जो लागू हों, के पास दाखिल किए गए प्रस्ताव दस्तावेजों में थी।

(5) जब कभी अनुरोध किया जाए, तब अग्रणी प्रबंधक और स्टॉक एक्सचेंज जनता को प्रस्ताव दस्तावेज की प्रतियाँ उपलब्ध कराएँगे और इसकी प्रति उपलब्ध कराने के लिए वे उपयुक्त शुल्क ले सकते हैं।

#### **भाग-VII - कीमत-निर्धारण**

##### **इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य**

**27.** मूल्य दायरे या निर्गम कीमत के साथ-साथ इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य के बारे में प्रकटीकरण प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, प्रस्ताव दस्तावेज, विज्ञापनों और आवेदन फॉर्मों में एकसमान फॉण्ट के आकार में किया जाएगा।

##### **कीमत-निर्धारण**

**28. (1)** निर्गमकर्ता, यथास्थिति, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से या बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से इक्विटी शेयरों की कीमत, और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के मामले में कूपन दर तथा संपरिवर्तन कीमत (कन्वर्जन प्राइस) तय कर सकेगा।

(2) निर्गमकर्ता बही-निर्माण प्रक्रिया उसी प्रकार अपनाएँगे, जैसा **अनुसूची-XIII** में निर्धारित है।

##### **कीमत और मूल्य दायरा**

**29. (1)** निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) में कीमत या मूल्य दायरे का तथा प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) में निम्नतम कीमत (फ्लोर प्राइस) या मूल्य दायरे का उल्लेख कर सकेगा और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर करने से पहले बाद में किसी तारीख को कीमत तय कर सकेगा:

**परंतु यह कि** कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर किए गए प्रॉस्पेक्टस में, यथास्थिति, केवल एक कीमत या विशिष्ट कूपन दर का उल्लेख होगा।

(2) मूल्य दायरे, और संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के मामले में कूपन दर, पर उच्चतम सीमा निम्नतम कीमत के एक सौ बीस प्रतिशत से कम या के बराबर होगी।

- (3) निम्नतम कीमत या अंतिम कीमत निर्धारित प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य से कम नहीं होगी।
- (4) जहाँ निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा प्रकट न करने का विकल्प चुनता हो, वहाँ निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने से कम से कम दो कार्य-दिवसों पहले निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे की घोषणा, उन्हीं समाचारपत्रों में करेगा जिनमें निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी किया गया था या निर्गम से पूर्व जारी किए जाने वाले विज्ञापन के साथ उस फॉर्मेट में करेगा जो **अनुसूची-X** के भाग-क के अंतर्गत दिया हुआ है।
- (5) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा के अंतर्गत मूल्य दायरे की ऊपरी तथा निचली सीमा दोनों के लिए निकाले गए सुसंगत वित्तीय अनुपात शामिल होंगे और ऐसा कथन भी शामिल होगा जो प्रस्ताव प्रस्तावेज में “निर्गम कीमत के आधार” से संबंधित शीर्षक वाले खंड की तरफ निवेशकों का ध्यान खींचे।
- (6) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा और उप-विनियम (5) में उल्लिखित सुसंगत वित्तीय अनुपात स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर प्रकट किए जाएंगे और जो स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने वाले आवेदन फॉर्मों में पहले से भरे हुए भी होंगे।

### अलग-अलग कीमतें

**30. (1)** निर्गमकर्ता अलग-अलग कीमतों पर अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव ला सकेगा, बशर्ते कि:

- क) विनियम 33 के तहत किए गए आरक्षण के लिए छोटे व्यक्तिगत निवेशकों या छोटे व्यक्तिगत शेयरधारकों या हकदार कर्मचारियों के लिए ऐसी कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जा सकेगा, जो उस कीमत के दस प्रतिशत से ज्यादा कम नहीं होगा जिस पर एंकर निवेशकों को छोड़कर अन्य वर्गों के आवेदकों के लिए शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) लाया जाता हो।
- ख) बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, एंकर निवेशकों के लिए जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जाता है, वह कीमत अन्य आवेदकों के लिए लाए जाने वाले प्रस्ताव की कीमत से कम नहीं होगी;
- ग) यदि निर्गमकर्ता **अनुसूची-XIII के भाग-घ** के अनुसार बही-निर्माण की वैकल्पिक प्रक्रिया का विकल्प चुनता है, तो निर्गमकर्ता अपने कर्मचारियों के लिए निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव ऐसी कीमत पर ला सकेगा, जो निम्नतम कीमत के दस प्रतिशत से ज्यादा कम नहीं होगी।

(2) छूट, यदि कोई हो, का उल्लेख प्रस्ताव दस्तावेज में रुपये में किया जाएगा।

### भाग-VIII: निर्गमन की शर्तें और प्रक्रिया

#### जनता के लिए न्यूनतम प्रस्ताव

**31.** जनता के लिए न्यूनतम प्रस्ताव प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खंड (ख) के प्रावधानों के अधीन होगा।

#### शुद्ध प्रस्ताव में आबंटन

**32. (1)** विनियम 6 के उप-विनियम (1) के तहत बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम में, शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन:

- (क) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को पैंतीस प्रतिशत से कम नहीं होगा;
- (ख) गैर-संस्थागत निवेशकों को पंद्रह प्रतिशत से कम नहीं होगा;
- (ग) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, जिसमें से पाँच प्रतिशत का आबंटन पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) को किया जाएगा:

**परंतु यह कि** यदि खंड (क) या खंड (ख) में उल्लिखित वर्गों में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत आबंटन पूरा न हुआ हो, तो किसी अन्य वर्ग में आवेदकों को आबंटन किया जा सकेगा:

**परंतु यह और कि** खंड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अलावा, पारस्परिक निधियाँ अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए बाकी की उपलब्ध सीमा के तहत आबंटन के लिए पात्र होंगी।

(2) विनियम 6 के उप-विनियम (2) के तहत बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम में, शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन:

(क) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;

(ख) गैर-संस्थागत निवेशकों को पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगा:

(ग) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पचहत्तर प्रतिशत से कम नहीं होगा, जिसमें से पाँच प्रतिशत का आबंटन पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) को किया जाएगा:

**परंतु यह कि** यदि खंड (क) या खंड (ख) में उल्लिखित वर्गों में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत आबंटन पूरा न हुआ हो, तो किसी अन्य वर्ग में आवेदकों को आबंटन किया जा सकेगा:

**परंतु यह और कि** खंड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अलावा, पारस्परिक निधियाँ अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए बाकी की उपलब्ध सीमा के तहत आबंटन के लिए पात्र होंगी।

(3) बही निर्माण-प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम में, निर्गमकर्ता अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित करने के लिए उपलब्ध हिस्से के साठ प्रतिशत तक का आबंटन एकर निवेशकों को, इस संबंध में अनुसूची-XIII में निर्धारित शर्तों के अनुसार, कर सकेगा।

(4) बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से न लाकर किसी अन्य माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम के मामले में, शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन:

i) कम से कम पचास प्रतिशत छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को किया जाएगा; और

ii) बाकी का:

(i) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों से भिन्न व्यक्तिगत आवेदकों को किया जाएगा; और

(ii) अन्य निवेशकों, जिनमें निगमित निकाय (कारपोरेट बॉडी) या संस्थाएँ शामिल हैं, को किया जाएगा, इस बात पर विचार किए बिना कि कितनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया गया है;

**परंतु यह कि** यदि खंड (क) या खंड (ख) में उल्लिखित वर्गों में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत आबंटन पूरा न हुआ हो, तो अन्य वर्ग में आवेदकों को आबंटन किया जा सकेगा:

**स्पष्टीकरण:** उप-विनियम (4) के प्रयोजनार्थ, यदि छोटे व्यक्तिगत निवेशक संबंधी वर्ग अनुपातिक आधार पर निर्गम के आकार के पचास प्रतिशत से अधिक का हकदार हो, तो छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को उतने अधिक प्रतिशत का आबंटन कर दिया जाएगा।

### प्रतियोगी आधार पर आरक्षण

**33. (1)** निर्गमकर्ता निर्गम के आकार (संप्रवर्तकों के अंशदान को छोड़कर) में से निम्नलिखित वर्गों के व्यक्तियों के पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण कर सकेगा:

क) कर्मचारी;

ख) सूचीबद्ध समनुषंगियों (सब्सिडियरी) या सूचीबद्ध संप्रवर्तक कंपनियों के शेषधारक (संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह को छोड़कर):

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), रजिस्ट्रार, सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों तथा कर्मचारियों के लिए और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), रजिस्ट्रार तथा सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), की समूह या सहयुक्त कंपनियों (कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित) तथा उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों एवं कर्मचारियों के लिए कोई आरक्षण नहीं करेगा।

(2) प्रतियोगी आधार पर आरक्षण निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा:

क) कर्मचारियों के लिए कुल आरक्षण निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे और किसी कर्मचारी को किए जाने वाले आबंटन का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगा:



**परंतु यह कि** यदि कर्मचारी के लिए आरक्षित हिस्से में अल्प-अभिदान (अंडर-सब्सक्रिप्शन) हो जाता है, तो ऐसे में जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो उतने हिस्से का आबंटन आनुपातिक आधार पर, दो लाख रुपये से अधिक के मूल्य के लिए, किया जा सकेगा, बशर्ते कि एक कर्मचारी को किया जाने वाला कुल आबंटन पाँच लाख रुपये से अधिक का न हो।

ख) शेयरधारकों के लिए आरक्षण निर्गम के आकार के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;

ग) शुद्ध प्रस्ताव में अभिदान (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) के लिए उन व्यक्तियों (कर्मचारी तथा छोटे व्यक्तिगत शेयरधारक को छोड़कर) द्वारा कोई और आवेदन नहीं किया जा सकता, जिनके पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण किया गया हो;

घ) किसी आरक्षित वर्ग में जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो उतना हिस्सा किसी अन्य आरक्षित वर्ग में जोड़ा जा सकेगा और यदि आरक्षित प्रवर्गों के बीच आपस में ऐसे समायोजनों के बाद भी जितने हिस्से का (यदि कोई हो) अभिदान न हो पाए तो उतने हिस्से को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में जोड़ दिया जाएगा;

ङ) शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में अल्प-अभिदान के मामले में, जितना अल्प-अभिदान हुआ हो उतने हिस्से को आरक्षित वर्ग से शुद्ध प्रस्ताव में डालने की अनुमति दे दी जाएगी।

(3) किसी आरक्षित वर्ग में आवेदन करने वाला कोई आवेदक कितनी भी संख्या में निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन कर सकेगा, किंतु जो उस वर्ग के लिए आरक्षित हिस्से से अधिक न हो।

#### **संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस**

**34. (1)** संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में वे प्रकटीकरण किए जाएँगे, जिनका उल्लेख **अनुसूची-VI के भाग-ड** में किया गया है और उसमें ऐसा कोई विषय शामिल नहीं होगा जो प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु के बाहर का हो।

(2) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वितरित किए जाने वाले प्रत्येक आवेदन फॉर्म के साथ संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की प्रति लगाई जाएगी।

#### **निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.)**

**35.** निर्गमकर्ता केवल निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) की सुविधा का प्रयोग करके लगाई गई बोलियों (बिड्स) को ही स्वीकार करेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

#### **निर्गम संबंधी सामग्री की उपलब्धता**

**36.** अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि स्टॉक एक्सचेंजों, सिंडिकेट सदस्यों, निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू), रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं (शेयर ट्रांसफर एजेंट), निधेपागार सहभागियों (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट), स्टॉक दलालों, हामीदारों (अंडरराइटर), निर्गमन बैंकारों (बैंकर टू इश्यू) तथा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को प्रस्ताव दस्तावेज तथा निर्गम संबंधी अन्य सामग्री निर्गम के खुलने से पहले उपलब्ध करा दी जाए।

#### **प्रोत्साहनों पर रोक**

**37.** निर्गम से जुड़ा कोई भी व्यक्ति आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आवेदन करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रोत्साहन की, चाहे नकद रूप में या वस्तु रूप में या सेवाओं में या किसी अन्य रूप में, किसी भी प्रकार (चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से) पेशकश नहीं करेगा, किंतु निर्गम के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं के लिए फीस या कमीशन अदा किया जा सकेगा।

#### **जमानती जमा (सिक्यूरिटी डिपॉजिट)**

**38. (1)** निर्गमकर्ता, अभिदान (सब्सक्रिप्शन) सूची के खुलने से पहले, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास वह रकम जमा करेगा, जिसकी गणना जनता को अभिदान हेतु उपलब्ध निर्गम के आकार के एक प्रतिशत की दर से की जाएगी और जो बोर्ड और/या स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा निर्धारित तरीके से जमा की जाएगी।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित रकम उसी प्रकार लौटाई जाएगी या जब्त (समपहृत) की जाएगी, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### आईपीओ ग्रेडिंग

**39.** निर्गमकर्ता अपने आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव हेतु बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक साख निर्धारण एजेंसियों (क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों) से ग्रेडिंग प्राप्त कर सकेगा।

### हामीदारी

**40. (1)** यदि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (जो बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से न लाया जाए) लाने वाला निर्गमकर्ता निर्गम की हामीदारी करवाने को इच्छुक हो, तो वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के अनुसार हामीदारों को नियुक्त करेगा।

(2) यदि निर्गमकर्ता बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से सार्वजनिक निर्गम लाता है,

क) निर्गम की हामीदारी अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) द्वारा की जाएगी:

**परंतु यह कि** शुद्ध प्रस्ताव के कम से कम पचहत्तर प्रतिशत [जिसे विनियम 6 के उप-विनियम (2) में निर्धारित पात्रता की शर्तों का पालन करने के प्रयोजनार्थ अर्हित संस्थागत क्रेताओं को अनिवार्य रूप से आबंटित किए जाने का प्रस्ताव हो] की हामीदारी नहीं की जा सकती।

ख) निर्गमकर्ता, प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के साथ हामीदारी करार करेगा, जिसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या का उल्लेख होगा जिनमें वे निर्गम में अल्प-अभिदान होने की दशा में पहले से तय की गई कीमत पर अभिदान करेंगे (पैसा लगाएंगे)।

ग) यदि सिंडिकेट सदस्य अपनी हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता है (रहते हैं), तो अग्रणी प्रबंधक हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करेगा (करेंगे)।

घ) अपनी हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करने के सिवाय, अग्रणी प्रबंधक और सिंडिकेट सदस्य किसी भी प्रकार से निर्गम में अभिदान नहीं करेंगे (पैसा नहीं लगाएंगे)।

ङ) प्रत्येक निर्गम (जिसकी हामीदारी की जानी हो) के मामले में, अग्रणी प्रबंधक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंकर) विनियम, 1992 में यथा-निर्धारित न्यूनतम हामीदारी की बाध्यताओं का जिम्मा लेगा (लेंगे)।

च) जहाँ निर्गम की हामीदारी (अंडरराइटिंग) करना जरूरी हो, वहाँ कम से कम न्यूनतम अभिदान के संबंध में हामीदारी करने की बाध्यता होगी।

### अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी

**41. (1)** यदि निर्गम (इश्यू) का आकार [‘विक्रय करने वाले शेयरधारकों’ द्वारा लाए जाने वाले ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ (ऑफर फॉर सेल) के आकार को छोड़कर] एक सौ करोड़ रुपये से अधिक हो जाता हो, तो निर्गमकर्ता (इश्युअर) निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) के उपयोग के लिए व्यवस्थाएँ करेगा, जिसका अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) लोक वित्तीय संस्था द्वारा या निर्गमकर्ता के बैंकरों के रूप में प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक द्वारा किया जाएगा :

**परंतु यह कि** इस खंड में दी हुई कोई भी बात बैंक या लोक वित्तीय संस्था या बीमा कंपनी द्वारा लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) के निर्गम (इश्यू) पर लागू नहीं होगी।

(2) अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी निर्गमकर्ता (इश्युअर) को अपनी रिपोर्ट **अनुसूची-XI** के अंतर्गत दिए हुए फॉर्मेट में तिमाही आधार पर तब तक प्रस्तुत करती रहेगी, जब तक निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) [उस पैसे (प्रॉसीड्स) को छोड़कर जो साधारण कारपोरेट प्रयोजनों हेतु जुटाया गया हो] के कम से कम पचानवे प्रतिशत का उपयोग न कर लिया जाए।

(3) निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल और प्रबंध-मंडल अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी के निष्कर्षों के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ देगा, जैसा अनुसूची-XI में निर्धारित है।

(4) निर्गमकर्ता (इश्युअर), प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पैंतालीस दिनों के भीतर, अनुश्रवण एजेंसी की रिपोर्ट अपने वेबसाइट पर अपलोड करके और साथ ही उसे उस स्टॉक एक्सचेंज (उन स्टॉक एक्सचेंजों) के पास प्रस्तुत करके सार्वजनिक रूप से प्रसारित करेगा, जहाँ उसके इक्विटी शेयर सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।

### सार्वजनिक सूचनाएँ, प्रचार सामग्री, विज्ञापन और अनुसंधान रिपोर्टें

**42.** समस्त सार्वजनिक सूचनाओं, प्रचार सामग्री, विज्ञापनों और अनुसंधान रिपोर्टों के संबंध में **अनुसूची-IX** के प्रावधानों का पालन किया जाएगा।

### निर्गम से संबंधित विज्ञापन

**43.** (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अध्यधीन, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) या प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) रजिस्टर किए जाने के बाद, निर्गमकर्ता व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र, जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, में निर्गम से पूर्व दिया जाने वाला विज्ञापन देगा।

(2) निर्गम से पूर्व दिया जाने वाला विज्ञापन उस फॉर्मेट में होगा, और उसमें वे प्रकटीकरण किए जाएंगे, जैसा **अनुसूची-X** के **भाग-क** के अंतर्गत दिया हुआ है:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता विनियम 29 के उप-विनियम (4) के अनुसरण में निर्गम से पूर्व दिए जाने वाले विज्ञापन के साथ मूल्य दायरे या निम्नतम कीमत की घोषणा करने का विकल्प चुने, तो ऐसे विज्ञापन में केवल तभी मूल्य दायरे या निम्नतम कीमत या वित्तीय अनुपातों के संबंध में प्रकटीकरण किए जाएंगे।

(3) निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने और निर्गम के बंद होने से संबंधित विज्ञापन जारी कर सकेगा, जो **अनुसूची-X** के **भाग-ख** तथा **भाग-ग** के अंतर्गत दिए गए फॉर्मेटों के अनुसार होंगे।

(4) जिस अवधि के दौरान निर्गम अभिदान (पैसा लगाने/ सविक्रयण करने) के लिए खुला हो, उस अवधि के दौरान ऐसा कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा जिससे यह लगे कि निर्गम में पूरा अभिदान हो गया है या अति-अभिदान हो गया है या जिससे यह पता चले कि निवेशकों का निर्गम के प्रति रुझान कितना है।

### निर्गम का खोला जाना

**44.** (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का पालन किए जाने के अध्यधीन, सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) विनियम 25 के तहत बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने की तारीख से बारह महीनों के भीतर खोला जा सकेगा।

(2) निर्गम कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) और प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) को रजिस्टर किए जाने की तारीख से कम से कम तीन कार्य-दिवसों के पश्चात् खोला जाएगा।

### न्यूनतम अभिदान

**45.** (1) निर्गम (इश्यू) से कम से कम इतना अभिदान (पैसा / सविक्रयण) अवश्य मिले कि वह प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से लाए जाने वाले प्रस्ताव (ऑफर) के नब्बे प्रतिशत से कम न हो, किंतु यह अपेक्षा निर्धारित प्रतिभूतियों (स्पेसिफाइड सिक्यूरिटीज़) के 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' (ऑफर फॉर सेल) के मामले में लागू नहीं होगी।

**परंतु यह कि** मिलने वाला न्यूनतम अभिदान निर्धारित प्रतिभूतियों की न्यूनतम संख्या के आबंटन के अध्यधीन होगा, जैसा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के तहत निर्धारित है।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित न्यूनतम अभिदान प्राप्त न होने की दशा में, प्राप्त समस्त आवेदन की रकम आवेदकों को तुरंत [किंतु निर्गम (इश्यू) के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर ही] लौटा दी जाएगी।

### अभिदान की अवधि

**46.** (1) जब तक कि इन विनियमों में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव कम से कम तीन कार्य दिवसों के लिए और अधिक से अधिक दस कार्य दिवसों के लिए खुला रखा जाएगा।

(2) मूल्य दायरे में बदलाव के मामले में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यधीन, निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ाएगा।

(3) अनिवार्य बाध्यता, बैंक हड़ताल या ऐसी ही परिस्थितियों में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यधीन, निर्गमकर्ता, कारणों को लिखित में दर्ज करने के बाद, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस [बही निर्माण वाले निर्गम (बुक बिल्ट इश्यू) के

मामले में] में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि या प्रॉस्पेक्टस [नियत कीमत वाले निर्गम (फिक्स्ड प्राइस इश्यू) के मामले में] में प्रकट की गई निर्गम की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ा सकेगा।

### आवेदन तथा न्यूनतम आवेदन मूल्य

**47. (1)** कोई भी व्यक्ति शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) संबंधी वर्ग (श्रेणी) में उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन नहीं करेगा कि उनकी संख्या जनता को प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या से अधिक हो जाए:

**परंतु यह कि** गैर-संस्थागत निवेशकों द्वारा अधिकतम उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया जा सकता है, जो उस संख्या से अधिक न हो जो निर्गम के तहत प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या में से निर्गम के तहत अर्हित संस्थागत क्रेताओं को प्रस्तावित प्रतिभूतियों की संख्या को घटाकर निकाली गई हो।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या के लिहाज से न्यूनतम आवेदन आकार का उल्लेख करेगा, जिसमें न्यूनतम आवेदन मूल्य का दायरा दस हजार रुपये से पंद्रह हजार रुपये के भीतर ही होगा।

(3) निर्गमकर्ता न्यूनतम आवेदन मूल्य के गुणकों में आवेदन आमंत्रित करेगा, जिसका उदाहरण **अनुसूची-XIV** के **भाग-ख** में दिया गया है।

(4) आवेदन पर प्रत्येक निर्धारित प्रतिभूति हेतु न्यूनतम देय राशि निर्गम कीमत के पच्चीस प्रतिशत से कम नहीं होगी:

**परंतु यह कि विक्रय के लिए प्रस्ताव के मामले में**, प्रत्येक निर्धारित प्रतिभूति के लिए कुल निर्गम कीमत आवेदन के समय देय होगी।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजन के लिए, "न्यूनतम आवेदन मूल्य" निर्धारित प्रतिभूतियों की निर्गम कीमत के संदर्भ में होगा और न कि आवेदन पर देय रकम के संदर्भ में।

### मांगे जाने का तरीका

**48.** यदि निर्गमकर्ता अभिदान की रकम किस्तों में प्राप्त करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि अभिदान की बकाया रकम की मांग निर्गम में आबंटन की तारीख से बारह महीनों के भीतर की जाती है और यदि कोई आवेदक उक्त बारह मास के भीतर मांग की रकम अदा करने में असफल रहता है, तो जिन इक्विटी शेयरों पर मांग बकाया है उन इक्विटी शेयरों को और साथ ही ऐसे शेयरों पर पहले ही से अदा की गई अभिदान की रकम को समपहत (जब्त) कर लिया जाएगा:

**परंतु यह कि** बारह महीनों के भीतर अभिदान की बकाया रकम की मांग करना आवश्यक नहीं होगा, यदि निर्गमकर्ता ने विनियम 41 की शर्तों आदि के अनुसार अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी को नियुक्त किया हो।

### आबंटन प्रक्रिया और आबंटन का आधार

**49. (1)** निर्गमकर्ता सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के अनुसरण में आबंटन नहीं करेगा यदि भावी आबंटितियों की संख्या एक हजार से कम हो।

(2) निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों से अधिक कोई आबंटन नहीं करेगा, किंतु यदि अति-अभिदान हो गया हो तो वह नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से आबंटन करने के लिए पूर्णांकन करने के प्रयोजन से ऐसा कर सकेगा।

**परंतु यह कि** अति-अभिदान के मामले में, आबंटन, जो जनता को शुद्ध प्रस्ताव के एक प्रतिशत से अधिक न हो, न्यूनतम निश्चित संख्याओं (लॉटों) में आबंटन करने के प्रयोजनार्थ किया जा सकेगा।

(3) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों और एंकर निवेशकों से भिन्न आवेदकों को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन निवेशक के संबंधित वर्गों के भीतर आनुपातिक आधार पर किया जाएगा और आबंटित प्रतिभूतियों की संख्या को निकटतम पूर्णांक तक पूर्णांकित किया जाएगा, इसके अध्येक्षित कि न्यूनतम आबंटन न्यूनतम आवेदन आकार (जैसा निर्गमकर्ता द्वारा निर्धारित जाए तथा प्रकट जाए) के बराबर हो:

**परंतु यह कि** विनियम 33 के उप-विनियम (1) के खंड (क) या उप-विनियम (2) के खंड (क) के तहत आरक्षण के अनुसरण में किसी व्यक्ति (कर्मचारियों के मामले को छोड़कर) को आबंटित निर्धारित प्रतिभूतियों का मूल्य, छोटे निवेशकों के लिए दो लाख रुपये या पात्र कर्मचारियों के लिए पाँच लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

(4) प्रत्येक छोटे व्यक्तिगत निवेशक को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन, छोटे व्यक्तिगत निवेशक संबंधी वर्ग के लिए शेयरों की उपलब्धता के अध्यधीन, न्यूनतम बोली लॉट (बिड लॉट) से कम नहीं होगा और शेष उपलब्ध शेयर, यदि कोई हों, आनुपातिक आधार पर आबंटित किए जाएंगे।

(5) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के प्राधिकृत कर्मचारियों के साथ-साथ अग्रणी प्रबंधक तथा निर्गम रजिस्ट्रार यह सुनिश्चित करेंगे कि आबंटन के आधार को **अनुसूची-XIV के भाग-क** में दी हुई आबंटन प्रक्रिया के अनुसार निष्पक्षता से तथा सही ढंग से अंतिम रूप दिया जाता है।

#### **आबंटन करना, पैसा लौटाना और ब्याज अदा करना**

**50. (1)** निर्गमकर्ता (इश्युअर) और अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी अवधि के भीतर, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए, निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन हो जाता है और / या आवेदन की रकम लौटा दी जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक कर दिया जाता है।

(2) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि आबंटन (अलॉटमेंट) करना, गैर-कागज़ी (डीमैट) प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) को खाते में जमा (क्रेडिट) करना और पैसा लौटाना (रिफंड करना) या आवेदन की रकम को अनब्लॉक करना, जो भी लागू हो, यह सब कुछ इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाता है।

(3) जहाँ ऊपर उप-विनियम (1) में निर्धारित की गई अवधि के भीतर निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन नहीं किया जाता है और / या आवेदन की रकम नहीं लौटाई जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक नहीं किया जाता है, वहाँ निर्गमकर्ता (इश्युअर) निवेशकों को प्रंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और ऐसे समय के भीतर ब्याज अदा करने का वचन देगा जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया हो, और अग्रणी प्रबंधक इस बात को सुनिश्चित करेगा (करेंगे)।

#### **निर्गम के पश्चात् के विज्ञापन**

**51. (1)** अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि अभिदान, आबंटन के आधार, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) सहित सभी आवेदनों की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन सहित सभी आवेदनों हेतु सफल आबंटितियों (अलॉटमेंट) की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, धनवापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा होने की तारीख, जो लागू हो, रजिस्ट्रार द्वारा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को दिए गए अनुदेश, निर्धारित प्रतिभूतियाँ खाते में जमा कराए जाने (क्रेडिट किए जाने) की तारीख तथा सूचीबद्धता (लिस्टिंग) हेतु आवेदन दाखिल किए जाने की तारीख, आदि से संबंधित ब्यौरे देते हुए विज्ञापन, व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में जारी किया जाता है जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत (पंजीकृत) कार्यालय स्थित हो।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित ब्यौरे स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर भी डाले जाएंगे।

#### **निर्गम के पश्चात् अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारियाँ**

**52. (1)** अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारी निर्गम संबंधी प्रक्रिया पूरी होने तक तो रहेगी ही, बल्कि उसके बाद भी निर्गम से संबंधित किसी मामले के संबंध में बनी रहेगी।

(2) अग्रणी प्रबंधक निर्गम संबंधी किन्हीं क्रियाकलापों से संबंधित निवेशक शिकायतों के निवारण पर लगातार नज़र रखेगा (रखेंगे)।

(3) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के पश्चात् के क्रियाकलापों के लिए तब तक जिम्मेदार बना रहेगा (बने रहेंगे) जब तक आवेदकों को प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त न हो जाएँ, उनके डीमैट खाते में जमा (क्रेडिट) न हो जाए या आवेदन की रकम लौटा न दी जाए और निर्गमकर्ता द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करार (लिस्टिंग एग्रीमेंट) न कर लिया जाए और सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या व्यापार (ट्रेडिंग) की अनुमति न ले ली जाए।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के बंद होने के बाद नियमित अंतरालों में निर्गम रजिस्ट्रारों और विभिन्न मध्यवर्तियों से समवन्य करेगा (करेंगे) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) या बैंक की संग्रहणकर्ता शाखाओं और/या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर, आवेदनों (जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के लिए आवेदन फॉर्म शामिल हैं) के संबंध में की जा रही कार्यवाही पर और दूसरे मामलों पर तब तक नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होंगे, जब तक आबंटन के आधार को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, आबंटितियों के डीमैट खाते में निर्धारित प्रतिभूतियाँ जमा नहीं कर दी जातीं तथा निरुद्ध

रकम से समर्थित आवेदनों को अनब्लॉक नहीं कर दिया जाता / धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा नहीं कर लिया जाता और प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जातीं, जो भी लागू हो।

(5) यदि अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को किसी मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) की ओर से किसी ऐसी त्रुटि का पता चलता है जो उनके कुछ करने या न करने की वजह से हुई हो, तो वे विधिवत रूप से उसकी रिपोर्ट बोर्ड को देंगे।

(6) यदि हामीदारों पर न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) हुआ हो, तो अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि हामीदारों की बाध्यता से युक्त न्यागमन की सूचना निर्गम के बंद होने की तारीख से दस दिनों की अवधि के भीतर जारी की जाती है।

(7) जिन अल्प-अभिदत्त निर्गमों (जिसमें कम अभिदान हुआ हो) के संबंध में हामीदारी की जाती हो, उन निर्गमों के मामले में, अग्रणी प्रबंधक बोर्ड को, अनुसूची-XVIII में दिए हुए फॉर्मेट में, उन हामीदारों (अंडरराइटर्स) की जानकारी देगा (देंगे) जो अपनी हामीदारी पूरी करने में असफल रहे हों।

### अभिदान की रकम को निर्मुक्त (रिलीज़) किया जाना

**53.** (1) अग्रणी प्रबंधक सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मिली मंजूरीयों की प्रतियों के माध्यम से, निर्गमन बैंककारों (बैंकर्स टू द इश्यू) को यह पुष्टि करेगा कि निर्गम के संबंध में सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं और यह कि बैंककार (बैंकर) निर्गमकर्ता को पैसा सौंप सकता है या निर्गम के असफल होने की दशा में पैसा लौटाने (रिफंड करने) हेतु पैसा निर्मुक्त (रिलीज़) कर सकता है।

(2) यदि निर्गमकर्ता (इश्युअर) उन स्टॉक एक्सचेंजों से, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों, सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मंजूरी प्राप्त करने में असफल रहता हो, तो वह स्टॉक एक्सचेंजों से निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता हेतु किए गए आवेदन को नामंजूर किए जाने की सूचना प्राप्त होने की तारीख से सात दिनों के भीतर, प्राप्त हुई पूरी रकम, ऐसे माध्यमों के जरिए लौटा देगा (रिफंड कर देगा), जिनकी पुष्टि की जा सकती हो और यदि ऐसी कोई रकम उस दिन से आठ दिनों के भीतर नहीं लौटाई जाती, जिस दिन निर्गमकर्ता उसे लौटाने का दायी हो जाए, तो निर्गमकर्ता और कंपनी का ऐसा प्रत्येक निदेशक जो चूककर्ता अधिकारी हो, आठवें दिन की समाप्ति से, पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के साथ रकम लौटाने का, पृथक् रूप से और संयुक्त रूप से, दायी होगी।

(3) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गम की बाबत प्राप्त पैसा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 40 (3) (यथा लागू) के प्रावधानों का पालन करते हुए निर्गमकर्ता को सौंप दिया जाता है।

### संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह द्वारा किए गए लेन देनों की सूचना (रिपोर्टिंग)

**54.** निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) या प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) को दाखिल किए जाने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तक समूह द्वारा प्रतिभूतियों में किए गए समस्त लेन देनों की सूचना (रिपोर्ट) स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे लेन देनों से चौबीस घंटों के भीतर, दी जाएगी।

### निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें

**55.** अग्रणी प्रबंधक अनुसूची-XVII के भाग-क में यथा-निर्धारित 'निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट' के साथ-साथ अनुसूची-V के भाग-च में निर्धारित फॉर्मेट के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलीजेंस सर्टिफिकेट), आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिए जाने की तारीख से सात दिनों के भीतर या निर्गम के असफल होने के मामले में पैसा लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) से सात दिनों के भीतर, प्रस्तुत करेगा।

## भाग-IX: विविध

### बाद वाले पूंजी निर्गमों संबंधी पाबंदियाँ

**56.** निर्गमकर्ता (इश्युअर), प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख तथा प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या आवेदन रकम को लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) की तारीख के बीच की अवधि के दौरान, किसी भी प्रकार से निर्धारित प्रतिभूतियों का कोई बाद वाला निर्गम नहीं लाएगा, फिर चाहे वह सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) हो, साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) हो, अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) हो, अर्हित संस्था नियोजन (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल प्लेसमेंट) हो, बोनस शेयरों का निर्गम हो या कुछ और हो, जब तक कि निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या या ऐसे बाद वाले निर्गम से जुटाए जाने हेतु प्रस्तावित रकम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण,

यथास्थिति, ऐसे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज में न कर दिए जाएँ, किंतु कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम (एंग्लोई स्टॉक ऑप्शन स्कीम) के अनुसरण में ऐसा किया जा सकता है।

### ग्रीन शू विकल्प के माध्यम से कीमत स्थिरीकरण

**57. (1)** निर्गमकर्ता (इश्युअर) अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के बाद की कीमत के स्थिरीकरण के लिए ग्रीन शू विकल्प दे सकेगा, बशर्ते कि :

- क) निर्गमकर्ता को, शेयरधारकों की साधारण बैठक में सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) को मंजूरी प्रदान करने के संबंध में संकल्प पारित करके इस बात के लिए प्राधिकृत किया गया हो कि वह स्थिरीकरण की अवधि समाप्त हो जाने पर, यदि जरूरी लगे तो, स्थिरीकरण एजेंट को निर्धारित प्रतिभूतियाँ आबंटित कर सकता है;
- ख) निर्गमकर्ता ने किसी अग्रणी प्रबंधक को स्थिरीकरण एजेंट के रूप में नियुक्त किया हो, जो कीमत की स्थिरीकरण प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार हो;
- ग) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल करने से पहले, निर्गमकर्ता (इश्युअर) और स्थिरीकरण एजेंट ने करार कर लिया हो, जिसके अंतर्गत ग्रीन शू विकल्प से संबंधित सभी शर्तों आदि का उल्लेख हो, जिनमें स्थिरीकरण एजेंट द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए ली जाने वाली फीस तथा किए जाने वाले खर्चों का भी उल्लेख हो;
- घ) प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पहले, स्थिरीकरण एजेंट ने संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों या दोनों के साथ इस उप-विनियम के खंड (छ) के अनुसार उनसे निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार लेने के संबंध में करार कर लिया हो, साथ ही उसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की अधिकतम संख्या का भी उल्लेख हो जिन्हें निर्गम के आकार से अधिक संख्या में निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन (यहाँ आगे "अति-आबंटन" के रूप में उल्लिखित) के प्रयोजन से उधार लिया जा सकेगा, किंतु यह संख्या निर्गम के आकार के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी;
- ङ) खंड (घ) के अध्यक्षीन, अग्रणी प्रबंधक, स्थिरीकरण एजेंट के परामर्श से, सार्वजनिक निर्गम में अति-आबंटित की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों की मात्रा को तय करेगा;
- च) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में ग्रीन शू विकल्प के बारे में उन समस्त महत्वपूर्ण प्रकटीकरणों (डिस्क्लोज़र्स) को शामिल किया जाएगा जिनका उल्लेख इस संबंध में **अनुसूची-VI के भाग-क** में किया गया है;
- छ) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक और बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में पाँच प्रतिशत से अधिक निर्धारित प्रतिभूतियाँ धारण करने वाले निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक, प्रस्तावित अति-आबंटन की सीमा तक निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार दे सकेंगे;
- ज) उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ गैरकागज़ी (डीमैट) रूप में होंगी और इन प्रतिभूतियों का आबंटन सभी सफल आवेदकों को आनुपातिक रूप में किया जाएगा।

(2) निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के पश्चात् की कीमत के स्थिरीकरण के प्रयोजन से, स्थिरीकरण एजेंट संबंधित पहलू तय करेगा जिनमें शामिल हैं - ऐसी प्रतिभूतियों को कब खरीदा जाए, कितना खरीदा जाए तथा किस कीमत पर ऐसी प्रतिभूतियों को बाजार से खरीदा जाए।

(3) स्थिरीकरण की प्रक्रिया उस अवधि के लिए उपलब्ध रहेगी जो उस तारीख से तीस दिनों से अधिक न हो जिस तारीख को सार्वजनिक निर्गम में आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा व्यापार की अनुमति दी जाती हो।

(4) स्थिरीकरण एजेंट अति-आबंटन की बाबत आवेदकों से प्राप्त पैसा जमा करने के लिए बैंक में एक विशेष खाता (जो निर्गम संबंधी खाते से भिन्न हो) खोलेगा, और विशेष बैंक खाते में जमा पैसे से स्थिरीकरण की अवधि के दौरान बाजार से खरीदी जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों को जमा करने के लिए निक्षेपागार सहभागी (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट) के यहाँ एक विशेष खाता खोलेगा।

(5) बाजार से खरीदी गई और निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए विशेष खाते में जमा निर्धारित प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों को तुरंत, किंतु किसी भी दशा में स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने से दो कार्य-दिवसों के भीतर ही, लौटा दी जाएँगी।

(6) स्थिरीकरण की अवधि समाप्त हो जाने पर, यदि स्थिरीकरण एजेंट बाजार से उतनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ न खरीद पाया हो जितनी प्रतिभूतियों का अति-आबंटन हुआ हो, तो जितनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ कम पड़ रही हों उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों को निर्गमकर्ता गैर-कागजी (डीमैट) रूप में निर्गम कीमत (इश्यू प्राइस) पर, स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने की तारीख से पाँच दिनों के भीतर, निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए विशेष खाते में आबंटित करेगा, और स्थिरीकरण एजेंट द्वारा संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों से उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियों की एवज में, उन्हें ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ लौटा दी जाएँगी और उसके बाद निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए खाते को बंद कर दिया जाएगा।

(7) निर्गमकर्ता उप-विनियम (6) के तहत आबंटित अतिरिक्त निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत, उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के लिए आवेदन करेगा जहाँ सार्वजनिक निर्गम में आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों और अध्याय-VII के प्रावधान ऐसे आबंटन पर लागू नहीं होंगे।

(8) स्थिरीकरण एजेंट उप-विनियम (6) के तहत आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत पैसा निर्गमकर्ता को विशेष बैंक खाते में से देगा।

(9) उप-विनियम (8) के तहत निर्गमकर्ता को पैसा दिए जाने और स्थिरीकरण की प्रक्रिया के लिए स्थिरीकरण एजेंट द्वारा किए गए खर्चों की कटौती करने के पश्चात् विशेष बैंक खाते में पड़ा पैसा बोर्ड द्वारा बनाई गई 'निवेशक संरक्षण और शिक्षण निधि' में अंतरित (ट्रांसफर) कर दिया जाएगा और उसके बाद विशेष बैंक खाते को जल्दी बंद कर दिया जाएगा।

(10) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण की अवधि के दौरान दैनिक आधार पर स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट और अनुसूची-XV में निर्धारित किए गए फॉर्मेट में बोर्ड को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(11) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने की तारीख से कम से कम तीन वर्षों की अवधि तक रजिस्टर बनाए रखेगा और ऐसे रजिस्टर में निम्नलिखित विवरण शामिल होंगे :

- (क) उन संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों के नाम जिनसे निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार ली गई थीं और उनमें से प्रत्येक से उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या;
- (ख) स्थिरीकरण की प्रक्रिया के दौरान हुए प्रत्येक लेन देन (ट्रांजैक्शन) के संबंध में कीमत, तारीख तथा समय; और
- (ग) स्थिरीकरण की प्रक्रिया समाप्त होने पर निर्गमकर्ता द्वारा किए गए आबंटन के ब्यौरे।

### निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के अधिकारों में परिवर्तन

58. निर्गमकर्ता निर्धारित प्रतिभूतियों की शर्तों आदि [निर्गम (इश्यू) की शर्तों आदि सहित] में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं करेगा, जो उन निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करे, किंतु वह उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के कम से कम तीन-चौथाई धारकों की लिखित रूप में सहमति लेकर या उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों की बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से मंजूरी लेकर ऐसा कर सकता है।

### सूचीबद्धता के पश्चात् विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए निकास का अवसर

59. यदि प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित उद्देश्यों में कोई बदलाव होता हो या संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) की शर्तों आदि में कोई फेरबदल किया जाता हो, तो निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक (प्रोमोटर्स) या नियंत्रण रखने वाले शेयरधारक कंपनी अधिनियम, 2013 (कंपनीज़ एक्ट, 2013) के प्रावधानों के अनुसार और अनुसूची-XX में उल्लिखित शर्तों आदि के अनुसार विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए निकास प्रस्ताव (एग्जिट ऑफर) लाएँगे:

परंतु यह कि निकास प्रस्ताव वहाँ लागू नहीं होगा, जहाँ सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) के न तो ऐसे संप्रवर्तक (प्रोमोटर्स) हों जिनकी पहचान हो सके, और न ही नियंत्रण रखने वाले शेयरधारक हों।

## अध्याय-III - साधिकार निर्गम

### भाग-I: पात्रता अपेक्षाएँ

#### संदर्भ तारीख

60. जब तक कि इस अध्याय में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, साधिकार निर्गम के माध्यम से कुल दस करोड़ रुपये या उससे अधिक की निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता, यथास्थिति, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव-पत्र



दाखिल किए जाने के समय और स्टॉक एक्सचेंजों के पास अंतिम प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने के समय भी इस अध्याय में दी हुई शर्तों को पूरा करेगा।

### साधिकार निर्गम लाने के लिए अपात्र एंटिटियाँ

**61.** निर्गमकर्ता निर्धारित प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम लाने के लिए पात्र नहीं होगा,

- (क) यदि निर्गमकर्ता, उसके किसी संप्रवर्तक (प्रोमोटर), संप्रवर्तक समूह या निर्गमकर्ता के निदेशक को बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो;
- (ख) यदि निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या निदेशकों में से कोई ऐसी किसी अन्य कंपनी का संप्रवर्तक या निदेशक हो जिसे बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो;
- (ग) यदि उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी हो।

**स्पष्टीकरण:** ऊपर (क) एवं (ख) के तहत दी हुई पाबंदियाँ निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या निदेशकों पर लागू नहीं होंगी, जिन्हें बोर्ड द्वारा पहले कभी विवर्जित किया गया हो और विवर्जन की अवधि बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख से पहले ही पूरी हो चुकी हो।

### सामान्य शर्तें

**62.** (1) निर्धारित प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि:

- (क) उसने, **अनुसूची-XIX** के अनुसार, एक या एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे स्टॉक एक्सचेंजों में अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराने हेतु सैद्धांतिक मंजूरी लेने के लिए, आवेदन कर दिया है और उनमें से किसी एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुन लिया है;
- (ख) उसके सभी मौजूदा अंशतः समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर या तो पूर्णतः समादत्त हो गए हैं या वे जब्त (समपहृत / फॉफीट) हो गए हैं;
- (ग) उसने माध्यमों (जिनकी पुष्टि की जा सकती हो) या मौजूदा आंतरिक एक्जाल (जिनकी पहचान की जा सकती हो) के जरिए उस विशिष्ट परियोजना का पचहत्तर प्रतिशत वित्तपोषण [जिसमें प्रस्तावित साधिकार निर्गम के माध्यम से जुटाई जाने वाली रकम शामिल नहीं है] करने के लिए पक्के इंतजाम कर लिए हैं, जिसका वित्तपोषण निर्गम से आए पैसों से किए जाने का प्रस्ताव हो।

(2) साधारण कारपोरेट प्रयोजनों (जिनका उल्लेख प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र में निर्गम के उद्देश्यों के अंतर्गत किया गया हो) के लिए रकम निर्गमकर्ता द्वारा जुटाई जाने वाली रकम की पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

(3) यदि निर्गमकर्ता या उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला हो), तो निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह अपने अधिकारों का त्याग नहीं करेंगे, सिवाय वहाँ जहाँ त्याग संप्रवर्तक समूह के भीतर हो।

### भाग-II: संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों और वारंटों का निर्गमन

#### संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएँ

**63.** (1) इन विनियमों में जिन अन्य अपेक्षाओं का उल्लेख किया गया है उनके अलावा, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों का भी पालन करेगा:

- (क) उसने कम से कम एक साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) एजेंसी से क्रेडिट रेटिंग ले ली हो;
- (ख) उसने कंपनी अधिनियम, 2013 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 [सेबी (डिबेंचर ट्रस्टीज़) रेग्यूलेशन, 1993] के प्रावधानों के अनुसार कम से कम एक डिबेंचर न्यासी नियुक्त कर लिया हो;
- (ग) वह कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार डिबेंचर मोचन आरक्षित (रिडेंप्शन रिज़र्व) बनाएगा;
- (घ) यदि निर्गमकर्ता प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की बाबत अपनी आस्तियों (असेट्स) पर भार या जमानत (सिक्यूरिटी) सृजित करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि:

- (i) ऐसी आस्तियाँ किसी भी समय मूलधन की रकम चुकाने के लिए पर्याप्त हैं ;
- (ii) ऐसी आस्तियों पर कोई ऋण-भार नहीं है ;
- (iii) जहाँ ऐसी आस्तियों पर जमानत पहले ही से किसी मौजूदा उधारदाता या प्रतिभूति न्यासी (सिक्यूरिटी ट्रस्टी) के पक्ष में सृजित की गई हो या संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम को पट्टेवाली (लीज़होल्ड) भूमि पर जमानत सृजित करके प्रतिभूत किए जाने का प्रस्ताव हो, वहाँ द्वितीय या एक समान भार हेतु ऐसे उधारदाता या प्रतिभूति न्यासी या पट्टाकर्ता की सहमति प्राप्त कर ली गई है और निर्गम के खुलने से पहले डिबेंचर न्यासी को प्रस्तुत कर दी गई है;
- (iv) यदि संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें द्वितीय भार या बाद में किसी भार द्वारा प्रतिभूत हों, तो जमानत या आस्ति कवर का निर्धारण दायित्वों, जिनका पहला या पूर्व भार हो, को घटाने के पश्चात् किया जाएगा ।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन (को रिडीम) करेगा।

#### अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय हिस्से का रोल ओवर

**64.** सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय हिस्से, जिसका मूल्य दस करोड़ रुपये से अधिक हो, का रोल ओवर कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तथा निम्नलिखित शर्तों के पालन के अधीन किया जा सकेगा:

- (क) निर्गमकर्ता की संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के पचहत्तर प्रतिशत धारकों (मूल्य के लिहाज से) ने, संकल्प के माध्यम से, रोल ओवर की मंजूरी डाक मतपत्र के जरिए दे दी हो;
- (ख) निर्गमकर्ता ने, संकल्प पारित किए जाने की सूचना के साथ, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सभी धारकों को, निर्गमकर्ता के नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) के संबंध में लेखापरीक्षक (ऑडिटर) का प्रमाणपत्र [निर्गमकर्ता की अर्थसुलभता (लिक्विडिटी) की स्थिति पर टिप्पणियों सहित] भेज दिया हो;
- (ग) निर्गमकर्ता ने संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के उन सभी धारकों की अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय हिस्से का मोचन (को रिडीम) करने का वचन दिया हो, जिन्होंने संकल्प (रेज़ोल्यूशन) के प्रति सहमति न दी हो;
- (घ) बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत कम से कम एक साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) एजेंसी से मोचन (रिडेंप्शन) की नियत तारीख से पहले की एक महीने की अवधि के भीतर क्रेडिट रेटिंग प्राप्त कर ली गई हो और जिसकी सूचना रोल ओवर से पहले संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को दे दी गई हो;

(2) यदि मौजूदा न्यास विलेख (ट्रस्ट डीड) या जमानत (सिक्यूरिटी) से संबंधित दस्तावेजों में प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन (रिडेंप्शन) किए जाने तक जमानत को बनाए रखे जाने का प्रावधान हो, तो नई जमानत सृजित करना और नए न्यास विलेख का निष्पादन करना अनिवार्य नहीं होगा:

**परंतु यह कि** यह डिबेंचर न्यासी द्वारा तय किया जाएगा कि निर्गमकर्ता को नई जमानत सृजित करनी है या नहीं अथवा नए न्यास विलेख का निष्पादन करना है या नहीं ।

#### वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तन

**65. (1)** निर्गमकर्ता अपनी वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों को इक्विटी शेयरों में तब तक संपरिवर्तित नहीं करेगा, जब तक कि ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों (होल्डर) ने निर्गमकर्ता को अपनी निश्चित सहमति न भेज दी हो और इस प्रयोजनार्थ निर्गमकर्ता द्वारा भेजी गई किसी सूचना के प्रति उत्तर प्राप्त न होने का अर्थ यह नहीं लगाया जाएगा कि किन्हीं संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के लिए सहमति मिल गई है ।

(2) जहाँ निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित किन्हीं सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तनीय भाग का मूल्य दस करोड़ रुपये से अधिक हो और निर्गमकर्ता ने निर्गम लाने के समय ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की संपरिवर्तन (कन्वर्ज़न) कीमत तय न की हो, वहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, संपरिवर्तनीय भाग इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तित न करने का, विकल्प दिया जाएगा:

**परंतु यह कि** जहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की कीमत संबंधी ऊपरी सीमा तथा उसका औचित्य तय किया जाता है और निर्गम लाने के समय निवेशकों को प्रकट किया जाता है, वहाँ संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, उक्त ऊपरी सीमा के भीतर संपरिवर्तनीय भाग को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के लिए, ऐसा विकल्प देना जरूरी नहीं होगा।

(3) जहाँ उप-विनियम (2) के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को विकल्प दिया जाना हो और यदि ऐसे धारकों में से एक या एक से अधिक धारक, शेयरधारकों की साधारण बैठक में तय की गई कीमत पर, लिखतों को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के विकल्प का प्रयोग नहीं करते हैं, तो निर्गमकर्ता अंतिम तारीख (जिस तारीख तक विकल्प का प्रयोग किया जाना हो) से एक महीने के भीतर लिखतों के उस भाग का मोचन (रिडेंप्शन) उस कीमत पर करेगा जो उसके अंकित मूल्य से कम न हो।

**परंतु यह कि** यदि ऐसा मोचन प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों के अनुसार किया गया हो, तो उप-विनियम (3) का प्रावधान लागू नहीं होंगे।

### **वित्तपोषण के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन**

**66.** निर्गमकर्ता किसी व्यक्ति (जो संप्रवर्तक समूह या समूह कंपनियों का हिस्सा हो) को वित्तपोषण के लिए या उधार देने के लिए या उसके शेयरों को अर्जित करने के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें निर्गमित नहीं करेगा:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता इन प्रयोजनों से पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन करने के लिए पात्र होगा, यदि ऐसी ऋण लिखतों के संपरिवर्तन की अवधि ऐसी ऋण लिखतों के निर्गमन की तारीख से अठारह महीने से कम हो।

### **वारंटों का निर्गमन**

**67.** निर्गमकर्ता वारंटों का निर्गमन के लिए पात्र होगा, बशर्ते कि निम्नलिखित का पालन किया जाए:

(क) ऐसे वारंटों की अवधि साधिकार निर्गम में उनके आबंटन की तारीख से अठारह महीनों से अधिक की नहीं होगी;

(ख) निर्धारित प्रतिभूति के साथ एक या एक से अधिक वारंट हो सकेंगे;

(ग) वारंटों की प्रयोग कीमत तय करने के लिए कीमत या फॉर्मूला पहले ही तय कर लिया जाएगा तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा और प्रयोग कीमत के आधार पर कम से कम पच्चीस प्रतिशत प्रतिफल की रकम भी पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी:

**परंतु यह कि** यदि वारंट की प्रयोग कीमत फॉर्मूला पर आधारित हो, तो फॉर्मूला (जिसके लिए संदर्भ की तारीख रिकॉर्ड तारीख होगी) के अनुसार निकाली गई प्रतिफल की रकम की पच्चीस प्रतिशत रकम पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी।

(घ) यदि वारंटधारक, प्रतिफल की रकम अदा किए जाने की तारीख से तीन महीनों के भीतर, स्वयं द्वारा धारित वारंटों में से किसी वारंट की एवज में इक्विटी शेयर लेने के विकल्प का प्रयोग नहीं करता है, तो ऐसे वारंटों की बाबत दिया गया ऐसा प्रतिफल निर्गमकर्ता द्वारा जब्त (फोर्फीट) कर लिया जाएगा।

### **भाग-III: रिकॉर्ड तिथि**

**68.** (1) निर्गमकर्ता ऐसी अवधि के लिए, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015] के अंतर्गत निर्धारित की जाए, यह तय करने के प्रयोजनार्थ रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करेगा कि प्रस्तावित साधिकार निर्गम में निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन करने हेतु पात्र शेयरधारक कौन होंगे।

(2) निर्गमकर्ता रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करने के बाद अपने साधिकार निर्गम को वापस नहीं लेगा। हालाँकि, यदि निर्गमकर्ता रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करने के पश्चात् साधिकार निर्गम को वापस ले लेता है, तो वह उप-विनियम (1) के तहत घोषित की गई रिकॉर्ड तिथि से बारह महीनों की अवधि तक किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में अपनी किन्हीं निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराने के लिए आवेदन करने का पात्र नहीं होगा:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करने से पहले जारी की गई (निर्गमित) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनियम, कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीमों या जारी किए गए वारंटों के प्रयोग के अनुसरण में आबंटित अपने इक्विटी शेयरों को उस स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कराने की मांग कर सकेगा जहाँ उसकी प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों।

#### भाग-IV: अग्रणी प्रबंधकों, अन्य मध्यवर्तियों और अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) की नियुक्ति

**69.** (1) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक मर्चेट बैंककारों (बैंकर्स) को निर्गम (इश्यू) के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) [लीड मैनेजर] के रूप में नियुक्त करेगा।

(2) जहाँ निर्गम का कामकाज एक से अधिक अग्रणी प्रबंधक द्वारा देखा जाता हो, वहाँ, *अन्य बातों के साथ-साथ*, प्रकटीकरणों, आबंटन, पैसा लौटाए जाने (रिफंड) तथा हामीदारी (अंडरराइटिंग) संबंधी बाध्यताओं, यदि कोई हों, से संबंधित प्रत्येक अग्रणी प्रबंधक के अधिकारों, उसकी बाध्यताओं तथा जिम्मेदारियों को पहले ही तय कर लिया जाएगा और जिन्हें प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र में प्रकट किया जाएगा, जैसा **अनुसूची-I** में उल्लेख किया गया है।

(3) निर्गम का कम से कम एक अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) [जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992 के तहत परिभाषित है] नहीं होगा और यदि कोई अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी हो, तो वह स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयोगी के रूप में प्रकट करेगा और उसकी भूमिका निर्गम की मार्केटिंग (के विपणन) तक ही सीमित रहेगी।

(4) निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा अन्य मध्यवर्तियों की बाध्यताओं को निभाने की क्षमता का स्वतंत्र रूप से आकलन करने के बाद, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत अन्य मध्यवर्तियों को नियुक्त करेगा।

(5) निर्गमकर्ता **अनुसूची-II** में निर्धारित फॉर्मेट में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के साथ करार (एग्रीमेंट) करेगा, और अन्य मध्यवर्तियों के साथ करार करेगा, जैसा संबंधित मध्यवर्ती के लिए लागू संबंधित विनियमों के तहत अपेक्षित है :

**परंतु यह कि** ऐसे करारों में ऐसे अन्य खंड शामिल किए जा सकेंगे, जो निर्गमकर्ता तथा मध्यवर्ती ठीक समझें, किंतु जिसमें अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 2013 या कंपनी अधिनियम, 1956 (जहाँ तक लागू हो), प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उनके तहत बनाए गए नियमों तथा विनियमों या किसी कानूनी संशोधन या उनकी कानूनी अधिनियमिति के तहत अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), अन्य मध्यवर्तियों और निर्गमकर्ता के दायित्व और बाध्यताएँ किसी भी तरह से कम न हों या सीमित न हो:

**परंतु यह और कि** निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) संबंधी प्रक्रिया के मामले में, निर्गमकर्ता स्व-प्रमाणित (सेल्फ-सर्टिफाइड) सिंडिकेट बैंकों के साथ निर्गमकर्ता के डीमंड एग्रीमेंट (समझे गए करार) को ध्यान में रखेगा।

(6) निर्गमकर्ता निर्गमन बैंककारों (बैंकर टू इश्यू) को केन्द्रों में उसी प्रकार नियुक्त करेगा, जैसा **अनुसूची-XII** में उल्लेख किया गया है।

(7) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत उस निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू) को नियुक्त करेगा, जो सभी निक्षेपागारों से जुड़ा हुआ हो:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता स्वयं रजिस्ट्रार हो, तो वह स्वयं को निर्गम रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त नहीं करेगा:

**परंतु यह और कि** अग्रणी प्रबंधक उस निर्गम के रजिस्ट्रार के रूप में कार्य नहीं करेगा जिसमें वह निर्गम के पश्चात् की जिम्मेदारियाँ भी संभाल रहा हो।

(8) निर्गमकर्ता अनुपालन अधिकारी को नियुक्त करेगा, जो प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉ) के पालन पर निगरानी रखने और निवेशकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिम्मेदार होगा।

#### भाग-V: प्रस्ताव दस्तावेजों में प्रकटीकरण और उन्हें दाखिल किया जाना

##### प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र में प्रकटीकरण

**70.** (1) प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र में वे सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण शामिल किए जाएंगे जो सही और पर्याप्त हों, ताकि आवेदक निवेश के संबंध में सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

(2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र में **अनुसूची-VI** का **भाग-क** या **भाग-ख**, जो लागू हो, में उल्लिखित प्रकटीकरण शामिल होंगे।

(3) अग्रणी प्रबंधक पूरी तत्परता बरतेगा (बरतेंगे) और निर्गम के समस्त पहलुओं के मद्देनज़र अपनी संतुष्टि कर लेंगे, जिनके अंतर्गत प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र में किए गए प्रकटीकरणों की सत्यता और पर्याप्तता शामिल है।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता, उसके संप्रवर्तकों तथा उसके निदेशकों से यह अपेक्षा करेगा (करेंगे) कि वे अपनी उन बाध्यताओं को पूरा करें, जो उनके द्वारा प्रारूप प्रस्ताव-पत्र तथा प्रस्ताव-पत्र में प्रकट की गई हों और जैसा इन विनियमों के अनुसार अपेक्षित हो।

(5) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि प्रारूप प्रस्ताव-पत्र तथा प्रस्ताव-पत्र में दी हुई जानकारी और प्रस्ताव-पत्र में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार विवरण निर्गम के खुलने की तारीख से छह महीनों से अधिक पुराने न हों।

(6) यदि निर्गमकर्ता अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करनेवाला) हो, तो निर्गमकर्ता प्रारूप प्रस्ताव-पत्र, प्रस्ताव-पत्र और संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में प्रकटीकरण करेगा।

#### **प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र दाखिल किया जाना**

**71.** (1) साधिकार निर्गम लाने से पहले, तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) को छोड़कर, निर्गमकर्ता प्रारूप प्रस्ताव-पत्र की तीन प्रतियाँ, बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास, **अनुसूची-IV** के अनुसार, **अनुसूची-III** में यथा-निर्धारित फीस के साथ, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से, बोर्ड के उस संबंधित प्रादेशिक कार्यालय में दाखिल करेगा, जिसके क्षेत्राधिकार में निर्गमकर्ता कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो।

**परंतु यह** कि निर्गमकर्ता, फास्ट ट्रेक निर्गम के मामले में, प्रस्ताव-पत्र दाखिल करेगा और बोर्ड को अनुसूची-III के अनुसार फीस अदा करेगा।

(2) अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव-पत्र के साथ बोर्ड को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

(क) प्रमाणपत्र, जिसमें यह पुष्टि की जाए कि निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच करार (एग्रीमेंट) कर लिया गया है और जिसमें अनुसूची-II में दी हुई विषय-वस्तु शामिल हो;

(ख) **अनुसूची-V** के भाग-क के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलिजेंस सर्टिफिकेट);

(ग) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के मामले में, **अनुसूची-V** के भाग-ख के अनुसार डिबेंचर न्यासी से पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र;

(घ) प्रमाणपत्र, जिसमें यह पुष्टि की जाए कि **अनुसूची-VI** के भाग-ड में दी हुई शर्तों, यदि लागू हों, का पालन कर लिया गया है।

(3) निर्गमकर्ता उस स्टॉक एक्सचेंज (उन स्टॉक एक्सचेंजों) के पास भी प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल करेगा और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास, उसके संप्रवर्तकों की (जहाँ वे व्यक्ति हों) स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या तथा पासपोर्ट संख्या और जहाँ संप्रवर्तक निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) हों, वहाँ स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या, कंपनी रजिस्ट्रीकरण संख्या या वैसी ही कोई अन्य संख्या और उस कंपनी रजिस्ट्रार का पता जिसके पास संप्रवर्तक रजिस्ट्रीकृत हो, प्रस्तुत करेगा।

(4) बोर्ड, निम्नलिखित तारीखों में से जो अंतिम तारीख हो उस तारीख से तीस दिनों के भीतर, प्रारूप प्रस्ताव-पत्र के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख कर सकेगा या अभिमत जारी कर सकेगा, यदि कोई हों:

(क) उप-विनियम (1) के तहत प्रारूप प्रस्ताव-पत्र की प्राप्ति की तारीख; या

(ख) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से संतोषजनक उत्तर की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने उनसे कोई स्पष्टीकरण मांगा हो या अतिरिक्त जानकारी मांगी हो; या

(ग) किसी विनियामक या एजेंसी से स्पष्टीकरण या जानकारी की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने ऐसे विनियामक या एजेंसी से कोई स्पष्टीकरण मांगा हो या जानकारी मांगी हो; या

(घ) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा जारी किए गए सैद्धांतिक मंजूरी पत्र की प्रति की प्राप्ति की तारीख।

(5) यदि बोर्ड प्रारूप प्रस्ताव-पत्र के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख करता है या अभिमत जारी करता है, तो निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में ऐसे परिवर्तन करेंगे और बोर्ड के पास अपडेट किया हुआ प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (जिसमें प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में किए गए सभी परिवर्तनों को हाइलाइट करके दर्शाया गया हो), स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल करने से पहले, प्रस्तुत करेंगे।

(6) यदि **अनुसूची-XVI** में उल्लिखित विषयों के संबंध में प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में कोई परिवर्तन हुए हों, तो, यथास्थिति, अपडेट किया हुआ प्रस्ताव-पत्र या नया प्रारूप प्रस्ताव-पत्र बोर्ड के पास **अनुसूची-III** में उल्लिखित फीस के साथ दाखिल किया जाएगा।

(7) अग्रणी प्रबंधक बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने के पश्चात् या यदि बोर्ड ने अभिमत जारी न किए हों तो विनियम 71 के उप-विनियम (4) में निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात्, बोर्ड को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

- (क) यह प्रमाणित करते हुए कथन कि बोर्ड द्वारा किए गए सभी परिवर्तनों, दिए गए सभी सुझावों तथा अभिमतों को प्रस्ताव-पत्र में शामिल कर लिया गया है;
- (ख) प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने के समय, **अनुसूची-V के भाग-ग** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र;
- (ग) जब निर्गमकर्ता ने सार्वजनिक सूचना जारी करके किसी महत्वपूर्ण घटना का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किया हो, तो **अनुसूची-V के फॉर्म-घ** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र।

(8) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने के साथ-साथ, प्रस्ताव-पत्र की प्रति अग्रणी प्रबंधक के माध्यम से बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास भी दाखिल की जाएगी।

(9) प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र की सॉफ्ट कॉपी भी बोर्ड को दी जाएगी।

#### **प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र जनता को उपलब्ध कराया जाना**

**72.** (1) बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रारूप प्रस्ताव-पत्र टिप्पणियों (यदि कोई हों) हेतु उसे दाखिल किए जाने की तारीख से कम से कम इक्कीस दिनों की अवधि तक, बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंजों (जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव है) और निर्गम से जुड़े अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के वेबसाइटों पर डालकर सार्वजनिक किया जाएगा।

(2) निर्गमकर्ता, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख से दो दिनों के भीतर, व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, में एक सार्वजनिक घोषणा करेगा, जिसमें बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने का तथ्य प्रकट किया जाए और जिसके जरिए जनता को प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में किए गए प्रकटीकरणों (डिस्क्लोज़र) के संबंध में बोर्ड, निर्गमकर्ता या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए आमंत्रित किया जाए।

(3) अग्रणी प्रबंधक, उप-विनियम (1) में निर्धारित अवधि के समाप्त होने के पश्चात्, उस अवधि के दौरान प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में उनके द्वारा या निर्गमकर्ता द्वारा जनता से प्राप्त टिप्पणियों तथा उन परिवर्तनों, यदि कोई हों, के ब्यौरे बोर्ड के पास प्रस्तुत करेगा (करेंगे), जो तदनुसार प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए जाने अपेक्षित हों।

(4) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्ताव-पत्र वेबसाइटों पर डाल दिए जाएँ, जैसा कि इन विनियमों के तहत अपेक्षित है और उनकी विषय-वस्तु वही हो जो बोर्ड तथा स्टॉक एक्सचेंजों, जो लागू हों, के पास दाखिल किए गए प्रस्ताव-पत्रों में थी।

(5) जब कभी अनुरोध किया जाए, तब अग्रणी प्रबंधक और स्टॉक एक्सचेंज जनता को प्रारूप प्रस्ताव-पत्र की प्रतियाँ उपलब्ध कराएँगे और इसकी प्रति उपलब्ध कराने के लिए वे उपयुक्त शुल्क ले सकते हैं।

#### **भाग-VII - कीमत-निर्धारण**

**73.** (1) निर्गमकर्ता, रिकॉर्ड तिथि (जो नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से तय की जाएगी) तय किए जाने से पहले अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, निर्गम कीमत तय करेगा।

(2) निर्गम कीमत निर्धारित प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य से कम नहीं होगी।

(3) निर्गमकर्ता, बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास दाखिल किए जाने वाले प्रस्ताव-पत्र में निर्गम कीमत का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) करेगा।

**भाग-VII: निर्गमन की शर्तें और प्रक्रिया****आरक्षण**

**74. (1)** निर्गमकर्ता इक्विटी शेयरों का साधिकार निर्गम तभी लाएगा, जब उसने उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों का आरक्षण बकाया अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों, यदि कोई हों, के धारकों के पक्ष में, उनके संपरिवर्तनीय हिस्से के अनुपात में, किया हो।

(2) पूर्णतः या अंशतः अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के लिए इस प्रकार आरक्षित इक्विटी शेयर ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के समय ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों या वारंटों के धारक को उन्हीं शर्तों आदि पर जारी (निर्गमित) किए जाएंगे, जिन पर साधिकार निर्गम में प्रस्तावित इक्विटी शेयर जारी (निर्गमित) किए गए थे।

(3) इन विनियमों के अन्य लागू प्रावधानों के अध्याधीन, निर्गमकर्ता साधिकार निर्गम के साथ अपने कर्मचारियों के लिए आरक्षण कर सकेगा, बशर्ते कि किसी कर्मचारी को किए जाने वाले आबंटन का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक न हो:

परंतु यह कि यदि कर्मचारी के लिए आरक्षित हिस्से में अल्प-अभिदान (अंडर-सब्सक्रिप्शन) हो जाता है, तो ऐसे में जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो उतने हिस्से का आबंटन आनुपातिक आधार पर, दो लाख रुपये से अधिक के मूल्य के लिए, किया जा सकेगा, बशर्ते कि एक कर्मचारी को किया जाने वाला कुल आबंटन पाँच लाख रुपये से अधिक का न हो।

**संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र**

**75. (1)** संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में वे प्रकटीकरण किए जाएँगे, जिनका उल्लेख बोर्ड द्वारा अनुसूची-VI के भाग-च में किया गया है और उसमें ऐसा कोई विषय शामिल नहीं होगा जो प्रस्ताव-पत्र की विषय-वस्तु के बाहर का हो।

(2) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वितरित किए जाने वाले प्रत्येक आवेदन फॉर्म के साथ संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र की प्रति लगाई जाएगी।

**निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.)**

**76.** जहाँ एक से अधिक भुगतान का विकल्प न हो, वहाँ निर्गमकर्ता निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) की सुविधा उसी प्रकार प्रदान करेगा जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए:

**परंतु यह कि** साधिकार निर्गम के अंतर्गत आवेदन करने वाले आवेदक निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) की सुविधा के माध्यम से आवेदन करने के लिए तभी पात्र होंगे, जब: (i) ऐसे आवेदक के पास इक्विटी शेयर गैर-कागजी (डीमैट) रूप में हों; (ii) ऐसे आवेदक ने आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से अपनी हकदारी का त्याग न किया हो; और (iii) ऐसा आवेदक त्याग का फायदा पाने वाला (रिनाउंसी) न हो:

**परंतु यह और कि** निर्गम की अवधि के बाद किसी आरक्षित हिस्से के लिए आवेदन हेतु भुगतान इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग माध्यमों से किया जा सकेगा।

**प्रस्ताव-पत्र और निर्गम संबंधी अन्य सामग्री की उपलब्धता**

**77. (1)** अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि स्टॉक एक्सचेंजों, निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू), रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं (शेयर ट्रांसफर एजेंट), निक्षेपागार सहभागियों (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट), स्टॉक दलालों, हामीदारों (अंडरराइटर), निर्गमन बैंककारों (बैंकर टू इश्यू), निवेशक संघों तथा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को प्रस्ताव-पत्र तथा निर्गम संबंधी अन्य सामग्री (आवेदन फॉर्मों सहित) निर्गम के खुलने से पहले उपलब्ध करा दी जाए।

(2) संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र के साथ-साथ आवेदन फॉर्म (प्ररूप), निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले सभी मौजूदा शेयरधारकों को रजिस्ट्रीकृत डाक या स्पीड पोस्ट या कूरियर सेवा के माध्यम से या इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रेषित किया जाएगा।

(3) प्रस्ताव-पत्र निर्गमकर्ता या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा भी किसी ऐसे मौजूदा शेयरधारक को उपलब्ध कराया जाएगा, जो इस संबंध में निवेदन करता हो।

**सादे कागज पर आवेदन करने संबंधी शर्तें**

**78. (1)** जिन शेयरधारकों को आवेदन फॉर्म प्राप्त न हुआ हो, वे सादे कागज पर लिखित रूप में आवेदन (अपेक्षित आवेदन की रकम के साथ) कर सकेंगे।

(2) सादे कागज पर आवेदन करने वाले शेयरधारक अपने अधिकारों का त्याग करने और किसी भी प्रयोजन (जिसमें त्याग शामिल है) से आवेदन फॉर्म का उपयोग करने के पात्र नहीं होंगे, फिर भले ही वह बाद में प्राप्त हो गया हो।

(3) यदि शेयरधारक आवेदन फॉर्म पर भी आवेदन करता है और साथ ही सादे कागज पर भी आवेदन करता है, तो दोनों आवेदन नामंजूर किए जाने के दायी हैं।

### प्रोत्साहनों पर रोक

**79.** निर्गम से जुड़ा कोई भी व्यक्ति साधिकार निर्गम में आवेदन करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रोत्साहन की, चाहे नकद रूप में या वस्तु रूप में या सेवाओं में या किसी अन्य रूप में, किसी भी प्रकार (चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से) पेशकश नहीं करेगा, किंतु निर्गम के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं के लिए फीस या कमीशन अदा किया जा सकेगा।

### जमानती जमा (सिक्क्यूरिटी डिपॉजिट)

**80.** (1) निर्गमकर्ता, अभिदान (सब्सक्रिप्शन) सूची के खुलने से पहले, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास वह रकम जमा करेगा, जिसकी गणना निर्गम के आकार के एक प्रतिशत की दर से की जाएगी और जो बोर्ड और/या स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा निर्धारित तरीके से जमा की जाएगी।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित रकम उसी प्रकार लौटाई जाएगी या जब्त (समपहृत) की जाएगी, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### हामीदारी

**81.** (1) यदि निर्गमकर्ता निर्गम की हामीदारी करवाने को इच्छुक हो, तो वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के अनुसार हामीदारों को नियुक्त करेगा।

**परंतु यह कि** संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह को छोड़कर शेयरधारकों की जितनी हकदारी हो, निर्गम की केवल उतनी ही हामीदारी करवाई जा सकती है।

(2) प्रत्येक निर्गम (जिसकी हामीदारी की जानी हो) के मामले में, अग्रणी प्रबंधक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 में यथा-निर्धारित न्यूनतम हामीदारी की बाध्यताओं का जिम्मा लेगा (लेंगे)।

### अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी

**82.** (1) यदि निर्गम (इश्यू) का आकार एक सौ करोड़ रुपये से अधिक हो जाता हो, तो निर्गमकर्ता (इश्युअर) निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) के उपयोग के लिए व्यवस्थाएँ करेगा, जिसका अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) लोक वित्तीय संस्था द्वारा या निर्गमकर्ता के बैंककारों के रूप में प्रस्ताव-पत्र में उल्लिखित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक द्वारा किया जाएगा :

**परंतु यह कि** इस खंड में दी हुई कोई भी बात बैंक या लोक वित्तीय संस्था या बीमा कंपनी द्वारा लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) के निर्गम (इश्यू) पर लागू नहीं होगी।

(2) अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी निर्गमकर्ता (इश्युअर) को अपनी रिपोर्ट **अनुसूची-XI** के अंतर्गत दिए हुए फॉर्मेट में तिमाही आधार पर तब तक प्रस्तुत करती रहेगी, जब तक निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) [उस पैसे (प्रॉसीड्स) को छोड़कर जो साधारण कारपोरेट प्रयोजनों हेतु जुटाया गया हो] के कम से कम पचानवे प्रतिशत का उपयोग न कर लिया जाए।

(3) निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल और प्रबंध-मंडल अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी के निष्कर्षों के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ देगा, जैसा अनुसूची-XI में निर्धारित है।

(4) निर्गमकर्ता (इश्युअर), प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पैंतालीस दिनों के भीतर, अनुश्रवण एजेंसी की रिपोर्ट अपने वेबसाइट पर अपलोड करके और साथ ही उसे उस स्टॉक एक्सचेंज (उन स्टॉक एक्सचेंजों) के पास प्रस्तुत करके सार्वजनिक रूप से प्रसारित करेगा, जहाँ उसके इक्विटी शेयर सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।

### सार्वजनिक सूचनाएँ, प्रचार सामग्री, विज्ञापन और अनुसंधान रिपोर्टें

**83.** समस्त सार्वजनिक सूचनाओं, प्रचार सामग्री, विज्ञापनों और अनुसंधान रिपोर्टों के संबंध में **अनुसूची-IX** के प्रावधानों का पालन किया जाएगा।



**निर्गम से संबंधित विज्ञापन**

**84.** (1) निर्गमकर्ता, निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले, निम्नलिखित का प्रकटीकरण करते हुए व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र, जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, में विज्ञापन जारी करेगा:

**संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र और आवेदन फॉर्म के प्रेषण के पूरा होने की तारीख;**

- (क) निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय से भिन्न ऐसे केंद्र जहाँ शेयरधारक या अधिकारों संबंधी हकदारियाँ पाने के लिए पात्र व्यक्ति आवेदन फॉर्मों की दूसरी प्रतियाँ प्राप्त कर सकेंगे, यदि उन्हें साधिकार निर्गम के खुलने के पश्चात् उपयुक्त समय के भीतर आवेदन फॉर्म प्राप्त नहीं होता है;
- (ख) यह कथन कि यदि अधिकारों संबंधी हकदारियाँ पाने के लिए पात्र शेयरधारकों को न तो मूल आवेदन फॉर्म प्राप्त हुए हों और न ही वे फॉर्मों की दूसरी प्रति प्राप्त करने की स्थिति में हों, तो वे साधिकार निर्गम में अभिदान करने (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) के लिए सादे कागज पर लिखित रूप में आवेदन कर सकेंगे जिसके साथ एक फॉर्मेट दिया जाएगा जिसके अंतर्गत आवश्यक विवरणों का उल्लेख हो, जैसे कि नाम, पता, साधिकार निर्गम का अनुपात, निर्गम कीमत, कितनी इक्विटी शेयर धारण करते हैं, लेजर फोलियो नंबर, निक्षेपागार सहभागी का आई.डी., ग्राहक का आई.डी., कितने इक्विटी शेयरों के हकदार हैं तथा कितने इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन किया है, आवेदन के साथ अदा की जाने वाली रकम, और निर्गमकर्ता के खाते के पक्ष में लिखे जाने वाले चेक;
- (ग) यह कथन कि आवेदन शेयरधारकों द्वारा सीधे रजिस्ट्रीकृत डाक से विज्ञापन में दिए गए पते पर निर्गमकर्ता के नामनिर्दिष्ट अधिकारी को (आवेदन की रकम के साथ) भिजवाए जा सकते हैं;
- (घ) इस आशय का कथन कि यदि शेयरधारक सादे कागज पर भी आवेदन करता है और साथ ही आवेदन फॉर्म पर भी आवेदन करता है, तो ऐसे में यदि निर्गमकर्ता चाहे तो दोनों आवेदन नामंजूर कर सकेगा।

(2) जिस अवधि के दौरान निर्गम अभिदान (पैसा लगाने/ सब्सक्रिप्शन करने) के लिए खुला हो, उस अवधि के दौरान ऐसा कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा जिससे यह लगे कि निर्गम में पूरा अभिदान हो गया है या अति-अभिदान हो गया है या जिससे यह पता चले कि निवेशकों का निर्गम के प्रति रुझान कितना है।

(3) निर्गम के बंद होने संबंधी घोषणा केवल तभी की जाएगी जब अग्रणी प्रबंधक इस बात से संतुष्ट हो जाए (जाएँ) कि प्रस्ताव-पत्र के माध्यम से किए गए प्रस्ताव के कम से कम नब्बे प्रतिशत का अभिदान (सब्सक्रिप्शन) हो गया है और निर्गम रजिस्ट्रार से इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया गया है:

**परंतु यह कि ऐसी घोषणा उस तारीख से पहले नहीं की जाएगी जिस तारीख को निर्गम बंद होना हो, किंतु ऐसी घोषणा इन विनियमों के अंतर्गत दिए हुए फॉर्मेट के अनुसार निर्गम के बंद होने के संबंध में जारी किए जाने वाले विज्ञापन में की जा सकती है।**

**निर्गम का खोला जाना**

**85.** (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का पालन किए जाने के अध्यक्षीन, साधिकार निर्गम विनियम 71 के तहत बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने की तारीख से बारह महीनों के भीतर खोला जा सकेगा।

**परंतु यह कि तीव्र-पथीय निर्गम के मामले में, निर्गम रिकॉर्ड तिथि से बारह महीनों के भीतर खोला जाएगा।**

**न्यूनतम अभिदान**

**86.** (1) निर्गम (इश्यू) से कम से कम इतना अभिदान (पैसा / सब्सक्रिप्शन) अवश्य मिले कि वह प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से लाए जाने वाले प्रस्ताव (ऑफर) के नब्बे प्रतिशत से कम न हो।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित न्यूनतम अभिदान प्राप्त न होने की दशा में, प्राप्त समस्त आवेदन की रकम आवेदकों को तुरंत [किंतु निर्गम (इश्यू) के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर ही] लौटा दी जाएगी।

### अभिदान की अवधि

**87.** साधिकार निर्गम अभिदान हेतु कम से कम पंद्रह दिनों की अवधि के लिए और अधिक से अधिक तीस दिनों की अवधि के लिए खोला जाएगा।

### भुगतान के विकल्प

**88.** निर्गमकर्ता हर प्रकार की लिखत के लिए सभी शेयरधारकों को निम्नलिखित भुगतान के विकल्पों में से एक विकल्प देगा:

(क) आवेदन के समय आंशिक भुगतान और बाकी की रकम का मांगे जाने पर भुगतान; या

(ख) आवेदन के समय पूरा भुगतान:

परंतु यह कि आवेदन के समय आंशिक भुगतान, यदि कोई हो, निर्गम की कीमत के पच्चीस प्रतिशत से कम नहीं होगा और ऐसा निर्गमकर्ता ऐसा किया जाना सुगम बनाने के लिए जरूरी विनियामक (रेग्युलेटरी) मंजूरियाँ लेगा।

### मांगे जाने का तरीका

**89.** यदि निर्गमकर्ता अभिदान की रकम किस्तों में प्राप्त करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि अभिदान की बकाया रकम की मांग निर्गम में आबंटन की तारीख से बारह महीनों के भीतर की जाती है और यदि कोई आवेदक उक्त बारह मास के भीतर मांग की रकम अदा करने में असफल रहता है, तो जिन इक्विटी शेयरों पर मांग बकाया है उन इक्विटी शेयरों को और साथ ही ऐसे शेयरों पर पहले ही से अदा की गई अभिदान की रकम को समपहत (जब्त) कर लिया जाएगा:

परंतु यह कि बारह महीनों के भीतर अभिदान की बकाया रकम की मांग करना आवश्यक नहीं होगा, यदि निर्गमकर्ता ने विनियम 82 की शर्तों आदि के अनुसार अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी को नियुक्त किया हो।

### आबंटन प्रक्रिया और आबंटन का आधार

**90.** (1) निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रस्ताव-पत्र के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों से अधिक कोई आबंटन नहीं करेगा।

(2) आबंटन इस प्रकार किया जाएगा:

क) जिन पात्र शेयरधारकों ने अपनी अधिकारों संबंधी हकदारी (चाहे आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से) के लिए आवेदन किया हो उन्हें पूरा आबंटन और त्याग का फायदा पाने वाले (पाने वालों) को भी पूरा आबंटन किया जाएगा जिसने (जिन्होंने) उसके (उनके) पक्ष में जिन निर्धारित प्रतिभूतियों का त्याग किया गया हो, उनके लिए आवेदन (चाहे पूरी हकदारी के लिए या उसके किसी हिस्से के लिए, जो फ्रैक्शनल हकदारी का समायोजन करने के बाद निकाली गई हो) किया हो;

ख) जिन पात्र शेयरधारकों ने अपनी अधिकारों संबंधी पूरी हकदारी के अनुसार निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन कर दिया हो और अतिरिक्त निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए भी आवेदन किया हो, उन्हें आबंटन, जहाँ तक संभव हो, निष्पक्ष तरीके से किया जाएगा और ऐसा करते समय यह पूरा-पूरा ध्यान रखा जाएगा कि उनके पास रिकॉर्ड तिथि तक कितनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ थीं, बशर्ते कि ऊपर (क) के अनुसार आबंटन किए जाने के बाद भी अभिदान न हुआ हो;

ग) यदि ऊपर (क) एवं (ख) के अंतर्गत पूरा आबंटन किए जाने के बाद भी अभिदान न हुआ हो, तो उन त्याग का फायदा पाने वालों को आबंटन किया जाएगा, जिन्होंने उनके पक्ष में त्याग की गई निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया हो और साथ ही अतिरिक्त निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए भी आवेदन किया हो। ऐसी अतिरिक्त निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन आनुपातिक आधार पर किया जा सकेगा।

(3) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के प्राधिकृत कर्मचारियों के साथ-साथ अग्रणी प्रबंधक तथा निर्गम रजिस्ट्रार यह सुनिश्चित करेंगे कि आबंटन के आधार को निष्पक्षता से तथा सही ढंग से अंतिम रूप दिया जाता है, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### आबंटन करना, पैसा लौटाना और ब्याज अदा करना

**91.** (1) निर्गमकर्ता (इश्युअर) और अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी अवधि के भीतर, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए, निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन हो जाता है और / या आवेदन की रकम लौटा दी जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक कर दिया जाता है।

(2) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि आबंटन (अलॉटमेंट) करना, गैर-कागज़ी (डीमैट) प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) को खाते में जमा (क्रेडिट) करना, पैसा लौटाना (रिफंड करना) या आवेदन की रकम को अनब्लॉक करना, जो भी लागू हो, यह सब कुछ इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाता है।

(3) जहाँ ऊपर उप-विनियम (1) में निर्धारित की गई अवधि के भीतर निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन नहीं किया जाता है और / या आवेदन की रकम नहीं लौटाई जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक नहीं किया जाता है, वहाँ निर्गमकर्ता (इश्युअर) शेयरधारकों को पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और ऐसे समय के भीतर ब्याज अदा करने का वचन देगा जैसा प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव-पत्र में प्रकट किया गया हो, और अग्रणी प्रबंधक इस बात को सुनिश्चित करेगा (करेंगे)।

### निर्गम के पश्चात् के विज्ञापन

**92.** (1) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि अभिदान, आबंटन के आधार, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) सहित सभी आवेदनों की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन सहित सभी आवेदनों हेतु सफल आबंटितियों (अलॉटमेंट) की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, धनवापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा होने की तारीख, जो लागू हो, रजिस्ट्रार द्वारा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को दिए गए अनुदेश, निर्धारित प्रतिभूतियाँ खाते में जमा कराए जाने (क्रेडिट किए जाने) की तारीख तथा सूचीबद्धता (लिस्टिंग) हेतु आवेदन दाखिल किए जाने की तारीख, आदि से संबंधित व्यौरे देते हुए विज्ञापन, व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में जारी किया जाता है जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत (पंजीकृत) कार्यालय स्थित हो।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित व्यौरे उन स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर भी डाले जाएँगे, जहाँ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों।

### निर्गम के पश्चात् अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारियाँ

**93.** (1) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारी निर्गम संबंधी प्रक्रिया पूरी होने तक तो रहेगी ही, बल्कि उसके बाद भी निर्गम से संबंधित किसी मामले के संबंध में बनी रहेगी।

(2) अग्रणी प्रबंधक निर्गम संबंधी किन्हीं क्रियाकलापों से संबंधित निवेशक शिकायतों के निवारण पर लगातार नज़र रखेगा (रखेंगे)।

(3) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के पश्चात् के क्रियाकलापों के लिए तब तक जिम्मेदार बना रहेगा (बने रहेंगे) जब तक आवेदकों को प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त न हो जाएँ, उनके डीमैट खाते में जमा (क्रेडिट) न हो जाए या आवेदन की रकम लौटा न दी जाए और निर्गमकर्ता द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करार (लिस्टिंग एग्रीमेंट) न कर लिया जाए और सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या व्यापार (ट्रेडिंग) की अनुमति न ले ली जाए।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के बंद होने के बाद नियमित अंतरालों में निर्गम रजिस्ट्रारों और विभिन्न मध्यवर्तियों से समवन्य करेगा (करेंगे) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) या बैंक की संग्रहणकर्ता शाखाओं और/या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर, आवेदनों (जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के लिए आवेदन फॉर्म शामिल हैं) के संबंध में की जा रही कार्यवाही पर और दूसरे मामलों पर तब तक नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होंगे, जब तक आबंटन के आधार को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्रेषित नहीं कर दिए जाते, आबंटितियों के डीमैट खाते में निर्धारित प्रतिभूतियाँ जमा नहीं कर दी जातीं, जो लागू हो, तथा निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों को अनब्लॉक नहीं कर दिया जाता / धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा नहीं कर लिया जाता और प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जातीं, जो भी लागू हो।

(5) यदि अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को किसी मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) की ओर से किसी ऐसी त्रुटि का पता चलता है जो उनके कुछ करने या न करने की वजह से हुई हो, तो वे विधिवत रूप से उसकी रिपोर्ट बोर्ड को देंगे।

(6) यदि हामीदारों पर न्यागमन (डिवाॅल्वमेंट) हुआ हो, तो अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि हामीदारों की बाध्यता से युक्त न्यागमन की सूचना निर्गम के बंद होने की तारीख से दस दिनों की अवधि के भीतर जारी की जाती है।

(7) जिन अल्प-अभिदत्त निर्गमों (जिसमें कम अभिदान हुआ हो) के संबंध में हामीदारी की जाती हो, उन निर्गमों के मामले में, अग्रणी प्रबंधक बोर्ड को, अनुसूची-XVIII में दिए हुए फॉर्मेट में, उन हामीदारों (अंडरराइटर्स) की जानकारी देगा (देंगे) जो अपनी हामीदारी पूरी करने में असफल रहे हों।

### अभिदान की रकम को निर्मुक्त (रिलीज़) किया जाना

**94.** (1) अग्रणी प्रबंधक सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मिली मंजूरीयों की प्रतियों के माध्यम से, निर्गमन बैंककारों (बैंकर्स टू द इश्यू) को यह पुष्टि करेगा कि निर्गम के संबंध में सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं और यह कि बैंककार (बैंकर) निर्गमकर्ता को पैसा सौंप सकता है या निर्गम के असफल होने की दशा में पैसा लौटाने (रिफंड करने) हेतु पैसा निर्मुक्त (रिलीज़) कर सकता है।

(2) यदि निर्गमकर्ता (इश्युअर) उन स्टॉक एक्सचेंजों से, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों, सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मंजूरी प्राप्त करने में असफल रहता हो, तो वह स्टॉक एक्सचेंजों से निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता हेतु किए गए आवेदन को नामंजूर किए जाने की सूचना प्राप्त होने की तारीख से सात दिनों के भीतर, प्राप्त हुई पूरी रकम, ऐसे माध्यमों के जरिए लौटा देगा (रिफंड कर देगा), जिनकी पुष्टि की जा सकती हो और यदि ऐसी रकम निर्गमकर्ता के ऐसी रकम को लौटाने के दायी होने के आठ दिनों के भीतर नहीं लौटाई जाती, तो निर्गमकर्ता और कंपनी का ऐसा प्रत्येक निदेशक जो चूककर्ता अधिकारी हो, आठवें दिन की समाप्ति से, पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के साथ रकम लौटाने का, पृथक् रूप से और संयुक्त रूप से, दायी होगी।

(3) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गम की बाबत प्राप्त पैसा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 40 की उप-धारा (3) (यथा लागू) के प्रावधानों का पालन करते हुए निर्गमकर्ता को सौंप दिया जाता है।

### संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह द्वारा किए गए लेनदेनों की सूचना (रिपोर्टिंग)

**95.** निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव-पत्र को दाखिल किए जाने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तक समूह द्वारा प्रतिभूतियों में किए गए समस्त लेनदेनों की सूचना (रिपोर्ट) उन स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे लेनदेनों से चौबीस घंटों के भीतर, दी जाएगी जिनमें प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराई जानी हों।

### निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें

**96.** अग्रणी प्रबंधक 'निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें' इस प्रकार प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

- (क) **अनुसूची-XVII** के भाग-ख में यथा-निर्धारित 'निर्गम के पश्चात् की आरंभिक रिपोर्ट', निर्गम के बंद होने से तीन कार्य-दिवसों के भीतर;
- (ख) **अनुसूची-XVII** के भाग-ग में यथा-निर्धारित निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट' आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिए जाने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर या निर्गम के असफल होने के मामले में पैसा लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) से पंद्रह दिनों के भीतर।

### भाग-VIII: विविध

#### बाद वाले पूँजी निर्गमों संबंधी पाबंदियाँ

**97.** निर्गमकर्ता (इश्युअर) किसी भी प्रकार से निर्धारित प्रतिभूतियों का कोई बाद वाला निर्गम नहीं लाएगा, फिर चाहे वह सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) हो, साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) हो, अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) हो, अर्हित संस्था नियोजन (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल प्लेसमेंट) हो, बोनस शेयरों का निर्गम हो या कुछ और हो, किंतु कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम (एम्प्लॉई स्टॉक ऑप्शन स्कीम) के अनुसरण में ऐसा किया जा सकता है:

- (क) तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में, उन स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख जिनमें प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है और प्रस्ताव-पत्र के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या आवेदन की रकम को लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) की तारीख के बीच की अवधि के दौरान; या
- (ख) अन्य निर्गमों के मामले में, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख तथा प्रस्ताव-पत्र के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या आवेदन रकम को लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) की तारीख के बीच की अवधि के दौरान;

जब तक कि निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या या ऐसे बाद वाले निर्गम से जुटाए जाने हेतु प्रस्तावित रकम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण, यथास्थिति, ऐसे प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव-पत्र में न कर दिए जाएँ।

### निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के अधिकारों में परिवर्तन

**98.** निर्गमकर्ता निर्धारित प्रतिभूतियों की शर्तों आदि [निर्गम (इश्यू) की शर्तों आदि सहित] में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं करेगा, जो उन निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करे, किंतु वह उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के कम से कम तीन-चौथाई धारकों की लिखित रूप में सहमति लेकर या उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों की बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से मंजूरी लेकर ऐसा कर सकता है।

### भाग-IX: तीव्र-पथीय साधिकार निर्गम

#### पात्रता की शर्तें

**99.** (1) जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो, यदि निर्गमकर्ता तीव्र-पथीय मार्ग (फास्ट ट्रैक रूट) के जरिए साधिकार निर्गम लाने के संबंध में निम्नलिखित शर्तें पूरी करता है, तो विनियम 71 के उप-विनियम (1), (2), (4) एवं (5) में दी हुई कोई भी बात लागू नहीं होगी:

- (क) निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर संदर्भ तारीख से ठीक पहले की कम से कम तीन वर्षों की अवधि के लिए किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध रहे हों;
- (ख) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक समूह की पूरी शेयरधारिता संदर्भ तारीख को गैर-कागज़ी रूप में हो;
- (ग) सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के मामले में, निर्गमकर्ता की सार्वजनिक शेयरधारिता का औसत बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइज़ेशन) कम से कम दो सौ पचास करोड़ रुपये हो;
- (घ) संदर्भ तारीख के महीने से ठीक पहले के छह कलेंडर महीनों के दौरान निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों का वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह महीनों की अवधि के दौरान सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (वेटेड एवरेज नंबर) का कम से कम दो प्रतिशत रहा हो:

**परंतु यह कि** उन निर्गमकर्ताओं के लिए जिनकी सार्वजनिक शेयरधारिता उनकी निर्गमित इक्विटी पूँजी के पंद्रह प्रतिशत से कम हो, उनके लिए इक्विटी शेयरों का वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह महीनों की अवधि के दौरान फ्री फ्लोट के रूप में उपलब्ध इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या का कम से कम दो प्रतिशत रहा हो;

- (ङ) संदर्भ तारीख के महीने से ठीक पहले के छह कलेंडर महीनों के दौरान इक्विटी शेयरों का वार्षिक सुपुर्दगी-आधारित (डिलीवरी बेस्ड) व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह महीनों की अवधि के दौरान इक्विटी शेयरों के वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) का कम से कम दस प्रतिशत रहा हो;
- (च) निर्गमकर्ता संदर्भ तारीख से ठीक पहले की कम से कम तीन वर्षों की अवधि तक, इक्विटी सूचीबद्धता करार (इक्विटी लिस्टिंग एग्रीमेंट) या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015], जो भी लागू हो, का पालन करता रहा हो:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता ने निदेशक मंडल की संरचना के संबंध में, इक्विटी सूचीबद्धता करार (इक्विटी लिस्टिंग एग्रीमेंट) या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015], जो भी लागू हो, के प्रावधानों का, संदर्भ तारीख से ठीक पहले के अंतिम तीन वर्षों के दौरान किसी भी तिमाही में, पालन न किया हो, किंतु यदि उसने प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) दाखिल करते समय ऐसे प्रावधानों का पालन कर लिया हो, और संदर्भ तारीख से ठीक पहले के तीन वर्षों के दौरान इस प्रकार पालन न किए जाने के संबंध में प्रस्ताव-पत्र में पर्याप्त प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र्स) कर दिए हों, तो यह मान लिया जाएगा कि शर्त का पालन हो गया है:

**परंतु यह और कि** स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्गमकर्ता (इश्युअर) पर आर्थिक जुर्माने लगाना ही इस बात का आधार नहीं होगा कि वह इस विनियम के तहत निर्गम लाने का पात्र नहीं है;

- (छ) निर्गमकर्ता ने संदर्भ तारीख के महीने से ठीक पहले की तिमाही के अंत तक निवेशकों से प्राप्त शिकायतों में से कम से कम पचानवे प्रतिशत शिकायतों का निवारण कर लिया हो;
- (ज) संदर्भ तारीख तक निर्गमकर्ता या उसके संप्रवर्तकों या पूर्णकालिक निदेशकों के खिलाफ बोर्ड द्वारा कोई कारण बताओ सूचनाएँ जारी न की गई हों या कोई अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) कार्यवाहियाँ शुरू न की गई हों और न ही लंबित हों;

- (झ) निर्गमकर्ता अथवा निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह या निदेशक ने संदर्भ तारीख (रेफ़रेंस डेट) से ठीक पहले के तीन वर्षों के दौरान प्रतिभूति विधियों के किसी कथित उल्लंघन का निपटारा बोर्ड की सहमति या निपटारे संबंधी व्यवस्था के जरिए न कराया हो;
- (ञ) संदर्भ तारीख से ठीक पहले के अंतिम तीन वर्षों के दौरान अनुशासनिक उपाय के तौर पर निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में किए जा रहे व्यापार (ट्रेडिंग) को निलंबित न किया गया हो;
- (ट) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और निर्गमकर्ता या उसकी समूह (ग्रुप) कंपनियों के बीच, लागू विनियमों के अनुसार, कोई भी हित विरोध न हो;
- (ठ) संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह अपनी अधिकारों संबंधी हकदारी के प्रति अवश्य अभिदान करेंगे (पैसा लगाएं) और वे अपने अधिकारों का त्याग नहीं करेंगे, सिवाय वहाँ जहाँ त्याग संप्रवर्तक समूह के भीतर हो या प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के तहत निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी मानदंडों का पालन करने के प्रयोजनार्थ किया जाए;
- (ड) जिन वित्तीय वर्षों के संबंध में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षित लेखों को प्रस्ताव-पत्र में प्रकट किया जाता हो, उन वित्तीय वर्षों के लेखापरीक्षित लेखों के बारे में लेखापरीक्षा करने पर कोई अभिमत न दिया गया हो।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ:

- (i) "सार्वजनिक शेयरधारिता के औसत बाजार पूंजीकरण" से अभिप्रेत है - जिस महीने में प्रस्तावित निर्गम, यथास्थिति, शेयरधारकों या निर्गमकर्ता के बोर्ड द्वारा मंजूर किया गया हो, उस महीने से पहले की तिमाही के अंत तक एक वर्ष की अवधि की सार्वजनिक शेयरधारिता के दैनिक बाजार पूंजीकरण के योग को व्यापार के दिनों (ट्रेडिंग डे) की संख्या से विभाजित करने पर प्राप्त संख्या।
- (ii) "सार्वजनिक शेयरधारिता" का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) रूल्स, 1957] में इसके लिए नियत है।
- (iii) "संदर्भ तारीख" से नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख अभिप्रेत है।
- (iv) इस विनियम के लिए "लेखापरीक्षा संबंधी अभिमत" वे होंगे जो स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में राय में बदलाव से संबंधित लागू लेखा मानक के तहत प्रकट किए गए हों और जिनके लिए अभिमत देते हुए राय (क्वलिफाइड ओपिनियन), प्रतिकूल राय या बड़ी गलतबयानियों हेतु राय के संबंध में दावात्याग (डिस्क्लेमर) जरूरी हो।

### निर्गम की शर्तें

**100.** (1) निर्गमकर्ता विनियम 71 के उप-विनियम 8 एवं 9 के अनुसार बोर्ड तथा स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल करेगा और बोर्ड को **अनुसूची-III** में यथा-निर्धारित फीस अदा करेगा।

(2) अग्रणी प्रबंधक बोर्ड के पास, प्रस्ताव-पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

- (क) **अनुसूची-V** के **प्ररूप-क** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र, जिसमें **अनुसूची-V** के **प्ररूप-ड** में यथा-निर्धारित अतिरिक्त पुष्टीकरण शामिल हैं;
- (ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (कन्वर्टिबल डैट इंस्ट्रूमेंट) के तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में, **अनुसूची-V** के **प्ररूप-ख** के अनुसार डिबेंचर न्यासी से पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र।

### अध्याय-IV: बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव

#### भाग-I: पात्रता अपेक्षाएँ

#### संदर्भ तारीख

**101.** जब तक कि इस अध्याय में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, निर्धारित प्रतिभूतियों का बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल किए जाने की तारीख तक और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने की तारीख तक भी इस अध्याय में दी हुई शर्तों को पूरा करेगा।

**बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए अपात्र एंटिटियों**

**102.** निर्गमकर्ता बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए पात्र नहीं होगा,

- (क) यदि निर्गमकर्ता, उसके किसी संप्रवर्तक (प्रमोटर), संप्रवर्तक समूह या निदेशक या विक्रय करने वाले शेयरधारक को बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो।
- (ख) यदि निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या निदेशकों में से कोई ऐसी किसी अन्य कंपनी का संप्रवर्तक या निदेशक हो जिसे बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो।
- (ग) यदि निर्गमकर्ता अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) हो।
- (घ) यदि उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी हो।

**स्पष्टीकरण:** ऊपर (क) एवं (ख) के तहत दी हुई पाबंदियाँ उनमें उल्लिखित उन व्यक्तियों या एंटिटियों पर लागू नहीं होंगी, जिन्हें बोर्ड द्वारा पहले कभी विवर्जित किया गया हो और विवर्जन की अवधि बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से पहले ही पूरी हो चुकी हो।

**बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए पात्रता अपेक्षाएँ**

**103.** (1) निर्गमकर्ता बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा, यदि उसने पिछले एक वर्ष के भीतर अपने नाम में परिवर्तन किया हो, तो पिछले एक पूरे वर्ष हेतु उसे कम से कम पचास प्रतिशत की आमदनी [जिसकी गणना रीस्टेटेड तथा समेकित आधार पर की गई हो] उस क्रियाकलाप से हुई हो जो उसके नए नाम से झलकता हो।

(2) उप-विनियम (1) में दी हुई शर्त को पूरा न करने वाला निर्गमकर्ता (इश्युअर) बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए तभी पात्र होगा, जब निर्गम (इश्यू) बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाया जाए और निर्गमकर्ता अर्हित संस्थागत क्रेताओं (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर्स) को शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) का कम से कम पचहत्तर प्रतिशत आबंटित करने का तथा यदि वह अर्हित संस्थागत क्रेताओं को उक्त न्यूनतम आबंटन करने में असफल रहता है तो अभिदान (सब्सक्रिप्शन) की पूरी रकम लौटाने का वचन दे।

**सामान्य शर्तें**

**104.** (1) बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि:

- (क) उसने, **अनुसूची-XIX** के अनुसार, एक या एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे स्टॉक एक्सचेंजों में अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराने हेतु सैद्धांतिक मंजूरी लेने के लिए, आवेदन कर दिया है और उनमें से किसी एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुन लिया है;
- (ख) उसने पहले ही से निर्गमित या निर्गमित किए जाने के लिए प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों को गैर-कागजी (डीमैट) रूप दिए जाने हेतु निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) के साथ करार (एग्रीमेंट) कर लिया है;
- (ग) उसके सभी मौजूदा अंशतः समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर या तो पूर्णतः समादत्त हो गए हैं या वे जव्त (समपहृत / फॉफीट) हो गए हैं;
- (घ) उसने माध्यमों (जिनकी पुष्टि की जा सकती हो) या मौजूदा आंतरिक एक्जाल (जिनकी पहचान की जा सकती हो) के जरिए उस विशिष्ट परियोजना का पचहत्तर प्रतिशत वित्तपोषण [जिसमें प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के माध्यम से जुटाई जाने वाली रकम शामिल नहीं है] करने के लिए पक्के इंतजाम कर लिए हैं, जिसका वित्तपोषण निर्गम से आए पैसों से किए जाने का प्रस्ताव हो।

(2) साधारण कारपोरेट प्रयोजनों (जिनका उल्लेख प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गम के उद्देश्यों के अंतर्गत किया गया हो) के लिए रकम निर्गमकर्ता द्वारा जुटाई जाने वाली रकम की पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ, "परियोजना" से वह उद्देश्य अभिप्रेत है जिसके लिए निर्गम के उद्देश्यों के संबंध में पैसा जुटाए जाने का प्रस्ताव है;

### ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ हेतु अतिरिक्त शर्तें

**105.** केवल ऐसे पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों का ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ जनता के लिए लाया जा सकेगा, जो प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने से कम से कम एक वर्ष पहले की अवधि तक विक्रेताओं के पास रहे हों।

**परंतु यह और कि** इस प्रकार धारण करने की एक वर्ष की अवधि का पालन प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने के समय करना जरूरी होगा।

**परंतु यह कि** यदि पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (जिनमें निक्षेपागार रसीदें शामिल हैं) के संपरिवर्तन या विनिमय पर प्राप्त इक्विटी शेयरों का ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ लाया जा रहा हो, तो ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (जिनमें निक्षेपागार रसीदें शामिल हैं) को और साथ ही संपरिवर्तित इक्विटी शेयरों को धारण करने की अवधि पर एक साथ, इस उप-विनियम में उल्लिखित एक वर्ष की अवधि की गणना करने के प्रयोजनार्थ, विचार किया जाएगा।

**स्पष्टीकरण:** यदि पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनिमय से मिलने वाले इक्विटी शेयरों का ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ किया जा रहा है, तो ऐसा संपरिवर्तन या विनिमय प्रस्ताव दस्तावेज [अर्थात् बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस और नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में प्रॉस्पेक्टस] दाखिल किए जाने से पहले पूरा कर लिया जाना चाहिए, बशर्ते कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में संपरिवर्तन या विनिमय की शर्तों आदि के पूरे प्रकटीकरण कर दिए जाएँ।

**परंतु यह और कि** एक वर्ष की अवधि तक इक्विटी शेयरों को धारण करने की अपेक्षा निम्नलिखित मामलों में लागू नहीं होंगी:

- (क) सरकारी कंपनी या कानूनी प्राधिकरण (स्टैट्यूटरी अथॉरिटी) या निगम (कारपोरेशन) या उनमें से किसी एक या एक से अधिक द्वारा बनाए गए तथा नियंत्रित किसी विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पज वीहिकल), जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो, के ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ के मामले में;
- (ख) यदि विक्रय के लिए प्रस्तावित इक्विटी शेयर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत अधिकरण (ट्रायब्युनल) या केंद्रीय सरकार द्वारा मंजूर किसी स्कीम (जो भी लागू हो) के अनुसरण में उस कारबार तथा निवेश की गई पूँजी की एवज में अर्जित किए गए थे, जो ऐसी स्कीम की मंजूरी से पहले एक वर्ष से अधिक की अवधि तक मौजूद रही हो।
- (ग) यदि विक्रय के लिए प्रस्तावित इक्विटी शेयर बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने से कम से कम एक वर्ष पहले की अवधि तक धारित प्रतिभूतियों के संबंध में बोनस निर्गम के तहत निर्गमित (इश्यू) किए गए थे, और बशर्ते कि-
  - (i) जिस वित्तीय वर्ष में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास दाखिल किया जाता है, उस वित्तीय वर्ष से पहले के वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक की स्थिति के अनुसार लेखा बहियों में यथा उल्लिखित खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स) और शेयर प्रीमियम में से ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ निर्गमित की जा रही हों; और
  - (ii) ऐसे इक्विटी शेयर निर्गमकर्ता की पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों (रीवैल्यूएशन रिज़र्व) या अप्राप्त लाभों का इस्तेमाल करके निर्गमित न किए जा रहे हों।

### भाग-II: संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों और वारंटों का निर्गमन

#### संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के लिए पात्रता अपेक्षाएँ

**106.** (1) निर्गमकर्ता संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (कनवर्टिबल डेट इंस्ट्रुमेंट्स) का बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने का पात्र होगा, यदि उसके इक्विटी शेयर पहले से ही सूचीबद्ध हों।

**परंतु यह कि** उसने स्वयं द्वारा जनता को निर्गमित ऋण लिखतों (डेट इंस्ट्रुमेंट्स), यदि कोई हों, के संबंध में, छह महीनों से अधिक की अवधि तक, ब्याज अदा करने में या मूलधन की रकम की चुकौती करने में चूक न की हो।

#### संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएँ

**107.** (1) इन विनियमों में जिन अन्य अपेक्षाओं का उल्लेख किया गया है उनके अलावा, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का सार्वजनिक निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों का भी पालन करेगा:

- (क) उसने कम से कम एक साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) एजेंसी से क्रेडिट रेटिंग ले ली हो;



- (ख) उसने कंपनी अधिनियम, 2013 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 [सेबी (डिबेंचर ट्रस्टीज़) रेग्यूलेशन, 1993] के प्रावधानों के अनुसार कम से कम एक डिबेंचर न्यासी नियुक्त कर लिया हो;
- (ग) वह कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार डिबेंचर मोचन आरक्षिति (रिडेंप्शन रिज़र्व) बनाएगा;
- (घ) यदि निर्गमकर्ता प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की बाबत अपनी आस्तियों (असेट्स) पर भार या जमानत (सिक्यूरिटी) सृजित करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि:
- (i) ऐसी आस्तियाँ किसी भी समय मूलधन की रकम चुकाने के लिए पर्याप्त हैं ;
  - (ii) ऐसी आस्तियों पर कोई ऋण-भार नहीं है ;
  - (iii) जहाँ ऐसी आस्तियों पर जमानत पहले ही से किसी लोक वित्तीय संस्था या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक के पक्ष में सृजित की गई हो या संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम को पट्टेवाली (लीज़होल्ड) भूमि पर जमानत सृजित करके प्रतिभूत किए जाने का प्रस्ताव हो, वहाँ द्वितीय या एक समान भार हेतु ऐसे उधारदाता या प्रतिभूति न्यासी या पट्टाकर्ता की सहमति प्राप्त कर ली गई है और निर्गम के खुलने से पहले डिबेंचर न्यासी को प्रस्तुत कर दी गई है;
  - (iv) यदि संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें द्वितीय भार या बाद में किसी भार द्वारा प्रतिभूत हों, तो जमानत या आस्ति कवर का निर्धारण दायित्वों, जिनका पहला या पूर्व भार हो, को घटाने के पश्चात् किया जाएगा ।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन (को रिडीम) करेगा।

#### **अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय हिस्से का रोल ओवर**

**108.** सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय हिस्से, जिसका मूल्य दस करोड़ रुपये से अधिक हो, का रोल ओवर कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तथा निम्नलिखित शर्तों के पालन के अधीन किया जा सकेगा:

- (क) निर्गमकर्ता की संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के पचहत्तर प्रतिशत धारकों (मूल्य के लिहाज से) ने, संकल्प के माध्यम से, रोल ओवर की मंजूरी डाक मतपत्र के जरिए दे दी हो;
- (ख) निर्गमकर्ता ने, संकल्प पारित किए जाने की सूचना के साथ, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सभी धारकों को, निर्गमकर्ता के नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) के संबंध में लेखापरीक्षक (ऑडिटर) का प्रमाणपत्र [निर्गमकर्ता की अर्थसुलभता (लिक्विडिटी) की स्थिति पर टिप्पणियों सहित] भेज दिया हो;
- (ग) निर्गमकर्ता ने संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के उन सभी धारकों की अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय हिस्से का मोचन (को रिडीम) करने का वचन दिया हो, जिन्होंने संकल्प (रज़ोल्यूशन) के प्रति सहमति न दी हो;
- (घ) बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत कम से कम एक साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) एजेंसी से मोचन (रिडेंप्शन) की नियत तारीख से पहले की एक महीने की अवधि के भीतर क्रेडिट रेटिंग प्राप्त कर ली गई हो और जिसकी सूचना रोल ओवर से पहले संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को दे दी गई हो;

(2) यदि मौजूदा न्यास विलेख (ट्रस्ट डीड) या जमानत (सिक्यूरिटी) से संबंधित दस्तावेजों में प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन (रिडेंप्शन) किए जाने तक जमानत को बनाए रखे जाने का प्रावधान हो, तो नई जमानत सृजित करना और नए न्यास विलेख का निष्पादन करना अनिवार्य नहीं होगा:

**परंतु यह कि** यह डिबेंचर न्यासी द्वारा तय किया जाएगा कि निर्गमकर्ता को नई जमानत सृजित करनी है या नहीं अथवा नए न्यास विलेख का निष्पादन करना है या नहीं ।

#### **वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तन**

**109.** (1) निर्गमकर्ता अपनी वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों को इक्विटी शेयरों में तब तक संपरिवर्तित नहीं करेगा, जब तक कि ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों (होल्डर) ने निर्गमकर्ता को अपनी निश्चित सहमति न भेज दी

हो और इस प्रयोजनार्थ निर्गमकर्ता द्वारा भेजी गई किसी सूचना के प्रति उत्तर प्राप्त न होने का अर्थ यह नहीं लगाया जाएगा कि किन्हीं संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के लिए सहमति मिल गई है।

(2) जहाँ निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित किन्हीं सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तनीय भाग का मूल्य दस करोड़ रुपये से अधिक हो और निर्गमकर्ता ने निर्गम लाने के समय ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की संपरिवर्तन (कन्वर्जन) कीमत तय न की हो, वहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, संपरिवर्तनीय भाग इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तित न करने का, विकल्प दिया जाएगा:

**परंतु यह कि** जहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की कीमत संबंधी ऊपरी सीमा तथा उसका औचित्य तय किया जाता है और निर्गम लाने के समय निवेशकों को प्रकट किया जाता है, वहाँ संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, उक्त ऊपरी सीमा के भीतर संपरिवर्तनीय भाग को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के लिए, ऐसा विकल्प देना जरूरी नहीं होगा।

(3) जहाँ उप-विनियम (2) के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को विकल्प दिया जाना हो और यदि ऐसे धारकों में से एक या एक से अधिक धारक, शेयरधारकों की साधारण बैठक में तय की गई कीमत पर, लिखतों को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के विकल्प का प्रयोग नहीं करते हैं, तो निर्गमकर्ता अंतिम तारीख (जिस तारीख तक विकल्प का प्रयोग किया जाना हो) से एक महीने के भीतर लिखतों के उस भाग का मोचन (रिडेंप्शन) उस कीमत पर करेगा जो उसके अंकित मूल्य से कम न हो।

(4) यदि ऐसा मोचन प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों के अनुसार किया गया हो, तो उप-विनियम (3) का प्रावधान लागू नहीं होगा।

### **वित्तपोषण के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन**

**110.** निर्गमकर्ता किसी व्यक्ति (जो संप्रवर्तक समूह या समूह कंपनियों का हिस्सा हो) को वित्तपोषण के लिए या उधार देने के लिए या उसके शेयरों को अर्जित करने के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें निर्गमित नहीं करेगा:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता इन प्रयोजनों से पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन करने के लिए पात्र होगा, यदि ऐसी ऋण लिखतों के संपरिवर्तन की अवधि ऐसी ऋण लिखतों के निर्गमन की तारीख से अठारह महीने से कम हो।

### **वारंटों का निर्गमन**

**111.** निर्गमकर्ता बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव में वारंटों का निर्गमन के लिए पात्र होगा, बशर्ते कि निम्नलिखित शर्तों का पालन किया जाए:

क) ऐसे वारंटों की अवधि सार्वजनिक निर्गम में उनके आबंटन की तारीख से अठारह महीनों से अधिक की नहीं होगी;

ख) निर्धारित प्रतिभूति के साथ एक या एक से अधिक वारंट हो सकेंगे;

ग) वारंटों की प्रयोग कीमत तय करने के लिए कीमत या फॉर्मूला पहले ही तय कर लिया जाएगा और प्रयोग कीमत के आधार पर कम से कम पच्चीस प्रतिशत प्रतिफल की रकम भी पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी:

**परंतु यह कि** यदि वारंट की प्रयोग कीमत फॉर्मूला पर आधारित हो, तो उसके साथ के इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के लिए तय किए गए मूल्य दायरे की उच्चतम कीमत (कैप प्राइस) के आधार पर पच्चीस प्रतिशत प्रतिफल की रकम पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी।

घ) यदि वारंटधारक प्रतिफल की रकम अदा किए जाने की तारीख से तीन महीनों के भीतर स्वयं द्वारा धारित वारंटों में से किसी वारंट की एवज में इक्विटी शेयर लेने के विकल्प का प्रयोग नहीं करता है, तो ऐसे वारंटों की बाबत दिया गया ऐसा प्रतिफल निर्गमकर्ता द्वारा जब्त (फोर्फीट) कर लिया जाएगा।

### **भाग-III - संप्रवर्तकों का अंशदान**

**संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की अपेक्षा का कुछ मामलों में लागू न होना**

**112.** संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की अपेक्षा वहाँ लागू नहीं होगी,

(क) जहाँ निर्गमकर्ता में कोई पहचानयोग्य संप्रवर्तक न हो;

(ख) जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में स्टॉक एक्सचेंज में कम से कम तीन वर्षों की अवधि तक बारंबार व्यापार हुआ (ट्रेडिंग हुई) हो और निर्गमकर्ता का कम से कम ठीक पहले के तीन वर्षों का लाभांश अदा किए जाने का पिछला रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) हो:

**परंतु यह कि** जहाँ संप्रवर्तक प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों में उतना अभिदान करने (पैसा लगाने) का प्रस्ताव करते हैं, जो विनियम 113 के उप-विनियम (1) के खंड (क) में उपलब्ध दो विकल्पों में से जो भी उच्चतर हो उससे अधिक हो, तो वहाँ ऐसे प्रतिशत से अधिक अभिदान विनियम 164 के प्रावधानों के अनुसार तय की गई कीमत या निर्गम कीमत, जो भी अधिक हो, पर किया जाएगा।

**स्पष्टीकरण:** उपरोक्त स्पष्टीकरण में उल्लिखित 'वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त' (ट्रेडिंग टर्नओवर) की गणना करने के प्रयोजनार्थ संदर्भ तारीख वह तारीख होगी जिस तारीख को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास दाखिल किया जाता है और तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) के मामले में वह तारीख होगी जिस तारीख को प्रस्ताव दस्तावेज निर्गम के खुलने से पहले कंपनी रजिस्ट्रार के पास दाखिल किया जाता है।

### संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान

**113. (1)** संप्रवर्तकों का अंशदान सार्वजनिक निर्गम में इस प्रकार होगा:

- क) या तो प्रस्तावित निर्गम के आकार के बीस प्रतिशत तक या निर्गम के पश्चात् की पूँजी के बीस प्रतिशत तक;
- ख) संयुक्त निर्गम (कम्पोजिट इश्यू) [अर्थात् बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव-सह-साधिकार निर्गम] के मामले में, या तो प्रस्तावित निर्गम के आकार के बीस प्रतिशत तक या निर्गम के पश्चात् की पूँजी के बीस प्रतिशत तक (साधिकार निर्गम वाले हिस्से को छोड़कर)।

(2) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम या संयुक्त निर्गम के मामले में, संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान निम्नानुसार होगा:

क) संप्रवर्तक, यथास्थिति, या तो इक्विटी शेयरों के रूप में या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के रूप में, उप-विनियम (1) के खंड (क) या (ख) में यथा-निर्धारित बीस प्रतिशत का अंशदान करेंगे:

**परंतु यह कि** यदि संपरिवर्तन के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयरों की कीमत पहले ही तय न की गई हो और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट न की गई हो, तो संप्रवर्तक सार्वजनिक निर्गम के जरिए निर्गमित की जा रही संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के रूप में ही अंशदान करेंगे और ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में इक्विटी शेयरों में अभिदान करने का लिखित में वचन देंगे।

ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों, जिनका अलग-अलग तारीखों को संपरिवर्तन या विनिमय किया जाएगा, के किसी निर्गमन के मामले में और यदि संप्रवर्तकों का अंशदान इक्विटी शेयरों (जिनकी संपरिवर्तन कीमत पहले से ही तय की चुकी हो) के रूप में हो, तो ऐसा अंशदान उस कीमत पर नहीं होगा जो ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन से मिलने वाली इक्विटी शेयर पूँजी की भारित औसत कीमत (वेटेड एवरेज प्राइस) से कम हो।

(3) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव या संयुक्त निर्गम के मामले में, जहाँ संप्रवर्तक संप्रवर्तकों के लिए निर्धारित न्यूनतम अंशदान से अधिक अंशदान करते हैं, वहाँ इस प्रकार किए गए अधिक अंशदान की बाबत आबंटन विनियम 164 के प्रावधानों के अनुसार तय की गई कीमत या निर्गम की कीमत (जो भी अधिक हो) पर किया जाएगा।

(4) यदि संप्रवर्तकों को संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान हेतु इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान करना (पैसा लगाना / सब्सक्रिप्शन करना) पड़े, तो संप्रवर्तक इस विनियम की अपेक्षाएँ निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम एक दिन पहले पूरी करेंगे और संप्रवर्तकों के अंशदान की रकम अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में निलंब खाते (एस्करो अकाउंट) में रखी जाएगी, और जो निर्गम से आए पैसे के साथ निर्गमकर्ता को सौंप दी जाएगी:

**परंतु यह और कि** जहाँ संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान एक सौ करोड़ रुपये से अधिक हो और आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव अंशतः संदत्त शेयरों के लिए हो, वहाँ संप्रवर्तक निर्गम के खुलने की तारीख से पहले कम से कम एक सौ करोड़ रुपये लाएँगे और बाकी की रकम, जनता से मांग किए जाने से पहले, आनुपातिक आधार पर लाई जा सकेगी।

**स्पष्टीकरण:**

- (I) इस विनियम के प्रयोजनार्थ, संप्रवर्तकों के अंशदान की गणना निर्गम के पश्चात् की बड़ी हुई पूंजी के आधार पर की जाएगी:
- (क) यह मानते हुए कि संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों का इक्विटी शेयरों में पूरा संपरिवर्तन हो गया है, जैसा कि प्रस्ताव किया गया था;
  - (ख) यह मानते हुए कि जहाँ कोई कर्मचारी स्टॉक विकल्प विनियम 5 के उप-विनियम (2) के परंतुक (क) के अनुसार बाद वाले प्रस्ताव के समय बकाया हों, वहाँ सभी निहित विकल्पों (वैस्टेड ऑप्शन्स) का प्रयोग कर लिया गया है।
- (II) "भारित औसत कीमत" की गणना के लिए:
- (क) "भार" से विभिन्न चरणों में ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तन से मिलने वाले इक्विटी शेयरों की संख्या अभिप्रेत है ;
  - (ख) "कीमत" से संपरिवर्तन हो जाने पर इक्विटी शेयरों की वह कीमत अभिप्रेत है, जो विभिन्न चरणों में पहले से तय की गई संपरिवर्तन कीमत पर विचार करने के बाद निकाली गई हो।

**संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के लिए अपात्र प्रतिभूतियाँ**

**114.** (1) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की गणना के लिए, निम्नलिखित निर्धारित प्रतिभूतियाँ पात्र नहीं होंगी:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान अर्जित निर्धारित प्रतिभूतियाँ, यदि:

- (i) उन्हें नकद से भिन्न प्रतिफल (कन्सिडरेशन) के लिए अर्जित किया गया हो और ऐसे लेनदेन (ट्रांज़ैक्शन) में आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन (रीवैल्यूएशन) या अमूर्त आस्तियों (इन्टैन्जिबल असेट्स) का पूंजीकरण शामिल हो ; या
- (ii) वे निर्गमकर्ता की पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों (रीवैल्यूएशन रिज़र्व्स) या अप्राप्त लाभों का उपयोग करके लाए गए बोनस निर्गम अथवा इक्विटी शेयरों (जो संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के लिए पात्र न हों) के प्रति लाए गए बोनस निर्गम का हिस्सा हों;

(ख) किसी लेनदार के पास गिरवी रखी हुई निर्धारित प्रतिभूतियाँ, जो निर्गमकर्ता या उसकी समनुपंगियों द्वारा उधार लेने के लिए गिरवी न रखी गई हों।

(2) उप-विनियम (1) के खंड (क) तथा (ग) में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों के अंशदान की गणना के लिए पात्र होंगी, यदि ऐसी प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत अधिकरण (ट्रायब्युनल) या केंद्रीय सरकार द्वारा मंजूर स्कीम के अनुसरण में अर्जित की जाती हैं।

**संप्रवर्तकों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)**

**115.** संप्रवर्तकों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों का अंतरण (ट्रांसफर) यहाँ नीचे उल्लिखित अवधियों के लिए नहीं किया जा सकेगा:

- क) संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान [जिसमें आनुकल्पिक निवेश निधियों या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों द्वारा किया गया अंशदान शामिल है] वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख या बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख (जो भी बाद में हो) से तीन वर्षों की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएगा;
- ख) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान से अधिक संप्रवर्तकों की धारिता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध हो जाएगी।

**परंतु यह कि** संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान से अधिक अंशदान (जिसका उल्लेख विनियम 112 के खंड (ख) के परंतुक में किया गया है) अवरुद्धता के अध्यक्षीन नहीं होगा।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ, शब्दों "वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख" से उस महीने की अंतिम तारीख अभिप्रेत है जिस महीने में परियोजना (प्रोजेक्ट) [जिसके लिए जुटाए गए पैसों का उपयोग उस तरह से किए जाने का प्रस्ताव हो, जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लेख किया गया हो] का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

### ग्रीन शू विकल्प के अंतर्गत स्थिरीकरण (स्टैबिलाइज़िंग) एजेंट को उधार दी गई निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

**116.** अवरुद्धता (लॉक-इन) संबंधी प्रावधान ग्रीन शू विकल्प के प्रयोजनार्थ स्थिरीकरण एजेंट को उधार दी गई निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में, ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों को उधार दिए जाने की तारीख से शुरू होने वाली तथा उस तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान लागू नहीं होंगे, जिस तारीख को वे विनियम 153 के उप-विनियम (5) या (6) के अनुसार उधारदाता को लौटाई जाती हैं:

**परंतु यह कि** निर्धारित प्रतिभूतियाँ उस तारीख से बाकी की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगी, जिस तारीख को वे उधारदाता को लौटाई जाती हैं।

### अंशतः समादत्त प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

**117.** यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ [जो अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यक्षीन हों] अंशतः समादत्त हों और ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में मांगी गई रकम जनता के लिए निर्गमित (जारी) की गई निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में मांगी गई रकम से कम हो, वहाँ अवरुद्धता (लॉक-इन), ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के जनता को निर्गमित निर्धारित प्रतिभूतियों जैसी ही हो जाने के तीन वर्षों के बाद ही समाप्त होगी।

### अनंतरणीयता (नॉन-ट्रांसफरेबिलिटी) का अंकन या उसे दर्ज करना

**118.** निर्धारित प्रतिभूतियों, जो अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यक्षीन हैं, के प्रमाणपत्रों पर यह अंकित होगा कि वे "अनंतरणीय" (नॉन-ट्रांसफरेबल) हैं तथा अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि का उल्लेख होगा और यदि ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में हों, तो निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि अवरुद्धता (लॉक-इन) निक्षेपागार द्वारा दर्ज कर ली जाए।

### रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी

**119.** संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा रुद्ध (लॉक-इन) निर्धारित प्रतिभूतियों को किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था या प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी या आवास वित्त कंपनी द्वारा दिए गए ऋण (उधार) हेतु संपादित प्रतिभूति (कोलैटरल सिक्यूरिटी) के रूप में गिरवी रखा जा सकेगा, बशर्ते कि:

क) यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ विनियम 115 के खंड (क) के अनुसार रुद्ध हों, तो ऋण निर्गमकर्ता कंपनी या उसकी समनुषंगी (समनुषंगियों) को, निर्गम के किसी एक उद्देश्य या एक से अधिक उद्देश्यों के संबंध में वित्तपोषण करने के प्रयोजनार्थ दिया गया हो और निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक हो;

ख) यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ विनियम 115 के खंड (ख) के अनुसार रुद्ध हों और निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक हो:

### रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियों की अनंतरणीयता

**120.** भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के प्रावधानों के अध्यक्षीन, संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा विनियम 115 के अनुसार रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ दूसरे संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह के किसी व्यक्ति या नए संप्रवर्तक या निर्गमकर्ता पर नियंत्रण रखने वाले व्यक्ति को अंतरित की जा सकेंगी:

**परंतु यह कि** ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता (लॉक-इन) बाकी की अवधि के लिए अंतरिती (ट्रांसफरी / जिसे अंतरण किया गया हो) के पास जारी रहेगी और ऐसा अंतरिती तब तक उनका अंतरण (उनको ट्रांसफर) करने के लिए पात्र नहीं होगा, जब तक इन विनियमों में दी हुई अवरुद्धता की अवधि समाप्त न हो जाए।

### भाग-V: अग्रणी प्रबंधकों, अन्य मध्यवर्तियों और अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) की नियुक्ति

**121.** (1) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक मर्चेन्ट बैंककारों (बैंकर्स) को निर्गम (इश्यू) के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) [लीड मैनेजर] के रूप में नियुक्त करेगा।

(2) जहाँ निर्गम का कामकाज एक से अधिक अग्रणी प्रबंधक द्वारा देखा जाता हो, वहाँ, अन्य बातों के साथ-साथ, प्रकटीकरणों, आबंटन, पैसा लौटाए जाने (रिफंड) तथा हामीदारी (अंडरराइटिंग) संबंधी बाध्यताओं, यदि कोई हों, से संबंधित प्रत्येक अग्रणी प्रबंधक के अधिकारों, उसकी बाध्यताओं तथा जिम्मेदारियों को पहले ही तय कर लिया जाएगा और जिन्हें प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा, जैसा **अनुसूची-I** में उल्लेख किया गया है।

(3) निर्गम का कम से कम एक अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) [जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंकार) विनियम, 1992 के तहत परिभाषित है] नहीं होगा और यदि कोई अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी हो, तो वह स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयोगी के रूप में प्रकट करेगा और उसकी भूमिका निर्गम की मार्केटिंग (के विपणन) तक ही सीमित रहेगी।

(4) निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा अन्य मध्यवर्तियों की बाध्यताओं को निभाने की क्षमता का स्वतंत्र रूप से आकलन करने के बाद, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत अन्य मध्यवर्तियों को नियुक्त करेगा।

(5) निर्गमकर्ता **अनुसूची-II** में निर्धारित फॉर्मेट में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के साथ करार (एग्रीमेंट) करेगा, और अन्य मध्यवर्तियों के साथ करार करेगा, जैसा संबंधित मध्यवर्ती के लिए लागू संबंधित विनियमों के तहत अपेक्षित है :

**परंतु यह कि** ऐसे करारों में ऐसे अन्य खंड शामिल किए जा सकेंगे, जो निर्गमकर्ता तथा मध्यवर्ती ठीक समझें, किंतु जिसमें अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 2013 या कंपनी अधिनियम, 1956 (जहाँ तक लागू हो), प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उनके तहत बनाए गए नियमों तथा विनियमों या किसी कानूनी संशोधन या उनकी कानूनी अधिनियमिति के तहत अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), अन्य मध्यवर्तियों और निर्गमकर्ता के दायित्व और बाध्यताएँ किसी भी तरह से कम न हों या सीमित न हों:

**परंतु यह और कि** निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) संबंधी प्रक्रिया के मामले में, निर्गमकर्ता स्व-प्रमाणित (सेल्फ-सर्टिफाइड) सिंडिकेट बैंकों के साथ निर्गमकर्ता के डीमड एग्रीमेंट (समझे गए करार) को ध्यान में रखेगा।

(6) निर्गमकर्ता, बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम के मामले में, सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) को और किसी अन्य निर्गम के मामले में, निर्गमन बैंकारों (बैंकर टू इश्यू) को केन्द्रों में उसी प्रकार नियुक्त करेगा, जैसा **अनुसूची-XII** में उल्लेख किया गया है।

(7) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत उस निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू) को नियुक्त करेगा, जो सभी निक्षेपागारों से जुड़ा हुआ हो:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता स्वयं रजिस्ट्रार हो, तो वह स्वयं को निर्गम रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त नहीं करेगा:

**परंतु यह और कि** अग्रणी प्रबंधक उस निर्गम के रजिस्ट्रार के रूप में कार्य नहीं करेगा जिसमें वह निर्गम के पश्चात् की जिम्मेदारियाँ भी संभाल रहा हो।

(8) निर्गमकर्ता अनुपालन अधिकारी को नियुक्त करेगा, जो प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉ) के पालन पर निगरानी रखने और निवेशकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिम्मेदार होगा।

## **भाग-VI: प्रस्ताव दस्तावेजों में प्रकटीकरण और उन्हें दाखिल किया जाना**

### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण**

**122.** (1) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में वे सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण शामिल किए जाएंगे जो सही और पर्याप्त हों, ताकि आवेदक निवेश के संबंध में सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

(2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस, शेल्फ प्रॉस्पेक्टस और प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित शामिल होंगे:

(i) कंपनी अधिनियम, 2013 में उल्लिखित प्रकटीकरण; और

(ii) **अनुसूची-VI** के **भाग-क** में उल्लिखित प्रकटीकरण, उसके **भाग-ग** और **भाग-घ** के प्रावधानों के अधीन।

(3) अग्रणी प्रबंधक पूरी तत्परता बरतेगा (बरतेगे) और निर्गम के समस्त पहलुओं के मद्देनज़र अपनी संतुष्टि कर लेंगे, जिनके अंतर्गत प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों की सत्यता और पर्याप्तता शामिल है।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता, उसके संप्रवर्तकों तथा उसके निदेशकों या 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' के मामले में 'विक्रय करने वाले शेयरधारकों' से यह अपेक्षा करेगा (करेंगे) कि वे अपनी उन बाध्यताओं को पूरा करें, जो उनके द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गई हों और जैसा इन विनियमों के अनुसार अपेक्षित हो।

(5) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि प्रस्ताव दस्तावेज में दी हुई जानकारी और प्रस्ताव दस्तावेज में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार विवरण निर्गम के खुलने की तारीख से छह महीनों से अधिक पुराने न हों।

**प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया जाना**

**123.** (1) बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने से पहले, निर्गमकर्ता प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की तीन प्रतियाँ, **अनुसूची-IV** के अनुसार, **अनुसूची-III** में यथा-निर्धारित फीस के साथ, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से, बोर्ड के उस संबंधित प्रादेशिक कार्यालय में दाखिल करेगा, जिसके क्षेत्राधिकार में निर्गमकर्ता कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो।

(2) अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ बोर्ड को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

क) प्रमाणपत्र, जिसमें यह पुष्टि की जाए कि निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच करार (एग्रीमेंट) कर लिया गया है;

ख) **अनुसूची-V** के भाग-क के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलिजेंस सर्टिफिकेट);

ग) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के मामले में, **अनुसूची-V** के भाग-ख के अनुसार डिबेंचर न्यासी से पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र;

घ) प्रमाणपत्र, जिसमें यह पुष्टि की जाए कि अनुसूची-VI के भाग-ग में दी हुई शर्तों का पालन कर लिया गया है।

(3) निर्गमकर्ता उस स्टॉक एक्सचेंज (उन स्टॉक एक्सचेंजों) के पास भी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव हो और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास, उसके संप्रवर्तकों की (जहाँ वे व्यक्ति हों) स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या तथा पासपोर्ट संख्या और जहाँ संप्रवर्तक निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) हों, वहाँ स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या, कंपनी रजिस्ट्रीकरण संख्या या वैसी ही कोई अन्य संख्या और उस कंपनी रजिस्ट्रार का पता जिसके पास संप्रवर्तक रजिस्ट्रीकृत हो, प्रस्तुत करेगा।

(4) बोर्ड, निम्नलिखित तारीखों में से जो अंतिम तारीख हो उस तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख कर सकेगा या अभिमत जारी कर सकेगा, यदि कोई हों:

क) उप-विनियम (1) के तहत प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की प्राप्ति की तारीख; या

ख) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से संतोषजनक उत्तर की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने उनसे कोई स्पष्टीकरण मांगा हो या अतिरिक्त जानकारी मांगी हो; या

ग) किसी विनियामक या एजेंसी से स्पष्टीकरण या जानकारी की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने ऐसे विनियामक या एजेंसी से कोई स्पष्टीकरण मांगा हो या जानकारी मांगी हो; या

घ) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा जारी किए गए सैद्धांतिक मंजूरी पत्र की प्रति की प्राप्ति की तारीख।

(5) यदि बोर्ड प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख करता है या अभिमत जारी करता है, तो निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसे परिवर्तन करेंगे और बोर्ड के पास अपडेट किया हुआ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (जिसमें प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए सभी परिवर्तनों को हाइलाइट करके दर्शाया गया हो), यथास्थिति, कंपनी रजिस्ट्रार या उपयुक्त प्राधिकरण, जो भी लागू हो, के पास प्रस्ताव दस्तावेजों को रजिस्टर या दाखिल करने से पहले प्रस्तुत करेंगे।

(6) यदि **अनुसूची-XVI** में उल्लिखित विषयों के संबंध में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में कोई परिवर्तन हुए हों, तो, यथास्थिति, अपडेट किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज या नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास **अनुसूची-III** में उल्लिखित फीस के साथ दाखिल किया जाएगा।

(7) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने के समय, प्रस्ताव दस्तावेजों की प्रति अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास भी साथ-साथ दाखिल की जाएगी।

(8) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज की सॉफ्ट कॉपी भी बोर्ड को दी जाएगी, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(9) अग्रणी प्रबंधक बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने के पश्चात् या यदि बोर्ड ने अभिमत जारी न किए हों तो विनियम 123 के उप-विनियम (4) में निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात्, बोर्ड को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

क) यह प्रमाणित करते हुए कथन कि बोर्ड द्वारा किए गए सभी परिवर्तनों, दिए गए सभी सुझावों तथा अभिमतों को प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल कर लिया गया है;

- ख) प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने के समय, **अनुसूची-V के भाग-ग** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र;
- ग) निर्गम के खुलने से पहले, संप्रवर्तकों से अंशदान के रूप में प्राप्त रकम की एवज में संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) को निर्धारित प्रतिभूतियाँ आबंटित करने के लिए निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा पारित किए गए संकल्प की प्रति;
- घ) निर्गम के खुलने से पहले, यह प्रमाणित करते हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट का प्रमाणपत्र कि संप्रवर्तकों का अंशदान इन विनियमों के अनुसार प्राप्त हो गया है, जिसके साथ उन संप्रवर्तकों के नाम तथा पते दिए जाएँ जिन्होंने संप्रवर्तकों के अंशदान में योगदान दिया हो और जिसके साथ ऐसे अंशदान हेतु उनमें से प्रत्येक द्वारा अदा की गई तथा निर्गमकर्ता के बैंक खाते में जमा की गई रकम के ब्यौरे भी दिए जाएँ;
- ङ) जब सार्वजनिक सूचना जारी करके किसी महत्वपूर्ण घटना का प्रकटीकरण (डिस्कलोज़र) किया हो, तो **अनुसूची-V के फॉर्म-घ** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र।

#### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज जनता को उपलब्ध कराया जाना**

**124.** (1) बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज टिप्पणियों (यदि कोई हों) हेतु उसे दाखिल किए जाने की तारीख से कम से कम इक्कीस दिनों की अवधि तक, बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंजों (जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव है) और निर्गम से जुड़े अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के वेबसाइटों पर डालकर सार्वजनिक किया जाएगा।

(2) निर्गमकर्ता, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से दो दिनों के भीतर, व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, में एक सार्वजनिक घोषणा करेगा, जिसमें बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने का तथ्य **जनता को** प्रकट किया जाए और जिसके जरिए जनता को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों (**डिस्कलोज़र**) के संबंध में बोर्ड, निर्गमकर्ता या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए आमंत्रित किया जाए।

(3) अग्रणी प्रबंधक, उप-विनियम (1) में निर्धारित अवधि के समाप्त होने के पश्चात्, उस अवधि के दौरान प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में उनके द्वारा या निर्गमकर्ता द्वारा जनता से प्राप्त टिप्पणियों तथा उन परिवर्तनों, यदि कोई हों, के ब्यौरे बोर्ड के पास प्रस्तुत करेगा (करेंगे), जो तदनुसार प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए जाने अपेक्षित हों।

(4) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्ताव दस्तावेज वेबसाइटों पर डाल दिए जाएँ, जैसा कि इन विनियमों के तहत अपेक्षित है और उनकी विषय-वस्तु वही हो जो कंपनी रजिस्ट्रार, बोर्ड तथा स्टॉक एक्सचेंजों, जो लागू हों, के पास दाखिल किए गए प्रस्ताव दस्तावेजों में थी।

(5) जब कभी अनुरोध किया जाए, तब अग्रणी प्रबंधक और स्टॉक एक्सचेंज जनता को प्रस्ताव दस्तावेज की प्रतियाँ उपलब्ध कराएँगे और इसकी प्रति उपलब्ध कराने के लिए वे उपयुक्त शुल्क ले सकते हैं।

#### **भाग-VII - कीमत-निर्धारण**

##### **इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य**

**125.** मूल्य दायरे या निर्गम कीमत के साथ-साथ इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य के बारे में प्रकटीकरण प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, प्रस्ताव दस्तावेज, विज्ञापनों और आवेदन फॉर्मों में एकसमान फॉण्ट के आकार में किया जाएगा।

##### **कीमत-निर्धारण**

**126.** (1) निर्गमकर्ता, यथास्थिति, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से या बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से इक्विटी शेयरों की कीमत, और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ के मामले में कूपन दर तथा संपरिवर्तन कीमत (क्वर्ज़न प्राइस) तय कर सकेगा।

(2) निर्गमकर्ता बही-निर्माण प्रक्रिया उसी प्रकार अपनाएँगे, जैसा **अनुसूची-XIII** में निर्धारित है।

##### **कीमत और मूल्य दायरा**

**127.** (1) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) में कीमत या मूल्य दायरे का तथा प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) में निम्नतम कीमत (फ्लोर प्राइस) या मूल्य दायरे का उल्लेख



कर सकेगा और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर करने से पहले बाद में किसी तारीख को कीमत तय कर सकेगा:

**परंतु यह कि** कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर किए गए प्रॉस्पेक्टस में, यथास्थिति, केवल एक कीमत या विशिष्ट कूपन दर का उल्लेख होगा ।

(2) मूल्य दायरे, और संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के मामले में कूपन दर, पर उच्चतम सीमा निम्नतम कीमत के एक सौ बीस प्रतिशत से कम या के बराबर होगी ।

(3) निम्नतम कीमत या अंतिम कीमत निर्धारित प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य से कम नहीं होगी।

(4) जहाँ निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा प्रकट न करने का विकल्प चुनता हो, वहाँ निर्गमकर्ता बोली के खुलने से कम से कम एक कार्य-दिवस पहले निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे की घोषणा, उन्हीं समाचारपत्रों में करेगा जिनमें निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी किया गया था या निर्गम से पूर्व जारी किए जाने वाले विज्ञापन के साथ उस फॉर्मेट में करेगा जो **अनुसूची-X** के भाग-क के अंतर्गत दिया हुआ है ।

(5) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा के अंतर्गत मूल्य दायरे की ऊपरी तथा निचली सीमा दोनों के लिए निकाले गए सुसंगत वित्तीय अनुपात शामिल होंगे और ऐसा कथन भी शामिल होगा जो प्रस्ताव प्रस्तावेज में “निर्गम कीमत के आधार” से संबंधित शीर्षक वाले खंड की तरफ निवेशकों का ध्यान खींचे ।

(6) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा और उप-विनियम (5) में उल्लिखित सुसंगत वित्तीय अनुपात स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर प्रकट किए जाएंगे और जो स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने वाले आवेदन फॉर्मों में पहले से भरे हुए भी होंगे।

### अलग-अलग कीमतें

**128.** (1) निर्गमकर्ता अलग-अलग कीमतों पर अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव ला सकेगा, बशर्ते कि:

क) विनियम 130 के तहत किए गए आरक्षण के लिए छोटे व्यक्तिगत निवेशकों या छोटे व्यक्तिगत शेयरधारकों या हकदार कर्मचारियों के लिए ऐसी कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जा सकेगा, जो उस कीमत के दस प्रतिशत से ज्यादा कम नहीं होगा जिस पर एंकर निवेशकों को छोड़कर अन्य वर्गों के आवेदकों के लिए शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) लाया जाता हो।

ख) बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, एंकर निवेशकों के लिए जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जाता है, वह कीमत अन्य आवेदकों के लिए लाए जाने वाले प्रस्ताव की कीमत से कम नहीं होगी;

ग) संयुक्त निर्गम के मामले में, सार्वजनिक निर्गम में प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कीमत साधिकार निर्गम में प्रस्तावित कीमत से अलग हो सकेगी और कीमत के ऐसे अंतर का औचित्य प्रस्ताव दस्तावेज में दिया जाएगा;

घ) यदि निर्गमकर्ता **अनुसूची-XIII के भाग-घ** के अनुसार बही-निर्माण की वैकल्पिक प्रक्रिया का विकल्प चुनता है, तो निर्गमकर्ता अपने कर्मचारियों के लिए निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव ऐसी कीमत पर ला सकेगा, जो निम्नतम कीमत के दस प्रतिशत से ज्यादा कम नहीं होगी ।

(2) छूट, यदि कोई हो, का उल्लेख प्रस्ताव दस्तावेज में रुपये में किया जाएगा ।

### भाग-VIII: निर्गमन की शर्तें और प्रक्रिया

#### शुद्ध प्रस्ताव में आबंटन

**129.** (1) विनियम 103 के उप-विनियम (1) के तहत बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम में, शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन:

(क) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को पैंतीस प्रतिशत से कम नहीं होगा;

(ख) गैर-संस्थागत निवेशकों को पंद्रह प्रतिशत से कम नहीं होगा;

(ग) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, जिसमें से पाँच प्रतिशत का आबंटन पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) को किया जाएगा:

**परंतु यह कि** यदि खंड (क) या खंड (ख) में उल्लिखित वर्गों में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत आबंटन पूरा न हुआ हो, तो किसी अन्य वर्ग में आवेदकों को आबंटन किया जा सकेगा:

**परंतु यह और कि** खंड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अलावा, पारस्परिक निधियाँ अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए बाकी की उपलब्ध सीमा के तहत आबंटन के लिए पात्र होंगी।

(2) विनियम 103 के उप-विनियम (2) के तहत बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम में, शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन:

(क) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;

(ख) गैर-संस्थागत निवेशकों को पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;

(ग) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पचहत्तर प्रतिशत से कम नहीं होगा, जिसमें से पाँच प्रतिशत का आबंटन पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) को किया जाएगा:

**परंतु यह कि** यदि खंड (क) या खंड (ख) में उल्लिखित वर्गों में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत आबंटन पूरा न हुआ हो, तो किसी अन्य वर्ग में आवेदकों को आबंटन किया जा सकेगा:

**परंतु यह और कि** खंड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अलावा, पारस्परिक निधियाँ अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए बाकी की उपलब्ध सीमा के तहत आबंटन के लिए पात्र होंगी।

(3) बही निर्माण-प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम में, निर्गमकर्ता अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित करने के लिए उपलब्ध हिस्से के साठ प्रतिशत तक का आबंटन एकर निवेशकों को, इस संबंध में अनुसूची-XIII में निर्धारित शर्तों के अनुसार, कर सकेगा।

(4) बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से न लाकर किसी अन्य माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम के मामले में, शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन:

क) कम से कम पचास प्रतिशत छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को किया जाएगा; और

ख) बाकी का:

(i) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों से भिन्न व्यक्तिगत आवेदकों को किया जाएगा; और

(ii) अन्य निवेशकों, जिनमें निगमित निकाय (कारपोरेट बॉडी) या संस्थाएँ शामिल हैं, को किया जाएगा, इस बात पर विचार किए बिना कि कितनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया गया है;

**परंतु यह कि** यदि खंड (क) या खंड (ख) में उल्लिखित वर्गों में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत आबंटन पूरा न हुआ हो, तो अन्य वर्ग में आवेदकों को आबंटन किया जा सकेगा:

**स्पष्टीकरण:** उप-विनियम (4) के प्रयोजनार्थ, यदि छोटे व्यक्तिगत निवेशक संबंधी वर्ग आनुपातिक आधार पर निर्गम के आकार के पचास प्रतिशत से अधिक का हकदार हो, तो छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को उतने अधिक प्रतिशत का आबंटन कर दिया जाएगा।

### प्रतियोगी आधार पर आरक्षण

**130.** (1) निर्गमकर्ता निर्गम के आकार (संप्रवर्तकों के अंशदान को छोड़कर) में से निम्नलिखित वर्गों के व्यक्तियों के पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण कर सकेगा:

क) कर्मचारी;

ख) सूचीबद्ध समनुपंगियों (सब्सिडियरी) या सूचीबद्ध संप्रवर्तक कंपनियों के शेयरधारक (संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह को छोड़कर):

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), रजिस्ट्रार, सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों तथा कर्मचारियों के लिए और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), रजिस्ट्रार तथा सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), की समूह या सहयुक्त कंपनियों (कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित) तथा उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों एवं कर्मचारियों के लिए कोई आरक्षण नहीं करेगा।

(2) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव (संयुक्त निर्गम से भिन्न) के मामले में, निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों के अंशदान को छोड़कर निर्गम के आकार में से, निर्गमकर्ता के मौजूदा छोटे व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए प्रतियोगी आधार पर आरक्षण कर सकेगा।

(3) प्रतियोगी आधार पर आरक्षण निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा:

क) कर्मचारियों के लिए कुल आरक्षण निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे और किसी कर्मचारी को किए जाने वाले आबंटन का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगा:

**परंतु यह कि** यदि कर्मचारी के लिए आरक्षित हिस्से में अल्प-अभिदान (अंडर-सब्सक्रिप्शन) हो जाता है, तो ऐसे में जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो उतने हिस्से का आबंटन आनुपातिक आधार पर, दो लाख रुपये से अधिक के मूल्य के लिए, किया जा सकेगा, बशर्ते कि एक कर्मचारी को किया जाने वाला कुल आबंटन पाँच लाख रुपये से अधिक का न हो।

ख) शेयरधारकों के लिए आरक्षण निर्गम के आकार के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;

ग) शुद्ध प्रस्ताव में अभिदान (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) के लिए उन व्यक्तियों (सूचीबद्ध निर्गमकर्ता के कर्मचारी तथा छोटे व्यक्तिगत शेयरधारक और सूचीबद्ध संप्रवर्तक कंपनियों की सूचीबद्ध समनुषंगियों के शेयरधारकों को छोड़कर) द्वारा कोई और आवेदन नहीं किया जा सकता, जिनके पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण किया गया हो;

घ) किसी आरक्षित वर्ग में जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो उतना हिस्सा किसी अन्य आरक्षित वर्ग में जोड़ा जा सकेगा और यदि आरक्षित वर्गों के बीच आपस में ऐसे समायोजनों के बाद भी जितने हिस्से का (यदि कोई हो) अभिदान न हो पाए तो उतने हिस्से को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में जोड़ दिया जाएगा;

ङ) शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव संबंधी वर्ग में अल्प-अभिदान के मामले में, जितना अल्प-अभिदान हुआ हो उतने हिस्से को आरक्षित वर्ग से शुद्ध प्रस्ताव में डालने की अनुमति दे दी जाएगी।

(4) किसी आरक्षित वर्ग में आवेदन करने वाला कोई आवेदक कितनी भी संख्या में निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन कर सकेगा, किंतु जो उस वर्ग के लिए आरक्षित हिस्से से अधिक न हो।

### संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस

**131.** (1) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में वे प्रकटीकरण किए जाएँगे, जिनका उल्लेख **अनुसूची-VI के भाग-ड** में किया गया है और उसमें ऐसा कोई विषय शामिल नहीं होगा जो प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु के बाहर का हो।

(2) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वितरित किए जाने वाले प्रत्येक आवेदन फॉर्म के साथ संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की प्रति लगाई जाएगी।

### निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.)

**132.** निर्गमकर्ता केवल निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) की सुविधा का प्रयोग करके लगाई गई बोलियों (बिड्स) को ही स्वीकार करेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### निर्गम संबंधी सामग्री की उपलब्धता

**133.** अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि स्टॉक एक्सचेंजों, सिंडिकेट सदस्यों, निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू), रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं (शेयर ट्रांसफर एजेंट), निक्षेपागार सहभागियों (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट), स्टॉक दलालों, हामीदारों (अंडरराइटर), निर्गमन बैंककारों (बैंकर टू इश्यू), निवेशक संघों तथा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को प्रस्ताव दस्तावेज तथा निर्गम संबंधी अन्य सामग्री निर्गम के खुलने से पहले उपलब्ध करा दी जाए।

### प्रोत्साहनों पर रोक

**134.** निर्गम से जुड़ा कोई भी व्यक्ति आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आवेदन करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रोत्साहन की, चाहे नकद रूप में या वस्तु रूप में या सेवाओं में या किसी अन्य रूप में, किसी भी प्रकार (चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से) पेशकश नहीं करेगा, किंतु निर्गम के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं के लिए फीस या कमीशन अदा किया जा सकेगा।

### जमानती जमा (सिक्यूरिटी डिपॉजिट)

**135.** (1) निर्गमकर्ता, अभिदान (सब्सक्रिप्शन) सूची के खुलने से पहले, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास वह रकम जमा करेगा, जिसकी गणना जनता को अभिदान हेतु उपलब्ध निर्गम के आकार के एक प्रतिशत की दर से की जाएगी और जो बोर्ड और/या स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा निर्धारित तरीके से जमा की जाएगी।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित रकम उसी प्रकार लौटाई जाएगी या जव्त (समपहृत) की जाएगी, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### हामीदारी

**136.** (1) यदि बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव (जो बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से न लाया जाए) लाने वाला निर्गमकर्ता निर्गम की हामीदारी करवाने को इच्छुक हो, तो वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के अनुसार हामीदारों को नियुक्त करेगा।

(2) यदि निर्गमकर्ता बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से सार्वजनिक निर्गम लाता है,

क) निर्गम की हामीदारी अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) द्वारा की जाएगी:

**परंतु यह कि** शुद्ध प्रस्ताव के कम से कम पचहत्तर प्रतिशत [जिसे विनियम 103 के उप-विनियम (2) में निर्धारित पात्रता की शर्तों का पालन करने के प्रयोजनार्थ अर्हित संस्थागत क्रेताओं को अनिवार्य रूप से आबंटित किए जाने का प्रस्ताव हो] की हामीदारी नहीं की जा सकती।

ख) निर्गमकर्ता, प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के साथ हामीदारी करार करेगा, जिसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या का उल्लेख होगा जिनमें वे निर्गम में अल्प-अभिदान होने की दशा में पहले से तय की गई कीमत पर अभिदान करेंगे (पैसा लगाएंगे)।

ग) यदि सिंडिकेट सदस्य अपनी हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता है (रहते हैं), तो अग्रणी प्रबंधक हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करेगा (करेंगे)।

घ) अपनी हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करने के सिवाय, अग्रणी प्रबंधक और सिंडिकेट सदस्य किसी भी प्रकार से निर्गम में अभिदान नहीं करेंगे (पैसा नहीं लगाएंगे)।

ङ) प्रत्येक निर्गम (जिसकी हामीदारी की जानी हो) के मामले में, अग्रणी प्रबंधक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंकार) विनियम, 1992 में यथा-निर्धारित न्यूनतम हामीदारी की बाध्यताओं का जिम्मा लेगा (लेंगे)।

च) जहाँ निर्गम की हामीदारी (अंडरराइटिंग) करना जरूरी हो, वहाँ कम से कम न्यूनतम अभिदान के संबंध में हामीदारी करने की बाध्यता होगी।

### अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी

**137.** (1) यदि निर्गम (इश्यू) का आकार [‘विक्रय करने वाले शेयरधारकों’ द्वारा लाए जाने वाले ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ (ऑफर फॉर सेल) के आकार को छोड़कर] एक सौ करोड़ रुपये से अधिक हो जाता हो, तो निर्गमकर्ता (इश्युअर) निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) के उपयोग के लिए व्यवस्थाएँ करेगा, जिसका अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) लोक वित्तीय संस्था द्वारा या निर्गमकर्ता के बैंकारों के रूप में प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक द्वारा किया जाएगा :

**परंतु यह कि** इस खंड में दी हुई कोई भी बात बैंक या लोक वित्तीय संस्था या बीमा कंपनी द्वारा लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) के निर्गम (इश्यू) पर लागू नहीं होगी।

(2) अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी निर्गमकर्ता (इश्युअर) को अपनी रिपोर्ट अनुसूची-XI के अंतर्गत दिए हुए फॉर्मेट में तिमाही आधार पर तब तक प्रस्तुत करती रहेगी, जब तक निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) [उस पैसे (प्रॉसीड्स) को छोड़कर जो साधारण कारपोरेट प्रयोजनों हेतु जुटाया गया हो] के कम से कम पचानवे प्रतिशत का उपयोग न कर लिया जाए।

(3) निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल और प्रबंध-मंडल अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी के निष्कर्षों के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ देगा, जैसा अनुसूची-XI में निर्धारित है।

(4) निर्गमकर्ता (इश्युअर), प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पैंतालीस दिनों के भीतर, अनुश्रवण एजेंसी की रिपोर्ट अपने वेबसाइट पर अपलोड करके और साथ ही उसे उस स्टॉक एक्सचेंज (उन स्टॉक एक्सचेंजों) के पास प्रस्तुत करके सार्वजनिक रूप से प्रसारित करेगा, जहाँ उसके इक्विटी शेयर सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।

### सार्वजनिक सूचनाएँ, प्रचार सामग्री, विज्ञापन और अनुसंधान रिपोर्टें

**138.** समस्त सार्वजनिक सूचनाओं, प्रचार सामग्री, विज्ञापनों और अनुसंधान रिपोर्टों के संबंध में **अनुसूची-IX** के प्रावधानों का पालन किया जाएगा।

### निर्गम से संबंधित विज्ञापन

**139.** (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अध्यक्षीन, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) या प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) रजिस्टर किए जाने के बाद, निर्गमकर्ता व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र, जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, में निर्गम से पूर्व दिया जाने वाला विज्ञापन देगा।

(2) निर्गम से पूर्व दिया जाने वाला विज्ञापन उस फॉर्मेट में होगा, और उसमें वे प्रकटीकरण किए जाएंगे, जैसा **अनुसूची-X** के **भाग-क** के अंतर्गत दिया हुआ है:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता विनियम 127 के उप-विनियम (4) के अनुसरण में निर्गम से पूर्व दिए जाने वाले विज्ञापन के साथ मूल्य दायरे या निम्नतम कीमत की घोषणा करने का विकल्प चुने, तो ऐसे विज्ञापन में केवल तभी मूल्य दायरे या निम्नतम कीमत या वित्तीय अनुपातों के संबंध में प्रकटीकरण किए जाएँगे।

(3) निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने और निर्गम के बंद होने से संबंधित विज्ञापन जारी कर सकेगा, जो **अनुसूची-X** के **भाग-ख** तथा **भाग-ग** के अंतर्गत दिए गए फॉर्मेटों के अनुसार होंगे।

(4) जिस अवधि के दौरान निर्गम अभिदान (पैसा लगाने/ सब्सक्रिप्शन करने) के लिए खुला हो, उस अवधि के दौरान ऐसा कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा जिससे यह लगे कि निर्गम में पूरा अभिदान हो गया है या अति-अभिदान हो गया है या जिससे यह पता चले कि निवेशकों का निर्गम के प्रति रुझान कितना है।

### निर्गम का खोला जाना

**140.** (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का पालन किए जाने के अध्यक्षीन, सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) विनियम 25 के तहत बोर्ड द्वारा विनियम 123 के उप-विनियम (4) के तहत अभिमत जारी किए जाने की तारीख से बारह महीनों के भीतर खोला जा सकेगा।

**परंतु यह कि** तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में, निर्गम कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत स्पष्ट रूप से निर्धारित अवधि के भीतर खुलेगा।

(2) शेल्फ प्रॉस्पेक्टस के मामले में, पहले निर्गम को बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने के तीन महीनों के भीतर खोला जा सकेगा।

(3) निर्गम कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) और प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) को रजिस्टर किए जाने की तारीख से कम से कम तीन कार्य-दिवसों के पश्चात् खोला जाएगा।

### न्यूनतम अभिदान

**141.** (1) निर्गम (इश्यू) से कम से कम इतना अभिदान (पैसा / सब्सक्रिप्शन) अवश्य मिले कि वह प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से लाए जाने वाले प्रस्ताव (ऑफर) के नब्बे प्रतिशत से कम न हो, किंतु यह अपेक्षा निर्धारित प्रतिभूतियों (स्पेसिफाइड सिक्यूरिटीज़) के 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' (ऑफर फॉर सेल) के मामले में लागू नहीं होगी।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित न्यूनतम अभिदान प्राप्त न होने की दशा में, प्राप्त समस्त आवेदन की रकम आवेदकों को तुरंत [किंतु निर्गम (इश्यू) के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर ही] लौटा दी जाएगी।

### अभिदान की अवधि

**142.** (1) जब तक कि इन विनियमों में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, बाद वाला सार्वजनिक निर्गम कम से कम तीन कार्य दिवसों के लिए और अधिक से अधिक दस कार्य दिवसों के लिए खुला रखा जाएगा।

(2) मूल्य दायरे में बदलाव के मामले में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ाएगा।

(3) अनिवार्य बाध्यता, बैंक हड़ताल या ऐसी ही परिस्थितियों में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता, कारणों को लिखित में दर्ज करने के बाद, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस [बही निर्माण वाले निर्गम (बुक बिल्ट इश्यू) के मामले में] में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि या प्रॉस्पेक्टस [नियत कीमत वाले निर्गम (फिक्स्ड प्राइस इश्यू) के मामले में] में प्रकट की गई निर्गम की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ा सकेगा।

### आवेदन तथा न्यूनतम आवेदन मूल्य

**143.** (1) कोई भी व्यक्ति शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) संबंधी वर्ग (श्रेणी) में उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन नहीं करेगा कि उनकी संख्या जनता को प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या से अधिक हो जाए:

परंतु यह कि गैर-संस्थागत निवेशकों द्वारा अधिकतम उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया जा सकता है, जो उस संख्या से अधिक न हो जो निर्गम के तहत प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या में से निर्गम के तहत अर्हित संस्थागत क्रेताओं को प्रस्तावित प्रतिभूतियों की संख्या को घटाकर निकाली गई हो।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या के लिहाज से न्यूनतम आवेदन आकार का उल्लेख करेगा, जिसमें न्यूनतम आवेदन मूल्य का दायरा दस हजार रुपये से पंद्रह हजार रुपये के भीतर ही होगा।

(3) निर्गमकर्ता न्यूनतम आवेदन मूल्य के गुणकों में आवेदन आमंत्रित करेगा, जिसका उदाहरण **अनुसूची-XIV के भाग-ख** में दिया गया है।

(4) आवेदन पर प्रत्येक निर्धारित प्रतिभूति हेतु न्यूनतम देय राशि निर्गम कीमत के पच्चीस प्रतिशत से कम नहीं होगी:

**परंतु यह कि विक्रय के लिए प्रस्ताव के मामले में**, प्रत्येक निर्धारित प्रतिभूति के लिए कुल निर्गम कीमत आवेदन के समय देय होगी।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजन के लिए, "न्यूनतम आवेदन मूल्य" निर्धारित प्रतिभूतियों की निर्गम कीमत के संदर्भ में होगा और न कि आवेदन पर देय रकम के संदर्भ में।

### मांगे जाने का तरीका

**144.** यदि निर्गमकर्ता अभिदान की रकम किस्तों में प्राप्त करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि अभिदान की बकाया रकम की मांग निर्गम में आबंटन की तारीख से बारह महीनों के भीतर की जाती है और यदि कोई आवेदक उक्त बारह मास के भीतर मांग की रकम अदा करने में असफल रहता है, तो जिन इक्विटी शेयरों पर मांग बकाया हैं उन इक्विटी शेयरों को और साथ ही ऐसे शेयरों पर पहले ही से अदा की गई अभिदान की रकम को समपूत (जव्त) कर लिया जाएगा:

**परंतु यह कि** बारह महीनों के भीतर अभिदान की बकाया रकम की मांग करना आवश्यक नहीं होगा, यदि निर्गमकर्ता ने विनियम 137 की शर्तों आदि के अनुसार अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी को नियुक्त किया हो।

### आबंटन प्रक्रिया और आबंटन का आधार

**145.** (1) निर्गमकर्ता सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के अनुसरण में आबंटन नहीं करेगा यदि भावी आबंटितियों की संख्या एक हजार से कम हो।

(2) निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों से अधिक कोई आबंटन नहीं करेगा, किंतु यदि अति-अभिदान हो गया हो तो वह नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से आबंटन करने के लिए पूर्णांकन करने के प्रयोजन से ऐसा कर सकेगा:

**परंतु यह कि** अति-अभिदान के मामले में, आबंटन, जो जनता को शुद्ध प्रस्ताव के एक प्रतिशत से अधिक न हो, न्यूनतम निश्चित संख्याओं (लॉटों) में आबंटन करने के प्रयोजनार्थ किया जा सकेगा।

(3) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों और एंकर निवेशकों से भिन्न आवेदकों को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन निवेशक के निर्धारित वर्गों के भीतर आनुपातिक आधार पर किया जाएगा और आबंटित प्रतिभूतियों की संख्या को निकटतम पूर्णांक तक पूर्णांकित किया जाएगा, इसके अध्यक्षीन कि न्यूनतम आबंटन न्यूनतम आवेदन आकार (जैसा निर्गमकर्ता द्वारा निर्धारित जाए तथा प्रकट जाए) के बराबर हो:

**परंतु यह कि विनियम 130 के उप-विनियम (1) के खंड (क) या उप-विनियम (2) के खंड (क) के तहत आरक्षण के अनुसरण में किसी व्यक्ति (कर्मचारियों के मामले को छोड़कर) को आबंटित निर्धारित प्रतिभूतियों का मूल्य, दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।**

(4) प्रत्येक छोटे व्यक्तिगत निवेशक को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन, छोटे व्यक्तिगत निवेशक संबंधी प्रवर्ग के लिए शेयरों की उपलब्धता के अध्यक्षीन, न्यूनतम बोली लॉट (बिड लॉट) से कम नहीं होगा और शेष उपलब्ध शेयर, यदि कोई हों, आनुपातिक आधार पर आबंटित किए जाएंगे।

(5) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के प्राधिकृत कर्मचारियों के साथ-साथ अग्रणी प्रबंधक तथा निर्गम रजिस्ट्रार यह सुनिश्चित करेंगे कि आबंटन के आधार को **अनुसूची-XIV के भाग-क** में दी हुई आबंटन प्रक्रिया के अनुसार निष्पक्षता से तथा सही ढंग से अंतिम रूप दिया जाता है।

#### **आबंटन करना, पैसा लौटाना और ब्याज अदा करना**

**146. (1)** निर्गमकर्ता (इश्युअर) और अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी अवधि के भीतर, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए, निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन हो जाता है और / या आवेदन की रकम लौटा दी जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक कर दिया जाता है।

(2) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि आबंटन (अलॉटमेंट) करना, गैर-कागज़ी (डीमैट) प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) को खाते में जमा (क्रेडिट) करना, पैसा लौटाना (रिफंड करना) या आवेदन की रकम को अनब्लॉक करना, जो भी लागू हो, यह सब कुछ इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाता है।

(3) जहाँ ऊपर उप-विनियम (1) में निर्धारित की गई अवधि के भीतर निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन नहीं किया जाता है और / या आवेदन की रकम नहीं लौटाई जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक नहीं किया जाता है, वहाँ निर्गमकर्ता (इश्युअर) निवेशकों को प्रद्वह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और ऐसे समय के भीतर ब्याज अदा करने का वचन देगा जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया हो, और अग्रणी प्रबंधक इस बात को सुनिश्चित करेगा (करेंगे)।

#### **निर्गम के पश्चात् के विज्ञापन**

**147. (1)** अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि अभिदान, आबंटन के आधार, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) सहित सभी आवेदनों की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन सहित सभी आवेदनों हेतु सफल आबंटितियों (अलॉटीज़) की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, धनवापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा होने की तारीख, जो लागू हो, रजिस्ट्रार द्वारा स्व-प्रमाणित सिडिकेट बैंकों को दिए गए अनुदेश, निर्धारित प्रतिभूतियाँ खाते में जमा कराए जाने (क्रेडिट किए जाने) की तारीख तथा सूचीबद्धता (लिस्टिंग) हेतु आवेदन दाखिल किए जाने की तारीख, आदि से संबंधित व्यौरे देते हुए विज्ञापन, व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में जारी किया जाता है जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत (पंजीकृत) कार्यालय स्थित हो।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित व्यौरे स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर भी डाले जाएंगे।

#### **निर्गम के पश्चात् अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारियाँ**

**148. (1)** अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारी निर्गम संबंधी प्रक्रिया पूरी होने तक तो रहेगी ही, बल्कि उसके बाद भी निर्गम से संबंधित किसी मामले के संबंध में बनी रहेगी।

(2) अग्रणी प्रबंधक निर्गम संबंधी किन्हीं क्रियाकलापों से संबंधित निवेशक शिकायतों के निवारण पर लगातार नज़र रखेगा (रखेंगे)।

(3) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के पश्चात् के क्रियाकलापों के लिए तब तक जिम्मेदार बना रहेगा (बने रहेंगे) जब तक आवेदकों को प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त न हो जाएँ, उनके डीमैट खाते में जमा (क्रेडिट) न हो जाए या आवेदन की रकम लौटा न दी जाए

और निर्गमकर्ता द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करार (लिस्टिंग एग्रीमेंट) न कर लिया जाए और सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या व्यापार (ट्रेडिंग) की अनुमति न ले ली जाए।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के बंद होने के बाद नियमित अंतरालों में निर्गम रजिस्ट्रारों और विभिन्न मध्यवर्तियों से समवन्य करेगा (करेंगे) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) या बैंक की संग्रहणकर्ता शाखाओं और/या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर, आवेदनों (जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के लिए आवेदन फॉर्म शामिल हैं) के संबंध में की जा रही कार्यवाही पर और दूसरे मामलों पर तब तक नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होंगे, जब तक आबंटन के आधार को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, आबंटितियों के डीमैट खाते में निर्धारित प्रतिभूतियाँ जमा नहीं कर दी जातीं तथा निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों को अनब्लॉक नहीं कर दिया जाता / धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा नहीं कर लिया जाता और प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जातीं, जो भी लागू हो।

(5) यदि अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को किसी मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) की ओर से किसी ऐसी त्रुटि का पता चलता है जो उनके कुछ करने या न करने की वजह से हुई हो, तो वे विधिवत रूप से उसकी रिपोर्ट बोर्ड को देंगे।

(6) यदि हामीदारों पर न्यागमन (डिवाल्वमेंट) हुआ हो, तो अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि हामीदारों की बाध्यता से युक्त न्यागमन की सूचना निर्गम के बंद होने की तारीख से दस दिनों की अवधि के भीतर जारी की जाती है।

(7) जिन अल्प-अभिदत्त निर्गमों (जिसमें कम अभिदान हुआ हो) के संबंध में हामीदारी की जाती हो, उन निर्गमों के मामले में, अग्रणी प्रबंधक बोर्ड को, **अनुसूची-XVIII** में दिए हुए फॉर्मेट में, उन हामीदारों (अंडरराइटर्स) की जानकारी देगा (देंगे) जो अपनी हामीदारी पूरी करने में असफल रहे हों।

#### **अभिदान की रकम को निर्मुक्त (रिलीज़) किया जाना**

**149.** (1) अग्रणी प्रबंधक सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मिली मंजूरीयों की प्रतियों के माध्यम से, निर्गमन बैंककारों (बैंकर्स टू द इश्यू) को यह पुष्टि करेगा कि निर्गम के संबंध में सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं और यह कि बैंककार (बैंकर) निर्गमकर्ता को पैसा सौंप सकता है या निर्गम के असफल होने की दशा में पैसा लौटाने (रिफंड करने) हेतु पैसा निर्मुक्त (रिलीज़) कर सकता है।

(2) यदि निर्गमकर्ता (इश्युअर) उन स्टॉक एक्सचेंजों से, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों, सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मंजूरी प्राप्त करने में असफल रहता हो, तो वह स्टॉक एक्सचेंजों से निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता हेतु किए गए आवेदन को नामंजूर किए जाने की सूचना प्राप्त होने की तारीख से सात दिनों के भीतर, प्राप्त हुई पूरी रकम, ऐसे माध्यमों के जरिए लौटा देगा (रिफंड कर देगा), जिनकी पुष्टि की जा सकती हो और यदि रकम निर्धारित अवधि के भीतर नहीं लौटाई जाती, तो निर्गमकर्ता और कंपनी का ऐसा प्रत्येक निदेशक जो चूककर्ता अधिकारी हो, आठवें दिन की समाप्ति से, पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के साथ रकम लौटाने का, पृथक् रूप से और संयुक्त रूप से, दायी होगी।

(3) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गम की बाबत प्राप्त पैसा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 40 (3) (यथा लागू) के प्रावधानों का पालन करते हुए निर्गमकर्ता को सौंप दिया जाता है।

#### **संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह द्वारा किए गए लेनदेनों की सूचना (रिपोर्टिंग)**

**150.** निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) या प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) को दाखिल किए जाने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तक समूह द्वारा प्रतिभूतियों में किए गए समस्त लेनदेनों की सूचना (रिपोर्ट) स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे लेनदेनों से चौबीस घंटों के भीतर, दी जाएगी।

#### **निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें**

**151.** अग्रणी प्रबंधक **अनुसूची-XVII के भाग-क** में यथा-निर्धारित 'निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट' के साथ-साथ **अनुसूची-V के भाग-च** में निर्धारित फॉर्मेट के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलीजेंस सर्टिफिकेट), आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिए जाने की तारीख से सात दिनों के भीतर या निर्गम के असफल होने के मामले में पैसा लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) से सात दिनों के भीतर, प्रस्तुत करेगा।

#### **भाग-IX: विविध**

##### **बाद वाले पूँजी निर्गमों संबंधी पाबंदियाँ**



**152.** निर्गमकर्ता (इश्युअर) किसी भी प्रकार से निर्धारित प्रतिभूतियों का कोई बाद वाला निर्गम नहीं लाएगा, फिर चाहे वह सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) हो, साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) हो, अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) हो, अर्हित संस्था नियोजन (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल प्लेसमेंट) हो, बोनस शेयरों का निर्गम हो या कुछ और हो, किंतु कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम (एंप्लॉई स्टॉक ऑप्शन स्कीम) के अनुसरण में ऐसा किया जा सकता है:

- (क) तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) [बही-निर्माण (बुक बिल्डिंग) वाले निर्गम के मामले में] या प्रॉस्पेक्टस [नियत कीमत वाले निर्गम (फिक्स्ड प्राइस इश्यू) के मामले में] रजिस्टर किए जाने की तारीख और प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या आवेदन की रकम को लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) की तारीख के बीच की अवधि के दौरान; या
- (ख) अन्य निर्गमों के मामले में, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख तथा प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या आवेदन रकम को लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) की तारीख के बीच की अवधि के दौरान;

जब तक कि निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या या ऐसे बाद वाले निर्गम से जुटाए जाने हेतु प्रस्तावित रकम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण, यथास्थिति, ऐसे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज में न कर दिए जाएँ।

### ग्रीन शू विकल्प के माध्यम से कीमत स्थिरीकरण

**153.** (1) निर्गमकर्ता (इश्युअर) अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के बाद की कीमत के स्थिरीकरण के लिए ग्रीन शू विकल्प दे सकेगा, बशर्ते कि :

- क) निर्गमकर्ता को, शेयरधारकों की साधारण बैठक में सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) को मंजूरी प्रदान करने के संबंध में संकल्प पारित करके इस बात के लिए प्राधिकृत किया गया हो कि वह स्थिरीकरण की अवधि समाप्त हो जाने पर, यदि जरूरी लगे तो, स्थिरीकरण एजेंट को निर्धारित प्रतिभूतियाँ आवंटित कर सकता है;
- ख) निर्गमकर्ता ने किसी अग्रणी प्रबंधक को स्थिरीकरण एजेंट के रूप में नियुक्त किया हो, जो कीमत की स्थिरीकरण प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार हो;
- ग) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल करने से पहले, निर्गमकर्ता (इश्युअर) और स्थिरीकरण एजेंट ने करार कर लिया हो, जिसके अंतर्गत ग्रीन शू विकल्प से संबंधित सभी शर्तों आदि का उल्लेख हो, जिनमें स्थिरीकरण एजेंट द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए ली जाने वाली फीस तथा किए जाने वाले खर्चों का भी उल्लेख हो;
- घ) प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पहले, स्थिरीकरण एजेंट ने संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों या दोनों के साथ इस उप-विनियम के खंड (छ) के अनुसार उनसे निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार लेने के संबंध में करार कर लिया हो, साथ ही उसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की अधिकतम संख्या का भी उल्लेख हो जिन्हें निर्गम के आकार से अधिक संख्या में निर्धारित प्रतिभूतियों के आवंटन (यहाँ आगे "अति-आवंटन" के रूप में उल्लिखित) के प्रयोजन से उधार लिया जा सकेगा, किंतु यह संख्या निर्गम के आकार के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी;
- ङ) खंड (घ) के अध्यक्षीन, अग्रणी प्रबंधक, स्थिरीकरण एजेंट के परामर्श से, सार्वजनिक निर्गम में अति-आवंटन की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों की मात्रा को तय करेगा;
- च) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में ग्रीन शू विकल्प के बारे में उन समस्त महत्वपूर्ण प्रकटीकरणों (डिस्क्लोज़र्स) को शामिल किया जाएगा जिनका उल्लेख इस संबंध में अनुसूची-VI के भाग-क में किया गया है;
- छ) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक और बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में पाँच प्रतिशत से अधिक निर्धारित प्रतिभूतियाँ धारण करने वाले निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक, प्रस्तावित अति-आवंटन की सीमा तक निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार दे सकेंगे;
- ज) उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ गैरकागज़ी (डीमैट) रूप में होंगी और इन प्रतिभूतियों का आवंटन सभी सफल आवेदकों को आनुपातिक रूप में किया जाएगा।

(2) निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के पश्चात् की कीमत के स्थिरीकरण के प्रयोजन से, स्थिरीकरण एजेंट संबंधित पहलू तय करेगा जिनमें शामिल हैं - ऐसी प्रतिभूतियों को कब खरीदा जाए, कितना खरीदा जाए तथा किस कीमत पर ऐसी प्रतिभूतियों को बाजार से खरीदा जाए।

(3) स्थिरीकरण की प्रक्रिया उस अवधि के लिए उपलब्ध रहेगी जो उस तारीख से तीस दिनों से अधिक न हो जिस तारीख को सार्वजनिक निर्गम में आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा व्यापार की अनुमति दी जाती हो।

(4) स्थिरीकरण एजेंट अति-आबंटन की बाबत आवेदकों से प्राप्त पैसा जमा करने के लिए बैंक में एक विशेष खाता (जो निर्गम संबंधी खाते से भिन्न हो) खोलेगा, और विशेष बैंक खाते में जमा पैसे से स्थिरीकरण की अवधि के दौरान बाजार से खरीदी जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों को जमा करने के लिए निक्षेपागार सहभागी (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट) के यहाँ एक विशेष खाता खोलेगा।

(5) बाजार से खरीदी गई और निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए विशेष खाते में जमा निर्धारित प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों को तुरंत, किंतु किसी भी दशा में स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने से दो कार्य-दिवसों के भीतर ही, लौटा दी जाएँगी।

(6) स्थिरीकरण की अवधि समाप्त हो जाने पर, यदि स्थिरीकरण एजेंट बाजार से उतनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ न खरीद पाया हो जितनी प्रतिभूतियों का अति-आबंटन हुआ हो, तो जितनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ कम पड़ रही हों उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों को निर्गमकर्ता गैर-कागजी (डीमैट) रूप में निर्गम कीमत (इश्यू प्राइस) पर, स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने की तारीख से पाँच दिनों के भीतर, निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए विशेष खाते में आबंटित करेगा, और स्थिरीकरण एजेंट द्वारा संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों से उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियों की एवज में, उन्हें ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ लौटा दी जाएँगी और उसके बाद निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए खाते को बंद कर दिया जाएगा।

(7) निर्गमकर्ता उप-विनियम (6) के तहत आबंटित अतिरिक्त निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत, उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के लिए आवेदन करेगा जहाँ सार्वजनिक निर्गम में आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों और अध्याय-VII के प्रावधान ऐसे आबंटन पर लागू नहीं होंगे।

(8) स्थिरीकरण एजेंट उप-विनियम (6) के तहत आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत पैसा निर्गमकर्ता को विशेष बैंक खाते में से देगा।

(9) उप-विनियम (8) के तहत निर्गमकर्ता को पैसा दिए जाने और स्थिरीकरण की प्रक्रिया के लिए स्थिरीकरण एजेंट द्वारा किए गए खर्चों की कटौती करने के पश्चात् विशेष बैंक खाते में पड़ा पैसा बोर्ड द्वारा बनाई गई 'निवेशक संरक्षण और शिक्षण निधि' में अंतरित (ट्रांसफर) कर दिया जाएगा और उसके बाद विशेष बैंक खाते को जल्दी बंद कर दिया जाएगा।

(10) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण की अवधि के दौरान दैनिक आधार पर स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट और अनुसूची-XV में निर्धारित किए गए फॉर्मेट में बोर्ड को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(11) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने की तारीख से कम से कम तीन वर्षों की अवधि तक रजिस्टर बनाए रखेगा और ऐसे रजिस्टर में निम्नलिखित विवरण शामिल होंगे :

(क) उन संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों के नाम जिनसे निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार ली गई थीं और उनमें से प्रत्येक से उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या;

(ख) स्थिरीकरण की प्रक्रिया के दौरान हुए प्रत्येक लेनदेन (ट्रांजैक्शन) के संबंध में कीमत, तारीख तथा समय; और

स्थिरीकरण की प्रक्रिया समाप्त होने पर निर्गमकर्ता द्वारा किए गए आबंटन के ब्यौरे।

### निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के अधिकारों में परिवर्तन

**154.** निर्गमकर्ता निर्धारित प्रतिभूतियों की शर्तों आदि [निर्गम (इश्यू) की शर्तों आदि सहित] में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं करेगा, जो उन निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करे, किंतु वह उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के कम से कम तीन-चौथाई धारकों की लिखित रूप में सहमति लेकर या उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों की बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से मंजूरी लेकर ऐसा कर सकता है।

**भाग-X: तीव्र-पथीय बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव (फास्ट ट्रेक फर्दर पब्लिक ऑफर)****पात्रता की शर्तें**

**155.** यदि निर्गमकर्ता (इश्युअर) तीव्र-पथीय माध्यम के जरिए बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव (फर्दर पब्लिक ऑफर) लाने के लिए निम्नलिखित शर्तों को पूरा करे, तो विनियम 123 के उप-विनियम (1), (2), (3), (4), (5) और (9) लागू नहीं होंगे:

- क) निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर संदर्भ तारीख से ठीक पहले की कम से कम तीन वर्षों की अवधि के लिए किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध रहे हों;
- ख) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक समूह की पूरी शेयरधारिता संदर्भ तारीख को गैर-कागज़ी रूप में हो;
- ग) सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के मामले में, निर्गमकर्ता की सार्वजनिक शेयरधारिता का औसत बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइज़ेशन) कम से कम एक हजार करोड़ रुपये हो;

"सार्वजनिक शेयरधारिता के औसत बाजार पूंजीकरण" से अभिप्रेत है - जिस महीने में प्रस्तावित निर्गम, यथास्थिति, शेयरधारकों या निर्गमकर्ता के बोर्ड द्वारा मंजूर किया गया हो, उस महीने से पहले की तिमाही के अंत तक एक वर्ष की अवधि की सार्वजनिक शेयरधारिता के दैनिक बाजार पूंजीकरण के योग को व्यापार के दिनों (ट्रेडिंग डे) की संख्या से विभाजित करने पर प्राप्त संख्या।

"सार्वजनिक शेयरधारिता" का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) रूलस, 1957] में इसके लिए नियत है।

- घ) संदर्भ तारीख के महीने से ठीक पहले के छह कलेंडर महीनों के दौरान निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों का वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह महीनों की अवधि के दौरान सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (वेटेड एवरेज नंबर) का कम से कम दो प्रतिशत रहा हो:

**परंतु यह कि** उन निर्गमकर्ताओं के लिए जिनकी सार्वजनिक शेयरधारिता उनकी निर्गमित इक्विटी पूँजी के पंद्रह प्रतिशत से कम हो, उनके लिए इक्विटी शेयरों का वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह महीनों की अवधि के दौरान फ्री फ्लोट के रूप में उपलब्ध इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या का कम से कम दो प्रतिशत रहा हो;

- ङ) संदर्भ तारीख के महीने से ठीक पहले के छह कलेंडर महीनों के दौरान इक्विटी शेयरों का वार्षिक सुपुर्दगी-आधारित (डिलीवरी बेस्ड) व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह महीनों की अवधि के दौरान इक्विटी शेयरों के वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) का कम से कम दस प्रतिशत रहा हो;
- च) निर्गमकर्ता संदर्भ तारीख से ठीक पहले की कम से कम तीन वर्षों की अवधि तक, इक्विटी सूचीबद्धता करार (इक्विटी लिस्टिंग एग्रीमेंट) या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015], जो भी लागू हो, का पालन करता रहा हो:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता ने निदेशक मंडल की संरचना के संबंध में, इक्विटी सूचीबद्धता करार (इक्विटी लिस्टिंग एग्रीमेंट) या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015], जो भी लागू हो, के प्रावधानों का, संदर्भ तारीख से ठीक पहले के अंतिम तीन वर्षों के दौरान किसी भी तिमाही में, पालन न किया हो, किंतु यदि उसने प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) दाखिल करते समय ऐसे प्रावधानों का पालन कर लिया हो, और संदर्भ तारीख से ठीक पहले के तीन वर्षों के दौरान इस प्रकार पालन न किए जाने के संबंध में प्रस्ताव-पत्र में पर्याप्त प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र्स) कर दिए हों, तो यह मान लिया जाएगा कि शर्त का पालन हो गया है:

**परंतु यह और कि** स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्गमकर्ता (इश्युअर) पर आर्थिक जुर्माने लगाना ही इस बात का आधार नहीं होगा कि वह इस विनियम के तहत निर्गम लाने का पात्र नहीं है;

- छ) निर्गमकर्ता ने संदर्भ तारीख के महीने से ठीक पहले की तिमाही के अंत तक निवेशकों से प्राप्त शिकायतों में से कम से कम पचानवे प्रतिशत शिकायतों का निवारण कर लिया हो;
- ज) संदर्भ तारीख तक निर्गमकर्ता या उसके संप्रवर्तकों या पूर्णकालिक निदेशकों के खिलाफ बोर्ड द्वारा कोई कारण बताओ सूचनाएँ जारी न की गई हों या कोई अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) कार्यवाहियाँ शुरू न की गई हों और न ही लंबित हों;

- झ) निर्गमकर्ता अथवा निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह या निदेशक ने संदर्भ तारीख (रेफ़रेंस डेट) से ठीक पहले के तीन वर्षों के दौरान प्रतिभूति विधियों के किसी कथित उल्लंघन का निपटारा बोर्ड की सहमति या निपटारे संबंधी व्यवस्था के जरिए न कराया हो;
- ञ) संदर्भ तारीख से ठीक पहले के अंतिम तीन वर्षों के दौरान अनुशासनिक उपाय के तौर पर निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में किए जा रहे व्यापार (ट्रेडिंग) को निलंबित न किया गया हो;
- ट) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और निर्गमकर्ता या उसकी समूह (ग्रुप) कंपनियों के बीच, लागू विनियमों के अनुसार, कोई भी हित विरोध न हो;
- ठ) जिन वित्तीय वर्षों के संबंध में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षित लेखों को प्रस्ताव-पत्र में प्रकट किया जाता हो, उन वित्तीय वर्षों के लेखापरीक्षित लेखों के बारे में लेखापरीक्षा करने पर जो टिप्पणियाँ/अभिमत दिए गए हों (यदि कोई हों और जिनकी गणना की जा सकती हो) उनका असर संबंधित वर्षों हेतु निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षित लेखों पर, निर्गमकर्ता के कर के पश्चात् शुद्ध लाभ या हानि के पाँच प्रतिशत से अधिक न पड़ता हो।

### प्रस्ताव दस्तावेज और पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना

**156.** (1) निर्गमकर्ता विनियम 123 के उप-विनियम (7) एवं (8) के अनुसार बोर्ड तथा स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा और बोर्ड को **अनुसूची-III** में यथा-निर्धारित फीस अदा करेगा।

(2) अग्रणी प्रबंधक बोर्ड के पास, प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के साथ निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा (करेंगे):

- क) **अनुसूची-V** के **प्ररूप-क** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र, जिसमें **अनुसूची-V** के **प्ररूप-ड** में यथा-निर्धारित अतिरिक्त पुष्टीकरण शामिल हैं;
- ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (कन्वर्टिबल डैट इंस्ट्रूमेंट) के तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में, **अनुसूची-V** के **प्ररूप-ख** के अनुसार डिबेंचर न्यासी से पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ: "संदर्भ तारीख" से अभिप्रेत है - कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस [बही-निर्माण वाले निर्गम (बुक बिल्ट इश्यू) के मामले में] या प्रॉस्पेक्टस [नियत कीमत वाले निर्गम (फिक्स्ड प्राइस इश्यू) के मामले में] रजिस्टर किए जाने की तारीख।

### सूचीबद्धता के पश्चात् विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए निकास का अवसर

**157.** बाद वाले सार्वजनिक प्रस्तावों (जिनमें तीव्र-पथीय माध्यम के तहत लाया गया प्रस्ताव भी शामिल है) के मामले में, यदि प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित उद्देश्यों में कोई बदलाव होता हो या संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) की शर्तों आदि में कोई फेरबदल किया जाता हो, तो निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक (प्रोमोटर्स) या नियंत्रण रखने वाले शेयरधारक कंपनी अधिनियम, 2013 (कंपनीज़ एक्ट, 2013) के प्रावधानों के अनुसार और **अनुसूची-XX** में उल्लिखित शर्तों आदि के अनुसार विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए निकास प्रस्ताव (एग्जिट ऑफर) लाएंगे:

**परंतु यह कि** निकास प्रस्ताव वहाँ लागू नहीं होगा, जहाँ सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) के न तो ऐसे संप्रवर्तक (प्रोमोटर्स) हों जिनकी पहचान हो सके, और न ही नियंत्रण रखने वाले शेयरधारक हों।

## अध्याय-V

### अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू)

#### कुछ मामलों में इस अध्याय के प्रावधानों का लागू न होना

**158.** (1) इस अध्याय के प्रावधान वहाँ लागू नहीं होंगे जहाँ इक्विटी शेयरों का अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) :

- क) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 81 की उप-धारा (3) एवं (4) या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 62 की उप-धारा (3) एवं (4), जो भी लागू हो, की शर्तों आदि के अनुसार ऋण के संपरिवर्तन (कन्वर्ज़न) या संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (कन्वर्टिबल डैट इंस्ट्रूमेंट) से संबद्ध विकल्प (ऑप्शन) के अनुसरण में लाया जाए;
- ख) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत अधिकरण (ट्रायब्युनल) या केंद्रीय सरकार द्वारा मंजूर स्कीम (जो भी लागू हो) के अनुसरण में लाया जाए:

**परंतु यह कि** यदि ऐसी स्कीमों के अनुसरण में केवल शेयरधारकों के चुनिंदा समूह या असूचीगत (लिस्टिड) कंपनियों के शेयरधारकों को ही शेयर आबंटित किए जाते हैं, तो इस अध्याय के कीमत-निर्धारण (प्राइसिंग) संबंधी प्रावधान खंड (ख) में उल्लिखित स्कीमों के तहत किए जाने वाले शेयरों के निर्गमन (इश्युएंस) पर लागू होंगे;

ग) इन विनियमों के अध्याय-VI के अनुसार अर्हित संस्थागत नियोजन (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशन्स प्लेसमेंट) के अनुसरण में लाया जाए।

(2) अवरुद्धता (लॉक इन) से संबंधित प्रावधानों को छोड़कर, इस अध्याय के प्रावधान वहाँ लागू नहीं होंगे जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियों का अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 [1986 का 1] {सिक इंडस्ट्रियल कंपनीज़ (स्पेशल प्रोविज़न्स) एक्ट, 1985} के तहत औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा मंजूर की गई पुनर्वास स्कीम या दिवाला और शोधन अधमता संहिता, 2016 [2016 की 31] (इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरोप्सी कोड, 2016) की धारा 31 के तहत मंजूर की गई समाधान योजना (रेज़ोल्यूशन प्लान), जो भी लागू हो, की शर्तों आदि के अनुसार लाया जाता हो।

(3) कीमत-निर्धारण (प्राइसिंग) और अवरुद्धता (लॉक-इन) से संबंधित इस अध्याय के प्रावधान बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को शोध्य ऋण वसूली अधिनियम, 1993 (1993 का 51) [रिकवरी ऑफ डैट्स ड्यू टू बैंक्स एंड फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन्स एक्ट, 1993] की धारा 2 के खंड (ज) के उप-खंड (i) एवं (ii) के अर्थ के भीतर किसी वित्तीय संस्था को आबंटित किए गए इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होंगे।

(4) विनियम 163 और विनियम 164 के उप-विनियम (1), (2), (3) एवं (4) के प्रावधान इक्विटी शेयरों तथा अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों, चाहे पूर्णतः या अंशतः, के अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) पर लागू नहीं होंगे, जहाँ बोर्ड ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़िशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के विनियम 11 के अनुसार निर्गमकर्ता को छूट प्रदान की हो, यदि आबंटितियों (अलॉटीज़) की पहचान करने हेतु जो योजना तथा प्रक्रिया अपनाए जाने का प्रस्ताव हो, उसके बारे में पर्याप्त प्रकटीकरण शेयरधारकों की साधारण बैठक हेतु दी जाने वाली सूचना के व्याख्यात्मक विवरण (एक्सप्लेनेटरी स्टेटमेंट) में किए गए हों।

(5) विनियम 159 के उप-विनियम (1) और विनियम 167 के उप-विनियम (6) के प्रावधान निर्धारित प्रतिभूतियों के अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) पर लागू नहीं होंगे, जहाँ प्रस्तावित आबंटिती बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड) या भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था हो।

(6) इस अध्याय के प्रावधान वहाँ लागू नहीं होंगे, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) का अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) उधारदाताओं (देनदारों) के लिए, उनके ऋण (डैट) के संपरिवर्तन (कन्वर्जन) [भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) के अनुसार लाई गई ऋण पुनर्संरचना स्कीम (डैट रीस्ट्रक्चरिंग स्कीम) के भागस्वरूप] के अनुसरण में, निम्नलिखित शर्तों के अधीन, लाया जाता हो :

क) संपरिवर्तन कीमत (कन्वर्जन प्राइस) तय करने संबंधी दिशानिर्देश (गाइडलाइन्स) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित कर दिए गए हैं जिनके अनुसार संपरिवर्तन कीमत (कन्वर्जन प्राइस) तय की जाएगी और जिसके लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों का पालन किया जाएगा;

ख) संपरिवर्तन कीमत (कन्वर्जन प्राइस) दो स्वतंत्र मूल्यांककों (वैल्यूअर्स) द्वारा प्रमाणित की जाएगी;

ग) इस प्रकार आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ उनके आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएँगी;

**परंतु यह कि** नियंत्रण को अंतरित (ट्रांसफर) किए जाने के प्रयोजनार्थ, उधारदाता (देनदार) उन्हें आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों को अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि के पूरा होने से पूर्व अंतरित कर सकेंगे, बशर्ते कि ऐसी प्रतिभूतियाँ बाकी की अवधि हेतु अंतरिती [ट्रांसफरी / जिसे अंतरण (ट्रांसफर) किया जा रहा हो] के पास रुद्ध (लॉक-इन) रहें;

घ) अधिमानी (प्रेफरेंशियल) आधार पर निर्गमित (इश्यू की गई) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (कन्वर्टिबल सिक्यूरिटीज़) के संपरिवर्तन (कन्वर्जन) के अनुसरण में आबंटित किए गए इक्विटी शेयरों की अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि उतनी कम हो जाएगी जितनी अवधि के लिए संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ पहले ही रुद्ध (लॉक-इन) की जा चुकी हों;

- ड) कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों, जिनमें विशेष संकल्प संबंधी अपेक्षा भी शामिल है, का पालन किया जाए।
- (7) इस अध्याय के प्रावधान वहाँ लागू नहीं होंगे, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) का अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) व्यक्ति (व्यक्तियों) के लिए, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों (मार्गदर्शक सिद्धांतों / गाइडलाइन्स) के अनुसार लाई गई ऋण पुनर्संरचना स्कीम (डेट रीस्ट्रक्चरिंग स्कीम) के अनुसरण में, उधारदाताओं (देनदारों) द्वारा उनकी धारिता (होलिंग) [निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) की] बेचे जाने या ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के पक्ष में स्वामित्व में परिवर्तन कराए जाने के समय, निम्नलिखित शर्तों के अधीन, लाया जाता हो:
- क) निर्गम कीमत (इश्यू प्राइस) तय करने संबंधी दिशानिर्देश (गाइडलाइन्स) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित कर दिए गए हैं जिनके अनुसार निर्गम कीमत (इश्यू प्राइस) तय की जाएगी और जिसके लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों का पालन किया जाएगा;
- ख) निर्गम कीमत (इश्यू प्राइस) दो स्वतंत्र मूल्यांककों (वैल्यूअर्स) द्वारा प्रमाणित की जाएगी;
- ग) इस प्रकार आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ उनके आबंटन की तारीख से कम से कम तीन वर्षों की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएँगी;
- घ) अधिमानी (प्रेफरेंशियल) आधार पर निर्गमित (इश्यू की गई) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (कन्वर्टिबल सिक्यूरिटीज़) के संपरिवर्तन (कन्वर्जन) के अनुसरण में आबंटित किए गए इक्विटी शेयरों की अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि उतनी कम हो जाएगी जितनी अवधि के लिए संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ पहले ही रुद्ध (लॉक-इन) की जा चुकी हों;
- ड) अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) से पहले निर्गमकर्ता (इश्युअर) के शेयरधारकों द्वारा विशेष संकल्प पारित कर दिया गया हो;
- च) निर्गमकर्ता (इश्युअर), कंपनी अधिनियम, 2013 या किसी अन्य लागू कानूनी प्रावधान के तहत अपेक्षित प्रकटीकरणों (डिस्क्लोज़र) के अलावा, प्रस्तावित आबंटिती (आबंटितियों) [अलॉटी] से संबंधित निम्नलिखित जानकारी, साधारण बैठक [जो उस विशेष संकल्प को पारित करने के लिए बुलाई जानी हो जिसका उल्लेख इस उप-विनियम के खंड (ड) में किया गया है] की सूचना (नोटिस) के व्याख्यात्मक विवरण (एक्सप्लेनेटरी स्टेटमेंट) में प्रकट करेगा:
- क. प्रस्तावित आबंटिती (आबंटितियों) [अलॉटी] की पहचान और साथ ही उन प्रकृत व्यक्तियों (नैचुरल पर्सन्स) की पहचान, जो आबंटन किए जाने हेतु प्रस्तावित शेयरों के अंतिम हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर) हों और/या जिनका प्रस्तावित आबंटिती (आबंटितियों) [अलॉटी] पर अंतिम रूप से नियंत्रण हो;
- ख. कारबार का मॉडल (बिज़नेस मॉडल);
- ग. समय के साथ-साथ कारबार (कारोबार) में हुई वृद्धि का विवरण;
- घ. पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों का सारांश;
- ड. कंपनियों की कायापलट (टर्नअराउंड) [यदि कभी हुई हो] करने का पिछला रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड);
- च. निर्गमकर्ता (इश्युअर) की कायापलट (टर्नअराउंड) करने हेतु प्रस्तावित खाका (रोडमैप)।
- छ. कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों का पालन किया जाए।

#### भाग-I: अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) लाने हेतु अपात्र निर्गमकर्ता

**159. (1)** निर्धारित प्रतिभूतियों का अधिमानी निर्गम ऐसे किसी व्यक्ति के लिए नहीं लाया जाएगा जिसने सुसंगत तारीख से पहले के छह महीनों के दौरान निर्गमकर्ता (इश्युअर) के कोई इक्विटी शेयर बेच दिए हों या अंतरित (ट्रांसफर) कर दिए हों:

**परंतु यह कि** इक्विटी शेयरों तथा अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (चाहे पूर्णतः या अंशतः) के अधिमानी निर्गम के बारे में, बोर्ड इस उप-विनियम की अपेक्षाओं से छूट प्रदान कर सकेगा, यदि बोर्ड ने ऐसे अधिमानी आबंटन के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन, 2011] के विनियम 11 के उप-विनियम (2) के अनुसार छूट प्रदान की हो।

**स्पष्टीकरण:** जहाँ संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) या संप्रवर्तक समूह से संबंधित किसी व्यक्ति ने सुसंगत तारीख से पहले के छह महीनों के दौरान निर्गमकर्ता में अपने इक्विटी शेयर बेच / अंतरित (ट्रांसफर) कर दिए हों, वहाँ संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह अधिमानी आधार पर निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन के लिए अपात्र होंगे:

**परंतु यह कि** उपरोक्त पाबंदी संप्रवर्तक समूह के संप्रवर्तक (उन संप्रवर्तकों) से संबंधित किसी व्यक्ति द्वारा की जाने वाली इक्विटी शेयरों की ऐसी किसी बिक्री पर लागू नहीं होगी जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 10 (1) (क) के तहत अर्हित व्यक्तियों के बीच आपस में किए जाने वाले अंतरण (ट्रांसफर) के अंतर्गत आए या तब लागू नहीं होगी जब संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह द्वारा धारित शेयरों का अंतरण (ट्रांसफर), अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था या प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी या पारस्परिक निधि या बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी द्वारा गिरवी लागू करवाए जाने की वजह से किया जाता हो।

(2) जहाँ संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) या संप्रवर्तक समूह से संबंधित किसी व्यक्ति ने निर्गमकर्ता के वारंटों में पहले अभिदान किया (पैसा लगाया / सब्सक्रिप्शन किया) हो, परंतु वारंटों का प्रयोग करने में असफल रहा हो, तो संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह, यथास्थिति,

क) संप्रवर्तन के विकल्प का प्रयोग न होने के कारण वारंटों की अवधि समाप्त होने की तारीख से; या

ख) वारंटों के रद्द होने की तारीख से

एक वर्ष की अवधि के लिए अधिमानी आधार पर ऐसे निर्गमकर्ता की निर्धारित प्रतिभूतियों के निर्गम के लिए अपात्र होंगे।

(3) निर्गमकर्ता अधिमानी निर्गम लाने के लिए पात्र नहीं होगा, यदि उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी हो।

### भाग-II: अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) के लिए शर्तें

#### अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) के लिए शर्तें

**160. निर्धारित प्रतिभूतियों का** अधिमानी निर्गम लाने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि:

क) अधिमानी निर्गम के माध्यम से आबंटित किए गए सभी इक्विटी शेयर आबंटन के समय पूर्णतः समादत्त हो जाएं;

ख) उसके शेयरधारकों द्वारा विशेष संकल्प पारित कर दिया गया हो;

ग) निर्गमकर्ता में प्रस्तावित आबंटितियों द्वारा धारित सभी इक्विटी शेयर गैरकागज़ी (डीमैट) रूप में हों;

घ) जिस स्टॉक एक्सचेंज में निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों, निर्गमकर्ता उस स्टॉक एक्सचेंज के साथ किए गए सूचीबद्धता करार (लिस्टिंग एग्रीमेंट) में यथा-निर्धारित इक्विटी शेयरों की सतत सूचीबद्धता की शर्तों का और साथ ही भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015] (यथा संशोधित), तथा बोर्ड द्वारा उनके अधीन जारी किए गए किसी परिपत्र या जारी की गई किसी अधिसूचना का पालन कर रहा हो;

ड) निर्गमकर्ता ने उन प्रस्तावित आबंटितियों को छोड़कर अन्य प्रस्तावित आबंटितियों की स्थायी खाता संख्याएँ प्राप्त कर ली हों, जिन्हें बोर्ड द्वारा प्रतिभूति बाजार में लेनदेन (ट्रांज़ैक्शन) करने के लिए अपनी स्थायी खाता संख्या का उल्लेख करने से छूट प्रदान की जा सकेगी।

#### सुसंगत तारीख

**161.** इस अध्याय के प्रयोजनार्थ, "सुसंगत तारीख" से अभिप्रेत है:

क) इक्विटी शेयरों के अधिमानी निर्गम के मामले में, उस तारीख से तीस दिन पहले की तारीख जिस तारीख को प्रस्तावित अधिमानी निर्गम पर विचार करने के लिए शेयरधारकों की बैठक आयोजित की जाती हो:

**परंतु यह कि** यदि निर्धारित प्रतिभूतियों का अधिमानी निर्गम भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित किए गए ढाँचे के तहत दबावग्रस्त आस्तियों (स्ट्रेस्ड असेट्स) के किसी समाधान (रेज़ोल्यूशन) के अनुसरण में लाया जाता हो या दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016) के तहत राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण द्वारा मंजूर की गई समाधान योजना (रेज़ोल्यूशन प्लान) के अनुसरण में लाया जाता हो, तो कंपनी ऋण पुनर्संरचना

पैकेज (कारपोरेट डेट रीस्ट्रक्चरिंग पैकेज) या समाधान योजना (रेज्योल्यूशन प्लान) की मंजूरी मिलने की तारीख सुसंगत तारीख होगी।

- ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के अधिमानी निर्गम के मामले में, या तो इस विनियम के खंड (क) में दी हुई सुसंगत तारीख या उस तारीख से तीस दिन पहले की तारीख जिस तारीख को संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के धारक इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन करने के हकदार बन जाते हों।

**स्पष्टीकरण:** जहाँ सुसंगत तारीख सप्ताह का अंतिम दिन या अवकाश के दिन पड़ती हो, वहाँ सप्ताह के अंतिम दिन या अवकाश के दिन से पहले वाले दिन को सुसंगत तारीख के रूप में गिना जाएगा।

### संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों की अवधि

**162.** निर्गमकर्ता की संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों की अवधि उनके आबंटन की तारीख से अठारह महीनों से अधिक नहीं होगी।

### भाग-III: शेयरधारकों को किए जाने वाले प्रकटीकरण

**163.** (1) निर्गमकर्ता (इश्युअर), कंपनी अधिनियम, 2013 या किसी अन्य लागू कानूनी प्रावधान के तहत अपेक्षित प्रकटीकरणों के अलावा, साधारण बैठक (जो उस विशेष संकल्प को पारित करने के लिए बुलाई जानी हो) की सूचना (नोटिस) के व्याख्यात्मक विवरण (एक्सप्लेनेटरी स्टेटमेंट) में निम्नलिखित प्रकटीकरण करेगा:

- क) अधिमानी निर्गम के उद्देश्य;
- ख) निर्गमित (जारी) की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों की अधिकतम संख्या;
- ग) प्रस्ताव में अभिदान करने (पैसा लगाने / सबस्क्रिप्शन करना) के संबंध में निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों, निदेशकों या प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों का इरादा;
- घ) अधिमानी निर्गम से पूर्व तथा उसके पश्चात् निर्गमकर्ता का शेयरधारिता स्वरूप(SP);
- ङ) वह समय-सीमा जिसके भीतर अधिमानी निर्गम को पूरा किया जाएगा;
- च) उन प्रकृत व्यक्तियों (नैचुरल पर्सन्स) की पहचान जो आबंटित किए जाने हेतु प्रस्तावित शेयरों के अंतिम हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर) हों और/या जिनका प्रस्तावित आबंटितियों (अलॉटीज़) पर अंतिम रूप से नियंत्रण हो, अधिमानी निर्गम के पश्चात् की पूंजी का प्रतिशत जो उनके द्वारा धारित हो और अधिमानी निर्गम के परिणामस्वरूप निर्गमकर्ता में नियंत्रण में परिवर्तन, यदि कोई हो:

**परंतु यह कि** यदि प्रस्तावित आबंटित की स्वामित्व की श्रृंखला में कोई सूचीबद्ध कंपनी, पारस्परिक निधि, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी हो, तो कोई भी अतिरिक्त प्रकटीकरण करना आवश्यक नहीं होगा।

**स्पष्टीकरण:** आबंटितियों के अंतिम हिताधिकारी स्वामियों की पहचान के प्रयोजनार्थ, जहाँ आबंटित संस्थाएँ/एंटिटियाँ हों, वहाँ ऐसे अंतिम हिताधिकारी स्वामियों की पहचान, बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए दिशानिर्देशों (मार्गदर्शक सिद्धांत / गाइडलाइन्स), यदि कोई हों, के अनुसार की जाएगी।

- छ) यह वचन कि निर्गमकर्ता इन विनियमों के प्रावधान के अनुसार निर्धारित प्रतिभूतियों की कीमत की फिर से गणना करेगा जहाँ उससे ऐसा करना अपेक्षित हो;
- ज) यह वचन कि यदि कीमत की फिर से गणना करने की वजह से देय रकम इन विनियमों में निर्धारित की गई समय-सीमा के भीतर अदा नहीं की जाती है, तो निर्धारित प्रतिभूतियाँ तब तक रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगी जब तक ऐसी रकम आबंटितियों द्वारा अदा न कर दी जाए।
- झ) **अनुसूची-VI** में निर्धारित प्रकटीकरण, यदि निर्गमकर्ता अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करनेवाला) हो।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्तावित अधिमानी निर्गम पर विचार करने के लिए बुलाई जाने वाली शेयरधारकों की साधारण बैठक के समक्ष अपने कानूनी लेखापरीक्षकों के प्रमाणपत्र की प्रति रखेगा जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि यह निर्गम इन विनियमों की अपेक्षाओं के अनुसार लाया जा रहा है।



(3) जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ नकद से भिन्न प्रतिफल (कन्सिडरेशन) के लिए अधिमानी आधार पर निर्गमित की जाती हों, वहाँ जिन आस्तियों (असेट्स) की एवज में इक्विटी शेयर निर्गमित किए जाते हैं उनका मूल्यांकन स्वतंत्र मूल्यांकक द्वारा किया जाएगा, और जिसे उन स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्तुत किया जाएगा जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों:

**परंतु यह कि** यदि मूल्यांकन के औचित्य से स्टॉक एक्सचेंज संतुष्ट न हो (हों), तो वह (वे) किसी दूसरे मूल्यांकक से मूल्यांकन करवा सकेगा (सकेंगे) और इस प्रयोजनार्थ वह (वे) निर्गमकर्ता से कोई ऐसी जानकारी, जो आवश्यक समझी जाए, मांग सकेगा (सकेंगे)।

(4) विशेष संकल्प उस सुसंगत तारीख को निर्धारित करेगा जिसके आधार पर संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनिमय पर आबंटित किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की कीमत की गणना की जाएगी।

#### भाग-IV: कीमत-निर्धारण

##### बारंबार व्यापारित शेयरों का कीमत-निर्धारण

**164.** (1) यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सुसंगत तारीख तक छब्बीस सप्ताहों या उससे अधिक की अवधि के लिए मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध रहे हों, तो अधिमानी निर्गम के अनुसरण में आबंटित किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की कीमत उससे कम नहीं होगी जो निम्नलिखित में से अधिक हो:

- क) सुसंगत तारीख से पहले के छब्बीस सप्ताहों के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में संबंधित इक्विटी शेयरों की मात्रा भारित औसत कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस) की उच्चतम और न्यूनतम साप्ताहिक कीमतों का औसत; या
- ख) सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में संबंधित इक्विटी शेयरों की मात्रा भारित औसत कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस) की उच्चतम और न्यूनतम साप्ताहिक कीमतों का औसत।

(2) यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सुसंगत तारीख तक छब्बीस सप्ताहों से कम की अवधि के लिए मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध रहे हों, तो अधिमानी निर्गम के अनुसरण में आबंटित किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की कीमत उससे कम नहीं होगी जो निम्नलिखित में से अधिक हो:

- क) यथास्थिति, वह कीमत जिस पर निर्गमकर्ता द्वारा अपने आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में इक्विटी शेयर निर्गमित (जारी) किए गए थे अथवा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234, जो भी लागू हो, के तहत समझौता (कॉम्प्रोमाइज़), इंतजाम (अरेंजमेंट) और समामेलन (अमैलगमेशन) की स्कीम के अंतर्गत निकाला गया प्रति शेयर मूल्य, जिसके अनुसरण में निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध किए गए थे; या
- ख) सुसंगत तारीख से पहले की अवधि, जिसके दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में संबंधित इक्विटी शेयरों की मात्रा भारित औसत कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस) की उच्चतम और न्यूनतम साप्ताहिक कीमतों का औसत; या
- ग) सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में संबंधित इक्विटी शेयरों की मात्रा भारित औसत कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस) की उच्चतम और न्यूनतम साप्ताहिक कीमतों का औसत।

(3) जहाँ इक्विटी शेयरों की कीमत उप-विनियम (2) के अनुसार तय की जाती हो, वहाँ ऐसी कीमत की फिर से गणना निर्गमकर्ता द्वारा छब्बीस सप्ताहों के दौरान संबंधित इक्विटी शेयरों की मात्रा भारित औसत कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस) की उच्चतम और न्यूनतम साप्ताहिक कीमतों का औसत के संदर्भ में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्धता (लिस्टिंग) की तारीख से छब्बीस सप्ताहों के पूरा होने पर की जाएगी, और यदि फिर से गणना करने के पश्चात् प्राप्त कीमत उस कीमत से अधिक हो जो आबंटन के समय अदा की गई हो, तो दोनों कीमतों में जितनी रकम का फर्क हो उतनी रकम आबंटितियों द्वारा निर्गमकर्ता को अदा की जाएगी।

(4) निर्धारित प्रतिभूतियों का अधिमानी निर्गम, अर्हित संस्थागत क्रेताओं, जो संख्या में पाँच से अधिक न हों, के लिए उस कीमत पर लाया जाएगा जो सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान संबंधित इक्विटी शेयरों की मात्रा भारित औसत कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस) की उच्चतम और न्यूनतम साप्ताहिक कीमतों का औसत से कम न हो।

(5) इस अध्याय के प्रयोजनार्थ, "बारंबार व्यापारित शेयरों" से निर्गमकर्ता के वे शेयर अभिप्रेत हैं, जिनका किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सुसंगत तारीख से पहले के बारह कलेंडर महीनों के दौरान व्यापारित व्यापारावर्त (ट्रेडेड टर्नओवर), निर्गमकर्ता के ऐसे वर्ग के शेयरों की कुल संख्या का कम से कम दस प्रतिशत है:

**परंतु यह कि** जहाँ निर्गमकर्ता के अमुक वर्ग के शेयरों की शेयर पूँजी ऐसी पूरी अवधि के दौरान एक जैसी न रही हो, वहाँ निर्गमकर्ता के ऐसे वर्ग के कुल शेयरों की भारित औसत संख्या (वेटेड एवरेज नंबर) शेयरों की कुल संख्या को दर्शाएगी।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ, "स्टॉक एक्सचेंज" से कोई वह (वे) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है (हैं) जिसमें (जिनमें) निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों और जिसमें (जिनमें) निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों की बाबत सबसे अधिक व्यापार (ट्रेडिंग) की मात्रा सुसंगत तारीख से पहले के छब्बीस सप्ताहों के दौरान दर्ज (रिकॉर्ड) की गई हो।

#### **बारंबार व्यापारित न होने वाले शेयरों का कीमत-निर्धारण**

**165.** जहाँ निर्गमकर्ता के शेयर बारंबार व्यापारित न होते हों, वहाँ निर्गमकर्ता द्वारा तय की गई कीमत के संबंध में मूल्यांकन संबंधी मानदंडों [जिनमें वही मूल्य (बुक वैल्यू), तुलनीय ट्रेडिंग मल्टीपल्स, और ऐसे अन्य मानदंड शामिल हैं जो ऐसी कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन के लिए प्रचलित हों] पर विचार किया जाएगा:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता स्टॉक एक्सचेंज (जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों) को स्वतंत्र मूल्यांकक से प्राप्त ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा, जिसके अंतर्गत यह प्रमाणित किया गया हो कि निर्गमकर्ता ने इस विनियम का पालन किया है।

#### **कीमत-निर्धारण में समायोजन — बारंबार व्यापारित शेयर और बारंबार व्यापारित न होने वाले शेयर**

**166.** विनियम 164 या विनियम 165 के अनुसार अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) के लिए तय की गई कीमत के संबंध में उपयुक्त समायोजन किए जा सकेंगे, यदि निर्गमकर्ता:

- क) इक्विटी शेयरों का निर्गम, शेयरों पर लाभांश के रूप में न लाकर, लाभों या आरक्षितियों (रिजर्व्स) के पूँजीकरण के रूप में लाता हो;
- ख) ऐसे अविलयन (डीमर्जर) के पूरा होने के पश्चात् इक्विटी शेयरों का निर्गम (इश्यू) लाता हो, जहाँ डीमर्ज हुई एंटीटी की प्रतिभूतियाँ स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों;
- ग) इक्विटी शेयरों का साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) लाता हो;
- घ) अपने बकाया इक्विटी शेयरों को समेकित करता हो, जिससे शेयरों की संख्या कम हो जाए;
- ङ) अपने बकाया इक्विटी शेयरों का विभाजन करता हो, जिसमें स्टॉक विभाजन (स्प्लिट) के रूप में विभाजन शामिल है;
- च) अपने किन्हीं इक्विटी शेयरों को निर्गमकर्ता की अन्य प्रतिभूतियों में पुनःवर्गीकृत करता हो;
- छ) के समक्ष ऐसी अन्य वैसी ही घटनाएँ या परिस्थितियाँ हों, जिनमें संबंधित स्टॉक एक्सचेंज की राय में समायोजन करना जरूरी हो।

#### **भाग-V: अवरुद्धता (लॉक-इन) और अंतरणीयता (ट्रांसफरेबिलिटी) के संबंध में पाबंदियाँ**

##### **अवरुद्धता (लॉक-इन)**

**167. (1)** संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह को अधिमानी आधार पर आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ और संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह को अधिमानी आधार पर जारी किए गए वारंटों से संबद्ध विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में आबंटित किए गए इक्विटी शेयर, यथास्थिति, निर्धारित प्रतिभूतियों या वारंट से संबद्ध विकल्प के प्रयोग के अनुसरण में आबंटित किए गए इक्विटी शेयरों के संबंध में ट्रेडिंग (व्यापार) की मंजूरी दिए जाने की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएंगे:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता की कुल पूँजी का अधिकतम बीस प्रतिशत, व्यापार (ट्रेडिंग) की मंजूरी दिए जाने की तारीख से तीन वर्षों के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएगा:

**परंतु यह और कि** बीस प्रतिशत से अधिक आबंटित इक्विटी शेयर, यथास्थिति, विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में, या अन्यथा, व्यापार (ट्रेडिंग) की मंजूरी दिए जाने की तारीख से एक वर्ष के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएंगे:

**परंतु यह और कि** उन संप्रवर्तनीय प्रतिभूतियों या वारंटों के मामले में, जो स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध (लिस्टिड) न हों, ऐसी प्रतिभूतियाँ आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएंगी।

(2) संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तक समूह से भिन्न व्यक्तियों को अधिमानी आधार पर आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ और ऐसे व्यक्तियों को अधिमानी आधार पर जारी किए गए वारंटों से संबद्ध विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में आबंटित किए गए इक्विटी शेयर व्यापार (ट्रेडिंग) की मंजूरी दिए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएंगे:

**परंतु यह कि** उन संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों या वारंटों के मामले में, जो स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध (लिस्टिड) न हों, ऐसी प्रतिभूतियाँ आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगी।

(3) अधिमानी आधार पर जारी (इश्यू) की गई (निर्गमित) वारंटों से भिन्न संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (कन्वर्टिबल सिक्यूरिटीज़) के संपरिवर्तन (कन्वर्जन) के अनुसरण में आबंटित किए गए इक्विटी शेयरों की अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि उतनी कम हो जाएगी जितनी अवधि के लिए संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ पहले ही रुद्ध (लॉक-इन) की जा चुकी हों।

(4) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित किए गए ढाँचे के तहत दबावग्रस्त आस्तियों (स्ट्रेस्ड असेट्स) के किसी समाधान के अनुसरण में या दिवाला और शोधन अधिमता संहिता, 2016 (इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016) के तहत राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण द्वारा मंजूर की गई समाधान योजना के अनुसरण में अधिमानी आधार पर जारी किए गए इक्विटी शेयर व्यापार की मंजूरी दिए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएंगे।

(5) यदि विनियम 164 के उप-विनियम (3) के तहत कीमत की फिर से गणना के मामले में, आबंटिती द्वारा अदा की जाने वाली रकम, अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि समाप्त होने तक अदा नहीं की जाती, तो इक्विटी शेयर तब तक रुद्ध रहेंगे जब तक ऐसी रकम आबंटिती द्वारा अदा न कर दी जाए।

(6) आबंटितियों की अधिमानी आबंटन से पूर्व की पूरी शेयरधारिता, यदि कोई हो, सुसंगत तारीख से लेकर व्यापार (ट्रेडिंग) की मंजूरी दिए जाने की तारीख से छह महीनों की अवधि तक रुद्ध (लॉक-इन) रहेगी:

**परंतु यह कि** उन संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों या वारंटों के मामले में, जो स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध (लिस्टिड) न हों, आबंटितियों की अधिमानी आबंटन से पूर्व की पूरी शेयरधारिता, यदि कोई हो, सुसंगत तारीख से लेकर ऐसी प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख से छह महीनों की अवधि तक रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगी।

**स्पष्टीकरण 1:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ:

(I) शब्दों "निर्गमकर्ता की कुल पूँजी" से अभिप्रेत है:

(क) सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के माध्यम से निर्गमित इक्विटी शेयर पूँजी, जिसमें निर्धारित प्रतिभूतियों (जो संपरिवर्तनीय हैं) के संपरिवर्तन के अनुसरण में निर्गमित (जारी) किए गए इक्विटी शेयर शामिल हैं; और

(ख) संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह को अधिमानी आधार पर निर्गमित (जारी) की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ।

(II) निर्गमकर्ता (इश्युअर) की कुल पूँजी के बीस प्रतिशत की गणना करने के लिए, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 [सेबी (डिस्कलोज़र एंड इन्वेस्टर प्रोटेक्शन) गाइडलाइन्स, 2000] या इन विनियमों के अनुसार पहले कभी, धारित तथा रुद्ध (लॉक-इन) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की रकम (हिस्सेदारी) पर विचार किया जाएगा।

(III) यदि संप्रवर्तकों का उक्त न्यूनतम अंशदान (हिस्सेदारी) अधिमानी निर्गम के समय अवरुद्धता (लॉक-इन) से मुक्त हो, तो संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान को फिर से नई अवरुद्धता (लॉक-इन) के तहत नहीं लाया जाएगा, फिर भले ही निर्गमकर्ता की कुल पूँजी के बीस प्रतिशत की अपेक्षा की गणना करने के लिए उस पर विचार किया जाता हो।

**स्पष्टीकरण 2:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ, इस अध्याय के प्रावधानों के अनुसार आबंटित की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए, व्यापार (ट्रेडिंग) की मंजूरी दिए जाने की तारीख से सबसे अंत की वह तारीख अभिप्रेत होगी जब उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा व्यापार की मंजूरी प्रदान कर दी गई हो, जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।

### अंतरणीयता

**168.** (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के प्रावधानों के अध्याधीन, संप्रवर्तकों द्वारा धारित और विनियम 167 के उप-विनियम (1) के अनुसार रुद्ध (लॉक-इन) निर्धारित प्रतिभूतियाँ, संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह के बीच अथवा नए संप्रवर्तक या निर्गमकर्ता पर नियंत्रण रखने वाले व्यक्तियों को अंतरित की जा सकेंगी:

**परंतु यह कि** ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता (लॉक-इन) शेष अवधि के लिए अंतरिती (जिसे अंतरण किया जाता हो / ट्रांसफरी) के पास जारी रहेगी।

(2) अधिमानी आधार पर आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ आबंटितियों द्वारा तब तक अंतरित नहीं की जा सकेंगी जब तक उन सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा ऐसी प्रतिभूतियों के लिए व्यापार (ट्रेडिंग) की मंजूरी प्रदान नहीं कर दी जाती, जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों।

## **भाग-VI: प्रतिफल और आबंटन**

### **प्रतिफल का भुगतान**

**169.** (1) वारंटों से भिन्न निर्धारित प्रतिभूतियों का पूरा प्रतिफल, आबंटितियों द्वारा ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन के समय अदा किया जाएगा, किंतु यह अपेक्षा उन मामलों में लागू नहीं होगी जहाँ शेयर नकदी के सिवाय किसी अन्य प्रतिफल (कन्सिडरेशन) की एवज में जारी किए गए हों:

**परंतु यह कि** भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित किए गए ढाँचे के तहत दबावग्रस्त आस्तियों (स्ट्रेस्ड असेट्स) के किसी समाधान के अनुसरण में या दिवाला और शोधन अधमता संहिता, 2016 (इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016) के तहत राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण द्वारा मंजूर की गई समाधान योजना के अनुसरण में निर्धारित प्रतिभूतियों के अधिमानी निर्गम के मामले में, प्रतिफल ऐसी स्कीम के अनुसार हो सकेगा।

(2) वारंटों के मामले में, विनियम 164 के अनुसार तय किए गए प्रतिफल के कम से कम पच्चीस प्रतिशत के बराबर की रकम वारंटों के आबंटन की तारीख को प्रत्येक वारंट के प्रति अदा की जाएगी और प्रतिफल का शेष पचहत्तर प्रतिशत वारंटधारक द्वारा ऐसे प्रत्येक वारंट के प्रति विकल्पों का प्रयोग किए जाने के अनुसरण में इक्विटी शेयरों के आबंटन के समय अदा किया जाएगा:

**परंतु यह कि** यदि वारंटों की प्रयोग कीमत (एक्सरसाइज़ प्राइस) फॉर्मूला पर आधारित हो, तो प्रतिफल की रकम (जिसकी गणना फॉर्मूले के अनुसार की गई हो, जिसके लिए संपरिवर्तन की तारीख सुसंगत तारीख होगी) का कम से कम पच्चीस प्रतिशत वारंटों के आबंटन की तारीख को प्रत्येक वारंट के प्रति अदा किया जाएगा और शेष प्रतिफल वारंटधारक द्वारा ऐसे प्रत्येक वारंट के प्रति विकल्पों का प्रयोग किए जाने के अनुसरण में इक्विटी शेयरों के आबंटन के समय अदा किया जाएगा।

(3) यदि वारंटधारक स्वयं द्वारा धारित वारंटों में से किसी वारंट के प्रति इक्विटी शेयरों को लेने के विकल्प का प्रयोग न करता हो, तो उप-विनियम (2) के अनुसार ऐसे वारंट की बाबत अदा किया गया प्रतिफल निर्गमकर्ता द्वारा जब्त (समपहृत/फोर्फीट) कर लिया जाएगा।

(4) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रतिफल, यदि नकद में अदा किया गया हो, संबंधित आबंटिती के बैंक खाते से प्राप्त किया जाएगा और संयुक्त धारकों के मामले में, उस व्यक्ति के बैंक खाते से प्राप्त किया जाएगा जिसका नाम आवेदन में पहले दिया हुआ हो।

(5) निर्गमकर्ता स्टॉक एक्सचेंजों (जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों) के पास कानूनी लेखापरीक्षकों (स्टैट्यूटरी ऑडिटर्स) का ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा, जिसके अंतर्गत यह उल्लेख हो कि निर्गमकर्ता ने उप-विनियम (4) का पालन किया है और उसके सुसंगत दस्तावेज प्रमाणीकरण की तारीख तक निर्गमकर्ता द्वारा रखे गए हैं।

### **आबंटन**

**170.** (1) विशेष संकल्प के अनुसरण में आबंटन ऐसे संकल्प को पारित किए जाने की तारीख से पंद्रह दिनों की अवधि के भीतर पूरा किया जाएगा:

**परंतु यह कि** जहाँ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के लागू होने से छूट हेतु कोई आवेदन अथवा आबंटन हेतु किसी विनियामक प्राधिकरण या केंद्रीय सरकार की ओर से कोई मंजूरी या अनुमति लंबित हो, वहाँ पंद्रह दिनों की अवधि, यथास्थिति, ऐसे आवेदन पर आदेश की तारीख से अथवा मंजूरी या अनुमति दिए जाने की तारीख से गिनी जाएगी:

**परंतु यह और कि** जहाँ बोर्ड ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के अनुसार निर्गमकर्ता को छूट प्रदान कर दी हो, वहाँ इक्विटी शेयरों तथा अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (चाहे पूर्णतः या अंशतः) का अधिमानी निर्गम उसके द्वारा ऐसे समय के भीतर लाया जाएगा जैसा बोर्ड द्वारा अपने आदेश में छूट प्रदान करते हुए निर्धारित किया जाए:

**परंतु यह और कि** पंद्रह दिनों के भीतर आबंटन की अपेक्षा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित किए गए ढाँचे के तहत दबावग्रस्त आस्तियों (स्ट्रेस्ड असेट्स) के किसी समाधान के अनुसरण में या दिवाला और शोधन अधमता संहिता, 2016 (इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016) के तहत राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण द्वारा मंजूर की गई समाधान योजना के अनुसरण में अधिमानी आधार पर निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन पर लागू नहीं होगी।

(2) यदि निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन विशेष संकल्प की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर पूरा नहीं किया जाता है, तो नया विशेष संकल्प पारित किया जाएगा और इस अध्याय के तहत निर्धारित प्रतिभूतियों की कीमत तय करने के लिए सुसंगत तारीख बाद वाले विशेष संकल्प की तारीख के संदर्भ में ली जाएगी।

(3) इस विनियम में दी हुई किसी बात के होते हुए भी, जहाँ अधिमानी आबंटन किया जाता है और जिससे कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के तहत निर्गमकर्ता के शेयरों के लिए खुला प्रस्ताव लाने की बाध्यता लागू हो जाए, तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 20 के उप-विनियम (1) के तहत कोई भी प्रस्ताव न लाया जाए, तो ऐसे में पंद्रह दिनों की अवधि की गणना विनियम 20 के उप-विनियम (1) में निर्धारित अवधि की समाप्ति से या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के तहत लाए जाने वाले खुले प्रस्ताव के पूरा होने के लिए अपेक्षित सभी कानूनी मंजूरियाँ मिलने की तारीख से की जाएगी:

**परंतु यह कि** यदि प्रस्ताव भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 20 के उप-विनियम (1) के तहत लाया जाए, तो पंद्रह दिनों की अवधि की गणना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 में यथा परिभाषित प्रस्ताव की अवधि की समाप्ति से की जाएगी:

**परंतु यह और कि** इस उप-विनियम के प्रावधान, अधिमानी आबंटन के अनुसरण में, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 20 के उप-विनियम (1) के तहत लाए जाने वाले प्रस्ताव के प्रति लागू नहीं होंगे।

(4) निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन केवल गैर-कागज़ी रूप में ही किया जाएगा।

**स्पष्टीकरण:** गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में आबंटन किए जाने संबंधी अपेक्षा वारंट से संबद्ध विकल्प के प्रयोग या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में आबंटित किए जाने वाले इक्विटी शेयरों के प्रति भी लागू होगी।

## अध्याय-VI – अर्हित संस्था नियोजन

### परिभाषाएँ

171. इस अध्याय के प्रयोजनार्थ:

- क) "पात्र प्रतिभूतियों" में इक्विटी शेयर, वारंटों के साथ-साथ असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतें और वारंटों से भिन्न संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ शामिल हैं;
- ख) "सुसंगत तारीख" से अभिप्रेत है:
  - (i) इक्विटी शेयरों के आबंटन के मामले में, उस बैठक की तारीख जिसमें निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) या निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा विधिवत रूप से प्राधिकृत निदेशकों की समिति प्रस्तावित निर्गम (इश्यू) खोलने का निर्णय ले;
  - (ii) पात्र संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के आबंटन के मामले में, या तो उस बैठक की तारीख जिसमें निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल या निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा विधिवत रूप से प्राधिकृत निदेशकों की समिति ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम (इश्यू) खोलने का निर्णय ले या वह तारीख जिस तारीख को ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के धारक इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन करने के हकदार बन जाते हों।

### भाग-I: अर्हित संस्था नियोजन संबंधी शर्तें

#### पात्रता की शर्तें

**172. (1)** सूचीबद्ध निर्गमकर्ता पात्र प्रतिभूतियों का अर्हित संस्था नियोजन ला सकेगा, यदि वह निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो:

- क) उसके शेयरधारकों द्वारा ऐसा विशेष संकल्प पारित कर दिया गया हो, जिसमें अर्हित संस्था नियोजन को मंजूरी दी गई हो, और विशेष संकल्प में, अन्य संबंधित विषयों के साथ-साथ यह उल्लेख हो कि आबंटन अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से लाए जाने का प्रस्ताव है और विनियम 171 के खंड (ख) के उप-खंड (ii) में उल्लिखित सुसंगत तारीख भी दी हो:

**परंतु यह कि** यदि अर्हित संस्था नियोजन, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 [सिक्यूरिटीज कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) रूल्स, 1957] में निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी अपेक्षाओं का पालन करने के लिए, संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह द्वारा 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' के माध्यम से किया जाता हो, तो शेयरधारकों का कोई संकल्प जरूरी नहीं होगा;

**परंतु यह और कि** विनियम 172 के इस खंड (क) में उल्लिखित विशेष संकल्प के अनुसरण में आबंटन संकल्प पारित किए जाने की तारीख से 365 दिनों की अवधि के भीतर पूरा किया जाएगा।

- ख) उसी वर्ग के इक्विटी शेयर, जिन्हें अर्हित संस्था नियोजन के जरिए अथवा अर्हित संस्था नियोजन के जरिए प्रस्तावित पात्र प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनिमय के अनुसरण में आबंटित किए जाने का प्रस्ताव हो, विशेष संकल्प पारित करने के लिए बैठक बुलाए जाने हेतु उसके शेयरधारकों को सूचना जारी किए जाने की तारीख से कम से कम एक वर्ष पूर्व की अवधि तक, स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध रहे हों:

**परंतु यह कि** जहाँ निर्गमकर्ता, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत किसी अधिकरण या केन्द्रीय सरकार द्वारा (जो भी लागू हो) मंजूर समझौता (कॉम्प्रमाइज़), इंतजाम (अरेंजमेंट) और समामेलन (अमैलगेमेशन) की स्कीम में अंतरिती कंपनी [ट्रांसफरी कंपनी / वह कंपनी जिसे अंतरण (ट्रांसफर) किया जा रहा हो] होने के नाते, अर्हित संस्था नियोजन लाता हो, वहाँ एक वर्ष की अवधि की गणना के प्रयोजनार्थ, उस अवधि पर भी विचार किया जाएगा, जिसकी अवधि के लिए अंतरक कंपनी [ट्रांसफरर कंपनी / वह कंपनी जो अंतरण (ट्रांसफर) कर रहा हो] के उसी वर्ग के इक्विटी शेयर राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनलों वाले स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध रहे हों:

**परंतु यह और कि** यह खंड उस निर्गमकर्ता के प्रति लागू नहीं होगा, जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 में निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी अपेक्षाओं का पालन करने के लिए अर्हित संस्था नियोजन लाने का प्रस्ताव कर रहा हो।

**स्पष्टीकरण:** खंड (ख) के प्रयोजनार्थ, "उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों" (या "उसी वर्ग के इक्विटी शेयर") से वे इक्विटी शेयर अभिप्रेत होंगे, जिनमें लाभांश के, मतदान के या अन्य अधिकार एक जैसे ही हों।

- ग) निर्गमकर्ता अर्हित संस्था नियोजन लाने के लिए पात्र होगा, यदि उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी न हो।

- (2) अर्हित संस्था नियोजन के जरिए निर्गमित (जारी की गई) सभी पात्र प्रतिभूतियाँ उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कराई जाएँगी जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(7), यदि लागू हो, के तहत मंजूरी माँगेगा।

- (3) निर्गमकर्ता तब तक बाद में कोई अर्हित संस्था नियोजन नहीं लाएगा, जब तक एक या एक से अधिक विशेष संकल्पों के अनुसरण में लाए गए पहले के अर्हित संस्था नियोजन की तारीख से छह महीने समाप्त न हो जाएँ।

**प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 में निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी अपेक्षाओं के पालन हेतु संप्रवर्तकों द्वारा 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' संबंधी शर्तें:**

**173.** संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह के सदस्य, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के अनुसार न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की प्राप्ति के प्रयोजनार्थ, अर्हित संस्था नियोजन के जरिए, पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों का 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' ला सकेंगे:

**परंतु यह कि** संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह के सदस्य ऐसा 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' नहीं लाएंगे, यदि संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह के सदस्य ने निर्गम (इश्यू) खुलने की तारीख से पहले बारह सप्ताह की अवधि के दौरान निर्गमकर्ता के कोई इक्विटी शेयर

खरीदे या बेचे हों और वे निर्गम के बंद होने की तारीख के पश्चात् बारह सप्ताह की अवधि के दौरान निर्गमकर्ता के कोई इक्विटी शेयर न तो खरीदेंगे और न ही बेचेंगे:

**परंतु यह और कि** ऐसे संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह के सदस्य, ऊपर दी हुई बारह सप्ताह की अवधि के भीतर, उनके द्वारा धारित निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर, बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित शर्तों के अनुसार, बोर्ड द्वारा निर्धारित स्टॉक एक्सचेंज की व्यवस्था के माध्यम से 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' के जरिए या खुले बाजार के जरिए बेच सकेंगे, बशर्ते कि लगातार आने वाले दो प्रस्तावों के बीच कम से कम दो सप्ताह का अंतर हो।

### भाग-II: अग्रणी प्रबंधकों की नियुक्ति

**174.** (1) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक मर्चेट बैंकारों (बैंकर्स) को निर्गम (इश्यू) के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के रूप में नियुक्त करेगा।

(2) निर्गम का कम से कम एक अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) [जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंकार) विनियम, 1992 के तहत परिभाषित है] नहीं होगा और यदि कोई अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी हो, तो वह स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयोगी के रूप में प्रकट करेगा और उसकी भूमिका निर्गम की मार्केटिंग (के विपणन) तक ही सीमित रहेगी।

(3) अग्रणी प्रबंधक, पात्र प्रतिभूतियों के लिए सूचीबद्धता (लिस्टिंग) की सैद्धांतिक मंजूरी मांगते समय, उस प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के पास, जहाँ निर्गमकर्ता के उसी वर्ग के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों, पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी ऐसा प्रमाणपत्र (ड्यू डिलीजेंस सर्टिफिकेट) प्रस्तुत करेगा (करेंगे), जिसमें यह उल्लेख हो कि पात्र प्रतिभूतियाँ अर्हित संस्था नियोजन के तहत जारी (निर्गमित) की जा रही हैं और यह कि निर्गमकर्ता इस अध्याय की अपेक्षाओं का पालन करता है, और साथ ही प्रारंभिक नियोजन संबंधी दस्तावेज की एक प्रति के साथ-साथ अन्य कोई दस्तावेज (जो स्टॉक एक्सचेंज द्वारा मांगा जाए) भी प्रस्तुत करेगा (करेंगे)।

### भाग-III: नियोजन संबंधी दस्तावेज

**175.** (1) अग्रणी प्रबंधक पूरी तत्परता बरतेगा (बरतेंगे) और निर्गम के समस्त पहलुओं के मद्देनज़र अपनी संतुष्टि कर लेंगे, जिनके अंतर्गत प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों की सत्यता और पर्याप्तता शामिल है।

(2) अर्हित संस्था नियोजन, नियोजन संबंधी दस्तावेज के आधार पर लाया जाएगा जिसमें समस्त महत्वपूर्ण जानकारी दी हुई होगी, जिसमें वह जानकारी (यदि कोई हो) भी शामिल होगी जिसका उल्लेख कंपनी अधिनियम, 2013 में किया गया है, और अनुसूची-VII में उल्लिखित प्रकटीकरण भी किए जाएंगे, जिनके अंतर्गत इस अनुसूची में उल्लिखित वे प्रकटीकरण भी शामिल हैं जो निर्गमकर्ता या उसके किसी संप्रवर्तक या निदेशक के इरादतन चूककर्ता होने की दशा में किए जाने जरूरी हैं।

(3) प्रारंभिक नियोजन संबंधी दस्तावेज तथा नियोजन संबंधी दस्तावेज को क्रमानुसार संख्यांकित किया जाएगा और उनकी प्रतियाँ केवल चुनिंदा निवेशकों को परिचालित की जाएंगी।

(4) प्रारंभिक नियोजन संबंधी दस्तावेज तथा नियोजन संबंधी दस्तावेज संबंधित स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के तथा निर्गमकर्ता (इश्युअर) के वेबसाइटों पर भी डाला जाएगा और इस आशय के दावात्याग (डिस्क्लेमर) का भी उल्लेख किया जाएगा कि यह अर्हित संस्था नियोजन के संबंध में है और यह कि जनता के लिए या किसी अन्य वर्ग के निवेशकों के लिए कोई भी प्रस्ताव नहीं लाया जा रहा है।

### भाग-IV: कीमत-निर्धारण

**176.** (1) अर्हित संस्था नियोजन उस कीमत पर लाया जाएगा जो सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान स्टॉक एक्सचेंज में उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों के उच्चतम तथा न्यूनतम साप्ताहिक बंद भावों (कीमतों) के औसत से कम न हो:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता, शेयरधारकों की मंजूरी [जैसा इन विनियमों के विनियम 172 के खंड (क) में उल्लेख है] के अध्यक्षीन, इस प्रकार निकाली गई कीमत पर पाँच प्रतिशत तक की छूट (डिस्काउंट) दे सकेगा, किंतु यदि अर्हित संस्था नियोजन प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 में दी हुई न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी अपेक्षाओं का पालन करने के लिए संप्रवर्तकों द्वारा 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' के जरिए लाया जाता है, तो शेयरधारकों की कोई मंजूरी लेना जरूरी नहीं होगा।

(2) जहाँ पात्र प्रतिभूतियाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तनीय हों या से विनिमेय हों, वहाँ निर्गमकर्ता ऐसे संपरिवर्तन या विनिमय के अनुसरण में आबंटित ऐसे इक्विटी शेयरों की कीमत, विनियम 172 के उप-विनियम (1) के खंड (क) में उल्लिखित विशेष संकल्प में प्रकट की गई सुसंगत तारीख को ध्यान में रखते हुए, तय करेगा।

(3) निर्गमकर्ता अंशतः समादत्त पात्र प्रतिभूतियाँ निर्गमित या आबंटित नहीं करेगा:

**परंतु यह कि** असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के साथ-साथ वारंटों के आबंटन के मामले में, आबंटिती, ऐसे वारंटों के आबंटन के समय, वारंटों के संबंध में देय पूरे प्रतिफल या उसका एक हिस्सा अदा कर सकेंगे:

**परंतु यह और कि** यदि वारंटों से संबद्ध विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में इक्विटी शेयर आबंटित किए जाते हों, तो ऐसे इक्विटी शेयर पूर्णतः समादत्त होंगे।

(4) निर्गम (इश्यू) कीमत के संबंध में उपयुक्त समयोजन किए जा सकेंगे, यदि निर्गमकर्ता:

- क) इक्विटी शेयरों का निर्गम, शेयरों पर लाभांश के रूप में न लाकर, लाभों या आरक्षितियों (रिज़र्व्स) के पूँजीकरण के रूप में लाता हो;
- ख) इक्विटी शेयरों का साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) लाता हो;
- ग) अपने बकाया इक्विटी शेयरों को समेकित करता हो, जिससे शेयरों की संख्या कम हो जाए;
- घ) अपने बकाया इक्विटी शेयरों का विभाजन करता हो, जिसमें स्टॉक विभाजन (स्प्लिट) के रूप में विभाजन शामिल है;
- ङ) अपने किन्हीं इक्विटी शेयरों को निर्गमकर्ता की अन्य प्रतिभूतियों में पुनःवर्गीकृत करता हो;
- च) के समक्ष ऐसी अन्य वैसी ही घटनाएँ या परिस्थितियाँ हों, जिनमें संबंधित स्टॉक एक्सचेंज की राय में समायोजन करना जरूरी हो।

**स्पष्टीकरण:** उप-विनियम (1) के प्रयोजनार्थ, शब्दों "स्टॉक एक्सचेंज" से कोई वह (वे) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है (हैं) जिसमें (जिनमें) निर्गमकर्ता के उसी वर्ग के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हों और जिसमें (जिनमें) ऐसे इक्विटी शेयरों की बाबत सबसे अधिक व्यापार की मात्रा सुसंगत तारीख से ठीक पहले के दो सप्ताहों के दौरान दर्ज (रिकॉर्ड) की गई हो।

#### भाग-V: संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों की अवधि

**177.** अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से जारी की गई (निर्गमित) संपरिवर्तनीय या विनिमेय पात्र प्रतिभूतियों की अवधि आबंटन की तारीख से साठ महीनों से अधिक की नहीं होगी।

#### भाग-VI: अंतरणीयता

**178.** अर्हित संस्था नियोजन के तहत आबंटित पात्र प्रतिभूतियाँ आबंटिती द्वारा, आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को छोड़कर अन्य किसी माध्यम से नहीं बेची जाएंगी।

#### भाग-VII: आवेदन और आबंटन

**179. (1)** अर्हित संस्था नियोजन में आवेदन करने वाले आवेदक निर्गम के बंद होने के पश्चात् न तो अपनी बोलियाँ वापस लेंगे और न ही अपनी बोलियों को कम करेंगे।

(2) निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जाएगा:

क) न्यूनतम दस प्रतिशत पात्र प्रतिभूतियाँ पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) को आबंटित की जाएंगी:

**परंतु यह कि** यदि उपरोक्त न्यूनतम प्रतिशत या उसके किसी हिस्से में अभिदान नहीं होता हो, तो जितने हिस्से में अभिदान न हुआ हो उतने हिस्से का आबंटन अन्य अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जा सकेगा;

ख) कोई भी आबंटन, या तो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी ऐसे अर्हित संस्थागत क्रेता को नहीं किया जाएगा जो निर्गमकर्ता का संप्रवर्तक हो या उसके संप्रवर्तकों से संबंधित कोई व्यक्ति हो:

**परंतु यह कि** अर्हित संस्थागत क्रेता जो निर्गमकर्ता में कोई शेयर धारण न करता हो और जिसने उधारदाता की हैसियत से उक्त अधिकार अर्जित कर लिए हों, उसे संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्ति नहीं समझा जाएगा।



**स्पष्टीकरण:** इस खंड के प्रयोजनार्थ, जिस अर्हित संस्थागत क्रेता के पास निम्नलिखित अधिकारों में से कोई भी अधिकार हो, उसके बारे में यह समझा जाएगा कि वह निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्ति है:-

(क) संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह के साथ किए गए शेयरधारक करार या मतदान करार के तहत अधिकार;

(ख) निषेधाधिकार (वीटो अधिकार); या

(ग) निर्गमकर्ता के बोर्ड में किसी नामनिर्देशिनी (नॉमिनी) निदेशक को नियुक्त करने का अधिकार।

(3) असंपरिवर्तनीय ऋण लिखत के साथ-साथ वारंटों के अर्हित संस्था नियोजन में, निवेशक असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के साथ-साथ वारंटों के संयुक्त प्रस्ताव में या अलग-अलग प्रतिभूतियों, अर्थात्, या तो असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतों या वारंटों, में अभिदान कर (पैसा लगा / सब्सक्रिप्शन कर) सकता है।

### आबंटितियों की न्यूनतम संख्या

**180.** (1) इस अध्याय के अधीन लिए गए पात्र प्रतिभूतियों के प्रत्येक नियोजन के लिए आबंटितियों की न्यूनतम संख्या कम से कम:

क) दो होगी, जहाँ निर्गम का आकार दो सौ पचास करोड़ रुपये से कम या के बराबर हो;

ख) पाँच होगी, जहाँ निर्गम का आकार दो सौ पचास करोड़ रुपये से अधिक हो:

**परंतु यह कि** किसी भी एकल आबंटिनी को निर्गम के आकार के आधे से अधिक का आबंटन नहीं किया जाएगा।

(2) अर्हित संस्थागत क्रेता, जो एक ही समूह से संबंधित हों या जो एक ही नियंत्रण के अधीन हों, को एकल आबंटिनी समझा जाएगा।

**स्पष्टीकरण:** उप-विनियम (2) के प्रयोजनार्थ, शब्दों “एक ही समूह से संबंधित अर्हित संस्थागत क्रेताओं” से वे एंटिटियाँ अभिप्रेत होंगी, जहाँ, - (i) उनमें से कोई एंटिटी, चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, अपनी समनुषंगी (सब्सिडियरी) या नियंत्रि-कंपनी (धारिता / होल्डिंग कंपनी) के जरिए, दूसरी एंटिटी के मताधिकारों के कम से कम पंद्रह प्रतिशत पर नियंत्रण रखती हो; या (ii) उनमें से कोई एंटिटी, चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, स्वयं, या दूसरे व्यक्तियों के साथ मिलकर दूसरी एंटिटियों पर नियंत्रण रखती हो; या (iii) निवेशक, उसकी समनुषंगी (सब्सिडियरी) या धारिता कंपनी (होल्डिंग कंपनी) का और किसी अन्य निवेशक का निदेशक समान हो।

## अध्याय-VII – भारतीय निक्षेपागार रसीदों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव

### लागू होना

**181.** इस अध्याय के प्रावधान कंपनी अधिनियम, 2013 तथा कंपनी (विदेशी कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) नियम, 2014 [कंपनीज़ (रजिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेन कंपनीज़) रूल्स, 2014] के अनुसार लिए गए भारतीय निक्षेपागार रसीदों (डिपॉज़िटरी रिसीट्स) के निर्गमन (इश्यू) पर लागू होंगे।

### भाग-I: पात्रता अपेक्षाएँ

#### संदर्भ तारीख

**182.** जब तक कि इस अध्याय में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, भारतीय निक्षेपागार रसीदों का सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) लाने वाला निर्गमकर्ता बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल किए जाने की तारीख तक और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने की तारीख तक भी इस अध्याय की शर्तों को पूरा करेगा।

#### पात्रता की शर्तें

**183.** (1) निर्गमकर्ता भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन (इश्यू) लाने के लिए केवल तभी पात्र होगा, जब:

क) निर्गमकर्ता कंपनी अपने देश में कम से कम ठीक पहले के तीन वर्षों से सूचीबद्ध (लिस्टिड) हो;

ख) निर्गमकर्ता को किसी विनियामक निकाय द्वारा प्रतिभूतियाँ जारी (निर्गमित) करने के लिए प्रतिषिद्ध न किया गया हो;

ग) निर्गमकर्ता का, अपने देश में प्रतिभूति बाजार से संबंधित विनियमों का पालन करने का पिछला रिकॉर्ड (ट्रेक रिकॉर्ड) हो;

घ) उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी न हो।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ, शब्दों “अपने देश” से वह देश अभिप्रेत है जहाँ निर्गमकर्ता कंपनी बनी (निगमित हुई) हो तथा सूचीबद्ध (लिस्टिड) हो।

(2) निर्गमन (इश्यू) निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा:

क) निर्गम का आकार पचास करोड़ रुपये से कम नहीं होगा;

ख) किसी भी समय, निर्गमकर्ता की भारतीय निक्षेपागार रसीदों का मूल्यवर्ग केवल एक ही होगा।

ग) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि जिन अंडरलाइंग इक्विटी शेयरों के प्रति भारतीय निक्षेपागार रसीदें (आईडीआर) जारी (निगमित) की जाती हों, उन अंडरलाइंग इक्विटी शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में आईडीआर की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) से पहले उसके अपने देश में सूचीबद्ध करा लिया गया हो या सूचीबद्ध करा लिया जाएगा।

घ) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि आईडीआर के अंडरलाइंग शेयर उसी वर्ग के मौजूदा शेयरों के समरूप हों।

(3) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि:

क) उसने **अनुसूची-XIX** के अनुसार, एक या एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे स्टॉक एक्सचेंजों में अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराने हेतु सैद्धांतिक मंजूरी लेने के लिए, आवेदन कर दिया हो और उनमें से किसी एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुन लिया हो;

ख) उसने भारतीय निक्षेपागार रसीदों [जिन्हें निर्गमित (जारी / इश्यू) किए जाने का प्रस्ताव हो] को गैरकागजी रूप देने के संबंध में निक्षेपागार के साथ करार कर लिया हो;

ग) उसने माध्यमों (जिनकी पुष्टि की जा सकती हो) या मौजूदा आंतरिक एक्जाल (जिनकी पहचान की जा सकती हो) के जरिए उस विशिष्ट परियोजना का पचहत्तर प्रतिशत वित्तपोषण [जिसमें प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के माध्यम से जुटाई जाने वाली रकम शामिल नहीं है] करने के लिए पक्के इंतजाम कर लिए हैं, जिसका वित्तपोषण निर्गम से आए पैसों से किए जाने का प्रस्ताव हो।

(4) साधारण कारपोरेट प्रयोजनों (जिनका उल्लेख प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गम के उद्देश्यों के अंतर्गत किया गया हो) के लिए रकम निर्गमकर्ता द्वारा जुटाई जाने वाली रकम की पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

### **भाग-II: अग्रणी प्रबंधकों, अन्य मध्यवर्तियों और अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) की नियुक्ति**

**184. (1)** निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक मर्चेट बैंककारों (बैंकर्स) को निर्गम (इश्यू) के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के रूप में नियुक्त करेगा तथा अग्रणी प्रबंधक के परामर्श से अन्य मध्यवर्तियों को भी नियुक्त करेगा और **अनुसूची-II** में दिए हुए करार के फॉर्मेट के अनुरूप अग्रणी प्रबंधक के साथ करार करेगा।

(2) जहाँ निर्गम का कामकाज एक से अधिक अग्रणी प्रबंधक द्वारा देखा जाता हो, वहाँ, *अन्य बातों के साथ-साथ*, प्रकटीकरणों, आबंटन, पैसा लौटाए जाने (रिफंड) तथा हामीदारी (अंडरराइटिंग) संबंधी बाध्यताओं, यदि कोई हों, से संबंधित प्रत्येक अग्रणी प्रबंधक के अधिकारों, उसकी बाध्यताओं तथा जिम्मेदारियों को पहले ही तय कर लिया जाएगा और जिन्हें प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा, जैसा **अनुसूची-I** में उल्लेख किया गया है।

(3) निर्गम का कम से कम एक अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) [जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992 के तहत परिभाषित है] नहीं होगा और यदि कोई अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी हो, तो वह स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयोगी के रूप में प्रकट करेगा और उसकी भूमिका निर्गम की मार्केटिंग (के विपणन) तक ही सीमित रहेगी।

(4) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत उस निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू) को नियुक्त करेगा, जो सभी निक्षेपागारों से जुड़ा हुआ हो।

(5) निर्गमकर्ता विदेशी अभिरक्षक (ओवरसीज़ कस्टोडियन) बैंक और देशी निक्षेपागार के साथ करार करेगा।

(6) निर्गमकर्ता कंपनी उन केंद्रों पर संग्रहण हेतु व्यवस्थाएँ करेगी, जिनका उल्लेख अनुसूची-XII में किया गया है।

(7) निर्गमकर्ता अनुपालन अधिकारी को नियुक्त करेगा, जो प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉ) के पालन पर निगरानी रखने और निवेशकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिम्मेदार होगा।

#### **भाग-IV: प्रस्ताव दस्तावेजों में प्रकटीकरण और उन्हें दाखिल किया जाना**

##### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण**

**185.** (1) प्रस्ताव दस्तावेज में वे सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण शामिल किए जाएंगे जो सही और पर्याप्त हों, ताकि आवेदक निवेश के संबंध में सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

(2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित शामिल होंगे:

क) कंपनी (विदेशी कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) नियम, 2014 [कंपनीज़ (रजिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेन कंपनीज़) रूल्स, 2014] में उल्लिखित प्रकटीकरण; और

ख) उसी रूप में प्रकटीकरण जैसा **अनुसूची-VIII** के भाग-क में उल्लेख हो।

(3) अग्रणी प्रबंधक पूरी तत्परता बरतेगा (बरतेंगे) और निर्गम के समस्त पहलुओं के मद्देनज़र अपनी संतुष्टि कर लेंगे, जिनके अंतर्गत प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेजों में किए गए प्रकटीकरण की सत्यता और पर्याप्तता शामिल है।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता, उसके संप्रवर्तकों तथा उसके निदेशकों से यह अपेक्षा करेगा (करेंगे) कि वे अपनी उन बाध्यताओं को पूरा करें, जो उनके द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गई हों और जैसा इन विनियमों के अनुसार अपेक्षित हो।

##### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया जाना**

**186.** (1) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने से पहले, निर्गमकर्ता प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की तीन प्रतियाँ, **अनुसूची-IV** के अनुसार, **अनुसूची-III** में यथा-निर्धारित फीस के साथ, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से, बोर्ड के पास दाखिल करेगा।

(2) बोर्ड के पास दाखिल किए गए प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी भी बोर्ड को दी जाएगी।

(3) अग्रणी प्रबंधक:

क) प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा (करेंगे), जिसमें यह पुष्टि की जाए कि निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच करार (एग्रीमेंट) कर लिया गया है;

ख) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ **अनुसूची-V** के भाग-ज में दिए गए फॉर्मेट के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलिजेंस सर्टिफिकेट) प्रस्तुत करेगा (करेंगे);

ग) यह प्रमाणित करेगा (करेंगे) कि बोर्ड द्वारा किए गए सभी परिवर्तनों, दिए गए सुझावों या अभिमतों को प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल कर लिया गया है;

घ) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करते समय, **अनुसूची-V** के भाग-ग में दिए गए फॉर्मेट के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा (करेंगे);

ङ) सार्वजनिक सूचना जारी करके किसी महत्वपूर्ण घटना का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किए जाने की दशा में, **अनुसूची-V** के फॉर्म-घ के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा (करेंगे)।

(4) निर्गमकर्ता, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पहले बोर्ड के पास, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से, अपडेट किया हुआ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (जिसमें प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए सभी परिवर्तनों को हाइलाइट करके दर्शाया गया हो) दाखिल करेगा।

(5) यदि **अनुसूची-XVI** में उल्लिखित विषयों के संबंध में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में कोई परिवर्तन हुए हों, तो, यथास्थिति, अपडेट किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज या नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास **अनुसूची-III** में उल्लिखित फीस के साथ दाखिल किया जाएगा।

(6) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने के बाद, प्रस्ताव दस्तावेजों की प्रति अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास भी जल्द से जल्द दाखिल की जाएगी।

##### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज जनता को उपलब्ध कराया जाना**

**187.** (1) बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज टिप्पणियों (यदि कोई हों) हेतु उसे दाखिल किए जाने की तारीख से कम से कम इक्कीस दिनों की अवधि तक, बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंजों (जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव है) और निर्गम से जुड़े अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के वेबसाइटों पर डालकर सार्वजनिक किया जाएगा।

(2) निर्गमकर्ता, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से दो दिनों के भीतर, व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र में एक सार्वजनिक घोषणा करेगा, जिसमें बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने का तथ्य प्रकट किया जाए और जिसके जरिए जनता को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों (डिस्क्लोज़र) के संबंध में बोर्ड, निर्गमकर्ता या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए आमंत्रित किया जाए।

(3) अग्रणी प्रबंधक, उप-विनियम (1) में निर्धारित अवधि के समाप्त होने के पश्चात्, उस अवधि के दौरान प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में उनके द्वारा या निर्गमकर्ता द्वारा जनता से प्राप्त टिप्पणियों तथा उन परिवर्तनों, यदि कोई हों, के ब्यौरे बोर्ड के पास प्रस्तुत करेगा (करेंगे), जो तदनुसार प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किए जाने अपेक्षित हों।

(4) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्ताव दस्तावेज वेबसाइटों पर डाल दिए जाएँ, जैसा कि इन विनियमों के तहत अपेक्षित है और उनकी विषय-वस्तु वही हो जो कंपनी रजिस्ट्रार, बोर्ड तथा स्टॉक एक्सचेंजों, जो लागू हों, के पास दाखिल किए गए प्रस्ताव दस्तावेजों में थी।

(5) जब कभी अनुरोध किया जाए, तब अग्रणी प्रबंधक और स्टॉक एक्सचेंज जनता को प्रस्ताव दस्तावेज की प्रतियाँ उपलब्ध कराएँगे और इसकी प्रति उपलब्ध कराने के लिए वे उपयुक्त शुल्क ले सकते हैं।

## भाग-V - कीमत-निर्धारण

### कीमत-निर्धारण

**188.** (1) निर्गमकर्ता, यथास्थिति, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से या बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से भारतीय निक्षेपागार रसीदों की कीमत तय कर सकेगा।

(2) निर्गमकर्ता बही-निर्माण प्रक्रिया उसी प्रकार अपनाएँगे, जैसा **अनुसूची-XIII** में निर्धारित है।

### कीमत और मूल्य दायरा

**189.** (1) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) में कीमत या मूल्य दायरे का तथा प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) में निम्नतम कीमत (फ्लोर प्राइस) या मूल्य दायरे का उल्लेख कर सकेगा और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर करने से पहले बाद में किसी तारीख को कीमत तय कर सकेगा:

**परंतु यह कि** कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर किए गए प्रॉस्पेक्टस में, यथास्थिति, केवल एक कीमत या विशिष्ट कूपन दर का उल्लेख होगा।

(2) मूल्य दायरे पर उच्चतम सीमा निम्नतम कीमत के एक सौ बीस प्रतिशत से कम या के बराबर होगी।

(3) निम्नतम कीमत या अंतिम कीमत भारतीय निक्षेपागार रसीदों के अंकित मूल्य से कम नहीं होगी।

(4) जहाँ निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा प्रकट न करने का विकल्प चुनता हो, वहाँ निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने से कम से कम दो कार्य-दिवसों पहले निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे की घोषणा, उन्हीं समाचारपत्रों में करेगा जिनमें निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी किया गया था या निर्गम से पूर्व जारी किए जाने वाले विज्ञापन के साथ उस फॉर्मेट में करेगा जो **अनुसूची-X** के **भाग-क** के अंतर्गत दिया हुआ है।

(5) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा के अंतर्गत मूल्य दायरे की ऊपरी तथा निचली सीमा दोनों के लिए निकाले गए सुसंगत वित्तीय अनुपात शामिल होंगे और ऐसा कथन भी शामिल होगा जो प्रस्ताव प्रस्तावेज में “निर्गम कीमत के आधार” से संबंधित शीर्षक वाले खंड की तरफ निवेशकों का ध्यान खींचे।

(6) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा और उप-विनियम (5) में उल्लिखित सुसंगत वित्तीय अनुपात स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर प्रकट किए जाएँगे और जो स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने वाले आवेदन फॉर्मों में पहले से भरे हुए भी होंगे।

**अलग-अलग कीमतें:**

**190.** (1) निर्गमकर्ता अलग-अलग कीमतों पर अपनी भारतीय निक्षेपागार रसीदों का प्रस्ताव ला सकेगा, बशर्ते कि:

क) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों या आरक्षण के लिए हकदार कर्मचारियों के लिए ऐसी कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जा सकेगा, जो उस कीमत की दस प्रतिशत से ज्यादा कम नहीं होगी जिस पर एंकर निवेशकों को छोड़कर अन्य वर्गों के आवेदकों के लिए शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) लाया जाता हो।

**स्पष्टीकरण:** इस अध्याय के प्रयोजनार्थ, “कर्मचारी” से वह व्यक्ति अभिप्रेत होगा, जो:

i) भारत का निवासी हो, और

ii) निर्गमकर्ता (इश्युअर) या उस नियंत्री कंपनी (धारिता कंपनी / होल्डिंग कंपनी) या समनुषंगी या निर्गमकर्ता के महत्वपूर्ण सहयोगी (सहयोगियों) [असोसिएट] का स्थायी और पूर्णकालिक कर्मचारी या निदेशक (चाहे पूर्णकालिक या अंशकालिक) हो, जिसके वित्तीय विवरण निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरणों के साथ समेकित किए जाते हों, जो भारत में कार्यरत हो और जिसमें संप्रवर्तक तथा संप्रवर्तक के सीधे नातेदार शामिल नहीं हैं।

ख) यदि निर्गमकर्ता **अनुसूची-XIII के भाग-घ** के अनुसार बही-निर्माण की वैकल्पिक प्रक्रिया का विकल्प चुनता है, तो निर्गमकर्ता अपने कर्मचारियों के लिए निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव ऐसी कीमत पर ला सकेगा, जो निम्नतम कीमत की दस प्रतिशत से ज्यादा कम नहीं होगी।

(2) छूट, यदि कोई हो, का उल्लेख प्रस्ताव दस्तावेज में रुपये में किया जाएगा।

**भाग-VI: निर्गमन (इश्यू) की शर्तें और प्रक्रिया****निर्गमन (इश्यू) की शर्तें**

**191.** (1) प्रत्येक वर्ग के आवेदक द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का उल्लेख प्रस्ताव दस्तावेज में किया जाएगा।

(2) आवेदन की न्यूनतम रकम बीस हजार रुपये होगी।

**निर्गम (इश्यू) में आबंटन**

**192.** (1) निर्गम (इश्यू) में आबंटन निम्नानुसार होगा:

(क) कम से कम निर्गम के पचास प्रतिशत का आबंटन अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आनुपातिक आधार पर किया जाएगा, जैसा **अनुसूची-XIV के भाग-क** में उदाहरण दिया गया है;

(ख) निर्गम के शेष हिस्से का आबंटन, निर्गमकर्ता के विवेकाधिकार पर, गैर-संस्थागत निवेशकों और छोटे व्यक्तिगत निवेशकों, जिनमें कर्मचारी शामिल हैं, के बीच किया जा सकेगा और आबंटन किस प्रकार किया जाएगा उसकी जानकारी प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की जाएगी। एक ही वर्ग में आने वाले निवेशकों को आबंटन आनुपातिक आधार पर किया जाएगा:

**परंतु यह कि** सार्वजनिक निर्गम में जिन भारतीय निक्षेपागार रसीदों का प्रस्ताव लाया जा रहा हो, उनका कम से कम तीस प्रतिशत हिस्सा छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को आबंटित किए जाने के लिए उपलब्ध रहेगा और छोटे व्यक्तिगत निवेशक संबंधी वर्ग में अल्प-अभिदान होने के मामले में, जितना अल्प-अभिदान हुआ हो उतने हिस्से को अन्य वर्गों में डालने की अनुमति दी जा सकेगी।

(2) कोई भी व्यक्ति शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) संबंधी वर्ग (श्रेणी) में उतनी भारतीय निक्षेपागार रसीदों के लिए आवेदन नहीं करेगा कि उनकी संख्या जनता को प्रस्तावित भारतीय निक्षेपागार रसीदों की कुल संख्या से अधिक हो जाए।

**संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस**

**193.** (1) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में वे प्रकटीकरण किए जाएंगे, जिनका उल्लेख **अनुसूची-VIII के भाग-ख** में किया गया है और उसमें ऐसा कोई विषय शामिल नहीं होगा जो प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु के बाहर का हो।

(2) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वितरित किए जाने वाले प्रत्येक आवेदन फॉर्म के साथ संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की प्रति लगाई जाएगी।

**निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.)**

**194.** निर्गमकर्ता केवल निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) की सुविधा का प्रयोग करके लगाई गई बोलियों (बिड्स) को ही स्वीकार करेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

#### **निर्गम संबंधी सामग्री की उपलब्धता**

**195.** अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि स्टॉक एक्सचेंजों, सिंडिकेट सदस्यों, निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू), रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं (शेयर ट्रांसफर एजेंट), निक्षेपागार सहभागियों (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट), स्टॉक दलालों, हामीदारों (अंडरराइटर), निर्गमन बैंककारों (बैंकर टू इश्यू), निवेशक संघों तथा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को प्रस्ताव दस्तावेज तथा निर्गम संबंधी अन्य सामग्री निर्गम के खुलने से पहले उपलब्ध करा दी जाए।

#### **प्रोत्साहनों पर रोक**

**196.** निर्गम से जुड़ा कोई भी व्यक्ति आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आवेदन करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रोत्साहन की, चाहे नकद रूप में या वस्तु रूप में या सेवाओं में या किसी अन्य रूप में, किसी भी प्रकार (चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से) पेशकश नहीं करेगा, किंतु निर्गम के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं के लिए फीस या कमीशन अदा किया जा सकेगा।

#### **जमानती जमा (सिक्क्यूरिटी डिपॉजिट)**

**197.** (1) निर्गमकर्ता, अभिदान (सब्सक्रिप्शन) सूची के खुलने से पहले, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास वह रकम जमा करेगा, जिसकी गणना जनता को अभिदान हेतु उपलब्ध निर्गम के आकार के एक प्रतिशत की दर से की जाएगी और जो बोर्ड और/या स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा निर्धारित तरीके से जमा की जाएगी।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित रकम उसी प्रकार लौटाई जाएगी या जन्त (समपहृत) की जाएगी, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

#### **हामीदारी**

**198.** (1) यदि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (जो बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से न लाया जाए) लाने वाला निर्गमकर्ता निर्गम की हामीदारी करवाने को इच्छुक हो, तो वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के अनुसार हामीदारों को नियुक्त करेगा।

(2) यदि निर्गमकर्ता बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से सार्वजनिक निर्गम लाता है, तो

क) निर्गम की हामीदारी अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) द्वारा की जाएगी:

ख) निर्गमकर्ता, प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के साथ हामीदारी करार करेगा, जिसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या का उल्लेख होगा जिनमें वे निर्गम में अल्प-अभिदान होने की दशा में पहले से तय की गई कीमत पर अभिदान करेंगे (पैसा लगाएंगे)।

ग) यदि सिंडिकेट सदस्य अपनी हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता है (रहते हैं), तो अग्रणी प्रबंधक हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करेगा (करेंगे)।

घ) अपनी हामीदारी की बाध्यताओं को पूरा करने के सिवाय, अग्रणी प्रबंधक और सिंडिकेट सदस्य किसी भी प्रकार से निर्गम में अभिदान नहीं करेंगे (पैसा नहीं लगाएंगे)।

ङ) प्रत्येक निर्गम (जिसकी हामीदारी की जानी हो) के मामले में, अग्रणी प्रबंधक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 में यथा-निर्धारित न्यूनतम हामीदारी की बाध्यताओं का जिम्मा लेगा (लेंगे)।

च) जहाँ निर्गम की हामीदारी (अंडरराइटिंग) करना जरूरी हो, वहाँ कम से कम न्यूनतम अभिदान के संबंध में हामीदारी करने की बाध्यता होगी।

#### **सार्वजनिक सूचनाएँ, प्रचार सामग्री, विज्ञापन और अनुसंधान रिपोर्टें**

**199.** समस्त सार्वजनिक सूचनाओं, प्रचार सामग्री, विज्ञापनों और अनुसंधान रिपोर्टों के संबंध में अनुसूची-IX के प्रावधानों का पालन किया जाएगा, बशर्ते कि:

- क) खंड (1) एवं खंड (7) और स्पष्टीकरण-II निर्गमकर्ता कंपनी की भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के संबंध में, केवल भारत में जारी किए जाने वाले किन्हीं निर्गम संबंधी विज्ञापनों या भारत में परिचालित की जाने वाली किसी अनुसंधान रिपोर्ट के प्रति ही लागू होंगे;
- ख) खंड (2) एवं खंड (3) केवल भारत में किसी भी मीडिया के जरिए जारी या प्रकाशित की जाने वाली किन्हीं सार्वजनिक सूचनाओं और प्रचार सामग्री के प्रति ही लागू होंगे;
- ग) खंड (4) एवं खंड (5) केवल भारत में जारी की जाने वाली किसी सामग्री या सूचना और भारत में किसी भी मीडिया के जरिए जारी या प्रकाशित किए जाने वाले किन्हीं निर्गम संबंधी विज्ञापनों तथा प्रचार सामग्री के प्रति ही लागू होंगे;
- घ) खंड (10) केवल निर्गमकर्ता के भारत में किसी भी मीडिया के जरिए जारी या प्रकाशित किए जाने वाले किसी उत्पाद (प्रोडक्ट) संबंधी विज्ञापन के प्रति ही लागू होगा;
- ड) अनुसूची-IX के अन्य सभी प्रावधान लागू होंगे।

### निर्गम से संबंधित विज्ञापन

**200.** (1) निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने और निर्गम के बंद होने से संबंधित विज्ञापन जारी कर सकेगा, जो **अनुसूची-X के भाग-ख तथा भाग-ग** के अंतर्गत दिए गए फॉर्मेटों के अनुसार होंगे।

(2) जिस अवधि के दौरान निर्गम अभिदान (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) के लिए खुला हो, उस अवधि के दौरान ऐसा कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा जिससे यह लगे कि निर्गम में पूरा अभिदान हो गया है या अति-अभिदान हो गया है या जिससे यह पता चले कि निवेशकों का निर्गम के प्रति रुझान कितना है।

(3) निर्गम के बंद होने संबंधी घोषणा केवल तभी की जाएगी जब अग्रणी प्रबंधक इस बात से संतुष्ट हो जाए (जाएँ) कि निर्गम (इश्यू) के कम से कम नब्बे प्रतिशत का अभिदान (सब्सक्रिप्शन) हो गया है और निर्गम रजिस्ट्रार से इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया गया है:

**परंतु यह कि** ऐसी घोषणा उस तारीख से पहले नहीं की जाएगी जिस तारीख को निर्गम बंद होना हो, किंतु ऐसी घोषणा इन विनियमों के अंतर्गत दिए हुए फॉर्मेट के अनुसार निर्गम के बंद होने के संबंध में जारी किए जाने वाले विज्ञापन में की जा सकती है।

### निर्गम का खोला जाना

**201.** (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का पालन किए जाने के अध्यक्षीन, सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) विनियम 6 के तहत बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने की तारीख से बारह महीनों के भीतर खोला जा सकेगा।

(2) निर्गम कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर किए जाने की तारीख से कम से कम तीन कार्य-दिवसों के पश्चात् खोला जाएगा।

### न्यूनतम अभिदान

**202.** (1) निर्गम (इश्यू) से कम से कम इतना अभिदान (पैसा / सब्सक्रिप्शन) अवश्य मिले कि वह प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से लाए जाने वाले प्रस्ताव (ऑफर) के नब्बे प्रतिशत से कम न हो।

(2) जिन निर्गमों की हामीदारी न की गई हो, उनके संबंध में:

क) यदि निर्गमकर्ता को निर्गम के बंद होने की तारीख तक प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से लाए गए प्रस्ताव के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता (कम से कम नब्बे प्रतिशत पैसा नहीं लगाया जाता), या यदि अभिदान का स्तर निर्गम के बंद होने के पश्चात् नब्बे प्रतिशत से नीचे आ जाता हो, तो निर्गमकर्ता प्राप्त हुई अभिदान की पूरी रकम उन माध्यमों से तुरंत लौटा देगा जिनकी पुष्टि की जा सकती हो।

ख) यदि निर्गमकर्ता निर्गम के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर अभिदान की पूरी रकम लौटाने में असफल रहता है, तो वह जितनी अवधि की देरी हुई हो उतनी अवधि हेतु प्रतिवर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से अभिदाताओं (पैसा लगाने वालों को / सब्सक्राइबर्स) को ब्याज सहित पूरा पैसा अदा करने का दायी है।

(3) जिन निर्गमों की हामीदारी की गई हो, उनके संबंध में:

क) यदि निर्गमकर्ता को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से लाए गए प्रस्ताव के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता (जिसमें हामीदारों का न्यागमन शामिल है), तो प्राप्त हुई आवेदन की पूरी रकम आवेदकों को तुरंत, किंतु निर्गम के बंद होने से अधिक से अधिक पंद्रह दिनों के भीतर, उन माध्यमों से लौटा दी जाएगी जिनकी पुष्टि की जा सकती हो।

ख) यदि निर्गमकर्ता, निर्गम के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर, अभिदान की पूरी रकम लौटाने में असफल रहता है, तो वह जितनी अवधि की देरी हुई हो उतनी अवधि हेतु प्रतिवर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से अभिदाताओं (पैसा लगाने वालों को / सब्सक्राइबर्स) को ब्याज सहित पूरा पैसा अदा करने का दायी है।

(4) जिन अल्प-अभिदत्त निर्गमों (जिसमें कम अभिदान हुआ हो) के संबंध में हामीदारी की जाती हो, उन निर्गमों के मामले में, अग्रणी प्रबंधक बोर्ड को, अनुसूची-XVIII में दिए हुए फॉर्मेट में, उन हामीदारों (अंडरराइटर्स) की जानकारी देगा (देंगे) जो अपनी हामीदारी पूरी करने में असफल रहे हों।

### अभिदान की अवधि

**203.** (1) जब तक कि इन विनियमों में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, भारतीय निक्षेपागार रसीदों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव कम से कम तीन कार्य दिवसों के लिए और अधिक से अधिक दस कार्य दिवसों के लिए खुला रखा जाएगा।

(2) मूल्य दायरे में बदलाव के मामले में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ाएगा।

(3) अनिवार्य बाध्यता, बैंक हड़ताल या ऐसी ही परिस्थितियों में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता, कारणों को लिखित में दर्ज करने के बाद, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस [वही निर्माण वाले निर्गम (बुक बिल्ट इश्यू) के मामले में] में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि या प्रॉस्पेक्टस [नियत कीमत वाले निर्गम (फिक्स्ड प्राइस इश्यू) के मामले में] में प्रकट की गई निर्गम की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ा सकेगा।

### आबंटन प्रक्रिया और आबंटन का आधार

**204.** (1) निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों से अधिक कोई आबंटन नहीं करेगा, किंतु यदि अति-अभिदान हो गया हो तो वह नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से आबंटन करने के लिए पूर्णांकन करने के प्रयोजन से ऐसा कर सकेगा:

**परंतु यह कि** अति-अभिदान के मामले में, आबंटन, जो जनता को शुद्ध प्रस्ताव के एक प्रतिशत से अधिक न हो, न्यूनतम निश्चित संख्याओं (लॉटों) में आबंटन करने के प्रयोजनार्थ किया जा सकेगा।

(2) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों से भिन्न आवेदकों को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन निवेशक के संबंधित वर्गों के भीतर आनुपातिक आधार पर किया जाएगा और आबंटित प्रतिभूतियों की संख्या को निकटतम पूर्णांक तक पूर्णांकित किया जाएगा, बशर्ते कि न्यूनतम आबंटन न्यूनतम आवेदन आकार (जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में निर्धारित जाए तथा प्रकट जाए) के बराबर हो:

**परंतु यह कि** छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को आबंटित निर्धारित प्रतिभूतियों का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

(3) प्रत्येक छोटे व्यक्तिगत निवेशक को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन, छोटे व्यक्तिगत निवेशक संबंधी प्रवर्ग के लिए शेयरों की उपलब्धता के अध्यक्षीन, न्यूनतम बोली लॉट (बिड लॉट) से कम नहीं होगा और शेष उपलब्ध शेयर, यदि कोई हों, आनुपातिक आधार पर आबंटित किए जाएंगे।

(4) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के प्राधिकृत कर्मचारियों के साथ-साथ अग्रणी प्रबंधक तथा निर्गम रजिस्ट्रार यह सुनिश्चित करेंगे कि आबंटन के आधार को अनुसूची-XIV के भाग-क में दी हुई आबंटन प्रक्रिया के अनुसार निष्पक्षता से तथा सही ढंग से अंतिम रूप दिया जाता है।

### आबंटन करना, पैसा लौटाना और ब्याज का भुगतान करना

**205.** (1) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के लिए आबंटन पत्र सभी आबंटितियों (अलॉटी) को साथ-साथ ही जारी किए जाएँ और यह कि यदि उसी समय खेद पत्र जारी करना असंभव हो, तो इस आशय की एक सूचना (नोटिस) मीडिया में जारी की जाए, ताकि वह आबंटन पत्रों के प्रेषित होने के पश्चात् अगले दिन सुबह-सुबह आ जाए।



(2) निर्गमकर्ता (इश्युअर) और अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी अवधि के भीतर, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए, निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन हो जाता है और / या आवेदन की रकम लौटा दी जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक कर दिया जाता है।

(3) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि आबंटन (अलॉटमेंट) करना, गैर-कागजी (डीमैट) प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) को खाते में जमा (क्रेडिट) करना, पैसा लौटाना (रिफंड करना) या आवेदन की रकम को अनब्लॉक करना, जो भी लागू हो, यह सब कुछ इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाता है।

(4) जहाँ ऊपर उप-विनियम (1) में निर्धारित की गई अवधि के भीतर निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन नहीं किया जाता है और / या आवेदन की रकम नहीं लौटाई जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक नहीं किया जाता है, वहाँ निर्गमकर्ता (इश्युअर) निवेशकों को प्रंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और ऐसे समय के भीतर ब्याज अदा करने का वचन देगा जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया हो, और अग्रणी प्रबंधक इस बात को सुनिश्चित करेगा (करेंगे)।

### निर्गम के पश्चात् के विज्ञापन

**206.** (1) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि अभिदान, आबंटन के आधार, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.वी.ए.) सहित सभी आवेदनों की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन सहित सभी आवेदनों हेतु सफल आबंटितियों (अलॉटीज़) की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, धनवापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा होने की तारीख, जो लागू हो, रजिस्ट्रार द्वारा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को दिए गए अनुदेश, निर्धारित प्रतिभूतियाँ खाते में जमा कराए जाने (क्रेडिट किए जाने) की तारीख तथा सूचीबद्धता (लिस्टिंग) हेतु आवेदन दाखिल किए जाने की तारीख, आदि से संबंधित ब्यौरे देते हुए विज्ञापन, व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र में जारी किया जाता है।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित ब्यौरे उन स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर भी डाले जाएँगे जिनमें प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों।

### निर्गम के पश्चात् अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारियाँ

**207.** (1) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारी निर्गम संबंधी प्रक्रिया पूरी होने तक तो रहेगी ही, बल्कि उसके बाद भी निर्गम से संबंधित किसी मामले के संबंध में बनी रहेगी।

(2) अग्रणी प्रबंधक निर्गम संबंधी किन्हीं क्रियाकलापों से संबंधित निवेशक शिकायतों के निवारण पर लगातार नज़र रखेगा (रखेंगे)।

(3) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के पश्चात् के क्रियाकलापों के लिए तब तक जिम्मेदार बना रहेगा (बने रहेंगे) जब तक आवेदकों के डीमैट खाते में भारतीय निक्षेपागार रसीदें जमा (क्रेडिट) न हो जाए या आवेदन की रकम लौटा न दी जाए और निर्गमकर्ता द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करार (लिस्टिंग एग्रीमेंट) न कर लिया जाए और सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या व्यापार (ट्रेडिंग) की अनुमति न ले ली जाए।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के बंद होने के बाद नियमित अंतरालों में निर्गम रजिस्ट्रारों और विभिन्न मध्यवर्तियों से समवन्य करेगा (करेंगे) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) या बैंक की संग्रहणकर्ता शाखाओं और/या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर, आवेदनों (जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के लिए आवेदन फॉर्म शामिल हैं) के संबंध में की जा रही कार्यवाही पर और दूसरे मामलों पर तब तक नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होंगे, जब तक आबंटन के आधार को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, आबंटितियों के डीमैट खाते में निर्धारित प्रतिभूतियाँ जमा नहीं कर दी जाती तथा निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों को अनब्लॉक नहीं कर दिया जाता / धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा नहीं कर लिया जाता और प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जाती, जो भी लागू हो।

(5) यदि अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को किसी मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) की ओर से किसी ऐसी त्रुटि का पता चलता है जो उनके कुछ करने या न करने की वजह से हुई हो, तो वे विधिवत रूप से उसकी रिपोर्ट बोर्ड को देंगे।

(6) यदि हामीदारों पर न्यागमन (डिवाॅल्वमेंट) हुआ हो, तो अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि हामीदारों की बाध्यता से युक्त न्यागमन की सूचना निर्गम के बंद होने की तारीख से दस दिनों की अवधि के भीतर जारी की जाती है।

(7) जिन अल्प-अभिदत्त निर्गमों (जिसमें कम अभिदान हुआ हो) के संबंध में हामीदारी की जाती हो, उन निर्गमों के मामले में, अग्रणी प्रबंधक बोर्ड को, **अनुसूची-XVIII** में दिए हुए फॉर्मेट में, उन हामीदारों (अंडरराइटर्स) की जानकारी देगा (देंगे) जो अपनी हामीदारी पूरी करने में असफल रहे हों।

### अभिदान की रकम को निर्मुक्त (रिलीज़) किया जाना

**208.** (1) अग्रणी प्रबंधक सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मिली मंजूरीयों की प्रतियों के माध्यम से, निर्गमन बैंककारों (बैंकर्स टू द इश्यू) को यह पुष्टि करेगा कि निर्गम के संबंध में सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं और यह कि बैंककार (बैंकर) निर्गमकर्ता को पैसा सौंप सकता है या निर्गम के असफल होने की दशा में पैसा लौटाने (रिफंड करने) हेतु पैसा निर्मुक्त (रिलीज़) कर सकता है।

(2) यदि निर्गमकर्ता (इश्युअर) उन स्टॉक एक्सचेंजों से, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों, सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मंजूरी प्राप्त करने में असफल रहता हो, तो वह स्टॉक एक्सचेंजों से निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता हेतु किए गए आवेदन को नामंजूर किए जाने की सूचना प्राप्त होने की तारीख से सात दिनों के भीतर, प्राप्त हुई पूरी रकम, ऐसे माध्यमों के जरिए लौटा देगा (रिफंड कर देगा), जिनकी पुष्टि की जा सकती हो और यदि ऐसी कोई रकम उस दिन से आठ दिनों के भीतर नहीं लौटाई जाती, जिस दिन निर्गमकर्ता उसे लौटाने का दायी हो जाए, तो निर्गमकर्ता और कंपनी का ऐसा प्रत्येक निदेशक जो चूककर्ता अधिकारी हो, आठवें दिन की समाप्ति से, पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के साथ रकम लौटाने का, पृथक् रूप से और संयुक्त रूप से, दायी होगी।

(3) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गम की वावत प्राप्त पैसा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 40 (3) (यथा लागू) के प्रावधानों का पालन करते हुए निर्गमकर्ता को सौंप दिया जाता है।

### संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह द्वारा किए गए लेनदेनों की सूचना (रिपोर्टिंग)

**209.** (1) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) या प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) को दाखिल किए जाने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तक समूह द्वारा प्रतिभूतियों में किए गए समस्त लेनदेनों की सूचना (रिपोर्ट) स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे लेनदेनों से चौबीस घंटों के भीतर, दी जाएगी।

### निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें

**210.** अग्रणी प्रबंधक **अनुसूची-XVII के भाग-क** में यथा-निर्धारित 'निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट' के साथ-साथ **अनुसूची-V के भाग-च** में निर्धारित फॉर्मेट के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलीजेंस सर्टिफिकेट), आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिए जाने की तारीख से सात दिनों के भीतर या निर्गम के असफल होने के मामले में पैसा लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) से सात दिनों के भीतर, प्रस्तुत करेगा।

### अदला-बदली

**211.** भारतीय निक्षेपागार रसीदों की अदला-बदली निर्गमकर्ता के अंडरलाइंग इक्विटी शेयरों में उसी प्रकार हो सकेगी, जैसा बोर्ड और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा, समय-समय पर, निर्धारित किया जाए।

## अध्याय-VIII – भारतीय निक्षेपागार रसीदों का साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू)

### लागू होना

**212.** (1) अध्याय-VII का पालन करने, जहाँ कहीं भी लागू हो, के साथ-साथ, साधिकार निर्गम के माध्यम से भारतीय निक्षेपागार रसीदों का प्रस्ताव लाने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करते समय इस अध्याय में निर्धारित शर्तों को पूरा करेगा:

**परंतु यह कि** निम्नलिखित विनियमों के प्रावधान भारतीय निक्षेपागार रसीदों के साधिकार निर्गम के मामले में लागू नहीं होंगे:

क) विनियम 191

ख) विनियम 192 का उप-विनियम (1)

ग) विनियम 183 के उप-विनियम (2) का खंड (क)

घ) विनियम 205; और

ङ) विनियम 185 का उप-विनियम (2)।

### साधिकार निर्गम लाने हेतु अपात्र एंटिटियाँ

**213.** कोई निर्गमकर्ता भारतीय निक्षेपागार रसीदों का साधिकार निर्गम लाने के लिए पात्र नहीं होगा, यदि –

(क) साधिकार निर्गम लाते समय, निर्गमकर्ता सूचीबद्धता करार तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015] के तहत सतत महत्वपूर्ण बाध्यताओं (जैसा ऐसे निर्गमकर्ता के प्रति लागू हो) या भारतीय निक्षेपागार रसीदों का आरंभिक प्रस्ताव लाते समय देशी निक्षेपागार और निर्गमकर्ता के बीच किए गए डिपॉजिट एग्रीमेंट के तहत महत्वपूर्ण बाध्यताओं का उल्लंघन किया हो;

(ख) उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी हो।

### सामान्य शर्तें

**214.** निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि भारत के जिन स्टॉक एक्सचेंजों में उसकी भारतीय निक्षेपागार रसीदें पहले से ही सूचीबद्ध हों, उसने, **अनुसूची-XIX** के अनुसार, उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों को, साधिकार निर्गम के माध्यम से जारी की जाने वाली भारतीय निक्षेपागार रसीदों को सूचीबद्ध कराने के लिए आवेदन कर दिया है और उनमें से किसी एक स्टॉक एक्सचेंज को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुन लिया है।

### भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारक द्वारा त्याग

**215.** जब तक कि निर्गमकर्ता के अपने देश के कानूनों में अन्यथा प्रावधान न हो, तब तक साधिकार निर्गम के बारे में यह समझा जाएगा कि उसमें प्रयोग किया जा सकने वाला वह अधिकार शामिल है जिसके अनुसार संबंधित व्यक्ति भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारक को प्रस्तावित भारतीय निक्षेपागार रसीदों का, लागू कानूनी प्रावधानों के अधीन, किसी अन्य व्यक्ति के पक्ष में त्याग कर सकता है और उसे प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा।

### निक्षेपागार

**216.** देशी निक्षेपागार, भारतीय निक्षेपागार रसीद का आरंभिक प्रस्ताव लाते समय निर्गमकर्ता के साथ किए गए निक्षेपागार करार (डिपॉजिटरी एग्रीमेंट) के अनुसार, ऐसे कदम उठाएगा जो भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारकों को साधिकार प्रस्ताव के तहत हकदारियाँ पाने में समर्थ बनाने के लिए जरूरी हों तथा ऐसे भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारकों को और भारतीय निक्षेपागार रसीदें जारी (निर्गमित) करेगा, भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारकों या त्याग का फायदा पाने वालों (रीनाउंसीज़) को अधिकार वितरित करेगा अथवा भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारकों या त्याग का फायदा पाने वालों के लिए किन्हीं अतिरिक्त अधिकारों हेतु अभिदान करने के संबंध में व्यवस्था करेगा जो अंडरलाइंग शेयरों के अन्य धारकों द्वारा लिए जाने की कमी के कारण उपलब्ध हों।

### रिकॉर्ड तिथि

**217. (1)** भारतीय निक्षेपागार रसीदों का साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015] के प्रावधानों के अनुसार, यह तय करने के प्रयोजनार्थ रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करेगा कि प्रस्तावित साधिकार निर्गम में भारतीय निक्षेपागार रसीदों के लिए आवेदन करने हेतु पात्र शेयरधारक कौन होंगे।

(2) यदि निर्गमकर्ता रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करने के पश्चात् साधिकार निर्गम को वापस ले लेता है, तो वह बोर्ड को उसके बारे में सूचित करेगा और उसकी सूचना व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में देगा जहाँ निर्गमकर्ता का मुख्य कार्यालय भारत में स्थित हो। यदि निर्गमकर्ता रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करने के पश्चात् साधिकार निर्गम को वापस ले लेता है, तो वह उपरोक्त रिकॉर्ड तिथि से बारह महीनों की अवधि तक साधिकार (राइट्स) आधार पर भारतीय निक्षेपागार रसीदों का प्रस्ताव लाने के लिए आवेदन नहीं करेगा।

### प्रस्ताव दस्तावेज तथा उसके संलग्नक में प्रकटीकरण

**218.** (1) साधिकार प्रस्ताव के लिए प्रस्ताव दस्तावेज में वे प्रकटीकरण किए जाएंगे, जो निर्गमकर्ता के अपने देश के विनियमों के तहत अपेक्षित हों।

(2) भारत में परिचालित किए जाने वाले प्रस्ताव दस्तावेज के साथ एक अतिरिक्त संलग्नक (प्रस्ताव दस्तावेज का संलग्नक) लगाया जाएगा, जिसमें **अनुसूची-VIII** के **भाग-ग** के अनुसार जानकारी और भारत में भारतीय निक्षेपागार रसीदों के साधिकार निर्गम की बाबत अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं आदि के बारे में अन्य अनुदेशों का उल्लेख हो।

(3) उप-विनियम (1) तथा (2) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रस्ताव दस्तावेज तथा उसके साथ लगे संलग्नक में वह समस्त महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी, जो सत्य, सही और पर्याप्त हो, ताकि आवेदक निवेश के संबंध में सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

#### **अग्रणी प्रबंधकों और अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) की नियुक्ति**

**219.** (1) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक मर्चेन्ट बैंककारों (बैंकर्स) को निर्गम (इश्यू) के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के रूप में नियुक्त करेगा तथा निर्गम से संबंधित बाध्यताओं को पूरा करने के लिए, अग्रणी प्रबंधक के परामर्श से, अन्य मध्यवर्तियों को भी नियुक्त करेगा।

(2) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि अनुपालन अधिकारी, जो इस अध्याय के तहत बाध्यताओं का पालन सुनिश्चित करने का प्रभारी हो, भारत की सीमाओं (राज्यक्षेत्रीय सीमाओं) के भीतर से ही कार्य करता हो।

#### **साधिकार प्रस्ताव हेतु प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और उसका संलग्नक दाखिल किया जाना**

**220.** (1) निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से, अपने देश की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किया गया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज उसके संलग्नक (जिसमें **अनुसूची-VIII** के **भाग-ग** के अनुसार प्रकटीकरण किए गए हों) के साथ, बोर्ड के पास, गोपनीय रूप से, फीस (जिसका उल्लेख **अनुसूची-III** में किया गया है) के साथ दाखिल करेगा।

(2) बोर्ड, निम्नलिखित तारीखों में से जो अंतिम तारीख हो उस तारीख से तीस दिनों के भीतर, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा उसके संलग्नक के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख कर सकेगा या अभिमत जारी कर सकेगा, यदि कोई हों:

- (क) उप-विनियम (2) के तहत संशोधन के साथ अपने देश की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किए गए प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की प्राप्त होने की तारीख; या
- (ख) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से संतोषजनक उत्तर की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने उनसे कोई स्पष्टीकरण या अतिरिक्त जानकारी मांगी हो; या
- (ग) किसी विनियामक (रेग्युलेटरी) या एजेंसी से स्पष्टीकरण या जानकारी की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने ऐसे विनियामक या एजेंसी से कोई स्पष्टीकरण या जानकारी मांगी हो; या
- (घ) स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी की गई सैद्धांतिक मंजूरी पत्र की प्राप्ति की तारीख।

(3) यदि बोर्ड प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और उप-विनियम (3) के तहत संलग्नक के संबंध में परिवर्तनों का उल्लेख करता है या अभिमत जारी करता है, तो निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक, उन परिवर्तनों को शामिल करने के पश्चात् संशोधित प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा अपडेट किया गया संलग्नक दाखिल करेंगे, जिनका उल्लेख बोर्ड द्वारा किया गया हो।

(4) निर्गमकर्ता, प्रस्ताव दस्तावेज के साथ-साथ, विदेशी अभिरक्षक तथा देशी निक्षेपागार की ओर से निर्गमकर्ता को संबोधित किया गया वचन (जो उनके बीच किए गए उनके अपने-अपने करारों के तहत उपरोक्त साधिकार निर्गम की बाबत उनकी बाध्यताओं का पालन करने के संबंध में दिया गया हो) भी प्रस्तुत करेगा।

#### **कीमत-निर्धारण**

**221.** निर्गम कीमत तथा अनुपात, अपने देश के विनियमों के अनुसार, रिकॉर्ड तिथि के साथ-साथ तय किए जाएंगे।

#### **निर्गम संबंधी सामग्री की उपलब्धता**

**222.** (1) साधिकार प्रस्ताव हेतु संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र (जिसमें **अनुसूची-IX** के **भाग-ख** के अनुसार प्रकटीकरण किए गए हों) के साथ-साथ आवेदन फॉर्म (प्रारूप), निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले भारतीय निक्षेपागार रसीदों के सभी पात्र धारकों को रजिस्ट्रीकृत डाक या स्पीड पोस्ट या कूरियर सेवा के माध्यम से या इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रेषित किया

जाएगा और उन्हें निर्गमकर्ता के वेबसाइट पर (जिसमें पहुँच रखने की समुचित पाबंदियाँ होंगी) उसी समय उपलब्ध कराया जाएगा जब उन्हें उसके इक्विटी शेयरों के धारकों को उपलब्ध कराया जाता हो:

**परंतु यह कि** साधिकार प्रस्ताव के लिए प्रस्ताव दस्तावेज की कागज़ी प्रति (हार्ड कॉपी), संलग्नक के साथ, निर्गमकर्ता या अग्रणी प्रबंधक के मुख्य कार्यालय में भारतीय निक्षेपागार रसीद के ऐसे किसी मौजूदा धारक को उपलब्ध कराई जाएगी, जिसने इस संबंध में निवेदन किया हो।

(2) भारतीय निक्षेपागार रसीद के जिन पात्र धारकों को आवेदन फॉर्म प्राप्त न हुआ हो, वे देशी निक्षेपागार के पास, आवेदन स्वीकार किए जाने की समय-सीमा के भीतर, सादे कागज पर लिखित रूप में आवेदन (अपेक्षित आवेदन की रकम के साथ) कर सकेंगे।

(3) आवेदन फॉर्म पर आवेदन न करके सादे कागज पर आवेदन करने वाले भारतीय निक्षेपागार रसीद के पात्र धारक अपने अधिकारों का त्याग नहीं करेंगे और किसी भी प्रयोजन (जिसमें त्याग शामिल है) से आवेदन फॉर्म का उपयोग नहीं करेंगे, फिर भले ही वह बाद में प्राप्त हो गया हो।

(4) जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीद का कोई पात्र धारक आवेदन फॉर्म पर भी आवेदन करता है और साथ ही सादे कागज पर भी आवेदन करता है, तो ऐसा आवेदन नामंजूर किए जाने का दायी है।

### निर्गम से संबंधित विज्ञापन

**223.** (1) निर्गमकर्ता निम्नलिखित का प्रकटीकरण करते हुए साधिकार निर्गम के लिए विज्ञापन जारी करेगा:

- क) संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र और आवेदन फॉर्म के प्रेषण के पूरा होने की तारीख;
- ख) भारत में निर्गमकर्ता के मुख्य कार्यालय से भिन्न ऐसे केंद्र जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीद के पात्र धारक आवेदन फॉर्मों की दूसरी प्रतियाँ प्राप्त कर सकेंगे, यदि उन्हें साधिकार निर्गम के खुलने के पश्चात् उपयुक्त समय के भीतर आवेदन फॉर्म प्राप्त नहीं होता है;
- ग) यह कथन कि यदि भारतीय निक्षेपागार रसीद के पात्र धारकों को न तो मूल आवेदन फॉर्म प्राप्त हुए हों और न ही वे फॉर्मों की दूसरी प्रति प्राप्त करने की स्थिति में हों, तो वे साधिकार निर्गम में अभिदान करने (पैसा लगाने / सबस्क्रिप्शन करने) के लिए सादे कागज पर लिखित रूप में आवेदन कर सकेंगे;
- घ) वह फॉर्मेट जिसके अनुसार भारतीय निक्षेपागार रसीद के पात्र धारक, सादे कागज पर आवेदन कर पाएं और जिसके अंतर्गत आवश्यक विवरणों का उल्लेख हो, जैसे कि नाम, पता, साधिकार निर्गम का अनुपात, निर्गम कीमत, कितनी भारतीय निक्षेपागार रसीदें धारण करते हैं, लेजर फोलियो नंबर, निक्षेपागार सहभागी का आई.डी., ग्राहक का आई.डी., कितनी भारतीय निक्षेपागार रसीदों के हकदार हैं तथा कितनी भारतीय निक्षेपागार रसीदों के लिए आवेदन किया है, आवेदन के साथ अदा की जाने वाली रकम, और निर्गमकर्ता के खाते के पक्ष में लिखे जाने वाले चैक, आदि के विवरण;
- ङ) यह कथन कि आवेदन भारतीय निक्षेपागार रसीद के पात्र धारकों द्वारा सीधे रजिस्ट्रीकृत डाक से विज्ञापन में दिए गए पते पर निर्गमकर्ता के नामनिर्दिष्ट अधिकारी को (आवेदन की रकम के साथ) भिजवाए जा सकते हैं;
- च) इस आशय का कथन कि यदि भारतीय निक्षेपागार रसीद का पात्र धारक सादे कागज पर भी आवेदन करता है और साथ ही आवेदन फॉर्म पर भी आवेदन करता है, तो ऐसे में यदि निर्गमकर्ता चाहे तो दोनों आवेदन नामंजूर कर सकेगा।

(4) विज्ञापन, निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले, व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में दिया जाएगा जहाँ निर्गमकर्ता का मुख्य कार्यालय भारत में स्थित है।

### अभिदान (सब्सक्रिप्शन) की अवधि और आबंटन पत्र जारी करना

**224.** (1) साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) भारत में अभिदान (पैसा लगाने / सबस्क्रिप्शन करने) के लिए उतनी अवधि हेतु खुला रहेगा, जितनी भी उसके अपने देश के कानूनी प्रावधानों के तहत लागू हो, किंतु किसी भी दशा में दस दिनों से कम के लिए नहीं।

(2) निर्गमकर्ता कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि वह अधिकारों का आबंटन पत्र भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारकों को उस समय भेज दे जब वे उसके अपने देश या अन्य देशों (जहाँ उसकी प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों) की अपेक्षानुसार, निर्गमकर्ता कंपनी के शेयरधारकों को भेजे जाते हों।

### पैसे (निधियों) का उपयोग

**225.** निर्गमकर्ता केवल आबंटन की प्रक्रिया के पूरा हो जाने पर ही, साधिकार प्रस्ताव के अनुसरण में भारतीय निक्षेपागार रसीदों के संबंध में जुटाए गए पैसे का उपयोग करेगा।

### तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू)

**226.** (1) विनियम 221 के उप-विनियम (1), विनियम 222 के उप-विनियम (1), (2) एवं (3) में दी हुई कोई भी बात लागू नहीं होगी, यदि निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो:

- क) निर्गमकर्ता उन सभी देशों में, जहाँ कहीं भी निर्गमकर्ता सूचीबद्ध हो, प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किए जाने की तारीख से ठीक पहले के कम से कम तीन वर्षों की अवधि तक लागू डिपॉजिट एग्रीमेंट के प्रावधानों और सूचीबद्धता करारों (या सूचीबद्धता शर्तों) के प्रावधानों के महत्वपूर्ण पहलुओं का हर तरह से पालन कर रहा हो, और निर्गमकर्ता द्वारा इस आशय का प्रमाणीकरण दिया जाता हो;
- ख) निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के साधिकार प्रस्ताव के लिए प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया जा चुका हो और उसकी समीक्षा निर्गमकर्ता के अपने देश के प्रतिभूति विनियामक (सिक्क्यूरिटीज रेग्युलेटर) द्वारा की जा चुकी हो;
- ग) निर्गमकर्ता या उसके संप्रवर्तकों (जहाँ लागू हो) या पूर्णकालिक निदेशकों के खिलाफ, संदर्भ तारीख तक, बोर्ड या उसके अपने देश के विनियामक प्राधिकरणों द्वारा, ऐसी कोई भी कारण बताओ सूचनाएँ या अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) कार्यवाहियाँ लंबित न हों, जिनके अंतर्गत उन्हें पूँजी बाजारों में पहुँच रखने से रोका गया हो; और
- घ) निर्गमकर्ता ने नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख के महीने से ठीक पहले की तीन महीनों की अवधि समाप्त होने से पहले भारतीय निक्षेपागार रसीद के धारकों से प्राप्त शिकायतों में से कम से कम पचानवे प्रतिशत शिकायतों का निवारण कर लिया हो।

(2) जहाँ उप-विनियम (1) में दी हुई शर्तें पूरी हो जाती हों, वहाँ निर्गमकर्ता अपने देश की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किए गए प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति के साथ-साथ संलग्नक (जिसमें **अनुसूची-VIII** के **भाग-ग** के अनुसार प्रकटीकरण किए गए हों), स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए जाने से पहले, उन्हें बोर्ड के पास, रिकॉर्ड के प्रयोजनार्थ, दाखिल करते हुए भारतीय निक्षेपागार रसीदों का साधिकार निर्गम लाने का विकल्प चुन सकेगा।

### अध्याय-IX – लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव

#### संदर्भ तारीख

**227.** जब तक कि इस अध्याय में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, निर्धारित प्रतिभूतियों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (इनिशियल पब्लिक ऑफर) लाने वाला निर्गमकर्ता बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल किए जाने की तारीख तक और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने की तारीख तक भी इस अध्याय में दी हुई शर्तों को पूरा करेगा।

#### भाग-I: पात्रता अपेक्षाएँ

#### आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए अपात्र एंटिटियाँ

**228.** (1) निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए पात्र नहीं होगा:

- (क) यदि निर्गमकर्ता, उसके किसी संप्रवर्तक (प्रोमोटर), संप्रवर्तक समूह या निदेशक या विक्रय करने वाले शेयरधारक को बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो;
- (ख) यदि निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या निदेशकों में से कोई ऐसी किसी अन्य कंपनी का संप्रवर्तक या निदेशक हो जिसे बोर्ड द्वारा पूँजी बाजार में पहुँच रखने से विवर्जित किया गया हो;
- (ग) यदि निर्गमकर्ता अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रोमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करनेवाला) हो;

(घ) यदि उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी हो।

**स्पष्टीकरण:** ऊपर (क) एवं (ख) के तहत दी हुई पाबंदियाँ उनके अंतर्गत उल्लिखित उन व्यक्तियों या एंटीडिटियों के प्रति लागू नहीं होंगी, जिन्हें बोर्ड द्वारा पहले कभी विवर्जित किया गया हो, और विवर्जन की अवधि एसएमई एक्सचेंज के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख तक पहले ही पूरी हो चुकी हो।

### आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव हेतु पात्रता अपेक्षाएँ

**229. (1)** निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने के लिए केवल तभी पात्र होगा यदि उसकी निर्गम के पश्चात् की समादत्त पूंजी (पेड-अप कैपिटल) दस करोड़ रुपये से कम या के बराबर हो।

(2) वह निर्गमकर्ता भी इस अध्याय के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित प्रतिभूतियाँ जारी (निर्गमित) कर सकेगा, जिसकी निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी (फेस वैल्यू कैपिटल) दस करोड़ रुपये से अधिक हो तथा पच्चीस करोड़ रुपये तक हो।

(3) निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा, यदि वह पिछले रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) संबंधी अपेक्षा और/या उस एसएमई एक्सचेंज (उन एसएमई एक्सचेंजों) की अन्य पात्रता की शर्तों को पूरा करता हो, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव हो:

**परंतु यह कि यदि** उस निर्गमकर्ता के मामले में जो भागीदारी फर्म या सीमित दायित्व भागीदारी (लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप) रहा हो, भागीदारी फर्म या सीमित दायित्व भागीदारी के परिचालन लाभ के पिछले रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) पर केवल तभी विचार किया जाएगा, जब जिस अवधि के दौरान निर्गमकर्ता भागीदारी फर्म या सीमित दायित्व भागीदारी रहा था उस अवधि हेतु भागीदारी के कारबार के वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कंपनियों के लिए निर्धारित किए गए फॉर्मेट के अनुरूप हों तथा उनके अनुसार संशोधित किए गए हों और जो निम्नलिखित अपेक्षाओं का पालन करते हुए तैयार किए गए हों:

क) वित्तीय विवरणों में ऐसे पर्याप्त प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किए जाएँ, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की **अनुसूची-III** के अनुसार निर्गमकर्ता द्वारा किए जाने अपेक्षित हों;

ख) वित्तीय विवरण लेखापरीक्षकों [जिन्होंने भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई) की समकक्ष समीक्षा (पीयर रिव्यू) संबंधी प्रक्रिया के तहत स्वयं की समीक्षा करवाई हुई हो और जिसके पास आईसीएआई के समकक्ष समीक्षा बोर्ड द्वारा जारी किया गया वैध प्रमाणपत्र हो] द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किए जाएँ, जिनमें यह उल्लेख हो कि: (i) लेखे और किए गए प्रकटीकरण कंपनी अधिनियम, 2013 की **अनुसूची-III** के प्रावधानों के अनुसार हैं; (ii) लागू लेखा मानकों का अनुसरण किया गया है; (iii) वित्तीय विवरण फर्म के लेखों की सही तस्वीर दर्शाते हैं:

**परंतु यह और कि** मौजूदा कंपनी के विलयन (मर्जर) या विभाजन (डिविज़न) से बने निर्गमकर्ता के मामले में, ऐसे निर्गमकर्ता के पिछले रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) पर केवल तभी विचार किया जाएगा, जब पहले परंतुक में यथा-निर्धारित वित्तीय विवरणों से संबंधित अपेक्षाओं का पालन किया जाता हो।

### सामान्य शर्तें

**230. (1)** आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि:

(क) उसने, **अनुसूची-XIX** के अनुसार, एक या एक से अधिक एसएमई एक्सचेंजों को, ऐसे एसएमई एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराने हेतु आवेदन कर दिया है और उनमें से किसी एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुन लिया है;

(ख) उसने पहले ही से निर्गमित या निर्गमित किए जाने के लिए प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों को गैर-कागजी (डीमैट) रूप दिए जाने हेतु निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) के साथ करार (एग्रीमेंट) कर लिया है;

(ग) उसके सभी मौजूदा अंशतः समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर या तो पूर्णतः समादत्त हो गए हैं या वे जव्त (समपहृत / फॉफीट) हो गए हैं;

(घ) संप्रवर्तकों (प्रोमोटर) द्वारा धारित उसकी सभी निर्धारित प्रतिभूतियाँ प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल किए जाने से पहले गैर-कागजी (डीमैट) रूप में हैं;

(ड) उसने माध्यमों (जिनकी पुष्टि की जा सकती हो) या मौजूदा आंतरिक एकूअल (जिनकी पहचान की जा सकती हो) के जरिए उस विशिष्ट परियोजना का पचहत्तर प्रतिशत वित्तपोषण [जिसमें प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के माध्यम से जुटाई जाने वाली रकम शामिल नहीं है] करने के लिए पक्के इंतजाम कर लिए हैं, जिसका वित्तपोषण निर्गम से आए पैसों से किए जाने का प्रस्ताव हो।

**स्पष्टीकरण:** "परियोजना" से वह उद्देश्य अभिप्रेत है जिसके लिए निर्गम के उद्देश्यों के संबंध में पैसा जुटाए जाने का प्रस्ताव है।

(2) साधारण कारपोरेट प्रयोजनों (जिनका उल्लेख प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गम के उद्देश्यों के अंतर्गत किया गया हो) के लिए रकम निर्गमकर्ता द्वारा जुटाई जाने वाली रकम की पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

## भाग-II: संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों और वारंटों का निर्गमन

**231.** निर्गमकर्ता अपने इक्विटी शेयरों का पहले सार्वजनिक निर्गम लाए बिना या उनकी सूचीबद्धता कराए बिना भी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (कन्वर्टिबल डेट इंस्ट्रुमेंट्स) का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने का पात्र होगा:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता पात्र नहीं होगा यदि उसने स्वयं द्वारा जनता को निर्गमित ऋण लिखतों (डेट इंस्ट्रुमेंट्स), यदि कोई हों, के संबंध में, छह महीनों से अधिक की अवधि तक, व्याज अदा करने में या मूलधन की रकम की चुकौती करने में चूक की हो।

### संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएँ

**232. (1)** इन विनियमों में जिन अन्य अपेक्षाओं का उल्लेख किया गया है उनके अलावा, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों का भी पालन करेगा:

- (क) उसने कम से कम एक साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) एजेंसी से क्रेडिट रेटिंग ले ली हो;
- (ख) उसने कंपनी अधिनियम, 2013 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 [सेबी (डिबेंचर ट्रस्टीज) रेग्यूलेशन, 1993] के प्रावधानों के अनुसार कम से कम एक डिबेंचर न्यासी नियुक्त कर लिया हो;
- (ग) वह कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार डिबेंचर मोचन आरक्षित (रिडेंप्शन रिज़र्व) बनाएगा;
- (घ) यदि निर्गमकर्ता प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की बाबत अपनी आस्तियों (असेट्स) पर भार या जमानत (सिक्क्यूरिटी) सृजित करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि:
  - i) ऐसी आस्तियाँ किसी भी समय मूलधन की रकम चुकाने के लिए पर्याप्त हैं;
  - ii) ऐसी आस्तियों पर कोई ऋण-भार नहीं है;
  - iii) जहाँ ऐसी आस्तियों पर जमानत पहले ही से किसी मौजूदा उधारदाता या प्रतिभूति न्यासी (सिक्क्यूरिटी ट्रस्टी) के पक्ष में सृजित की गई हो या संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम को पट्टेवाली (लीज़होल्ड) भूमि पर जमानत सृजित करके प्रतिभूत किए जाने का प्रस्ताव हो, वहाँ द्वितीय या एक समान भार हेतु ऐसे उधारदाता या प्रतिभूति न्यासी या पट्टाकर्ता की सहमति प्राप्त कर ली गई है और निर्गम के खुलने से पहले डिबेंचर न्यासी को प्रस्तुत कर दी गई है;
  - iv) यदि संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें द्वितीय भार या बाद में किसी भार द्वारा प्रतिभूत हों, तो जमानत या आस्ति कवर का निर्धारण दायित्वों, जिनका पहला या पूर्व भार हो, को घटाने के पश्चात् किया जाएगा।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन (को रिडीम) करेगा।

### वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तन

**233. (1)** निर्गमकर्ता अपनी वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों को इक्विटी शेयरों में तब तक संपरिवर्तित नहीं करेगा, जब तक कि ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों (होल्डर) ने निर्गमकर्ता को अपनी निश्चित सहमति न भेज दी हो और इस प्रयोजनार्थ निर्गमकर्ता द्वारा भेजी गई किसी सूचना के प्रति उत्तर प्राप्त न होने का अर्थ यह नहीं लगाया जाएगा कि किन्हीं संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के लिए सहमति मिल गई है।

(2) जहाँ निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित किन्हीं सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तनीय भाग का मूल्य पचास लाख रुपये से अधिक हो और निर्गमकर्ता ने निर्गम लाने के समय ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की संपरिवर्तन (कन्वर्ज़न) कीमत



तय न की हो, वहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, संपरिवर्तनीय भाग इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तित न करने का, विकल्प दिया जाएगा:

**परंतु यह कि** जहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की कीमत संबंधी ऊपरी सीमा तथा उसका औचित्य तय किया जाता है और निर्गम लाने के समय निवेशकों को प्रकट किया जाता है, वहाँ संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, उक्त ऊपरी सीमा के भीतर संपरिवर्तनीय भाग को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के लिए, ऐसा विकल्प देना जरूरी नहीं होगा।

(3) जहाँ उप-विनियम (2) के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को विकल्प दिया जाना हो और यदि ऐसे धारकों में से एक या एक से अधिक धारक, शेयरधारकों की साधारण बैठक में तय की गई कीमत पर, लिखतों को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के विकल्प का प्रयोग नहीं करते हैं, तो निर्गमकर्ता अंतिम तारीख (जिस तारीख तक विकल्प का प्रयोग किया जाना हो) से एक महीने के भीतर लिखतों के उस भाग का मोचन (रिडेंप्शन) उस कीमत पर करेगा जो उसके अंकित मूल्य से कम न हो।

(4) यदि ऐसा मोचन प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों के अनुसार किया गया हो, तो उप-विनियम (3) का प्रावधान लागू नहीं होगा।

### वित्तपोषण के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन

**234.** निर्गमकर्ता किसी व्यक्ति (जो संप्रवर्तक समूह या समूह कंपनियों का हिस्सा हो) को वित्तपोषण के लिए या उधार देने के लिए या उसके शेयरों को अर्जित करने के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें निर्गमित नहीं करेगा:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता इन प्रयोजनों से पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन करने के लिए पात्र होगा, यदि ऐसी ऋण लिखतों के संपरिवर्तन की अवधि ऐसी ऋण लिखतों के निर्गमन की तारीख से अठारह महीने से कम हो।

### वारंटों का निर्गमन

**235.** निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में वारंटों का निर्गमन के लिए पात्र होगा, बशर्ते कि निम्नलिखित का पालन किया जाए:

(क) ऐसे वारंटों की अवधि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में उनके आबंटन की तारीख से अठारह महीनों से अधिक की नहीं होगी;

(ख) निर्धारित प्रतिभूति के साथ एक या एक से अधिक वारंट हो सकेंगे;

(ग) वारंटों की प्रयोग कीमत तय करने के लिए कीमत या फॉर्मूला पहले ही तय कर लिया जाएगा तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा और प्रयोग कीमत के आधार पर कम से कम पच्चीस प्रतिशत प्रतिफल की रकम भी पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी:

**परंतु यह कि** यदि वारंट की प्रयोग कीमत फॉर्मूला पर आधारित हो, तो उसके इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के लिए तय किए गए मूल्य दायरे की उच्चतम कीमत (केप प्राइस) के आधार पर पच्चीस प्रतिशत प्रतिफल की रकम पहले ही प्राप्त कर ली जाएगी;

(घ) यदि वारंटधारक प्रतिफल की रकम अदा किए जाने की तारीख से तीन महीनों के भीतर स्वयं द्वारा धारित वारंटों में से किसी वारंट की एवज में इक्विटी शेयर लेने के विकल्प का प्रयोग नहीं करता है, तो ऐसे वारंटों की बाबत दिया गया ऐसा प्रतिफल निर्गमकर्ता द्वारा जब्त (फोर्फीट) कर लिया जाएगा।

## भाग-III — संप्रवर्तकों का अंशदान

### संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान

**236. (1)** निर्गमकर्ता का संप्रवर्तक निर्गम के पश्चात् की पूँजी का कम से कम बीस प्रतिशत धारण करेगा:

**परंतु यह कि** यदि संप्रवर्तकों की निर्गम के पश्चात् की शेयरधारिता बीस प्रतिशत से कम हो, तो आनुकल्पिक निवेश निधियाँ या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्थाएँ या भारतीय बीमा और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनियाँ संप्रवर्तकों के लिए यथा-निर्धारित न्यूनतम अंशदान में रही कमी को पूरा करने के लिए अंशदान (निर्गम के पश्चात् की पूँजी के अधिकतम दस प्रतिशत के अध्यक्षीन) कर सकेंगी किंतु उनकी पहचान संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) के रूप में नहीं की जाएगी:

**परंतु यह और कि** संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की अपेक्षा वहाँ लागू नहीं होगी, जहाँ निर्गमकर्ता में कोई पहचानयोग्य संप्रवर्तक न हो।

(2) संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान निम्नानुसार होगा:

(क) संप्रवर्तक, यथास्थिति, या तो इक्विटी शेयरों के रूप में या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के रूप में, उप-विनियम (1) में यथा-निर्धारित बीस प्रतिशत का अंशदान करेंगे:

**परंतु यह कि** यदि संपरिवर्तन के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयरों की कीमत पहले ही तय न की गई हो और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट न की गई हो, तो संप्रवर्तक सार्वजनिक निर्गम के जरिए निर्गमित की जा रही संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के रूप में ही अंशदान करेंगे और ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में इक्विटी शेयरों में अभिदान करने का लिखित में वचन देंगे।

(ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों, जिनका अलग-अलग तारीखों को संपरिवर्तन या विनियम किया जाएगा, के किसी निर्गमन के मामले में और यदि संप्रवर्तकों का अंशदान इक्विटी शेयरों (जिनकी संपरिवर्तन कीमत पहले से ही तय की चुकी हो) के रूप में हो, तो ऐसा अंशदान उस कीमत पर नहीं होगा जो ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन से मिलने वाली इक्विटी शेयर पूँजी की भारित औसत कीमत (वेटेड एवरेज प्राइस) से कम हो।

(ग) उपरोक्त खंड (क) तथा (ख) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, इक्विटी शेयरों के पूर्व सार्वजनिक निर्गम के बिना संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, संप्रवर्तक इक्विटी शेयरों के रूप में परियोजना (प्रोजेक्ट) की लागत का कम से कम बीस प्रतिशत का अंशदान लाएंगे, बशर्ते कि निर्गम के आकार के कम से कम बीस प्रतिशत का अंशदान इक्विटी शेयरों के रूप में उनकी स्वयं की निधियों (फंड्स) से किया जाए:

**परंतु यह कि** यदि परियोजना का कार्यान्वयन चरणों में किया जाना हो, तो संप्रवर्तकों का अंशदान किसी अमुक चरण तक सार्वजनिक निर्गम के जरिए जुटाई गए ऋण या जुटाए जाने के लिए प्रस्तावित ऋण के अनुसरण में कुल इक्विटी सहभागिता के अनुरूप होगा।

(घ) संप्रवर्तक निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम एक दिन पहले इस विनियम की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे।

(ङ) यदि संप्रवर्तकों को संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान हेतु इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान करना (पैसा लगाना / सब्सक्रिप्शन करना) पड़े, तो संप्रवर्तकों के अंशदान की रकम अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में निलंब खाते (एस्करो अकाउंट) में रखी जाएगी, और जो निर्गम से आए पैसे के साथ निर्गमकर्ता को सौंप दी जाएगी:

**परंतु यह कि** जहाँ संप्रवर्तकों का अंशदान पहले से ही लाया जा चुका हो और उसका उपयोग किया जा चुका हो, वहाँ निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में नकदी प्रवाह विवरण (कैश फ्लो स्टेटमेंट) देगा, जिसमें ऐसी निधियों (फंड्स) के उपयोग को प्रकट किया गया हो;

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजनार्थ:

(I) संप्रवर्तकों के अंशदान की गणना निर्गम के पश्चात् की बड़ी हुई पूँजी के आधार पर की जाएगी:

(क) यह मानते हुए कि संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों का इक्विटी शेयरों में पूरा संपरिवर्तन हो गया है, जैसा कि प्रस्ताव किया गया था;

(ख) यह मानते हुए कि जहाँ कोई कर्मचारी स्टॉक विकल्प आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के समय बकाया हों, वहाँ सभी निहित विकल्पों (वैस्टेड ऑप्शन्स) का प्रयोग कर लिया गया है।

(II) "भारित औसत कीमत" की गणना के लिए:

(क) "भार" से विभिन्न चरणों में ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तन से मिलने वाले इक्विटी शेयरों की संख्या अभिप्रेत है;

(ख) "कीमत" से संपरिवर्तन हो जाने पर इक्विटी शेयरों की वह कीमत अभिप्रेत है, जो विभिन्न चरणों में पहले से तय की गई संपरिवर्तन कीमत पर विचार करने के बाद निकाली गई हो।

**संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के लिए अपात्र प्रतिभूतियाँ**

**237.** (1) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की गणना के लिए, निम्नलिखित निर्धारित प्रतिभूतियाँ पात्र नहीं होंगी:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान अर्जित निर्धारित प्रतिभूतियाँ, यदि:

- (i) उन्हें नकद से भिन्न प्रतिफल के लिए अर्जित किया गया हो और ऐसे लेनदेन (ट्रांज़ैक्शन) में आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन (रीवैल्यूएशन) या अमूर्त आस्तियों (इन्टैन्जिबल असेट्स) का पूँजीकरण शामिल हो ; या
- (ii) वे निर्गमकर्ता की पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों (रीवैल्यूएशन रिज़र्व्स) या अप्राप्त लाभों का उपयोग करके लाए गए बोनस निर्गम अथवा इक्विटी शेयरों (जो संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के लिए पात्र न हों) के प्रति लाए गए बोनस निर्गम का हिस्सा हों;

(ख) पिछले एक वर्ष के दौरान संप्रवर्तकों और आनुकल्पिक निवेश निधियों या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों या लोक वित्तीय संस्थाओं या भारतीय बीमा और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनियों द्वारा उस कीमत से कम कीमत पर अर्जित निर्धारित प्रतिभूतियाँ, जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव जनता को आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के जरिए किया जा रहा हो:

**परंतु यह कि** इस खंड में दी हुई कोई भी बात लागू नहीं होगी:

- (i) यदि संप्रवर्तक और आनुकल्पिक निवेश निधियाँ (जो भी लागू हों) जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के जरिए किया जा रहा हो उस कीमत और जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियाँ अर्जित की गई हों उस कीमत के बीच जितनी रकम का फर्क हो उतनी रकम निर्गमकर्ता को अदा करते हैं;
- (ii) यदि ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 234 के तहत मंजूर की गई स्कीम [जिसे उच्च न्यायालय या अधिकरण (ट्रायब्युनल) (जो भी लागू हो) द्वारा मंजूर किया गया हो] के अनुसार संप्रवर्तकों द्वारा उस कारबार तथा निवेश की गई पूँजी की एवज में अर्जित किए गए थे, जो ऐसी मंजूरी से पहले एक वर्ष से अधिक की अवधि तक मौजूद रही हो;
- (iii) उस सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण (स्टैट्यूटरी अथॉरिटी) या निगम (कारपोरेशन) या उनमें से किसी के द्वारा बनाए गए किसी विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पज वीहिकल) के 'आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव' के प्रति, जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो;

(ग) यदि कोई निर्गमकर्ता एक या एक से अधिक भागीदारी फर्मों या सीमित दायित्व भागीदारियों के संप्रवर्तन से बना हो, जहाँ पहले की भागीदारी फर्मों या सीमित दायित्व भागीदारियों के भागीदार निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक हों और प्रबंध-मंडल में कोई बदलाव न हुआ हो, तो पिछले एक वर्ष के दौरान निर्गम कीमत से कम कीमत पर संप्रवर्तकों और आनुकल्पिक निवेश निधियों को आबंटित निर्धारित प्रतिभूतियाँ [जो उस अवधि के दौरान उनके द्वारा लाई गई निधियों (फंड्स) की एवज में आबंटित की गई हों]:

**परंतु यह कि** ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ पात्र होंगी, जो सतत आधार पर एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए ऐसी फर्मों में मौजूद पूँजी की एवज में संप्रवर्तकों को आबंटित की गई हों;

(घ) किसी लेनदार के पास गिरवी रखी हुई निर्धारित प्रतिभूतियाँ ।

(2) उप-विनियम (1) के खंड (क) तथा (ग) में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों के अंशदान की गणना के लिए पात्र होंगी, यदि ऐसी प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 2013 या या पहले की किसी कंपनी विधि के प्रावधान के तहत मंजूर स्कीम के अनुसरण में अर्जित की जाती हैं ।

#### **भाग-IV: अवरुद्धता (लॉक-इन) और अंतरणीयता पर पाबंदियाँ**

##### **संप्रवर्तकों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)**

**238.** संप्रवर्तकों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों का अंतरण (ट्रांसफर) यहाँ नीचे उल्लिखित अवधियों के लिए नहीं किया जा सकेगा:

(क) संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान [जिसमें आनुकल्पिक निवेश निधियों या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों या अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों या लोक वित्तीय संस्थाओं या भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनियों (जो भी लागू हो) द्वारा किया गया अंशदान शामिल है] वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख या आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख (जो भी बाद में हो) से तीन वर्षों की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जाएगा;

(ख) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान से अधिक संप्रवर्तकों की धारिता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध हो जाएगी।

**स्पष्टीकरण:** इस खंड के प्रयोजनार्थ, शब्दों "वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख" से उस महीने की अंतिम तारीख अभिप्रेत है जिस महीने में परियोजना (प्रोजेक्ट) [जिसके लिए जुटाए गए पैसों का उपयोग उस तरह से किए जाने का प्रस्ताव हो, जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लेख किया गया हो] का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

### संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

**239.** संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित निर्गम से पूर्व की पूरी पूँजी आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध हो जाएगी:

**परंतु यह कि** इस विनियम में दी हुई कोई भी बात:

(क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव से पहले निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के तहत कर्मचारियों (चाहे वे वर्तमान में कर्मचारी हो या न हों) को आबंटित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी, यदि निर्गमकर्ता ने **अनुसूची-VI** के **भाग-क** के अनुसार ऐसे विकल्पों या स्कीम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण कर दिए हों;

(ख) कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अनुसार, कर्मचारी स्टॉक विकल्प न्यास (ऑप्शन ट्रस्ट) द्वारा धारित या कर्मचारियों (चाहे वे वर्तमान में कर्मचारी हो या न हों) द्वारा विकल्पों का प्रयोग किए जाने के अनुसरण में कर्मचारी स्टॉक विकल्प न्यास द्वारा कर्मचारियों को अंतरित (ट्रांसफर) किए गए इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी:

**परंतु यह कि** कर्मचारियों को आबंटित किए गए इक्विटी शेयर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी फायदे) विनियम, 2014 [सेबी (शेयर बेस्ड एम्पलॉई बेनिफिट्स) रेग्यूलेशन, 2014] में यथा-निर्धारित अवरुद्धता (लॉक-इन) के प्रावधानों के अधीन होंगे।

(ग) जोखिम पूँजी निधि या आनुकल्पिक निवेश निधि (प्रवर्ग-I या प्रवर्ग-II की) या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक द्वारा धारित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी:

**परंतु यह कि** ऐसे इक्विटी शेयर जोखिम पूँजी निधि या आनुकल्पिक निवेश निधि या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक द्वारा खरीद की तारीख से कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगे।

**स्पष्टीकरण:** खंड (ग) के प्रयोजनार्थ, यदि ऐसे इक्विटी शेयर पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में संपरिवर्तित हुए हों, तो एक वर्ष की अवधि की गणना के प्रयोजनार्थ ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को तथा साथ ही संपरिवर्तित इक्विटी शेयरों को धारण किए जाने संबंधी अवधि पर विचार किया जाएगा और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को पूर्णतः समादत्त समझा जायेगा, यदि उनके संबंध में अदा किया जाने वाला पूरा प्रतिफल अदा कर दिया गया हो तथा कोई और प्रतिफल उनके संपरिवर्तन के समय देय न हो।

### ग्रीन शू विकल्प के अंतर्गत स्थिरीकरण (स्टैबिलाइजिंग) एजेंट को उधार दी गई निर्धारित प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

**240.** अवरुद्धता (लॉक-इन) संबंधी प्रावधान ग्रीन शू विकल्प के प्रयोजनार्थ स्थिरीकरण एजेंट को उधार दी गई निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में, ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों को उधार दिए जाने की तारीख से शुरू होने वाली तथा उस तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान लागू नहीं होंगे, जिस तारीख को वे विनियम 279 के उप-विनियम (5) या (6) के अनुसार उधारदाता को लौटाई जाती हैं:

**परंतु यह कि** निर्धारित प्रतिभूतियाँ उस तारीख से बाकी की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगी, जिस तारीख को वे उधारदाता को लौटाई जाती हैं।

### अनंतरणीयता (नॉन-ट्रांसफरेबिलिटी) का अंकन या उसे दर्ज करना

**241.** निर्धारित प्रतिभूतियों, जो अवरुद्धता (लॉक-इन) के अधीन हैं, के प्रमाणपत्रों पर यह अंकित होगा कि वे "अनंतरणीय" (नॉन-ट्रांसफरेबल) हैं तथा अवरुद्धता (लॉक-इन) की अवधि का उल्लेख होगा और यदि ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में हों, तो निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि अवरुद्धता (लॉक-इन) निक्षेपागार द्वारा दर्ज कर ली जाए।

### रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी

**242.** संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा रुद्ध (लॉकड-इन) निर्धारित प्रतिभूतियों को किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था या प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी या आवास वित्त कंपनी द्वारा दिए गए ऋण (उधार) हेतु संपादित प्रतिभूति (कोलैटरल सिक्यूरिटी) के रूप में गिरवी रखा जा सकेगा, बशर्ते कि:

- क) यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ विनियम 238 के खंड (क) के अनुसार रुद्ध हों, तो ऋण निर्गमकर्ता कंपनी या उसकी समनुषंगी (समनुषंगियों) को, निर्गम के किसी एक उद्देश्य या एक से अधिक उद्देश्यों के संबंध में वित्तपोषण करने के प्रयोजनार्थ दिया गया हो और निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक हो;
- ख) यदि निर्धारित प्रतिभूतियाँ विनियम 238 के खंड (ख) के अनुसार रुद्ध हों और निर्धारित प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक हो:

**परंतु यह कि** ऐसी अवरुद्धता (लॉक-इन) गिरवी को लागू कराए जाने के अनुसरण में जारी रहेगी और ऐसा अंतरिती (ट्रांसफरी / जिसे अंतरण किया गया हो) तब तक निर्धारित प्रतिभूतियों का अंतरण (को ट्रांसफर) करने के लिए पात्र नहीं होगा, जब तक इन विनियमों में दी हुई अवरुद्धता की अवधि समाप्त न हो जाए।

### रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियों की अंतरणीयता

**243.** भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के प्रावधानों के अधीन, संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा विनियम 238 के अनुसार रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ दूसरे संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह के किसी व्यक्ति या नए संप्रवर्तक को अंतरित की जा सकेंगी और संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित तथा विनियम 239 के अनुसार रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह), जिसके पास रुद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ हों, को अंतरित की जा सकेंगी:

**परंतु यह कि** ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता (लॉक-इन) बाकी की अवधि के लिए अंतरिती (ट्रांसफरी / जिसे अंतरण किया गया हो) के पास जारी रहेगी और ऐसा अंतरिती तब तक उनका अंतरण (उनको ट्रांसफर) करने के लिए पात्र नहीं होगा, जब तक इन विनियमों में दी हुई अवरुद्धता की अवधि समाप्त न हो जाए।

### भाग-V: अग्रणी प्रबंधकों, अन्य मध्यवर्तियों और अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) की नियुक्ति

**244.** (1) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत एक या एक से अधिक मर्चेट बैंककारों (बैंकर्स) को निर्गम (इश्यू) के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) [लीड मैनेजर] के रूप में नियुक्त करेगा।

(2) जहाँ निर्गम का कामकाज एक से अधिक अग्रणी प्रबंधक द्वारा देखा जाता हो, वहाँ, *अन्य बातों के साथ-साथ*, प्रकटीकरणों, आबंटन, पैसा लौटाए जाने (रिफंड) तथा हामीदारी (अंडरराइटिंग) संबंधी बाध्यताओं, यदि कोई हों, से संबंधित प्रत्येक अग्रणी प्रबंधक के अधिकारों, उसकी बाध्यताओं तथा जिम्मेदारियों को पहले ही तय कर लिया जाएगा और जिन्हें प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा, जैसा **अनुसूची-I** में उल्लेख किया गया है।

(3) निर्गम का कम से कम एक अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) [जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992 के तहत परिभाषित है] नहीं होगा और यदि कोई अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता का सहयोगी हो, तो वह स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयोगी के रूप में प्रकट करेगा और उसकी भूमिका निर्गम की मार्केटिंग (के विपणन) तक ही सीमित रहेगी।

(4) निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा अन्य मध्यवर्तियों की बाध्यताओं को निभाने की क्षमता का स्वतंत्र रूप से आकलन करने के बाद, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत अन्य मध्यवर्तियों को नियुक्त करेगा।

(5) निर्गमकर्ता **अनुसूची-II** में निर्धारित फॉर्मेट में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के साथ करार (एग्रीमेंट) करेगा, और अन्य मध्यवर्तियों के साथ करार करेगा, जैसा संबंधित मध्यवर्ती के लिए लागू संबंधित विनियमों के तहत अपेक्षित है :

**परंतु यह कि** ऐसे करारों में ऐसे अन्य खंड शामिल किए जा सकेंगे, जो निर्गमकर्ता तथा मध्यवर्ती ठीक समझें, किंतु जिसमें अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 2013 या कंपनी अधिनियम, 1956 (जहाँ तक लागू हो), प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उनके तहत बनाए गए नियमों तथा विनियमों या किसी कानूनी संशोधन या उनकी कानूनी अधिनियमिति के तहत अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), अन्य मध्यवर्तियों और निर्गमकर्ता के दायित्व और बाध्यताएँ किसी भी तरह से कम न हों या सीमित न हों:

**परंतु यह और कि** निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) संबंधी प्रक्रिया के मामले में, निर्गमकर्ता स्व-प्रमाणित (सेल्फ-सर्टिफाइड) सिंडिकेट बैंकों के साथ निर्गमकर्ता के डीमंड एग्रीमेंट (समझे गए करार) को ध्यान में रखेगा।

(6) निर्गमकर्ता, बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाए जाने वाले निर्गम के मामले में, सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) को और किसी अन्य निर्गम के मामले में, निर्गमन बैंकारों (बैंकर टू इश्यू) को केन्द्रों में उसी प्रकार नियुक्त करेगा, जैसा **अनुसूची-XII** में उल्लेख किया गया है।

(7) निर्गमकर्ता बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत उस निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू) को नियुक्त करेगा, जो सभी निक्षेपागारों से जुड़ा हुआ हो:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता स्वयं रजिस्ट्रार हो, तो वह स्वयं को निर्गम रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त नहीं करेगा:

**परंतु यह और कि** अग्रणी प्रबंधक उस निर्गम के रजिस्ट्रार के रूप में कार्य नहीं करेगा जिसमें वह निर्गम के पश्चात् की जिम्मेदारियाँ भी संभाल रहा हो।

(8) निर्गमकर्ता अनुपालन अधिकारी को नियुक्त करेगा, जो प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉ) के पालन पर निगरानी रखने और निवेशकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिम्मेदार होगा।

## **भाग-VI: प्रस्ताव दस्तावेजों में प्रकटीकरण और उन्हें दाखिल किया जाना**

### **प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण**

**245.** (1) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में वे सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण शामिल किए जाएंगे जो सही और पर्याप्त हों, ताकि आवेदक निवेश के संबंध में सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

(2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस, और प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित शामिल होंगे:

क) कंपनी अधिनियम, 2013 में उल्लिखित प्रकटीकरण; और

ख) **अनुसूची-VI** के **भाग-क** में उल्लिखित प्रकटीकरण।

(3) अग्रणी प्रबंधक पूरी तत्परता बरतेगा (बरतेंगे) और निर्गम के समस्त पहलुओं के मद्देनज़र अपनी संतुष्टि कर लेंगे, जिनके अंतर्गत प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों की सत्यता और पर्याप्तता शामिल है।

(4) अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता, उसके संप्रवर्तकों तथा उसके निदेशकों या 'विक्रय के लिए प्रस्ताव' के मामले में 'विक्रय करने वाले शेयरधारकों' से यह अपेक्षा करेगा (करेंगे) कि वे अपनी उन बाध्यताओं को पूरा करें, जो उनके द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गई हों और जैसा इन विनियमों के अनुसार अपेक्षित हो।

(5) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में दी हुई जानकारी और प्रस्ताव दस्तावेज में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों (रीस्टेटेड) के अनुसार विवरण निर्गम के खुलने की तारीख से छह महीनों से अधिक पुराने न हों।

### **प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया जाना**

**246.** (1) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किए जाने के तुरंत बाद, निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति बोर्ड के पास अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से दाखिल करेगा।

(2) बोर्ड प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में कोई अभिमत जारी नहीं करेगा।

(3) अग्रणी प्रबंधक बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज के साथ **अनुसूची-V** के **भाग-क** के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने (ड्यू डिलीजेंस) संबंधी प्रमाणपत्र (**अनुसूची-V** के **फॉर्म-छ** में दिए हुए अतिरिक्त पुष्टिकरणों सहित) प्रस्तुत करेगा (करेंगे)।

(4) प्रस्ताव दस्तावेज उप-विनियम (1) के अनुसार दाखिल किए जाने की तारीख से बोर्ड, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) तथा एसएमई एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर डाला जाएगा।

(5) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास सॉफ्ट कॉपी में भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

**प्रस्ताव दस्तावेज जनता को उपलब्ध कराया जाना**

**247.** (1) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्ताव दस्तावेज वेबसाइटों पर डाल दिए जाएँ, जैसा कि इन विनियमों के तहत अपेक्षित है और उनकी विषय-वस्तु वही हो जो कंपनी रजिस्ट्रार, बोर्ड तथा एसएमई एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास दाखिल किए गए प्रस्ताव दस्तावेजों में थी।

(2) जब कभी अनुरोध किया जाए, तब अग्रणी प्रबंधक और एसएमई एक्सचेंज जनता को प्रस्ताव दस्तावेज की प्रतियाँ उपलब्ध कराएँगे और इसकी प्रति उपलब्ध कराने के लिए वे उपयुक्त शुल्क ले सकते हैं।

**भाग-VII - कीमत-निर्धारण****इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य**

**248.** मूल्य दायरे या निर्गम कीमत के साथ-साथ इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य के बारे में प्रकटीकरण प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, प्रस्ताव दस्तावेज, विज्ञापनों और आवेदन फॉर्मों में एकसमान फॉण्ट के आकार में किया जाएगा।

**कीमत-निर्धारण**

**249.** (1) निर्गमकर्ता, यथास्थिति, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से या बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से इक्विटी शेयरों की कीमत, और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के मामले में कूपन दर तथा संपरिवर्तन कीमत (कन्वर्जन प्राइस) तय कर सकेगा।

(2) निर्गमकर्ता बही-निर्माण प्रक्रिया उसी प्रकार अपनाएँगे, जैसा **अनुसूची-XIII** में निर्धारित है।

**कीमत और मूल्य दायरा**

**250.** (1) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) में कीमत या मूल्य दायरे का तथा प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में) में निम्नतम कीमत (फ्लोर प्राइस) या मूल्य दायरे का उल्लेख कर सकेगा और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर करने से पहले बाद में किसी तारीख को कीमत तय कर सकेगा:

**परंतु यह कि** कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर किए गए प्रॉस्पेक्टस में, यथास्थिति, केवल एक कीमत या विशिष्ट कूपन दर का उल्लेख होगा।

(2) मूल्य दायरे, और संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के मामले में कूपन दर, पर उच्चतम सीमा निम्नतम कीमत के एक सौ बीस प्रतिशत से कम या के बराबर होगी।

(3) निम्नतम कीमत या अंतिम कीमत निर्धारित प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य से कम नहीं होगी।

(4) जहाँ निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा प्रकट न करने का विकल्प चुनता हो, वहाँ निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने से कम से कम दो कार्य-दिवसों पहले निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे की घोषणा, उन्हीं समाचारपत्रों में करेगा जिनमें निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी किया गया था या निर्गम से पूर्व जारी किए जाने वाले विज्ञापन के साथ उस फॉर्मेट में करेगा जो **अनुसूची-X** के भाग-क के अंतर्गत दिया हुआ है।

(5) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा के अंतर्गत मूल्य दायरे की ऊपरी तथा निचली सीमा दोनों के लिए निकाले गए सुसंगत वित्तीय अनुपात शामिल होंगे और ऐसा कथन भी शामिल होगा जो प्रस्ताव प्रस्तावेज में “निर्गम कीमत के आधार” से संबंधित शीर्षक वाले खंड की तरफ निवेशकों का ध्यान खींचे।

(6) उप-विनियम (4) में उल्लिखित घोषणा और उप-विनियम (5) में उल्लिखित सुसंगत वित्तीय अनुपात एसएमई एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर प्रकट किए जाएंगे और जो एसएमई एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने वाले आवेदन फॉर्मों में पहले से भरे हुए भी होंगे।

**अलग-अलग कीमतें**

**251.** (1) निर्गमकर्ता अलग-अलग कीमतों पर अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव ला सकेगा, बशर्ते कि:

(क) विनियम 254 के तहत किए गए आरक्षण के लिए छोटे व्यक्तिगत निवेशकों या छोटे व्यक्तिगत शेयरधारकों या हकदार कर्मचारियों के लिए ऐसी कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जा सकेगा, जो उस कीमत के 9/10वें हिस्से से ज्यादा कम नहीं होगा जिस पर एंकर निवेशकों को छोड़कर अन्य वर्गों के आवेदकों के लिए शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) लाया जाता हो।

- (ख) अलग-अलग कीमतें और जिस कीमत पर अन्य वर्गों के आवेदकों के लिए शुद्ध प्रस्ताव लाए जाने का प्रस्ताव हो, वे कीमतें इस प्रकार होंगी कि आवेदन का न्यूनतम लॉट आकार सभी आवेदकों के लिए एक-सा रहे।
- (ग) बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, एंकर निवेशकों के लिए जिस कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जाता है, वह कीमत अन्य आवेदकों के लिए लाए जाने वाले प्रस्ताव की कीमत से कम नहीं होगी।
- (2) छूट, यदि कोई हो, का उल्लेख प्रस्ताव दस्तावेज में रुपये में किया जाएगा।

### भाग-VIII: निर्गमन की शर्तें और प्रक्रिया

#### जनता के लिए न्यूनतम प्रस्ताव

**252.** जनता के लिए न्यूनतम प्रस्ताव प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खंड (ख) के प्रावधानों के अनुसार होगा।

#### शुद्ध प्रस्ताव में आबंटन

**253.** शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन:

- (क) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को पैंतीस प्रतिशत से कम नहीं होगा;
- (ख) गैर-संस्थागत निवेशकों को पंद्रह प्रतिशत से कम नहीं होगा;
- (ग) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, जिसमें से पाँच प्रतिशत का आबंटन पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) को किया जाएगा:

**परंतु यह कि** यदि खंड (क) या खंड (ख) में उल्लिखित वर्गों में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत आबंटन पूरा न हुआ हो, तो किसी अन्य वर्ग में आवेदकों को आबंटन किया जा सकेगा:

**परंतु यह और कि** खंड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अलावा, पारस्परिक निधियाँ अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए बाकी की उपलब्ध सीमा के तहत आबंटन के लिए पात्र होंगी।

**स्पष्टीकरण:** यदि छोटे व्यक्तिगत निवेशक संबंधी वर्ग अनुपातिक आधार पर आबंटित किए गए हिस्से से अधिक का हकदार हो, तो छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को उतने अधिक प्रतिशत का आबंटन कर दिया जाएगा।

#### प्रतियोगी आधार पर आरक्षण

**254.** (1) निर्गमकर्ता निर्गम के आकार (संप्रवर्तकों के अंशदान को छोड़कर) में से निम्नलिखित वर्गों के व्यक्तियों के पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण कर सकेगा:

- (क) कर्मचारी;
- (ख) सूचीबद्ध समनुषंगियों (सब्सिडियरी) या सूचीबद्ध संप्रवर्तक कंपनियों के शेयरधारक (संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह को छोड़कर):

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), रजिस्ट्रार, सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों तथा कर्मचारियों के लिए और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), रजिस्ट्रार तथा सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), की समूह या सहयुक्त कंपनियों (कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित) तथा उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों एवं कर्मचारियों के लिए कोई आरक्षण नहीं करेगा।

(2) प्रतियोगी आधार पर आरक्षण निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा:

- क) कर्मचारियों के लिए कुल आरक्षण निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे और किसी कर्मचारी को किए जाने वाले आबंटन का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगा:

**परंतु यह कि** यदि कर्मचारी के लिए आरक्षित हिस्से में अल्प-अभिदान (अंडर-सब्सक्रिप्शन) हो जाता है, तो ऐसे में जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो उतने हिस्से का आबंटन अनुपातिक आधार पर, दो लाख रुपये से अधिक के मूल्य के लिए, किया जा सकेगा, बशर्ते कि एक कर्मचारी को किया जाने वाला कुल आबंटन पाँच लाख रुपये से अधिक का न हो।

- ख) शेयरधारकों के लिए आरक्षण निर्गम के आकार के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;



- ग) शुद्ध प्रस्ताव में अभिदान (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) के लिए उन व्यक्तियों (कर्मचारी तथा छोटे व्यक्तिगत शेयरधारक को छोड़कर) द्वारा कोई और आवेदन नहीं किया जा सकता, जिनके पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण किया गया हो;
- घ) किसी आरक्षित वर्ग में जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो उतना हिस्सा किसी अन्य आरक्षित वर्ग (वर्गों) में जोड़ा जा सकेगा और यदि आरक्षित प्रवर्गों के बीच आपस में ऐसे समायोजनों के बाद भी जितने हिस्से का (यदि कोई हो) अभिदान न हो पाए तो उतने हिस्से को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में जोड़ दिया जाएगा;
- ङ) शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में अल्प-अभिदान के मामले में, जितना अल्प-अभिदान हुआ हो उतने हिस्से को आरक्षित वर्ग से शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव में डालने की अनुमति दे दी जाएगी।
- (3) किसी आरक्षित प्रवर्ग में आवेदन करने वाला कोई आवेदक कितनी भी संख्या में निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन कर सकेगा, किंतु जो उस प्रवर्ग के लिए आरक्षित हिस्से से अधिक न हो।

### संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस

**255.** (1) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में वे प्रकटीकरण किए जाएँगे, जिनका उल्लेख **अनुसूची-VIII** के **भाग-ड** में किया गया है और उसमें ऐसा कोई विषय शामिल नहीं होगा जो प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु के बाहर का हो।

(2) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वितरित किए जाने वाले प्रत्येक आवेदन फॉर्म के साथ संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की प्रति लगाई जाएगी।

### निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.)

**256.** निर्गमकर्ता केवल निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) की सुविधा का प्रयोग करके लगाई गई बोलियों (बिड्स) को ही स्वीकार करेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### निर्गम संबंधी सामग्री की उपलब्धता

**257.** अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि स्टॉक एक्सचेंजों, सिंडिकेट सदस्यों, निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू इश्यू), रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं (शेयर ट्रांसफर एजेंट), निक्षेपागार सहभागियों (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट), स्टॉक दलालों, हामीदारों (अंडरराइटर), निर्गमन बैंकारों (बैंकर टू इश्यू), निवेशक संघों तथा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को प्रस्ताव दस्तावेज तथा निर्गम संबंधी अन्य सामग्री निर्गम के खुलने से पहले उपलब्ध करा दी जाए।

### प्रोत्साहनों पर रोक

**258.** निर्गम के वितरण से जुड़ा कोई भी व्यक्ति आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आवेदन करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रोत्साहन की, चाहे नकद रूप में या वस्तु रूप में या सेवाओं में या किसी अन्य रूप में, किसी भी प्रकार (चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से) पेशकश नहीं करेगा, किंतु निर्गम के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं के लिए फीस या कमीशन अदा किया जा सकेगा।

### जमानती जमा (सिक्यूरिटी डिपॉजिट)

**259.** (1) निर्गमकर्ता, अभिदान (सब्सक्रिप्शन) सूची के खुलने से पहले, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास वह रकम जमा करेगा, जिसकी गणना जनता को अभिदान हेतु उपलब्ध निर्गम के आकार के एक प्रतिशत की दर से की जाएगी और जो बोर्ड और/या स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा निर्धारित तरीके से जमा की जाएगी।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित रकम उसी प्रकार लौटाई जाएगी या जब्त (समपहृत) की जाएगी, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### हामीदारी

**260.** (1) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव की शत-प्रतिशत हामीदारी कराई जाएगी और जो न्यूनतम अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के स्तर तक सीमित नहीं होगी।

(2) अग्रणी प्रबंधक अपनी ओर से निर्गम के आकार के कम से कम पंद्रह प्रतिशत की हामीदारी करेगा (करेंगे)।

(3) निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के अनुसार हामीदारों (अंडरराइटर्स) की नियुक्ति कर सकेगा और अग्रणी प्रबंधक नामनिर्दिष्ट निवेशकों के साथ ऐसा करार कर सकेगा (सकेंगे), जिसमें निर्धारित प्रतिभूतियों की वह संख्या दर्शाई जाए जिसके लिए वे अल्प-अभिदान होने की दशा में निर्गम कीमत पर अभिदान करने (पैसा लगाने) के लिए सहमत होते हों।

(4) अग्रणी प्रबंधक, निर्गम के खुलने से एक दिन पहले, बोर्ड के पास यह वचन प्रस्तुत करेगा (करेंगे) कि निर्गम की शत-प्रतिशत हामीदारी करा ली गई है, और साथ ही हामीदारों, नामित किए गए निवेशकों और उप-हामीदारों की सूची भी प्रस्तुत करेगा (करेंगे), जिसमें यह उल्लेख हो कि उनमें से प्रत्येक द्वारा कितनी हामीदारी की गई है या कितना अभिदान करने (पैसा लगाने) के लिए वे प्रतिबद्ध हैं।

(5) यदि हामीदारों में से कोई हामीदार अपनी हामीदारी संबंधी बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता हो या नामित किए गए निवेशक उतने हिस्से का अभिदान करने (पैसा लगाने) में असफल रहते हों, जितने हिस्से का अभिदान न हुआ हो, तो अग्रणी प्रबंधक हामीदारी संबंधी बाध्यताओं को पूरा करेगा (करेंगे)।

(6) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और नामित किए गए निवेशकों से भिन्न हामीदार / उप-हामीदार जिन्होंने अल्प-अभिदान के मामले में निर्गम में अभिदान करने (पैसा लगाने / सबस्क्रिप्शन करने) के लिए करार किया हुआ हो, इस संबंध में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के साथ किए गए अपने-अपने करारों के तहत अपनी बाध्यताओं को पूरा करने के सिवाय किसी भी प्रकार से इस अध्याय के तहत लागू किए गए निर्गम में अभिदान नहीं करेंगे (पैसा नहीं लगाएँगे)।

(7) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा हामीदारी तथा अभिदान के संबंध में की गई समस्त व्यवस्थाओं को प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा।

### बाजार निर्माण

**261.** (1) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) की तारीख से या विनियम 276 के अनुसार मुख्य-बोर्ड से स्थानांतरित होने की तारीख से तीन वर्षों की न्यूनतम अवधि तक निर्गमकर्ता द्वारा नियुक्त किए गए एसएमई एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के स्टॉक दलालों के माध्यम से अनिवार्य बाजार निर्माण उसी प्रकार किया जाता हो, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(2) बाजार निर्माता या निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, बाजार निर्माण की प्रक्रिया में निर्धारित प्रतिभूतियाँ प्राप्त करने या उन्हें सुपुर्द (डिलीवर) करने के लिए नामनिर्दिष्ट निवेशकों के साथ करार कर सकेगा, बशर्ते कि एसएमई एक्सचेंज से पहले मंजूरी ले ली जाए।

(3) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में बाजार निर्माण की व्यवस्था के ब्यौरे प्रकट करेगा।

(4) बाजार निर्माण की प्रक्रिया के अंतर्गत खरीदी या बेची जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियाँ उन नामित किए गए निवेशकों को या की ओर से अंतरित की जा सकेंगी जिनके साथ अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और निर्गमकर्ता (इश्युअर) ने बाजार निर्माण के लिए करार किया हो:

**परंतु यह कि** बाजार निर्माता की इन्वेंटरी, निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख तक, एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्ट) कराए जाने के लिए प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कम से कम पाँच प्रतिशत होगी।

(5) बाजार निर्माता निर्गमकर्ता के शेयरधारक की संपूर्ण शेयरधारिता एक लॉट में खरीदेगा, जहाँ ऐसी शेयरधारिता का मूल्य एसएमई एक्सचेंज में व्यापार (ट्रेडिंग) के लिए अनुमत संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) के न्यूनतम आकार से कम हो:

**परंतु यह कि** बाजार निर्माता एसएमई एक्सचेंज में व्यापार (ट्रेडिंग) के लिए अनुमत संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) के न्यूनतम आकार से कम लॉटों में नहीं बेचेगा।

(6) बाजार निर्माता निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह से संबंधित व्यक्तियों अथवा ऐसे किसी व्यक्ति से शेयर नहीं खरीदेगा जिसने बाजार निर्माण की अनिवार्य अवधि के दौरान ऐसे संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह से संबंधित व्यक्ति से शेयर अर्जित किए हों।

(7) संप्रवर्तकों की धारिता (हॉल्डिंग) बाजार निर्माण की अनिवार्य अवधि के दौरान बाजार निर्माता को प्रस्ताव किए जाने के लिए पात्र नहीं होगी:

**परंतु यह कि** संप्रवर्तकों की धारिता, जो इन विनियमों के अनुसार रुद्ध (लॉकड-इन) न हो, में व्यापार (ट्रेडिंग) एसएमई एक्सचेंज की पूर्व मंजूरी से उसी प्रकार किया जा सकता है, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(8) अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) [जिस पर (जिन पर) बाजार निर्माण की जिम्मेदारी हो] के बीच किए गए करार के अध्यक्षीन निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल में प्रतिनिधित्व कर सकेगा (सकेंगे)।

### **अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी**

**262.** (1) यदि निर्गम (इश्यू) का आकार [‘विक्रय करने वाले शेयरधारकों’ द्वारा लाए जाने वाले ‘विक्रय के लिए प्रस्ताव’ (ऑफर फॉर सेल) के आकार को छोड़कर] एक सौ करोड़ रुपये से अधिक हो जाता हो, तो निर्गमकर्ता (इश्युअर) निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) के उपयोग के लिए व्यवस्थाएँ करेगा, जिसका अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) लोक वित्तीय संस्था द्वारा या निर्गमकर्ता के बैंककारों के रूप में प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक द्वारा किया जाएगा:

**परंतु यह कि** इस खंड में दी हुई कोई भी बात बैंक या लोक वित्तीय संस्था या बीमा कंपनी द्वारा लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) के निर्गम (इश्यू) पर लागू नहीं होगी।

(2) अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी निर्गमकर्ता (इश्युअर) को अपनी रिपोर्ट **अनुसूची-XI** के अंतर्गत दिए हुए फॉर्मेट में तिमाही आधार पर तब तक प्रस्तुत करती रहेगी, जब तक निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रॉसीड्स) [उस पैसे (प्रॉसीड्स) को छोड़कर जो साधारण कारपोरेट प्रयोजनों हेतु जुटाया गया हो] के कम से कम पचानवे प्रतिशत का उपयोग न कर लिया जाए।

(3) निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल और प्रबंध-मंडल अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी के निष्कर्षों के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ देगा, जैसा **अनुसूची-XI** में निर्धारित है।

(4) निर्गमकर्ता (इश्युअर), प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पैंतालीस दिनों के भीतर, अनुश्रवण एजेंसी की रिपोर्ट अपने वेबसाइट पर अपलोड करके और साथ ही उसे उस स्टॉक एक्सचेंज (उन स्टॉक एक्सचेंजों) के पास प्रस्तुत करके सार्वजनिक रूप से प्रसारित करेगा, जहाँ उसके इक्विटी शेयर सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।

### **सार्वजनिक सूचनाएँ, प्रचार सामग्री, विज्ञापन और अनुसंधान रिपोर्टें**

**263.** समस्त सार्वजनिक सूचनाओं, प्रचार सामग्री, विज्ञापनों और अनुसंधान रिपोर्टों के संबंध में **अनुसूची-IX** के प्रावधानों का पालन किया जाएगा।

### **निर्गम से संबंधित विज्ञापन**

**264.** (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अध्यक्षीन, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर किए जाने के बाद, निर्गमकर्ता व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र, जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, में निर्गम से पूर्व दिया जाने वाला विज्ञापन देगा।

(2) निर्गम से पूर्व दिया जाने वाला विज्ञापन उस फॉर्मेट में होगा, और उसमें वे प्रकटीकरण किए जाएंगे, जैसा **अनुसूची-X** के **भाग-क** के अंतर्गत दिया हुआ है:

**परंतु यह कि** यदि निर्गमकर्ता विनियम 250 के उप-विनियम (4) के अनुसरण में निर्गम से पूर्व दिए जाने वाले विज्ञापन के साथ मूल्य दायरे या निम्नतम कीमत की घोषणा करने का विकल्प चुने, तो ऐसे विज्ञापन में केवल तभी मूल्य दायरे या निम्नतम कीमत या वित्तीय अनुपातों के संबंध में प्रकटीकरण किए जाएँगे।

(3) निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने और निर्गम के बंद होने से संबंधित विज्ञापन जारी कर सकेगा, जो **अनुसूची-X** के **भाग-ख** तथा **भाग-ग** के अंतर्गत दिए गए फॉर्मेटों के अनुसार होंगे।

(4) जिस अवधि के दौरान निर्गम अभिदान (पैसा लगाने / सविक्रय करने) के लिए खुला हो, उस अवधि के दौरान ऐसा कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा जिससे यह लगे कि निर्गम में पूरा अभिदान हो गया है या अति-अभिदान हो गया है या जिससे यह पता चले कि निवेशकों का निर्गम के प्रति रुझान कितना है।

(5) निर्गम के बंद होने संबंधी घोषणा केवल तभी की जाएगी जब अग्रणी प्रबंधक इस बात से संतुष्ट हो जाए (जाएँ) कि प्रस्ताव के कम से कम नब्बे प्रतिशत का अभिदान (सविक्रय) हो गया है और निर्गम रजिस्ट्रार से इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया गया है:

**परंतु यह कि** ऐसी घोषणा उस तारीख से पहले नहीं की जाएगी जिस तारीख को निर्गम बंद होना हो, किंतु ऐसी घोषणा इन विनियमों के अंतर्गत दिए हुए फॉर्मेट के अनुसार निर्गम के बंद होने के संबंध में जारी किए जाने वाले विज्ञापन में की जा सकती है।

### **निर्गम का खोला जाना**

**265.** निर्गम कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज को रजिस्टर किए जाने की तारीख से कम से कम तीन कार्य-दिवसों के पश्चात् खोला जाएगा।

### **अभिदान की अवधि**

**266. (1)** जब तक कि इन विनियमों में अन्यथा प्रावधान न किया गया हो, सार्वजनिक निर्गम कम से कम तीन कार्य दिवसों के लिए और अधिक से अधिक दस कार्य दिवसों के लिए खुला रखा जाएगा।

(2) मूल्य दायरे में बदलाव के मामले में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ाएगा।

(3) अनिवार्य बाध्यता, बैंक हड़ताल या ऐसी ही परिस्थितियों में, उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता, कारणों को लिखित में दर्ज करने के बाद, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस [बही निर्माण वाले निर्गम (बुक बिल्ट इश्यू) के मामले में] में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि या प्रॉस्पेक्टस [नियत कीमत वाले निर्गम (फिक्स्ड प्राइस इश्यू) के मामले में] में प्रकट की गई निर्गम की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ा सकेगा।

### **आवेदन तथा न्यूनतम आवेदन मूल्य**

**267. (1)** कोई भी व्यक्ति शुद्ध प्रस्ताव (नेट ऑफर) संबंधी वर्ग (श्रेणी) में उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन नहीं करेगा कि उनकी संख्या जनता को प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या से अधिक हो जाए:

**परंतु यह कि** गैर-संस्थागत निवेशकों द्वारा अधिकतम उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया जा सकता है, जो उस संख्या से अधिक न हो जो निर्गम के तहत प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या में से निर्गम के तहत अर्हित संस्थागत क्रेताओं को प्रस्तावित प्रतिभूतियों की संख्या को घटाकर निकाली गई हो।

(2) आवेदन का न्यूनतम आकार प्रति आवेदन एक लाख रुपये होगा।

(3) निर्गमकर्ता न्यूनतम आवेदन की रकम के गुणकों में आवेदन आमंत्रित करेगा, जिसका उदाहरण **अनुसूची-XIV** के भाग-ख में दिया गया है।

(4) आवेदन पर प्रत्येक निर्धारित प्रतिभूति हेतु न्यूनतम देय राशि निर्गम कीमत के पच्चीस प्रतिशत से कम नहीं होगी:

**परंतु यह कि** विक्रय के लिए प्रस्ताव के मामले में, प्रत्येक निर्धारित प्रतिभूति के लिए कुल निर्गम कीमत आवेदन पर देय होगी।

**स्पष्टीकरण:** इस विनियम के प्रयोजन के लिए, "न्यूनतम आवेदन मूल्य" निर्धारित प्रतिभूतियों की निर्गम कीमत के संदर्भ में होगा और न कि आवेदन पर देय रकम के संदर्भ में।

### **आबंटन प्रक्रिया और आबंटन का आधार**

**268. (1)** निर्गमकर्ता सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के अनुसरण में आबंटन नहीं करेगा यदि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटितियों की संख्या पचास से कम हो।

(2) निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों से अधिक कोई आबंटन नहीं करेगा, किंतु यदि अति-अभिदान हो गया हो तो वह नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से आबंटन करने के लिए पूर्णांकन करने के प्रयोजन से ऐसा कर सकेगा:

**परंतु यह कि** अति-अभिदान के मामले में, आबंटन, जो जनता को शुद्ध प्रस्ताव के एक प्रतिशत से अधिक न हो, न्यूनतम निश्चित संख्याओं (लॉटों) में आबंटन करने के प्रयोजनार्थ किया जा सकेगा।

(3) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों और एंकर निवेशकों से भिन्न आवेदकों को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन निवेशक के विशिष्ट वर्गों के भीतर आनुपातिक आधार पर किया जाएगा और आबंटित प्रतिभूतियों की संख्या को निकटतम पूर्णांक तक पूर्णांकित किया जाएगा, इसके अध्यक्षीन कि न्यूनतम आबंटन न्यूनतम आवेदन आकार (जैसा निर्गमकर्ता द्वारा निर्धारित जाए तथा प्रकट जाए) के बराबर हो:

**परंतु यह कि** विनियम 254 के उप-विनियम (1) के खंड (क) या उप-विनियम (2) के खंड (क) के तहत आरक्षण के अनुसरण में किसी व्यक्ति (कर्मचारियों के मामले को छोड़कर) को आबंटित निर्धारित प्रतिभूतियों का मूल्य, छोटे निवेशकों के लिए दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

(4) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के प्राधिकृत कर्मचारियों के साथ-साथ अग्रणी प्रबंधक तथा निर्गम रजिस्ट्रार यह सुनिश्चित करेंगे कि आबंटन के आधार को **अनुसूची-XIV के भाग-क** में दी हुई आबंटन प्रक्रिया के अनुसार निष्पक्षता से तथा सही ढंग से अंतिम रूप दिया जाता है।

#### **आबंटन करना, पैसा लौटाना और ब्याज अदा करना**

**269.** (1) निर्गम रजिस्ट्रार, निर्गमकर्ता (इश्युअर) और अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) के परामर्श से, यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी अवधि के भीतर, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए, निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन हो जाता है और / या आवेदन की रकम लौटा दी जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक कर दिया जाता है।

(2) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि आबंटन (अलॉटमेंट) करना, गैर-कागज़ी (डीमैट) प्रतिभूतियों (सिक्कूरिटीज़) को खाते में जमा (क्रेडिट) करना, पैसा लौटाना (रिफंड करना) या आवेदन की रकम को अनब्लॉक करना, जो भी लागू हो, यह सब कुछ इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाता है।

(3) जहाँ ऊपर उप-विनियम (1) में निर्धारित की गई अवधि के भीतर निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन नहीं किया जाता है और / या आवेदन की रकम नहीं लौटाई जाती है या आवेदन की रकम को अनब्लॉक नहीं किया जाता है, वहाँ निर्गमकर्ता (इश्युअर) निवेशकों को प्रंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और ऐसे समय के भीतर ब्याज अदा करने का वचन देगा जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया हो, और अग्रणी प्रबंधक इस बात को सुनिश्चित करेगा (करेंगे)।

#### **निर्गम के पश्चात् के विज्ञापन**

**270.** (1) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि अभिदान, आबंटन के आधार, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) सहित सभी आवेदनों की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन सहित सभी आवेदनों हेतु सफल आबंटितियों (अलॉट्टीज़) की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, धनवापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा होने की तारीख, जो लागू हो, रजिस्ट्रार द्वारा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को दिए गए अनुदेश, निर्धारित प्रतिभूतियाँ खाते में जमा कराए जाने (क्रेडिट किए जाने) की तारीख तथा सूचीबद्धता (लिस्टिंग) हेतु आवेदन दाखिल किए जाने की तारीख, आदि से संबंधित ब्यौरे देते हुए विज्ञापन, व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में जारी किया जाता है जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत (पंजीकृत) कार्यालय स्थित हो।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित ब्यौरे स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर भी डाले जाएँगे।

#### **निर्गम के पश्चात् अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारियाँ**

**271.** (1) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की जिम्मेदारी निर्गम संबंधी प्रक्रिया पूरी होने तक तो रहेगी ही, बल्कि उसके बाद भी निर्गम से संबंधित किसी मामले के संबंध में बनी रहेगी।

(2) अग्रणी प्रबंधक निर्गम संबंधी किन्हीं क्रियाकलापों से संबंधित निवेशक शिकायतों के निवारण पर लगातार नज़र रखेगा (रखेंगे)।

(3) अग्रणी प्रबंधक निर्गम के बंद होने के बाद नियमित अंतरालों में निर्गम रजिस्ट्रारों और विभिन्न मध्यवर्तियों से समवन्य करेगा (करेंगे) और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) या बैंक की संग्रहणकर्ता शाखाओं और/या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर, आवेदनों (जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के लिए आवेदन फॉर्म शामिल हैं) के संबंध में की जा रही कार्यवाही पर और दूसरे मामलों पर तब तक नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होंगे, जब तक आबंटन के आधार को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, आबंटितियों के डीमैट खाते में निर्धारित प्रतिभूतियाँ जमा नहीं कर दी जातीं तथा निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों को अनब्लॉक नहीं कर दिया जाता / धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों का प्रेषण पूरा नहीं कर लिया जाता और प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जातीं, जो भी लागू हो।

(4) यदि अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को किसी मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) की ओर से किसी ऐसी त्रुटि का पता चलता है जो उनके कुछ करने या न करने की वजह से हुई हो, तो वे विधिवत रूप से उसकी रिपोर्ट बोर्ड को देंगे।

(5) यदि हामीदारों पर न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) हुआ हो, तो अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि हामीदारों की बाध्यता से युक्त न्यागमन की सूचना निर्गम के बंद होने की तारीख से दस दिनों की अवधि के भीतर जारी की जाती है।

(6) जिन अल्प-अभिदत्त निर्गमों (जिसमें कम अभिदान हुआ हो) के संबंध में हामीदारी की जाती हो, उन निर्गमों के मामले में, अग्रणी प्रबंधक बोर्ड को, अनुसूची-XVIII में दिए हुए फॉर्मेट में, उन हामीदारों (अंडरराइटर्स) की जानकारी देगा (देंगे) जो अपनी हामीदारी पूरी करने में असफल रहे हों।

### अभिदान की रकम को निर्मुक्त (रिलीज़) किया जाना

**272.** (1) अग्रणी प्रबंधक सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मिली मंजूरीयों की प्रतियों के माध्यम से, निर्गमन बैंककारों (बैंकर्स टू द इश्यू) को यह पुष्टि करेगा कि निर्गम के संबंध में सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं और यह कि बैंककार (बैंकर) निर्गमकर्ता को पैसा सौंप सकता है या निर्गम के असफल होने की दशा में पैसा लौटाने (रिफंड करने) हेतु पैसा निर्मुक्त (रिलीज़) कर सकता है।

(2) यदि निर्गमकर्ता (इश्युअर) उन स्टॉक एक्सचेंजों से, जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों, सूचीबद्धता (लिस्टिंग) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के संबंध में मंजूरी प्राप्त करने में असफल रहता हो, तो वह स्टॉक एक्सचेंजों से निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता हेतु किए गए आवेदन को नामंजूर किए जाने की सूचना प्राप्त होने की तारीख से सात दिनों के भीतर, प्राप्त हुई पूरी रकम, ऐसे माध्यमों के जरिए लौटा देगा (रिफंड कर देगा), जिनकी पुष्टि की जा सकती हो, और यदि इस प्रकार कोई पैसा उस तारीख के बाद से आठ दिनों के भीतर नहीं लौटाया जाता जिस तारीख से निर्गमकर्ता उसे लौटाने हेतु दायी हुआ हो, तो निर्गमकर्ता और कंपनी का प्रत्येक निदेशक (जो चूककर्ता अधिकारी हो), आठवें दिन से ही, संयुक्त रूप से और पृथक् रूप से, वह पैसा लौटाने (प्रतिवर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से ब्याज के साथ) के दायी होंगे।

(3) अग्रणी प्रबंधक यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गम की बाबत प्राप्त पैसा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 40 (3) (यथा लागू) के प्रावधानों का पालन करते हुए निर्गमकर्ता को सौंप दिया जाता है।

### निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें

**273.** अग्रणी प्रबंधक अनुसूची-XVII के भाग-क में यथा-निर्धारित 'निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट' के साथ-साथ अनुसूची-V के भाग-च में निर्धारित फॉर्मेट के अनुसार पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलीजेंस सर्टिफिकेट), आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिए जाने की तारीख से सात दिनों के भीतर या निर्गम के असफल होने के मामले में पैसा लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) से सात दिनों के भीतर, प्रस्तुत करेगा।

### संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह द्वारा किए गए लेनदेनों की सूचना (रिपोर्टिंग)

**274.** निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) या प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) को दाखिल किए जाने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तक समूह द्वारा प्रतिभूतियों में किए गए समस्त लेनदेनों की सूचना (रिपोर्ट) स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे लेनदेनों से चौबीस घंटों के भीतर, दी जाएगी।

### सूचीबद्धता (लिस्टिंग)

**275.** जहाँ कोई सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) इस अध्याय के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित प्रतिभूतियाँ जारी (निर्गमित) करता हो, वहाँ वह किसी (किन्हीं) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में पहले ही से सूचीबद्ध निर्धारित प्रतिभूतियाँ एसएमई एक्सचेंज में स्थानांतरित (माइग्रेट) करेगा।

### एसएमई एक्सचेंज में स्थानांतरण (माइग्रेशन)

**276.** जिस सूचीबद्ध निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी पच्चीस करोड़ रुपये से कम हो, वह अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ एसएमई एक्सचेंज में स्थानांतरित कर सकेगा, यदि उसके शेयरधारक डाक मतपत्र के माध्यम से इस आशय का विशेष संकल्प पारित करके ऐसे स्थानांतरण को मंजूरी प्रदान कर दें और यदि ऐसा निर्गमकर्ता एसएमई एक्सचेंज द्वारा निर्धारित किए गए सूचीबद्धता संबंधी पात्रता मानदंडों को पूरा करता हो:

**परंतु यह कि** विशेष संकल्प पर तभी कार्रवाई की जाएगी यदि और केवल यदि प्रस्ताव के पक्ष में संप्रवर्तकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या प्रस्ताव के खिलाफ संप्रवर्तक शेयरधारकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या की कम से कम दो गुनी हो।

**मुख्य-बोर्ड में स्थानांतरण**

**277.** जिस निर्गमकर्ता की निर्धारित प्रतिभूतियाँ एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों और जिसकी निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी दस करोड़ रुपये से अधिक तथा पच्चीस करोड़ रुपये तक हो, वह अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ स्टॉक एक्सचेंजों के मुख्य-बोर्ड में स्थानांतरित कर सकेगा, यदि उसके शेयरधारक डाक मतपत्र के माध्यम से इस आशय का विशेष संकल्प पारित करते हुए ऐसे स्थानांतरण को मंजूरी प्रदान कर दें और यदि ऐसा निर्गमकर्ता मुख्य-बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए सूचीबद्धता संबंधी पात्रता मानदंड को पूरा कर दे:

**परंतु यह कि** विशेष संकल्प पर तभी कार्रवाई की जाएगी यदि और केवल यदि प्रस्ताव के पक्ष में संप्रवर्तकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या प्रस्ताव के खिलाफ संप्रवर्तक शेयरधारकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या के कम से कम दो गुणी हो।

**भाग-IX: विविध****बाद वाले पूंजी निर्गमों संबंधी पाबंदी**

**278.** निर्गमकर्ता (इश्युअर), प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख तथा प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या आवेदन रकम को लौटाए जाने (रिफंड किए जाने) की तारीख के बीच की अवधि के दौरान, किसी भी प्रकार से निर्धारित प्रतिभूतियों का कोई बाद वाला निर्गम नहीं लाएगा, फिर चाहे वह सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) हो, साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) हो, अधिमानी निर्गम (प्रेफरेंशियल इश्यू) हो, अर्हित संस्था नियोजन (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल प्लेसमेंट) हो, बोनस शेयरों का निर्गम हो या कुछ और हो, जब तक कि निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या या ऐसे बाद वाले निर्गम से जुटाए जाने हेतु प्रस्तावित रकम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण, यथास्थिति, ऐसे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज में न कर दिए जाएँ, किंतु कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम (एंप्लॉई स्टॉक ऑप्शन स्कीम) के अनुसरण में ऐसा किया जा सकता है।

**ग्रीन शू विकल्प के माध्यम से कीमत स्थिरीकरण**

**279. (1)** निर्गमकर्ता (इश्युअर) अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के बाद की कीमत के स्थिरीकरण के लिए ग्रीन शू विकल्प दे सकेगा, बशर्ते कि:

- (क) निर्गमकर्ता को, शेयरधारकों की साधारण बैठक में सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) को मंजूरी प्रदान करने के संबंध में संकल्प पारित करके इस बात के लिए प्राधिकृत किया गया हो कि वह स्थिरीकरण की अवधि समाप्त हो जाने पर, यदि जरूरी लगे तो, स्थिरीकरण एजेंट को निर्धारित प्रतिभूतियाँ आबंटित कर सकता है;
- (ख) निर्गमकर्ता ने किसी अग्रणी प्रबंधक को स्थिरीकरण एजेंट के रूप में नियुक्त किया हो, जो कीमत की स्थिरीकरण प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार हो;
- (ग) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल करने से पहले, निर्गमकर्ता (इश्युअर) और स्थिरीकरण एजेंट ने करार कर लिया हो, जिसके अंतर्गत ग्रीन शू विकल्प से संबंधित सभी शर्तों आदि का उल्लेख हो, जिनमें स्थिरीकरण एजेंट द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए ली जाने वाली फीस तथा किए जाने वाले खर्चों का भी उल्लेख हो;
- (घ) प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पहले, स्थिरीकरण एजेंट ने संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों या दोनों के साथ इस उप-विनियम के खंड (छ) के अनुसार उनसे निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार लेने के संबंध में करार कर लिया हो, साथ ही उसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की अधिकतम संख्या का भी उल्लेख हो जिन्हें निर्गम के आकार से अधिक संख्या में निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन (यहाँ आगे "अति-आबंटन" के रूप में उल्लिखित) के प्रयोजन से उधार लिया जा सकेगा, किंतु यह संख्या निर्गम के आकार के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी;
- (ङ) खंड (घ) के अध्यक्षीन, अग्रणी प्रबंधक, स्थिरीकरण एजेंट के परामर्श से, सार्वजनिक निर्गम में अति-आबंटित की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों की मात्रा को तय करेगा;
- (च) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में ग्रीन शू विकल्प के बारे में उन समस्त महत्वपूर्ण प्रकटीकरणों (डिस्क्लोजर्स) को शामिल किया जाएगा जिनका उल्लेख इस संबंध में **अनुसूची-VI के भाग-क** में किया गया है;

- (छ) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक और बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में पाँच प्रतिशत से अधिक निर्धारित प्रतिभूतियाँ धारण करने वाले निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक, प्रस्तावित अति-आबंटन की सीमा तक निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार दे सकेंगे;
- (ज) उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ गैरकागजी (डीमैट) रूप में होंगी और इन प्रतिभूतियों का आबंटन सभी सफल आवेदकों को आनुपातिक रूप में किया जाएगा।
- (2) निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के पश्चात् की कीमत के स्थिरीकरण के प्रयोजन से, स्थिरीकरण एजेंट संबंधित पहलू तय करेगा जिनमें शामिल हैं - ऐसी प्रतिभूतियों को कब खरीदा जाए, कितना खरीदा जाए तथा किस कीमत पर ऐसी प्रतिभूतियों को बाजार से खरीदा जाए।
- (3) स्थिरीकरण की प्रक्रिया उस अवधि के लिए उपलब्ध रहेगी जो उस तारीख से तीस दिनों से अधिक न हो जिस तारीख को सार्वजनिक निर्गम में आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा व्यापार की अनुमति दी जाती हो।
- (4) स्थिरीकरण एजेंट अति-आबंटन की बाबत आवेदकों से प्राप्त पैसा जमा करने के लिए बैंक में एक विशेष खाता (जो निर्गम संबंधी खाते से भिन्न हो) खोलेगा, और विशेष बैंक खाते में जमा पैसे से स्थिरीकरण की अवधि के दौरान बाजार से खरीदी जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों को जमा करने के लिए निक्षेपागार सहभागी (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट) के यहाँ एक विशेष खाता खोलेगा।
- (5) बाजार से खरीदी गई और निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए विशेष खाते में जमा निर्धारित प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों को तुरंत, किंतु किसी भी दशा में स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने से दो कार्य-दिवसों के भीतर ही, लौटा दी जाएँगी।
- (6) स्थिरीकरण की अवधि समाप्त हो जाने पर, यदि स्थिरीकरण एजेंट बाजार से उतनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ न खरीद पाया हो जितनी प्रतिभूतियों का अति-आबंटन हुआ हो, तो जितनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ कम पड़ रही हों उतनी निर्धारित प्रतिभूतियों को निर्गमकर्ता गैर-कागजी (डीमैट) रूप में निर्गम कीमत (इश्यू प्राइस) पर, स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने की तारीख से पाँच दिनों के भीतर, निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए विशेष खाते में आबंटित करेगा, और स्थिरीकरण एजेंट द्वारा संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों से उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियों की एवज में, उन्हें ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ लौटा दी जाएँगी और उसके बाद निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खोले गए खाते को बंद कर दिया जाएगा।
- (7) निर्गमकर्ता उप-विनियम (6) के तहत आबंटित अतिरिक्त निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत, उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के लिए आवेदन करेगा जहाँ सार्वजनिक निर्गम में आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों और अध्याय-VII के प्रावधान ऐसे आबंटन पर लागू नहीं होंगे।
- (8) स्थिरीकरण एजेंट उप-विनियम (6) के तहत आबंटित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों की बाबत पैसा निर्गमकर्ता को विशेष बैंक खाते में से देगा।
- (9) उप-विनियम (8) के तहत निर्गमकर्ता को पैसा दिए जाने और स्थिरीकरण की प्रक्रिया के लिए स्थिरीकरण एजेंट द्वारा किए गए खर्चों की कटौती करने के पश्चात् विशेष बैंक खाते में पड़ा पैसा बोर्ड द्वारा बनाई गई 'निवेशक संरक्षण और शिक्षण निधि' में अंतरित (ट्रांसफर) कर दिया जाएगा और उसके बाद विशेष बैंक खाते को जल्दी बंद कर दिया जाएगा।
- (10) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण की अवधि के दौरान दैनिक आधार पर स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट और **अनुसूची-XV** में निर्धारित किए गए फॉर्मेट में बोर्ड को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- (11) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण की अवधि समाप्त होने की तारीख से कम से कम तीन वर्षों की अवधि तक रजिस्टर बनाए रखेगा और ऐसे रजिस्टर में निम्नलिखित विवरण शामिल होंगे :
- (क) उन संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों के नाम जिनसे निर्धारित प्रतिभूतियाँ उधार ली गई थीं और उनमें से प्रत्येक से उधार ली गई निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या;
- (ख) स्थिरीकरण की प्रक्रिया के दौरान हुए प्रत्येक लेनदेन (ट्रांजैक्शन) के संबंध में कीमत, तारीख तथा समय; और
- (ग) स्थिरीकरण की प्रक्रिया समाप्त होने पर निर्गमकर्ता द्वारा किए गए आबंटन के ब्यौरे।



**निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के अधिकारों में परिवर्तन**

**280.** (1) निर्गमकर्ता निर्धारित प्रतिभूतियों की शर्तों आदि [निर्गम (इश्यू) की शर्तों आदि सहित] में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं करेगा, जो उन निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करे, किंतु वह उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के कम से कम तीन-चौथाई धारकों की लिखित रूप में सहमति लेकर या उस वर्ग की निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों की बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से मंजूरी लेकर ऐसा कर सकता है।

(2) जहाँ एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी साधिकार निर्गम, अधिमानी निर्गम, बोनस निर्गम आदि के रूप में निर्गमकर्ता द्वारा पूंजी का कोई बाद वाला निर्गम लाने के परिणामस्वरूप पच्चीस करोड़ रुपये से अधिक हो जाने की संभावना हो, वहाँ निर्गमकर्ता एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ मुख्य-बोर्ड में स्थानांतरित करेगा और जारी (निर्गमित) किए जाने के लिए प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों को मुख्य-बोर्ड पर सूचीबद्ध कराने की मांग करेगा, बशर्ते कि मुख्य-बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के संबंध में निर्धारित किए गए पात्रता मानदंडों को पूरा किया जाए:

**परंतु यह कि** निर्गमकर्ता द्वारा तब तक पूंजी का कोई बाद वाला निर्गम नहीं लाया जाएगा, जब तक कि -

- क) निर्गमकर्ता के शेयरधारकों ने डाक मतपत्र के माध्यम से विशेष संकल्प पारित करते हुए स्थानांतरण को मंजूरी प्रदान न कर दिया हो, जिसके अंतर्गत प्रस्ताव के पक्ष में संप्रवर्तकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या प्रस्ताव के खिलाफ संप्रवर्तक शेयरधारकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या के कम से कम दो गुणी हो;
- ख) निर्गमकर्ता मुख्य-बोर्ड पर अपनी समस्त निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए मुख्य-बोर्ड से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त न कर ले।

**बाद वाले निर्गम**

**281.** साधिकार निर्गम, या बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव या अधिमानी निर्गम या बोनस निर्गम आदि के रूप में पूंजी का कोई बाद वाला निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता (जो एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो) इन विनियमों में दी हुई लागू अपेक्षाओं का पालन करके ऐसा कर सकेगा।

**अध्याय-X – संस्थागत व्यापारिक प्लेटफॉर्म (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म)****भाग-I: लागू होना**

**282.** (1) इस अध्याय के प्रावधान उन निर्गमकर्ताओं के प्रति लागू होंगे, जो आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के अनुसरण में अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्ट) कराना चाहते हों या जो सार्वजनिक प्रस्ताव (पब्लिक ऑफर) लाए बिना ही स्टॉक एक्सचेंज में केवल व्यापार (ट्रेडिंग) के लिए अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराना चाहते हों।

(2) इन विनियमों के प्रावधान, उन विषयों की बाबत जिनके संबंध में इस अध्याय के तहत स्पष्ट रूप से उल्लेख न किया गया हो या जिन्हें इस अध्याय के दायरे से बाहर रखा गया हो, *यथावश्यक परिवर्तन सहित* इस अध्याय के तहत निर्धारित प्रतिभूतियों की किसी सूचीबद्धता (लिस्टिंग) या के किसी व्यापार (ट्रेडिंग) के प्रति लागू होंगे:

**परंतु यह कि** निम्नलिखित प्रावधान लागू नहीं होंगे:

- (क) साधारण कारपोरेट प्रयोजनों की रकम पर पाबंदियों से संबंधित विनियम 7 का उप-विनियम (2) नहीं होगा; और
- (ख) पात्रता अपेक्षाओं से संबंधित विनियम 6 का उप-विनियम (1) एवं (2) नहीं होंगे।

(3) संस्थागत व्यापारिक प्लेटफॉर्म (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म) तक केवल संस्थागत निवेशक (इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर) और गैर-संस्थागत निवेशक (नॉन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर) पहुँच रख सकेंगे, किंतु उस तक छोटे व्यक्तिगत निवेशक पहुँच नहीं रख सकेंगे।

**पात्रता**

**283.** (1) निम्नलिखित निर्गमकर्ता (इश्युअर) संस्थागत व्यापारिक प्लेटफॉर्म (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म) पर सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के लिए पात्र होंगे:

- (क) ऐसा निर्गमकर्ता जो उत्पादों (प्रोडक्ट्स), सेवाओं या कारबार के प्लेटफॉर्म (बिजनेस प्लेटफॉर्म) को बेहतरीन रूप में प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी), सूचना प्रौद्योगिकी (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी), बौद्धिक संपदा (इन्टेलेक्चुअल

प्रॉपर्टी), डाटा एनालिटिक्स, बायो-टेक्नोलॉजी या नैनो-टेक्नोलॉजी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करता हो, और उसकी निर्गम से पूर्व की पूँजी का कम से कम पच्चीस प्रतिशत, बोर्ड के पास, यथास्थिति, प्रारूप सूचना दस्तावेज (ड्राफ्ट इन्फॉर्मेशन डॉक्यूमेंट) या प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) दाखिल किए जाने की तारीख तक, अर्हित संस्थागत क्रेता (क्रेताओं) (क्वॉलिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर) के पास हो; या

(ख) ऐसा कोई अन्य निर्गमकर्ता, जिसमें निर्गम से पूर्व की पूँजी का कम से कम पचास प्रतिशत, बोर्ड के पास, यथास्थिति, प्रारूप सूचना दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख तक, अर्हित संस्थागत क्रेताओं के पास हो।

(2) कोई भी व्यक्ति, अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, उप-विनियम (1) में उल्लिखित एंटीटी में निर्गम के पश्चात् की शेयर पूँजी का पच्चीस प्रतिशत या उससे अधिक धारण नहीं करेगा (नहीं रखेगा)।

(3) निर्गमकर्ता संस्थागत व्यापारिक प्लेटफार्म (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफार्म) पर सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के लिए पात्र होगा, यदि निर्गमकर्ता कंपनी के संप्रवर्तकों या निदेशकों में से कोई भी संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी न हो।

## भाग-II: सार्वजनिक निर्गम लाए बिना सूचीबद्धता (लिस्टिंग)

### सार्वजनिक निर्गम लाए बिना सूचीबद्धता

**284.** (1) सार्वजनिक प्रस्ताव लाए बिना अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता चाहने वाला निर्गमकर्ता, इन विनियमों के अनुसार बोर्ड के पास प्रारूप सूचना दस्तावेज (ड्राफ्ट इन्फॉर्मेशन डॉक्यूमेंट) आवश्यक दस्तावेजों के साथ और उस फीस के साथ दाखिल करेगा जिसका उल्लेख इन विनियमों की **अनुसूची-III** में किया गया हो।

(2) प्रारूप सूचना दस्तावेज के अंतर्गत इन विनियमों में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेजों (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) के संबंध में निर्धारित किए गए वे प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किए जाएंगे जिनका उल्लेख **अनुसूची-VI** के **भाग-क** में किया गया हो।

(3) निम्नलिखित से संबंधित विनियम लागू नहीं होंगे, जिनके संबंध में उल्लेख मुख्य-बोर्ड (मेन बोर्ड) पर आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव से संबंधित अध्याय में किया गया है:

(क) आबंटन (अलॉटमेंट) से संबंधित;

(ख) निर्गम (इश्यू) के खुलने या बंद होने से संबंधित;

(ग) विज्ञापनों से संबंधित;

(घ) हामीदारी से संबंधित;

(ङ) विनियम 5 का उप-विनियम (2);

(च) कीमत-निर्धारण (प्राइसिंग) से संबंधित;

(छ) निर्गम (इश्यू) संबंधी सामग्री के प्रेषण से संबंधित; और

(ज) जनता के लिए लाए जाने वाले निर्धारित प्रतिभूतियों के प्रस्ताव से संबंधित ऐसे अन्य प्रावधान।

(4) निर्गमकर्ता उन स्टॉक एक्सचेंजों से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त करेगा जहाँ उसका अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराने का प्रस्ताव हो।

(5) निर्गमकर्ता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों को:

क) बोर्ड द्वारा अभिमत जारी किए जाने की तारीख से; या

ख) यदि बोर्ड ने ऐसे कोई अभिमत जारी न किए हों, तो विनियम 25 के उप-विनियम (4) में निर्धारित अवधि की समाप्ति से;

तीस दिनों के भीतर सूचीबद्ध कराएगा।

(6) जिस निर्गमकर्ता को अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराने के लिए स्टॉक एक्सचेंज से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त हो गई हो, उस निर्गमकर्ता के बारे में यह समझा जाएगा कि उसे संस्थागत व्यापारिक प्लेटफार्म (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफार्म) पर सूचीबद्धता के सीमित प्रयोजन हेतु प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खंड (ख)

के प्रावधानों के अनुसार जनता के लिए लाए जाने वाले न्यूनतम प्रस्ताव की अपेक्षा से, नियम 19 के उप-नियम (7) के तहत बोर्ड द्वारा छूट प्रदान कर दी गई है।

(7) न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता से संबंधित प्रावधान लागू नहीं होंगे।

(8) प्रारूप और अंतिम सूचना दस्तावेज को निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा मंजूर किया जाएगा और जिस पर सभी निदेशकों, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर), अर्थात्, कंपनी अधिनियम, 2013 के अर्थ के भीतर प्रबंध निदेशक या प्रबंधक और मुख्य वित्तीय अधिकारी (चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर), अर्थात्, पूर्णकालिक वित्त निदेशक (होलटाइम फाइनेंस डायरेक्टर) या ऐसे किसी अन्य व्यक्ति के हस्ताक्षर होंगे जो वित्त-संबंधी कार्य का प्रमुख हो तथा उस कार्य का निर्वहन कर रहा हो।

(9) हस्ताक्षरकर्ता यह भी प्रमाणित करेंगे कि सूचना दस्तावेज में किए गए सभी प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) सत्य और सही हैं।

(10) सूचना दस्तावेज में गलतबयानी या उसके अंतर्गत किसी लोप के मामले में, ऐसा कोई व्यक्ति अधिनियम और उसके तहत बनाए गए विनियमों के प्रावधानों के अनुसार दायी होगा, जिसके प्राधिकार से सूचना दस्तावेज जारी किया गया हो।

**स्पष्टीकरण:** इस भाग के तहत, शब्द 'निर्गम से पूर्व' और 'निर्गम के पश्चात्', जहाँ कहीं भी वे आते हों, को क्रमशः 'सूचीबद्धता से पूर्व' और 'सूचीबद्धता के पश्चात्' समझा जाएगा।

### भाग-III: आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के अनुसरण में सूचीबद्धता (लिस्टिंग)

#### प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण

**285.** (1) अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों का निर्गमन (इश्यू) और उनकी सूचीबद्धता (लिस्टिंग) चाहने वाला निर्गमकर्ता, इन विनियमों के अनुसार बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्रफ्ट ऑफर डाक्यूमेंट), आवश्यक दस्तावेजों के साथ और उस फीस के साथ दाखिल करेगा जो इन विनियमों की **अनुसूची-III** निर्धारित की गई हो।

(2) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गम (इश्यू) के व्यापक उद्देश्य प्रकट किए जाएंगे।

(3) निर्गम कीमत (इश्यू प्राइस) के आधार में, अनुमानों (प्रोजेक्शन) को छोड़कर, वे प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) शामिल किए जाएंगे, जैसा निर्गमकर्ता (इश्युअर) ठीक समझे, ताकि निवेशक सोच-समझकर निर्णय ले सकें और प्रकटीकरणों में मूल्यांकन के आधार का ठीक प्रकार से उल्लेख होगा।

#### आवेदन का न्यूनतम आकार

**286.** आवेदन का न्यूनतम आकार दस लाख रुपये का होगा।

#### आबंटन

**287.** (1) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में आबंटितियों (अलॉटी) की संख्या कम से कम दो सौ होगी।

(2) जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी वर्ग में आबंटन निम्नानुसार होगा:

(क) संस्थागत निवेशकों को पचहत्तर प्रतिशत:

**परंतु यह कि** एंकर निवेशकों के लिए अलग से कोई भी आबंटन नहीं किया जाएगा;

(ख) गैर-संस्थागत निवेशकों को पच्चीस प्रतिशत।

(3) संस्थागत निवेशकों को आबंटन विवेक के आधार पर या आनुपातिक आधार पर किया जा सकेगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों को आबंटन आनुपातिक आधार पर किया जाएगा।

(4) संस्थागत निवेशकों को आबंटन करने के तरीके (अर्थात्, विवेक के आधार पर या आनुपातिक आधार पर) को, प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने से पहले या दाखिल करते समय प्रकट किया जाएगा।

(5) संस्थागत निवेशकों को विवेक के आधार पर आबंटन करने के मामले में, किसी भी संस्थागत निवेशक को निर्गम के आकार के दस प्रतिशत से अधिक आबंटित नहीं किया जाएगा।

(6) गैर-संस्थागत निवेशक संबंधी वर्ग में यदि कोई अल्प-अभिदान (अंडर-सब्सक्रिप्शन) होता हो, तो जितने हिस्से का अल्प-अभिदान हुआ हो (पैसा न लगाया गया हो) उतना हिस्सा संस्थागत निवेशकों संबंधी वर्ग के अंतर्गत अभिदान करने (पैसा लगाने / सब्सक्रिप्शन करने) के लिए उपलब्ध रहेगा।

#### भाग-IV: सामान्य शर्तें

##### अवरुद्धता (लॉक-इन)

**288.** (1) शेयरधारकों की निर्गम से पूर्व की पूरी पूँजी सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के अनुसरण में सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के मामले में आबंटन की तारीख से या सार्वजनिक निर्गम लाए बिना सूचीबद्धता के मामले में सूचीबद्धता की तारीख से छह महीनों की अवधि तक रुद्ध (लॉकड-इन) रहेगी:

**परंतु यह कि** इस विनियम में दी हुई कोई भी बात:

क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव से पहले निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के तहत कर्मचारियों (चाहे वे वर्तमान में कर्मचारी हो या न हों) को आबंटित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी, यदि निर्गमकर्ता ने **अनुसूची-VI** के भाग क के अनुसार ऐसे विकल्पों या स्कीम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण कर दिए हों;

ख) कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अनुसार, कर्मचारी स्टॉक विकल्प न्यास (ऑप्शन ट्रस्ट) द्वारा धारित या कर्मचारियों (चाहे वे वर्तमान में कर्मचारी हो या न हों) द्वारा विकल्पों का प्रयोग किए जाने के अनुसरण में कर्मचारी स्टॉक विकल्प न्यास द्वारा कर्मचारियों को अंतरित (ट्रांसफर) किए गए इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी:

**परंतु यह कि** कर्मचारियों को आबंटित किए गए इक्विटी शेयर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी फायदे) विनियम, 2014 [सेबी (शेयर बेस्ड एम्प्लॉई बेनिफिट्स) रेग्यूलेशन, 2014] में यथा-निर्धारित अवरुद्धता (लॉक-इन) के प्रावधानों के अध्वधीन होंगे।

ग) जोखिम पूँजी निधि या आनुकल्पिक निवेश निधि (प्रवर्ग-I की) या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक द्वारा धारित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी:

**परंतु यह कि** ऐसे इक्विटी शेयर जोखिम पूँजी निधि या आनुकल्पिक निवेश निधि या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक द्वारा खरीद की तारीख से कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) रहेंगे।

घ) सार्वजनिक निर्गम लाए बिना सूचीबद्धता के मामले में सूचीबद्धता की तारीख से कम से कम एक वर्ष पहले की अवधि तक लगातार, संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी:

**स्पष्टीकरण:** खंड (ग) और (घ) के प्रयोजनार्थ, यदि ऐसे इक्विटी शेयर पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में संपरिवर्तित हुए हों, तो ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को और साथ ही संपरिवर्तित इक्विटी शेयरों को धारण करने की अवधि पर एक साथ, एक वर्ष की अवधि की गणना करने के प्रयोजनार्थ, विचार किया जाएगा और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को पूर्णतः समादत्त समझा जाएगा, यदि उनके संबंध में अदा किया जाने वाला पूरा प्रतिफल अदा कर दिया गया हो तथा कोई और प्रतिफल उनके संपरिवर्तन के समय देय न हो।

(2) संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा रुद्ध (लॉकड-इन) निर्धारित प्रतिभूतियों को किसी अनुसूचित वाणिज्यिक (कमर्शियल) बैंक या लोक वित्तीय संस्था के पास, संपार्श्विक प्रतिभूति (कोलैटरल सिक्यूरिटी) के रूप में ऐसे बैंक या संस्था या प्रणालीगत रूप से (सिस्टमिकली) महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा दिए गए ऋण (लोन) हेतु गिरवी रखा जा सकेगा, यदि निर्धारित प्रतिभूतियों को गिरवी रखना ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक हो।

(3) जो निर्धारित प्रतिभूतियाँ रुद्ध (लॉकड-इन) हों, उन निर्धारित प्रतिभूतियों का अंतरण (को ट्रांसफर) इन विनियमों के विनियम 288 के अनुसार किया जा सकेगा।

(4) विवेक के आधार पर आबंटित की गई सभी निर्धारित प्रतिभूतियों को स्टॉक एक्सचेंज के मुख्य-बोर्ड (मेन बोर्ड) में एंकर निवेशकों के लिए अवरुद्धता (लॉक-इन) संबंधी अपेक्षाओं के अनुसार रुद्ध (लॉक-इन) किया जाएगा, जैसा **अनुसूची-XIII** के भाग-क में उल्लेख किया गया है।

##### व्यापारिक लॉट (ट्रेडिंग लॉट)

**289.** स्टॉक एक्सचेंज में न्यूनतम व्यापारिक लॉट (ट्रेडिंग लॉट) दस लाख रुपये का होगा।

**उन निर्गमकर्ताओं का निकास (एग्जिट), जिनकी प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेडिंग) सार्वजनिक प्रस्ताव लाए बिना हो रहा हो**

**290.** जिस निर्गमकर्ता की निर्धारित प्रतिभूतियों में सार्वजनिक निर्गम लाए बिना संस्थागत व्यापारिक (ट्रेडिंग) प्लेटफॉर्म पर व्यापार (सौदेबाजी / ट्रेडिंग) हो रहा हो, वह निर्गमकर्ता उस प्लेटफॉर्म से निकास (एग्जिट) कर सकेगा, यदि -

क) उसके शेयरधारक डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) के माध्यम से विशेष संकल्प पारित करके ऐसे निकास (एग्जिट) को मंजूरी प्रदान कर देते हों जहाँ कुल मतों में से नब्बे प्रतिशत मत और गैर-संप्रवर्तकों के बहुसंख्यक मत ऐसे प्रस्ताव के पक्ष में डाले गए हों; और

ख) वह मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज ऐसे निकास को मंजूरी प्रदान कर देता हो, जहाँ उसके शेयर सूचीबद्ध हों।

**स्टॉक एक्सचेंज द्वारा मंजूरी को वापस लिया जाना**

**291.** (1) सूचीबद्धता (लिस्टिंग) की शर्तों का पालन न किए जाने पर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज सार्वजनिक निर्गम लाए बिना सूचीबद्ध निर्गमकर्ता की निर्धारित प्रतिभूतियों को उसी प्रकार असूचीबद्ध (डीलिस्ट) कर सकेगा, जैसा स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित किया जाए।

(2) उप-विनियम (1) के तहत असूचीबद्ध एंटिटी के संप्रवर्तकों और निदेशकों द्वारा संप्रवर्तित किसी भी निर्गमकर्ता को, ऐसी असूचीबद्धता की तारीख से पाँच वर्षों की अवधि तक संस्थागत व्यापारिक प्लेटफॉर्म (इंस्टिट्यूशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म) पर सूचीबद्धता की अनुमति नहीं दी जाएगी:

**परंतु यह कि** इस विनियम के प्रावधान ऐसे असूचीबद्ध निर्गमकर्ता के किन्हीं स्वतंत्र निदेशकों द्वारा संप्रवर्तित किसी दूसरे निर्गमकर्ता पर लागू नहीं होंगे।

**मुख्य-बोर्ड (मेन बोर्ड) में स्थानांतरण (माइग्रेशन)**

**292.** जिस निर्गमकर्ता ने अपनी निर्धारित प्रतिभूतियाँ मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कराई हों, वह निर्गमकर्ता सूचीबद्धता (लिस्टिंग) की तारीख से तीन वर्षों की समाप्ति के पश्चात् उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के मुख्य-बोर्ड (मेन बोर्ड) पर स्थानांतरित (माइग्रेट) होने का विकल्प चुन सकेगा, बशर्ते कि स्टॉक एक्सचेंज की पात्रता अपेक्षाओं का पालन किया जाए।

## **अध्याय-XI – बोनस निर्गम**

**बोनस निर्गम संबंधी शर्तें**

**293.** कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों या किसी अन्य लागू कानूनी प्रावधान के अध्यक्षीन, सूचीबद्ध निर्गमकर्ता अपने सदस्यों को बोनस शेयर निर्गमित (जारी) करने का पात्र होगा, यदि:

क) वह अपने संगम-अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) के अनुसार बोनस शेयर निर्गमित (जारी) करने, आरक्षितियों (रिज़र्व्स) का पूँजीकरण करने, आदि के लिए प्राधिकृत हो:

**परंतु यह कि** यदि संगम-अनुच्छेद में ऐसा कोई प्रावधान न हो, तो निर्गमकर्ता आरक्षिति (रिज़र्व्स) का पूँजीकरण करने के संबंध में संगम-अनुच्छेद में प्रावधान करने के लिए अपने साधारण निकाय की बैठक में संकल्प पारित करेगा;

ख) उसने मीयादी जमाओं (फिक्स्ड डिपॉजिट) या स्वयं द्वारा जारी की गई ऋण प्रतिभूतियों के संबंध में ब्याज या मूलधन अदा करने में चूक न की हो;

ग) उसने कर्मचारियों को कानूनी प्रावधानों के तहत अदा की जाने वाली रकम [जैसे भविष्य निधि के प्रति अंशदान, उपदान (ग्रेच्यूटी) और बोनस] अदा करने के संबंध में चूक न की हो;

घ) बोनस शेयरों का आवंटन किए जाने की तारीख तक किन्हीं बकाया अंशतः संदत्त शेयरों को पूर्णतः समादत्त (पेड-अप) बना दिया गया हो।

ङ) उसका कोई संप्रवर्तक या निदेशक भगोड़ा आर्थिक अपराधी न हो।

**बोनस निर्गम के संबंध में पाबंदियाँ**

**294.** (1) निर्गमकर्ता इक्विटी शेयरों का बोनस निर्गम तभी लाएगा, जब उसने उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों का आरक्षण बकाया अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों, यदि कोई हों, के धारकों के पक्ष में, उनके संपरिवर्तनीय हिस्से के अनुपात में, किया

हो। निर्गमकर्ता इक्विटी शेयरों का बोनस निर्गम केवल तभी लाएगा जब उसने बकाया अनिवार्यतः ऋण लिखतों (यदि कोई हों) के धारकों के पक्ष में, उसके संपरिवर्तनीय हिस्से के अनुपात में, उस वर्ग की इक्विटी शेयरों का आरक्षण किया हुआ हो।

(2) पूर्णतः या अंशतः अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के लिए इस प्रकार आरक्षित इक्विटी शेयर ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के समय ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों या वारंटों के धारक को, यथास्थिति, ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों, वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय लिखतों, वारंटों उन्हीं शर्तों आदि पर और उसी अनुपात में जारी (निर्गमित) किए जाएंगे, जिन शर्तों आदि पर और जिस अनुपात में बोनस शेयर जारी (निर्गमित) किए गए थे।

(3) बोनस निर्गम केवल खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स), प्रतिभूति प्रीमियम खाते (सिक्यूरिटीज़ प्रीमियम अकाउंट) या पूँजी मोचन आरक्षिति खाते (कैपिटल रिडेंप्शन रिज़र्व अकाउंट) में से ही लाया जाएगा और जो वास्तविक मुनाफों या नकद रूप में जमा किए गए प्रतिभूतियों के प्रीमियम से ही बनेगा तथा इस प्रयोजनार्थ अचल आस्तियों (फिक्स्ड असेट्स) के पुनर्मूल्यांकन द्वारा सृजित आरक्षितियों (रिज़र्व्स) का पूँजीकरण नहीं किया जाएगा।

(4) उप-विनियम (3) के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोनस शेयर लाभांशों की एवज में जारी (निर्गमित) नहीं किए जाएंगे।

### बोनस निर्गम का पूरा होना

**295.** (1) जो निर्गमकर्ता अपने निदेशक मंडल की मंजूरी के पश्चात् बोनस निर्गम की घोषणा करता हो और जिसके लिए बोनस निर्गम लाने हेतु मुनाफों या आरक्षितियों का पूँजीकरण करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेना जरूरी नहीं हो, वह अपने निदेशक मंडल से निर्गम की मंजूरी मिलने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर बोनस निर्गम ला सकेगा:

**परंतु यह कि** जहाँ निर्गमकर्ता के लिए बोनस निर्गम लाने हेतु मुनाफों या आरक्षितियों (रिज़र्व्स) का पूँजीकरण करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेना जरूरी हो, वहाँ बोनस निर्गम निदेशक मंडल की उस बैठक की तारीख से दो महीनों के भीतर लाया जा सकेगा, जिस बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अध्यक्षीन बोनस निर्गम की घोषणा करने का निर्णय लिया गया हो।

**स्पष्टीकरण:** बोनस निर्गम को उस तारीख से “लाया गया” माना जाएगा जिस तारीख को व्यापार (ट्रेडिंग) शुरू होता हो।

(2) एक बार बोनस निर्गम की घोषणा करने के बाद, उसे वापस नहीं लिया जाएगा।

### अध्याय-XII - विविध

#### बोर्ड द्वारा निदेश

**296.** अधिनियम की धारा 11, 11क, 11ख, 11घ, धारा 12 की उप-धारा (3), अध्याय-VIक और धारा 24 के तहत शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड या तो *स्वप्रेरणा से* या सूचना मिलने पर या किसी निरीक्षण, जाँच या अन्वेषण (इन्वेस्टिगेशन) के पूरा होने का या उसके दौरान, निवेशकों या प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में, ऐसे निदेश या आदेश जारी कर सकेगा, जो भी वह उचित समझे, जिनमें निम्नलिखित में से कोई एक या सभी शामिल हैं:

क) संबंधित व्यक्तियों को किसी निश्चित अवधि के लिए प्रतिभूति बाजार में पहुँच न रखने का निदेश;

ख) संबंधित व्यक्ति को प्रतिभूतियाँ बेचने आदि का निदेश;

ग) कोई अन्य निदेश, जो भी बोर्ड मामले की परिस्थितियों के मद्देनज़र उपयुक्त और उचित समझे:

**परंतु यह कि** बोर्ड, या तो ऐसा निदेश या आदेश जारी करने से पहले या के बाद, संबंधित व्यक्ति को सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करेगा:

**परंतु यह और कि** यदि कोई अंतरिम निदेश या आदेश जारी करना जरूरी हो, तो बोर्ड संबंधित व्यक्ति को निर्णय के पश्चात् सुनवाई का अवसर प्रदान कर सकेगा।

#### अधिनियम, नियमों या विनियमों के उल्लंघन के लिए दायित्व

**297.** (1) सूचीबद्ध (लिस्टेड) निर्गमकर्ता या उसका कोई अन्य व्यक्ति, जो इन विनियमों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता हो, प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉज़) के अनुसार कार्रवाई के लिए तो दायी होगा ही, साथ ही उसके खिलाफ, संबंधित स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा भी निम्नलिखित कार्रवाइयाँ की जा सकेंगी, उसी प्रकार जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए:

- (क) जुर्माने लगाना;
- (ख) व्यापार (ट्रेडिंग) को निलंबित करना;
- (ग) संप्रवर्तक (प्रमोटर)/संप्रवर्तक समूह (प्रमोटर ग्रुप), जैसा लागू हो, की निर्धारित प्रतिभूतियों (डिसिग्रेटेड सिक्यूरिटीज़) की धारिता (होलिंग) पर, निक्षेपागारों (डिपॉज़िटरीज़) के समन्वय से, रोक लगाना (फ्रीज़ करना);
- (घ) कोई अन्य कार्रवाई, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।
- (2) उप-विनियम (1) के खंड (ख) तथा खंड (ग) के अनुसार की गई कार्रवाइयों को उसी प्रकार वापस लिया जाएगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

### जुर्माना अदा करने में असफलता

**298.** यदि सूचीबद्ध (लिस्टिड) निर्गमकर्ता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा उस पर लगाया गया कोई जुर्माना, समय-समय पर यथा-निर्धारित अवधि के भीतर, अदा करने में असफल रहता है, तो स्टॉक एक्सचेंज, लिखित में नोटिस देने के पश्चात्, ऐसे स्टॉक एक्सचेंज की उप-विधियों (बाय-लॉज़) के अनुसार कार्रवाई शुरू कर सकेगा।

### कठिनाई को दूर करने की शक्ति

**299.** इन विनियमों के लागू होने या इनकी व्याख्या के संबंध में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड लिखित रूप में कारणों को दर्ज करने के पश्चात् मार्गदर्शन टिप्पणों (गाइडेन्स नोट्स) या परिपत्रों (सर्कुलर्स) के माध्यम से स्पष्टीकरण जारी कर सकेगा।

### विनियमों के कड़ाई से लागू होने के संबंध में ढील देने की शक्ति

**300.** (1) बोर्ड, निवेशकों के हित में या प्रतिभूति बाजार के विकास के लिए, इन विनियमों की किसी अपेक्षा के कड़ाई से लागू होने के संबंध में ढील दे सकेगा, यदि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि:

- क) वह अपेक्षा प्रक्रिया-संबंधी अपेक्षा जैसी है; या
- ख) प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) संबंधी कोई अपेक्षा किसी अमुक वर्ग के उद्योग (इंडस्ट्री) या निर्गमकर्ता के लिए आवश्यक नहीं है; या
- ग) पालन ऐसे कारणों से नहीं हो पाया जो निर्गमकर्ता के नियंत्रण से परे थे।

(2) उप-विनियम (1) के तहत किसी अपेक्षा को में ढील दिए जाने हेतु, बोर्ड के पास एक आवेदन दाखिल किया जाएगा, जिसमें उन व्यौरों का और उन आधारों का उल्लेख होगा जिनके आधार पर इस प्रकार ढील दिए जाने की मांग की गई हो।

(3) उप-विनियम (2) के तहत उल्लिखित आवेदन के साथ एक लाख रुपये की अप्रतिदेय (लौटाई न जाने वाली) फीस लगाई जाएगी, जो बैंक खाते में एनईएफटी / आरटीजीएस / आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत किसी अन्य माध्यम से या बोर्ड के पक्ष में लिखे गए मांग ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) [जो मुंबई में देय हो] के माध्यम से अदा की जाएगी।

### निरसन और व्यावृत्तियाँ

**301.** (1) इन विनियमों के प्रारंभ से ही, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 विखंडित हो जाएंगे।

(2) ऐसा विखंडन हो जाने पर भी:

- क) उक्त विनियमों की बाबत की गई किसी बात या की गई किसी कार्रवाई अथवा किए जाने के लिए तात्पर्यित किसी बात या किसी कार्रवाई, जिसमें किसी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के बारे में दिया गया अभिमत, प्रारंभ की गई कोई जाँच या अन्वेषण अथवा जारी की गई कारण बताओ सूचना शामिल है, के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत की गई है।
- ख) उक्त विनियमों के तहत बोर्ड के पास दाखिल किया गया कोई प्रस्ताव दस्तावेज (चाहे प्रारूप हो या कोई अन्य) या किया गया कोई आवेदन, और जो बोर्ड के समक्ष लंबित हो, के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत किया गया है या दाखिल किया गया है।

अनुसूची-I - अग्रणी प्रबंधकों (लीड मैनेजर्स) के दायित्वों का परस्पर आबंधन

**[विनियम 23(2), 69(2), 121(2), 184(2) और 245(2) देखें]**

- (1) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) एक सूची तैयार करेगा (करेंगे), जिसमें यह उल्लेख होगा कि निर्गम (इश्यू) से संबंधित प्रत्येक क्रियाकलाप की जिम्मेदारी किसे सौंपी गई है, क्रियाकलापों या उप-क्रियाकलापों के प्रत्येक सेट के लिए जिम्मेदार अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) के नाम का उल्लेख होगा, और जिसका प्रकटीकरण वह (वे) प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में करेगा (करेंगे)।
- (2) जब परिस्थितियों के अनुसार किसी विशिष्ट क्रियाकलाप के लिए अग्रणी प्रबंधकों की संयुक्त और अलग-अलग जिम्मेदारी की जरूरत हो, तब अग्रणी प्रबंधकों में से नामनिर्दिष्ट एक समन्वयक (इसमें इसके पश्चात् 'नामनिर्दिष्ट अग्रणी प्रबंधक' के रूप में निर्दिष्ट) बोर्ड को, जब भी माँगी जाए, ऐसे क्रियाकलाप से संबंधित मामलों पर जानकारी, रिपोर्ट, तर्काधार, इत्यादि प्रस्तुत करेगा।
- (3) क्रियाकलापों या उप-क्रियाकलापों को निम्नानुसार समूहबद्ध किया जा सकेगा:
  - (क) ऋण और इक्विटी की संघटना, लिखतों का प्रकार, इत्यादि जैसे संबंधित घटकों और औपचारिकताओं सहित पूँजी संरचना।
  - (ख) प्रस्ताव दस्तावेज, आवेदन फॉर्म और संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस का और विज्ञापन अथवा प्रचार सामग्री जिनमें समाचारपत्र विज्ञापन शामिल हैं का प्रारूप और डिजाइन तैयार करना।
  - (ग) निर्गम (इश्यू) से जुड़े विभिन्न मध्यवर्तियों / एजेंसियों, जैसे निर्गम रजिस्ट्रार, मुद्रक (प्रिंटर), विज्ञापन एजेंसियों, निर्गमन बैंककारों (बैंकर टू दी इश्यू), अनुसूची-XII के अनुसार संग्रहण केंद्रों (क्लेक्शन सेंटर), आदि का चुनाव करना।
  - (घ) निर्गम (इश्यू) का विपणन (मार्केटिंग), जिसमें, *अन्य बातों के साथ* शामिल है - विपणन (मार्केटिंग) संबंधी नीतियाँ बनाना, प्रचार संबंधी बजट तैयार करना, (i) मीडिया (ii) मीडिया, स्टॉक दलालों, विनिधानकर्ताओं आदि के सम्मेलन आयोजित करने के लिए केंद्रों (iii) निर्गम दलालों, और (iv) हामीदारों के चयन की व्यवस्था करना, तथा हामीदारी संबंधी इंतजाम करना, प्रचार एवं निर्गम (इश्यू) संबंधी सामग्री (जिनमें प्रस्ताव दस्तावेज, आवेदन फॉर्म और संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस शामिल हैं) की मात्रा निर्धारित करना और उनका वितरण करना।
  - (ङ) निर्गम के बाद के क्रियाकलापों, जिनमें निर्गम बैंककारों तथा स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से अभिदान संबंधी अनुमान शीघ्र प्राप्त करने के लिए अनुवर्ती कार्रवाई करना तथा निर्गमकर्ता को निर्गम बंद करने के संबंध में सलाह देना, एक से अधिक आवेदनों की छँटाई के बाद आबंधन के आधार को अंतिम रूप देना, लिखतों की सूचीबद्धता, प्रमाणपत्र प्रेषण या गैरकागजी जमा और धनराशि लौटाना / रुद्धता हटाना तथा निर्गम के पश्चात् किये जाने वाले क्रियाकलाप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों जैसे निर्गम रजिस्ट्रार, निर्गम बैंकार, स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंक और हामीदारों के साथ समन्वयन।
- (4) नामनिर्दिष्ट अग्रणी प्रबंधक की यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी कि इन विनियमों तथा कंपनी रजिस्ट्रार, बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा विनिर्दिष्ट अन्य अपेक्षाओं तथा औपचारिकताओं का पालन हो।
- (5) नामनिर्दिष्ट अग्रणी प्रबंधक की यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी कि सभी मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) अपनी बाध्यताओं को पूरा करें और निर्गमकर्ता (इश्युअर) के साथ हुए अपने करारों में निर्धारित कार्यों को पूरा करें।
- (6) किसी निर्गम में अल्प-अभिदान होने के मामले में, हामीदारी इंतजाम के लिए जिम्मेदार अग्रणी प्रबंधक की जिम्मेदारी होगी कि वह हामीदारी बाध्यताओं का सहारा ले और यह सुनिश्चित करे कि हामीदारों की बाध्यताओं से युक्त न्यागमन (डिवाँल्वमेण्ट) के लिए सूचना इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार जारी की जाती है।

**अनुसूची-II - अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और निर्गमकर्ता (इश्युअर) के बीच किए जाने वाले करार की विषय-वस्तु**

**[विनियम 23(5), 69(5), 71(2), 121(5), 184 (1) और 245(5) देखें]**

निर्गमकर्ता (इश्युअर) और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच किए जाने वाले करार में विभिन्न खंड (क्लॉज़) हो सकते हैं, जो निर्गम (इश्यू) के संबंध में उनके आपसी संबंध को नियंत्रित करेंगे, जिनमें शामिल हैं:



- (1) निर्गमकर्ता द्वारा अभ्यावेदन जिसके जरिए निम्नलिखित मामलों से संबंधित अभ्यावेदन शामिल किए जाएंगे:
  - क) इन विनियमों के तहत सभी कानूनी औपचारिकताओं, कंपनी अधिनियम, 1956 (कंपनीज़ एक्ट, 1956) और / या कंपनी अधिनियम, 2013 (कंपनीज़ एक्ट, 2013), जो भी लागू हो, और बोर्ड द्वारा जारी कर गई अन्य शर्तों, अनुदेशों और सलाहों तथा निर्गम (इश्यू) से संबंधित अन्य संबद्ध कानूनों का पालन।
  - ख) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) और प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में किए गए सभी कथन सभी पहलुओं से पूर्ण होंगे और सत्य एवं सही होंगे।
- (2) निर्गमकर्ता द्वारा किए गए प्रसंविदाओं में निम्नलिखित मामलों के संबंध में की गई प्रसंविदाएँ शामिल हैं:
  - क) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी और किसी भी परिस्थिति में, निर्गमकर्ता (इश्युअर) ऐसी कोई जानकारी नहीं देगा या ऐसी कोई जानकारी रोक कर नहीं रखेगा, जिससे निवेशकों के गुमराह होने की आशंका हो।
  - ख) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को सभी दस्तावेज दिए जाएँगे, ताकि वह (वे) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) में दी गई जानकारी की संपुष्टि कर सके (सकें)।
  - ग) निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को सभी आवश्यक सुविधाएँ मुहैया करवाई जाएँगी, ताकि वह निर्गम (इश्यू) से संबंधित किसी भी मामले पर सालिसिटरी या कानूनी सलाहकारों, लेखापरीक्षकों, परामर्शदाताओं, निर्गम (इश्यू) के सलाहकारों, लोक वित्तीय संस्थाओं, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों या किसी अन्य संगठन और निर्गम (इश्यू) से संबंधित किसी अन्य मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) से संपर्क कर सके (सकें)।
  - घ) उन कानूनी अपेक्षाओं के ब्यौरे और विवरण, निर्गम से पूर्व जिनका पालन किया जाना जरूरी है।
- (3) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गम के संबंध में जारी किए गए सभी विज्ञापन इन विनियमों और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा समय-समय पर दिए गए अनुदेशों के अनुरूप हों और यह कि यह किसी सार्वजनिक सूचना या प्रसार सामग्री में कोई भ्रामक या गलत कथन नहीं करेगा। निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों, निदेशकों, निर्गमकर्ता के सम्यक् रूप से प्राधिकृत कर्मचारियों या प्रतिनिधियों के साक्षात्कार, निर्गमकर्ता या इसके संप्रवर्तकों के बारे में वृत्तचित्र, निर्गमकर्ता द्वारा जारी आवधिक रिपोर्टें और प्रेस विज्ञप्तियाँ अथवा निर्गमकर्ता, निर्गम से संबद्ध किसी मध्यवर्ती या उनके सहयुक्तों द्वारा तैयार की गयी अनुसंधान रिपोर्टें, या कोई प्रेस सम्मेलन, स्टॉक दलालों अथवा निवेशकों के सम्मेलन भी इन विनियमों के अनुरूप होंगे।
- (4) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की अनुमति पहले से ही लेने के बाद ही, निर्गमकर्ता स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को छोड़कर अन्य मध्यवर्तियों और निर्गम (इश्यू) से जुड़े अन्य व्यक्तियों की नियुक्ति करेगा।
- (5) निर्गमकर्ता, जब कभी अपेक्षित हो और जहाँ कहीं लागू हो, अग्रणी प्रबंधक के परामर्श से, निर्गम से सहयुक्त मध्यवर्तियों के साथ करार करेगा, जिसमें उनके परस्पर अधिकार, जिम्मेदारियों और बाध्यताओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख होगा। ऐसे करार की प्रमाणित प्रति अग्रणी प्रबंधक को प्रस्तुत की जाएगी।
- (6) निर्गमकर्ता ऐसे कदम उठाएगा जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि तय समय के भीतर आबंटन का कार्य पूरा हो जाए और आबंटन-पत्र / डीमैट खातों में जमा करवाए जाने संबंधी पत्र और पैसा लौटाने संबंधी आदेश / पैसों पर से रूद्धता हटाए जाने संबंधी पत्र आवेदकों को भेज दिए जाए।
- (7) निर्गमकर्ता हामीदारों, स्टॉक दलालों, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्तियों, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) आदि के साथ किये गये करार में विनिर्दिष्ट समय के भीतर या उचित समय के भीतर फीस, हामीदारी कमीशन और दलाली का भुगतान करने के लिए कदम उठायेगा।
- (8) निर्गमकर्ता निर्गम के संबंध में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा अपेक्षित ऐसी जानकारी और ब्यौरे प्रस्तुत करने का वचन देता है जो उन्हें निर्गम के बारे में बोर्ड के पास रिपोर्ट दाखिल करने में समर्थ बनाये या जिसे वे अपने वेबसाइट पर डाल सकें।
- (9) यदि निर्गमकर्ता को संचार प्रणाली के विस्थापन के कारण किसी समस्या का या किन्हीं अन्य महत्वपूर्ण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जिससे निर्गमकर्ता द्वारा आबंटन, प्रमाणपत्रों के प्रेषण, गैरकागजी जमा,

धनवापसी / पैसों पर से रूद्धता हटाने, शेयर / डिबेंचर प्रमाणपत्र, आदि के संबंध में इसकी बाध्यताओं, चाहे कानूनी हो या संविदागत, के पालन में रुकावट आने की संभावना हो या रुकावट आ गई हो, तो निर्गमकर्ता अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को इसकी सूचना देगा।

- (10) निर्गमकर्ता ऐसे किसी मामले के बारे में किन्हीं कानूनी कार्यवाहियों का आश्रय नहीं लेगा जो निर्गम से संबंधित हो, सिवाय उन मामलों के जिनमें अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से परामर्श की गई हो और उनसे सलाह प्राप्त हुई हो।
- (11) निर्गमकर्ता आवेदकों का धन लौटायेगा / के पैसों पर से रूद्धता हटाएगा यदि किसी भी कारण से ऐसा करना अपेक्षित हो, जैसे सूचीबद्धता अनुज्ञा प्राप्त करने में असफल रहने से या बोर्ड के किसी निदेश या आदेश के अधीन है। निर्गमकर्ता अपेक्षित व्याज का भुगतान करेगा, यदि ऐसा करना विधियों या बोर्ड के निदेश अथवा आदेश के अधीन है।
- (12) करार में इस बात का उल्लेख होगा कि निर्गमकर्ता के संदर्भ में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के प्रस्ताव (ऑफर) से संबंधित कौन-कौन से अधिकार होंगे।
- (13) करार में इस बात का उल्लेख होगा कि करार भंग किए जाने का आधार क्या होगा और उसे भंग करने के परिणाम क्या होंगे।

अनुसूची-III - प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज (ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट) / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) या प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के साथ अदा की जाने वाली फीस

[विनियम 25(1), 25(6), 71(1), 71(6), 100(1), 123(1), 123(6), 156(1), 186(5), 220(1), 287(1) और 288(1) देखें]

- (1) प्रत्येक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में, तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) के मामले में प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में और प्रारूप प्रस्ताव-पत्र के संबंध में, और साथ ही किसी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को अद्यतन किए जाने के मामले में भी, नीचे उल्लिखित दरों पर बोर्ड को फीस अदा की जाएगी।
- (2) बोर्ड के बैंक खाते में एनईएफटी / आरटीजीएस / आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमत अन्य किसी माध्यम से या 'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड' के पक्ष में लिखे गए ऐसे मांग ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) के माध्यम से पहले से ही फीस अदा की जाएगी जो अनुसूची-IV के अनुसार बोर्ड के कार्यालय स्थान पर जहाँ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज या अद्यतन किया हुआ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, दाखिल है, पर देय हो।

**(क) सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू):**

निर्गम का आकार, अति-अभिदान के आशयित प्रतिधारण सहित	फीस की राशि / दर
दस करोड़ रुपये से कम या के बराबर	एक लाख रुपये (₹1,00,000/-) का सपाट प्रभार
दस करोड़ रुपये से अधिक, किंतु पाँच हजार करोड़ रुपये से कम या के बराबर	निर्गम आकार का 0.1 प्रतिशत
पाँच हजार करोड़ रुपये से अधिक	पाँच करोड़ रुपये (₹5,00,00,000/-) और पाँच हजार करोड़ रुपये (5000,00,00,000/-रु.) से अधिक निर्गम आकार के हिस्से का 0.025 प्रतिशत।

**(ख) साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू):**

निर्गम का आकार, अति-अभिदान के आशयित प्रतिधारण सहित	फीस की राशि / दर
दस करोड़ रुपये से कम या के बराबर	पचास हजार रुपये (₹50,000/-) का सपाट प्रभार
दस करोड़ रुपये से अधिक	निर्गम आकार का 0.05 प्रतिशत

## (ग) सार्वजनिक निर्गम के बिना सूचीबद्धता:

एंटीटी की समादत्त पूँजी (पेड-अप कैपिटल)	फीस की राशि / दर
दस करोड़ रुपये से कम या के बराबर	एक लाख रुपये (₹1,00,000/-) का सपाट प्रभार
दस करोड़ रुपये से अधिक, किंतु पाँच हजार करोड़ रुपये से कम या के बराबर	समादत्त पूँजी का 0.1 प्रतिशत
पाँच हजार करोड़ रुपये से अधिक	पाँच करोड़ रुपये (₹5,00,00,000/-) और पाँच हजार करोड़ रुपये (5000,00,00,000/-रु.) ₹ से अधिक की समादत्त पूँजी के हिस्से का 0.025 प्रतिशत

## (घ) प्रस्ताव दस्तावेज को अद्यतन किया जाना:

	फीस की राशि / दर
जहाँ इन विनियमों की अनुसूची-XVI के पैरा 2 में उल्लिखित किन्हीं धाराओं को अद्यतन किया जाता है या उनमें बदलाव किए जाते हैं	प्रत्येक धारा को अपडेट किए जाने या उसमें बदलाव किए जाने के लिए दस हजार रुपये (₹10,000/-), बशर्ते कि कुल फीस बोर्ड के पास प्रारूप दस्तावेज दाखिल किए जाने के समय अदा की जाने वाली फाइल करने की फीस के एक चौथाई से अधिक न हो या पचास हजार रुपये (50,000/-), जो भी अधिक हो।

## टिप्पणी

- (1) जहाँ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) के मामले में प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करते समय निर्गम-आकार निर्धारित नहीं किया जा सकता हो, वहाँ निर्गमकर्ता अनुमानित निर्गम-आकार के आधार पर, पैरा (2) में उल्लिखित फीस का भुगतान करेगा।
- (2) यदि निर्गमकर्ता द्वारा अनुमानित निर्गम-आकार अंतिम निर्गम-आकार से भिन्न होता है और इस प्रकार:-
  - (क) निर्गमकर्ता द्वारा अदा की गई फीस कम पड़ रही हो, तो आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिए जाने के सात दिनों के भीतर निर्गमकर्ता को शेष फीस का भुगतान करना होगा; या
  - (ख) निर्गमकर्ता द्वारा अदा की गई फीस अधिक हो रही हो, तो बोर्ड द्वारा निर्गमकर्ता को अदा की गई अतिरिक्त फीस वापस कर दी जाएगी।

**अनुसूची-IV – बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट्स) दाखिल करना**  
**[विनियम 25(1), 71(1), 123(1), 186(1) देखें]**

अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के उस संबंधित कार्यालय के यहाँ दाखिल किए जाएँगे जिसके क्षेत्राधिकार में निर्गमकर्ता कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, ऐसा नीचे दिए गए अनुमानित निर्गम आकार के आधार पर किया जाएगा :

क्र.सं.	प्रदेश जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है	इस प्रदेश के तहत आने वाले क्षेत्र	बोर्ड के कार्यालय का नाम और कार्यालय का पता जहाँ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया जाना है
<b>अनुमानित निर्गम आकार ₹500 करोड़ से अधिक</b>			
1	सभी प्रदेश	सभी क्षेत्राधिकार	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, प्रधान कार्यालय, प्लॉट सं. सी4-ए, “जी” ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051

अनुमानित निर्गम आकार ₹500 करोड़ से कम			
1.	उत्तरी प्रदेश	हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, उत्तराखंड	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, उत्तरी प्रादेशिक कार्यालय, पाँचवीं मंज़िल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110 001
2.	पूर्वी प्रदेश	असम, बिहार, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, झारखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा सिक्किम	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, पूर्वी प्रादेशिक कार्यालय, तीसरी मंज़िल, एल एण्ड टी चैम्बर्स, 16 कामक स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017
3.	दक्षिणी प्रदेश	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुद्दुचेरी, लक्षद्वीप	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, दक्षिणी प्रादेशिक कार्यालय, डी मोंटे बिल्डिंग, तीसरी मंज़िल, सं. 32, डी मोंटे कॉलोनी, टीटीके रोड, अल्वर पेट, चेन्नई - 600 018
4.	पश्चिमी प्रदेश	गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दादरा और नगर हवेली, गोवा तथा दमण और दीव	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, पश्चिमी प्रादेशिक कार्यालय, यूनिट सं. 002, तल-मंज़िल, साकार - 1, गांधीग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, नेहरू ब्रिज के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद - 380 009
		महाराष्ट्र	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, प्रधान कार्यालय, प्लॉट सं. सी4-ए, "जी" ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051

### अनुसूची-V - सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्रों के फॉर्मेट

#### प्रारूप - क

अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र के साथ दिए जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाण पत्र का फॉर्मेट

[विनियम 25(2)(ख), 71(2)(ख), 100(2)(क), 123(2)(ख), 156(2)(क) और 247(2) देखें]

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

विषय.: \_\_\_\_\_ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा \_\_\_\_\_ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम

हम पुष्टि करते हैं कि:

- (1) हमने ऊपर उल्लिखित निर्गम के प्रस्ताव दस्तावेज को अंतिम रूप देते समय विभिन्न दस्तावेजों, जिनमें वाणिज्यिक विवादों, पेटेंट विवादों, सहयोगियों (कॉलेबरेटर) से विवादों इत्यादि जैसे मुकदमों से संबंधित दस्तावेज सम्मिलित हैं, तथा अन्य सामग्रियों की जाँच-पड़ताल की है;

- (2) ऐसे जाँच-पड़ताल और निर्गमकर्ता, इसके निदेशकों और अन्य अधिकारियों, अन्य एजेंसियों के साथ हुई चर्चाओं और निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्तुत निर्गम के उद्देश्यों, कीमत औचित्य से संबंधित कथनों तथा दस्तावेजों एवं अन्य कागजात की विषय-वस्तुओं के स्वतंत्र सत्यापन के आधार पर, हम पुष्टि करते हैं कि:
- (क) बोर्ड के पास दाखिल प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र निर्गम से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों, सामग्रियों और कागजात के अनुरूप है;
- (ख) बोर्ड, केंद्र सरकार और इस निमित्त अन्य किसी सक्षम प्राधिकरण द्वारा निर्धारित निर्गम से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कानूनी अपेक्षाओं का विधिवत् पालन किया गया है; और
- (ग) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में किए गए महत्वपूर्ण प्रकटीकरण सत्य और पर्याप्त हैं, ताकि निवेशक प्रस्तावित निर्गम में निवेश के बारे में सोच-समझकर निर्णय ले सकने में समर्थ हो सकें और ऐसे प्रकटीकरण कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं, इन विनियमों और अन्य लागू कानूनी अपेक्षाओं के अनुसार है।
- (3) हमारे अलावा, इस प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में नामित सभी मध्यवर्ती बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं और यह कि आज की तारीख में इनका रजिस्ट्रीकरण वैध है।
- (4) हम इस बात से संतुष्ट हैं कि हामीदार अपनी हामीदारी संबंधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सक्षम हैं।
- (5) अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यक्षीन संप्रवर्तकों के अंशदान के भाग के तौर पर उनकी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को शामिल करने के लिए संप्रवर्तकों की लिखित सहमति प्राप्त कर ली गयी है और अवरुद्धता के अध्यक्षीन संप्रवर्तकों के अंशदान का भाग बनाने के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का संप्रवर्तकों द्वारा बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल किये जाने की तारीख से आरंभ होने वाली और प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में यथा कथित अवरुद्धता अवधि आरंभ होने की तारीख तक की अवधि के दौरान निपटान नहीं किया जायेगा / को बेचा नहीं जायेगा / अंतरित नहीं किया जायेगा।
- (6) इन विनियमों के लागू सभी प्रावधानों, जो संप्रवर्तक अंशदान की संगणना के लिए अपात्र प्रतिभूतियों से संबंधित हैं, का विधिवत् पालन किया गया है और उन प्रावधानों का विधिवत् पालन किया जाएगा तथा उक्त विनियम (विनियमों) की अनुपालना के तौर पर प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में समुचित प्रकटीकरण किये गये हैं।
- (7) इन विनियमों के लागू प्रावधान, जो निर्गम के खुलने से पूर्व संप्रवर्तकों के अंशदान की पावती से संबंधित हैं, का पालन किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए इंतजाम किया गया है कि निर्गम खुलने के कम से कम एक दिन पहले संप्रवर्तकों का अंशदान प्राप्त हो जाएगा और यह भी कि लेखापरीक्षकों का इस आशय का प्रमाणपत्र बोर्ड के पास विधिवत् प्रस्तुत किया जायेगा। हम यह भी पुष्टि करते हैं कि यह सुनिश्चित करने के लिए इंतजाम किये गये हैं कि संप्रवर्तकों के अंशदान को अनुसूचित वाणिज्य बैंक के पास निलंब खाते (एस्करो अकाउंट) में रखा जायेगा और इसे निर्गम के आगमों के साथ निर्गमकर्ता को जारी (रिलीज) कर दिया जायेगा।
- (8) यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक इंतजाम किये जाएँगे कि निर्गम के अनुसरण में प्राप्त धन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 40 की उप-धारा (3) के प्रावधानों के अनुसार पृथक् बैंक खाते में जमा या अंतरित कर दिया जाए और यह कि सभी स्टॉक एक्सचेंजों से अनुज्ञा प्राप्त होने के बाद ही ऐसे धन को उक्त बैंक द्वारा निर्मुक्त (रिलीज) किया जाएगा, और यह भी कि निर्गम बैंककारों और निर्गमकर्ता के बीच हुए करार में यह शर्त विशेष रूप से शामिल है।
- (9) निर्गमकर्ता के मौजूदा कारोबार और कोई नया कारोबार, जिनके लिए निधियाँ जुटायी जा रही हैं, निर्गमकर्ता के संगम ज्ञापन या अन्य चार्टर के उद्देश्य खंड में 'मुख्य उद्देश्यों' के अंतर्गत आते हैं और यह कि पिछले दस वर्षों में किये गये क्रियाकलाप इसके संगम ज्ञापन के उद्देश्य खंड की शर्तों आदि के अनुसार मान्य हैं।
- (10) साधिकार निर्गम के मामले में, प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में यह प्रकटीकरण किया गया है कि निवेशकों को यह विकल्प दिया जाएगा कि वे शेयर गैरकागजी (डीमैट) रूप में या कागज़ी रूप में प्राप्त कर सकते हैं।\*
- (11) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण किये गये हैं:
- (क) निर्गमकर्ता से वचन कि किसी भी समय, निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों के लिए केवल एक ही मूल्यवर्ग (डिनॉमिनेशन) होगा, और

(ख) निर्गमकर्ता से वचन कि यह बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण और लेखा संबंधी सभी मानदंडों का अनुपालन करेगा।

(12) हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 के निबंधनों के अनुसार विज्ञापन से संबंधित विनियमों का अनुपालन करेंगे।

(13) यदि लागू हो, तो एंटिटी इन विनियमों के अध्याय X के प्रावधानों के अनुसार संस्थागत व्यापारिक प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने के लिए पात्र होगी।

\* साधिकार निर्गम में प्रतिभूतियों का प्रमाणपत्र कागजी रूप में प्राप्त करने का विकल्प इन विनियमों के लागू होने की तारीख से केवल छह महीनों की अवधि के लिए उपलब्ध होगा।

हम एक टिप्पणी संलग्न करते हैं जिसमें हमारे द्वारा निर्गमकर्ता के कारोबार, कारोबार संबंधी जोखिम, संप्रवर्तकों के अनुभव, लागू कानूनों के अनुसार निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गई अवधि के दौरान किए गए संबद्ध पक्षकार लेनदेनों (संव्यवहारों) के संबंध में बरती गई सम्यक् तत्परता की प्रक्रिया का वर्णन किया गया है।

हम इन विनियमों के लागू प्रावधानों की विनियम के अनुसार अनुपालना की पुष्टि करते हुए एक जाँच-सूची संलग्न करते हैं जिसमें विनियम संख्या, इसका पाठ, अनुपालना की स्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र जहाँ विनियम की अनुपालना की गयी है की पृष्ठ संख्या और हमारी टिप्पणियाँ यदि कोई हो, शामिल होंगी।

**स्थान:**

**निर्गम का अग्रणी प्रबंधक**

**तारीख:**

**आधिकारिक मुहर (मुहरों) सहित**

**टिप्पणी:**

मद सं. 5, 6, 7 पर उल्लिखित अपेक्षाएँ साधिकार निर्गम के मामले में लागू नहीं हैं

**प्रारूप - ख**

**डिबेंचर धारकों द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ दिए जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फॉर्मेट**  
[विनियम 25(2)(ग), 71(2)(ग), 100(2)(ख), 123(2)(ग) और 156(2)(ख) देखें]

**प्रति,**

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड**

प्रिय महोदय,

**विषय: \_\_\_\_\_ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा \_\_\_\_\_ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम**

हम पुष्टि करते हैं कि:

- (1) हमने उक्त निर्गम से संबंधित सुसंगत दस्तावेजों की जाँच-पड़ताल कर ली है।
- (2) हमने सृजित की जाने वाली प्रतिभूति से संबंधित सुसंगत दस्तावेजों की जाँच-पड़ताल कर ली है।
- (3) निर्गमकर्ता, उसके निदेशकों तथा अन्य अधिकारियों, अन्य एजेंसियों / मध्यवर्तियों के साथ चर्चाओं के और विभिन्न सुसंगत दस्तावेजों की जाँच-पड़ताल और उनके स्वतंत्र सत्यापन के आधार पर, हम यह पुष्टि करते हैं कि:
  - (क) निर्गमकर्ता ने निर्गमित किये जाने वाले प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के लिए सुरक्षा या आस्ति कवर संबंधी पर्याप्त व्यवस्थाएँ की हैं और / या व्यवस्था करने के लिए कदम उठाये हैं।
  - (ख) निर्गमकर्ता ने दूसरे प्रभार या समगति प्रभार (पारी पास), जहाँ कहीं लागू हो, के रूप में संपत्ति पर प्रतिभूति का सृजन करने के लिए आवश्यक अनुज्ञाएँ या सहमतियाँ प्राप्त कर ली हैं।
  - (ग) निर्गमकर्ता ने सुरक्षा या आस्ति कवर के बारे में सभी सुसंगत प्रकटीकरण किये हैं।
  - (घ) निर्गमकर्ता ने संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के प्रति अपनी सतत बाध्यताओं के बारे में सुसंगत प्रकटीकरण किये हैं।

(ड) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के बारे में प्रारूप प्रॉस्पेक्टस / प्रस्ताव-पत्र में किये गये सभी प्रकटीकरण सत्य, ऋजु और पर्याप्त हैं, ताकि निवेशक प्रस्तावित निर्गम में निवेश करने के संबंध में सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ हो सकें।

(4) हमने ऋण प्रतिभूतियों की तामील के लिए निर्गमकर्ता की योग्यता के बारे में स्वयं का समाधान कर लिया है।

स्थान:

निर्गम का डिबेंचर न्यासी

तारीख:

आधिकारिक मुहर सहित

**टिप्पणी:** अप्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के संबंध में, डिबेंचर न्यासी से यह अपेक्षित नहीं होगा कि वह उपर्युक्त मद 2 और मद 3 की उप-मद (क), (ख) और (ग) में कथित अपेक्षाओं को प्रमाणित करे।

#### प्रारूप - ग

प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करते समय/प्रस्ताव-पत्र दाखिल करते समय अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा दिये जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फार्मेट

[विनियम 25(9)(ख), 71(7)(ख) और 123(9)(ख) देखें]

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

**विषय: \_\_\_\_\_ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा \_\_\_\_\_ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम**

हम पुष्टि करते हैं कि:

- (1) \_\_\_\_\_ (तारीख) को कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत प्रस्ताव दस्तावेज (सार्वजनिक निर्गम के मामले में) / नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल प्रस्ताव-पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) को उपयुक्त रूप से अद्यतन बनाया गया था, जिसकी सूचना बोर्ड को दी गई थी और यह कि उक्त तारीख की स्थिति के अनुसार उक्त प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव-पत्र में निर्गमकर्ता के बारे में सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण किए गए हैं।
- (2) प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव पत्र में नामित सभी मध्यवर्तियों के रजिस्ट्रीकरण आज की तारीख में वैध हैं और यह कि इन मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कार्य करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
- (3) संप्रवर्तकों के अंशदान के भाग स्वरूप उनकी प्रतिभूतियों को शामिल करने के लिए संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) से लिखित सहमति प्राप्त कर ली गयी है, जो अवरुद्धता (लॉक इन) के अधधीन हैं।
- (4) संप्रवर्तकों के अंशदान का भाग बनाने के लिए प्रस्तावित प्रतिभूतियाँ, जो अवरुद्धता (लॉक इन) के अधधीन हैं, उन्हें बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से आज की तारीख तक की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों द्वारा निपटाया या बेचा या अंतरित नहीं किया गया है।
- (5) निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों को गैर कागजी रूप देने के लिए निक्षेपागारों के साथ करार किया गया है।

स्थान:

निर्गम के अग्रणी प्रबंधक

तारीख:

आधिकारिक मुहर (मुहरों) सहित

**टिप्पणी:** उपर्युक्त मद 3 और 4 की अपेक्षाएँ साधिकार निर्गम के मामले में लागू नहीं होंगी।

#### प्रारूप - घ

प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने के बाद महत्वपूर्ण घटनाओं के प्रकटीकरण के मामले में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा दिए जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फार्मेट

[विनियम 25(9)(ड), 71(7)(ग), 123(9)(ड) और 186(3)(ड)]

प्रति,

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड**

प्रिय महोदय,

**विषयः:** \_\_\_\_\_ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा \_\_\_\_\_ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम

हम पुष्टि करते हैं कि \_\_\_\_\_ (तारीख) को कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत प्रस्ताव दस्तावेज (सार्वजनिक निर्गम के मामले में) / नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) और अनुवर्ती संशोधनों / तारीख \_\_\_\_\_ की सार्वजनिक सूचना (विज्ञापन की प्रति संलग्न है) के माध्यम से निर्गमकर्ता के बारे में आज तक के सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण किये गये हैं।

**स्थानः****निर्गम के अग्रणी प्रबंधक****तारीखः****आधिकारिक मुहर (मुहरों) सहित****प्ररूप - ड**

**तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) के लिए प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव-पत्र के साथ दिये जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा दिया जानेवाला अतिरिक्त पुष्टिकरण / प्रमाणन**

**[विनियम 100(2)(क) और 156(2)(ख) देखें]**

प्रति,

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड**

प्रिय महोदय,

**विषयः:** \_\_\_\_\_ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा \_\_\_\_\_ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम

हम पुष्टि करते हैं कि:

- (1) प्रस्ताव दस्तावेज (सार्वजनिक निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) में नामित मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा क्रियाकलाप करने से विवर्जित नहीं किया गया है
- (2) निर्गमकर्ता इन विनियमों (साधिकार निर्गमों के मामले में विनियम 99 और बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में विनियम 155) के निबंधनों के अनुसार तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) लाने के लिए पात्र है। निर्गमकर्ता द्वारा, उस विनियम में यथा विनिर्दिष्ट पात्रता मानदंड पूरा किये जाने का प्रकटीकरण भी प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव-पत्र में किया गया है।
- (3) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस / संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में इन विनियमों में यथाविनिर्दिष्ट सभी प्रकटीकरण शामिल हैं।
- (4) प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव-पत्र में निर्गमकर्ता के बारे में सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण किये गये हैं और यह भी कि इस निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता और व्यापार के आरंभ होने तक निर्गमकर्ता या निर्गम के संबंध में किसी महत्वपूर्ण गतिविधि को उन सभी समाचारपत्रों में, जिनमें निर्गम-पूर्व विज्ञापन और निर्गम के खुलने या बंद होने का विज्ञापन दिया गया है, सार्वजनिक सूचनाओं / विज्ञापनों के माध्यम से सूचित किया जायेगा।
- (5) निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को गैर कागजी रूप देने के लिए निक्षेपागारों के साथ करार किये गये हैं।

**स्थानः****निर्गम के अग्रणी प्रबंधक****तारीखः****आधिकारिक मुहर (मुहरों) सहित****प्ररूप - च**

**निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट के साथ अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा दिये जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फार्मेट**

**[विनियम 151, 210 और 277 देखें]**



प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

**विषय: \_\_\_\_\_ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा \_\_\_\_\_ का सार्वजनिक निर्गम**

हम पुष्टि करते हैं कि:

- (1) रुद्ध (लॉकड इन) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के प्रमाणपत्रों पर अनंतरणीयता (नॉन ट्रांसफरेबिलिटी) की अवधि सूचित करते हुए "अनंतरणीय" (नॉन ट्रांसफरेबल) का स्टॉप लगा दिया गया है और गैरकागजी रूप वाली रुद्ध विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए, निक्षेपागारों को अनंतरणीयता संबंधी ब्यौरे सूचित किये गये हैं तथा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता से पहले सभी स्टॉक एक्सचेंजों को अवरुद्धता के ब्यौरे उपलब्ध कराये गये हैं।
- (2) न्यूनतम संप्रवर्तक-अभिदान के रूप में सम्मिलित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों और न्यूनतम संप्रवर्तक-अभिदान के आधिक्य में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार रुद्ध किया गया है।
- (3) संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की अवरुद्धता से संबंधित प्रावधानों का इन विनियमों के अनुसार सम्यक् रूप से अनुपालन किया गया है।

स्थान:

निर्गम के अग्रणी प्रबंधक

तारीख:

आधिकारिक मुहर (मुहरों) सहित

प्ररूप - छ

एसएमई एक्सचेंजों पर लाए जाने वाले निर्गमों के संबंध में प्रस्ताव दस्तावेज के साथ जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र में अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा दिया जाने वाला अतिरिक्त पुष्टिकरण / प्रमाणन

[विनियम 247(2) देखें]

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

**विषय: \_\_\_\_\_ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा \_\_\_\_\_ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम**

हम पुष्टि करते हैं कि:

- (1) प्रस्ताव दस्तावेज (सार्वजनिक निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) में नामित मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा क्रियाकलाप करने से विवर्जित नहीं किया गया है
- (2) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस / संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में इन विनियमों में यथाविनिर्दिष्ट सभी प्रकटीकरण शामिल हैं।
- (3) प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव-पत्र में निर्गमकर्ता के बारे में सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण किये गये हैं और यह भी कि इस निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता और व्यापार के आरंभ होने तक निर्गमकर्ता या निर्गम के संबंध में किसी महत्वपूर्ण गतिविधि को उन सभी समाचारपत्रों में, जिनमें निर्गम-पूर्व विज्ञापन और निर्गम के खुलने या बंद होने का विज्ञापन दिया गया है, सार्वजनिक सूचनाओं / विज्ञापनों के माध्यम से सूचित किया जायेगा।
- (4) निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को गैर कागजी रूप देने के लिए निक्षेपागारों के साथ करार किये गये हैं।
- (5) इन विनियमों के विनियम 261 और 262 की अपेक्षाओं के अनुसार हामीदारी और बाजार निर्माण की व्यवस्था की गई है।
- (6) निर्गमकर्ता ने कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज या एसएमई एक्सचेंज के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल करने के महीने से ठीक पहले की तिमाही के अंत तक निवेशकों से प्राप्त शिकायतों में से कम से कम पचानवे प्रतिशत शिकायतों को दूर कर दिया है।

स्थान:

निर्गम के अग्रणी प्रबंधक

तारीख:

आधिकारिक मुहर (मुहरों) सहित

टिप्पणी: उपर्युक्त मद 7 की अपेक्षा केवल बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव और साधिकार निर्गम के मामले में लागू है।

**प्ररूप - ज**

**भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गमों के लिए अग्रणी प्रबंधक द्वारा दाखिल किये जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फॉर्मेट**

**[विनियम [186(3) देखें]**

**प्रति,**

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड**

प्रिय महोदय,

**विषय: \_\_\_\_\_ (इसमें इसके पश्चात् "निर्गमकर्ता कंपनी" के रूप में निर्दिष्ट) द्वारा  
\_\_\_\_\_ का निर्गम (इसमें इसके पश्चात् "भारतीय निक्षेपागार रसीदों" के रूप में निर्दिष्ट)**

हम पुष्टि करते हैं कि:

- (1) प्रारूप प्रारंभिक प्रॉस्पेक्टस (ड्राफ्ट रैड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस) को कंपनी अधिनियम, 2013 और कंपनी (विदेशी कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) नियम, 2014 (इसमें इसके पश्चात् "आईडीआर संबंधी नियमों" के रूप में निर्धारित) के साथ पठित, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 का अनुपालन करते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "बोर्ड" के रूप में निर्धारित) के पास, सार्वजनिक आधार पर, दाखिल किया जा रहा है।
- (2) हमने निर्गमकर्ता द्वारा उन देशों, जहाँ इसके अंडरलाइंग इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं में किये गये प्रकटीकरणों की जाँच-पड़ताल कर ली है, ताकि विनियमन करने वाले विभिन्न देशों में निवेशकों के बीच बाँटी गयी जानकारी (इसमें इसके पश्चात् "सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी" के रूप में निर्दिष्ट) की एकरूपता और समानता सुनिश्चित हो सके और हमने प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तैयार करने के प्रयोजन से निर्गमकर्ता कंपनी के वरिष्ठ प्रबंध मंडल के साथ चर्चाओं में भाग लिया है।
- (3) हमने ऊपर उल्लिखित निर्गम के प्रस्ताव दस्तावेज को अंतिम रूप देते समय विभिन्न दस्तावेजों (जिनमें वाणिज्यिक विवादों, पेटेंट विवादों, सहयोगियों से विवादों इत्यादि जैसे मुकदमों से संबंधित दस्तावेज सम्मिलित हैं) तथा अन्य सामग्रियों की जाँच-पड़ताल की है;
- (4) ऐसी जाँच-पड़ताल और निर्गमकर्ता, इसके निदेशकों तथा अन्य अधिकारियों, अन्य स्वतंत्र एजेंसियों / विशेषज्ञों के साथ हुई चर्चाओं / रिपोर्टों, और निर्गम के उद्देश्यों, कीमत औचित्य, निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों तथा अन्य कागजात की विषय-वस्तुओं के स्वतंत्र सत्यापन के आधार पर, हम पुष्टि करते हैं कि:
  - (क) बोर्ड के पास भेजे गए प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र निर्गम से संबंधित दस्तावेजों, सामग्रियों और कागजात के अनुरूप है;
  - (ख) आईडीआर संबंधी नियमों, इन विनियमों और बोर्ड, केंद्र सरकार और इस निमित्त अन्य किसी सक्षम प्राधिकरण द्वारा निर्धारित निर्गम संबंधी अन्य संगत कानूनों के तहत की गई अपेक्षाओं का विधिवत् पालन किया गया है; और
  - (ग) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में किए गए महत्वपूर्ण प्रकटीकरण सत्य और पर्याप्त हैं, ताकि निवेशक प्रस्तावित निर्गम में निवेश के बारे में सोच-समझकर निर्णय ले सकने में समर्थ हो सकें और ऐसे प्रकटीकरण कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं, आईडीआर संबंधी नियमों, इन विनियमों और अन्य लागू कानूनी अपेक्षाओं के अनुसार है।
- (5) हमारे साथ-साथ, इस प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में नामित सभी अन्य मध्यवर्ती भी बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं और यह कि आज की तारीख में इनका रजिस्ट्रीकरण वैध है।

- (6) हम इस बात से संतुष्ट हैं कि हामीदार अपनी हामीदारी संबंधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सक्षम हैं।
- (7) निर्गमकर्ता के मौजूदा कारोबार और कोई नया कारोबार, जिनके लिए निधियाँ जुटायी जा रही हैं, निर्गमकर्ता के संगम ज्ञापन या अन्य चार्टर के उद्देश्य खंड में सूचीबद्ध 'मुख्य उद्देश्यों' के अंतर्गत आते हैं।
- (8) यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक इंतजाम किये जाएँगे कि निर्गम के अनुसरण में प्राप्त धन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 40 की उप-धारा (3) के प्रावधानों के अनुसार अलग बैंक खाते में जमा या अंतरित कर दिया जाए और यह कि सभी स्टॉक एक्सचेंजों से अनुज्ञा प्राप्त होने के बाद ही ऐसे धन को उक्त बैंक द्वारा निर्मुक्त (रिलीज) किया जाएगा, और यह भी कि निर्गम बैंककारों और निर्गमकर्ता के बीच हुए करार में यह शर्त विशेष रूप से शामिल है।
- (9) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में यह प्रकटीकरण किया गया है कि निवेशकों को यह विकल्प\* दिया जाएगा कि वे भारतीय निक्षेपागार रसीद गैरकागजी (डीमैट) रूप में या कागजी रूप में प्राप्त कर सकते हैं।\*
- \*साधिकार निर्गम में प्रतिभूतियों का प्रमाणपत्र कागजी रूप में प्राप्त करने का विकल्प इन विनियमों के लागू होने की तारीख से केवल छह महीनों की अवधि के लिए उपलब्ध होगा।
- (10) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण किये गये हैं:
- (क) निर्गमकर्ता से वचन कि किसी भी समय, भारतीय निक्षेपागार रसीद के लिए केवल एक ही मूल्यवर्ग (डिनामिनेशन) होगा, और
- (ख) निर्गमकर्ता से वचन कि यह बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट सभी प्रकटीकरण और लेखा मानदंडों का अनुपालन करेगा।
- (11) प्रारंभिक प्रॉस्पेक्टस (रैड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस) / प्रॉस्पेक्टस में नामित मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी भी विनियामक प्राधिकरण द्वारा क्रियाकलाप करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
- (12) हम एक टिप्पणी संलग्न करते हैं जिसमें निर्गमकर्ता के कारोबार, कारोबार संबंधी जोखिम और संप्रवर्तकों के अनुभव आदि के संबंध में हमारे द्वारा बरती गई सम्यक् तत्परता की प्रक्रिया का वर्णन किया गया है।
- (13) हम इन विनियमों के लागू प्रावधानों का विनियम के अनुसार पालन किए जाने की पुष्टि करते हुए एक जाँच-सूची संलग्न करते हैं जिसमें विनियम संख्या, इसका पाठ, अनुपालना की स्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र की पृष्ठ संख्या जहाँ विनियम की अनुपालना और हमारी टिप्पणियाँ यदि कोई हो, दी गई हैं, जैसे ब्यौरे शामिल होंगे।
- (14) निर्गमकर्ता के भारतीय निक्षेपागार रसीद को गैर कागजी रूप देने के लिए निक्षेपागारों के साथ करार किये गये हैं।

स्थान:

निर्गम के अग्रणी प्रबंधक

तारीख:

आधिकारिक मुहर (मुद्राओं) सहित

अनुसूची-VI - प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट), संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस और संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में प्रकटीकरण  
**[विनियम 17, 24(2)(ख), 34(1), 57(1)(च), 70(2), 71(2)(च), 75, 122(2)(ii), 123(2)(च), 131(1), 153(1)(च), 186(3)(च), 218(2), 220(1)], 239, 246(2)(ख), 282(1)(च), 287(2), 291 देखें]**

भाग-क

प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव-पत्र में प्रकटीकरण

**[विनियम 17, 24(2)(ख), 57(1)(च), 70(2), 122(2)(ii), 153(1)(च), 239, 246(2)(ख), 282(1)(च), 287(2), 291 देखें]**

इस भाग के तहत निर्धारित सभी प्रकटीकरण प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव-पत्र, जो भी लागू हो, में किए जाएँगे।

अनुदेश:

- (क) सभी जानकारी सुसंगत और अद्यतन होगी। सभी कथनों या दावों के स्रोत और आधार प्रकट किये जायेंगे। "बाजार नेता" (मार्केट लीडर), "अग्रणी खिलाड़ी" (लीड प्लेयर), इत्यादि जैसे शब्दों का इस्तेमाल केवल तभी किया जायेगा जब इनकी पुष्टि उपयुक्त स्रोत का हवाला देकर की जा सकती हो।

- (ख) प्रस्ताव दस्तावेज कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर करने या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के पास इसे दाखिल करने, जो भी लागू हो, से पहले प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में सभी रिक्त स्थानों में उपयुक्त आँकड़े भरे जायेंगे।
- (ग) आसान अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि विषय-वस्तु को आसानी से समझा जा सके। निर्गमकर्ता के कारबार को समझाने के लिए यदि किन्हीं तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल किया गया हो, तो आसान शब्दों में उनका अर्थ स्पष्ट किया जाएगा।
- (घ) जहाँ कहीं भी यह उल्लेख हो कि ब्यौरे दस्तावेज में कहीं और दिये गये हैं, वहाँ पैराग्राफ के शीर्षक और पृष्ठ संख्या दर्शाते हुए इस संबंध में पर्याप्त संदर्भ दिया जायेगा।
- (ङ) भविष्य की गतिविधियों के बारे में ऐसा कोई कथन नहीं किया जाना चाहिए जिसे साबित न किया जा सके।
- (च) प्रकटीकरणों की शैली की निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी। यदि प्रथम पुरुष का इस्तेमाल किया जाता है, तो पूरे समय उसी का इस्तेमाल किया जाये। ऐसे वाक्यों से बचा जाए जिनमें प्रथम और अन्य पुरुष के संयोजन का इस्तेमाल किया जाए।
- (छ) प्रस्तुतीकरण की मुद्रा के लिए केवल एक मानक वित्तीय यूनिट का इस्तेमाल किया जाएगा।

### लागू होना

सार्वजनिक निर्गम लाने वाला या निर्धारित प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता इस अनुसूची में निर्धारित किए गए प्रकटीकरण करेगा।

### परंतु यह कि:

- (क) तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) लाने वाला निर्गमकर्ता इस अनुसूची के भाग-ख में निर्धारित प्रकटीकरण न करे।
  - (ख) निर्धारित प्रतिभूतियों का बाद वाला प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता इस अनुसूची के भाग-ग में निर्धारित प्रकटीकरण न करे, यदि वह उस भाग के पैरा 1 में निर्धारित शर्तों को पूरा करता हो।
  - (ग) साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता केवल इस अनुसूची के भाग-ख में निर्धारित प्रकटीकरण करे, यदि वह उस भाग के पैरा 1 में निर्धारित शर्तों को पूरा करता हो।
- (1) **मुख पृष्ठ (कवर पेज):** मुख पृष्ठ के कागज की पर्याप्त मोटाई होगी (न्यूनतम सौ जीसीएम गुणवत्ता) और यह सफेद रंग के होंगे जिनपर कोई आकृति आदि (पैटर्न) नहीं होगा।

### (क) अगला मुख पृष्ठ (फ्रंट कवर पेज) :

- (1) अगला अंदरूनी मुख पृष्ठ (फ्रंट इनसाइड कवर पेज) रिक्त छोड़ दिया जाएगा।
- (2) अगला बाहरी मुख पृष्ठ (फ्रंट आउटसाइड कवर पेज) में निर्गम से संबंधित केवल निम्नलिखित ब्यौरे होंगे:

(क) प्रस्ताव पत्र का प्रकार ["प्रारूप प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस" / "प्रारूप प्रस्ताव-पत्र", "प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस", "शेल्फ प्रॉस्पेक्टस", "प्रॉस्पेक्टस", "प्रस्ताव-पत्र", जो भी लागू हो]।

(ख) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख।

(ग) निर्गम का प्रकार ("बही-निर्माण" या "तय कीमत")।

(घ) सार्वजनिक निर्गम के मामले में, प्रस्ताव दस्तावेज के शीर्षक के नीचे निम्नलिखित खंड को प्रमुख रूप से सम्मिलित किया जाएगा:

"कृपया कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 32 के साथ पढ़ें"

(ङ) निर्गमकर्ता का नाम, इसका लोगो, इसके निगमन की तारीख और स्थान, कारपोरेट पहचान संख्या, इसके रजिस्ट्रीकृत और कारपोरेट कार्यालय का पता, दूरभाष संख्या, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट का पता एवं ई-मेल पता (जहाँ निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते और नाम में कोई परिवर्तन हुआ हो, वहाँ प्रस्ताव दस्तावेज के उस पृष्ठ का संदर्भ जिस पर उसके ब्यौरे दिये गये हैं)।

- (च) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) का (के) नाम ।
- (छ) प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों का स्वरूप, संख्या, कीमत और राशि तथा निर्गम का आकार, जो भी लागू हो, जिसमें संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह के सदस्यों या अन्य शेयरधारकों द्वारा लाया गया विक्रय के लिए प्रस्ताव शामिल है ।
- (ज) शेल्फ प्रॉस्पेक्टस के जरिये किये जाने वाले प्रस्ताव के सभी चरणों के माध्यम से जुटाये जाने के लिए प्रस्तावित सकल राशि ।
- (झ) निर्गमकर्ता के पहले प्रस्ताव के मामले में "प्रथम निर्गम संबंधी जोखिम" के संबंध में निम्नलिखित खंड (जहाँ कहीं लागू हो) बॉक्स फॉर्मेट में सम्मिलित किया जायेगा:

"यह निर्गमकर्ता का पहला निर्गम होने के कारण, निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के लिए कोई औपचारिक बाजार नहीं रहा है । इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य (-----) है । निर्गम मूल्य / आधार मूल्य / मूल्य दायरे को निर्धारित प्रतिभूतियों के सूचीबद्ध हो जाने के बाद उनकी बाजार कीमत का सूचक नहीं समझा जाना चाहिए । न तो निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में सक्रिय या निरंतर व्यापार के संबंध में और न ही उस कीमत के संबंध में जिस पर सूचीबद्धता के बाद इक्विटी शेयरों में व्यापार (ट्रेड) होगा, कोई आश्वासन दिया जा सकता है ।

- (ञ) 'सामान्य जोखिम' संबंधी निम्नलिखित खंड को बॉक्स रूप में सम्मिलित किया जायेगा:

"इक्विटी और इक्विटी संबंधी प्रतिभूतियों में निवेश में जोखिम होता है और निवेशकों को इस प्रस्ताव में किसी निधि में तब तक निवेश नहीं करना चाहिए जब तक कि वे अपने निवेश को गँवाने का जोखिम नहीं उठा सकते हों । निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे इस प्रस्ताव में निवेश के संबंध में निर्णय लेने से पहले जोखिम कारकों को सावधानीपूर्वक पढ़ें । निवेश के संबंध में निर्णय लेने के लिए, निवेशकों को निर्गमकर्ता तथा प्रस्ताव (इसमें शामिल जोखिमों सहित) के संबंध में स्वयं की गयी पड़ताल पर विश्वास करना चाहिए । इन प्रतिभूतियों के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड न तो सिफारिश या अनुमोदन करता है और न ही भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड इस दस्तावेज की शुद्धता और पर्याप्तता की गारंटी देता है । पृष्ठ संख्या ..... पर खंड 'सामान्य जोखिम' के अधीन दिये गये 'जोखिम कारकों' के कथन की तरफ निवेशकों का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट किया जाता है ।"

- (ट) 'निर्गमकर्ता की पूरी जिम्मेदारी' संबंधी निम्नलिखित खंड को बॉक्स रूप में सम्मिलित किया जाएगा:

"निर्गमकर्ता, जिसने सभी समुचित जाँच कर ली है, जो इसके लिए जिम्मेदारी स्वीकारता है और यह पुष्टि करता है कि इस प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गमकर्ता और निर्गम से संबंधित वह सभी जानकारी शामिल है जो निर्गम के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, कि प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल जानकारी सभी महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से सत्य और सही है और किसी भी महत्वपूर्ण पहलू के लिहाज से भ्रामक नहीं है, कि इसमें अभिव्यक्त राय और आशय ईमानदारी से प्रस्तुत किये गये हैं और यह कि ऐसा कोई भी अन्य तथ्य नहीं है, जिसका लोप इन दस्तावेजों को समग्र रूप से या ऐसी किसी जानकारी या ऐसी किसी राय या आशय की अभिव्यक्ति को किसी महत्वपूर्ण पहलू के लिहाज से भ्रामक बनाता हो । विक्रय करने वाले शेयरधारक इस प्रस्ताव दस्तावेज में उनके द्वारा किए गए कथनों (विशेष रूप से स्वयं से संबंधित जानकारी और प्रस्तावित शेयरों में से उनके संबंधित भाग के संबंध में) की पुष्टि करते हैं और जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं और वे इस बात की जिम्मेदारी लेते हैं कि ऐसे कथन सभी महत्वपूर्ण पहलुओं से सत्य और सही हैं और किसी भी महत्वपूर्ण पहलू के लिहाज से भ्रामक नहीं हैं ।"

- (ठ) उन सभी अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के नाम, लोगो तथा पते, उनके अभिनामों के साथ, जिन्होंने सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं और बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए हैं, उनकी दूरभाष संख्या, वेबसाइट पते और ई-मेल पते के साथ । [जहाँ अग्रणी प्रबंधक (अग्रणी प्रबंधकों) में से कोई एक) निर्गमकर्ता का सहयुक्त हो, वहाँ वह स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयुक्त के

रूप में प्रकट करेगा और यह भी कि इसकी भूमिका निर्गम का विपणन (की मार्केटिंग) किए जाने तक ही सीमित रहेगी।]

- (ड) निर्गम रजिस्ट्रार का नाम, लोगो और पता, उसकी दूरभाष संख्या, वेबसाइट पते और ई-मेल पते के साथ।
- (ढ) निर्गम संबंधी समय-सारणी:
  - (i) एंकर द्वारा बोली लगाए जाने की अवधि, यदि कोई हो।
  - (ii) निर्गम खुलने की तारीख।
  - (iii) निर्गम बंद होने की तारीख।
  - (iv) निर्गम के पहले कभी बंद होने की तारीख, यदि कोई हो।
- (ण) साख निर्धारण, यदि लागू है।
- (त) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) की ग्रेडिंग, यदि कोई हो।
- (थ) उस (उन) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जहाँ निर्गमकर्ता की निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित हैं, और इस स्टॉक एक्सचेंज (इन स्टॉक एक्सचेंजों) से प्राप्त सूचीबद्धता संबंधी सैद्धांतिक अनुमोदन के ब्यौरे।

(ख) **पिछला मुख पृष्ठ (बैक कवर पेज):** पिछला अंदरूनी मुख पृष्ठ (बैक इनसाइड कवर पेज) और पिछला बाहरी मुख पृष्ठ (बैक आउटसाइड कवर पेज) रिक्त होंगे।

(2) **विषय-वस्तु सारणी:** अगले अंदरूनी मुख पृष्ठ के तुरंत बाद विषय-वस्तु सारणी होगी।

(3) **परिभाषाएँ और संक्षेपाक्षर:**

- (क) परंपरागत या सामान्य शब्द
- (ख) निर्गम संबंधी शब्द
- (ग) निर्गमकर्ता या उद्योग संबंधी शब्द
- (घ) संक्षेपाक्षर

(4) **प्रस्ताव दस्तावेज का सारांश:** इस खंड में निम्नलिखित जानकारी, जो भी लागू है, संक्षेप में दी जाएगी:

- (क) निर्गमकर्ता का मुख्य कारोबार और उद्योग क्षेत्र जिससे वह जुड़ा हो (प्रत्येक के बारे में अधिक से अधिक 100 शब्दों में);
- (ख) संप्रवर्तक के नाम;
- (ग) निर्गम आकार, नए निर्गम और विक्रय के लिए प्रस्ताव के बारे में अलग-अलग बताएँ;
- (घ) निर्गम के उद्देश्य के जानकारी - सारणी में;
- (ङ) संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह, विक्रय करने वाले शेयरधारक (शेयरधारकों) की निर्गम से पहले की कुल शेयर धारिता, निर्गमकर्ता की समादत्त शेयर पूँजी के प्रतिशत के रूप में;
- (च) पिछले 3 वर्षों और स्टब अवधि के रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार निम्नलिखित ब्यौरे - सारणी में :
  - क. शेयर पूँजी;
  - ख. शुद्धमालियत;
  - ग. राजस्व;
  - घ. कर पश्चात् लाभ;
  - ङ. प्रति शेयर आमदनी;

च. प्रति इक्विटी शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य; और

छ. कुल उधार (तुलन-पत्र के अनुसार) ।

(छ) लेखापरीक्षकों की अर्हताएँ जिनका रीस्टेटेड वित्तीय विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है।

(ज) लंबित मुकदमों की सारांश सारणी और "लंबित मुकदमों और महत्वपूर्ण घटनाएँ" शीर्षक संबंधी खंड का प्रति-संदर्भ ।

(झ) "जोखिम कारक" शीर्षक संबंधी खंड का प्रति-संदर्भ ।

(ञ) आकस्मिक (कंटिजेंट) देयताओं की सारांश सारणी और निर्गमकर्ता की आकस्मिक देयताओं का प्रति-संदर्भ, जैसा रीस्टेटेड वित्तीय विवरण में प्रकट किया गया है ।

(ट) पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध पक्षकार संव्यवहार का सारांश और संबद्ध पक्षकार संव्यवहार का प्रति-संदर्भ, जैसा रीस्टेटेड वित्तीय विवरण में प्रकट किया गया है ।

(ठ) वित्तपोषण संबंधी सभी इंतजामों के ब्यौरे जिसके द्वारा संप्रवर्तक, संप्रवर्तक समूह के सदस्यों, कंपनी (जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है) के निदेशकों, निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके नातेदारों ने प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से तुरंत पहले के छह महीनों के दौरान वित्तपोषण करनेवाली एंटीटी के सामान्य कारबार के अलावा अलग से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के क्रय का वित्तपोषण किया है।

(ड) भारित औसत कीमत जिस पर प्रत्येक संप्रवर्तक और विक्रय करने वाले शेयरधारकों द्वारा पिछले एक वर्ष में निर्धारित प्रतिभूतियाँ अर्जित की गईं ।

(ढ) संप्रवर्तकों और विक्रय करने वाले शेयरधारकों के लिए शेयरों का अर्जन करने की औसत लागत ।

(ण) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव से पूर्व नियोजन (प्लेसमेंट) का आकार और नियोजन पूरा होने के बाद आबंटिती ।

(त) नकदी से भिन्न प्रतिफल के लिए पिछले एक वर्ष में लाए गए इक्विटी शेयरों का निर्गमन।

(थ) पिछले एक वर्ष में इक्विटी शेयरों का कोई विभाजन / समेकन ।

#### (5) जोखिम कारक:

(क) जोखिम कारक स्पष्ट पठनीय फॉण्ट में (आकार कम से कम दस पॉइंट का हो) मुद्रित किये जायेंगे ।

(ख) जोखिम कारकों का वर्गीकरण इस प्रकार किया जाएगा - वे कारक, जो परियोजना से विशिष्ट रूप से संबंधित और निर्गमकर्ता के लिए आंतरिक हों और वे जो बाहरी हैं और निर्गमकर्ता के नियंत्रण से परे हैं ।

(ग) जोखिम कारकों का निर्धारण उनकी महत्ता के आधार पर किया जाएगा । ऐसा करते समय, निम्नलिखित पर विचार किया जाएगा:

(1) कुछ घटनाएँ अकेले महत्त्व नहीं रखती पर संयुक्त रूप से उनका महत्त्व हो सकता है ।

(2) कुछ घटनाओं का ऐसा महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसका असर बहुत अधिक होता है किंतु जिसे मापा नहीं जा सकता ।

(3) कुछ घटनाएँ वर्तमान में महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकती हैं, परंतु भविष्य में उनका महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है ।

(घ) प्रत्येक जोखिम कारक निम्न रीति से प्रकट होगा:

(1) निर्गमकर्ता द्वारा परिकल्पित जोखिम ।

(2) जोखिम के निवारण के लिए प्रस्ताव, यदि कोई हो ।

(ङ) जोखिमों से निपटने के प्रस्तावों में किसी मामले या मुकदमे आदि के अनुकूल परिणाम के बारे में कोई आनुमानिक कथन शामिल नहीं होगा और किसी ऐसे मामले के लिए अनुकूल परिणाम नहीं दिया जायेगा जो न्यायालय / अधिकरण के समक्ष न्यायाधीन है ।

(च) जोखिम कारकों को महत्ता के घटते क्रम में प्रकट किया जायेगा। जहाँ भी जोखिमों के महत्वपूर्ण प्रभाव के बारे में उल्लेख किया जाता है, वहाँ इसके संभावित प्रभावों जिनमें वित्तीय प्रभाव (जहाँ परिमाणित किए जा सकते हों) शामिल हैं, को भी प्रकट किया जायेगा। यदि इसका परिमाण नहीं मापा जा सकता है, तो इस तथ्य के बारे में, अलग से कथन किया जायेगा कि इसके प्रभावों को परिमाणित नहीं किया जा सकता है।

(छ) निम्नलिखित विषयों से संबंधित जोखिम कारकों को, जहाँ कहीं लागू हों, अवश्य प्रकट किया जाएगा:

- (1) महत्वपूर्ण कानूनी अनापत्तियाँ और अनुमोदन, जिन्हें निर्गमकर्ता द्वारा अभी प्राप्त किया जाना है;
- (2) निर्गमकर्ता का सामयिक (सीज़नल) कारबार;
- (3) निर्गमकर्ता द्वारा पिछले बारह महीनों के भीतर निर्गम कीमत से कम कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का निर्गम (बोनस निर्गमों को छोड़कर);
- (4) जहाँ निर्गम का उद्देश्य अर्जनों का वित्तपोषण हो और अर्जन लक्ष्यों का निर्धारण नहीं किया गया हो, वहाँ निधियों के अंतरिम उपयोग के ब्यौरे और अर्जनों के पूरा होने की संभावित तारीख;
- (5) निर्गम के उद्देश्यों के संबंध में संयंत्र और मशीनों के लिए न दिये गये आदेशों से जुड़े जोखिम, यह बताते हुए कि कितने प्रतिशत संयंत्र और मशीनों के लिए आदेश अभी दिये जाने हैं और उनका मूल्य क्या है;
- (6) निर्गमकर्ता या उसके संप्रवर्तकों को उस उद्योग खंड में महत्वपूर्ण अनुभव न होना, जिसके लिए निर्गम लाया जा रहा है;
- (7) यदि निर्गमकर्ता को पिछले तीन वित्तीय वर्षों में हानि हुई हो;
- (8) निर्गमकर्ता या उसके कारबार के किसी खंड का ऐसे किसी एक ग्राहक या कुछेक ग्राहकों पर निर्भरता, जिनमें से किसी एक या अधिक की हानि से निर्गमकर्ता पर खासा प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है;
- (9) भारत या विदेश में किसी स्टॉक एक्सचेंज द्वारा पिछले दस वर्षों में निर्गमकर्ता या इसके किसी समनुषंगी या समूह कंपनियों की किसी भी प्रतिभूति को सूचीबद्ध करने से इंकार;
- (10) निर्गमकर्ता या इसकी किसी समनुषंगी या समूह कंपनियों द्वारा भारत या विदेश में किसी स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) की सूचीबद्धता अपेक्षाओं को पूरा करने में असफलता और ऐसे एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा अधिरोपित शास्ति के ब्यौरे, यदि कोई हो, जिसमें व्यापार का निलंबन सम्मिलित है;
- (11) स्टॉक एक्सचेंजों में निर्गमकर्ता की किन्हीं निर्धारित प्रतिभूतियों में सीमित या छिटपुट व्यापार;
- (12) बकाया ऋण लिखतों के मामले में, महत्वपूर्ण प्रसंविदाओं जैसे निर्गम की शर्तों आदि के अनुसार पूर्ण प्रतिभूति (सिक्यूरिटी) के सृजन का पालना किए जाने में चूक, ब्याज की अदायगी में चूक, मोचन में चूक, डिबेंचर मोचन आरक्षिति का सृजन न किया जाना, जहाँ लागू हो वहाँ दांडिक ब्याज की अदायगी में चूक, आस्ति कवर, ब्याज कवर, ऋण-सेवा कवर उपलब्ध न होना या को बनाये न रखना इत्यादि;
- (13) निर्गमकर्ता और उसके समनुषंगियों द्वारा लिये गये अप्रतिभूति ऋण, यदि कोई हो, जिन्हें किसी भी समय वापस मांगा जा सकता है;
- (14) निर्गमकर्ता और उसके समनुषंगियों द्वारा जमाराशियों की चुकौती में या उन पर किसी ब्याज के भुगतान में चूक, और यदि कोई देयता है, तो उसका पुनर्निर्धारण (रोलओवर);
- (15) यदि निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक या निदेशक ऐसे एक या अधिक उद्यमों में लगे हुए हैं, जो उसी क्रियाकलाप या कारबार के प्रकार के हैं जो कि निर्गमकर्ता का है, तो हित संघर्ष की संभावना;
- (16) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता या सूचीबद्ध समनुषंगियों द्वारा पिछले दस वर्षों में लाए गए किन्हीं निर्गमों में कथित उद्देश्यों की तुलना में कार्यनिष्पादन में उस अपेक्षा की तुलना में कमी, जो कि "अन्य विनियामक और कानूनी प्रकटीकरण" खंड में "उद्देश्यों की तुलना में कार्यनिष्पादन" शीर्षक के तहत प्रकट की गई है, ऐसी कमियों या विलंबों का परिमाण बताते हुए;
- (17) उसके सूचीबद्ध समनुषंगियों या सूचीबद्ध संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) द्वारा पिछले पाँच वर्षों में लाए गए निर्गमों में कथित उद्देश्यों की तुलना में कार्यनिष्पादन में उस स्तर से कमी, जो कि "अन्य विनियामक और कानूनी



प्रकटीकरण" खंड में "उद्देश्यों की तुलना में कार्यनिष्पादन" शीर्षक के तहत प्रकट की गई है, ऐसी कमियों या विलंबों का परिमाण बताते हुए;

- (18) व्ययों की प्रतिपूर्ति या सामान्य पारिश्रमिक या लाभों से भिन्न निर्गमकर्ताओं के संप्रवर्तकों, निदेशकों या प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के हित;
- (19) निर्गम से आए पैसे (आगमों) का कोई हिस्सा, जिसके बारे में यह प्रस्ताव है कि निर्गमकर्ता द्वारा उसका भुगतान निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक, निदेशकों या प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को किया जाएगा ;
- (20) पिछले पाँच वर्षों में जिन एंटिटियों से निर्गमकर्ता ने भूमि अर्जित की है या अर्जन किए जाने का प्रस्ताव है, उनकी निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या निदेशकों से नातेदारी, सुसंगत व्यौरों के साथ ;
- (21) जिस परियोजना के लिए निर्गम का प्रस्ताव है, उसके प्रबंध-मंडल के किसी मुख्य व्यक्ति पर अत्यधिक निर्भरता ;
- (22) निर्गमकर्ता द्वारा अप्रतिभूत ऋण लिखतों में कोई महत्वपूर्ण निवेश ;
- (23) निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान न होना ;
- (24) "चल रहे मुकदमों और महत्वपूर्ण घटनाएँ" शीर्षक खंड में प्रकट किए गए सभी चल रहे मुकदमों और अन्य मामलों का सारांश, साथ ही इसमें शामिल रकम (जहाँ परिमाण पता किया जा सकता हो), सारणी में । निर्गमकर्ता अलग से उन आपराधिक, विनियामक और कर संबंधी मामलों का भी विशेष रूप से उल्लेख करेगा जिसका निर्गमकर्ता पर कोई खासा प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है ;
- (25) परियोजना जिसके लिए सार्वजनिक निर्गम में निधियाँ जुटायी जा रही हैं, के कार्यान्वयन की समय सारणी में विलंब, यदि कोई हो ;
- (26) यदि इन विनियमों के अनुसार निगरानी करने वाली एजेंसी को नियुक्त करना अपेक्षित नहीं है, तो यह कथन कि निर्गम से आए पैसों (आगमों) का नियोजन पूरी तरह से निर्गमकर्ता के विवेकाधिकार पर है ;
- (27) पिछले तीन वित्तीय वर्षों में चल रही गतिविधियों के कारण ऋणात्मक नकदी प्रवाह ;
- (28) यदि निर्गम से आए पैसों (के आगमों) से अर्जन किए जाने के लिए प्रस्तावित भूमि निर्गमकर्ता के नाम रजिस्ट्रीकृत नहीं है ;
- (29) अल्पावधि (प्रतिभूत और अप्रतिभूत) और दीर्घावधि उधारों के लिए इक्विटी शेयरधारकों के किसी करार / संप्रवर्तकों के किसी करार या किसी अन्य करार में शेयरधारकों के हितों से संबंधित कोई प्रतिबंधात्मक प्रसविदा ;
- (30) निर्गमकर्ता, सूचीबद्ध समनुषंगियों और बाजार पूँजीकरण के आधार पर शीर्ष 5 सूचीबद्ध समूह कंपनियों के खिलाफ बड़ी संख्या में निवेशकों की लंबित शिकायतों का होना ;
- (31) प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के मामले में, आस्ति कवर पर सृजित द्वितीय या अवशिष्ट प्रभारों या गौण बाध्यता से सहयुक्त जोखिम ।

#### (6) परिचय:

- (क) निर्गम संबंधी व्यौरे, संक्षेप में ।
- (ख) समेकित वित्तीय जानकारी का सारांश ।

#### (7) सामान्य जानकारी:

- (क) रजिस्ट्रीकृत और कारपोरेट कार्यालयों के नाम और पता, निर्गमकर्ता की रजिस्ट्रीकरण संख्या और उस कंपनी रजिस्ट्रार का पता, जिसके पास निर्गमकर्ता रजिस्ट्रीकृत है ।
- (ख) निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल के प्रत्येक सदस्य का नाम, पदनाम, पता और डीआईएन ।
- (ग) कंपनी सेक्रेटरी, विधि सलाहकार और निर्गम बैंकर के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ और ई-मेल पते ।

- (घ) अनुपालना अधिकारी का नाम, पता, दूरभाष संख्या और ई-मेल पता ।
- (ङ) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), निर्गम रजिस्ट्रारों, निर्गमन बैंककारों, निर्गम दलालों और सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट पते और ई-मेल पते; भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के वेबसाइट का यूआरएल जिसमें स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं, निक्षेपागार सहभागियों आदि के व्यौरे हों ।
- (च) निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, समकक्ष समीक्षा संख्या (पीयर रिव्यू नंबर), फर्म की रजिस्ट्रीकरण संख्या और ई-मेल पते ।
- (छ) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच दायित्वों के परस्पर आबंटन का विवरण ।
- (ज) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के मामले में, साख निर्धारण के निम्नलिखित व्यौरे:
- (क) उन सभी साख निर्धारण एजेंसियों के नाम जिनसे संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के लिए क्रेडिट रेटिंग (जिसमें वे रेटिंगें भी शामिल हैं जिन्हें स्वीकार्य नहीं किया गया है) प्राप्त की गई है ।
  - (ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के लिए प्राप्त सभी साख निर्धारणों के व्यौरे जिनमें अस्वीकार्य साख निर्धारण शामिल हैं ।
  - (ग) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पूर्व पिछले तीन वर्षों के दौरान संपरिवर्तनीय ऋण लिखत के माध्यम से बाजार में प्रवेश करते समय निर्गमकर्ता के सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों में से किसी के लिए अभिप्रास सभी साख निर्धारण ।
- (झ) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव की ग्रेडिंग, यदि प्राप्त की गई हो:
- (क) उन सभी साख निर्धारण एजेंसियों के नाम जिनसे आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए ग्रेडिंग प्राप्त की गयी है ।
  - (ख) ऐसी साख निर्धारण एजेंसियों से प्राप्त सभी ग्रेडों के व्यौरे ।
  - (ग) साख निर्धारण एजेंसियों द्वारा दी गई ग्रेडिंग का तर्काधार और विवरण ।
- (ञ) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के मामले में, डिबेंचर न्यासियों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ, वेबसाइट पते और ई-मेल पते ।
- (ट) यदि निगरानी करनेवाली कोई एजेंसी नियुक्त की गई हो, तो उसका नाम, पता, दूरभाष संख्या और ई-मेल पता, और प्रकटीकरण कि क्या नियुक्ति इन विनियमों के अनुसरण में की गयी है ।
- (ठ) यदि परियोजना का मूल्यांकन किया गया है, तो मूल्यांकक एंटीटी का नाम, पता, दूरभाष संख्या और ई-मेल पता ।
- (ड) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना:
- (क) इस शीर्ष के तहत, बोर्ड का कार्यालय जहाँ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया गया है ।
  - (ख) कंपनी रजिस्ट्रार का पता, जहाँ प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति (जिसके साथ प्रस्ताव दस्तावेज में कहीं पर उल्लिखित महत्वपूर्ण संविदाएँ तथा दस्तावेज संलग्न हों) दाखिल की गई है ।
- (ढ) जहाँ बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से निर्गम किया जा रहा है, वहाँ बही निर्माण प्रक्रिया को संक्षेप में स्पष्ट करते हुए व्यौरे ।
- (ण) हामीदारी संबंधी व्यौरे:
- (क) हामीदारों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ और ई-मेल पते तथा उनके द्वारा की गयी हामीदारी की राशि ।
  - (ख) निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल की घोषणा कि हामीदारों के पास उनसे संबंधित बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं ।
  - (ग) निर्गम की आंशिक हामीदारी के मामले में, ऐसी हामीदारी की सीमा ।

- (घ) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस रजिस्टर करने से पहले, उसमें उपलब्ध कराए जाने वाले अंतिम हामीदारी संबंधी इंतजामों के ब्यौरे जिसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की वास्तविक संख्या दिखाई गई हो, जिनके लिए हामीदारी की गई है।
- (त) पिछले तीन वर्षों के दौरान लेखापरीक्षकों को बदले जाने संबंधी ब्यौरे, जिसमें लेखापरीक्षकों के नाम, पता, ई-मेल पता, समकक्ष समीक्षा संख्या संख्या (पीयर रिव्यू नंबर) और फर्म की रजिस्ट्रीकरण संख्या तथा उन्हें बदले जाने के कारण हो।
- (थ) ग्रीन शू विकल्प, यदि लागू हो:
- (क) स्थिरीकरण (स्टैबिलाइजिंग) एजेंट का नाम।
- (ख) इक्विटी शेयरों की वह अधिकतम संख्या (अंकों में) और प्रस्तावित निर्गम आकार में उनके प्रतिशत के तौर पर, जिसे निर्गमकर्ता द्वारा अति-आबंटित किए जाने का प्रस्ताव हो।
- (ग) वह अधिकतम अवधि जिसके लिए निर्गमकर्ता स्थिरीकरण व्यवस्था का लाभ उठाने का प्रस्ताव करता है।
- (घ) यदि स्थिरीकरण (स्टैबिलाइजिंग) एजेंट अधिकतम अवधि से पूर्व ही स्थिरीकरण व्यवस्था को बंद करना चाहता है, तो वह यह प्रकट करेगा।
- (ङ) यदि निर्गमकर्ता के लिए निर्गम में अति आबंटन की सीमा तक अतिरिक्त इक्विटी शेयर आबंटित करना अपेक्षित है, तो निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी में अधिकतम बढ़ोतरी और निर्गम के पश्चात् शेयरधारिता पैटर्न।
- (च) अतिरिक्त आबंटन के मामले में निर्गमकर्ता द्वारा प्राप्त की जाने वाली निधियों की अधिकतम राशि और इन अतिरिक्त निधियों का उपयोग।
- (छ) संप्रवर्तकों या शेयरधारकों से इक्विटी शेयर उधार लेने के लिए स्थिरीकरण एजेंटों द्वारा इनके साथ किये गये करार या इंतजाम के ब्यौरे। इन ब्यौरों में अन्य बातों के साथ, संप्रवर्तकों या शेयरधारकों के नाम, निर्गमकर्ता में उनकी विद्यमान शेयरधारिता, उनके द्वारा उधार दिये जाने वाले इक्विटी शेयरों की संख्या और प्रतिशत और अन्य महत्वपूर्ण निबंधन तथा शर्तें जिनमें प्रत्येक पक्ष के अधिकार और बाध्यताएँ हों, सम्मिलित होंगे।
- (ज) सार्वजनिक निर्गम के अनुसरण में आबंटित / अंतरित किये जाने वाले इक्विटी शेयरों की निश्चित संख्या, संप्रवर्तकों या शेयरधारकों से उधार लिये जाने वाले और स्थिरीकरण एजेंट द्वारा अति-आबंटित इक्विटी शेयरों की संख्या तथा कुल निर्गम आकार के संबंध में ऐसे इक्विटी शेयरों के प्रतिशत का अलग-अलग उल्लेख करते हुए।

#### (8) पूँजी संरचना:

(क) पूँजी संरचना को निम्नलिखित क्रम में सारणीबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जायेगा:

- (क) प्राधिकृत, जारी, अभिदत्त और समादत्त पूँजी (प्रतिभूतियों की संख्या, प्रकार और सकल अंकित मूल्य)।
- (ख) वर्तमान निर्गम का आकार, संप्रवर्तकों के अंशदान, यदि कोई हो, निर्धारित प्रवर्गों के लिए आरक्षण, यदि कोई हो, और शुद्ध प्रस्ताव (प्रतिभूतियों की संख्या, विवरण, सकल अंकित मूल्य और निर्गम राशि (इसी क्रम में प्रकट किया जाये), और बही-निर्मित निर्गम के मामले में लागू प्रतिशत अलग-अलग दिए जाएँ।
- (ग) समादत्त पूँजी:
- (i) निर्गम के पश्चात्।
- (ii) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के पश्चात् (यदि लागू हो)।
- (घ) शेयर प्रीमियम लेखा (निर्गम के पूर्व और पश्चात्)।

(ख) पूँजी संरचना की सारणी के बाद निम्नलिखित सारणियाँ / टिप्पणियाँ शामिल की जायेंगी:

- (क) निर्गमकर्ता की विद्यमान शेयर पूँजी के ब्यौरे सारणीबद्ध रूप में, उसमें प्रत्येक आबंटन के संबंध में आबंटन की तारीख, आबंटिती का नाम, आबंटन का स्वरूप, आबंटित शेयरों की संख्या, आबंटित शेयरों का अंकित मूल्य, निर्गम कीमत और प्रतिफल का स्वरूप बताते हुए।
- (ख) जहाँ शेयरों को किसी भी समय नकद से भिन्न या पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों में से प्रतिफल के लिए जारी किया जाता है, संबंधित ब्यौरे अलग सारणी में प्रस्तुत किये जायेंगे, जिसमें निर्गम की तारीख, आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन किए जाने की तारीख, जिन व्यक्तियों को जारी किया गया उनके ब्यौरे, कीमत, जारी करने के कारण बताए जाएँगे और यह भी बताया जाएगा कि क्या निर्गम से निर्गमकर्ता को कोई लाभ हुआ है।
- (ग) यदि शेयरों का आबंटन कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391-394 या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-234, जो भी लागू हो, के तहत अनुमोदित इंतजाम की स्कीम के अनुसार किया गया है, तो इस प्रकार आबंटित शेयरों के ब्यौरे और साथ ही पृष्ठ संख्या जहाँ ऐसी स्कीम के ब्यौरे दिए गए हैं।
- (घ) जहाँ निर्गमकर्ता ने एक या अधिक कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीमों के अधीन इक्विटी शेयर जारी किये हैं, कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीमों के अधीन जारी इक्विटी शेयरों के ब्यौरा तिमाही आधार पर एकत्रित किया जायेगा, जारी किये गये इक्विटी शेयरों की कुल संख्या और वह कीमत-विस्तार बताते हुए जिसमें प्रत्येक तिमाही में इक्विटी शेयर जारी किये गये हैं।
- (ङ) यदि निर्गमकर्ता पिछले एक वर्ष की निर्गम कीमत की तुलना में निम्नतर कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियों का कोई निर्गम लाया है, तो विशेष ब्यौरे जैसे उन व्यक्तियों के नाम, जिन्हें ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियाँ जारी की गयी हैं, क्या वे संप्रवर्तक समूह का हिस्सा हैं, ऐसे निर्गम के कारण और निर्गम कीमत।
- (च) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत यथा-निर्धारित फॉर्मेट में निर्गमकर्ता का शेयरधारिता स्वरूप:

- (i) प्रमुख शेयरधारकों के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे: निर्गमकर्ता के उन शेयरधारकों के नाम जिनकी शेयरधारिता प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख को / या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, की तारीख से पिछले सप्ताह की समाप्ति पर निर्गमकर्ता की समादत्त पूँजी (पेड-अप कैपिटल) का 1% या उससे अधिक हो:

**परंतु यह कि** कंपनी की पूँजी के कम से कम 80% तक की कुल शेयरधारिता होने पर ब्यौरे प्रकट किए जाएँगे।

- (ii) खंड (i) में निर्धारित शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या, जिनमें उन इक्विटी शेयरों की संख्या भी शामिल हैं जिनके लिए वे डिबेंचर, ऋण या अन्य लिखत को परिवर्तित करने के वारंट, विकल्प या अधिकार का प्रयोग करने के हकदार होंगे।
- (iii) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, दाखिल करने की तारीख से दो वर्ष पहले की तारीख को मद (i) और (ii) में दिए गए विवरण।
- (iv) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, दाखिल करने की तारीख से एक वर्ष पहले की तारीख को मद (i) और (ii) में दिए गए विवरण।
- (v) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, दाखिल करने की तारीख से दस दिन पहले की तारीख को मद (i) और (ii) में दिए गए विवरण।
- (vi) यदि निर्गमकर्ता पिछले दो वर्षों में निर्धारित प्रतिभूतियों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाया है, तो मद (i), (ii), (iii) और (iv) में निर्धारित विवरण प्रकट किए जाएँगे, ताकि सार्वजनिक निर्गम में अभिदान के जरिए इक्विटी शेयर अर्जित करने वाले व्यक्तियों के नाम और फर्म आधार पर आबंटन के जरिए या निजी स्थानन के जरिए इक्विटी शेयर अर्जित करने वाले व्यक्तियों के नाम अलग-अलग पता चल सके।
- (छ) निर्गम के खुलने की तारीख से छह महीनों की अवधि के भीतर, शेयरों के मूल्यवर्ग के विभाजन या समेकन या अधिमानी आधार पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम या विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के बोनस अथवा

साधिकार निर्गम अथवा बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के जरिये पूँजी संरचना में संशोधन करने के लिए निर्गमकर्ता का प्रस्ताव या आशय, विचार-विनिमय या विचार-विमर्श ।

(ज) संप्रवर्तकों की कुल शेयरधारिता सारणीबद्ध रूप में, जिसमें संप्रवर्तक का नाम, निर्गम का स्वरूप, आबंटन / अंतरण की तारीख, शेयरों की संख्या, अंकित मूल्य, निर्गम कीमत / प्रतिफल, तारीख जब शेयर पूर्णतः समादत्त किये गये, निर्गम से पूर्व और निर्गम के पश्चात् कुल पूँजी का प्रतिशत (यदि कोई हो) और प्रत्येक संप्रवर्तक द्वारा धारित गिरवी रखे गये शेयरों की संख्या, यदि कोई हो, शामिल हों ।

(झ) निर्गमकर्ता के सदस्यों / शेयरधारकों की संख्या ।

(ञ) निम्नलिखित के ब्यौरे:

- (i) संप्रवर्तक समूह और संप्रवर्तकों के निदेशकों, जहाँ संप्रवर्तक निगमित निकाय है, की सकल शेयरधारिता ।
- (ii) संप्रवर्तक समूह द्वारा और/या उस कंपनी के निदेशकों द्वारा, जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है, और / या निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके नातेदारों द्वारा पिछले छह महीनों के दौरान खरीदी या बेची गयी निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या ।
- (iii) उन सभी वित्तीय व्यवस्थाओं के ब्यौरे जिसके द्वारा संप्रवर्तक समूह, उस कंपनी के निदेशकों, जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है, निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके नातेदारों ने प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/ प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले के छह महीने के दौरान निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों की किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्रय (वित्तपोषक एंटीटी के सामान्य कारबार से इतर) का वित्तपोषण किया है ।
- (iv) संप्रवर्तक के किसी नातेदार द्वारा निर्धारित प्रतिभूतियों की बिक्रियों और खरीदों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना संभव न हो पाने की दशा में, निर्गमकर्ता और / या निक्षेपागार, जैसा लागू हो, की बहियों में दर्ज किये गये अंतरणों के आधार पर ब्यौरे और प्रस्ताव दस्तावेज में इस आशय का कथन ।

(ट) संप्रवर्तकों का अंशदान:

- (i) प्रत्येक संप्रवर्तक के बारे में उनके नाम से अलग-अलग उनके अंशदान और अवरुद्धता (लॉक इन) अवधि के ब्यौरे, सारणी में, साथ ही निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख, तारीख जब पूरी तरह समादत्त किया गया, आबंटन का स्वरूप (साधिकार, बोनस, अधिमानी इत्यादि), संख्या, अंकित मूल्य और निर्गम कीमत, कुल निर्गमित पूँजी में संप्रवर्तकों के अंशदान का प्रतिशत और तारीख जब तक निर्धारित प्रतिभूतियाँ अवरुद्धता के अधीन हैं ।
- (ii) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, निर्गमकर्ता के निगमन की तारीख से सभी व्यक्तिगत आबंटनों के ब्यौरे और सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, ठीक पहले के पाँच वर्षों के उक्त ब्यौरे ।
- (iii) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव या साधिकार निर्गम के मामले में, संप्रवर्तकों द्वारा सार्वजनिक निर्गम, साधिकार निर्गम, अधिमानी निर्गम, बोनस निर्गम निक्षेपागार रसीदों के परिवर्तन के माध्यम से या किसी कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन अर्जित शेयरों को उन शेयरों से अलग दर्शाया जाए जिन्हें द्वितीयक बाजार में अर्जित किया गया और द्वितीयक बाजार में अर्जित शेयरों की सकल लागत, यदि उपलब्ध हो ।
- (iv) संप्रवर्तकों के अंशदान और अवरुद्धता (लॉक-इन) अपेक्षाओं के संदर्भ में इन विनियमों के लागू प्रावधानों का पालन किए जाने संबंधी ब्यौरे ।
- (v) यदि निर्गमकर्ता को संप्रवर्तकों के अंशदान की अपेक्षा से छूट प्राप्त है, तो वे सुसंगत प्रावधान जिनके अधीन उसे ऐसी छूट प्राप्त है ।
- (vi) कथन कि संप्रवर्तक संपूर्ण संपरिवर्तन स्वीकार करने का वचन देते हैं यदि संप्रवर्तकों का अंशदान उसी वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखत के निबंधनों के अनुसार है जैसा कि जनता को प्रस्ताव किया जा रहा है ।

- (ठ) कथन कि निर्गमकर्ता, इसके निदेशक या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) ने निर्गमकर्ता की निर्धारित प्रतिभूतियों को खरीदने के लिए क्रय द्वारा वापस लेने के कोई इंतजाम नहीं किये हैं।
- (ड) कथन कि निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित सभी प्रतिभूतियों को पूरी तरह से समादत्त करवाया जाएगा, यदि लागू हो, या प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख से बारह महीनों के भीतर माँग (कॉल) का भुगतान न किए जाने पर उन्हें समपहृत किया जाएगा।
- (ढ) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और निर्गमकर्ता में उनके सहयुक्तों [जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 में परिभाषित है] की शेयरधारिता के ब्यौरे, यदि कोई हों।
- (ण) प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से पहले सभी विकल्पों या जारी इक्विटी शेयरों के अंतिम तीन वर्षों में (प्रत्येक वर्ष के लिए अलग-अलग) और संचयी आधार पर निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प या कर्मचारी स्टॉक क्रय की किसी योजना के अधीन प्रदत्त विकल्पों या जारी इक्विटी शेयरों के ब्यौरे।
- (त) जिन मामलों में आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के पहले विद्यमान किसी कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम के अनुसरण में कर्मचारियों को प्रदत्त विकल्प आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के समय बकाया हैं, उन मामलों के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे:
- (i) प्रदत्त विकल्प;
  - (ii) निहित विकल्प;
  - (iii) प्रयोग किये गये विकल्प;
  - (iv) प्रयोग कीमत;
  - (v) विकल्प प्रयोग करने के परिणामस्वरूप उद्भूत होनेवाली शेयरों की कुल संख्या;
  - (vi) व्यपगत विकल्प;
  - (vii) विकल्पों के निबंधनों की विभिन्नता;
  - (viii) विकल्पों का प्रयोग करने पर वसूल किया गया धन;
  - (ix) प्रवृत्त विकल्पों की कुल संख्या;
  - (x) प्रदत्त विकल्पों के कर्मचारी के अनुसार ब्यौरे:
    - प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति;
    - कोई अन्य कर्मचारी जो विकल्पों के किसी भी एक वर्ष में उस वर्ष के दौरान प्रदत्त विकल्पों के पाँच प्रतिशत या अधिक का अनुदान प्राप्त करता है;
    - पहचाने गए वे कर्मचारी, जिन्हें किसी एक वर्ष के दौरान, अनुदान के समय निर्गमकर्ता की निर्गमित पूँजी (बकाया वारंटों और परिवर्तनों को छोड़कर) के एक प्रतिशत के बराबर या से अधिक विकल्प प्रदान किये गये;
  - (xi) विकल्प (ऑप्शन) का प्रयोग करने पर इक्विटी शेयर जारी किए जाने के अनुसरण में प्रति शेयर कम हुई आमदनी, जिसकी गणना 'आमदनी प्रति शेयर' संबंधी लागू लेखा मानक के अनुसार की गयी हो।
  - (xii) जहाँ निर्गमकर्ता ने स्टॉक विकल्पों के यथार्थ मूल्य का उपयोग करते हुए कर्मचारी के मुआवज़े की लागत की गणना की है, तो ऐसे में इस प्रकार गणना की गई कर्मचारी के मुआवज़े की लागत और उस कर्मचारी के मुआवज़े की उस लागत [जो विकल्प (ऑप्शन) के उचित मूल्य का इस्तेमाल करने पर सामने आती] के बीच का अंतर और निर्गमकर्ता के लाभों और आमदनी प्रति शेयर पर इस अंतर का प्रभाव।
  - (xiii) कीमत-निर्धारण सूत्र (फॉर्मूला) तथा विकल्पों के उचित मूल्य का अनुमान लगाने के लिए वर्ष के दौरान इस्तेमाल की गयी पद्धति और सार्थक अनुमानों का वर्णन, जिसमें भारित औसत जानकारी,

अर्थात् जोखिम मुक्त व्याज दर, अनुमानित समयावधि, अनुमानित उतार-चढ़ाव, अनुमानित लाभान्श, और विकल्प (ऑप्शन) प्रदान किये जाने के समय बाजार में अंडरलाइंग शेयर की कीमत शामिल है।

- (xiv) पिछले तीन सालों के लाभों और आमदनी प्रति शेयर पर प्रभाव, यदि निर्गमकर्ता ने पिछले तीन सालों में प्रदत्त विकल्पों (ऑप्शन) के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी फायदे) विनियम, 2014 में निर्धारित लेखा नीतियों का अनुपालन किया था।
- (xv) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति और पूर्णकालिक सदस्यों जो कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के अधीन प्रदत्त या कर्मचारी स्टॉक क्रय योजना के अधीन आबंटित इक्विटी शेयरों के धारक हैं, का आशय आंशिक सार्वजनिक प्रस्ताव में इक्विटी शेयरों की सूचीबद्धता की तारीख के बाद तीन महीनों के भीतर अपने इक्विटी शेयर [इक्विटी शेयरों की कुल संख्या जिन्हें विकल्प (ऑप्शन) धारकों द्वारा बेचे जाने का इरादा है] बेच देने का आशय, यदि कोई हो। कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम के मामले में, यह जानकारी प्रकट की जायेगी, इस बात का लिहाज किये बिना कि क्या इक्विटी शेयर आंशिक सार्वजनिक प्रस्ताव के पूर्व या पश्चात् अपनाये गये विकल्पों से उद्भूत हुए हैं।
- (xvi) कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन जारी इक्विटी शेयर [निर्गमित पूँजी (बकाया वारंटों और परिवर्तनों को छोड़कर) के एक प्रतिशत से अधिक] रखनेवाले निदेशकों, प्रबंध-मंडल के वरिष्ठ प्रमुख व्यक्ति और कर्मचारियों द्वारा, सूचीबद्धता की तारीख के पश्चात् तीन महीनों के भीतर कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम से उद्भूत या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन आबंटित इक्विटी शेयरों को बेचने के आशय के संबंध में विशिष्ट प्रकटीकरण, जिसके अंतर्गत अन्य बातों के साथ नाम, पदनाम और कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन जारी इक्विटी शेयरों की मात्रा तथा वह मात्रा है जिसे वे तीन महीने के भीतर बेचने का इरादा रखते हैं।
- (xvii) कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम में निर्गमित शेयरों की संख्या के ब्यौरे, कीमत जिस पर ऐसे शेयर निर्गमित होते हैं, निम्नलिखित को निर्गमित शेयरों के कर्मचारी के अनुसार ब्यौरे
- प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति;
  - कोई अन्य कर्मचारी जिसे किसी भी एक वर्ष में उस वर्ष के दौरान जारी शेयरों के 5 प्रतिशत या अधिक शेयर जारी किए जाते हैं;
  - पहचाने गए कर्मचारी, जिन्हें एक वर्ष के दौरान, निर्गमन के समय कंपनी की निर्गमित पूँजी के 1 प्रतिशत के बराबर या से अधिक शेयर जारी किए गए;
- (xviii) कर्मचारी शेयर क्रय स्कीम के तहत शेयरों का निर्गमन किए जाने के अनुसरण में प्रति शेयर कम हुई आमदनी; और शेयरों का निर्गमन करने से प्राप्त प्रतिफल।
- (थ) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (जो सूचीबद्ध निर्गमकर्ता बनने के पश्चात् प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से पिछले दस वर्षों में निर्धारित प्रतिभूतियों का अधिमानी आबंटन या बोनस निर्गम या अर्हित संस्थागत नियोजन लाया है) द्वारा लाए जाने वाले बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, एक पुष्टिकरण कि विनियमों के सुसंगत प्रावधानों का पालन किया गया है।

#### (9) निर्गम संबंधी विवरण:

##### (क) निर्गम के उद्देश्य:

- (1) निर्गम के उद्देश्य।
  - (2) यदि निर्गम के उद्देश्यों में एक उद्देश्य ऋण का भुगतान करना है:
- (क) जितने ऋण का भुगतान किए जाने का प्रस्ताव है उसका ब्यौरा, जैसे कि ऋणदाता का नाम, संक्षेप में शर्तें आदि और बकाया रकम;

- (ख) कानूनी लेखापरीक्षक से प्रमाणपत्र जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि ऋण का उपयोग उन्हीं प्रयोजनों के लिए किया गया है जिन प्रयोजनों से उन्हें लिया गया था ।
- (3) यदि एक उद्देश्य संयुक्त उद्यम या समनुषंगी में निवेश या अर्जन है, तो निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण:
- (क) निवेश के प्रकार के ब्यौरे, अर्थात् इक्विटी, ऋण या अन्य कोई लिखत ;
- (ख) यदि निवेश का प्रकार निर्धारित नहीं किया गया है तो, उस आशय का कथन;
- (ग) यदि निवेश ऋण लिखतों में है, तो ब्याज दर, प्रतिभूति का स्वरूप, चुकौती की शर्तें आदि, गौण स्वरूप आदि से संबंधित पूर्ण ब्यौरे ;
- (घ) निवेश के परिणाम के तौर पर निर्गमकर्ता को होने वाले प्रत्याशित लाभ का स्वरूप ।
- (4) यदि निर्गम का एक उद्देश्य समनुषंगी से भिन्न किसी एंटीटी को ऋण प्रदान करना है, तो ऋण करार के ब्यौरे, जिसमें ब्याज की दर, प्रतिभूत है या अप्रतिभूत, अवधि, प्रतिभूति का स्वरूप, चुकौती की शर्तें आदि, गौण स्वरूप आदि और निवेश के परिणाम के तौर पर निर्गमकर्ता को होने वाले प्रत्याशित लाभ का स्वरूप शामिल है । यदि ऐसा ऋण किन्हीं समूह कंपनियों को दिया जाना है, तो उसके ब्यौरे ।
- (5) यदि निर्गम का एक उद्देश्य दीर्घावधि कार्यकारी पूँजी के लिए निर्गम से आए पैसों (आगमों) का उपयोग है, तो एकल आधार पर निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किये जाएंगे:
- (क) कार्यकारी पूँजी अपेक्षा के अनुमान का आधार, सुसंगत धारणाओं के साथ ।
- (ख) अतिरिक्त कार्यकारी पूँजी जुटाने के लिए कारण, उन्हें सुसंगत तथ्यों और आँकड़ों से प्रमाणित करते हुए ।
- (ग) अनुमानित कार्यकारी पूँजी अपेक्षा संबंधी ब्यौरे जिसके अंतर्गत यथास्थिति, परियोजना के कार्यान्वयन या निर्गम के उद्देश्यों की प्राप्ति के पश्चात् कार्यकारी पूँजी का विस्तृत मूल्यांकन, क्षमता के उपयोग संबंधी अनुमान, प्रत्याशित चालू आस्तियों का कच्चे माल, निर्मित माल, जारी कार्य, विविध देनदार इत्यादि के तौर पर ब्यौरा । साथ ही चालू आस्तियों के प्रत्येक प्रकार के लिए धारण संबंधी मानदंडों के बारे में पूर्वानुमानों, कुल चालू देयताओं, शुद्ध चालू आस्तियों और शुद्ध चालू आस्तियों के वित्त के परिकल्पित स्रोतों जैसे बैंक वित्त, संस्थागत वित्त, स्व निधियाँ इत्यादि के ब्यौरे ।
- (घ) सारणी रूप में कुल परिकल्पित कार्यकारी पूँजी अपेक्षा, उसकी मार्जिन राशि और बैंकों द्वारा या अन्यथा वित्तपोषित होनेवाला हिस्सा ।
- (ङ) निर्गमकर्ता के पास उपलब्ध विद्यमान कार्यकारी पूँजी के ब्यौरे, कुल चालू आस्तियों के कच्चे माल, तैयार माल, जारी कार्य, विविध देनदार इत्यादि के तौर पर ब्यौरे के साथ, कुल चालू देयताएँ, शुद्ध चालू आस्तियाँ और शुद्ध चालू आस्तियों के लिए वित्त के स्रोत अर्थात् बैंक से मिलने वाला पैसा, संस्थाओं से मिलने वाला पैसा, स्वयं का पैसा आदि ।
- (च) जिस परियोजना के लिए निर्गम लाया गया है, यदि कार्यकारी पूँजी को उस परियोजना के भाग के रूप में नहीं दर्शाया जाता है, तो इसके कारण ।
- (6) **भूमि:**
- (क) उन एंटीटियों के नाम जिनसे भूमि का अर्जन किया गया है / किये जाने का प्रस्ताव है, साथ ही अर्जन की लागत, निर्गमकर्ता के किसी संप्रवर्तक या निदेशक के साथ ऐसी एंटीटियों की नातेदारी (यदि कोई हो), उस मामले में जिनमें निर्गम से आए पैसे (आगमों) का उपयोग भूमि का अर्जन करने के लिए किया जाता है ।
- (ख) ब्यौरे कि क्या निर्गमकर्ता द्वारा अर्जित भूमि सभी भारों से मुक्त है और इसका हक स्पष्ट है और क्या यह निर्गमकर्ता के नाम पर रजिस्ट्रीकृत है ।



(ग) ब्यौरे कि क्या निर्गमकर्ता ने भूमि से संबंधित सभी अनुमोदनों के लिए आवेदन किया है / अनुमोदन प्राप्त किये हैं। यदि निर्गमकर्ता द्वारा ऐसा कोई अनुमोदन नहीं लिया जाना है, तो यह तथ्य सकारात्मक कथन के माध्यम से बताया जाए।

(घ) इस खंड के अधीन प्रकट आंकड़े "परियोजना की लागत" खंड के अधीन प्रकट आँकड़ों के अनुरूप होंगे।

#### (7) परियोजना:

यदि निर्गम के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य परियोजना के लिए धनराशि उपलब्ध कराना है, तो निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएँगे:

(क) परियोजना का स्थान;

(ख) संयंत्र और मशीनरी, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया आदि;

i) ब्यौरे सारणी रूप में दिये जायेंगे, जिसमें निर्गमकर्ता द्वारा खरीदी जाने के लिए अपेक्षित मशीनों, मशीनों की लागत, आपूर्तिकर्ता का नाम, आदेश देने की तारीख और आपूर्ति की तारीख या अपेक्षित तारीख, इत्यादि के ब्यौरे शामिल होंगे।

ii) यदि मशीनों की सुपडुगी अभी की जानी है, तो उस कोटेशन की तारीख का उल्लेख, जिनके आधार पर लागत अनुमान दिया गया।

iii) उन संयंत्र और मशीनों के प्रतिशत और मूल्य संबंधी शर्तों आदि का उल्लेख किया जाएगा, जिनके लिए आदेश अभी दिया जाना है।

(ग) खरीदी गयी या खरीदे जाने के लिए प्रस्तावित पुरानी (सेकण्ड हैंड) मशीनों, यदि कोई हो, के ब्यौरे, जिनमें मशीनों की आयु, शेष अनुमानित आयु के ब्यौरे भी दिये जायेंगे। सहयोग, कार्यनिष्पादन संबंधी कोई गारंटी (यदि कोई हो) या सहयोगियों द्वारा विपणन (मार्केटिंग) में सहायता से संबंधित जानकारी दी जाएगी। उन व्यक्तियों या एंटीटियों, जिनके साथ तकनीकी और वित्तीय करार किए गए हैं, के बारे में निम्नलिखित जानकारी दी जायेगी:

i) रजिस्ट्रीकरण का स्थान और निगमन का वर्ष।

ii) समादत्त शेयर पूँजी।

iii) परिचालन के अंतिम वित्तीय वर्ष का व्यापारावर्त (टर्नओवर)।

iv) निर्गमकर्ता से संबंधित ऐसे व्यक्तियों के संबंध में सामान्य जानकारी।

(घ) कच्चे माल और प्रसुविधाओं जैसे पानी, बिजली इत्यादि के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाएँ।

#### (8) संपत्ति:

यदि निर्गम के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य किसी संपत्ति को खरीदना है, जहाँ इस संबंध में इंतजाम किए गए हैं, निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएँगे:

(क) विक्रेताओं के नाम, पते, विवरण और व्यवसाय;

(ख) विक्रेता को नकदी, शेयर या डिबेंचर में भुगतान की गयी या भुगतान की जाने वाली रकम और जहाँ एक से अधिक पृथक् विक्रेता है, या निर्गमकर्ता उप क्रेता है, प्रत्येक विक्रेता को इस प्रकार भुगतान की गयी या भुगतान की जाने वाली रकम, साख (गुडविल) के लिए इस प्रकार भुगतान की गयी या की जाने वाली रकम, यदि कोई हो को अलग-अलग दर्शाते हुए;

(ग) निर्गमकर्ता द्वारा ऐसी अर्जित या अर्जित की जाने वाली संपत्ति में हक या हित का स्वरूप;

(घ) संपत्ति के संबंध में पिछले दो वर्षों के भीतर पूर्ण किये गये प्रत्येक लेनदेन के संक्षिप्त ब्यौरे, जिसमें निर्गमकर्ता को संपत्ति के किसी विक्रेता या किसी व्यक्ति जो लेनदेन के समय संप्रवर्तक, है या था, या निर्गमकर्ता के निदेशक या प्रस्तावित निदेशक का कोई हित था, प्रत्यक्षतः या परोक्षतः, लेनदेन की तारीख और ऐसे संप्रवर्तक, निदेशक या प्रस्तावित निदेशक का नाम बताते हुए और लेनदेन के संबंध

में ऐसे विक्रेता, संप्रवर्तक, निदेशक या प्रस्तावित निदेशक द्वारा या को भुगतान की जाने वाली राशि का कथन करते हुए ;

- (ड) संपत्ति जिस पर उप-खंड (क) लागू है, निर्गमकर्ता द्वारा खरीदी गयी या अर्जित की गयी या खरीदी या अर्जित की जाने के लिए प्रस्तावित संपत्ति है, जिसका भुगतान निर्गम की आगमों में से पूर्णतः या अंशतः किया जाना है अथवा जिसकी खरीद या जिसका अर्जन प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, की तारीख को पूरा नहीं किया गया है।

**(9) संयंत्र/उपकरण / प्रौद्योगिकी/प्रक्रिया:**

यदि निर्गम के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य किसी संयंत्र, उपकरण, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया आदि की खरीद करना है।

- (i) ब्यौरे सारणी रूप में दिये जायेंगे, जिसमें निर्गमकर्ता द्वारा खरीदे जाने के लिए अपेक्षित उपकरण, उपकरण की लागत, आपूर्तिकर्ता का नाम, आदेश देने की तारीख और आपूर्ति की तारीख या अपेक्षित तारीख, इत्यादि के ब्यौरे शामिल होंगे।
  - (ii) यदि उपकरण के लिए आदेश अभी दिया जाना है, तो उस कोटेशन की तारीख का उल्लेख, जिसके आधार पर लागत अनुमान दिया गया।
  - (iii) उस उपकरण का प्रतिशत और मूल्य, जिसके लिए आदेश अभी दिए जाने हैं।
  - (iv) खरीदी गयी या खरीदे जाने के लिए प्रस्तावित पुराने (सेकण्ड हैंड) उपकरणों, यदि कोई हो, के ब्यौरे, जिनमें मशीनों की आयु, शेष अनुमानित आयु के ब्यौरे भी दिये जायेंगे।
- (10) प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के मामले में: आस्तियों के विवरण जिन पर प्रतिभूति का सृजन किया जाएगा / आस्ति कवर, यदि अपेक्षित हो, का सृजन किया जाएगा, प्रतिभूति कवर की संगणना का आधार, मूल्यांकन पद्धतियाँ, ऐसे मूल्यांकन की आवश्यकता और प्रभार (प्रभारों) की क्रमस्थापना (रैंकिंग)।
- (11) यदि वारंट निर्गमित किए जाते हैं, उन उद्देश्यों का विवरण जिसके लिए वारंट के संपरिवर्तन से प्राप्त धनराशियों का इस्तेमाल किए जाने का प्रस्ताव है।

**(ख) निधियों की अपेक्षा:**

- (1) जहाँ निर्गमकर्ता एक से अधिक क्रियाकलाप या परियोजना करने का प्रस्ताव करता है जैसे विविधीकरण, आधुनिकीकरण, विस्तार इत्यादि, वहाँ परियोजना की कुल लागत को यथास्थिति, क्रियाकलाप के अनुसार या प्रोजेक्ट के अनुसार दिया जायेगा।
- (2) जहाँ निर्गमकर्ता चरणबद्ध रीति में परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है, वहाँ प्रत्येक चरण की लागत अलग से दी जायेगी, जिसके अंतर्गत ऐसे चरण, यदि कोई हो, को भी शामिल किया जाएगा जिसका पहले ही कार्यान्वयन किया जा चुका है।
- (3) निर्गम से आए पैसों (आगमों) के उपयोग या परियोजना की लागत के संबंध में संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह, निदेशकों, मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक, और समूह कंपनियों के साथ विद्यमान या अनुमानित सभी महत्वपूर्ण संव्यवहारों के ब्यौरे। सुसंगत दस्तावेजों को निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सूची में शामिल किया जायेगा।

**(ग) वित्तपोषण संबंधी योजना (वित्त के साधन):**

- (1) निर्गमकर्ता द्वारा वचन दिया जाएगा जिसमें निर्गम से आए पैसों (आगमों) से वित्तपोषण किए जाने के लिए प्रस्तावित परियोजना हेतु कथित वित्त साधनों के पचहत्तर प्रतिशत के लिए प्रमाणयोग्य साधनों के माध्यम से वित्तपोषण की सुदृढ़ व्यवस्थाएँ किए जाने की पुष्टि की जाएगी, प्रस्तावित निर्गम के माध्यम से जुटाई जाने वाली रकम और पहचान किए जाने योग्य मौजूदा आंतरिक उपचयों (अक्रूअल) का छोड़कर।
- (2) वित्त साधनों के उस शेष हिस्से का बिना विशेष वर्णन के उल्लेख किया जायेगा, जिसके लिए कोई पक्की व्यवस्था नहीं की गयी है।

- (3) सशर्त (टाइड अप) निधियों के ब्यौरे और अतिरिक्त पैसों (आगमों), यदि कोई हो, के नियोजन के लिए मार्ग ।

**(घ) मूल्यांकन:**

- (1) मूल्यांकन का दायरा और प्रयोजन, यदि कोई हो, मूल्यांकन की तारीख के साथ ।
- (2) परियोजना की लागत और वित्तपोषण के साधन मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार होंगे।
- (3) मूल्यांकन रिपोर्ट जारी होने की तारीख के बाद परियोजना की लागत में संशोधन, यदि कोई हो, और वित्तपोषण के साधन ।
- (4) मूल्यांकन रिपोर्ट में दी गई कमजोरियाँ और आशंकाएँ, यदि कोई हो, को जोखिम कारकों के तौर पर प्रकट किया जाए ।
- (5) मूल्यांकन रिपोर्ट में दावात्याग संबंधी खंड, यथा लागू ।

- (ङ) **कार्यान्वयन संबंधी समय-सारणी:** परियोजना (प्रोजेक्ट) कार्यान्वयन संबंधी समय-सारणी और अब तक हुई प्रगति सारणी रूप में दी जायेगी, भूमि अर्जन, सिविल कार्यों, संयंत्रों और मशीनों की स्थापना, परीक्षण उत्पाद, वाणिज्यिक उत्पाद की तारीख और विलंब के कारण, यदि कोई हो, का ब्यौरा देते हुए ।

**(च) निधियों का नियोजन:**

- (1) प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से उस तारीख तक जो दो माह पहले की न हो, निधियों के स्रोत और परियोजना (जहाँ निर्गमकर्ता परियोजना के लिए पूँजी जुटा रहा है) में इन निधियों के अभिनियोजन के ब्यौरे, जो निर्गमकर्ता के कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित किया हुआ हो और साथ ही प्रमाणपत्र की तारीख का भी उल्लेख करें ।
- (2) जहाँ सार्वजनिक निर्गम से पहले ही संप्रवर्तकों के अंशदान प्राप्त हो गए हों (जिसका उपयोग उल्लिखित उद्देश्यों के लिए वित्तपोषण के माध्यम के तौर पर किया जाता है) और जिसे निर्गमकर्ता द्वारा पहले ही अभिनियोजित किया जा चुका है, वहाँ कानूनी लेखापरीक्षक की ओर से नकदी प्रवाह विवरण दिया जाएगा जिसमें संप्रवर्तकों के अंशदान के रूप में प्राप्त ऐसी निधियों के इस्तेमाल के बारे में प्रकटीकरण किया जाएगा ।

- (छ) **पहले से ही अभिनियोजित निधियों के वित्तपोषण के स्रोत:** वित्तपोषण के साधन और स्रोत, जिनमें पूरक ऋण या अन्य वित्तीय व्यवस्था, के ब्यौरे शामिल हैं, जिन्हें निर्गम से आए पैसों (आगमों) से चुकाया जा सकेगा ।

- (ज) **शेष निधियों के अभिनियोजन के ब्यौरे:** परियोजना पर उपचित होनेवाले प्रस्तावित व्यय का वर्ष के अनुसार विवरण

- (झ) **निधियों का अंतरिम उपयोग:** यह कथन कि निर्गम से आए कुल पैसों (आगमों) जिनका उपयोग (उल्लिखित उद्देश्यों के लिए) अभी नहीं हुआ है, उन्हें अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में जमा कराया जाएगा ।

- (ञ) **निर्गम व्यय:** निर्गम के व्यय, व्यय के प्रत्येक मद के विवरण के साथ और इसमें निम्नलिखित को भुगतान की जाने वाली फीस (कुल निर्गम व्ययों के प्रतिशत के रूप में और कुल निर्गम आकार के प्रतिशत के रूप में) के अलग-अलग ब्यौरे होंगे:

- (1) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की फीस (हामीदारी संबंधी कमीशन सहित)
- (2) दलाली (ब्रोकेज), बिक्री कमीशन और अपलोड किए जाने की फीस
- (3) निर्गम रजिस्ट्रार
- (4) कानूनी सलाहकार
- (5) विज्ञापन और विपणन (मार्केटिंग) व्यय
- (6) विनियामक, स्टॉक एक्सचेंजों सहित
- (7) निर्गम से संबंधित स्टेशनरी का मुद्रण और वितरण
- (8) अन्य, यदि कोई हो (उल्लेख करें) ।

**(ट) निर्गम कीमत का आधार:**

- (1) अंतिम तुलन-पत्र की तारीख के बाद बोनस दिए जाने या शेयरों के विभाजन करने के बाद, समेकित आधार पर, यथास्थिति, निर्गम कीमत, निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे का आधार:
- (क) पिछले तीन वर्षों की निर्गम से पूर्व आमदनी प्रति शेयर और प्रति शेयर कम हुई आमदनी (जैसा पूँजी में परिवर्तन के लिए समायोजित किया गया है)।
- (ख) निर्गम पूर्व कीमत / आमदनी अनुपात।
- (ग) पिछले तीन वर्षों में शुद्ध मालियत पर औसत प्रतिफल।
- (घ) पिछले तुलन पत्र पर आधारित प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य।
- (ङ) निर्गम के पश्चात् शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर, और निर्गम कीमत के साथ उसकी तुलना।
- (च) निर्गम कीमत के लिए आधार के संबंध में प्रकटीकरण के लिए फॉर्मेट का नमूना नीचे दिया गया है:

(1)	<b>समायोजित आमदनी प्रति शेयर (ईपीएस) और समायोजित कम हुई आमदनी प्रति शेयर</b>	
	(क) वित्तीय वर्ष 1	₹ 0.41
	(ख) वित्तीय वर्ष 2	₹ 8.39
	(ग) वित्तीय वर्ष 3	₹ 13.82
	(घ) भारित औसत	₹ 10.94
(2)	<b>निर्गम कीमत के संबंध में कीमत / आमदनी अनुपात</b>	
	(क) आमदनी प्रति शेयर - वित्तीय वर्ष 3 के आधार पर	37.63
	(ख) उद्योग कीमत / आमदनी	
	(i) अधिकतम	61.2
	(ii) न्यूनतम	0.8
	(iii) औसत	25.3
	(*संबंधित स्रोत दर्शाएं)	
(3)	<b>शुद्ध मालियत पर प्रतिफल</b>	
	(क) वित्तीय वर्ष 1	27.36 प्रतिशत
	(ख) वित्तीय वर्ष 2	28.77 प्रतिशत
	(ग) वित्तीय वर्ष 3	33.45 प्रतिशत
	(घ) भारित औसत	30.88 प्रतिशत
(4)	<b>शुद्ध आस्ति मूल्य</b>	
	(क) वित्तीय वर्ष 3 के अंतिम दिन के अनुसार	₹ 46.40
	(ख) निर्गम पश्चात्	₹ 94.29
	(ग) निर्गम कीमत	₹ 520.00

\* इन वित्तीय अनुपातों की गणना के लिए फॉर्मूला या आधार भी प्रकट किया जाएगा।

- (छ) उपरोक्त मद संख्या (क) से (च) में उल्लिखित निर्गमकर्ता के लेखा अनुपातों की उद्योग औसत के साथ और समकक्ष समूह (अर्थात् एक ही उद्योग में तुलनीय आकार की कंपनियाँ) के लेखा

अनुपातों के साथ तुलना, उस स्रोत को बताते हुए जहाँ से उद्योग औसत और समकक्ष समूह के लेखा औसत लिए गए हैं। इस संबंध में, निम्नलिखित को सुनिश्चित किया जाएगा:

- समकक्ष समूह की कंपनियों के साथ निर्गमकर्ता के वित्तीय अनुपातों की तुलना में संगतता, अर्थात् निर्गमकर्ता के समेकित आधार पर (जहाँ लागू हो) अनुपातों की तुलना क्रमशः समकक्ष समूह के समेकित आधार पर (जहाँ लागू हो) अनुपातों के साथ की जाएगी।

समकक्ष समूह की कंपनियों से संबंधित वित्तीय जानकारी ऐसी कंपनियों द्वारा विनियामक के तौर पर दाखिल किए गए दस्तावेजों से ली जाएगी, ताकि तत्समान वित्तीय अनुपातों की गणना की जा सके।

(ज) बोनस शेयरों, यदि कोई हो, के निर्गम के परिणामस्वरूप वित्तीय अनुपातों के कम होने (डाइल्यूशन) का तथ्य और विस्तारित पूँजी के संदर्भ में कम हुए (डाइल्यूटेड) अनुपातों को ध्यान में रखकर निर्गम कीमत का औचित्य।

(झ) बही निर्माण निर्गम के मामले में निम्नलिखित कथन :

"मूल्य दायरा / निम्नतम कीमत / निर्गम कीमत का निर्धारण निर्गमकर्ता द्वारा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से बही-निर्माण आधार पर किया गया है।"

(ञ) नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में निम्नलिखित कथन :

"निर्गम कीमत का निर्धारण निर्गमकर्ता द्वारा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से किया गया है और जिसका औचित्य निर्गमकर्ता द्वारा अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से उपरोक्त जानकारी के आधार पर सिद्ध किया गया है।"

(ट) अनिवार्य रूप से किए जाने वाले बकाया संपरिवर्तनों के फलस्वरूप पूँजी में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, निर्गम कीमत के आधार के समर्थन में लेखा अनुपातों की गणना की जाएगी, और साथ ही यह गणना इस अनुमान पर की जाएगी कि अतिरिक्त पूँजी के लिए अभिदान करने हेतु बकाया विकल्पों, यदि कोई हो, का प्रयोग किया जाएगा।

(2) बैंक दर से कम ब्याज देनेवाली ऋण लिखतों का निर्गम: जब कभी बैंक दर से कम दर पर ब्याज देनेवाली पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें जारी की जाती हैं, तब निवेशकों को मिलने वाली कीमत के बारे में प्रकटीकरण किया जाएगा, इस संबंध में इस तथ्य को ध्यान में रखा जाएगा कि पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के आबंटन की तारीख से संपरिवर्तन किए जाने की तारीख (तारीखों) तक निवेश से ब्याज की कितनी अनुमानिक हानि हुई है।

(ठ) **कर लाभ:** निर्गमकर्ता और उसके शेयरधारक तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के अनुसार पहचानी गई महत्वपूर्ण समनुषंगियों के लिए कोई विशेष कर लाभ (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संबंधी कानूनों के तहत)।

(10) **निर्गमकर्ता के बारे में :**

(क) **उद्योग अवलोकन**

(ख) **कारबार अवलोकन**

(1) **निर्गमकर्ता के कारबार के ब्यौरे:**

(क) निर्गमकर्ता का प्राथमिक कारबार;

(ख) संयंत्र, मशीन, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया इत्यादि ;

(ग) जारी सहयोग, सहयोगियों द्वारा कार्यनिष्पादन संबंधी कोई गारंटी या विपणन (मार्केटिंग) में सहायता, कच्चे माल और पानी, बिजली आदि जैसी सुविधाओं के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाएँ

(घ) निर्गमकर्ता के उत्पाद या उसकी सेवाएँ;

- (i) उत्पाद (उत्पादों) / सेवाओं का स्वरूप, और अंतिम उपभोक्ता।
- (ii) उत्पादों और सेवाओं के विपणन (की मार्केटिंग) के प्रति दृष्टिकोण।
- (2) **कारबार संबंधी कार्यनीति (स्ट्रेटेजी):** निर्गमकर्ता की कारबार संबंधी कार्यनीति (स्ट्रेटेजी) का विवरण, जिसमें निर्गमकर्ता के वित्तीय कार्यनिष्पादन के बारे में पहले से ही कोई अनुमान न लगाया गया हो।
- (3) **क्षमता एवं क्षमता का उपयोग:** एक सारणी दी जाएगी जिसमें प्रत्येक उत्पाद के लिए स्थापित क्षमता, पिछले तीन वर्षों के दौरान ऐसे उत्पादों के लिए क्षमता उपयोग की जानकारी दी जाएगी।
- (4) **बौद्धिक संपदा अधिकार:**
  - (क) यदि निर्गमकर्ता कुछ बौद्धिक संपदा अधिकारों का हकदार है जैसे ट्रेड मार्क, ब्राण्ड नाम, आदि, तो क्या निर्गमकर्ता इन्हें विधिवत् रूप से धारण करता है और क्या इस संबंध में सारी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं।
  - (ख) यदि निर्गमकर्ता के नाम पर कोई महत्वपूर्ण बौद्धिक संपदा अधिकार रजिस्ट्रीकृत नहीं है, तो उस एंटीटी का नाम जिसके नाम पर ये रजिस्ट्रीकृत हैं।
  - (ग) यदि बौद्धिक संपदा अधिकार उस एंटीटी के नाम रजिस्ट्रीकृत हैं जिसमें संप्रवर्तक हितबद्ध हैं, निर्गमकर्ता द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों के उपयोग के लिए किये गये करार की प्रमुख विशेषताएँ
- (5) **संपत्ति:** उसकी महत्वपूर्ण संपत्तियों के ब्यौरे
- (ग) **प्रमुख उद्योग विनियमन (यदि लागू हो)**
- (घ) **निर्गमकर्ता का इतिहास और कंपनी संरचना:**
  - (1) इतिहास जिसमें निम्नलिखित ब्यौरे शामिल हैं:
    - (क) निर्गमकर्ता के ब्यौरे जैसे निगमन की तारीख, कारबार आरंभ करने की तारीख, भागीदारी कंपनी के पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तन या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तन (जो लागू हो) की तारीख, नाम बदले जाने की तारीखें (यदि लागू हो), नाम बदले जाने के कारण, निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालयों में बदलाव और उसके कारण।
    - (ख) निर्गमकर्ता के इतिहास में प्रमुख घटनाओं के ब्यौरे, जिनमें निम्नलिखित के ब्यौरे सम्मिलित हैं:
      - (i) महत्वपूर्ण वित्तीय स्थिति या नीतिगत भागीदारी
      - (ii) परियोजनाओं को शुरू करने में समय / लागत का बढ़ना
      - (iii) क्षमता / सुविधा का सृजन, संयंत्रों का स्थान
      - (iv) प्रमुख उत्पादों या सेवाओं का शुरू होना, नए भौगोलिक परिवेश में प्रवेश या मौजूदा बाजारों से निकास
      - (v) प्रमुख पुरस्कार, आधिकारिक मान्यता या पहचान
      - (vi) वित्तीय संस्थाओं / बैंकों से लिए गए उधारों के संबंध में चूक या अनुसूची पुनः तैयार करना / पुनर्संरचना करना
    - (ग) पिछले दस वर्षों में कारबार / उपक्रमों के महत्वपूर्ण अर्जनों या निर्निहितीकरण (डाइवैस्टमेंट), विलय (मर्जर), समामेलन (अमैलगमेशन), आस्तियों आदि, यदि कोई हों, के पुनर्मूल्यांकन संबंधी ब्यौरे।
  - (2) निर्गमकर्ता के संगम ज्ञापन में दिये हुए मुख्य उद्देश्य और निर्गमकर्ता के संगम ज्ञापन में संशोधन की तारीख, तथा पिछले दस वर्षों में हुए ऐसे संशोधनों के ब्यौरे।
  - (3) निर्गमकर्ता की धारिता (होल्टिंग) कंपनी, समनुषंगी / समनुषंगियों और संयुक्त उद्यम (उद्यमों), यदि लागू हो, से संबंधित ब्यौरे:

- (क) धारिता (होलिंग) कंपनी / समनुषंगी / संयुक्त उद्यम का नाम;
- (ख) कारबार का नाम;
- (ग) पूँजी संरचना;
- (घ) निर्गमकर्ता की शेयरधारिता;
- (ङ) समनुषंगी (समनुषंगियों) के संचित लाभ और हानि की रकम, जिसका लेखा-जोखा निर्गमकर्ता द्वारा नहीं दिया गया।

**(ड) शेयरधारकों के करार और अन्य करार:**

- (क) शेयरधारकों के मौजूदा करारों, यदि कोई हो की मुख्य शर्तें आदि (उपलब्ध कराये जाएँ, भले ही निर्गमकर्ता ऐसे करार का पक्षकार न हो, परंतु उसे ऐसे करार की जानकारी हो)।
- (ख) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों या निदेशक या संप्रवर्तक या निर्गमकर्ता के किसी अन्य कर्मचारी द्वारा स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से किसी शेयरधारक अथवा किसी तीसरे पक्षकार के साथ निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों में लेनदेन के संबंध में क्षतिपूर्ति या लाभ साझा करने के संबंध में किया गया कोई करार।
- (ग) क्रय के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव में अपने शेयरों का प्रस्ताव करनेवाले संप्रवर्तकों द्वारा तीसरे पक्षकारों को दी गयी गारंटी, यदि कोई हो, कारण, राशि, निर्गमकर्ता पर बाध्यताएँ, गारंटी की अवधि, चूक के मामले में वित्तीय प्रभाव, उपलब्ध सुरक्षा, प्रतिफल इत्यादि का कथन करते हुए।
- (घ) वर्तमान में जारी किन्हीं अन्य महत्वपूर्ण करारों (जिसमें निर्गमकर्ता के सामान्य कामकाज से भिन्न रणनीतिक सहभागियों, संयुक्त उद्यम के सहभागियों और / या वित्तीय भागीदारों के साथ किए गए करार शामिल हैं) की मुख्य शर्तें, तारीखें, पक्षकार और उनका सामान्य स्वरूप।
- (ङ) ऐसे सभी शेयरधारकों के करार और अन्य करार मद (17) की उप-मद (1) के अधीन अपेक्षित महत्वपूर्ण संविदाओं की सूची में शामिल किये जाएंगे।

**(च) प्रबंधतंत्र:**

**(क) निदेशक मंडल:**

- (i) प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, और अन्य निदेशकों (जिनमें नामित निदेशक और, पूर्णकालिक निदेशक शामिल हैं) के नाम, निदेशक पहचान संख्या, जन्म की तारीख, उम्र, अर्हताएँ, अनुभव, पते, व्यवसाय और वर्तमान प्रबंधक के पद की समाप्ति की तारीख, निदेशक पद की अवधि, और अन्य कंपनियों में उनके निदेशक पद की जानकारी।
  - (ii) प्रत्येक व्यक्ति के संबंध में, उन सूचीबद्ध कंपनियों में वर्तमान और भूतपूर्व निदेशक पद (पदों) के निम्नानुसार ब्यौरे, जिनके शेयर उस व्यक्ति के सेवा अवधि के दौरान किन्हीं स्टॉक एक्सचेंजों में व्यापारित किए जाने से निलंबित किए गए हैं / निलंबित थे:
    - (क) कंपनी का नाम:
    - (ख) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है:
    - (ग) स्टॉक एक्सचेंजों से निलंबन की तारीख:
    - (घ) यदि व्यापार तीन महीनों से अधिक के लिए निलंबित किया गया हो, तो निलंबन के कारण और निलंबन की अवधि।
    - (ङ) यदि निलंबन हटा दिया गया हो, तो निलंबन हटाए जाने की तारीख।
    - (च) उपरोक्त कंपनी (कंपनियों) में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित)।
- (उपरोक्त ब्यौरे पिछले पाँच वर्षों के लिए दिए जाएँगे। इन विनियमों के तहत दाखिल किए गए तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) के मामले में, पाँच वर्ष की अवधि प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से मानी जाएगी।)

(iii) प्रत्येक व्यक्ति के लिए, उन सूचीबद्ध कंपनियों में वर्तमान और भूतपूर्व निदेशक पद (पदों) के निम्नानुसार व्यौरे जिन्हें उस व्यक्ति की सेवा अवधि के दौरान स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) से असूचीबद्ध कर दिया गया हो / असूचीबद्ध कर दिया गया था:

- कंपनी का नाम:
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है:
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) से असूचीबद्धता की तारीख:
- अनिवार्य या स्वैच्छिक असूचीबद्धता:
- असूचीबद्धता के कारण:
- यदि फिर से सूचीबद्ध किया गया हो, तो [स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के नाम] में फिर से सूचीबद्ध किए जाने की तारीख:
- उपरोक्त कंपनी / कंपनियों में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित)।

(iv) किसी भी निदेशकों या किन्हीं निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के बीच किसी भी पारिवारिक नातेदारी का स्वरूप।

(v) प्रमुख शेयरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं या अन्यो के बीच कोई इंतजाम या समझौता, जिसके अनुसरण में निदेशकों को वरिष्ठ प्रबंधन में निदेशक या सदस्य के रूप में चुना गया।

(vi) निदेशकों द्वारा निर्गमकर्ता के साथ की गयी सेवा संविदाओं के व्यौरे, जिसके तहत नियोजन के समापन पर फायदे का प्रावधान हो और ऐसी किसी संविदा के अभाव में पृथक् नकारात्मक कथन।

(vii) उधार संबंधी शक्तियों के व्यौरे।

**(ख) प्रबंध निदेशकों और / या पूर्णकालिक निदेशकों के प्रतिकर:**

(i) निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक, प्रबंध निदेशक या प्रबंधक को नियुक्त करने या उनका पारिश्रमिक निर्धारित करने के लिए पिछले दो वर्षों में किए गए प्रत्येक करार की तारीख, उसके पक्षकार और उसका सामान्य स्वरूप। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, निर्गमकर्ता को सभी हैसियत से सेवाएँ प्रदान करने के लिए निर्गमकर्ता द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों को वैयक्तिक आधार पर दी गई प्रतिकर की रकम, और वस्तु रूप में दिए गए लाभ, तथा समनुषंगी या सहयोगी (सहयुक्त) कंपनी (जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 में परिभाषित है) द्वारा दिया गया या दिया जाने वाला पारिश्रमिक। प्रकटीकरण में वर्ष के लिए प्रोद्भूत आकस्मिक या आस्थगित प्रतिकर भी शामिल होंगे, चाहे प्रतिकर बाद की तारीख में देय हो।

(ii) यदि प्रतिकर के किसी हिस्से का संदाय बोनस या लाभ-सहभाजन योजना के अनुसरण में किया गया, तो उस योजना और आधार का संक्षिप्त वर्णन जिसके तहत निदेशक इस योजना में सहभागी हैं।

(iii) ऐसी सभी संविदाएँ, मद (17) की उप-मद (1) के अधीन अपेक्षित महत्वपूर्ण संविदाओं की सूची में शामिल की जायेंगी।

(ग) निदेशकों की शेयरधारिता, जिसमें उनके द्वारा धारित अर्हता शेयरों के व्यौरे शामिल हैं, यदि लागू हों।

**(घ) निदेशकों के हित:**

i) निर्गमकर्ता में प्रत्येक निदेशक के हित का स्वरूप और उसकी सीमा (यदि कोई हो), जिसमें निर्गमकर्ता की या निर्गमकर्ता द्वारा अर्जित संपत्ति अथवा अर्जित किए जाने के लिए प्रस्तावित संपत्ति अथवा निर्गमकर्ता के संवर्धन या उसके गठन संबंधी हित शामिल है।

ii) जब ऐसे निदेशक का हित फर्म या कंपनी का सदस्य बनने में होता है, तो निर्गमकर्ता के संवर्धन या गठन के संबंध में फर्म या कंपनी के हित का स्वरूप और उसकी सीमा प्रकट की जाएगी, साथ ही उसके द्वारा या फर्म या कंपनी द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं के लिए किसी व्यक्ति द्वारा उसे निदेशक बनने का प्रलोभन देने के लिए या निदेशक के तौर पर योग्य सिद्ध करने के लिए, या अन्यथा के लिए उसे या फर्म या कंपनी को नकद



या शेयर रूप में या अन्यथा अदा की गयी या अदा किये जाने के लिए स्वीकृत सभी राशियों के विवरण दिया जाएगा।

(ड) पिछले तीन सालों के दौरान निदेशकों में परिवर्तन, यदि कोई हो, और उसके कारण।

(च) प्रबंध संगठन संरचना।

(छ) **कंपनी शासन:**

(i) यह कथन कि निर्गमकर्ता ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 में किए गए प्रावधानों के अनुसार इसके निदेशक मंडल की संरचना, समितियों [जैसे कि लेखापरीक्षा समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, हितधारक (स्टेकहोल्डर) संबंध समिति, आदि] के गठन से संबंधित कंपनी शासन की अपेक्षाओं का पालन कर लिया है।

(ii) निर्गमकर्ता की लेखापरीक्षा समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, हितधारक (स्टेकहोल्डर) संबंध समिति और जोखिम प्रबंधन समिति (यदि लागू हो) से संबंधित व्यौरे, जिसमें समिति के सदस्यों के नाम और विचारार्थ विषय का भी उल्लेख हो, जिसके तहत समितियाँ कार्य करती हैं।

(ज) **प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति:**

(i) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के व्यौरे, जिसमें नाम, कार्यग्रहण करने की तारीख, अर्हता, पदावधि, अवधि समापन की तारीख के साथ और सेवा समाप्ति / सेवानिवृत्ति लाभ, यदि कोई हो, सहित सेवा संविदाओं के व्यौरे, पिछले नियोजन के व्यौरे, आदि।

(ii) कारबार का पिछला अनुभव, और निर्गमकर्ता में कार्य और अनुभव क्षेत्र। प्रबंध-मंडल के किसी भी मुख्य व्यक्ति के बीच किसी पारिवारिक नातेदारी का स्वरूप।

(iii) प्रमुख शेयरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं या अन्यो के साथ कोई इंतजाम या समझौता, जिसके अनुसरण में प्रबंध-मंडल के किसी भी मुख्य व्यक्ति को प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति के तौर पर चुना गया था।

(iv) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, निर्गमकर्ता को सभी हैसियत से सेवाएँ प्रदान करने के लिए निर्गमकर्ता द्वारा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक को वैयक्तिक आधार पर दी गई प्रतिकर की रकम, और वस्तु रूप में दिए गए लाभ, जिसमें वर्ष के लिए प्रोद्भूत आकस्मिक या आस्थगित प्रतिकर भी शामिल होंगे, चाहे प्रतिकर बाद की तारीख में देय हो।

(v) यदि प्रतिकर का कोई हिस्सा बोनस या लाभ-सहभाजन योजना के अनुसरण में अदा किया गया हो, तो योजना का संक्षिप्त वर्णन और वह आधार जिस पर प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति योजना में भाग लेते हैं।

(vi) प्रत्येक प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति की हैसियत, जैसे कि वह स्थायी कर्मचारी है या अन्यथा कुछ है।

(vii) निर्गमकर्ता में प्रबंध-मंडल के प्रत्येक मुख्य व्यक्ति की शेयरधारिता।

(viii) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति में परिवर्तन : सामान्य तौर पर सेवानिवृत्त होने से भिन्न किसी अन्य माध्यम से पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति में कोई परिवर्तन।

(ix) यदि उद्योग की तुलना में प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति का पलायन अधिक है, तो उसके कारणों को प्रकट किया जाना चाहिए।

(x) **कर्मचारी:**

- उस पृष्ठ का संदर्भ लें जहाँ निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम / कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम, यदि कोई हो, संबंधी प्रकटीकरण है, जैसा कि इन विनियमों या कर्मचारी स्टॉक

विकल्प स्कीम और कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम से संबंधित बोर्ड के विनियमों के तहत अपेक्षित है।

- निर्गमकर्ता के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति को भुगतान या फायदा (अवैतनिक संबंधी) : किसी अधिकारी को पिछले दो वर्षों के दौरान भुगतान की गयी या दी गयी या भुगतान किये जाने या दिये जाने के लिए आशयित कोई रकम या फायदा और फायदा देने संबंधी भुगतान के लिए प्रतिफल।

**(छ) संप्रतर्क/मुख्य शेयरधारक:**

(क) जहाँ संप्रवर्तक व्यक्ति हैं:

- (i) सभी संप्रवर्तकों का संपूर्ण प्रोफाइल, जिसमें उनके नाम, जन्म की तारीख, आयु, निजी पते, शैक्षणिक अर्हताएँ, कारबार या नियोजन में अनुभव, विगत में धारित हैसियत / पद, धारित निदेशक पद, प्रत्येक संप्रवर्तक के अन्य उद्यम, विशेष उपलब्धियाँ, उनके कारबार और वित्तीय क्रियाकलाप, फोटोग्राफ, स्थायी खाता संख्या, आधार कार्ड संख्या, वाहन चालन लाइसेंस संख्या प्रकट की जायेगी।
- (ii) घोषणा, यह पुष्टि करते हुए कि संप्रवर्तकों की स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या और पासपोर्ट संख्या उन स्टॉक एक्सचेंजों के पास उनके पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल करते समय दाखिल की गयी हैं, जिनमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित है।

(ख) जहाँ संप्रवर्तक कंपनियाँ हैं:

- (i) संप्रवर्तकों के संक्षिप्त इतिहास, जैसे कि निगमन की तारीख, क्रियाकलापों में परिवर्तन और वर्तमान क्रियाकलाप।
- (ii) कंपनियों और कंपनियों के संप्रवर्तकों का इतिहास। जहाँ ऐसी कंपनियों के संप्रवर्तक भी कंपनियाँ और कंपनी निकाय हैं, नियंत्रणधारी प्राकृत व्यक्तियों (अर्थात् पंद्रह प्रतिशत या अधिक मताधिकार धारण करनेवाले) या जो ऐसे निगमित निकायों के निदेशक मंडल में हैं, के नाम प्रकट किये जायेंगे।
- (iii) संप्रवर्तक कंपनियों के नियंत्रण में परिवर्तन संबंधी ब्यौरे, यदि कोई हो, जिनमें उन व्यक्तियों के ब्यौरे शामिल हैं जिन्होंने ठीक पिछले तीन वर्षों में नियंत्रक हित धारण किया है।
- (iv) घोषणा, यह पुष्टि करते हुए कि कंपनी रजिस्ट्रारों के स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या, कंपनी रजिस्ट्रीकरण संख्या और कंपनी रजिस्ट्रार का पता, जहाँ कंपनियाँ रजिस्ट्रीकृत हैं, उन स्टॉक एक्सचेंजों में उनके पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल करते समय प्रस्तुत किये गये हैं, जिनमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं;

(ग) जहाँ बोर्ड के साथ रजिस्ट्रीकृत आनुकल्पिक निवेश निधियों या विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों की पहचान संप्रवर्तकों के रूप में की जाती है, उन मामलों में निम्नलिखित लागू होगा,

- (i) निधि प्रबंधक के ब्यौरे;
- (ii) उस निधि के सामान्य ब्यौरे जो निर्गमकर्ता कंपनी में निवेशक है;
- (iii) ब्यौरे यथा निधि में निवेशकों की कुल संख्या, प्रवर्ग के अनुसार निवेशकों (संस्थागत, कारपोरेट, व्यक्ति, आदि) का वितरण और प्रत्येक निवेशक प्रवर्ग द्वारा धारित हित का प्रतिशत;
- (iv) निधियों द्वारा वित्तपोषित उन कंपनियों के ब्यौरे, अर्थात्:-

(क) वित्तपोषित कंपनियों की कुल संख्या;

(ख) ऐसी कंपनियों का वितरण - देश के अनुसार, धारिता (धारण) की अवधि के अनुसार, क्षेत्र के अनुसार;

(ग) निधि की नियंत्रणाधीन, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, कंपनियों की संख्या;

(घ) उन कंपनियों की बाबत जहाँ ऐसी निधियों ने संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के भागस्वरूप अवरुद्धता (लॉक-इन) के लिए अपने शेयरों का प्रस्ताव किया हो:-

- कंपनी का नाम
- प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्धता (लिस्टिंग) की तारीख
- सूचीबद्धता की तारीख को कंपनी में निधि की शेयरधारिता
- उस कंपनी का डीआरएचपी दाखिल किये जाने की तारीख को कंपनी में निधि की शेयरधारिता जो अब सूचीबद्ध होना चाहती हो

(v) निधि के विनिधानों (निवेशों) की औसत धारिता अवधि;

(vi) निधि का प्रमुख सेक्टर / मुख्य विशिष्टीकरण, यदि लागू हो।

(घ) यदि वर्तमान संप्रवर्तक मूल संप्रवर्तक नहीं हैं और ठीक पहले के पाँच वर्षों के भीतर निर्गमकर्ता का नियंत्रण अर्जित किया गया हो, तो नियंत्रण के अर्जन संबंधी व्यौरों, अर्जन की तारीख, अर्जन की शर्तें आदि, अर्जन के लिए अदा किए गए प्रतिफल तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 (जो लागू हो) और सूचीबद्धता करार या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 (जो लागू हो) की अनुपालना संबंधी व्यौरे।

(ङ) यदि ऐसा कोई पहचान किए जाने योग्य (आइडेंटिफिएबल) संप्रवर्तक नहीं है, तो उन शेयरधारकों के व्यौरे जो व्यक्तिगत रूप में या समूह के रूप में निर्गमकर्ता के मताधिकारों के पंद्रह प्रतिशत या अधिक का नियंत्रण रखते हैं और उन व्यक्तियों, यदि कोई हो, के भी व्यौरे, जिन्हें निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल में निदेशक नियुक्त करने का अधिकार है।

(च) यदि संप्रवर्तकों के पास प्रस्तावित कारबार का अनुभव नहीं है, तो इस तथ्य को प्रकट किया जायेगा, यह स्पष्ट करते हुए कि प्रस्तावित क्रियाकलाप कैसे किये जायेंगे / का प्रबंध कैसे किया जायेगा।

(छ) यदि संप्रवर्तकों का निर्गमकर्ता में संप्रवर्तकों से इतर कोई हित है, तो हित का संक्षिप्त व्यौरा।

(ज) संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों), निदेशकों या समूह कंपनियों के हित, यदि कोई हो, के स्वरूप और सीमा का पूर्ण विवरण:

(i) निर्गमकर्ता के संवर्धन में;

(ii) पिछले तीन वर्षों में निर्गमकर्ता द्वारा अर्जित या अर्जन किए जाने के लिए प्रस्तावित किसी संपत्ति में;

(iii) जहाँ ऐसे निदेशक या संप्रवर्तक का हित फर्म या कंपनी का सदस्य होने के नाते हैं, फर्म या कंपनी के हित का स्वरूप और दायरा, उन सभी राशियों के विवरण के साथ जो ऐसे निदेशक या फर्म या कंपनी को, किसी व्यक्ति द्वारा या तो ऐसे व्यक्ति को निदेशक बनने के लिए उत्प्रेरित करने अथवा योग्य सिद्ध करने के लिए, या अन्यथा निर्गमकर्ता के संवर्धन अथवा निर्माण के संबंध में, ऐसे व्यक्ति द्वारा या फर्म या कंपनी द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं के लिए नकद या शेयरों के रूप में या अन्यथा भुगतान की गयी या भुगतान किये जाने के लिए सहमत है;

(iv) भूमि के अर्जन, भवन के निर्माण और मशीनों की आपूर्ति इत्यादि में कोई लेनदेन, लेनदेनों और शामिल रकम के पूर्ण व्यौरों के साथ।

(झ) **निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक को भुगतान या फायदा:** किसी संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह को पिछले दो वर्षों में भुगतान की गयी या दी गयी या भुगतान किये जाने या दिये जाने के लिए आशयित कोई रकम या फायदा और फायदा देने संबंधी भुगतान के लिए प्रतिफल।

(ञ) निर्गमकर्ता की निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में संप्रवर्तकों द्वारा अन्य पक्षकारों को दी गई महत्वपूर्ण गारंटी, यदि कोई हो, का संक्षिप्त व्यौरा।

- (ट) उन सभी व्यक्तियों और एंटिटियों की सूची जिनसे मिलकर निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक समूह का निर्माण होता हो ।
- (ठ) यदि संप्रवर्तक ने पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वयं को किन्हीं कंपनियों या फर्मों से अलग किया है, तो इसके कारणों और अलगाव को जन्म देनेवाली परिस्थितियों को ऐसे अलगाव की शर्तों आदि के साथ प्रस्तुत किया जायेगा ।

(ज) **लाभांश नीति:** लाभांश नीति और लाभांश के भुगतान का तरीका, पिछले तीन वित्तीय वर्षों और स्टब अवधि, जो भी लागू हो, में दिया गया लाभांश, तथा अंतिम लेखापरीक्षित अवधि और प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख के बीच की अवधि ।

#### (11) वित्तीय विवरण:

##### (I) अपेक्षाएँ - यदि रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में प्रस्तुत सबसे अंत की अवधि में भारतीय लेखा मानक लागू होते हों

प्रस्ताव दस्तावेज में वित्तीय जानकारी संबंधी खंड दो भागों (अर्थात् रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी और अन्य वित्तीय जानकारी) में बाँट दिया जाएगा । रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी और अन्य वित्तीय जानकारी हर तरह से पूरी होनी चाहिए । प्रस्ताव दस्तावेज में एक ही प्रकटीकरण एक से अधिक बार किए जाने से बचने के लिए, रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी और अन्य वित्तीय जानकारी का समुचित रूप से प्रति संदर्भ दिया जाए ।

##### (क) रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी

- (i) भारतीय लेखा मानक के अनुसार तैयार किए गए तीन वर्षों और स्टब अवधि (यदि लागू हो) के समेकित वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की जानी चाहिए और उसे किसी ऐसे सांविधिक लेखापरीक्षक (लेखापरीक्षकों) द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए जिसके पास भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के समकक्ष समीक्षा बोर्ड (पीयर रिव्यू बोर्ड) द्वारा जारी मान्य प्रमाणपत्र हो । यदि भारतीय लेखा मानकों के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल सबसे अंतिम संपूर्ण वित्तीय वर्ष का समेकित वित्तीय विवरण प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से छह माह पुराना है, तो ऐसे में स्टब अवधि का समेकित वित्तीय विवरण अपेक्षित होगा । स्टब अवधि उस तारीख को समाप्त नहीं होनी चाहिए जो प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से छह माह से पहले की हो । भारतीय लेखा मानक 34 *अंतरिम वित्तीय रिपोर्टिंग* के अनुसार, समूह को भारतीय लेखा मानकों के अनुसार स्टब अवधि का संपूर्ण समेकित वित्तीय विवरण प्रस्तुत करना चाहिए, उन मामलों को छोड़कर जिनमें निर्गमकर्ता को स्टब अवधि के लिए तुलनात्मक आँकड़ें प्रस्तुत करने से छूट प्रदान की गई हो । समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा संशोधित) के अनुसार तैयार किए जाएँगे ।

(क) समेकित वित्तीय विवरण (स्टब अवधि, यदि लागू हो, के समेकित वित्तीय विवरण सहित) को पुनः प्रकट किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसमें सभी अवधियों के लिए की गई प्रस्तुति, प्रकटीकरण और लेखानीतियाँ सबसे अंत की वित्तीय वर्ष / स्टब अवधि की सभी अवधियों की प्रस्तुति, प्रकटीकरण और लेखा नीतियों से मेल खाती हैं । इसी तरह, बड़ी त्रुटियों, प्रावधान न किए जाने (नॉन-प्रॉविज़न), फिर से एकत्र करने (रीग्रूपिंग), अन्य समायोजन, यदि कोई हो, को तत्संबंधी अवधि में दिखाया जाना चाहिए । भारतीय लेखा मानक 8, *लेखा नीतियाँ, लेखा प्राक्कलनों में परिवर्तन एवं त्रुटियाँ*, की अपेक्षाओं के अनुसार लेखा नीतियों और त्रुटियों में सुधार को प्रकट किया जाएगा । प्राक्कलनों में यदि कोई परिवर्तन होता है, तो उसे पुनः प्रकट नहीं किया जाएगा, क्योंकि ऐसे परिवर्तन उस तत्संबंधी वर्ष में हुए परिवर्तन हैं । निर्गमकर्ता के पास यह विकल्प है कि वह स्टब अवधि के लिए तुलनात्मक आँकड़े प्रस्तुत कर सकता है ।

(ख) एसए 705 *स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में अभिमत में संशोधन* के अनुसार कोई महत्वपूर्ण गलतबयानी हो जाने पर अर्हित अभिमत, प्रतिकूल अभिमत या अभिमत से दावात्याग करना अपेक्षित है । पात्र निर्गमकर्ता के संबंध में, लेखापरीक्षा में संशोधन (जिनका परिमाण निकाला जा सकता है या जिनके बारे में अनुमान लगाया जा सकता है) उचित अवधि में रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में समायोजित किए जाएँगे । उन परिस्थितियों में जिनमें अर्हता को परिमाणित नहीं किया जा सकता या उसके बारे में अनुमान नहीं निकाला जा सकता, लेखा नोट में उचित प्रकटीकरण किए जाएँगे कि क्यों अर्हता को परिमाणित नहीं किया जा सकता या उसके बारे में अनुमान नहीं निकाला जा सकता ।

- (ग) लेखापरीक्षित समेकित वित्तीय विवरण के इक्विटी और लाभ (हानि) तथा रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण के अंतर के बारे में समाधान (रिकॉन्सिलिएशन) कॉलम में प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
- (घ) लेखापरीक्षक रीस्टेटेड और लेखापरीक्षित वित्तीय जानकारी के संबंध में भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए *मार्गदर्शन टिप्पण* के अनुसार जाँच-पड़ताल रिपोर्ट जारी करेगा।
- (ङ) जिस तारीख को लेखापरीक्षक पुनः प्रकट की जाने वाली (रीस्टेटेड) वित्तीय जानकारी पर हस्ताक्षर कर रहे हों, उस तारीख को उनके पास भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के पीयर रिव्यू बोर्ड द्वारा जारी एक मान्य समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र होना चाहिए। यदि किसी नए लेखापरीक्षक, जिसके पास मान्य समकक्ष समीक्षा (पीयर रिव्यू) प्रमाणपत्र है, को स्टब अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है, और उसके पिछले लेखापरीक्षक के पास अंतिम वार्षिक वित्तीय विवरण पर हस्ताक्षर करने की तारीख को मान्य समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र न हो, तो इस दशा में लागू मानकों के अनुसार यह आवश्यक है कि नए लेखापरीक्षक द्वारा अंतिम वार्षिक वित्तीय विवरण की दुबारा लेखापरीक्षा की जाए। पुनः लेखापरीक्षा करते समय सीएआरओ के संबंध में लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग मामलों, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और ऐसे मामलों की पुनः लेखापरीक्षा करनी जरूरी नहीं है जो पूरी तरह से विनियामक मामले हैं। जहाँ लेखापरीक्षक के पास पहले मान्य समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र था, किंतु रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी पर हस्ताक्षर करते समय उसके पास मान्य प्रमाणपत्र नहीं रहा हो, तो ऐसी दशा में पिछले प्रमाणपत्र को मान्य माना जाएगा, बशर्ते कि समकक्ष समीक्षा बोर्ड द्वारा प्रमाणपत्र को नवीकरण प्रदान करने से स्पष्ट रूप से इनकार न कर दिया गया हो और लेखापरीक्षक द्वारा समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र के नवीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई हो।
- (च) जहाँ निर्गमकर्ता के पास किसी भी वित्तीय वर्ष में कोई समनुषंगी, सहयुक्त (सहयोगी) या संयुक्त उद्यम न हो, तो निर्गमकर्ता रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण की लागू अपेक्षाओं का पालन करते हुए उस वित्तीय वर्ष के लिए अलग से वित्तीय विवरण प्रस्तुत करेगा।
- (छ) समेकित एंटिटियों के संबद्ध पक्षकारों और संबद्ध पक्षकार लेनदेनों की सूची (चाहे समेकन के दौरान उन्हें समाप्त कर दिया गया हो या समाप्त न किया गया हो), जिसके संबंध में भारतीय लेखा मानक 24 के तहत प्रकटीकरण अपेक्षित हो और / या जो कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा संशोधित) के तहत आते हों, का प्रकटीकरण रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में उसी तरह किया जाना चाहिए जैसे कि उनका प्रकटीकरण समेकित एंटिटियों के लिए अलग से प्रस्तुत किए गए वित्तीय विवरण में किया गया हो।
- समेकित एंटिटियों के बीच वित्तपोषण संबंधी सभी इंतजाम, जिनमें परस्पर गारंटी भी शामिल हैं (इक्विटी शेयर पूँजी में अंशदान को छोड़कर), का प्रकटीकरण किया जाएगा। वित्तपोषण संबंधी इंतजाम और पैसा अंतरण करने पर लगाए गए प्रतिबंधों से संबंधित महत्वपूर्ण शर्तों आदि को रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में प्रकट किया जाएगा।
- (ज) जहाँ किन्हीं वर्षों के लिए कंपनी के लिए भारतीय लेखा मानक लागू नहीं हैं, उन मामलों में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के तारीख 31 मार्च, 2016 के परिपत्र (सं. सेबी/एचओ/ सीएफडी/ डीआईएल/सीआईआर/पी/2016/47) या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए गए संबद्ध परिपत्र में निर्धारित सिद्धांत लागू होंगे।
- (ii) निर्गमकर्ता कंपनी और उसकी सभी महत्वपूर्ण समनुषंगियों के प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से पिछले तीन पूर्ण वित्तीय वर्षों के अलग से लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण निर्गमकर्ता के वेबसाइट पर नीचे (ख) में उल्लिखित मटिरियलिटी थ्रेसहोल्ड के अनुसार उपलब्ध करवाए जाएँगे। वैकल्पिक रूप से, निर्गमकर्ता के वेबसाइट पर समनुषंगियों के वित्तीय विवरण के सुसंगत लिंक होने चाहिए। प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरण का लिंक अलग से दिया जाना चाहिए। इस उद्देश्य से, कंपनी अधिनियम, 2013 में दी गई परिभाषाओं के आधार पर समनुषंगियों की पहचान की जानी चाहिए। उपरोक्त अपेक्षाएँ उस अवधि तक ही लागू रहेंगी जब तक मूल कंपनी और उसकी समनुषंगी के बीच आपसी संबंध बना रहता है
- (क) प्रत्येक समेकित एंटिटियों (जिनका वित्तीय विवरण अंग्रेजी में उपलब्ध नहीं है) के वित्तीय विवरणों की प्रमाणित अंग्रेजी अनूदित प्रति कंपनी के वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

(ख) भारतीय मुद्रा से भिन्न किसी अन्य मुद्रा में सूचित किए गए वित्तीय विवरण का अनुवाद भारतीय लेखा मानक 21 के अनुसार भारतीय रुपये में किया जाएगा। विदेशी विनियम दरों में परिवर्तनों के प्रभाव सूचित किए जाएंगे। समेकित वित्तीय विवरण के लिए महत्वपूर्ण न होने और स्थानीय विनियम के अनुसार लेखापरीक्षा करना अपेक्षित होने पर सभी विदेशी समेकित एंटिटियों के वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की जाएगी। इस उद्देश्य से, किसी समेकित एंटिटी को महत्वपूर्ण तभी माना जाएगा, जब संबंधित वर्ष के वार्षिक समेकित वित्तीय विवरण में व्यापारावर्त (टर्नओवर) या शुद्ध-मालियत (नेट-वर्थ) या कर पूर्व लाभ में उसका योगदान 10% या उससे अधिक का हो। इसके अलावा, समेकित वित्तीय विवरण में शामिल कुल अलेखापरीक्षित जानकारी संबंधित वर्ष के वार्षिक समेकित वित्तीय विवरण में व्यापारावर्त (टर्नओवर) या शुद्ध-मालियत (नेट-वर्थ) या कर पूर्व लाभ में 20% या उससे अधिक न हो। इस खंड के प्रयोजनार्थ, व्यापारावर्त (टर्नओवर), शुद्ध-मालियत (नेट-वर्थ) और कर पूर्व लाभ की परिभाषा कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा संशोधित) के अनुसार होनी चाहिए।

(ग) विदेशी समेकित एंटिटियों के वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा संबंधित देशों में लागू स्थानीय विनियमों की अपेक्षाओं के अनुसार की जा सकेगी। हालाँकि, उन मामलों में जहाँ स्थानीय विनियमों के अनुसार लेखापरीक्षा करना अनिवार्य नहीं है, वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा भारत में लागू लेखापरीक्षा मानकों / अपेक्षाओं के अनुसार की जानी चाहिए।

(घ) विदेशी समनुषंगियों के वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानकों से भिन्न सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत (जीएएपी) में स्वीकार्य हो सकेंगे, यदि स्थानीय कानूनों के अनुसार स्थानीय जीएएपी का लागू होना अपेक्षित हो।

### (ख) अन्य वित्तीय जानकारी

(i) भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी मार्गदर्शन टिप्पण के अनुसार निम्नलिखित जानकारी की गणना की जाएगी और अन्य वित्तीय जानकारी में उनका प्रकटीकरण किया जाएगा।

- प्रति शेयर आमदनी (मूल आमदनी और कम हुई आमदनी)
- शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) पर प्रतिफल
- प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य
- ईबीआईटीडीए

(ii) यदि पैसों (आगमों) का उपयोग पूरी तरह से या आंशिक रूप से, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, एक या एक से अधिक कारबारों या एंटिटियों के अर्जन के लिए किया जाना हो, तो कारबार के लिए लागू होने वाले ढाँचे के अनुसार तैयार किया गया सबसे अंत के तीन वित्तीय वर्षों और स्टब अवधि (यदि उपलब्ध हो) के तुलन पत्रों के लेखापरीक्षित विवरण, लाभ और हानि, नकद प्रवाह या अर्जन किए जाने के लिए प्रस्तावित समनुषंगी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल किए जाएंगे। इस उद्देश्य से, प्रस्तावित अर्जन (जिसके अंतर्गत सभी कारबार आते हों या अर्जन किए जाने के लिए प्रस्तावित समनुषंगियाँ आती हों) को महत्वपूर्ण माना जाएगा, बशर्ते कि यह सबसे अंत के वार्षिक समेकित वित्तीय विवरण में व्यापारावर्त (टर्नओवर), या शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) या कर पूर्व लाभ में कुल मिलाकर 20% या उससे अधिक योगदान करे। निर्गमकर्ता निर्गम से आए पैसों में से किए गए उपरोक्त अर्जनों का वित्तीय विवरण स्वैच्छा से प्रदान कर सकेगा, फिर चाहे वे उपरोक्त मटिरियलिटी थ्रेसहोल्ड के नीचे हो। जिन मामलों में अर्जन किए जाने वाले / बेचे जाने वाले कारोबार / एंटिटियों के सामान्य प्रयोजन वाले वित्तीय विवरण उपलब्ध न हो, उन मामलों में उन कारोबारों / एंटिटियों के लिए भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक टिप्पण के अनुसार संयुक्त (कम्बाइंड)/कार्व-आउट वित्तीय विवरण तैयार किए जाएंगे। संयुक्त (कम्बाइंड) / कार्व-आउट वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा लागू ढाँचे के अनुसार विक्रेता के लेखापरीक्षक द्वारा की जाएगी।

(iii) प्रोफार्मा वित्तीय विवरण – निर्गमकर्ता सभी समनुषंगियों या समेकित वित्तीय विवरणों के लिए महत्वपूर्ण कारोबार का कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा यथा-प्रमाणित प्रोफार्मा वित्तीय विवरण प्रदान करेगा, जहाँ निर्गमकर्ता या उसकी समनुषंगियों ने सबसे अंत की अवधि के बाद (जिसके लिए प्रस्ताव दस्तावेज में वित्तीय जानकारी प्रकट की गई है) किंतु प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से पहले अर्जन या विक्रय (जिसमें समझी

गई बिक्री आदि भी शामिल है) किया हो। इस उद्देश्य से, अर्जन / विक्रय को महत्वपूर्ण माना जाएगा, बशर्ते कि अर्जित/विक्रय किया गया कारोबार या समनुषंगी निर्गमकर्ता के सबसे अंत के समेकित वित्तीय विवरण में उल्लिखित व्यापारावर्त (टर्नओवर), शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) या कर पूर्व लाभ में कुल मिलाकर 20% या उससे अधिक योगदान करे। प्रोफार्मा वित्तीय विवरण अंतिम पूर्ण वित्तीय वर्ष और स्टब अवधि (यदि कोई हो) के लिए तैयार किया जाएगा। प्रोफार्मा वित्तीय विवरण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक टिप्पण के अनुसार तैयार किया जाएगा और जिसे कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित किया जाएगा। निर्गमकर्ता कंपनी अर्जनों का प्रोफार्मा वित्तीय विवरण स्वैच्छा से प्रदान कर सकेगा, फिर चाहे वे उपरोक्त मटिरीयलिटी श्रेसहोल्ड के नीचे हो। एक से अधिक अर्जनों या विक्रय (डाइवैस्टमेंट) के मामले में, प्रोफार्मा वित्तीय विवरणों का एक संयुक्त सेट प्रस्तुत किया जाना चाहिए। जहाँ अर्जित/विक्रय किए गए कारोबार किसी अलग एंटिटी का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, ऐसे कारोबार के संबंध में सामान्य प्रयोजन वाले वित्तीय विवरण उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। ऐसे मामलों में, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक टिप्पण के अनुसार संयुक्त (कम्बाइंड)/कार्व-आउट वित्तीय विवरण तैयार किए जाएँगे। इसके अलावा, गैर महत्वपूर्ण अर्जनों/विक्रय के मामले में, अर्जन/विक्रय (डाइवैस्टमेंट) के संबंध में प्रकटीकरणों, अदा किया गया/प्राप्त प्रतिफल और वित्तपोषण के माध्यम को निर्गमकर्ता कंपनी के कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

(ग) भारतीय लेखा मानकों के अनुसार रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण में दर्शाई गई वित्तीय स्थिति और प्रचालनों के परिणामों पर प्रबंध-मंडल के विचार-विमर्श और विश्लेषण अन्य वित्तीय जानकारी में भी दिए जाएँगे।

(i) अंतिम वित्तीय वर्ष के बाद या स्टब अवधि (यदि लागू हो) के बाद महत्वपूर्ण घटनाक्रम: निदेशकों द्वारा कथन कि क्या उनकी राय में प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किये गये अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख के बाद से ऐसी कोई स्थिति उत्पन्न हुई है जो निम्नलिखित को महत्वपूर्ण रूप से और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है या अगले बारह वर्षों में प्रभावित कर सकती है:

क. निर्गमकर्ता का व्यापार (ट्रेडिंग) और लाभप्रदता; या

ख. उसकी आस्तियों के मूल्य; या

ग. अपनी देयताओं को पूरा करने का उसका सामर्थ्य।

(ii) वे कारक जो प्रचालनों के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

(iii) प्रचालनों के परिणामों के संबंध में विचार-विमर्श : इस जानकारी में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल होंगे:

क. समायोजनों के बाद पिछले वित्तीय परिणामों का सारांश दिया जायेगा, जैसा कि पिछले तीन पूर्ण वित्तीय वर्षों और स्टब अवधि (यदि कोई हो) के रीस्टेटेड वित्तीय विवरणों में दिया गया है, जिसमें आय और व्यय की महत्वपूर्ण मदें सम्मिलित हैं।

ख. पिछले तीन वर्षों और सबसे हाल की लेखापरीक्षा अवधि के लिए आय और व्यय की प्रमुख मदों का सारांश।

ग. प्रमुख उत्पाद/मुख्य क्रियाकलापों के कारण आय और विक्रियाँ।

घ. यदि, अन्य आय का योगदान कुल आय के 10 से अधिक होता है, उसका विवरण, आय के स्वरूप अर्थात् आवर्ती या अनावर्ती, के साथ दिया जायेगा।

ङ. यदि आय का महत्वपूर्ण भाग एकल ग्राहक/आपूर्तिकर्ता या कुछेक प्रमुख ग्राहकों/आपूर्तिकर्ता पर निर्भर होता है, तो सुसंगत आँकड़े के साथ इस तथ्य का प्रकटीकरण। इसी प्रकार, यदि निर्गमकर्ता के कारबार के महत्वपूर्ण हिस्से का निर्माण किसी विदेशी ग्राहक/आपूर्तिकर्ता द्वारा किया जाता है तो इस तथ्य का तथा विदेशी मुद्रा की दर में उतार-चढ़ाव के कारण कारबार पर होने वाले इसके प्रभाव का प्रकटीकरण।

च. यदि निर्गमकर्ता ने विक्रयों और आमदनियों को दर्ज करने के लिए लागू लेखा मानकों का पालन नहीं किया है, तो इसके प्रभाव का विश्लेषण किया जाए और उसे प्रकट किया जाए।

छ. अंतरिम अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के लिए विविध आय और विविध व्यय का स्वरूप ।

(iv) लाभ और हानि विवरण के प्रमुख शीर्षों पर अंतिम तीन वर्षों के साथ स्टब अवधि की तुलना, जिसमें अन्य बातों के साथ आय और व्यय की मदों के महत्वपूर्ण मदों में परिवर्तनों के लिए कारणों का विश्लेषण दिया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित शामिल होगा:

- क. असामान्य या कभी-कभार होने वाली घटनाएँ या लेनदेन जिनमें कारबार संबंधी क्रियाकलापों के कारण असामान्य रुख, आय की असामान्य मद, लेखा नीतियों में परिवर्तन और विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते हुए व्यय कम करना, आदि शामिल होगा ;
- ख. महत्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तनों की जानकारी जिनका चल रहे प्रचालनों से होने वाली आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो या पड़ने की संभावना हो;
- ग. उन रुखों और अनिश्चितताओं की जानकारी, जिनका बिक्री, राजस्व या चल रहे प्रचालनों से होने वाली आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो या पड़ने की संभावना हो;
- घ. श्रम या सामग्री की लागतों या कीमतों में भावी बढ़ोतरी जैसी घटनाओं, जिनसे महत्वपूर्ण परिवर्तन आएगा, के मामले में लागतों और आमदनियों के संबंध में भविष्य में होने वाले परिवर्तन की जानकारी;
- ङ. बढ़े हुए विक्रय की मात्रा, नये उत्पादों या सेवाओं को लाने या बढ़ी हुई विक्रय कीमतों के कारण शुद्ध बिक्रीयों और आमदनियों में हुई खासी बढ़ोतरी की सीमा;
- च. प्रत्येक प्रमुख उद्योग खंड का कुल व्यापारावर्त, जिसमें निर्गमकर्ता ने प्रचालन किया है;
- छ. सार्वजनिक रूप से घोषित नये उत्पादों या कारबार खंड की स्थिति, यदि लागू हो;
- ज. सीमा, जिस तक कारबार का स्वरूप सामयिक है;
- झ. एकल या कुछेक आपूर्तिकर्ताओं या ग्राहकों पर किसी प्रकार की उल्लेखनीय निर्भरता;
- ञ. प्रतिस्पर्धात्मक दशाएँ ।

(v) पिछले तीन वर्षों और स्टब अवधि की रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी के आधार पर प्रबंध-मंडल विचार-विमर्श और विश्लेषण करेगा ।

#### (घ) पूँजीकरण विवरण

- (i) पूँजीकरण विवरण जिसमें कुल उधार, कुल इक्विटी दर्शाया गया हो, और निर्गम लाए जाने से पहले एवं निर्गम लाए जाने के पश्चात् का उधार/इक्विटी अनुपात शामिल किया गया हो । इस विवरण को सबसे अंत के वित्तीय वर्ष के या स्टब अवधि (जब लागू हो) के रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर तैयार किया जाएगा ।
- (ii) जिस तारीख को वित्तीय जानकारी प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गयी हो, उस तारीख से शेयर पूँजी में किसी परिवर्तन की दशा में, परिवर्तन के स्वरूप को स्पष्ट करता हुआ टिप्पण दिया जाएगा ।
- (iii) पूँजीकरण विवरण का उदाहरणस्वरूप फॉर्मेट इसके नीचे दिया गया है:

विवरण	निर्गम-पूर्व तारीख	प्रस्तावित निर्गम के लिए यथा-समायोजित
(₹ करोड़ में)		
<b>कुल उधार</b>		
चालू उधार *		
गैर-चालू उधार (परिपक्वता की वर्तमान रकम सहित)*		



<b>कुल इक्विटी</b>		
इक्विटी शेयर पूँजी*		
अन्य इक्विटी*		
<b>कुल पूँजी</b>		
अनुपात: गैर-चालू उधार / कुल इक्विटी		

\*इन शब्दों के अर्थ कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा-संशोधित) की अनुसूची-III के अनुसार होंगे।

## (II) अपेक्षाएँ - यदि रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में प्रस्तुत सबसे अंत की अवधि में भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत लागू होते हैं

प्रस्ताव दस्तावेज में वित्तीय जानकारी संबंधी खंड दो भागों (अर्थात् रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी और अन्य वित्तीय जानकारी) में बाँट दिया जाएगा। रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी और अन्य वित्तीय जानकारी हर तरह से पूरी होनी चाहिए। प्रस्ताव दस्तावेज में एक ही प्रकटीकरण एक से अधिक बार किए जाने से बचने के लिए, रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी और अन्य वित्तीय जानकारी का समुचित रूप से प्रति संदर्भ दिया जाए।

### (क) रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी

- सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत के अनुसार तैयार किए गए तीन वर्षों और स्टब अवधि (यदि लागू हो) के समेकित वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की जानी चाहिए और उसे किसी ऐसे सांविधिक लेखापरीक्षक (लेखापरीक्षकों) द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए जिसके पास भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के समकक्ष समीक्षा बोर्ड (पीयर रिव्यू बोर्ड) द्वारा जारी मान्य प्रमाणपत्र हो। यदि भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल सबसे अंतिम संपूर्ण वित्तीय वर्ष का समेकित वित्तीय विवरण प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से छह माह पुराना है, तो ऐसे में स्टब अवधि का समेकित वित्तीय विवरण अपेक्षित होगा। स्टब अवधि उस तारीख को समाप्त नहीं होनी चाहिए जो प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से छह माह से पहले की हो। भारतीय लेखा मानक 25 *अंतरिम वित्तीय रिपोर्टिंग* के अनुसार, समूह को भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत के अनुसार स्टब अवधि का संपूर्ण समेकित वित्तीय विवरण प्रस्तुत करना चाहिए, उन मामलों को छोड़कर जिनमें निर्गमकर्ता को स्टब अवधि के लिए तुलनात्मक आँकड़ें प्रस्तुत करने से छूट प्रदान की गई हो। समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा-संशोधित) के अनुसार तैयार किए जाएँगे।

क. समेकित वित्तीय विवरण (स्टब अवधि, यदि लागू हो, के समेकित वित्तीय विवरण सहित) को पुनः प्रकट किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसमें सभी अवधियों के लिए की गई प्रस्तुति, प्रकटीकरण और लेखानीतियाँ सबसे अंत की वित्तीय वर्ष / स्टब अवधि की सभी अवधियों की प्रस्तुति, प्रकटीकरण और लेखा नीतियों से मेल खाती हैं। इसी तरह, बड़ी त्रुटियों, प्रावधान न किए जाने (नॉन-प्रॉविज़न), फिर से एकत्र करने (रीग्रूपिंग), अन्य समायोजन, यदि कोई हो, को तत्संबंधी अवधि में दिखाया जाना चाहिए। प्राक्कलनों में यदि कोई परिवर्तन होता है, तो उसे पुनः प्रकट नहीं किया जाएगा, क्योंकि ऐसे परिवर्तन उस तत्संबंधी वर्ष में हुए परिवर्तन हैं। निर्गमकर्ता के पास यह विकल्प है कि वह स्टब अवधि के लिए तुलनात्मक आँकड़े प्रस्तुत कर सकता है। लेखा मानक 5 *अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि, पूर्वावधि मर्दे, और लेखा नीतियों में परिवर्तन* के अनुसार त्रुटियों में सुधार, लेखा नीतियों में परिवर्तनों और लेखा अनुमानों में परिवर्तनों के संबंध में उचित प्रकटीकरण किए जाने चाहिए।

ख. एसए 705 *स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में अभिमत में संशोधन* के अनुसार कोई महत्वपूर्ण गलतबयानी हो जाने पर अर्हित अभिमत, प्रतिकूल अभिमत या अभिमत से दावात्याग करना अपेक्षित है। पात्र निर्गमकर्ता के संबंध में, लेखापरीक्षा में संशोधन (जिनका परिमाण निकाला जा सकता है या जिनके बारे में अनुमान लगाया जा सकता है) उचित अवधि में रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में समायोजित किए जाएँगे। उन परिस्थितियों में जिनमें अर्हता को परिमाणित नहीं किया जा सकता या उसके बारे में अनुमान नहीं

निकाला जा सकता, लेखा नोट में उचित प्रकटीकरण किए जाएँगे कि क्यों अर्हता को परिमाणित नहीं किया जा सकता या उसके बारे में अनुमान नहीं निकाला जा सकता।

- ग. लेखापरीक्षित समेकित वित्तीय विवरण के इक्विटी और लाभ (हानि) तथा रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण के इक्विटी और लाभ (हानि) के अंतर के बारे में समाधान (रिकॉन्सिलिएशन) कॉलम में प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
- घ. लेखापरीक्षक रीस्टेटेड और लेखापरीक्षित वित्तीय जानकारी के संबंध में भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए *मार्गदर्शन टिप्पण* के अनुसार जाँच-पड़ताल रिपोर्ट जारी करेगा।
- ङ. जिस तारीख को लेखापरीक्षक रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी पर हस्ताक्षर कर रहे हों, उस तारीख को उनके पास भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के पीयर रिव्यू बोर्ड द्वारा जारी एक मान्य समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र होना चाहिए। यदि किसी नए लेखापरीक्षक, जिसके पास मान्य समकक्ष समीक्षा (पीयर रिव्यू) प्रमाणपत्र है, को स्टव अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है, और उसके पिछले लेखापरीक्षक के पास अंतिम वार्षिक वित्तीय विवरण पर हस्ताक्षर करने की तारीख को मान्य समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र न हो, तो इस दशा में लागू मानकों के अनुसार यह आवश्यक है कि नए लेखापरीक्षक द्वारा अंतिम वार्षिक वित्तीय विवरण की दुबारा लेखापरीक्षा की जाए। पुनः लेखापरीक्षा करते समय सीएआरओ के संबंध में लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग मामलों, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और ऐसे मामलों की पुनः लेखापरीक्षा करनी जरूरी नहीं है जो पूरी तरह से विनियामक मामले हैं। जहाँ लेखापरीक्षक के पास पहले मान्य समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र था, किंतु रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी पर हस्ताक्षर करते समय उसके पास मान्य प्रमाणपत्र नहीं रहा हो, तो ऐसी दशा में पिछले प्रमाणपत्र को मान्य माना जाएगा, बशर्ते कि समकक्ष समीक्षा बोर्ड द्वारा प्रमाणपत्र को नवीकरण प्रदान करने से स्पष्ट रूप से इनकार न कर दिया गया हो और लेखापरीक्षक द्वारा समकक्ष समीक्षा प्रमाणपत्र के नवीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई हो।
- च. जहाँ निर्गमकर्ता के पास किसी भी वित्तीय वर्ष में कोई समनुषंगी, सहयुक्त (सहयोगी) या संयुक्त उद्यम न हो, तो निर्गमकर्ता रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण की लागू अपेक्षाओं का पालन करते हुए उस वित्तीय वर्ष के लिए अलग से वित्तीय विवरण प्रस्तुत करेगा।
- छ. समेकित एंटिटियों के संबद्ध पक्षकारों और संबद्ध पक्षकार लेनदेनों की सूची (चाहे समेकन के दौरान उन्हें समाप्त कर दिया गया हो या समाप्त न किया गया हो), जिसके संबंध में भारतीय लेखा मानक 18 के तहत प्रकटीकरण अपेक्षित हो और / या जो कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा-संशोधित) के तहत आते हों, का प्रकटीकरण रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में उसी तरह किया जाना चाहिए जैसे कि उनका प्रकटीकरण समेकित एंटिटियों के लिए अलग से प्रस्तुत किए गए वित्तीय विवरण में किया गया हो।
  - समेकित एंटिटियों के बीच वित्तपोषण संबंधी सभी इंतजाम, जिनमें परस्पर गारंटी भी शामिल हैं (इक्विटी शेयर पूँजी में अंशदान को छोड़कर), का प्रकटीकरण किया जाएगा। वित्तपोषण संबंधी इंतजाम और पैसा अंतरण करने पर लगाए गए प्रतिबंधों से संबंधित महत्वपूर्ण शर्तों आदि को रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में प्रकट किया जाएगा।
- ज. भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत के अनुसार पहचान की गई रकम और उपायों के आधार पर और भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक टिप्पण के अनुसार रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी में निम्नलिखित प्रकटीकरण किए जाएँगे:
  - i. लेखा मानक 13 के अनुसार प्रकटीकरण
  - ii. लेखा मानक 14 के अनुसार प्रकटीकरण
- (ii) निर्गमकर्ता कंपनी और उसकी सभी महत्वपूर्ण समनुषंगियों के प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से पिछले तीन पूर्ण वित्तीय वर्षों के अलग से लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण निर्गमकर्ता के वेबसाइट पर नीचे (ख) में उल्लिखित मटिरीयलिटी श्रेसहोल्ड के अनुसार उपलब्ध करवाए जाएँगे। वैकल्पिक रूप से, निर्गमकर्ता के वेबसाइट पर समनुषंगियों के वित्तीय विवरण के सुसंगत लिंक होने चाहिए। प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरण का लिंक अलग से दिया जाना चाहिए। इस उद्देश्य से, कंपनी अधिनियम, 2013 में दी गई

परिभाषाओं के आधार पर समनुषंगियों की पहचान की जानी चाहिए। उपरोक्त अपेक्षाएँ उस अवधि तक ही लागू रहेंगी जब तक मूल कंपनी और उसकी समनुषंगी के बीच आपसी संबंध बना रहता है।

(क) प्रत्येक समेकित एंटिटियों (जिनका वित्तीय विवरण अंग्रेजी में उपलब्ध नहीं है) के वित्तीय विवरणों की प्रमाणित अंग्रेजी अनूदित प्रति कंपनी के वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

(ख) भारतीय मुद्रा से भिन्न किसी अन्य मुद्रा में सूचित किए गए वित्तीय विवरण का अनुवाद भारतीय लेखा मानक 21 के अनुसार भारतीय रुपये में किया जाएगा। विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तनों के प्रभाव सूचित किए जाएंगे। समेकित वित्तीय विवरण के लिए महत्वपूर्ण न होने और स्थानीय विनियम के अनुसार लेखापरीक्षा करना अपेक्षित होने पर सभी विदेशी समेकित एंटिटियों के वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की जाएगी। इस उद्देश्य से, किसी समेकित एंटिटी को महत्वपूर्ण तभी माना जाएगा, जब संबंधित वर्ष के वार्षिक समेकित वित्तीय विवरण में व्यापारावर्त (टर्नओवर) या शुद्ध-मालियत (नेट-वर्थ) या कर पूर्व लाभ में उसका योगदान 10% या उससे अधिक का हो। इसके अलावा, अलेखापरीक्षित समेकित वित्तीय विवरण संबंधित वर्ष के वार्षिक समेकित वित्तीय विवरण में व्यापारावर्त (टर्नओवर) या शुद्ध-मालियत (नेट-वर्थ) या कर पूर्व लाभ में 20% या उससे अधिक न हो। इस खंड के प्रयोजनार्थ, व्यापारावर्त (टर्नओवर), शुद्ध-मालियत (नेट-वर्थ) और कर पूर्व लाभ की परिभाषा कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा-संशोधित) के अनुसार होनी चाहिए।

(ग) विदेशी समेकित एंटिटियों के वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा संबंधित देशों में लागू स्थानीय विनियमों की अपेक्षाओं के अनुसार की जा सकेगी। हालाँकि, उन मामलों में जहाँ स्थानीय विनियमों के अनुसार लेखापरीक्षा करना अनिवार्य नहीं है, वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा भारत में लागू लेखापरीक्षा मानकों / अपेक्षाओं के अनुसार की जानी चाहिए।

(घ) विदेशी समनुषंगियों के वित्तीय विवरण भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत से भिन्न सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत (जीएएपी) में स्वीकार्य हो सकेंगे, यदि स्थानीय कानूनों के अनुसार स्थानीय जीएएपी का लागू होना अपेक्षित हो।

### (ख) अन्य वित्तीय जानकारी

(i) भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी *मार्गदर्शन टिप्पण* के अनुसार निम्नलिखित जानकारी की गणना की जाएगी और अन्य वित्तीय जानकारी में उनका प्रकटीकरण किया जाएगा।

- प्रति शेयर आमदनी (मूल आमदनी और कम हुई आमदनी)
- शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) पर प्रतिफल
- प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य
- ईबीआईटीडीए

(ii) यदि पैसों (आगमों) का उपयोग पूरी तरह से या आंशिक रूप से, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, एक या एक से अधिक कारबारों या एंटिटियों के अर्जन के लिए किया जाना हो, तो कारबार के लिए लागू होने वाले ढाँचे के अनुसार तैयार किया गया सबसे अंत के तीन वित्तीय वर्षों और स्टब अवधि (यदि उपलब्ध हो) के तुलन पत्रों के लेखापरीक्षित विवरण, लाभ और हानि, नकद प्रवाह या अर्जन किए जाने के लिए प्रस्तावित समनुषंगी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल किए जाएंगे। इस उद्देश्य से, प्रस्तावित अर्जन (जिसके अंतर्गत सभी कारबार आते हों या अर्जन किए जाने के लिए प्रस्तावित समनुषंगियाँ आती हों) को महत्वपूर्ण माना जाएगा, बशर्ते कि यह सबसे अंत के वार्षिक समेकित वित्तीय विवरण में व्यापारावर्त (टर्नओवर), या शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) या कर पूर्व लाभ में कुल मिलाकर 20% या उससे अधिक योगदान करे। निर्गमकर्ता निर्गम से आए पैसों में से किए गए उपरोक्त अर्जनों का वित्तीय विवरण स्वैच्छा से प्रदान कर सकेगा, फिर चाहे वे उपरोक्त मटिरीयलिटी थ्रेसहोल्ड के नीचे हो। जिन मामलों में अर्जन किए जाने वाले / बेचे जाने वाले कारोबार / एंटिटियों के सामान्य प्रयोजन वाले वित्तीय विवरण उपलब्ध न हो, उन मामलों में उन कारोबारों / एंटिटियों के लिए भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक टिप्पण के अनुसार संयुक्त (कम्बाइंड) / कार्व-आउट वित्तीय विवरण तैयार किए जाएंगे। संयुक्त (कम्बाइंड) / कार्व-आउट वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा लागू ढाँचे के अनुसार विक्रेता के लेखापरीक्षक द्वारा की जाएगी।

(iii) प्रोफार्मा वित्तीय विवरण – निर्गमकर्ता सभी समनुषंगियों या समेकित वित्तीय विवरणों के लिए महत्वपूर्ण कारोबार का कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा यथा प्रमाणित प्रोफार्मा वित्तीय विवरण प्रदान करेगा, जहाँ निर्गमकर्ता या उसकी समनुषंगियों ने सबसे अंत की अवधि के बाद (जिसके लिए प्रस्ताव दस्तावेज में वित्तीय जानकारी प्रकट की गई है) किंतु प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से पहले अर्जन या विक्रय (जिसमें समझी गई बिक्री आदि भी शामिल है) किया हो। इस उद्देश्य से, अर्जन / विक्रय को महत्वपूर्ण माना जाएगा, बशर्ते कि अर्जित / विक्रय किया गया कारोबार या समनुषंगी निर्गमकर्ता के सबसे अंत के समेकित वित्तीय विवरण में उल्लिखित व्यापारावर्त (टर्नओवर), शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) या कर पूर्व लाभ में कुल मिलाकर 20% या उससे अधिक योगदान करे। प्रोफार्मा वित्तीय विवरण अंतिम पूर्ण वित्तीय वर्ष और स्टब अवधि (यदि कोई हो) के लिए तैयार किया जाएगा। प्रोफार्मा वित्तीय विवरण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक टिप्पण के अनुसार तैयार किया जाएगा और जिसे कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित किया जाएगा। निर्गमकर्ता कंपनी अर्जनों का प्रोफार्मा वित्तीय विवरण स्वैच्छा से प्रदान कर सकेगा, फिर चाहे वे उपरोक्त मटिरियलिटी थ्रेसहोल्ड के नीचे हो। एक से अधिक अर्जनों या विक्रय (डाइवैस्टमेंट) के मामले में, प्रोफार्मा वित्तीय विवरणों का एक संयुक्त सेट प्रस्तुत किया जाना चाहिए। जहाँ अर्जित/विक्रय किए गए कारोबार किसी अलग एंटिटी का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, ऐसे कारोबार के संबंध में सामान्य प्रयोजन वाले वित्तीय विवरण उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। ऐसे मामलों में, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक टिप्पण के अनुसार संयुक्त (कम्बाइंड)/कार्व-आउट वित्तीय विवरण तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा, गैर महत्वपूर्ण अर्जनों / विक्रय के मामले में, अर्जन/विक्रय (डाइवैस्टमेंट) के संबंध में प्रकटीकरणों, अदा किया गया/प्राप्त प्रतिफल और वित्तपोषण के माध्यम को निर्गमकर्ता कंपनी के कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

(ग) भारतीय लेखा मानकों के अनुसार रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण में दर्शाई गई वित्तीय स्थिति और प्रचालनों के परिणामों पर प्रबंध-मंडल के विचार-विमर्श और विश्लेषण अन्य वित्तीय जानकारी में भी दिए जाएंगे।

(i) अंतिम वित्तीय वर्ष के बाद या स्टब अवधि (यदि लागू हो) के बाद महत्वपूर्ण घटनाक्रम: निदेशकों द्वारा कथन कि क्या उनकी राय में प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किये गये अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख के बाद से ऐसी कोई स्थिति उत्पन्न हुई है जो निम्नलिखित को महत्वपूर्ण रूप से और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है या अगले बारह वर्षों में प्रभावित कर सकती है :

- क. निर्गमकर्ता का व्यापार (ट्रेडिंग) और लाभप्रदता; या
- ख. उसकी आस्तियों के मूल्य; या
- ग. अपनी देयताओं को पूरा करने का उसका सामर्थ्य।

(ii) वे कारक जो प्रचालनों के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

(iii) प्रचालनों के परिणामों के संबंध में विचार-विमर्श : इस जानकारी में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल होंगे:

- क. समायोजनों के बाद पिछले वित्तीय परिणामों का सारांश दिया जायेगा, जैसा कि पिछले तीन पूर्ण वित्तीय वर्षों और स्टब अवधि (यदि कोई हो) के लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में दिया गया है, जिसमें आय और व्यय की महत्वपूर्ण मदें सम्मिलित हैं।
- ख. पिछले तीन वर्षों और सबसे हाल की लेखापरीक्षा अवधि के लिए आय और व्यय की प्रमुख मदों का सारांश।
- ग. प्रमुख उत्पाद /मुख्य क्रियाकलापों के कारण आय और विक्रियाँ।
- घ. यदि, अन्य आय का योगदान कुल आय के 10 से अधिक होता है, उसका विवरण, आय के स्वरूप अर्थात् आवर्ती या अनावर्ती, के साथ दिया जाएगा।
- ङ. यदि आय का महत्वपूर्ण भाग एकल ग्राहक/आपूर्तिकर्ता या कुछेक प्रमुख ग्राहकों/आपूर्तिकर्ता पर निर्भर होता है, तो सुसंगत आँकड़े के साथ इस तथ्य का प्रकटीकरण। इसी प्रकार, यदि निर्गमकर्ता के कारबार के महत्वपूर्ण हिस्से का निर्माण किसी विदेशी ग्राहक/आपूर्तिकर्ता द्वारा किया जाता है तो इस

तथ्य का तथा विदेशी मुद्रा की दर में उतार-चढ़ाव के कारण कारबार पर होनेवाले इसके प्रभाव का प्रकटीकरण ।

च. यदि निर्गमकर्ता ने विक्रयों और आमदनियों को दर्ज करने के लिए कानून द्वारा निर्धारित तरीके का पालन नहीं किया है, तो इसके प्रभाव का विश्लेषण किया जाए और उसे प्रकट किया जाए ।

छ. अंतरिम अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के लिए विविध आय और विविध व्यय का स्वरूप, यदि लागू हो ।

(iv) लाभ और हानि विवरण के प्रमुख शीर्षों पर अंतिम तीन वर्षों के साथ स्टब अवधि की तुलना, जिसमें अन्य बातों के साथ आय और व्यय की मदों के महत्वपूर्ण मदों में परिवर्तनों के लिए कारणों का विश्लेषण दिया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित शामिल होगा:

क. असामान्य या कभी-कभार होने वाली घटनाएँ या लेनदेन जिनमें कारबार संबंधी क्रियाकलापों के कारण असामान्य रुख, आय की असामान्य मद, लेखा नीतियों में परिवर्तन और विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते हुए व्यय कम करना, आदि शामिल होगा ;

ख. महत्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तनों की जानकारी जिनका चल रहे प्रचालनों से होने वाली आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो या पड़ने की संभावना हो;

ग. उन रुखों और अनिश्चितताओं की जानकारी, जिनका बिक्री, राजस्व या चल रहे प्रचालनों से होने वाली आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो या पड़ने की संभावना हो;

घ. श्रम या सामग्री की लागतों या कीमतों में भावी बढ़ोतरी जैसी घटनाओं, जिनसे महत्वपूर्ण परिवर्तन आएगा, के मामले में लागतों और आमदनियों के संबंध में भविष्य में होने वाले परिवर्तन की जानकारी;

ङ. बढ़े हुए विक्रय की मात्रा, नये उत्पादों या सेवाओं को लाने या बढ़ी हुई विक्रय कीमतों के कारण शुद्ध बिक्रीयों और आमदनियों में हुई खासी बढ़ोतरी की सीमा;

च. प्रत्येक प्रमुख उद्योग खंड का कुल व्यापारावर्त, जिसमें निर्गमकर्ता ने प्रचालन किया है;

छ. सार्वजनिक रूप से घोषित नये उत्पादों या कारबार खंड की स्थिति;

ज. सीमा, जिस तक कारबार का स्वरूप सामयिक है;

झ. एकल या कुछेक आपूर्तिकर्ताओं या ग्राहकों पर किसी प्रकार की उल्लेखनीय निर्भरता;

ञ. प्रतिस्पर्धात्मक दशाएँ ।

(v) पिछले तीन वर्षों और स्टब अवधि की रीस्टेटेड वित्तीय जानकारी के आधार पर प्रबंध-मंडल विचार-विमर्श और विश्लेषण करेगा ।

(घ) पूँजीकरण विवरण:

(i) पूँजीकरण विवरण जिसमें कुल उधार, कुल इक्विटी दर्शाया गया हो, और निर्गम लाए जाने से पहले एवं निर्गम लाए जाने के पश्चात् का उधार/इक्विटी अनुपात शामिल किया जायेगा । इस विवरण को सबसे अंत के वित्तीय वर्ष के या स्टब अवधि (यदि लागू हो) के रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर तैयार किया जाएगा ।

(ii) जिस तारीख को वित्तीय जानकारी प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गयी हो, उस तारीख से शेयर पूँजी में किसी परिवर्तन की दशा में, परिवर्तन के स्वरूप को स्पष्ट करता हुआ टिप्पण दिया जाएगा ।

(iii) पूँजीकरण विवरण का फार्मेट उदाहरणस्वरूप इसके नीचे दिया गया है:

विवरण	निर्गम-पूर्व की तारीख	प्रस्तावित निर्गम के लिए यथा समायोजित
(₹ करोड़ में)		
<b>कुल उधार</b>		
अल्पावधि उधार*		
दीर्घावधि उधार (वर्तमान परिपक्वता की रकम सहित)*		
<b>कुल इक्विटी</b>		
शेयर पूँजी *		
आरक्षित और अधिशेष*		
शेयर वारंटों की एवज में प्राप्त पैसे *		
<b>कुल पूँजी</b>		
अनुपात: दीर्घावधि उधार / कुल इक्विटी		

\* इन शब्दों के अर्थ कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा-संशोधित) की अनुसूची-III के अनुसार होंगे।

### (III) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्तावों में निर्गमकर्ता की वित्तीय जानकारी:

- (i) बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता उप-मद (ख) में निर्धारित जानकारी के बदले इस उप-मद के खण्ड (ii) में निर्धारित वित्तीय जानकारी प्रकट कर सकेगा, यदि :
  - क. निर्गमकर्ता इन विनियमों के लागू उपबंधों के अनुसार तीव्र-पथीय (फास्ट ट्रैक) माध्यम से बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव ला रहा है ;
  - ख. बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव में प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियाँ, उन्हीं निर्धारित प्रतिभूतियों के वर्ग की हैं जो स्टॉक एक्सचेंज में पहले ही से सूचीबद्ध हैं ;
  - ग. निर्गमकर्ता की वित्तीय रिपोर्टें किसी भी स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट पर या बोर्ड द्वारा निर्धारित सामान्य ई-फाइलिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं ;
  - घ. निर्गमकर्ता के प्रबंध-मंडल में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है ;
  - ङ. निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदान की गई छूट के अनुसरण में सूचीबद्ध नहीं की गयी हैं।
- (ii) खण्ड (i) में निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाला निर्गमकर्ता समेकित वित्तीय विवरणों को उसी रूप में प्रकट कर सकेगा जैसे कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रकट करने का प्रावधान है।
- (iii) उस तारीख को जो निर्गम के खुलने की तारीख से पहले छह महीनों से पूर्व की न हो, लाभ या हानि और आस्तियों तथा देयताओं की सीमित समीक्षा के संबंध में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट (लेखा नीतियों में परिवर्तनों को दर्शाते हुए, यदि कोई हों), जहाँ ऐसी तारीख को लेखापरीक्षित लेखे उपलब्ध न हों। इस उद्देश्य से, यह पर्याप्त होगा यदि:
  - क. आस्तियों तथा देयताओं के विवरण में, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-III के भाग-I में किये गये प्रावधानों के अनुसार आस्तियों तथा देयताओं के मुख्य शीर्ष दिये गये हैं। यदि निर्गमकर्ता कंपनी

अधिनियम, 2013 से भिन्न किसी कानून द्वारा विनियमित है, तो ऐसे कानून में यथा-निर्धारित आस्तियों और देयताओं के मुख्य शीर्ष आस्तियों और देयताओं के विवरण में दिये जायेंगे।

ख. लाभ या हानि के विवरण में, स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल की जाने वाली तिमाही वित्तीय जानकारी के बारे में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के विनियम 33 के अनुसार आय एवं व्यय के शीर्षों के तहत प्रकट किये जाने हेतु अपेक्षित जानकारी, उपलब्ध करा दी गयी है।

- (iv) महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ, यदि कोई हो, जो निर्गमकर्ता की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हों।
- (v) अंतिम चार सप्ताहों की सप्ताहांत कीमतें; वर्तमान बाजार कीमत; और संबंधित तारीखों से संबंधित अवधि के दौरान इक्विटी शेयरों की उच्चतम एवं निम्नतम कीमतें। यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, उपरोक्त जानकारी प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के संबंध में अलग-अलग उपलब्ध कराई जाएगी।
- (vi) कंपनी के शेयरों / संपरिवर्तनीय लिखतों के स्टॉक बाजार भाव (अंतिम तीन वर्षों में से प्रत्येक में उच्च / निम्न कीमतें और अंतिम छह महीनों के दौरान मासिक उच्च / निम्न कीमतें)। यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, उपरोक्त जानकारी प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के संबंध में अलग-अलग उपलब्ध कराई जाएगी।
- (vii) लेखा और अन्य अनुपात : जिन लेखा अवधियों हेतु वित्तीय जानकारी दी गई है, उनमें से प्रत्येक लेखा अवधि के लिए निम्नलिखित लेखा अनुपात दिये जायेंगे:
- आमदनी प्रति शेयर (मूल आमदनी और कम हुई आमदनी)
  - शुद्ध मालियत पर प्रतिफल
  - प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य
  - ईबीआईटीडीए

(viii) पूँजीकरण विवरण:

क. पूँजीकरण विवरण जिसमें कुल ऋण, शुद्ध मालियत, और निर्गम लाए जाने से पहले एवं निर्गम लाए जाने के पश्चात् का ऋण / इक्विटी अनुपात दर्शाया गया हो।

ख. जिस तारीख को वित्तीय जानकारी प्रॉस्पेक्ट्स में प्रकट की गयी हो, उस तारीख से शेयर पूँजी में किसी परिवर्तन की दशा में, परिवर्तन के स्वरूप को स्पष्ट करता हुआ टिप्पण दिया जाएगा।

ग. पूँजीकरण विवरण का फॉर्मेट उदाहरणस्वरूप इसके नीचे दिया गया है:

विवरण	निर्गम-पूर्व की तारीख	प्रस्तावित निर्गम के लिए यथा समायोजित
(₹ करोड़ में)		
<b>कुल उधार</b>		
चालू उधार *		
गैर-चालू उधार (वर्तमान परिपक्वता की रकम सहित)*		
<b>कुल इक्विटी</b>		
शेयर पूँजी *		

आरक्षिति और अधिशेष*		
शेयर वारंटों की एवज में प्राप्त पैसे *		
<b>कुल पूँजी</b>		
अनुपात: गैर-चालू उधार / कुल इक्विटी		

\* इन शब्दों के अर्थ कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा संशोधित) की अनुसूची-III के अनुसार होंगे।

- (ix) भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत के अनुसार रीस्टेटेड समेकित वित्तीय विवरण में दर्शाई गई वित्तीय स्थिति और प्रचालनों के परिणामों पर प्रबंध-मंडल के विचार-विमर्श और विश्लेषण अन्य वित्तीय जानकारी में भी दिए जाएँगे।
- (x) निर्गमर्ता के कारोबार का सिंहावलोकन।
- (xi) अंतिम वित्तीय वर्ष के बाद या स्टब अवधि (यदि लागू हो) के बाद महत्वपूर्ण घटनाक्रम: निदेशकों द्वारा कथन कि क्या उनकी राय में प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किये गये अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख के बाद से ऐसी कोई स्थिति उत्पन्न हुई है जो निम्नलिखित को महत्वपूर्ण रूप से और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है या अगले बारह वर्षों में प्रभावित कर सकती है :
- क. निर्गमकर्ता का व्यापार (ट्रेडिंग) और लाभप्रदता; या
- ख. उसकी आस्तियों के मूल्य; या
- ग. अपनी देयताओं को पूरा करने का उसका सामर्थ्य।
- (xii) वे कारक जो प्रचालनों के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।
- (xiii) प्रचालनों के परिणामों के संबंध में विचार-विमर्श : इस जानकारी में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल होंगे:
- क. समायोजनों के बाद पिछले वित्तीय परिणामों का सारांश दिया जायेगा, जैसा कि पिछले तीन पूर्ण वित्तीय वर्षों और स्टब अवधि (यदि कोई हो) के लेखापरीक्षक के रिपोर्ट में दिया गया है, जिसमें आय और व्यय की महत्वपूर्ण मदें सम्मिलित हैं।
- ख. पिछले तीन वर्षों और सबसे हाल की लेखापरीक्षा अवधि के लिए आय और व्यय की प्रमुख मदों का सारांश।
- ग. प्रमुख उत्पाद / मुख्य क्रियाकलापों के कारण आय और विक्रियाँ।
- घ. यदि, अन्य आय का योगदान कुल आय के 10 से अधिक होता है, उसका विवरण, आय के स्वरूप अर्थात् आवर्ती या अनावर्ती, के साथ दिया जायेगा।
- ङ. यदि आय का महत्वपूर्ण भाग एकल ग्राहक/आपूर्तिकर्ता या कुछेक प्रमुख ग्राहकों/आपूर्तिकर्ता पर निर्भर होता है, तो सुसंगत आँकड़े के साथ इस तथ्य का प्रकटीकरण। इसी प्रकार, यदि निर्गमकर्ता के कारबार के महत्वपूर्ण हिस्से का निर्माण किसी विदेशी ग्राहक/आपूर्तिकर्ता द्वारा किया जाता है तो इस तथ्य का तथा विदेशी मुद्रा की दर में उतार-चढ़ाव के कारण कारबार पर होने वाले इसके प्रभाव का प्रकटीकरण।
- च. यदि निर्गमकर्ता ने विक्रयों और आमदनियों को दर्ज करने के लिए कानून द्वारा निर्धारित तरीके का पालन नहीं किया है, तो इसके प्रभाव का विश्लेषण किया जाए और उसे प्रकट किया जाए।
- छ. अंतरिम अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के लिए विविध आय और विविध व्यय का स्वरूप, यदि लागू हो।
- (xiv) लाभ और हानि विवरण के प्रमुख शीर्षों पर अंतिम तीन वर्षों के साथ स्टब अवधि की तुलना, जिसमें अन्य बातों के साथ आय और व्यय की मदों के महत्वपूर्ण मदों में परिवर्तनों के लिए कारणों का विश्लेषण दिया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित शामिल होगा:



- क. असामान्य या कभी-कभार होने वाली घटनाएँ या लेनदेन जिनमें कारबार संबंधी क्रियाकलापों के कारण असामान्य रुख, आय की असामान्य मद, लेखा नीतियों में परिवर्तन और विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते हुए व्यय कम करना, आदि शामिल होगा ;
- ख. महत्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तनों की जानकारी जिनका चल रहे प्रचालनों से होने वाली आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो या पड़ने की संभावना हो;
- ग. उन रुखों और अनिश्चितताओं की जानकारी, जिनका बिक्री, राजस्व या चल रहे प्रचालनों से होने वाली आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो या पड़ने की संभावना हो;
- घ. श्रम या सामग्री की लागतों या कीमतों में भावी बढ़ोतरी जैसी घटनाओं, जिनसे महत्वपूर्ण परिवर्तन आएगा, के मामले में लागतों और आमदनियों के संबंध में भविष्य में होने वाले परिवर्तन की जानकारी;
- ङ. बड़े हुए विक्रय की मात्रा, नये उत्पादों या सेवाओं को लाने या बड़ी हुई विक्रय कीमतों के कारण शुद्ध बिक्रीयों और आमदनियों में हुई खासी बढ़ोतरी की सीमा;
- च. प्रत्येक प्रमुख उद्योग खंड का कुल व्यापारवर्त, जिसमें निर्गमकर्ता ने प्रचालन किया है;
- छ. सार्वजनिक रूप से घोषित नये उत्पादों या कारबार खंड की स्थिति, यदि लागू हो;
- ज. सीमा, जिस तक कारबार का स्वरूप सामयिक है;
- झ. एकल या कुछेक आपूर्तिकर्ताओं या ग्राहकों पर किसी प्रकार की उल्लेखनीय निर्भरता;
- ञ. प्रतिस्पर्धात्मक दशाएँ ।

#### (12) विधिक तथा अन्य जानकारी:

##### (क) लंबित मुकदमे और महत्वपूर्ण घटनाक्रम:

(1) लंबित मुकदमे जिनमें निर्गमकर्ता/उसके निदेशक/संप्रवर्तक/समनुषंगियाँ (सब्सीडियरी) शामिल हों :

- (i) सभी दांडिक कार्यवाहियाँ;
- (ii) विनियामक प्राधिकरणों और कानूनी प्राधिकरणों द्वारा सभी कार्रवाइयाँ;
- (iii) अंतिम पाँच वित्तीय वर्षों में संप्रवर्तकों के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड या स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा की गयी कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई (शास्ति सहित) के ब्यौरे, साथ ही लंबित कार्रवाइयों के ब्यौरे;
- (iv) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों से संबंधित दावों (समेकित रूप से) के संबंध में, मामलों की संख्या और कुल रकम के ब्यौरे देते हुए;
- (v) अन्य लंबित मुकदमे - निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल द्वारा निर्धारित और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गई महत्ता (तात्विकता) नीति के अनुसार ।

(2) लेनदारों के प्रति बकाया राशि:

- (i) निदेशक-मंडल द्वारा निर्धारित महत्ता (तात्विकता) नीति के आधार पर, लेनदारों के ब्यौरे जिसमें लेनदारों की समेकित संख्या और शामिल कुल रकम का उल्लेख हो;
- (ii) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और अन्य लेनदारों के प्रति बकाया राशियों के संबंध में समेकित जानकारी, मामलों की संख्या और निहित रकम के ब्यौरे अलग से देते हुए;
- (iii) बड़े लेनदारों के प्रति बकाया राशियों के बारे में पूरे ब्यौरे (ऐसे प्रत्येक बड़े लेनदार का नाम और उनसे संबंधित देय राशि का उल्लेख करते हुए) कंपनी के वेबसाइट पर प्रकट किए जाएँगे और साथ ही उनका वेब-लिंक भी दिया जाएगा ।

- (3) यदि प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने के बाद ऊपर उल्लिखित मुकदमें, महत्वपूर्ण घटनाक्रम, लेनदारों के प्रति बकाया आदि कुछ भी सामने आता है, तो यह तथ्य प्रस्ताव दस्तावेज में समुचित रूप में शामिल किया जायेगा। यदि ऐसा कोई मामला नहीं है, तो प्रस्ताव दस्तावेज में इस संबंध में सुस्पष्ट नकारात्मक कथन किया जाना अपेक्षित है। अंतिम तुलन-पत्र की तारीख से महत्वपूर्ण घटनाक्रम।
- (4) **बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव या साधिकार निर्गम के मामले में इरादतन चूककर्ताओं से संबंधित प्रकटीकरण:** यदि निर्गमकर्ता अथवा उसके किसी संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) को इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) के रूप में घोषित किया गया हो, तो वह ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के संबंध में अलग-अलग निम्नलिखित प्रकटीकरण करेगा :
- (क) उस व्यक्ति का नाम, जिसे इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया गया हो;
- (ख) उस बैंक का नाम, जिसने उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया हो;
- (ग) वह वर्ष, जिसमें उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया गया हो;
- (घ) उस समय बकाया रकम, जब उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया गया हो;
- (ङ) उस व्यक्ति द्वारा इरादतन चूककर्ताओं (जानबूझकर चूक करने वालों) की सूची से उसके नाम हटाए जाने के लिए उठाए गए कदम, यदि कोई हों;
- (च) ऐसे अन्य प्रकटीकरण, जो निवेशकों (विनिधानकर्ताओं) को सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बनाने के उद्देश्य से निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा उचित समझे जाएँ;
- (छ) बोर्ड द्वारा यथा-निर्धारित कोई अन्य प्रकटीकरण।
- (5) इस तथ्य को मुख पृष्ठ (कवर पेज) पर (अंदर के पृष्ठों का प्रति-संदर्भ देते हुए) प्रमुखता से प्रकट किया जाएगा कि निर्गमकर्ता (इश्युअर) अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) है।
- (6) यहाँ निर्धारित प्रकटीकरण एक अलग अध्याय या खंड में किए जाएँगे और जिसका स्पष्ट उल्लेख अनुक्रमणिका (इंडेक्स) / विषय-सूची में किया जाएगा।

#### (ख) सरकारी अनुमोदन:

- (1) निवेश का अनुमादेन (भारत सरकार / भारतीय रिज़र्व बैंक, इत्यादि, जो भी लागू हो), आशय पत्र या औद्योगिक अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) और वित्तीय सुदृढ़ता या विवरणों की शुद्धता के लिए जिम्मेदारी न लिए जाने के बारे में केंद्र सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक या अन्य किसी विनियामक प्राधिकरण की घोषणा।
- (2) सभी सरकारी और अन्य अनुमोदन जो निर्गमकर्ता और महत्वपूर्ण समनुषंगियों के कारोबार व परिचालनों को चलाने के लिए महत्वपूर्ण और आवश्यक हैं।

#### (13) समूह कंपनियों से संबंधित जानकारी

(क) यदि निर्गमकर्ता सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण या निगम अथवा उनमें से किसी के द्वारा गठित कोई विशेष प्रयोजन माध्यम नहीं है, तो सभी समूह कंपनियों के बारे में, लेखापरीक्षित विवरणों के आधार पर, पिछले तीन वर्षों के लिए निम्नलिखित जानकारी, जहाँ कहीं लागू हो, लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों के साथ दी जायेगी:

- (i) निगमन की तारीख;
- (ii) क्रियाकलापों का स्वरूप;
- (iii) इक्विटी पूँजी;
- (iv) आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर);
- (v) विक्रय;

- (vi) कर पश्चात् लाभ;
- (vii) प्रति शेयर आमदनी और प्रति शेयर कम हुई आमदनी;
- (viii) शुद्ध आस्ति मूल्य;
- (ix) सूचीबद्ध समूह कंपनियों के मामले में, पिछले छह महीनों के दौरान शेयरों की उच्चतम और न्यूनतम बाजार कीमत; और
- (x) यदि कोई कंपनी पिछले तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक या साधिकार निर्गम लाया है, तो प्रतिभूति की निर्गम कीमत, वर्तमान बाजार कीमत ।

(ख) यदि सूचीबद्ध समूह कंपनियाँ पाँच से अधिक हैं, तो पाँच सबसे बड़ी सूचीबद्ध समूह कंपनियों की वित्तीय जानकारी दी जाएगी, इन पाँच सबसे बड़ी सूचीबद्ध समूह कंपनियों का निर्धारण प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से एक महीने पहले के बाजार पूँजीकरण के आधार पर तथा तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में संदर्भ तारीख [जिसका उल्लेख विनियम 99 के उप-विनियम (2) के स्पष्टीकरण में और विनियम 156 के उप-विनियम (2) के स्पष्टीकरण में किया गया है] से एक महीने पहले के बाजार पूँजीकरण के आधार पर किया जाएगा । यदि सूचीबद्ध समूह कंपनियाँ पाँच से कम हैं, तो सभी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए और इसके अलावा बृहत्तम असूचीगत समूह कंपनियों (व्यापारावर्त के आधार पर) के लिए वित्तीय जानकारी दी जायेगी, ताकि सूचीबद्ध और असूचीबद्ध समूह कंपनियों जिनके लिए जानकारी अपेक्षित है की कुल संख्या पाँच से अधिक न हो ।

(ग) यदि कोई सूचीबद्ध समूह कंपनी नहीं है, तो व्यापारावर्त के आधार पर पाँच सबसे बड़ी असूचीगत कंपनियों की वित्तीय जानकारी दी जायेगी ।

(घ) समूह कंपनी से संबंधित कोई लंबित मुकदमा जिसका निर्गमकर्ता पर विशेष प्रभाव पड़ा हो।

(ङ) समूह कंपनियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रतिकूल कारकों के संबंध में और विशेषकर निम्नलिखित के संबंध में जानकारी :

- (i) क्या कंपनी रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1995 के दायरे में रुग्ण कंपनी हो गयी है या वो परिसमापन/दिवालियापन प्रक्रिया के अधीन है;
- (ii) क्या कंपनी को ठीक पहले के वर्ष में हानि हुई है और यदि हाँ, तो ठीक पहले के तीन वर्षों के लाभ या हानि संबंधी आँकड़े ।

(च) उन समूह कंपनियों के बारे में प्रकटीकरण किये जायेंगे, जो बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले पाँच वर्षों के दौरान निष्क्रिय रही थीं और जिनके लिए कंपनी रजिस्ट्रार को कंपनी का नाम काट दिये जाने के लिए आवेदन किया गया था । प्रकटीकरण में कंपनी के निष्क्रिय हो जाने के कारणों के बारे में और ऐसी कंपनियों से संबंधित सभी लंबित मुकदमों, यदि कोई हों, के बारे में उल्लेख किया जाएगा।

(छ) सामान्य कामकाज:

- (i) यदि समूह कंपनियों/समनुषंगी/सहयुक्त कंपनियों और निर्गमकर्ता के बीच कोई सामान्य कामकाज है, तो इसके कारण और औचित्य स्पष्ट किये जायेंगे और हित संघर्ष स्थितियों का कथन किया जायेगा ।
- (ii) समूह के भीतर संबंधित कारोबारी संव्यवहार और निर्गमकर्ता के वित्तीय कार्यनिष्पादन के संबंध में उनका महत्व ।
- (iii) यदि निर्गमकर्ता में अन्य समूह कंपनियों/समनुषंगियों/सहयुक्त कंपनियों का कारोबारी हित हैं तो वाणिज्यिक कारोबार का परिमाण बतायें जो निर्गमकर्ता के साथ उक्त कंपनी के पास है/होने का प्रस्ताव है । यदि नहीं, तो इस आशय का सुस्पष्ट नकारात्मक कथन सम्मिलित किया जाए ।

#### (14) अन्य विनियामक और कानूनी प्रकटीकरण :

(क) निर्गम के लिए प्राधिकार और निर्गम के लिए पारित संकल्प (संकल्पों) के व्यौरे ।

(ख) निर्गमकर्ता द्वारा यह कथन कि निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह, संप्रवर्तक या निर्गमकर्ता, यदि लागू हो, के निदेशकों या नियंत्रणधारी व्यक्ति (व्यक्तियों) या विक्रय करने वाले शेयरधारकों को बोर्ड या किसी अन्य देश के प्रतिभूति बाजार विनियामक या किसी अन्य प्राधिकरण/न्यायालय द्वारा पारित किसी आदेश या निदेश के तहत पूँजी

बाजार में पहुँच रखने से प्रतिषिद्ध नहीं किया गया है या प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या में लेनदेन करने से विवर्जित नहीं किया गया है।

- (ग) यह पुष्टीकरण कि निर्गमकर्ता, उसके संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह या विक्रय करने वाले शेयरधारकों ने कंपनी (महत्वपूर्ण हिताधिकारी स्वामी) नियम, 2018 का पालन किया है।
- (घ) यह पुष्टीकरण कि क्या निर्गमकर्ता के निदेशकों में से कोई किसी भी प्रकार से प्रतिभूति बाजार से जुड़ा है, यदि हाँ, तो पिछले पाँच वर्षों में बोर्ड द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई कोई कार्रवाई, जो अभी चल रही हो।
- (ङ) इन विनियमों के अनुसार पूँजी बाजार में प्रवेश के लिए निर्गमकर्ता की पात्रता। [तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) लाने के लिए पात्रता अपेक्षाओं को पालन किए जाने के ब्यौरे, यदि लागू हो]
- (च) यथास्थिति, इस अनुसूची के भाग-ख, यदि लागू हो, का पालन किया जाना।
- (छ) दावात्याग खंड :

- (1) प्रस्ताव दस्तावेज में सुस्पष्ट अक्षरों में निम्नलिखित दावात्याग खंड शामिल होगा :

"यह स्पष्ट तौर पर समझा जाए है कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने को किसी भी प्रकार से यह नहीं समझा जाना चाहिए या इसका यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा इसकी मंजूरी आदि दे दी गई है या इसे अनुमोदित किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड न तो किसी स्कीम या परियोजना जिसके लिए निर्गम लाए जाने का प्रस्ताव है की वित्तीय सुदृढ़ता की और न ही प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए कथनों या अभिव्यक्त राय की शुद्धता की कोई जिम्मेदारी लेता है। अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), ने यह प्रमाणित किया है कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरण सामान्य तौर पर पर्याप्त हैं और इन विनियमों के अनुरूप हैं। इस अपेक्षा से निवेशकों को प्रस्तावित निर्गम में निवेश करने के संबंध में सोच-समझकर निर्णय लेने में सुगमता होगी।

यह भी स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि यद्यपि निर्गमकर्ता प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज में दी गई समस्त संबंधित जानकारी की शुद्धता, पर्याप्तता और प्रकटीकरण के लिए प्राथमिक तौर पर जिम्मेदार है, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से यह अपेक्षित है कि वह (वे) यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक् तत्परता बरते (बरतें) कि निर्गमकर्ता इस निमित्त और इस प्रयोजन हेतु पर्याप्त रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करता है, अग्रणी प्रबंधक ..... ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 की अनुसूची-V(क) के तहत निर्धारित फॉर्मेट में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को ..... तारीख का सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है।

प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया जाना, हालाँकि, निर्गमकर्ता को कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन किसी देयता से या ऐसी कानूनी या अन्य अनुमति प्राप्त करने की अपेक्षा से विमुक्त नहीं करता है, जैसा कि प्रस्तावित निर्गम के प्रयोजन हेतु अपेक्षित है। इसके अलावा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, किसी भी समय, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज में निहित किन्हीं अनियमितताओं या कमियों को अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के यहाँ उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।"

- (2) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की तरफ से दावात्याग कथन : इस भाव का कथन कि निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव दस्तावेज में या निर्गमकर्ता द्वारा या उसके कहने पर जारी विज्ञापन या किसी अन्य सामग्री में किए गए कथनों से भिन्न कथनों के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं स्वीकारता है (हैं) और यह कि किसी अन्य स्रोत से प्राप्त जानकारी पर भरोसा करने वाला व्यक्ति, ऐसा अपने जोखिम पर ही करेगा।

- (ज) क्षेत्राधिकार के बारे में दावात्याग : क्षेत्राधिकार का उल्लेख करनेवाला संक्षिप्त पैरा जिसके तहत विधि और नियमों तथा विनियमों के प्रावधान प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रारूप प्रस्ताव-पत्र /प्रस्ताव दस्तावेज पर लागू हैं।

- (झ) स्टॉक एक्सचेंजों का दावात्याग खंड ।
- (ञ) भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण या किसी अन्य संबद्ध विनियामक प्राधिकरण का दावात्याग खंड ।
- (ट) सूचीबद्धता: नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज और अन्य स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जिन्हें वर्तमान निर्गम में प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया गया है ।
- (ठ) निदेशकों, लेखापरीक्षकों, सॉलिसिटर्स या अधिवक्ताओं, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), निर्गम के रजिस्ट्रार, निर्गमकर्ता के बैंककारों और विशेषज्ञों की सहमति ।
- (ड) विशेषज्ञ से प्राप्त राय, यदि कोई हो ।
- (ढ) पिछले पाँच वर्षों के दौरान, पिछले सार्वजनिक या साधिकार निर्गम, यदि कोई हों :
- (1) अंतिम तारीख
  - (2) आबंटन की तारीख
  - (3) धन-वापसी (रिफंड) की तारीख
  - (4) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में सूचीबद्धता की तारीख
  - (5) यदि निर्गम प्रीमियम या डिस्काउंट पर था (थे) तो उसकी रकम
- (ण) पिछले पाँच वर्षों में पिछले निर्गमों पर कमीशन या दलाली
- (त) निर्गमकर्ता और अन्य सूचीबद्ध समूह कंपनियों/समनुषंगियों/सहयोगियों, जो पिछले तीन वर्षों के दौरान कोई पूँजी निर्गम लाये हों, के बारे में निम्नलिखित विवरण दिए जाएँगे :
- (1) कंपनी का नाम ।
  - (2) निर्गम का वर्ष ।
  - (3) निर्गम का प्रकार (सार्वजनिक/साधिकार/संयुक्त) ।
  - (4) निर्गम की रकम ।
  - (5) निर्गम बंद होने की तारीख ।
  - (6) आबंटन की तारीख और डीमैट खाते में प्रतिभूतियों को जमा करने की तारीख ।
  - (7) परियोजना पूरी होने की तारीख, जहाँ निर्गम का उद्देश्य परियोजना का वित्तपोषण था ।
  - (8) अदा किए गए लाभांश की दर ।
- (थ) कार्यनिष्पादन की तुलना में उद्देश्य :
- (1) निर्गमकर्ता:
    - (क) पिछले पाँच वर्षों (जिसमें निर्गम का वर्ष भी शामिल है) के दौरान लाए गए सभी सार्वजनिक/साधिकार निर्गमों की सूची ।
    - (ख) उद्देश्यों को पूरा न किए जाने संबंधी ब्यौरे, ऐसे सार्वजनिक/साधिकार निर्गमों के लिए कमियों और विलंबों की मात्रा के निर्धारण सहित ।
  - (2) सूचीबद्ध समनुषंगियाँ/सूचीबद्ध संप्रवर्तक :
    - (क) एक पृथक पैरा दिया जाएगा, जिसका शीर्षक होगा "कार्यनिष्पादन की तुलना में उद्देश्य - समनुषंगियों/सूचीबद्ध संप्रवर्तकों का अंतिम सार्वजनिक/साधिकार निर्गम", जिसमें यह दर्शाया जाएगा कि क्या पिछले पाँच वर्षों के दौरान ऐसी प्रत्येक कंपनियों के अंतिम निर्गम में उल्लिखित सभी उद्देश्यों को पूरा कर लिया गया है ।

(ख) यदि पूरा नहीं किया गया है, तो उद्देश्यों को पूरा न करने संबंधी व्यौरों के साथ-साथ कमियों और विलंबों की मात्रा का निर्धारण।

(द) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा प्रबंधित पिछले निर्गमों की कीमत संबंधी जानकारी नीचे दिए गए फॉर्मेट में दी जाए:

**मर्चेट बैंककार (बैंककारों) द्वारा प्रबंधित पिछले निर्गमों की कीमत की जानकारी के प्रकटीकरण का फॉर्मेट**

**सारणी-1**

क्र. सं.	निर्गम का नाम	निर्गम का आकार (करोड़ रु. में)	निर्गम की कीमत (रु.)	सूचीबद्धता की तारीख	सूचीबद्धता की तारीख को शुरुआती कीमत	अंतिम भाव में परिवर्तन +/- %, [अंतिम बेंचमार्क में परिवर्तन +/- %]- सूचीबद्धता से 30वें कलेंडर दिन को	अंतिम भाव में परिवर्तन +/- %, [अंतिम बेंचमार्क में परिवर्तन +/- %]- सूचीबद्धता से 90वें कलेंडर दिन को	अंतिम भाव में परिवर्तन +/- %, [अंतिम बेंचमार्क में परिवर्तन +/- %]- सूचीबद्धता से 180वें कलेंडर दिन को

**सारणी-2 प्रकटीकरण संबंधी संक्षिप्त विवरण**

वित्तीय वर्ष	आरंभिक सार्वजनिक प्रस्तावों (आईपीओ) की कुल सं.	जुटाई गई कुल राशि (करोड़ रु. में)	कितने आईपीओ में डिस्काउंट पर व्यापार (ट्रेडिंग) हुआ-सूचीबद्धता से 30वें कलेंडर दिन को			कितने आईपीओ में प्रीमियम पर व्यापार (ट्रेडिंग) हुआ-सूचीबद्धता से 30वें कलेंडर दिन को			कितने आईपीओ में डिस्काउंट पर व्यापार (ट्रेडिंग) हुआ-सूचीबद्धता से 180वें कलेंडर दिन को			कितने आईपीओ में प्रीमियम पर व्यापार (ट्रेडिंग) हुआ-सूचीबद्धता से 180वें कलेंडर दिन को		
			50% से अधिक	25-50% के बीच	25% से कम	50% से अधिक	25-50% के बीच	25% से कम	50% से अधिक	25-50% के बीच	25% से कम	50% से अधिक	25-50% के बीच	25% से कम
20...20 ....														
20...20 ....														

**टिप्पण :**

1. प्रकटीकरण तीन वित्तीय वर्षों के लिए किए जाएँगे (चालू वित्तीय वर्ष और चालू वित्तीय वर्ष से पहले के दो वित्तीय वर्ष)
2. सारणी-1 में प्रकटीकरण मर्चेट बैंककार द्वारा प्रबंधित अधिकतम 10 निर्गमों (आरंभिक सार्वजनिक प्रस्तावों) के अधीन किए जाएँ
3. सारणी-1 में, बेंचमार्क सूचकांकों में परिवर्तन (प्रतिशत में) को घनात्मक या ऋणात्मक संकेतों, जैसे लागू हों, के साथ कोष्ठकों में दिया जाए
4. निर्गम की कीमत निर्धारण के लिए जिम्मेदार प्रत्येक मर्चेट बैंककार के लिए पृथक सारणी बनाई जाए
5. यदि 30वें / 60वें / 90वें कलेंडर दिन को अवकाश हो, तो पिछले व्यापारिक दिवस (ट्रेडिंग-डे) के आँकड़े लिए जाएँ।

(ध) यदि निर्गमकर्ता सूचीबद्ध है, तो उसके इक्विटी शेयरों के स्टॉक बाजार आँकड़े :

निम्नलिखित विवरण :

- (1) पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों की उच्च, निम्न और औसत कीमतें ;
- (2) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले के छह महीनों की मासिक उच्च और निम्न कीमतें जिन्हें कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने के समय तक अद्यतन किया जाएगा ;
- (3) उपर्युक्त (क) और (ख) की उक्त अवधि के दौरान उन दिवसों को व्यापारित शेयरों की संख्या जब संबद्ध स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में उच्च और निम्न कीमतें दर्ज की गईं और पहले के छह महीनों के दौरान व्यापारिक दिवसों की कुल संख्या तथा उस अवधि के दौरान व्यापारित इक्विटी शेयरों का औसत परिमाण दर्शाते हुए और यदि इक्विटी शेयर सक्रिय रूप से व्यापारित नहीं थे, तो ऐसा कथन;
- (4) ऊपर उल्लिखित स्टॉक बाजार संबंधी आँकड़ों को उन अवधियों के लिए अलग से दर्शाया जाएगा, जब पूँजी संरचना में परिवर्तन हुए, ऐसी अवधि की शुरुआत संबद्ध स्टॉक एक्सचेंज द्वारा पूँजी संरचना में परिवर्तन को स्वीकारने की तारीख से होगी (उदाहरणार्थ जब शेयर अधिकार-रहित या बोनस-रहित हो गए);
- (5) जिस तारीख को निदेशक मंडल ने निर्गम को मंजूरी देनेवाले संकल्प को पारित किया, उस तारीख के तुरंत पश्चात् इक्विटी शेयरों की बाजार कीमत ;
- (6) जिस तारीख को कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर हुआ, उस तारीख से पहले के छह महीनों के दौरान प्रत्येक महीने में व्यापारित प्रतिभूतियों का परिमाण; और
- (7) संबद्ध अवधियों के लिए व्यापारित शेयरों के परिमाण के साथ निर्गमकर्ता के शेयरों की उच्च, निम्न और औसत कीमतों का भी उल्लेख किया जाएगा।

**स्पष्टीकरण:** यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर एक स्टॉक एक्सचेंज से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हों, तो उपरोक्त जानकारी प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के लिए अलग-अलग से दी जाएगी। ऊपर क्रम (1) में दी गई औसत बाजार कीमतों की गणना स्टॉक एक्सचेंज की अंतिम कीमत पर की जाएगी।

(न) निवेशक शिकायतों के निवारण के लिए बनाई गई व्यवस्था:

- (1) निवेशक शिकायतों के निवारण के लिए निर्गमकर्ता द्वारा किए गए इंतजाम या बनाई गई व्यवस्था, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की शिकायत निवारण प्रणाली (स्कोर्स) शामिल है
- (2) पिछले तीन वर्षों के दौरान निवेशकों से प्राप्त शिकायतों की संख्या और उसी अवधि के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या
- (3) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख को लंबित निवेशक शिकायतों की संख्या
- (4) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख को पाँच सबसे बड़ी (बाजार पूँजीकरण के अनुसार) सूचीबद्ध समूह कंपनियों के संबंध में लंबित निवेशक शिकायतों की संख्या
- (5) विभिन्न प्रकार की निवेशक शिकायतों के निपटान के लिए निर्गमकर्ता द्वारा आम तौर पर लिया जाने वाला समय
- (6) उप-खंड (त)(2) से (त)(5) के तहत निर्धारित प्रकटीकरण सूचीबद्ध समनुषंगियों के संबंध में भी किए जाएँगे।

#### (15) प्रस्ताव संबंधी जानकारी :

(क) निर्गम की शर्तें आदि :

- (क) यह कथन कि निर्गम में निर्गमित शेयर सभी तरह से (जिसमें लाभांश भी शामिल हैं) विद्यमान शेयरों के समान ही होंगे।
- (ख) यह कथन कि विक्रय के लिए प्रस्ताव के मामले में, शेयर अंतरित करने वालों को पूरे वर्ष के लिए लाभांश अदा किया जाएगा।

- (ग) अंकित मूल्य और निर्गम कीमत / निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा ।
- (घ) लिखतधारकों के अधिकार ।
- (ङ) बाजार लॉट ।
- (च) निवेशक के लिए नामांकन सुविधा ।
- (छ) सार्वजनिक निर्गम की अभिदान सूची की अवधि ।
- (ज) यह कथन कि "जैसा निर्धारित किया गया है यदि निर्गम में न्यूनतम अभिदान - नए निर्गम के भाग का 90% होगा", निर्गमकर्ता को निर्गम के बंद होने की तारीख को प्रस्ताव दस्तावेज (निर्धारित प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए प्रस्ताव को छोड़कर) के जरिए प्रस्ताव के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता, या यदि निर्गम बंद होने के पश्चात् चेकों के बिना भुगतान के वापस आने (साधिकार निर्गमों के मामले में) या आवेदनों को वापस लिए जाने के कारण, या तकनीकी अस्वीकृति के पश्चात्, अभिदान का स्तर नब्बे प्रतिशत से कम हो जाता है या यदि प्रस्ताव के तहत प्रस्तावित प्रतिभूतियों के लिए स्टॉक एक्सचेंजों से सूचीबद्धता या व्यापार (ट्रेडिंग) की अनुमति प्राप्त नहीं हुई हो, तो निर्गमकर्ता प्राप्त संपूर्ण अभिदान की रकम तुरंत लौटायेगा । यदि निर्गमकर्ता रकम को अदा किए जाने का दायी बन जाता है और उस दिन के पश्चात् पंद्रह से अधिक दिनों की देरी होती है, तो निर्गमकर्ता और निर्गमकर्ता का प्रत्येक निदेशक (जो चूककर्ता अधिकार हो), पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अदा करेगा ।"
- (झ) **संयुक्त निर्गमों के लिए:** यह कथन कि 'न्यूनतम अभिदान' की अपेक्षा संयुक्त और पृथक्, दोनों रूप में पूरी की जाती है, अर्थात् साधिकार और सार्वजनिक निर्गम, दोनों के लिए स्वतंत्र रूप से, और यह कि यदि निर्गमकर्ता को किसी भी निर्गम में न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता, तो निर्गमकर्ता प्राप्त संपूर्ण अभिदान की रकम लौटायेगा ।
- (ञ) **विषम लॉटों के निपटान के लिए इंतजाम :**
- (क) विषम लॉटों में धारित शेयरों के लिए अर्थसुलभता उपलब्ध कराने और उनके समेकन के लिए निर्गमकर्ता द्वारा किए गए इंतजाम, शेयरधारकों या निवेशकों को सूचित किए जाएंगे, विशेष रूप से जब ऐसे लॉट साधिकार, बोनस, डिबेंचरों के संपरिवर्तन या वारंटों आदि के माध्यम से आए निर्गमों के कारण उत्पन्न होते हैं ।
- (ख) निर्गमकर्ता किसी निवेश या वित्त कंपनी, दलाली फर्मों के माध्यम से या किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से विषम लॉट शेयरों के संबंध में अर्थसुलभता उपलब्ध कराने का इंतजाम करने के लिए स्वतंत्र है और ऐसे इंतजाम के विवरण, यदि कोई हों, संबद्ध पूँजी-निर्गमन से संबंधित प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए जा सकेंगे ।
- (ग) अग्रणी मर्चेट बैंककार यह पता लगाएगा कि क्या पूँजी के नए निर्गम के लिए आनेवाला निर्गमकर्ता निवेशकों द्वारा धारित निर्गमकर्ता के विषम लॉट शेयरों के निपटान के मामले में निवेशकों को सेवा प्रदान करने के लिए न्यासों के गठन का प्रस्ताव करता है और यदि हाँ, तो न्यास के गठन तथा प्रचालन से संबंधित प्रकटीकरण प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल होंगे ।
- (घ) जब कभी किसी निर्गम के परिणामस्वरूप विषम लॉटों में शेयरों का निर्गम होता है, तो निर्गमकर्ता जहाँ तक संभव हो, 1-2-5-10-20-50 मूल्यवर्ग के शेयरों के प्रमाणपत्र जारी करेगा ।
- (ङ) शेयरों या डिबेंचरों के अंतरण और पारेषण तथा उनके समेकन या विभाजन पर प्रतिबंध, यदि कोई हो ।
- (ठ) **नए वित्तीय लिखत:** शर्तें आदि जिनमें शामिल हैं किन्हीं नए वित्तीय लिखतों जैसे डीप डिस्काउंट बॉण्डों, वारंट सहित डिबेंचरों, प्रतिभूति प्रीमियम नोटों आदि के बारे में मोचन, प्रतिभूति सुरक्षा, संपरिवर्तन और अन्य कोई संबद्ध जानकारी ।
- (ड) **केवल गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में आबंटन :** इस आशय का कथन कि निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन केवल गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में ही किया जाएगा, बशर्ते कि इन विनियमों के लागू होने की तारीख से छह महीनों की अवधि के लिए साधिकार निर्गम में निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रमाणपत्र कागज़ी रूप में प्राप्त करने का विकल्प उपलब्ध हो ।



**(ख) निर्गम की प्रक्रिया:**

- (1) नियम कीमत निर्गम या बही-निर्माण प्रक्रिया, जैसा लागू हो, जिसमें बोली फॉर्म (प्ररूप) / आवेदन फॉर्म, कौन बोली लगा सकता है / आवेदन कर सकता है, अधिकतम और न्यूनतम बोली / आवेदन आकार, बोली की प्रक्रिया, विभिन्न कीमत स्तरों पर बोलियाँ आदि से संबंधित ब्यौरे शामिल हैं।
- (2) गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में प्रतिभूतियों का निर्गम:
  - (क) सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के मामले में, विनियम 91 के उप-विनियम (1) के अधीन, निर्गमित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों को कंपनी अधिनियम, 2013 का पालन करते हुए केवल गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में ही निर्गमित किया जाएगा। यह कथन कि निक्षेपागार खाते के ब्यौरे देना अनिवार्य है और जिन आवेदनों में निक्षेपागार खाते के ब्यौरे नहीं दिए गए हैं उन आवेदनों को अधूरा माना जाएगा और नामंजूर कर दिया जाएगा। निवेशकों के पास निर्धारित प्रतिभूतियों को कागज़ी रूप में प्राप्त करने का विकल्प नहीं होगा। हालाँकि, वे आबंटन के पश्चात् निर्धारित प्रतिभूतियों को पुनः कागज़ी रूप में (रीमैटीरियलाइज़) करवा सकेंगे।
  - (ख) यह कथन कि आबंटन के बाद निर्धारित प्रतिभूतियों का व्यापार (ट्रेड) स्टॉक एक्सचेंजों में केवल गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में ही होगा।
  - (ग) यह कथन कि किसी निवेशक की ओर से एक बोली उस निवेश सीमा / निर्धारित प्रतिभूतियों की अधिकतम संख्या से अधिक नहीं होगी जो संबंधित विनियमों / कानूनी दिशानिर्देशों के तहत ऐसे निवेशक द्वारा धारित की जा सकती हों।
  - (घ) यह कथन कि हिंदू अविभक्त कुटुंबों द्वारा आवेदनों की सही प्रक्रिया और यह तथ्य कि हिंदू अविभक्त कुटुंबों द्वारा आवेदनों को व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले आवेदनों के समान माना जाएगा;
  - (ङ) पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदन:
    - (i) "पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदनों के लिए प्रक्रिया" तथा "एक से अधिक आवेदन" शीर्षों के तहत कथन जिसमें यह उल्लेख होगा कि बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत भारतीय पारस्परिक निधि की प्रत्येक स्कीम के लिए पृथक् आवेदन किया जा सकता है और ऐसे आवेदनों के बारे में यह नहीं माना जाएगा कि वे एक से अधिक आवेदन हैं।
    - (ii) कथन जिसमें यह उल्लेख होगा कि पारस्परिक निधि की आस्ति प्रबंध कंपनी या अभिरक्षक द्वारा किये गये आवेदन में उस संबंधित स्कीम का नाम स्पष्ट रूप से दिया जाएगा जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है।
- (च) अनिवासी भारतीयों द्वारा आवेदन:
  - (i) यह कथन कि : "अनिवासी भारतीय आवेदक कृपया ध्यान दें कि केवल ऐसे आवेदनों पर आरक्षित प्रवर्ग के तहत आबंटन के लिए विचार किया जायेगा जिनके साथ मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान संलग्न हो। जिन अनिवासी भारतीयों का इरादा अनिवासी साधारण खातों के माध्यम से भुगतान करने का है, वे निवासी भारतीयों के लिए उपलब्ध फॉर्म का इस्तेमाल करेंगे और वे आरक्षित प्रवर्ग के लिए उपलब्ध फॉर्म का इस्तेमाल नहीं करेंगे।"
- (छ) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (एएसबीए) के अंतर्गत निवेशकों द्वारा आवेदन :
  - (i) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन प्रक्रिया के ब्यौरे, जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन को प्रस्तुत किये जाने संबंधी विशेष अनुदेश सम्मिलित हैं।
  - (ii) यह कथन कि प्रत्येक आवेदन फॉर्म पर सिंडिकेट सदस्य / स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक / रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं / निक्षेपागार सहभागियों / स्टॉक दलालों का मुहर होगा और यदि ऐसा नहीं हुआ, तो उसे नामंजूर कर दिया जाएगा।

- (3) एंकर निवेशकों के लिए निलंब व्यवस्था: निर्गमकर्ता का निलंब खाता ।
- (4) भुगतान संबंधी शर्तें आदि और निलंब संग्रहण खाते में एंकर निवेशकों द्वारा भुगतान किए जाने संबंधी शर्तें आदि ।
- (5) बोलियों का इलेक्ट्रॉनिक रजिस्ट्रीकरण ।
- (6) बही-निर्माण और बोलियों में बदलाव । इस संबंध में, यह विशेष रूप से प्रकट किया जाए कि अर्हित संस्थागत क्रेता और गैर-संस्थागत निवेशक न तो अपनी बोलियों को कम कर सकते हैं और न ही उन्हें वापस ले सकते हैं तथा छोटे व्यक्तिगत निवेशक निर्गम बंद होने की तारीख तक अपनी बोलियाँ वापस ले सकते हैं या उनमें बदलाव कर सकते हैं ।
- (7) कीमत-निर्धारण और आबंटन ।
- (8) हामीदारी करार पर हस्ताक्षर करना ।
- (9) प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना ।
- (10) निर्गम-पूर्व विज्ञापन की घोषणा ।
- (11) आवेदन नोट की पुष्टि ("सीएएन") जारी करना और निर्गम में आबंटन ।
- (12) तय की गई तारीख ।
- (13) सामान्य अनुदेश :
  - (क) क्या करें और क्या न करें ।
  - (ख) बोली फॉर्म भरे जाने संबंधी अनुदेश ।
  - (ग) बोलीदाताओं के बैंक खाते के ब्यौरे ।
  - (घ) अनिवासी भारतीयों या विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों, विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों द्वारा प्रत्यावर्तन आधार पर बोलियाँ ।
- (14) भुगतान संबंधी अनुदेश :
  - (क) निर्गमकर्ता के निलंब खाते में भुगतान ।
  - (ख) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के लिए भुगतान संबंधी अनुदेश ।
- (15) बोली फॉर्म प्रस्तुत करना ।
- (16) अन्य अनुदेश:
  - (क) व्यक्तियों के मामले में संयुक्त बोलियाँ ।
  - (ख) अनेक बोलियाँ ।
  - (ग) आवेदकों को यह अनुदेश कि वे आवेदन फॉर्म में एकल / प्रथम धारक की स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करें, उस रकम पर विचार किए बिना जिसके लिए आवेदन किया गया या बोली लगाई गई, साथ ही यह अनुदेश भी कि स्थायी खाता संख्या (पैन) के बिना आवेदनों को नामंजूर किया जाएगा, उन मामलों को छोड़कर जहाँ स्थायी खाता संख्या (पैन) होने की अपेक्षा को विशेष रूप से लागू कानून के तहत छूट दे दी गई हो ।
  - (घ) ऐसे मामले जब किसी आवेदन को तकनीकी आधार पर नामंजूर किया जाएगा ।
  - (ङ) निक्षेपागारों के पास गैर-कागजी रूप में इक्विटी शेयर ।
  - (च) निवेशकों का ध्यान इस और भी आकृष्ट किया जाए कि निर्गम से पहले या निर्गम के बाद शेयर प्रमाणपत्रों / डीमैट खातों में शेयर जमा / धन-वापसी (रिफंड) आदेशों / रुद्धता हटाए जाने, आदि से संबंधित समस्याओं के लिए वे अनुपालना अधिकारी से संपर्क करें ।

- (17) आवेदनों का निपटान ।
- (18) फर्जी आवेदनों के लिए दंड के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान जो निम्न व्यक्तियों के संबंध में लागू हैं :
- (क) जो किसी कंपनी की प्रतिभूतियों का अर्जन करने, या उनके लिए अभिदान करने के लिए फर्जी नाम से आवेदन करता है या ऐसा आवेदन कराने में सहायक होता है, या
  - (ख) जो किसी कंपनी की प्रतिभूतियाँ का अर्जन करने, या उनके लिए अभिदान करने के लिए भिन्न-भिन्न नामों से या अपने नाम अथवा उपनाम के विभिन्न मिश्रणों से अनेक आवेदन करता है या ऐसा आवेदन कराने में सहायक होता है, उस पर उतनी राशि का दंड लगाया जाएगा और/या उतनी अवधि का कारावास दिया जाएगा जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 447 के तहत निर्धारित की जाए ।
- (19) एंकर निवेशकों के मामले में, बोली की अधिक राशि की धन-वापसी (रिफंड) के संबंध में ब्याज ।
- (20) उचित और सही तरीके से आबंटन के आधार को अंतिम रूप देने के लिए जिम्मेदार एंटिटियों के नाम ।
- (21) आबंटन और प्रमाणपत्रों (साधिकार निर्गमों के लिए) को जारी करने / डीमैट खाते में शेयर जमा करने की प्रक्रिया और समय-सारणी ।
- (22) आबंटन की पद्धति, जैसी बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए ।
- (23) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन प्रक्रिया में आबंटन-पत्र या धन-वापसी (रिफंड) आदेश या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को अनुदेश । निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन प्रक्रिया से भिन्न आवेदनों के लिए धन-वापसी आदेशों को भुनाने के लिए "सम मूल्य पर" सुविधा उपलब्ध कराई जाए ।
- (24) धन-वापसी (रिफंड) किए जाने का माध्यम :
- (क) अति-अभिदान के मामले में या सूचीबद्धता न हो पाने के मामले में निर्गमकर्ता जिस माध्यम से आवेदकों को धन-वापसी (रिफंड) करेगा ।
  - (ख) यदि निर्गमकर्ता आवेदकों को धन-वापसी (रिफंड) करने के लिए एक से अधिक माध्यमों का उपयोग करने का प्रस्ताव करता है, तो संबद्ध मामले जहाँ ऐसा प्रत्येक माध्यम अपनाया जाए ।
  - (ग) धन-वापसी (रिफंड) करने के लिए और निधियों की रुद्धता हटाए जाने के अनुमत माध्यम निम्नानुसार हैं:
- (i) बोर्ड द्वारा निर्धारित केन्द्रों में से किसी केन्द्र में निवास करने वाले आवेदनों के मामले में: एनएसीएच (नेशनल ऑटोमेटिड क्लीयरिंग हाउस), सीधे जमा, आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट) या एनईएफटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण), जो तत्समय भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत हो, के माध्यम से निधियों के इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के जरिए आवेदकों के बैंक खातों में धन-वापसी करना;
  - (ii) अन्य आवेदकों के मामले में: रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा धन-वापसी आदेशों के प्रेषण द्वारा / एएसबीए के मामले में रुद्धता हटा कर ।
- (25) सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के मामले में आबंटन पत्रों या धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेशों / रजिस्ट्रार द्वारा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को अनुदेशों के प्रेषण में देरी के मामले में ब्याज की अदायगी:
- (क) नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में, बोर्ड द्वारा तय की गई अवधि के भीतर यह कथन जारी किया जाएगा कि निर्गमकर्ता जनता के लिए प्रस्तावित प्रतिभूतियाँ आबंटित कर देगा । यदि निर्गम बंद होने की तारीख से आठ दिनों के भीतर आवेदकों को आबंटन पत्र या धन-वापसी (रिफंड) के आदेश प्रेषित नहीं किए जाते या उन मामलों में जहाँ पूरी धन-वापसी (रिफंड) या उसके कुछ हिस्से की धन-वापसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जानी हो और समाशोधन (क्लीयरिंग) प्रणाली को धन-वापसी (रिफंड) के अनुदेश प्रकट किए गए ढंग से नहीं दिए गए हों,

तो ऐसे में निर्गमकर्ता प्रतिवर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से ब्याज भी अदा करेगा। हालाँकि, न्यूनतम अभिदान संबंधी अपेक्षा को पूरा करने के लिए हामीदारी बाध्यताओं को पूरा करने हेतु निर्गम के बंद होने के पश्चात् प्राप्त आवेदन, उक्त ब्याज के लिए हकदार नहीं होंगे।

- (ख) बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, यह कथन कि निर्गमकर्ता बोर्ड द्वारा तय की गई अवधि के भीतर जनता को प्रस्तावित प्रतिभूतियाँ आबंटित कर देगा। निर्गमकर्ता यह भी करार करता है कि यदि निर्गम बंद होने की तारीख से छह दिनों के भीतर आवेदकों को धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेश / अवरुद्धता हटाए जाने संबंधी अनुदेश प्रेषित नहीं किए जाते या उन मामलों में, जहाँ पूरी धन-वापसी (रिफंड) या उसके कुछ हिस्से की धन-वापसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जानी हो और समाशोधन (क्लीयरिंग) प्रणाली को धन-वापसी (रिफंड) के अनुदेश प्रकट किए गए ढंग से नहीं दिए गए हों, तो ऐसे में निर्गमकर्ता प्रतिवर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से ब्याज भी अदा करेगा।
- (ग) साधिकार निर्गम के मामले में, यह कथन कि निर्गमकर्ता साधिकार निर्गम के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर शेयरधारकों को प्रस्तावित प्रतिभूतियाँ आबंटित कर देगा। निर्गमकर्ता यह भी करार करता है कि यदि निर्गम के बंद होने की तारीख से छह दिनों के भीतर आवेदकों को धन-वापसी (रिफंड) संबंधी आदेश / अवरुद्धता हटाए जाने संबंधी अनुदेश प्रेषित नहीं किए जाते या उन मामलों में, जहाँ पूरी धन-वापसी (रिफंड) या उसके कुछ हिस्से की धन-वापसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जानी हो और समाशोधन (क्लीयरिंग) प्रणाली को धन-वापसी (रिफंड) के अनुदेश प्रकट किए गए ढंग से नहीं दिए गए हों, तो ऐसे में निर्गमकर्ता प्रतिवर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से ब्याज भी अदा करेगा।

**(26) निर्गमकर्ता द्वारा वचन:**

क) निर्गमकर्ता द्वारा निम्नलिखित वचन प्रकट किए जाएंगे:

- (i) कि निर्गम के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर निर्गमकर्ता द्वारा शीघ्र और संतोषप्रद रूप में कार्रवाई की जाएगी;
- (ii) कि जिन स्टॉक एक्सचेंजों में प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध की जानी है उनमें सूचीबद्धता और व्यापार आरंभ किए जाने संबंधी आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए बोर्ड द्वारा तय की गई अवधि के भीतर सभी कदम उठाए जाते हैं;
- (iii) कि निर्गमकर्ता डिबेंचरों / बॉण्डों के संपरिवर्तन (कन्वर्जन) के पश्चात् इक्रिटियों की सूचीबद्धता के लिए अग्रिम रूप से आवेदन करेगा;
- (iv) कि असफल आवेदकों को प्रकट किए गए ढंग से धन-वापसी (रिफंड) करने / रुद्धता हटाने के लिए निर्गमकर्ता द्वारा अपेक्षित धनराशियाँ निर्गम (इश्यू) के रजिस्ट्रार को उपलब्ध करायी जायेंगी;
- (v) कि निर्गमकर्ता जहाँ इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के माध्यम से धनराशियाँ लौटाई जा रही हों, निर्गम बंद होने की निर्धारित अवधि के भीतर आवेदक को उपयुक्त सूचना भेज दी जाएगी, जिसके साथ उस बैंक का ब्यौरा भी दिया जाएगा जहाँ धनराशियाँ जमा कराई जाएँगी और साथ ही रकम तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धन-वापसी (रिफंड) किए जाने की तारीख का उल्लेख किया जाएगा;
- (vi) कि इन विनियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार, संप्रवर्तक का पूरा अंशदान, जहाँ अपेक्षित हो, सार्वजनिक अभिदान के लिए निर्गम खुलने से पहले अग्रिम रूप में ले लिया जायेगा और शेष, यदि कोई हो, जनता से माँग करने से पहले आनुपातिक आधार पर लिया जाएगा;
- (vii) विनियम 19 के अनुसार किए गए प्रकटीकरणों के अलावा, यह कथन करेगा कि जब तक इस प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जातीं या

सूचीबद्ध न हो पाने, न्यूनतम अभिदान, आदि के कारण आवेदन के पैसे लौटा नहीं दिए जाते, तब तक प्रतिभूतियाँ का अगला कोई निर्गम नहीं लाया जाएगा;

- (viii) कि निरुद्ध रकम से समर्थित सभी आवेदनों को एकत्र करने के लिए और आबंटन के आधार का अंतिम निर्धारण करते समय उन्हें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों से भिन्न आवेदनों के समान समझने के लिए पर्याप्त इंतजाम किये गये हैं;

ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के मामले में, निर्गमकर्ता निम्नलिखित अतिरिक्त वचन देगा:

- (i) कि निर्गमकर्ता संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के माध्यम से जुटायी गयी निधियों के उपयोग के ब्यौरे, निर्गमकर्ता के कानूनी लेखापरीक्षकों द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित करवाने के बाद, प्रत्येक छमाही के अंत में डिबेंचर न्यासी को अग्रेषित करेगा।
- (ii) कि निर्गमकर्ता वार्षिक रिपोर्ट में डिबेंचर न्यासी का पूरा नाम और पता प्रकट करेगा।
- (iii) कि निर्गमकर्ता संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम की शर्तों आदि का पालन किए जाने के बारे में डिबेंचर न्यासी द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित किया हुआ अनुपालना प्रमाणपत्र संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों को (वार्षिक आधार पर) उपलब्ध करायेगा।
- (iv) कि निर्गमकर्ता पुष्टिकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के पक्ष में निर्गमकर्ता द्वारा सृजित प्रतिभूति को समुचित रूप से बनाये रखा जा रहा है और यह चूक की दशा में संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के प्रति भुगतान बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- (v) कि लिखत के बारे में ऋण बाध्यताओं के बकाया रहने तक की सत्य और पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने में साख निर्धारण एजेंसी / एजेंसियों को पूरा सहयोग देगा।

ग) यह कथन कि निर्गमकर्ता के पास यह अधिकार है कि वह बोली लगाए जाने के बाद निर्गम के संबंध में आगे की कार्यवाही नहीं भी कर सकता और यदि ऐसा होता है, तो निर्गम बंद होने की तारीख के दो दिनों के भीतर सार्वजनिक सूचना के तौर पर इसके कारण बताए जाएँगे। सार्वजनिक सूचना उन समाचारपत्रों में दी जाएगी जिनमें निर्गम से पहले के विज्ञापन दिए गए थे। जिन स्टॉक एक्सचेंजों में निर्धारित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव था, उन स्टॉक एक्सचेंजों को भी तुरंत इसकी जानकारी दी जाएगी।

घ) यह कथन कि यदि निर्गमकर्ता किसी भी स्थिति (बोली लगाने की प्रक्रिया बंद होने के बाद की स्थिति सहित) में निर्गम वापस लेता है, तो उससे यह अपेक्षित होगा कि वह बोर्ड के पास नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करे।

## (27) निर्गम से आए पैसों (आगमों) का उपयोग:

(क) निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल बोर्ड का इस भाव का कथन:

- (i) जनता को किए गए निर्धारित प्रतिभूतियों के निर्गम से प्राप्त सभी पैसे कंपनी अधिनियम, 2013 में दिए गए बैंक खाते से भिन्न एक अलग बैंक खाते में अंतरित कर दिए जाएँगे;
- (ii) उप-मद (i) में उल्लिखित निर्गम से आए पैसों में से उपयोग किये गए पैसों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलन-पत्र में एक उचित अलग शीर्ष के तहत प्रकट किए जाएँगे और उन्हें तब तक प्रकट किया जाता रहेगा जब तक उसका कोई भी हिस्सा उपयोग हुए बिना ही पड़ा हो, साथ ही यह भी प्रकट किया जाएगा कि इन पैसों का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए किया गया है; और
- (iii) उप-मद (i) में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियों के निर्गम से प्राप्त पैसों में से उपयोग में न लाए गए सभी पैसों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलन-पत्र में एक उचित अलग शीर्ष के तहत प्रकट किए जाएँगे, जिसमें यह उल्लेख होगा कि ऐसे प्रयोग में न लाए गए पैसों का निवेश किस रूप में किया गया है।

(ख) विक्रय के लिए प्रस्ताव से भिन्न कोई निर्गम अथवा किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था द्वारा लाए गए निर्गम के लिए, निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल का यह कथन कि:

- (i) संप्रवर्तकों के अंशदान के तहत प्राप्त पैसों और आरक्षितियों से प्राप्त पैसों के उपयोग को निर्गमकर्ता के तुलन-पत्र में एक उचित शीर्ष के तहत प्रकट किया जाएगा और उसे तब तक प्रकट किया जाता रहेगा जब तक निर्गम से आए पैसों का कोई भाग उपयोग हुए बिना ही पड़ा हो, साथ ही इस बात का भी उल्लेख किया जाएगा कि इन पैसों का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया गया है;
- (ii) संप्रवर्तकों के अंशदान के तहत प्राप्त पैसों और आरक्षितियों से प्राप्त पैसों में से जितने पैसों का उपयोग नहीं हुआ है, उनका ब्यौरा निर्गमकर्ता के तुलन-पत्र में एक उचित शीर्ष के तहत प्रकट किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख होगा कि ऐसे प्रयोग में न लाए गए पैसों का निवेश किस रूप में किया गया है।

(28) **भारतीय प्रतिभूतियों के विदेशी स्वामित्व पर प्रतिबंध, यदि कोई हो:**

- (क) अनिवासी भारतीयों द्वारा निवेश।
- (ख) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा निवेश।
- (ग) अन्य अनिवासियों द्वारा निवेश।

(ग) **इक्विटी शेयरों के विवरण और संगम-अनुच्छेद की शर्तें आदि:**

संगम-अनुच्छेद के मुख्य प्रावधान जिनमें मतदान, लाभांश, शेयरों के संबंध में धारणाधिकार और ऐसे अधिकारों में बदलाव, शेयरों का समपहरण की प्रक्रिया और प्रतिभूतियों के अंतरण तथा पारेषण और उनके समेकन या विभाजन के संबंध में प्रतिबंध, यदि कोई हों, के संबंध में सदस्यों के अधिकार शामिल हैं।

(16) **अन्य कोई महत्वपूर्ण प्रकटीकरण, जो आवश्यक समझा जाए**

(17) **तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) के मामले में, इस भाग में निर्धारित प्रकटीकरण, जिन्हें भाग-ख में दर्शाया गया है, करना आवश्यक नहीं है।**

(18) **अन्य जानकारी:**

निरीक्षण हेतु महत्वपूर्ण संविदाओं की सूची और दस्तावेजों का निरीक्षण:

- (1) महत्वपूर्ण संविदाएँ
- (2) महत्वपूर्ण दस्तावेज
- (3) समय और स्थान जहाँ संविदाएँ, दस्तावेजों के साथ, प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से अभिदान सूची के बंद होने की तारीख तक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होंगी।
- (4) प्राप्त प्रत्येक ग्रेड के लिए आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के ग्रेडिंग की रिपोर्ट
- (5) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रारूप प्रस्ताव-पत्र और प्रस्ताव दस्तावेज निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल द्वारा अनुमोदित होगा और उस पर कंपनी अधिनियम, 2013 में यथा परिभाषित प्रबंध निदेशक या कंपनी अधिनियम, 2013 में यथा परिभाषित प्रबंधक और मुख्य वित्त अधिकारी या वित्त संबंधी कार्य का प्रधान और उस कार्य को देखने वाले किसी अन्य व्यक्ति सहित सभी निदेशकों के हस्ताक्षर होंगे। इसके अलावा, उस पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति यह प्रमाणित करेंगे कि सभी प्रकटीकरण सत्य और सही हैं।

**निर्गमकर्ता द्वारा घोषणा कि:** हम एतद्वारा घोषणा करते हैं कि कंपनी अधिनियम, 2013 के सभी संबंध प्रावधानों और भारत सरकार द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों / विनियमों या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 3 के तहत स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों / विनियमों, यथास्थिति, का पालन किया गया है और प्रारंभिक प्रॉस्पेक्टस (रैड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस) में किया गया कोई भी कथन कंपनी अधिनियम, 2013, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 या उसके अधीन बनाए गए नियमों अथवा

उसके तहत जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों या विनियमों, यथास्थिति, के विपरीत नहीं है। हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि सभी कथन सत्य और सही हैं।

**भाग-ख – प्रस्ताव-पत्र में प्रकटीकरण**  
**[विनियम 70(2) देखें]**

- (1) निर्गमकर्ता (इश्युअर), यदि निम्नलिखित शर्तों से संतुष्ट हो जाता हो, तो वह प्रारूप प्रस्ताव-पत्र/प्रस्ताव-पत्र में, इस भाग के खंड (5) में *यथा-निर्धारित* प्रकटीकरण करेगा:
  - (क) वह तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख से और अन्य मामले में, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से, ठीक पहले के अंतिम तीन वर्षों के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015] का पालन करते हुए आवधिक रिपोर्टें, विवरण और जानकारी (जो भी लागू हो) दाखिल करता रहा है;
  - (ख) ऊपर उप-खंड (क) में उल्लिखित रिपोर्टें, विवरण और जानकारी किसी स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट पर उपलब्ध हैं;
  - (ग) निर्गमकर्ता के पास निवेशकों की शिकायतों के निवारण की व्यवस्था है, जिसमें शामिल हैं - नियमित अंतराल पर शेयरधारक संबंध समिति की बैठकें आयोजित करवाना, शेयरों के अंतरण के संबंध में निर्गमकर्ता (इश्युअर) के निदेशक बोर्ड द्वारा शक्तियाँ सौंपे जाना और निवेशकों की शिकायतों का समय से तथा संतोषजनक रूप से निवारण करने हेतु स्पष्ट रूप से निर्धारित व्यवस्थाएँ और प्रक्रियाएँ।
- (2) यदि निर्गमकर्ता खंड (1) में उल्लिखित शर्तों को पूरा नहीं करता, तो वह प्रस्ताव-पत्र में:
  - (क) नीचे खंड (4) में यथा-निर्धारित प्रकटीकरणों को छोड़कर, भाग-क में यथा-निर्धारित प्रकटीकरण करेगा;
  - (ख) इस भाग के खंड (5) में मद (XVIII)(2)(घ), (ङ) एवं (च) में यथा-निर्धारित प्रकटीकरण करेगा।
- (3) यह विचार किए बिना कि खंड (1) में निर्धारित शर्तें पूरी होती हैं या नहीं, निम्नलिखित निर्गमकर्ता प्रारूप प्रस्ताव पत्र / प्रस्ताव पत्र में नीचे खंड (4) में यथा-निर्धारित प्रकटीकरणों को छोड़कर, इस अनुसूची के भाग-क में यथा-निर्धारित प्रकटीकरण करेगा:
  - (क) वह निर्गमकर्ता जिसके प्रबंध-मंडल में, यथा लागू, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के प्रावधानों के अनुसार नियंत्रण के अर्जन के अनुसरण में कोई परिवर्तन हुआ हो और जो ऐसे परिवर्तन के बाद पहली बार निर्धारित प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम ला रहा हो;
  - (ख) वह निर्गमकर्ता जिसकी निर्धारित प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-234 के तहत अधिकरण (ट्रायब्युनल) द्वारा मंजूर स्कीम (जो भी लागू हो) के अनुसरण में उसकी निर्धारित प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (7) के तहत बोर्ड द्वारा प्रदान की गई छूट के परिणामस्वरूप सूचीबद्ध कराई गई हों, और जो ऐसी सूचीबद्धता के बाद पहली बार निर्धारित प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम ला रहा हो।
- (4) उपरोक्त खंड (2) और (3) की शर्तों आदि के अनुसार प्रकटीकरण करने वाले निर्गमकर्ता के लिए, भाग (क) में निम्नलिखित मदों के अंतर्गत निर्धारित किए गए प्रकटीकरण करने जरूरी नहीं होंगे:
  - (क) मद (4) की उप-मद (ङ);
  - (ख) मद (14) की उप-मद (ख) के पैरा (2) का उप-पैरा (ख);
  - (ग) मद (14) की उप-मद (ख) के पैरा (2) का उप-पैरा (घ);
  - (घ) मद (14) की उप-मद (ख) के पैरा (16) का उप-पैरा (घ);

(5) खंड (1) में उल्लिखित निर्गमकर्ता, प्रस्ताव-पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण, जहाँ तक संभव हो, उसी क्रम में करेगा, जैसा इस खंड में प्रकटीकरण करने के लिए निर्धारित किया गया है:

(I) **मुख पृष्ठ:** मुख पृष्ठ के कागज की मोटाई पर्याप्त होगी (न्यूनतम सौ जीसीएम क्वालिटी वाला)।

(क) **अग्र मुख पृष्ठ:**

i. अग्र मुख पृष्ठ का भीतरी हिस्सा खाली छोड़ा जाएगा।

ii. अग्र मुख पृष्ठ के बाहरी हिस्से पर केवल निम्नलिखित व्यौरे होंगे:

(क) प्रस्ताव-पत्र का प्रकार ("प्रारूप प्रस्ताव-पत्र" या "प्रस्ताव-पत्र")।

(ख) प्रारूप प्रस्ताव-पत्र / प्रस्ताव-पत्र की तारीख।

(ग) निर्गमकर्ता (इश्युअर) का नाम, उसका लोगो, उसका गठन (निगमन) किस तारीख को और कहाँ हुआ, कारपोरेट पहचान संख्या, दूरभाष संख्या, उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय या कारपोरेट कार्यालयों के पते, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट का पता और ई-मेल का पता (जहाँ निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते में या उसके नाम में कोई बदलाव हुआ हो, वहाँ प्रस्ताव दस्तावेज के उन पृष्ठ संख्याओं का संदर्भ जहाँ उनके व्यौरे दिए हुए हों)।

(घ) किस प्रकार की निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाया जा रहा है, उनकी संख्या कितनी है, उनकी कीमत क्या है तथा निर्गम (इश्यू) का आकार क्या है (जो भी लागू हो)।

(ङ) "सामान्य जोखिम" के संबंध में निम्नलिखित खंड बॉक्स फॉर्मेट में शामिल किया जाएगा:

"इक्विटी और इक्विटी से संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश में जोखिम होता है और निवेशकों को इस प्रस्ताव में तब तक निवेश नहीं करना चाहिए जब तक कि वे अपने निवेश को गँवा बैठने का जोखिम नहीं उठा सकते हों। निवेशकों को यह सलाह दी जाती है कि वे इस प्रस्ताव में निवेश के संबंध में निर्णय करने से पहले जोखिम कारकों को सावधानीपूर्वक पढ़ें। निवेश के संबंध में निर्णय करने के लिए, निवेशकों को निर्गमकर्ता तथा प्रस्ताव (इसमें शामिल जोखिमों सहित) के संबंध में स्वयं की गई पड़ताल पर विश्वास करना चाहिए। निर्गम में प्रस्तावित की जा रही प्रतिभूतियों के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड न तो सिफारिश या अनुमोदन करता है और न ही भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड इस दस्तावेज की शुद्धता या पर्याप्तता की गारंटी देता है। खंड "सामान्य जोखिम" के अधीन पृष्ठ संख्या (संख्याओं) ..... पर दिए गए "जोखिम कारकों" के विवरण की तरफ निवेशकों का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट किया जाता है।"

(च) "निर्गमकर्ता की पूर्ण जिम्मेदारी" संबंधी निम्नलिखित खंड को बॉक्स रूप में शामिल किया जाएगा:

"निर्गमकर्ता, जिसने सभी समुचित जाँच कर ली है, जो इसके लिए जिम्मेदारी स्वीकारता है और यह पुष्टि करता है कि प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में निर्गमकर्ता और निर्गम से संबंधित वह समस्त जानकारी शामिल है, जो निर्गम के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, कि प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में शामिल जानकारी समस्त महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से सत्य एवं सही है और किसी भी महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से भ्रामक नहीं है, कि इसमें अभिव्यक्त राय तथा आशय ईमानदारी से प्रस्तुत किए गए हैं और यह कि ऐसे कोई भी अन्य तथ्य नहीं हैं, जिनका लोप इन दस्तावेजों को समग्र रूप से या ऐसी किसी जानकारी अथवा ऐसी किसी राय या आशय की अभिव्यक्ति को किसी भी महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से भ्रामक बनाता है।"

(छ) उन सभी अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के नाम, लोगो तथा पते, उनके अभिनामों के साथ, जिन्होंने सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं और बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए हैं, उनकी दूरभाष संख्या, वेबसाइट पते और ई-मेल पते के साथ। [जहाँ अग्रणी प्रबंधक (अग्रणी प्रबंधकों में से कोई एक) निर्गमकर्ता का सहयुक्त हो, वहाँ वह



स्वयं को निर्गमकर्ता के सहयुक्त के रूप में प्रकट करेगा और यह भी कि इसकी भूमिका निर्गम का विपणन (की मार्केटिंग) किए जाने तक ही सीमित रहेगी।]

(ज) निर्गम रजिस्ट्रार का नाम, लोगो और पता, उसकी दूरभाष संख्या, वेबसाइट पते और ई-मेल पते के साथ।

(झ) निर्गम संबंधित समय-सारणी:

- निर्गम खुलने की तारीख
- निर्गम बंद होने की तारीख
- विभाजन (स्प्लिट) हेतु निवेदन करने की अंतिम तारीख।

(ञ) उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं और इन स्टॉक एक्सचेंजों से सूचीबद्धता हेतु प्राप्त सैद्धांतिक अनुमोदन के ब्यौरे।

**(II) पिछला मुखपृष्ठ (बैक कवर पेज):**

पिछला भीतरी मुखपृष्ठ (बैक इनसाइड कवर पेज) और पिछला बाहरी मुखपृष्ठ (बैक आउटसाइड कवर पेज) खाली छोड़ा जाएगा।

**(III) विषय-वस्तु सारणी:** अगले अंदरूनी आवरण पृष्ठ के तुरंत बाद विषय-वस्तु सारणी होगी।

**(IV) परिभाषाएँ और संक्षेपाक्षर:**

- (क) परंपरागत या सामान्य शब्द  
 (ख) निर्गम संबंधी शब्द  
 (ग) निर्गमकर्ता या उद्योग संबंधी शब्द  
 (घ) संक्षेपाक्षर

**(V) प्रस्ताव-पत्र का सार:** इस खंड में निम्नलिखित जानकारी, जो भी लागू है, संक्षेप में दी जाएगी:

- (क) निर्गमकर्ता (इश्युअर) के मुख्य कारबार के संबंध में (अधिक से अधिक 50 शब्दों में);  
 (ख) निर्गम के उद्देश्यों की जानकारी - सारणी में;  
 (ग) निम्नलिखित के संबंध में निर्गम (इश्यू) में संप्रवर्तक (प्रोमोटर) और संप्रवर्तक समूह का इरादा क्या है और उनकी हिस्सेदारी कितनी है:

क. उनके अधिकारों से संबंधित हकदारी

ख. उनके अधिकारों से संबंधित हकदारी से अधिक वह हिस्सा जिसमें अभिदान न हुआ हो

(घ) पिछले 3 वर्षों और स्टब अवधि हेतु लेखापरीक्षित समेकित वित्तीय विवरणों के अनुसार निम्नलिखित ब्यौरे सारणी में प्रकट किए जाएँ:

- क. शेयर पूँजी;  
 ख. शुद्ध-मालियत;  
 ग. राजस्व;  
 घ. कर पश्चात् लाभ;  
 ङ. प्रति शेयर आमदनी;  
 च. प्रति इक्विटी शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य; और  
 छ. कुल उधार (तुलन-पत्र के अनुसार)।

- (ड) लेखापरीक्षकों की अर्हताएँ जिनका रीस्टेटेड वित्तीय विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है।
- (च) लंबित मुकदमों की सारांश सारणी और "लंबित मुकदमों और महत्वपूर्ण घटनाएँ" शीर्षक संबंधी खंड का प्रति-संदर्भ।
- (छ) "जोखिम कारक" शीर्षक संबंधी खंड का प्रति-संदर्भ।
- (ज) आकस्मिक (कंटिजेंट) देयताओं की सारांश सारणी और निर्गमकर्ता की आकस्मिक देयताओं का प्रति-संदर्भ, जैसा रीस्टेटेड वित्तीय विवरण में प्रकट किया गया है।
- (झ) संबद्ध पक्षकार संव्यवहारों (जैसा रीस्टेटेड वित्तीय विवरणों में प्रकट किया गया हो) का प्रति-संदर्भ।
- (ञ) वित्तपोषण संबंधी सभी इंतजामों के व्यौरे जिसके द्वारा संप्रवर्तक, संप्रवर्तक समूह के सदस्यों, कंपनी (जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है) के निदेशकों, निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके नातेदारों ने प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से तुरंत पहले के छह महीनों के दौरान वित्तपोषण करने वाली एंटीटी के सामान्य कारबार के अलावा अलग से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के क्रय का वित्तपोषण किया है।
- (ट) नकदी से भिन्न प्रतिफल के लिए पिछले एक वर्ष में लाए गए इक्विटी शेयरों का निर्गमन।

**(VI) जोखिम कारक :**

- (क) जोखिम कारक स्पष्ट पठनीय फॉण्ट में (आकार कम से कम दस पॉइंट का हो) मुद्रित किये जायेंगे।
- (ख) जोखिम कारक निम्नलिखित से संबंधित होंगे:
  - (1) निर्गम (इश्यू) और निर्गम के उद्देश्यों से संबंधित;
  - (2) निर्गमकर्ता और उसके मौजूदा कारबार संबंधी क्रियाकलाप से संबंधित;
  - (3) महत्वपूर्ण मुकदमों से संबंधित, जिससे कि निर्गमकर्ता के कारबार पर असर पड़ता हो।
- (ग) जोखिम कारकों का निर्धारण उनकी महत्ता के आधार पर किया जाएगा। ऐसा करते समय, निम्नलिखित पर विचार किया जाएगा :
  - (1) कुछ घटनाएँ अकेले महत्व नहीं रखती पर संयुक्त रूप से उनका महत्व हो सकता है।
  - (2) कुछ घटनाओं का ऐसा महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसका असर बहुत अधिक होता है किंतु जिसे मापा नहीं जा सकता।
  - (3) कुछ घटनाएँ वर्तमान में महत्वपूर्ण नहीं हो सकती हैं, परंतु भविष्य में उनका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।
- (घ) प्रत्येक जोखिम कारक निम्न रीति से प्रकट होगा :
  - (1) निर्गमकर्ता द्वारा परिकल्पित जोखिम।
  - (2) जोखिम के निवारण के लिए प्रस्ताव, यदि कोई हो।
- (ड) जोखिमों से निपटने के प्रस्तावों में किसी मामले या मुकदमे आदि के अनुकूल परिणाम के बारे में कोई आनुमानिक कथन शामिल नहीं होगा।
- (च) जोखिमों से निपटने के प्रस्ताव ऐसे किसी मामले के लिए नहीं दिए जाएँगे, जो किसी न्यायालय / अधिकरण के समक्ष न्यायाधीन हो।
- (छ) जोखिम कारकों को महत्ता के घटते क्रम में प्रकट किया जायेगा। जहाँ भी जोखिमों के महत्वपूर्ण प्रभाव के बारे में उल्लेख किया जाता है, वहाँ इसके संभावित प्रभावों जिनमें वित्तीय प्रभाव (जहाँ परिमाणित किए जा सकते हों) शामिल हैं, को भी प्रकट किया जायेगा।

**(VII) परिचय :**

- (क) सारांश :

- (1) निर्गम संबंधी व्यौरे, संक्षेप में ।
- (2) समेकित वित्तीय जानकारी का सारांश ।

(ख) सामान्य जानकारी:

- (1) रजिस्ट्रीकृत और कारपोरेट कार्यालयों के नाम, पता, कंपनी पहचान संख्या और निर्गमकर्ता की रजिस्ट्रीकरण संख्या और उस कंपनी रजिस्ट्रार का पता, जिसके पास निर्गमकर्ता रजिस्ट्रीकृत है ।
- (2) निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल के प्रत्येक सदस्य का नाम, पदनाम, पता और डीआईएन ।
- (3) कंपनी सेक्रेटरी और निर्गमकर्ता के अनुपालन अधिकारी के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ और ई-मेल पते ।
- (4) निर्गमन बैंककार, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंककार और निर्गम के विधि सलाहकारों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट पते और ई-मेल पते; भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के वेबसाइट का यूआरएल जिसमें स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं, निक्षेपागार सहभागियों आदि के व्यौरे हों ।
- (5) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच दायित्वों के परस्पर आबंटन का विवरण ।
- (6) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के मामले में, साख निर्धारण के निम्नलिखित व्यौरे:
  - (क) उन सभी साख निर्धारण एजेंसियों के नाम जिनसे संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के लिए क्रेडिट रेटिंग (जिसमें वे रेटिंगें भी शामिल हैं जिन्हें स्वीकार्य नहीं किया गया है) प्राप्त की गई है ।
  - (ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के लिए प्राप्त सभी साख निर्धारणों के व्यौरे जिनमें अस्वीकार्य साख निर्धारण शामिल हैं ।
  - (ग) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पूर्व पिछले तीन वर्षों के दौरान संपरिवर्तनीय ऋण लिखत के माध्यम से बाजार में प्रवेश करते समय निर्गमकर्ता के सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों में से किसी के लिए अभिप्राय सभी साख निर्धारण ।
- (7) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के मामले में डिबेंचर न्यासियों के नाम, पते, दूरभाष संख्या, वेबसाइट का पता और ई-मेल पता ।
- (8) यदि निगरानी करने वाली कोई एजेंसी नियुक्त की गई हो, तो उसका नाम, पता, दूरभाष संख्या और ई-मेल पता, और प्रकटीकरण कि क्या नियुक्ति इन विनियमों के अनुसरण में की गयी है ।
- (9) यदि परियोजना का मूल्यांकन किया गया है, तो मूल्यांकक एंटीटी का नाम, पता, दूरभाष संख्या और ई-मेल पता ।
- (10) हामीदारी संबंधी व्यौरे:
  - (क) हामीदारों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ और ई-मेल पते तथा उनके द्वारा की गयी हामीदारी की राशि ।
  - (ख) निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल की घोषणा कि हामीदारों के पास उनसे संबंधित बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं ।
  - (ग) निर्गम की आंशिक हामीदारी के मामले में, ऐसी हामीदारी की सीमा ।
  - (घ) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल की गई प्रस्ताव-पत्र में दिए गए अंतिम हामीदारी संबंधी इंतजामों के व्यौरे जिसमें उन निर्धारित प्रतिभूतियों की वास्तविक संख्या दिखाई गई हो, जिनके लिए हामीदारी की गई है ।

- (11) बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के यहाँ प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने और बोर्ड का कार्यालय जहाँ प्रस्ताव-पत्र दाखिल किया गया संबंधी व्यौरे ।

(ग) **पूँजी संरचना** : पूँजी संरचना को निम्नलिखित क्रम में सारणीबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जायेगा:

- (1) बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के उपयुक्त निगमन के पश्चात् प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त पूँजी (प्रतिभूतियों की संख्या, प्रकार और सकल अंकित मूल्य) ।
- (2) समादत्त पूँजी
  - (क) निर्गम के पश्चात् ।
  - (ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के पश्चात् (यदि लागू हो) ।
- (3) बकाया लिखतों के निम्नलिखित व्यौरे:
  - (क) विकल्पों के व्यौरे, यदि कोई हो ।
  - (ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के व्यौरे, यदि कोई हो ।
- (4) संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह द्वारा धारित निर्धारित प्रतिभूतियों के व्यौरे, जिनमें ऐसी निर्धारित प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता (लॉक-इन), उन्हें गिरवी रखे जाने और उनके ऋण-भार (विल्लंगम / इन्कम्प्रेन्स) के व्यौरे शामिल हैं ।
- (5) तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल करने की तारीख और किसी अन्य मामले में, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले के अंतिम एक वर्ष में संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह द्वारा अर्जित की गई निर्धारित प्रतिभूतियों के व्यौरे ।
- (6) निम्नलिखित के संबंध में निर्गम में संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह द्वारा भाग लेने का इरादे और इस बात का व्यौरा कि वे किस सीमा तक भाग लेंगे:
  - (1) उनके अधिकारों की हकदारी ।
  - (2) उनके अधिकारों की हकदारी के बाद शेष अनभिदत्त हिस्सा:

**परंतु यह कि** ऐसी हिस्सेदारी के परिणामस्वरूप भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन्स एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015] में निर्धारित की गई न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी अपेक्षाओं का उल्लंघन न हो जाए ।
- (7) अधिकार रहित कीमत, जिसका उल्लेख भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के विनियम 10 के उप-विनियम 4 के खंड (ख) के तहत किया गया है ।
- (8) शेयरधारिता स्वरूप (शेयरहोल्डिंग पैटर्न), उसी फॉर्मेट में जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 में निर्धारित किया गया हो तथा जैसा स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत किया गया हो ।
- (9) निर्गमकर्ता की शेयर पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक धारण करने वाले शेयरधारकों के व्यौरे ।

#### (VIII) निर्गम संबंधी विवरण

(क) **निर्गम के उद्देश्य** :

- (1) निर्गम (इश्यू) के वे उद्देश्य, जिनके लिए पैसा जुटाया जा रहा है ।
- (2) यदि एक उद्देश्य संयुक्त उद्यम या समनुषंगी में निवेश या अर्जन है, तो निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किए जाएँगे:

- (क) निवेश के प्रकार के ब्यौरे, अर्थात् इक्विटी, ऋण या अन्य कोई लिखत;
- (ख) यदि निवेश का प्रकार निर्धारित नहीं किया गया है तो, उस आशय का कथन;
- (ग) यदि निवेश ऋण लिखतों में है, तो व्याज दर, प्रतिभूति का स्वरूप, चुकौती की शर्तें आदि, गौण स्वरूप आदि से संबंधित पूर्ण ब्यौरे;
- (घ) निवेश के परिणाम के तौर पर निर्गमकर्ता को होने वाले प्रत्याशित लाभ का स्वरूप
- (3) यदि निर्गम का एक उद्देश्य समनुषंगी से भिन्न किसी एंटीटी को ऋण प्रदान करना है, तो ऋण करार के ब्यौरे, जिसमें व्याज की दर, प्रतिभूत है या अप्रतिभूत, अवधि, प्रतिभूति का स्वरूप, चुकौती की शर्तें आदि, गौण स्वरूप आदि और निवेश के परिणाम के तौर पर निर्गमकर्ता को होने वाले प्रत्याशित लाभ का स्वरूप शामिल है। यदि ऐसा ऋण किन्हीं समूह कंपनियों को दिया जाना है, तो उसके ब्यौरे।
- (4) यदि निर्गम का एक उद्देश्य दीर्घावधि कार्यकारी पूँजी के लिए निर्गम से आए पैसों (आगमों) का उपयोग है, तो एकल आधार पर निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किये जायेंगे:
- (क) कार्यकारी पूँजी अपेक्षा के अनुमान का आधार, सुसंगत धारणाओं के साथ।
- (ख) अतिरिक्त कार्यकारी पूँजी जुटाने के लिए कारण, उन्हें सुसंगत तथ्यों और आँकड़ों से प्रमाणित करते हुए।
- (ग) अनुमानित कार्यकारी पूँजी अपेक्षा संबंधी ब्यौरे जिसके अंतर्गत यथास्थिति, परियोजना के कार्यान्वयन या निर्गम के उद्देश्यों की प्राप्ति के पश्चात् कार्यकारी पूँजी का विस्तृत मूल्यांकन, क्षमता के उपयोग संबंधी अनुमान, प्रत्याशित चालू आस्तियों का कच्चे माल, निर्मित माल, जारी कार्य, विविध देनदार इत्यादि के तौर पर ब्यौरा। साथ ही चालू आस्तियों के प्रत्येक प्रकार के लिए धारण संबंधी मानदंडों के बारे में पूर्वानुमानों, कुल चालू देयताओं, शुद्ध चालू आस्तियों और शुद्ध चालू आस्तियों के वित्त के परिकल्पित स्रोतों जैसे बैंक वित्त, संस्थागत वित्त, स्व निधियाँ इत्यादि के ब्यौरे।
- (घ) सारणी रूप में कुल परिकल्पित कार्यकारी पूँजी अपेक्षा, उसकी मार्जिन राशि और बैंकों द्वारा या अन्यथा वित्त पोषित होने वाला हिस्सा।
- (ङ) निर्गमकर्ता के पास उपलब्ध विद्यमान कार्यकारी पूँजी के ब्यौरे, कुल चालू आस्तियों के कच्चे माल, तैयार माल, जारी कार्य, विविध देनदार इत्यादि के तौर पर ब्यौरे के साथ, कुल चालू देयताएँ, शुद्ध चालू आस्तियाँ और शुद्ध चालू आस्तियों के लिए वित्त के स्रोत अर्थात् बैंक से मिलने वाला पैसा, संस्थाओं से मिलने वाला पैसा, स्वयं का पैसा आदि।
- (च) जिस परियोजना के लिए निर्गम लाया गया है, यदि कार्यकारी पूँजी को उस परियोजना के भाग के रूप में नहीं दर्शाया जाता है, तो इसके कारण।
- (5) यदि निर्गम के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य परियोजना के लिए धनराशि उपलब्ध कराना है, तो निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएँ:
- (क) परियोजना का स्थान
- (ख) संयंत्र और मशीनरी, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया आदि।
- (ग) सहयोगियों द्वारा सहयोग, कार्य-निष्पादन की गारंटी (यदि कोई हो), या विपणन (मार्केटिंग) में सहायता।
- (घ) कच्चे माल के लिए अवसंरचनागत (बुनियादी) सुविधाएँ और पानी, बिजली, आदि जैसी उपयोगिताएँ इत्यादि।
- (6) यदि निर्गम के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य किसी संयंत्र, उपकरण, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया आदि की खरीद करना है।

- (7) ब्यौरे सारणी रूप में दिये जायेंगे, जिसमें निर्गमकर्ता द्वारा खरीदे जाने के लिए अपेक्षित उपकरण, उपकरण की लागत, आपूर्तिकर्ता का नाम, आदेश देने की तारीख और आपूर्ति की तारीख या अपेक्षित तारीख, इत्यादि के ब्यौरे शामिल होंगे।
- (8) यदि उपकरण के लिए आदेश अभी दिया जाना है, तो उस कोटेशन की तारीख का उल्लेख करें, जिसके आधार पर लागत अनुमान दिया गया।
- (9) उस उपकरण का प्रतिशत और मूल्य बताएँ, जिसके लिए आदेश अभी दिए जाने हैं।
- (10) खरीदी गयी या खरीदे जाने के लिए प्रस्तावित पुराने (सेकण्ड हैंड) उपकरणों, यदि कोई हो, के ब्यौरे, जिनमें मशीनों की आयु, शेष अनुमानित आयु के ब्यौरे भी दिये जायेंगे।
- (11) यदि साधिकार निर्गम के मामले में वारंट निर्गमित किए जाते हैं, तो वारंट के संपरिवर्तन से प्राप्त होने वाले पैसों के प्रस्तावित उपयोग का जिक्र करें।

**(ख) निधियों की अपेक्षा :**

- (1) जहाँ निर्गमकर्ता एक से अधिक क्रियाकलाप या परियोजना करने का प्रस्ताव करता है जैसे विविधीकरण, आधुनिकीकरण, विस्तार इत्यादि, वहाँ परियोजना की कुल लागत को यथास्थिति, क्रियाकलाप के अनुसार या प्रोजेक्ट के अनुसार दिया जायेगा।
- (2) जहाँ निर्गमकर्ता चरणबद्ध रीति में परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है, वहाँ प्रत्येक चरण की लागत, जिसके अंतर्गत ऐसे चरण, यदि कोई हो, को भी शामिल किया जाएगा जिसका पहले ही कार्यान्वयन किया जा चुका है।
- (3) निर्गम से आए पैसों (आगमों) के उपयोग या परियोजना की लागत के संबंध में संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह, निदेशकों, मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक, और समूह कंपनियों के साथ विद्यमान या अनुमानित सभी महत्वपूर्ण संव्यवहारों के ब्यौरे। सुसंगत दस्तावेजों को निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सूची में शामिल किया जायेगा।
- (4) यदि निर्गम से आए पैसों में से किसी हिस्से का इस्तेमाल प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से,:

(क) किसी कारबार की खरीद के लिए किया जाता हो; या

(ख) किसी कारबार में हित की खरीद के लिए किया जाता हो और उस खरीद की वजह से, या उसके परिणामस्वरूप या उसके संबंध में की जाने वाली किसी बात की वजह से; निर्गमकर्ता ऐसे कारबार में, उसके पचास प्रतिशत से अधिक, या तो पूँजी या लाभों और हानियों या दोनों से संबंधित हित के प्रति हकदार बन जाए;

तो निम्नलिखित के संबंध में लेखाकारों (जिनके नाम प्रस्ताव-पत्र में दिए जाएँगे) द्वारा रिपोर्ट तैयार की जाएगी:

- (i) प्रस्ताव-पत्र जारी करने से ठीक पहले के पाँच वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक वर्ष हेतु कारबार के लाभ या हानि के संबंध में; और
- (ii) उस अंतिम तारीख की स्थिति के अनुसार कारबार की आस्तियाँ (असेट्स) और देयताएँ जिस तारीख की स्थिति के अनुसार कारबार के लेखे तैयार किए गए, किंतु वह तारीख प्रस्ताव-पत्र जारी किए जाने की तारीख से छह महीने पहले से अधिक की तारीख न हो।

(5) यदि:

- (क) निर्गम से आए पैसों में से किसी हिस्से का इस्तेमाल प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से (चाहे किसी भी प्रकार से) निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा किसी निगमित निकाय में शेयरों के अर्जन के लिए किया जाता हो; और

(ख) उस अर्जन की वजह से या उसके परिणामस्वरूप या उसके संबंध में की जाने वाली किसी बात की वजह से, वह निगमित निकाय उस निर्गमकर्ता का समनुषंगी (सब्सिडियरी) बन जाए;

तो निम्नलिखित के संबंध में लेखाकारों (जिनके नाम प्रस्ताव-पत्र में दिए जाएँगे) द्वारा रिपोर्ट तैयार जाएगी:

- (i) प्रस्ताव-पत्र जारी करने से ठीक पहले के पाँच वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक वर्ष हेतु अन्य निगमित निकाय के कारबार के लाभ या हानि के संबंध में; और
- (ii) उस अंतिम तारीख की स्थिति के अनुसार अन्य निगमित निकाय के कारबार की आस्तियाँ (असेट्स) और देयताएँ जिस तारीख की स्थिति के अनुसार उसके लेख तैयार किए गए हों।

(ग) निर्गमकर्ता (इश्युअर) की परियोजना या उद्देश्यों के नीतिगत (स्ट्रैटेजिक) भागीदार।

(घ) निर्गमकर्ता (इश्युअर) की परियोजना या उद्देश्यों के वित्तीय भागीदार।

(ङ) **वित्तपोषण संबंधी योजना (वित्त के साधन):**

- (1) निर्गमकर्ता द्वारा वचन दिया जाएगा जिसमें कथित वित्त साधनों के पचहत्तर प्रतिशत के लिए प्रमाणयोग्य साधनों के माध्यम से वित्तपोषण की सुदृढ़ व्यवस्थाएँ किए जाने की पुष्टि की जाएगी, प्रस्तावित निर्गम के माध्यम से जुटाई जाने वाली रकम और पहचान किए जाने योग्य मौजूदा आंतरिक उपचयों (अकूअल) का छोड़कर।
- (2) वित्त साधनों के उस शेष हिस्से का बिना विशेष वर्णन के उल्लेख किया जायेगा, जिसके लिए कोई पक्की व्यवस्था नहीं की गयी है।
- (3) सशर्त (टाइड अप) निधियों के ब्यौरे और अतिरिक्त पैसों (आगमों), यदि कोई हो, के नियोजन के लिए मार्ग।

(च) **मूल्यांकन:**

- (1) मूल्यांकन का दायरा और प्रयोजन, यदि कोई हो, मूल्यांकन की तारीख के साथ।
- (2) मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की लागत और वित्तपोषण के साधन।
- (3) मूल्यांकन रिपोर्ट जारी होने की तारीख के बाद परियोजना की लागत में संशोधन, यदि कोई हो, और वित्तपोषण के साधन।
- (4) मूल्यांकन रिपोर्ट में दी गई कमजोरियाँ, अहंताएँ और आशंकाएँ, जो जोखिम कारकों के तौर पर प्रकट किया जाए।

(छ) **कार्यान्वयन अनुसूची :** परियोजना (प्रोजेक्ट) कार्यान्वयन अनुसूची और अब तक हुई प्रगति दी जायेगी, भूमि अर्जन, सिविल कार्यों, संयंत्रों और मशीनों की स्थापना, परीक्षण उत्पाद, वाणिज्यिक उत्पाद की तारीख और विलंब के कारण, यदि कोई हो, का ब्यौरा देते हुए।

(ज) **निधियों का नियोजन:**

- (1) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल किए जाने की तारीख से उस तारीख तक जो दो माह पहले की न हो, निधियों के स्रोत और परियोजना (जहाँ निर्गमकर्ता परियोजना के लिए पूँजी जुटा रहा है) में इन निधियों के नियोजन के ब्यौरे, जो चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणित किया हुआ हो (चार्टर्ड अकाउंटेंट के नाम के साथ) और साथ ही प्रमाणपत्र की तारीख का भी उल्लेख करें।
- (2) जहाँ संप्रवर्तकों द्वारा अग्रिम रूप में लाई गई शेयर आवेदन की रकम को परियोजना में लगाया जाता हो और उसे साधिकार निर्गम में उनकी अधिकारों संबंधी हकदारी के प्रति समायोजित

किया जा रहा हो, तो संप्रवर्तकों द्वारा लाए गए पैसों में से कितना लगाया गया और कितने का इस्तेमाल किया गया।

- (झ) **पहले से ही अभिनियोजित निधियों के वित्तपोषण के स्रोत:** वित्तपोषण के साधन और स्रोत, जिनमें पूरक ऋण या अन्य वित्तीय व्यवस्था, के ब्यौरे शामिल हैं, जिन्हें निर्गम से आए पैसों (आगमों) से चुकाया जा सकेगा।
- (ञ) **शेष निधियों के अभिनियोजन के ब्यौरे:** उक्त परियोजना पर वर्ष के अनुसार प्रस्तावित व्यय के ब्यौरे
- (ट) **निधियों का अंतरिम उपयोग:** यह कथन कि निर्गम से आए कुल पैसों (आगमों) जिनका उपयोग (उल्लिखित उद्देश्यों के लिए) अभी नहीं हुआ है, उन्हें अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में जमा कराया जाएगा।
- (ठ) **निर्गम संबंधी खर्चे :** निर्गम संबंधी खर्चे (कुल निर्गम के खर्चों के प्रतिशत के रूप में और कुल निर्गम आकार के प्रतिशत के रूप में, पैसों में), जिनके शीर्ष नीचे दिए गए हैं:
- (1) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की फीस (हामीदारी संबंधी कमीशन सहित)
  - (2) दलाली (ब्रोकेज), विक्री कमीशन और अपलोड किए जाने की फीस
  - (3) निर्गम रजिस्ट्रार
  - (4) कानूनी सलाहकार
  - (5) विज्ञापन और विपणन (मार्केटिंग) व्यय
  - (6) विनियामक, स्टॉक एक्सचेंजों सहित
  - (7) निर्गम से संबंधित स्टेशनरी का मुद्रण और वितरण
  - (8) अन्य, यदि कोई हो (उल्लेख करें)।
- (क) निर्गमकर्ता और उसके शेयरधारकों तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के अनुसार पहचान की गई महत्वपूर्ण समनुषंगियों के लिए कर संबंधी कोई विशेष लाभ।
- (ख) निर्गम के प्रस्तावित उद्देश्यों के लिए प्रमुख औद्योगिक कामकाज (यदि निर्गमकर्ता के मौजूदा कारबार से भिन्न हो)
- (ग) संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह और निदेशकों का हित, जैसा निर्गम की परियोजना या उद्देश्यों के संबंध में लागू हो
- (IX) **निर्गमकर्ता का इतिहास और कारपोरेट संरचना:** यदि निर्गमकर्ता पिछले दस वर्षों या उससे अधिक समय से कोई निर्गम (इश्यू) न लाए हो, तो निर्गमकर्ता के इतिहास और कंपनी संरचना के बारे में संक्षिप्त विवरण, निर्गमकर्ता के मुख्य उद्देश्य और बीते समय में घटी प्रमुख घटनाएँ।
- (X) **प्रबंध-मंडल (निदेशक मंडल):**
- (क) प्रबंधक, प्रबंध-निदेशक, और अन्य निदेशकों (जिनमें नामनिर्देशिनी [नॉमिनी] निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक शामिल हैं) का नाम, उनकी जन्म तिथि, आयु, निदेशक पहचान संख्या, पता, व्यवसाय और वर्तमान पदावधि की समाप्ति की तारीख, निदेशक पद की अवधि अन्य कंपनियों में उनके निदेशक पद की जानकारी देते हुए।
- (1) प्रत्येक व्यक्ति के संबंध में, उन सूचीबद्ध कंपनियों में वर्तमान और पिछले पाँच वर्षों के लिए निदेशक पद (पदों) के निम्नानुसार ब्यौरे, जिनके शेयर उस व्यक्ति के सेवा अवधि के दौरान किन्हीं स्टॉक एक्सचेंजों में व्यापारित किए जाने से निलंबित किए गए हैं / निलंबित थे :
- कंपनी का नाम :
  - स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है)



- स्टॉक एक्सचेंजों से निलंबन की तारीख :
- यदि व्यापार तीन महीनों से अधिक के लिए निलंबित किया गया हो, तो निलंबन के कारण और निलंबन की अवधि :
- यदि निलंबन हटा दिया गया हो, तो निलंबन हटाए जाने की तारीख :
- उपरोक्त कंपनी (कंपनियों) में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित) ।

(उपरोक्त ब्यौरे पिछले पाँच वर्षों के लिए दिए जाएँगे । इन विनियमों के तहत दाखिल किए गए प्रस्ताव दस्तावेज के तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) के मामले में, पाँच वर्ष की अवधि प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से मानी जाएगी ।)

(2) प्रत्येक व्यक्ति के लिए, उन सूचीबद्ध कंपनियों में वर्तमान और पिछले दस वर्षों के निदेशक पद (पदों) के निम्नानुसार ब्यौरे जिन्हें उस व्यक्ति की सेवा अवधि के दौरान स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) से असूचीबद्ध कर दिया गया हो / असूचीबद्ध कर दिया गया था:

- कंपनी का नाम:
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है:
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) से असूचीबद्धता की तारीख:
- अनिवार्य या स्वैच्छिक असूचीबद्धता:
- असूचीबद्धता के कारण:
- यदि फिर से सूचीबद्ध किया गया हो, तो [स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के नाम] में फिर से सूचीबद्ध किए जाने की तारीख:
- उपरोक्त कंपनी / कंपनियों में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित)

(ख) किन्हीं निदेशकों के बीच किसी भी पारिवारिक नातेदारी का स्वरूप ।

(ग) प्रमुख शेयरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं या अन्यो के बीच कोई इंतजाम या समझौता, जिसके अनुसरण में निदेशक के रूप में चयन किया गया है ।

(घ) निदेशकों द्वारा निर्गमकर्ता के साथ की गयी सेवा संविदाओं के ब्यौरे, जिसके तहत नियोजन के समापन पर फायदे का प्रावधान हो और ऐसी किसी संविदा के अभाव में पृथक् नकारात्मक कथन ।

#### (XI) निर्गमकर्ता की वित्तीय जानकारी:

प्रस्ताव-पत्र में एक मानक वित्तीय इकाई का प्रयोग होगा ।

(क) निर्गमकर्ता के समेकित वित्तीय विवरण:

- (1) अंतिम पूर्ण लेखा वर्ष जिसके लिए लेखापरीक्षा पूर्ण की गयी है के बारे में लाभ या हानि और आस्तियों तथा दायित्वों के बारे में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट (लेखा नीतियों में हुए परिवर्तनों को दिखाते हुए, यदि कोई हों) ।
- (2) उस तारीख को जो निर्गम के खुलने की तारीख से पहले छह महीनों से पूर्व की न हो, को लाभ या हानि और आस्तियों तथा देयताओं की सीमित समीक्षा के संबंध में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट (लेखा नीतियों में हुए परिवर्तनों को दिखाते हुए, यदि कोई हों), जहाँ ऐसी तारीख को लेखापरीक्षित लेखे उपलब्ध न हों ।
- (3) उपर्युक्त खंड (1) और (2) के प्रयोजन के लिए, यह पर्याप्त होगा यदि:

क) आस्तियों और दायित्वों के विवरण में, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-III के भाग-1 में दिये गये प्रावधान के अनुसार आस्तियों और देयताओं के मुख्य शीर्ष दिये गये हों । यदि निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 2013 से भिन्न किसी कानून द्वारा विनियमित है, तो ऐसे

कानून में निर्धारित आस्तियों और दायित्वों के शीर्ष आस्तियों और देयताओं के विवरण में दिये जायेंगे।

ख) स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल की जाने वाली तिमाही वित्तीय जानकारी के बारे में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के विनियम 33 के अनुसार आय और व्यय के शीर्षों के अधीन प्रकट किये जाने हेतु अपेक्षित जानकारी, लाभ या हानि के विवरण में उपलब्ध करा दी गयी हो।

- (4) महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ, यदि कोई हों, जो निर्गमकर्ता की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हों।
- (5) अंतिम चार सप्ताहों की सप्ताह के अंत की कीमतें; वर्तमान बाजार कीमत; और उस अवधि के दौरान संबंधित तारीखों के साथ इक्विटी शेयरों की उच्चतम और निम्नतम कीमतें। यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं, तो उपरोक्त जानकारी प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के लिए अलग-अलग उपलब्ध करानी होगी।
- (6) निर्गमकर्ता के शेयरों / संपरिवर्तनीय लिखतों के स्टॉक बाजार भाव (अंतिम तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष की उच्च / निम्न कीमतें और अंतिम छह महीनों के दौरान मासिक उच्च / निम्न कीमतें)। यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं, तो उपरोक्त जानकारी प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के लिए अलग-अलग उपलब्ध करानी होगी।
- (7) लेखा और अन्य अनुपात : जिन लेखा अवधियों हेतु वित्तीय जानकारी दी गई है, उनमें से प्रत्येक लेखा कालावधि के लिए निम्नलिखित लेखा अनुपात दिये जायेंगे:

- आमदनी प्रति शेयर (मूल और कम हुई आमदनी)
- शुद्ध मालियत पर प्रतिफल
- शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर
- ईबीआईटीडीए

(8) पूँजीकरण विवरण:

क. निर्गम लाये जाने से पहले और पश्चात् कुल ऋण (डैट), शुद्ध मालियत, और ऋण / इक्विटी अनुपात दर्शाने वाला पूँजीकरण विवरण।

ख. प्रॉस्पेक्टस में वित्तीय जानकारी प्रकट किये जाने की तारीख से शेयर पूँजी में किसी परिवर्तन के मामले में, परिवर्तन के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए टिप्पणी।

ग. पूँजीकरण विवरण का उदाहरणस्वरूप फॉर्मेट इसके नीचे दिया गया है:

विवरण	निर्गम से पूर्व	प्रस्तावित निर्गम के लिए समायोजित
(करोड़ रुपये में)		
<b>कुल उधार</b>		
वर्तमान उधार*		
गैर चालू उधार (वर्तमान की परिपक्वता के साथ)*		
<b>कुल इक्विटी</b>		
शेयर पूँजी*		

आरक्षितियाँ व अधिशेष*		
शेयर वारंट के एवज में मिला पैसा*		
<b>कुल पूँजी</b>		
अनुपात : गैर चालू उधार / कुल इक्विटी		

\* इन शब्दों के अर्थ कंपनी अधिनियम, 2013 (यथा संशोधित) की अनुसूची-III के अनुसार होंगे।

(XII) इस भाव का कथन कि निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के बीच परामर्श से कीमत का निर्धारण किया गया है।

(XIII) **इरादतन चूककर्ताओं से संबंधित प्रकटीकरण:** यदि निर्गमकर्ता अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करनेवाला) घोषित किया गया हो, तो वह ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग निम्नलिखित प्रकटीकरण करेगा :

- (क) उस व्यक्ति का नाम, जिसे इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया हो;
- (ख) उस बैंक का नाम, जिसने उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया हो;
- (ग) वह वर्ष, जिसमें उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया गया हो;
- (घ) उस समय बकाया रकम, जब उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) घोषित किया गया हो;
- (ङ) इरादतन चूककर्ताओं (जानबूझकर चूक करने वालों) की सूची से नाम हटाए जाने के लिए उस व्यक्ति द्वारा उठाए गए कदम, यदि कोई हों;
- (च) ऐसे अन्य प्रकटीकरण, जो निवेशकों को सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बनाने के उद्देश्य से निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा उचित समझे जाएँ;
- (छ) बोर्ड द्वारा यथा-निर्धारित कोई अन्य प्रकटीकरण।

इस तथ्य को मुख पृष्ठ (कवर पेज) पर (संबद्ध पृष्ठों की संख्या का उल्लेख करते हुए) प्रमुखता से प्रकट किया जाएगा कि निर्गमकर्ता (इश्युअर) अथवा उसका कोई संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) इरादतन चूककर्ता (जानबूझकर चूक करने वाला) है। यहाँ निर्धारित प्रकटीकरण एक अलग अध्याय या खंड में किए जाएँगे और जिसका स्पष्ट उल्लेख अनुक्रमणिका (इंडेक्स) / विषय-सूची में किया जाएगा।

(XIV) **चल रहे मुकदमे और चूकें :**

(क) वे लंबित मामले, जिनका परिणाम प्रतिकूल हाने से निर्गमकर्ता के कामकाज या उसकी वित्तीय स्थिति महत्वपूर्ण रूप से और प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी।

(ख) वे मामले, जो लंबित हैं

- (1) निर्गमकर्ता की ओर से नैतिक अधमता या आपराधिक दायित्व के मुद्दे
- (2) निर्गमकर्ता द्वारा कानूनी विनियमों के महत्वपूर्ण अतिक्रमण
- (3) आर्थिक अपराध जहाँ निर्गमकर्ता के विरुद्ध कार्यवाहियाँ आरंभ की गयी हैं।

महत्ता का निर्धारण करने के लिए, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के तहत दी गई अपेक्षाओं के अनुसार, निर्गमकर्ता द्वारा उसकी सीमा तय की जाएगी।

(ग) महत्ता का निर्धारण करने के लिए, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के तहत दी गई अपेक्षाओं के अनुसार, निर्गमकर्ता द्वारा उसकी सीमा तय की जाएगी।

(घ) ये प्रकटीकरण निर्गमकर्ता और निर्गमकर्ता की उन समनुषंगी कंपनियों के बारे में किये जायेंगे, जिनके वित्तीय विवरण प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव-पत्र में अलग-अलग या समेकित रूप में शामिल किये जाते हैं।

(XV) **सरकारी अनुमोदन या लाइसेंसिंग इंतजाम:** नये क्रियाकलाप / नयी परियोजना के मामले में, सभी लंबित सरकारी और विनियामक अनुमोदन।

मौजूदा क्रियाकलाप / परियोजना के मामले में, सभी महत्वपूर्ण लंबित विनियामक और सरकारी अनुमोदन।

(XVI) **महत्वपूर्ण विकास:** अंतिम तुलन पत्र की तारीख के पश्चात् कोई महत्वपूर्ण विकास और निर्गमकर्ता के कार्यनिष्पादन तथा संभाव्यताओं पर इसका प्रभाव।

(XVII) **अन्य विनियामक और कानूनी प्रकटीकरण:**

(क) निर्गम के लिए प्राधिकार और निर्गम के लिए पारित संकल्प के ब्यौरे।

(ख) निर्गमकर्ता द्वारा यह कथन कि बोर्ड द्वारा पारित किसी आदेश या निदेश के तहत निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह, निदेशकों को पूँजी बाजारों में पहुँच रखने या परिचालन करने से प्रतिषिद्ध नहीं किया गया है या उन पर रोक नहीं लगाई गई है या प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या में लेनदेन करने से उन्हें अवरुद्ध नहीं किया गया है।

(ग) निर्गमकर्ता द्वारा यह कथन कि क्या निर्गमकर्ता का कोई निदेशक प्रतिभूति बाजार से किसी भी प्रकार से जुड़ा हुआ है, यदि हाँ, तो बोर्ड द्वारा उक्त एंटिटियों के खिलाफ आरंभ की गई कार्रवाई के ब्यौरे।

(घ) निर्गमकर्ता द्वारा यह कथन कि निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों या निदेशकों की पहचान जानबूझकर चूक करने वालों के रूप में नहीं की गई है।

(ङ) निर्गमकर्ता द्वारा यह कथन कि वह इस अनुसूची के खंड (1) में निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन कर रहा है।

(च) तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) लाने के लिए पात्रता अपेक्षाओं की अनुपालना के ब्यौरे।

(छ) दावात्याग खंड:

(1) प्रस्ताव-पत्र में गाढ़े सुस्पष्ट अक्षरों में निम्नलिखित दावात्याग खंड दिया जाएगा:

"यह स्पष्ट तौर पर समझा जाना है कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को प्रस्ताव-पत्र प्रस्तुत किये जाने को किसी भी प्रकार से यह नहीं समझा जाना चाहिए या इसका यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा इसकी मंजूरी आदि दी गयी है या इसे अनुमोदित किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड न तो किसी स्कीम या परियोजना जिसके लिए निर्गम लाये जाने का प्रस्ताव है की वित्तीय सुदृढ़ता की और न ही प्रस्ताव पत्र में किये गये कथनों या अभिव्यक्त राय की शुद्धता की कोई जिम्मेदारी लेता है। अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), ..... ने यह प्रमाणित किया है कि प्रस्ताव पत्र में किये गये प्रकटीकरण सामान्य तौर पर पर्याप्त हैं और तत्समय प्रवृत्त भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 के अनुरूप हैं। यह अपेक्षा इसलिये है कि प्रस्तावित निर्गम में निवेश करने के लिए सोचसमझ कर निर्णय लेने में निवेशकों की मदद की जा सके।

यह भी स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि यद्यपि प्रस्ताव पत्र में दी गयी समस्त संबंधित जानकारी की शुद्धता, पर्याप्तता और प्रकटीकरण के लिए प्राथमिक तौर पर निर्गमकर्ता जिम्मेदार है, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से यह उम्मीद है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक् तत्परता बरते कि निर्गमकर्ता ने इस निमित्त और इस प्रयोजन हेतु पर्याप्त रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) ..... ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को ..... तारीख का सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है, जो कि निम्नानुसार है :

*(बोर्ड को प्रस्तुत किये गये सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र को यहाँ पुनः प्रस्तुत किया जाएगा।)*

तथापि, प्रस्ताव-पत्र को दाखिल करने से निर्गमकर्ता को कंपनी अधिनियम 2013 के अधीन किसी दायित्व से या ऐसे कानूनी या अन्य मंजूरी आदि प्राप्त करने की अपेक्षा से छूट नहीं मिल जाती है, जैसा कि प्रस्तावित निर्गम के प्रयोजन के लिए अपेक्षित हो, । इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पास यह अधिकार है कि वह प्रस्ताव-पत्र में किन्हीं अनियमितताओं या गलतियों के लिए किसी भी समय अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के यहाँ मामले को उठा सके।"

(2) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से दावात्याग कथन :

इस भाव का कथन कि निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक प्रस्ताव-पत्र या विज्ञापन अथवा निर्गमकर्ता द्वारा जारी या उसके कहने पर जारी किए गए किसी अन्य सामग्री में किए गए कथनों से भिन्न किसी भी कथन की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते हैं और यह कि किसी अन्य स्रोत से प्राप्त जानकारी पर निर्भर होने वाला कोई व्यक्ति ऐसा अपने जोखिम पर करेगा।

जो निवेशक निर्गम में निवेश करते हैं, उनके बारे में यह समझा जायेगा कि उनका प्रतिनिधित्व निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक और उनके संबंधित निदेशकों, अधिकारियों, एजेंटों, सहबद्ध व्यक्तियों तथा प्रतिनिधियों द्वारा किया गया है कि वे सभी कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों तथा अनुमोदनों के अधीन हमारी कंपनी के इक्विटी शेयरों को अर्जित करने के पात्र हैं, और वे इस निर्गम में अपनी योग्यता तथा निवेश की मात्रा के विषय में स्वतंत्र सलाह / मूल्यांकन पर निर्भर रहे हैं।

(3) क्षेत्राधिकार के बारे में दावात्याग: एक संक्षिप्त पैरा जिसमें उस क्षेत्राधिकार का उल्लेख हो जिसके तहत कानून और नियमों तथा विनियमों के प्रावधान प्रस्ताव-पत्र पर लागू हैं।

(4) स्टॉक एक्सचेंजों का दावात्याग खंड

(5) भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण तथा किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण का दावात्याग खंड (यदि लागू हो)।

(ज) बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल करने का तथ्य और बोर्ड का कार्यालय जहाँ प्रस्ताव पत्र दाखिल किया गया है।

(झ) निवेशक की शिकायतों के समाधान के लिए निर्गमकर्ता द्वारा विकसित कोई इंतजाम या व्यवस्था और निवेशक की विभिन्न प्रकार की शिकायतों के निपटान के लिए इसके द्वारा सामान्यतः लिया जाने वाला समय।

**(XVIII) प्रस्ताव संबंधी जानकारी:**

(1) भुगतान की शर्तें और प्रक्रिया तथा आबंटन करने और प्रमाणपत्र जारी किये जाने / डिमैट खाते में जमा करवाने की समय-सूची।

(2) आवेदन कैसे करें, आवेदन फॉर्म तथा प्रस्ताव-पत्र की उपलब्धता और भुगतान का तरीका, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित है:

(क) पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदन:

1. "पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदनों के लिए प्रक्रिया" तथा "एक से अधिक आवेदन" शीर्षों के तहत कथन जिसमें यह उल्लेख होगा कि बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत भारतीय पारस्परिक निधि की प्रत्येक स्कीम के लिए पृथक् आवेदन किया जा सकता है और ऐसे आवेदनों के बारे में यह नहीं माना जाएगा कि वे एक से अधिक आवेदन हैं।
2. कथन जिसमें यह उल्लेख होगा कि पारस्परिक निधि की आस्ति प्रबंध कंपनी या अभिरक्षक द्वारा किये गये आवेदन में उस संबंधित स्कीम का नाम स्पष्ट रूप से दिया जाएगा जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है।

(ख) अनिवासी भारतीयों द्वारा आवेदन:

1. भारत में कम से कम एक ऐसे स्थान का नाम और पता जहाँ से व्यक्तिगत अनिवासी भारतीय आवेदक आवेदन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं।
2. यह कथन कि : "अनिवासी भारतीय आवेदक कृपया ध्यान दें कि केवल ऐसे आवेदनों पर आरक्षित प्रवर्ग के तहत आबंटन के लिए विचार किया जायेगा जिनके साथ मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान संलग्न हो। जिन अनिवासी भारतीयों का इरादा अनिवासी साधारण खातों के माध्यम से भुगतान करने का है, वे निवासी भारतीयों के लिए उपलब्ध फॉर्म का इस्तेमाल करेंगे और वे आरक्षित प्रवर्ग के लिए उपलब्ध फॉर्म का इस्तेमाल नहीं करेंगे।"

(ग) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (एएसबीए) के अंतर्गत निवेशकों द्वारा आवेदन : निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन प्रक्रिया के ब्यौरे, जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन को प्रस्तुत किये जाने संबंधी विशेष अनुदेश सम्मिलित हैं।

(घ) यह कथन कि जिन शेयरधारकों को आवेदन फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ है, वे अपेक्षित आवेदन धनराशि के साथ, सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं।

(ङ) वह फॉर्मेट जो शेयरधारकों को सादे कागज पर आवेदन करने में समर्थ बनाये जिसके अंतर्गत आवश्यक विवरणों का उल्लेख होगा, जैसे कि नाम, पता, साधिकार निर्गम का अनुपात, निर्गम कीमत, धारित इक्विटी शेयरों की संख्या, लेजर फोलियो संख्याएँ, निक्षेपागार सहभागी का आई.डी., ग्राहक का आई.डी., उन इक्विटी शेयरों की संख्या जिसके लिए हकदार हों या आवेदन किया हो, अतिरिक्त शेयर यदि कोई हों, आवेदन के साथ अदा की जाने वाली रकम, और निर्गमकर्ता के खाते के पक्ष में लिखे जाने वाले चैक के विवरण आदि।

(च) यह कथन कि सादे कागज पर आवेदन करने वाले शेयरधारक अपने अधिकारों का त्याग नहीं कर सकते और किसी प्रयोजन जिसमें त्याग सम्मिलित है के लिए आवेदन फॉर्म का उपयोग नहीं करेंगे, फिर भले ही यह वाद में प्राप्त हुआ हो।

(3) फ्रैक्शनल हकदारी के संबंध में कार्यवाही: फ्रैक्शनल हकदारी के संबंध में कार्यवाही की रीति, अर्थात् फ्रैक्शनल साधिकारों के मूल्य, यदि कोई हो, के समतुल्य का नकदी आदि में भुगतान।

(4) फर्जी आवेदनों सहित निम्नलिखित प्रकटीकरणों के लिए दंड से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान:

क) कोई व्यक्ति जो किसी कंपनी में उसकी प्रतिभूतियों के अर्जन के लिए या उसमें अभिदान करने के लिए फर्जी नाम से आवेदन करता है / करवाता है; या

ख) कोई व्यक्ति जो किसी कंपनी में उसकी प्रतिभूतियों के अर्जन के लिए या उसमें अभिदान करने के लिए भिन्न-भिन्न नामों से या अपने नाम अथवा उपनाम का उपयोग करके भिन्न-भिन्न नामों से एक से अधिक आवेदन करता है या आवेदन करवाता है; या

ग) कोई व्यक्ति जो अन्यथा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी कंपनी को उत्प्रेरित करता है कि वह ऐसे व्यक्ति, या फर्जी नाम वाले किसी व्यक्ति को प्रतिभूतियों का आबंटन कर दे, या प्रतिभूतियों के अंतरण को रजिस्ट्रीकृत कर दे।

परंतु यह कि कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसरण में लगाई गई शास्ति का प्रकटीकरण किया जाएगा।

- (5) यह कथन कि पंद्रह दिनों की अवधि के भीतर निर्धारित प्रतिभूतियों को डीमैट खाते में जमा करवा दिया जाएगा / धन-वापसी कर दी जाएगी तथा धन-वापसी में विलंब के मामले में निर्धारित दर पर व्याज अदा की जाएगी। निर्धारित समय-सीमा के भीतर धन-वापसी (रिफंड) न किए जाने के मामले में, तय किए गए व्याज दर के साथ धन-वापसी (रिफंड) करने के संबंध में निर्गमकर्ता और उसके निदेशकों के दायित्व का भी उल्लेख किया जाएगा।
- (6) धन-वापसी के माध्यम:
- क) वह माध्यम जिससे निर्गमकर्ता अति-अभिदान के मामले में या सूचीबद्ध न होने के मामले में या अन्यथा आवेदकों को धन-वापसी करेगा।
- ख) यदि निर्गमकर्ता आवेदकों को धन लौटाने के लिए एक से अधिक माध्यमों के उपयोग का प्रस्ताव करता है, तो ऐसे में उन मामलों को प्रकट किया जाएगा जिनमें भिन्न-भिन्न माध्यमों से धन-वापसी की जाएगी।
- ग) धन-वापसी के अनुमत माध्यम निम्नानुसार है:
- (i) बोर्ड द्वारा निर्धारित केंद्रों में से किसी में निवास कर रहे आवेदकों के मामले में - आवेदकों के बैंक खातों में धन-वापसी की रकम इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के माध्यम से सीधे जमा करके, आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) या एनईएफटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण), या एनएसीएच (नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस), जो भी लागू हो, के जरिए [जो भी उस समय भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत हो];
- (ii) अन्य आवेदकों के मामले में - जहाँ मूल्य 1500/-रु. या उससे अधिक है, वहाँ रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा धनवापसी आदेशों के प्रेषण द्वारा, या अन्य मामलों में डाक में डाले जाने के प्रमाणपत्र के अधीन, (तथापि डाक नियमों के अध्वधीन); और
- (iii) बोर्ड द्वारा निर्धारित आवेदकों के किसी भी प्रवर्ग के मामले में - बोर्ड द्वारा अनुमत किसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से आवेदकों को वापस की गई रकम को जमा करना।

**(XIX) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता द्वारा वचन :** निर्गमकर्ता वचन देगा कि:

- (क) निर्गम के बारे में प्राप्त शिकायतों पर निर्गमकर्ता द्वारा शीघ्रतापूर्वक और संतोषप्रद रूप में कार्रवाई की जाएगी।
- (ख) जिन स्टॉक एक्सचेंजों जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध की जानी हैं, उन सभी में सूचीबद्धता और व्यापार के आरंभ के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिये जाने हेतु बोर्ड द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर कदम उठाए जाएंगे।
- (ग) असफल आवेदकों को प्रकट की गयी रीति (रीतियों) में धन लौटाने के लिए अपेक्षित निधियों को निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम के रजिस्ट्रार को उपलब्ध कराया जाएगा।
- (घ) जहाँ निधियों के इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के माध्यम से धन लौटाये जाते हैं, निर्गम के बंद होने के 15 दिनों के भीतर आवेदक को उपयुक्त सूचना भेजी जायेगी, जिसके अंतर्गत उस बैंक का ब्यौरा दिया जाएगा जिसमें रकम लौटाई जानी है और साथ ही रकम तथा उसे इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा किये जाने की संभावित तारीख का भी उल्लेख होगा।
- (ङ) असफल बोली लगाने वालों के आवेदन की निरुद्ध रकम या आनुपातिक आबंटन के मामले में आवेदन की रकम का निरुद्ध कुछ भाग निर्मुक्त (रिलीज) करने के मामले आवेदकों को उपयुक्त सूचना भेजी जाएगी।

(च) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों (एएसबीए) को एकत्र करने के लिए और आबंटन के आधार को अंतिम रूप देते समय उन पर उसी प्रकार विचार करने के लिए, जिस तरह से निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के अंतर्गत प्राप्त न होने वाले आवेदनों के संबंध में किया जाता है, पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

(छ) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों (कन्वर्टिबल डैट इंस्ट्रूमेंट्स) के मामले में, निर्गमकर्ता निम्नलिखित अतिरिक्त वचन देगा कि:

- (1) निर्गमकर्ता प्रत्येक छमाही के अंत में, निर्गमकर्ता के कानूनी लेखापरीक्षकों द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के माध्यम से जुटायी गयी निधियों के उपयोग के ब्यौरे डिबेंचर न्यासियों को भेजेगा।
- (2) निर्गमकर्ता वार्षिक रिपोर्ट में डिबेंचर न्यासी का पूरा नाम और पता प्रकट करेगा।
- (3) निर्गमकर्ता संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों को वार्षिक आधार पर, डिबेंचर न्यासियों द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित पुष्टीकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि डिबेंचर के निर्गम के संबंध में प्रस्ताव-पत्र में निहित शर्तों आदि का पालन किया जाता है।
- (4) निर्गमकर्ता पुष्टीकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के पक्ष में निर्गमकर्ता द्वारा सृजित प्रतिभूति को उपयुक्त रूप से बनाये रखा जा रहा है और यह चूक की दशा में संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के प्रति भुगतान बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- (5) लिखत के बारे में ऋण बाध्यताओं के बकाया रहने तक, निर्गमकर्ता सही और पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने में साख निर्धारण एजेंसी (एजेंसियों) को आवश्यक सहयोग देगा।

(XX) **निर्गम से आए पैसों (आगमों) का उपयोग:** किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था द्वारा लाये गये निर्गम से भिन्न निर्गम के प्रस्ताव-पत्र में निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल का इस भाव का कथन शामिल होगा कि:

- (क) जनता को शेयरों या निर्धारित प्रतिभूतियों के निर्गम से प्राप्त सभी पैसे एक पृथक् बैंक खाते में अंतरित कर दिए जाएंगे ;
- (ख) खंड (क) में उल्लिखित निर्गम से आए पैसों में से उपयोग में लाए गए सभी पैसों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में एक अलग शीर्ष के अंतर्गत प्रकट किये जायेंगे, उस प्रयोजन को सूचित करते हुए जिसके लिए ऐसे पैसों का उपयोग किया गया था; और
- (ग) खंड (क) में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियों के निर्गम से आए पैसों में से उपयोग में न लाए गए पैसों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में एक अलग शीर्ष के अंतर्गत प्रकट किये जायेंगे, जिसमें यह उल्लेख होगा कि ऐसे प्रयोग में न लाए गए पैसों का निवेश किस रूप में किया गया है।

(XXI) **भारतीय प्रतिभूतियों के विदेशी स्वामित्व पर निर्बंधन, यदि कोई हो:**

- (क) अनिवासी भारतीयों द्वारा निवेश।
- (ख) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों द्वारा निवेश।
- (ग) अन्य अनिवासियों द्वारा निवेश।

(XXII) **न्यूनतम अभिदान खंड के बारे में कथन:**

- (क) "यदि निर्गमकर्ता को निर्गम के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता है तो अभिदान [जिसमें हामीदारों का न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) सम्मिलित है] की पूरी रकम निर्गम के बंद होने की तारीख से निर्धारित समय के भीतर आवेदकों को वापस कर दी जाएगी।"



(ख) "यदि निर्गमकर्ता के अभिदान राशि अदा करने के लिए दायी हो जाने के बाद 8 दिनों से अधिक दिनों तक अभिदान का धन लौटाने में विलंब होता है, तो निर्गमकर्ता विलंब की अवधि के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित दरों पर ब्याज अदा करेगा।"

**(XXIII) कानूनी और अन्य जानकारी:**

(क) निर्गम में अभिदान के लिए विकल्प:

- (1) साधिकार निर्गम के संबंध में, निर्धारित प्रतिभूतियों को या तो गैरकागजी रूप में या कागजी रूप में प्राप्त करने के विकल्प, यदि कोई हो, के ब्यौरे (इन विनियमों के लागू होने की तारीख से छह महीनों की अवधि के लिए लागू)।
- (2) यह कथन कि निवेशक के पास या तो प्रतिभूति प्रमाणपत्र (प्रमाणपत्रों) को प्राप्त करने या निक्षेपागार के यहाँ गैरकागजी रूप में प्रतिभूतियों को धारण करने का विकल्प होगा।

(ख) महत्वपूर्ण संविदाएँ और निरीक्षण का समय तथा स्थान जिसमें निर्गमकर्ता की अंतिम पाँच वर्षों की वार्षिक रिपोर्टों की प्रतियाँ सम्मिलित होंगी।

**(XXIV) अन्य कोई महत्वपूर्ण प्रकटीकरण, जैसा आवश्यक समझा जाए।**

**(XXV) घोषणा:**

"इस प्रस्ताव-पत्र में किया गया कोई कथन कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके अधीन बनाये गये नियमों के किन्हीं प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करता है। निर्गम से संबंधित सभी कानूनी अपेक्षाओं और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, सरकार तथा किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि का सम्यक् रूप से पालन किया गया है।"

प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (तीव्र निर्गमों से भिन्न निर्गमों के मामले में) और प्रस्ताव-पत्र निर्गमकर्ता के निदेशक-मंडल द्वारा अनुमोदित होगा और सभी निदेशकों (जिसमें कंपनी अधिनियम, 2013 में दी गई परिभाषा के अनुसार प्रबंध निदेशक या कंपनी अधिनियम, 2013 में दी गई परिभाषा के अनुसार प्रबंधक शामिल हैं) और मुख्य वित्तीय अधिकारी या वित्त संबंधी कार्य का प्रमुख और उस कार्य का निर्वहन करने वाले अन्य किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होगा। हस्ताक्षरकर्ता यह भी प्रमाणित करेंगे कि प्रस्ताव पत्र में किये गये सभी प्रकटीकरण सत्य और सही हैं।

**(6)** निर्गमकर्ता ठीक पहले वाले सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति इन विनियमों में निर्धारित रीति से जनता को उपलब्ध कराएगा और ऐसे दस्तावेज को निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज के तौर पर भी उपलब्ध कराएगा।

**भाग-ग - बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में कतिपय प्रकटीकरण अनिवार्य नहीं है**  
**[विनियम 123(2)(घ), 186(3)(घ), 218(2), 220(1) देखें]**

(1) निर्धारित प्रतिभूतियों में बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लानेवाला निर्गमकर्ता नीचे दिए गए और इस अनुसूची के भाग-क में निर्धारित प्रकटीकरण नहीं कर सकेगा, बशर्ते कि वह पैरा 2 में निर्धारित शर्तों को पूरा करता हो:

- (i) पूँजी संरचना खंड में मद (8) की उप-मद (ख) का पैरा (क);
- (ii) पूँजी संरचना खंड में मद (8) की उप-मद (ख) का पैरा (च);
- (iii) प्रबंधन संरचना खंड में मद (10) की उप-मद (च) का पैरा (ज);

(2) उपर्युक्त पैरा (1) में उल्लिखित शर्तें निम्नानुसार हैं:

(क) निर्गमकर्ता नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास और कंपनी रजिस्ट्रार (सार्वजनिक निर्गम के मामले में) के पास भी पिछले तीन सालों के वित्तीय परिणामों और शेयरधारिता स्वरूप (पैटर्न) के संबंध में आवधिक विवरण दाखिल करता रहा है और ऐसे विवरण नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइट पर या साझा ई-फाइलिंग प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं;

- (ख) निर्गमकर्ता के पास निवेशक शिकायतों पर कार्रवाई करने संबंधी व्यवस्था है, जिसमें शेयरधारकों / निवेशकों की शिकायत समिति की नियमित अंतरालों पर बैठकें, शेयर अंतरण के संबंध में निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा शक्ति का उपयुक्त प्रत्यायोजन सम्मिलित है और जो निवेशक की शिकायतों के समय पर और संतोषप्रद समाधान के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से तय करता है;
- (ग) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) ने प्रमाणित किया है कि उपर्युक्त (क) और (ख) में निर्धारित शर्तों का पालन कर लिया गया है;
- (घ) निर्गमकर्ता ने बोर्ड को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ निम्नलिखित वचन प्रस्तुत किया है, जिसे प्रस्ताव दस्तावेज में भी शामिल किया जायेगा :
- “हम पुष्टि करते हैं कि इस प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये प्रकटीकरणों के अलावा, ..... को लाए गए हमारे पिछले निर्गम के समय हमारे द्वारा किये गये प्रकटीकरणों के संबंध में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है।”
- (ङ) निर्गमकर्ता ने विनियम 26 के उप-विनियम (4) और / या विनियम 72 के उप-विनियम (4), जो भी लागू हो, में निर्धारित रीति से उसके द्वारा लाए गए ठीक पहले के सार्वजनिक या साधिकार निर्गम के प्रस्ताव दस्तावेज को तैयार किया है और इस दस्तावेज को इस अनुसूची के भाग-क की मद (10) की उप-मद (ङ) के पैरा ड में निर्धारित रीति से सार्वजनिक निरीक्षण के लिए भी रखा है।

**भाग-घ - ऐसे कुछ प्रकटीकरण जिन्हें तीव्र-पथीय सार्वजनिक निर्गम (फास्ट ट्रैक पब्लिक इश्यू) के मामले में किया जाना अनिवार्य नहीं हैं**

निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) का तीव्र-पथीय सार्वजनिक निर्गम (फास्ट ट्रैक पब्लिक इश्यू) लाने वाला निर्गमकर्ता (इश्युअर) यहाँ नीचे उल्लिखित और इस अनुसूची के भाग-क में निर्धारित प्रकटीकरण नहीं कर सकेगा:

- (1) पूँजी संरचना खंड के तहत मद (8) की उप-मद (ख) का पैरा (क);
- (2) पूँजी संरचना खंड के तहत मद (8) की उप-मद (ख) का पैरा (च);
- (3) प्रबंधन खंड के तहत मद (10) की उप-मद (च) का पैरा (ज);
- (4) संप्रवर्तक (प्रोमोटर) / प्रमुख शेयरधारक खंड के तहत मद (10) की उप-मद (छ) के पैरा (क) का उप-पैरा (ii);
- (5) संप्रवर्तक (प्रोमोटर) / प्रमुख शेयरधारक खंड के तहत मद (10) की उप-मद (छ) के पैरा (ख) का उप-पैरा (iv)।

**भाग ङ - संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण**

**[विनियम 34(1), 71(2)(घ) एवं 131(1) देखें]**

संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में ऐसी जानकारी दी जाएगी जो निवेशकों को सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बनाने के लिए महत्वपूर्ण और उपयुक्त हो, और जो संलग्न - I में बोर्ड द्वारा निर्धारित फॉर्मेट और क्रम के अनुसार होगी।

सामान्य अनुदेश :

- (I) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की एक प्रति बोर्ड के पास प्रस्तुत की जाएगी।
- (II) वह जानकारी जो सामान्य स्वरूप की हो और जो विशेष रूप से निर्गमकर्ता से संबंधित न हो, बोर्ड द्वारा यथा-निर्धारित सामान्य जानकारी दस्तावेज (जीआईडी) के फॉर्म (प्ररूप) में प्रकट की जाएगी और जो अलग से उपलब्ध कराई जाएगी और जिसे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज तथा प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल नहीं किया जाएगा।
- (III) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस ए-4 आकार के कागज की पुस्तिका के रूप में मुद्रित किया जाएगा और, जो आवेदन फॉर्म तथा संशोधन फॉर्म के साथ मिलकर दोनों तरफ से मुद्रित पाँच पन्नों (शीट) से अधिक का नहीं होगा। बोली केंद्रों के लिए अतिरिक्त शीट संलग्न की जा सकती हैं।
- (IV) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस ऐसे आकार के फॉण्ट में मुद्रित किया जाएगा, जो टाइम्स न्यू रोमन के आकार 11 (या उसके समतुल्य) से छोटा नहीं दिखेगा और पंक्तियों के बीच का अंतर 1.0 होगा।
- (V) आवेदन फॉर्म (प्ररूप) इस प्रकार बना होगा कि आवेदन फॉर्म को फाड़ने पर, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस का कोई भी भाग विकृत न हो जाए।

**संलग्नक-।**

यह संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस है जिसमें प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस की मुख्य बातें शामिल हैं। आप प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में दिए गए विस्तृत ब्यौरों को अवश्य पढ़ें।

**इस संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में 'कखग' पृष्ठ हैं। कृपया यह सुनिश्चित करें कि आपको सभी पृष्ठ प्राप्त हुए हैं।**

आप बोली-सह-आवेदन फॉर्म तथा प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस की कागजी प्रति स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों), सिंडिकेट सदस्यों, निर्गम के रजिस्ट्रार, शेयर अंतरण अभिकर्ताओं, निक्षेपागार सहभागियों, स्टॉक दलालों, हामीदारों, निर्गमन बैंककारों, निवेशक संघों या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों के यहाँ से प्राप्त कर सकते हैं। आप प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के वेबसाइट (अर्थात् [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in)), स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों (अर्थात् [www.nseindia.com](http://www.nseindia.com), [www.bseindia.com](http://www.bseindia.com)), बुक रनिंग अग्रणी प्रबंधकों के वेबसाइटों (यहाँ उल्लेख किया जाए) से भी डाउनलोड कर सकते हैं।

**निर्गमकर्ता कंपनी का नाम**

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय और कारपोरेट कार्यालय :

संपर्क व्यक्ति :

दूरभाष :

ई-मेल :

वेबसाइट :

कारपोरेट पहचान संख्या :

**कंपनी के संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) के नाम****निर्गम संबंधी ब्यौरे, सूचीबद्धता और प्रक्रिया**

यह कंपनी के इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों (प्रत्येक का अंकित मूल्य है - ₹[•] ) का **आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ)** है और हमारी यह योजना है कि इक्विटी शेयरों या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को, प्रति इक्विटी शेयर या संपरिवर्तनीय प्रतिभूति ₹[•] की प्रस्ताव कीमत (जिसमें प्रति इक्विटी शेयर या संपरिवर्तनीय प्रतिभूति ₹[•] का प्रीमियम शामिल है) पर निर्गमित करके रकम (रकम का उल्लेख किया जाए) जुटाई जाए। **इन इक्विटी शेयरों को (उल्लेख किया जाए) (नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज) तथा (उल्लेख किया जाए) पर सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव है।**

आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरे (प्राइस बैंड) और बोली के न्यूनतम लॉट संबंधी विज्ञापन बोली / निर्गम खुलने की तारीख से पाँच (5) कार्य-दिवस पहले अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र (उल्लेख किया जाए), हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र (उल्लेख किया जाए) और प्रादेशिक भाषा के दैनिक समाचारपत्र (उल्लेख किया जाए) में दिया जाएगा। निर्गम कीमत के आधार संबंधी ब्यौरे वीएसई और एनएसई के वेबसाइटों पर उपलब्ध रहेंगे।

**प्रक्रिया :**

यदि आप सार्वजनिक निर्गमों के संबंध में लागू प्रक्रिया के बारे में जानना चाहते हैं, तो आप बुक रनिंग अग्रणी प्रबंधकों से सामान्य जानकारी दस्तावेज की एक प्रति प्राप्त करने हेतु अनुरोध कर सकते हैं या स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों [स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के साथ-साथ उनकी वेबसाइटों का भी उल्लेख किया जाए] से इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

**निर्गम के लिए पात्रता**

क्या कंपनी के लिए यह अनिवार्य रूप से अपेक्षित है कि वह जनता को किए गए शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 75% अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित करे – हाँ / नहीं

सूचक समय			
बोली/प्रस्ताव खुलने की तारीख #		धन-वापसी (रिफंड) किए जाने की शुरुआत	
बोली/प्रस्ताव बंद होने की तारीख		आबंटितियों के डीमैट खातों में इक्विटी शेयरों को जमा करना	
नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के साथ आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिया जाना		स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में इक्विटी शेयरों के व्यापार (ट्रेडिंग) की शुरुआत	

# कंपनी एंकर निवेशकों की भागीदारी पर विचार कर सकती है। एंकर निवेशक, एंकर निवेशक बोली अवधि (अर्थात् बोली खुलने की तारीख से एक कार्य-दिवस पहले) के दौरान बोली लगाएँगे।

सामान्य जोखिम
इक्विटी और इक्विटी संबंधी प्रतिभूतियों में निवेश में जोखिम होता है और निवेशकों को इस निर्गम (इश्यू) में तब तक पैसे नहीं लगाने चाहिए जब तक कि वे अपने निवेश को गँवाने का जोखिम न उठा सकते हों। निवेशकों को यह सलाह दी जाती है कि वे इस निर्गम (इश्यू) में निवेश करने संबंधी निर्णय लेने से पहले जोखिम कारकों को ध्यान से पढ़ लें। निवेश संबंधी निर्णय लेने के लिए, निवेशकों को निर्गमकर्ता और निहित जोखिमों सहित निर्गम के संबंध में स्वयं द्वारा की गई तहकीकात पर ही विश्वास करना चाहिए। इन इक्विटी शेयरों की न तो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) सिफारिश करता है या मंजूरी देता है और न ही भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस की विषय-वस्तु की शुद्धता और सटीकता की गारंटी देता है। निवेशकों का ध्यान प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस की पृष्ठ सं. XXX तथा संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की पृष्ठ सं. XXX पर दिए गए खंड "जोखिम कारकों" की तरफ विशेष रूप से आकृष्ट किया जाता है।

बुक रनिंग अग्रणी प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित पिछले निर्गमों की जानकारी*				
निर्गम का नाम	अग्रणी प्रबंधक का नाम	अंतिम भाव में परिवर्तन +/- %, [अंतिम बेंचमार्क में परिवर्तन +/- %]- सूचीबद्धता से 30वें कलेंडर दिन को	अंतिम भाव में परिवर्तन +/- %, [अंतिम बेंचमार्क में परिवर्तन +/- %]- सूचीबद्धता से 90वें कलेंडर दिन को	अंतिम भाव में परिवर्तन +/- %, [अंतिम बेंचमार्क में परिवर्तन +/- %]- सूचीबद्धता से 180वें कलेंडर दिन को
		-1% (+5%)	-2% (+5%)	

\* प्रकटीकरण - चालू वित्तीय वर्ष और पिछले दो वित्तीय वर्षों में प्रत्येक मर्चेट बैंककार द्वारा प्रबंधित हाल ही के 7 निर्गमों (आरंभिक सार्वजनिक प्रस्तावों) के अद्यधिन, एक से अधिक मर्चेट बैंककारों द्वारा प्रबंधित निर्गमों के संबंध में एक बार ही प्रकटीकरण किया जाए।

बुक रनिंग अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के नाम और प्रत्येक बुक रनिंग अग्रणी प्रबंधक के संपर्क संबंधी व्यौरे (दूरभाष सं. और ई-मेल)	
सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के नाम	

अध्याय-IX के तहत लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा निर्गम (इश्यू) लाए जाने के मामले में, बाजार निर्माता (मार्केट मेकर) के ब्यौरे शामिल किए जाएंगे	
निर्गम रजिस्ट्रार का नाम और संपर्क संबंधी ब्यौरे (दूरभाष सं. और ई-मेल)	
कानूनी लेखापरीक्षक का नाम	
साख निर्धारण एजेंसी का नाम और प्राप्त रेटिंग या ग्रेडिंग, यदि कोई हो	
डिबेंचर न्यासी, यदि कोई हो, का नाम	
स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक	बैंकों की सूची इस लिंक के अंतर्गत उपलब्ध है : <a href="https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognisedFpi=yes&amp;intmId=34">https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognisedFpi=yes&amp;intmId=34</a>
गैर-सिंडिकेट रजिस्ट्रीकृत दलाल	आप गैर-सिंडिकेट रजिस्ट्रीकृत दलालों के पास गैर-सिंडिकेट दलाल केन्द्रों पर निर्गम संबंधी बोली-सह-आवेदन फॉर्म प्रस्तुत कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए, प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस की पृष्ठ सं. XXX से शुरू होने वाला खंड “निर्गम प्रक्रिया” देखें।
ऐसे वेबसाइटों / लिंकों के ब्यौरे, जहाँ से निवेशक उन निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं, निक्षेपागार सहभागियों तथा स्टॉक दलालों की सूची प्राप्त कर सकते हैं जो निवेशकों से <b>आवेदन (जैसे लागू हों)</b> स्वीकार कर सकते हैं	

### निर्गमकर्ता कंपनी के संप्रवर्तक

संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) के ब्यौरे, उनके अनुभव का वर्णन करते हुए (अधिक से अधिक 1000 शब्दों में)

### कारोबार का मॉडल / कारोबार सिंहावलोकन और कार्यनीति (स्ट्रेटजी)

अधिकतम 500 शब्दों में

### निदेशक मंडल

क्र. सं.	नाम	पदनाम (स्वतंत्र पूर्णकालिक / कार्यपालक / नामनिर्देशिती)	अनुभव जिसमें अन्य फर्मों में वर्तमान में / पहले धारित पद शामिल हैं (प्रत्येक निदेशक के लिए 20-40 शब्द)
1			
2			
3			
4			

5			
6			
7			
8			
9			
10			

### प्रस्ताव के उद्देश्य

#### वित्तपोषण के साधनों के ब्यौरे –

निर्गम के प्रत्येक उद्देश्य के लिए निधि (फंड) संबंधी अपेक्षाओं का उल्लेख निम्नानुसार है: (करोड़ ` में)

क्र. सं..	निर्गम के उद्देश्य	अनुमानित कुल लागत	रकम कब तक विनियोजित	शुद्ध आगमों (प्रोसीड्स) से वित्तपोषित किए जाने वाली रकम	अनुमानित शुद्ध आगमों (प्रोसीड्स) का उपयोग	
					वित्तीय वर्ष 20_	वित्तीय वर्ष 20_
1.						
2						
3						
4						
5	साधारण कारपोरेट प्रयोजन					
	<b>कुल</b>					

पूर्ववर्ती 10 वर्षों में कंपनी के पिछले सार्वजनिक निर्गमों / साधिकार निर्गमों की आगमों (प्रोसीड्स) को न लगाए जाने या लगाए जाने में होने वाली देरी या निर्गम की आगमों (प्रोसीड्स) के उपयोग में परिवर्तनों के ब्यौरे और कारण, यदि कोई हों निगरानी करने वाली एजेंसी, यदि कोई हो, का नाम

#### संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के निर्गमन की शर्तें आदि, यदि कोई हों

कंपनी द्वारा प्रस्तावित की जाने वाली संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ	
प्रति संपरिवर्तनीय प्रतिभूति अंकित मूल्य / निर्गम कीमत	
निर्गम का आकार	
संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों पर ब्याज	
संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों की संपरिवर्तन अवधि	
संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के लिए संपरिवर्तन कीमत	

संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के लिए संपरिवर्तन तारीख	
संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के लिए सृजित प्रतिभूतियों के व्यौरे	

**शेयरधारिता पैटर्न:**

क्र. सं.	विवरण	निर्गम से पूर्व इक्विटी शेयरों की संख्या	निर्गम से पूर्व धारिता का %
1	संप्रवर्तक एवं संप्रवर्तक समूह		
2	सार्वजनिक		
	<b>कुल</b>		

संप्रवर्तक / विक्रय करने वाले शेयरधारक द्वारा विक्रय के लिए प्रस्तावित इक्विटी शेयरों की संख्या - यदि कोई हो

**पुनर्कथित लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण****एकल**

	अंतिम स्टब अवधि	वित्तीय वर्ष 5 (निर्गम खुलने से पहले अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 4	वित्तीय वर्ष 3	वित्तीय वर्ष 2	वित्तीय वर्ष 1
परिचालनों से कुल आय (शुद्ध)						
कर से पूर्व लाभ / (हानि) और असाधारण मदें						
कर के पश्चात् लाभ / (हानि)						
इक्विटी शेयर पूँजी						
आरक्षित और अधिशेष						
शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ)						
प्रति शेयर मूल आमदनी (₹)						
प्रति शेयर कम हुई आमदनी (₹)						
शुद्ध-मालियत पर प्रतिफल (%)						
प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य (₹)						

**समेकित**

	अंतिम स्टब अवधि	वित्तीय वर्ष 5 (निर्गम खुलने से पहले अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 4	वित्तीय वर्ष 3	वित्तीय वर्ष 2	वित्तीय वर्ष 1
परिचालनों से कुल आय (शुद्ध)						

कर से पूर्व लाभ / (हानि) और असाधारण मदें						
कर के पश्चात् लाभ / (हानि)						
इक्विटी शेयर पूँजी						
आरक्षित और अधिशेष						
शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ)						
प्रति शेयर मूल आमदनी (₹)						
प्रति शेयर कम हुई आमदनी (₹)						
शुद्ध-मालियत पर प्रतिफल (%)						
प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य (₹)						

### आंतरिक जोखिम कारक

(कम से कम 5 और अधिक से अधिक 10 जोखिम कारकों का उल्लेख किया जाए)

प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस के अनुसार शीर्ष 5 या 10 जोखिम कारक निम्नानुसार हैं (अधिक से अधिक 500 शब्दों में)

### चल रहे मुकदमों, बकाया दावों और विनियामक कार्रवाइयों के संक्षिप्त विवरण

क. कंपनी के खिलाफ चल रहे मुकदमों की कुल संख्या और शामिल राशि:

ख. कंपनी के खिलाफ चल रहे महत्वपूर्ण मुकदमों के संक्षिप्त ब्यौरे और शामिल राशि (शीर्ष 5)

क्र.सं.	विवरण	मुकदमा किसने दायर किया	वर्तमान स्थिति	शामिल राशि

ग. विनियामक कार्रवाई, यदि कोई हो - पिछले 5 वित्तीय वर्षों में संप्रवर्तकों (प्रमोटर्स) के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) या स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो (अधिकतम 200 – 300 शब्दों में):

घ. संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाहियों के संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 200 – 300 शब्दों में):

### अग्रणी प्रबंधकों / निर्गमकर्ता कंपनी के अनुसार कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

#### कंपनी द्वारा घोषणा

हम एतद्वारा यह घोषणा करते हैं कि यथास्थिति, कंपनी अधिनियम 1956, कंपनी अधिनियम, 2013 तथा भारत सरकार द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों / विनियमों या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 3 के तहत स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों / विनियमों के संबंध प्रावधानों



का पालन किया गया है और प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में किया गया कोई भी कथन कंपनी अधिनियम 1956, कंपनी अधिनियम, 2013 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 या उनके अधीन, यथास्थिति, बनाए गए नियमों या जारी किए गए दिशानिर्देशों या विनियमों के प्रतिकूल नहीं है। हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में किए गए सभी कथन सत्य और सही हैं।

**भाग-च - संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र (लैटर ऑफ ऑफर) में प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र)**  
**[विनियम 75 देखें]**

- (1) निर्धारित प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू) लाने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) इस अनुसूची के भाग-ड में यथा-निर्धारित प्रकटीकरण करेगा।
  - (2) हालाँकि, यदि इस अनुसूची के भाग-ख के खंड (1) में निर्धारित शर्तें पूरी कर ली जाती हैं, तो इस अनुसूची के भाग-ड के निम्नलिखित खंडों के अंतर्गत उल्लिखित प्रकटीकरण अपेक्षाएँ लागू नहीं होंगी :
    - (क) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक (प्रोमोटर);
    - (ख) कारोबार का मॉडल / कारोबार का संक्षिप्त विवरण और नीति;
    - (ग) पिछले 10 वर्षों में कंपनी द्वारा लाए गए पिछले सार्वजनिक निर्गमों (पब्लिक इश्यू) / साधिकार निर्गमों (राइट्स इश्यू), यदि कोई हो, के ब्यौरे और आगमों (प्रोसीड्स) को न लगाए जाने या लगाए जाने में देरी किए जाने अथवा निर्गम के आगमों (इश्यू प्रोसीड्स) के उपयोग में बदलाव किए जाने के कारण;
    - (घ) विनियामक कार्रवाई, यदि कोई हो - पिछले वित्तीय 5 वर्षों में संप्रवर्तकों (प्रोमोटर) के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) या स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई (जिसमें अभी चल रही कार्रवाई भी शामिल है) यदि कोई हो;
    - (ङ) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) (लीड मैनेजर) की कीमत संबंधी जानकारी; और
    - (च) संप्रवर्तकों (प्रोमोटर) के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही के संक्षिप्त विवरण।
- भाग-ड की निम्नलिखित अपेक्षाएँ नीचे दी गई रीति में लागू होंगी:
- (क) "लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के पुनर्कथन" को "लेखापरीक्षित और सीमित समीक्षित वित्तीय विवरणों" के रूप में पढ़ा जाएगा और इसमें बची हुई अवधि (स्टब पीरियड) तथा पिछले समाप्त हुए लेखांकन वर्ष (जिसके संबंध में लेखापरीक्षा पूरी की जा चुकी हो) हेतु प्रकटीकरण किए जाएँगे
  - (ख) "चल रहे मुकदमों, बकाया दावों और विनियामक कार्रवाई के सारांश" में ऐसे लंबित मामलों के संक्षिप्त विवरण भी शामिल होंगे जिनमें निर्गमकर्ता (इश्युअर) और समनुषंगियों (सब्सिडियरी) की ओर से नैतिक अधमता या आपराधिक दायित्व और आर्थिक अपराध [जिनमें निर्गमकर्ता (इश्युअर) और समनुषंगियों (सब्सिडियरी) के खिलाफ कार्यवाहियाँ शुरू की गई हों] शामिल है।
- (3) संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में प्रकट की जाने वाली मदों का क्रम, जहाँ लागू हो वहाँ, उस क्रम के अनुरूप होगा, जिसमें मदें इस अनुसूची के भाग-घ में दी गई हैं / प्रकट की गई हैं।
  - (4) संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण भी शामिल होंगे:
    - (क) विनियम 78 के उप-विनियमों (1), (2) एवं (3) में उल्लिखित आवेदनों से संबंधित प्रावधान;
    - (ख) अधिकार हकदारी अनुपात;
    - (ग) आंशिक हकदारियाँ;
    - (घ) त्याग;
    - (ङ) अतिरिक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन;
    - (च) अपनी अधिकार हकदारी का अभिदान (सब्सक्रिप्शन) करने का संप्रवर्तकों (प्रोमोटर) का आशय;

- (छ) यह कथन कि ठीक पहले के सार्वजनिक या साधिकार (राइट्स) निर्गम (इश्यू) के प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति जनता के लिए उपलब्ध है, जैसा विनियम 26 के उप-विनियम (4) और/या विनियम 72 के उप-विनियम (4), जो भी लागू हो, के तहत निर्धारित किया गया है, और साथ ही यह दस्तावेज जनता के निरीक्षण के लिए भी उपलब्ध है।

**अनुसूची-VII - नियोजन दस्तावेज (प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट) में प्रकटीकरण  
[विनियम 175(2) देखें]**

(1) दावात्याग

"प्रारंभिक नियोजन दस्तावेज (प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट) और नियोजन दस्तावेज भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 के अध्याय-VI के तहत अर्हित संस्थागत क्रेताओं (क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर) को किए गए निर्गम (इश्यू) से संबंधित है और यह कि जनता या निवेशकों के किसी अन्य वर्ग के लिए कोई प्रस्ताव नहीं किया जा रहा है।"

(2) पदों / संक्षेपाक्षरों की शब्दावली

(3) अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) और अन्य सलाहकार

(4) निर्गम (इश्यू) का सारांश और पात्र प्रतिभूति

(5) जोखिम कारक

(6) बाजार कीमतें:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्गमकर्ता (इश्यूअर) के इक्विटी शेयरों की उच्च, निम्न और औसत बाजार कीमतें;

(ख) प्रारंभिक नियोजन दस्तावेज (प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट) / नियोजन दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले के छह महीनों की अवधि हेतु मासिक उच्च और निम्न कीमतें;

(ग) उन दिवसों में व्यापारित (ट्रेडिड) इक्विटी शेयरों की संख्या जब उपर्युक्त (क) और (ख) की अवधि के दौरान सुसंगत स्टॉक एक्सचेंज में उच्च और निम्न कीमतें दर्ज की गईं, और उन तारीखों में व्यापारित (ट्रेडिड) कुल परिमाण (वॉल्यूम); [ऊपर उल्लिखित स्टॉक बाजार के आँकड़ों को उन अवधियों के लिए अलग से दर्शाया जाएगा जब पूँजी संरचना में परिवर्तन हुआ हो, साथ ही साथ उस तारीख से शुरू होनेवाली अवधि के लिए भी उन्हें अलग से दर्शाया जाएगा जब संबंधित स्टॉक एक्सचेंज ने पूँजी संरचना में परिवर्तन को मान्यता दी हो (अर्थात् जब इक्विटी शेयर अधिकार रहित या बोनस रहित बन गए हों)];

(घ) उस तारीख के ठीक बाद की बाजार कीमत जब निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) के निर्गम का अनुमोदन करनेवाले संकल्प को मंजूरी मिल गई हो;

(ङ) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक नियोजन दस्तावेज (प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट) / नियोजन दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले के छह महीनों की अवधि के दौरान प्रत्येक महीने में व्यापारित प्रतिभूतियों का परिमाण (वॉल्यूम); (संबंधित अवधियों हेतु निर्गमकर्ता के शेयरों के उच्च, निम्न और औसत मूल्य के साथ, संबंधित अवधि में किए गए कारोबार के परिमाण से संबंधित व्यौरों का भी उल्लेख किया जाना चाहिए।)

(7) आगमों (प्रोसीड्स) का उपयोग:

(क) नियोजन का उद्देश्य;

(ख) उस परियोजना की लागत के विवरण जिसके लिए पैसा जुटाया जा रहा है;

(ग) ऐसी परियोजना के वित्तपोषण के साधन;

(घ) ऐसी परियोजना के प्रत्येक चरण में आगमों (प्रोसीड्स) को लगाए जाने संबंधी प्रस्ताव की स्थिति।

(8) पूँजीकरण संबंधी विवरण

(9) नियोजन दस्तावेज की तारीख से पहले के तीन वर्षों में लाभांश।

(10) चयनित वित्तीय और अन्य जानकारी

- (11) लागू लेखा मानकों के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों हेतु तैयार किए गए लेखापरीक्षित समेकित या असमेकित वित्तीय विवरण, जो लागू हो। इसके अतिरिक्त, स्टॉक एक्सचेंज को प्रकट किए गए सबसे अंत के समीक्षित वित्तीय विवरण।
- क) प्रारंभिक नियोजन दस्तावेज (प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट) / नियोजन दस्तावेज में शामिल किए गए वित्तीय विवरणों के संबंध में कानूनी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट।
- ख) तुलन-पत्र
- ग) आय के विवरण
- घ) लेखों की अनुसूचियाँ
- ङ) स्टॉकधारकों की इक्विटी में परिवर्तनों के विवरण
- च) नकदी प्रवाहों के विवरण
- छ) लेखा नीतियों के विवरण
- ज) वित्तीय विवरणों की टिप्पणियाँ
- झ) समनुषंगी कंपनियों से संबंधित विवरण (असमेकित वित्तीय विवरणों के मामले में)
- (12) वित्तीय दशा और प्रचालनों के परिणामों के संबंध में प्रबंध-मंडल की चर्चा और विश्लेषण
- (13) उद्योग के विवरण
- (14) कारोबार के विवरण
- (15) संगठनात्मक संरचना
- (16) निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) और वरिष्ठ प्रबंध-मंडल
- (17) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) को सबसे अंत में प्रस्तुत किया गया शेयरधारिता पैटर्न
- (18) पात्र प्रतिभूतियों से संबंधित कराधान पहलू
- (19) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के तहत बनाई गई महत्वपूर्ण (तात्विक) घटनाओं संबंधी नीति के अनुसार प्रकट की जाने वाली कानूनी कार्यवाहियाँ
- (20) लेखापरीक्षक (ऑडिटर)
- (21) सामान्य जानकारी
- (22) ऐसी अन्य जानकारी जो निवेशकों को सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बनाने के लिए महत्वपूर्ण और उपयुक्त है।
- (23) इरादतन चूककर्ताओं से संबंधित प्रकटीकरण: यदि निर्गमकर्ता (इश्युअर) अथवा उसके किसी संप्रवर्तक (प्रमोटर) या निदेशक (डायरेक्टर) को पिछले दस वर्षों में इरादतन चूककर्ता घोषित किया गया हो, तो वह ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के संबंध में अलग-अलग से निम्नलिखित प्रकटीकरण करेगा:
- (क) उस व्यक्ति का नाम, जिसे इरादतन चूककर्ता घोषित किया गया हो;
- (ख) उस बैंक का नाम, जिसने उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता घोषित किया हो;
- (ग) वह वर्ष, जिसमें उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता घोषित किया गया हो;
- (घ) उस समय बकाया रकम, जब उस व्यक्ति को इरादतन चूककर्ता घोषित किया गया हो;
- (ङ) इरादतन चूककर्ताओं की सूची से अपना नाम हटाए जाने के लिए उस व्यक्ति द्वारा उठाए गए कदम, यदि कोई हों;
- (च) ऐसे अन्य प्रकटीकरण, जो निवेशकों को सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बनाने के उद्देश्य से निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा उचित समझे जाएँ;

(छ) बोर्ड द्वारा यथा-निर्धारित कोई अन्य प्रकटीकरण।

**अनुसूची-VIII - भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए प्रस्ताव दस्तावेज और संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस तथा प्रस्ताव-पत्र में प्रकटीकरण**

**[विनियम 185(2)(ख), 193(1), 200(1), 218(2) एवं 222(1) देखें]**

**भाग-क - भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण**

**[विनियम 185(2)(ख) एवं 200(1) देखें]**

भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम के लिए प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित ब्यौरे शामिल किए जाएँगे।

**(1) प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु के संबंध में सामान्य अनुदेश:**

- (क) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के पास यह विकल्प है कि वह (वे) प्रारूप दस्तावेज को कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गम) नियम, 2004 के नियम 5(1)(ii) में यथा-निर्धारित फीस के साथ, सार्वजनिक फाइलिंग या गोपनीय फाइलिंग के रूप में दाखिल करे (करें)।
- (ख) जहाँ अग्रणी प्रबंधक प्रस्ताव दस्तावेज की गोपनीय फाइलिंग के विकल्प को चुनता है (चुनते हैं), वहाँ बोर्ड द्वारा बताए गए परिवर्तनों, यदि कोई हों, को शामिल करने के पश्चात् वह (वे) बोर्ड के पास अद्यतन किया गया प्रारूप प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगा (करेंगे) जिसके लिए उसे (उन्हें) किसी अतिरिक्त फीस का भुगतान नहीं करना होगा। अपडेट किए गए प्रारूप प्रॉस्पेक्टस को बोर्ड के पास दाखिल किए जाने की तारीख से इक्कीस दिनों की अवधि के लिए सार्वजनिक किया जाएगा।
- (ग) प्रॉस्पेक्टस की विषय-वस्तु सरल अंग्रेजी में होगी जिसमें निर्गमकर्ता कंपनी, उसकी समनुपंगियों (सब्सिडियरी) और सहयोगियों (असोसिएट) के वित्तीय विवरण भी शामिल हैं।
- (घ) इस अनुसूची के प्रयोजनार्थ "सहयुक्त" शब्द से भारतीय लेखा मानक, या आईएफआरएस या यूएस जीएएपी (जिसमें निर्गमकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरण प्रकट किए जाते हैं) में यथा परिभाषित "सहयुक्त (असोसिएट)" अभिप्रेत होगा।
- (ङ) इस प्रॉस्पेक्टस में सभी महत्वपूर्ण जानकारी शामिल होगी जो सत्य और पर्याप्त होगी ताकि निवेशक सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बन सकें।
- (च) प्रॉस्पेक्टस में वह सभी जानकारी और विवरण शामिल होंगे जिनका उल्लेख यहाँ किया गया है।
- (छ) निर्गमकर्ता कंपनी, निर्गमकर्ता कंपनी के दो प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं (जिनमें से एक पूर्णकालिक निदेशक और दूसरा मुख्य लेखा अधिकारी या मुख्य वित्तीय अधिकारी होगा) द्वारा प्रमाणित प्रॉस्पेक्टस अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के माध्यम से बोर्ड और कंपनी रजिस्ट्रार, नई दिल्ली के पास दाखिल करेगी, जिसमें बोर्ड या शेयरधारकों के उस संकल्प की का ब्यौरा दिया जाएगा जिसमें इसे मंजूरी दी गई थी। वे यह भी प्रमाणित करेंगे कि प्रॉस्पेक्टस में किए गए सभी प्रकटीकरण सत्य और पर्याप्त हैं।
- (ज) देशी निक्षेपागार के साथ किए गए करार को प्रॉस्पेक्टस के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।
- (झ) अग्रणी प्रबंधक जो प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु के बारे में सम्यक् तत्परता बरतने के लिए जिम्मेदार है (हैं), जिम्मेदारियों के परस्पर आबंधन के अनुसार, सम्यक् तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करेगा (करेंगे)।
- (ञ) अग्रणी प्रबंधक इन विनियमों में यथा-निर्धारित फॉर्मेट में प्रॉस्पेक्टस में कथन (जिसमें सम्यक् तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र सम्मिलित है) करेगा (करेंगे)।
- (ट) निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा एक कथन किया जाएगा जिसमें प्रॉस्पेक्टस में किए गए कथनों से इतर कथनों के लिए दायित्व के प्रति निम्नानुसार दावात्याग होगा:

"निर्गमकर्ता कंपनी, उसके निदेशक और अग्रणी प्रबंधक प्रॉस्पेक्टस में या विज्ञापनों में दी गई या हमारे अनुरोध पर जारी की गई किसी अन्य सामग्री से इतर सामग्री की कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते और जानकारी के किसी अन्य स्रोत (जिसमें हमारा वेबसाइट \_\_\_\_\_ भी शामिल है) के माध्यम से प्राप्त की गई जानकारी पर भरोसा करने वाला व्यक्ति, ऐसा अपने जोखिम पर ही करेगा।"

**(2) निर्गम:**

प्रस्ताव के निबंधनों का सारांश, जिसमें शामिल है:

- (क) प्रस्ताव और सूचीबद्धता के व्यौरे
- (ख) वितरण की योजना
- (ग) बाजार
- (घ) विक्रेता शेयरधारक, यदि कोई हों
- (ङ) कम करना (डाइल्यूशन)
- (च) निर्गम के खर्चे

**(3) भविष्य की गतिविधियों के बारे में कथन:**

उन कथनों के संबंध में एक पैरा भी शामिल किया जाएगा, जिसमें भविष्य की गतिविधियों के बारे में कथन शामिल किए जाएंगे और ऐतिहासिक तथ्य नहीं। प्रॉस्पेक्टस में इस्तेमाल किए गए आँकड़ों के स्रोत और उनकी यथार्थता के संबंध में एक कथन भी शामिल किया जाएगा। इस संबंध में एक घोषणा भी शामिल की जाएगी कि क्या इनका स्वतंत्र रूप से सत्यापन किया गया है।

**(4) सामान्य जानकारी:**

- (क) प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल की गई परिभाषाएँ / शब्द ;
- (ख) निर्गमकर्ता कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (ग) देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक (भारत में उसके कार्यालय के पते के साथ), अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), निर्गम के हामीदार, निर्गम के सलाहकारों और ऐसे अन्य किसी मध्यवर्ती का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी, जिसे भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के संबंध में नियुक्त किया जाए;
- (घ) विशेषज्ञों और काउंसल के नाम, पते और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (ङ) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के संबंध में अनुपालना अधिकारी का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (च) उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम, पते और संपर्क संबंधी जानकारी जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीदों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किए गए हैं या आवेदन किए जाने का प्रस्ताव है;
- (छ) फर्जी आवेदनों के लिए दंड से संबंधित प्रावधानों के बारे में प्रकटीकरण;
- (ज) अधिक अभिदान की धन-वापसी (रिफंड) हेतु कथन/घोषणा;
- (झ) यह कथन कि यदि सार्वजनिक निर्गम के बंद होने से पंद्रह दिनों के भीतर आबंटन पत्र / धन-वापसी आदेश (रिफंड ऑर्डर) प्रेषित नहीं किए जाते तो 15 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अदा किया जाएगा;
- (ञ) निर्धारित अवधि में आबंटन पत्रों / प्रमाणपत्रों / भारतीय निक्षेपागार रसीदें जारी करने के बारे में घोषणा;
- (ट) निर्गम खुलने की तारीख;
- (ठ) निर्गम बंद होने की सबसे पहली तारीख;
- (ड) निर्गम बंद होने की सबसे पहली तारीख ;
- (ढ) निर्गम की पद्धति और प्रत्याशित समय-सारणी;
- (ण) यह कथन कि निर्गम का अभिदान कम से कम तीन कार्यदिवसों के लिए और अधिक से अधिक दस कार्यदिवसों के लिए खुला रखा जाएगा;
- (त) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा इस आशय की घोषणा कि हामीदारों (अंडरराइटर) के स्रोत संबंधित बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं, यदि ऐसा करना अपेक्षित हो;

- (थ) निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा यह कथन कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम से प्राप्त सभी धनराशियों को पृथक् देशी बैंक खाते में अंतरित किया जाएगा, बैंक का नाम और पता तथा उस खाते का स्वरूप और संख्या जिसमें राशि जमा की जाएगी;
- (द) प्रॉस्पेक्टस और फॉर्मों की उपलब्धता संबंधी ब्यौरे, अर्थात् तारीख, समय, स्थान आदि;
- (ध) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए राशि और भुगतान का माध्यम;
- (न) निवेशक शिकायत और निवारण प्रणाली के संबंध में प्रकटीकरण:
  - (i) निवेशक शिकायतों के निवारण के लिए निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा किए गए इंतजाम या बनाई गई कोई व्यवस्था।
  - (ii) निर्गमकर्ता कंपनी और उसकी सूचीबद्ध समनुषंगियों / सहयोगियों के निवेशक शिकायतों के निवारण का पिछला रिकार्ड (प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले तीन वर्षों की न्यूनतम अवधि के लिए) जिसमें विभिन्न प्रकार की निवेशक शिकायतों के निवारण के लिए उसके द्वारा सामान्यतः लिया जानेवाला समय, जैसे ब्यौरे शामिल हैं।
  - (iii) कंपनी यह वचन देती है कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों के आवेदकों और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों की शिकायतों के संबंध में वह स्वयं को उन भारतीय न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के अध्यक्षीन रखेगी जिनके क्षेत्राधिकार में वह स्थान आता है जहाँ संबंधित स्टॉक एक्सचेंज स्थित है।

**(5) जोखिम कारक:**

- (क) जोखिम कारक निम्नलिखित के संबंध में होंगे:
  - (i) निर्गमकर्ता कंपनी के कारोबार से जुड़े जोखिम कारक
  - (ii) भारतीय निक्षेपागार रसीदें जारी करने का प्रस्ताव करनेवाली निर्गमकर्ता कंपनी के देश से जुड़े जोखिम कारक
  - (iii) भारतीय निक्षेपागार रसीदों / अंडरलाइंग शेयरों से जुड़े जोखिम कारक
- (ख) जोखिम कारकों का वर्गीकरण इस प्रकार किया जाएगा - वे कारक जो परियोजना से विशिष्ट रूप से संबंधित हों और निर्गमकर्ता कंपनी के ही हों तथा वे कारक जो बाहरी हों और निर्गमकर्ता कंपनी के नियंत्रण से परे हों।
- (ग) जोखिम कारकों का निर्धारण उनकी महत्ता के आधार पर किया जाएगा। ऐसा करते समय, निम्नलिखित पर विचार किया जाएगा:
  - (i) कुछ जोखिम अकेले महत्त्व नहीं रखते पर संयुक्त रूप से उनका महत्त्व हो सकता है।
  - (ii) कुछ जोखिमों का ऐसा महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसका असर बहुत अधिक होता है, किंतु जिसे मापा नहीं जा सकता।
  - (iii) कुछ जोखिम वर्तमान में महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकते, परंतु भविष्य में उनका महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।
- (घ) प्रत्येक जोखिम कारक निम्नलिखित रीति से प्रकट होंगे:
  - (i) निर्गमकर्ता द्वारा परिकल्पित जोखिम
  - (ii) जोखिम को दूर करने के लिए प्रस्ताव, यदि कोई हों।

जोखिम कारकों के ठीक बाद ऐसी कोई "टिप्पणी" प्रकट की जाएगी, जिसे प्रमुखता देना अपेक्षित है।

**(6) हाल की घटनाएँ:**

हाल ही में (निर्गम से पहले के दो वित्तीय वर्षों में) हुई महत्त्वपूर्ण घटनाएँ - जिनमें तीन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों : प्रचालन और प्रबंधन, शेयरधारिता पैटर्न और कारोबार के माहौल की महत्त्वपूर्ण घटनाओं का ब्यौरा दिया जाए।

**(7) निर्गमकर्ता कंपनी के देशी बाजार में शेयरों से संबंधित बाजार कीमत संबंधी जानकारी और अन्य जानकारी (एक्सचेंज के अनुसार):**

इस जानकारी को प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले की अंतिम तारीख को अद्यतन किया जाना चाहिए।

- (क) प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले के कैलेंडर वर्ष से पहले के अंतिम तीन कैलेंडर वर्षों की प्रत्येक तिमाही के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
- (ख) प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले के कैलेंडर वर्ष के प्रत्येक महीने के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
- (ग) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले के महीने के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
- (घ) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले के महीने के अंतिम दिवस को आरंभिक कीमत (ओपनिंग प्राइस) और अंतिम कीमत (क्लोजिंग प्राइस), परिमाण के साथ।

**(8) लाभांश :**

- (क) निर्गमकर्ता कंपनी की लाभांश नीति
- (ख) पिछले पाँच वित्तीय वर्षों के लिए अदा किए गए लाभांश की दर और लाभांश की राशि
- (ग) निगमन / शेयर सूचीबद्धता के देश में लाभांशों के लिहाज से विनियामक ढाँचा
- (घ) आईडीआर धारकों को लाभांश की अदायगी किए जाने के लिए निक्षेपागारों के साथ किए गए इंतजाम के ब्यौरे
- (ङ) घोषित लाभांशों और अदा किए गए लाभांशों में परिवर्तन, यदि कोई हों, और लाभांशों की घोषणा किए जाने तथा उनकी अदायगी के बीच लगने वाला समय अंतराल
- (च) लाभांश प्रतिफल
- (छ) लाभांश वितरण के कराधान संबंधी पहलू

**(9) विनिमय दरें:**

- (क) निगमन के देश / जिस देश में शेयर सूचीबद्ध हैं उस देश और भारत के बीच विनिमय दर के पैटर्न का संक्षिप्त इतिहास
- (ख) पिछले पाँच सालों के लिए उच्च, निम्न, औसत विनिमय दरें
- (ग) पिछले बारह महीनों के लिए उच्च, निम्न, औसत विनिमय दरें

**(10) निगमन के देश / उस देश के विदेशी निवेश और विदेशी मुद्रा नियंत्रण जिस देश में शेयर सूचीबद्ध हैं:**

निगमन के देश या उस देश के विदेशी निवेश संबंधी संबद्ध कानूनों और विदेशी मुद्रा नियंत्रण विनियमों से संबंधित जानकारी जहाँ अंडरलाइंग इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं।

**(11) निर्गम के उद्देश्य / आगमों (प्रोसीड्स) का उपयोग :**

- (क) निर्गम के उद्देश्य
- (ख) जिस परियोजना के लिए आईडीआर निर्गम के माध्यम से धन जुटाया गया उस परियोजना की लागत के ब्यौरे
- (ग) परियोजना के वित्तपोषण (फाइनेंसिंग) के साधन
- (घ) परियोजना के प्रत्येक चरण में आगमों को लगाए जाने संबंधी प्रस्ताव

**(12) निधियों (फंड) का अंतरिम उपयोग:**

निर्गमकर्ता कंपनी निधियों (फंड) को उस बैंक में रखेगी, जिसे किसी अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग (साख निर्धारण) एजेंसी से 'ए' या उससे ऊपर की क्रेडिट रेटिंग मिली हो।

**(13) पूँजीकरण विवरण:**

ब्यौरे	..... तक की स्थिति के अनुसार निर्गम से पूर्व (करोड़ रु. में)
अल्पावधि ऋण	
दीर्घावधि ऋण	
शेयरधारकों की निधियाँ — शेयर पूँजी — आरक्षितियाँ	
शेयरधारकों की कुल निधियाँ	
दीर्घावधि ऋण / इक्विटी	

## (14) पूँजी संरचना:

- (क) प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और समादत्त पूँजी (लिखतों की संख्या, प्रकार, कुल अभिहित मूल्य)
- (ख) वर्तमान निर्गम का आकार
- (ग) समादत्त पूँजी:
- निर्गम से पूर्व;
  - निर्गम के पश्चात् (यदि आईडीआर निर्गम में नए इक्विटी शेयरों का निर्गम शामिल है); और
  - शेयर प्रीमियम खाता (निर्गम से पूर्व और निर्गम के पश्चात्)
- (घ) पूँजी संरचना के प्रति विस्तृत टिप्पणियाँ
- (ङ) प्रमुख शेयरधारकों की धारिताओं (होल्डिंग) के संबंध में ब्यौरे, अर्थात्, व्यक्ति जिनके पास कंपनी का पूरा नियंत्रण है
- (च) भिन्न-भिन्न मानदंडों, यदि कोई हों, के आधार पर शेयरों के भिन्न-भिन्न वर्ग।

## (15) वित्तीय जानकारी :

## सामान्य अनुदेश :

- वित्तीय परिणामों के प्रकटीकरण का फॉर्मेट निर्गमकर्ता कंपनी के अपने देश, जहाँ निर्गमकर्ता सूचीबद्ध हो, की प्रकटीकरण (डिस्कलोजर) संबंधी अपेक्षाओं के अनुसार हो सकेगा।
  - निर्गमकर्ता कंपनी प्रकटीकरणों के उस प्रकार का उल्लेख करेगी, जिसका वह अनुसरण करेगी, अर्थात् भारतीय लेखा मानक, आईएफआरएस या यूएस जीएएपी, और ऐसे फॉर्मेट में किसी बदलाव की सूचना स्टॉक एक्सचेंज को नोटिस देकर आईडीआर धारकों को दी जाएगी।
- (क) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से ठीक पहले की तीन वित्तीय वर्षों की अवधि के लिए भारतीय लेखा मानकों (जिनमें भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी सभी लेखा मानक शामिल हैं) या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों या यूएस जीएएपी, के अनुसार तैयार किए गए लेखापरीक्षित समेकित या असमेकित वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित शामिल होगा:
- वित्तीय विवरणों के संबंध में लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट
  - तुलन-पत्र
  - आय संबंधी विवरण
  - लेखों की अनुसूचियाँ



- (v) स्टॉकधारकों की इक्विटी में परिवर्तन संबंधी विवरण
  - (vi) नकदी प्रवाहों के विवरण
  - (vii) लेखा नीतियों के विवरण
  - (viii) वित्तीय विवरणों के संबंध में टिप्पणियाँ
  - (ix) समनुषंगी कंपनियों से संबंधित विवरण (असमेकित वित्तीय विवरणों के मामले में)
  - (x) संबद्ध पक्षकार संव्यवहार
  - (xi) अर्थसुलभता (लिक्विडिटी) और पूँजी संसाधन
- (ख) प्रॉस्पेक्टस में वित्तीय जानकारी का प्रकटीकरण निर्गमकर्ता कंपनी की कामकाजी (फंक्शनल) मुद्रा / रिपोर्टिंग मुद्रा / राष्ट्रीय मुद्रा में किया जाएगा और रिपोर्टिंग मुद्रा स्टर्लिंग पाउंड / यूरो / येन / अमरीकी डॉलर तक सीमित होगी।
- (ग) यदि वित्तीय परिणाम आईएफआरएस या यूएस जीएएपी के अनुसार तैयार किए जाते हैं, तो पेशेवर अकाउंटेंट या प्रमाणीकरण-प्राप्त पब्लिक अकाउंटेंट या समकक्ष (लेखापरीक्षा संबंधी अंतरराष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुसार कंपनी के अपने देश (होम कंट्री) में चाहे जिस नाम से पुकारा जाए) द्वारा वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा की जाएगी।
- (घ) जहाँ कंपनी के अपने देश (होम कंट्री) के कानून के अनुसार निर्गमकर्ता कंपनी के लेखों की वार्षिक कानूनी लेखापरीक्षा अपेक्षित है, तो वहाँ प्रॉस्पेक्टस की तारीख से ठीक पहले के तीन वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक के लिए निर्गमकर्ता कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर कानूनी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट जिसमें शामिल है - अंतिम तारीख (जब निर्गमकर्ता कंपनी के लेखा निर्धारित रूप में बनाए गए) को निर्गमकर्ता कंपनी के लाभ या हानियाँ, आस्तियाँ, देयताएँ और नकदी-प्रवाह विवरण :
- परंतु यह कि निर्गम खुलने की तारीख और रिपोर्ट की तारीख के बीच का अंतर 120 दिनों से अधिक नहीं होगा।
- (ङ) निर्गमकर्ता कंपनी के कानूनी लेखापरीक्षकों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में सारणीबद्ध रूप में संकलित वित्तीय विवरण (वार्षिक रिपोर्ट में सुसंगत अवधि के अनुसार) भारतीय रुपयों में (जिस तारीख को वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की गई उस तारीख की अंतिम विनिमय-दर पर) प्रकट किए जाने चाहिए और उसमें मद (12) के अधीन अपेक्षित समेकित या असमेकित आय विवरण, समेकित या असमेकित नकदी प्रवाह विवरण, समेकित या असमेकित तुलन-पत्र और पूँजीकरण विवरण शामिल होंगे।
- (च) यदि उपर्युक्त अनुसार प्रकट किए गए अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की समापन तारीख और निर्गम के खुलने की तारीख के बीच का अंतर 180 दिनों से अधिक का है, तो रिपोर्ट में उस तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के संबंध में अंतरिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण शामिल किए जाएँगे जो निर्गम के खुलने की तारीख से पूर्व 180 दिन से कम की हो :
- परंतु यह कि यदि अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की ऐसी तारीख और निर्गम के खुलने की तारीख के बीच का अंतर 180 दिनों का या उससे कम का है, तो उपर्युक्त अपेक्षा को तब पूरा किया गया समझा जाएगा, जब ऐसे अंतर के लिए निर्गमकर्ता कंपनी की वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में प्रकटीकरण प्रॉस्पेक्टस में प्रकट कर दिए गए हों :
- परंतु यह और कि उस निर्गमकर्ता कंपनी के मामले में जो भारत से बाहर निगमित विदेशी बैंक है और जो बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के सदस्य या इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ सिक्यूरिटीज़ कमीशन के सदस्य (जो बहुपक्षीय बोधज्ञापन का हस्ताक्षरकर्ता है) द्वारा विनियमित है, उस अवधि की अंतिम तारीख से शुरू होनेवाली अवधि जिसके लिए नवीनतम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण तैयार किए गए और निर्गम के खुलने की तारीख से शुरू होने वाली अवधि के बारे में उपर्युक्त अपेक्षा पूरी की जाएगी, यदि सुसंगत वित्तीय विवरण ऐसे कानूनी लेखापरीक्षक की सीमित समीक्षित रिपोर्ट पर आधारित हैं।

(छ) यदि निर्गमकर्ता कंपनी यूएस जीएएपी के अनुसार वित्तीय परिणाम तैयार करने और प्रकट करने का विकल्प चुनती है, तो भारतीय लेखा मानकों की तुलना में एक समाधान विवरण (रिकॉन्सिलिएशन स्टेटमेंट) और भारतीय लेखा मानकों तथा यूए जीएएपी के बीच महत्वपूर्ण अंतरों के सारांश को रिपोर्ट से संलग्न किया जाएगा। यदि वित्तीय परिणाम आईएफआरएस के अनुसार तैयार किए जाते हैं, तो निर्गमकर्ता कंपनी भारतीय लेखा मानकों और आईएफआरएस के बीच के महत्वपूर्ण अंतरों का सारांश संलग्न करेगी।

(ज) जहाँ निर्गमकर्ता कंपनी के अपने देश के कानूनों में यह अपेक्षित नहीं है कि उसके लेखों की वार्षिक कानूनी लेखापरीक्षा हो, तो वहाँ प्रॉस्पेक्टस की तारीख से ठीक पहले के तीन वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक के लिए निर्गमकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरणों / परिणामों के संबंध में भारतीय लेखा मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जो पेशेवर चार्टर्ड अकाउंटेंट (चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 के निबंधनों और अर्थ में) द्वारा प्रमाणित की जाएगी और जिसमें उस अंतिम तारीख को निर्गमकर्ता कंपनी के लाभ या हानियाँ, आस्तियाँ, देयताओं और नकदी-प्रवाह विवरण शामिल होंगे जब निर्गमकर्ता कंपनी के लेखे निर्धारित रूप में तैयार किए गए:

**परंतु यह कि निर्गम के खुलने की तारीख और रिपोर्ट की तारीख के बीच का अंतर 120 दिनों से अधिक का नहीं होगा।**

(झ) चार्टर्ड एकाउंटेंटों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में सारणीबद्ध रूप में संकलित वित्तीय विवरण भारतीय रुपये (जिस तारीख को वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की गई उस तारीख की अंतिम विनिमय-दर पर) में प्रकट किए जाएँगे और इसमें मद (13) के तहत अपेक्षित समेकित या असमेकित आय-विवरण, समेकित या असमेकित नकदी प्रवाह विवरण, समेकित या असमेकित तुलन-पत्र और पूँजीकरण विवरण शामिल होंगे।

(ञ) यदि उपर्युक्त अनुसार प्रकट किए गए अंतिम वित्तीय विवरणों की समापन तारीख और निर्गम के खुलने की तारीख के बीच का अंतर 180 दिनों से अधिक का है, तो रिपोर्ट में उस तारीख को समाप्त होनेवाली अवधि के संबंध में अंतरिम वित्तीय विवरण शामिल किए जाएँगे जो निर्गम के खुलने की तारीख से पूर्व 180 दिन से कम की हो:

परंतु यह कि यदि अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की ऐसी तारीख और निर्गम के खुलने की तारीख के बीच का अंतर 180 दिनों का या उससे कम का है, तो उपर्युक्त अपेक्षा को तब पूरा किया गया समझा जाएगा, जब ऐसे अंतर के लिए निर्गमकर्ता कंपनी की वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में प्रकटीकरण प्रॉस्पेक्टस में प्रकट कर दिए गए हों।

(ट) यदि भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के आगमों का उपयोग अन्य कंपनी निकाय (निकायों) में निवेश करने के लिए किया जाता है, तो ऐसे निगमित निकाय (निकायों) के निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएँगे :

(i) निगमित निकाय (निकायों) के नाम तथा पते ;

(ii) उन निगमित निकाय (निकायों) के बारे में भी ऊपर उल्लिखित रिपोर्टें।

**(16) प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए गए अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख से बाद महत्वपूर्ण घटनाओं के संबंध में कथन :**

निर्गमकर्ता कंपनी के निदेशकों द्वारा यह कथन कि क्या उनकी राय में प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किए गए अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख के बाद ऐसी कोई परिस्थिति उद्भूत हुई है जो निर्गमकर्ता कंपनी के व्यापार या लाभप्रदता, या उसकी आस्तियों के मूल्य, या अगले बारह महीनों के भीतर उसके देयताओं का भुगतान करने की उसकी योग्यता पर काफी अधिक और प्रतिकूल प्रभाव डालती हों या प्रभावित कर सकती हों और यदि ऐसा है, तो ऐसी परिस्थितियों की रूपरेखा और उनके संभाव्य प्रभाव का आकलन।

**(17) प्रबंधन संबंधी चर्चा और वित्तीय विवरणों का विश्लेषण (हाल के वित्तीय वर्ष की पिछले तीन वित्तीय वर्षों के साथ तुलना करते हुए):**

(क) पिछले तीन वर्षों हेतु लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में दिए गए समायोजनों के पश्चात् पिछले वित्तीय परिणामों का सारांश दिया जाएगा, जिसमें आय और व्यय की महत्वपूर्ण मदें शामिल होंगी।

(ख) निर्गमकर्ता कंपनी के कारोबार का सिंहावलोकन

(ग) ऐसे कारक जो परिचालनों के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं

(घ) आय और व्यय की महत्वपूर्ण मदों में परिवर्तनों के कारणों का विश्लेषण, जिसमें *अन्य बातों के साथ*, निम्नलिखित शामिल होगा:

- (i) असामान्य या कभी-कभी होने वाली घटनाएँ या संव्यवहार
- (ii) महत्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तन जिन्होंने निरंतर प्रचालनों से होने वाली आय को काफी प्रभावित किया या प्रभावित कर सकते हैं
- (iii) ज्ञात प्रवृत्तियाँ और अनिश्चितताएँ जिनका विक्रयों, निरंतर प्रचालनों से राजस्व या आय पर काफी प्रतिकूल प्रभाव हुआ था या होने की आशंका है
- (iv) उन घटनाओं के मामले में लागतों और राजस्वों के बीच संबंध में भावी परिवर्तन, जिससे श्रम या सामग्री लागतों या कीमतों में भावी वृद्धि जैसा महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा
- (v) वह सीमा जिस तक शुद्ध बिक्रियों या राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है, जिसका कारण बिक्रियों की बढ़ी हुई मात्रा, नए उत्पादों या सेवाओं की शुरुआत या बड़ी हुई क्रय कीमतें हैं
- (vi) ऐसे प्रत्येक प्रमुख औद्योगिक खंड का कुल व्यापारावर्त जिसमें निर्गमकर्ता कंपनी प्रचालन करती है
- (vii) सार्वजनिक रूप से घोषित नए उत्पादों या कारोबार खंड की स्थिति
- (viii) वह सीमा जिस तक कारोबार सामयिक (सीजनल) है
- (ix) एक या कुछ आपूर्तिकर्ताओं या ग्राहकों पर कोई महत्वपूर्ण निर्भरता
- (x) प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियाँ

**(18) उद्योग और कारोबार सिंहावलोकन:**

बाजार जिसमें शामिल है - प्रतिस्पर्धा के ब्यौरे, उद्योग के लिए पिछले उत्पादन आँकड़े, वर्तमान औद्योगिक क्षमता, निर्यातों (यदि लागू हो) से संबंधित पिछली प्रवृत्तियाँ और भावी संभावनाएँ, माँग और आपूर्ति अनुमान (यदि दिए गए, तो इसे आवश्यक रूप से ऐसे अनुमानों के साथ ही होना चाहिए जिनका स्रोत प्रतिष्ठित बाजार अनुसंधान एजेंसी हो), आदि। आँकड़ों के स्रोत का उल्लेख किया जाएगा।

**(19) निर्गमकर्ता कंपनी के ब्यौरे:**

- (क) निर्गमकर्ता कंपनी के मुख्य उद्देश्य, इतिहास और वर्तमान कारोबार
- (ख) परियोजना, यदि कोई हो, का स्थान
- (ग) संस्थापित क्षमता और संयंत्र तथा मशीन, अवसंरचना सुविधाओं, प्रौद्योगिकी के ब्यौरे आदि, जहाँ लागू हो
- (घ) परियोजना के कार्यान्वयन का खाका और अब तक हुई प्रगति, यदि लागू हो
- (ङ) उत्पाद (उत्पादों) / सेवा (सेवाओं), उपभोक्ता (उपभोक्ताओं), औद्योगिक उपयोगकर्ता (उपयोगकर्ताओं) का स्वरूप
- (च) अनुसंधान और विकास, पेटेंट और लाइसेंस आदि
- (छ) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण
- (ज) वित्तीय और अन्य चूक, यदि कोई हो
- (झ) हामीदारी
- (ञ) विशेषज्ञ
- (ट) कोई व्यक्ति अतिरिक्त जानकारी कहाँ से प्राप्त कर सकता है
- (ठ) विदेशी व्यक्तियों के प्रति सिविल देयताओं का प्रवर्तन

**(20) निर्गमकर्ता कंपनी की समनुषंगियाँ और सहयोगी:**

(क) निर्गमकर्ता की समनुषंगियों और सहयोगियों के बारे में लेखापरीक्षित विवरणों पर आधारित पिछले तीन वर्षों के लिए निम्नलिखित जानकारी:

- (i) निगमन की तारीख
- (ii) क्रियाकलापों का स्वरूप
- (iii) इक्विटी पूँजी
- (iv) आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर)
- (v) विक्रय
- (vi) कर के पश्चात् लाभ (पीएटी)
- (vii) प्रति शेयर आमदनी (ईपीएस) और
- (viii) शुद्ध आस्ति मूल्य

(ख) यदि समनुषंगी और सहयोगियों से संबंधित देशों में प्रचलित कानूनों के अनुसार ऐसे लेखापरीक्षित विवरण तैयार करना अपेक्षित नहीं है तो उन्हें ऐसी कंपनियों के निदेशक-मंडल और प्रबंधन द्वारा सत्य एवं सही के तौर पर प्रमाणित किया जाए, परंतु यह कि संबंधित देश में पेशेवर प्रमाणित लोक लेखापाल या समकक्ष से लिया गया प्रमाणपत्र बोर्ड के पास प्रस्तुत किया जाए।

**(21) प्रबंधन:**

- (क) संप्रतर्वकों (प्रमोटर) के व्यौरे और उनकी पृष्ठभूमि। यदि कोई निश्चित (पहचाने जा सकने वाला) संप्रवर्तक नहीं है तो उन सभी व्यक्तियों के व्यौरे और पृष्ठभूमि जो निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी में 5 प्रतिशत या उससे अधिक धारण करते हैं।
- (ख) निदेशक-मंडल और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के व्यौरे (अर्थात् निदेशकों, प्रबंधक, प्रबंध निदेशक और निर्गमकर्ता कंपनी के अन्य प्रधान अधिकारियों के नाम, पते, जन्म तिथि, आयु, अर्हता, उद्योग संबंधी अनुभव, अन्य निदेशक पद)।
- (ग) निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के पारिश्रमिक (विस्तृत विवरण के साथ) बैठक (सीटिंग) फीस, संप्रवर्तकों/नियंत्रक शेयरधारक (शेयरधारकों), यदि कोई हो, के साथ उनका नाता, निर्गमकर्ता कंपनी में उनकी इक्विटी धारिता, निर्गमकर्ता कंपनी के साथ जुड़े रहने (असोसिएशन) की अवधि।
- (घ) संगठनात्मक संरचना।
- (ङ) निदेशक-मंडल की कार्यप्रणाली
- (च) कर्मचारी

**(22) निगमन के देश (जहाँ शेयर सूचीबद्ध हैं) का प्रतिभूति बाजार:**

- (क) संक्षिप्त इतिहास
- (ख) स्टॉक एक्सचेंज विनियम
- (ग) सूचीबद्धता विनियम
- (घ) निर्गमकर्ता कंपनी के देश के प्रतिभूति बाजार विनियामक के व्यौरे
- (ङ) क्या निर्गमकर्ता कंपनी के देश के प्रतिभूति बाजार विनियामक ने बोर्ड/आयस्को के साथ बोध जापन पर हस्ताक्षर किए हैं
- (च) कंपनी अधिनियम और प्रतिभूति विनियमों (या उसके समकक्ष) के तहत प्रकटीकरण
- (छ) स्टॉक एक्सचेंज
- (ज) अधिग्रहण संहिता / क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी संहिता
- (झ) अर्थव्यवस्था के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार

- (ज) प्रतिभूतियों के विदेशी स्वामित्व पर प्रतिबंध
- (ट) वित्तीय क्षेत्र का सिंहावलोकन
- (ठ) उस देश के प्रतिभूति व्यापार बाजार का स्वरूप
- (ड) यह कथन कि भारतीय प्रतिभूति विधियों के प्रवर्तन पर इस तथ्य का क्या प्रभाव पड़ेगा कि निर्गमकर्ता भारत से बाहर स्थित है।
- (ढ) निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा अनुसरण किए जाने वाले कंपनी शासन संबंधी प्रावधानों का भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों के लिए लागू प्रावधानों से तुलनात्मक विश्लेषण।

**(23) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का वर्णन और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों के अधिकार:**

- (क) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का संक्षिप्त वर्णन
- (ख) लाभांश, अन्य संवितरण और भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों के अधिकार
- (ग) मताधिकार, यदि कोई हों, और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों द्वारा उनका प्रयोग करने की रीति, यदि कोई हो
- (घ) रिकार्ड तिथियाँ और उन्हें कैसे प्रकट किया जाएगा।
- (ङ) रिपोर्टें और अन्य संसूचनाएँ जिन्हें प्राप्त करने के भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारक हकदार होंगे।
- (च) भारतीय निक्षेपागार रसीदों को शेयरों में संपरिवर्तित किए जाने की प्रक्रिया
- (छ) भारतीय निक्षेपागार रसीदों और उनमें संव्यवहारों के विभिन्न पहलुओं से संबंधित शासी विधि

**(24) शेयरों और निक्षेपागार रसीदों के अंतरण संबंधी प्रावधान :**

- (क) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के अंतरण से संबंधित प्रावधान
- (ख) संपरिवर्तन के बाद अंडरलाइंग शेयरों के अंतरण से संबंधित प्रावधानों की रूपरेखा

**(25) निक्षेपागार - भारतीय और अंतरराष्ट्रीय से संबंधित जानकारी:**

देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक और निक्षेपागार करार संबंधी संक्षिप्त व्यौरे।

**(26) सरकारी / विनियामक प्राधिकरणों के अनुमोदन:**

निर्गम (इश्यू) के लिए अपने देश (होम कंट्री) में अपेक्षित कानूनी और विनियामक अनुमोदनों से संबंधित जानकारी और संबंधित पहलू तथा उनकी स्थिति, और भारतीय विनियामक प्राधिकरणों से अनुमोदन

**(27) भारत और निगमन के देश / उस देश का कर निर्धारण ढाँचा जिसमें शेयर सूचीबद्ध हैं:**

कराधान संबंधी कानूनों के सुसंगत प्रावधानों, कर संधियों और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों पर उनके प्रभाव से संबंधित जानकारी

**(28) चल रहे मुकदमे और चूक :**

- (क) महत्वपूर्ण मुकदमे/देयताएँ/चूक जिनमें निर्गमकर्ता कंपनी, उसके संप्रवर्तकों/नियंत्रक शेयरधारकों/निदेशकों और उसके समनुषंगी और सहयोगियों की बकाया/संभाव्य देयताएँ शामिल हैं।
- (ख) महत्ता का निर्धारण उन कारकों के आधार पर किया जाएगा जो परियोजना और निर्गमकर्ता कंपनी, उसके संप्रवर्तकों/नियंत्रक शेयरधारकों/निदेशकों, उसकी समनुषंगियों और सहयोगियों से विशेष रूप से संबंधित हैं, जिनका प्रभाव निर्गमकर्ता कंपनी के प्रदर्शन पर पड़ सकता हो।
- (ग) महत्ता का निर्णय करते समय निम्नलिखित कारकों पर विचार किया जाएगा :
  - (i) कुछ मुकदमे/चूक अकेले महत्त्व नहीं रखते पर संयुक्त रूप से विचार करने पर उनका महत्त्व हो सकता है।

- (ii) कुछ मुकदमों/चूकों का ऐसा महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसका असर बहुत अधिक होता है किंतु जिसे मापा नहीं जा सकता।
- (iii) कुछ मुकदमे/चूक वर्तमान में महत्वपूर्ण नहीं हो सकते हैं, परंतु भविष्य में उनका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

**(29) निर्गम कीमत का आधार :**

- (क) पिछले तीन वर्षों के लिए निर्गम-पूर्व आमदनी प्रति शेयर (ईपीएस) (पूँजी में परिवर्तनों के लिए यथा समायोजित)
- (ख) निर्गम-पूर्व कीमत/अर्जन अनुपात
- (ग) पिछले तीन वर्षों में शुद्ध-मालियत पर औसत प्रतिफल
- (घ) निर्गम-पूर्व आमदनी प्रति शेयर बनाए रखने के लिए अपेक्षित बड़ी हुई शुद्ध-मालियत पर न्यूनतम प्रतिफल
- (ङ) अंतिम तुलन-पत्र के आधार पर प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य
- (च) निर्गम के पश्चात् प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य और निर्गम कीमत से उसकी तुलना
- (छ) ऊपर उल्लिखित अनुसार निर्गमकर्ता कंपनी के सभी लेखा अनुपातों की उद्योग औसत और समतुल्य समूह (अर्थात् शेयरों और भारतीय निक्षेपागार रसीदों वाली कंपनियाँ) के लेखा अनुपातों से तुलना। उसी उद्योग में एक तुलनात्मक आकार के संबंध में अंडरलाइंग कुल इक्विटी शेयरों का कुल अंकित मूल्य। *[वह स्रोत सूचित किया जाना चाहिए जिससे उद्योग औसत और समतुल्य समूह के लेखा अनुपात लिए गए हैं]*
- (ज) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का अंकित मूल्य भी दिया जाएगा :

**परंतु यह कि** प्रॉस्पेक्टस में निर्गम कीमत के लिए औचित्य के तौर पर अनुमानित आमदनियों का उपयोग नहीं किया जाएगा :

**परंतु यह और कि** निर्गम कीमत के आधार के समर्थन में प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किए गए लेखा अनुपातों की गणना बकाया अनिवार्य संपरिवर्तन के कारण पूँजी में हुई वृद्धि को प्रभावी करते हुए और साथ ही इस अनुमान पर भी की जाएगी कि अतिरिक्त पूँजी के लिए अभिदान हेतु शेष विकल्पों, यदि कोई हो, का प्रयोग किया जाएगा।

**(30) निर्गमकर्ता के संगम-अनुच्छेदों और मुख्य चार्टर के मुख्य प्रावधान**

**(31) निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण संविदाएँ और दस्तावेज:**

स्थान जहाँ कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन) नियम, 2004 के नियम 7 के तहत निर्धारित दस्तावेजों, प्रॉस्पेक्टस, वित्तीय विवरणों और उसके लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के निरीक्षण की अनुमति सामान्य कामकाज के समय के दौरान होगी।

**(32) अन्य जानकारी:**

- (क) निर्गमकर्ता कंपनी के विधिक काउंसल, जो उस स्थान पर क्रियाशील है जहाँ निर्गमकर्ता कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय है, द्वारा प्रॉस्पेक्टस की अनिवार्य जाँच का प्रकटीकरण।
- (ख) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), विदेशी अभिरक्षक बैंक, देशी निक्षेपागार और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम से सहयुक्त अन्य सभी मध्यवर्ती की सहमति।
- (ग) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम में शामिल मध्यवर्तियों को देय फीस और व्यय।

**भाग-ख - भारतीय निक्षेपागार रसीदों के लिए संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण  
[विनियम 193(1) देखें]**

**सामान्य अनुदेश:**

- (I) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की एक प्रति बोर्ड के पास प्रस्तुत की जाएगी।

- (II) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस ए-4 आकार के कागज की पुस्तिका के रूप में मुद्रित किया जाएगा और, जो आवेदन फॉर्म तथा संशोधन फॉर्म के साथ मिलकर दोनों तरफ से मुद्रित पाँच पन्नों (शीट) से अधिक का नहीं होगा। बोली केंद्रों के लिए अतिरिक्त पन्ने (शीट) संलग्न किए जा सकते हैं।
- (III) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस ऐसे आकार के फॉण्ट में मुद्रित किया जाएगा, जो टाइम्स न्यू रोमन के आकार 11 (या उसके समतुल्य) से छोटा नहीं दिखेगा और पंक्तियों के बीच का अंतर 1.0 होगा।
- (IV) आवेदन फॉर्म (प्ररूप) इस प्रकार बना होगा कि आवेदन फॉर्म को फाड़ने पर, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस का कोई भी भाग विकृत न हो जाए।
- (V) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस के फार्मेट में निम्नलिखित शामिल होगा:

भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित प्रकटीकरण शामिल होंगे :

(1) **सामान्य जानकारी:**

- (क) निर्गमकर्ता कंपनी का नाम और निर्गमकर्ता कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, दूरभाष संख्या, ई-मेल और वेबसाइट, और जहाँ निर्गमकर्ता कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते या नाम में परिवर्तन हुआ है, वहाँ उसके व्यौरे।
- (ख) निर्गमकर्ता कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (ग) देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक (भारत में उसके कार्यालय के पते सहित), अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), निर्गम के हामीदार, निर्गम के सलाहकारों और अन्य कोई मध्यवर्ती जिसे भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के संबंध में नियुक्त किया गया हो, का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (घ) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के संबंध में अनुपालना अधिकारी का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी। अनुपालना अधिकारी को भारत में नियोजित होना चाहिए
- (ङ) उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम, पते और संपर्क संबंधी जानकारी जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीदों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किए गए हैं या किए जाने का प्रस्ताव है;
- (च) निर्गम खुलने की तारीख;
- (छ) निर्गम बंद होने की तारीख;
- (ज) निर्गम की पद्धति और प्रत्याशित समय-सारणी;
- (झ) निर्गम के बंद होने की सबसे पहली तारीख;
- (ञ) प्रॉस्पेक्टस और फार्मों (प्रपत्रों) की उपलब्धता संबंधी व्यौरे, अर्थात् तारीख, समय, स्थान आदि ;
- (ट) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए राशि और भुगतान का माध्यम;
- (ठ) निवेशक शिकायतें और निवारण प्रणाली के संबंध में प्रकटीकरण ;
- (ड) यह वचन कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों के आवेदकों और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों की शिकायतों के संबंध में निर्गमकर्ता कंपनी स्वयं को उन भारतीय न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के अध्वधीन रखेगी जिनके क्षेत्राधिकार में वह स्थान आता है जहाँ स्टॉक एक्सचेंज स्थित है।

(2) **निर्गमकर्ता कंपनी की पूँजी संरचना:**

क्र. सं.	विवरण	निर्गम से पूर्व शेयरों की संख्या	निर्गम से पूर्व धारिता का %
1.	संप्रवर्तक एवं संप्रवर्तक समूह		
2.	जनता (सार्वजनिक)		
	कुल		

**टिप्पण:** शेयरों के प्रत्येक वर्ग के लिए जानकारी दी जानी जरूरी है

**(3) वर्तमान निर्गम की शर्तें आदि :**

- निर्गम के ब्यौरे, जिनमें निर्गम का आकार भी शामिल है
- उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीदों को सूचीबद्ध कराए जाने का प्रस्ताव है
- नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज
- प्रक्रिया
- सूचक समय-सीमा

**(4) आवेदकों के लिए अनुदेश:**

(क) आवेदन कैसे करें, प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस और आवेदन फॉर्म (प्रपत्र), भुगतान का माध्यम और वही-निर्माण प्रक्रिया, यदि सुसंगत हो।

(ख) आवेदन फॉर्म (प्ररूप) में, राष्ट्रीयता और निवासी हैसियत (रेजिडेंसी) से संबंधित घोषणा निम्नानुसार प्रमुखता से दर्शाई जाएगी :

"राष्ट्रीयता और निवासी हैसियत (जो लागू हो उस पर सही का चिह्न लगाएँ)

- (i) मैं/हम भारत का/के नागरिक हूँ/हैं और मैं/हम भारत से बाहर निवास करनेवाले या विदेशी नागरिकतावाले किसी व्यक्ति के नामिती (नामितियों) के रूप में उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन नहीं कर रहा हूँ / रहे हैं।
- (ii) मैं/हम भारत में निवास करनेवाला/करनेवाले भारतीय नागरिक हूँ/हैं और मैं/हम अप्रत्यावर्तन आधार पर नीचे उल्लिखित अनिवासी भारतीय (भारतीयों) के मुख्तारनामा धारक (धारकों) की हैसियत से उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन कर रहा हूँ/रहे हैं।
- (iii) मैं/हम भारत से बाहर निवास कर रहा/रहे भारतीय नागरिक हूँ/हैं और मैं/हम अप्रत्यावर्तन आधार पर अपनी/हमारी ओर से उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन कर रहा हूँ/रहे हैं।"

(ग) आवेदन फॉर्म में निम्नलिखित के लिए आवश्यक अनुदेश/प्रावधान शामिल होंगे :

- (i) आवेदकों को लिखतों की दूसरी ओर आवेदन फॉर्म की संख्या का उल्लेख करने का अनुदेश दें, ताकि सार्वजनिक निर्गमों के शेयरों / डिबेंचरों के लिए आवेदनों के साथ प्रस्तुत लिखतों के दुरुपयोग से बचा जा सके।
- (ii) बैंक खाता संख्या और उस बैंक का नाम (जिसमें खाता है) से संबंधित ब्यौरे भरने के लिए आवेदन फॉर्म में प्रावधान ताकि इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन प्रणाली के माध्यम से धन-वापसी (रिफंड) आदेशों में या धन-वापसी (रिफंड) के लिए कथित ब्यौरों का मुद्रण हो सके।
- (iii) आवेदकों को आवेदन फॉर्म में स्थायी खाता संख्या प्रकट करने का अनुदेश, उस राशि का खयाल किए बिना जिसके लिए आवेदन किया गया है/बोली लगाई गई है, इस अनुदेश के साथ कि स्थायी खाता संख्या के बिना आवेदन फॉर्म नामंजूर कर दिया जाएगा।
- (iv) स्थायी खाता संख्या/जीआईआर संख्या।
- (v) अभिदत्त प्रतिभूतियों को प्राप्त करने के लिए विकल्पों (यदि कोई हों) के ब्यौरे और यह कथन कि स्टॉक एक्सचेंजों में प्रतिभूतियों में कागजी रूप में व्यापार केवल बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित सीमाओं के अध्येधीन ही उपलब्ध होगा।

(घ) निर्गमकर्ता कंपनी और उसके शेयरधारकों के लिए विशेष कर लाभ (केवल आय-कर अधिनियम की धारा संख्या और उनके सार का उल्लेख किया जाना चाहिए, धारा का पाठ पुनःप्रस्तुत किए बिना)।

(ङ) भारतीय निक्षेपागार रसीदों में निवेश पर प्रतिबंध/भारतीय निक्षेपागार रसीदों की अदला-बदली (फन्जिबिलिटी)।



## (5) निर्गम के ब्यौरे :

- (क) निर्गम के उद्देश्य
- (ख) परियोजना की लागत
- (ग) वित्तपोषण के साधन
- (घ) मूल्यांकक एजेंसी का नाम, यदि कोई हो
- (ङ) निगरानी करनेवाली एजेंसी का नाम, यदि कोई हो

## (6) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का वर्णन और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों के अधिकार:

- (क) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का संक्षिप्त वर्णन
- (ख) लाभांश, अन्य संवितरण और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों के अधिकार
- (ग) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों के मताधिकार और उनका प्रयोग किए जाने की रीति, यदि कोई हो
- (घ) रिकॉर्ड तिथि और उसे कैसे प्रकट किया जाएगा
- (ङ) रिपोर्टें और अन्य संसूचनाएँ जिनके भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारक हकदार होंगे
- (च) भारतीय निक्षेपागार रसीदों की शेयरों में संपरिवर्तित किए जाने की प्रक्रिया
- (छ) भारतीय निक्षेपागार रसीदों और उनमें संव्यवहार के विभिन्न पहलुओं से संबंधित शासी कानून (विधि)।

## (7) कारोबार का मॉडल / कारोबार सिंहावलोकन और कार्यनीति (स्ट्रेटजी) (शब्दों की कुल सीमा -500 शब्द)

## (8) स्टॉक बाजार के ऑकड़े (एक्सचेंज के अनुसार):

यह जानकारी प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले की अंतिम उपलब्ध तारीख को अद्यतन की गई होनी चाहिए

- (क) प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले के कैलेंडर वर्ष से पहले के अंतिम तीन कैलेंडर वर्षों की प्रत्येक तिमाही के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
- (ख) प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले के कैलेंडर वर्ष के प्रत्येक महीने के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
- (ग) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले के महीने के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
- (घ) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले के महीने के अंतिम दिवस को खुलने और बंद होने की कीमत, परिमाण के साथ

## (9) आंतरिक जोखिम कारक: कम से कम 5 और अधिक से अधिक 10 जोखिम कारकों का उल्लेख किया जाए (शब्दों की कुल सीमा - 500 शब्द)

## (10) चल रहे महत्वपूर्ण मुकदमे और चूकें (डिफॉल्ड्स)

क. कंपनी के खिलाफ चल रहे मुकदमों की कुल संख्या और शामिल राशि

ख. कंपनी के खिलाफ चल रहे शीर्ष 5 चल रहे मुकदमों के संक्षिप्त ब्यौरे और शामिल राशि

क्र.सं.	विवरण	मुकदमा किसने दायर किया	वर्तमान स्थिति	शामिल राशि

(11) **महत्वपूर्ण घटनाएँ:** अंतिम तुलन-पत्र की तारीख के पश्चात् कोई महत्वपूर्ण घटना और कंपनी के कार्यनिष्पादन तथा भविष्य पर इसका प्रभाव।

(12) **निदेशक मंडल**

क्र.सं.	नाम	पदनाम (स्वतंत्र / पूर्णकालिक / कार्यकारी / नामनिर्देशिती)	कार्य-अनुभव जिसमें वर्तमान / दूसरी फर्मों में धारित पूर्व पद शामिल हैं (प्रत्येक निदेशक की लिए 20 - 40 शब्द)

(13) **पिछले तीन वर्षों के लिए निर्गमकर्ता कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन (ऑकड़े लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों से सारणीबद्ध रूप में लिए जाएँ):**

- (क) तुलन-पत्र संबंधी ऑकड़े : इक्विटी पूँजी, आरक्षिति (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति, पुनर्मूल्यांकन का वर्ष और आस्तियों पर उसके मौद्रिक प्रभाव का उल्लेख करें) तथा उधार
- (ख) लाभ और हानि संबंधी ऑकड़े : विक्रय, सकल लाभ, शुद्ध लाभ, अदा किया गया लाभांश, यदि कोई हो
- (ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान लेखा नीतियों में कोई परिवर्तन और निर्गमकर्ता कंपनी के लाभों तथा आरक्षितियों पर उनका प्रभाव
- (घ) लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट से ली गई निम्नलिखित जानकारी मुख्य प्रॉस्पेक्टस में पुनःप्रस्तुत की जाए:
- (i) असाधारण मदों के लिए लेखांकन से पहले शुद्ध लाभ
- (ii) असाधारण मदें
- (iii) असाधारण मदों के लिए लेखांकन के पश्चात् शुद्ध लाभ

(14) निवेशक शिकायत और निवारण प्रणाली के संबंध में प्रकटीकरण

(15) कराधान संबंधी कानूनों के सुसंगत प्रावधानों, कर संधियों और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों पर उनके प्रभाव से संबंधित जानकारी

(16) देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक और निक्षेपागार करार संबंधी संक्षिप्त ब्यौरे

(17) प्रॉस्पेक्टस के हस्ताक्षरकर्ता।

**भाग-ग - भारतीय निक्षेपागार रसीदों के साधिकार निर्गम हेतु प्रस्ताव दस्तावेज के संलग्नक में प्रकटीकरण**  
[विनियम 218(2) देखें]

- (1) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) का साधिकार निर्गम लाने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के संलग्नक के रूप में इस भाग में यथा-निर्धारित प्रकटीकरण करेगा।
- (2) उपरोक्त के होते हुए भी, जहाँ इस अनुसूची में दिए हुए विषयों के जैसे या समतुल्य विषयों का प्रकटीकरण निर्गमकर्ता के अपने देश के विनियमों के तहत किसी विशिष्ट रूप में, या ऐसे विनियमों की विशिष्ट अपेक्षाओं को निर्दिष्ट करते हुए, किए जाने अपेक्षित हैं, तो वहाँ वे इस अनुसूची की अपेक्षाओं पर अभिभावी होंगे और यह समझा जाएगा कि निर्गमकर्ता के अपने देश के विनियमों के आधार पर प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों द्वारा उनका पालन हो गया है, किन्तु संलग्नक में प्रस्ताव दस्तावेज के संबंधित पृष्ठों की संख्याओं का संदर्भ दिया जाएगा, जहाँ ऐसे प्रकटीकरण किए जाते हैं।

(I) **मुखपृष्ठ (कवर पेज) :**

(क) **अग्र मुखपृष्ठ (फ्रंट कवर पेज):**

- (1) साधिकार निर्गम प्रस्ताव हेतु संलग्नक के अग्र बाहरी मुखपृष्ठ में निम्नलिखित ब्यौरे शामिल होंगे:

(क) निर्गमकर्ता का नाम, उसका लोगो, उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, भारत में मुख्य कार्यालय, उसकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट और ई-मेल ।

(ख) प्रस्तावित भारतीय निक्षेपागार रसीदों की संख्या तथा कीमत और निर्गम का आकार, जैसा लागू हो ।

(ग) सामान्य जोखिम के संबंध में निम्नलिखित दावात्याग (डिस्क्लेमर) तथा सलाह:

"भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) में निवेश में जोखिम होता है और निवेशकों को इस प्रस्ताव में तब तक निवेश नहीं करना चाहिए जब तक कि वे अपने निवेश को गँवा बैठने का जोखिम नहीं उठा सकते हों । निवेशकों को यह सलाह दी जाती है कि वे इस प्रस्ताव में निवेश के संबंध में निर्णय करने से पहले जोखिम कारकों को सावधानीपूर्वक पढ़ें । निवेश के संबंध में निर्णय करने के लिए, निवेशकों को निर्गमकर्ता तथा प्रस्ताव (इसमें शामिल जोखिमों सहित) के संबंध में स्वयं की गई पड़ताल पर विश्वास करना चाहिए। निर्गम में प्रस्तावित की जा रही प्रतिभूतियों के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड न तो सिफारिश या अनुमोदन करता है और न ही भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड इस दस्तावेज की शुद्धता या पर्याप्तता की गारंटी देता है ।"

(घ) खंड "सामान्य जोखिम" के अधीन पृष्ठ संख्या (संख्याओं) ..... पर दिए गए "जोखिम कारकों" के विवरण की तरफ निवेशकों का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट किया जाएगा ।

(ङ) जहाँ अपने देश के विनियमों के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेज में जिम्मेदारी के विवरण का फॉर्म दिया जाना अपेक्षित हो, तो वहाँ के सिवाय "निर्गमकर्ता की पूर्ण जिम्मेदारी" संबंधी निम्नलिखित खंड को बॉक्स रूप में शामिल किया जाएगा :

"निर्गमकर्ता, जिसने सभी समुचित जाँच कर ली है, जो इसके लिए जिम्मेदारी स्वीकारता है और यह पुष्टि करता है कि प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में निर्गमकर्ता और निर्गम से संबंधित वह समस्त जानकारी शामिल है, जो निर्गम के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, कि प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में शामिल जानकारी समस्त महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से सत्य एवं सही है और किसी भी महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से भ्रामक नहीं है, कि इसमें अभिव्यक्त राय तथा आशय ईमानदारी से प्रस्तुत किए गए हैं और यह कि ऐसे कोई भी अन्य तथ्य नहीं हैं, जिनका लोप इन दस्तावेजों को समग्र रूप से या ऐसी किसी जानकारी अथवा ऐसी किसी राय या आशय की अभिव्यक्ति को किसी भी महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से भ्रामक बनाता है।"

(च) अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) का नाम, लोगो तथा पता और उन अधिकारियों / कर्मचारियों के पदनाम, उनकी दूरभाष संख्याओं, फैक्स संख्याओं, वेबसाइट तथा ई-मेल के साथ जिन्होंने सम्यक् तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं और बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक को दाखिल किया है ।

(छ) निर्गम रजिस्ट्रार का नाम, लोगो तथा पता, उसकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, वेबसाइट तथा ई-मेल ।

(ज) निर्गम संबंधित समय-सारणी:

(i) निर्गम के खुलने की तारीख ।

(ii) निर्गम के बंद होने की तारीख ।

(iii) विभाजन (स्प्लिट) हेतु निवेदन किए जाने की अंतिम तारीख ।

(iv) उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ निर्गमकर्ता की भारतीय निक्षेपागार रसीदें (आईडीआर) सूचीबद्ध हैं और साधिकार निर्गम में प्रस्तावित किए जाने वाली भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) की सूचीबद्धता हेतु सैद्धांतिक अनुमोदन के ब्यौरे ।

(ख) **पिछला मुखपृष्ठ (बैक कवर पेज) :** संलग्नक का पिछला भीतरी मुखपृष्ठ (बैक इनसाइड कवर पेज) और पिछला बाहरी मुखपृष्ठ (बैक आउटसाइड कवर पेज) सफेद होगा ।

**(II) आवेदकों के लिए अनुदेश:**

- (क) रिकार्ड तिथि की घोषणा की प्रक्रिया, भुगतान की शर्तों और आबंटन की प्रक्रिया एवं समय-अनुसूची और प्रमाणपत्रों को जारी करने, निवेशकों के डीमैट खाते में भारतीय निक्षेपागार रसीदें (आईडीआर) जमा करने के संबंध में प्रकटीकरण ।
- (ख) आवेदन कैसे करें, साधिकार प्रस्ताव हेतु आवेदन फॉर्मों तथा प्रस्ताव दस्तावेज की उपलब्धता और सभी श्रेणियों के निवेशकों के लिए भुगतान का माध्यम ।
- (ग) यह कथन कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के धारक जिन्हें आवेदन फॉर्म प्राप्त नहीं हुए हैं, अपेक्षित आवेदन धनराशि के साथ, लिखित रूप में सादे कागज पर आवेदन कर सकेंगे ।
- (घ) वह फॉर्मेट जिसमें भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के धारक सादे कागज पर आवेदन कर सकें, जिसके अंतर्गत आवश्यक विवरणों का उल्लेख हो, जैसे कि नाम, पता, साधिकार निर्गम का अनुपात, निर्गम कीमत, धारित भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) की संख्या, लेजर फोलियो संख्याएँ, निक्षेपागार सहभागी आई.डी., ग्राहक आई.डी., कितनी भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के हकदार हैं तथा कितनी के लिए आवेदन किया गया, अतिरिक्त भारतीय निक्षेपागार रसीदें (आईडीआर) यदि कोई हों, आवेदन के साथ अदा की जाने वाली रकम, और निर्गमकर्ता के खाते के पक्ष में लिखे जाने वाले चैक, आदि के विवरण ।
- (ङ) यह कथन कि आवेदन फॉर्म के बिना आवेदन करने वाले भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के धारक अपने अधिकारों का त्याग नहीं करेंगे और किसी भी प्रयोजन जिसमें त्याग शामिल है के लिए आवेदन फॉर्म का उपयोग नहीं करेंगे, फिर भले ही यह बाद में प्राप्त हुआ हो ।
- (च) फर्जी आवेदनों के लिए दंड से संबंधित प्रावधान, जिनमें ये प्रकटीकरण शामिल होंगे कि कोई व्यक्ति जो :
- (क) किसी कंपनी को उसमें किसी भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के अर्जन, या के लिए अभिदान करने हेतु फर्जी नाम से आवेदन करता है, या
- (ख) कंपनी को फर्जी नाम से उसे या अन्य किसी व्यक्ति को उसमें भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के आबंटन के लिए, या के किसी अंतरण को रजिस्टर करने के लिए अन्यथा उत्प्रेरित करता है, वह कानून के प्रावधानों के अनुसार दंडनीय होगा।
- (छ) धन-वापसी (रिफंड) किए जाने का माध्यम :
- (1) वह माध्यम जिसमें निर्गमकर्ता अति-अभिदान या सूचीबद्ध न हो पाने के मामले में आवेदकों को धन-वापसी (रिफंड) करेगा ।
  - (2) यदि निर्गमकर्ता आवेदकों को धन-वापसी (रिफंड) करने के लिए एक से अधिक माध्यमों के उपयोग का प्रस्ताव करता है, तो संबंधित मामले प्रकट किए जाएंगे जहाँ ऐसा प्रत्येक माध्यम अपनाया जाएगा ।

**(III) सामान्य जानकारी :**

- (क) देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक (भारत में उसके कार्यालय के पते के साथ), मर्चेट बैंककार, निर्गम के हामीदार, सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), निर्गम बैंककारों, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों, निर्गम के विधि सलाहकारों तथा किसी अन्य मध्यवर्ती जिसे भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम के संबंध में नियुक्त किया जाए, का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी जिसमें दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट पते तथा ई-मेल पते शामिल हैं ।
- (ख) विशेषज्ञों तथा काउंसेल के नाम, पते तथा संपर्क संबंधी जानकारी ।
- (ग) भारत में निर्गमकर्ता के कंपनी सचिव तथा अनुपालन अधिकारी के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ तथा ई-मेल पते ।
- (घ) अग्रणी प्रबंधकों के बीच जिम्मेदारियों के परस्पर आबंटन का विवरण, जहाँ एक से अधिक मर्चेट बैंककार निर्गम से सहयुक्त हों ।

(ड) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) की हामीदारी के ब्यौरे, यदि कोई हो:

- (1) हामीदारों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ और ई-मेल पता तथा उनके द्वारा की गई हामीदारी की राशि।
- (2) निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा यह घोषणा कि, जहाँ तक कि निदेशकों को जानकारी है, भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के हामीदारों के पास उनकी संबंधित बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।

(च) निर्गम की आंशिक हामीदारी के मामले में, हामीदारी की सीमा।

(छ) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल साधिकार प्रस्ताव के संलग्नक में, अंतिम हामीदारी इंतजाम के ब्यौरे, उन भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) की वास्तविक संख्या को दर्शाते हुए जिनकी हामीदारी की गई।

(ज) निर्गम की पद्धति और प्रत्याशित समय-सारणी।

(झ) निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा यह कथन कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम से प्राप्त सभी धनराशियों को पृथक् देशी बैंक खाते में अंतरित किया जाएगा, बैंक का नाम और पता तथा उस खाते का स्वरूप और संख्या जिसमें राशि जमा की जाएगी।

(ञ) संलग्नक तथा फॉर्मों सहित प्रस्ताव दस्तावेज की उपलब्धता संबंधी ब्यौरे, अर्थात् तारीख, समय, स्थान आदि।

(ट) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम के लिए राशि और भुगतान का माध्यम।

(ठ) निर्गमकर्ता के इतिहास, कंपनी (कॉरपोरेट) संरचना और कारोबार के सिंहावलोकन तथा पहले हुई प्रमुख घटनाओं के बारे में संक्षिप्त विवरण।

(ड) निक्षेपागार करार और निर्गमकर्ता तथा स्टॉक एक्सचेंजों, जहाँ कहीं भी उसकी प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं, के बीच किए गए सूचीबद्धता करार, जिसके अंतर्गत भारत में स्टॉक एक्सचेंजों के साथ किया गया सूचीबद्धता करार शामिल है, के प्रावधानों के तहत निर्गमकर्ता की अपनी बाध्यताओं की अनुपालना की स्थिति संबंधी या विवरण।

#### (IV) प्रबंध-मंडल (निदेशक मंडल):

(क) कार्यपालक या पूर्णकालिक निदेशकों का नाम, जन्म तिथि, आयु, योग्यताएँ (अर्हताएँ), अनुभव, पता, उपजीविका (व्यवसाय) और वर्तमान पदावधि की समाप्ति की तारीख, यथास्थिति, अन्य कंपनियों में उनके निदेशक पदों की जानकारी देते हुए।

(ख) निदेशकों के बीच किसी भी पारिवारिक नातेदारी का स्वरूप।

(ग) प्रमुख शेयरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं या अन्यो के बीच कोई इंतजाम या समझौता, जिसके अनुसरण में निदेशकों को वरिष्ठ प्रबंध-मंडल के निदेशक या सदस्य के रूप में चुना गया था।

(घ) नियोजन के समापन पर मिलने वाले फायदों के लिए निदेशकों द्वारा निर्गमकर्ता के साथ की गई सेवा संविदाओं के ब्यौरे, और ऐसी किसी संविदा के अभाव में सुस्पष्ट नकारात्मक कथन।

#### (V) निर्गमकर्ता की वित्तीय जानकारी :

(क) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के अनुसरण में स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल की गई समेकित लाभ-हानि, आस्तियों एवं देयताओं तथा नकदी प्रवाहों के सबसे अंत के वार्षिक लेखापरीक्षित विवरणों का भारतीय रुपयों में एक्सचेंज की अंतिम दर (क्लोजिंग रेट) पर *कन्वीनिंग ट्रांसलेशन*, उस तारीख की स्थिति के अनुसार जब वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की गई हो।

(ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के अनुसरण में स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए सबसे अंत के आवधिक वित्तीय परिणामों का भारतीय रुपयों में *कन्वीनिंग ट्रांसलेशन* [एक्सचेंज की अंतिम दर (क्लोजिंग रेट) पर, उस तारीख की स्थिति के अनुसार जब वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की गई हो]।

(ग) प्रस्ताव पत्र में एक मानक वित्तीय यूनिट का इस्तेमाल किया जायेगा।

(घ) वह लिंक जहाँ से निवेशक निर्गमकर्ता की विस्तृत वार्षिक रिपोर्ट तथा समय-समय पर उनके द्वारा दाखिल किए जाने वाले दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी डाउनलोड कर सकते हैं।

**(VI) जोखिम कारक :**

(क) जोखिम कारकों को निम्नानुसार प्रकट किया जाएगा :

(1) निर्गमकर्ता कंपनी के कारोबार से जुड़े जोखिम कारक

(2) भारतीय निक्षेपागार रसीदें निर्गमित करने का प्रस्ताव करने वाली निर्गमकर्ता कंपनी के देश से जुड़े जोखिम कारक

(3) भारतीय निक्षेपागार रसीदों / अंडरलाइंग शेयरों से जुड़े जोखिम कारक

(ख) जोखिम कारकों का वर्गीकरण इस प्रकार किया जाएगा - वे कारक जो परियोजना से विशिष्ट रूप से संबंधित हों और निर्गमकर्ता कंपनी के ही हों तथा वे कारक जो बाहरी हों और निर्गमकर्ता कंपनी के नियंत्रण से परे हों।

(ग) जोखिम कारकों का निर्धारण उनकी महत्ता के आधार पर किया जाएगा। ऐसा करते समय, निम्नलिखित कारकों पर विचार किया जाएगा:

(1) कुछ घटनाएँ अकेले महत्त्व नहीं रखते पर संयुक्त रूप से उनका महत्त्व हो सकता है।

(2) कुछ घटनाओं का ऐसा महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसका असर बहुत अधिक होता है किंतु जिसे मापा नहीं जा सकता।

(3) कुछ घटनाएँ वर्तमान में महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकती हैं, परंतु भविष्य में उनका महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

**(VII) पूँजी संरचना:**

(क) बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को उपयुक्त रूप से सम्मिलित किए जाने के पश्चात् प्राधिकृत, निर्गमित और अभिदत्त पूँजी (प्रतिभूतियों की संख्या, वर्णन और सकल अभिहित मूल्य)

(ख) समादत्त पूँजी (आईडीआर को पृथक् करते हुए)

(ग) बकाया लिखतों के निम्नलिखित व्यौरे :

(1) विकल्पों (ऑप्शन्स) के व्यौरे, यदि कोई हों।

(2) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के व्यौरे, यदि कोई हों।

(घ) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में सबसे अंत में दाखिल किए गए दस्तावेजों के अनुसार शेयरधारिता स्वरूप तथा भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) का धारिता स्वरूप।

(ङ) निर्गमकर्ता की शेयर पूँजी के तीन प्रतिशत से अधिक धारण करने वाले शेयरधारकों के व्यौरे।

(च) संप्रवर्तकों (प्रमोटर) द्वारा धारित ऐसी भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) पर अवरुद्धता (लॉक-इन), को गिरवी रखने और पर विल्लंगम के व्यौरे, यदि लागू हो।

(छ) तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रैक इश्यू) के मामले में, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास साधिकार प्रस्ताव हेतु संलग्नक सहित प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख और किसी अन्य मामले में, बोर्ड के पास साधिकार प्रस्ताव हेतु संलग्नक सहित प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख से ठीक पहले के अंतिम छह महीनों में संप्रवर्तकों (प्रमोटर) और संप्रवर्तक समूह द्वारा अर्जित भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के व्यौरे, यदि लागू हों।

**(VIII) निर्गम के विवरण :**

(क) निर्गम के उद्देश्य :

(1) निर्गम का प्रयोजन।

- (2) उस परियोजना की लागत के विवरण जिसके लिए धनराशि भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम के माध्यम से जुटाई गई है।
- (3) ऐसी परियोजना के वित्तपोषण के साधन।
- (4) ऐसी परियोजना के प्रत्येक चरण में आगमों (प्रोसीड्स) को लगाए जाने संबंधी प्रस्ताव की स्थिति।
- (5) संप्रवर्तकों (यदि कोई हों) और निदेशकों का हित, जैसा निर्गम की परियोजना या उद्देश्यों के लिए लागू हो।

(ख) निधियों का अंतरिम उपयोग : निर्गमकर्ता कंपनी निधियों (फंड) को उस बैंक में रखेगी, जिसे किसी अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग (साख निर्धारण) एजेंसी से 'ए' या उससे ऊपर की क्रेडिट रेटिंग मिली हो।

(ग) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के धारकों के लिए विशेष कर फायदे।

**(IX) शेयरों/भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) से संबंधित बाजार कीमत जानकारी और अन्य जानकारी :**

यदि प्रतिभूतियाँ एक से अधिक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों, तो निम्नलिखित जानकारी एक्सचेंज के अनुसार उपलब्ध कराई जाए। इस जानकारी को प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से पहले व्यवहार्य अंतिम तारीख तक अद्यतन किया जाएगा।

अंतिम चार सप्ताहों की सप्ताहांत कीमतें और संबंधित तारीखों के साथ अवधि के दौरान इक्विटी शेयरों की उच्चतम तथा निम्नतम कीमतें।

(क) कंपनी के शेयरों के स्टॉक बाजार भाव (कोटेशन) (अंतिम तीन वर्षों में से प्रत्येक में उच्च / निम्न कीमत और अंतिम छह महीनों के दौरान मासिक उच्च / निम्न कीमत)।

(ख) वही व्यौरे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के लिए उपलब्ध कराए जाएँगे।

**(X) विनिमय दरें:**

(क) निगमन के देश/उस देश, जहाँ शेयर सूचीबद्ध हैं और भारत के बीच विनिमय दरों के पैटर्न का संक्षेप में इतिहास।

(ख) पिछले बारह महीनों के लिए उच्च, निम्न, औसत दरें।

**(XI) महत्वपूर्ण मुकदमे और चूक :**

(क) महत्वपूर्ण मुकदमे/देयताएँ/चूक जिनमें निर्गमकर्ता कंपनी, उसके संप्रवर्तकों/नियंत्रक शेयरधारकों/निदेशकों और उसके समनुषंगी और सहयोगियों की बकाया / संभाव्य देयताएँ शामिल हैं।

(ख) महत्ता का निर्धारण उन कारकों के आधार पर किया जाएगा जो परियोजना और निर्गमकर्ता कंपनी, उसके संप्रवर्तकों/नियंत्रक शेयरधारकों/निदेशकों, उसकी समनुषंगियों और सहयोगियों से विशेष रूप से संबंधित हैं, जिनका प्रभाव निर्गमकर्ता कंपनी के प्रदर्शन पर पड़ सकता हो।

(ग) महत्ता का निर्णय करते समय निम्नलिखित कारकों पर विचार किया जाएगा :

- (1) कुछ मुकदमे/चूक अकेले महत्त्व नहीं रखते पर संयुक्त रूप से विचार करने पर उनका महत्त्व हो सकता है।
- (2) कुछ मुकदमों/चूकों का ऐसा महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसका असर बहुत अधिक होता है किंतु जिसे मापा नहीं जा सकता।
- (3) कुछ मुकदमे/चूक वर्तमान में महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकते हैं, परंतु भविष्य में उनका महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

**(XII) महत्वपूर्ण घटना :**

सबसे अंत के तुलन-पत्र की तारीख के पश्चात् कोई महत्वपूर्ण घटना और निर्गमकर्ता के अपने देश के विनियमों के अनुसार निर्गमकर्ता के कार्यनिष्पादन तथा संभाव्यताओं पर इसका प्रभाव।

**(XIII) निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण संविदाएँ और दस्तावेज :**

वह स्थान, जहाँ सामान्य कामकाज के समय के दौरान कंपनी (भारतीय निक्षेपागर रसीदों का निर्गमन) नियम, 2004 के नियम 7 के तहत निर्धारित दस्तावेजों, संलग्नक सहित प्रस्ताव दस्तावेज, वित्तीय विवरणों और उसके लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के निरीक्षण की अनुमति होगी।

**(XIV) अन्य विनियामक तथा कानूनी प्रकटीकरण :**

(क) निर्गम हेतु प्राधिकार और निर्गम के लिए पारित संकल्प के व्यौरे।

(ख) निर्गमकर्ता द्वारा यह कथन कि निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों, निदेशकों या संप्रवर्तक अथवा निर्गमकर्ता के नियंत्रण में रहने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों), यदि लागू हो, को, बोर्ड या उसके अपने देश के प्रतिभूति विनियामक द्वारा पारित किसी आदेश या निदेश के तहत पूँजी बाजारों में पहुँच रखने या प्रचालन करने से प्रतिषिद्ध या प्रतिभूतियों का क्रय करने, विक्रय करने या लेनदेन करने से अवरुद्ध नहीं किया गया है।

(ग) यह प्रकट किया जाए कि क्या निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों या संप्रवर्तकों के नातेदारों, समूह कंपनियों, यदि लागू हो, को भारत में या उसके अपने देश में इरादतन चूककर्ता के रूप में पहचाना गया है।

(घ) दावात्याग खंड :

साधिकारों प्रस्ताव हेतु संलग्नक में सुस्पष्ट अक्षरों में निम्नलिखित दावात्याग खंड शामिल होगा:

(1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड की बाबत दावात्याग कथन :

*(सुस्पष्ट अक्षरों में लिखा जाए)*

"यह स्पष्ट तौर पर समझा जाए कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) को प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक प्रस्तुत किए जाने को किसी भी प्रकार से यह नहीं समझा जाना चाहिए या इसका यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा इसकी मंजूरी आदि दे दी गई है या इसे अनुमोदित किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड न तो किसी स्कीम या परियोजना जिसके लिए निर्गम लाए जाने का प्रस्ताव है, की वित्तीय सुदृढ़ता की और न ही प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में किए गए कथनों या अभिव्यक्त राय की शुद्धता की कोई जिम्मेदारी लेता है। अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), ने यह प्रमाणित किया है कि संलग्नक में किए गए प्रकटीकरण सामान्य तौर पर पर्याप्त हैं और तत्समय प्रवृत्त भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 के अनुरूप हैं। इस अपेक्षा से निवेशकों को प्रस्तावित निर्गम में निवेश करने के संबंध में सोच-समझकर निर्णय लेने में सुगमता होगी।

यह भी स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि यद्यपि निर्गमकर्ता संलग्नक में दी गई समस्त संबंधित जानकारी की शुद्धता, पर्याप्तता और प्रकटीकरण के लिए प्राथमिक तौर पर जिम्मेदार है, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से यह अपेक्षित है कि वह (वे) यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक् तत्परता बरते (बरतें) कि निर्गमकर्ता इस निमित्त और इस प्रयोजन हेतु पर्याप्त रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करता है, अग्रणी प्रबंधक ..... ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को ..... तारीख का सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है, जो कि निम्नानुसार है: *(बोर्ड को प्रस्तुत किया गया सम्यक प्रमाण-पत्र यहाँ पुनः पेश किया जाए)*

प्रस्ताव दस्तावेज को संलग्नक के साथ दाखिल किया जाना, हालाँकि, निर्गमकर्ता को कंपनी (भारतीय निक्षेपागर रसीदों का निर्गम) नियम, 2004 के अधीन किसी देयता से या ऐसी कानूनी अथवा अन्य अनुमति प्राप्त करने की अपेक्षा से विमुक्त नहीं करता है, जैसा कि प्रस्तावित निर्गम के प्रयोजन हेतु अपेक्षित हो सकती है। इसके अलावा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, किसी भी समय, प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में निहित किन्हीं अनियमितताओं या कमियों को अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के यहाँ उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।"

(2) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की तरफ से दावात्याग कथन :

इस भाव का कथन कि निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक साधिकार प्रस्ताव हेतु प्रस्ताव दस्तावेज में या निर्गमकर्ता द्वारा या उसके कहने पर जारी विज्ञापन या किसी अन्य सामग्री में किए गए कथनों से भिन्न



कथनों के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं स्वीकारता है (स्वीकारते हैं) और यह कि किसी अन्य स्रोत से प्राप्त जानकारी पर भरोसा करने वाला व्यक्ति, ऐसा अपने जोखिम पर ही करेगा।

जो निवेशक निर्गम में निवेश करते हैं, उनके बारे में यह समझा जाएगा कि उनका प्रतिनिधित्व निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक और उनके संबंधित निदेशकों, अधिकारियों, एजेंटों, सहबद्ध व्यक्तियों तथा प्रतिनिधियों द्वारा किया गया है कि वे सभी लागू विधियों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों तथा अनुमोदनों के तहत कंपनी की भारतीय निक्षेपागार रसीदें (आईडीआर) अर्जित करने के पात्र हैं, और वे इस निर्गम में अपनी योग्यता तथा निवेश की मात्रा के विषय में स्वतंत्र सलाह / मूल्यांकन पर निर्भर रहे हैं।

(3) क्षेत्राधिकार के बारे में दावात्याग : क्षेत्राधिकार का उल्लेख करनेवाला संक्षिप्त पैरा जिसके तहत विधि और नियमों तथा विनियमों के प्रावधान साधिकार प्रस्ताव हेतु प्रस्ताव दस्तावेज पर लागू हैं।

(4) स्टॉक एक्सचेंजों का दावात्याग खंड, यदि कोई हो।

(5) भारतीय रिज़र्व बैंक का दावात्याग खंड (यदि लागू हो)।

(ड) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के साधिकार प्रस्ताव में शामिल विभिन्न मध्यावर्तियों को देय फीस के विस्तृत ब्यौरे।

(च) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) की बाबत निवेशक शिकायतों के निवारण के लिए निर्गमकर्ता द्वारा किए गए इंतजाम या कोई व्यवस्था और विभिन्न प्रकार की निवेशक-शिकायतों के निपटारे के लिए इसके द्वारा सामान्यतः लिया जाने वाला समय।

#### (XV) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता द्वारा वचन :

निर्गमकर्ता यह वचन देगा कि :

- (1) निर्गम के संबंध में प्राप्त शिकायतों का निवारण निर्गमकर्ता द्वारा शीघ्रतापूर्वक और समाधानप्रद रूप से किया जाएगा।
- (2) कि सभी स्टॉक एक्सचेंजों में, जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीद (आईडीआर) सूचीबद्ध की जाती हैं, सूचीबद्धता और व्यापार के प्रारंभ के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए, निर्गम के बंद होने से सात कार्य दिवसों के भीतर कदम उठाए जाएँगे।
- (3) प्रकट किए गए माध्यम के अनुसार असफल आवेदकों को धन-वापसी (रिफंड) किए जाने के लिए अपेक्षित निधियाँ निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम रजिस्ट्रार को उपलब्ध कराई जाएँगी।
- (4) कि जहाँ निधियों के इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के माध्यम से धन-वापसी (रिफंड) की जाती है, वहाँ आवेदक को निर्गम बंद होने के 15 दिनों के भीतर उपयुक्त सूचना भेज दी जाएगी, उस बैंक के विवरण देते हुए जहाँ वापस किया गया धन जमा किया जाएगा, धन-वापसी की रकम तथा उसे इलेक्ट्रॉनिक रूप में जमा किए जाने की प्रत्याशित तारीख सहित।
- (5) कि सभी आवेदनों को एकत्र करने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएँगे।
- (6) कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों (एएसबीए) को एकत्र करने के लिए और आबंटन के आधार को अंतिम रूप देते समय उन्हें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों से इतर आवेदनों (नॉन-एएसबीए) के समान समझे जाने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएँगे।
- (7) कि पंद्रह दिनों की अवधि के भीतर भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) को डीमैट खाते में जमा किया जाएगा/धन-वापसी की जाएगी और धन-वापसी में विलंब की दशा में निर्धारित दर पर ब्याज जमा किया जाएगा।

(XVI) निर्गम की आगमों (प्रोसीड्स) का उपयोग : साधिकार प्रस्ताव हेतु संलग्नक में निर्गम की आगमों (प्रोसीड्स) के उपयोग के संबंध में निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल का कथन निहित होगा।

#### (XVII) भारतीय प्रतिभूतियों के विदेशी स्वामित्व, यदि कोई हो, पर प्रतिबंध :

(क) अनिवासी भारतीयों द्वारा निवेश।

(ख) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा निवेश ।

(XVIII) **अन्य कोई महत्वपूर्ण प्रकटीकरण (जैसा आवश्यक समझा जाए) :**

(XIX) **घोषणा :**

(क) साधिकार प्रस्ताव हेतु संलग्नक निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित होगी और इस पर सभी निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्थात् प्रबंध निदेशक या प्रबंधक, हमारे अपने देश के संबंधित लागू कारपोरेट कानूनों के अर्थ के भीतर, और मुख्य वित्तीय अधिकारी, अर्थात् पूर्णकालिक वित्त निदेशक या कोई अन्य व्यक्ति जो वित्त-संबंधी कार्य का प्रमुख हो तथा उस कार्य का निर्वहन कर रहा हो, के हस्ताक्षर होंगे ।

(ख) निम्नलिखित कथन प्रकट किया जाएगा :

"इस संलग्नक में किया गया कोई भी कथन हमारे अपने देश में लागू कारपोरेट कानूनों के किसी प्रावधान या कंपनी (भारतीय निक्षेपागर रसीदों का निर्गम) नियम, 2004 के किसी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है । निर्गम से संबंधित सभी कानूनी अपेक्षाएँ और साथ ही भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, सरकार तथा अन्य किसी सक्षम प्राधिकरण द्वारा इस निमित्त जारी किए गए विनियमों, दिशानिर्देशों, अनुदेशों आदि का सम्यक् रूप से पालन किया गया है ।"

(ग) इसके अलावा, हस्ताक्षरकर्ता यह भी प्रमाणित करेंगे कि साधिकार प्रस्ताव हेतु प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में किए गए सभी प्रकटीकरण सत्य तथा सही हैं ।

**भाग-घ - भारतीय निक्षेपागर रसीदों के साधिकार निर्गम हेतु संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण  
[विनियम 222(1) देखें]**

- (1) भारतीय निक्षेपागर रसीदों (आईडीआर) का साधिकार निर्गम लाने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता साधिकार प्रस्ताव हेतु संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में, अपने देश के विनियमों, यदि कोई हों, के तहत यथा अपेक्षित और इस अनुसूची के भाग-ख में यथा-निर्धारित, प्रकटीकरण करेगा ।
- (2) उपरोक्त के होते हुए भी, जहाँ इस अनुसूची में दिए हुए विषयों के समरूप या समतुल्य विषयों के प्रकटीकरण किसी विशिष्ट रूप में, या निर्गमकर्ता के अपने देश के विनियमों की विशिष्ट अपेक्षाओं को निर्दिष्ट करते हुए, किए जाने अपेक्षित हैं, तो वहाँ वे इस अनुसूची की अपेक्षाओं पर अभिभावी होंगे और यह समझा जाएगा कि प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए ऐसे प्रकटीकरणों का पालन, निर्गमकर्ता के अपने देश के विनियमों के आधार पर, हो गया है ।
- (3) वह क्रम जिसमें मर्दे साधिकार प्रस्ताव हेतु संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में प्रकट होंगी, जहाँ लागू हो, वहाँ उस क्रम के अनुरूप होगा, जिसमें मर्दे साधिकार प्रस्ताव हेतु प्रस्ताव दस्तावेज तथा संलग्नक में प्रकट होती हैं ।
- (4) साधिकार प्रस्ताव हेतु संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण भी शामिल होंगे:

(क) आवेदन फार्मों से संबंधित प्रावधान;

(ख) अधिकार हकदारी अनुपात;

(ग) आंशिक हकदारियों;

(घ) त्याग;

(ङ) अतिरिक्त भारतीय निक्षेपागर रसीदों (आईडीआर) के लिए आवेदन;

(च) अपनी अधिकार हकदारियों का अभिदान करने का संप्रवर्तकों (प्रमोटर) का आशय, यदि कोई हो ।

(5) सामान्य अनुदेश :

1. नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्ष के तहत प्रदान की जाने वाली जानकारी इस अनुसूची के भाग-क की अपेक्षा के अनुसार होगी, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो ।
2. संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस ऐसे आकार के फॉण्ट में मुद्रित किया जाएगा, जो टाइम्स न्यू रोमन के आकार 11 (या उसके समतुल्य) से छोटा नहीं दिखेगा और पंक्तियों के बीच का अंतर 1.0 होगा ।

3. आवेदन फॉर्म (प्ररूप) इस प्रकार बना होगा कि आवेदन फॉर्म को फाड़ने पर, संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में दी गई जानकारी का कोई भी भाग विकृत न हो जाए।

भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम हेतु संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण शामिल होंगे :

#### I. आवेदकों के लिए अनुदेश :

आवेदन कैसे करें, प्रस्ताव-पत्र, संक्षिप्त प्रस्ताव-पत्र और आवेदन फॉर्मों (प्ररूपों) की उपलब्धता, भुगतान का माध्यम और सफेद कागज के माध्यम से कैसे आवेदन करें, यदि सुसंगत हो।

#### II. सामान्य जानकारी :

- (क) निर्गमकर्ता कंपनी का नाम तथा निर्गमकर्ता कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, ई-मेल पते और वेबसाइट पते सहित, और जहाँ निर्गमकर्ता कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते या निर्गमकर्ता कंपनी के नाम में परिवर्तन हुआ हो, उसके ब्यौरे।
- (ख) भारत में निर्गमकर्ता कंपनी का नाम, के मुख्य कार्यालय का पता और संपर्क संबंधी जानकारी।
- (ग) देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक (उसके भारत में स्थित कार्यालय के पते सहित), मर्चेन्ट बैंकार, निर्गम के हामीदार, निर्गम के सलाहकारों और किसी अन्य मध्यवर्ती [जिसे भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम के संबंध में नियुक्त किया जाए] के नाम, पते और संपर्क संबंधी जानकारी।
- (घ) विशेषज्ञों और काउंसल के नाम, पते और संपर्क संबंधी जानकारी।
- (ङ) भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के निर्गम के संबंध में अनुपालना अधिकारी का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी। अनुपालना अधिकारी भारत में नियोजित होना चाहिए।
- (च) उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) की सूचीबद्धता हेतु आवेदन किए गए हैं या किए जाने प्रस्तावित हैं।
- (छ) फर्जी आवेदनों के लिए दंड से संबंधित प्रावधानों के बारे में प्रकटीकरण।
- (ज) अधिक अभिदान की धन-वापसी (रिफंड) हेतु कथन/घोषणा।
- (झ) यह कथन कि यदि साधिकार निर्गम के बंद होने से 15 दिनों के भीतर आबंटन पत्र / धन-वापसी आदेश (रिफंड ऑर्डर) प्रेषित नहीं किए जाते तो निवेशकों को 15 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अदा किया जाएगा।
- (ञ) निर्धारित अवधि में आबंटन पत्रों / प्रमाणपत्रों / भारतीय निक्षेपागार रसीदें जारी करने के बारे में घोषणा।
- (ट) निर्गम खुलने की तारीख।
- (ठ) निर्गम बंद होने की तारीख।
- (ड) विभाजन (स्प्लिट) हेतु निवेदन करने के लिए अंतिम तारीख।
- (ढ) निर्गम की पद्धति और प्रत्याशित समय-सारणी।
- (ण) निर्गम बंद होने की सबसे पहली तारीख।
- (त) मर्चेन्ट बैंकार द्वारा इस आशय की घोषणा कि संबंधित बाध्यताओं को पूरा करने के लिए हामीदारों (अंडरराइटर) के पास पर्याप्त संसाधन हैं, यदि ऐसा करना अपेक्षित हो।
- (थ) निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा यह कथन कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम से प्राप्त सभी धनराशियों को पृथक् देशी बैंक खाते में अंतरित किया जाएगा, बैंक का नाम और पता तथा उस खाते का स्वरूप और संख्या जिसमें राशि जमा की जाएगी।
- (द) प्रस्ताव-पत्र और फॉर्मों की उपलब्धता संबंधी ब्यौरे, अर्थात् तारीख, समय, स्थान आदि।
- (ध) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए राशि और भुगतान का माध्यम।
- (न) निवेशक शिकायत और निवारण प्रणाली के संबंध में प्रकटीकरण।

- (प) यह कि निर्गमकर्ता कंपनी यह वचन देती है कि भारतीय निक्षेपागार रसीदों के आवेदकों और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के धारकों की शिकायतों के संबंध में वह स्वयं को उन भारतीय न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के अधीन रखेगी जिनके क्षेत्राधिकार में वह स्थान आता है जहाँ संबंधित स्टॉक एक्सचेंज स्थित है।

### III. निर्गमकर्ता कंपनी की पूँजी संरचना :

- (क) प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और समादत्त पूँजी (लिखतों की संख्या, प्रकार, कुल अभिहित मूल्य)।  
 (ख) वर्तमान निर्गम का आकार (भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम को पृथक् करते हुए)  
 (ग) समादत्त पूँजी:  
 (1) निर्गम से पूर्व;  
 (2) निर्गम के पश्चात् (यदि भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम में नए इक्विटी शेयरों का निर्गम शामिल है); और  
 (3) शेयर प्रीमियम खाता (निर्गम से पूर्व और निर्गम के पश्चात्)।

### IV. वर्तमान निर्गम की शर्तें आदि:

- (क) निर्गम हेतु प्राधिकार, भुगतान की शर्तें और आवंटन तथा प्रमाणपत्र / धन-वापसी आदेश जारी करने के लिए प्रक्रिया तथा समय अनुसूची।  
 (ख) खंड "आवंटन पत्रों / धन-वापसी आदेशों के प्रेषण में विलंब होने पर ब्याज" प्रकट किया जाएगा।

### V. निर्गम के विवरण:

- (क) निर्गम के उद्देश्य।  
 (ख) परियोजना की लागत।  
 (ग) वित्तपोषण के साधन।

### VI. कंपनी, प्रबंध-मंडल और परियोजना :

- (क) कंपनी का इतिहास और वर्तमान कारोबार।  
 (ख) प्रस्ताव-पत्र में प्रकट किए गए प्रमुख शेयरधारकों के व्यौरे।  
 (ग) प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, और अन्य निदेशकों (नामिती-निदेशकों और पूर्णकालिक निदेशकों सहित) के नाम, पते और व्यवसाय (उपजीविका), अन्य कंपनियों में उनके निदेशक पदों का उल्लेख करते हुए।

### VII. चल रहे महत्वपूर्ण मुकदमे और चूक (संक्षिप्त सारणीबद्ध रूप में)

### VIII. महत्वपूर्ण घटना : अंतिम तुलन-पत्र की तारीख के पश्चात् कोई महत्वपूर्ण घटना और कंपनी के कार्यनिष्पादन तथा भविष्य पर इसका प्रभाव।

- IX. महत्वपूर्ण संविदाओं के निरीक्षण का समय और स्थान (महत्वपूर्ण संविदाओं की सूची अपेक्षित नहीं है)।  
 X. अंतिम पूर्ण लेखा वर्ष (जिसके लिए लेखापरीक्षा पूरी हो गई है) के अनुसार और सबसे अंत की बची हुई अवधि (स्टब पीरियड) (जिसके लिए लेखापरीक्षा / सीमित समीक्षा पूरी हो गई है) हेतु निर्गमकर्ता कंपनी का वित्तीय कार्य-निष्पादन।  
 XI. निवेशक शिकायत और निवारण प्रणाली संबंधी प्रकटीकरण।  
 XII. देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक तथा निक्षेपागार करार के संक्षिप्त व्यौरे।  
 XIII. प्रस्ताव-पत्र के हस्ताक्षरकर्ता।

**अनुसूची-IX – सार्वजनिक संसूचनाएँ और प्रचार सामग्री**  
**[विनियम 42, 83, 138, 199 एवं 264 देखें]**

- (1) किसी भी सार्वजनिक संसूचना, [जिसमें निर्गमकर्ता, उसकी सहयोगी कंपनी, या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) अथवा उनके सहयोगियों या निर्गम से संबंधित किसी अन्य मध्यवर्ती अथवा उनके सहयोगियों द्वारा जारी किए गए या बनाए गए विज्ञापन, प्रचार सामग्री तथा अनुसंधान रिपोर्टें (जिन्हें सार्वजनिक संसूचना कहा गया है) शामिल हैं] में केवल वही जानकारी शामिल होगी जो प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज/प्रस्ताव दस्तावेज में दी गई हो और जिसमें निम्नलिखित का पालन किया जाएगा :
- (क) यह सच्चा, निष्पक्ष होगी और यह छलसाधक या धोखा देने वाली या विकृत की हुई नहीं होगी और इसमें कोई ऐसा कथन, वादा या पूर्वानुमान शामिल नहीं होगा जो असत्य या भ्रामक हो;
- (ख) यदि यह, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव दस्तावेज में दी हुई किसी जानकारी को पुनः प्रस्तुत करती है या इसका तात्पर्य उसे पुनः प्रस्तुत किए जाने का है, तो यह ऐसी जानकारी को पूर्ण रूप में पुनः प्रस्तुत करेगी तथा समस्त सुसंगत तथ्यों को प्रकट करेगी न कि जानकारी से संबंधित चुनिंदा उद्धरणों तक ही सीमित रहेगी ;
- (ग) यह स्पष्ट, संक्षिप्त तथा समझनेयोग्य भाषा में दी जाएगी ;
- (घ) इसमें पहले ही से प्रयोग में लाए जा रहे या यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए गए निर्गमकर्ता के सामान्य वाणिज्यिक नाम या उसके उत्पादों के वाणिज्यिक ब्रांड नामों के सिवाय निर्गम संबंधी किन्हीं नारों या निर्गम हेतु ब्रांड नामों को शामिल नहीं किया जाएगा ;
- (ङ) इसमें नारे, निरर्थक बातें आदि या तथ्यों से परे और अपुष्टीकृत शीर्षक शामिल नहीं होंगे;
- (च) यदि इसमें वित्त-संबंधी कोई आँकड़ा पेश किया जाता है, तो राजस्व, शुद्ध लाभ, शेयर पूँजी, आरक्षितियों/अन्य इक्विटी (यथास्थिति), आमदनी प्रति शेयर, लाभों तथा बही मूल्यों से संबंधित विवरणों सहित पिछले तीन वर्षों के आँकड़े भी शामिल किए जाएँगे, जहाँ तक लागू हो;
- (छ) निर्गम संबंधी विज्ञापनों में तकनीकी, विधिक या जटिल भाषा और अत्यधिक व्यौरों का प्रयोग नहीं होगा जिनसे कि निवेशकों का ध्यान विचलित हो सकता हो ;
- (ज) निर्गम संबंधी विज्ञापनों में ऐसे कथन शामिल नहीं होंगे जो आमदनी (राजस्व) या लाभों में तीव्र बढ़ोतरी का वादा करते हों या गारंटी देते हों ;
- (झ) निर्गम संबंधी विज्ञापन में मॉडलों, जाने-माने व्यक्तियों, काल्पनिक पात्रों, ऐतिहासिक स्थानों (लैंडमार्क) या व्यंग्य-चित्र (केरिकचर) या इसी प्रकार का अन्य प्रदर्शन नहीं होगा ;
- (ञ) टेलीविजन पर दिए गए निर्गम संबंधी विज्ञापन टेलीविजन पर धीरे-धीरे खिसकने वाली पट्टियों (वे विज्ञापन जो टेलीविजन की स्क्रीन पर दिखाए जा रहे कार्यक्रम के साथ-साथ नीचे की तरफ बारीक पट्टी पर चलते रहते हैं) के रूप में नहीं आएँगे ;
- (ट) टेलीविजन पर दिए गए निर्गम संबंधी विज्ञापनों में दर्शकों को यह सलाह दी जाएगी कि जोखिम कारकों के लिए वे यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज देखें;
- (ठ) कोई विज्ञापन या अनुसंधान रिपोर्ट, जिसमें मुख्य बातें शामिल होती हैं, में पाठकों को यह सलाह दी जाएगी कि जोखिम कारकों और अन्य प्रकटीकरणों के संबंध में अधिक जानकारी के लिए वे यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज देखें, और यह जानकारी सात अंक (पॉइंट) से कम आकार में न हो ;
- (ड) सूचना पट्ट (बिलबोर्ड)/बैनर पर प्रदर्शित निर्गम संबंधी विज्ञापन में अनुसूची-X के भाग-घ में यथा-निर्धारित जानकारी शामिल होगी;
- (ढ) निर्गम संबंधी विज्ञापन, जिसमें अनुसूची-X में यथा-निर्धारित फॉर्मेटों में शामिल व्यौरों से भिन्न मुख्य बातें या जानकारी शामिल होती है, में दर्शकों को प्रमुखता से यह सलाह दी जाएगी कि अधिक जानकारी और जोखिम कारकों के लिए वे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज देखें ।
- (2) निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल की बैठक जिसमें सार्वजनिक निर्गम को अनुमोदित किया जाता है की तारीख से प्रारंभ होने वाली और बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किए जाने की तारीख तक की अवधि के दौरान मीडिया में जारी या प्रकाशित सभी सार्वजनिक संसूचनाएँ और प्रचार सामग्री इसकी पिछली पद्धतियों के अनुरूप होंगी:

परंतु यह कि जहाँ ऐसी सार्वजनिक संसूचना निर्गमकर्ता की पिछली पद्धतियों के अनुरूप नहीं है, तो वहाँ ऐसी सार्वजनिक संसूचना में यह प्रमुख रूप से प्रदर्शित या घोषित किया जाएगा कि निर्गमकर्ता निकट भविष्य में निर्धारित प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम लाने का प्रस्ताव कर रहा है और प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल करने की प्रक्रिया में है।

(3) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र को दाखिल किए जाने की तारीख से प्रारंभ होने वाली और निर्गम में प्रस्तावित प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख तक की अवधि के दौरान मीडिया में जारी या प्रकाशित सभी सार्वजनिक संसूचनाओं में, प्रमुख रूप से यह प्रकट किया जाएगा कि निर्गमकर्ता निर्धारित प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम लाने का प्रस्ताव कर रहा है और उसने यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र दाखिल कर दिया है अथवा प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव-पत्र दाखिल कर दिया है और जो बोर्ड, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) और स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर उपलब्ध है।

परंतु यह कि इस उप-विनियम की अपेक्षाएँ निर्गमकर्ता के उत्पाद (प्रोडक्ट) या सेवा संबंधी विज्ञापनों के मामले में लागू नहीं होंगी।

(4) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किए जाने की तारीख और निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख के बीच की अवधि के दौरान हुई ऐसी समस्त महत्वपूर्ण घटनाओं का जिनका निर्गमकर्ता पर उल्लेखनीय प्रभाव हो सकता हो तुरंत, सही और उचित प्रकटीकरण, उन सभी समाचारपत्रों में सार्वजनिक सूचनाएँ जारी करते हुए जिनमें निर्गमकर्ता ने इन विनियमों के लागू प्रावधानों के तहत निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी करेगा;

(5) निर्गमकर्ता, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी सम्मेलन के दौरान या किसी अन्य समय पर, ऐसी कोई सामग्री या सूचना जारी नहीं करेगा जो प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल न हो।

(6) निर्गम संबंधी सभी विज्ञापनों और सार्वजनिक संसूचनाओं के लिए, निर्गमकर्ता निर्गम का विपणन करने के लिए जिम्मेदार अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) से मंजूरी लेगा और निर्गम से संबंधित समस्त सामग्री की प्रतियाँ भी अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) को उपलब्ध कराएगा।

(7) निर्गमकर्ता या उसकी सहयोगी कंपनी (कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा परिभाषित), या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) या उसके (उनके) सहयोगियों (सहयुक्तों) [भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 में यथा परिभाषित] या निर्गम से जुड़े किसी अन्य मध्यवर्ती या उसके सहयोगियों (सहयुक्तों) [भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 में यथा परिभाषित] द्वारा जारी किए गए/बनाए गए/जारी करवाए गए किसी विज्ञापन या जारी की गई या अनुसंधान रिपोर्ट में निम्नलिखित का पालन किया जाएगा:

- क) यह सच्चा, निष्पक्ष होगा (होगी) और यह छलसाधक या धोखा देने वाला (वाली) या विकृत किया हुआ (की हुई) नहीं होगा (होगी) और इसमें ऐसा कोई कथन, वादा या पूर्वानुमान शामिल नहीं होगा जो असत्य या भ्रामक हो;
- ख) यदि यह, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव दस्तावेज में दी हुई किसी जानकारी को पुनः प्रस्तुत करता (करती) है या इसका तात्पर्य उसे पुनः प्रस्तुत किए जाने का है, तो यह ऐसी जानकारी को पूर्ण रूप में पुनः प्रस्तुत करेगा (करेगी) तथा समस्त सुसंगत तथ्यों को प्रकट करेगा (करेगी) न कि जानकारी से संबंधित चुनिंदा उद्धरणों तक ही सीमित रहेगा (रहेगी);
- ग) यह स्पष्ट, संक्षिप्त तथा समझनेयोग्य भाषा में दिया जाएगा (दी जाएगी);
- घ) इसमें पहले ही से प्रयोग में लाए जा रहे या यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए गए निर्गमकर्ता के सामान्य वाणिज्यिक नाम या उसके उत्पादों के वाणिज्यिक ब्रांड नामों के सिवाय निर्गम संबंधी किन्हीं नारों या निर्गम हेतु ब्रांड नामों को शामिल नहीं किया जाएगा;
- ङ) यदि इसमें वित्त-संबंधी कोई आँकड़ा पेश किया जाता है, तो बिक्री, सकल लाभ, शुद्ध लाभ, शेयर पूँजी, आरक्षितियों, आमदनी प्रति शेयर, लाभों तथा बही मूल्यों से संबंधित विवरणों सहित पिछले तीन वर्षों के आँकड़े भी शामिल किए जाएँगे, जहाँ तक लागू हो;
- च) किसी भी विज्ञापन में व्यापक तकनीकी, विधिक शब्दावली या जटिल भाषा और अत्यधिक व्यौरों का प्रयोग नहीं होगा जिनसे कि निवेशकों का ध्यान विचलित हो सकता हो;
- छ) किसी भी विज्ञापन में ऐसे कथन शामिल नहीं होंगे जो लाभों में तीव्र बढ़ोतरी का वादा करते हों या गारंटी देते हों;

- ज) निर्गम संबंधी विज्ञापन में मॉडलों, जाने-माने व्यक्तियों, काल्पनिक पात्रों, ऐतिहासिक स्थानों (लैंडमार्क) या व्यंग्य-चित्र (केरिकचर) या इसी प्रकार का अन्य प्रदर्शन नहीं होगा;
- झ) निर्गम संबंधी कोई भी विज्ञापन टेलीविजन पर धीरे-धीरे खिसकने वाली पट्टियों (वे विज्ञापन जो टेलीविजन की स्क्रीन पर दिखाए जा रहे कार्यक्रम के साथ-साथ नीचे की तरफ बारीक पट्टी पर चलते रहते हैं) के रूप में नहीं आएगा ;
- ञ) टेलीविजन पर दिए गए निर्गम संबंधी किसी भी विज्ञापन में जोखिम कारक टेलीविजन स्क्रीन पर धीरे-धीरे खिसकने वाली पट्टियों के रूप में या जल्दी-जल्दी प्रदर्शित नहीं किए जाएँगे और विज्ञापन में दर्शकों को यह सलाह दी जाएगी कि अधिक जानकारी के लिए वे यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव दस्तावेज, अथवा अन्य दस्तावेज, प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस या अन्य प्रस्ताव दस्तावेज देखें;
- ट) निर्गम संबंधी किसी भी विज्ञापन में नारे, निरर्थक बातें आदि या तथ्यों से परे और अपुष्टीकृत शीर्षक शामिल नहीं होंगे;
- ठ) यदि विज्ञापन या अनुसंधान रिपोर्ट में मुख्य-मुख्य बातें शामिल होती हों, तो यथास्थिति, विज्ञापन या अनुसंधान रिपोर्ट में, दर्शकों को प्रमुखता से यह सलाह दी जाएगी कि वे इन मुख्य-मुख्य बातों के संबंध में यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रारूप प्रस्ताव-पत्र या प्रस्ताव दस्तावेज देखें और इसमें जोखिम कारकों को भी सभी प्रकार से समान महत्व देते हुए शामिल किया जाएगा जिनमें प्रिंट का आकार भी शामिल है जो कि सात अंक (पाइंट) के आकार से कम का न हो;
- ड) सूचना पट्ट (बिलबोर्ड) पर प्रदर्शित निर्गम संबंधी विज्ञापन में अनुसूची-X के भाग-घ में यथा-निर्धारित जानकारी से भिन्न जानकारी शामिल नहीं होगी ;
- ढ) जिस निर्गम संबंधी विज्ञापन, में अनुसूची-X में यथा-निर्धारित फॉर्मेट में शामिल व्यौरों से भिन्न मुख्य बातें या जानकारी शामिल हों, उसमें दर्शकों को प्रमुखता से यह सलाह दी जाएगी कि अधिक जानकारी और जोखिम कारकों के लिए वे प्रस्ताव दस्तावेज देखें ।

(8) निर्गम के बारे में किसी भी सार्वजनिक जानकारी में निवेशकों को प्रोत्साहनों का कोई प्रस्ताव, चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी भी प्रकार से, चाहे नकद या वस्तु या सेवाओं या अन्यथा रूप में शामिल नहीं होगा ।

(9) निर्गमकर्ता के उत्पाद या सेवा से संबंधित किसी विज्ञापन में सार्वजनिक निर्गम को मंजूरी प्रदान करने वाले निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल के संकल्प की तारीख से प्रारंभ होने वाली और ऐसे निर्गम में प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख तक की अवधि के दौरान निर्गमकर्ता के कार्य-निष्पादन का कोई संदर्भ, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, शामिल नहीं होगा ।

(10) कोई जानकारी जो, यथास्थिति, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज में या अन्यथा प्रकट की गई जानकारी से संबंधित न हो, निर्गमकर्ता या निर्गम प्रबंधन-दल या सिंडिकेट के किसी सदस्य द्वारा निवेशकों के किसी विशिष्ट भाग को या किसी अनुसंधान विश्लेषक को, किसी भी प्रकार से चाहे जो भी हो [जिसमें सड़क प्रदर्शनों, प्रस्तुतियों (प्रेजेंटेशन) में, अनुसंधान या विक्रय रिपोर्टों में या बोली केंद्रों पर दी जाने वाली जानकारी शामिल है], नहीं दी जाएगी ।

(11) अग्रणी प्रबंधक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की अवधि के लिए, निम्नलिखित में से किसी भी मीडिया में आने वाली समाचार रिपोर्टों के संबंध में, अनुसूची-X में भाग-ड में निर्धारित फॉर्मेट में अनुपालना प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा (करेंगे) :

- क) इन विनियमों में उल्लिखित समाचारपत्र;
- ख) किसी मीडिया समूह द्वारा नियंत्रित प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जहाँ उस मीडिया समूह की निर्गमकर्ता या निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों के साथ निजी संधि या शेयरधारकों का करार हो।

**स्पष्टीकरण:** इस अनुसूची के प्रयोजनार्थ:

- (I) "सार्वजनिक संसूचना या प्रचार सामग्री" में निर्गमकर्ता के कंपनी (कारपोरेट), निर्गमकर्ता के निर्गम संबंधी विज्ञापन, उसके संप्रवर्तकों, निदेशकों, निर्गमकर्ता के सम्यक् रूप से प्राधिकृत कर्मचारियों या प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए साक्षात्कार, निर्गमकर्ता या उसके संप्रवर्तकों से संबंधित वृत्तचित्र, आवधिक रिपोर्टें तथा प्रेस प्रकाशनियाँ शामिल हैं ।
- (II) निर्गमकर्ता द्वारा जारी किए गए विज्ञापन को भ्रामक समझा जाएगा, यदि इसमें निम्नलिखित शामिल है :
- क) आवश्यक व्याख्यात्मक या विशेषक विवरणों के बिना निर्गमकर्ता के कार्य-निष्पादन या क्रियाकलापों के बारे में किए गए कथन, जो ऐसे कार्य-निष्पादन या क्रियाकलापों की तस्वीर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर सकते हों ।
- ख) पिछले कार्य-निष्पादन का गलत चित्रण या इस प्रकार से इसका चित्रण जिससे यह इशारा होता हो कि पिछले अभिलाभ या आय भविष्य में फिर से होंगे ।

अनुसूची-X - सार्वजनिक निर्गम के लिए विज्ञापनों का फॉर्मेट  
भाग-क - सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम-पूर्व विज्ञापन का फॉर्मेट  
[विनियम 43(2), 29(4), 127(4), 139(2), 189(4), 264(2) एवं 250(3) देखें]

यह विज्ञापन केवल जानकारी के लिए है और प्रॉस्पेक्टस की घोषणा नहीं है।

**एबीसी लि.(निर्गमकर्ता का नाम)**

(\_\_\_\_\_ अधिनियम के अधीन \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ के रूप में निगमित और उसके बाद \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ के रूप में पुनःनामित (केवल तब लागू है जब पिछले तीन वर्षों में निर्गमकर्ता का बदला गया हो, उस स्थिति को छोड़कर यदि कंपनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से बदलकर लिमिटेड कंपनी बन गई हो)।

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय: \_\_\_\_\_

दूरभाष सं. : \_\_\_\_\_

कारपोरेट कार्यालय: \_\_\_\_\_

दूरभाष सं. : \_\_\_\_\_ ई-मेल: \_\_\_\_\_ वेबसाइट: \_\_\_\_\_ सीआईएन: \_\_\_\_\_

**संप्रवर्तक**

[\_\_एक्सवाईजेड\_\_]

**निर्गम**

₹ \_\_\_\_\_ की कीमत पर ₹ \_\_\_\_\_ प्रत्येक की \_\_\_\_\_ (निर्धारित प्रतिभूतियों का स्वरूप) का सार्वजनिक निर्गम

(बही-निर्माण वाले निर्गमों के मामले में, आबंटन के व्यौरों के बारे में प्रकटीकरण निम्नलिखित रीति से दिए जाएंगे, प्रस्ताव आकार / शुद्ध आकार के प्रतिशत के रूप में:

अर्हित संस्थागत क्रेता (क्यूआईबी) श्रेणी : \_\_\_\_\_ %

खुदरा श्रेणी : \_\_\_\_\_ %

गैर-संस्थागत निवेशक श्रेणी : \_\_\_\_\_ %

आरक्षित श्रेणियाँ : \_\_\_\_\_ इक्विटी शेयर या \_\_\_\_\_ %

**प्रस्तावित सूचीबद्धता**

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम (स्टॉक एक्सचेंजों के दावात्याग खंड का संदर्भ, जैसा सूचीबद्धता संबंधी सैद्धांतिक मंजूरी में दिया गया है)

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड का दावात्याग खंड**

“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में केवल अपने अभिमत देता है और यह न तो निर्गम के लिए और न ही प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए मंजूरी देता है।”

**अग्रणी प्रबंधक**

नाम, पता, दूरभाष संख्याएँ, ई-मेल आईडी, वेबसाइट और संपर्क व्यक्ति

**निर्गमकर्ता का अनुपालना अधिकारी**

नाम, पता, दूरभाष संख्याएँ, ई-मेल आईडी, वेबसाइट

**साख निर्धारण** (यदि लागू हो)

**डिबेंचर न्यासी** (यदि लागू हो)

**आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) की ग्रेडिंग** (यदि ली गई हो)



**आवेदन फॉर्मों की उपलब्धता**

निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों), स्टॉक दलालों, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, निर्गम के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं तथा निक्षेपागार सहभागियों के नाम (पता वैकल्पिक), उस वेबसाइट लिंक के साथ जहाँ विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

**प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता**

निवेशकों को निर्गम में आवेदन करने से पहले प्रॉस्पेक्टस, और उसमें दिए हुए जोखिम कारकों पर विचार करने की सलाह दी जाती है। प्रॉस्पेक्टस की पूरी प्रति [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in) पर और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) / स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों [www. ....](http://www. ....) पर उपलब्ध है।

**निर्गम / बोली खुलने की तारीख :**

**निर्गम / बोली बंद होने की तारीख:**

**निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा**

₹ \_\_\_\_\_ की कुल नकदी हेतु (बही-निर्माण वाले निर्गम के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण) जिसमें अंकित मूल्य भी शामिल है (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, यथास्थिति, निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा)

**न्यूनतम लॉट आकार**

**छूट (यदि कोई हो)**

**निवेशकों को जोखिम**

(जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए) (उसी फॉण्ट आकार में जिसमें निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा दिया गया हो)

**निर्गम कीमत का आधार**

[मूल्य दायरे (प्राइस बैंड) के मामले में, प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गई निर्गम कीमत के अनुसार निम्नतम कीमत और अधिकतम कीमत के संबंध में सुसंगत वित्तीय अनुपात (प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए गए वित्तीय विवरणों के आधार पर)]

**निवेशक, कोई भी निवेश संबंधी निर्णय लेने से पहले प्रस्ताव दस्तावेज को ध्यान से पढ़ें, जिसमें प्रस्ताव दस्तावेज की पृष्ठ सं \_\_\_\_\_ पर दिए गए जोखिम कारक शामिल हैं।**

**निर्गमकर्ता के प्राधिकृत कार्मिक  
द्वारा जारी**

भाग-ख - सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम खुलने के विज्ञापन का फॉर्मेट  
**[विनियम 43(3), 200(1) एवं 264(3) देखें]**

यह विज्ञापन केवल जानकारी के लिए है और प्रॉस्पेक्टस की घोषणा नहीं है।

**एबीसी लि.(निर्गमकर्ता का नाम)**

( \_\_\_\_\_ अधिनियम के अधीन \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ के रूप में निगमित और उसके बाद \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ के रूप में पुनःनामित (केवल तब लागू है जब पिछले तीन वर्षों में निर्गमकर्ता का बदला गया हो, उस स्थिति को छोड़कर यदि कंपनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से बदलकर लिमिटेड कंपनी बन गई हो) ।

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय: \_\_\_\_\_

दूरभाष सं. : \_\_\_\_\_

कारपोरेट कार्यालय: \_\_\_\_\_

दूरभाष सं. : \_\_\_\_\_ ई-मेल: \_\_\_\_\_ वेबसाइट: \_\_\_\_\_ सीआईएन: \_\_\_\_\_

**संप्रवर्तक**

[\_\_एक्सवाईजेड\_\_]

**निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा**

₹\_\_\_\_\_ की कुल नकदी हेतु (बही-निर्माण वाले निर्गम के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण) जिसमें अंकित मूल्य भी शामिल है  
(बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, यथास्थिति, निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा)

**न्यूनतम लॉट आकार****छूट (यदि कोई हो)****निवेशकों को जोखिम**

(जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए) (उसी फॉण्ट आकार में जिसमें निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा दिया गया हो)

**निर्गम**

₹\_\_\_\_\_ की कीमत पर ₹\_\_\_\_\_ प्रत्येक की \_\_\_\_\_ (निर्धारित प्रतिभूतियों का स्वरूप) का सार्वजनिक निर्गम  
(बही-निर्माण वाले निर्गमों के मामले में, आबंटन के व्यौरों के बारे में प्रकटीकरण निम्नलिखित रीति से दिए जाएंगे, प्रस्ताव  
आकार / शुद्ध आकार के प्रतिशत के रूप में:

अर्हित संस्थागत क्रेता (क्यूआईबी) श्रेणी : \_\_\_\_\_%

खुदरा श्रेणी : \_\_\_\_\_%

गैर-संस्थागत निवेशक श्रेणी : \_\_\_\_\_%

आरक्षित श्रेणियाँ : \_\_\_\_\_ इक्विटी शेयर या \_\_\_\_\_%

**संप्रवर्तक**

[\_\_एक्सवाईजेड\_\_]

**प्रस्तावित सूचीबद्धता**

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम (स्टॉक एक्सचेंजों के दावात्याग खंड का संदर्भ, जैसा सूचीबद्धता संबंधी सैद्धांतिक मंजूरी में दिया गया है)

**भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड का दावात्याग खंड**

“भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में केवल अपने अभिमत देता है और यह न तो निर्गम के लिए और न ही प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए मंजूरी देता है।”

**अग्रणी प्रबंधक**

नाम, पता, दूरभाष संख्याएँ, ई-मेल आईडी, वेबसाइट और संपर्क व्यक्ति

**निर्गमकर्ता का अनुपालना अधिकारी**

नाम, पता, दूरभाष संख्याएँ, ई-मेल आईडी, वेबसाइट

**साख निर्धारण (यदि लागू हो)****डिबेंचर न्यासी (यदि लागू हो)****आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) की ग्रेडिंग (यदि ली गई हो)****आवेदन फॉर्मों की उपलब्धता**

निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), निर्गमन बैंककार, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, स्टॉक दलालों, निर्गम के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं तथा निक्षेपागार सहभागियों के नाम (पता वैकल्पिक), उस वेबसाइट लिंक के साथ जहाँ विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

**प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता**

निवेशकों को निर्गम में आवेदन करने से पहले प्रॉस्पेक्टस, और उसमें दिए हुए जोखिम कारकों पर विचार करने की सलाह दी जाती है। प्रॉस्पेक्टस की पूरी प्रति [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in) पर और निर्गमकर्ता / अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) / स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों [www. ....](http://www. ....) पर उपलब्ध है।

**निर्गम/बोली आज खुल रही है :**

**निर्गम/बोली बंद होने की तारीख :**

निवेशक, कोई भी निवेश संबंधी निर्णय लेने से पहले प्रस्ताव दस्तावेज को ध्यान से पढ़ें, जिसमें प्रस्ताव दस्तावेज की पृष्ठ सं \_\_\_\_\_ पर दिए गए जोखिम कारक शामिल हैं।

**निर्गमकर्ता के प्राधिकृत कार्मिक**

**द्वारा जारी**

भाग-ग - सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम बंद होने के विज्ञापन का फॉर्मेट  
[विनियम 43(3), 200(1) एवं 264(3) देखें]

यह विज्ञापन केवल जानकारी के लिए है और प्रॉस्पेक्टस की घोषणा नहीं है।

**एबीसी लि.(निर्गमकर्ता का नाम)**

( \_\_\_\_\_ अधिनियम के अधीन \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ के रूप में निगमित और उसके बाद \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ के रूप में पुनःनामित (केवल तब लागू है जब पिछले तीन वर्षों में निर्गमकर्ता का बदला गया हो, उस स्थिति को छोड़कर यदि कंपनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से बदलकर लिमिटेड कंपनी बन गई हो) ।

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय: \_\_\_\_\_

दूरभाष सं. : \_\_\_\_\_

कारपोरेट कार्यालय: \_\_\_\_\_

दूरभाष सं. : \_\_\_\_\_ ई-मेल: \_\_\_\_\_ वेबसाइट: \_\_\_\_\_ सीआईएन: \_\_\_\_\_

**संप्रवर्तक**

[\_\_एक्सवाईजेड\_\_]

**निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा**

₹ \_\_\_\_\_ की कुल नकदी हेतु (बही-निर्माण वाले निर्गम के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण) जिसमें अंकित मूल्य भी शामिल है (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, यथास्थिति, निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा)

**न्यूनतम लॉट आकार**

**छूट (यदि कोई हो)**

**निवेशकों को जोखिम**

(जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए) (उसी फॉण्ट आकार में जिसमें निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा दिया गया हो)

**निर्गम**

₹ \_\_\_\_\_ की कीमत पर ₹ \_\_\_\_\_ प्रत्येक की \_\_\_\_\_ (निर्धारित प्रतिभूतियों का स्वरूप) का सार्वजनिक निर्गम

(बही-निर्माण वाले निर्गमों के मामले में, आबंटन के व्यौरों के बारे में प्रकटीकरण निम्नलिखित रीति से दिए जाएंगे, प्रस्ताव आकार / शुद्ध आकार के प्रतिशत के रूप में:

अर्हित संस्थागत क्रेता (क्यूआईबी) श्रेणी : \_\_\_\_\_ %

खुदरा श्रेणी : \_\_\_\_\_ %

गैर-संस्थागत निवेशक श्रेणी : \_\_\_\_\_ %

आरक्षित श्रेणियाँ : \_\_\_\_\_ इक्विटी शेयर या \_\_\_\_\_ %

### संप्रवर्तक

[\_\_\_\_एक्सचेंज\_\_\_\_]

### प्रस्तावित सूचीबद्धता

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम (स्टॉक एक्सचेंजों के दावात्याग खंड का संदर्भ, जैसा सूचीबद्धता संबंधी सैद्धांतिक मंजूरी में दिया गया है)

### भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड का दावात्याग खंड

“भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में केवल अपने अभिमत देता है और यह न तो निर्गम के लिए और न ही प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए मंजूरी देता है।”

### अग्रणी प्रबंधक

नाम, पता, दूरभाष संख्याएँ, ई-मेल आईडी, वेबसाइट और संपर्क व्यक्ति

### निर्गमकर्ता का अनुपालना अधिकारी

नाम, पता, दूरभाष संख्याएँ, ई-मेल आईडी, वेबसाइट

साख निर्धारण (यदि लागू हो)

डिबेंचर न्यासी (यदि लागू हो)

आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) की ग्रेडिंग (यदि ली गई हो)

### आवेदन फॉर्मों की उपलब्धता

निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), निर्गमन बैंककार, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, स्टॉक दलालों, निर्गम के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं तथा निक्षेपागार सहभागियों के नाम (पता वैकल्पिक)।

### प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता

निवेशकों को निर्गम में आवेदन करने से पहले प्रॉस्पेक्टस, और उसमें दिए हुए जोखिम कारकों पर विचार करने की सलाह दी जाती है। प्रॉस्पेक्टस की पूरी प्रति [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in) पर और निर्गमकर्ता / अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) / स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइटों [www. ....](http://www. ....) पर उपलब्ध है।

### निर्गम / बोली आज बंद हो रही है

निवेशक, कोई भी निवेश संबंधी निर्णय लेने से पहले प्रस्ताव दस्तावेज को ध्यान से पढ़ें, जिसमें प्रस्ताव दस्तावेज की पृष्ठ सं \_\_\_\_\_ पर दिए गए जोखिम कारक शामिल हैं।

निर्गमकर्ता के प्राधिकृत कार्मिक

द्वारा जारी

भाग-घ - सूचना पट्टों (बिलबोर्ड) तथा बैनरों का फॉर्मेट  
[अनुसूची-IX]

यह विज्ञापन केवल जानकारी के लिए है और प्रॉस्पेक्टस की घोषणा नहीं है।

एबीसी लि. (निर्गमकर्ता का नाम)

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय: \_\_\_\_\_

कारपोरेट कार्यालय: \_\_\_\_\_

दूरभाष सं. : \_\_\_\_\_ ई-मेल: \_\_\_\_\_ वेबसाइट: \_\_\_\_\_ सीआईएन: \_\_\_\_\_

### निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा

₹ \_\_\_\_\_ की कुल नकदी हेतु (बही-निर्माण वाले निर्गम के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण) जिसमें अंकित मूल्य भी शामिल है (बही-निर्माण वाले निर्गम के मामले में, यथास्थिति, निम्नतम कीमत या मूल्य दायरा)

### निवेशकों को जोखिम

(जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए) (उसी फॉण्ट आकार में जिसमें निम्नतम कीमत / मूल्य दायरा दिया गया हो)

### संप्रवर्तक

[\_\_एक्सवाईजेड\_\_]

### प्रस्तावित सूचीबद्धता

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) तथा स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के दावात्याग खंड का संदर्भ

अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों), निर्गम रजिस्ट्रार का नाम, दूरभाष संख्याएँ और ई-मेल

साख निर्धारण और साख निर्धारण एजेंसी का नाम (यदि लागू हो)

डिबेंचर न्यासी का नाम और दूरभाष संख्या (यदि लागू हो)

आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) की ग्रेडिंग (यदि ली गई हो)

निर्गम / बोली खुलने की तारीख \_\_\_\_\_

निर्गम / बोली बंद होने की तारीख \_\_\_\_\_

**सूचना पट्ट (बिलबोर्ड) / बैनर में निम्नलिखित प्रकटीकरण इस प्रकार शामिल किए जाएंगे कि ये प्रकटीकरण स्पष्ट रूप से और सूचना पट्ट (बिलबोर्ड) / बैनर के कम से कम 10% भाग पर नज़र आएँ:**

निवेशक, कोई भी निवेश संबंधी निर्णय लेने से पहले प्रस्ताव दस्तावेज को ध्यान से पढ़ें, जिसमें प्रस्ताव दस्तावेज की पृष्ठ सं \_\_\_\_\_ पर दिए गए जोखिम कारक शामिल हैं।

**निर्गमकर्ता के प्राधिकृत कार्मिक**

**द्वारा जारी**

भाग-ड - समाचार रिपोर्टों के संबंध में अनुपालना प्रमाणपत्र

### [अनुसूची-IX देखें]

क्र. सं.	समाचारपत्र, संस्करण, तारीख	विषय-वस्तु	क्या समाचार रिपोर्टों की विषय-वस्तु विनियमों के अनुसरण में प्रस्ताव दस्तावेज या विज्ञापनों में दिए गए प्रकटीकरणों या स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी से समर्थित है	यदि हाँ, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की पृष्ठ संख्याएँ जहाँ प्रकटीकरण किए गए हैं	यदि नहीं, तो अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा की गई कार्रवाई
हाँ/नहीं					

**अनुसूची-XI - निगरानी करने वाली (मॉनिटरिंग) एजेंसी द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट का फॉर्मेट  
[विनियम 82(2) एवं 82(3) देखें]**

**मुख पृष्ठ:**

**निगरानी करनेवाली (मॉनिटरिंग) एजेंसी की रिपोर्ट**

निर्गमकर्ता (इश्युअर) का नाम:

\_\_\_\_\_ को समाप्त तिमाही के लिए

निगरानी करनेवाली (मॉनिटरिंग) एजेंसी का नाम :

(a) उद्देश्यों से विचलन (डीविएशन):

- उपयोग, प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित उद्देश्यों से भिन्न उद्देश्यों के लिए हुआ है किंतु यह उपयोग शेयरधारकों के संकल्प के माध्यम से उद्देश्यों के बदलाव हेतु दी गई मंजूरी के अनुरूप हुआ है;

या

- उपयोग न तो प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित उद्देश्यों के अनुरूप हुआ है और न ही इसके लिए शेयरधारकों के संकल्प के माध्यम से मंजूरी ली गई है
- यदि कोई विचलन न हुआ हो, तो उसका भी उल्लेख किया जाए।

(b) कितना विचलन हुआ :

यह दर्शाएँ कि उद्देश्यों हेतु निर्धारित निर्गम से आए पैसे में से कितने प्रतिशत का विचलन हुआ। उदाहरण के तौर पर 10% तक, 10 - 25%, 25 - 50%, 50 - 75%, 75 - 100%, सही-सही नहीं कहा जा सकता, आदि।

\* कितना विचलन हुआ, इसकी गणना - प्रत्येक उद्देश्य हेतु आबंटित निर्गम से आए पैसे (इश्यू प्रोसीड्स) के अनुपात में प्रत्येक उद्देश्य के वित्तीय विचलन (फाइनेंशियल डीविएशन) का भारित औसत (वेटेड एवरेज) निकाल कर की जाए। वित्तीय विचलनों से भिन्न विचलनों को अलग से टिप्पणियाँ देकर दर्शाया जाए।

**घोषणा :**

हम एतद्वारा यह घोषणा करते हैं कि यह रिपोर्ट भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 में निर्धारित फॉर्मेट पर आधारित है। हम यह भी घोषणा करते हैं कि इस रिपोर्ट में निर्गम से आए पैसों (निर्गम के आगमों / इश्यू प्रोसीड्स) के उपयोग का सही-सही विवरण प्रस्तुत किया गया है।

हम यह घोषणा करते हैं कि हमारा निर्गमकर्ता (इश्युअर) / संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) / निदेशकों (डायरेक्टर्स) / प्रबंध-मंडल (मैनेजमेंट) के साथ प्रत्यक्ष रूप से / अप्रत्यक्ष रूप से न तो कोई हित जुड़ा रहा है और न ही किसी भी प्रकार का कोई संबंध रहा है, और साथ ही हम इस बात की भी पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम से आए पैसों (निर्गम के आगमों / इश्यू प्रोसीड्स) के उपयोग का निगरानी (मॉनीटरिंग) तथा उसकी रिपोर्टिंग करते समय हमें ऐसे संबंध / हित में किसी भी प्रकार का कोई हित-विरोध नहीं जान पड़ता।

हस्ताक्षर :

प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और पदनाम :

प्राधिकृत व्यक्ति / हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकारी का पदनाम :

निगरानी करनेवाली (मॉनीटरिंग) एजेंसी की मुहर :

तारीख :

बाद वाले पृष्ठ :**1) निर्गमकर्ता (इश्युअर) के ब्यारे :**

निर्गमकर्ता का नाम :

निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) के नाम :

किस उद्योग (इंडस्ट्री) / क्षेत्र (सेक्टर) से जुड़ा है :

**2) निर्गम (इश्यू) के ब्यारे :**

निर्गम (इश्यू) की अवधि :

निर्गम का प्रकार [सार्वजनिक (पब्लिक) / साधिकार (राइट्स)]:

निर्धारित प्रतिभूतियों (सिक्कुरिटीज़) का प्रकार :

आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव की ग्रेडिंग, यदि कोई हो :

निर्गम का आकार (करोड़ ₹ में)

**3) निर्गम से आए पैसों (निर्गम के आगमों / इश्यू प्रोसीड्स) का निगरानी (मॉनीटरिंग) सुनिश्चित करने के लिए की गई व्यवस्था (किए गए इंतजाम) के ब्यारे :**

[प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित सभी उद्देश्यों के अलग-अलग विवरण निम्नलिखित फॉर्मेट में दें]

विवरण	उत्तर	निगरानी करनेवाली (मॉनीटरिंग) एजेंसी की टिप्पणियाँ	निदेशक मंडल की टिप्पणियाँ
क्या समस्त उपयोग प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में प्रकट किए गए तथ्यों (प्रकटीकरण / डिस्क्लोज़र) के अनुसार हैं ?	हाँ / नहीं		
क्या प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए गए खर्चों से बहुत अधिक विचलन (डीविएशन)# होने के मामले में शेयर धारकों की मंजूरी ली गई है ?	हाँ / नहीं		
निर्गम (इश्यू) के जो उद्देश्य प्रकट किए गए थे, क्या उनके वित्तपोषण (फाइनेंस) के साधन में बदलाव हुआ है ?	हाँ / नहीं		
क्या निगरानी करने वाली एजेंसी की पिछली रिपोर्टों की तुलना में कोई बड़ा विचलन देखने में आया ?	हाँ / नहीं		
क्या उद्देश्य (उद्देश्यों) के संबंध में सभी सरकारी / कानूनी मंजूरियाँ ली गई ?	हाँ / नहीं		
क्या तकनीकी सहायता / सहयोग के संबंध में सभी व्यवस्थाएँ (इंतजाम) की गई हैं ?	हाँ / नहीं		
क्या कोई ऐसी अनुकूल घटनाएँ रहीं जिनकी वजह से इस उद्देश्य (इन उद्देश्यों) को पूरा करने में सहायता मिली ?	हाँ / नहीं		
क्या कोई ऐसी प्रतिकूल घटनाएँ रहीं जिनकी वजह से इस उद्देश्य (इन उद्देश्यों) को पूरा करने में कठिनाई हुई ?	हाँ / नहीं		
कोई अन्य संबद्ध जानकारी जिससे निवेशकों का निर्णय प्रभावित हो सकता हो	हाँ / नहीं		

\* बहुत अधिक विचलन का यह अर्थ होगा :

- (a) जिन उद्देश्यों या प्रयोजनों हेतु पैसा (निधि / फंड) जुटाया गया हो, उन उद्देश्यों या प्रयोजनों में विचलन  
 (b) प्रस्ताव दस्तावेजों (ऑफर डॉक्यूमेंट्स) में जितनी अनुमानित रकम का उल्लेख किया गया था, उसकी तुलना में वास्तव में उपयोग किए गए पैसे (निधि / फंड) में 10% से अधिक का विचलन ।

4) उस उद्देश्य (उन उद्देश्यों) के विवरण जिसका (जिनका) निगरानी (मॉनीटरिंग) की गई :

(i) उद्देश्य (उद्देश्यों) की लागत -

[प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित सभी उद्देश्यों के अलग-अलग विवरण निम्नलिखित फॉर्मेट में दें]

क्र. सं.	मद	मूल लागत [प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के अनुसार]	संशोधित लागत	निगरानी करनेवाली (मॉनीटरिंग) एजेंसी की टिप्पणियाँ	निदेशक मंडल की टिप्पणियाँ		
					लागत में संशोधन का कारण	वित्तपोषण का प्रस्तावित विकल्प	किए गए पड़े इंतजामों (व्यवस्थाओं) के विवरण

(ii) उद्देश्य (उद्देश्यों) के संबंध में हुई प्रगति के विवरण -

[प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में उल्लिखित सभी उद्देश्यों के अलग-अलग विवरण निम्नलिखित फॉर्मेट में दें]

क्र. सं.	मद \$	प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) में प्रस्तावित रकम	कितनी रकम का उपयोग किया गया			कितनी रकम का उपयोग नहीं किया गया	निगरानी करनेवाली (मॉनीटरिंग) एजेंसी की टिप्पणियाँ	निदेशक मंडल की टिप्पणियाँ	
			तिमाही की शुरुआत में	तिमाही के दौरान	तिमाही के अंत में			पैसे (निधियों / फंड) का उपयोग न किए जाने का कारण	आगे क्या किए जाने का प्रस्ताव है

भेद के नीचे निम्नलिखित विवरण दें :

- (क) उद्देश्य का नाम (उद्देश्यों के नाम) :  
 (ख) उद्देश्य (उद्देश्यों) का संक्षिप्त विवरण :  
 (ग) उद्देश्य (उद्देश्यों) का स्थान (यदि लागू हो) :  
 (ii) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) से आए जिस पैसे (प्रोसीड्स) का उपयोग नहीं किया गया, वह पैसा कहाँ  
 लगाया गया:

क्र. सं.	उस लिखत (इंस्ट्रूमेंट) का प्रकार और एंटीटी का नाम, जिसमें निवेश किया गया	कितनी रकम का निवेश किया गया	परिपक्वता (मैच्यूरिटी) की तारीख	आमदनी	निवेश पर होने वाला मुनाफा (रिटर्न) [%]	तिमाही की समाप्ति पर बाजार मूल्य *



\* जहाँ बाजार मूल्य का पता न चल पा रहा हो, वहाँ उसके एनएवी / एनआरवी / बही मूल्य (बुक वैल्यू) का उल्लेख करें

(iii) उद्देश्य (उद्देश्यों) के पूरा होने में हुई देरी

उद्देश्य का नाम (उद्देश्यों के नाम)	पूरा होने की तारीख		देरी (कितने दिनों / महीनों की)	निदेशक मंडल की टिप्पणियाँ	
	प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) के अनुसार	वास्तविक*		देरी का कारण	आगे क्या किए जाने का प्रस्ताव है

\* यदि उद्देश्य (उद्देश्यों) को पूरा करने संबंधी कार्य अभी भी जारी हो, तो कृपया उसके पूरा होने की अनुमानित तारीख (नवीनतम / संशोधित) का उल्लेख करें।

### अनुसूची-XII – अनिवार्य संग्रहण केन्द्र

[विनियम 23(6), 69(6), 121(6), 184(6) एवं 245(6) देखें]

- (1) निर्गमकर्ता (इश्युअर) चार महानगरों - मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई में स्थित संग्रहण केन्द्र (केन्द्रों) को नामनिर्दिष्ट करेगा।
- (2) ऐसे सभी स्थान जहाँ मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज स्थित हैं।
- (3) इसके अतिरिक्त, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों की सभी नामनिर्दिष्ट शाखाएँ, जैसा ऐसे बैंकों और बोर्ड के वेबसाइटों पर प्रकट किया गया हो, अनिवार्य संग्रहण केन्द्र समझी जाएँगी।
- (4) निर्गमकर्ता अन्य संग्रहण केन्द्र नियत कर सकेगा जैसा वह ठीक समझे।

### अनुसूची-XIII - बही-निर्माण प्रक्रिया

[विनियम 28(2), 30(1)(ग), 32(2), 126(2), 128(1)(घ), 129(3), 188(2), 190(1)(ख), 250(2), 252(1)(ग) एवं 291(4) देखें]

#### भाग-क – बही-निर्माण प्रक्रिया

बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित प्रतिभूतियों के निर्गम का प्रस्ताव करनेवाला निर्गमकर्ता इस अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

#### (1) अग्रणी प्रबंधक

- (क) निर्गमकर्ता एक या अधिक मर्चेट बैंककार (बैंककारों) को अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के रूप में नियुक्त करेगा और उसका (उनके) नाम प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज (दस्तावेजों) में प्रकट किए जाएँगे।
- (ख) एक से अधिक अग्रणी प्रबंधक के मामले में, अनुसूची-I में यथानिर्धारित जिम्मेदारियों के परस्पर आबंटन में प्रत्येक अग्रणी प्रबंधक के अधिकार, बाध्यताएँ और जिम्मेदारियों का उल्लेख किया जाएगा।
- (ग) विभिन्न क्रियाकलापों में तालमेल बिठाने का कार्य एक से अधिक अग्रणी प्रबंधन को आबंटित किया जा सकेगा।

#### (2) सिंडिकेट सदस्य

निर्गमकर्ता सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) की नियुक्ति कर सकेगा।

#### (3) हामीदारी

- (क) अग्रणी प्रबंधक अनिवार्य रूप में निर्गम की हामीदारी करेगा (करेंगे) और सिंडिकेट सदस्य अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के साथ सह-हामीदार होगा (होंगे)।
- (ख) अग्रणी प्रबंधक / सिंडिकेट सदस्य प्रॉस्पेक्टस दाखिल किए जाने की तारीख से पहले हामीदारी / सह-हामीदारी करार करेगा (करेंगे)।
- (ग) जिन शेयरों की हामीदारी की गई हो उन शेयरों की वास्तविक संख्या दर्शाते हुए अंतिम हामीदारी इंतजाम के ब्यौरे कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर करने से पहले प्रकट किए जाएँगे और प्रॉस्पेक्टस में मुद्रित किए जाएँगे।

(घ) निर्गम में अल्प-अभिदान के मामले में, निर्गम के अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा कमी दूर की जाएगी और इसे **अनुसूची-1** में यथानिर्धारित जिम्मेदारियों के परस्पर आबंधन में शामिल किया जाएगा।

**(4) स्टॉक एक्सचेंजों के साथ करार**

- (क) निर्गमकर्ता एक या अधिक स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के साथ करार करेगा जिसके (जिनके) पास इलेक्ट्रॉनिक बिडिंग सिस्टम के जरिए बही-निर्माण की सुविधा हो।
- (ख) करारनामे में, अन्य बातों के साथ, निर्गमकर्ता और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के परस्पर अधिकार, कर्तव्य, दायित्व और बाध्यताएँ निर्धारित होंगी।
- (ग) करारनामे में निर्गमकर्ता और स्टॉक एक्सचेंज के बीच विवादों का निपटारा करने संबंधी व्यवस्था के संबंध में भी प्रावधान होगा।

**(5) बोली / संग्रहण केंद्रों के रूप में स्टॉक दलालों की नियुक्ति**

- (क) अग्रणी प्रबंधक / सिंडिकेट सदस्य बोलियों को स्वीकारने और निर्गमकर्ता को आदेश प्रस्तुत करने के प्रयोजन से उन स्टॉक दलालों की नियुक्ति करेगा (करेंगे), जो स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के सदस्य हैं और बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं, और यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि इस प्रकार नियुक्त किए गए स्टॉक दलाल उनके ग्राहकों / निवेशकों की चूकों, यदि कोई हो, से उद्भूत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय रूप से सक्षम हैं; परंतु यह कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉकड अमाउंट) के मामले में, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक, रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता, निष्पापागार सहभागी और स्टॉक दलाल भी ऐसी बोलियों को स्वीकारने के लिए और अपेक्षित व्यौरों को स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के इलेक्ट्रॉनिक बिडिंग सिस्टम में अपलोड करने के लिए प्राधिकृत होंगे।
- (ख) आवेदन और आवेदन धनराशि स्वीकार करने वाले स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों, रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं, निष्पापागार सहभागियों तथा स्टॉक दलालों को 'बोली / संग्रहण केंद्र' समझा जाएगा।
- (ग) निर्गमकर्ता उपरोक्त क्रियाकलापों में लिप्त भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्ती को उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए उचित कमीशन / फीस अदा करेगा। ये मध्यवर्ती अपनी सेवाओं के बदले में अपने ग्राहकों / निवेशकों पर कोई सेवा फीस नहीं लगाएंगे।
- (घ) स्टॉक एक्सचेंज यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई स्टॉक दलाल अपनी सेवाओं के बदले में अपने ग्राहक / निवेशकों पर सेवा फीस नहीं लगाता है।

**(6) प्रारूप प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट न की जाने वाली कीमत**

प्रारूप प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निर्गम का कुल आकार शामिल होगा जो या तो जुटाई जाने वाली कुल रकम के रूप में या निर्गमित की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या के रूप में व्यक्त किया जा सकेगा और उसमें निर्धारित प्रतिभूतियों की कीमत शामिल नहीं होगी।

यदि प्रस्ताव विक्रय के लिए प्रस्ताव और/या नया निर्गम हो, तो निर्गम के प्रत्येक घटक को या तो मूल्य में या निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या में व्यक्त किया जा सकेगा।

**(7) न्यूनतम कीमत (फ्लोर प्राइस) और मूल्य दायरा(प्राइस बैंड)**

इन विनियमों के लागू प्रावधानों और इस खंड के प्रावधानों के अध्यधीन, निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में न्यूनतम कीमत या कीमत दायरे का उल्लेख कर सकेगा।

- (क) जहाँ निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में कीमत दायरे या न्यूनतम कीमत को प्रकट न करने का विकल्प चुनता है, वहाँ प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित भी प्रकट किया जाएगा:

- (i) यह कथन कि यथास्थिति, न्यूनतम कीमत या मूल्य दायरा निर्गम के खुलने से कम से कम दो कार्य-दिवस (आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में) और कम से कम एक कार्य-दिवस (बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में) पहले प्रकट किया जाएगा ;

- (ii) यह कथन कि निवेशक द्वितीयक बाजार कीमतों को देख सकते हैं (बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में);
- (iii) उन समाचारपत्रों के नाम और अंक जिनमें न्यूनतम कीमत या मूल्य दायरे की घोषणा की जाएगी;
- (iv) उस वेबसाइट का पता जहाँ घोषणा की गई है।

(ख) जहाँ निर्गमकर्ता न्यूनतम कीमत के बजाय मूल्य दायरे का विकल्प चुनने का निर्णय लेता है, वहाँ निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों की भी अनुपालना सुनिश्चित करेगा :

- (i) मूल्य दायरे की उच्चतम सीमा दायरे के न्यूनतम के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, अर्थात् मूल्य दायरे की उच्चतम सीमा मूल्य दायरे के न्यूनतम के 120 प्रतिशत से कम या के बराबर होगी ;
- (ii) मूल्य दायरे को बोली लगाने की अवधि के दौरान संशोधित किया जा सकता है, बशर्ते कि दोनों तरह से अधिकतम संशोधन 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा अर्थात् मूल्य दायरे का न्यूनतम प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट मूल्य दायरे के न्यूनतम से 20 प्रतिशत की सीमा तक बढ़ या घट सकता है और संशोधित मूल्य दायरे के उच्चतम का निर्धारण उपर्युक्त खंड (i) के अनुसार नियत किया जाएगा;
- (iii) मूल्य दायरे में कोई संशोधन किए जाने पर उसे स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित करके, सार्वजनिक सूचना (पब्लिक नोटिस) जारी करके और संबद्ध वेबसाइट तथा सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के टर्मिनलों पर भी इस परिवर्तन को सूचित करके बड़े पैमाने पर प्रसारित किया जाएगा।
- (iv) यदि मूल्य दायरे में संशोधन किया जाता है, तो बोली अवधि को इन विनियमों के प्रावधानों के अनुसार बढ़ाया जाएगा।
- (v) प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस या सार्वजनिक सूचना (पब्लिक नोटिस) में वह तरीका प्रकट किया जाएगा, जिसमें मूल्य दायरे के कम हो जाने के कारण परियोजना के वित्तपोषण (प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग) में आई कमी, यदि कोई हो, को पूरा किया जाएगा, और यह भी प्रकट किया जाएगा कि आबंटन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक वित्तपोषण शर्तबद्ध (टाइड-अप) नहीं होता।

(8) आवेदन-सह-बोली फॉर्म तथा संशोधित आवेदन-सह-बोली फॉर्म (संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस के साथ) की रीति और विषय-वस्तु वैसी होगी जैसी बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए।

#### (9) निर्गम की अवधि को बढ़ाना

- (i) मूल्य दायरे में बदलाव के मामले में, निर्गमकर्ता (इश्युअर) प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गई बोली (निर्गम) की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ाएगा, बशर्ते कि बोली (निर्गम) की कुल अवधि दस कार्य-दिवसों से अधिक की न हो।
- (ii) अनिवार्य बाध्यता, बैंक हड़ताल या ऐसी ही परिस्थितियों में, निर्गमकर्ता, कारणों को लिखित में दर्ज करने के बाद, बोली / निर्गम की अवधि कम से कम तीन कार्य-दिवसों की अवधि के लिए बढ़ा सकेगा, बशर्ते कि बोली / निर्गम की कुल अवधि दस कार्य-दिवसों से अधिक की न हो।

#### (10) एंकर निवेशक

क) एंकर निवेशक बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से मुख्य (मेन) बोर्ड पर लाए गए सार्वजनिक निर्गम में कम से कम दस करोड़ रुपये के मूल्य हेतु आवेदन करेगा या इन विनियमों के **अध्याय-IX** के अनुसार एसएमई एक्सचेंज में लाए गए सार्वजनिक निर्गम के मामले में कम से कम दो करोड़ रुपये के मूल्य हेतु आवेदन करेगा।

ख) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटन के लिए उपलब्ध हिस्से के साठ प्रतिशत तक एंकर निवेशक (निवेशकों) के लिए विनियोजन / आबंटन ("एंकर विनिधानकर्ता हिस्सा") हेतु उपलब्ध होगा।

ग) एंकर निवेशकों को आबंटन वैवेकिक आधार पर किया जाएगा, जो निम्नलिखित के अध्वधीन होगा :

(I) बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से मुख्य (मेन) बोर्ड पर लाए गए सार्वजनिक निर्गम के मामले में :

- (i) ऐसे अधिकतम 2 निवेशकों को दस करोड़ रुपये तक के आबंटन की अनुमति दी जाएगी ;

- (ii) दस करोड़ रुपये से अधिक और दो सौ पचास करोड़ रुपये तक आबंटन के लिए न्यूनतम 2 और अधिकतम 15 ऐसे निवेशकों को, ऐसे प्रत्येक निवेशक के लिए पाँच करोड़ रुपये के न्यूनतम आबंटन के अध्यक्षीन, अनुमति दी जाएगी ;
- (iii) दो सौ पचास करोड़ रुपये से अधिक के आबंटन के मामले में; न्यूनतम 5 तथा अधिकतम 15 ऐसे निवेशकों को दो सौ पचास करोड़ रुपये तक के आबंटन के लिए और अतिरिक्त 10 ऐसे निवेशकों को प्रत्येक अतिरिक्त दो सौ पचास करोड़ रुपये या उसके भाग के लिए, ऐसे प्रत्येक निवेशक के लिए पाँच करोड़ रुपये के न्यूनतम आबंटन के अध्यक्षीन, अनुमति दी जाएगी ।
- (II) बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से एसएमई एक्सचेंज में लाए गए सार्वजनिक निर्गम के मामले में :
- (i) ऐसे अधिकतम 2 निवेशकों को दो करोड़ रुपये तक के आबंटन की अनुमति दी जाएगी ;
- (ii) दो करोड़ रुपये से अधिक और पच्चीस करोड़ रुपये से कम के आबंटन के लिए न्यूनतम 2 और अधिकतम 15 ऐसे निवेशकों को, ऐसे प्रत्येक निवेशक के लिए एक करोड़ रुपये के न्यूनतम आबंटन के अध्यक्षीन, अनुमति दी जाएगी ;
- (iii) पच्चीस करोड़ रुपये से अधिक के आबंटन के मामले में; न्यूनतम 5 ऐसे निवेशकों तथा अधिकतम 15 ऐसे निवेशकों को पच्चीस करोड़ रुपये तक के आबंटन के लिए और अतिरिक्त 10 ऐसे निवेशकों को प्रत्येक अतिरिक्त पच्चीस करोड़ रुपये या उसके भाग के लिए, ऐसे प्रत्येक निवेशक के लिए एक करोड़ रुपये के न्यूनतम आबंटन के अध्यक्षीन, अनुमति दी जाएगी ।
- घ) एंकर निवेशक हिस्से का एक तिहाई देशी पारस्परिक निधियों के लिए आरक्षित होगा ।
- ङ) एंकर निवेशकों के लिए बोली निर्गम खुलने की तारीख से एक दिन पहले खुलेगी ।
- च) एंकर निवेशक आवेदन पर उसी मार्जिन का भुगतान करेंगे जो निवेशकों की अन्य श्रेणियों द्वारा देय है और शेष, यदि कोई हो, का भुगतान निर्गम के बंद होने की तारीख से दो दिनों के भीतर किया जाएगा ।
- छ) एंकर निवेशकों को आबंटन एंकर निवेशकों द्वारा बोली लगाए जाने वाले दिन को पूरा किया जाएगा ।
- ज) यदि बही-निर्माण के परिणामस्वरूप निर्धारित कीमत उस कीमत से अधिक हो जिस पर एंकर निवेशकों को आबंटन किया गया है, तो एंकर निवेशक अतिरिक्त राशि अदा करेंगे । हालाँकि, यदि बही-निर्माण के परिणामस्वरूप निर्धारित कीमत उस कीमत से कम हो जिस पर एंकर निवेशकों को आबंटन किया गया है, तो एंकर निवेशकों को अधिक राशि वापस नहीं लौटाई जाएगी और एंकर निवेशक को उस कीमत पर प्रतिभूतियों का आबंटन किया जाएगा जिस कीमत पर उसे आबंटन किया गया था ।
- झ) एंकर निवेशकों को आबंटित शेयरों की संख्या और कीमत जिस पर आबंटन किया गया, को निर्गम खुलने से पहले अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के वेबसाइट के माध्यम से प्रसारित किया जा सके ।
- ञ) एंकर निवेशकों को आबंटित शेयरों पर आबंटन की तारीख से 30 दिनों की रुद्धता (लॉक इन) होगी ।
- ट) न तो (i) अग्रणी प्रबंधक या अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के कोई सहयोगी [अग्रणी प्रबंधकों की सहयोगी एंटीटियों द्वारा प्रायोजित पारस्परिक निधियों या अग्रणी प्रबंधकों की सहयोगी एंटीटियों द्वारा संप्रवर्तित बीमा कंपनियों या अग्रणी प्रबंधकों की सहयोगी एंटीटियों द्वारा प्रायोजित आनुकल्पिक निवेश निधियों या अग्रणी प्रबंधकों की सहयोगी एंटीटियों द्वारा प्रायोजित प्रवर्ग III से भिन्न विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को छोड़कर] और न ही (ii) संप्रवर्तक / संप्रवर्तक समूह से संबंधित कोई व्यक्ति एंकर निवेशक श्रेणी में आवेदन करेगा ।

**स्पष्टीकरण :** उपरोक्त खंड (ट) के प्रयोजनार्थ, अर्हित संस्थागत क्रेता, जिसे निम्नलिखित अधिकार प्राप्त हों, को निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक / संप्रवर्तक समूह से संबंधित कोई व्यक्ति समझा जाएगा:

- (I) शेयरधारकों के करार या निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों / संप्रवर्तक समूह के साथ किए गए मताधिकार करार के तहत अधिकार;
- (II) वीटो अधिकार; या

(III) निर्गमकर्ता के बोर्ड में कोई नामनिर्देशिती (नाँमिनी) निदेशक को नियुक्त करने का अधिकार ।

इसके अलावा, इस विनियम के प्रयोजनार्थ, एंकर निवेशक को "अग्रणी प्रबंधक का सहयोगी" समझा जाएगा, यदि : (i) उन दोनों में से कोई, प्रत्यक्ष रूप से या अपनी समनुषंगी अथवा नियंत्रि (होलिंग) कंपनी के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से, दूसरे में कम से कम पन्द्रह प्रतिशत मताधिकारों को नियंत्रित करता हो; या (ii) उन दोनों में से कोई, स्वयं अथवा अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, दूसरे पर नियंत्रण रखता हो; या (iii) एंकर निवेशक और अग्रणी प्रबंधक में साझा निदेशक हो, नामनिर्देशिती (नाँमिनी) निदेशक को छोड़कर ।

ठ) अर्हित संस्थागत क्रेता द्वारा एंकर निवेशक श्रेणी के तहत और गैर-एंकर निवेशक श्रेणी के तहत किए गए आवेदनों को बहु-आवेदन नहीं माना जाएगा ।

#### (11) मार्जिन राशि

(क) सभी आवेदकों द्वारा संपूर्ण आवेदन राशि मार्जिन राशि के रूप में अदा की जाएगी ।

(ख) बोली के किसी संशोधन से संलग्न भुगतान, मूल बोली या पिछली संशोधित बोली के समय किए गए भुगतान के प्रति समायोजित की जाएगी ।

#### (12) बोली प्रक्रिया

(क) बोली प्रक्रिया केवल स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा उपलब्ध कराई गई इलेक्ट्रॉनिक रूप से जुड़ी पारदर्शी बोली सुविधा के माध्यम से ही होगी ।

(ख) अग्रणी प्रबंधक समयबद्ध रीति में बोलियों के आँकड़ों की प्रविष्टि के लिए सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के पास पर्याप्त अवसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा (करेंगे) ।

(ग) प्रत्येक बोली केन्द्र में, बोली लगाए जाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिक रूप से जुड़ा कम से कम एक कंप्यूटर टर्मिनल उपलब्ध होगा ।

(घ) बोली के लिए जनता हेतु निर्गम के खुले रहने की अवधि के दौरान, आवेदक बोलियाँ लगाने हेतु स्टॉक एक्सचेंज/एक्सचेंजों के उन स्टॉक दलालों से संपर्क कर सकेंगे जिनके माध्यम से प्रतिभूतियों का प्रस्ताव, यथास्थिति, ऑनलाइन प्रणाली द्वारा या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक (बैंकों), रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं या निक्षेपगार सहभागियों के तहत किया जाता है ।

(ङ) प्रत्येक स्टॉक दलाल, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक, रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता तथा निक्षेपगार सहभागी निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों को स्वीकार करेगा ।

(च) अर्हित संस्थागत क्रेता अपनी बोलियाँ केवल उस स्टॉक दलाल (उन स्टॉक दलालों) के माध्यम से लगाएँगे जिनके पास बोलियों के पुनरीक्षण (वेट) का अधिकार होगा ;

(छ) बोली अवधि के प्रत्येक दिन की समाप्ति पर, माँग को सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) के बोली टर्मिनलों पर और स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर, जनता की जानकारी के लिए ग्राफ रूप में दर्शाया जाएगा (एंकर निवेशकों को किए गए आबंटन से संबंधित व्यौरे भी प्रकट किए जाएँगे) ।

(ज) छोटे व्यक्तिगत निवेशक निर्गम के बंद हो जाने तक या तो अपनी बोलियों को वापस ले सकेंगे या उन्हें संशोधित कर सकेंगे ।

(झ) अर्हित संस्थागत क्रेताओं और गैर-संस्थागत निवेशकों को निर्गम के किसी भी चरण में न तो अपनी बोलियों को वापस लेने और न ही उनके आकार को कम करने की अनुमति होगी ।

(ञ) निर्गमकर्ता निर्गम के बंद होने से एक दिन पूर्व अर्हित संस्थागत क्रेताओं द्वारा बोली बंद करने का निर्णय निम्नलिखित शर्तों के अधीन कर सकेगा :

(i) आवेदकों की सभी श्रेणियों के लिए बोली अवधि न्यूनतम तीन दिनों की होगी;

(ii) निर्गम के बंद होने से एक दिन पूर्व अर्हित संस्थागत क्रेताओं द्वारा बोली बंद करने के निर्गमकर्ता के आशय के संबंध में प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में आवश्यक प्रकटीकरण किए जाएँ।

(ट) बोली लगानेवाले अर्हित संस्थागत क्रेताओं के नाम सार्वजनिक नहीं किए जाएँगे।

(ठ) छोटे व्यक्तिगत निवेशक विशिष्ट बोली कीमत की बजाय "निर्धारित (कट-ऑफ)" कीमत पर बोली लगा सकेंगे।

(ड) स्टॉक एक्सचेंज निर्गम के बंद होने के बाद कम से कम तीन दिनों की अवधि के लिए अपनी वेबसाइट पर, बही-निर्माण से संबंधित आँकड़ों को एकसमान फॉर्मेट में प्रदर्शित करना जारी रखेंगे, *अन्य बातों के साथ-साथ*, प्राप्त बोलियों की श्रेणी के अनुसार ब्यौरा देते हुए। ऐसा प्रदर्शन इस अनुसूची के भाग ख में निर्धारित फॉर्मेट के अनुसार होगा।

### (13) कीमत अवधारणा

(क) निर्गमकर्ता अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) के परामर्श से, प्राप्त बोलियों के आधार पर अंतिम निर्गम कीमत का निर्धारण करेगा और निर्गम कीमत का निर्धारण हो जाने पर, प्रस्तावित की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या का या निर्गम आकार का निर्धारण किया जाएगा।

(ख) एक बार अंतिम निर्गम कीमत का निर्धारण हो जाने के बाद उन सभी बोलीदाताओं को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन किए जाने पर विचार किया जाएगा, जिनकी बोलियाँ अंतिम कीमत या उससे अधिक की हों।

### (14) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस का रजिस्ट्रीकरण

प्रॉस्पेक्टस, जिसमें निर्धारित प्रतिभूतियों की कीमत और संख्या शामिल होगी, की एक प्रति निर्गमकर्ता द्वारा कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत करवाई जाएगी।

### (15) आबंटन/विनियोजन का तरीका

(क) निर्गमकर्ता आबंटन केवल तभी करेगा जब न्यूनतम अभिदान प्राप्त हो चुका हो।

(ख) एंकर निवेशकों से भिन्न, अर्हित संस्थागत क्रेताओं और गैर-संस्थागत निवेशकों को आबंटन / विनियोजन इस अनुसूची में दिए गए दृष्टांत (उदाहरण) के अनुसार आनुपातिक आधार पर किया जाएगा। छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को आबंटन और कर्मचारियों को आबंटन इन विनियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

(ग) किसी श्रेणी में अल्प-अभिदान के मामले में, उस श्रेणी के अभिदत्त न हुए हिस्से को ऐसे बोली लगाने वालों को आबंटित किया जाएगा, जिनका उल्लेख प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में किया गया है;

**परंतु यह कि** यदि निर्गम इन विनियमों के विनियम 6 के उप-विनियम (2) के तहत लाया गया है, तो अर्हित संस्थागत क्रेताओं की श्रेणी का अभिदत्त न हुआ हिस्सा दूसरी श्रेणियों के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा।

### (16) रिकॉर्ड बनाए रखना

(क) आबंटन प्रक्रिया के परिणाम को दर्शानेवाली माँग की अंतिम बही को अग्रणी प्रबंधक तथा निर्गम रजिस्ट्रार द्वारा बनाए रखा जाएगा।

(ख) अग्रणी प्रबंधक और बही-निर्माण प्रक्रिया से जुड़े अन्य मध्यवर्ती बही-निर्माण कीमतों के रिकार्ड बनाए रखेगा / रखेंगे।

(ग) बोर्ड को बही-निर्माण प्रक्रिया से संबंधित रिकार्डों, बहियों और दस्तावेजों के निरीक्षण का अधिकार होगा और ऐसा व्यक्ति पूरा सहयोग देगा।

### (17) तीव्र-पथीय निर्गम (फास्ट ट्रेक इश्यू) लागू होना

जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, तीव्र-पथीय निर्गमों (फास्ट ट्रेक इश्यू) के संबंध में इस अनुसूची में "प्रारूप प्रॉस्पेक्टस" के संबंध में किए गए सभी संदर्भों को "प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस" के संबंध में किए गए समझा जाएगा।

**भाग-ख - स्टॉक एक्सचेंजों में प्रदर्शित किए जाने वाले बोली आँकड़ों का फॉर्मेट**  
**<निर्गमकर्ता का नाम> - बोली संबंधी ब्यौरे**

कुल माँग को सभी स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा हर घंटे जोड़ा जाएगा और अपनी वेबसाइटों पर प्रदर्शित किया जाएगा

(1) एंकर निवेशकों को किए गए आबंटन के ब्यौरे

क्र. सं.	एंकर निवेशक का नाम	एंकर निवेशक के हिस्से के तहत उपलब्ध प्रतिभूतियों की सं.	आबंटन के ब्यौरे	
			प्रतिभूतियों की सं.	एंकर निवेशक हिस्से के तहत प्रतिभूतियों के प्रतिशत के रूप में आबंटित प्रतिभूतियों की संख्या
	एआई 1 एआई 2			
	कुल (क) + (ख)			

(2) एंकर निवेशकों से भिन्न निवेशकों को विनियोजन के ब्यौरे

क्र. सं.	निवेशक की श्रेणी	प्रस्तावित / आरक्षित प्रतिभूतियों की सं.	उन प्रतिभूतियों की सं. जिनकी बोली लगाई गई /जिनका विनियोजन किया गया	श्रेणी के लिए रखी गई कुल प्रतिभूतियों का कितना गुना
1.	अर्हित संस्थागत क्रेता			
(क)	विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक			
	देशी वित्तीय संस्थाएँ (बैंक / वित्त संस्थान / बीमा कंपनियाँ, आदि)			
(ख)	पारस्परिक निधियाँ			
(ग)	अन्य			
2.	गैर संस्थागत निवेशक			
(क)	कारपोरेट			
(ख)	व्यक्ति (छोटे व्यक्तिगत निवेशकों से भिन्न)			
(ग)	अन्य			
3.	छोटे व्यक्तिगत निवेशक			
(क)	निर्धारित (कट ऑफ)			
(ख)	कीमत बोलियाँ			
4.	आरक्षण श्रेणियाँ, यदि कोई हों			
(क)	निर्धारित (कट ऑफ)			
(ख)	कीमत बोलियाँ			

**टिप्पणियाँ :**

- (1) ग्राफ का शीर्षक "प्राप्त बोलियों का ग्राफ रूप में प्रदर्शन" होना चाहिए।
- (2) इस आशय का कथन कि ऊपर सूचित स्थिति केवल बोलियों की स्थिति है और यह आवश्यक नहीं कि वे निर्गम के अभिदान की सूचना देती हों।
- (3) यह कथन कि आँकड़े और ग्राफ में एक से अधिक बोलियों की गणना कैसे की गई है।
- (4) हर बार अद्यतन किए जाने का समय।
- (5) अतिरिक्त टिप्पणियाँ, यदि कोई हों।

**भाग-ग - एंकर निवेशकों से भिन्न अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटन से संबंधित उदाहरण****(1) निर्गम के ब्यौरे**

क्र. सं.	विवरण	निर्गम संबंधी ब्यौरे
1	निर्गम का आकार	200 करोड़ इक्विटी शेयर
2	अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए उपलब्ध हिस्सा*	100 करोड़ इक्विटी शेयर
3	एंकर निवेशक का हिस्सा	60 करोड़ इक्विटी शेयर
	जिसमें से	
क.	पारस्परिक निधि को आरक्षण (एक-तिहाई)	20 करोड़ इक्विटी शेयर
ख.	सभी अर्हित संस्थागत क्रेताओं, जिनमें पारस्परिक निधियाँ शामिल हैं, के लिए शेष	40 करोड़ इक्विटी शेयर
4	एंकर निवेशकों से भिन्न अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए उपलब्ध हिस्सा* [(2) - (3)]	40 करोड़ इक्विटी शेयर
	जिसमें से	
क.	पारस्परिक निधि को आरक्षण (5 प्रतिशत)	2 करोड़ इक्विटी शेयर
ख.	सभी अर्हित संस्थागत क्रेताओं, जिनमें पारस्परिक निधियाँ शामिल हैं, के लिए शेष	38 करोड़ इक्विटी शेयर
5	अर्हित संस्थागत क्रेता आवेदकों की संख्या	10
6	उन शेयरों की संख्या, जिनके लिए आवेदन किया गया	500 करोड़ इक्विटी शेयर

\* जहाँ निर्गम के आकार के 50 प्रतिशत का आबंटन अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जाना अपेक्षित हो।

**(2) अर्हित संस्थागत क्रेता बोलियों के ब्यौरे**

क्र. सं.	अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाताओं (बोली लगाने वालों) का प्रकार	शेयरों की संख्या जिनके लिए बोली लगाई गई (करोड़ में)
1	ए1	50
2	ए2	20
3	ए3	130
4	ए4	50
5	ए5	50



6	एमएफ1	40
7	एमएफ2	40
8	एमएफ3	80
9	एमएफ4	20
10	एमएफ5	20
	कुल	500

ए1-ए5 : पारस्परिक निधियों से भिन्न अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाता (बोली लगाने वाले)

एमएफ1-एमएफ5: अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाता (बोली लगाने वाले) जो पारस्परिक निधियाँ हैं

**(3) अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाताओं (बोली लगाने वालों) / आवेदकों को आबंटन के ब्यौरे**

(इक्विटी शेयरों की सं. करोड़ में)

अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाताओं (बोली लगाने वालों) का प्रकार	इक्विटी शेयर जिनके लिए बोली लगाई गई	पारस्परिक निधियों को आनुपातिक रूप में 2 करोड़ इक्विटी शेयरों का आबंटन (टिप्पणी 2 देखें)	अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आनुपातिक रूप में शेष 38 करोड़ इक्विटी शेयरों का आबंटन (टिप्पणी 4 देखें)	पारस्परिक निधियों को कुल आबंटन
ए1	50	0	3.82	3.82
ए2	20	0	1.53	1.53
ए3	130	0	9.92	9.92
ए4	50	0	3.82	3.82
ए5	50	0	3.82	3.82
एमएफ1	40	0.4	3.02	3.42
एमएफ2	40	0.4	3.02	3.42
एमएफ3	80	0.8	6.04	6.84
एमएफ4	20	0.2	1.51	1.71
एमएफ5	20	0.2	1.51	1.71
	500	2.0	38.00	40.00

**टिप्पणियाँ :**

- (1) इस उदाहरण में यह माना गया है कि न्यूनतम आबंटन से संबंधित इन विनियमों के प्रावधानों का पालन किया गया है।
- (2) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित 40 करोड़ प्रतिभूतियों में से, 2 करोड़ इक्विटी शेयरों (अर्थात् 5 प्रतिशत) का आबंटन आनुपातिक आधार पर उन 5 पारस्परिक निधि आवेदकों के बीच किया जाएगा जिन्होंने अर्हित संस्थागत क्रेता श्रेणी के अंतर्गत 200 करोड़ शेयरों के लिए आवेदन किया।
- (3) शेष 38 करोड़ इक्विटी शेयरों, अर्थात् 40 - 2 (पारस्परिक निधियों के लिए उपलब्ध), का आबंटन आनुपातिक आधार पर उन 10 अर्हित संस्थागत क्रेता आवेदकों के बीच किया जाएगा जिन्होंने 500 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन किया (जिनमें वे 5 पारस्परिक निधि आवेदक शामिल हैं जिन्होंने 200 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन किया)।
- (4) कॉलम सं. IV के आँकड़े निम्नानुसार प्राप्त किए गए हैं :

- क. पारस्परिक निधियों से भिन्न अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए (ए1 से ए5) = बोली लगाए गए इक्विटी शेयरों की सं. (अर्थात् कॉलम सं. II) X 38 / 498
- ख. पारस्परिक निधियों के लिए (एमएफ1 से एमएफ5) = {(बोली लगाए गए इक्विटी शेयरों की संख्या (अर्थात् कॉलम II) में से आबंटित इक्विटी शेयरों की संख्या (अर्थात् कॉलम सं. III) घटाये} X 38 / 498
- ग. 10 अर्हित संस्थागत क्रेताओं को 38 करोड़ इक्विटी शेयरों के आबंटन का निर्धारण करने के लिए अंश (न्यूमेटर) और हर (डिनॉमिनेटर) में से 2 करोड़ इक्विटी शेयर घटा दिए गए हैं, जो कॉलम सं. III में पारस्परिक निधियों को पहले ही से आबंटित किए जा चुके हैं।

### भाग-घ - बही-निर्माण की वैकल्पिक पद्धति

बाद वाले सार्वजनिक प्रस्तावों के मामले में, निर्गमकर्ता, निम्नलिखित के अध्यक्षीन, बही-निर्माण की वैकल्पिक पद्धति का विकल्प चुन सकेगा :

- (क) निर्गमकर्ता इस अनुसूची के भाग-क में निर्धारित प्रक्रिया का अनुसरण करेगा, उसके खण्ड (13) तथा खण्ड (15) (ग) को छोड़कर।
- (ख) निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निम्नतम कीमत (फ्लोर प्राइस) का उल्लेख कर सकेगा या निर्गम खुलने से कम से कम एक कार्य-दिवस पहले निम्नतम कीमत की घोषणा उन सभी समाचारपत्रों में करेगा जिनमें निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी किया गया था।
- (ग) अर्हित संस्थागत क्रेता केवल निम्नतम कीमत से अधिक कीमत पर ही बोली लगाएँगे।
- (घ) जिस बोली लगाने वाले ने उच्चतम कीमत पर बोली लगाई है उसे उतनी संख्या में प्रतिभूतियाँ आबंटित की जाएँगी जितनी संख्या के लिए उसने बोली लगाई है और इस प्रकार जिस बोली लगाने वाले ने द्वितीय उच्चतम कीमत पर बोली लगाई हो उसे उतनी संख्या में प्रतिभूतियाँ आबंटित की जाएँगी जितनी संख्या के लिए उसने बोली लगाई है और इसी प्रकार आगे भी, जब तक प्रस्ताव संबंधी समस्त निर्धारित प्रतिभूतियाँ आबंटित न हो जाएँ।
- (ङ) आबंटन अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए कीमत प्राथमिकता आधार पर होगा।
- (च) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों, गैर-संस्थागत निवेशकों तथा निर्गमकर्ता की आरक्षित श्रेणियों को आबंटन इस अनुसूची में दिए गए उदाहरण के अनुसार आनुपातिक रूप से किया जाएगा।
- (छ) हालाँकि, जहाँ किसी कीमत पर बोली लगाई गई निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या उपलब्ध मात्रा से अधिक हो, तो वहाँ आबंटन आनुपातिक आधार पर किया जाएगा।
- (ज) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों और गैर-संस्थागत निवेशकों को निम्नतम कीमत पर निर्धारित प्रतिभूतियाँ आबंटित की जाएँगी।
- (झ) कर्मचारियों को निर्धारित प्रतिभूतियों का आबंटन निम्नतम कीमत से कम कीमत पर किया जा सकेगा;

**परंतु यह कि** निम्नतम कीमत और उस कीमत, जिस पर कर्मचारियों को निर्धारित प्रतिभूतियों का प्रस्ताव किया जाए, के बीच का अंतर निम्नतम कीमत के दस प्रतिशत से अधिक का नहीं होगा।

(ज) निर्गमकर्ता:

- या तो निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या या निर्गमकर्ता की निर्गमित पूँजी के प्रतिशत के हिसाब से वह सीमा लगाने का निर्णय ले सकेगा जिसे बोली लगाने वाले एक व्यक्ति को आबंटित किया जा सकेगा ;
- यह निर्णय कर सकेगा और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट कर सकेगा कि क्या बोली लगाने वाले व्यक्ति को कीमत और/या मात्रा के हिसाब से बोली को संशोधित करने (बढ़ाकर लगाने या कम करके लगाने) की अनुमति दी जाए ;
- यह निर्णय कर सकेगा और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट कर सकेगा कि क्या बोली लगाने वाले व्यक्ति को एक या अधिक बोलियाँ लगाने की अनुमति दी जाए।

अनुसूची-XIV - आबंटन की प्रक्रिया को स्पष्ट करने वाला उदाहरण

**[विनियम 47(3), 49(5), 145(5), 192(1)(a), 204(4), 267(3), 143(3) एवं 268(5) देखें]**

भाग-क - आबंटन की प्रक्रिया को स्पष्ट करने वाला उदाहरण

**उदाहरण क.**

- (1) ₹600 प्रति शेयर की दर से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या : 1 करोड़ निर्धारित प्रतिभूतियाँ ।
- (2) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी के लिए प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियाँ : 35 लाख निर्धारित प्रतिभूतियाँ ।
- (3) निर्गम में कुल 2.5 गुना अभिदान हुआ है जबकि छोटे व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी में 4 गुना अति-अभिदान हुआ है ।
- (4) निर्गमकर्ता ने न्यूनतम आवेदन / बोली आकार 20 निर्धारित प्रतिभूतियाँ (दस हजार रुपये से पन्द्रह हजार रुपये की सीमा के भीतर आने वाली) और उनके गुणकों में नियत किया है ।
- (5) दो लाख रुपये तक के अधिकतम आवेदन आकार के आधार पर, निर्गम में कुल एक लाख छोटे व्यक्तिगत निवेशकों ने, बोली लॉट (बिड लॉट) की भिन्न-भिन्न संख्या में अर्थात्, 1 - 16 बोली लॉट के बीच, आवेदन किया है ।
- (6) एक लाख निवेशकों में से, क, ख, ग, घ और ङ पाँच छोटे व्यक्तिगत निवेशक हैं जिन्होंने निम्नानुसार आवेदन किया है : क ने 320 निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है । ख ने 220 निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है । ग ने 120 निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है । घ ने 60 निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है और ङ ने 20 निर्धारित प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है ।
- (7) चूंकि, छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को आबंटन न्यूनतम बोली लॉट से कम नहीं हो सकता, इसलिए, शेयरों की उपलब्धता के अध्यधीन, शेष उपलब्ध शेयर, यदि कोई हों, आनुपातिक आधार पर आबंटित किए जाएँगे ।

वास्तविक हकदारी निम्नानुसार होगी :

क्र. सं.	निवेशक का नाम	निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या - जिनके लिए आवेदन किया गया	आबंटित किए जाने के लिए पात्र निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या
1	क	320	20 निर्धारित प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 38 निर्धारित प्रतिभूतियाँ $\{ [35,00,000 - (1,00,000 * 20)] / \{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} * 300$ (अर्थात् 320-20)
2	ख	220	20 निर्धारित प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 25 निर्धारित प्रतिभूतियाँ $\{ [35,00,000 - (1,00,000 * 20)] / \{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} * 200$ (अर्थात् 220-20)
3	ग	120	20 निर्धारित प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 13 निर्धारित प्रतिभूतियाँ $\{ [35,00,000 - (1,00,000 * 20)] / \{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} * 100$ (अर्थात् 120-20)
4	घ	60	20 निर्धारित प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 5 निर्धारित प्रतिभूतियाँ $\{ [35,00,000 - (1,00,000 * 20)] / \{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} * 40$ (अर्थात् 60-20)
5	ङ	20	20 निर्धारित प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट)

#### उदाहरण ख.

- (1) ₹600 प्रति शेयर की दर से प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या : 1 करोड़ निर्धारित प्रतिभूतियाँ ।
- (2) छोटे व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी के लिए प्रस्तावित निर्धारित प्रतिभूतियाँ : 35 लाख निर्धारित प्रतिभूतियाँ ।
- (3) निर्गम में कुल 7 गुना अभिदान हुआ है जबकि छोटे व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी में 9.37 गुना अति-अभिदान हुआ है ।
- (4) निर्गमकर्ता ने न्यूनतम आवेदन / बोली आकार 20 निर्धारित प्रतिभूतियाँ (दस हजार रुपये से पन्द्रह हजार रुपये की सीमा के भीतर आने वाली) और उनके गुणकों में नियत किया है ।
- (5) दो लाख रुपये तक के अधिकतम आवेदन आकार के आधार पर, निर्गम में कुल दो लाख छोटे व्यक्तिगत निवेशकों ने, बोली लॉट (बिड लॉट) की भिन्न-भिन्न संख्या में अर्थात्, 1 - 16 बोली लॉट के बीच, आवेदन किया है ।

(6) आबंटन प्रक्रिया के अनुसार, छोटे व्यक्तिगत निवेशकों को आबंटन न्यूनतम बोली लॉट से कम नहीं होगा, बशर्ते कि शेयर उपलब्ध हों।

(7) चूंकि छोटे व्यक्तिगत निवेशकों के लिए प्रस्तावित शेयरों की कुल संख्या 35,00,000 है और न्यूनतम बोली लॉट 20 शेयर है, उन निवेशकों की अधिकतम संख्या 1,75,000 होगी जिन्हें यह न्यूनतम बोली लॉट आबंटित किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में, 1,75,000 छोटे आवेदक न्यूनतम बोली लॉट प्राप्त करेंगे और शेष 25,000 छोटे आवेदकों को कोई आबंटन नहीं मिलेगा।

आबंटन के ब्यौरे निम्नानुसार होंगे :

लॉट की सं.	प्रत्येक लॉट में शेयरों की सं.	प्रत्येक लॉट में आवेदन करने वाले छोटे निवेशकों की सं.	शेयरों की कुल सं. - जिनके लिए प्रत्येक लॉट में आवेदन किया गया	उन निवेशकों की सं. जो न्यूनतम बोली-लॉट (बिड-लॉट) प्राप्त करेंगे (चयन लॉटरी के आधार पर किया जाना है)
क	ख	ग	घ=(ख*ग)	ङ
1	20	10,000	2,00,000	$8,750 = (1,75,000/2,00,000) * 10,000$
2	40	10,000	4,00,000	8,750
3	60	10,000	6,00,000	8,750
4	80	10,000	8,00,000	8,750
5	100	20,000	20,00,000	17,500
6	120	20,000	24,00,000	17,500
7	140	15,000	21,00,000	13,125
8	160	20,000	32,00,000	17,500
9	180	10,000	18,00,000	8,750
10	200	15,000	30,00,000	13,125
11	220	10,000	22,00,000	8,750
12	240	10,000	24,00,000	8,750
13	260	10,000	26,00,000	8,750
14	280	5,000	14,00,000	4,375
15	300	15,000	45,00,000	13,125
16	320	10,000	32,00,000	8,750
<b>कुल</b>		<b>2,00,000</b>	<b>328,00,000</b>	<b>1,75,000</b>

**टिप्पण :** भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आईडीआर) के लिए, न्यूनतम आवेदन आकार बीस हजार रुपये होगा।

**भाग-ख - न्यूनतम आवेदन आकार को स्पष्ट करने वाला उदाहरण**

न्यूनतम मूल्य के गुणकों में आवेदन आमंत्रित करने के लिए [जैसा विनियम 49 के उप-विनियम (2) में उल्लेख किया गया है] प्रक्रिया निम्नलिखित उदाहरण द्वारा स्पष्ट की गई है :

यह कल्पना करते हुए कि निर्गम ₹900 प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर लाया जा रहा है। इस मामले में, निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से 12 - 16 इक्विटी शेयरों की सीमा के भीतर न्यूनतम आवेदन लॉट का निर्धारण कर सकता है (मूल्य के लिहाज से ₹10,000 - ₹15,000 के बीच), जैसा यहाँ नीचे स्पष्ट किया गया है :

विकल्प	I	II	III	IV	V
लॉट का आकार - ₹ 900/- प्रति शेयर की दर पर	12 शेयर	13 शेयर	14 शेयर	15 शेयर	16 शेयर
1 लॉट के लिए आवेदन / बोली राशि	10800	11700	12600	13500	14400

2 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	21600	23400	25200	27000	28800
4 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	43200	46800	50400	54000	57600
8 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	86400	93600	100800	108000	115200
16 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	172800	187200	--	--	--
18 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	194400	--	--	--	--

ऊपर दिए गए विकल्प केवल उदाहरण के लिए ही हैं और पूर्ण नहीं हैं।

जहाँ निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से न्यूनतम आवेदन / बोली आकार को 14 (विकल्प III) पर नियत करने का निर्णय करता है, वहाँ प्रस्ताव दस्तावेज में इस आशय के आवश्यक प्रकटीकरण किए जाएँगे कि आवेदक 14 शेयरों तथा उनके गुणकों में आवेदन कर सकता है।

**अनुसूची-XV - ग्रीन शू विकल्प के लिए रिपोर्ट का फॉर्मेट  
[विनियम 57(10), 153(10) एवं 279(10) देखें]**

- (1) निर्गमकर्ता का नाम:
- (2) स्थिरीकरण (स्टेबलाइजिंग) एजेंट का नाम (मर्चेट बैंककार के रूप में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड से लिए गए रजिस्ट्रीकरण की सं.):
- (3) निर्गम का आकार (प्रतिभूतियों की सं.):
- (4) निर्गम खुलने की तारीख:
- (5) निर्गम बंद होने की तारीख:
- (6) निर्गम में अति-आबंटन (प्रतिशत):
- (7) व्यापार (ट्रेडिंग) आरंभ करने की तारीख:
- (8) "ग्रीन शू विकल्प बैंक खाते" में राशि (रुपये में):
- (9) संप्रवर्तक का नाम और उधार लिए गए शेयरों की संख्या:
- (10) वह तारीख जब स्थिरीकरण अवधि समाप्त होती है:
- (11) स्थिरीकरण अवधि के दौरान लाए गए शेयरों की संख्या:
- (12) निर्गमकर्ता ने किस तारीख को कमी पूरी करने के लिए अतिरिक्त शेयर आबंटित किए:
- (13) किस तारीख को ग्रीन शू विकल्प गैर-कागजी खाते में रखे गए शेयर संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) को लौटाए गए:
- (14) किस तारीख को ग्रीन शू विकल्प बैंक खाते में रखी गई धनराशि निर्गमकर्ता को प्रेषित की गई:
- (15) निक्षेपागार खाते (ग्रीन शू विकल्प के लिए विशेष खाता) जहाँ बाजार से खरीदे गए शेयर रखे गए हैं, के अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित ब्यौरे:
  - (क) निक्षेपागार सहभागी
  - (ख) खाता सं.
  - (ग) खरीदे गए शेयरों की संख्या, तारीख के अनुसार।
  - (घ) निकाले गए शेयरों की संख्या, तारीख के अनुसार।
- (16) बोर्ड द्वारा स्थापित विनिधानकर्ता संरक्षण एवं शिक्षण निधि में अंतरित रकम के ब्यौरे:
 

राशि (रुपये में)	चेक/ भुगतान आदेश के ब्यौरे
------------------	----------------------------

**स्थान :**

**स्थिरीकरण एजेंट (आधिकारिक मुहर सहित)**

**तारीख :**

अनुसूची-XVI - प्रस्ताव दस्तावेज में किए जाने वाले ऐसे परिवर्तनों का स्वरूप, जिनके होने पर अद्यतन किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना अपेक्षित हो

**[विनियम 25(6), 71(6), 123(6) एवं 186(5) देखें]**

**(1) परिवर्तन जिनसे बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को नये सिरे से, फीस के साथ दाखिल करना अपेक्षित है :**

यदि प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित में से किसी की बाबत परिवर्तन किए जाते हैं, तो निर्गमकर्ता इन विनियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार बोर्ड के पास अनुसूची-IV में यथा-निर्धारित फीस के साथ नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा:

(क) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक में परिवर्तन ।

(ख) निर्गमकर्ता के आधे से अधिक निदेशक-मंडल में परिवर्तन ।

(ग) निर्गमकर्ता के मुख्य उद्देश्य खंड में परिवर्तन ।

(घ) निर्गम के उद्देश्यों में कोई वृद्धि जिसके परिणामस्वरूप निर्गम के अनुमानित आकार या वित्त के अनुमानित साधनों में बीस प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो ।

(ङ) यदि ऐसा विश्वास करने के आधार हैं कि उद्देश्य में कमी करने के कारण जोखिम बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप निर्गम के आकार में बीस प्रतिशत से अधिक तक की कमी आ जाती हो ।

(च) अनुमानित निर्गम आकार में बीस प्रतिशत से अधिक कोई वृद्धि या कमी ।

(छ) निर्गम के किन्हीं उद्देश्यों में अनुमानित अभिनियोजन में बीस प्रतिशत से अधिक कोई वृद्धि ।

परिवर्तन जिनके परिणामस्वरूप भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 के प्रावधानों का पालन नहीं हो सकता हो और अग्रणी प्रबंधक या निर्गमकर्ता उक्त विनियमों के विनियम 303 के तहत शिथिलीकरण माँगने का आशय नहीं रखता हो (रखते हों) ।

**(2) परिवर्तन जिनसे बोर्ड के पास फीस के साथ अद्यतन किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना अपेक्षित है :**

(क) यदि प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित में से किसी की बाबत परिवर्तन किए जाते हैं, तो निर्गमकर्ता बोर्ड के पास अनुसूची-IV में यथा-निर्धारित फीस के साथ अद्यतन किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा :

(i) **खंड 1 : जोखिम कारक:** कोई महत्वपूर्ण घटना जिसका परिणाम संभावित जोखिम के रूप में हो और जिसे इस खंड में अद्यतन किया जाना अपेक्षित हो।

(ii) **खंड 2 : पूँजी संरचना:** संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह की शेयरधारिता में 5 प्रतिशत या अधिक की कुल वृद्धि या शीर्ष के दस शेयरधारकों की शेयरधारिताओं में 5 प्रतिशत या अधिक की कुल वृद्धि ।

(iii) **खंड 3 : निर्गम का आकार :** निर्गम के उद्देश्यों में कोई वृद्धि या कमी जिसके परिणामस्वरूप निर्गम के अनुमानित आकार या वित्त के अनुमानित साधनों में 10 प्रतिशत से अधिक और 20 प्रतिशत से कम का परिवर्तन हो ।

(iv) **खंड 4 : प्रबंधन:** किसी नए निदेशक की नियुक्ति ।

(v) **खंड 5 : संप्रवर्तक समूह:** संप्रवर्तक समूह और समूह कंपनियों में कोई वृद्धि ।

(vi) **खंड 6 : वित्तीय विवरण:** प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में शामिल किए गए अंतिम अद्यतन किए गए वित्तीय विवरणों से कर के बाद शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि और / या असाधारण मदों में 10 प्रतिशत के अधिक का अंतर ।

(vii) **खंड 7 : कानूनी (विधिक) और अन्य जानकारी :** कोई नया मुकदमा या लंबित मुकदमे के बारे में कोई घटना, जो अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा महत्वपूर्ण समझी जाए ।

(ख) बोर्ड के पास अद्यतन किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने के पश्चात्, निर्गमकर्ता बोर्ड से इस आशय का पुष्टिकरण प्राप्त करने के पश्चात् निर्गम संबंधी कार्यवाही कर सकेगा ।

## (3) परिवर्तन जिनसे बोर्ड के पास अद्यतन किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज, फीस के बिना, दाखिल करना अपेक्षित है:

प्रस्ताव दस्तावेज में किए जाने वाले अन्य सभी परिवर्तनों या अद्यतनीकरणों को, जो उपर्युक्त पैरा (1) और (2) के अंतर्गत नहीं आते हैं, प्रस्ताव दस्तावेज में किया जाएगा और अद्यतन किया हुआ प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास बिना किसी फीस के दाखिल किया जाएगा।

अनुसूची-XVII - निर्गम-पश्चात् रिपोर्टों का फार्मेट  
भाग-क - सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम-पश्चात् अंतिम रिपोर्ट का फार्मेट  
[विनियम 55, 151, 210 एवं 273 देखें]

अभिदान की स्थिति: (अभिदत्त / अल्प-अभिदत्त)

## टिप्पण:

अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से सत्यापन करने के पश्चात् सही जानकारी देगा (देंगे)।

## (1) अभिदत्त निर्गम के मामले में :

- (1) निर्गमकर्ता का नाम :
- (2) निर्गम खुलने की तारीख :
- (3) बंद होने की वास्तविक तारीख:
- (4) निर्गम संबंधी ब्यौरे (प्रॉस्पेक्टस के अनुसार) :
  - (क) निर्धारित प्रतिभूतियों का स्वरूप (इक्विटी शेयर/पूर्णतः :  
संपरिवर्तनीय डिबेंचर/अंशतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर,  
आदि)
  - (ख) प्रति लिखत प्रस्ताव कीमत :
  - (ग) आवेदन पर प्रति लिखत राशि :
  - (घ) निर्गम का आकार (लाख ₹ में) :
- (5) संग्रहकर्ता बैंकों की संख्या :  
(बैंक शाखाओं की संख्या का भी उल्लेख करें)
- (6) उन शाखाओं के बैंक-वार नाम जिन्होंने निर्गम के बंद होने की तारीख को अंतिम समेकित प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया और उस तारीख का उल्लेख करें जब उन्होंने वास्तव में अंतिम समेकित प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया :
- (7) अभिदान संबंधी ब्यौरे:
  - (क) सार्वजनिक प्रस्ताव (शुद्ध) (जिसमें आरक्षित श्रेणी का अनभिदत्त हिस्सा शामिल है जिसे शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव में वापस जोड़ा गया)
    - (i) प्राप्त आवेदनों की संख्या :
    - (ii) कितने लिखतों के लिए आवेदन किए गए :
    - (iii) प्राप्त अभिदान की राशि (लाख ₹ में) :
    - (iv) निर्गम कितना गुना अभिदत्त हुआ :

(ख) आरक्षित श्रेणियों से संबंधित जानकारी

आरक्षण	आवेदकों की सं.	लिखतों की सं.	राशि
कर्मचारी			
अन्य			

(उल्लेख करें)

- (8) आबंटन के आधार को अंतिम रूप देने की वास्तविक तारीख (आबंटन के आधार से संबंधित प्रति संलग्न करें) :
- (9) आबंटन संबंधी व्यौरा:
- (क) सफल आबंटितियों की संख्या प्रति 1 लाख शेयर :
- (ख) असफल आबंटितियों की सं. :
- (1) निम्नलिखित से संबंधित जानकारी:
- (क) निरुद्धता हटाए जाने संबंधी अनुदेशों की तारीख :
- (ख) प्रमाणपत्र / आबंटन पत्रों की तारीख :
- (ग) देरी के कारण, यदि कोई हों :
- (2) धन-वापसी (रिफंड) किए जाने के लिए बकाया रकम :
- (3) धन-वापसी (रिफंड) करने वाले बैंककार का नाम और पता:
- (4) धन-वापसी (रिफंड) करने वाले बैंककार को धन-वापसी (रिफंड) संबंधी रकम अंतरित किए जाने की तारीख, यदि कोई हो
- (5) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज का नाम :
- (6) उन अन्य स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ सूचीबद्धता की माँग की गई :
- (7) सूचीबद्धता के लिए प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के पास आवेदन दाखिल करने की तारीख :
- (8) प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्धता और व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी अनुमति दिए जाने की तारीख (स्टॉक एक्सचेंजों के अनुमति-पत्रों की प्रतियाँ संलग्न करें) :
- (9) सूचीबद्धता में देरी होने के कारण, यदि कोई हो :
- (II) **अल्प-अभिदत्त निर्गम के मामले में :**
- (1) यदि निर्गम में हामीदारी की गई हो, तो कितनी रकम की हामीदारी की गई है:
- (2) निर्गम के बंद होने की तारीख को अल्प-अभिदान कितना था
- (क) प्रतिशत
- (ख) राशि
- (3) हामीदारों की कुल संख्या :
- (4) यदि न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) की सूचनाएँ जारी नहीं की गई, तो कमी को कैसे पूरा किया गया:
- (5) उन हामीदारों की संख्या जिन्हें न्यागमन सूचनाएँ जारी की गई :
- (6) न्यागमन सूचनाएँ जारी करने की तारीख :
- (7) हामीदारों की संख्या जिन्होंने न्यागमन अदा नहीं किया (नाम, हामीदारी की राशि और अदा न किए जाने के कारण) :
- (8) हामीदारों द्वारा चूक किए जाने की दशा में, कमी कैसे पूरी की गई :
- (9) यदि अर्हित संस्थागत क्रेताओं ने कमी को पूरा किया, लेकिन हामीदार के तौर पर नहीं:
- (क) अर्हित संस्थागत क्रेताओं के नाम :
- (ख) कितनी प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया गया :
- (ग) प्राप्त राशि :



प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर और संलग्नकों में भी दी गई जानकारी हमारी सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार सत्य है और निरुद्धता हटाए जाने या डीमैट खाते में शेयर अंतरित किए जाने संबंधी कोई कार्य लंबित नहीं है।

प्रमाणित किया जाता है कि रुद्ध की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में शब्द "..... तक निर्धारित प्रतिभूतियों को बंधक नहीं रखा जा सकता / अंतरित नहीं किया जा सकता / बेचा नहीं जा सकता" विधिवत् रूप से लिखे गए हैं या इस संबंध में निक्षेपागारों को आवश्यक अनुदेश दे दिए गए हैं।

निर्गम रजिस्ट्रार द्वारा हस्ताक्षरित	निर्गमकर्ता द्वारा	अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा
	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित

स्थान:

तारीख:

### भाग-ख - साधिकार निर्गम के लिए निर्गम-पश्चात् आरंभिक रिपोर्ट का फार्मेट

#### [विनियम 96(क) देखें]

#### अभिदान की स्थिति: (अभिदत्त / अल्प-अभिदत्त)

**टिप्पण:** अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से सत्यापन करने के पश्चात् सही जानकारी देगा (देंगे)।

- (1) निर्गमकर्ता का नाम :
- (2) निर्गम खुलने की तारीख :
- (3) बंद होने की वास्तविक तारीख:
- (4) स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव-पत्र दाखिल करने की तारीख:
- (5) **निर्गम संबंधी ब्यौरे (प्रस्ताव पत्र के अनुसार):**
  - (क) प्रस्ताव का आधार (अनुपात):
  - (ख) निर्धारित प्रतिभूतियों का स्वरूप (इक्विटी शेयर/पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर/अंशतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर, आदि)
  - (ग) प्रति लिखत प्रस्ताव कीमत:
  - (घ) आवेदन पर प्रति लिखत राशि:
  - (ङ) निर्गम का आकार (लाख ₹ में)
- (6) रिकॉर्ड तिथि :
- (7) निर्गम के अनंतिम अभिदान संबंधी ब्यौरे :
  - (क) आवेदन के संबंध में एकत्र की जाने वाली कुल राशि : (लाख ` में)
  - (ख) आवेदन के संबंध में वास्तव में एकत्र की गई राशि : (लाख ` में)
  - (ग) अभिदान का प्रतिशत, अर्थात् (ii) का (i) से प्रतिशत :
  - (घ) क्या कम से कम 90 प्रतिशत का अभिदान एकत्र : हाँ / नहीं किया गया

निर्गम रजिस्ट्रार द्वारा हस्ताक्षरित	निर्गमकर्ता द्वारा	अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा
	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित

स्थान:

तारीख:

भाग-ग - साधिकार निर्गम के लिए निर्गम-पश्चात् अंतिम रिपोर्ट का फार्मेट  
[विनियम 96(ख) देखें]

**अभिदान की स्थिति: (अभिदत्त / अल्प-अभिदत्त)**

**टिप्पण:**

अग्रणी प्रबंधक निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से सत्यापन करने के पश्चात् सही जानकारी देगा (देंगे)।

(क) **अभिदत्त निर्गम के मामले में :**

- (1) निर्गमकर्ता का नाम
- (2) निर्गम खुलने की तारीख
- (3) निर्गम बंद होने की वास्तविक तारीख
- (4) निर्गम संबंधी ब्यौरे (प्रस्ताव-पत्र के अनुसार)
  - (क) प्रस्ताव का आधार
  - (ख) लिखत का स्वरूप
  - (ग) प्रति लिखत प्रस्ताव कीमत
  - (घ) आवेदन पर प्रति लिखत राशि
  - (ङ) निर्गम का आकार (लाख ₹ में)
- (5) 3-दिवसीय रिपोर्ट
  - (क) किस तारीख को देय
  - (ख) किस तारीख को प्रस्तुत
- (6) संग्रहकर्ता बैंकों की संख्या (बैंक शाखाओं की संख्या का भी उल्लेख करें)
- (7) उन शाखाओं के बैंक-वार नाम जिन्होंने निर्गम के बंद होने की तारीख को अंतिम समेकित प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया और उस तारीख का उल्लेख करें जब उन्होंने वास्तव में अंतिम समेकित प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया
- (8) अभिदान के ब्यौरे
  - क) निम्नलिखित द्वारा लिए गए साधिकार निर्गम का प्रतिशत
    - (i) संप्रवर्तक
    - (ii) अन्य शेयरधारक
  - ख) निम्नलिखित द्वारा त्यागे गए साधिकार निर्गम का प्रतिशत
    - (i) संप्रवर्तक
    - (ii) अन्य शेयरधारक
  - ग) शेयरधारकों द्वारा लिए गए / त्याग किए गए साधिकार निर्गम का प्रतिशत

घ) बोर्ड के निर्णय पर उपयुक्त आबंटन के लिए साधिकार निर्गम का प्रतिशत

ड) उपर्युक्त अनुसार अनभिदत्त हिस्से में से निम्नलिखित द्वारा लिए गए

(i) संप्रवर्तक

(ii) अन्य शेयरधारक

(9) संप्रवर्तक की शेयरधारिता शेयरों की सं. प्रतिशत

क) निर्गम से पूर्व

ख) निर्गम के पश्चात् विस्तारित पूँजी पर

(10) आबंटन को अंतिम रूप दिए जाने की तारीख (आबंटन के आधार से संबंधित प्रति संलग्न करें)

(क) धन-वापसी (रिफंड) करने वाले बैंककार का नाम और पता

(ख) धन-वापसी (रिफंड) किए जाने के लिए बकाया रकम

(ग) धन-वापसी (रिफंड) करने वाले बैंककार को धन-वापसी (रिफंड) किए जाने वाली रकम अंतरित किए जाने की तारीख, यदि कोई हो

(11) निम्नलिखित से संबंधित जानकारी

(क) निरुद्धता हटाए जाने संबंधी अनुदेशों की तारीख

(ख) डीमैट खाते में जमा किए जाने की तारीख

(ग) देरी के कारण, यदि कोई हों

(12) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज का नाम

(13) उन अन्य स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ सूचीबद्धता की माँग की गई

(14) निर्गम बंद होने की तारीख से 15वाँ दिन

(15) लिखतों की सूचीबद्धता के लिए प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के पास आवेदन दाखिल करने की तारीख

(16) प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्धता और व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी अनुमति दिए जाने की तारीख (स्टॉक एक्सचेंजों के अनुमति-पत्रों की प्रतियाँ संलग्न करें)

(17) सूचीबद्धता में देरी होने के कारण, यदि कोई हो

(ख) अल्प-अभिदत्त निर्गम के मामले में :

(1) निर्गमकर्ता का नाम

(2) निर्गम के बंद होने की तारीख को अल्प-अभिदान कितना था

क) प्रतिशत

ख) राशि

(3) अतिरिक्त सहायता आदि, यदि कोई हो, के व्यौर

क) हामीदारों की कुल संख्या

ख) हामीदारों की संख्या जिन्होंने न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) अदा नहीं किया (नाम, हामीदारी की राशि और अदा न किए जाने के कारण)

(4) यदि अर्हित संस्थागत क्रेताओं ने कमी को पूरा किया, लेकिन हामीदार के तौर पर नहीं

क) अर्हित संस्थागत क्रेताओं के नाम

ख) कितनी प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया गया

ग) प्राप्त राशि

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर और संलग्नकों में भी दी गई जानकारी हमारी सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार सत्य है और निरुद्धता हटाए जाने / डीमैट खाते में शेयर अंतरित किए जाने संबंधी कोई कार्य लंबित नहीं है।

प्रमाणित किया जाता है कि रुद्ध की जाने वाली निर्धारित प्रतिभूतियों के संबंध में शब्द "..... तक निर्धारित प्रतिभूतियों को बंधक नहीं रखा जा सकता / अंतरित नहीं किया जा सकता / बेचा नहीं जा सकता" विधिवत् रूप से लिखे गए हैं या इस संबंध में निक्षेपागारों को आवश्यक अनुदेश दे दिए गए हैं।

निर्गम रजिस्ट्रार द्वारा हस्ताक्षरित

निर्गमकर्ता द्वारा

अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा

हस्ताक्षरित

हस्ताक्षरित

स्थान:

तारीख:

**अनुसूची-XVIII - न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) विवरण का फार्मेट**  
[विनियम 52(7), 93(7), 148(7), 202(4), 207(7) एवं 271(7) देखें]

- (1) अग्रणी प्रबंधक का (प्रबंधकों के) नाम :
- (2) निर्गमकर्ता का नाम :
- (3) निर्गम का आकार :
- (4) हामीदारी न्यागमन की अस्वीकृति के विवरण :

क्र.सं.	हामीदार का नाम	हामीदारी की राशि	न्यागमित राशि	न्यागमन की सूचना जारी करने की तारीख, यदि कोई हो	न्यागमन न स्वीकारने के कारण

**अनुसूची-XIX - स्टॉक एक्सचेंजों में प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता**

[विनियम 7(1)(क), 62(1)(क), 104(1)(क) एवं 183(3)(क) देखें]

**मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का सैद्धांतिक अनुमोदन**

(1) निर्गमकर्ता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज से निम्नानुसार सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करेगा :

क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या भारतीय निक्षेपागार रसीदों (इसमें इसके पश्चात् 'आईडीआर' के रूप में उल्लिखित) के निर्गम (इश्यू) के मामले में, उन सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों से, जहाँ निर्गमकर्ता का, यथास्थिति, अपनी निर्धारित प्रतिभूतियों या आईडीआर को सूचीबद्ध कराने का प्रस्ताव हो; और

ख) अन्य निर्गमों के मामले में, बाद में प्रतिभूतियों के निर्गमन से पूर्व, निम्नानुसार :

(i) जहाँ प्रतिभूतियाँ केवल राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में सूचीबद्ध हों, वहाँ ऐसे सभी स्टॉक एक्सचेंजों से ;

- (ii) जहाँ प्रतिभूतियाँ राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले किसी भी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध न हों, वहाँ उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों से, जहाँ निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव हो;
- (iii) जहाँ निर्धारित प्रतिभूतियाँ राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के साथ-साथ उस (उन) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में सूचीबद्ध हों, जिनके राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनल न हों, वहाँ राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले सभी स्टॉक एक्सचेंजों से ।

### सूचीबद्धता (लिस्टिंग) हेतु आवेदन

- (1) निर्गमकर्ता बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित समय-सीमाओं के भीतर सूचीबद्धता से पहले की औपचारिकताएँ पूरा करेगा ।
- (2) निर्गमकर्ता आबंटन की तारीख से बीस दिनों के भीतर, एक या एक से अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास सूचीबद्धता (लिस्टिंग) हेतु आवेदन करेगा ।
- (3) ऊपर (2) में निर्धारित समय के भीतर निर्गमकर्ता द्वारा सूचीबद्धता हेतु आवेदन करने में असफल होने, या निर्गमकर्ता को स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) से सूचीबद्धता की अनुमति प्राप्त न होने, या बोर्ड द्वारा जारी किए गए संप्रेक्षण पत्र (ऑब्जर्वेशन लेटर) को वापस लिए जाने, जहाँ लागू हो, की दशा में, प्रतिभूतियाँ सूचीबद्धता के लिए पात्र नहीं होंगी और निर्गमकर्ता अभिदान (सब्सक्रिप्शन) की धनराशि, यदि कोई हो, संबंधित आबंटितियों को, आबंटन की तारीख से पन्द्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज सहित, तुरंत लौटाने का दायी होगा ।

### सूचीबद्धता करार

प्रत्येक निर्गमकर्ता, जो अपनी प्रतिभूतियों को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कराने का इच्छुक हो, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के अनुसार ऐसे स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करार करेगा ।

### स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) की बाध्यता

स्टॉक एक्सचेंज निम्नलिखित तारीखों में से बाद वाली तारीख से तीस दिनों के भीतर, सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान करेगा (करेंगे) या प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध करेगा (करेंगे) अथवा निर्गमकर्ता द्वारा सैद्धांतिक अनुमोदन या सूचीबद्धता हेतु किए गए आवेदन को नामंजूर करेगा (करेंगे):

- (क) निर्गमकर्ता से सैद्धांतिक अनुमोदन या सूचीबद्धता हेतु आवेदन की प्राप्ति की तारीख;
- (ख) जिन मामलों में स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) ने निर्गमकर्ता से कोई स्पष्टीकरण माँगा हो, उन मामलों में, निर्गमकर्ता से समाधानप्रद उत्तर की प्राप्ति की तारीख ।

### अनुसूची-XX - विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों को निकास (एग्जिट) का अवसर प्रदान किए जाने की शर्तें / का तरीका

#### [विनियम 59 एवं 157 देखें]

### लागू होना

- (1) प्रस्ताव-दस्तावेज में उल्लिखित उद्देश्यों में परिवर्तन या संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) की शर्तों आदि में फेरफार होने के मामले में, निर्गमकर्ता (इश्युअर) के संप्रवर्तकों (प्रमोटर्स) या नियंत्रण रखने वाले शेयरधारकों द्वारा विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(8) तथा धारा 27(2) के अनुसार, लाए गए निकास प्रस्ताव (एग्जिट ऑफर) के प्रति इस अध्याय के प्रावधान लागू होंगे ।
- (2) इस अध्याय के प्रावधान वहाँ लागू नहीं होंगे, जहाँ सूचीबद्ध निर्गमकर्ता (लिस्टिड इश्युअर) के न तो ऐसे संप्रवर्तक (प्रमोटर्स) हों जिनकी पहचान हो सके, और न ही नियंत्रण रखने वाले शेयरधारक हों ।

### परिभाषाएँ

इस अनुसूची के प्रयोजनार्थ :

- (क) “विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों” से वे शेयरधारक अभिप्रेत हैं जिन्होंने निर्गमकर्ता (इश्युअर) के प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित उद्देश्यों में परिवर्तन या उद्देश्यों से संबंधित संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) की शर्तों आदि में फेरफार किए जाने संबंधी संकल्प (रेज़ोल्यूशन) के खिलाफ मत दिए हों;
- (ख) “बारंबार व्यापारित शेयरों” का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 में उनके लिए नियत है ।

(ग) “संबद्ध तारीख” से बोर्ड की उस बैठक की तारीख अभिप्रेत है, जिस बैठक में शेयरधारकों का अनुमोदन लेने से पूर्व ही, प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित उद्देश्यों में परिवर्तन या उद्देश्यों से संबंधित संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) की शर्तों आदि में फेरफार किए जाने संबंधी प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया हो।

#### **निकास प्रस्ताव (एग्लिट ऑफर) की शर्तें**

यदि सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) 1 अप्रैल, 2014 के पश्चात् खुला हो, तो यथास्थिति संप्रवर्तक (प्रोमोटर्स) या नियंत्रण रखनेवाले शेयरधारक, इस अध्याय के प्रावधानों के अनुसार, विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए निकास प्रस्ताव (एग्लिट ऑफर) लाएगा; यदि,

- (क) प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित उद्देश्यों में परिवर्तन या संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) की शर्तों आदि में फेरफार किए जाने संबंधी प्रस्ताव के प्रति उन शेयरधारकों में से कम से कम दस प्रतिशत शेयरधारकों द्वारा विसम्मति प्रकट की गई हो, जिन्होंने साधारण बैठक में अपना मत दिया हो; और
- (ख) जिन उद्देश्यों हेतु प्रस्ताव दस्तावेज जारी किया गया था उन उद्देश्यों हेतु उपयोग की जाने वाली रकम जुटाई गई रकम (जिसमें साधारण कारपोरेट प्रयोजनों हेतु उद्दिष्ट रकम शामिल है जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया हो) के पचहत्तर प्रतिशत से कम हो।

#### **निकास प्रस्ताव (एग्लिट ऑफर) का लाभ उठाने हेतु शेयरधारकों की पात्रता**

निर्गमकर्ता (इश्युअर) के केवल वही विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारक निकास प्रस्ताव (एग्लिट ऑफर) का लाभ उठाने के पात्र होंगे, जो संबद्ध तारीख को शेयर धारण करते हों।

#### **निकास कीमत (एग्लिट प्राइस)**

विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों को देय ‘निकास कीमत’ (एग्लिट प्राइस) वह कीमत होगी जो निम्नलिखित में से उच्चतम हो :

- (क) अर्जनों के लिए, चाहे संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या उनके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा, संबद्ध तारीख से ठीक पहले के बावन सप्ताहों के दौरान, अदा की गई या देय मात्रा-भारित औसत कीमत (वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस);
- (ख) किसी अर्जन के लिए, चाहे संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या उनके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा, संबद्ध तारीख से ठीक पहले के छब्बीस सप्ताहों के दौरान, अदा की गई या देय उच्चतम कीमत;
- (ग) संबद्ध तारीख से ठीक पहले के साठ व्यापार (ट्रेडिंग) के दिनों की अवधि की मात्रा-भारित औसत बाजार कीमत (वॉल्यूम-वेटेड एवरेज मार्केट प्राइस) [ऐसे शेयरों की जिनका व्यापार (जिनकी ट्रेडिंग) उस स्टॉक एक्सचेंज में हुआ हो (हुई हो) जहाँ ऐसी अवधि के दौरान निर्गमकर्ता (इश्युअर) के शेयरों में व्यापार (ट्रेडिंग) की अधिकतम मात्रा दर्ज की गई हो, बशर्ते कि ऐसे शेयर बारंबार व्यापारित शेयर हों] ;
- (घ) जहाँ शेयर बारंबार व्यापारित शेयर न हों, वहाँ मूल्यांकन संबंधी मानदंडों [जिनमें वही मूल्य (बुक वैल्यू), तुलनीय ट्रेडिंग मल्टीपल्स शामिल हैं] और ऐसे अन्य मानदंडों, जो ऐसे निर्गमकर्ताओं (इश्युअर्स) के शेयरों के मूल्यांकन के लिए प्रचलित हों, पर विचार करते हुए संप्रवर्तक (प्रोमोटर्स) या नियंत्रण रखने वाले शेयरधारकों और अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा निर्धारित की गई कीमत।

(ङ)

#### **विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों को निकास (एग्लिट) प्रदान किए जाने का तरीका**

(1) जिस सूचना (नोटिस) के अंतर्गत प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित निर्गम (इश्यू) के उद्देश्यों में परिवर्तन और उद्देश्यों से संबंधित संविदा (कॉण्ट्रैक्ट) की शर्तों आदि में फेरफार किए जाने संबंधी विशेष संकल्प (स्पेशल रेज़ोल्यूशन) पारित किए जाने का प्रस्ताव हो, उस सूचना (नोटिस) में विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए निकास प्रस्ताव (एग्लिट ऑफर) के प्रावधान से संबंधित जानकारी भी शामिल होगी।

(2) विशेष संकल्प पारित किए जाने संबंधी सूचना (नोटिस) के व्याख्यात्मक विवरण (एक्सप्लेनेटरी स्टेटमेंट) में इस आशय का एक कथन शामिल किया जाएगा कि संप्रवर्तक / नियंत्रण रखनेवाले शेयरधारक विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों को निकास (एग्लिट) का अवसर प्रदान करेंगे।

(3) विशेष संकल्प पारित किए जाने के पश्चात्, निर्गमकर्ता (इश्युअर), भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार, स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) को मतदान के परिणाम प्रस्तुत करेगा।

(4) निर्गमकर्ता (इश्युअर) विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों की सूची [जो निर्गमकर्ता के अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) द्वारा प्रमाणित की गई हो] भी स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) को प्रस्तुत करेगा।

(5) यथास्थिति, संप्रवर्तक (प्रोमोटर्स) या नियंत्रण रखनेवाले शेयरधारक बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत मर्चेन्ट बैंककार (मर्चेन्ट बैंकर) को नियुक्त करेंगे और इन विनियमों के अनुसार निकास प्रस्ताव संबंधी कीमत तय करेंगे।

(6) निर्गमकर्ता (इश्युअर) विसम्मति प्रकट करने वाले शेयरधारकों के लिए लाए जाने वाले निकास प्रस्ताव (एगजिट ऑफर) के बारे में और उस कीमत के बारे में स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) को सूचित करेगा जिस कीमत पर ऐसा प्रस्ताव लाया जा रहा हो।

(7) स्टॉक एक्सचेंज ऐसी सूचना प्राप्त होते ही उस सूचना को एक कार्य-दिवस के भीतर जनता को प्रसारित करेगा (करेंगे)।

(8) अपनी बाध्यताओं के पालन हेतु सिक्कुरिटी सुनिश्चित करने के लिए, यथास्थिति, संप्रवर्तक (प्रोमोटर) या नियंत्रण रखनेवाले शेयरधारक निलंब खाता (एस्क्रो अकाउंट) बनाएँगे, जिस पर ब्याज भी मिल सकेगा, और दिए जाने की अवधि (टेंडरिंग पीरियड) खुलने से कम से कम दो कार्य-दिवस पूर्व कुल प्रतिफल (कन्सिडरेशन) को निलंब खाते (एस्क्रो अकाउंट) में जमा करेंगे।

(9) दिए जाने की अवधि (टेंडरिंग पीरियड) विशेष संकल्प पारित किए जाने से सात कार्य-दिवस बीतने से पहले आरंभ होगी और दस कार्य-दिवसों तक खुली रहेगी।

(10) विसम्मति प्रकट करने वाले जिन शेयरधारकों ने निकास प्रस्ताव (एगजिट ऑफर) को स्वीकार करते हुए अपने शेयर दिए हों, उन शेयरधारकों के पास यह विकल्प होगा कि वे दिए जाने की अवधि (टेंडरिंग पीरियड) के समाप्त होने की तारीख तक ऐसी स्वीकृति को वापस ले सकेंगे।

(11) यथास्थिति, संप्रवर्तक (प्रोमोटर) या नियंत्रण रखनेवाले शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज की व्यवस्था के माध्यम से शेयरधारकों द्वारा शेयर दिए जाने को और उनके निपटान (सेटलमेंट) को सुकर बनाएँगे, जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा अधिग्रहण (टेकओवर), क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) और असूचीबद्धता (डीलिस्टिंग) के प्रयोजनार्थ निर्धारित किया जाए।

(12) यथास्थिति, संप्रवर्तक (प्रोमोटर) या नियंत्रण रखनेवाले शेयरधारक, दिए जाने की अवधि (टेंडरिंग पीरियड) की अंतिम तारीख से दस कार्य-दिवसों की अवधि के भीतर, विसम्मति प्रकट करने वाले उन शेयरधारकों को प्रतिफल (कन्सिडरेशन) का भुगतान करेंगे जिन्होंने निकास प्रस्ताव को स्वीकार किया हो।

(13) प्रतिफल (कन्सिडरेशन) का भुगतान किए जाने से दो कार्य-दिवसों की अवधि के भीतर, निर्गमकर्ता (इश्युअर) स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) को प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) प्रस्तुत करेगा, जिनके अंतर्गत दिए गए शेयरों, स्वीकार किए गए शेयरों की कुल संख्या, प्रतिफल (कन्सिडरेशन) के भुगतान तथा प्रस्ताव के बाद निर्गमकर्ता (इश्युअर) के शेयरधारिता स्वरूप (शेयरहोल्डिंग पैटर्न) के व्यौरे दिए जाएँ, और साथ ही अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) की यह रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाएगी कि विसम्मति प्रकट करने वाले उन सभी शेयरधारकों को विधिवत रूप से भुगतान कर दिया गया है जिनके शेयर निकास प्रस्ताव (एगजिट ऑफर) में स्वीकार कर लिए गए हों।

#### **प्रस्ताव अधिकतम अनुमत गैर-सार्वजनिक शेयरधारिता (नॉन-पब्लिक शेयरहोल्डिंग) की सीमा पार न हो**

उस दशा में जब निकास प्रस्ताव (एगजिट ऑफर) में शेयरों के स्वीकृत होने पर ऐसा हो जाए कि निकास प्रस्ताव (एगजिट ऑफर) के पूरा होने के परिणामस्वरूप संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या नियंत्रण रखने वाले शेयरधारकों की शेयरधारिता (उनके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ) अधिकतम अनुमत गैर-सार्वजनिक शेयरधारिता से अधिक हो जाए, तब संप्रवर्तकों (प्रोमोटर्स) या नियंत्रण रखने वाले शेयरधारकों, जैसा लागू हो, से यह अपेक्षित होगा कि वे गैर-सार्वजनिक शेयरधारिता को निर्धारित स्तर तक और प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के अधीन अनुमत समय के भीतर नीचे लाएँ।

अजय त्यागी, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/असा./219/18]

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA****NOTIFICATION**

Mumbai, the 11th September, 2018

**Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital And Disclosure Requirements) Regulations, 2018**

**No. SEBI/LAD-NRO/GN/2018/31.**—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations, namely:

**CHAPTER I — PRELIMINARY****Short title and commencement**

- 1.** (1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018.
- (2) They shall come into force on the sixtieth day from the date of its publication in the Official Gazette.

**Definitions**

- 2.** (1) In these regulations, unless the context otherwise requires:

- (a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 [15 of 1992];
- (b) “advertisement” includes notices, brochures, pamphlets, show cards, catalogues, hoardings, placards, posters, insertions in newspaper, pictures and films in any print media or electronic media, radio, television programme;
- (c) “anchor investor” means a qualified institutional buyer who makes an application for a value of at least ten crore rupees in a public issue on the main board made through the book building process in accordance with these regulations or makes an application for a value of at least two crore rupees for an issue made in accordance with Chapter IX of these regulations;
- (d) “application supported by blocked amount (ASBA)” means an application for subscribing to a public issue or rights issue, along with an authorisation to self-certified syndicate bank to block the application money in a bank account;
- (e) “associate” means a person which is an associate of the issuer and as defined under the Companies Act, 2013;
- (f) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under the Act;
- (g) “book building” means a process undertaken to elicit demand and to assess the price for determination of the quantum or value or coupon of specified securities or Indian Depository Receipts, as the case may be, in accordance with these regulations;
- (h) “composite issue” means an issue of specified securities by a listed issuer on public-cum-rights basis, wherein the allotment in both public issue and rights issue is proposed to be made simultaneously;
- (i) “control” shall have the same meaning as assigned to it under the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisitions of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;
- (j) “convertible debt instrument” means an instrument which creates or acknowledges indebtedness and is convertible into equity shares of the issuer at a later date at or without the option of the holder of the instrument, whether constituting a charge on the assets of the issuer or not;
- (k) “convertible security” means a security which is convertible into or exchangeable with equity shares of the issuer at a later date, with or without the option of the holder of such security and includes convertible debt instrument and convertible preference shares;
- (l) “designated stock exchange” means a recognised stock exchange having nationwide trading terminals chosen by the issuer on which securities of an issuer are listed or proposed to be listed for the purpose of a particular issue of specified securities under these regulations;



Provided that, the issuer may choose a different recognised stock exchange as a designated stock exchange for any subsequent issue of specified securities;

- (m) “draft letter of offer” means the draft letter of offer filed with the Board in relation to a rights issue under these regulations;
- (n) “draft offer document” means the draft offer document filed with the Board in relation to a public issue under these regulations;
- (o) “employee” means a permanent employee, working in India or outside India, of the issuer or of the promoters or subsidiary company of the issuer, or a director of the issuer, whether whole-time or not and does not include (i) promoters, (ii) a person belonging to the promoter group; or (iii) a director who either himself/herself or through their relatives or through any body corporate, directly or indirectly, holds more than ten per cent. of the outstanding equity shares of the issuer;

Provided that for the purposes of stock option schemes, employee shall have the same meaning as assigned to under the Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014;

- (p) “fugitive economic offender” shall mean an individual who is declared a fugitive economic offender under section 12 of the Fugitive Economic Offenders Act, 2018 (17 of 2018);
- (q) “further public offer” means an offer of specified securities by a listed issuer to the public for subscription and includes an offer for sale of specified securities to the public by any existing holders of such specified securities in a listed issuer;
- (r) “general corporate purposes” include such identified purposes for which no specific amount is allocated or any amount so specified towards general corporate purpose or any such purpose by whatever name called, in the draft offer document, draft letter of offer, or the offer document:

Provided that any issue related expenses shall not be considered as a part of general corporate purpose merely because no specific amount has been allocated for such expenses in the draft offer document, draft letter of offer or the offer document;

- (s) “green shoe option” means an option of allotting equity shares in excess of the equity shares offered in the public issue as a post-listing price stabilizing mechanism;
- (t) “group companies”, shall include such companies (other than promoter(s) and subsidiary/subsidiaries) with which there were related party transactions, during the period for which financial information is disclosed, as covered under the applicable accounting standards, and also other companies as considered material by the board of the issuer;
- (u) “housing finance company” means a deposit taking housing finance company registered with the National Housing Bank for carrying on the business of housing finance;
- (v) “infrastructure sector” shall include the following facilities/services:
  - (i) transportation (including inter modal transportation), including the following:
    - roads, national highways, state highways, major district roads, other district roads and village roads, including toll roads, bridges, highways, road transport providers and other road-related services;
    - (A) rail system, rail transport providers, metro rail roads and other railway related services;
    - (B) ports (including minor ports and harbours), inland waterways, coastal shipping including shipping lines and other port related services;
    - (C) aviation, including airports, heliports, airlines and other airport related services;
    - (D) logistics services;
  - (ii) agriculture, including the following:
    - (A) infrastructure related to storage facilities;

- (B) construction relating to projects involving agro-processing and supply of inputs to agriculture;
- (C) construction for preservation and storage of processed agro-products, perishable goods such as fruits, vegetables and flowers including testing facilities for quality;
- (iii) water management, including the following:
  - (A) water supply or distribution;
  - (B) irrigation;
  - (C) water treatment, etc.
- (iv) telecommunication, including the following:
  - (A) basic or cellular, including radio paging;
  - (B) domestic satellite service (i.e., satellite owned and operated by an Indian company for providing telecommunication service);
  - (C) network of trunking, broadband network and internet services;
- (v) industrial, commercial and social development and maintenance, including the following:
  - (A) real estate development, including an industrial park or special economic zone;
  - (B) tourism, including hotels, convention centres and entertainment centres;
  - (C) public markets and buildings, trade fair, convention, exhibition, cultural centres, sports and recreation infrastructure, public gardens and parks;
  - (D) construction of educational institutions and hospitals;
  - (E) other urban development, including solid waste management systems, sanitation and sewerage systems, etc.;
- (vi) power, including the following:
  - (A) generation of power through thermal, hydro, nuclear, fossil fuel, wind and other renewable sources;
  - (B) transmission, distribution or trading of power by laying a network of new transmission or distribution lines;
- (vii) petroleum and natural gas, including the following:
  - (A) exploration and production;
  - (B) import terminals;
  - (C) liquefaction and re-gasification;
  - (D) storage terminals;
  - (E) transmission networks and distribution networks including city gas infrastructure;
- (viii) housing, including the following:
  - (A) urban and rural housing including public or mass housing, slum rehabilitation etc;
  - (B) other allied activities such as drainage, lighting, laying of roads, sanitation facilities etc.;
- (ix) services provided by recognised stock exchanges and registered depositories, in relation to securities;
- (x) other miscellaneous facilities or services, including the following:
  - (A) mining and related activities;
  - (B) technology related infrastructure;
  - (C) manufacturing of components and materials or any other utilities or facilities required by the infrastructure sector like energy saving devices and metering devices, etc.;

- (D) environment related infrastructure;
- (E) disaster management services;
- (F) preservation of monuments and icons;
- (G) emergency services (including medical, police, fire, and rescue);
- (xi) such other facility or service which, in the opinion of the board, constitutes infrastructure sector;
- (w) “initial public offer” means an offer of specified securities by an unlisted issuer to the public for subscription and includes an offer for sale of specified securities to the public by any existing holders of such specified securities in an unlisted issuer;
- (x) “institutional trading platform” means the trading platform for listing and trading of specified securities of issuers that comply with the eligibility criteria specified in regulation 288;
- (y) “institutional investor” means (i) qualified institutional buyer; or (ii) family trust or intermediaries registered with the Board, with net worth of more than five hundred crore rupees, as per the last audited financial statements, for the purposes of listing and/or trading on institutional trading platform in terms of Chapter X;
- (z) “issue size” includes offer through offer document and promoters’ contribution brought in as part of the issue;
- (aa) “issuer” means a company or a body corporate authorized to issue specified securities under the relevant laws and whose specified securities are being issued and/or offered for sale in accordance with these regulations;
- (bb) “key managerial personnel” means the officers or personnel of the issuer who are members of its core management team (excluding board of directors) and includes members of the management one level below the executive directors of the issuer, functional heads and ‘key managerial personnel’ as defined under the Companies Act, 2013 or any other person whom the issuer may declare as a key managerial personnel;
- (cc) “lead manager” means a merchant banker registered with the Board and appointed by the issuer to manage the issue and in case of a book built issue, the lead manager(s) appointed by the issuer shall act as the book running lead manager(s) for the purposes of book building;
- (dd) “listed issuer” means an issuer whose equity shares are listed on a recognised stock exchange having nationwide trading terminals;
- (ee) “main board” means a recognised stock exchange having nationwide trading terminals, other than SME exchange;
- (ff) “net offer” means an offer of specified securities to the public but does not include reservations and promoters’ contribution brought in as part of the issue;
- (gg) “net tangible assets” mean the sum of all net assets of the issuer, excluding intangible assets as defined in Accounting Standard 26 (AS 26) or Indian Accounting Standard (Ind AS) 38, as applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India;
- (hh) “net worth” means the aggregate value of the paid-up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, deferred expenditure and miscellaneous expenditure not written off, as per the audited balance sheet, but does not include reserves created out of revaluation of assets, write-back of depreciation and amalgamation;
- (ii) “nominated investor” means a qualified institutional buyer or private equity fund, who enters into an agreement with the lead manager(s) to subscribe to an issue, made in accordance with Chapter IX, in case of under-subscription or to receive or deliver the specified securities in the market-making process in such an issue;

**Explanation:** “private equity fund” means a fund registered with any regulatory authority or a fund established by any person registered with any regulatory authority;

- (jj) “non-institutional investor” means an investor other than a retail individual investor and qualified institutional buyer;
- (kk) “offer document” means a red herring prospectus, prospectus or shelf prospectus, as applicable, referred to under the Companies Act, 2013, in case of a public issue, and a letter of offer in case of a rights issue;
- (ll) “offer through offer document” means net offer and reservations;
- (mm) “persons acting in concert” shall have the same meaning as assigned to it under regulation 2(1)(q) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;
- (nn) “preferential issue” means an issue of specified securities by a listed issuer to any select person or group of persons on a private placement basis in accordance with Chapter V of these regulations and does not include an offer of specified securities made through employee stock option scheme, employee stock purchase scheme or an issue of sweat equity shares or depository receipts issued in a country outside India or foreign securities;
- (oo) “promoter” shall include a person:
  - (i) who has been named as such in a draft offer document or offer document or is identified by the issuer in the annual return referred to in section 92 of the Companies Act, 2013; or
  - (ii) who has control over the affairs of the issuer, directly or indirectly whether as a shareholder, director or otherwise; or
  - (iii) in accordance with whose advice, directions or instructions the board of directors of the issuer is accustomed to act:

Provided that nothing in sub-clause (iii) shall apply to a person who is acting merely in a professional capacity:

Provided further that a financial institution, scheduled commercial bank, foreign portfolio investor other than Category III foreign portfolio investor, mutual fund, venture capital fund, alternative investment fund, foreign venture capital investor, insurance company registered with the Insurance Regulatory and Development Authority of India or any other category as specified by the Board from time to time, shall not be deemed to be a promoter merely by virtue of the fact that twenty per cent. or more of the equity share capital of the issuer is held by such person unless such person satisfy other requirements prescribed under these regulations;
- (pp) “promoter group” includes:
  - (i) the promoter;
  - (ii) an immediate relative of the promoter (i.e. any spouse of that person, or any parent, brother, sister or child of the person or of the spouse); and
  - (iii) in case promoter is a body corporate:
    - (A) a subsidiary or holding company of such body corporate;
    - (B) any body corporate in which the promoter holds twenty per cent. or more of the equity share capital; and/or any body corporate which holds twenty per cent. or more of the equity share capital of the promoter;
    - (C) any body corporate in which a group of individuals or companies or combinations thereof acting in concert, which hold twenty per cent. or more of the equity share capital in that body corporate and such group of individuals or companies or combinations thereof also holds twenty per cent. or more of the equity share capital of the issuer and are also acting in concert; and
  - (iv) in case the promoter is an individual:

- (A) any body corporate in which twenty per cent. or more of the equity share capital is held by the promoter or an immediate relative of the promoter or a firm or Hindu Undivided Family in which the promoter or any one or more of their relative is a member;
  - (B) any body corporate in which a body corporate as provided in (A) above holds twenty per cent. or more, of the equity share capital; and
  - (C) any Hindu Undivided Family or firm in which the aggregate share of the promoter and their relatives is equal to or more than twenty per cent. of the total capital;
- (v) all persons whose shareholding is aggregated under the heading "shareholding of the promoter group":

Provided that a financial institution, scheduled bank, foreign portfolio investor other than Category III foreign portfolio investor, mutual fund, venture capital fund, alternative investment fund, foreign venture capital investor, insurance company registered with the Insurance Regulatory and Development Authority of India or any other category as specified by the Board from time to time, shall not be deemed to be promoter group merely by virtue of the fact that twenty per cent. or more of the equity share capital of the promoter is held by such person or entity:

Provided further that such financial institution, scheduled bank, foreign portfolio investor other than Category III foreign portfolio investor, mutual fund, venture capital fund, alternative investment fund and foreign venture capital investor insurance company registered with the Insurance Regulatory and Development Authority of India or any other category as specified by the Board from time to time shall be treated as promoter group for the subsidiaries or companies promoted by them or for the mutual fund sponsored by them;

(qq) "public financial institution" means a public financial institution as defined under the Companies Act, 2013;

(rr) "public issue" means an initial public offer or a further public offer;

(ss) "qualified institutional buyer" means:

- (i) a mutual fund, venture capital fund, alternative investment fund and foreign venture capital investor registered with the Board;
- (ii) a foreign portfolio investor other than Category III foreign portfolio investor, registered with the Board;
- (iii) a public financial institution;
- (iv) a scheduled commercial bank;
- (v) a multilateral and bilateral development financial institution;
- (vi) a state industrial development corporation;
- (vii) an insurance company registered with the Insurance Regulatory and Development Authority of India;
- (viii) a provident fund with minimum corpus of twenty five crore rupees;
- (ix) a pension fund with minimum corpus of twenty five crore rupees;
- (x) National Investment Fund set up by resolution no. F. No. 2/3/2005-DDII dated November 23, 2005 of the Government of India published in the Gazette of India;
- (xi) insurance funds set up and managed by army, navy or air force of the Union of India; and
- (xii) insurance funds set up and managed by the Department of Posts, India; and

- (xiii) systemically important non-banking financial companies.
- (tt) “qualified institutions placement” means issue of eligible securities by a listed issuer to qualified institutional buyers on a private placement basis and includes an offer for sale of specified securities by the promoters and/or promoter group on a private placement basis, in terms of these regulations;
- (uu) “relative” means a relative as defined under the Companies Act, 2013.
- (vv) “retail individual investor” means an individual investor who applies or bids for specified securities for a value of not more than two lakhs rupees;
- (ww) “retail individual shareholder” means a shareholder who applies or bids for specified securities for a value of not more than two lakhs rupees;
- (xx) “rights issue” means an offer of specified securities by a listed issuer to the shareholders of the issuer as on the record date fixed for the said purpose;
- (yy) “schedule” means schedule annexed to these regulations;
- (zz) “scheduled commercial bank” means scheduled commercial banks as included in the second schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934;
- (aaa) “self-certified syndicate bank” means a banker to an issue registered with the Board, which offers the facility of ASBA;
- (bbb) “selling shareholder(s)” means any shareholder of the issuer who is offering for sale the specified securities in a public issue in accordance with these Regulations;
- (ccc) “securities laws” means the Act, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and the rules and regulations made thereunder and the general or special orders, guidelines or circulars made or issued by the Board thereunder and the provisions of the Companies Act, 2013 or any previous company law and any subordinate legislation framed thereunder, which are administered by the Board ;
- (ddd) “SME exchange” means a trading platform of a recognised stock exchange having nationwide trading terminals permitted by the Board to list the specified securities issued in accordance with Chapter IX and includes a stock exchange granted recognition for this purpose but does not include the Main Board;
- (eee) “specified securities” means equity shares and convertible securities;
- (fff) “stabilising agent” means a merchant banker who is responsible for stabilising the price of equity shares under a green shoe option, in terms of these regulations;
- (ggg) “stock exchange” means any recognised stock exchange having nationwide trading terminals chosen by the issuer on which securities of an issuer are listed or proposed to be listed for the purpose of a particular issue of specified securities under these regulations, other than an SME exchange;
- (hhh) “syndicate member” means an intermediary registered with the Board and who is permitted to accept bids, applications and place orders with respect to the issue and carry on the activity as an underwriter;
- (iii) “systemically important non-banking financial companies” means a non-banking financial company registered with the Reserve Bank of India and recognised as systemically important non-banking financial company by the Reserve Bank of India;
- (jjj) “unlisted issuer” means an issuer which is not a listed issuer;
- (kkk) “valuer” means a person who is registered under section 247 of the Companies Act, 2013 and the relevant rules framed thereunder or as specified by the Board;
- (III) “wilful defaulter” means a person or an issuer who or which is categorized as a wilful defaulter by any bank or financial institution (as defined under the Companies Act, 2013) or consortium

thereof, in accordance with the guidelines on wilful defaulters issued by the Reserve Bank of India;

(mmm) “working day” means all days on which commercial banks in the city as specified in the offer document are open for business;

**Explanation:** For the purpose of this clause, in respect of —

(a) announcement of price band; and

(b) bid/issue period,

working day shall mean all days, excluding Saturdays, Sundays and public holidays, on which commercial banks in the city as notified in the offer document are open for business;

(c) the time period between the bid/ issue closing date and the listing of the specified securities on the stock exchanges, working day shall mean all trading days of the stock exchanges, excluding Sundays and bank holidays, as per circulars issued by the Board.

(2) All other words and expressions used but not defined in these regulations, but defined in the Act or the Companies Act, 2013, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and/or the rules and regulations made thereunder shall have the same meaning as respectively assigned to them in such statutes or rules or regulations or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

### **Applicability of the regulations**

3. Unless otherwise provided, these regulations shall apply to the following:

- (a) an initial public offer by an unlisted issuer;
- (b) a rights issue by a listed issuer; where the aggregate value of the issue is ten crore rupees or more;
- (c) a further public offer by a listed issuer;
- (d) a preferential issue by a listed issuer;
- (e) a qualified institutions placement by a listed issuer;
- (f) an initial public offer of Indian depository receipts;
- (g) a rights issue of Indian depository receipts;
- (h) an initial public offer by a small and medium enterprise;
- (i) a listing on the institutional trading platform through an issue or without an issue; and
- (j) a bonus issue by a listed issuer:

Provided that in case of rights issue of size less than ten crore rupees, the issuer shall prepare the letter of offer in accordance with requirements as specified in these regulations and file the same with the Board for information and dissemination on the Board’s website:

Provided further that these regulations shall not apply to issue of securities under clause (b), (d) and (e) of sub-regulation (1) of regulation 9 of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011.

## **CHAPTER II— INITIAL PUBLIC OFFER ON MAIN BOARD**

### **PART I: ELIGIBILITY REQUIREMENTS**

#### **Reference date**

4. Unless otherwise provided in this Chapter, an issuer making an initial public offer of specified securities shall satisfy the conditions of this Chapter as on the date of filing of the draft offer document with the Board and also as on the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.

**Entities not eligible to make an initial public offer**

5. (1) An issuer shall not be eligible to make an initial public offer —

- (a) if the issuer, any of its promoters, promoter group or directors or selling shareholders are debarred from accessing the capital market by the Board.
- (b) if any of the promoters or directors of the issuer is a promoter or director of any other company which is debarred from accessing the capital market by the Board.
- (c) if the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter.
- (d) if any of its promoters or directors is a fugitive economic offender.

**Explanation:** The restrictions under (a) and (b) above shall not apply to the persons or entities mentioned therein, who were debarred in the past by the Board and the period of debarment is already over as on the date of filing of the draft offer document with the Board.

(2) An issuer shall not be eligible to make an initial public offer if there are any outstanding convertible securities or any other right which would entitle any person with any option to receive equity shares of the issuer:

Provided that the provisions of this sub-regulation shall not apply to:

- (a) outstanding options granted to employees, whether currently an employee or not, pursuant to an employee stock option scheme in compliance with the Companies Act, 2013, the relevant Guidance Note or accounting standards, if any, issued by the Institute of Chartered Accountants of India or pursuant to the Companies Act, 2013, in this regard;
- (b) fully paid-up outstanding convertible securities which are required to be converted on or before the date of filing of the red herring prospectus (in case of book-built issues) or the prospectus (in case of fixed price issues), as the case may be.

**Eligibility requirements for an initial public offer**

6. (1) An issuer shall be eligible to make an initial public offer only if:

- (a) it has net tangible assets of at least three crore rupees, calculated on a restated and consolidated basis, in each of the preceding three full years (of twelve months each), of which not more than fifty per cent. are held in monetary assets:

Provided that if more than fifty per cent. of the net tangible assets are held in monetary assets, the issuer has utilised or made firm commitments to utilise such excess monetary assets in its business or project;

Provided further that the limit of fifty per cent. on monetary assets shall not be applicable in case the initial public offer is made entirely through an offer for sale.

- (b) it has an average operating profit of at least fifteen crore rupees, calculated on a restated and consolidated basis, during the preceding three years (of twelve months each), with operating profit in each of these preceding three years;
  - (c) it has a net worth of at least one crore rupees in each of the preceding three full years (of twelve months each), calculated on a restated and consolidated basis;
  - (d) if it has changed its name within the last one year, at least fifty per cent. of the revenue, calculated on a restated and consolidated basis, for the preceding one full year has been earned by it from the activity indicated by its new name.
- (2) An issuer not satisfying the condition stipulated in sub-regulation (1) shall be eligible to make an initial public offer only if the issue is made through the book-building process and the issuer undertakes to allot at least seventy five per cent. of the net offer to qualified institutional buyers and to refund the full subscription money if it fails to do so.

**General conditions**

7. (1) An issuer making an initial public offer shall ensure that:



- (a) it has made an application to one or more stock exchanges to seek an in-principle approval for listing of its specified securities on such stock exchanges and has chosen one of them as the designated stock exchange, in terms of **Schedule XIX**;
- (b) it has entered into an agreement with a depository for dematerialisation of the specified securities already issued and proposed to be issued;
- (c) all its specified securities held by the promoters are in dematerialised form prior to filing of the offer document;
- (d) all its existing partly paid-up equity shares have either been fully paid-up or have been forfeited;
- (e) it has made firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance for a specific project proposed to be funded from the issue proceeds, excluding the amount to be raised through the proposed public issue or through existing identifiable internal accruals.

(2) The amount for general corporate purposes, as mentioned in objects of the issue in the draft offer document and the offer document shall not exceed twenty five per cent. of the amount being raised by the issuer.

**Explanation:** For the purposes of this regulation:

- (I) “project” means the object for which monies are proposed to be raised to cover the objects of the issue;
- (II) In case of an issuer which had been a partnership firm or a limited liability partnership, the track record of operating profit of the partnership firm or the limited liability partnership shall be considered only if the financial statements of the partnership business for the period during which the issuer was a partnership firm or a limited liability partnership, conform to and are revised in the format prescribed for companies under the Companies Act, 2013 and also comply with the following:
  - (a) adequate disclosures are made in the financial statements as required to be made by the issuer as per schedule III of the Companies Act, 2013;
  - (b) the financial statements are duly certified by the statutory auditor stating that:
    - (i) the accounts and the disclosures made are in accordance with the provisions of schedule III of the Companies Act, 2013;
    - (ii) the applicable accounting standards have been followed;
    - (iii) the financial statements present a true and fair view of the firm’s accounts;
- (III) In case of an issuer formed out of a division of an existing company, the track record of distributable profits of the division spun-off shall be considered only if the requirements regarding financial statements as provided for partnership firms or limited liability partnerships in Explanation (II) are complied with.

#### **Additional conditions for an offer for sale**

**8.** Only such fully paid-up equity shares may be offered for sale to the public, which have been held by the sellers for a period of at least one year prior to the filing of the draft offer document:

Provided that in case the equity shares received on conversion or exchange of fully paid-up compulsorily convertible securities including depository receipts are being offered for sale, the holding period of such convertible securities, including depository receipts, as well as that of resultant equity shares together shall be considered for the purpose of calculation of one year period referred in this sub-regulation.

Provided further that such holding period of one year shall be required to be complied with at the time of filing of the draft offer document.

**Explanation:** If the equity shares arising out of the conversion or exchange of the fully paid-up compulsorily convertible securities are being offered for sale, the conversion or exchange should be completed prior to filing of the offer document (i.e. red herring prospectus in the case of a book built issue

and prospectus in the case of a fixed price issue), provided full disclosures of the terms of conversion or exchange are made in the draft offer document.

Provided further that the requirement of holding equity shares for a period of one year shall not apply:

- a) in case of an offer for sale of a government company or statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up and controlled by any one or more of them, which is engaged in the infrastructure sector;
- b) if the equity shares offered for sale were acquired pursuant to any scheme approved by a High Court under the sections 391 to 394 of Companies Act, 1956, or approved by a tribunal or the Central Government under the sections 230 to 234 of Companies Act, 2013, as applicable, in lieu of business and invested capital which had been in existence for a period of more than one year prior to approval of such scheme;
- c) if the equity shares offered for sale were issued under a bonus issue on securities held for a period of at least one year prior to the filing of the draft offer document with the Board and further subject to the following:
  - (i) such specified securities being issued out of free reserves and share premium existing in the books of account as at the end of the financial year preceding the financial year in which the draft offer document is filed with the Board; and
  - (ii) such equity shares not being issued by utilisation of revaluation reserves or unrealized profits of the issuer.

## **PART II: ISSUE OF CONVERTIBLE DEBT INSTRUMENTS AND WARRANTS**

### **Eligibility requirements for issue of convertible debt instruments**

**9.** An issuer shall be eligible to make an initial public offer of convertible debt instruments even without making a prior public issue of its equity shares and listing thereof.

Provided that it is not in default of payment of interest or repayment of principal amount in respect of debt instruments issued by it to the public, if any, for a period of more than six months.

### **Additional requirements for issue of convertible debt instruments**

**10. (1)** In addition to other requirements laid down in these regulations, an issuer making an initial public offer of convertible debt instruments shall also comply with the following conditions:

- (a) it has obtained credit rating from at least one credit rating agency;
- (b) it has appointed at least one debenture trustee in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993;
- (c) it shall create a debenture redemption reserve in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and rules made thereunder;
- (d) if the issuer proposes to create a charge or security on its assets in respect of secured convertible debt instruments, it shall ensure that:
  - (i) such assets are sufficient to discharge the principal amount at all times;
  - (ii) such assets are free from any encumbrance;
  - (iii) where security is already created on such assets in favour of any existing lender or security trustee or the issue of convertible debt instruments is proposed to be secured by creation of security on a leasehold land, the consent of such lender or security trustee or lessor for a second or pari passu charge has been obtained and submitted to the debenture trustee before the opening of the issue;
  - (iv) the security or asset cover shall be arrived at after reduction of the liabilities having a first or prior charge, in case the convertible debt instruments are secured by a second or subsequent charge.

- (2) The issuer shall redeem the convertible debt instruments in terms of the offer document.

### **Conversion of optionally convertible debt instruments into equity shares**

**11.** (1) The issuer shall not convert its optionally convertible debt instruments into equity shares unless the holders of such convertible debt instruments have sent their positive consent to the issuer and non-receipt of reply to any notice sent by the issuer for this purpose shall not be construed as consent for conversion of any convertible debt instruments.

(2) Where the value of the convertible portion of any listed convertible debt instruments issued by an issuer exceeds ten crore rupees and the issuer has not determined the conversion price of such convertible debt instruments at the time of making the issue, the holders of such convertible debt instruments shall be given the option of not converting the convertible portion into equity shares:

Provided that where the upper limit on the price of such convertible debt instruments and justification thereon is determined and disclosed to the investors at the time of making the issue, it shall not be necessary to give such option to the holders of the convertible debt instruments for converting the convertible portion into equity share capital within the said upper limit.

(3) Where an option is to be given to the holders of the convertible debt instruments in terms of sub-regulation (2) and if one or more of such holders do not exercise the option to convert the instruments into equity share capital at a price determined in the general meeting of the shareholders, the issuer shall redeem that part of the instruments within one month from the last date by which option is to be exercised, at a price which shall not be less than its face value.

(4) The provision of sub-regulation (2) shall not apply if such redemption is as per the disclosures made in the offer document.

### **Issue of convertible debt instruments for financing**

**12.** An issuer shall not issue convertible debt instruments for financing or for providing loans to or for acquiring shares of any person who is part of the promoter group or group companies:

Provided that an issuer shall be eligible to issue fully convertible debt instruments for these purposes if the period of conversion of such debt instruments is less than eighteen months from the date of issue of such debt instruments.

### **Issue of warrants**

**13.** An issuer shall be eligible to issue warrants in an initial public offer subject to the following:

- a) the tenure of such warrants shall not exceed eighteen months from the date of their allotment in the initial public offer;
- b) a specified security may have one or more warrants attached to it;
- c) the price or formula for determination of exercise price of the warrants shall be determined upfront and disclosed in the offer document and at least twenty-five per cent. of the consideration amount based on the exercise price shall also be received upfront;

Provided that in case the exercise price of warrants is based on a formula, twenty-five per cent. consideration amount based on the cap price of the price band determined for the linked equity shares or convertible securities shall be received upfront.

- d) in case the warrant holder does not exercise the option to take equity shares against any of the warrants held by the warrant holder, within three months from the date of payment of consideration, such consideration made in respect of such warrants shall be forfeited by the issuer.

## **PART III: PROMOTERS' CONTRIBUTION**

### **Minimum promoters' contribution**

**14.** (1) The promoters of the issuer shall hold at least twenty per cent. of the post-issue capital:

Provided that in case the post-issue shareholding of the promoters is less than twenty per cent., alternative investment funds or foreign venture capital investors or scheduled commercial banks or public financial institutions or insurance companies registered with Insurance Regulatory and Development Authority of

India may contribute to meet the shortfall in minimum contribution as specified for the promoters, subject to a maximum of ten per cent. of the post-issue capital without being identified as promoter(s).

Provided further that the requirement of minimum promoters' contribution shall not apply in case an issuer does not have any identifiable promoter.

(2) The minimum promoters' contribution shall be as follows:

- a) the promoters shall contribute twenty per cent. as stipulated in sub-regulation (1), as the case may be, either by way of equity shares or by way of subscription to convertible securities:

**Provided that** if the price of the equity shares allotted pursuant to conversion is not pre-determined and not disclosed in the offer document, the promoters shall contribute only by way of subscription to the convertible securities being issued in the public issue and shall undertake in writing to subscribe to the equity shares pursuant to conversion of such securities.

- b) in case of any issue of convertible securities which are convertible or exchangeable on different dates and if the promoters' contribution is by way of equity shares (conversion price being pre-determined), such contribution shall not be at a price lower than the weighted average price of the equity share capital arising out of conversion of such securities.
- c) subject to the provisions of clause (a) and (b) above, in case of an initial public offer of convertible debt instruments without a prior public issue of equity shares, the promoters shall bring in a contribution of at least twenty per cent. of the project cost in the form of equity shares, subject to contributing at least twenty per cent. of the issue size from their own funds in the form of equity shares:

Provided that if the project is to be implemented in stages, the promoters' contribution shall be with respect to total equity participation till the respective stage vis-à-vis the debt raised or proposed to be raised through the public issue.

(3) The promoters shall satisfy the requirements of this regulation at least one day prior to the date of opening of the issue.

(4) In case the promoters have to subscribe to equity shares or convertible securities towards minimum promoters' contribution, the amount of promoters' contribution shall be kept in an escrow account with a scheduled commercial bank, which shall be released to the issuer along with the release of the issue proceeds:

Provided that where the promoters' contribution has already been brought in and utilised, the issuer shall give the cash flow statement disclosing the use of such funds in the offer document;

Provided further that where the minimum promoters' contribution is more than one hundred crore rupees and the initial public offer is for partly paid shares, the promoters shall bring in at least one hundred crore rupees before the date of opening of the issue and the remaining amount may be brought on a pro-rata basis before the calls are made to the public.

**Explanation:** For the purpose of this regulation:

(I) Promoters' contribution shall be computed on the basis of the post-issue expanded capital:

- (a) assuming full proposed conversion of convertible securities into equity shares;
- (b) assuming exercise of all vested options, where any employee stock options are outstanding at the time of initial public offer in terms of proviso (a) to sub-regulation (2) of regulation 5.

(II) For computation of "weighted average price":

- (a) "weight" means the number of equity shares arising out of conversion of such specified securities into equity shares at various stages;
- (b) "price" means the price of equity shares on conversion arrived at after taking into account the predetermined conversion price at various stages.

**Securities ineligible for minimum promoters' contribution**

**15. (1)** For the computation of minimum promoters' contribution, the following specified securities shall not be eligible:

- (a) specified securities acquired during the preceding three years, if these are:
  - (i) acquired for consideration other than cash and revaluation of assets or capitalisation of intangible assets is involved in such transaction; or
  - (ii) resulting from a bonus issue by utilisation of revaluation reserves or unrealised profits of the issuer or from bonus issue against equity shares which are ineligible for minimum promoters' contribution;
- (b) specified securities acquired by the promoters and alternative investment funds or foreign venture capital investors or scheduled commercial banks or public financial institutions or insurance companies registered with Insurance Regulatory and Development Authority of India, during the preceding one year at a price lower than the price at which specified securities are being offered to the public in the initial public offer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply:

- (i) if the promoters and alternative investment funds, as applicable, pay to the issuer the difference between the price at which the specified securities are offered in the initial public offer and the price at which the specified securities had been acquired;
- (ii) if such specified securities are acquired in terms of the scheme under sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956 or sections 230 to 234 of the Companies Act, 2013, as approved by a High Court or a tribunal or the Central Government, as applicable, by the promoters in lieu of business and invested capital that had been in existence for a period of more than one year prior to such approval;
- (iii) to an initial public offer by a government company, statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, which is engaged in the infrastructure sector;
- (c) specified securities allotted to the promoters and alternative investment funds during the preceding one year at a price less than the issue price, against funds brought in by them during that period, in case of an issuer formed by conversion of one or more partnership firms or limited liability partnerships, where the partners of the erstwhile partnership firms or limited liability partnerships are the promoters of the issuer and there is no change in the management:

Provided that specified securities, allotted to the promoters against the capital existing in such firms for a period of more than one year on a continuous basis, shall be eligible;

- (d) specified securities pledged with any creditor.

(2) Specified securities referred to in clauses (a) and (c) of sub-regulation (1) shall be eligible for the computation of promoters' contribution if such securities are acquired pursuant to a scheme which has been approved by a High Court under the sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956 or approved by a tribunal or the Central Government under sections 230 to 234 of the Companies Act, 2013.

#### **PART IV: LOCK-IN AND RESTRICTIONS ON TRANSFERABILITY**

##### **Lock-in of specified securities held by the promoters**

**16.** The specified securities held by the promoters shall not be transferable (hereinafter referred to as "lock-in") for the periods as stipulated hereunder:

- a) minimum promoters' contribution including contribution made by alternative investment funds or foreign venture capital investors or scheduled commercial banks or public financial institutions or insurance companies registered with Insurance Regulatory and Development Authority of India referred to in proviso to sub-regulation (1) of regulation 14, shall be locked-in for a period of three years from the date of commencement of commercial production or date of allotment in the initial public offer, whichever is later;

- (b) promoters' holding in excess of minimum promoters' contribution shall be locked-in for a period of one year from the date of allotment in the initial public offer.

**Explanation:** For the purposes of this clause, the expression "date of commencement of commercial production" means the last date of the month in which commercial production of the project in respect of which the funds raised are proposed to be utilised as stated in the offer document, is expected to commence.

**Lock-in of specified securities held by persons other than the promoters**

**17.** The entire pre-issue capital held by persons other than the promoters shall be locked-in for a period of one year from the date of allotment in the initial public offer:

Provided that nothing contained in this regulation shall apply to:

- a) equity shares allotted to employees, whether currently an employee or not, under an employee stock option or employee stock purchase scheme of the issuer prior to the initial public offer, if the issuer has made full disclosures with respect to such options or scheme in accordance with **Part A of Schedule VI**;
- b) equity shares held by an employee stock option trust or transferred to the employees by an employee stock option trust pursuant to exercise of options by the employees, whether currently employees or not, in accordance with the employee stock option plan or employee stock purchase scheme.

Provided that the equity shares allotted to the employees shall be subject to the provisions of lock-in as specified under the Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014.

- c) equity shares held by a venture capital fund or alternative investment fund of category I or Category II or a foreign venture capital investor:

Provided that such equity shares shall be locked in for a period of at least one year from the date of purchase by the venture capital fund or alternative investment fund or foreign venture capital investor.

**Explanation:** For the purpose of clause (c), in case such equity shares have resulted pursuant to conversion of fully paid-up compulsorily convertible securities, the holding period of such convertible securities as well as that of resultant equity shares together shall be considered for the purpose of calculation of one year period and convertible securities shall be deemed to be fully paid-up, if the entire consideration payable thereon has been paid and no further consideration is payable at the time of their conversion.

**Lock-in of specified securities lent to stabilising agent under the green shoe option**

**18.** The lock-in provisions shall not apply with respect to the specified securities lent to stabilising agent for the purpose of green shoe option, during the period starting from the date of lending of such specified securities and ending on the date on which they are returned to the lender in terms of sub-regulation (5) or (6) of regulation 57:

Provided that the specified securities shall be locked-in for the remaining period from the date on which they are returned to the lender.

**Lock-in of party-paid securities**

**19.** If the specified securities which are subject to lock-in are partly paid-up and the amount called-up on such specified securities is less than the amount called-up on the specified securities issued to the public, the lock-in shall end only on the expiry of three years after such specified securities have become *pari passu* with the specified securities issued to the public.

**Inscription or recording of non-transferability**

**20.** The certificates of specified securities which are subject to lock-in shall contain the inscription "non-transferable" and specify the lock-in period and in case such specified securities are dematerialised, the issuer shall ensure that the lock-in is recorded by the depository.

**Pledge of locked-in specified securities**

**21.** Specified securities held by the promoters and locked-in may be pledged as a collateral security for a loan granted by a scheduled commercial bank or a public financial institution or a systemically important non-banking finance company or a housing finance company, subject to the following:

- a) if the specified securities are locked-in in terms of clause (a) of regulation 16, the loan has been granted to the issuer company or its subsidiary(ies) for the purpose of financing one or more of the objects of the issue and pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan;
- b) if the specified securities are locked-in in terms of clause (b) of regulation 16 and the pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan.

Provided that such lock-in shall continue pursuant to the invocation of the pledge and such transferee shall not be eligible to transfer the specified securities till the lock-in period stipulated in these regulations has expired.

**Transferability of locked-in specified securities**

**22.** Subject to the provisions of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of shares and Takeovers) Regulations, 2011, the specified securities held by the promoters and locked-in as per regulation 16, may be transferred to another promoter or any person of the promoter group or a new promoter and the specified securities held by persons other than the promoters and locked-in as per regulation 17, may be transferred to any other person holding the specified securities which are locked-in along with the securities proposed to be transferred:

Provided that the lock-in on such specified securities shall continue for the remaining period with the transferee and such transferee shall not be eligible to transfer them till the lock-in period stipulated in these regulations has expired.

**PART V: APPOINTMENT OF LEAD MANAGERS, OTHER INTERMEDIARIES AND COMPLIANCE OFFICER**

**23. (1)** The issuer shall appoint one or more merchant bankers, which are registered with the Board, as lead manager(s) to the issue.

(2) Where the issue is managed by more than one lead manager, the rights, obligations and responsibilities, relating *inter alia* to disclosures, allotment, refund and underwriting obligations, if any, of each lead manager shall be predetermined and be disclosed in the draft offer document and the offer document as specified in **Schedule I**.

(3) At least one lead manager to the issue shall not be an associate (as defined under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992) of the issuer and if any of the lead manager is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and its role shall be limited to marketing of the issue.

(4) The issuer shall, in consultation with the lead manager(s), appoint other intermediaries which are registered with the Board after the lead manager(s) have independently assessed the capability of other intermediaries to carry out their obligations.

(5) The issuer shall enter into an agreement with the lead manager(s) in the format specified in **Schedule II** and enter into agreements with other intermediaries as required under the respective regulations applicable to the intermediary concerned:

Provided that such agreements may include such other clauses as the issuer and the intermediaries may deem fit without diminishing or limiting in any way the liabilities and obligations of the lead manager(s), other intermediaries and the issuer under the Act, the Companies Act, 2013 or the Companies Act, 1956 (to the extent applicable), the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and the rules and regulations made thereunder or any statutory modification or statutory enactment thereof:

Provided further that in case of ASBA process, the issuer shall take cognisance of the deemed agreement of the issuer with the self-certified syndicate banks.

(6) The issuer shall, in case of an issue made through the book building process, appoint syndicate member(s) and in the case of any other issue, appoint bankers to issue, at centres in the manner specified in **Schedule XII**.

(7) The issuer shall appoint a registrar to the issue, registered with the Board, which has connectivity with all the depositories:

Provided that if the issuer itself is a registrar, it shall not appoint itself as registrar to the issue;

Provided further that the lead manager shall not act as a registrar to the issue in which it is also handling the post-issue responsibilities.

(8) The issuer shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the securities laws and for redressal of investors' grievances.

## **PART VI: DISCLOSURES IN AND FILING OF OFFER DOCUMENTS**

### **Disclosures in the draft offer document and offer document**

**24.** (1) The draft offer document and offer document shall contain all material disclosures which are true and adequate to enable the applicants to take an informed investment decision.

(2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1), the red-herring prospectus, and prospectus shall contain:

- (a) disclosures specified in the Companies Act, 2013 and;
- (b) disclosures specified in **Part A of Schedule VI**.

(3) The lead manager(s) shall exercise due diligence and satisfy themselves about all aspects of the issue including the veracity and adequacy of disclosure in the draft offer document and the offer document.

(4) The lead manager(s) shall call upon the issuer, its promoters and its directors or in case of an offer for sale, also the selling shareholders, to fulfil their obligations as disclosed by them in the draft offer document and the offer document and as required in terms of these regulations.

(5) The lead manager(s) shall ensure that the information contained in the draft offer document and offer document and the particulars as per restated audited financial statements in the offer document are not more than six months old from the issue opening date.

### **Filing of the draft offer document and offer document**

**25.** (1) Prior to making an initial public offer, the issuer shall file three copies of the draft offer document with the concerned regional office of the Board under the jurisdiction of which the registered office of the issuer company is located, in accordance with **Schedule IV**, along with fees as specified in **Schedule III**, through the lead manager(s).

(2) The lead manager(s) shall submit the following to the Board along with the draft offer document:

- a) a certificate, confirming that an agreement has been entered into between the issuer and the lead manager(s);
- b) a due diligence certificate as per Form A of **Schedule V**;
- c) in case of an issue of convertible debt instruments, a due diligence certificate from the debenture trustee as per Form B of **Schedule V**;

(3) The issuer shall also file the draft offer document with the stock exchange(s) where the specified securities are proposed to be listed, and submit to the stock exchange(s), the Permanent Account Number, bank account number and passport number of its promoters where they are individuals, and Permanent Account Number, bank account number, company registration number or equivalent and the address of the Registrar of Companies with which the promoter is registered, where the promoter is a body corporate.

(4) The Board may specify changes or issue observations, if any, on the draft offer document within thirty days from the later of the following dates:

- a) the date of receipt of the draft offer document under sub-regulation (1); or
- b) the date of receipt of satisfactory reply from the lead manager(s), where the Board has sought any clarification or additional information from them; or



- c) the date of receipt of clarification or information from any regulator or agency, where the Board has sought any clarification or information from such regulator or agency; or
  - d) the date of receipt of a copy of in-principle approval letter issued by the stock exchange(s).
- (5) If the Board specifies any changes or issues observations on the draft offer document, the issuer and lead manager(s) shall carry out such changes in the draft offer document and shall submit to the Board an updated draft offer document complying with the observations issued by the Board and highlighting all changes made in the draft offer document and before registering or filing the offer documents with the Registrar of Companies or an appropriate authority, as applicable.
- (6) If there are any changes in the draft offer document in relation to the matters specified in **Schedule XVI**, an updated offer document or a fresh draft offer document, as the case may be, shall be filed with the Board along with fees specified in **Schedule III**.
- (7) Copy of the offer documents shall also be filed with the Board and the stock exchange(s) through the lead manager(s) promptly after registering the offer documents with Registrar of Companies.
- (8) The draft offer document and the offer document shall also be furnished to the Board in a soft copy.
- (9) The lead manager(s) shall submit the following documents to the Board after issuance of observations by the Board or after expiry of the period stipulated in sub-regulation (4) of regulation 25 if the Board has not issued observations:
- a) a statement certifying that all changes, suggestions and observations made by the Board have been incorporated in the offer document;
  - b) a due diligence certificate as per **Form C** of **Schedule V**, at the time of registering of the offer document;
  - c) a copy of the resolution passed by the board of directors of the issuer for allotting specified securities to promoter(s) towards amount received against promoters' contribution, before opening of the issue;
  - d) a certificate from a statutory auditor, before opening of the issue, certifying that promoters' contribution has been received in accordance with these regulations, accompanying therewith the names and addresses of the promoters who have contributed to the promoters' contribution and the amount paid and credited to the issuer's bank account by each of them towards such contribution;
  - e) a due diligence certificate as per **Form D** of **Schedule V**, in the event the issuer has made a disclosure of any material development by issuing a public notice pursuant to para 4 of **Schedule IX**.

#### **Draft offer document and offer document to be available to the public**

**26.** (1) The draft offer document filed with the Board shall be made public for comments, if any, for a period of at least twenty one days from the date of filing, by hosting it on the websites of the Board, stock exchanges where specified securities are proposed to be listed and lead manager(s) associated with the issue.

(2) The issuer shall, within two days of filing the draft offer document with the Board, make a public announcement in one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated, disclosing the fact of filing of the draft offer document with the Board and inviting the public to provide their comments to the Board, the issuer or the lead manager(s) in respect of the disclosures made in the draft offer document.

(3) The lead manager(s) shall, after expiry of the period stipulated in sub-regulation (1), file with the Board, details of the comments received by them or the issuer from the public, on the draft offer document, during that period and the consequential changes, if any, that are required to be made in the draft offer document.

(4) The issuer and the lead manager(s) shall ensure that the offer documents are hosted on the websites as required under these regulations and its contents are the same as the versions as filed with the Registrar of Companies, Board and the stock exchanges, as applicable.

(5) The lead manager(s) and the stock exchanges shall provide copies of the offer document to the public as and when requested and may charge a reasonable sum for providing a copy of the same.

## **PART VII - PRICING**

### **Face value of equity shares**

**27.** The disclosure about the face value of equity shares shall be made in the draft offer document, offer document, advertisements and application forms, along with the price band or the issue price in identical font size.

### **Pricing**

**28.** (1) The issuer may determine the price of equity shares, and in case of convertible securities, the coupon rate and the conversion price, in consultation with the lead manager(s) or through the book building process, as the case may be.

(2) The issuer shall undertake the book building process in the manner specified in **Schedule XIII**.

### **Price and price band**

**29.** (1) The issuer may mention a price or a price band in the offer document (in case of a fixed price issue) and a floor price or a price band in the red herring prospectus (in case of a book built issue) and determine the price at a later date before registering the prospectus with the Registrar of Companies:

Provided that the prospectus registered with the Registrar of Companies shall contain only one price or the specific coupon rate, as the case may be.

(2) The cap on the price band, and the coupon rate in case of convertible debt instruments, shall be less than or equal to one hundred and twenty per cent. of the floor price.

(3) The floor price or the final price shall not be less than the face value of the specified securities.

(4) Where the issuer opts not to make the disclosure of the floor price or price band in the red herring prospectus, the issuer shall announce the floor price or the price band at least two working days before the opening of the issue in the same newspapers in which the pre-issue advertisement was released or together with the pre-issue advertisement in the format prescribed under Part A of **Schedule X**.

(5) The announcement referred to in sub-regulation (4) shall contain relevant financial ratios computed for both upper and lower end of the price band and also a statement drawing attention of the investors to the section titled “basis of issue price” of the offer document.

(6) The announcement referred to in sub-regulation (4) and the relevant financial ratios referred to in sub-regulation (5) shall be disclosed on the websites of the stock exchange(s) and shall also be pre-filled in the application forms to be made available on the websites of the stock exchange(s).

### **Differential pricing**

**30.** (1) The issuer may offer its specified securities at different prices, subject to the following:

- a) retail individual investors or retail individual shareholders or employees entitled for reservation made under regulation 33 may be offered specified securities at a price not lower than by more than ten per cent. of the price at which net offer is made to other categories of applicants, excluding anchor investors;
- b) in case of a book built issue, the price of the specified securities offered to the anchor investors shall not be lower than the price offered to other applicants;
- c) In case the issuer opts for the alternate method of book building in terms of **Part D of Schedule XIII**, the issuer may offer the specified securities to its employees at a price not lower than by more than ten per cent. of the floor price.

(2) Discount, if any, shall be expressed in rupee terms in the offer document.

## **PART VIII: ISSUANCE CONDITIONS AND PROCEDURE**

### **Minimum offer to public**

**31.** The minimum offer to the public shall be subject to the provisions of clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of Securities Contracts (Regulations) Rules, 1957.

**Allocation in the net offer**

**32.** (1) In an issue made through the book building process under sub-regulation (1) of regulation 6 the allocation in the net offer category shall be as follows:

- (a) not less than thirty five per cent. to retail individual investors;
- (b) not less than fifteen per cent. to non-institutional investors;
- (c) not more than fifty per cent. to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds;

Provided that the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in any other category:

Provided further that in addition to five per cent. allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers.

(2) In an issue made through the book building process under sub-regulation (2) of regulation 6, the allocation in the net offer category shall be as follows:

- (a) not more than ten per cent. to retail individual investors;
- (b) not more than fifteen per cent. to non-institutional investors;
- (c) not less than seventy five per cent. to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds

Provided that the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in the other category:

Provided further that in addition to five per cent. allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers.

(3) In an issue made through the book building process, the issuer may allocate up to sixty per cent. of the portion available for allocation to qualified institutional buyers to anchor investors in accordance with the conditions specified in this regard in **Schedule XIII**.

(4) In an issue made other than through the book building process, the allocation in the net offer category shall be made as follows:

- i) minimum fifty per cent. to retail individual investors; and
- ii) remaining to:
  - (i) individual applicants other than retail individual investors; and
  - (ii) other investors including corporate bodies or institutions, irrespective of the number of specified securities applied for;

Provided that the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in the other category.

**Explanation:** For the purpose of sub-regulation (4), if the retail individual investor category is entitled to more than fifty per cent. of the issue size on a proportionate basis, the retail individual investors shall be allocated that higher percentage.

**Reservation on a competitive basis**

**33.** (1) The issuer may make reservations on a competitive basis out of the issue size excluding promoters' contribution in favour of the following categories of persons:

- a) employees;
- b) shareholders (other than promoters and promoter group) of listed subsidiaries or listed promoter companies.

Provided that the issuer shall not make any reservation for the lead manager(s), registrar, syndicate member(s), their promoters, directors and employees and for the group or associate companies

(as defined under the Companies Act, 2013) of the lead manager(s), registrar and syndicate member(s) and their promoters, directors and employees.

(2) The reservations on a competitive basis shall be subject to the following conditions:

- a) the aggregate of reservations for employees shall not exceed five per cent. of the post-issue capital of the issuer and the value of allotment to any employee shall not exceed two lakhs rupees:

Provided that in the event of under-subscription in the employee reservation portion, the unsubscribed portion may be allotted on a proportionate basis, for a value in excess of two lakhs rupees, subject to the total allotment to an employee not exceeding five lakhs rupees.

- b) reservation for shareholders shall not exceed ten per cent. of the issue size;
- c) no further application for subscription in the net offer can be made by persons (except an employee and retail individual shareholder) in favour of whom reservation on a competitive basis is made;
- d) any unsubscribed portion in any reserved category may be added to any other reserved category and the unsubscribed portion, if any, after such inter-se adjustments among the reserved categories shall be added to the net offer category;
- e) in case of under-subscription in the net offer category, spill-over to the extent of under-subscription shall be permitted from the reserved category to the net offer.

(3) An applicant in any reserved category may make an application for any number of specified securities, but not exceeding the reserved portion for that category.

#### **Abridged prospectus**

**34.** (1) The abridged prospectus shall contain the disclosures as specified in **Part E** of **Schedule VI** and shall not contain any matter extraneous to the contents of the offer document.

(2) Every application form distributed by the issuer or any other person in relation to an issue shall be accompanied by a copy of the abridged prospectus.

#### **ASBA**

**35.** The issuer shall accept bids using only the ASBA facility in the manner specified by the Board.

#### **Availability of issue material**

**36.** The lead manager(s) shall ensure availability of the offer document and other issue material including application forms to stock exchanges, syndicate members, registrar to issue, registrar and share transfer agents, depository participants, stock brokers, underwriters, bankers to the issue, and self certified syndicate banks before the opening of the issue.

#### **Prohibition on payment of incentives**

**37.** Any person connected with the issue shall not offer any incentive, whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise to any person for making an application in the initial public offer, except for fees or commission for services rendered in relation to the issue.

#### **Security deposit**

**38.** (1) The issuer shall, before the opening of the subscription list, deposit with the designated stock exchange, an amount calculated at the rate of one per cent. of the issue size available for subscription to the public in the manner specified by Board and/or stock exchange(s).

(2) The amount specified in sub-regulation (1) shall be refundable or forfeitable in the manner specified by the Board.

#### **IPO grading**

**39.** The issuer may obtain grading for its initial public offer from one or more credit rating agencies registered with the Board.

**Underwriting**

**40.** (1) If the issuer making an initial public offer, other than through the book building process, desires to have the issue underwritten, it shall appoint underwriters in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993.

(2) If the issuer makes a public issue through the book building process,

a) the issue shall be underwritten by lead manager(s) and syndicate member(s):

Provided that at least seventy five per cent. of the net offer proposed to be compulsorily allotted to qualified institutional buyers for the purpose of compliance of the eligibility conditions specified in sub-regulation (2) of regulation 6, cannot be underwritten.

b) the issuer shall, prior to filing the prospectus, enter into underwriting agreement with the lead manager(s) and syndicate member(s), indicating therein the number of specified securities which they shall subscribe to at the predetermined price in the event of under-subscription in the issue.

c) if the syndicate member(s) fail to fulfil their underwriting obligations, the lead manager(s) shall fulfil the underwriting obligations.

d) the lead manager(s) and syndicate member(s) shall not subscribe to the issue in any manner except for fulfilling their underwriting obligations.

e) in case of every underwritten issue, the lead manager(s) shall undertake minimum underwriting obligations as specified in the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.

f) where the issue is required to be underwritten, the underwriting obligations should at least to the extent of minimum subscription.

**Monitoring agency**

**41.** (1) If the issue size, excluding the size of offer for sale by selling shareholders, exceeds one hundred crore rupees, the issuer shall make arrangements for the use of proceeds of the issue to be monitored by a public financial institution or by a scheduled commercial bank named in the offer document as bankers of the issuer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to an issue of specified securities made by a bank or public financial institution or an insurance company.

(2) The monitoring agency shall submit its report to the issuer in the format specified in **Schedule XI** on a quarterly basis, till at least ninety five per cent. of the proceeds of the issue, excluding the proceeds raised for general corporate purposes, have been utilised.

(3) The board of directors and the management of the issuer shall provide their comments on the findings of the monitoring agency as specified in **Schedule XI**.

(4) The issuer shall, within forty five days from the end of each quarter, publicly disseminate the report of the monitoring agency by uploading the same on its website as well as submitting the same to the stock exchange(s) on which its equity shares are listed.

**Public communications, publicity materials, advertisements and research reports**

**42.** All public communication, publicity materials, advertisements and research reports shall comply with the provisions of **Schedule IX**.

**Issue-related advertisements**

**43.** (1) Subject to the provisions of the Companies Act, 2013, the issuer shall, after registering the red herring prospectus (in case of a book built issue) or prospectus (in case of fixed price issue) with the Registrar of Companies, make a pre-issue advertisement in one English national daily newspaper with wide circulation, Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated.

(2) The pre-issue advertisement shall be in the format and shall contain the disclosures specified in **Part A** of **Schedule X**:

Provided that the disclosures in relation to price band or floor price and financial ratios contained therein shall only be applicable where the issuer opts to announce the price band or floor price along with the pre-issue advertisement pursuant to sub-regulation (4) of regulation 29.

(3) The issuer may release advertisements for issue opening and issue closing, which shall be in the formats specified in **Parts B and C of Schedule X**.

(4) During the period the issue is open for subscription, no advertisement shall be released giving an impression that the issue has been fully subscribed or oversubscribed or indicating investors' response to the issue.

#### **Opening of the issue**

**44 .** (1) Subject to the compliance with the provisions of the Companies Act, 2013, a public issue may be opened within twelve months from the date of issuance of the observations by the Board under regulation 25;

(2) An issue shall be opened after at least three working days from the date of registering, the red herring prospectus, in case of a book built issue and the prospectus, in case of a fixed price issue, with the Registrar of Companies.

#### **Minimum subscription**

**45.** (1) The minimum subscription to be received in the issue shall be at least ninety per cent. of the offer through the offer document, except in case of an offer for sale of specified securities:

Provided that the minimum subscription to be received shall be subject to the allotment of minimum number of specified securities, as prescribed under the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.

(2) In the event of non-receipt of minimum subscription referred to in sub-regulation (1), all application monies received shall be refunded to the applicants forthwith, but not later than fifteen days from the closure of the issue.

#### **Period of subscription**

**46.** (1) Except as otherwise provided in these regulations, an initial public offer shall be kept open for at least three working days and not more than ten working days.

(2) In case of a revision in the price band, the issuer shall extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus, for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

(2) In case of force majeure, banking strike or similar circumstances, the issuer may, for reasons to be recorded in writing, extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus (in case of a book built issue) or the issue period disclosed in the prospectus (in case of a fixed price issue), for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

#### **Application and minimum application value**

**47.** (1) A person shall not make an application in the net offer category for a number of specified securities that exceeds the total number of specified securities offered to the public:

Provided that the maximum application by non-institutional investors shall not exceed total number of specified securities offered in the issue less total number of specified securities offered in the issue to qualified institutional buyers.

(2) The issuer shall stipulate in the offer document the minimum application size in terms of number of specified securities which shall fall within the range of minimum application value of ten thousand rupees to fifteen thousand rupees.

(3) The issuer shall invite applications in multiples of the minimum application value, an illustration whereof is given in **Part B of Schedule XIV**.

(4) The minimum sum payable on application per specified security shall be at least twenty five per cent. of the issue price:

Provided that in case of an offer for sale, the full issue price for each specified security shall be payable at the time of application.

**Explanation:** For the purpose of this regulation, “minimum application value” shall be with reference to the issue price of the specified securities and not with reference to the amount payable on application.

#### **Manner of calls**

**48.** If the issuer proposes to receive subscription monies in calls, it shall ensure that the outstanding subscription money is called within twelve months from the date of allotment in the issue and if any applicant fails to pay the call money within the said twelve months, the equity shares on which there are calls in arrears along with the subscription money already paid on such shares shall be forfeited:

Provided that it shall not be necessary to call the outstanding subscription money within twelve months, if the issuer has appointed a monitoring agency in terms of regulation 41.

#### **Allotment procedure and basis of allotment**

**49.** (1) The issuer shall not make an allotment pursuant to a public issue if the number of prospective allottees is less than one thousand.

(2) The issuer shall not make any allotment in excess of the specified securities offered through the offer document except in case of oversubscription for the purpose of rounding off to make allotment, in consultation with the designated stock exchange:

Provided that in case of oversubscription, an allotment of not more than one per cent. of the net offer to public may be made for the purpose of making allotment in minimum lots.

(3) The allotment of specified securities to applicants other than to the retail individual investors and anchor investors shall be on a proportionate basis within the respective investor categories and the number of securities allotted shall be rounded off to the nearest integer, subject to minimum allotment being equal to the minimum application size as determined and disclosed in the offer document:

Provided that the value of specified securities allotted to any person, except in case of employees, in pursuance of reservation made under clause (a) of sub-regulation (1) or clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 33, shall not exceed two lakhs rupees for retail investors or up to five lakhs rupees for eligible employees.

(4) The allotment of specified securities to each retail individual investor shall not be less than the minimum bid lot, subject to the availability of shares in retail individual investor category, and the remaining available shares, if any, shall be allotted on a proportionate basis.

(5) The authorised employees of the designated stock exchange, along with the lead manager(s) and registrars to the issue, shall ensure that the basis of allotment is finalised in a fair and proper manner in accordance with the procedure as specified in **Part A of Schedule XIV**.

#### **Allotment, refund and payment of interest**

**50.** (1) The issuer and lead manager(s) shall ensure that the specified securities are allotted and/or application monies are refunded or unblocked within such period as may be specified by the Board.

(2) The lead manager(s) shall ensure that the allotment, credit of dematerialised securities and refund or unblocking of application monies, as may be applicable, are done electronically.

(3) Where the specified securities are not allotted and/or application monies are not refunded or unblocked within the period stipulated in sub-regulation (1) above, the issuer shall undertake to pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum to the investors and within such time as disclosed in the offer document and the lead manager(s) shall ensure the same.

#### **Post-issue advertisements**

**51.** (1) The lead manager(s) shall ensure that an advertisement giving details relating to subscription, basis of allotment, number, value and percentage of all applications including ASBA, number, value and percentage of successful allottees for all applications including ASBA, date of completion of despatch of refund orders, as applicable, or instructions to self-certified syndicate banks by the registrar, date of credit of specified securities and date of filing of listing application, etc. is released within ten days from the date

of completion of the various activities in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where registered office of the issuer is situated.

(2) Details specified in sub regulation (1) shall also be placed on the websites of the stock exchange(s).

#### **Post-issue responsibilities of the lead manager(s)**

**52.** (1) The responsibility of the lead manager(s) shall continue until completion of the issue process and for any issue related matter thereafter.

(2) The lead manager(s) shall regularly monitor redressal of investor grievances arising from any issue related activities.

(3) The lead manager(s) shall continue to be responsible for post-issue activities till the applicants have received the securities certificates, credit to their demat account or refund of application monies and the listing agreement is entered into by the issuer with the stock exchange and listing or trading permission is obtained.

(4) The lead manager(s) shall be responsible for and co-ordinate with the registrars to the issue and with various intermediaries at regular intervals after the closure of the issue to monitor the flow of applications from syndicate member(s) or collecting bank branches and/ or self-certified syndicate banks, processing of the applications including application form for ASBA and other matters till the basis of allotment is finalised, credit of the specified securities to the demat accounts of the allottees and unblocking of ASBA accounts/ despatch of refund orders are completed and securities are listed, as applicable.

(5) Any act of omission or commission on the part of any of the intermediaries noticed by the lead manager(s) shall be duly reported by them to the Board.

(6) In case there is a devolvement on the underwriters, the lead manager(s) shall ensure that the notice for devolvement containing the obligation of the underwriters is issued within ten days from the date of closure of the issue.

(7) In the case of undersubscribed issues that are underwritten, the lead manager(s) shall furnish information in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvement to the Board, in the format specified in **Schedule XVIII**.

#### **Release of subscription money**

**53.** (1) The lead manager(s) shall confirm to the bankers to the issue by way of copies of listing and trading approvals that all formalities in connection with the issue have been completed and that the banker is free to release the money to the issuer or release the money for refund in case of failure of the issue.

(2) In case the issuer fails to obtain listing or trading permission from the stock exchanges where the specified securities were to be listed, it shall refund through verifiable means the entire monies received within seven days of receipt of intimation from stock exchanges rejecting the application for listing of specified securities, and if any such money is not repaid within eight days after the issuer becomes liable to repay it, the issuer and every director of the company who is an officer in default shall, on and from the expiry of the eighth day, be jointly and severally liable to repay that money with interest at the rate of fifteen per cent. per annum.

(3) The lead manager(s) shall ensure that the monies received in respect of the issue are released to the issuer in compliance with the provisions of Section 40 (3) of the Companies Act, 2013, as applicable.

#### **Reporting of transactions of the promoters and promoter group**

**54.** The issuer shall ensure that all transactions in securities by the promoter and promoter group between the date of filing of the draft offer document or offer document, as the case may be, and the date of closure of the issue shall be reported to the stock exchange(s), within twenty four hours of such transactions.

#### **Post-issue reports**

**55.** The lead manager(s) shall submit a final post-issue report as specified in **Part A of Schedule XVII**, along with a due diligence certificate as per the format specified in **Form F of Schedule V**, within seven



days of the date of finalization of basis of allotment or within seven days of refund of money in case of failure of issue.

## **PART IX: MISCELLANEOUS**

### **Restriction on further capital issues**

**56.** An issuer shall not make any further issue of specified securities in any manner whether by way of public issue, rights issue, preferential issue, qualified institutions placement, issue of bonus shares or otherwise, except pursuant to an employee stock option scheme, during the period between the date of filing the draft offer document and the listing of the specified securities offered through the offer document or refund of application monies, unless full disclosures regarding the total number of specified securities or amount proposed to be raised from such further issue are made in such draft offer document or offer document, as the case may be.

### **Price stabilisation through green shoe option**

**57. (1)** An issuer may provide a green shoe option for stabilising the post listing price of its specified securities, subject to the following:

- a) the issuer has been authorized, by a resolution passed in the general meeting of shareholders approving the public issue, to allot specified securities to the stabilising agent, if required, on the expiry of the stabilisation period;
  - b) the issuer has appointed a lead manager as a stabilising agent, who shall be responsible for the price stabilisation process;
  - c) prior to filing the draft offer document, the issuer and the stabilising agent have entered into an agreement, stating all the terms and conditions relating to the green shoe option including fees charged and expenses to be incurred by the stabilising agent for discharging its responsibilities;
  - d) prior to filing the offer document, the stabilising agent has entered into an agreement with the promoters or pre-issue shareholders or both for borrowing specified securities from them in accordance with clause (g) of this sub-regulation, specifying therein the maximum number of specified securities that may be borrowed for the purpose of allotment or allocation of specified securities in excess of the issue size (hereinafter referred to as the “over- allotment”), which shall not be in excess of fifteen per cent. of the issue size;
  - e) subject to clause (d), the lead manager, in consultation with the stabilising agent, shall determine the amount of specified securities to be over-allotted in the public issue;
  - f) the draft offer document and offer document shall contain all material disclosures about the green shoe option specified in this regard in Part A of **Schedule VI**;
  - g) in case of an initial public offer pre-issue shareholders and promoters and in case of a further public offer pre-issue shareholders holding more than five per cent. specified securities and promoters, may lend specified securities to the extent of the proposed over-allotment;
  - h) the specified securities borrowed shall be in dematerialised form and allocation of these securities shall be made pro-rata to all successful applicants.
- (2) For the purpose of stabilisation of post-listing price of the specified securities, the stabilising agent shall determine the relevant aspects including the timing of buying such securities, quantity to be bought and the price at which such securities are to be bought from the market.
  - (3) The stabilisation process shall be available for a period not exceeding thirty days from the date on which trading permission is given by the stock exchanges in respect of the specified securities allotted in the public issue.
  - (4) The stabilising agent shall open a special account, distinct from the issue account, with a bank for crediting the monies received from the applicants against the over-allotment and a special account with a depository participant for crediting specified securities to be bought from the market during the stabilisation period out of the monies credited in the special bank account.

- (5) The specified securities bought from the market and credited in the special account with the depository participant shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders immediately, in any case not later than two working days after the end of the stabilisation period.
- (6) On expiry of the stabilisation period, if the stabilising agent has not been able to buy specified securities from the market to the extent of such securities over-allotted, the issuer shall allot specified securities at issue price in dematerialised form to the extent of the shortfall to the special account with the depository participant, within five days of the closure of the stabilisation period and such specified securities shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders by the stabilising agent in lieu of the specified securities borrowed from them and the account with the depository participant shall be closed thereafter.
- (7) The issuer shall make a listing application in respect of the further specified securities allotted under sub-regulation (6), to all the stock exchanges where the specified securities allotted in the public issue are listed and the provisions of Chapter VII shall not be applicable to such allotment.
- (8) The stabilising agent shall remit the monies with respect to the specified securities allotted under sub-regulation (6) to the issuer from the special bank account.
- (9) Any monies left in the special bank account after remittance of monies to the issuer under sub-regulation (8) and deduction of expenses incurred by the stabilising agent for the stabilisation process shall be transferred to the Investor Protection and Education Fund established by the Board and the special bank account shall be closed soon thereafter.
- (10) The stabilising agent shall submit a report to the stock exchange on a daily basis during the stabilisation period and a final report to the Board in the format specified in **Schedule XV**.
- (11) The stabilising agent shall maintain a register for a period of at least three years from the date of the end of the stabilisation period and such register shall contain the following particulars:
  - (a) The names of the promoters or pre-issue shareholders from whom the specified securities were borrowed and the number of specified securities borrowed from each of them;
  - (b) The price, date and time in respect of each transaction effected in the course of the stabilisation process; and
  - (c) The details of allotment made by the issuer on expiry of the stabilisation process.

#### **Alteration of rights of holders of specified securities**

**58.** The issuer shall not alter the terms including the terms of issue of specified securities which may adversely affect the interests of the holders of that specified securities, except with the consent in writing of the holders of not less than three-fourths of the specified securities of that class or with the sanction of a special resolution passed at a meeting of the holders of the specified securities of that class.

#### **Post-listing exit opportunity for dissenting shareholders**

**59.** The promoters, or shareholders in control of an issuer, shall provide an exit offer to dissenting shareholders as provided for in the Companies Act, 2013, in case of change in objects or variation in the terms of contract related to objects referred to in the offer document as per conditions and manner is provided in **Schedule XX**:

**Provided that** the exit offer shall not apply where there are neither any identifiable promoters nor any shareholders in control of the issuer.

### **CHAPTER III - RIGHTS ISSUE**

#### **PART I: ELIGIBILITY REQUIREMENTS**

##### **Reference date**

**60.** Unless otherwise provided in this Chapter, an issuer offering specified securities of aggregate value of ten crore rupees or more, through a rights issue shall satisfy the conditions of this Chapter at the time of filing the draft letter of offer with the Board and also at the time of filing the final letter of offer with the stock exchanges, as the case may be.

**Entities not eligible to make a rights issue**

**61.** An issuer shall not be eligible to make a rights issue of specified securities:

- a) if the issuer, any of its promoters, promoter group or directors of the issuer are debarred from accessing the capital market by the Board;
- b) if any of the promoters or directors of the issuer is a promoter or director of any other company which is debarred from accessing the capital market by the Board.
- c) if any of its promoters or directors is a fugitive economic offender.

**Explanation:** The restrictions under (a) and (b) above will not apply to the promoters or directors of the issuer who were debarred in the past by the Board and the period of debarment is already over as on the date of filing of the draft letter of offer with the Board.

**General conditions**

**62.** (1) The issuer making a rights issue of specified securities shall ensure that:

- (a) it has made an application to one or more stock exchanges to seek an in-principle approval for listing of its specified securities on such stock exchanges and has chosen one of them as the designated stock exchange, in terms of **Schedule XIX**.
- (b) all its existing partly paid-up equity shares have either been fully paid-up or have been forfeited;
- (c) it has made firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance for the specific project proposed to be funded from issue proceeds, excluding the amount to be raised through the proposed rights issue or through existing identifiable internal accruals.

(2) The amount for general corporate purposes, as mentioned in objects of the issue in the draft letter of offer and the letter of offer, shall not exceed twenty five per cent. of the amount raised by the issuer.

(3) Where the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter, the promoters or promoter group of the issuer shall not renounce their rights except to the extent of renunciation within the promoter group.

**PART II: ISSUE OF CONVERTIBLE DEBT INSTRUMENTS AND WARRANTS****Additional requirements for issue of convertible debt instruments**

**63.** (1) In addition to other requirements laid down in these regulations, an issuer making a rights issue of convertible debt instruments shall also comply with the following conditions:

- a) it has obtained credit rating from at least one credit rating agency;
- b) it has appointed at least one debenture trustee in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993;
- c) it shall create a debenture redemption reserve in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and rules made thereunder;
- d) if the issuer proposes to create a charge or security on its assets in respect of secured convertible debt instruments, it shall ensure that:
  - (i) such assets are sufficient to discharge the principal amount at all times;
  - (ii) such assets are free from any encumbrance;
  - (iii) where security is already created on such assets in favour of any existing lender or security trustee or the issue of convertible debt instruments is proposed to be secured by creation of security on a leasehold land, the consent of such lender or security trustee or lessor for a second or pari passu charge has been obtained and submitted to the debenture trustee before the opening of the issue;
  - (iv) the security or asset cover shall be arrived at after reduction of the liabilities having a first or prior charge, in case the convertible debt instruments are secured by a second or subsequent charge.

(2) The issuer shall redeem the convertible debt instruments in terms of the letter of offer.

**Roll over of non-convertible portion of partly convertible debt instruments**

**64.** (1) The non-convertible portion of partly convertible debt instruments issued by a listed issuer, the value of which exceeds ten crore rupees, may be rolled over, subject to compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the following conditions:

- (a) seventy five per cent. of the holders (in value) of the convertible debt instruments of the issuer have, through a resolution, approved the rollover through postal ballot;
- (b) the issuer has, along with the notice for passing the resolution, sent to all holders of the convertible debt instruments, an auditors' certificate on the cash flow of the issuer and with comments on the liquidity position of the issuer;
- (c) the issuer has undertaken to redeem the non-convertible portion of the partly convertible debt instruments of all the holders of the convertible debt instruments who have not agreed to the resolution;
- (d) credit rating has been obtained from at least one credit rating agency registered with the Board within a period of one month prior to the due date of redemption and has been communicated to the holders of the convertible debt instruments, before the roll over;

(2) The creation of fresh security and execution of fresh trust deed shall not be mandatory if the existing trust deed or the security documents provide for continuance of the security till redemption of secured convertible debt instruments:

Provided that whether the issuer is required to create fresh security and to execute fresh trust deed or not shall be decided by the debenture trustee.

**Conversion of optionally convertible debt instruments into equity shares**

**65.** (1) An issuer shall not convert its optionally convertible debt instruments into equity shares unless the holders of such convertible debt instruments have sent their positive consent to the issuer and non-receipt of reply to any notice sent by the issuer for this purpose shall not be construed as consent for conversion of any convertible debt instruments.

(2) Where the value of the convertible portion of any listed convertible debt instruments issued by an issuer exceeds ten crores and the issuer has not determined the conversion price of such convertible debt instruments at the time of making the issue, the holders of such convertible debt instruments shall be given the option of not converting the convertible portion into equity shares:

Provided that where the upper limit on the price of such convertible debt instruments and justification thereon is determined and disclosed to the investors at the time of making the issue, it shall not be necessary to give such option to the holders of the convertible debt instruments for converting the convertible portion into equity share capital within the said upper limit.

(3) Where an option is to be given to the holders of the convertible debt instruments in terms of sub-regulation (2) and if one or more of such holders do not exercise the option to convert the instruments into equity share capital at a price determined in the general meeting of the shareholders, the issuer shall redeem that part of the instruments within one month from the last date by which option is to be exercised, at a price which shall not be less than its face value:

Provided that the provisions of sub-regulation (3) shall not apply if such redemption is in terms of the disclosures made in the offer document.

**Issue of convertible debt instruments for financing**

**66.** An issuer shall not issue convertible debt instruments for financing or for providing loans to or for acquiring shares of any person who is part of the promoter group or group companies:

Provided that an issuer shall be eligible to issue fully convertible debt instruments for these purposes if the period of conversion of such debt instruments is less than eighteen months from the date of issue of such debt instruments.

**Issue of warrants**

**67.** An issuer shall be eligible to issue warrants subject to the following:

- a) the tenure of such warrants shall not exceed eighteen months from their date of allotment in the rights issue;
- b) a specified security may have one or more warrants attached to it;
- c) the price or formula for determination of exercise price of the warrants shall be determined upfront and disclosed in the letter of offer and at least twenty-five per cent. of the consideration amount based on the exercise price shall also be received upfront:

Provided that in case the exercise price of warrants is based on a formula, twenty-five per cent. consideration amount calculated as per the formula with reference date being the record date shall be received upfront.

- d) in case the warrant holder does not exercise the option to take equity shares against any of the warrants held by the warrant holder, within three months from the date of payment of consideration, such consideration made in respect of such warrants shall be forfeited by the issuer.

**PART III: RECORD DATE**

**68.** (1) The issuer shall announce a record date for the purpose of determining the shareholders eligible to apply for specified securities in the proposed rights issue for such period as may be specified in the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

(2) The issuer shall not withdraw its rights issue after announcement of the record date. However, if the issuer withdraws the rights issue after announcing the record date, it shall not be eligible to make an application for listing of any of its specified securities on any stock exchange for a period of twelve months from the record date announced under sub-regulation (1):

Provided that the issuer may seek listing of its equity shares allotted pursuant to conversion or exchange of convertible securities, ESOPs or exercise of warrants issued prior to the announcement of the record date, on the stock exchange where its securities are listed.

**PART IV – APPOINTMENT OF LEAD MANAGERS, OTHER INTERMEDIARIES AND COMPLIANCE OFFICER**

**69.** (1) The issuer shall appoint one or more merchant bankers, which are registered with the Board, as lead manager(s) to the issue.

(2) Where the issue is managed by more than one lead manager, the rights, obligations and responsibilities, relating *inter alia* to disclosures, allotment, refund and underwriting obligations, if any, of each lead manager shall be predetermined and be disclosed in the draft letter offer and the letter of offer as specified in **Schedule I**:

(3) At least one lead manager to the issue shall not be an associate [as defined under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992] of the issuer and if any of the lead manager is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and its role shall be limited to marketing of the issue.

(4) The issuer shall, in consultation with the lead manager(s), appoint other intermediaries which are registered with the Board after the lead manager(s) have independently assessed the capability of other intermediaries to carry out their obligations.

(5) The issuer shall enter into an agreement with the lead manager(s) in the format specified in **Schedule II** and also enter into agreements with other intermediaries as required under the respective regulations applicable to the intermediary concerned:

Provided that such agreements may include such other clauses as the issuer and the intermediaries may deem fit without diminishing or limiting in any way the liabilities and obligations of the lead manager(s), other intermediaries and the issuer under the Act, the Companies Act, 2013 or the Companies Act, 1956

(to the extent applicable), the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and the rules and regulations made thereunder or any statutory modification or statutory enactment thereof:

Provided further that in case of ASBA process, the issuer shall take cognisance of the deemed agreement of the issuer with the self-certified syndicate banks.

(6) The issuer shall appoint bankers to an issue, at centres as specified in **Schedule XII**.

(7) The issuer shall appoint a registrar to the issue registered with the Board, which has connectivity with all the depositories:

Provided that if the issuer itself is a registrar, it shall not appoint itself as a registrar to the issue;

Provided further that a lead manager shall not act as a registrar to the issue in which it is also handling the post-issue responsibilities.

(8) The issuer shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the securities laws and for redressal of investors' grievances.

## **PART V: DISCLOSURES IN AND FILING OF LETTERS OF OFFER**

### **Disclosures in the draft letter of offer and letter of offer**

**70.** (1) The draft letter of offer and letter of offer shall contain all material disclosures which are true and adequate to enable the applicants to take an informed investment decision.

(2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1), the draft letter of offer and letter of offer shall contain disclosures as specified in **Part A or Part B of Schedule VI, as applicable**.

(3) The lead manager(s) shall exercise due diligence and satisfy themselves about all aspects of the issue including the veracity and adequacy of disclosure in the draft letter of offer and the letter of offer.

(4) The lead manager(s) shall call upon the issuer, its promoters and its directors to fulfil their obligations as disclosed by them in the draft letter of offer and letter of offer and as required in terms of these Regulations.

(5) The lead manager(s) shall ensure that the information contained in the draft letter of offer and letter of offer and the particulars as per audited financial statements in the letter of offer are not more than six months old from the issue opening date.

(6) An issuer shall make disclosures in the draft letter of offer, letter of offer and abridged letter of offer, if the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter.

### **Filing of the draft letter of offer and letter of offer**

**71.** (1) Prior to making a rights issue, the issuer shall, except in case of a fast track issue, file a draft letter of offer, with the concerned regional office of the Board under the jurisdiction of which the registered office of the issuer company is located, in accordance with **Schedule IV**, along with fees as specified in **Schedule III**, with the Board and with the stock exchange(s), through the lead manager(s).

Provided that the issuer shall, in case of fast track issue, shall file a letter of offer and pay fees as specified in Schedule III with the Board.

(2) The lead manager(s) shall submit the following to the Board along with the draft letter of offer:

- a) a certificate, confirming that an agreement has been entered into between the issuer and the lead manager(s) and includes content specified in **Schedule II**;
- b) a due diligence certificate as per **Form A of Schedule V**;
- c) in case of an issue of convertible debt instruments, a due diligence certificate from the debenture trustee as per **Form B of Schedule V**;
- d) A certificate confirming compliance of the conditions specified in **Part E of Schedule VI**, if applicable.

(3) The issuer shall also file the draft letter of offer with the stock exchange(s) and shall submit to such stock exchange(s), the Permanent Account Number, bank account number and passport number of its promoters where they are individuals, and Permanent Account Number, bank account number, company

registration number or equivalent and the address of the Registrar of Companies with which the promoter is registered, where the promoter is a body corporate.

(4) The Board may specify changes or issue observations, if any, on the draft letter of offer within thirty days from the later of the following dates:

- (a) the date of receipt of the draft letter of offer, as applicable, under sub-regulation (1); or
- (b) the date of receipt of satisfactory reply from the lead manager(s), where the Board has sought any clarification or additional information from them; or
- (c) the date of receipt of clarification or information from any regulator or agency, where the Board has sought any clarification or information from such regulator or agency; or
- (d) the date of receipt of a copy of in-principle approval letter issued by the stock exchanges.

(5) If the Board specifies any changes or issues observations on the draft letter of offer the issuer and lead manager(s) shall carry out such changes in the draft letter of offer and shall submit to the Board an updated draft letter of offer complying with the observations issued by the Board and highlighting all changes made in the draft letter of offer before filing the letter of offer with the stock exchanges.

(6) If there are any changes in the draft letter of offer in relation to the matters specified in **Schedule XVI**, an updated letter of offer or a fresh draft letter of offer, as the case may be, shall be filed with the Board along with fees specified in **Schedule III**.

(7) The lead manager(s) shall submit the following documents to the Board after issuance of observations by the Board or after expiry of the period stipulated in sub-regulation (4) of regulation 71 if the Board has not issued observations:

- (a) a statement certifying that all changes, suggestions and observations made by the Board have been incorporated in the letter of offer;
- (b) a due diligence certificate as per **Form C** of **Schedule V**, at the time of submission of the letter of offer with stock exchange(s);
- (c) a due diligence certificate as per **Form D** of **Schedule V**, in the event the issuer has made a disclosure of any material development by issuing a public notice.

(8) Copy of the letter of offer shall also be filed with the Board and the stock exchanges through the lead manager simultaneously with filing of the letter of offer with the designated stock exchange.

(9) The draft letter of offer and letter of offer shall also be furnished to the Board in a soft copy.

#### **Draft letter of offer and letter of offer to be available to the public**

**72.** (1) The draft letter of offer filed with the Board shall be made public for comments, if any, for a period of at least twenty one days from the date of filing, by hosting it on the websites of the Board, stock exchanges where specified securities are proposed to be listed and the lead manager(s) associated with the issue.

(2) The issuer shall, within two days of filing of the draft letter of offer with the Board, make a public announcement in one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated, disclosing to the public the fact of filing of the draft letter of offer with the Board and inviting the public to provide their comments to the Board, the issuer or to the lead manager(s) in respect of the disclosures made in the draft letter of offer.

(3) The lead manager(s) shall, after expiry of the period stipulated in sub-regulation (1), file with the Board, details of the comments received by them or the issuer from the public, on the draft offer document, during that period and the consequential changes, if any, that are required to be made in the draft offer document.

(4) The issuer and the lead manager(s) shall ensure that the letters of offer are hosted on the websites as required under these regulations and its contents are the same as the versions as filed with the Board and the stock exchanges, as applicable.

(5) The lead manager(s) and the stock exchanges shall provide copies of the draft letter of offer to the public as and when requested and may charge a reasonable sum for providing a copy of the same.

#### **PART VI: PRICING**

**73.** (1) The issuer shall decide the issue price, in consultation with the lead manager(s), before determining the record date, which shall be determined in consultation with the designated stock exchange.

(2) The issue price shall not be less than the face value of the specified securities.

(3) The issuer shall disclose the issue price in the letter of offer filed with the Board and the stock exchange(s).

#### **PART VII: ISSUANCE CONDITIONS AND PROCEDURE**

##### **Reservations**

**74.** (1) The issuer shall make a rights issue of equity shares only if it has made reservation of equity shares of the same class in favour of the holders of outstanding compulsorily convertible debt instruments, if any, in proportion to the convertible part thereof.

(2) The equity shares so reserved for the holders of fully or partly compulsorily convertible debt instruments shall be issued to the holder of such convertible debt instruments or warrants at the time of conversion of such convertible debt instruments, on the same terms at which the equity shares offered in the rights issue were issued.

(3) Subject to other applicable provision of these regulations, the issuer may make reservation for its employees along with rights issue subject to the condition that the value of allotment to any employee shall not exceed two lakhs rupees.

Provided that in the event of under-subscription in the employee reservation portion, the unsubscribed portion may be allotted on a proportionate basis, for a value in excess of two lakhs rupees, subject to the total allotment to an employee not exceeding five lakhs rupees.

##### **Abridged letter of offer**

**75.** (1) The abridged letter of offer shall contain the disclosures as specified by the Board in **Part F of Schedule VI** and shall not contain any matter extraneous to the contents of the letter of offer.

(2) Every application form distributed by the issuer or any other person in relation to the issue shall be accompanied by a copy of the abridged letter of offer.

##### **ASBA**

**76.** The issuer shall provide the ASBA facility in the manner specified by the Board where not more than one payment option is provided.

Provided that the applicants in a rights issue shall be eligible to make applications through ASBA facility only if such applicant: (i) is holding equity shares in dematerialised mode; (ii) has not renounced entitlement in part or in full; and (iii) is not a renouncee.

Provided further that payment made for application for any reserved portion outside the issue period can be through electronic banking modes.

##### **Availability of letter of offer and other issue materials**

**77.** (1) The lead manager(s) shall ensure availability of the letter of offer and other issue material including application forms with stock exchanges, registrar to issue, registrar and share transfer agents, depository participants, stock brokers, underwriters, bankers to the issue, investors' associations and self certified syndicate banks before the opening of the issue.

(2) The abridged letter of offer, along with application form, shall be despatched through registered post or speed post or by courier service or by electronic transmission to all the existing shareholders at least three days before the date of opening of the issue.

(3) The letter of offer shall also be provided by the issuer or lead manager(s) to any existing shareholder who makes a request in this regard.



**Conditions for making applications on plain paper**

**78.** (1) Shareholders who have not received the application form may make an application in writing on a plain paper, along with the requisite application money.

(2) Shareholders making an application on plain paper shall not be entitled to renounce their rights and shall not utilise the application form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently.

(3) If a shareholder makes an application both in an application form as well as on a plain paper, both applications are liable to be rejected.

**Prohibition on payment of incentives**

**79.** Any person connected with the issue, shall not offer any incentive, whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise to any person for making an application in the rights issue, except for fees or commission for services rendered in relation to the issue.

**Security deposit**

**80.** (1) The issuer shall, before the opening of the subscription list, deposit with the designated stock exchange, an amount calculated at the rate of one per cent. of the issue size in the manner specified by the Board and/or stock exchange(s).

(2) The amount specified in sub-regulation (1) shall be refundable or forfeitable in the manner specified by the Board.

**Underwriting**

**81.** (1) If the issuer desires to have the issue underwritten, it shall appoint underwriters in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993.

Provided that the issue can be underwritten only to the extent of entitlement of shareholders other than the promoters and promoter group.

(2) In case of every underwritten issue, the lead manager(s) shall undertake minimum underwriting obligations as specified in the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.

**Monitoring agency**

**82.** (1) If the issue size exceeds one hundred crore rupees, the issuer shall make arrangements for the use of proceeds of the issue to be monitored by a public financial institution or by a scheduled commercial bank named in the letter of offer as a banker of the issuer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to an issue of specified securities made by a bank or public financial institution or an insurance company.

(2) The monitoring agency shall submit its report to the issuer in the format specified in **Schedule XI** on a quarterly basis, till at least ninety five per cent. of the proceeds of the issue, excluding the proceeds raised for general corporate purposes, have been utilised.

(3) The board of directors and the management of the issuer shall provide their comments on the findings of the monitoring agency as specified in **Schedule XI**.

(4) The issuer shall, within forty five days from the end of each quarter, publicly disseminate the report of the monitoring agency by uploading the same on its website as well as submitting the same to the stock exchange(s) on which its equity shares are listed.

**Public communications, publicity materials, advertisements and research reports.**

**83.** All public communication, publicity materials, advertisements and research reports shall comply with the provisions of **Schedule IX**.

**Issue-related advertisements**

**84.** (1) The issuer shall issue an advertisement in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation, at the place where registered office of the issuer is situated, at least three days before the date of opening of the issue, disclosing the following:

- a) the date of completion of despatch of abridged letter of offer and the application form;
- b) the centres other than registered office of the issuer where the shareholders or the persons entitled to receive the rights entitlements may obtain duplicate copies of the application form in case they do not receive the application form within a reasonable time after opening of the rights issue;
- c) a statement that if the shareholders entitled to receive the rights entitlements have neither received the original application forms nor they are in a position to obtain the duplicate form, they may make application in writing on a plain paper to subscribe to the rights issue along with a format specifying therein necessary particulars such as name, address, ratio of rights issue, issue price, number of equity shares held, ledger folio numbers, depository participant ID, client ID, number of equity shares entitled and applied for, additional shares if any, amount to be paid along with application, and particulars of cheque, etc. to be drawn in favour of the issuer's account;
- d) a statement that the applications can be directly sent by the shareholders through registered post together with the application monies to the issuer's designated official at the address given in the advertisement;
- e) a statement to the effect that if the shareholder makes an application using the application form as well as plain paper, both the applications shall be liable to be rejected at the option of the issuer.

(2) During the period the issue is open for subscription, no advertisement shall be released giving an impression that the issue has been fully subscribed or oversubscribed, or indicating investors' response to the issue.

(3) An announcement regarding closure of issue shall be made only after the lead manager(s) is satisfied that at least ninety per cent. of the offer through letter of offer has been subscribed and a certificate has been obtained to that effect from the registrar to the issue:

Provided that such an announcement shall not be made before the date on which the issue is to be closed except for issue closing advertisement made in the format prescribed in these regulations.

**Opening of the issue**

**85.** Subject to the compliance with the provisions of the Companies Act, 2013, a rights issue may be opened within twelve months from the date of issuance of the observations by the Board under regulation 71.

Provided that in case of a fast track issue, the issue shall open within twelve months from the record date.

**Minimum subscription**

**86.** (1) The minimum subscription to be received in the issue shall be at least ninety per cent. of the offer through the offer document.

(2) In the event of non-receipt of minimum subscription referred to in sub-regulation (1), all application monies received shall be refunded to the applicants forthwith, but not later than fifteen days from the closure of the issue.

**Period of subscription**

**87.** The rights issue shall be kept open for subscription for a minimum period of fifteen days and for a maximum period of thirty days.

**Payment options**

**88.** The issuer shall give one of the following payment options to all the shareholders for each type of instrument:

- a) part payment on application with balance money to be paid in calls; or

## b) full payment on application:

Provided that the part payment, if any, on application shall not be less than twenty five per cent. of the issue price and such issuer shall obtain the necessary regulatory approvals to facilitate the same.

**Manner of calls**

**89.** If the issuer proposes to receive subscription monies in calls, it shall ensure that the outstanding subscription money is called within twelve months from the date of allotment in the issue and if any applicant fails to pay the call money within the said twelve months, the equity shares on which there are calls in arrear along with the subscription money already paid on such shares shall be forfeited:

Provided further that it shall not be necessary to call the outstanding subscription money within twelve months, if the issuer has appointed a monitoring agency in terms of regulation 82.

**Allotment procedure and basis of allotment**

**90.** (1) The issuer shall not make any allotment in excess of the specified securities offered through the letter of offer.

(2) Allotment shall be made in the following manner:

- a) Full allotment to those eligible shareholders who have applied for their rights entitlement either in full or in part and also to the renouncee(s), who has/have applied for the specified securities renounced in their favour, in full or in part, as adjusted for fractional entitlement
- b) Allotment to eligible shareholders who having applied for the specified securities in full to the extent of their rights entitlement and have also applied for additional specified securities, shall be made as far as possible on an equitable basis having due regard to the number of specified securities held by them on the record date, provided there is an under-subscribed portion after making allotment in (a) above.
- c) Allotment to the renouncees, who having applied for the specified securities renounced in their favour and also applied for additional specified securities, provided there is an under-subscribed portion after making full allotment specified in (a) and (b) above. The allotment of such additional specified securities may be made on a proportionate basis.

(3) The authorised employees of the designated stock exchange along with the lead manager(s) and registrars to the issue shall ensure that the basis of allotment is finalised in a fair and proper manner as may be prescribed by the Board.

**Allotment, refund and payment of interest**

**91.** (1) The issuer and lead manager(s) shall ensure that the specified securities are allotted and/or application monies are refunded or unblocked within such period as may be specified by the Board.

(2) The lead manager(s) shall ensure that the allotment, credit of dematerialised securities, refunding or unblocking of application monies, as may be applicable, are done electronically.

(3) Where the specified securities are not allotted and/or application monies are not refunded or unblocked within the period stipulated in sub-regulation (1) above, the issuer shall undertake to pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum to the shareholders within such time as disclosed in the draft letter of offer and the letter of offer and the lead manager(s) shall ensure the same.

**Post-issue advertisements**

**92.** (1) The lead manager(s) shall ensure that an advertisement giving details relating to subscription, basis of allotment, number, value and percentage of all applications including ASBA, number, value and percentage of successful allottees for all applications including ASBA, date of completion of despatch of refund orders, as applicable, or instructions to self-certified syndicate banks by the Registrar, date of despatch of certificates or date of credit of specified securities, as applicable, and date of filing of listing application, etc. is released within ten days from the date of completion of the various activities in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where registered office of the issuer is situated.

(2) Details specified in sub regulation (1) shall also be placed on the websites of the stock exchanges where the securities are listed.

**Post-issue responsibilities of the lead manager(s)**

**93.** (1) The responsibility of the lead manager(s) shall continue until completion of the issue process and for any issue related matter thereafter.

(2) The lead manager(s) shall regularly monitor redressal of investor grievances arising from any issue related activities.

(3) The lead manager(s) shall continue to be responsible for post-issue activities till the applicants have received the securities certificates, credit to their demat account or refund of application monies and the listing agreement is entered into by the issuer with the stock exchange and listing or trading permission is obtained.

(4) The lead manager(s) shall be responsible for and co-ordinate with the registrars to the issue and with various intermediaries at regular intervals after the closure of the issue to monitor the flow of applications from collecting bank branches and/ or self-certified syndicate banks, processing of the applications including application form for ASBA and other matters till the basis of allotment is finalised, despatch of security certificates or credit of the specified securities to the dematerialised accounts of the allottees, as applicable and unblocking of ASBA accounts/ despatch of refund orders are completed and securities are listed, as applicable.

(5) Any act of omission or commission on the part of any of the intermediaries noticed by the lead manager(s) shall be duly reported by them to the Board.

(6) In case there is a devolvement on underwriters, the lead manager(s) shall ensure that the notice for devolvement containing the obligation of the underwriters is issued within ten days from the date of closure of the issue.

(7) In case of undersubscribed issues that are underwritten, the lead manager(s) shall furnish information to the Board in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvement in the format specified in **Schedule XVIII**.

**Release of subscription money**

**94.** (1) The lead manager(s) shall confirm to the bankers to the issue by way of copies of listing and trading approvals that all formalities in connection with the issue have been completed and that the banker is free to release the money to the issuer or release the money for refund in case of failure of the issue.

(2) In case the issuer fails to obtain listing or trading permission from the stock exchanges where the specified securities were listed, it shall refund through verifiable means the entire monies received within seven days of receipt of intimation from stock exchanges rejecting the application for listing of specified securities, and if any such money is not repaid within eight days after the issuer becomes liable to repay it the issuer and every director of the company who is an officer in default shall, on and from the expiry of the eighth day, be jointly and severally liable to repay that money with interest at the rate of fifteen per cent. per annum.

(3) The lead manager(s) shall ensure that the monies received in respect of the rights issue are released to the issuer in compliance with the provisions of sub-section (3) of section 40 of the Companies Act, 2013, as applicable.

**Reporting of transactions of the promoters and promoter group**

**95.** The issuer shall ensure that all transactions in securities by the promoters and promoter group between the date of filing of the draft letter of offer or letter of offer, as the case may be, and the date of closure of the issue shall be reported to the stock exchanges where the specified securities of the issuer are to be listed, within twenty four hours of such transactions.

**Post-issue reports**

**96.** The lead manager(s) shall submit post-issue reports as follows:

- a) initial post-issue report as specified in **Part B of Schedule XVII**, within three working days of closure of the issue;
- b) final post-issue report as specified in **Part C of Schedule XVII**, within fifteen days of the date of finalization of basis of allotment or within fifteen days of refund of money in case of failure of the issue.

### **PART VIII: MISCELLENEOUS**

#### **Restriction on further capital issues**

**97.** An issuer shall not make any further issue of specified securities in any manner whether by way of public issue, rights issue, preferential issue, qualified institutions placement, issue of bonus shares or otherwise, except pursuant to an employee stock option scheme:

- a) in case of a fast track issue, during the period between the date of filing the letter of offer with the stock exchanges where the securities are proposed to be listed and the listing of the specified securities offered through the letter of offer or refund of application monies; or
- b) in case of other issues, during the period between the date of filing the draft letter of offer with the Board and the listing of the specified securities offered through the letter of offer or refund of application monies;

unless full disclosures regarding the total number of specified securities or amount proposed to be raised from such further issue are made in such draft letter of offer or letter of offer, as the case may be.

#### **Alteration of rights of holders of specified securities**

**98.** The issuer shall not alter the terms (including the terms of issue) of specified securities which may adversely affect the interests of the holders of those specified securities, except with the consent in writing of the holders of not less than three-fourths of the specified securities of that class or with the sanction of a special resolution passed at a meeting of the holders of the specified securities of that class.

### **PART IX: FAST TRACK RIGHTS ISSUE**

#### **Eligibility conditions**

**99.** Unless otherwise specified, nothing contained in sub-regulations (1), (2), (4) and (5) of regulation 71 shall apply if the issuer satisfies the following conditions for making a rights issue through the fast track route -

- a) the equity shares of the issuer have been listed on any stock exchange for a period of at least three years immediately preceding the reference date;
- b) the entire shareholding of the promoter group of the issuer is held in dematerialised form on the reference date;
- c) the average market capitalisation of public shareholding of the issuer is at least two hundred and fifty crore rupees;
- d) the annualised trading turnover of the equity shares of the issuer during six calendar months immediately preceding the month of the reference date has been at least two per cent. of the weighted average number of equity shares listed during such six months' period:

Provided that for issuers, whose public shareholding is less than fifteen per cent. of its issued equity capital, the annualised trading turnover of its equity shares has been at least two per cent. of the weighted average number of equity shares available as free float during such six months' period;

- e) the annualized delivery-based trading turnover of the equity shares during six calendar months immediately preceding the month of the reference date has been at least ten per cent. of the annualized trading turnover of equity shares during such six months' period;
- f) the issuer has been in compliance with the equity listing agreement or the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as applicable, for a period of at least three years immediately preceding the reference date:

Provided that if the issuer has not complied with the provisions of the listing agreement or the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as applicable, relating to composition of board of directors, for any quarter during the last three years immediately preceding the reference date, but is compliant with such provisions at the time of filing of letter of offer, and adequate disclosures are made in the letter of offer about such non-compliances during the three years immediately preceding the reference date, it shall be deemed as compliance with the condition;

Provided further that imposition of only monetary fines by stock exchanges on the issuer shall not be a ground for ineligibility for undertaking issuances under this regulation;

- g) the issuer has redressed at least ninety five per cent. of the complaints received from the investors till the end of the quarter immediately preceding the month of the reference date;
- h) that no show-cause notices have been issued or prosecution proceedings have been initiated by the Board and pending against the issuer or its promoters or whole-time directors as on the reference date;
- i) the issuer or promoter or promoter group or director of the issuer has not settled any alleged violation of securities laws through the consent or settlement mechanism with the Board during three years immediately preceding the reference date;
- j) the equity shares of the issuer have not been suspended from trading as a disciplinary measure during last three years immediately preceding the reference date;
- k) there shall be no conflict of interest between the lead manager(s) and the issuer or its group companies in accordance with the applicable regulations.
- l) the promoters and promoter group shall mandatorily subscribe to their rights entitlement and shall not renounce their rights, except to the extent of renunciation within the promoter group or for the purpose of complying with minimum public shareholding norms prescribed under the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957;
- m) there are no audit qualifications on the audited accounts of the issuer in respect of those financial years for which such accounts are disclosed in the letter of offer.

**Explanation:** For the purpose of this regulation:

(i) “average market capitalisation of public shareholding” means the sum of daily market capitalisation of public shareholding for a period of one year up to the end of the quarter preceding the month in which the proposed issue was approved by the shareholders or the board of the issuer, as the case may be, divided by the number of trading days.

(ii) “public shareholding” shall have the same meaning as assigned to it under the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.

(iii) “reference date” means the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange.

(iv) “audit qualifications” for this regulation shall be those disclosed under applicable accounting standard relating to modification to the opinion in the independent auditor’s report and requires a qualified opinion, adverse opinion or disclaimer of opinion for material misstatements.

### Issue conditions

**100.** (1) The issuer shall file the letter of offer in accordance with sub-regulation 8 and 9 of regulation 71 and shall pay fees to the Board as specified in **Schedule III**.

(2) The lead manager(s) shall submit to the Board, the following documents along with the letter of offer:

- (a) a due diligence certificate as per **Form A** of **Schedule V** including additional confirmations as specified in **Form E** of **Schedule V**;
- (b) in case of a fast track issue of convertible debt instruments, a due diligence certificate from the debenture trustee as per **Form B** of **Schedule V**.

## CHAPTER IV - FURTHER PUBLIC OFFER

### PART I: ELIGIBILITY REQUIREMENTS

#### Reference date

**101.** Unless otherwise provided in this Chapter, an issuer making a further public offer of specified securities shall satisfy the conditions of this Chapter as on the date of filing of the draft offer document with the Board and also as on the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.

#### Entities not eligible to make a further public offer

**102.** An issuer shall not be eligible to make a further public offer:

- (a) if the issuer, any of its promoters, promoter group or directors, selling shareholders are debarred from accessing the capital market by the Board;
- (b) if any of the promoters or directors of the issuer is a promoter or director of any other company which is debarred from accessing the capital market by the Board;
- (c) if the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter ;
- (d) if any of its promoters or directors is a fugitive economic offender.

**Explanation:** The restrictions under (a) and (b) above shall not apply to the persons or entities mentioned therein, who were debarred in the past by the Board and the period of debarment is already over as on the date of filing of the draft offer document with the Board.

#### Eligibility requirements for further public offer

**103.** (1) An issuer may make a further public offer, if it has changed its name within the last one year, at least fifty per cent. of the revenue for the preceding one full year has been earned by it from the activity indicated by its new name.

(2) An issuer not satisfying the condition stipulated in sub-regulation (1) may make a further public offer only if the issue is made through the book-building process and the issuer undertakes to allot at least seventy five per cent. of the net offer, to qualified institutional buyers and to refund full subscription money if it fails to make the said minimum allotment to qualified institutional buyers.

#### General conditions

**104.** (1) An issuer making a further public offer shall ensure that -

- (a) it has made an application to one or more stock exchanges to seek an in-principle approval for listing of its specified securities on such stock exchanges and has chosen one of them as the designated stock exchange, in terms of **Schedule XIX**;
- (b) it has entered into an agreement with a depository for dematerialisation of specified securities already issued and proposed to be issued;
- (c) all its existing partly paid-up equity shares have either been fully paid-up or have been forfeited;
- (d) it has made firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance for the specific project proposed to be funded from the issue proceeds, excluding the amount to be raised through the proposed public issue or through existing identifiable internal accruals.

(2) The amount for general corporate purposes, as mentioned in objects of the issue in the draft offer document and the offer document, shall not exceed twenty five per cent. of the amount being raised by the issuer.

**Explanation:** For the purposes of this regulation, “project” means the object for which monies are proposed to be raised to cover the objects of the issue.

#### Additional conditions for an offer for sale

**105.** Only such fully paid-up equity shares may be offered for sale to public which have been held by the selling shareholder(s) for a period of at least one year prior to the filing of the draft offer document:

Provided further that such holding period of one year shall be required to be complied with at the time of filing of the draft offer document.

Provided that in case the equity shares received on conversion or exchange of fully paid-up compulsorily convertible securities including depository receipts are being offered for sale, the holding period of such convertible securities, including depository receipts, as well as that of resultant equity shares together shall be considered for the purpose of calculation of one year period referred in this sub-regulation.

**Explanation:** If the equity shares arising out of the conversion or exchange of the fully paid-up compulsorily convertible securities are being offered for sale, the conversion or exchange should be completed prior to filing of the offer document (i.e. red herring prospectus in the case of a book built issue and prospectus in the case of a fixed price issue), provided full disclosures of the terms of conversion or exchange are made in the draft offer document.

Provided further that the requirement of holding the equity shares for a period of one year shall not apply:

- a) in case of an offer for sale of a government company or statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up and controlled by any one or more of them, which is engaged in the infrastructure sector;
- b) if the equity shares offered for sale were acquired pursuant to any scheme approved by a High Court under the sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956, or approved by a tribunal or the Central Government under the sections 230 to 234 of the Companies Act, 2013, as applicable, in lieu of business and invested capital which had been in existence for a period of more than one year prior to approval of such scheme;
- c) if the equity shares offered for sale were issued under a bonus issue on securities held for a period of at least one year prior to the filing of the draft offer document with the Board and further subject to the following:
  - (i) such specified securities being issued out of free reserves and share premium existing in the books of account as at the end of the financial year preceding the financial year in which the draft offer document is filed with the Board; and
  - (ii) such equity shares not being issued by utilisation of revaluation reserves or unrealized profits of the issuer.

## **PART II: ISSUE OF CONVERTIBLE DEBT INSTRUMENTS AND WARRANTS**

**106.** An issuer shall be eligible to make a further public offer of convertible debt instruments if its equity shares are already listed;

Provided that it is not in default in payment of interest or repayment of principal amount in respect of debt instruments issued by it to the public, if any, for a period of more than six months.

### **Additional requirements for issue of convertible debt instruments**

**107.** (1) In addition to other requirements laid down in these regulations, an issuer making a public issue of convertible debt instruments shall also comply with the following conditions:

- a) it has obtained credit rating for such convertible debt instrument from one or more credit rating agencies;
- b) it has appointed at least one debenture trustee in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993;
- c) it shall create a debenture redemption reserve in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and rules made thereunder;
- d) if the issuer proposes to create a charge or security on its assets in respect of secured convertible debt instruments, it shall ensure that:
  - i) such assets are sufficient to discharge the principal amount at all times;
  - ii) such assets are free from any encumbrance;



- iii) where security is already created on such assets in favour of public financial institutions or scheduled commercial banks or the issue of convertible debt instruments is proposed to be secured by creation of security on a leasehold land, the consent of such public financial institution, scheduled commercial bank or lessor for a second or pari passu charge has been obtained and submitted to the debenture trustee before the opening of the issue;
- iv) the security or asset cover shall be arrived at after reduction of the liabilities having a first or prior charge, in case the convertible debt instruments are secured by a second or subsequent charge.

(2) The issuer shall redeem the convertible debt instruments in terms of the offer document.

#### **Roll over of non-convertible portion of partly convertible debt instruments**

**108.** The non-convertible portion of partly convertible debt instruments issued by a listed issuer, the value of which exceeds ten crore rupees, may be rolled over, subject to compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the following conditions:

- (a) seventy five per cent. of the holders (in value) of the convertible debt instruments of the issuer have, through a resolution, approved the rollover through postal ballot;
- (b) the issuer has, along with the notice for passing the resolution, sent to all holders of the convertible debt instruments, an auditors' certificate on the cash flow of the issuer and with comments on the liquidity position of the issuer;
- (c) the issuer has undertaken to redeem the non-convertible portion of the partly convertible debt instruments of all the holders of the convertible debt instruments who have not agreed to the resolution;
- (d) credit rating has been obtained from at least one credit rating agency registered with the Board within a period of one month prior to the due date of redemption and has been communicated to the holders of the convertible debt instruments, before the roll over.

(2) The creation of fresh security and execution of fresh trust deed shall not be mandatory if the existing trust deed or the security documents provide for continuance of the security till redemption of secured convertible debt instruments:

Provided that the debenture trustee shall decide if the issuer is required to create fresh security and to execute fresh trust deed.

#### **Conversion of optionally convertible debt instruments into equity share capital**

**109.** (1) The issuer shall not convert its optionally convertible debt instruments into equity shares unless the holders of such convertible debt instruments have sent their positive consent to the issuer and non-receipt of reply to any notice sent by the issuer for this purpose shall not be construed as consent for conversion of any convertible debt instruments.

(2) Where the value of the convertible portion of any listed convertible debt instruments issued by an issuer exceeds ten crore rupees and the issuer has not determined the conversion price of such convertible debt instruments at the time of making the issue, the holders of such convertible debt instruments shall be given the option of not converting the convertible portion into equity shares:

Provided that where the upper limit or conversion formula on the price of such convertible debt instruments and justification thereon is determined and disclosed to the investors at the time of making the issue, it shall not be necessary to give such option to the holders of the convertible debt instruments for converting the convertible portion into equity share capital within the said upper limit.

(3) Where an option is to be given to the holders of the convertible debt instruments in terms of sub-regulation (2) and if one or more of such holders do not exercise the option to convert the instruments into equity share capital at a price determined in the general meeting of the shareholders, the issuer shall redeem that part of the instruments within one month from the last date by which option is to be exercised, at a price which shall not be less than its face value.

(4) The provisions of sub-regulation (3) shall not apply if such redemption is in terms of the disclosures made in the offer document.

#### **Issue of convertible debt instruments for financing**

**110.** An issuer shall not issue convertible debt instruments for financing or for providing loans to or for acquiring shares of any person who is part of the promoter group or group companies:

Provided that an issuer shall be eligible to issue fully convertible debt instruments for these purposes if the period of conversion of such debt instruments is less than eighteen months from the date of issue of such debt instruments.

#### **Issue of warrants**

**111.** An issuer shall be eligible to issue warrants in a further public offer subject to the following conditions:

- (a) the tenure of such warrants shall not exceed eighteen months from the date of their allotment in the public issue;
- (b) a specified security may have one or more warrants attached to it;
- (c) the price or formula for determination of exercise price of the warrants shall be determined upfront and at least twenty-five per cent. of the consideration amount based on the exercise price shall also be received upfront;

Provided that in case the exercise price of warrants is based on a formula, twenty-five per cent. consideration amount based on the cap price of the price band determined for the linked equity shares or convertible securities shall be received upfront.

- (d) in case the warrant holder does not exercise the option to take equity shares against any of the warrants held by the warrant holder, within three months from the date of payment of consideration, such consideration made in respect of such warrants shall be forfeited by the issuer.

### **PART III: PROMOTERS' CONTRIBUTION**

#### **Requirement of minimum promoters' contribution not applicable in certain cases**

**112.** The requirements of minimum promoters' contribution shall not apply in case of:

- (a) an issuer which does not have any identifiable promoter;
- (b) where the equity shares of the issuer are frequently traded on a stock exchange for a period of at least three years and the issuer has a track record of dividend payment for at least three immediately preceding years:

Provided that where the promoters propose to subscribe to the specified securities offered to the extent greater than higher of the two options available in clause (a) of sub-regulation (1) of regulation 113, the subscription in excess of such percentage shall be made at a price determined in terms of the provisions of regulation 164 or the issue price, whichever is higher.

**Explanation:** The reference date for the purpose of computing the annualised trading turnover referred to in the said Explanation shall be the date of filing the draft offer document with the Board and in case of a fast track issue, the date of filing the offer document with the Registrar of Companies, and before opening of the issue.

#### **Minimum promoters' contribution**

**113.** (1) The promoters shall contribute in the public issue as follows:

- a) either to the extent of twenty per cent. of the proposed issue size or to the extent of twenty per cent. of the post-issue capital;
- b) in case of a composite issue (i.e. further public offer cum rights issue), either to the extent of twenty per cent. of the proposed issue size or to the extent of twenty per cent. of the post-issue capital excluding the rights issue component.

(2) In case of a public issue or composite issue of convertible securities, the minimum promoters' contribution shall be as follows:

- a) the promoters shall contribute twenty per cent. as stipulated in clause (a) or (b) of sub-regulation (1), as the case may be, either by way of equity shares or by way of subscription to the convertible securities:

Provided that if the price of the equity shares allotted pursuant to conversion is not pre-determined and not disclosed in the offer document, the promoters shall contribute only by way of subscription to the convertible securities being issued in the public issue and shall undertake in writing to subscribe to the equity shares pursuant to conversion of such securities.

- b) in case of any issue of convertible securities which are convertible or exchangeable on different dates and if the promoters' contribution is by way of equity shares (conversion price being pre-determined), such contribution shall not be at a price lower than the weighted average price of the equity share capital arising out of conversion of such securities.

(3) In case of a further public offer or composite issue where the promoters contribute more than the stipulated minimum promoters' contribution, the allotment with respect to excess contribution shall be made at a price determined in terms of the provisions of regulation 164 or the issue price, whichever is higher.

(4) In case the promoters have to subscribe to equity shares or convertible securities towards promoters' contribution, the promoters shall satisfy the requirements of this regulation at least one day prior to the date of opening of the issue and the amount of promoters' contribution shall be kept in an escrow account with a scheduled commercial bank and shall be released to the issuer along with the release of the issue proceeds:

Provided further that where the minimum promoters' contribution is more than one hundred crore rupees and the further public offer is for partly paid shares, the promoters shall bring in at least one hundred crore rupees before the date of opening of the issue and the remaining amount may be brought on a pro-rata basis before the calls are made to the public.

**Explanation:**

- (I) For the purpose of this regulation, promoters' contribution shall be computed on the basis of the post-issue expanded capital:
  - (a) assuming full proposed conversion of convertible securities into equity shares;
  - (b) assuming exercise of all vested options, where any employee stock options are outstanding at the time of further public offer.
- (II) For computation of "weighted average price":
  - (a) "weight" means the number of equity shares arising out of conversion of such specified securities into equity shares at various stages;
  - (b) "price" means the price of equity shares on conversion arrived at after taking into account predetermined conversion price at various stages.

**Securities ineligible for minimum promoters' contribution**

**114.** (1) For the computation of minimum promoters' contribution, the following specified securities shall not be eligible:

- (a) specified securities acquired during the preceding three years, if these are:
  - i) acquired for consideration other than cash and revaluation of assets or capitalisation of intangible assets is involved in such transaction; or
  - ii) resulting from a bonus issue by utilisation of revaluation reserves or unrealised profits of the issuer or from bonus issue against equity shares which are ineligible for minimum promoters' contribution;

(b) specified securities pledged with any creditor other than those for borrowings by the issuer or its subsidiaries.

(2) Specified securities referred to in clauses (a) of sub-regulation (1) shall be eligible for the computation of promoters' contribution, if such securities are acquired pursuant to a scheme which has been approved by the High Court under section 391 to 394 of the Companies Act, 1956 or approved by a tribunal or the Central Government under section 230 to 234 of the Companies Act, 2013.

#### **PART IV: LOCK-IN AND RESTRICTIONS ON TRANSFERABILITY**

##### **Lock-in of specified securities held by the promoters**

**115.** The specified securities held by the promoters shall not be transferable (hereinafter referred to as "locked-in") for the periods as stipulated hereunder:

- (a) minimum promoters' contribution including contribution made by alternative investment funds, or foreign venture capital investors, as applicable, shall be locked-in for a period of three years from the date of commencement of commercial production or from the date of allotment in the further public offer, whichever is later;
- (b) promoters' holding in excess of minimum promoters' contribution shall be locked-in for a period of one year:

Provided that the excess promoters' contribution as provided in the proviso to clause (b) of regulation 112 shall not be subject to lock-in.

**Explanation:** For the purposes of this regulation, the expression "date of commencement of commercial production" means the last date of the month in which commercial production of the project in respect of which the funds raised are proposed to be utilised as stated in the offer document, is expected to commence.

##### **Lock-in of specified securities lent to stabilising agent under green shoe option**

**116.** The lock-in provisions of this part shall not apply with respect to the specified securities lent to stabilising agent for the purpose of green shoe option, during the period starting from the date of lending of such specified securities and ending on the date on which they are returned to the lender in terms of sub-regulation (5) or (6) of regulation 153:

Provided that the specified securities shall be locked-in for the remaining period from the date on which they are returned to the lender.

##### **Lock-in of party-paid securities**

**117.** Where the specified securities which are subject to lock-in are partly paid-up and the amount called-up on such specified securities is less than the amount called-up on the specified securities issued to the public, the lock-in shall end only on the expiry of three years after such specified securities have become *pari passu* with the specified securities issued to the public.

##### **Inscription or recording of non-transferability**

**118.** The certificates of specified securities which are subject to lock-in shall contain the inscription "non-transferable" and specify the lock-in period and in case such specified securities are dematerialised, the issuer shall ensure that the lock-in is recorded by the depository.

##### **Pledge of locked-in specified securities**

**119.** Specified securities held by the promoters and locked in may be pledged as collateral security for a loan granted by a scheduled commercial bank or a public financial institution or a systemically important non-banking finance company or a housing finance company, subject to the following:

- a) if the specified securities are locked-in in terms of clause (a) of regulation 115, the loan has been granted to the issuer company or its subsidiary/subsidiaries for the purpose of financing one or more of the objects of the issue and pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan
- b) if the specified securities are locked-in in terms of clause (b) of regulation 115 and the pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan.

**Transferability of locked-in specified securities**

**120.** Subject to the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of shares and Takeovers) Regulations, 2011, the specified securities held by the promoters and locked-in as per regulation 115 may be transferred to another promoter or any person of the promoter group or a new promoter or a person in control of the issuer:

Provided that lock-in on such specified securities shall continue for the remaining period with the transferee and such transferee shall not be eligible to transfer them till the lock-in period stipulated in these regulations has expired.

**PART V: APPOINTMENT OF LEAD MANAGERS, OTHER INTERMEDIARIES AND COMPLIANCE OFFICER**

**121.** (1) The issuer shall appoint one or more merchant bankers, which are registered with the Board, as lead manager(s) to the issue.

(2) Where the issue is managed by more than one lead manager, the rights, obligations and responsibilities, relating *inter alia* to disclosures, allotment, refund and underwriting obligations, if any, of each lead manager shall be predetermined and be disclosed in the draft offer document and the offer document as specified in **Schedule I**:

(3) At least one lead manager to the issue shall not be an associate [as defined under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992] of the issuer and if any of the lead managers is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and its role shall be limited to the marketing of the issue.

(4) The issuer shall, in consultation with the lead manager(s), appoint other intermediaries which are registered with the Board after the lead manager(s) have independently assessed the capability of other intermediaries to carry out their obligations.

(5) The issuer shall enter into an agreement with the lead manager(s) in the format specified in **Schedule II** and enter into agreements with other intermediaries as required under the respective regulations applicable to the intermediary concerned:

Provided that such agreements may include such other clauses as the issuer and the intermediaries may deem fit without diminishing or limiting in any way the liabilities and obligations of the lead manager(s), other intermediaries and the issuer under the Act, the Companies Act, 2013 or the Companies Act, 1956 (to the extent applicable), the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and the rules and regulations made thereunder or any statutory modification or statutory enactment thereof:

Provided further that in case of ASBA process, the issuer shall take cognisance of the deemed agreement of the issuer with the self-certified syndicate banks.

(6) The issuer shall, in the case of an issue made through the book building process, appoint syndicate member(s) and in the case of any other issue, appoint bankers to an issue, at centres as specified in **Schedule XII**.

(7) The issuer shall appoint a registrar to the issue, registered with the Board, which has connectivity with all the depositories:

Provided that if issuer itself is a registrar, it shall not appoint itself as a registrar to the issue:

Provided further that the lead manager shall not act as a registrar to the issue in which it is also handling the post-issue responsibilities.

(8) The issuer shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the securities laws and for redressal of investors' grievances.

**PART VI: DISCLOSURES IN AND FILING OF OFFER DOCUMENTS****Disclosures in the draft offer document and the offer document**

**122.** (1) The draft offer document and the offer document shall contain all material disclosures which are true and adequate to enable the applicants to take an informed investment decision.

(2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1), the red-herring prospectus, shelf prospectus and prospectus shall contain:

- (i) disclosures specified in the Companies Act, 2013; and
- (ii) disclosures specified in **Part A of Schedule VI**, subject to the provisions of **Parts C and D** thereof.

(3) The lead manager(s) shall exercise due diligence and satisfy themselves about all aspects of the issue including the veracity and adequacy of disclosures made in the draft offer document and the offer document.

(4) The lead manager(s) shall call upon the issuer, its promoters and its directors or in case of an offer for sale, the selling shareholders, to fulfil their obligations as disclosed by them in the draft offer document and the offer document and as required in terms of these Regulations.

(5) The lead manager(s) shall ensure that the information contained in the offer document and the particulars as per audited financial statements in the offer document are not more than six months old from the issue opening date.

#### **Filing of the draft offer document and offer documents**

**123.** (1) Prior to making a further public offer, the issuer shall file three copies of the draft offer document with the concerned regional office of the Board under the jurisdiction of which the registered office of the issuer company is located, in accordance with **Schedule IV**, along with fees as specified in **Schedule III**, through the lead manager(s).

(2) The lead manager(s) shall submit the following to the Board along with the draft offer document:

- a) a certificate, confirming that an agreement has been entered into between the issuer and the lead manager(s)
- b) a due diligence certificate as per **Form A of Schedule V**;
- c) in case of an issue of convertible debt instruments, a due diligence certificate from the debenture trustee as per **Form B of Schedule V**;
- d) a certificate confirming compliance of the conditions specified in **Part C of Schedule VI**.

(3) The issuer shall also file the draft offer document with the stock exchange(s) where the specified securities are proposed to be listed, and shall submit to the stock exchange(s), the Permanent Account Number, bank account number and passport number of its promoters where they are individuals, and Permanent Account Number, bank account number, company registration number or equivalent and the address of the Registrar of Companies with which the promoter is registered, where the promoter is a body corporate.

(4) The Board may specify changes or issue observations on the draft offer document within a period of thirty days from the later of the following dates:

- a) the date of receipt of the draft offer document under sub-regulation (1); or
- b) the date of receipt of satisfactory reply from the lead manager(s), where the Board has sought any clarification or additional information from them; or
- c) the date of receipt of clarification or information from any regulator or agency, where the Board has sought any clarification or information from such regulator or agency; or
- d) the date of receipt of a copy of in-principle approval letter issued by the stock exchange(s).

(5) If the Board specifies changes or issues observations on the draft offer document, the issuer and the lead manager(s) shall carry out such changes in the draft offer document and shall submit to the Board an updated draft offer document complying with the observations issued by the Board and highlighting all changes made in the draft offer document before registering or filing the offer documents with the Registrar of Companies or the appropriate authority, as applicable.

(6) If there are any changes in the draft offer document in relation to the matters specified in **Schedule XVI**, the updated offer document or a fresh draft offer document, as the case may be, shall be filed with the Board along with fees specified in **Schedule III**.

(7) Copy of the offer documents shall also be filed with the Board and the stock exchanges through the lead manager(s) simultaneously while registering the offer documents with Registrar of Companies.

(8) The draft offer document and the offer document shall also be furnished to the Board in a soft copy in the manner as may be specified.

(9) The lead manager(s) shall submit the following documents to the Board after issuance of observations by the Board or after expiry of the period stipulated in sub-regulation (4) of regulation 123 if the Board has not issued observations:

- a) a statement certifying that all changes, suggestions and observations made by the Board have been incorporated in the offer document;
- b) a due diligence certificate as per **Form C** of **Schedule V**, at the time of registering of the offer document;
- c) a copy of the resolution passed by the board of directors of the issuer for allotting specified securities to promoters towards amount received against promoters' contribution, before opening of the issue;
- d) a certificate from a Chartered Accountant, before opening of the issue, certifying that promoters' contribution has been received in accordance with these regulations, accompanying therewith the names and addresses of the promoters who have contributed to the promoters' contribution and the amount paid and credited to the bank account of the issuer by each of them towards such contribution;
- e) a due diligence certificate as per **Form D** of **Schedule V**, in the event the issuer has made a disclosure of any material development by issuing a public notice.

#### **Draft offer document and offer document to be available to the public**

**124.** (1) The draft offer document filed with the Board shall be made public for comments, if any, for a period of at least twenty one days from the date of filing, by hosting it on the websites of the Board, stock exchanges where specified securities are proposed to be listed and lead manager(s) associated with the issue.

(2) The issuer shall, within two days of filing the draft offer document with the Board, make a public announcement in one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated, disclosing to the public the fact of filing of the draft offer document with the Board and inviting the public to provide their comments to the Board, the issuer or the lead manager(s) in respect of the disclosures made in the draft offer document.

(3) The lead manager(s) shall, after expiry of the period stipulated in sub-regulation (1), file with the Board, details of the comments received by them or the issuer from the public, on the draft offer document, during that period and the consequential changes, if any, that are required to be made in the draft offer document.

(4) The issuer and the lead manager(s) shall ensure that the offer documents are hosted on the websites as required under these regulations and its contents are the same as the versions as filed with the Registrar of Companies, the Board and the stock exchanges, as applicable.

(5) The lead manager(s) and the stock exchanges shall provide copies of the offer documents, to the public as and when requested and may charge a reasonable sum for providing a copy of the same.

### **PART VII - PRICING**

#### **Face value of equity shares**

**125.** The disclosure about the face value of equity shares shall be made in the draft offer document, offer document, advertisements and application forms, along with the price band or the issue price in identical font size.

#### **Pricing**

**126.** (1) The issuer may determine the price of equity shares, and in case of convertible securities, the coupon rate and the conversion price, in consultation with the lead manager(s) or through the book building process, as the case may be.

(2) The issuer shall undertake the book building process in the manner specified in **Schedule XIII**.

#### **Price and price band**

**127.** (1) The issuer may mention a price or a price band in the offer document (in case of a fixed price issue) and a floor price or a price band in the red herring prospectus (in case of a book built issue) and determine the price at a later date before registering the prospectus with the Registrar of Companies:

Provided that the prospectus registered with the Registrar of Companies shall contain only one price or the specific coupon rate, as the case may be.

(2) The cap on the price band, and the coupon rate in case of convertible debt instruments, shall be less than or equal to one hundred and twenty per cent. of the floor price.

(3) The floor price or the final price shall not be less than the face value of the specified securities.

(4) Where the issuer opts not to make the disclosure of the floor price or price band in the red herring prospectus, the issuer shall announce the floor price or the price band at least one working day before the opening of the bid in the same newspapers in which the pre-issue advertisement was released or together with the pre-issue advertisement in the format prescribed under Part A of **Schedule X**.

(5) The announcement referred to in sub-regulation (4) shall contain relevant financial ratios computed for both upper and lower end of the price band and also a statement drawing attention of the investors to the section title “basis of issue price” of the offer document.

(6) The announcement referred to in sub-regulation (4) and the relevant financial ratios referred to in sub-regulation (5) shall be disclosed on the websites of the stock exchange(s) and shall also be pre-filled in the application forms to be made available on the websites of the stock exchange(s).

#### **Differential pricing**

**128.** (1) The issuer may offer its specified securities at different prices, subject to the following:

- a) retail individual investors or retail individual shareholders or employees entitled for reservation made under regulation 130 may be offered specified securities at a price not lower than by more than ten per cent. of the price at which net offer is made to other categories of applicants, excluding anchor investors;
- b) in case of a book built issue, the price of the specified securities offered to the anchor investors shall not be lower than the price offered to other applicants;
- c) in case of a composite issue, the price of the specified securities offered in the public issue may be different from the price offered in rights issue and justification for such price difference shall be given in the offer document.
- d) in case the issuer opts for the alternate method of book building in terms of **Part D of Schedule XIII**, the issuer may offer the specified securities to its employees at a price not lower by more than ten per cent. of the floor price.

(2) Discount, if any, shall be expressed in rupee terms in the offer document.

### **PART VIII: ISSUANCE CONDITIONS AND PROCEDURE**

#### **Allocation in the net offer**

**129.** (1) In an issue made through the book building process under sub-regulation (1) of regulation 103, the allocation in the net offer category shall be as follows:

- a) not less than thirty five per cent. to retail individual investors;



- b) not less than fifteen per cent. to non-institutional investors;
- c) not more than fifty per cent. to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds:

Provided that the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in any other category:

Provided further that in addition to five per cent. allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers.

(2) In an issue made through the book building process under sub-regulation (2) of regulation 103, the allocation in the net offer category shall be as follows:

- (a) not more than ten per cent. to retail individual investors;
- (b) not more than fifteen per cent. to non-institutional investors;
- (c) not less than seventy five per cent. to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds:

Provided that the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in the other category:

Provided further that in addition to five per cent. allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers.

(3) In an issue made through the book building process, the issuer may allocate up to sixty per cent. of the portion available for allocation to qualified institutional buyers to anchor investors in accordance with the conditions specified in this regard in **Schedule XIII**.

(4) In an issue made other than through the book building process, allocation in the net offer category shall be made as follows:

- (a) minimum fifty per cent. to retail individual investors; and
- (b) remaining to:
  - (i) individual applicants other than retail individual investors; and
  - (ii) other investors including corporate bodies or institutions, irrespective of the number of specified securities applied for;

Provided that the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in the other category.

**Explanation:** For the purpose of sub-regulation (4), if the retail individual investor category is entitled to more than fifty per cent. of the issue size on a proportionate basis, the retail individual investors shall be allocated that higher percentage.

### **Reservation on a competitive basis**

**130.** (1) The issuer may make reservations on a competitive basis out of the issue size excluding promoters' contribution in favour of the following categories of persons:

- (a) employees;
- (b) shareholders (other than promoters and promoter group) of listed subsidiaries or listed promoter companies:

Provided that the issuer shall not make any reservation for the lead manager(s), registrar, syndicate member(s), their promoters, directors and employees and for the group or associate companies (as defined under the Companies Act, 2013) of the lead manager(s), registrar and syndicate member(s) and their promoters, directors and employees.

(2) In a further public offer, other than in a composite issue, the issuer may make a reservation on a competitive basis out of the issue size excluding promoters' contribution for the existing retail individual shareholders of the issuer.

(3) The reservations on competitive basis shall be subject to following conditions:

- (a) the aggregate of reservation for employees shall not exceed five per cent. of the post-issue capital of the issuer and the value of allotment to any employee shall not exceed two lakhs rupees:

Provided that in the event of under-subscription in the employee reservation portion, the unsubscribed portion may be allotted on a proportionate basis, for a value in excess of two lakhs rupees, subject to the total allotment to an employee not exceeding five lakhs rupees.

- (b) reservation for shareholders shall not exceed ten per cent. of the issue size;
- (c) no further application for subscription in the net offer can be made by persons (except an employee and retail individual shareholder of the listed issuer and retail individual shareholders of listed subsidiaries of listed promoter companies) in favour of whom reservation on a competitive basis is made;
- (d) any unsubscribed portion in any reserved category may be added to any other reserved category/categories and the unsubscribed portion, if any, after such inter-se adjustments amongst the reserved categories shall be added to the net offer category;
- (e) in case of under-subscription in the net offer category, spill-over to the extent of under-subscription shall be permitted from the reserved category to the net public offer.

(4) An applicant in any reserved category may make an application for any number of specified securities, but not exceeding the reserved portion for that category.

#### **Abridged prospectus**

**131.** (1) The abridged prospectus shall contain the disclosures as specified in **Part E of Schedule VI** and shall not contain any matter extraneous to the contents of the offer document.

(2) Every application form distributed by the issuer or any other person in relation to an issue shall be accompanied by a copy of the abridged prospectus.

#### **ASBA**

**132.** The issuer shall accept bids using only the ASBA facility in the manner specified by the Board.

#### **Availability of issue material**

**133.** The lead manager(s) shall ensure availability of the offer document and other issue material including application forms to stock exchanges, syndicate members, registrar to issue, registrar and share transfer agents, depository participants, stock brokers, underwriters, bankers to the issue, investors' associations and self certified syndicate banks before the opening of the issue.

#### **Prohibition on payment of incentives**

**134.** Any person connected with the issue, shall not offer any incentive, whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise to any person for making an application in the initial public offer, except for fees or commission for services rendered in relation to the issue.

#### **Security deposit**

**135.** (1) The issuer shall, before the opening of the subscription list, deposit with the designated stock exchange, an amount calculated at the rate of one per cent. of the issue size available for subscription to the public in the manner specified by the Board and/or the stock exchange(s).

(2) The amount specified in sub-regulation (1) shall be refundable or forfeitable in the manner specified by the Board.

#### **Underwriting**

**136.** (1) If the issuer making a further public offer, other than through the book building process, desires to have the issue underwritten, it shall appoint the underwriters in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993.

(2) If the issuer makes a public issue through the book building process,

- (a) the issue shall be underwritten by lead manager(s) and syndicate member(s):

Provided that at least seventy five per cent. of the net offer proposed to be compulsorily allotted to qualified institutional buyers for the purpose of compliance of the eligibility conditions specified in sub-regulation (2) of regulation 103, shall not be underwritten.

- (b) the issuer shall, prior to filing the prospectus, enter into underwriting agreement with the lead manager(s), and syndicate member(s), indicating therein the number of specified securities which they shall subscribe to at the predetermined price in the event of under-subscription in the issue.
- (c) if the syndicate member(s) fail to fulfil their underwriting obligations, the lead manager(s) shall fulfil the underwriting obligations.
- (d) the lead manager(s) and syndicate member(s) shall not subscribe to the issue in any manner except for fulfilling their underwriting obligations.
- (e) in case of every underwritten issue, the lead manager(s) shall undertake minimum underwriting obligations as specified in the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.
- (f) where the issue is required to be underwritten, the underwriting obligations should at least be to the extent of minimum subscription.

#### **Monitoring agency**

**137.** (1) If the issue size, excluding the size of offer for sale by selling shareholders, exceeds one hundred crore rupees, the issuer shall make arrangements for the use of proceeds of the issue to be monitored by a public financial institution or by a scheduled commercial bank named in the offer document as the bankers of the issuer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to an issue of specified securities made by a bank or public financial institution or an insurance company.

- (2) The monitoring agency shall submit its report to the issuer in the format specified in **Schedule XI** on a quarterly basis, till at least ninety five per cent. of the proceeds of the issue, excluding the proceeds raised for general corporate purposes, have been utilised.
- (3) The board of directors and the management of the issuer shall provide their comments on the findings of the monitoring agency as specified in **Schedule XI**.
- (4) The issuer shall, within forty five days from the end of each quarter, publicly disseminate the report of the monitoring agency by uploading the same on its website as well as submitting the same to the stock exchange(s) on which its equity shares are listed.

#### **Public communications, publicity materials, advertisements and research reports**

**138.** All public communication, publicity materials, advertisements and research reports shall comply with provisions of **Schedule IX**.

#### **Issue-related advertisements**

**139.** (1) Subject to the provisions of the Companies Act, 2013, the issuer shall, after registering the red herring prospectus (in case of a book built issue) or prospectus (in case of fixed price issue) with the Registrar of Companies, make a pre-issue advertisement in one English national daily newspaper with wide circulation, Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated.

- (2) The pre-issue advertisement shall be in the format and shall contain the disclosures specified in **Part A** of **Schedule X**.

Provided that the disclosures in relation to price band or floor price and financial ratios contained therein shall be applicable only where the issuer opts to announce the price band or floor price along with the pre-issue advertisement pursuant to sub-regulation (4) of regulation 127.

- (3) The issuer may release advertisements for issue opening and issue closing, which shall be in the formats specified in **Parts B and C** of **Schedule X**.

(4) During the period the issue is open for subscription, no advertisement shall be released giving an impression that the issue has been fully subscribed or oversubscribed or indicating investors' response to the issue.

### **Opening of the issue**

**140.** (1) Subject to the compliance with the provisions of the Companies Act, 2013, a public issue may be opened within twelve months from the date of issuance of the observations by the Board under sub-regulation (4) of regulation 123; or

Provided that in case of a fast track issue, the issue shall open within the period specifically stipulated under the Companies Act, 2013.

(2) In case of shelf prospectus, the first issue may be opened within three months of issuance of observations by the Board.

(3) The issue shall be opened after at least three working days from the date of registering the red herring prospectus with the Registrar of Companies in case of book built issues and prospectus with the Registrar of Companies in case of fixed price issues.

### **Minimum subscription**

**141.** (1) The minimum subscription to be received in the issue shall be at least ninety per cent. of the offer through the offer document, except in case of an offer for sale of specified securities.

(2) In the event of non-receipt of minimum subscription referred to in sub-regulation (1), all application monies received shall be refunded to the applicants forthwith, but not later than fifteen days from the closure of the issue.

### **Period of subscription**

**142.** (1) Except as otherwise provided in these regulations, a further public issue shall be kept open for at least three working days and not more than ten working days.

(2) In case of a revision in the price band, the issuer shall extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus, for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

(3) In case of force majeure, banking strike or similar circumstances, the issuer may, for reasons to be recorded in writing, extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus (in case of a book built issue) or the issue period disclosed in the prospectus (in case of a fixed price issue), for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

### **Application and minimum application value**

**143.** (1) A person shall not make an application in the net offer category for a number of specified securities that exceeds the total number of specified securities offered to public.

Provided that the maximum application by non-institutional investors shall not exceed total number of specified securities offered in the issue less total number of specified securities offered in the issue to qualified institutional buyers.

(2) The issuer shall stipulate in the offer document the minimum application size in terms of number of specified securities which shall fall within the range of minimum application value of ten thousand rupees to fifteen thousand rupees.

(3) The issuer shall invite applications in multiples of the minimum application value, an illustration whereof is given in **Part B of Schedule XIV**.

(4) The minimum sum payable on application per specified security shall be at least twenty five per cent. of the issue price:

Provided that in case of an offer for sale, the full issue price for each specified security shall be payable at the time of application.

**Explanation:** For the purpose of this regulation, "minimum application value" shall be with reference to the issue price of the specified securities and not with reference to the amount payable on application.

**Manner of calls**

**144.** If the issuer proposes to receive subscription monies in calls, it shall ensure that the outstanding subscription money is called within twelve months from the date of allotment in the issue and if any applicant fails to pay the call money within the said twelve months, the equity shares on which there are calls in arrear along with the subscription money already paid on such shares shall be forfeited:

Provided that it shall not be necessary to call the outstanding subscription money within twelve months, if the issuer has appointed a monitoring agency in terms of regulation 137.

**Allotment procedure and basis of allotment**

**145.** (1) The issuer shall not make an allotment pursuant to a public issue if the number of prospective allottees is less than one thousand.

(2) The issuer shall not make any allotment in excess of the specified securities offered through the offer document except in case of oversubscription for the purpose of rounding off to make allotment, in consultation with the designated stock exchange.

Provided that in case of oversubscription, an allotment of not more than one per cent. of the net offer to public may be made for the purpose of making allotment in minimum lots.

(3) The allotment of specified securities to applicants other than retail individual investors and anchor investors shall be on proportionate basis within the specified investor categories and the number of securities allotted shall be rounded off to the nearest integer, subject to minimum allotment being equal to the minimum application size as determined and disclosed by the issuer:

Provided that value of specified securities allotted to any person, except in case of employees, in pursuance of reservation made under clause (a) of sub-regulation (1) or clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 130, shall not exceed two lakhs rupees.

(4) The allotment of specified securities to each retail individual investor shall not be less than the minimum bid lot, subject to availability of shares in retail individual investor category, and the remaining available shares, if any, shall be allotted on a proportionate basis.

(5) The authorised employees of the designated stock exchange along with the lead manager(s) and registrars to the issue shall ensure that the basis of allotment is finalised in a fair and proper manner in accordance with the allotment procedure as specified in **Part A of Schedule XIV**.

**Allotment, refund and payment of interest**

**146.** (1) The issuer and lead manager(s) shall ensure that specified securities are allotted and/or application monies are refunded or unblocked within such period as may be specified by the Board.

(2) The lead manager(s) shall ensure that the allotment, credit of dematerialised securities, refunding or unblocking of application monies, as may be applicable, are done electronically.

(3) Where specified securities are not allotted and/or application monies are not refunded or unblocked within the period stipulated in sub-regulation (1) above, the issuer shall undertake to pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum to the investors and within such time as disclosed in the offer document and the lead manager(s) shall ensure the same.

**Post-issue Advertisements**

**147.** (1) The lead manager(s) shall ensure that advertisement giving details relating to subscription, basis of allotment, number, value and percentage of all applications including ASBA, number, value and percentage of successful allottees for all applications including ASBA, date of completion of despatch of refund orders, as applicable, or instructions to self-certified syndicate banks by the registrar, date of credit of specified securities and date of filing of listing application, etc. is released within ten days from the date of completion of the various activities in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where registered office of the issuer is situated.

(2) Details specified in sub regulation (1) shall also be placed on the websites of the stock exchanges.

**Post-issue responsibilities of the lead manager(s)**

**148.** (1) The responsibility of the lead manager(s) shall continue until completion of issue process and for any issue related matter thereafter.

(2) The lead manager(s) shall regularly monitor redressal of investor grievances arising from any issue related activities.

(3) The lead manager(s) shall continue to be responsible for post-issue activities till the applicants have received the securities certificates, credit to their demat account or refund of application monies and the listing agreement is entered into by the issuer with the stock exchange and listing or trading permission is obtained.

(4) The lead manager(s) shall be responsible for and co-ordinate with the registrars to the issue and with various intermediaries at regular intervals after the closure of the issue to monitor the flow of applications from syndicate member(s) or collecting bank branches and or self-certified syndicate banks, processing of the applications including application form for ASBA and other matters till the basis of allotment is finalised, credit of the specified securities to the demat accounts of the allottees and unblocking of ASBA accounts/ despatch of refund orders are completed and securities are listed, as applicable.

(5) Any act of omission or commission on the part of any of the intermediaries noticed by the lead manager(s) shall be duly reported by them to the Board.

(6) In case there is a devolvement on underwriters, the lead manager(s) shall ensure that the notice for devolvement containing the obligation of the underwriters is issued within a period of ten days from the date of closure of the issue.

(7) In case of undersubscribed issues that are underwritten, the lead manager(s) shall furnish information to the Board in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvement in the format specified in **Schedule XVIII**.

#### **Release of subscription money**

**149.** (1) The lead manager(s) shall confirm to the bankers to the issue by way of copies of listing and trading approvals that all formalities in connection with the issue have been completed and that the banker is free to release the money to the issuer or release the money for refund in case of failure of the issue.

(2) In case the issuer fails to obtain listing or trading permission from the stock exchanges where the specified securities were listed, it shall refund, through verifiable means, the entire monies received within seven days of receipt of intimation from stock exchanges rejecting the application for listing of specified securities and if monies are not repaid within the specified period, the issuer and every director of the company who is an officer in default shall, on and from the expiry of the eighth day, be jointly and severally liable to repay that money with interest at the rate of fifteen per cent. per annum.

(3) The lead manager(s) shall ensure that the monies received in respect of the issue are released to the issuer in compliance with the provisions of the Section 40 (3) of the Companies Act, 2013, as applicable.

#### **Reporting of transactions by the promoters and promoter group**

**150.** The issuer shall ensure that all transactions in securities by the promoters and promoter group between the date of filing of the draft offer document or offer document, as the case may be, and the date of closure of the issue shall be reported to the stock exchanges, within twenty four hours of such transactions.

#### **Post- issue reports**

**151.** The lead manager(s) shall submit a final post-issue report as specified in **Part A of Schedule XVII**, along with a due diligence certificate as per the format specified in **Form F of Schedule V**, within seven days of the date of finalization of basis of allotment or within seven days of refund of money in case of failure of issue.

### **PART IX: MISCELLANEOUS**

#### **Restriction on further capital issues**

**152.** An issuer shall not make any further issue of specified securities in any manner whether by way of public issue, rights issue, preferential issue, qualified institutions placement, issue of bonus shares or otherwise, except pursuant to an employee stock option scheme:

- a) in case of a fast track issue, during the period between the date of registering the offer document (in case of a book built issue) or prospectus (in case of a fixed price issue) with the Registrar of Companies and the listing of the specified securities offered through the offer document or refund of application monies; or
- b) in case of other issues, during the period between the date of filing the draft offer document and the listing of the specified securities offered through the offer document or refund of application monies;  
unless full disclosures regarding the total number of specified securities or amount proposed to be raised from such further issue are made in such draft offer document or offer document, as the case may be.

#### **Price stabilisation through green shoe option**

**153.** (1) An issuer may provide green shoe option for stabilising the post listing price of its specified securities, subject to the following:

- a) the issuer has been authorized, by a resolution passed in the general meeting of shareholders approving the public issue, to allot specified securities to the stabilising agent, if required, on the expiry of the stabilisation period;
- b) the issuer has appointed a lead manager as a stabilising agent, who shall be responsible for the price stabilisation process;
- c) prior to filing the draft offer document, the issuer and the stabilising agent have entered into an agreement, stating all the terms and conditions relating to the green shoe option including fees charged and expenses to be incurred by the stabilising agent for discharging its responsibilities;
- d) prior to filing the offer document, the stabilising agent has entered into an agreement with the promoters or pre-issue shareholders or both for borrowing specified securities from them in accordance with clause (g) of this sub-regulation, specifying therein the maximum number of specified securities that may be borrowed for the purpose of allotment or allocation of specified securities in excess of the issue size (hereinafter referred to as the “over- allotment”), which shall not be in excess of fifteen per cent. of the issue size;
- e) subject to clause (d), the lead manager, in consultation with the stabilising agent, shall determine the amount of specified securities to be over-allotted in the public issue;
- f) the draft offer document and offer document shall contain all material disclosures about the green shoe option specified in this regard in **Part A of Schedule VI**;
- g) in case of an initial public offer pre-issue shareholders and promoters and in case of a further public offer pre-issue shareholders holding more than five per cent. specified securities and promoters, may lend specified securities to the extent of the proposed over-allotment;
- h) the specified securities borrowed shall be in dematerialised form and allocation of these securities shall be made pro-rata to all successful applicants.

(2) For the purpose of stabilisation of post-listing price of the specified securities, the stabilising agent shall determine the relevant aspects including the timing of buying such securities, quantity to be bought and the price at which such securities are to be bought from the market.

(3) The stabilisation process shall be available for a period not exceeding thirty days from the date on which trading permission is given by the stock exchanges in respect of the specified securities allotted in the public issue.

(4) The stabilising agent shall open a special account, distinct from the issue account, with a bank for crediting the monies received from the applicants against the over-allotment and a special account with a depository participant for crediting specified securities to be bought from the market during the stabilisation period out of the monies credited in the special bank account.

(5) The specified securities bought from the market and credited in the special account with the depository participant shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders immediately, in any case not later than two working days after the end of the stabilization period.

(6) On expiry of the stabilisation period, if the stabilising agent has not been able to buy specified securities from the market to the extent of such securities over-allotted, the issuer shall allot specified securities at issue price in dematerialised form to the extent of the shortfall to the special account with the depository participant, within five days of the closure of the stabilisation period and such specified securities shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders by the stabilising agent in lieu of the specified securities borrowed from them and the account with the depository participant shall be closed thereafter.

(7) The issuer shall make a listing application in respect of the further specified securities allotted under sub-regulation (6), to all the stock exchanges where the specified securities allotted in the public issue are listed and the provisions of Chapter VII shall not be applicable to such allotment.

(8) The stabilising agent shall remit the monies with respect to the specified securities allotted under sub-regulation (6) to the issuer from the special bank account.

(9) Any monies left in the special bank account after remittance of monies to the issuer under sub-regulation (8) and deduction of expenses incurred by the stabilising agent for the stabilisation process shall be transferred to the Investor Protection and Education Fund established by the Board and the special bank account shall be closed soon thereafter.

(10) The stabilising agent shall submit a report to the stock exchange on a daily basis during the stabilisation period and a final report to the Board in the format specified in **Schedule XV**.

(11) The stabilising agent shall maintain a register for a period of at least three years from the date of the end of the stabilisation period and such register shall contain the following particulars:

- a) The names of the promoters or pre-issue shareholders from whom the specified securities were borrowed and the number of specified securities borrowed from each of them;
- b) The price, date and time in respect of each transaction effected in the course of the stabilisation process; and
- c) The details of allotment made by the issuer on expiry of the stabilisation process.

#### **Alteration of rights of holders of specified securities**

**154.** An issuer shall not alter the terms, including the terms of issue, of specified securities which may adversely affect the interests of the holders of that specified securities, except with the consent in writing of the holders of not less than three-fourths of the specified securities of that class or with the sanction of a special resolution passed at a meeting of the holders of the specified securities of that class.

### **PART X: FAST TRACK FURTHER PUBLIC OFFER**

#### **Eligibility conditions**

**155.** Sub-regulations (1), (2), (3), (4) and (5) and (9) of regulation 123 shall not apply if the issuer satisfies the following conditions for making a further public offer through the fast track route:

- a) equity shares of the issuer have been listed on any stock exchange for a period of at least three years immediately preceding the reference date;
- b) entire shareholding of the promoter group of the issuer is held in dematerialised form on the reference date
- c) average market capitalisation of public shareholding of the issuer is at least one thousand crore rupees in case of public issue;

“average market capitalisation of public shareholding” means the sum of daily market capitalisation of public shareholding for a period of one year up to the end of the quarter preceding the month in which the proposed issue was approved by the shareholders or the board of the issuer, as the case may be, divided by the number of trading days.

“public shareholding” shall have the same meaning as assigned to it under the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.



- d) annualised trading turnover of the equity shares of the issuer during six calendar months immediately preceding the month of the reference date has been at least two per cent. of the weighted average number of equity shares listed during such six months' period;
- Provided that for issuers, whose public shareholding is less than fifteen per cent. of its issued equity capital, the annualised trading turnover of its equity shares has been at least two per cent. of the weighted average number of equity shares available as free float during such six months' period;
- e) annualized delivery-based trading turnover of the equity shares during six calendar months immediately preceding the month of the reference date has been at least ten per cent. of the annualised trading turnover of the equity shares during such six months' period;
- f) issuer has been in compliance with the equity listing agreement or the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as applicable, for a period of at least three years immediately preceding the reference date;
- Provided that if the issuer has not complied with the provisions of the listing agreement or the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as applicable, relating to composition of board of directors, for any quarter during the last three years immediately preceding the reference date, but is compliant with such provisions at the time of filing of letter of offer, and adequate disclosures are made in the letter of offer about such non-compliances during the three years immediately preceding the reference date, it shall be deemed as compliance with the condition;
- Provided further that imposition of only monetary fines by stock exchanges on the issuer shall not be a ground for ineligibility for undertaking issuances under this regulation;
- g) issuer has redressed at least ninety five per cent. of the complaints received from the investors till the end of the quarter immediately preceding the month of the reference date;
- h) no show-cause notices have been issued or prosecution proceedings have been initiated by the Board and pending against the issuer or its promoters or whole-time directors as on the reference date;
- i) issuer or promoter or promoter group or director of the issuer has not settled any alleged violation of securities laws through the consent or settlement mechanism with the Board during three years immediately preceding the reference date;
- j) equity shares of the issuer have not been suspended from trading as a disciplinary measure during last three years immediately preceding the reference date;
- k) there shall be no conflict of interest between the lead manager(s) and the issuer or its group companies in accordance with the applicable regulations.
- l) impact of audit qualifications, if any and where quantifiable, on the audited accounts of the issuer in respect of those financial years for which such accounts are disclosed in the letter of offer does not exceed five per cent. of the net profit or loss after tax of the issuer for the respective years.

#### **Submission of offer document and due diligence certificate**

**156.** (1) The issuer shall file the offer document with the Board and the stock exchanges in accordance with sub-regulations (7) and (8) of regulation 123 and shall pay fees to the Board as specified in **Schedule III**.

(2) The lead manager(s) shall submit to the Board, the following documents along with the offer document:

- a) a due diligence certificate as per **Form A of Schedule V** including additional confirmations as specified in **Form E of Schedule V**;
- b) in case of a fast track issue of convertible debt instruments, a due diligence certificate from the debenture trustee as per **Form B of Schedule V**.

**Explanation:** For the purposes of this regulation: "reference date" means the date of registering the red herring prospectus (in case of a book built issue) or prospectus (in case of a fixed price issue) with the Registrar of Companies.

**Post-listing exit opportunity for dissenting shareholders**

**157.** In case of further public offers, including under the fast track route, the promoters or shareholders in control of an issuer shall provide an exit offer to dissenting shareholders as provided for in the Companies Act, 2013, in case of change in objects or variation in the terms of contract related to objects referred to in the offer document as per conditions and manner is provided in **Schedule XX**;

Provided that the exit offer shall not apply where there are neither identifiable promoters nor shareholders in control of the listed issuer.

**CHAPTER V – PREFERENTIAL ISSUE****Provisions of this chapter not to apply in certain cases**

**158.** (1) The provisions of this Chapter shall not apply where the preferential issue of equity shares is made pursuant to:

- a) conversion of a loan or an option attached to convertible debt instruments in terms of sub-sections (3) and (4) of sections 81 of the Companies Act, 1956 or sub-section (3) and (4) of section 62 of the Companies Act, 2013, whichever is applicable;
- b) a scheme approved by a High Court under section 391 to 394 of the Companies Act, 1956 or approved by a tribunal or the Central Government under sections 230 to 234 of the Companies Act, 2013, as applicable;

Provided that the pricing provisions of this Chapter shall apply to the issuance of shares under schemes mentioned in clause (b) in case of allotment of shares only to a select group of shareholders or shareholders of unlisted companies pursuant to such schemes;

- c) a qualified institutions placement in accordance with Chapter VI of these regulations.

(2) The provisions of this Chapter, except the lock-in provisions, shall not apply where the preferential issue of specified securities is made in terms of the rehabilitation scheme approved by the Board of Industrial and Financial Reconstruction under the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 [1 of 1986] or the resolution plan approved under Section 31 of the Insolvency & Bankruptcy Code, 2016 [No. 31 of 2016], whichever is applicable.

(3) The provisions of this Chapter relating to pricing and lock-in shall not apply to equity shares allotted to any financial institution within the meaning of sub-clauses (ia) and (ii) of clause (h) of section 2 of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 (51 of 1993).

(4) The provisions of regulation 163 and sub-regulations (1), (2), (3) and (4) of regulation 164 shall not apply to a preferential issue of equity shares and compulsorily convertible debt instruments, whether fully or partly, where the Board has granted relaxation to the issuer in terms of regulation 11 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, if adequate disclosures about the plan and process proposed to be followed for identifying the allottees are given in the explanatory statement to notice for the general meeting of the shareholders.

(5) The provisions of sub-regulation (1) of regulation 159 and sub-regulation (6) of regulation 167 shall not apply to a preferential issue of specified securities where the proposed allottee is a mutual fund registered with the Board or insurance company registered with Insurance Regulatory and Development Authority of India or a scheduled commercial bank or a public financial institution.

(6) The provisions of this Chapter shall not apply where the preferential issue of specified securities is made to the lenders pursuant to conversion of their debt, as part of a debt restructuring scheme implemented in accordance with the guidelines specified by the Reserve Bank of India, subject to the following conditions:

- a) guidelines for determining the conversion price have been specified by the Reserve Bank of India in accordance with which the conversion price shall be determined and which shall be in compliance with the applicable provisions of the Companies Act, 2013;
- b) conversion price shall be certified by two independent valuers;
- c) specified securities so allotted shall be locked-in for a period of one year from the date of their allotment

- Provided that for the purpose of transferring the control, the lenders may transfer the specified securities allotted to them before completion of the lock-in period subject to continuation of the lock-in on such securities for the remaining period, with the transferee;
- d) the lock-in of equity shares allotted pursuant to conversion of convertible securities issued on preferential basis shall be reduced to the extent the convertible securities have already been locked-in;
  - e) the applicable provisions of the Companies Act, 2013 are complied with, including the requirement of a special resolution.
- (7) The provisions of this Chapter shall not apply where the preferential issue of specified securities is made to person(s) at the time of lenders selling their holding of specified securities or enforcing change in ownership in favour of such person(s) pursuant to a debt restructuring scheme implemented in accordance with the guidelines specified by the Reserve Bank of India, subject to the following conditions:
- a) guidelines for determining the issue price have been specified by the Reserve Bank of India in accordance with which the issue price shall be determined and which shall be in compliance with the applicable provisions of the Companies Act, 2013;
  - b) issue price shall be certified by two independent valuers;
  - c) specified securities so allotted shall be locked-in for a period of at least three years from the date of their allotment;
  - d) lock-in of equity shares allotted pursuant to conversion of convertible securities issued on preferential basis shall be reduced to the extent the convertible securities have already been locked-in;
  - e) special resolution has been passed by shareholders of the issuer before the preferential issue;
  - f) issuer shall, in addition to the disclosures required under the Companies Act, 2013 or any other applicable law, disclose the following information pertaining to the proposed allottee(s) in the explanatory statement to the notice for the general meeting proposed for passing the special resolution as stipulated at clause (e) of this sub-regulation:
    - a. identity, including that of the natural persons, who are the ultimate beneficial owners of the shares proposed to be allotted and/ or who ultimately control the proposed allottee(s);
    - b. business model;
    - c. statement on growth of business over a period of time;
    - d. summary of audited financial statements of previous three financial years;
    - e. track record, if any, in turning around companies;
    - f. proposed roadmap for effecting turnaround of the issuer.
    - g. applicable provisions of the Companies Act, 2013 are complied with.

#### **PART I: ISSUERS INELIGIBLE TO MAKE A PREFERENTIAL ISSUE**

**159.** (1) Preferential issue of specified securities shall not be made to any person who has sold or transferred any equity shares of the issuer during the six months preceding the relevant date:

Provided that in respect of the preferential issue of equity shares and compulsorily convertible debt instruments, whether fully or partly, the Board may grant relaxation from the requirements of this sub-regulation, if the Board has granted relaxation in terms of sub-regulation (2) of regulation 11 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 to such a preferential allotment.

**Explanation:** Where any person belonging to promoter(s) or the promoter group has sold/ transferred their equity shares in the issuer during the six months preceding the relevant date, the promoter(s) and promoter group shall be ineligible for allotment of specified securities on preferential basis.

Provided that the above restriction shall not apply to any sale of equity shares by any person belonging to promoter(s) of the promoter group which qualifies for inter-se transfer amongst qualifying persons under

clause (a) of sub-regulation (1) of regulation 10 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeover Regulations), 2011 or in case of transfer of shares held by the promoters or promoter group on account of invocation of pledge by a scheduled commercial bank or public financial institution or a systemically important non-banking finance company or mutual fund or insurance company registered with the Insurance Regulatory and Development Authority.

(2) Where any person belonging to promoter(s) or the promoter group has previously subscribed to warrants of an issuer but has failed to exercise the warrants, the promoter(s) and promoter group shall be ineligible for issue of specified securities of such issuer on preferential basis for a period of one year from:

- a) the date of expiry of the tenure of the warrants due to non-exercise of the option to convert; or
- b) the date of cancellation of the warrants, as the case may be.

(3) An issuer shall not be eligible to make a preferential issue if any of its promoters or directors is a fugitive economic offender.

## **PART II: CONDITIONS FOR PREFERENTIAL ISSUE**

### **Conditions for preferential issue**

**160.** A listed issuer making a preferential issue of specified securities shall ensure that:

- a) all equity shares allotted by way of preferential issue shall be made fully paid up at the time of the allotment;
- b) a special resolution has been passed by its shareholders;
- c) all equity shares held by the proposed allottees in the issuer are in dematerialised form;
- d) the issuer is in compliance with the conditions for continuous listing of equity shares as specified in the listing agreement with the stock exchange where the equity shares of the issuer are listed and the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements), 2015, as amended, and any circular or notification issued by the Board thereunder;
- e) the issuer has obtained the Permanent Account Numbers of the proposed allottees, except those allottees which may be exempt from specifying their Permanent Account Number for transacting in the securities market by the Board.

### **Relevant date**

**161.** For the purpose of this Chapter, "relevant date" means:

- a) in case of preferential issue of equity shares, the date thirty days prior to the date on which the meeting of shareholders is held to consider the proposed preferential issue:

Provided that in case of a preferential issue of specified securities pursuant to any resolution of stressed assets under a framework specified by the Reserve Bank of India or a resolution plan approved by the National Company Law Tribunal under the Insolvency and Bankruptcy Code 2016, the date of approval of the corporate debt restructuring package or resolution plan shall be the relevant date.

- b) in case of a preferential issue of convertible securities, either the relevant date referred to in clause (a) of this regulation or a date thirty days prior to the date on which the holders of the convertible securities become entitled to apply for the equity shares.

**Explanation:** Where the relevant date falls on a weekend or a holiday, the day preceding the weekend or the holiday will be reckoned to be the relevant date.

### **Tenure of convertible securities**

**162.** The tenure of the convertible securities of the issuer shall not exceed eighteen months from the date of their allotment.

## **PART III: DISCLOSURES TO SHAREHOLDERS**

**163.** (1) The issuer shall, in addition to the disclosures required under the Companies Act, 2013 or any other applicable law, disclose the following in the explanatory statement to the notice for the general meeting proposed for passing the special resolution:

- a) objects of the preferential issue;
- b) maximum number of specified securities to be issued;
- c) intent of the promoters, directors or key managerial personnel of the issuer to subscribe to the offer;
- d) shareholding pattern of the issuer before and after the preferential issue;
- e) time frame within which the preferential issue shall be completed;
- f) identity of the natural persons who are the ultimate beneficial owners of the shares proposed to be allotted and/or who ultimately control the proposed allottees, the percentage of post preferential issue capital that may be held by them and change in control, if any, in the issuer consequent to the preferential issue:

Provided that if there is any listed company, mutual fund, scheduled commercial bank, insurance company registered with the Insurance Regulatory and Development Authority of India in the chain of ownership of the proposed allottee, no further disclosure will be necessary.

**Explanation:** For the purpose of identification of the ultimate beneficial owners of the allottees, where the allottees are institutions/entities, the identification of such ultimate beneficial owners, shall be in accordance with the guidelines prescribed by the Board, if any.

- g) undertaking that the issuer shall re-compute the price of the specified securities in terms of the provision of these regulations where it is required to do so;
- h) undertaking that if the amount payable on account of the re-computation of price is not paid within the time stipulated in these regulations, the specified securities shall continue to be locked- in till the time such amount is paid by the allottees.
- i) disclosures specified in **Schedule VI**, if the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter.

(2) The issuer shall place a copy of the certificate of its statutory auditors before the general meeting of the shareholders considering the proposed preferential issue, certifying that the issue is being made in accordance with the requirements of these regulations.

(3) Where the specified securities are issued on a preferential basis for consideration other than cash, the valuation of the assets in consideration for which the equity shares are issued shall be done by an independent valuer, which shall be submitted to the stock exchanges where the equity shares of the issuer are listed:

Provided that if the stock exchange(s) is not satisfied with the appropriateness of the valuation, it may get the valuation done by any other valuer and for this purpose it may seek any information, as deemed necessary, from the issuer.

(4) The special resolution shall specify the relevant date on the basis of which price of the equity shares to be allotted on conversion or exchange of convertible securities shall be calculated.

## PART IV: PRICING

### Pricing of frequently traded shares

**164.** (1) If the equity shares of the issuer have been listed on a recognised stock exchange for a period of twenty six weeks or more as on the relevant date, the price of the equity shares to be allotted pursuant to the preferential issue shall be not less than higher of the following:

- a. the average of the weekly high and low of the volume weighted average price of the related equity shares quoted on the recognised stock exchange during the twenty six weeks preceding the relevant date; or
- b. the average of the weekly high and low of the volume weighted average prices of the related equity shares quoted on a recognised stock exchange during the two weeks preceding the relevant date.

(2) If the equity shares of the issuer have been listed on a recognised stock exchange for a period of less than twenty six weeks as on the relevant date, the price of the equity shares to be allotted pursuant to the preferential issue shall be not less than the higher of the following:

- a) the price at which equity shares were issued by the issuer in its initial public offer or the value per share arrived at in a scheme of compromise, arrangement and amalgamation under sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956 or sections 230 to 234 the Companies Act, 2013, as applicable, pursuant to which the equity shares of the issuer were listed, as the case may be; or
- b) the average of the weekly high and low of the volume weighted average prices of the related equity shares quoted on the recognised stock exchange during the period the equity shares have been listed preceding the relevant date; or
- c) the average of the weekly high and low of the volume weighted average prices of the related equity shares quoted on a recognised stock exchange during the two weeks preceding the relevant date.

(3) Where the price of the equity shares is determined in terms of sub-regulation (2), such price shall be recomputed by the issuer on completion of twenty six weeks from the date of listing on a recognised stock exchange with reference to the average of the weekly high and low of the volume weighted average prices of the related equity shares quoted on the recognised stock exchange during these twenty six weeks and if such recomputed price is higher than the price paid on allotment, the difference shall be paid by the allottees to the issuer.

(4) A preferential issue of specified securities to qualified institutional buyers, not exceeding five in number, shall be made at a price not less than the average of the weekly high and low of the volume weighted average prices of the related equity shares quoted on a recognised stock exchange during the two weeks preceding the relevant date.

(5) For the purpose of this Chapter, “frequently traded shares” means the shares of the issuer, in which the traded turnover on any recognised stock exchange during the twelve calendar months preceding the relevant date, is at least ten per cent of the total number of shares of such class of shares of the issuer:

Provided that where the share capital of a particular class of shares of the issuer is not identical throughout such period, the weighted average number of total shares of such class of the issuer shall represent the total number of shares.

**Explanation:** For the purpose of this regulation, ‘stock exchange’ means any of the recognised stock exchange(s) in which the equity shares of the issuer are listed and in which the highest trading volume in respect of the equity shares of the issuer has been recorded during the preceding twenty six weeks prior to the relevant date.

#### **Pricing of infrequently traded shares**

**165.** Where the shares of an issuer are not frequently traded, the price determined by the issuer shall take into account the valuation parameters including book value, comparable trading multiples, and such other parameters as are customary for valuation of shares of such companies:

Provided that the issuer shall submit a certificate stating that the issuer is in compliance of this regulation, obtained from an independent valuer to the stock exchange where the equity shares of the issuer are listed.

#### **Adjustments in pricing - Frequently and Infrequently traded shares**

**166.** The price determined for a preferential issue in accordance with regulation 164 or regulation 165, shall be subject to appropriate adjustments, if the issuer:

- a) makes an issue of equity shares by way of capitalization of profits or reserves, other than by way of a dividend on shares;
- b) makes an issue of equity shares after completion of a demerger wherein the securities of the resultant demerged entity are listed on a stock exchange;
- c) makes a rights issue of equity shares;
- d) consolidates its outstanding equity shares into a smaller number of shares;
- e) divides its outstanding equity shares including by way of stock split;
- f) re-classifies any of its equity shares into other securities of the issuer;

- g) is involved in such other similar events or circumstances, which in the opinion of the concerned stock exchange, require adjustments.

## **PART V: LOCK-IN AND RESTRICTIONS ON TRANSFERABILITY**

### **Lock-in**

**167.** (1) The specified securities, allotted on a preferential basis to the promoters or promoter group and the equity shares allotted pursuant to exercise of options attached to warrants issued on a preferential basis to the promoters or the promoter group, shall be locked-in for a period of three years from the date of trading approval granted for the specified securities or equity shares allotted pursuant to exercise of the option attached to warrant, as the case may be:

Provided that not more than twenty per cent. of the total capital of the issuer shall be locked-in for three years from the date of trading approval:

Provided further that equity shares allotted in excess of the twenty per cent. shall be locked-in for one year from the date of trading approval pursuant to exercise of options or otherwise, as the case may be.

Provided further that in case of convertible securities or warrants which are not listed on stock exchanges, such securities shall be locked in for a period of one year from the date of allotment.

(2) The specified securities allotted on a preferential basis to persons other than the promoters and promoter group and the equity shares allotted pursuant to exercise of options attached to warrants issued on preferential basis to such persons shall be locked-in for a period of one year from the date of trading approval.

Provided that in case of convertible securities or warrants which are not listed on stock exchanges, such securities shall be locked in for a period of one year from the date of allotment.

(3) Lock-in of the equity shares allotted pursuant to conversion of convertible securities other than warrants, issued on preferential basis shall be reduced to the extent the convertible securities have already been locked-in.

(4) The equity shares issued on a preferential basis pursuant to any resolution of stressed assets under a framework specified by the Reserve Bank of India or a resolution plan approved by the National Company Law Tribunal under the Insolvency and Bankruptcy Code 2016, shall be locked-in for a period of one year from the trading approval:

(5) If the amount payable by the allottee, in case of re-calculation of price under sub-regulation (3) of regulation 164 is not paid till the expiry of lock-in period, the equity shares shall continue to be locked-in till such amount is paid by the allottee.

(6) The entire pre-preferential allotment shareholding of the allottees, if any, shall be locked-in from the relevant date up to a period of six months from the date of trading approval:

Provided that in case of convertible securities or warrants which are not listed on stock exchanges, the entire pre-preferential allotment shareholding of the allottees, if any, shall be locked-in from the relevant date up to a period of six months from the date of allotment of such securities.

**Explanation 1:** For the purpose of this regulation:

- (I) The expression “total capital of the issuer” means:
- (a) equity share capital issued by way of public issue or rights issue including equity shares issued pursuant to conversion of specified securities which are convertible; and
  - (b) specified securities issued on a preferential basis to the promoters or the promoters group.
- (II) For the computation of twenty per cent. of the total capital of the issuer, the amount of minimum promoters’ contribution held and locked-in, in the past in terms of Securities and Exchange Board of India (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000 or these regulations shall be taken into account.

- (III) The minimum promoters' contribution shall not be put under fresh lock-in again, even though it is considered for computing the requirement of twenty per cent. of the total capital of the issuer, in case the said minimum promoters' contribution is free of lock-in at the time of the preferential issue.

**Explanation 2:** For the purposes of this regulation, the date of trading approval shall mean the latest date when trading approval has been granted by all the stock exchanges where the equity shares of the issuer are listed, for specified securities allotted as per the provisions of this Chapter.

### **Transferability**

**168.** (1) Subject to the provisions of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of shares and Takeovers) Regulations, 2011, specified securities held by promoters and locked-in in terms of sub-regulation (1) of regulation 167, may be transferred among the promoters or the promoter group or to a new promoter or persons in control of the issuer:

Provided that the lock-in on such specified securities shall continue for the remaining period with the transferee.

- (2) The specified securities allotted on a preferential basis shall not be transferable by the allottees till the trading approval is granted for such securities by all the recognised stock exchanges where the equity shares of the issuer are listed.

## **PART VI: CONSIDERATION AND ALLOTMENT**

### **Payment of consideration**

**169.** (1) Full consideration of specified securities other than warrants, shall be paid by the allottees at the time of allotment of such specified securities except in case of shares issued for consideration other than cash.

Provided that in case of a preferential issue of specified securities pursuant to any resolution of stressed assets under a framework specified by the Reserve Bank of India or a resolution plan approved by the National Company Law Tribunal under the Insolvency and Bankruptcy Code 2016, the consideration may be in terms of such scheme.

- (2) In the case of warrants, an amount equivalent to at least twenty five per cent. of the consideration determined in terms of regulation 164 shall be paid against each warrant on the date of allotment of warrants and the balance seventy five per cent. of the consideration shall be paid at the time of allotment of the equity shares pursuant to exercise of options against each such warrant by the warrant holder.

Provided that in case the exercise price of the warrants is based on the formula, at least twenty-five per cent. of the consideration amount calculated as per the formula with conversion date being the relevant date shall be paid against each warrant on the date of allotment of warrants and the balance consideration shall be paid at the time of allotment of the equity shares pursuant to exercise of options against each such warrant by the warrant holder.

- (3) In case the warrant holder does not exercise the option for equity shares against any of the warrants held by the warrant holder, the consideration paid in respect of such warrant in terms of sub-regulation (2) shall be forfeited by the issuer.

- (4) The issuer shall ensure that the consideration of specified securities, if paid in cash, shall be received from respective allottee's bank account and in the case of joint holders, shall be received from the bank account of the person whose name appears first in the application.

- (5) The issuer shall submit a certificate from the statutory auditors to the stock exchanges where the equity shares of the issuer are listed stating that the issuer is in compliance of sub-regulation (4) and the relevant documents thereof are maintained by the issuer as on the date of certification.

### **Allotment**

**170.** (1) Allotment pursuant to the special resolution shall be completed within a period of fifteen days from the date of passing of such resolution:

Provided that where any application for exemption from the applicability of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 or any approval or



permission by any regulatory authority or the Central Government for allotment is pending, the period of fifteen days shall be counted from the date of the order on such application or the date of approval or permission, as the case may be:

Provided further that where the Board has granted relaxation to the issuer in terms of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, the preferential issue of equity shares and compulsorily convertible debt instruments, whether fully or partly, shall be made by it within such time as may be specified by the Board in its order granting the relaxation:

Provided further that requirement of allotment within fifteen days shall not apply to allotment of specified securities on preferential basis pursuant to any resolution of stressed assets under a framework specified by the Reserve Bank of India or a resolution plan approved by the National Company Law Tribunal under the Insolvency and Bankruptcy Code 2016.

(2) If the allotment of the specified securities is not completed within fifteen days from the date of special resolution, a fresh special resolution shall be passed and the relevant date for determining the price of specified securities under this Chapter shall be taken with reference to the date of the latter special resolution.

(3) Notwithstanding anything contained in this regulation, where a preferential allotment is made that attracts an obligation to make an open offer for shares of the issuer under Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011, and there is no offer made under sub-regulation (1) of regulation 20 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011, the period of fifteen days shall be considered from the expiry of the period specified in sub-regulation (1) of regulation 20 or date of receipt of all statutory approvals required for the completion of an open offer under the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011:

Provided that if an offer is made under sub-regulation (1) of regulation 20 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011, the period of fifteen days shall be counted from the expiry of the offer period as defined in the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011:

Provided further that the provisions of this sub-regulation shall not apply to an offer made under sub-regulation (1) of regulation 20 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011, pursuant to a preferential allotment.”

(4) Allotment of the specified securities shall be made only in dematerialised form.

**Explanation:** The requirement of allotment in dematerialised form shall also be applicable for the equity shares to be allotted pursuant to exercise of option attached to warrant or conversion of convertible securities.

## CHAPTER VI – QUALIFIED INSTITUTIONS PLACEMENT

### Definitions

**171.** For the purpose of this Chapter:

- a) “eligible securities” include equity shares, non-convertible debt instruments along with warrants and convertible securities other than warrants;
- b) “relevant date” means:
  - (i) in case of allotment of equity shares, the date of the meeting in which the board of directors of the issuer or the committee of directors duly authorised by the board of directors of the issuer decides to open the proposed issue;
  - (ii) in case of allotment of eligible convertible securities, either the date of the meeting in which the board of directors of the issuer or the committee of directors duly authorised by the board of directors of the issuer decides to open the issue of such convertible securities or the date on which the holders of such convertible securities become entitled to apply for the equity shares.

### PART I: CONDITIONS FOR QUALIFIED INSTITUTIONS PLACEMENT

**Eligibility conditions**

**172.** (1) A listed issuer may make a qualified institutions placement of eligible securities if it satisfies the following conditions:

- a) a special resolution approving the qualified institutions placement has been passed by its shareholders, and the special resolution shall, among other relevant matters, specify that the allotment is proposed to be made through qualified institutions placement and the relevant date referred to in sub-clause (ii) of clause (b) of regulation 171;

Provided that no shareholders' resolution will be required in case the qualified institutions placement is through an offer for sale by promoters or promoter group for compliance with minimum public shareholding requirements specified in the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957;

Provided further that allotment pursuant to the special resolution referred to in this clause (a) of regulation 172 shall be completed within a period of 365 days from the date of passing of the resolution.

- b) the equity shares of the same class, which are proposed to be allotted through qualified institutions placement or pursuant to conversion or exchange of eligible securities offered through qualified institutions placement, have been listed on a stock exchange for a period of at least one year prior to the date of issuance of notice to its shareholders for convening the meeting to pass the special resolution:

Provided that where an issuer, being a transferee company in a scheme of compromise, arrangement and amalgamation sanctioned by a High Court under sections 391-394 of the Companies Act, 1956 or approved by a tribunal or the Central Government under sections 230 to 234 of the Companies Act, 2013, whichever is applicable makes qualified institutions placement, the period for which the equity shares of the same class of the transferor company were listed on a stock exchange having nation-wide trading terminals shall also be considered for the purpose of computation of the period of one year.

Provided further that this clause shall not be applicable to an issuer proposing to undertake qualified institutional placement for complying with the minimum public shareholding requirements specified in the Securities Contracts (Regulation) 1957.

**Explanation:** For the purpose of clause (b), "equity shares of the same class" shall mean equity shares which rank pari-passu in relation to rights as to dividend, voting or otherwise.

- c) An issuer shall be eligible to make a qualified institutions placement if any of its promoters or directors is not a fugitive economic offender.

(2) All eligible securities issued through a qualified institutions placement shall be listed on the recognised stock exchange where the equity shares of the issuer are listed.

Provided that the issuer shall seek approval under rule 19(7) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, if applicable.

(3) The issuer shall not make any subsequent qualified institutions placement until the expiry of six months from the date of the prior qualified institutions placement made pursuant to one or more special resolutions.

**Conditions for offer for sale by promoters for compliance with minimum public shareholding requirements specified in the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.**

**173.** The promoters and members of the promoter group may make an offer for sale of fully paid up equity shares, through a qualified institutions placement, for the purpose of achieving minimum public shareholding in terms of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.

Provided that the promoters or members of the promoter group shall not make such offer for sale if the promoter or member of the promoter group has purchased or sold any equity shares of the issuer during twelve weeks period prior to the date of the opening of the issue and they shall not purchase or sell any equity shares of the issuer during the twelve weeks period after the date of closure of the issue:

Provided further that such promoters or members of the promoter group may, within the twelve week periods provided above, sell equity shares of the issuer held by them through offer for sale through stock exchange mechanism specified by the Board or through an open market sale, in accordance with the conditions specified

by the Board from time to time, subject to the condition that there shall be a gap of minimum two weeks between the two successive offer(s).

## **PART II: APPOINTMENT OF LEAD MANAGERS**

**174.** (1) An issuer shall appoint one or more merchant bankers, which are registered with the Board, as lead manager(s) to the issue.

(2) At least one lead manager to the issue shall not be an associate (as defined under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992) of the issuer and if any of the lead manager is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and its role shall be limited to marketing of the issue.

(3) The lead manager(s) shall, while seeking in-principle listing approval for the eligible securities, furnish to each stock exchange on which the same class of equity shares of the issuer are listed, a due diligence certificate stating that the eligible securities are being issued under qualified institutions placement and that the issuer complies with requirements of this Chapter, and also furnish a copy of the preliminary placement document along with any other document required by the stock exchange.

## **PART III: PLACEMENT DOCUMENT**

**175.** (1) The lead manager(s) shall exercise due diligence and shall satisfy themselves with all aspects of the Issue including the veracity and adequacy of disclosures in the offer document.

(2) The qualified institutions placement shall be made on the basis of a placement document which shall contain all material information, including those specified in the Companies Act, 2013, if any, and disclosures as specified in **Schedule VII** shall be made, including as specified therein if the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter.

(3) The preliminary placement document and the placement document shall be serially numbered and copies the same shall be circulated only to select investors.

(4) The preliminary placement document and the placement document shall be placed on the websites of the relevant stock exchange(s) and of the issuer with a disclaimer to the effect that it is in connection with a qualified institutions placement and that no offer is being made to the public or to any other category of investors.

## **PART IV: PRICING**

**176.** (1) The qualified institutions placement shall be made at a price not less than the average of the weekly high and low of the closing prices of the equity shares of the same class quoted on the stock exchange during the two weeks preceding the relevant date:

Provided that the issuer may offer a discount of not more than five per cent. on the price so calculated, subject to approval of shareholders as specified in clause (a) of regulation 172 of these regulations, except that no shareholders' approval will be required in case of a qualified institutions placement made through an offer for sale by promoters for compliance with minimum public shareholding requirements specified in the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.

(2) Where eligible securities are convertible into or exchangeable with equity shares of the issuer, the issuer shall determine the price of such equity shares allotted pursuant to such conversion or exchange taking the relevant date as disclosed in the special resolution referred to in clause (a) of sub regulation (1) of regulation 172.

(3) The issuer shall not issue or allot partly paid-up eligible securities:

Provided that in case of allotment of non-convertible debt instruments along with warrants, the allottees may pay the full consideration or part thereof payable with respect to warrants, at the time of allotment of such warrants:

Provided further that on allotment of equity shares on exercise of options attached to warrants, such equity shares shall be fully paid-up.

(4) The issue price shall be subject to appropriate adjustments, if the issuer:

- a) makes an issue of equity shares by way of capitalization of profits or reserves, other than by way of a dividend on shares;
- b) makes a rights issue of equity shares;
- c) consolidates its outstanding equity shares into a smaller number of shares;
- d) divides its outstanding equity shares including by way of stock split;
- e) re-classifies any of its equity shares into other securities of the issuer;
- f) is involved in such other similar events or circumstances, which in the opinion of the concerned stock exchange, requires adjustments.

**Explanation:** For the purpose of sub-regulation (1), the term “stock exchange” means any of the recognised stock exchanges in which the equity shares of the same class of the issuer are listed and in which the highest trading volume in such equity shares has been recorded during the two weeks immediately preceding the relevant date.

#### **PART V: TENURE OF CONVERTIBLE SECURITIES**

**177.** The tenure of the convertible or exchangeable eligible securities issued through qualified institutions placement shall not exceed sixty months from the date of allotment.

#### **PART VI: TRANSFERABILITY**

**178.** The eligible securities allotted under the qualified institutions placement shall not be sold by the allottee for a period of one year from the date of allotment, except on a recognised stock exchange.

#### **PART VII: APPLICATION AND ALLOTMENT**

**179. (1)** The applicants in qualified institutions placement shall not withdraw or revise downwards their bids after the closure of the issue.

(2) Allotment of specified securities shall be made subject to the following conditions:

- a) minimum of ten per cent. of eligible securities shall be allotted to mutual funds:  
Provided that any unsubscribed portion of the said minimum percentage or any part thereof may be allotted to other qualified institutional buyers;
- b) no allotment shall be made, either directly or indirectly, to any qualified institutional buyer who is a promoter or any person related to the promoters of the issuer:  
Provided that a qualified institutional buyer who does not hold any shares in the issuer and who has acquired the said rights in the capacity of a lender shall not be deemed to be a person related to the promoters.

Explanation: For the purpose of this clause, a qualified institutional buyer who has any of the following rights shall be deemed to be a person related to the promoters of the issuer:-

- (a) rights under a shareholders' agreement or voting agreement entered into with promoters or promoter group;
- (b) veto rights; or
- (c) right to appoint any nominee director on the board of the issuer.

(3) In a qualified institutions placement of non-convertible debt instrument along with warrants, an investor can subscribe to the combined offering of non-convertible debt instruments with warrants or to the individual securities, that is, either non- convertible debt instruments or warrants.

#### **Minimum number of allottees**

**180. (1)** The minimum number of allottees for each placement of eligible securities made under this Chapter shall at least be:

- a) two, where the issue size is less than or equal to two hundred and fifty crore rupees;

- b) five, where the issue size is greater than two hundred and fifty crore rupees:

Provided that no single allottee shall be allotted more than fifty per cent. of the issue size.

(2) Qualified institutional buyers belonging to the same group or who are under same control shall be deemed to be a single allottee.

**Explanation:** For the purpose of sub-regulation (2), the expression “qualified institutional buyers belonging to the same group” shall mean entities where, - (i) any of them controls directly or indirectly, through its subsidiary or holding company, not less than fifteen per cent. of the voting rights in the other; or (ii) any of them directly or indirectly, by itself, or in combination with other persons exercise control over the others; or (iii) there is a common director, excluding nominee and independent directors amongst the investor, its subsidiary or holding company and any other investor.

## CHAPTER VII - INITIAL PUBLIC OFFER OF INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS

### APPLICABILITY

**181.** The provisions of this Chapter shall apply to an issue of Indian Depository Receipts (hereinafter referred to as “IDR”) made in terms of the Companies Act, 2013 and Companies (Registration of Foreign Companies) Rules, 2014.

### PART I: ELIGIBILITY REQUIREMENTS

#### Reference date

**182.** Unless otherwise provided in this Chapter, an issuer making a public issue of IDRs shall satisfy the conditions of this Chapter as on the date of filing draft offer document with the Board and also as on the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.

#### Eligibility conditions

**183.** (1) An issuer shall be eligible to make an issue of IDRs only if:

- a) the issuing company is listed in its home country for at least three immediately preceding years;
- b) the issuer is not prohibited to issue securities by any regulatory body;
- c) the issuer has a track record of compliance with the securities market regulations in its home country;
- d) any of its promoters or directors is not a fugitive economic offender.

**Explanation:** For the purpose of this regulation, the term “home country” means the country where the issuer is incorporated and listed.

(2) The issue shall be subject to the following conditions:

- a) issue size shall not be less than fifty crore rupees;
- b) at any given time, there shall be only one denomination of IDRs of the issuer.
- c) issuer shall ensure that the underlying equity shares against which IDRs are issued have been or will be listed in its home country before listing of IDRs in stock exchange(s).
- d) issuer shall ensure that the underlying shares of IDRs shall rank pari passu with the existing shares of the same class.

(3) The issuer shall ensure that:

- a) it has made an application to one or more stock exchanges to seek an in-principle approval for listing of the IDRs on such stock exchanges and has chosen one of them as the designated stock exchange, in terms of **Schedule XIX**;
- b) it has entered into an agreement with a depository for dematerialisation of the IDRs proposed to be issued;
- c) it has made firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance for the project proposed to be funded from issue proceeds, excluding the

amount to be raised through the proposed issue of IDRs or through existing identifiable internal accruals, have been made.

- (4) The amount for general corporate purposes, as mentioned in objects of the issue in the draft offer document and the offer document, shall not exceed twenty five per cent. of the amount being raised by the issuer.

## **PART II: APPOINTMENT OF LEAD MANAGERS, OTHER INTERMEDIARIES AND COMPLIANCE OFFICER.**

**184.** (1) The issuer shall appoint one or more merchant bankers, which are registered with the Board, as lead manager(s) to the issue and shall also appoint other intermediaries, in consultation with the lead manager and shall enter into an agreement with the lead manager on the lines of format of agreement as specified in **Schedule II**.

(2) Where the issue is managed by more than one lead manager, the rights, obligations and responsibilities, relating *inter alia* to disclosures, allotment, refund and underwriting obligations, if any, of each lead manager shall be predetermined and be disclosed in the draft offer document and the offer documents as specified in **Schedule I**.

(3) At least one lead manager to the issue shall not be an associate (as defined under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992) of the issuer and if any of the lead manager(s) is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and its role shall be limited to marketing of the issue.

(4) The issuer shall appoint a registrar to the issue, registered with the Board, which has connectivity with all the depositories.

(5) The issuer shall enter into an agreement with an overseas custodian bank and a domestic depository.

(6) The issuing company shall make arrangements for collection at centres as specified in **Schedule XII**.

(7) The issuer shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the securities laws and for redressal of investors' grievances.

## **PART IV: DISCLOSURES IN AND FILING OF OFFER DOCUMENTS**

### **Disclosures in the draft offer document and offer document**

**185.** (1) The offer document shall contain all material disclosures which are true, correct and adequate to enable the applicants to take an informed investment decision.

(2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1), the offer document shall contain:

- (a) disclosures specified in the Companies (Registration of Foreign Companies) Rules, 2014; and
- (b) disclosures in the manner as specified in **Part A of Schedule VIII**.

(3) The lead manager(s) shall exercise due diligence and satisfy themselves about all aspects of the issue including the veracity and adequacy of disclosure in the draft offer document and the offer documents.

(4) The lead manager(s) shall call upon the issuer, its promoters or directors to fulfil their obligations as disclosed by them in the draft offer document or offer document, as the case may be, and as required in terms of these Regulations.

### **Filing of the draft offer document and offer document**

**186.** (1) Prior to making an initial public offer, the issuer shall file three copies of the draft offer document with the Board, in accordance with **Schedule IV**, along with fees as specified in **Schedule III**, through the lead manager(s).

(2) The draft offer document and the offer documents filed with the Board shall also be furnished to the Board in a soft copy.

(3) The lead manager(s) shall:

- a) submit a certificate confirming that an agreement has been entered into between the issuer and the lead manager(s)

- b) submit a due diligence certificate as per format given in **Part H of Schedule V** to the Board along with the draft offer document;
- c) certify that all amendments, suggestions or observations made by the Board have been incorporated in the offer document;
- d) submit a due diligence certificate as per format given in **Part C of Schedule V**, at the time of filing the offer document with the Registrar of the Companies.
- e) a due diligence certificate as per **Form D of Schedule V**, in the event the issuer has made a disclosure of any material development by issuing a public notice.

(4) The issuer shall, before filing the offer document with the Registrar of Companies, file with the Board through the lead manager(s), an updated draft offer document highlighting all changes made in the draft offer document.

(5) If there are any changes in the draft offer document in relation to the matters specified in **Schedule XVI**, an updated offer document or a fresh draft offer document, as the case may be, shall be filed with the Board along with fees specified in **Schedule III**.

(6) Copy of the offer documents shall also be filed with the Board and the stock exchange(s) through the lead manager(s) promptly after registering the offer documents with the registrar of companies.

#### **Draft offer document and offer document to be available to the public**

**187.** (1) The draft offer document filed with the Board shall be made public for comments, if any, for a period of at least twenty one days from the date of filing, by hosting it on the websites of the Board, stock exchanges where specified securities are proposed to be listed and lead manager(s) associated with the issue.

(2) The issuer shall, within two days of filing of the draft offer document with the Board, make a public announcement in one English national daily newspaper with wide circulation and one Hindi national daily newspaper with wide circulation, disclosing to the public the fact of filing of the draft offer document with the Board and inviting the public to provide their comments to the Board, the issuer or the lead manager(s) in respect of the disclosures made in the draft offer document.

(3) The lead manager(s) shall, after expiry of the period stipulated in sub-regulation (1), file with the Board, details of the comments received by them or the issuer from the public, on the draft offer document, during that period and the consequential changes, if any, that are required to be made in the draft offer document.

(4) The issuer and the lead manager(s) shall ensure that the offer documents are hosted on the websites as required under these regulations and its contents are the same as the versions as filed with the registrar of companies, Board and the stock exchanges, as applicable.

(5) The lead manager(s) and the stock exchanges shall provide copies of the offer document to the public as and when requested and may charge a reasonable sum for providing a copy of the same.

### **PART V - PRICING**

#### **Pricing**

**188.** (1) The issuer may determine the price of the IDRs in consultation with the lead manager(s) or through the book building process, as the case may be.

(2) The issuer shall undertake the book building process in a manner specified in **Schedule XIII**.

#### **Price and price band**

**189.** (1) The issuer may mention a price or a price band in the offer document (in case of a fixed price issue) and a floor price or a price band in the red herring prospectus (in case of a book built issue) and determine the price at a later date before registering the prospectus with the Registrar of Companies:

Provided that the prospectus registered with the Registrar of Companies shall contain only one price or the specific coupon rate, as the case may be.

- (2) The cap on the price band shall be less than or equal to one hundred and twenty per cent of the floor price.
- (3) The floor price or the final price shall not be less than the face value of the IDRs.
- (4) Where the issuer opts not to make the disclosure of the floor price or price band in the red herring prospectus, the issuer shall announce the floor price or the price band at least two working days before the opening of the issue in the same newspapers in which the pre-issue advertisement was released or together with the pre-issue advertisement in the format prescribed under Part A of **Schedule X**.
- (5) The announcement referred to in sub-regulation (4) shall contain relevant financial ratios computed for both upper and lower end of the price band and also a statement drawing attention of the investors to the section titled “basis of issue price” of the offer document.
- (6) The announcement referred to in sub-regulation (4) and the relevant financial ratios referred to in sub-regulation (5) shall be disclosed on the websites of the stock exchange(s) and shall also be pre-filled in the application forms to be made available on the websites of the stock exchange(s).

### **Differential pricing**

**190.** (1) The issuer may offer its IDRs at different prices, subject to the following:

- a) retail individual investors or employees entitled for reservation may be offered specified securities at a price not lower by more than ten per cent. of the price at which net offer is made to other categories of applicants, excluding anchor investors.

**Explanation:** For the purpose of this Chapter, “employee” shall mean a person who:

- i) is a resident of India, and
- ii) is a permanent and full-time employee or a director, whether whole time or part time, of the issuer or of the holding company or subsidiary company or of the material associate(s) of the issuer, whose financial statements are consolidated with the issuer’s financial statements, working in India and does not include promoters and an immediate relative of the promoter.
- b) In case the issuer opts for the alternate method of book building in terms of Part D of **Schedule XIII**, the issuer may offer specified securities to its employees at a price not lower by more than ten per cent. of the floor price.

(2) Discount, if any, shall be expressed in rupee terms in the offer document.

## **PART VI: ISSUANCE CONDITIONS AND PROCEDURE**

### **Issuance conditions**

**191.** (1) The procedure to be followed by each class of applicant shall be mentioned in the offer document.

(2) The minimum application amount shall be twenty thousand rupees.

### **Allocation in the issue**

**192.** (1) The allocation in the issue shall be as follows:

- (a) at least fifty per cent. of the issue shall be allotted to qualified institutional buyers on proportionate basis as per illustration given in **Part A of Schedule XIV**;
- (b) the remaining portion of the issue may be allocated among the categories of non-institutional investors and retail individual investors including employees, at the discretion of the issuer and the manner of allocation shall be disclosed in the offer document. Allotment to investors within a category shall be on proportionate basis:

**Provided that** at least thirty per cent. of the IDRs being offered in the public issue shall be available for allocation to retail individual investors and in case of under-subscription in retail individual investor category, spill over to other categories to the extent of under subscription may be permitted.

(2) A person shall not make an application in the net offer category for a number of IDRs which exceeds the total number of IDRs offered to the public.



**Abridged prospectus**

**193.** (1) The abridged prospectus shall contain the disclosures as specified in **Part B** of **Schedule VIII** and shall not contain any matter extraneous to the contents of the offer document.

(2) Every application form distributed by the issuer or any other person in relation to an issue shall be accompanied by a copy of the abridged prospectus.

**ASBA**

**194.** The issuer shall accept bids using only the ASBA facility in the manner specified by the Board.

**Availability of issue material**

**195.** The lead manager(s) shall ensure availability of the offer document and other issue material including application forms to stock exchanges, syndicate members, registrar to issue, registrar and share transfer agents, depository participants, stock brokers, underwriters, bankers to the issue, investors' associations and self certified syndicate banks before the opening of the issue.

**Prohibition on payment of incentives**

**196.** Any person connected with the issue shall not offer any incentive, whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise to any person for making an application in the initial public offer, except for fees or commission for services rendered in relation to the issue.

**Security deposit**

**197.** (1) The issuer shall, before the opening of subscription list, deposit with the designated stock exchange, an amount calculated at the rate of one per cent. of the issue size available for subscription to the public in the manner specified by Board and/or stock exchange(s).

(2) The amount specified in sub-regulation (1) shall be refundable or forfeitable in the manner specified by the Board.

**Underwriting**

**198.** (1) If the issuer making an initial public offer of IDRs, other than through the book building process, desires to have the issue underwritten, it shall appoint underwriters in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993.

(2) If the issuer makes a public issue through the book building process,

- a) The issue shall be underwritten by lead manager(s) and syndicate member(s):
- b) The issuer shall, prior to filing the prospectus, enter into underwriting agreement with the lead manager(s), and syndicate member(s), indicating therein the number of specified securities which they shall subscribe to at the predetermined price in the event of under-subscription in the issue.
- c) If the syndicate member(s) fail to fulfil their underwriting obligations, the lead manager(s) shall fulfil such underwriting obligations.
- d) The lead manager(s) and the syndicate member(s) shall not subscribe to the issue in any manner except for fulfilling their underwriting obligations.
- e) In case of every underwritten issue, the lead manager(s) shall undertake minimum underwriting obligations as specified in the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.
- f) where the issue is required to be underwritten, the underwriting obligations should at least to the extent of minimum subscription.

**Public communications, publicity materials, advertisements and research reports.**

**199.** All public communication, publicity materials, advertisements and research reports shall comply with the provisions of **Schedule IX**, subject to the following:

- a) the applicability of clauses (1) and (7) and Explanation II shall be restricted to any issue advertisements made in India or any research report circulated in India, pertaining to the IDR issue of the issuing company;

- b) the applicability of clauses (2) and (3) shall be restricted to any public communications and publicity material issued or published in any media in India;
- c) the applicability of clauses (4) and (5) shall be restricted to any material or information released in India and any issue advertisements and publicity materials issued or published in any media in India;
- d) the applicability of clause (10) shall be restricted to any product advertisement of the issuer issued or published in any media in India;
- e) all other provisions of **Schedule IX** shall be applicable.

#### **Issue-related advertisements**

**200.** (1) The issuer may release advertisements for issue opening and issue closing, which shall be in the formats specified in **Parts B and C of Schedule X**.

(2) During the period the issue is open for subscription, no advertisement shall be released giving an impression that the issue has been fully subscribed or oversubscribed or indicating investors' response to the issue.

(3) An announcement regarding closure of the issue shall be made only after the lead manager(s) is satisfied that at least ninety per cent. of the issue has been subscribed and a certificate has been obtained to that effect from the registrar to the issue:

Provided that such an announcement shall not be made before the date on which the issue is to be closed except for issue closing advertisement made in the format prescribed in these regulations.

#### **Opening of the issue**

**201.** (1) Subject to the compliance with the provisions of the Companies Act, 2013, a public issue may be opened:

- a) within twelve months from the date of issuance of the observations by the Board under regulation 6; or
- (2) an issue shall be opened after at least three working days from the date of registering the prospectus with the Registrar of Companies.

#### **Minimum subscription**

**202.** (1) The minimum subscription to be received in the issue shall be at least ninety per cent. of the offer through the offer document.

(2) For non-underwritten issues:

- a) If the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document on the date of closure of the issue, or if the subscription level falls below ninety per cent. after the closure of issue, the issuer shall forthwith refund through verifiable means the entire subscription amount received.
- b) If the issuer fails to refund the entire subscription amount within fifteen days from the date of the closure of the issue, it is liable to pay the amount with interest to the subscribers at the rate of fifteen per cent. per annum for the period of delay.

(3) For underwritten issues:

- (a) If the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document including devolvement of underwriters, all application monies received shall be refunded through verifiable means to the applicants forthwith, but not later than fifteen days from the closure of the issue.
- (b) If the issuer fails to refund the entire subscription amount within fifteen days from the date of the closure of the issue, it is liable to pay the amount with interest to the subscribers at the rate of fifteen per cent. per annum for the period of delay.

(4) In case of an undersubscribed issue that is underwritten, the lead manager(s) shall furnish information to the Board in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvement in the format specified in **Schedule XVIII**.

**Period of subscription**

**203.** (1) Except as otherwise provided in these regulations, an initial public offer of IDRs shall be kept open for at least three working days and not more than ten working days.

(2) In case of a revision in the price band, the issuer shall extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus, for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

(3) In case of force majeure, banking strike or similar circumstances, the issuer may, for reasons to be recorded in writing, extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus (in case of a book built issue) or the issue period disclosed in the prospectus (in case of a fixed price issue), for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

**Allotment procedure and basis of allotment**

**204.** (1) The issuer shall not make any allotment in excess of the specified securities offered through the offer document except in case of oversubscription for the purpose of rounding off to make allotment, in consultation with the designated stock exchange.

Provided that in case of oversubscription, an allotment of not more than one per cent. of the net offer to public may be made for the purpose of making allotment in minimum lots.

(2) The allotment of specified securities to applicants other than retail individual investors shall be on proportionate basis within the respective investor categories and the number of securities allotted shall be rounded off to the nearest integer, subject to minimum allotment being equal to the minimum application size as determined and disclosed in the offer document:

Provided that value of specified securities allotted to retail individual investors shall not exceed two lakhs rupees.

(3) The allotment of specified securities to each retail individual investor shall not be less than the minimum bid lot, subject to availability of shares in retail individual investor category, and the remaining available shares, if any, shall be allotted on a proportionate basis.

(4) The authorised employees of the designated stock exchange, along with the lead manager(s) and registrars to the issue, shall ensure that the basis of allotment is finalised in a fair and proper manner in accordance with the allotment procedure as specified in **Part A of Schedule XIV**.

**Allotment, refund and payment of interest**

**205.** (1) The issuer shall ensure that the letters of allotment for the IDRs are issued simultaneously to all allottees and that in the event of it being impossible to issue letters of regret at the same time, a notice to that effect shall be issued in the media so that it appears on the morning after the letters of allotment have been despatched.

(2) The issuer and lead manager(s) shall ensure that the IDRs are allotted and/or application monies are refunded or unblocked within such period as may be specified by the Board.

(3) The lead manager(s) shall ensure that the allotment, credit of dematerialised securities, refunding or unlocking of application monies, as may be applicable, are done electronically.

(4) Where the specified securities are not allotted and/or application monies are not refunded or unblocked within the period stipulated in sub-regulation (1) above, the issuer shall undertake to pay interest at the rate of fifteen per cent per annum to the investors and within such time as disclosed in the offer document and the lead manager(s) shall ensure the same.

**Post-issue advertisements**

**206.** (1) The lead manager(s) shall ensure that advertisement giving details relating to subscription, basis of allotment, number, value and percentage of all applications including ASBA, number, value and percentage of successful allottees for all applications including ASBA, date of completion of despatch of refund orders, as applicable, or instructions to self-certified syndicate banks by the registrar, date of credit of the IDRs and date of filing of listing application, etc. is released within ten days from the date of

completion of the various activities in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation.

(2) Details specified in sub regulation (1) shall also be placed on the websites of the stock exchanges where the securities are listed.

#### **Post-issue responsibilities of the lead manager(s)**

**207.** (1) The responsibility of the lead manager(s) shall continue until completion of the issue process and for any issue related matter thereafter.

(2) The lead manager(s) shall regularly monitor redressal of investor grievances arising from any issue related activities.

(3) The lead manager(s) shall continue to be responsible for post-issue activities till the applicants have received the credit of IDRs to their account or refund of application monies and the listing agreement is entered into by the issuer with the stock exchange and listing or trading permission is obtained.

(4) The lead manager(s) shall be responsible for and co-ordinate with the registrars to the issue and with various intermediaries at regular intervals after the closure of the issue to monitor the flow of applications from syndicate member(s) or collecting bank branches and/ or self-certified syndicate banks processing of the applications including application form for ASBA and other matters till the basis of allotment is finalised, credit of the specified securities to the demat accounts of the allottees and unblocking of ASBA accounts/ despatch of refund orders are completed and securities are listed, as applicable.

(5) Any act of omission or commission on the part of any of the intermediaries noticed by the lead manager(s) shall be duly reported by them to the Board.

(6) In case there is a devolvement on the underwriters, the lead manager(s) shall ensure that the notice for devolvement containing the obligation of the underwriters is issued within ten days from the date of closure of the issue.

(7) In case of undersubscribed issues that are underwritten, the lead manager(s) shall furnish information to the Board in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvement in the format specified in **Schedule XVIII**.

#### **Release of subscription money**

**208.** (1) The lead manager(s) shall confirm to the bankers to the issue by way of copies of listing and trading approvals that all formalities in connection with the issue have been completed and that the banker is free to release the money to the issuer or release the money for refund in case of failure of the issue.

(2) In case the issuer fails to obtain listing or trading permission from the stock exchanges where the specified securities were listed, it shall refund through verifiable means the entire monies received within seven days of receipt of intimation from stock exchanges rejecting the application for listing of IDRs, if any such money is not repaid within eight days after the issuer becomes liable to repay it the issuer and every director of the company who is an officer in default shall, on and from the expiry of the eighth day, be jointly and severally liable to repay that money with interest at the rate of fifteen per cent. per annum.

(3) The lead manager(s) shall ensure that the monies received in respect of the issue are released to the issuer in compliance with the provisions of the Section 40 (3) of the Companies Act, 2013, as applicable.

#### **Reporting of transactions by the promoters and promoter group**

**209.** (1) The issuer shall ensure that transactions in securities by the promoters and promoter group during the period between the date of filing of the draft offer document or offer document, as the case may be, and the date of closure of the issue shall be reported to the stock exchange(s) within twenty four hours of such transactions.

#### **Post-issue reports**

**210.** The lead manager(s) shall submit a final post-issue report on the lines of **Parts A of Schedule XVII**, along with a due diligence certificate as per the format specified in **Form F of Schedule V**, within seven days of the date of finalisation of basis of allotment or within seven days of refund of money in case of failure of issue.

**Fungibility**

**211.** The IDRs shall be fungible into the underlying equity shares of the issuer in the manner specified by the Board and Reserve Bank of India, from time to time.

**CHAPTER VIII - RIGHTS ISSUE OF INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS****Applicability**

**212.** In addition to compliance with Chapter VII, wherever applicable, a listed issuer offering IDRs through a rights issue shall satisfy the conditions specified in this Chapter at the time of filing the offer document:

Provided that the provisions of the following regulations shall not be applicable in case of rights issue of IDRs:

- a) regulation 191
- b) sub-regulation (1) of regulation 192
- c) clause (a) of sub regulation (2) of regulation 183
- d) regulation 205; and
- e) sub-regulation (2) of regulation 185.

**Entities not eligible to make a rights issue**

**213.** An issuer shall not be eligible to make a rights issue of IDRs if –

- (a) at the time of undertaking the rights issue, the issuer is in breach of ongoing material obligations under the listing agreement and the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 as may be applicable to such issuer or material obligations under the deposit agreement entered into between the domestic depository and the issuer at the time of initial offering of IDRs;
- (b) any of its promoters or directors is a fugitive economic offender.

**General conditions**

**214.** The issuer shall ensure that it has made an application to all the stock exchanges in India, where its IDRs are already listed, for listing of the IDRs to be issued by way of rights and has chosen one of them as the designated stock exchange, in terms of **Schedule XIX**.

**Renunciation by an IDR holder**

**215.** Unless the laws of the home jurisdiction of the issuer otherwise provide, the rights issue shall be deemed to include a right exercisable by the person concerned to renounce the IDRs offered to the IDR holder in favour of any other person subject to applicable laws and the same shall be disclosed in the offer document.

**Depository**

**216.** The domestic depository shall, in accordance with the depository agreement executed with the issuer at the time of initial offering of IDR, take such steps as are necessary to enable the IDR holders to have entitlements under the rights offering and issue additional IDRs to such IDR holders, distribute the rights to the IDR holders or renouncees or arrange for the IDR holders or renouncees to subscribe for any additional rights which are available due to lack of take-up by other holders of underlying shares.

**Record date**

**217.** (1) An issuer making a rights issue of IDRs shall, in accordance with the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the issuer shall announce a record date for the purpose of determining the shareholders eligible to apply for IDRs in the proposed rights issue.

(2) If the issuer withdraws the rights issue after announcing the record date, it shall notify the Board about the same and shall notify the same in one English national daily newspaper with wide circulation, one

Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where principal office of the issuer is situated in India. If the issuer withdraws the rights issue after announcing the record date, it shall not make an application for offering of IDRs on a rights basis for a period of twelve months from the said record date.

#### **Disclosures in the offer document and the addendum**

**218.** (1) The offer document for the rights offering shall contain disclosures as required under the home country regulations of the issuer.

(2) An additional wrap (addendum to offer document) shall be attached to the offer document to be circulated in India containing information as specified in **Part C of Schedule VIII** and other instructions as to the procedures and process to be followed with respect to rights issue of IDRs in India.

(3) Without prejudice to the generality of sub-regulations (1) and (2), the offer document and the addendum attached with it, shall contain all material information, which are true, correct and adequate, so as to enable the applicants to take an informed investment decision.

#### **Appointment of lead managers and compliance officer**

**219.** (1) The issuer shall appoint one or more merchant bankers, which are registered with the Board, as a lead manager(s) to the issue and shall also appoint other intermediaries, in consultation with the lead manager, to carry out the obligations relating to the issue.

(2) The issuer shall ensure that the compliance officer, in charge of ensuring compliance with the obligations under this Chapter, functions from within the territorial limits of India.

#### **Filing of draft offer document and the addendum for rights offering**

**220.** (1) The issuer shall, through the lead manager(s), file the draft offer document prepared in accordance with the home country requirements along with an addendum containing disclosures as specified in **Part C of Schedule VIII** with the Board, as a confidential filing accompanied with fees as specified in **Schedule III**.

(2) The Board may specify changes or issue observations on the draft offer document and the addendum within thirty days from the later of the following dates :

- (a) the date of receipt of the draft offer document prepared in accordance with the home country requirements along with an addendum under sub-regulation (2); or
- (b) the date of receipt of satisfactory reply from the lead manager(s), where the Board has sought any clarification or additional information from them; or
- (c) the date of receipt of clarification or information from any regulator or agency, where the Board has sought any clarification or information from such regulator or agency; or
- (d) the date of receipt of a copy of in-principle approval letter issued by the stock exchanges.

(3) If the Board specifies any changes or issues observations on the draft offer document and the addendum under sub-regulation (3), the issuer and the lead manager(s) shall file the revised draft offer document and the updated addendum after incorporating the changes specified by the Board.

(4) The issuer shall also submit an undertaking from the overseas custodian and domestic depository addressed to the issuer, to comply with their obligations with respect to the said rights issue under their respective agreements entered into between them, along with the offer document.

#### **Pricing**

**221.** The issue price and the ratio shall be decided simultaneously with record date in accordance with the home country regulations.

#### **Availability of Issue Material**

**222.** (1) The abridged letter of offer, containing disclosures as specified in **Part B of Schedule IX**, for a rights offering, along with application form, shall be dispatched through registered post or speed post or by courier service or by electronic mode to all the eligible IDR holders at least three days before the date of

opening of the issue and shall be made available on the website of the issuer with appropriate access restrictions at the same time it is made available to the holders of its equity shares.

Provided that a hard copy of the offer document for a rights offering along with the addendum shall be made available at the principal office of the issuer or lead manager to any existing IDR holder who has made a request in this regard.

(2) The eligible IDR holders who have not received the application form may apply in writing on a plain paper to the domestic depository, along with the requisite application money within the time frame for acceptance.

(3) The eligible IDR holders making an application otherwise than on the application form shall not renounce their rights and shall not utilise the application form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently.

(4) Where any eligible IDR holder makes an application on an application form as well as on plain paper, such application is liable to be rejected.

#### **Issue-related advertisement**

**223.** (1) The issuer shall issue an advertisement for the rights issue disclosing the following:

- a) the date of completion of despatch of the abridged letter of offer and the application form;
- b) the centres other than principal office of the issuer in India where the eligible IDR holders may obtain duplicate copies of the application forms in case they do not receive the application form within a reasonable time after opening of the rights issue;
- c) a statement that if the eligible IDR holders have neither received the original application forms nor they are in a position to obtain the duplicate forms, they may make application in writing on a plain paper to subscribe to the rights issue;
- d) a format to enable the eligible IDR holders, to make the application on a plain paper specifying therein necessary particulars such as name, address, ratio of rights issue, issue price, number of IDRs held, ledger folio numbers, depository participant ID, client ID, number of IDRs entitled and applied for, amount to be paid along with application, and particulars of cheque, etc. to be drawn in favour of the issuer's account;
- e) a statement that the applications can be directly sent by the eligible IDR holders through registered post together with the application monies to the issuer's designated official at the address given in the advertisement;
- f) a statement to the effect that if the eligible IDR holder makes an application on plain paper and also on application form both the applications shall be liable to be rejected at the option of the issuer.

(2) The advertisement shall be made in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where principal office of the issuer is situated in India at least three days before the date of opening of the issue.

#### **Period of subscription and issue of allotment letter**

**224.** (1) A rights issue shall be open for subscription in India for a period as applicable under the laws of its home country but in no case less than ten days.

(2) The issuing company shall ensure that it sends the allotment letter of rights to IDR holders at the time these are sent to shareholders of the issuing company as per the requirement of its home country or other jurisdictions where its securities are listed.

#### **Utilisation of funds**

**225.** The issuer shall utilise funds raised in relation to the IDRs pursuant to the rights offering only upon completion of the allotment process.

#### **Fast track issue**

**226.** (1) Nothing contained in sub-regulations (1) of regulation 221, (1), (2) and (3) of regulation 222 shall apply, if the issuer satisfies the following conditions:

- (a) the issuer is in compliance in all material respects with the provisions of deposit agreement and the provisions of listing agreements (or listing conditions) applicable in all the jurisdictions wherever the issuer is listed, for a period of at least three years immediately preceding the date of filing of the offer document, and a certification to this effect is provided by the issuer;
- (b) the offer document for the rights offering of the securities of the issuer has been filed and reviewed by the securities regulator in the home country of the issuer;
- (c) there are no pending show-cause notices or prosecution proceedings against the issuer or its promoters, where applicable, or whole time directors on the reference date by the Board or the regulatory authorities in its home country restricting them from accessing the capital markets; and
- (d) the issuer has redressed at least ninety five per cent. of the complaints received from the IDR holders before the end of the three months period immediately preceding the month of date of filing the letter of offer with the designated stock exchange.

(2) Where the conditions in sub-regulation (1) are satisfied, the issuer may opt for rights issue of IDRs by filing a copy of the offer document prepared in accordance with the home country requirements along with an addendum containing disclosures as specified in **Part C of Schedule VIII** with the Board for record purposes, before filing the same with the stock exchanges.

## **CHAPTER IX — INITIAL PUBLIC OFFER BY SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES**

### **Reference date**

**227.** Unless otherwise provided in this Chapter, an issuer making an initial public offer of specified securities shall satisfy the conditions of this Chapter as on the date of filing of the draft offer document with the SME exchange and also as on the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.

## **PART I: ELIGIBILITY REQUIREMENTS**

### **Entities not eligible to make an initial public offer**

**228.** An issuer shall not be eligible to make an initial public offer:

- (a) if the issuer, any of its promoters, promoter group or directors or selling shareholders are debarred from accessing the capital market by the Board;
- (b) if any of the promoters or directors of the issuer is a promoter or director of any other company which is debarred from accessing the capital market by the Board;
- (c) if the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter;
- (d) if any of its promoters or directors is a fugitive economic offender.

**Explanation:** The restrictions under clauses (a) and (b) shall not apply to the persons or entities mentioned therein, who were debarred in the past by the Board and the period of debarment is already over as on the date of filing of the draft offer document with the SME Exchange.

### **Eligibility requirements for an initial public offer**

**229.** (1) An issuer shall be eligible to make an initial public offer only if its post-issue paid-up capital is less than or equal to ten crore rupees.

(2) An issuer, whose post issue face value capital is more than ten crore rupees and upto twenty five crore rupees, may also issue specified securities in accordance with provision of this Chapter.

(3) An issuer may make an initial public offer, if it satisfies track record and/or other eligibility conditions of the SME Exchange(s) on which the specified securities are proposed to be listed.

Provided that In case of an issuer which had been a partnership firm or a limited liability partnership, the track record of operating profit of the partnership firm or the limited liability partnership shall be considered only if the financial statements of the partnership business for the period during which the



issuer was a partnership firm or a limited liability partnership, conform to and are revised in the format prescribed for companies under the Companies Act, 2013 and also comply with the following:

- (a) adequate disclosures are made in the financial statements as required to be made by the issuer as per **Schedule III** of the Companies Act, 2013;
- (b) the financial statements are duly certified by auditors, who have subjected themselves to the peer review process of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and hold a valid certificate issued by the Peer Review Board<sup>\*</sup> of the ICAI, stating that: (i) the accounts and the disclosures made are in accordance with the provisions of **Schedule III** of the Companies Act, 2013; (ii) the accounting standards prescribed under the Companies Act, 2013 have been followed; (iii) the financial statements present a true and fair view of the firm's accounts:

Provided further that in case of an issuer formed out of merger or a division of an existing company, the track record of the resulting issuer shall be considered only if the requirements regarding financial statements as specified above in the first proviso are complied with.

### General conditions

**230.** (1) An issuer making an initial public offer shall ensure that:

- (a) it has made an application to one or more SME exchanges for listing of its specified securities on such SME exchange(s) and has chosen one of them as the designated stock exchange, in terms of Schedule XIX;
- (b) it has entered into an agreement with a depository for dematerialisation of its specified securities already issued and proposed to be issued;
- (c) all its existing partly paid-up equity shares have either been fully paid-up or forfeited;
- (d) all specified securities held by the promoters are in the dematerialised form;
- (e) it has made firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance for the project proposed to be funded from the issue proceeds, excluding the amount to be raised through the proposed public offer or through existing identifiable internal accruals.

**Explanation:** "project" means the object for which monies are proposed to be raised to cover the objects of the issue.

- (2) The amount for general corporate purposes, as mentioned in objects of the issue in the draft offer document and the offer document shall not exceed twenty five per cent. of the amount being raised by the issuer.

## PART II: ISSUE OF CONVERTIBLE DEBT INSTRUMENTS AND WARRANTS

**231.** An issuer shall be eligible to make an initial public offer of convertible debt instruments even without making a prior public issue of its equity shares and listing thereof:

Provided that an issuer shall not be eligible if it is in default of payment of interest or repayment of principal amount in respect of debt instruments issued by it to the public, if any, for a period of more than six months.

### Additional requirements for issue of convertible debt instruments

**232.** (1) In addition to other requirements laid down in these regulations, an issuer making an initial public offer of convertible debt instruments shall also comply with the following conditions:

- (a) it has obtained credit rating from at least one credit rating agency;
- (b) it has appointed at least one debenture trustees in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993;
- (c) it shall create a debenture redemption reserve in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the rules made thereunder;

- (d) if the issuer proposes to create a charge or security on its assets in respect of secured convertible debt instruments, it shall ensure that:
- (i) such assets are sufficient to discharge the principal amount at all times;
  - (ii) such assets are free from any encumbrance;
  - (iii) where security is already created on such assets in favour of any existing lender or security trustee or the issue of convertible debt instruments is proposed to be secured by creation of security on a leasehold land, the consent of such lender or security trustee or lessor for a second or pari passu charge has been obtained and submitted to the debenture trustee before the opening of the issue;
  - (iv) the security or asset cover shall be arrived at after reduction of the liabilities having a first or prior charge, in case the convertible debt instruments are secured by a second or subsequent charge.

(2) The issuer shall redeem the convertible debt instruments as stipulated in the offer document.

#### **Conversion of optionally convertible debt instruments into equity share capital**

**233.** (1) The issuer shall not convert its optionally convertible debt instruments into equity shares unless the holders of such convertible debt instruments have sent their positive consent to the issuer and non-receipt of reply to any notice sent by the issuer for this purpose shall not be construed as consent for conversion of any convertible debt instruments.

(2) Where the value of the convertible portion of any listed convertible debt instruments issued by a issuer exceeds fifty lakh rupees and the issuer has not determined the conversion price of such convertible debt instruments at the time of making the issue, the holders of such convertible debt instruments shall be given the option of not converting the convertible portion into equity shares:

Provided that where the upper limit on the price of such convertible debt instruments and justification thereon is determined and disclosed to the investors at the time of making the issue, it shall not be necessary to give such option to the holders of the convertible debt instruments for converting the convertible portion into equity share capital within the said upper limit.

(3) Where an option is to be given to the holders of the convertible debt instruments in terms of sub-regulation (2) and if one or more of such holders do not exercise the option to convert the instruments into equity share capital at a price determined in the general meeting of the shareholders, the issuer shall redeem that part of the instruments within one month from the last date by which option is to be exercised, at a price which shall not be less than its face value.

(4) The provision of sub-regulation (3) shall not apply if such redemption is in terms of the disclosures made in the offer document.

#### **Issue of convertible debt instruments for financing**

**234.** An issuer shall not issue convertible debt instruments for financing or for providing loans to or for acquiring shares of any person who is part of the promoter group or group companies:

Provided that an issuer shall be eligible to issue fully convertible debt instruments for these purposes if the period of conversion of such debt instruments is less than eighteen months from the date of issue of such debt instruments.

#### **Issue of warrants**

**235.** An issuer shall be eligible to issue warrants in an initial public offer subject to the following:

- (a) the tenure of such warrants shall not exceed eighteen months from their date of allotment in the initial public offer;
- (b) A specified security may have one or more warrants attached to it;
- (c) the price or formula for determination of exercise price of the warrants shall be determined upfront and disclosed in the offer document and at least twenty-five per cent. of the consideration amount based on the exercise price shall also be received upfront:

Provided that in case the exercise price of warrants is based on a formula, twenty-five per cent. consideration amount based on the cap price of the price band determined for the linked equity shares or convertible securities shall be received upfront.;

- (d) in case the warrant holder does not exercise the option to take equity shares against any of the warrants held by the warrant holder, within three months from the date of payment of consideration, such consideration made in respect of such warrants shall be forfeited by the issuer.

### **PART III: PROMOTERS' CONTRIBUTION**

#### **Minimum promoters' contribution**

**236.** (1) The promoters of the issuer shall hold at least twenty per cent. of the post-issue capital:

Provided that in case the post-issue shareholding of the promoters is less than twenty per cent., alternative investment funds or foreign venture capital investors or scheduled commercial banks or public financial institutions or insurance companies registered with Insurance Regulatory and Development Authority of India may contribute to meet the shortfall in minimum contribution as specified for the promoters, subject to a maximum of ten per cent. of the post-issue capital without being identified as promoter(s):

Provided further that the requirement of minimum promoters' contribution shall not apply in case an issuer does not have any identifiable promoter.

(2) The minimum promoters' contribution shall be as follows:

- (a) the promoters shall contribute twenty per cent. as stipulated sub-regulation (1), as the case may be, either by way of equity shares or by way of subscription to the convertible securities:

Provided that if the price of the equity shares allotted pursuant to conversion is not pre-determined and not disclosed in the offer document, the promoters shall contribute only by way of subscription to the convertible securities being issued in the public offer and shall undertake in writing to subscribe to the equity shares pursuant to conversion of such securities.

- (b) in case of any issue of convertible securities which are convertible or exchangeable on different dates and if the promoters' contribution is by way of equity shares (conversion price being pre-determined), such contribution shall not be at a price lower than the weighted average price of the equity share capital arising out of conversion of such securities.
- (c) subject to the provisions of clause (a) and (b) above, in case of an initial public offer of convertible debt instruments without a prior public issue of equity shares, the promoters shall bring in a contribution of at least twenty per cent. of the project cost in the form of equity shares, subject to contributing at least twenty per cent. of the issue size from its own funds in the form of equity shares:

Provided that if the project is to be implemented in stages, the promoters' contribution shall be with respect to total equity participation till the respective stage vis-à-vis the debt raised or proposed to be raised through the public offer.

- (d) The promoters shall satisfy the requirements of this regulation at least one day prior to the date of opening of the issue.
- (e) In case the promoters have to subscribe to equity shares or convertible securities towards minimum promoters' contribution, the amount of promoters' contribution shall be kept in an escrow account with a scheduled commercial bank, which shall be released to the issuer along with the release of the issue proceeds:

Provided that where the promoters' contribution has already been brought in and utilised, the issuer shall give the cash flow statement disclosing the use of such funds in the offer document:

**Explanation:** For the purpose of this regulation:

- (I) Promoters' contribution shall be computed on the basis of the post-issue expanded capital:
- (a) assuming full proposed conversion of convertible securities into equity shares;
- (b) assuming exercise of all vested options, where any employee stock options are outstanding at the time of initial public offer.

(II) For computation of “weighted average price”:

- (a) “weights” means the number of equity shares arising out of conversion of such specified securities into equity shares at various stages;
- (b) “price” means the price of equity shares on conversion arrived at after taking into account predetermined conversion price at various stages.

**Securities ineligible for minimum promoters’ contribution**

**237.** (1) For the computation of minimum promoters’ contribution, the following specified securities shall not be eligible:

- (a) specified securities acquired during the preceding three years, if they are:
  - (i) acquired for consideration other than cash and revaluation of assets or capitalisation of intangible assets is involved in such transaction; or
  - (ii) resulting from a bonus issue by utilisation of revaluation reserves or unrealised profits of the issuer or from bonus issue against equity shares which are ineligible for minimum promoters’ contribution.
- (b) specified securities acquired by the promoters and alternative investment funds or foreign venture capital investors or scheduled commercial banks or public financial institutions or insurance companies registered with Insurance Regulatory and Development Authority of India, during the preceding one year at a price lower than the price at which specified securities are being offered to the public in the initial public offer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply:

- (i) if the promoters and alternative investment funds as applicable, pay to the issuer the difference between the price at which the specified securities are offered in the initial public offer and the price at which the specified securities had been acquired;
- (ii) if such specified securities are acquired in terms of the scheme under 391 to 394 of the Companies Act, 1956 or sections 230 to 234 of the Companies Act, 2013, as approved by a High Court or a tribunal, as applicable, by the promoters in lieu of business and invested capital that had been in existence for a period of more than one year prior to such approval;
- (iii) to an initial public offer by a government company, statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, which is engaged in the infrastructure sector.
- (c) specified securities allotted to the promoters and alternative investment funds during the preceding one year at a price less than the issue price, against funds brought in by them during that period, in case of an issuer formed by conversion of one or more partnership firms or limited liability partnerships, where the partners of the erstwhile partnership firms or limited liability partnerships are the promoters of the issuer and there is no change in the management:

Provided that specified securities, allotted to the promoters against the capital existing in such firms for a period of more than one year on a continuous basis, shall be eligible;

- (d) specified securities pledged with any creditor.

(2) Specified securities referred to in clauses (a) and (c) of sub-regulation (1) shall be eligible for the computation of promoters’ contribution, if such securities are acquired pursuant to a scheme which has been approved under the Companies Act, 2013 or any previous company law.

**PART IV: LOCK-IN AND RESTRICTIONS ON TRANSFERRABILITY**

**Lock-in of specified securities held by the promoters**

**238.** The specified securities held by the promoters shall not be transferable (hereinafter referred to as ‘lock-in’) for the periods as stipulated hereunder:

- (a) minimum promoters’ contribution including contribution made by alternative investment funds or foreign venture capital investors or scheduled commercial banks or public financial institutions or insurance companies registered with Insurance Regulatory and Development Authority of India, as

applicable, shall be locked-in for a period of three years from the date of commencement of commercial production or date of allotment in the initial public offer, whichever is later;

- (b) promoters' holding in excess of minimum promoters' contribution shall be locked-in for a period of one year from the date of allotment in the initial public offer

**Explanation:** For the purposes of this clause, the expression "date of commencement of commercial production" means the last date of the month in which commercial production of the project in respect of which the funds raised are proposed to be utilised as stated in the offer document, is expected to commence.

#### **Lock-in of specified securities held by persons other than the promoters**

**239.** The entire pre-issue capital held by persons other than the promoters shall be locked-in for a period of one year from the date of allotment in the initial public offer:

Provided that nothing contained in this regulation shall apply to:

- (a) equity shares allotted to employees, whether currently an employee or not, under an employee stock option or employee stock purchase scheme of the issuer prior to the initial public offer, if the issuer has made full disclosures with respect to such options or scheme in accordance with **Part A of Schedule VI**;
- (b) equity shares held by an employee stock option trust or transferred to the employees by an employee stock option trust pursuant to exercise of options by the employees, whether currently employees or not, in accordance with the employee stock option plan or employee stock purchase scheme.

Provided that the equity shares allotted to the employees shall be subject to the provisions of lock-in as specified under the Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014:

- (c) equity shares held by a venture capital fund or alternative investment fund of category I or Category II or a foreign venture capital investor:

Provided that such equity shares shall be locked in for a period of at least one year from the date of purchase by the venture capital fund or alternative investment fund or foreign venture capital investor.

**Explanation:** For the purpose of clause (c), in case such equity shares have resulted pursuant to conversion of fully paid-up compulsorily convertible securities, the holding period of such convertible securities as well as that of resultant equity shares together shall be considered for the purpose of calculation of one year period and convertible securities shall be deemed to be fully paid-up, if the entire consideration payable thereon has been paid and no further consideration is payable at the time of their conversion.

#### **Lock-in of specified securities lent to stabilising agent under the green shoe option**

**240.** The lock-in provisions shall not apply with respect to the specified securities lent to stabilising agent for the purpose of green shoe option, during the period starting from the date of lending of such specified securities and ending on the date on which they are returned to the lender in terms of sub-regulation (5) or (6) of regulation 279:

Provided that the specified securities shall be locked-in for the remaining period from the date on which they are returned to the lender.

#### **Inscription or recording of non-transferability**

**241.** The certificates of specified securities which are subject to lock-in shall contain the inscription "non-transferable" and specify the lock-in period and in case such specified securities are dematerialised, the issuer shall ensure that the lock-in is recorded by the depository.

#### **Pledge of locked-in specified securities**

**242.** Specified securities held by the promoters and locked-in may be pledged as a collateral security for a loan granted by a scheduled commercial bank or a public financial institution or a systemically important non-banking finance company or a housing finance company, subject to the following:

- (a) if the specified securities are locked-in in terms of clause (a) of regulation 238, the loan has been granted to the issuer company or its subsidiary(ies) for the purpose of financing one or more of the objects of the issue and pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan;
- (b) if the specified securities are locked-in in terms of clause (b) of regulation 238 and the pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan.

**Provided that** such lock-in shall continue pursuant to the invocation of the pledge and such transferee shall not be eligible to transfer the specified securities till the lock-in period stipulated in these regulations has expired.

#### **Transferability of locked-in specified securities**

**243.** Subject to the provisions of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of shares and Takeovers) Regulations, 2011, the specified securities held by the promoters and locked-in as per regulation 238 may be transferred to another promoter or any person of the promoter group or a new promoter or a person in control of the issuer and the specified securities held by persons other than the promoters and locked-in as per regulation 239 may be transferred to any other person (including promoter or promoter group) holding the specified securities which are locked-in along with the securities proposed to be transferred:

Provided that the lock-in on such specified securities shall continue for the remaining period with the transferee and such transferee shall not be eligible to transfer them till the lock-in period stipulated in these regulations has expired.

#### **PART V: APPOINTMENT OF LEAD MANAGERS, OTHER INTERMEDIARIES AND COMPLIANCE OFFICER**

**244.** (1) The issuer shall appoint one or more merchant bankers, which are registered with the Board, as lead manager(s) to the issue.

(2) Where the issue is managed by more than one lead manager, the rights, obligations and responsibilities, relating *inter alia* to disclosures, allotment, refund and underwriting obligations, if any, of each lead manager shall be predetermined and disclosed in the draft offer document and the offer document as specified in **Schedule I**.

(3) At least one lead manager to the issue shall not be an associate (as defined under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992) of the issuer and if any of the lead manager is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and its role shall be limited to marketing of the issue.

(4) The issuer shall, in consultation with the lead manager(s), appoint other intermediaries which are registered with the Board after the lead manager(s) have independently assessed the capability of other intermediaries to carry out their obligations.

(5) The issuer shall enter into an agreement with the lead manager(s) in the format specified in **Schedule II** and enter into agreements with other intermediaries as required under the respective regulations applicable to the intermediary concerned:

Provided that such agreements may include such other clauses as the issuer and the intermediary may deem fit without diminishing or limiting in any way the liabilities and obligations of the lead manager(s), other intermediaries and the issuer under the Act, the Companies Act, 2013 or the Companies Act, 1956 (to the extent applicable), the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and the rules and regulations made thereunder or any statutory modification or statutory enactment thereof:

Provided further that in case of ASBA process, the issuer shall take cognisance of the deemed agreement of the issuer with self certified syndicate banks.

(6) The issuer shall, in case of an issue made through the book building process, appoint syndicate member(s) and in the case of any other issue, appoint bankers to issue, at centres specified in **Schedule XII**.

(7) The issuer shall appoint a registrar to the issue, registered with the Board, which has connectivity with all the depositories:

Provided that if issuer itself is a registrar, it shall not appoint itself as registrar to the issue:

Provided further that the lead manager shall not act as a registrar to the issue in which it is also handling the post-issue responsibilities.

(8) The issuer shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the securities laws and for redressal of investors' grievances.

## **PART VI: DISCLOSURES IN AND FILING OF OFFER DOCUMENTS**

### **Disclosures in the draft offer document and offer document**

**245.** (1) The offer document shall contain all material disclosures which are true and adequate so as to enable the applicants to take an informed investment decision.

(2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1), the offer document shall contain:

- (a) disclosures specified in the Companies Act, 2013; and
- (b) disclosures specified in **Part A of Schedule VI**.

(3) The lead manager(s) shall exercise due diligence and satisfy themselves about all aspects of the issue including the veracity and adequacy of disclosure in the draft offer document and the offer document.

(4) The lead manager(s) shall call upon the issuer, its promoters and its directors or in case of an offer for sale, also the selling shareholders, to fulfil their obligations as disclosed by them in the draft offer document or offer document, as the case may be, and as required in terms of these regulations.

(5) The lead manager(s) shall ensure that the information contained in the offer document and the particulars as per audited financial statements in the offer document are not more than six months old from the issue opening date.

### **Filing of the offer document**

**246.** (1) The issuer shall file a copy of the offer document with the Board through the lead manager(s), immediately upon registration of the offer document with the Registrar of Companies:

(2) The Board shall not issue any observation on the offer document.

(3) The lead manager(s) shall submit a due-diligence certificate as per **Form A of Schedule V** including additional confirmations as provided in **Form G of Schedule V** along with the offer document to the Board.

(4) The offer document shall be displayed from the date of filing in terms of sub-regulation (1) on the websites of the Board, the lead manager(s) and the SME exchange(s).

(5) The draft offer document and the offer documents shall also be furnished to the Board in a soft copy.

### **Offer document to be made available to public**

**247.** (1) The issuer and the lead manager(s) shall ensure that the offer documents are hosted on the websites as required under these regulations and its contents are the same as the versions as filed with the Registrar of Companies, Board and the SME exchange(s).

(2) The lead manager(s) and the SME exchange(s) shall provide copies of the offer document to the public as and when requested and may charge a reasonable sum for providing a copy of the same.

## **PART VII: PRICING**

### **Face value of equity shares**

**248.** The disclosure about the face value of equity shares shall be made in the draft offer document, offer document, advertisements and application forms, along with the price band or the issue price in identical font size.

### **Pricing**

**249.** (1) The issuer may determine the price of equity shares, and in case of convertible securities, the coupon rate and the conversion price, in consultation with the lead manager(s) or through the book building process, as the case may be.

(2) The issuer shall undertake the book building process in the manner specified in **Schedule XIII**.

#### **Price and price band**

**250.** (1) The issuer may mention a price or a price band in the offer document (in case of a fixed price issue) and a floor price or a price band in the red herring prospectus (in case of a book built issue) and determine the price at a later date before registering the prospectus with the Registrar of Companies:

Provided that the prospectus registered with the Registrar of Companies shall contain only one price or the specific coupon rate, as the case may be.

(2) The cap on the price band, and the coupon rate in case of convertible debt instruments shall be less than or equal to one hundred and twenty per cent. of the floor price.

(3) The floor price or the final price shall not be less than the face value of the specified securities.

(4) Where the issuer opts not to make the disclosure of the floor price or price band in the red herring prospectus, the issuer shall announce the floor price or the price band at least two working days before the opening of the issue in the newspapers in which the pre-issue advertisement was released or together with the pre-issue advertisement in the format prescribed under **Part A** of **Schedule X**.

(5) The announcement referred to in sub-regulation (4) shall contain relevant financial ratios computed for both upper and lower end of the price band and also a statement drawing attention of the investors to the section titled “basis of issue price” of the offer document.

(6) The announcement referred to in sub-regulation (4) and the relevant financial ratios referred to in sub-regulation (5) shall be disclosed on the websites of the SME exchange(s) and shall also be pre-filled in the application forms to be made available on the websites of the SME exchange(s).

#### **Differential pricing**

**251.** (1) The issuer may offer its specified securities at different prices, subject to the following:

- (a) retail individual investors or retail individual shareholders[or employees entitled for reservation made under regulation 254 may be offered specified securities at a price not lower than by more than ten per cent. of the price at which net offer is made to other categories of applicants, excluding anchor investors.
- (b) the differential pricing and the price at which net offer is proposed to be made to other categories of applicants shall be within the range such that the minimum application lot size shall remain uniform for all the applicants.
- (c) in case of a book built issue, the price of the specified securities offered to the anchor investors shall not be lower than the price offered to other applicants.

(2) Discount, if any, shall be expressed in rupee terms in the offer document.

### **PART VIII: ISSUANCE CONDITIONS AND PROCEDURE**

#### **Minimum offer to public**

**252.** The minimum offer to the public shall be as per the provisions of clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of Securities Contracts (Regulations) Rules, 1957.

#### **Allocation in the net offer**

**253.** The allocation in the net offer category shall be as follows:

- (a) not less than thirty five per cent. to retail individual investors;
- (b) not less than fifteen per cent. to non-institutional investors;
- (c) not more than fifty per cent. to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds;



Provided that the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in any other category:

Provided further that in addition to five per cent. allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers.

**Explanation:** If the retail individual investor category is entitled to more than the allocated portion on proportionate basis, the retail individual investors shall be allocated that higher percentage.

#### **Reservation on a competitive basis**

**254.** (1) The issuer may make reservations on a competitive basis out of the issue size excluding promoters' contribution in favour of the following categories of persons:

- (a) employees;
- (b) shareholders (other than promoters and promoter group) of listed subsidiaries or listed promoter companies

Provided that the issuer shall not make any reservation for the lead manager(s), registrar, syndicate member(s), their promoters, directors and employees and for the group or associate companies (as defined under the Companies Act, 2013) of the lead manager(s), registrar, and syndicate member(s) and their promoters, directors and employees.

(2) The reservations on a competitive basis shall be subject to following conditions:

- (a) the aggregate of reservations for employees shall not exceed five per cent. of the post-issue capital of the issuer and the value of allotment to any employee shall not exceed two lakhs rupees:

Provided that in the event of under-subscription in the employee reservation portion, the unsubscribed portion may be allotted on a proportionate basis, for a value in excess of two lakhs rupees, subject to the total allotment to an employee not exceeding five lakhs rupees.

- (b) reservation for shareholders shall not exceed ten per cent. of the issue size;
- (c) no further application for subscription in the net offer can be made by persons (except an employee and retail individual shareholder) in favour of whom reservation on a competitive basis is made;
- (d) any unsubscribed portion in any reserved category may be added to any other reserved category(ies) and the unsubscribed portion, if any, after such inter-se adjustments among the reserved categories shall be added to the net offer category;
- (e) in case of under-subscription in the net offer category, spill-over to the extent of under-subscription shall be permitted from the reserved category to the net public offer.

(3) An applicant in any reserved category may make an application for any number of specified securities but not exceeding the reserved portion for that category.

#### **Abridged prospectus**

**255.** (1) The abridged prospectus shall contain the disclosures as specified in **Part E of Schedule VIII** and shall not contain any matter extraneous to the contents of the offer document.

(2) Every application form distributed by the issuer or any other person in relation to an issue shall be accompanied by a copy of the abridged prospectus.

#### **ASBA**

**256.** The issuer shall accept bids using only the ASBA facility in the manner specified by the Board.

#### **Availability of issue material**

**257.** The lead manager(s) shall ensure availability of the offer document and other issue material including application forms to stock exchanges, syndicate members, registrar to issue, registrar and share transfer agents, depository participants, stock brokers, underwriters, bankers to the issue, investors' associations and self certified syndicate banks before the opening of the issue.

#### **Prohibition on payment of incentives**

**258.** Any person connected with the distribution of the issue, shall not offer any incentive, whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise to any person for making an application in the initial public offer, except for fees or commission for services rendered in relation to the issue.

### **Security deposit**

**259.** (1) The issuer shall, before the opening of subscription list, deposit with the designated stock exchange, an amount calculated at the rate of one per cent. of the issue size available for subscription to the public in the manner specified by Board and/or stock exchange(s).

(2) The amount specified in sub-regulation (1) shall be refundable or forfeitable in the manner specified by the Board.

### **Underwriting**

**260.** (1) The initial public offer shall be underwritten for hundred per cent of the offer and shall not be restricted upto the minimum subscription level.

(2) The lead manager(s) shall underwrite at least fifteen per cent. of the issue size on their own account(s).

(3) The issuer, in consultation with lead manager(s), may appoint underwriters in accordance with Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993 and the lead manager(s) may enter into an agreement with the nominated investors indicating therein the number of specified securities which they agree to subscribe at the issue price in case of under-subscription.

(4) The lead manager(s) shall file an undertaking to the Board that the issue has been hundred per cent. underwritten along with the list of underwriters, nominated investors and sub-underwriters indicating the extent of underwriting or subscription commitment made by each of them, one day before the opening of issue.

(5) If any of the underwriters fail to fulfill their underwriting obligations or the nominated investors fail to subscribe to the unsubscribed portion, the lead manager(s) shall fulfill the underwriting obligations.

(6) The underwriters/ sub-underwriters, other than the lead manager(s) and the nominated investors, who have entered into an agreement for subscribing to the issue in case of under-subscription, shall not subscribe to the issue made under this Chapter in any manner except for fulfilling their obligations under their respective agreements with the lead manager(s) in this regard.

(7) All underwriting and subscription arrangements made by the lead manager(s) shall be disclosed in the offer document.

### **Market making**

**261.** (1) The lead manager(s) shall ensure compulsory market making through the stock brokers of the SME exchange(s) appointed by the issuer, in the manner specified by the Board for a minimum period of three years from the date of listing of the specified securities or from the date of migration from the Main Board in terms of regulation 276.

(2) The market maker or issuer, in consultation with the lead manager(s) may enter into agreements with the nominated investors for receiving or delivering the specified securities in market making, subject to the prior approval of the SME exchange.

(3) The issuer shall disclose the details of the market making arrangement in the offer document.

(4) The specified securities being bought or sold in the process of market making may be transferred to or from the nominated investors with whom the lead manager(s) and the issuer have entered into an agreement for market making:

Provided that the inventory of the market maker, as on the date of allotment of the specified securities, shall be at least five per cent. of the specified securities proposed to be listed on SME exchange.

(5) The market maker shall buy the entire shareholding of a shareholder of the issuer in one lot, where the value of such shareholding is less than the minimum contract size allowed for trading on the SME exchange:

Provided that market maker shall not sell in lots less than the minimum contract size allowed for trading on the SME exchange.

(6) The market maker shall not buy the shares from the promoters or persons belonging to the promoter group of the issuer or any person who has acquired shares from such promoter or person belonging to the promoter group during the compulsory market making period.

(7) The promoters' holding shall not be eligible for offering to the market maker during the compulsory market making period:

Provided that the promoters' holding which is not locked-in as per these regulations can be traded with prior permission of the SME exchange, in the manner specified by the Board.

(8) The lead manager(s) may be represented on the board of directors of the issuer subject to the agreement between the issuer and the lead manager(s) who have the responsibility of market making.

### **Monitoring agency**

**262.** (1) If the issue size, excluding the size of offer for sale by selling shareholders, exceeds one hundred crore rupees, the issuer shall make arrangements for the use of proceeds of the issue to be monitored by a public financial institution or by one of the scheduled commercial banks named in the offer document as bankers of the issuer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to an issue of specified securities made by a bank or public financial institution or an insurance company.

(2) The monitoring agency shall submit its report to the issuer in the format specified in **Schedule XI** on a quarterly basis, till at least ninety five per cent. of the proceeds of the issue, excluding the proceeds raised for general corporate purposes, have been utilised.

(3) The board of directors and the management of the issuer shall provide their comments on the findings of the monitoring agency as specified in **Schedule XI**.

(4) The issuer shall, within forty five days from the end of each quarter, publicly disseminate the report of the monitoring agency by uploading the same on its website as well as submitting the same to the stock exchange(s) on which its equity shares are listed.

### **Public communications, publicity materials, advertisements and research reports**

**263.** All public communications, publicity materials, advertisements and research reports shall comply with provisions of **Schedule IX**.

### **Issue-related advertisements**

**264.** (1) Subject to the provisions of the Companies Act, 2013, the issuer shall, after registering the prospectus with the Registrar of Companies, make a pre-issue advertisement in one English national daily newspaper with wide circulation, Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated.

(2) The pre-issue advertisement shall be in the format and shall contain the disclosures specified in **Part A** of **Schedule X** :

Provided that the disclosures in relation to price band or floor price and financial ratios contained therein shall only be applicable where the issuer opts to announce the price band or floor price along with the pre-issue advertisement pursuant to sub-regulation (4) of regulation 250.

(3) The issuer may issue advertisements for issue opening and issue closing advertisements, which shall be in the formats specified in **Parts B and C** of **Schedule X**.

(4) During the period the issue is open for subscription, no advertisement shall be released giving an impression that the issue has been fully subscribed or oversubscribed or indicating investors' response to the issue.

(5) An announcement regarding closure of the issue shall be made only after the lead manager(s) is satisfied that at least ninety per cent. of the offer has been subscribed and a certificate has been obtained to that effect from the registrar to the issue:

Provided that such an announcement shall not be made before the date on which the issue is to be closed except for issue closing advertisement made in the format prescribed in these regulations.

### **Opening of the issue**

**265.** The issue shall be opened after at least three working days from the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.

### **Period of subscription**

**266.** (1) Except as otherwise provided in these regulations, a public issue shall be kept open for at least three working days and not more than ten working days.

(2) In case of a revision in the price band, the issuer shall extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus, for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

(3) In case of force majeure, banking strike or similar circumstances, the issuer may, for reasons to be recorded in writing, extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus (in case of a book built issue) or the issue period disclosed in the prospectus (in case of a fixed price issue), for a minimum period of three working days, subject to the provisions of sub-regulation (1).

### **Application and minimum application value**

**267.** (1) A person shall not make an application in the net offer category for a number of specified securities that exceeds the total number of specified securities offered to the public.

Provided that the maximum application by non-institutional investors shall not exceed total number of specified securities offered in the issue less total number of specified securities offered in the issue to qualified institutional buyers.

(2) The minimum application size shall be one lakh rupees per application.

(3) The issuer shall invite applications in multiples of the minimum application amount, an illustration whereof is given in **Part B of Schedule XIV**.

(4) The minimum sum payable on application per specified security shall at least be twenty five per cent. of the issue price:

Provided that in case of an offer for sale, the full issue price for each specified security shall be payable on application.

**Explanation:** For the purpose of this regulation, “minimum application value” shall be with reference to the issue price of the specified securities and not with reference to the amount payable on application.

### **Allotment procedure and basis of allotment**

**268.** (1) The issuer shall not make an allotment pursuant to a public issue if the number of allottees in an initial public offer is less than fifty.

(2) The issuer shall not make any allotment in excess of the specified securities offered through the offer document except in case of oversubscription for the purpose of rounding off to make allotment, in consultation with the designated stock exchange.

Provided that in case of oversubscription, an allotment of not more than ten per cent. of the net offer to public may be made for the purpose of making allotment in minimum lots.

(3) The allotment of specified securities to applicants other than retail individual investors and anchor investors shall be on proportionate basis within the specified investor categories and the number of securities allotted shall be rounded off to the nearest integer, subject to minimum allotment being equal to the minimum application size as determined and disclosed in the offer document:

Provided that the value of specified securities allotted to any person, except in case of employees, in pursuance of reservation made under clause (a) of sub-regulation (1) or clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 254, shall not exceed two lakhs rupees.

(4) The authorised employees of the stock exchange, along with the lead manager(s) and registrars to the issue, shall ensure that the basis of allotment is finalised in a fair and proper manner in accordance with the allotment procedure as specified in **Part A of Schedule XIV**.

#### **Allotment, refund and payment of interest**

**269.** (1) The registrars to the issue, in consultation with the issuer and lead manager(s) shall ensure that the specified securities are allotted and/or application monies are refunded or unblocked within such time as may be specified by the Board.

(2) The lead manager(s) shall ensure that the allotment, credit of dematerialised securities, refunding or unlocking of application monies, as may be applicable, are done electronically.

(3) Where the specified securities are not allotted and/or application monies are not refunded or unblocked within the period stipulated in sub-regulation (1) above, the issuer shall undertake to pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum and within such time as disclosed in the offer document and the lead manager(s) shall ensure the same.

#### **Post-issue advertisements**

**270.** (1) The lead manager(s) shall ensure that advertisement giving details relating to subscription, basis of allotment, number, value and percentage of all applications including ASBA, number, value and percentage of successful allottees for all applications including ASBA, date of completion of dispatch of refund orders, as applicable, or instructions to self certified syndicate banks by the Registrar, date of credit of specified securities and date of filing of listing application, etc. is released within ten days from the date of completion of the various activities in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where registered office of the issuer is situated.

(2) Details specified in sub regulation (1) shall also be placed on the website of the stock exchanges.

#### **Post-issue responsibilities of the lead manager(s)**

**271.** (1) The responsibility of the lead manager(s) shall continue until completion of the issue process and for any issue related matter thereafter.

(2) The lead manager(s) shall regularly monitor redressal of investor grievances arising from any issue related activities.

(3) The lead manager(s) shall be responsible for and co-ordinate with the registrars to the issue and with various intermediaries at regular intervals after the closure of the issue to monitor the flow of applications from syndicate member(s) or collecting bank branches and or self-certified syndicate banks, processing of the applications including application form for ASBA and other matters till the basis of allotment is finalised, credit of the specified securities to the demat accounts of the allottees and unblocking of ASBA accounts/ despatch of refund orders are completed and securities are listed, as applicable.

(4) Any act of omission or commission on the part of any of the intermediaries noticed by the lead manager(s) shall be duly reported by them to the Board.

(5) In case there is a devolvement on underwriters, the lead manager(s) shall ensure that the notice for devolvement containing the obligation of the underwriters is issued within a period of ten days from the date of closure of the issue.

(6) In the case of undersubscribed issues that are underwritten, the lead manager(s) shall furnish information in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvement to the Board in the format specified in **Schedule XVIII**.

#### **Release of subscription money**

**272.** (1) The lead manager(s) shall confirm to the bankers to the issue by way of copies of listing and trading approvals that all formalities in connection with the issue have been completed and that the banker is free to release the money to the issuer or release the money for refund in case of failure of the issue.

(2) In case the issuer fails to obtain listing or trading permission from the stock exchanges where the specified securities were to be listed, it shall refund through verifiable means the entire monies received within seven days of receipt of intimation from stock exchanges rejecting the application for listing of specified securities, and if any such money is not repaid within eight days after the issuer becomes liable to repay it the issuer and every director of the company who is an officer in default shall, on and from the expiry of the eighth day, be jointly and severally liable to repay that money with interest at the rate of fifteen per cent. per annum.

(3) The lead manager(s) shall ensure that the monies received in respect of the issue are released to the issuer in compliance with the provisions of the Section 40 (3) of the Companies Act, 2013, as applicable.

#### **Post-issue reports**

**273.** The lead manager(s) shall submit a final post-issue report as specified in **Part A** of **Schedule XVII**, along with a due diligence certificate as per the format specified in **Form F** of **Schedule V**, within seven days of the date of finalization of basis of allotment or within seven days of refund of money in case of failure of issue.

#### **Reporting of transactions of the promoters and promoter group**

**274.** The issuer shall ensure that all transactions in securities by the promoters and promoter group between the date of filing of the draft offer document or offer document, as the case may be, and the date of closure of the issue shall be reported to the stock exchanges, within twenty four hours of such transactions.

#### **Listing**

**275.** Where any listed issuer issues specified securities in accordance with provisions of this Chapter, it shall migrate the specified securities already listed on any recognised stock exchange(s) to the SME exchange.

#### **Migration to the SME exchange**

**276.** A listed issuer whose post-issue face value capital is less than twenty five crore rupees may migrate its specified securities to SME exchange if its shareholders approve such migration by passing a special resolution through postal ballot to this effect and if such issuer fulfils the eligibility criteria for listing laid down by the SME exchange:

Provided that the special resolution shall be acted upon if and only if the votes cast by shareholders other than promoters in favour of the proposal amount to at least two times the number of votes cast by shareholders other than promoter shareholders against the proposal.

#### **Migration to the main board**

**277.** An issuer, whose specified securities are listed on a SME Exchange and whose post-issue face value capital is more than ten crore rupees and up to twenty five crore rupees, may migrate its specified securities to the main board of the stock exchanges if its shareholders approve such a migration by passing a special resolution through postal ballot to this effect and if such issuer fulfils the eligibility criteria for listing laid down by the Main Board:

Provided that the special resolution shall be acted upon if and only if the votes cast by shareholders other than promoters in favour of the proposal amount to at least two times the number of votes cast by shareholders other than promoter shareholders against the proposal.

### **PART IX: MISCELLANEOUS**

#### **Restriction on further capital issues**

**278.** An issuer shall not make any further issue of specified securities in any manner whether by way of public issue, rights issue, preferential issue, qualified institutions placement, issue of bonus shares or otherwise, except pursuant to an employee stock option scheme, during the period between the date of filing the draft offer document and the listing of the specified securities offered through the offer document or refund of

application monies unless full disclosures regarding the total number of specified securities or amount proposed to be raised from such further issue are made in such draft offer document or offer document, as the case may be.

### **Price stabilisation through green shoe option**

**279.** (1) The issuer may provide green shoe option for stabilising the post listing price of its specified securities, subject to the following:

- a) the issuer has been authorized, by a resolution passed in the general meeting of shareholders approving the public issue, to allot specified securities to the stabilising agent, if required, on the expiry of the stabilisation period;
- b) the issuer has appointed a lead manager(s) appointed by the issuer as a stabilising agent, who shall be responsible for the price stabilisation process;
- c) prior to filing the draft offer document, the issuer and the stabilising agent have entered into an agreement, stating all the terms and conditions relating to the green shoe option including fees charged and expenses to be incurred by the stabilising agent for discharging its responsibilities;
- d) prior to filing the offer document, the stabilising agent has entered into an agreement with the promoters or pre-issue shareholders or both for borrowing specified securities from them in accordance with clause (g) of this sub-regulation, specifying therein the maximum number of specified securities that may be borrowed for the purpose of allotment or allocation of specified securities in excess of the issue size (hereinafter referred to as the “over- allotment”), which shall not be in excess of fifteen per cent. of the issue size;
- e) subject to clause (d), the lead manager(s), in consultation with the stabilising agent, shall determine the amount of specified securities to be over-allotted in the public issue;
- f) the draft offer document and offer document shall contain all material disclosures about the green shoe option specified in this regard in **Part A of Schedule VI**;
- g) in case of an initial public offer pre-issue shareholders and promoters and in case of a further public offer pre-issue shareholders holding more than five per cent. specified securities and promoters, may lend specified securities to the extent of the proposed over-allotment;
- h) the specified securities borrowed shall be in dematerialised form and allocation of these securities shall be made pro-rata to all successful applicants.

(2) For the purpose of stabilisation of post-listing price of the specified securities, the stabilising agent shall determine the relevant aspects including the timing of buying such securities, quantity to be bought and the price at which such securities are to be bought from the market.

(3) The stabilisation process shall be available for a period not exceeding thirty days from the date on which trading permission is given by the stock exchanges in respect of the specified securities allotted in the public issue.

(4) The stabilising agent shall open a special account, distinct from the issue account, with a bank for crediting the monies received from the applicants against the over-allotment and a special account with a depository participant for crediting specified securities to be bought from the market during the stabilisation period out of the monies credited in the special bank account.

(5) The specified securities bought from the market and credited in the special account with the depository participant shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders immediately, in any case not later than two working days after the end of the stabilization period.

(6) On expiry of the stabilisation period, if the stabilising agent has not been able to buy specified securities from the market to the extent of such securities over-allotted, the issuer shall allot specified securities at issue price in dematerialised form to the extent of the shortfall to the special account with the depository participant, within five days of the closure of the stabilisation period and such specified securities shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders by the stabilising agent in lieu of the specified securities borrowed from them and the account with the depository participant shall be closed thereafter.

(7) The issuer shall make a listing application in respect of the further specified securities allotted under sub-regulation (6), to all the stock exchanges where the specified securities allotted in the public issue are listed and the provisions of Chapter VII shall not be applicable to such allotment.

(8) The stabilising agent shall remit the monies with respect to the specified securities allotted under sub-regulation (6) to the issuer from the special bank account.

(9) Any monies left in the special bank account after remittance of monies to the issuer under sub-regulation (8) and deduction of expenses incurred by the stabilising agent for the stabilisation process shall be transferred to the Investor Protection and Education Fund established by the Board and the special bank account shall be closed soon thereafter.

(10) The stabilising agent shall submit a report to the stock exchange on a daily basis during the stabilisation period and a final report to the Board in the format specified in **Schedule XV**.

(11) The stabilising agent shall maintain a register for a period of at least three years from the date of the end of the stabilisation period and such register shall contain the following particulars:

- a) The names of the promoters or pre-issue shareholders from whom the specified securities were borrowed and the number of specified securities borrowed from each of them;
- b) The price, date and time in respect of each transaction effected in the course of the stabilisation process; and
- c) The details of allotment made by the issuer on expiry of the stabilisation process.

#### **Alteration of rights of holders of specified securities**

**280.** (1) The issuer shall not alter the terms (including the terms of issue) of specified securities which may adversely affect the interests of the holders of that specified securities, except with the consent in writing of the holders of not less than three-fourths of the specified securities of that class or with the sanction of a special resolution passed at a meeting of the holders of the specified securities of that class.

(2) Where the post-issue face value capital of an issuer listed on a SME exchange is likely to increase beyond twenty five crore rupees by virtue of any further issue of capital by the issuer by way of rights issue, preferential issue, bonus issue, etc. the issuer shall migrate its specified securities listed on a SME exchange to the Main Board and seek listing of the specified securities proposed to be issued on the Main Board subject to the fulfilment of the eligibility criteria for listing of specified securities laid down by the Main Board:

Provided that no further issue of capital by the issuer shall be made unless –

- a) the shareholders of the issuer have approved the migration by passing a special resolution through postal ballot wherein the votes cast by shareholders other than promoters in favour of the proposal amount to at least two times the number of votes cast by shareholders other than promoter shareholders against the proposal;
- b) the issuer has obtained an in-principle approval from the Main Board for listing of its entire specified securities on it.

#### **Further Issues**

**281.** An issuer listed on a SME exchange making a further issue of capital by way of a rights issue, or further public offer or preferential issue or bonus issue etc. may do so by adhering to applicable requirements mentioned in these regulations.

## **CHAPTER X - INSTITUTIONAL TRADING PLATFORM**

### **PART I: APPLICABILITY**



**282.** (1) The provisions of this Chapter shall apply to issuers seeking listing of their specified securities pursuant to an initial public offer or for only trading on a stock exchange of their specified securities without making a public offer.

(2) The provisions of these regulations, in respect of the matters not specifically dealt or excluded under this Chapter, shall apply *mutatis mutandis* to any listing or trading of specified securities under this Chapter.

Provided that the following shall not apply:

- (a) sub-regulation (2) of regulation 7 on restrictions on the amount of general corporate purposes; and
- (b) sub-regulation (1) and (2) of regulation 6 on eligibility requirements

(3) The institutional trading platform shall be accessible only to institutional investors and non-institutional investors and not to retail individual investors.

### **Eligibility**

**283.** (1) The following issuers shall be eligible for listing on the institutional trading platform:

- a) an issuer which is intensive in the use of technology, information technology, intellectual property, data analytics, bio-technology or nano-technology to provide products, services or business platforms with substantial value addition and at least twenty five per cent of its pre-issue capital is held by qualified institutional buyer(s) as on the date of filing of draft information document or draft offer document with the Board, as the case may be; or
- b) any other issuer in which at least fifty per cent of the pre-issue capital is held by qualified institutional buyers as on the date of filing of draft information document or draft offer document with the Board, as the case may be.

(2) No person, individually or collectively with persons acting in concert, shall hold twenty five per cent or more of the post-issue share capital in an entity specified in sub-regulation (1).

(3) An issuer shall be eligible for listing on the institutional trading platform if none of the promoters or directors of the issuer company is a fugitive economic offender.

## **PART II: LISTING WITHOUT A PUBLIC ISSUE**

### **Listing without a public issue**

**284.** (1) An issuer seeking listing of its specified securities without making a public offer, shall file a draft information document along with the necessary documents with the Board in accordance with these regulations along with the fee as specified in **Schedule III** of these regulations.

(2) The draft information document shall contain disclosures as specified for the draft offer documents in these regulations as specified in **Part A of Schedule VI**.

(3) The regulations relating to the following as stated under the Chapter of Initial Public Offer on Main Board shall not be applicable:

- a) allotment;
- b) issue opening or closing;
- c) advertisements;
- d) underwriting;
- e) sub-regulation (2) of regulation 5;
- f) pricing;
- g) dispatch of issue material; and
- h) other such provisions related to offer of specified securities to the public.

(4) The issuer shall obtain an in-principle approval from the stock exchanges on which it proposes to get its specified securities listed.

(5) The issuer shall list its specified securities on the recognised stock exchange(s) within thirty days:

- a) from the date of issuance of observations by the Board; or
  - b) from the expiry of the period stipulated in sub-regulation (4) of regulation 25, if the Board has not issued any such observations.
- (6) The issuer which has received an in-principle approval from the stock exchange for listing of its specified securities, shall be deemed to have been waived by the Board under sub-rule (7) of rule 19 from the requirement of minimum offer to the public as per the provisions of clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 for the limited purpose of listing on the institutional trading platform.
- (7) Provisions relating to minimum public shareholding shall not be applicable.
- (8) The draft and final information document shall be approved by the board of directors of the issuer and shall be signed by all directors, the Chief Executive Officer, i.e., the Managing Director or Manager within the meaning of the Companies Act, 2013 and the Chief Financial Officer, i.e., the Whole-time Finance Director or any other person heading the finance function and discharging that function.
- (9) The signatories shall also certify that all disclosures made in the information document are true and correct.
- (10) In case of mis-statement in the information document or any omission therein, any person who has authorized the issue of information document shall be liable in accordance with the provisions of the Act and regulations made thereunder.

**Explanation:** Under this Part, the phrases ‘pre-issue’ and ‘post-issue’, wherever they occur shall be construed as ‘pre-listing’ and ‘post-listing’, respectively.

### **PART III: LISTING PURSUANT TO AN INITIAL PUBLIC OFFER**

#### **Disclosures in draft offer document and offer document**

**285.** (1) An issuer seeking to issue and list its specified securities shall file a draft offer document along with necessary documents with the Board in accordance with these regulations along with the fees as specified in **Schedule III** of these regulations.

(2) The draft offer document shall disclose the broad objects of the issue.

(3) The basis of issue price shall include disclosures, except projections, as deemed fit by the issuer in order to enable the investors to take informed decisions and the disclosures shall suitably contain the basis of valuation.

#### **Minimum application size**

**286.** The minimum application size shall be ten lakh rupees.

#### **Allocation and allotment**

**287.** (1) The number of allottees in the initial public offer shall at least be two hundred.

(2) The allocation in the net offer to public category shall be as follows:

- (a) seventy-five per cent to institutional investors:

**Provided that** there shall be no separate allocation for anchor investors;

- (b) twenty-five per cent to non-institutional investors

(3) The allotment to institutional investors may be on a discretionary or a proportionate basis whereas the allotment to non-institutional investors shall be on a proportionate basis.

(4) The mode of allotment to institutional investors, i.e., whether discretionary or proportionate, shall be disclosed prior to or at the time of filing of the offer document.

(5) In case of discretionary allotment to institutional investors, no institutional investor shall be allotted more than ten per cent. of the issue size.

(6) Any under-subscription in the non-institutional investor category shall be available for subscription under the institutional investors' category.

**PART IV: GENERAL CONDITIONS****Lock-in**

**288.** (1) The entire pre-issue capital of the shareholders shall be locked-in for a period of six months from the date of allotment in case of listing pursuant to a public issue or date of listing in case of listing without a public issue:

Provided that nothing contained in this regulation shall apply to:

- a) equity shares allotted to employees, whether currently an employee or not, under an employee stock option or employee stock purchase scheme of the issuer prior to the initial public offer, if the issuer has made full disclosures with respect to such options or scheme in accordance with Part A of **Schedule VI**;
- b) equity shares held by an employee stock option trust or transferred to the employees by an employee stock option trust pursuant to exercise of options by the employees, whether currently employees or not, in accordance with the employee stock option plan or employee stock purchase scheme :

Provided that the equity shares allotted to the employees shall be subject to the provisions of lock-in as specified under the Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014.

- c) equity shares held by a venture capital fund or alternative investment fund of Category I or a foreign venture capital investor:

Provided that such equity shares shall be locked-in for a period of at least one year from the date of purchase by the venture capital fund or alternative investment fund or foreign venture capital investor.

- d) equity shares held by persons other than the promoters, continuously for a period of at least one year prior to the date of listing in case of listing without a public issue:

**Explanation:** For the purpose of clause (c) and (d), in case such equity shares have resulted pursuant to conversion of fully paid-up compulsorily convertible securities, the holding period of such convertible securities as well as that of resultant equity shares together shall be considered for the purpose of calculation of one year period and the convertible securities shall be deemed to be fully paid-up, if the entire consideration payable thereon has been paid at the time of their conversion.

(2) The specified securities held by the promoters and locked-in may be pledged with any scheduled commercial bank or public financial institution or systemically important non-banking finance company as a collateral security for a loan granted by such bank or institution or systemically important non-banking finance company if the pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan.

(3) The specified securities that are locked-in may be transferable in accordance with regulation 288 of these regulations.

(4) All specified securities allotted on a discretionary basis shall be locked-in in accordance with the requirements for lock-in for the anchor investors on the main board of the stock exchange, as specified under Part A of **Schedule XIII**.

**Trading lot**

**289.** The minimum trading lot on the stock exchange shall be ten lakh rupees.

**Exit of issuers whose securities are trading without making a public offer**

**290.** An issuer whose specified securities are traded on the institutional trading platform without making a public issue may exit from that platform, if

- a) its shareholders approve such an exit by passing a special resolution through postal ballot where ninety per cent of the total votes and the majority of non-promoter votes have been cast in favor of such proposal; and

- b) the recognised stock exchange where its shares are listed approves of such an exit.

**Withdrawal of approval by the stock exchange**

**291.** (1) The recognised stock exchange may delist the specified securities of an issuer listed without making a public issue upon non-compliance of the conditions of listing and in the manner as specified by the stock exchange.

(2) No issuer promoted by the promoters and directors of an entity delisted under sub-regulation (1), shall be permitted to list on the institutional trading platform for a period of five years from the date of such delisting:

Provided that the provisions of this regulation shall not apply to another issuer promoted by any of the independent directors of such a delisted issuer.

**Migration to the main board**

**292.** An issuer that has listed its specified securities on a recognised stock exchange may at its option migrate to the main board of that recognised stock exchange after expiry of three years from the date of listing subject to compliance with the eligibility requirements of the stock exchange.

**CHAPTER XI - BONUS ISSUE**

**Conditions for a bonus issue**

**293.** Subject to the provisions of the Companies Act, 2013 or any other applicable law, a listed issuer shall be eligible to issue bonus shares to its members if:

- a) it is authorised by its articles of association for issue of bonus shares, capitalisation of reserves, etc.:  
Provided that if there is no such provision in the articles of association, the issuer shall pass a resolution at its general body meeting making provisions in the articles of associations for capitalisation of reserve;
- b) it has not defaulted in payment of interest or principal in respect of fixed deposits or debt securities issued by it;
- c) it has not defaulted in respect of the payment of statutory dues of the employees such as contribution to provident fund, gratuity and bonus;
- d) any outstanding partly paid shares on the date of the allotment of the bonus shares, are made fully paid-up;
- e) any of its promoters or directors is not a fugitive economic offender.

**Restrictions on a bonus issue**

**294.** (1) An issuer shall make a bonus issue of equity shares only if it has made reservation of equity shares of the same class in favour of the holders of outstanding compulsorily convertible debt instruments if any, in proportion to the convertible part thereof.

(2) The equity shares so reserved for the holders of fully or partly compulsorily convertible debt instruments, shall be issued to the holder of such convertible debt instruments or warrants at the time of conversion of such convertible debt instruments, optionally convertible instruments, warrants, as the case may be, on the same terms or same proportion at which the bonus shares were issued.

(3) A bonus issue shall be made only out of free reserves, securities premium account or capital redemption reserve account and built out of the genuine profits or securities premium collected in cash and reserves created by revaluation of fixed assets shall not be capitalised for this purpose.

(4) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (3), bonus shares shall not be issued in lieu of dividends.

**Completion of a bonus issue**

**295.** (1) An issuer, announcing a bonus issue after approval by its board of directors and not requiring shareholders' approval for capitalisation of profits or reserves for making the bonus issue, shall implement the bonus issue within fifteen days from the date of approval of the issue by its board of directors:

Provided that where the issuer is required to seek shareholders' approval for capitalisation of profits or reserves for making the bonus issue, the bonus issue shall be implemented within two months from the date of the meeting of its board of directors wherein the decision to announce the bonus issue was taken subject to shareholders' approval.

**Explanation:** For the purpose of a bonus issue to be considered as 'implemented' the date of commencement of trading shall be considered.

(2) A bonus issue, once announced, shall not be withdrawn.

## CHAPTER XII - MISCELLANEOUS

### Directions by the Board

**296.** Without prejudice to the power under sections 11, 11A, 11B, 11D, sub-section (3) of section 12, Chapter VIA and section 24 of the Act, the Board may either *suo motu* or on receipt of information or on completion or pendency of any inspection, inquiry or investigation, in the interests of investors or the securities market, issue such directions or orders as it deems fit including any or all of the following:

- a) directing the persons concerned not to access the securities market for a specified period;
- b) directing the person concerned to sell or divest the securities;
- c) any other direction which Board may deem fit and proper in the circumstances of the case:

Provided that the Board shall, either before or after issuing such direction or order, give a reasonable opportunity of being heard to the person concerned:

Provided further that if any interim direction or order is required to be issued, the Board may give post-decisional hearing to the person concerned.

### Liability for contravention of the Act, rules or the regulations

**297.** (1) The listed issuer or any other person thereof who contravenes any of the provisions of these regulations, shall, in addition to the liability for action in terms of the securities laws, be liable for the following actions by the respective stock exchange(s), in the manner specified by the Board:

- (a) imposition of fines;
- (b) suspension of trading;
- (c) freezing of promoter/promoter group holding of designated securities, as may be applicable in coordination with depositories;
- (d) any other action as may be specified by the Board from time to time.

(2) The manner of revocation of actions specified in clauses (b) and (c) of sub-regulation (1), shall be in the manner specified by the Board.

### Failure to pay fine

**298.** If the listed issuer fails to pay any fine imposed upon it by the recognised stock exchange(s), within the period as specified from time to time, the stock exchange may initiate such other action in accordance with the bye-laws of such Stock Exchange after giving a notice in writing.

### Power to remove difficulty

**299.** In order to remove any difficulties in the application or interpretation of these regulations, the Board may issue clarifications through guidance notes or circulars after recording reasons in writing.

### Power to relax strict enforcement of the regulations

**300.** (1) The Board may, in the interest of investors or for the development of the securities market, relax the strict enforcement of any requirement of these regulations, if the Board is satisfied that:

- a) the requirement is procedural in nature; or
- b) any disclosure requirement is not relevant for a particular class of industry or issuer; or

- c) the non-compliance was caused due to factors beyond the control of the issuer.
- (2) For seeking relaxation under sub-regulation (1), an application, giving details and the grounds on which such relaxation has been sought, shall be filed with the Board.
- (3) The application referred to under sub-regulation (2) shall be accompanied by a non-refundable fee of rupees one lakh payable by way of direct credit in the bank account through NEFT/ RTGS/ IMPS or any other mode allowed by RBI or by way of a demand draft in favour of the Board payable in Mumbai.

### **Repeal and Savings**

**301.** (1) On and from the commencement of these regulations, the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements), Regulations 2009 shall stand rescinded.

(2) Notwithstanding such rescission:

- a) anything done or any action taken or purported to have been done or taken including observation made in respect of any draft offer document, any enquiry or investigation commenced or show cause notice issued in respect of the said Regulations shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations.
- b) any offer document, whether draft or otherwise, filed or application made to the Board under the said Regulations and pending before it shall be deemed to have been filed or made under the corresponding provisions of these regulations.

### **SCHEDULE I – LEAD MANAGERS’ INTER-SE ALLOCATION OF RESPONSIBILITIES**

**[See regulations 23(2), 69(2), 121(2), 184(2) and 245(2)]**

- (1) The lead manager(s) shall prepare a schedule, listing the activity-wise allocation of responsibilities relating to the issue, the name of the lead manager responsible for each set of activities or sub-activities, and disclose the same in the offer document.
- (2) Where circumstances warrant the joint and several responsibility of the lead manager(s) for any particular activity, a co-ordinator designated from amongst the lead manager(s) (hereinafter referred to as the “designated lead manager”) shall furnish to the Board, when called for, information, report, rationales, etc. on matters relating to such activity.
- (3) The activities and sub-activities may be grouped on the following lines:
  - (a) Capital structuring with the relative components and formalities such as composition of debt and equity, type of instruments, etc.
  - (b) Drafting and design of the offer document, application form and abridged prospectus, and of the advertisement or publicity material including newspaper advertisements.
  - (c) Selection of various intermediaries/agencies connected with the issue, such as registrars to the issue, printers, advertising agencies, bankers to the issue, collection centres as per schedule XII, etc.
  - (d) Marketing of the issue, which shall cover, *inter alia*, formulating marketing strategies, preparation of publicity budget, arrangements for selection of (i) media, (ii) centres for holding conferences of media, stock brokers, investors, etc., (iii) brokers to the issue, and (iv) underwriters and underwriting arrangement, quantum and distribution of publicity and issue material including offer documents, application form and abridged prospectus.
  - (e) Post-issue activities, including essential follow-up with bankers to the issue and self certified syndicate banks to get quick estimates of subscription and advising the issuer about the closure of the issue, finalisation of the basis of allotment after weeding out multiple applications, listing of instruments, despatch of certificates or demat credit and refunds/unblocking and co-ordination with various agencies connected with the post-issue activity such as registrars to the issue, bankers to the issue, self certified syndicate banks and underwriters.

- (4) The designated lead manager shall be responsible for ensuring compliance with these regulations and other requirements and formalities specified by the Registrar of Companies, the Board and the stock exchanges.
- (5) The designated lead manager shall be responsible for ensuring that all intermediaries fulfil their obligations and functions as specified in their agreements with the issuer.
- (6) In case of under-subscription in an issue, the lead manager responsible for underwriting arrangements shall be responsible for invoking underwriting obligations and ensuring that the notice for devolvement containing the obligations of the underwriters is issued in terms of these regulations.

## **SCHEDULE II - CONTENTS OF AGREEMENT BETWEEN LEAD MANAGER(S) AND ISSUER**

**[See regulations 23(5), 69(5), 71(2), 121(5), 184 (1) and 245(5)]**

The agreement between the issuer and the lead manager(s) may contain various clauses governing their relationship with respect to the issue, including the following:

- (1) Representation by the issuer to include representations in respect of the following matters:
  - a) Compliance with all statutory formalities under these regulations, the Companies Act, 1956 and/or the Companies Act, 2013, as applicable and other conditions, instructions and advices issued by the Board and other relevant statutes relating to an issue.
  - b) All statements made in the draft offer document or the draft letter of offer and the offer document shall be complete in all respects and shall be true and correct.
- (2) Covenants by the issuer shall include covenants in respect of the following matters:
  - a) All necessary information shall be made available to the lead manager(s) and under no circumstances, the issuer shall neither give nor withhold any information which is likely to mislead the investors.
  - b) All documents to enable the lead manager(s) to corroborate the information given in the draft offer document or the draft letter of offer have been provided.
  - c) All necessary facilities shall be extended by the issuer to the lead manager(s) to interact on any matter relevant to the issue with the solicitors or legal advisors, auditors, consultants, advisors to the issue, public financial institutions, scheduled commercial banks or any other organisation and any other intermediary associated with the issue.
  - d) Details and particulars of statutory compliances which have to be fulfilled before the issue.
- (3) The issuer shall ensure that all advertisements released in connection with the issue conform to these regulations and the instructions given by the lead manager(s) from time to time and that it shall not make any misleading or incorrect statement in any public communication or publicity material including corporate, and issue advertisements of the issuer. The interviews by the issuer's promoters, directors, duly authorized employees or representatives of the issuer, documentaries about the issuer or its promoters, periodical reports and press releases issued by the issuer or research report made by the issuer, any intermediary connected with the issue or their associates or at any press, stock brokers' or investors' conferences, shall also conform to these regulations .
- (4) The issuer shall appoint other intermediaries (except self certified syndicate banks) and other persons associated with the issue only with the prior consent of the lead manager(s).
- (5) The issuer shall, whenever required and wherever applicable, in consultation with the lead manager, enter into an agreement with the intermediaries associated with the issue, clearly setting forth their mutual rights, responsibilities and obligations. A certified true copy of such agreements shall be furnished to the lead manager.
- (6) The issuer shall take such steps as are necessary to ensure completion of allotment and despatch of letters of allotment/credit to demat accounts and refund orders/unblocking of funds to the applicants within the prescribed time.
- (7) The issuer shall take steps to pay fees, underwriting commission, brokerage to the underwriters, stock brokers, SCSBs, registered intermediaries, lead manager(s) etc. within the time specified in the agreement with such intermediaries or within a reasonable time.

- (8) The issuer undertakes to furnish such information and details regarding the issue as may be required by the lead manager(s), to enable them to file a report with the Board or place it on their websites.
- (9) The issuer shall keep the lead manager(s) informed if it encounters any problem due to dislocation of communication system or any other material adverse circumstance which is likely to prevent or which has prevented the issuer from complying with its obligations, whether statutory or contractual, in respect of the matters pertaining to allotment, despatch of certificate, demat credit, making refunds/ unblocking of funds, share/debenture certificates etc.
- (10) The issuer shall not resort to any legal proceedings in respect of any matter having a bearing on the issue except in consultation with and after receipt of advice from the lead manager(s).
- (11) The issuer shall refund/unblock the monies of the applicants, if required to do so for any reason such as failing to get listing permission or under any direction or order of the Board. The issuer shall pay requisite interest amount if so required under the laws or direction or order of the Board.
- (12) The agreement shall specify any offer related rights of lead manager(s) with respect to the issuer.
- (13) The agreement shall specify the grounds for breach of the agreement and consequences of any breach.

**SCHEDULE III - FEES TO BE PAID ALONG WITH DRAFT OFFER DOCUMENT/ DRAFT LETTER OF OFFER OR OFFER DOCUMENT**

[See regulations 25(1), 25(6), 71(1), 71(6), 100(1), 123(1), 123(6), 156(1), 186(5), 220(1), 287(1) and 288(1)]

- (1) In respect of every draft offer document, offer document in case of a fast track issue and draft letter of offer as also in cases of updation of any draft offer document, fees at the rate as specified below, shall be payable to the Board.
- (2) The fees shall be paid in advance by way of direct credit in the Board's bank account through NEFT/RTGS/IMPS or any other mode allowed by RBI or by means of a demand draft drawn in favour of 'the Securities and Exchange Board of India' payable at the place of office of the Board, in terms of Schedule IV, where the draft offer document or offer document or updated draft offer document, as the case may be, is filed.

(a) **Public issue:**

Size of the issue, including intended retention of over subscription	Amount / Rate of fees
Less than or equal to ten crore rupees.	A flat charge of one lakh rupees (₹1,00,000/-).
More than ten crore rupees, but less than or equal to five thousand crore rupees.	0.1 per cent. of the issue size.
More than five thousand crore rupees.	Five crore rupees (₹5,00,00,000/-) plus 0.025 per cent. of the portion of the issue size in excess of five thousand crore rupees (₹5000,00,00,000/-).]

(b) **Rights issue:**

Size of the issue, including intended retention of over subscription	Amount / Rate of fees
Less than or equal to ten crore rupees	A flat charge of fifty thousand rupees



	(₹50,000/-).
More than ten crore rupees	0.05 per cent. of the issue size.

(c) **Listing without a public issue:**

<b>Paid-up capital of the entity</b>	<b>Amount / Rate of fees</b>
Less than or equal to ten crore rupees.	A flat charge of one lakh rupees (₹1,00,000/-).
More than ten crore rupees, but less than or equal to five thousand crore rupees.	0.1 per cent. of the paid-up capital
More than five thousand crore rupees.	Five crore rupees (₹5,00,00,000/-) plus 0.025 per cent. of the portion of the paid-up capital in excess of five thousand crore rupees (₹5000,00,00,000/-).

(d) **Updation of an offer document:**

	<b>Amount / Rate of fees</b>
Where updations or changes are made in any of the sections specified in Para 2 of <b>Schedule XVI</b> of these regulations	Ten thousand rupees (₹10,000/-) for updations or changes per section, subject to total fee not exceeding one fourth (1/4 <sup>th</sup> ) of the filing fees paid at the time of filing the draft document with the Board or fifty thousand rupees (₹ 50,000/-), whichever is higher.

**NOTES**

- (1) Where the issue size is not determinable at the time of submission of the draft offer document or the offer document in case of a fast track issue, the issuer shall pay fees mentioned at para (2), based on the estimated issue size.
- (2) If the issue size estimated by the issuer differs from the eventual issue size and thereby:-
- the fees paid by the issuer is deficient, the balance fee shall be paid by the issuer within seven days of finalisation of the basis of allotment; or
  - the fees paid by the issuer is in excess, excess fee shall be refunded by the Board to the issuer.

**SCHEDULE IV – FILING OF OFFER DOCUMENTS WITH THE BOARD**

[See regulations: 25(1), 71(1), 123(1), 186(1)]

Draft offer documents/ letters of offer/ offer documents shall be filed by the lead manager(s) with the concerned office of the Board under the jurisdiction of which the registered office of the issuer company is located, based on the estimated issue size as indicated below:

<b>S. No.</b>	<b>Region in which registered office of</b>	<b>Jurisdictions covered in this region</b>	<b>Name and address of the office of the Board where draft offer</b>
---------------	---	---	--

	the issuer is located		document/offer document is required to be filed
<b>Estimated issue size greater than ₹ 500 crore</b>			
1	All regions	All jurisdictions	SEBI Head Office, SEBI Bhavan, Plot No. C4-A, “G” Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400051
<b>Estimated issue size less than ₹ 500 crore</b>			
1.	Northern Region	Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Punjab, Uttar Pradesh, Chandigarh, National Capital Territory of Delhi, Uttarakhand	SEBI Northern Regional Office, 5th Floor, Bank of Baroda Building, 16, Sansad Marg, New Delhi - 110 001
2.	Eastern Region	Assam, Bihar, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Odisha, West Bengal, Tripura, Arunachal Pradesh, Mizoram, Jharkhand, Andaman & Nicobar Islands and Sikkim	SEBI Eastern Regional Office, 3rd Floor, L & T Chambers, 16, Camac Street, Kolkata - 700 017
3.	Southern Region	Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka, Kerala, Tamil Nadu, Puducherry, Lakshadweep	SEBI Southern Regional Office, D'Monte Building, 3rd Floor, No. 32, D'Monte Colony, TTK Road, Alwarpet, Chennai – 600 018
4.	Western Region	Gujarat, Rajasthan, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Dadra and Nagar Haveli, Goa and Daman and Diu	SEBI Western Regional Office, Unit No. 002, Ground Floor, SAKAR I, Near Gandhigram Railway Station, Opposite Nehru Bridge, Ashram Road, Ahmedabad – 380 009
		Maharashtra	SEBI Head Office, SEBI Bhavan, Plot No. C4-A, “G” Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400051

#### SCHEDULE V - FORMATS OF DUE DILIGENCE CERTIFICATES

##### Form A - Format of due diligence certificate to be given by the lead manager(s) along with draft offer document or draft letter of offer

[See regulations 25(2)(b), 71(2)(b), 100(2)(a), 123(2)(b), 156(2)(a) and 247(2)]

To,

Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Public/Rights Issue of ..... by..... (Name of the issuer)

We confirm that:

- (1) We have examined various documents including those relating to litigation, including commercial disputes, patent disputes, disputes with collaborators, etc. and other material while finalising the offer document of the subject issue;
- (2) On the basis of such examination and discussions with the issuer, its directors and other officers, other agencies, and independent verification of the statements concerning the objects of the issue, price justification, contents of the documents and other papers furnished by the issuer, we confirm that:
  - (a) the draft offer document/ draft letter of offer filed with the Board is in conformity with the documents, materials and papers which are material to the issue;
  - (b) all material legal requirements relating to the issue as specified by the Board, the Central Government and any other competent authority in this behalf have been duly complied with; and
  - (c) the material disclosures made in the draft offer document/draft letter of offer are true and adequate to enable the investors to make a well informed decision as to the investment in the proposed issue and such disclosures are in accordance with the requirements of the Companies Act, 2013, these regulations and other applicable legal requirements.
- (3) Besides ourselves, all intermediaries named in the draft offer document/ draft letter of offer are registered with the Board and that till date, such registration is valid.
- (4) We have satisfied ourselves about the capability of the underwriters to fulfil their underwriting commitments.
- (5) Written consent from the promoters has been obtained for inclusion of their specified securities as part of the promoters' contribution subject to lock-in and the specified securities proposed to form part of the promoters' contribution subject to lock-in shall not be disposed or sold or transferred by the promoters during the period starting from the date of filing the draft offer document/ draft letter of offer with the Board till the date of commencement of lock-in period as stated in the draft offer document/ draft letter of offer.
- (6) All applicable provisions of these regulations, which relate to specified securities ineligible for computation of promoters' contribution, have been and shall be duly complied with and appropriate disclosures as to compliance with the said regulation(s) have been made in the draft offer document.
- (7) All applicable provisions of these regulations which relate to "receipt of promoters" contribution prior to opening of the issue , shall be complied with. Arrangements have been made to ensure that the promoters' contribution shall be received at least one day before the opening of the issue and that the auditors' certificate to this effect shall be duly submitted to the Board. We further confirm that arrangements have been made to ensure that the promoters' contribution shall be kept in an escrow account with a scheduled commercial bank and shall be released to the issuer along with the proceeds of the issue.
- (8) Necessary arrangements shall be made to ensure that the monies received pursuant to the issue are credited or transferred to in a separate bank account as per the provisions of sub-section (3) of section 40 of the Companies Act, 2013 and that such monies shall be released by the said bank only after permission is obtained from all the stock exchanges, and that the agreement entered into between the bankers to the issue and the issuer specifically contains this condition.
- (9) The existing business as well as any new business of the issuer for which the funds are being raised fall within the 'main objects' in the object clause of the Memorandum of Association or other charter of the issuer and that the activities which have been carried in the last ten years are valid in terms of the object clause of the Memorandum of Association.

- (10) In case of a rights issue disclosure has been made in the draft letter of offer that investors shall be given an option to receive the shares in demat or physical mode\*.
- (11) Following disclosures have been made in the draft offer document/ draft letter of offer:
- (a) An undertaking from the issuer that at any given time, there shall be only one denomination for the equity shares of the issuer, and
  - (b) An undertaking from the issuer that it shall comply with all disclosure and accounting norms specified by the Board.
- (12) We shall comply with the regulations pertaining to advertisements in terms of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018.
- (13) If applicable, the entity is eligible to list on the institutional trading platform in terms of the provisions of Chapter X of these regulations.

[\*The option to receive physical security certificates in a rights issue shall be available only for a period of six months from the date of coming into force of these regulations.]

We enclose a note explaining the process of due diligence that has been exercised by us including in relation to the business of the issuer, the risks in relation to the business, experience of the promoters and that the related party transactions entered into for the period disclosed in the offer document have been entered into by the issuer in accordance with applicable laws.

We enclose a checklist confirming regulation-wise compliance with the applicable provisions of these regulations, containing details such as the regulation number, its text, the status of compliance, page number of the draft offer document/ draft letter of offer where the regulation has been complied with and our comments, if any.

**Place:**

**Lead Manager(s) to the Issue**

**Date:**

**with Official Seal(s)**

**Note:**

The requirements in items 5, 6, 7 are not applicable in case of a rights issue.

**Form B - Format of due diligence certificate to be given by the debenture trustee along with draft offer document**

[See regulations 25(2)(c), 71(2)(c), 100(2)(b), 123(2)(c) and 156(2)(b)]

**To,**

**Securities and Exchange Board of India**

Dear Sirs,

**Sub.: Public/Rights Issue of ..... by ..... (Name of the issuer)**

We confirm that:

- (1) We have examined all relevant documents pertaining to the said issue.
- (2) We have examined the relevant documents pertaining to the security to be created.
- (3) On the basis of discussions with the issuer, its directors and other officers, other agencies/intermediaries and on examination and independent verification of the various relevant documents, we confirm that:
  - (a) The issuer has made adequate provisions for and/or has taken steps to provide for adequate security or asset cover for the secured convertible debt instruments to be issued.
  - (b) The issuer has obtained the permissions or consents necessary for creating security on the property as second charge or pari passu charge (wherever applicable)

- (c) The issuer has made all relevant disclosures about the security or asset cover.
  - (d) The issuer has made all relevant disclosures about its continuing obligations towards the holders of convertible debt instruments.
  - (e) All disclosures made in the draft prospectus/letter of offer with respect to the convertible debt instruments are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision as to the investment in the proposed issue.
- (4) We have satisfied ourselves about the ability of the issuer to service the debt securities.

**Place:** **Debenture Trustee to the Issue**  
**Date:** **with Official Seal**

**Note:** With respect to the issue of unsecured convertible debt instruments, the debenture trustee shall not be required to certify the requirements stated in item 2 and sub-item (a), (b) and (c) of item 3 above.

**Form C - Format of due diligence certificate to be given by the lead manager(s) at the time of registering offer document/filing letter of offer**

[See regulation 25(9)(b), 71(7)(b) and 123(9)(b)]

To,

**Securities and Exchange Board of India**

Dear Sirs,

**Sub.: Public/Rights Issue of ..... by ..... (Name of the issuer)**

We confirm that:

- (1) The offer document (in case of a public issue) registered with the Registrar of Companies / letter of offer (in case of a rights issue) filed with the designated stock exchange on .... (date) was suitably updated under intimation to the Board and that the said offer document or letter of offer contains all the material disclosures in respect of the issuer as on the said date.
- (2) The registrations of all intermediaries named in the offer document or letter of offer are valid as on date and that none of these intermediaries have been debarred from functioning by any regulatory authority.
- (3) Written consent from the promoter(s) has been obtained for inclusion of their securities as part of promoters' contribution, subject to lock-in.
- (4) The securities proposed to form part of the promoters' contribution and subject to lock-in, have not been disposed or sold or transferred by the promoters during the period starting from the date of filing the draft offer document with the Board till date.
- (5) Agreements have been entered into with the depositories for dematerialisation of the securities of the issuer.

**Place:** **Lead Manager(s) to the Issue**  
**Date:** **with Official Seal(s)**

**Note:** The requirements in items 3 and 4 above are not applicable in case of a rights issue.

**Form D - Format of due diligence certificate to be given by the lead manager(s) in the event of disclosure of material events after the filing of the offer document**

[See regulation 25(9)(e), 71(7)(c), 123(9)(e) and 186(3)(e)]

To,

**Securities and Exchange Board of India**

Dear Sirs,

**Sub.: Public/Rights Issue of ..... by ..... (Name of the issuer)**

We confirm that all material disclosures in respect of the issuer as on date have been made through the offer document (in case of a public issue) registered with the Registrar of Companies / letter of offer (in case of a rights issue) filed with the designated stock exchange on ..... (date) read with subsequent amendments/ public notice dated ..... (Copy of the advertisement enclosed).

**Place:**

**Lead Manager(s) to the Issue**

**Date:**

**with Official Seal(s)**

**Form E - Additional confirmations/certification to be given by the lead manager(s) in the due diligence certificate to be given along with the offer document/ letter of offer for a fast track issue**

[See regulation 100(2)(a) and 156(2)(a)]

To,

**Securities and Exchange Board of India**

Dear Sirs,

**Sub.: Public/Rights Issue of ..... by ..... (Name of the issuer)**

We confirm that:

- (1) None of the intermediaries named in the offer document (in case of a public issue)/letter of offer (in case of a rights issue) have been debarred from functioning by any regulatory authority.
- (2) The issuer is eligible to make a fast track issue in terms of (regulation 99 in case of rights issues and regulation 155 in case of further public offers, as applicable) of these regulations. The fulfilment of the eligibility criteria as specified in that regulation by the issuer has also been disclosed in the offer document/letter of offer.
- (3) The abridged prospectus/abridged letter of offer contains all disclosures as specified in these regulations.
- (4) All material disclosures in respect of the issuer have been made in the offer document/letter of offer and certify that any material development in the issuer or relating to the issue up to the commencement of listing and trading of the specified securities offered through this issue shall be informed through public notices/advertisements in all those newspapers in which pre-issue advertisement and advertisement for opening or closure of the issue have been given.
- (5) Agreements have been entered into with the depositories for dematerialisation of the specified securities of the issuer.

**Place:**

**Lead Manager(s) to the Issue**

**Date:**

**with Official Seal(s)**

**Form F - Format of due diligence certificate to be given by the lead manager(s) along with the final post-issue report**

[See regulation 151, 210 and 277]

To,

**Securities and Exchange Board of India**

Dear Sirs,

**Sub.: Public issue of ..... by ..... (Name of issuer)**

We confirm that:

- (1) The certificates in respect of locked-in specified securities have been stamped 'not transferable' indicating the period of non-transferability and for locked-in specified securities in dematerialised form, non-transferability details have been provided to the depositories and the details of lock-in have been provided, before the listing of the specified securities, to all the stock exchanges.
- (2) The specified securities included as minimum promoters' contribution and the specified securities in excess of minimum promoters' contribution have been locked-in in terms of these Regulations.
- (3) The provisions regarding lock-in of specified securities held by persons other than promoters have been duly complied with in accordance with these Regulations.

**Place:**

**Lead Manager(s) to the Issue**

**Date:**

**with Official Seal(s)**

**Form G - Additional confirmations/ certification to be given by the lead manager(s) in due diligence certificate to be given along with offer document regarding issues on the SME exchanges**

[See regulation 247(2)]

To,

**Securities and Exchange Board of India**

Dear Sirs,

**Sub.: Public/Rights issue of ..... by ..... (Name of issuer)**

We confirm that:

- (1) None of the intermediaries named in the offer document (in case of public issue)/letter of offer (in case of a rights issue) are debarred from functioning by any regulatory authority.
- (2) The abridged prospectus/abridged letter of offer contains all disclosures as specified in these regulations.
- (3) All material disclosures in respect of the issuer have been made in the offer document/letter of offer and that any material development in the issuer or relating to the issue up to the commencement of listing and trading of the specified securities offered through this issue shall be informed through public notices/advertisements in all those newspapers in which pre-issue advertisement and advertisement for opening or closure of the issue have been given.
- (4) Agreements have been entered into with the depositories for dematerialisation of the specified securities of the issuer.
- (5) The underwriting and market making arrangements as per requirements of regulation 261 and 262 of these regulations have been made.

- (6) The issuer has redressed at least ninety five per cent. of the complaints received from the investors till the end of the quarter immediately preceding the month of the filing of the offer document with the Registrar of Companies or letter of offer with the SME Exchange.

**Place:**

**Lead Manager(s) to the Issue**

**Date:**

**with Official Seal(s)**

**Form H - Format of the due diligence certificate to be filed by the lead manager for IDR issues**

**[See regulation [186(3)]**

**To,**

**Securities and Exchange Board of India**

Dear Sirs,

**Sub.: Issue of ..... (hereinafter referred to as 'IDRs') by ..... (hereinafter referred to as the 'issuing company')**

We confirm that:

- (1) The Draft Red Herring Prospectus (hereinafter referred to as the "DRHP") is being filed with the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as the "Board") in compliance with the Companies Act, 2013 and the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 read with the Companies (Registration of Foreign Companies) Rules, 2014 (hereinafter referred to as "the IDR Rules"), on a public basis.
- (2) We have examined the disclosures made by the issuer in the jurisdictions where its underlying equity shares are listed so as to ensure uniformity and parity of information shared with investors across different regulatory jurisdictions (hereinafter referred to as "publicly available information") and participated in discussions with the senior management of the issuing company for the purpose of preparing the draft offer document.
- (3) We have examined various documents including those relating to litigation, including commercial disputes, patent disputes, disputes with collaborators, etc. and other material while finalising the offer document of the subject issue.
- (4) On the basis of such examination and the discussions with the issuer, its directors and other officers, other independent agencies/ experts/ reports, and independent verification of the statements concerning the objects of the issue, price justification, contents of the documents and other papers furnished by the issuer, we confirm that:
  - (a) the draft offer document/ draft letter of offer forwarded to the Board is in conformity with the documents, materials and papers relevant to the issue;
  - (b) the requirements under the IDR Rules and these regulations and other relevant laws framed by the Board, the Government and any other competent authority in this behalf have been duly complied with; and
  - (c) the disclosures made in the draft offer document/draft letter of offer are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision as to the investment in the proposed issue and such disclosures are in accordance with the requirements of the Companies Act, 2013, IDR Rules, these regulations and other applicable legal requirements.
- (5) Besides ourselves, all the other intermediaries named in the draft offer document/ draft letter of offer are registered with the Board and that till date, such registration is valid.



- (6) We have satisfied ourselves about the capability of the underwriters to fulfil their underwriting commitments.
- (7) The existing business as well as any new business of the issuer for which the funds are being raised fall within the 'main objects' in the object clause of the Memorandum of Association or other charter of the issuer.
- (8) Necessary arrangements shall be made to ensure that the monies received pursuant to the issue are credited or transferred to in a separate bank account as per the provisions of sub-section (3) of section 40 of the Companies Act, 2013 and that such monies shall be released by the said bank only after permission is obtained from all the stock exchanges, and that the agreement entered into between the bankers to the issue and the issuer specifically contains this condition.
- (9) Disclosure has been made in the draft offer document that the investors shall be given an option\* to receive the IDR in demat or physical mode.

[\*The option to receive physical security certificates in a rights issue shall be available only for a period of six months from the date of coming into force of these regulations.]

- (10) Following disclosures have been made in the draft offer document/ draft letter of offer:
  - (a) An undertaking from the issuer that at any given time, there shall be only one denomination for the IDR, and
  - (b) An undertaking from the issuer that it shall comply with all disclosure and accounting norms specified by the Board.
- (11) None of the intermediaries named in the red herring prospectus / prospectus have been debarred from functioning by any regulatory authority.
- (12) We enclose a note explaining the process of due diligence that has been exercised by us including in relation to the business of the issuer, the risks in relation to the business, and experience of the promoters.
- (13) We enclose a checklist confirming regulation-wise compliance with the applicable provisions of these regulations, containing details such as the regulation number, its text, the status of compliance, page number of the draft offer document/ draft letter of offer where the regulation has been complied with and our comments, if any.
- (14) Agreements have been entered into with the depositories for dematerialisation of the IDRs of the issuer.

**Place:**

**Lead Manager(s) to the Issue**

**Date:**

**with Official Seal(s)**

#### **SCHEDULE VI - DISCLOSURES IN THE OFFER DOCUMENT, ABRIDGED PROSPECTUS AND ABRIDGED LETTER OF OFFER**

[See regulations 17, 24(2)(b), 34(1), 57(1)(f), 70(2), 71(2)(d), 75, 122(2)(ii), 123(2)(d), 131(1), 153(1)(f), 186(3)(d), 218(2), 220(1)], 239, 246(2)(b), 282(1)(f), 287(2), 291]

##### **Part A – Disclosures in offer document/letter of offer**

[See regulations 17, 24(2)(b), 57(1)(f), 70(2), 122(2)(ii), 153(1)(f), 239, 246(2)(b), 282(1)(f), 287(2), 291]

All disclosures specified under this Part shall be made in the draft offer document or the draft letter of offer and the offer document or the letter of offer, as applicable.

**Instructions:**

- (a) All information shall be relevant and updated. The source and basis of all statements and claims shall be disclosed. Terms such as “market leader”, “leading player”, etc. shall be used only if these can be substantiated by citing a proper source.
- (b) All blank spaces in the draft offer document shall be filled up with appropriate data before registering the offer document, as applicable, with the Registrar of Companies or filing the same with the recognised stock exchanges.
- (c) Simple English shall be used to enable easy understanding of the contents. Technical terms, if any, used in explaining the business of the issuer shall be clarified in simple terms.
- (d) Wherever it is mentioned that details are given elsewhere in the document, the same shall be adequately cross-referenced by indicating the paragraph heading and page number.
- (e) There shall be no forward-looking statements that cannot be substantiated.
- (f) Consistency shall be ensured in the style of disclosures. If first person is used, the same may be used throughout. Sentences that contain a combination of first and third persons may be avoided.
- (g) For currency of presentation, only one standard financial unit shall be used.

**Applicability**

An issuer making a public issue or a rights issue of specified securities shall make disclosures specified in this Schedule.

Provided that:

- (a) an issuer making a fast track issue may not make the disclosures specified in Part B of this Schedule.
  - (b) an issuer making a further public offer of specified securities may not make the disclosures specified in Part C of this Schedule if it satisfies the conditions specified in paragraph 2 of that Part.
  - (c) an issuer making a rights issue may only make the disclosures specified in Part B of this Schedule if it satisfies the conditions specified in paragraph 1 of such Part.
- (1) **Cover pages:** The cover pages shall be of adequate thickness (minimum hundred GSM quality) and shall be white in colour with no patterns.

**(a) Front cover pages:**

- (1) Front inside cover page shall be kept blank.
- (2) Front outside cover page shall contain only the following issue details:
  - (a) The type of the offer document (“Draft Red Herring Prospectus”/“Draft Letter of Offer”, “Red Herring Prospectus”, “Shelf Prospectus”, “Prospectus”, “Letter of Offer”, as applicable).
  - (b) Date of the draft offer document or offer document.
  - (c) Type of issuance (“book built” or “fixed price”).
  - (d) In case of a public issue, the following clause shall be incorporated in a prominent manner, below the title of the offer document:  
 “Please read Section 32 of the Companies Act, 2013”
  - (e) Name of the issuer, its logo, date and place of its incorporation, corporate identity number, address of its registered and corporate offices, telephone number, contact person, website address and e-mail address (where there has been any change in the address of the registered office or the name of the issuer, reference to the page of the offer document where details thereof are given).

- 
- (f) Names of the promoter(s) of the issuer.
- (g) Nature, number and price of specified securities offered and issue size, as may be applicable, including any offer for sale by promoters or members of the promoter group or other shareholders.
- (h) Aggregate amount proposed to be raised through all the stages of offers made through a shelf prospectus.
- (i) In the case of the first issue of the issuer, the following clause on 'Risks in relation to the First Issue' shall be incorporated in a box format:
- "This being the first issue of the issuer, there has been no formal market for the securities of the issuer. The face value of the equity shares is (-----). The issue price/floor price/price band should not be taken to be indicative of the market price of the specified securities after the specified securities are listed. No assurance can be given regarding an active or sustained trading in the equity shares of the issuer nor regarding the price at which the equity shares will be traded after listing."
- (j) The following clause on 'General Risk' shall be incorporated in a box format:
- "Investment in equity and equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this offering. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the issuer and the offer including the risks involved. The securities have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of this document. Specific attention of investors is invited to the statement of 'Risk factors' given on page number ..... under the section 'General Risks'."
- (k) The following clause on 'Issuer's Absolute Responsibility' shall be incorporated in a box format:
- "The issuer, having made all reasonable inquiries, accepts responsibility for and confirms that this offer document contains all information with regard to the issuer and the issue which is material in the context of the issue, that the information contained in the offer document is true and correct in all material aspects and is not misleading in any material respect, that the opinions and intentions expressed herein are honestly held and that there are no other facts, the omission of which make this document as a whole or any of such information or the expression of any such opinions or intentions misleading in any material respect. The selling shareholders accept responsibility for and confirm the statements made by them in this offer document to the extent of information specifically pertaining to them and their respective portion of the offered shares and assume responsibility that such statements are true and correct in all material respects and not misleading in any material respect".
- (l) Names, logos and addresses of all the lead manager(s) with their titles who have signed the due diligence certificate and filed the offer document with the Board, along with their telephone numbers, website addresses and e-mail addresses. (Where any of the lead manager(s) is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and that its role is limited to marketing of the issue).
- (m) Name, logo and address of the registrar to the issue, along with its telephone number, website address and e-mail address.
- (n) Issue schedule:

- (i) Anchor bid period, if any
  - (ii) Date of opening of the issue
  - (iii) Date of closing of the issue
  - (iv) Date of earliest closing of the issue, if any
  - (o) Credit rating, if applicable.
  - (p) IPO grading, if any.
  - (q) Name(s) of the stock exchanges where the specified securities are proposed to be listed and the details of their in-principle approval for listing obtained from these stock exchange(s).
- (b) **Back cover pages:** The back inside cover page and back outside cover page shall be kept blank.
- (2) **Table of Contents:** The table of contents shall appear immediately after the front inside cover page.
- (3) **Definitions and abbreviations:**
  - (A) Conventional or general terms
  - (B) Issue related terms
  - (C) Issuer and industry related terms
  - (D) Abbreviations
- (4) **Offer Document summary:** This section shall contain summary of the following information, as applicable:
  - (A) Primary business of the Issuer and the industry in which it operates, in not more than 100 words each;
  - (B) Names of the promoters;
  - (C) Size of the issue disclosing separately size of the fresh issue and offer for sale;
  - (D) Objects of the issue in a tabular format;
  - (E) Aggregate pre-issue shareholding of the promoter and promoter group, selling shareholder(s) as a percentage of the paid-up share capital of the issuer;
  - (F) Following details as per the restated consolidated financial statements for past 3 years and stub period in tabular format:
    - a. Share capital;
    - b. Net Worth;
    - c. Revenue;
    - d. Profit after tax;
    - e. Earnings per share;
    - f. Net Asset Value per equity share; and
    - g. Total borrowings (as per balance sheet).
  - (G) Auditor qualifications which have not been given effect to in the restated financial statements.
  - (H) Summary table of outstanding litigations and a cross-reference to the section titled '*Outstanding Litigations and Material Developments*'.
  - (I) Cross-reference to the section titled '*Risk Factors*'.
  - (J) Summary table of contingent liabilities and a cross-reference to contingent liabilities of the issuer as disclosed in restated financial statements.
  - (K) Summary of related party transactions for last 3 years and cross-reference to related party transactions as disclosed in restated financial statements.

- (L) Details of all financing arrangements whereby the promoters, members of the promoter group, the directors of the company which is a promoter of the issuer, the directors of the issuer and their relatives have financed the purchase by any other person of securities of the issuer other than in the normal course of the business of the financing entity during the period of six months immediately preceding the date of the draft offer document/offer document.
- (M) Weighted average price at which specified security was acquired by each of the promoters and selling shareholders in the last one year.
- (N) Average cost of acquisition of shares for promoter and selling shareholders.
- (O) Size of the pre-IPO placement and allottees, upon completion of the placement.
- (P) Any issuances of equity shares made in the last one year for consideration other than cash.
- (Q) Any split/consolidation of equity shares in the last one year.

**(5) Risk factors:**

- (A) Risk factors shall be printed in a clear readable font (preferably of minimum point ten size).
- (B) Risk factors shall be classified as those which are specific to the project and internal to the issuer and those which are external and beyond the control of the issuer.
- (C) Risk factors shall be determined on the basis of their materiality. In doing so, the following shall be considered:
  - (1) Some risks may not be material individually but may be material when considered collectively.
  - (2) Some risks may have an impact which is qualitative though not quantitative.
  - (3) Some risks may not be material at present but may have a material impact in the future.
- (D) Each risk factor shall appear in the following manner:
  - (1) The risk as envisaged by the issuer.
  - (2) Proposals, if any, to address the risk.
- (E) Proposals to address the risks shall not contain any speculative statement on the positive outcome of any matter or litigation, etc. and shall not be given for any matter that is sub-judice before any court/tribunal.
- (F) Risk factors shall be disclosed in the descending order of materiality. Wherever risks about material impact are stated, likely or potential implications, including financial implication, wherever quantifiable shall be disclosed. If it cannot be quantified, a distinct statement about the fact that the implications cannot be quantified shall be made.
- (G) Risk factors covering the following subjects, shall necessarily be disclosed wherever applicable:
  - (1) Material statutory clearances and approval that are yet to be received by the issuer.
  - (2) Seasonality of the business of the issuer.
  - (3) Any issue of the specified securities by the issuer within the last twelve months at a price lower than the issue price (other than bonus issues).
  - (4) Where an object of the issue is to finance acquisitions and the acquisition targets have not been identified, details of interim use of funds and the probable date of completing the acquisitions.

- (5) Risk associated with orders not having been placed for plant and machinery in relation to the objects of the issue, indicating the percentage and value terms of the plant and machinery for which orders are yet to be placed.
- (6) Lack of significant experience of the issuer or its promoters in the industry segment for which the issue is being made.
- (7) If the issuer has incurred losses in the last three financial years.
- (8) Dependence of the issuer or any of its business segments upon a single customer or a few customers, the loss of any one or more may have a material adverse effect on the issuer.
- (9) Refusal of listing of any securities of the issuer or any of its subsidiaries or group companies during last ten years by any of the stock exchanges in India or abroad.
- (10) Failure of the issuer or any of its subsidiary or group companies to meet the listing requirements of any stock exchange in India or abroad and the details of penalty, if any, including suspension of trading, imposed by such stock exchanges.
- (11) Limited or sporadic trading of any specified securities of the issuer on the stock exchanges.
- (12) In case of outstanding debt instruments, any default in compliance with the material covenants such as ~~in~~ creation of full security as per terms of issue, default in payment of interest, default in redemption, non-creation of debenture redemption reserve, default in payment of penal interest wherever applicable, non-availability or non-maintenance of asset cover, interest cover, debt-service cover, etc.
- (13) Unsecured loans, if any, taken by the issuer and its subsidiaries that can be recalled at any time.
- (14) Default in repayment of deposits or payment of interest thereon by the issuer and subsidiaries, and the roll over of liability, if any.
- (15) Potential conflict of interest of the promoters or directors of the issuer if involved with one or more ventures which are in the same line of activity or business as that of the issuer.
- (16) Shortfall in performance vis-à-vis the objects stated in any of the issues made by the listed issuer or listed subsidiaries in the last ten years, as disclosed under the heading "Performance vis-à-vis Objects" in the section "Other Regulatory and Statutory Disclosures", quantifying such shortfalls or delays.
- (17) Shortfall in performance vis-à-vis the objects stated in the issues made by any of its listed subsidiaries or listed promoter(s) in the previous five years, as disclosed under the heading "Performance vis-à-vis Objects" in the section "Other Regulatory and Statutory Disclosures", quantifying such shortfalls or delays.
- (18) Interests of the promoters, directors or key management personnel of the issuer, other than reimbursement of expenses incurred or normal remuneration or benefits.
- (19) Any portion of the issue proceeds that is proposed to be paid by the issuer to the promoter, directors or key managerial personnel of the issuer.
- (20) Relationship of the promoter or directors of the issuer with the entities from whom the issuer has acquired or proposes to acquire land in the last 5 years, along with the relevant details.

- (21) Excessive dependence on any key managerial personnel for the project for which the issue is being made.
- (22) Any material investment in debt instruments by the issuer which are unsecured.
- (23) Non-provision for decline in the value of investments.
- (24) Summary of all outstanding litigations and other matters disclosed in the section titled 'Outstanding Litigations and Material Developments' in a tabular format along with amount involved, where quantifiable. Issuer shall also separately highlight any criminal, regulatory or taxation matters which may have any material adverse effect on the issuer.
- (25) The delay, if any, in the schedule of the implementation of the project for which the funds are being raised in the public issue.
- (26) If monitoring agency is not required to be appointed as per these Regulations, the statement that deployment of the issue proceeds is entirely at the discretion of the issuer.
- (27) Negative cash flow from operating activities in the last three financial years.
- (28) If the land proposed to be acquired from proceeds of the issue is not registered in the name of the issuer.
- (29) Any restrictive covenants as regards the interests of the equity shareholders in any shareholders' agreement, promoters' agreement or any other agreement for short term (secured and unsecured) and long term borrowings.
- (30) Existence of a large number of pending investor grievances against the issuer, listed subsidiaries and top 5 listed group companies by market capitalisation.
- (31) In case of issue of secured convertible debt instruments, risks associated with second or residual charge or subordinated obligation created on the asset cover.

**(6) Introduction:**

- (A) Issue details in brief.
- (B) Summary of consolidated financial information.

**(7) General information:**

- (A) Name and address of the registered and corporate offices, the registration number of the issuer, and the address of the Registrar of Companies where the issuer is registered.
- (B) Name, designation, address and DIN of each member of the board of directors of the issuer.
- (C) Names, addresses, telephone numbers and e-mail addresses of the Company Secretary, legal advisor and bankers to the issuer.
- (D) Name, address, telephone number and e-mail address of the compliance officer.
- (E) Names, addresses, telephone numbers, contact person, website addresses and e-mail addresses of the lead manager(s), registrars to the issue, bankers to the issue, brokers to the issue and syndicate member(s); URL of SEBI website listing out the details of self certified syndicate banks, registrar to the issue and share transfer agents, depository participants, etc.
- (F) Names, addresses, telephone numbers peer review number, firm registration number and e-mail addresses of the auditors of the issuer.
- (G) Statement of inter-se allocation of responsibilities among lead manager(s).
- (H) Following details of credit rating in case of a public issue of convertible debt instruments:

- (a) The names of all the credit rating agencies from which credit rating including unaccepted rating has been obtained for the issue of convertible debt instruments.
  - (b) Details of all credit ratings, including unaccepted ratings, obtained for the public issue of convertible debt instruments.
  - (c) All credit ratings obtained during the preceding three years prior to the filing the draft offer document/offer document for any of the issuer's listed convertible debt instruments at the time of accessing the market through a convertible debt instrument.
- (I) Following details of IPO grading, if obtained:
- (a) Names of all credit rating agencies from which IPO grading has been obtained.
  - (b) Details of all grades obtained from such credit rating agencies.
  - (c) Rationale or description of the grading(s), as furnished by the credit rating agencies.
- (J) Name, address, telephone number, website address and e-mail address of the debenture trustee, in case of a public issue of convertible debt instruments.
- (K) Name, address, telephone number and e-mail address of the monitoring agency, if appointed, and disclosure as to whether such appointment is pursuant to these regulations.
- (L) Name, address, telephone number and e-mail address of the appraising entity in case the project has been appraised.
- (M) Filing the draft offer document/draft letter of offer/offer document:
- (a) Under this head, the office of the Board where the draft offer document/draft letter of offer/offer document has been filed.
  - (b) Address of the Registrar of Companies, where copy of the offer document, having attached thereto the material contracts and documents referred to elsewhere in the offer document, has been filed.
- (N) Where the issue is being made through the book building process, the brief explanation of the book building process.
- (O) Details of underwriting:
- (a) Names, addresses, telephone numbers, and e-mail addresses of the underwriters and the amount underwritten by each of them.
  - (b) Declaration by the board of directors of the issuer that the underwriters have sufficient resources to discharge their respective obligations.
  - (c) In case of partial underwriting of the issue, the extent of such underwriting.
  - (d) Details of the final underwriting arrangement indicating actual number of specified securities underwritten, to be provided in the prospectus before it is registered with the Registrar of Companies.
- (P) Changes in the auditors during the last three years along with name, address, email address, peer review number and firm registration number of auditors and reasons thereof.
- (Q) Green Shoe Option, if applicable:
- (a) Name of the stabilising agent.
  - (b) Maximum number of equity shares in number and as a percentage of the proposed issue size, proposed to be over-allotted by the issuer.
  - (c) Maximum period for which the issuer proposes to avail of the stabilisation mechanism.
  - (d) the stabilising agent shall disclose if it proposes to close the stabilisation mechanism prior to the maximum period.



- (e) Maximum increase in the equity share capital of the issuer and the post-issue shareholding pattern, in case the issuer is required to allot further equity shares to the extent of over-allotment in the issue.
- (f) Maximum amount of funds to be received by the issuer in case of further allotment and the use of these additional funds.
- (g) Details of the agreement or arrangement entered into by the stabilising agent with the promoters or shareholders to borrow equity shares from the latter. The details shall, inter-alia, include the name of the promoters or shareholders, their existing shareholding in the issuer, the number and percentage of equity shares to be lent by them and other important terms and conditions including rights and obligations of each party.
- (h) Exact number of equity shares to be allotted/transferred pursuant to the public issue, stating separately the number of equity shares to be borrowed from the promoters or shareholders and over-allotted by the stabilising agent and the percentage of such equity shares in relation to the total issue size.

**(8) Capital structure:**

(A) The capital structure in the following order in a tabular form:

- (a) Authorised, issued, subscribed and paid-up capital (number of securities, description and aggregate nominal value).
- (b) Size of the present issue, giving separately the promoters' contribution, if any, reservation for specified categories, if any, and net offer (number of securities, description, aggregate nominal value and issue amount (to be disclosed in that order) and applicable percentages in case of a book built issue.
- (c) Paid-up capital:
  - (i) After the issue.
  - (ii) After conversion of convertible instruments (if applicable).
- (d) Share premium account (before and after the issue).

(B) The following tables/notes shall be included after the table of the capital structure:

- (a) Details of the existing share capital of the issuer in a tabular form, indicating therein with regard to each allotment, the date of allotment, the name of allottee, nature of allotment, the number of shares allotted, the face value of the shares, the issue price and the form of consideration.
- (b) Where shares have been issued for consideration other than cash or out of revaluation reserves at any point of time, details in a separate table, indicating the date of issue, date of revaluation of assets, persons to whom issued, price, reasons for the issue and whether any benefits have accrued to the issuer out of the issue.
- (c) If shares have been allotted in terms of any scheme of arrangement approved under sections 391-394 of the Companies Act, 1956 or sections 230-234 of the Companies Act, 2013, as applicable, the details of such shares allotted, along with the page numbers where details of such scheme is given.
- (d) Where the issuer has issued equity shares under one or more employee stock option schemes, particulars of equity shares issued under the employee stock option schemes may be aggregated quarter-wise, indicating the aggregate number of equity shares issued and the price range within which equity shares have been issued in each quarter.
- (e) If the issuer has made any issue of specified securities at a price lower than the issue price during the preceding one year, specific details of the names of the persons to whom such specified securities have been issued, whether they are part of the promoter group, reasons for such issue and the price.

- (f) Shareholding pattern of the issuer in the format as prescribed under Regulation 33 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015:
- (i) Following details regarding major shareholders: Names of the shareholders of the issuer holding 1% or more of the paid-up capital of the issuer as on the date of filing of the draft offer document/ or end of last week from the date of draft letter of offer and the offer document, as the case may be.  
  
Provided that details of shareholding aggregating at least 80% of capital of company shall be disclosed.
  - (ii) Number of equity shares held by the shareholders specified in clause (i) including number of equity shares which they would be entitled to upon exercise of warrant, option or right to convert a debenture, loan or other instrument.
  - (iii) Particulars specified in items (i) and (ii) as on a date two years prior to the date of filing of the draft offer document/ draft letter of offer and the offer document, as the case may be.
  - (iv) Particulars specified in items (i) and (ii) as on a date one year prior to the date of filing of the draft offer document/ draft letter of offer and the offer document, as the case may be.
  - (v) The particulars specified in items (i) and (ii) as on a date ten days prior to the date of date of filing of the draft offer document/ draft letter of offer and the offer document, as the case may be.
  - (vi) If the issuer has made an initial public offer of specified securities in the preceding two years, the particulars specified in items (i), (ii), (iii) and (iv) shall be disclosed to indicate separately the names of the persons who acquired equity shares by subscription to the public issue and those who acquired the equity shares by allotment on a firm basis or through private placement.
- (g) Proposal or intention, negotiations and consideration of the issuer to alter the capital structure by way of split or consolidation of the denomination of the shares, or issue of specified securities on a preferential basis or issue of bonus or rights or further public offer of specified securities, within a period of six months from the date of opening of the issue.
- (h) Total shareholding of each of the promoters in a tabular form, with the name of the promoter, nature of issue, date of allotment/transfer, number of shares, face value, issue price/ consideration, date when the shares were made fully paid-up, percentage of the total pre and post-issue capital, if any and the number and percentage of pledged shares, if any, held by each promoter.
- (i) The number of members/shareholders of the issuer.
- (j) Details of:
- (i) the aggregate shareholding of the promoter group and of the directors of the promoters, where the promoter is a body corporate.
  - (ii) the aggregate number of specified securities purchased or sold by the promoter group and/or by the directors of the company which is a promoter of the issuer and/or by the directors of the issuer and their relatives in the preceding six months.
  - (iii) all financing arrangements whereby the promoter group, the directors of the company which is a promoter of the issuer, the directors of the issuer and their relatives have financed the purchase by any other person of securities of the issuer other than in the normal course of the business of the financing entity in the six months immediately preceding the date of filing of the draft offer document/offer document.
  - (iv) In case it is not possible to obtain information regarding sales and purchases of specified securities by any relatives of the promoter, details on the basis of the

transfers as recorded in the books of the issuer and/or the depository, as applicable and a statement to such effect.

(k) Promoters' contribution:

- (i) Details of promoters' contribution and lock-in period in a tabular form, separately in respect of each promoter by name, with the date of allotment of specified securities, the date when fully paid-up, the nature of allotment (rights, bonus, preferential etc.), the number, face value and issue price, the percentage of promoters' contribution to total issued capital and the date up to which the specified securities are subject to lock-in.
  - (ii) In the case of an initial public offer, details of all individual allotments from the date of incorporation of the issuer and in case of a further public offer by a listed issuer, such details for the preceding five years.
  - (iii) In case of further public offers or rights issues, shares acquired by the promoters through a public issue, rights issue, preferential issue, bonus issue, conversion of depository receipts or under any employee stock option scheme or employee stock purchase scheme to be shown separately from the shares acquired in the secondary market and its aggregate cost of shares acquired in the secondary market, if available.
  - (iv) Details of compliance with applicable provisions of these regulations with respect to promoters' contribution and lock-in requirements.
  - (v) If the issuer is exempt from the requirements of promoters' contribution, the relevant provisions under which it is so exempt.
  - (vi) A statement that the promoter undertakes to accept full conversion, if the promoters' contribution is in terms of the same optionally convertible debt instrument as is being offered to the public.
- (l) A statement that the issuer, its directors or the lead manager(s) have not entered into any buy-back arrangements for purchase of the specified securities of the issuer.
- (m) A statement that all securities offered through the issue shall be made fully paid-up, if applicable, or may be forfeited for non-payment of calls within twelve months from the date of allotment of securities.
- (n) Details of shareholding, if any, of the lead manager(s) and their associates (as defined under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992) in the issuer.
- (o) Details of options granted or equity shares issued under any scheme of employee stock option or employee stock purchase of issuer, in the preceding three years (separately for each year) and on a cumulative basis for all options or equity shares issued prior to the date of the offer document.
- (p) The following details in cases where options granted to employees in pursuance of any employee stock option scheme existing prior to the initial public offer, are outstanding at the time of the initial public offer:
- (i) options granted;
  - (ii) options vested;
  - (iii) options exercised;
  - (iv) the exercise price;
  - (v) the total number of shares arising as a result of exercise of option;
  - (vi) options lapsed;
  - (vii) variation of terms of options;

- (viii) money realised by exercise of options;
- (ix) total number of options in force;
- (x) employee-wise details of options granted to:
  - key managerial personnel;
  - any other employee who receives a grant in any one year of options amounting to five per cent. or more of options granted during that year;
  - identified employees who were granted options, during any one year, equal to or exceeding one per cent. of the issued capital (excluding outstanding warrants and conversions) of the issuer at the time of grant;
- (xi) diluted Earnings Per Share pursuant to the issue of equity shares on exercise of options calculated in accordance with applicable accounting standard on 'Earnings Per Share';
- (xii) where the issuer has calculated the employee compensation cost using the intrinsic value of the stock options, the difference between the employee compensation cost so computed and the employee compensation cost that shall have been recognised if it had used the fair value of the options and the impact of this difference on profits and on the Earnings Per Share of the issuer;
- (xiii) description of the pricing formula and the method and significant assumptions used during the year to estimate the fair values of options, including weighted-average information, namely, risk-free interest rate, expected life, expected volatility, expected dividends, and the price of the underlying share in market at the time of grant of the option;
- (xiv) impact on the profits and on the Earnings Per Share of the last three years if the issuer had followed the accounting policies specified in Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014, in respect of options granted in the last three years;
- (xv) intention of the key managerial personnel and whole-time directors who are holders of equity shares allotted on exercise of options granted under an employee stock option scheme or allotted under an employee stock purchase scheme, to sell their equity shares within three months after the date of listing of the equity shares in the initial public offer (aggregate number of equity shares intended to be sold by the holders of options), if any. In case of an employee stock option scheme, this information same shall be disclosed regardless of whether the equity shares arise out of options exercised before or after the initial public offer;
- (xvi) specific disclosures about the intention to sell equity shares arising out of an employee stock option scheme or allotted under an employee stock purchase scheme within three months after the date of listing, by directors, senior managerial personnel and employees having equity shares issued under an employee stock option scheme or employee stock purchase scheme amounting to more than one per cent. of the issued capital (excluding outstanding warrants and conversions), which inter-alia shall include name, designation and quantum of the equity shares issued under an employee stock option scheme or employee stock purchase scheme and the quantum they intend to sell within three months;
- (xvii) details of the number of shares issued in employee share purchase scheme, the price at which such shares are issued, employee-wise details of the shares issued to
  - key managerial personnel;
  - any other employee who is issued shares in any one year amounting to 5 per cent. or more shares issued during that year;

- identified employees who were issued shares during any one year equal to or exceeding 1 per cent. of the issued capital of the company at the time of issuance;
- (xviii) diluted Earnings Per Share (EPS) pursuant to issuance of shares under employee share purchase scheme; and consideration received against the issuance of shares.
- (q) In case of a further public offer by a listed issuer, which has earlier (after being a listed issuer) made any preferential allotment or bonus issue or qualified institutions placement of specified securities in the ten years preceding the date of the draft offer document/offer document, a confirmation that the relevant provisions of the regulations have been complied with.

**(9) Particulars of the issue:**

**(A) Objects of the issue:**

- (1) Objects of the issue.
- (2) If one of the objects of the issue is loan repayment:
  - (a) details of loan proposed to be repaid such as name of the lender, brief terms and conditions and amount outstanding;
  - (b) certificate from the statutory auditor certifying the utilization of loan for the purposed availed.
- (3) If one of the objects is investment in a joint venture or a subsidiary or an acquisition, following additional disclosures:
  - (a) details of the form of investment, i.e., equity, debt or any other instrument;
  - (b) If the form of investment has not been decided, a statement to that effect;
  - (c) If the investment is in debt instruments, complete details regarding rate of interest, nature of security, terms of repayment, subordination, etc.;
  - (d) Nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment.
- (4) If one of the objects of the issue is to grant a loan to an entity other than a subsidiary, details of the loan agreements, including the rate of interest, whether secured or unsecured, duration, nature of security, terms of repayment, subordination etc. and the nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment. If such a loan is to be granted to any of the group companies, details of the same.
- (5) If one of the objects of the issue is utilisation of the issue proceeds for long term working capital, the following additional disclosures on a standalone basis:
  - (a) Basis of estimation of working capital requirement along with the relevant assumptions.
  - (b) Reasons for raising additional working capital substantiating the same with relevant facts and figures.
  - (c) Details of the projected working capital requirement, including detailed assessment of working capital after implementation of the project or achievement of objects of the issue, as the case may be, capacity utilisation assumptions, break up of expected current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry debtors etc., with assumption about the holding norms for each type of current asset, total current liabilities, net current assets and envisaged sources of finance for net current assets, i.e., bank finance, institutional finance, own funds, etc.
  - (d) Total envisaged working capital requirement in a tabular form, the margin money thereof and the portion to be financed by any bank(s) or otherwise.
  - (e) Details of the existing working capital available to the issuer with a break up for total current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry

debtors, etc., total current liabilities, net current assets and sources of finance for net current assets i.e. bank finance, institutional finance, own funds etc.

- (f) If no working capital is shown as a part of project for which the issue is being made, the reasons for the same.

(6) **Land:**

- (a) Names of the entities from whom land has been acquired/ proposed to be acquired along with the cost of acquisition, and the relationship, if any, of such entities to any promoter or director of the issuer, in case the proceeds of the issue are being utilised for acquisition of land.
- (b) Details of whether the land acquired by the issuer is free from all encumbrances and has a clear title and whether it is registered in the name of the issuer.
- (c) Details of whether the issuer has applied/ received all the approvals pertaining to land. If no such approvals are required to be taken by the issuer, then this fact may be indicated by way of an affirmative statement.
- (d) Figures appearing under this section shall be consistent with the figures appearing under the section "Cost of the Project".

(7) **Project:**

If one of the objects of the issue is to fund a project, details of:

- (a) location of the project;
- (b) plant and machinery, technology, process, etc.;
- (i) Details shall be given in a tabular form, which shall include the details of the machines required to be bought by the issuer, cost of the machines, name of the suppliers, date of placement of order and the date or expected date of supply, etc.
- (ii) In case machines are yet to be delivered, the date of quotations relied upon for the cost estimates given shall also be mentioned.
- (iii) The percentage and value terms of the plant and machinery for which orders are yet to be placed shall be stated.
- (c) The details of the second hand machinery bought or proposed to be bought, if any, including the age of the machines, balance estimated life, etc. shall also be given. collaboration, performance guarantee if any, or assistance in marketing by the collaborators. The following information regarding persons or entities with whom technical and financial agreements have been entered into shall be given:
- (i) place of registration and year of incorporation.
- (ii) paid up share capital.
- (iii) turnover of the last financial year of operation.
- (iv) general information regarding such persons relevant to the issuer.
- (d) infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity, etc.

(8) **Property:**

If one of the object of the issue is to purchase any property, where arrangements have been made, details of:

- (a) names address, descriptions and occupations of the vendors;
- (b) the amount paid or payable in cash, shares or debentures to the vendor and, where there is more than one separate vendor, or the issuer is a sub purchaser, the amount so paid or payable to each vendor, specifying separately the amount, if any, paid or payable for goodwill;

- (c) nature of the title or interest in such property acquired or to be acquired by the issuer;
- (d) short particulars of every transaction relating to the property completed within the two preceding years, in which any vendor of the property to the issuer or any person who is, or was at the time of the transaction, a promoter, or a director or proposed director of the issuer had any interest, direct or indirect, specifying the date of the transaction and the name of such promoter, director or proposed director and stating the amount payable by or to such vendor, promoter, director or proposed director in respect of the transaction;
- (e) The property to which sub-clause (a) applies is a property purchased or acquired by the issuer or proposed to be purchased or acquired, which is to be paid for wholly or partly out of the proceeds of the issue or the purchase or acquisition of which has not been completed as of the date of the draft offer document or offer document, as the case may be.

(9) **Plant/ Equipment/ Technology/ Process:**

If one of the objects of the issue is to purchase any plant, machinery, technology, process, etc.

- (i) Details in a tabular form, which shall include the details of the equipment required to be bought by the issuer, cost of the equipment, name of the suppliers, date of placement of order and the date or expected date of supply, etc.
  - (ii) In case the order for the equipment is yet to be placed, the date of quotations relied upon for the cost estimates given.
  - (iii) The percentage and value terms of the equipment for which orders are yet to be placed.
  - (iv) The details of the second hand equipment bought or proposed to be bought, if any, including the age of the machines, balance estimated life, etc.
- (10) In case of a public issue of secured convertible debt instruments, description of the assets on which the security shall be created/asset cover, if required, shall be created, the basis for computation of the security cover, the valuation methods, the periodicity of such valuation and the ranking of the charge(s).
- (11) If warrants are issued, the objects for which the funds from conversions of warrants are proposed to be used.

(B) **Requirement of funds:**

- (1) Where the issuer proposes to undertake more than one activity or project, such as diversification, modernisation, expansion, etc., the total project cost activity-wise or project wise, as the case may be.
- (2) Where the issuer is implementing the project in a phased manner, the cost of each phase, including the phase, if any, which has already been implemented, shall be separately given.
- (3) Details of all material existing or anticipated transactions in relation to utilisation of the issue proceeds or project cost with promoters, promoter group, directors, key managerial personnel, and group companies. The relevant documents shall be included in the list of material documents for inspection.

(C) **Funding plan (means of finance):**

- (1) An undertaking by the issuer confirming that firm arrangements of finance have been made through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance for the project proposed to be funded from issue proceeds, excluding the amount to be raised through proposed issue and existing identifiable internal accruals.

- (2) Balance portion of the means of finance for which no firm arrangement has been made without specification.
- (3) Details of funds tied up and the avenues for deployment of excess proceeds, if any.

**(D) Appraisal:**

- (1) Scope and purpose of the appraisal, if any, along with the date of appraisal.
- (2) Cost of the project and means of finance shall be as per the appraisal report.
- (3) Explanation of revision, if any, in the project cost and the means of finance after the date of issue of the appraisal report.
- (4) Weaknesses and threats, if any, given in the appraisal report, by way of risk factors.
- (5) Disclaimer clauses of the appraisal report, as applicable.

**(E) Schedule of implementation:** Schedule of implementation of the project in a tabular form and the progress made so far, giving details of land acquisition, civil works, installation of plant and machinery, trial production, date of commercial production and reasons for delay, if any.

**(F) Deployment of Funds:**

- (1) Details of the sources of funds and the deployment of these funds on the project (where the issuer is raising capital for a project), up to a date not earlier than two months from the date of filing of the offer document, as certified by a statutory auditor of the issuer and the date of the certificate.
- (2) Where the promoters' contribution has been brought prior to the public issue, which is utilised towards means of finance for the stated objects and has already been deployed by the issuer, a cash flow statement from the statutory auditor, disclosing the use of such funds received as promoters' contribution.

**(G) Sources of Financing of Funds Already Deployed:** Means and source of financing, including details of bridge loan or other financial arrangement, which may be repaid from the proceeds of the issue.

**(H) Deployment of Balance Funds:** Year-wise break-up of the expenditure proposed to be incurred on the project.

**(I) Interim Use of Funds:** A statement that net issue proceeds pending utilization (for the stated objects) shall be deposited only in the scheduled commercial banks.

**(J) Expenses of the Issue:** Expenses of the issue along with a break up for each item of expense, including details of the fees payable to separately as under (in terms of amount, as a percentage of total issue expenses and as a percentage of total issue size):

- (1) Lead manager(s) fees including underwriting commission
- (2) Brokerage, selling commission and upload fees
- (3) Registrars to the issue
- (4) Legal Advisors
- (5) Advertising and marketing expenses
- (6) Regulators including stock exchanges
- (7) Printing and distribution of issue stationary
- (8) Others, if any (to be specified).

**(K) Basis for Issue Price:**

- (1) The basis for issue price, floor price or price band, as the case may be, on a consolidated basis, after giving effect to any bonus or split of shares undertaken after the last balance sheet date:



- (a) Earnings Per Share and Diluted Earnings Per Share, pre-issue, for the last three years (as adjusted for changes in capital).
- (b) Price to Earnings ratio pre-issue.
- (c) Average Return on Net Worth in the last three years.
- (d) Net Asset Value per share based on the last balance sheet.
- (e) Net Asset Value per share after the issue and comparison thereof with the issue price.
- (f) An illustrative format of disclosure in respect of the basis for issue price is given hereunder:

(1)	<b>Adjusted Earnings Per Share (EPS) and Adjusted Diluted EPS</b>	
	(a) Financial Year 1	₹ 0.41
	(b) Financial Year 2	₹ 8.39
	(c) Financial Year 3	₹ 13.82
	(d) Weighted Average	₹ 10.94
(2)	<b>Price to Earnings Ratio (P/E) in relation to Issue Price</b>	
	(a) Based on Financial Year 3 EPS	37.63
	(b) Industry P/E	
	(i) Highest	61.2
	(ii) Lowest	0.8
	(iii) Average	25.3
	(*Indicate relevant source)	
(3)	<b>Return on Net Worth</b>	
	(a) Financial Year 1	27.36 per cent.
	(b) Financial Year 2	28.77 per cent.
	(c) Financial Year 3	33.45 per cent.
	(d) Weighted Average	30.88 per cent.
(4)	<b>Net Asset Value</b>	
	(a) As at last day of Financial Year 3	₹ 46.40
	(b) After issue	₹ 94.29
	(c) Issue price	₹ 520.00

\* Formula or basis for calculation of these financial ratios to also be disclosed.

- (g) Comparison of accounting ratios of the issuer as mentioned in items (a) to (f) above with the industry average and with the accounting ratios of the peer group (i.e. companies of comparable size in the same industry), indicating the source from which industry average and accounting ratios of the peer group has been taken. In this regard, the following shall be ensured:

- Consistency in comparison of financial ratios of issuer with companies in the peer group, i.e., ratios on consolidated basis (wherever applicable) of issuer shall be compared with ratios on consolidated basis (wherever applicable) of peer group, respectively.

Financial information relating to companies in the peer group shall be extracted from the regulatory filings made by such companies to compute the corresponding financial ratios.

- (h) The fact of dilution of financial ratios consequent upon issue of bonus shares, if any, and justification of the issue price after taking into account the diluted ratios with reference to the expanded capital.
  - (i) The following statement in case of a book built issue :  
"The price band/floor price/issue price has been determined by the issuer in consultation with the lead manager(s), on the basis of book-building."
  - (j) The following statement In case of a fixed price issue :  
"The issue price has been determined by the issuer in consultation with the lead manager(s) and justified by the issuer in consultation with the lead manager(s) on the basis of the above information."
  - (k) Accounting ratios in support of basis of the issue price shall be calculated after giving effect to the consequent increase in capital on account of compulsory conversions outstanding, as well as on the assumption that the options outstanding, if any, to subscribe for additional capital will be exercised.
- (2) Issue of debt instruments bearing interest less than the bank rate: Whenever fully convertible debt instruments are issued bearing interest at a rate less than the bank rate, disclosures about the price that would work out to the investor, taking into account the notional interest loss on the investment from the date of allotment of fully convertible debt instruments to the date(s) of conversions).
- (L) **Tax Benefits:** Any special tax benefits (under direct and indirect tax laws) for the issuer and its shareholders and its material subsidiaries identified in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
- (10) **About the Issuer:**
- (A) **Industry Overview**
  - (B) **Business Overview**
    - (1) **Details of the business of the issuer:**
      - (a) Primary business of the Issuer;
      - (b) Plant, machinery, technology, process, etc.
      - (c) Description of subsisting collaborations,, any performance guarantee or assistance in marketing by the collaborators, infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity, etc.
      - (d) Products or services of the issuer:
        - (i) Nature of the product(s)/services, and the end users.
        - (ii) Approach to marketing of products and services
    - (2) **Business Strategy:** Description of the business strategy of the issuer, without any forecast of projections relating to the financial performance of the issuer :
    - (3) **Capacity and Capacity Utilisation:** A table shall be incorporated giving the existing installed capacities for each product, capacity utilisation for such products in the previous three years.

**(4) Intellectual Property Rights:**

- (a) If the issuer is entitled to certain intellectual property rights such as trademarks, brand names, etc. whether the same are legally held by the issuer and whether all formalities in this regard have been complied with.
- (b) In case any of the material intellectual property rights are not registered in the name of the issuer, the name of the entity with which these are registered.
- (c) In case the intellectual property rights are registered in the name of an entity in which the promoters are interested, the salient features of the agreement entered into for the use of the intellectual property rights by the issuer.

**(5) Property:** Details of its material properties**(C) Key Industry-Regulations (if applicable):****(D) History and Corporate Structure of the issuer:****(1)** History including the following details:

- (a) Details of the issuer such as the date of incorporation, date of commencement of business, date of conversion of partnership into limited company or private limited company to public limited company, as applicable, dates on which names have been changed, if applicable, reasons for change of name, changes in registered offices of the issuer and reasons thereof.
- (b) Details of the major events in the history of the issuer, such as:
  - (i) Significant financial or strategic partnerships
  - (ii) Time/cost overrun in setting up projects
  - (iii) Capacity/facility creation, location of plants
  - (iv) launch of key products or services, entry in new geographies or exit from existing markets
  - (v) Key awards, accreditations or recognition
  - (vi) Defaults or rescheduling/ restructuring of borrowings with financial institutions/ banks
- (c) Details regarding material acquisitions or divestments of business/undertakings, mergers, amalgamation, any revaluation of assets etc., if any, in the last ten years.

**(2)** Main objects as set out in the Memorandum of Association of the issuer and dates on which the Memorandum of Association of the issuer has been amended citing the details of such amendments in the last ten years**(3)** Details regarding holding company, subsidiary/subsidiaries and joint venture(s), if applicable, of the issuer including:

- (a) Name of the holding company/subsidiary/joint venture;
- (b) nature of business;
- (c) capital structure;
- (d) shareholding of the issuer;
- (e) amount of accumulated profits or losses of the subsidiary(ies) not accounted for by the issuer.

**(E) Shareholders' agreements and other agreements:**

- (a) Key terms of all subsisting shareholders' agreements, if any (to be provided even if the issuer is not a party to such an agreement, but is aware of such an agreement).

- (b) Any agreement entered into by a key managerial personnel or director or promoter or any other employee of the issuer, either by themselves or on behalf of any other person, with any shareholder or any other third party with regard to compensation or profit sharing in connection with dealings in the securities of the issuer.
- (c) Guarantees, if any, given to third parties by the promoter offering its shares in the proposed offer for sale, stating reasons, amount, obligations on the issuer, period of guarantee, financial implications in case of default, security available, consideration etc.
- (d) Key terms, dates, parties to and general nature of any other subsisting material agreements including with strategic partners, joint venture partners and/or financial partners, entered into, other than in the ordinary course of business of the issuer.
- (e) All such shareholders' agreements and other agreements shall be included in the list of material contracts as required under sub-item (1) of Item (17).

**(F) Management:**

**(a) Board of Directors:**

- (i) Name, Director Identification Number, date of birth, age, qualifications, experience, address, occupation and date of expiration of the current term of office of manager, managing director, and other directors (including nominee directors and, whole-time directors), period of directorship, and their directorships in other companies.
- (ii) For each person, details of current and past directorship(s) in listed companies whose shares have been/were suspended from being traded on any of the stock exchanges, during his/her tenure, as follows:
  - (a) Name of the Company:
  - (b) Listed on (give names of the stock exchange(s)):
  - (c) Date of suspension on the stock exchanges:
  - (d) If trading suspended for more than three months, reasons for suspension and period of suspension.
  - (e) If the suspension of trading revoked, the date of revocation of suspension.
  - (f) Term (along with relevant dates) of the director in the above company(ies).

(The above details shall be given for the preceding five years. In case of fast track issues filed under the provisions of these regulations, the period of five years shall be reckoned on the date of filing of the offer document.)
- (iii) For each person, details of current and past directorship(s) in listed companies which have been/were delisted from the stock exchange(s), during his/her tenure, as follows:
  - Name of the Company:
  - Listed on [give name of the stock exchange(s)]:
  - Date of delisting on the stock exchange(s):
  - Compulsory or voluntary delisting:
  - Reasons for delisting:
  - If relisted, date of relisting on [give name of the stock exchange(s)]
  - Term (along with relevant dates) of the director in the above company/companies.
- (iv) Nature of any family relationship between any of the directors or any of the directors and key managerial personnel.

- (v) Any arrangement or understanding with major shareholders, customers, suppliers or others, pursuant to which of the directors was selected as a director or member of senior management.
- (vi) Details of service contracts entered into by the directors with the issuer providing for benefits upon termination of employment and a distinct negative statement in the absence of any such contract.
- (vii) Details of borrowing powers.
- (b) **Compensation of Managing Directors and/or Whole-time Directors:**
  - (i) The dates, parties to, and general nature of every contract appointing or fixing the remuneration of a Director, Whole-time Director, Managing Director or Manager entered into in the preceding two years. During the last financial year, the amount of compensation paid, and benefits in kind granted on an individual basis to all such persons, by the issuer for services in all capacities to the issuer and remuneration paid or payable by subsidiary or associate company (as defined under the Companies Act, 2013). The disclosure shall also cover contingent or deferred compensation accrued for the year, even if the compensation is payable at a later date.
  - (ii) If any portion of the compensation was paid pursuant to a bonus or profit-sharing plan, a brief description of the plan and the basis upon which the directors participate in the plan.
  - (iii) All such contracts shall be included in the list of material contracts required under sub-item (1) of Item (17).
- (c) **Shareholding** of directors, including details of qualification shares held by them, if applicable.
- (d) **Interest of Directors:**
  - i) Nature and extent of interest, if any, of every director in the issuer, including in any property acquired or proposed to be acquired of the issuer or by the issuer or in the promotion or formation of the issuer.
  - ii) Where the interest of such a director consists in being a member of a firm or company, the nature and extent of the interest of the firm or company, with a statement of all sums paid or agreed to be paid to him or to the firm or company in cash or shares or otherwise by any person either to induce him to become, or to qualify him as, a director, or otherwise for services rendered by him or by the firm or company, in connection with the promotion or formation of the issuer shall be disclosed.
- (e) Change, if any, in the directors during the last three years, and reasons, thereof.
- (f) Management Organisation Structure.
- (g) **Corporate Governance:**
  - (i) A statement that the issuer has complied with the requirements of corporate governance relating to the composition of its board of directors, constitution of committees such as audit committee, nomination and remuneration committee, stakeholders relationship committee, etc., as provided under Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
  - (ii) Details relating to the issuer's audit committee, nomination and remuneration committee, stakeholders' relationship committee and risk management committee (if applicable) including the names of committee members and the terms of reference under which the committees operate.
- (h) **Key Managerial Personnel:**

- (i) Details of the key managerial personnel indicating name, date of joining, qualification, term of office with date of expiration of term and details of service contracts including termination/retirement benefits, if any, details of previous employment, etc.
- (ii) Past business experience, and functions and areas of experience in the issuer. Nature of any family relationship between any of the key managerial personnel.
- (iii) Any arrangement or understanding with its major shareholders, customers, suppliers or others, pursuant to which any of the key managerial personnel, was selected as a key managerial personnel.
- (iv) During the last financial year, the amount of compensation paid, and benefits in kind granted, to the key managerial personnel on an individual basis, by the issuer for services in all capacities to the issuer, including contingent or deferred compensation accrued for the year, even if the compensation is payable at a later date.
- (v) If any portion of the compensation or otherwise was paid pursuant to a bonus or profit-sharing plan, a brief description of the plan and the basis upon which the key managerial personnel participate in the plan.
- (vi) Status of each key managerial personnel, as a permanent employee or otherwise.
- (vii) Shareholding of each key managerial personnel in the issuer.
- (viii) Changes in the Key Managerial Personnel: Any change other than by way of retirement in the normal course in the key managerial personnel in the preceding three years.
- (ix) If the attrition of key management personnel is high compared to the industry, reasons should be disclosed.
- (x) Employees:
  - Refer the page where disclosures regarding employees stock option scheme/ employees stock purchase scheme of the issuer, if any, as required by the Regulations or Regulations of the Board relating to Employee Stock Option Scheme and Employee Stock Purchase Scheme, is given.
  - Payment or Benefit to key managerial personnel of the issuer (non-salary related): Any amount or benefit paid or given within the two preceding years or intended to be paid or given to any officer and consideration for payment of giving of the benefit.

**(G) Promoters/ principal shareholders:**

- (a) Where the promoters are individuals:
  - (i) A complete profile of all the promoters, including their name, date of birth, age, personal addresses, educational qualifications, experience in the business or employment, positions/posts held in the past, directorships held, other ventures of each promoter, special achievements, their business and financial activities, photograph, Permanent Account Number, Aadhaar card number and driving license number.
  - (ii) A declaration confirming that the Permanent Account Number, Bank Account Number(s) and Passport Number of the promoters have been submitted to the stock exchanges on which the specified securities are proposed to be listed, at the time of filing the draft offer document or draft letter of offer.
- (b) Where the promoters are companies:
  - (i) Brief history of the promoters such as date of incorporation, change in activities and present activities.

- 
- (ii) History of the companies and the promoters of the companies. Where the promoters of such companies are again companies or bodies corporate, names of natural persons in control (i.e., holding fifteen per cent. or more voting rights) or who are on the board of directors of such bodies corporate.
- (iii) Details of change in control of the promoter companies, if any, including details of the persons who held the controlling interest in the preceding three years.
- (iv) Declaration confirming that the Permanent Account Numbers, Bank Account Numbers, the Company Registration Numbers and the addresses of the Registrars of Companies where the companies are registered have been submitted to the stock exchanges on which the specified securities are proposed to be listed, at the time of filing the draft offer document or draft letter of offer with them;
- (c) Where alternative investment funds or foreign venture capital investors registered with the Board, are identified as promoters, the following shall be applicable,
- (i) Details of the Fund Manager;
- (ii) Generic details of the Fund, which is the investor in the issuer company;
- (iii) Details such as total number of investors in the Fund, distribution of investors category - wise (institutional, corporate, individual etc.) and percentage stake held by each investor category;
- (iv) Details of companies funded by the Funds, namely:-
- (a) Total number of companies funded;
  - (b) Distribution of such companies - country wise, holding period wise, sector wise;
  - (c) Number of companies under the control of the Fund, directly or indirectly;
  - (d) In respect of companies where such Funds have offered their shares for lock-in as part of minimum promoter's contribution:-
    - Name of the company
    - Date of listing on each stock exchange
    - Fund's shareholding in the company as on the date of listing
    - Fund's shareholding in the company as on the date of filing of the DRHP of the company that now seeks to get listed
- (v) Average holding period of the Fund's investments;
- (vi) Sector focus/core specialization of the Fund, if applicable.
- (d) If the present promoters are not the original promoters and control of the issuer was acquired in the preceding five years, details regarding the acquisition of control, date of acquisition, terms of acquisition, consideration paid for acquisition and compliance with the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 or the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, as applicable, and the Listing Agreement or the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as applicable.
- (e) If there is no identifiable promoter, details of the shareholders who control individually or as a group, fifteen per cent. or more of the voting rights of the issuer and of persons, if any, who have the right to appoint director(s) on the board of directors of the issuer.
- (f) If the promoters do not have experience in the proposed line of business, that fact shall be disclosed explaining how the proposed activities would be carried out/managed.

- (g) If the promoters have any interest in the issuer other than as promoters, brief details of the interest.
  - (h) Full particulars of the nature and extent of the interest, if any, of promoter(s), directors or group companies:
    - (i) in the promotion of the issuer;
    - (ii) in any property acquired by the issuer in the preceding three years or proposed to be acquired by it.
    - (iii) where the interest of such a director or promoter consists in being a member of a firm or company, the nature and extent of the interest of the firm or company, with a statement of all sums paid or agreed to be paid to such director or to the firm or company in cash or shares or otherwise by any person either to induce such person to become, or to qualify such person as a director, or otherwise for services rendered by such person or by the firm or company, in connection with the promotion or formation of the issuer.
    - (iv) in any transaction in acquisition of land, construction of building and supply of machinery, etc. with full details of the transaction and the amount involved
  - (i) **Payment or benefit to the Promoter of the Issuer:** Any amount or benefit paid or given in the preceding two years or intended to be paid or given to any promoter or promoter group and consideration for payment of giving of the benefit.
  - (j) Brief details of material guarantees, if any, given to third parties by the promoters with respect to specified securities of the issuer.
  - (k) A list of all individuals and entities forming part of the promoter group of the issuer.
  - (l) If the promoters have disassociated themselves from any of the companies or firms during the preceding three years, the reasons thereof and the circumstances leading to the disassociation together with the terms of such disassociation.
- (H) **Dividend policy:** Dividend policy and mode of payment of dividend, details of dividend paid in the last three financial years and the stub period, as applicable, and the period between last audited period and the date of the filing the draft offer document / draft letter of offer/ offer document.

(11) **Financial Statements:**

**(I) Requirements in case Indian Accounting Standards (Ind AS) is applicable in the latest period presented in Restated Financial Information**

Financial information section of the offer document will be divided into two parts, viz., restated financial information and other financial information. The restated and other financial information should be complete in all respects. To avoid duplication of disclosures in the offer document, appropriate use of cross reference may be made to the restated and other financial information.

**(A) Restated Financial information**

- (i) Consolidated Financial Statements (CFS) prepared in accordance with Ind AS for three years and the stub period (if applicable) should be audited and certified by the statutory auditor(s) who holds a valid certificate issued by the Peer Review Board of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). The stub period CFS shall be required, if Ind AS CFS for latest full financial year included in the offer document is older than six months from the date of filing of the draft offer document/offer document. The stub period should not end up to a date earlier than six months of the date of filing of the draft offer document/offer document. In accordance with Ind AS 34 *Interim Financial Reporting*, the group should present a complete Ind AS CFS for the stub period, except the issuer has been exempted from presenting comparatives for the stub period. CFS shall be prepared as per Companies Act, 2013 (as amended).



- (a) The CFS (including for the stub period if applicable) should be restated to ensure consistency of presentation, disclosures and the accounting policies for all the periods presented in line with that of the latest financial year/ stub period presented. Similarly, significant errors, non-provisions, regrouping, other adjustments, if any, should be reflected in the corresponding period. The changes in accounting policies and the correction of errors, should be disclosed in accordance with the requirements of Ind AS 8 *Accounting Policies, Changes in Accounting Estimates and Errors*. Changes in estimates, if any, need not to be restated, as they are events of that corresponding year. The issuer has an option to present comparatives for the stub period.
- (b) SA 705 *Modification to the Opinion in the Independent Auditor's Report* requires a qualified opinion, adverse opinion or disclaimer of opinion for material misstatements. With respect to an eligible issuer, audit modifications, which are quantifiable or can be estimated shall be adjusted in the restated financial information in the appropriate period. In situations where the qualification cannot be quantified or estimated, appropriate disclosures should be made in the notes to account, explaining why the qualification cannot be quantified or estimated.
- (c) A reconciliation explaining the differences between the audited CFS equity and profit (loss) and the restated CFS should be presented in a columnar format.
- (d) The auditor shall issue an examination report on the restated and audited financial information in accordance with the *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time.
- (e) Auditor should have a valid peer review certificate issued by the Peer Review Board of the ICAI as on the date of signing the restated financial information. If a new auditor holding a valid peer review certificate is appointed for the stub period, and the predecessor auditor did not hold a valid peer review certificate at the date of signing the last annual financial statement, then the last annual financial statement would need to be re-audited by the new auditor in accordance with applicable standards. The re-audit may exclude audit reporting matters on CARO, internal financial control and other pure regulatory matters. Where auditor earlier held a valid peer review certificate, but did not hold a valid certificate at the date of signing the restated financial information, the earlier certificate shall be considered valid provided there is no express refusal by the peer review board to renew the certificate and the process to renew the peer review certificate was initiated by the auditor.
- (f) Where an issuer does not have a subsidiary, associate or joint venture, in any financial year, the issuer shall present separate financial statements for that financial year by following the applicable requirements of a restated CFS.
- (g) List of the related parties and all related party transactions of the consolidated entities (whether eliminated on consolidation or not), which require disclosure under Ind AS 24 and/ or covered under section 188(2) of the Companies Act, 2013 (as amended), as disclosed in the separate financial statement of the consolidated entities, should be disclosed in the restated financial information.
  - All funding arrangements including inter-se guarantees among the entities consolidated; except contribution to equity share capital, shall be disclosed. The important terms and conditions of the funding arrangement and fund transfer restrictions, if any, should be disclosed in the restated financial information.
- (h) In case where Ind AS is not applicable to the Company for any of the years the principles laid down in Circular No SEBI/HO/CFD/DIL/CIR/P/2016/47 of March 31, 2016 or any other relevant circular issued by the Board from time to time, shall apply.

- (ii) The separate audited financial statements for past three full financial years immediately preceding the date of filing of offer document of the issuer company and all its material subsidiaries should be made available on issuer's website in accordance with the materiality thresholds in (b) below. Alternatively, relevant link should be provided to the financial statement of subsidiaries on the Issuer's website. The link to the issuer's separate financial statement should be specified in the offer document. For this purpose, subsidiaries shall be identified based on definitions in the Companies Act, 2013. The above requirements shall apply for the periods of existence of the parent-subsidiary relationship.
- (a) a certified English translated copy of the financial statements should be made available on the Company's website for every entity consolidated whose financial statements are not presented in English.
- (b) The financial statements reported in any currency other than Indian Rupee shall be translated into Indian Rupee in accordance with Ind AS 21. The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates. The financial statements of all foreign consolidated entities should be audited, unless they are not material to the CFS and the local regulation does not mandate audit. For this purpose, a consolidated entity shall be considered 'material' if it contributes 10% or more to the turnover or net-worth or profits before tax in the annual CFS of the respective year. Additionally, total unaudited information included in the in the CFS shall not exceed 20% of the turnover or net-worth or profits before tax of the CFS of the respective year. For the purpose of this clause, definition of turnover, net-worth and profits before tax should be as per Companies Act, 2013 (as amended).
- (c) The financial statements of foreign entities consolidated may be audited as per the requirements of local regulation applicable in the respective jurisdiction. However, in cases where the local regulation does not mandate audit, financial statements should be audited as per the auditing standards/ requirements applicable in India.
- (d) The financial statements of foreign subsidiaries may be acceptable in a GAAP other than Ind AS, if local laws require application of local GAAP.

**(B) Other Financial Information**

- (i) The following information shall be computed as per the *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time and disclosed in other financial information
- Earnings per share (Basic and Diluted)
  - Return on net worth
  - Net Asset Value per share
  - EBITDA
- (ii) If the proceeds, fully or partly, directly or indirectly, is to be used for acquisition of one or more material businesses or entities, the audited statements of balance sheets, profit and loss, cash flow for the latest three financial years and stub period (if available) prepared as per framework applicable to the business or subsidiary proposed to be acquired shall be included in the draft offer document/offer document. For this purpose, the proposed acquisition (covering all businesses or subsidiaries proposed to be acquired) shall be considered material if it will make 20% or more contribution in aggregate to either turnover, or net worth or profit before tax in the latest annual CFS. The issuer may voluntarily choose to provide financial statements of above acquisitions out of the proceeds of the issue even if they are below the above materiality threshold. In cases where the general purpose financial statement of the businesses/entities to be acquired/divested are not available, combined/carved-out financial

statements for that business/entity shall be prepared in accordance with *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time. The combined/carved-out financials statements shall be audited by the auditor of the seller in accordance with applicable framework.

- (iii) Proforma financial statements – The Issuer shall provide Proforma financial statements, as certified by the statutory auditor, of all the subsidiaries or businesses material to the consolidated financial statements where the issuer or its subsidiaries have made an acquisition or divestment including deemed disposal after the latest period for which financial information is disclosed in the offer document but before the date of filing of the offer document. For this purpose, the acquisition/divestment would be considered as material if acquired/ divested business or subsidiary in aggregate contributes 20% or more to turnover, net worth or profit before tax in the latest annual CFS of the issuer. The Proforma financial statements shall be prepared for the last completed financial year and the stub period (if any). The Proforma financial statements shall be prepared in accordance with *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time and certified by the statutory auditor. The issuer Company may voluntarily choose to provide proforma financial statements of acquisitions even when they are below the above materiality threshold. In case of one or more acquisitions or divestments, one combined set of Proforma financial statements should be presented. Where the businesses acquired/ divested does not represent a separate entity, general purpose financial statement may not be available for such business. In such cases, combined/ carved-out financial statements for such businesses shall be prepared in accordance with *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time.. Further, in case of non-material acquisitions/divestments disclosures in relation to the fact of the acquisition/divestment, consideration paid/received and mode of financing shall be certified by the statutory auditor of the issuer company .

(C) Management's Discussion and Analysis of Financial Position and Results of Operations as reflected in the restated Ind AS CFS shall be provided in other financial information.

- (i) Significant developments subsequent to the last financial year or when applicable subsequent to the stub period: A statement by the directors whether in their opinion there have arisen any circumstances since the date of the last financial statements as disclosed in the offer document and which materially and adversely affect or is likely to affect within the next twelve months:

- a. the trading or profitability of the issuer; or
- b. the value of its assets; or
- c. its ability to pay its liabilities.

- (ii) Factors that may affect the results of operations.

(iii) Discussion on the results of operations: This information shall inter-alia contain the following:

- a. A summary of the past financial results after adjustments as given in the restated financial statements for the past three full financial years and the stub period (if any) containing significant items of income and expenditure shall be given.
- b. A summary of major items of income and expenditure for the last three years and most recent audit period.
- c. The income and sales on account of major product/ main activities.
- d. In case, the other income constitutes more than 10% of the total income, the break-up of the same along with the nature of the income, i.e., recurring or non-recurring shall be stated.
- e. If a material part of the income is dependent upon a single customer/supplier or a few major customers/suppliers, disclosure of this fact along with relevant data. Similarly if any foreign customer/supplier constitutes a significant portion of the

- issuer's business, disclosure of the fact along with its impact on the business on account of exchange rate fluctuations.
- f. In case the issuer has deviated from applicable accounting standards for recording sales and revenues, its impact may be analysed and disclosed.
  - g. The nature of miscellaneous income and miscellaneous expenditure for the interim period and the preceding years
- (iv) Comparison of last three years and the stub period on the major heads of the profit and loss statement, including an analysis of reasons for the changes in significant items of income and expenditure shall also be given, *inter-alia*, containing the following:
- a. unusual or infrequent events or transactions including unusual trends on account of business activity, unusual items of income, change of accounting policies and discretionary reduction of expenses etc.
  - b. significant economic changes that materially affected or are likely to affect income from continuing operations;
  - c. known trends or uncertainties that have had or are expected to have a material adverse impact on sales, revenue or income from continuing operations;
  - d. expected future changes in relationship between costs and revenues, in case of events such as future increase in labour or material costs or prices that will cause a material change are known;
  - e. the extent to which material increases in net sales or revenue are due to increased sales volume, introduction of new products or services or increased sales prices;
  - f. total turnover of each major industry segment in which the issuer operated;
  - g. status of any publicly announced new products or business segment, if applicable;
  - h. the extent to which business is seasonal;
  - i. any significant dependence on a single or few suppliers or customers;
  - j. competitive conditions.
- (v) 'Management's Discussion and Analysis shall be based on the restated financial information for the last three years and the stub period.

(D) Capitalisation statement

- (i) Capitalisation Statement showing total borrowings, total equity, and the borrowing/ equity ratios before and after the issue is made shall be incorporated. It shall be prepared on the basis of the restated CFS for the latest financial year or when applicable at the end of the stub period.
- (ii) In case of any change in the share capital since the date as of which the financial information has been disclosed in the offer document, a note explaining the nature of the change shall be given.
- (iii) An illustrative format of the Capitalisation Statement is specified hereunder

Particulars	Pre-issue at	As adjusted for the proposed issue
(₹ in crores)		
<b>Total borrowings</b>		
Current borrowings*		

Non-current borrowings (including current maturity)*		
<b>Total equity</b>		
Equity share capital*		
Other equity*		
<b>Total Capital</b>		
Ratio: Non-current borrowings/ Total equity		

\*These terms shall carry the meaning as per Schedule III of the Companies Act, 2013 (as amended).

## **(II) Requirements in case Indian GAAP is applicable in the latest period presented in Restated Financial Information**

Financial information section of the offer document shall be divided into two parts, viz., restated financial information and other financial information. The restated and other financial information should be complete in all respects. To avoid duplication of disclosures in the offer document, appropriate use of cross reference may be made to the restated and other financial information.

### **(A) Restated Financial information**

- (i) Consolidated Financial Statements (CFS) prepared in accordance with Indian GAAP for three years and stub period (if applicable) should be audited and certified by the statutory auditor(s) who holds a valid certificate issued by the Peer Review Board of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). The stub period CFS shall be required, if Indian GAAP CFS for latest full financial year included in the draft offer document/offer document is older than six months old from the date of filing of the draft offer document/offer document. The stub period should not end up to a date earlier than six months of the date of filing of the offer document. In accordance with AS 25 *Interim Financial Reporting*, the group should present a complete Indian GAAP CFS for the stub period, except the issuer has been exempted from presenting comparatives for the stub period. CFS shall be prepared as per the provisions of Companies Act, 2013 (as amended).
  - (a) The CFS (including for the stub period if applicable) should be restated to ensure consistency of presentation, disclosures and the accounting policies for all the periods presented in line with that of the latest financial year/stub period presented. Similarly, significant errors, non-provisions, regrouping, other adjustments, if any, should be reflected in the corresponding period. Changes in estimates, if any, need not to be restated, as they are events of that corresponding year. The issuer has an option to present comparatives for the stub period. Appropriate disclosures for correction of errors, changes in accounting policies and changes in accounting estimates should be made in accordance with AS 5 *Net Profit or Loss for the Period, Prior Period Items and Changes in Accounting Policies*.
  - (b) SA 705 *Modification to the Opinion in the Independent Auditor's Report* requires a qualified opinion, adverse opinion or disclaimer of opinion for material misstatements. With respect to an eligible issuer, audit modifications, which are quantifiable or can be

estimated shall be adjusted in the restated financial information in the appropriate period. In situations where the qualification cannot be quantified or estimated, appropriate disclosures should be made, in the notes to account, explaining why the qualification cannot be quantified or estimated.

- (c) A reconciliation explaining the difference between the audited CFS equity and profit (loss) and the restated CFS equity and profit (loss) should be presented in a columnar format.
- (d) The auditor shall issue an examination report on the restated and audited financial information in accordance with the *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time.
- (e) Auditor should have a valid peer review certificate issued by the Peer Review Board of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) as on the date of signing the restated financial information. If a new auditor holding a valid peer review certificate is appointed for the stub period, and the predecessor auditor did not hold a valid peer review certificate at the date of signing the last annual financial statement, then the last annual financial statement would need to be re-audited by the new auditor in accordance with applicable standards. The re-audit may exclude audit reporting matters on CARO, Internal financial control and other pure regulatory matters. Where auditor earlier held a valid peer review certificate, but did not hold a valid certificate at the date of signing the restated financial information, the earlier certificate shall be considered valid provided there is no express refusal by the peer review board to renew the certificate and the process to renew the peer review certificate was initiated by the auditor.
- (f) Where an issuer does not have a subsidiary, associate or joint venture in any financial year, the issuer shall present separate financial statements for that financial year by following the applicable requirements of a restated CFS.
- (g) List of the related parties and all related party transactions of the consolidated entities (whether eliminated on consolidation or not), which require disclosure under AS 18 and/or covered under section 188(2) of the Companies Act, 2013 (as amended), as disclosed in the separate financial statement of the consolidated entities, should be disclosed in the restated financial information.
  - All funding arrangements including inter-se guarantees among the entities consolidated; except contribution to equity share capital, shall be disclosed. The important terms and conditions of the funding arrangement and fund transfer restrictions, if any, should be disclosed in the restated financial information.
- (h) The following disclosures shall be made in the restated financial information on the basis of amounts recognized and measured as per Indian GAAP and in accordance with the Guidance Note of the ICAI issued from time to time:
  - i. Disclosures as per AS 13
  - ii. Disclosures as per AS 14
- (ii) The separate audited financial statements for past three full financial years immediately preceding the date of filing of offer document of the issuer company and all its material subsidiaries should be made available on issuer's website in accordance with the materiality thresholds in (b) below. Alternatively, relevant link should be provided to the financial statement of subsidiaries on the Issuer's website. The link to the issuer's separate financial statement should be specified in the offer document. For this purpose, subsidiaries shall be identified based on definitions in the Companies Act, 2013. The above requirements shall apply for the periods of existence of the parent-subsidiary relationship.

- (a) a certified English translated copy of the financial statements should be made available on the Company's website for every entity consolidated whose financial statements are not presented in English.
- (b) The financial statements reported in any currency other than Indian Rupee shall be translated into Indian Rupee in accordance with Ind AS 21 *The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates*. The financial statements of all foreign consolidated entities should be audited, unless they are not material to the CFS and the local regulation does not mandate audit. For this purpose, a consolidated entity shall be considered 'material' if it contributes 10% or more to the turnover or net-worth or profits before tax in the annual CFS of the respective year. Additionally, total unaudited CFS shall not exceed 20% of the turnover or net-worth or profits before tax of the CFS of the respective year. For the purpose of this clause, definition of turnover, net-worth and profits before tax should be as per Companies Act, 2013 (as amended).
- (c) The financial statements of foreign entities consolidated may be audited as per the requirements of local regulation applicable in the respective jurisdiction. However, in cases where the local regulation does not mandate audit, financial statements should be audited as per the auditing standards/ requirements applicable in India.
- (d) The financial statements of foreign subsidiaries may be acceptable in a GAAP other than Indian GAAP, if local laws require application of local GAAP.

**(B) Other Financial Information**

- (i) The following information shall be computed as per the *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time and disclosed in other financial information
  - Earnings per share (Basic and Diluted)
  - Return on net worth
  - Net Asset Value per share
  - EBITDA
- (ii) If the proceeds, fully or partly, directly or indirectly, is to be used for acquisition of one or more material businesses or entities, the audited statements of balance sheets, profit and loss, cash flow for the latest three financial years and stub period (if available) prepared as per framework applicable to the business or subsidiary proposed to be acquired shall be included in the draft offer document/offer document. For this purpose, the proposed acquisition (covering all businesses or subsidiaries proposed to be acquired) shall be considered material if it will make 20% or more contribution in aggregate to either turnover, or net worth or profit before tax in the latest annual CFS. The issuer Company may voluntarily choose to provide financial statements of above acquisitions out of the proceeds of the issue even if they are below the above materiality threshold. In cases where the general purpose financial statement of the businesses/entities to be acquired/ divested are not available, combined/ carved-out financial statements for that business/entity shall be prepared in accordance with *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time. The combined/carved-out financials statements shall be audited by the auditor of the seller in accordance with applicable framework.
- (iii) Proforma financial statements – The Issuer shall provide Proforma financial statements, as certified by the statutory auditor, of all the subsidiaries or businesses material to the consolidated financial statements where the issuer or its subsidiaries have made an acquisition or divestment including deemed disposal after the latest period for which financial information is disclosed in the offer document but before the date of filing of the offer document. For this purpose, the acquisition/divestment would be considered as material if acquired/ divested business or subsidiary in aggregate contributes 20% or more to turnover, net worth or profit

before tax in the latest annual CFS of the issuer. The Proforma financial statements shall be prepared for the period covering last completed financial year and the stub period (if any). The Proforma financial statements shall be prepared in accordance with Guidance Note issued by the ICAI from time to time and certified by the statutory auditor. The issuer Company may voluntarily choose to provide proforma financial statements of acquisitions even when they are below the above materiality threshold. In case of one or more acquisitions or divestments, one combined set of Proforma financial statements should be presented. Where the businesses acquired/ divested does not represent a separate entity, general purpose financial statement may not be available for such business. In such cases, combined/ carved-out financial statements for such businesses shall be prepared in accordance with *Guidance Note* issued by the ICAI from time to time. Further, in case of non-material acquisitions/divestments disclosures in relation to the fact of the acquisition/divestment, consideration paid/received and mode of financing shall be certified by the statutory auditor of the issuer company.

(C) Management's Discussion and Analysis of Financial Position and Results of Operations as reflected in the restated Indian GAAP CFS shall be provided in other financial information.

(i) Significant developments subsequent to the last financial year or when applicable subsequent to the stub period: A statement by the directors whether in their opinion there have arisen any circumstances since the date of the last financial statements as disclosed in the offer document and which materially and adversely affect or is likely to affect within the next twelve months :

- a. the trading or profitability of the issuer; or
- b. the value of its assets; or
- c. its ability to pay its liabilities.

(ii) Factors that may affect the results of operations.

(iii) Discussion on the results of operations: This information shall, inter-alia, contain the following:

- a. A summary of the past financial results after adjustments as given in the auditor's report for the past three full financial years and the stub period (if any) containing significant items of income and expenditure shall be given.
- b. A summary of major items of income and expenditure for the last three years and most recent audit period
- c. The income and sales on account of major product/ main activities.
- d. In case the other income constitutes more than 10% of the total income, the break-up of the same along with the nature of the income, i.e., recurring or non-recurring shall be stated.
- e. If a material part of the income is dependent upon a single customer/supplier or a few major customers/suppliers, disclosure of this fact along with relevant data. Similarly if any foreign customer/supplier constitutes a significant portion of the issuer's business, disclosure of the fact along with its impact on the business on account of exchange rate fluctuations.
- f. In case the issuer has deviated from statutorily prescribed manner for recording sales and revenues, its impact may be analysed and disclosed.
- g. The nature of miscellaneous income and miscellaneous expenditure for the interim period and the preceding years, if applicable.

(iv) Comparison of last three years and the stub period on the major heads of the profit and loss statement, including an analysis of reasons for the changes in significant items of income and expenditure shall also be given, inter-alia, containing the following:



- a. unusual or infrequent events or transactions including unusual trends on account of business activity, unusual items of income, change of accounting policies and discretionary reduction of expenses etc.
  - b. significant economic changes that materially affected or are likely to affect income from continuing operations;
  - c. known trends or uncertainties that have had or are expected to have a material adverse impact on sales, revenue or income from continuing operations;
  - d. expected future changes in relationship between costs and revenues, in case of events such as future increase in labour or material costs or prices that will cause a material change are known;
  - e. the extent to which material increases in net sales or revenue are due to increased sales volume, introduction of new products or services or increased sales prices;
  - f. total turnover of each major industry segment in which the issuer operated;
  - g. status of any publicly announced new products or business segment;
  - h. the extent to which business is seasonal;
  - i. any significant dependence on a single or few suppliers or customers;
  - j. competitive conditions.
- (v) Management's Discussion and Analysis shall be based on the restated financial information for the last three years and the stub period.

(D) Capitalisation statement

- (i) Capitalisation Statement showing total borrowings, total equity, and the borrowing/ equity ratios before and after the issue is made shall be incorporated. It shall be prepared on the basis of the restated CFS for the latest financial year or when applicable at the end of the stub period.
- (ii) In case of any change in the share capital since the date as of which the financial information has been disclosed in the offer document, a note explaining the nature of the change shall be given.
- (iii) An illustrative format of the Capitalisation Statement is specified hereunder

Particulars	Pre-issue at	As adjusted for the proposed issue
(₹ in Crores)		
<b>Total borrowings</b>		
Short term borrowings*		
Long term borrowings (including current maturity)*		
<b>Total equity</b>		
Share capital*		
Reserves and surplus*		
Money received against share warrants*		

<b>Total Capital</b>		
Ratio: Long term borrowings/ Total equity		

*\*These terms shall carry the meaning as per Schedule III of the Companies Act, 2013 (as amended).*

**(III) Financial Information of the Issuer in further public offers:**

- (i) An issuer making a further public offer may disclose the financial information specified in clause (ii) of this sub-item, in lieu of information specified under sub-item (B) if:
  - a. the issuer is making a further public offer through the fast track route in accordance with applicable provisions of these regulations;
  - b. the specified securities offered in further public offer are of the same class of those already listed on a stock exchange;
  - c. financial reports of the issuer are available on the website of any stock exchange or on a common e-filing platform specified by the Board;
  - d. there has not been any change in management of the issuer;
  - e. specified securities of issuer have not been listed pursuant to relaxation granted from clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.
- (ii) The issuer satisfying the conditions specified in clause (i) may disclose consolidated financial statements as disclosed under Companies Act, 2013.
- (iii) A report by the auditors of the issuer on a limited review of the profit or loss and assets and liabilities (indicating changes in accounting policies, if any), as at a date not earlier than six months prior to the date of the opening of the issue, where audited accounts as at such date are not available. For this purpose, it shall be sufficient if:
  - a. In the statement of the assets and liabilities, the main heads of assets and liabilities as provided in Part I of Schedule III of the Companies Act, 2013 have been provided. If an issuer is governed by a statute other than the Companies Act, 2013, the main heads of assets and liabilities as specified in such statute shall be provided in the statement of assets and liabilities.
  - b. In the statement of profit or loss, the information required to be disclosed under the heads of income and expenditure as per Regulation 33 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 in respect of quarterly financial information to be filed with the stock exchanges, has been provided.
- (iv) Material changes and commitments, if any, affecting financial position of the issuer.
- (v) Week-end prices for the last four weeks; current market price; and highest and lowest prices of equity shares during the period with the relative dates. If the equity shares of the issuer are listed on more than one stock exchange, the above information shall be provided for each stock exchange separately.
- (vi) Stock market quotation of shares/ convertible instruments of the company (high/ low price in each of the last three years and monthly high/low price during the last six months). If the equity shares of the issuer are listed on more than one stock exchange, the above information shall be provided for each stock exchange separately.
- (vii) Accounting and other ratios: The following accounting ratios for each of the accounting periods for which financial information is given:
  - Earnings per share (Basic and Diluted)
  - Return on net worth

- Net Asset Value per share
- EBITDA

## (viii) Capitalisation Statement:

- a. A Capitalisation Statement showing total debt, net worth, and the debt/ equity ratios before and after the issue is made.
- b. In case of any change in the share capital since the date as of which the financial information has been disclosed in the prospectus, a note explaining the nature of the change.
- c. An illustrative format of the Capitalisation Statement is specified hereunder:

Particulars	Pre-issue at	As adjusted for the proposed issue
(₹ in Crores)		
<b>Total borrowings</b>		
Current borrowings*		
Non-current borrowings (including current maturity)*		
<b>Total equity</b>		
Share capital*		
Reserves and surplus*		
Money received against share warrants*		
<b>Total Capital</b>		
Ratio: Non-current borrowings/ Total equity		

\*These terms shall carry the meaning as per Schedule III of the Companies Act, 2013 (as amended).

- (ix) Management's Discussion and Analysis of Financial Position and Results of Operations as reflected in the restated Indian GAAP CFS shall be provided in other financial information.
- (x) Overview of the business of the issuer.
- (xi) Significant developments subsequent to the last financial year or when applicable subsequent to the stub period: A statement by the directors whether in their opinion there have arisen any circumstances since the date of the last financial statements as disclosed in the offer document and which materially and adversely affect or is likely to affect within the next twelve months :
  - a. the trading or profitability of the issuer; or
  - b. the value of its assets; or
  - c. its ability to pay its liabilities.
- (xii) Factors that may affect the results of operations.

- (xiii) Discussion on the results of operations: This information shall, inter-alia, contain the following:
- a. A summary of the past financial results after adjustments as given in the auditor's report for the past three full financial years and the stub period (if any) containing significant items of income and expenditure shall be given.
  - b. A summary of major items of income and expenditure for the last three years and most recent audit period
  - c. The income and sales on account of major product/ main activities.
  - d. In case the other income constitutes more than 10% of the total income, the break-up of the same along with the nature of the income, i.e., recurring or non-recurring shall be stated.
  - e. If a material part of the income is dependent upon a single customer/supplier or a few major customers/suppliers, disclosure of this fact along with relevant data. Similarly if any foreign customer/supplier constitutes a significant portion of the issuer's business, disclosure of the fact along with its impact on the business on account of exchange rate fluctuations.
  - f. In case the issuer has deviated from statutorily prescribed manner for recording sales and revenues, its impact may be analysed and disclosed.
  - g. The nature of miscellaneous income and miscellaneous expenditure for the interim period and the preceding years, if applicable.
- (xiv) Comparison of last three years and the stub period on the major heads of the profit and loss statement, including an analysis of reasons for the changes in significant items of income and expenditure shall also be given, inter-alia, containing the following:
- a. unusual or infrequent events or transactions including unusual trends on account of business activity, unusual items of income, change of accounting policies and discretionary reduction of expenses etc.
  - b. significant economic changes that materially affected or are likely to affect income from continuing operations;
  - c. known trends or uncertainties that have had or are expected to have a material adverse impact on sales, revenue or income from continuing operations;
  - d. expected future changes in relationship between costs and revenues, in case of events such as future increase in labour or material costs or prices that will cause a material change are known;
  - e. the extent to which material increases in net sales or revenue are due to increased sales volume, introduction of new products or services or increased sales prices;
  - f. total turnover of each major industry segment in which the issuer operated;
  - g. status of any publicly announced new products or business segment;
  - h. the extent to which business is seasonal;
  - i. any significant dependence on a single or few suppliers or customers;
  - j. competitive conditions.

**(12) Legal and Other Information:**

**(A) Outstanding Litigations and Material Developments:**

- (1) Pending Litigations involving the issuer/ its directors/ promoters/ subsidiaries:
- (i) All criminal proceedings;

- (ii) All actions by regulatory authorities and statutory authorities;
- (iii) Disciplinary action including penalty imposed by SEBI or stock exchanges against the promoters in the last five financial years including outstanding action;
- (iv) Claims related to direct and indirect taxes, in a consolidated manner, giving the number of cases and total amount;
- (v) Other pending litigations - As per the policy of materiality defined by the board of directors of the issuer and disclosed in the offer document.

(2) Outstanding dues to creditors:

- (i) Based on the policy on materiality defined by the board of directors of the issuer, details of creditors which include the consolidated number of creditors and the aggregate amount involved
  - (ii) Consolidated information on outstanding dues to micro, small and medium enterprises and other creditors, separately giving details of number of cases and amount involved;
  - (iii) Complete details about outstanding overdues to material creditors along with the name and amount involved for each such material creditor shall be disclosed, on the website of the company with a web link thereto.
- (3) If any of the above mentioned litigations, material developments, dues to creditors etc., arise after the filing the offer document, the facts shall be incorporated appropriately in the offer document. In case there are no such cases, a distinct negative statement is required to be made in this regard in the offer document. Material developments since the date of the last balance sheet.
- (4) **Disclosures pertaining to wilful defaulters in case of a further public offer or a rights issue:** If the issuer or any of its promoter or director has been declared as a wilful defaulter, it shall make the following disclosures with respect to each such person separately:
- (a) Name of the person declared as a wilful defaulter;
  - (b) Name of the Bank declaring the person as a wilful defaulter;
  - (c) Year in which the person was declared as a wilful defaulter;
  - (d) Outstanding amount when the person was declared as a wilful defaulter;
  - (e) Steps taken, if any, by the person for removal of its name from the list of wilful defaulters;
  - (f) Other disclosures, as deemed fit by the issuer, in order to enable investors to take an informed decision;
  - (g) Any other disclosure as specified by the Board.
- (5) The fact that the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter shall be disclosed prominently on the cover page with suitable cross-referencing to the inside pages.
- (6) Disclosures specified herein shall be made in a separate chapter or section, distinctly identifiable in the Index /Table of Contents.

(B) **Government approvals:**

- (1) Investment approvals (GoI/ RBI, etc., as applicable), letter of intent or industrial license and declaration of the Central Government, Reserve Bank of India or any regulatory authority about the non-responsibility for financial soundness or correctness of the statements;

- (2) All government and other approvals which are material and necessary for carrying on the business and operations of the issuer and material subsidiaries.

**(13) Information with respect to group companies**

- (A) In case of an issuer not being a government company, statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, the following information for the last three years, based on the audited statements, in respect of all the group companies for past three years shall be given, wherever applicable, along with significant notes of auditors.
- (i) Date of Incorporation;
  - (ii) Nature of activities;
  - (iii) Equity Capital;
  - (iv) Reserves (excluding revaluation reserve);
  - (v) Sales;
  - (vi) Profit after tax;
  - (vii) Earnings per share and Diluted Earnings Per Share;
  - (viii) Net Asset Value;
  - (ix) In case of listed group companies, the highest and lowest market price of shares during the preceding six months; and
  - (x) If any of the companies has made public or rights issue in the preceding three years, the issue price of the security, the current market price.
- (B) In case there are more than five listed group companies, the financial information may be restricted to the five largest listed group companies to be determined on the basis of the market capitalization one month before the date of filing the draft offer document or in case of a fast track issue, one month before the reference date referred to in Explanation to sub-regulation (2) of regulation 99 and in Explanation to sub-regulation (2) of regulation 156. In case there are less than five listed group companies, the financial information shall be given for all the listed group companies and in addition for the largest unlisted group companies (based on turnover) so that the total number of listed and unlisted group companies for which the information is required to be given does not exceed five.
- (C) In case there are no listed group companies, the financial information shall be given for the five largest unlisted group companies based on turnover.
- (D) Any pending litigation involving the group company which has a material impact on the issuer.
- (E) Information regarding significant adverse factors related to the group companies and in particular regarding:
- (i) whether the company has become a sick company within the meaning of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1995 or is under winding up/insolvency proceedings;
  - (ii) whether the company has made a loss in the immediately preceding year and if so, the profit or loss figures for the immediately preceding three years.
- (F) Disclosure shall be made about group companies which had remained defunct and for which application was made to the Registrar of Companies for striking off the name of the company, during the five years preceding the date of filing draft offer document with the Board. The disclosure shall include reasons for the company having become defunct as also all pending litigations, if any, in respect of such companies
- (G) Common Pursuits:

- (i) In case there are common pursuits amongst the group companies/ subsidiaries/associates companies and the issuer, the reasons and justification for the same shall be spelt out and the conflict of interest situations shall be stated.
- (ii) The related business transactions within the group and their significance on the financial performance of the issuer.
- (iii) If any of the other group companies/subsidiaries/associate companies has business interests in the issuer then the amount of commercial business that the said company has /proposes to have with the issuer may be quantified. If no, a distinct negative statement may be incorporated to this effect.

**(14) Other Regulatory and Statutory Disclosures:**

- (A) Authority for the issue and details of resolution(s) passed for the issue.
- (B) A statement by the issuer that the issuer, promoters, promoter group, directors, person(s) in control of the promoter or issuer, if applicable, or selling shareholders are not prohibited from accessing the capital market or debarred from buying, selling or dealing in securities under any order or direction passed by the Board or any securities market regulator in any other jurisdiction or any other authority/court.
- (C) A confirmation that the issuer, ~~any of~~ its promoters, promoter group or selling shareholders is in compliance with the Companies (Significant Beneficial Ownership) Rules, 2018.
- (D) A confirmation whether any of the directors of the issuer are associated with the securities market in any manner, and if yes, any outstanding action against them initiated by the Board in the past five years.
- (E) Eligibility of the issuer to enter the capital market in terms of these Regulations. (Details of compliance with eligibility requirements to make a fast track issue, if applicable.)
- (F) Compliance with Part B of this Schedule, as the case may be, if applicable.
- (G) Disclaimer clauses:

- (1) The offer document shall contain the following disclaimer clause in bold capital letters:

"It is to be distinctly understood that submission of the draft offer document/draft letter of offer/offer document to the Securities and Exchange Board of India (SEBI) should not in any way be deemed or construed that the same has been cleared or approved by SEBI. SEBI does not take any responsibility either for the financial soundness of any scheme or the project for which the issue is proposed to be made or for the correctness of the statements made or opinions expressed in the draft offer document/draft letter of offer/offer document. The lead manager(s), has certified that the disclosures made in the draft offer document/draft letter of offer/offer document are generally adequate and are in conformity with the Regulations. This requirement is to facilitate investors to take an informed decision for making investment in the proposed issue.

It should also be clearly understood that while the issuer is primarily responsible for the correctness, adequacy and disclosure of all relevant information in the draft offer document/draft letter of offer/offer document, the lead manager(s) is expected to exercise due diligence to ensure that the issuer discharges its responsibility adequately in this behalf and towards this purpose, the lead manager(s) \_\_\_\_\_ has furnished to SEBI a due diligence certificate dated \_\_\_\_\_ in the format prescribed under Schedule V(A) of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, ~~2009~~ 2018.

The filing of the draft offer document/draft letter of offer/offer document does not, however, absolve the issuer from any liabilities under the Companies Act, 2013] or from

the requirement of obtaining such statutory or other clearances as may be required for the purpose of the proposed issue. SEBI further reserves the right to take up, at any point of time, with the lead manager(s) any irregularities or lapses in the draft offer document/draft letter of offer/offer document."

- (2) Disclaimer Statement from the issuer and lead manager(s): A statement to the effect that the issuer and the lead manager(s) accept no responsibility for statements made otherwise than in the draft offer document/draft letter of offer/offer document or in the advertisement or any other material issued by or at the instance of the issuer and that anyone placing reliance on any other source of information would be doing so at their own risk.
- (H) Disclaimer in respect of jurisdiction: A brief paragraph mentioning the jurisdiction under which provisions of law and the rules and regulations are applicable to the draft offer document/ draft letter of offer/ offer document.
- (I) Disclaimer clause of the stock exchanges.
- (J) Disclaimer clause of the Reserve Bank of India, the Insurance Regulatory and Development Authority of India or of any other relevant regulatory authority.
- (K) Listing: Names of the designated stock exchange and other stock exchanges to which application has been made for listing of the specified securities offered in the present issue.
- (L) Consent of the directors, auditors, solicitors or advocates, lead manager(s), registrar to the issue, bankers to the issuer and experts.
- (M) Expert opinion obtained, if any.
- (N) Previous public or rights issues, if any, during the last five years:
  - (1) Closing date.
  - (2) Date of allotment.
  - (3) Date of refunds.
  - (4) Date of listing on the stock exchange(s).
  - (5) If the issue(s) was at premium or discount, the amount thereof.
- (O) Commission or brokerage on previous issues in last five years.
- (P) Following particulars in regard to the issuer and other listed group companies/subsidiaries/associates which made any capital issue during the last three years shall be given:
  - (1) Name of the Company.
  - (2) Year of Issue.
  - (3) Type of Issue (public/rights/composite).
  - (4) Amount of issue.
  - (5) Date of closure of issue.
  - (6) Date of allotment and date of credit of securities to the demat account.
  - (7) Date of completion of the project, where object of the issue was financing the project.
  - (8) Rate of dividend paid.
- (Q) Performance vis-à-vis objects:
  - (1) Issuer:



- (a) A list of all the public/rights issues made during the preceding five years, along with the year of issue.
- (b) Details of non-achievement of objects, with quantification of shortfall and delays for such public/rights issues.
- (2) Listed Subsidiaries/Listed Promoters:
- (a) A separate paragraph entitled "Performance vis-à-vis objects - Last one public/rights issue of subsidiaries/Listed Promoters ", indicating whether all the objects mentioned in the offer document of the last one issue of each of such companies during the preceding five years were met.
- (b) If not, details of non-achievement of objects, with quantification of shortfall and delays.
- (R) Price information of past issues handled by the lead manager(s) in the format given below:

Format for Disclosure of Price Information of Past Issues Handled By Merchant Banker(s)

TABLE 1

Sr. No.	Issue Name	Issue Size (Rs. Cr.)	Issue Price (Rs.)	Listing Date	Opening Price on listing date	+/- % change in closing price, [+/- % change in closing benchmark]- 30th calendar days from listing	+/- % change in closing price, [+/- % change in closing benchmark]- 90th calendar days from listing	+/- % change in closing price, [+/- % change in closing benchmark]- 180th calendar days from listing

TABLE 2: SUMMARY STATEMENT OF DISCLOSURE

Financial Year	Total no. of IPOs	Total amount of funds raised (Rs. Cr.)	No. of IPOs trading at discount - 30th calendar days from listing			No. of IPOs trading at premium - 30th calendar days from listing			No. of IPOs trading at discount - 180th calendar days from listing			No. of IPOs trading at premium - 180th calendar days from listing		
			Over 50%	Between 25-50%	Less than 25%	Over 50%	Between 25-50%	Less than 25%	Over 50%	Between 25-50%	Less than 25%	Over 50%	Between 25-50%	Less than 25%
20...20..														
20...20..														

Note:

- Disclosures to be given for three financial years (current financial year and two financial years preceeding the current financial year)
- Disclosures are subject to maximum 10 issues (initial public offerings) managed by Merchant Banker in Table 1
- In Table 1, percentage change for benchmark indices to be provided in brackets with positive or negative sign, as applicable
- Separate table for each merchant banker responsible for pricing the Issue
- In case the 30<sup>th</sup>/60<sup>th</sup>/90<sup>th</sup> calendar day is a holiday, data from previous trading day to be considered.

**(S) Stock market data for equity shares of the issuer, if listed:**

Particulars of:

- high, low and average market prices of the equity shares of the issuer during the preceding three years;
- monthly high and low prices for the six months preceding the date of filing the draft offer document with the Board which shall be updated till the time of registering the offer document with the Registrar of Companies;
- number of shares traded on the days when high and low prices were recorded in the relevant stock exchange(s) during the said period of (a) and (b) above and indicating the

total number of days of trading during the preceding six months and the average volume of equity shares traded during that period and a statement if the equity shares were not actively traded;

- (4) stock market data referred to above shall be shown separately for periods marked by a change in capital structure, with such period commencing from the date the relevant stock exchange recognises the change in the capital structure (e.g. when the shares have become ex-rights or ex-bonus);
- (5) market price of equity shares immediately after the date on which the resolution of the board of directors approving the issue;
- (6) volume of securities traded in each month during the six months preceding the date on which the offer document is registered with the Registrar of Companies; and
- (7) volume of shares traded along with high, low and average prices of shares of the issuer shall also be stated for respective periods.

**Explanation:** If the equity shares of the issuer are listed on more than one stock exchange, the above information shall be provided for each stock exchange separately. Average market prices in point (1) above should be calculated on closing price on the stock exchange.

(T) Mechanism evolved for redressal of investor grievances:

- (1) arrangements or mechanism evolved by the issuer for redressal of investor grievances including through SEBI Complaints Redress System (SCORES).
- (2) number of investor complaints received during the preceding three years and the number of complaints disposed off during that period.
- (3) number of investor complaints pending on the date of filing the draft offer document.
- (4) number of investor complaints pending on the date of filing the draft offer document in respect of the five largest (in terms of market capitalization) listed group companies.
- (5) time normally taken by the issuer for disposal of various types of investor grievances.
- (6) Disclosures prescribed under sub-clauses (2) to (5) shall also be made in regard to the listed subsidiaries.

(15) **Offering Information:**

(A) **Terms of the Issue:**

- (a) Statement that the shares issued in the issue shall be pari passu with the existing shares in all respects including dividends.
- (b) Statement that in the case of offer for sale, the dividend for the entire year shall be payable to the transferees.
- (c) Face value and issue price/ floor price/ price band.
- (d) Rights of the instrument holders.
- (e) Market lot.
- (f) Nomination facility to investor.
- (g) Period of subscription list of the public issue.

- (h) Statement that "if, as prescribed, minimum subscription in the issue shall be 90% of the fresh issue portion" the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document (except in case of an offer for sale of specified securities) on the date of closure of the issue, or if the subscription level falls below ninety per cent. after the closure of issue on account of cheques having being returned unpaid (in case of rights issues) or withdrawal of applications, or after technical rejections, or if the listing or trading permission is not obtained from the stock exchanges for the securities so offered under the offer document, the issuer shall forthwith refund the entire subscription amount received. If there is a delay beyond fifteen days after the issuer becomes liable to pay the amount, the issuer and every director of the issuer who are officers in default, shall pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum."
- (i) **For Composite Issues:** Statement that the requirement of 'minimum subscription' is satisfied both jointly and severally, i.e., independently for both rights and public issues, and that if the issuer does not receive the minimum subscription in either of the issues, the issuer shall refund the entire subscription received.
- (j) **Arrangements for Disposal of Odd Lots:**
  - (a) Any arrangements made by the issuer for providing liquidity for and consolidation of the shares held in odd lots, particularly when such odd lots arise on account of issues by way of rights, bonus, conversion of debentures or warrants, etc., shall be intimated to the shareholders or investors.
  - (b) The issuer is free to make arrangements for providing liquidity in respect of odd lot shares through any investment or finance company, broking firms or through any other agency and the particulars of such arrangement, if any, may be disclosed in the offer document related to the concerned issue of capital.
  - (c) The lead merchant banker shall ascertain whether the issuer coming for fresh issue of capital proposes to set up trusts in order to provide service to the investors in the matter of disposal of odd lot shares of the issuer held by them and if so, disclosures relating to setting up and operation of the trust shall be contained in the offer document.
- (d) Whenever any issue results in issue of shares in odd lots, the issuer, shall as far as possible issue certificates in the denomination of 1-2-5-10-20-50 shares.
- (k) Restrictions, if any, on transfer and transmission of shares or debentures and on their consolidation or splitting.
- (l) **New Financial Instruments:** Terms and conditions including redemption, security, conversion and any other relevant features of any new financial instruments such as deep discount bonds, debentures with warrants, secured premium notes etc.
- (m) **Allotment only in Dematerialised Form:** A statement to the effect that specified securities shall be allotted only in dematerialised form, subject to the availability of the option to receive physical certificates of specified securities in a rights issue for a period of six months from the date of coming into force of these regulations.

**(B) Issue Procedure:**

- (1) Fixed price issue or book building procedure as may be applicable, including details regarding bid form/application form, who can bid/apply, maximum and minimum bid/application size, bidding process, bidding, bids at different price levels, etc.

- (2) Issue of securities in dematerialised form:
  - (a) In case of a public issue or rights issue (subject to sub-regulation (1) of regulation 91, the specified securities issued shall be issued only in dematerialized form in compliance with the Companies Act, 2013. A statement that furnishing the details of depository account is mandatory and applications without depository account shall be treated as incomplete and rejected. Investors will not have the option of getting the allotment of specified securities in physical form. However, they may get the specified securities rematerialised subsequent to allotment.
  - (b) Statement that the specified securities, on allotment, shall be traded on stock exchanges in demat mode only.
  - (c) Statement that single bid from any investor shall not exceed the investment limit/maximum number of specified securities that can be held by such investor under the relevant regulations/statutory guidelines.
  - (d) Statement that the correct procedure for applications by Hindu Undivided Families and the fact that applications by Hindu Undivided Families would be treated as on par with applications by individuals;
  - (e) Applications by mutual funds:
    - (i) Statement under the heads "Procedure for applications by mutual funds" and "Multiple Applications" to indicate that a separate application can be made in respect of each scheme of an Indian mutual fund registered with the Board and that such applications shall not be treated as multiple applications.
    - (ii) Statement that applications made by an asset management company or a custodian of a mutual fund shall clearly indicate the name of the concerned scheme for which the application is being made.
  - (f) Applications by non-resident Indians:
    - (i) Statement that "Non-resident Indian applicants may please note that only such applications as are accompanied by payment in free foreign exchange shall be considered for allotment under the reserved category. The non-resident Indians who intend to make payment through Non-Resident Ordinary (NRO) accounts shall use the form meant for Resident Indians and shall not use the forms meant for reserved category."
  - (g) Application by ASBA investors:
    - (i) Details of Application Supported by Blocked Amount process including specific instructions for submitting Application Supported by Blocked Amount.
    - (ii) A statement that each application form shall bear the stamp of the syndicate member/SCSBs/registrar and share transfer agents/depository participants/stock brokers and if not, the same shall be rejected.
- (3) Escrow mechanism for anchor investors: Escrow account of the issuer.
- (4) Terms of payment and payment into the escrow collection account by anchor investors.
- (5) Electronic registration of bids.

- 
- (6) Build-up of the book and revision of bids. In this regard, it may be specifically disclosed that qualified institutional buyers and non-institutional investors can neither lower or withdraw their bids at any stage and retail individual investors can withdraw or revise their bids till issue closure date
  - (7) Price discovery and allocation.
  - (8) Signing of underwriting agreement.
  - (9) Filing of the offer document.
  - (10) Announcement of pre-issue advertisement.
  - (11) Issuance of Confirmation of Allocation Note (“CAN”) and allotment in the Issue.
  - (12) Designated date.
  - (13) General instructions:
    - (a) Do’s and don’ts.
    - (b) Instructions for completing the bid form.
    - (c) Bidders’ bank account details.
    - (d) Bids by non-resident Indians or foreign portfolio investors, foreign venture capital investors on repatriation basis
  - (14) Payment instructions:
    - (a) Payment into escrow account of the issuer.
    - (b) Payment instructions for Application Supported by Blocked Amount.
  - (15) Submission of bid form.
  - (16) Other instructions:
    - (a) Joint bids in the case of individuals.
    - (b) Multiple bids.
    - (c) Instructions to the applicants to mention the Permanent Account Number of the sole / first holder in the application form, irrespective of the amount for which application or bid is made, along with the instruction that applications without Permanent Account Number would be rejected except where the requirement to hold a permanent account number has been specifically exempt under applicable law.
    - (d) Instances when an application would be rejected on technical grounds
    - (e) Equity shares in demat form with the depositories.
    - (f) Investor’s attention shall also be invited to contact the compliance officer in case of any pre-issue or post-issue related problems regarding share certificates/demat credit/refund orders/ unblocking etc.
  - (17) Disposal of applications.
  - (18) Provisions of the Companies Act, 2013, as applicable, relating to punishment for fictitious applications, including to any person who:
    - (a) makes or abets making of an application in a fictitious name to a company for acquiring, or subscribing for, its securities, or
    - (b) makes or abets making of multiple applications to a company in different names or in different combinations of his/her name or surname for acquiring or subscribing for its securities, shall be punishable with fine and/or

imprisonment for such amount and/or term as may be prescribed under section 447 of the Companies Act 2013.

- (19) Interest on refund of excess bid amount, in case of anchor investors.
- (20) Names of entities responsible for finalising the basis of allotment in a fair and proper manner.
- (21) Procedure and time of schedule for allotment and issue of certificates (for rights issues)/demat credit.
- (22) Method of allotment as may be prescribed by the Board from time to time.
- (23) Letters of Allotment or refund orders or instructions to Self Certified Syndicate Banks in Application Supported by Blocked Amount process. The issuer shall ensure that “at par” facility is provided for encashment of refund orders for applications other than Application Supported by Blocked Amount process.
- (24) Mode of making refunds:
  - (a) The mode in which the issuer shall refund the application money to applicants in case of an oversubscription or failure to list.
  - (b) If the issuer proposes to use more than one mode of making refunds to applicants, the respective cases where each such mode will be adopted.
  - (c) The permissible modes of making refunds and unblocking of funds are as follows:
    - (i) In case of applicants residing in any of the centres specified by the Board: by crediting of refunds to the bank accounts of applicants through electronic transfer of funds by or NACH (National Automated Clearing House), as applicable, Direct Credit, RTGS (Real Time Gross Settlement) or NEFT (National Electronic Funds Transfer), as is for the time being permitted by the Reserve Bank of India;
    - (ii) In case of other applicants: by dispatch of refund orders by registered post/unblocking in case of ASBA
- (25) Payment of Interest in case of delay in despatch of allotment letters or refund orders/instruction to self-certified syndicate banks by the registrar in the case of public issues:
  - (a) in case of a fixed price issue, a statement that the issuer shall allot securities offered to the public shall be made within the period prescribed by the Board. The issuer shall also pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum if the allotment letters or refund orders have not been despatched to the applicants or if, in a case where the refund or portion thereof is made in electronic manner, the refund instructions have not been given to the clearing system in the disclosed manner within eight days from the date of the closure of the issue. However applications received after the closure of issue in fulfilment of underwriting obligations to meet the minimum subscription requirement, shall not be entitled for the said interest.
  - (b) In case of a book-built issue, a statement that the issuer shall allot securities offered to the public within the period prescribed by the Board. The issuer further agrees that it shall pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum if the allotment letters or refund orders/ unblocking instructions have not been despatched to the applicants or if, in a case where the refund or portion thereof is made in electronic manner, the refund instructions have not been given to the

clearing system in the disclosed manner within six days from the date of the closure of the issue.

- (c) In case of a rights issue, a statement that the issuer shall allot securities offered to the shareholders within fifteen days of the closure of the rights issue. The issuer further agrees that it shall pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum if the allotment letters or refund orders/ unblocking instructions have not been despatched to the applicants or if, in a case where the refund or portion thereof is made in electronic manner, the refund instructions have not been given to the clearing system in the disclosed manner within fifteen days from the date of the closure of the issue.

**(26) Undertaking by the issuer:**

- a) The following undertaking by the issuer shall be disclosed:
- (i) that the complaints received in respect of the issue shall be attended to by the issuer expeditiously and satisfactorily;
  - (ii) that all steps for completion of the necessary formalities for listing and commencement of trading at all stock exchanges where the securities are to be listed are taken within the period prescribed by the Board;
  - (iii) that the issuer shall apply in advance for the listing of equities on the conversion of debentures/ bonds;
  - (iv) that the funds required for making refunds/unblocking to unsuccessful applicants as per the mode(s) disclosed shall be made available to the registrar to the issue by the issuer;
  - (v) that where refunds are made through electronic transfer of funds, a suitable communication shall be sent to the applicant within the specified period of closure of the issue giving details of the bank where refunds shall be credited along with amount and expected date of electronic credit of refund;
  - (vi) that the promoters' contribution in full, wherever required, shall be brought in advance before the Issue opens for public subscription and the balance, if any, shall be brought on a pro rata basis before the calls are made on public in accordance with applicable provisions in these regulations;
  - (vii) that no further issue of securities shall be made till the securities offered through the offer document are listed or till the application monies are refunded on account of non-listing, under subscription, etc., other than as disclosed in accordance with Regulation 19;
  - (viii) that adequate arrangements shall be made to collect all Applications Supported by Blocked Amount and to consider them similar to non-ASBA applications while finalizing the basis of allotment;
- b) In case of an issue of convertible debt instruments, the issuer shall also give the following additional undertakings:
- (i) it shall forward the details of utilisation of the funds raised through the convertible debt instruments duly certified by the statutory auditors of the issuer, to the debenture trustees at the end of each half-year.
  - (ii) it shall disclose the complete name and address of the debenture trustee in the annual report.

- (iii) it shall provide a compliance certificate to the convertible debt instrument holders (on yearly basis) in respect of compliance with the terms and conditions of issue of convertible debt instruments, duly certified by the debenture trustee.
  - (iv) it shall furnish a confirmation certificate that the security created by the issuer in favour of the convertible debt instrument holders is properly maintained and is adequate to meet the payment obligations towards the convertible debt instrument holders in the event of default.
  - (v) it shall extend necessary cooperation to the credit rating agency/agencies for providing true and adequate information till the debt obligations in respect of the instrument are outstanding.
- c) A statement that the issuer reserves the right not to proceed with the issue after the bidding and if so, the reason thereof as a public notice within two days of the closure of the issue. The public notice shall be issued in the same newspapers where the pre-issue advertisement had appeared. The stock exchanges where the specified securities were proposed to be listed shall also be informed promptly.
- d) a statement that if the issuer withdraws the issue at any stage including after closure of bidding, the issuer shall be required to file a fresh draft offer document with the Board.

**(27) Utilisation of Issue Proceeds:**

- (a) A statement by the board of directors of the issuer to the effect that:
- (i) all monies received out of issue of specified securities to the public shall be transferred to a separate bank account other than the bank account referred to in the Companies Act, 2013;
  - (ii) details of all monies utilised out of the issue referred to in sub-item(i) shall be disclosed and continue to be disclosed till the time any part of the issue proceeds remains unutilised under an appropriate separate head in the balance sheet of the issuer indicating the purpose for which such monies had been utilised; and
  - (iii) details of all unutilised monies out of the issue of specified securities referred to in sub-item (i) shall be disclosed under an appropriate separate head in the balance sheet of the issuer indicating the form in which such unutilised monies have been invested.
- (b) For an issue other than an offer for sale or a public issue made by any scheduled commercial bank or a public financial institution, a statement of the board of directors of the issuer to the effect that:
- (i) the utilisation of monies received under promoters' contribution and from reservations shall be disclosed and continue to be disclosed under an appropriate head in the balance sheet of the issuer, till the time any part of the issue proceeds remains unutilised, indicating the purpose for which such monies have been utilised;
  - (ii) the details of all unutilised monies out of the funds received under promoters' contribution and from reservations shall be disclosed under a separate head in the balance sheet of the issuer, indicating the form in which such unutilised monies have been invested.

**(28) Restrictions on foreign ownership of Indian securities, if any:**

- (a) Investment by non-resident Indians.
- (b) Investment by foreign portfolio investors.



(c) Investment by other non-residents.

**(C) Description of Equity Shares and Terms of the Articles of Association:**

Main provisions of the Articles of Association including rights of the members regarding voting, dividend, lien on shares and the process for modification of such rights, forfeiture of shares and restrictions, if any, on transfer and transmission of securities and their consolidation or splitting.

(16) **Any other material disclosures, as deemed necessary.**

(17) **In case of a fast track issue, the disclosures specified in this Part, which have been indicated in Part B, need not be made.**

(18) **Other Information:**

List of material contracts and inspection of documents for inspection:

- (1) Material contracts.
- (2) Material Documents
- (3) Time and place at which the contracts, together with documents, will be available for inspection from the date of the offer document until the date of closing of the subscription list.
- (4) IPO grading reports for each of the grades obtained
- (5) The draft offer document/ draft letter of offer and offer document shall be approved by the Board of Directors of the issuer and shall be signed by all directors including the Managing Director within the meaning of the Companies Act, 2013 or Manager, within the meaning of the Companies Act, 2013 and the Chief Financial Officer or any other person heading the finance function and discharging that function. The signatories shall further certify that all disclosures are true and correct.

**DECLARATION BY THE ISSUER:** We hereby declare that all relevant provisions of the the Companies Act, 2013 and the guidelines/regulations issued by the Government of India or the guidelines/regulations issued by the Securities and Exchange Board of India, established under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, as the case may be, have been complied with and no statement made in the Red Herring Prospectus is contrary to the provisions of the the Companies Act, 2013, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 or rules made or guidelines or regulations issued there under, as the case may be. We further certify that all statements are true and correct.

**Part B - Disclosures in a letter of offer**

**[See regulation 70(2)]**

- (1) An issuer, if it satisfies the following conditions, shall make disclosures as specified in clause (5) of this Part, in the draft letter of offer/letter of offer:
  - (a) it has been filing periodic reports, statements and information in compliance with the listing agreement or the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as applicable for the last three years immediately preceding the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange in case of a fast track issue and in any other case, the date of filing the draft letter of offer with the Board;
  - (b) the reports, statements and information referred to in sub-clause (a) above are available on the website of any stock exchange;

- (c) the issuer has investor grievance-handling mechanism which includes meeting of the Stakeholders' Relationship Committee at frequent intervals, appropriate delegation of power by the board of directors of the issuer as regards share transfer and clearly laid down systems and procedures for timely and satisfactory redressal of investor grievances.
- (2) If the issuer does not satisfy the conditions specified in clause (1), it shall make disclosures in the letter of offer:
  - (a) as specified in Part A, except for disclosures as specified in clause (4) below;
  - (b) as specified in items (XVIII)(2)(d), (e) and (f) in clause (5) of this Part.
- (3) Irrespective of whether the conditions specified in clause (1) are satisfied or not, the following issuers shall make disclosures in the draft letter of offer / letter of offer as specified in Part A of this Schedule, except for disclosures as specified in clause (4) below:
  - (a) an issuer whose management has undergone any change pursuant to acquisition of control in accordance with the provisions of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 or the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, as applicable and is making a rights issue of specified securities for the first time subsequent to such a change;
  - (b) an issuer whose specified securities have been listed consequent to the relaxation granted by the Board under sub-rule (7) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 for listing of its specified securities pursuant to a scheme sanctioned by a High Court under sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956 or approved by a tribunal under sections 230-234 of the Companies Act, 2013, as applicable, and is making a rights issue of specified securities for the first time subsequent to such listing.
- (4) In respect of an issuer making disclosures in terms of clauses (2) and (3) above, the disclosures specified in the following items in Part (A) shall not be applicable:
  - (a) Sub-item (M) of item (4);
  - (b) Sub-para (b) of para (2) of sub-item (B) of item (14);
  - (c) Sub-para (d) of para (2) of sub-item (B) of item (14);
  - (d) Sub-para (d) of para (16) of sub-item (B) of item (14);
- (5) An issuer referred to in clause (1) shall make the following disclosures, as far as possible, in the letter of offer in the order in which the disclosures are specified in this clause:
  - (I) **Cover Pages:** The cover page paper shall be of adequate thickness (minimum hundred GSM quality).
    - (A) **Front Cover Pages:**
      - i. Front inside cover page shall be kept blank.
      - ii. Front outside cover page shall contain only the following details:
        - (a) Type of letter of offer ("Draft Letter of Offer" or "Letter of Offer").
        - (b) Date of the draft letter of offer / letter of offer.
        - (c) Name of the issuer, its logo, date and place of its incorporation, corporate identity number, telephone number, address of its registered and corporate offices, contact person, website address and e-mail address (where there has been any change in the address of the registered office or the name of the issuer, reference to the page of the offer document where details thereof are given).
        - (d) Nature, number and price of specified securities offered and issue size, as may be applicable.
        - (e) The following clause on "General Risk" shall be incorporated in a box format:

"Investment in equity and equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this offering. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the issuer and the offer including the risks involved. The securities have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of this document. Specific attention of investors is invited to the statement of 'Risk factors' given on page number ..... under the section 'General Risks'."

- (f) The following clause on 'Issuer's Absolute Responsibility' shall be incorporated in a box format:

"The issuer, having made all reasonable inquiries, accepts responsibility for and confirms that this letter of offer contains all information with regard to the issuer and the issue, which is material in the context of the issue, that the information contained in the letter of offer is true and correct in all material aspects and is not misleading in any material respect, that the opinions and intentions expressed herein are honestly held and that there are no other facts, the omission of which make this document as a whole or any of such information or the expression of any such opinions or intentions misleading in any material respect."

- (g) Names, logos and addresses of all the lead manager(s) with their titles who have signed the due diligence certificate and filed the letter of offer with the Board, along with their telephone numbers, website addresses and e-mail addresses. (Where any of the lead manager(s) is an associate of the issuer, it shall disclose itself as an associate of the issuer and that its role is limited to marketing of the issue.)
- (h) Name, logo and address of the registrar to the issue, along with its telephone number, website address and e-mail address.
- (i) Issue schedule:
- Date of opening of the issue
  - Date of closing of the issue
  - Last date for request for split
- (j) Name(s) of the stock exchanges where the specified securities are listed and the details of their in-principle approval for listing obtained from these stock exchange(s).

(II) **Back cover pages:**

The back inside cover page and back outside cover page shall be kept blank.

(III) **Table of contents:** The table of contents shall appear immediately after the front inside cover page.

(IV) **Definitions and abbreviations:**

- (A) Conventional or general terms
- (B) Issue related terms
- (C) Issuer and industry related terms
- (D) Abbreviations

- (V) **Letter of offer summary:** This section shall contain summary of the following information, as applicable:
- (A) Primary business of the Issuer in not more than 50 words;
  - (B) Objects of the issue in a tabular format;
  - (C) Intention and extent of participation by the promoter and promoter group in the issue with respect to:
    - a. their rights entitlement.
    - b. the unsubscribed portion over and above their rights entitlement
  - (D) The following details shall be disclosed as per the audited consolidated financial statements for past 3 years and stub period in tabular format:
    - a. Share capital;
    - b. Net Worth;
    - c. Revenue;
    - d. Profit after tax;
    - e. Earnings per share;
    - f. Net Asset Value per equity share; and
    - g. Total borrowings (as per balance sheet).
  - (E) Auditor qualifications which have not been given effect to in the audited financial statements.
  - (F) Summary table of outstanding litigations and a cross-reference to the section titled '*Outstanding Litigations and Material Developments*'.
  - (G) Cross-reference to the section titled '*Risk Factors*'.
  - (H) Summary table of contingent liabilities and a cross-reference to contingent liabilities of the issuer as disclosed in restated financial statements.
  - (I) Cross-reference to related party transactions as disclosed in restated financial statements.
  - (J) The details of all financing arrangements whereby the promoters, members of the promoter group, the directors of the company which is a promoter of the issuer, the directors of the issuer and their relatives have financed the purchase by any other person of securities of the issuer other than in the normal course of the business of the financing entity during the period of six months immediately preceding the date of the draft offer document/offer document.
  - (K) Any issuances of equity shares made in the last one year for consideration other than cash.
- (VI) **Risk factors:**
- (A) Risk factors shall be printed in clear readable font (preferably of minimum point ten size).
  - (B) Risk factors shall be in relation to the following:
    - (1) issue and objects of the issue;
    - (2) issuer and its ongoing business activities;
    - (3) material litigations which impact the business of the issuer.
  - (C) Risk factors shall be determined on the basis of their materiality. In doing so, the following shall be considered:
    - (1) Some risks may not be material individually but may be found material collectively.
    - (2) Some risks may have an impact which is qualitative though not quantitative.

- (3) Some risks may not be material at present but may have a material impact in the future.
  - (D) Each risk factor shall appear in the following manner:
    - (1) Risk as envisaged by the issue.
    - (2) Proposals, if any, to address the risk.
  - (E) Proposals to address the risks shall not contain any speculative statement on the positive outcome to any matter or litigation, etc.
  - (F) Proposals to address the risks shall not be given for any matter that is sub-judice before any court or tribunal.
  - (G) Risk factors shall be disclosed in the descending order of materiality. Wherever risks about material impact are stated, likely or potential implications, including any financial implication, on the Company for the same shall be disclosed.
- (VII) **Introduction:**
- (A) **Summary:**
    - (1) Issue details in brief.
    - (2) Summary consolidated financial information.
  - (B) **General Information:**
    - (1) Name, addresses of the registered and corporate offices, corporate identity number and the registration number of the issuer, along with the address of the Registrar of Companies where the issuer is registered.
    - (2) Name, designation, address and DIN of each member of the board of directors of the issuer.
    - (3) Names, addresses, telephone numbers and e-mail addresses of the Company Secretary and compliance officer of the issuer.
    - (4) Names, addresses, telephone numbers, contact person, website addresses and e-mail addresses of the bankers to the issue, self-certified syndicate bankers and legal advisors to the issue; URL of SEBI website listing out the details of self-certified syndicate banks, registrar to issue and share transfer agents, depository participants, etc.
    - (5) Statement of inter-se allocation of responsibilities among lead manager(s),
    - (6) Following details of credit rating in case of an issue of convertible debt instrument:
      - (a) The names of all the credit rating agencies from which credit rating including unaccepted rating has been obtained for the issue of convertible debt instruments.
      - (b) Details of all credit ratings, including unaccepted ratings, obtained for the issue of convertible debt instruments.
      - (c) All credit ratings obtained during the preceding three years for any of the issuer's listed convertible debt instruments at the time of accessing the market through a convertible debt instrument.
    - (7) Name, address, telephone number, website address and e-mail address of the debenture trustee in case of an issue of convertible debt instruments.
    - (8) Name, address, telephone number and e-mail address of the monitoring agency, if appointed, and disclosure as to whether such appointment is pursuant to these regulations.

- (9) Name, address, telephone number and e-mail address of the appraising entity in case the project has been appraised.
- (10) Details of underwriting:
  - (a) Names, address, telephone numbers, and e-mail address of the underwriters and the amount underwritten by each of them.
  - (b) Declaration by the board of directors of the issuer that the underwriters have sufficient resources to discharge their respective obligations.
  - (c) In case of partial underwriting of the issue, the extent of such underwriting.
  - (d) Details of the final underwriting arrangement, indicating actual number of specified securities underwritten, in the letter of offer filed with the designated stock exchange.
- (11) The fact of filing the letter of offer with the Board and the stock exchange(s) and the office of the Board where the letter of offer has been filed.

(C) **Capital Structure:** The capital structure in the following manner in a tabular form:

- (1) Authorised, issued and subscribed capital, after suitable incorporation of the outstanding convertible securities (number of securities, description and aggregate nominal value).
- (2) Paid-up capital.
  - (a) After the issue.
  - (b) After conversion of convertible instruments (if applicable).
- (3) The following details of outstanding instruments:
  - (a) Details of options, if any.
  - (b) Details of convertible securities, if any.
- (4) Details of specified securities held by the promoter and promoter group including the details of lock-in, pledge of and encumbrance on such specified securities.
- (5) Details of specified securities acquired by the promoter and promoter group in the last one year immediately preceding the date of filing of the letter of offer with the designated stock exchange in case of a fast track issue and in any other case, the date of filing of the draft letter of offer with the Board.
- (6) Intention and extent of participation by the promoter and promoter group in the issue with respect to:
  - (1) their rights entitlement.
  - (2) the unsubscribed portion over and above their rights entitlement:
 

**Provided that** such participation shall not result in a breach of the minimum public shareholding requirement stipulated in the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
- (7) Ex-rights price as referred under clause of (b) of sub-regulation 4 of regulation 10 of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011.
- (8) Shareholding pattern as in the format prescribed in the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 and as submitted to the stock exchanges.
- (9) Details of the shareholders holding more than one per cent. of the share capital of the issuer.

(VIII) **Particulars of the Issue**

**(A) Objects of the Issue:**

- (1) Objects of the issue for which funds are being raised.
- (2) If one of the objects is investment in a joint venture or subsidiary or an acquisition, the following additional disclosures shall be made:
  - (a) details of the form of investment, i.e., equity, debt or any other instrument;
  - (b) if the form of investment has not been decided, a statement to that effect;
  - (c) if the investment is in debt instruments, complete details regarding the rate of interest, nature of security, terms of repayment, subordination, etc.;
  - (d) nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment
- (3) If one of the objects of the issue is to grant a loan to an entity other than a subsidiary, details of the loan agreements including the rate of interest, whether secured or unsecured, duration, nature of security, terms of repayment, subordination, etc. and the nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment. If such a loan is to be granted to any of the group companies, details of the same.
- (4) If one of the objects of the issue is utilisation of the issue proceeds for long term working capital, the following additional disclosures on a standalone basis:
  - (a) Basis of estimation of working capital requirement, along with relevant assumptions.
  - (b) Reasons for raising additional working capital, substantiating the same with relevant facts and figures.
  - (c) Details of the projected working capital requirement including detailed assessment of working capital after implementation of the project or achievement of objects of the issue, as the case may be, capacity utilisation assumptions, break-up of expected current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry debtors etc., along with the assumption about the holding norms for each type of current asset, total current liabilities, net current assets and envisaged sources of finance for net current assets, i.e., bank finance, institutional finance, own funds, etc.
  - (d) Total envisaged working capital requirement in a tabular form, the margin money thereof and the portion to be financed by any bank(s) or otherwise.
  - (e) Details of the existing working capital available with the issuer, along with a break-up of total current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry debtors, etc., total current liabilities, net current assets and sources of finance for net current assets, i.e., bank finance, institutional finance, own funds, etc.
  - (f) If no working capital is shown as a part of the project for which the issue is being made, the reasons for the same.
- (5) If an object of the issue is to fund a project, the following details shall be given:
  - (a) location of the project
  - (b) plant and machinery, technology, process, etc.
  - (c) collaboration, performance guarantee if any, or assistance in marketing by the collaborators.
  - (d) infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity, etc.

- (6) If one of the objects of the issue is to purchase any plant, machinery, technology, process, etc.
- (7) Details shall be given in a tabular form, which shall include the details of the equipment required to be bought by the issuer, cost of the equipment, name of the suppliers, date of placement of order and the date or expected date of supply, etc.
- (8) In case the order for the equipment is yet to be placed, the date of quotations relied upon for the cost estimates given shall also be mentioned.
- (9) The percentage and value terms of the equipment for which orders are yet to be placed shall be stated.
- (10) The details of the second hand equipment bought or proposed to be bought, if any, including the age of the machines, balance estimated life, etc. shall also be given.
- (11) If warrants are issued in a rights issue, disclosure of the objects towards which the funds from conversions of warrants are proposed to be used.

**(B) Requirement of Funds:**

- (1) Where the issuer proposes to undertake more than one activity or project, such as diversification, modernisation, expansion, etc., the total project cost activity-wise or project wise, as the case may be.
- (2) Where the issuer is implementing the project in a phased manner, the cost of each phase including the phase, if any, which has already been implemented.
- (3) Details of all material existing or anticipated transactions in relation to the utilisation of the issue proceeds or project cost with promoters, directors, key managerial personnel, associate companies (as defined under the Companies Act, 2013). The relevant documents shall be included in the list of material documents for inspection.
- (4) If any part of the proceeds of the issue is to be applied directly or indirectly:
  - (A) in the purchase of any business; or
  - (B) in the purchase of an interest in any business and by reason of that purchase, or anything to be done in consequence thereof, or in connection therewith; the issuer will become entitled to an interest in respect to either the capital or profits and losses or both, in such business exceeding fifty per cent. thereof;

a report made by accountants (who shall be named in the letter of offer) upon:

    - (i) the profits or losses of the business of each of the five financial years immediately preceding the issue of the letter of offer; and
    - (ii) the assets and liabilities of the business at the last date to which the accounts of the business were made, being a date not more than six months before the date of the issue of the letter of offer.
- (5) If:
  - (A) any part of the proceeds of the issue is to be applied directly or indirectly in any manner resulting in the acquisition by the issuer of shares in any other body corporate; and
  - (B) by reason of that acquisition or anything to be done in consequence thereof or in connection therewith, that body corporate will become a subsidiary of the issuer;



a report made by accountants (who shall be named in the letter of offer) upon:

- (i) the profits or losses of the other body corporate for each of the five financial years immediately preceding the issue of the Letter of Offer; and
- (ii) the assets and liabilities of the other body corporate at the last date to which its accounts were made.

(C) Strategic partners to the project or objects of the issue.

(D) Financial partners to the project or objects of the issue.

(E) **Funding plan (Means of Finance):**

- (1) An undertaking by the issuer confirming that firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance, excluding the amount to be raised through the proposed issue and existing identifiable internal accruals, have been made.
- (2) Balance portion of the means of finance for which no firm arrangement has been made without specification.
- (3) Details of funds tied up and the avenues for deployment of excess proceeds, if any.

(F) **Appraisal:**

- (1) Scope and purpose of the appraisal, if any, along with the date of appraisal.
- (2) Cost of the project and means of finance as per the appraisal report.
- (3) Explanation of revision, if any, in the project cost and the means of finance after the date of issue of the appraisal report.
- (4) Weaknesses, qualifications and threats given in the appraisal report, by way of risk factors.

(G) **Schedule of implementation:** The schedule of implementation of the project and the progress made so far, giving details of land acquisition, civil works, installation of plant and machinery, trial production, date of commercial production and reasons for delay, if any.

(H) **Deployment of funds:**

- (1) Details of the sources of funds and the deployment of these funds on the project (where the issuer is raising capital for a project), up to a date not earlier than two months from the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange, as certified by a Chartered Accountant, along with the name of the chartered accountant and the date of the certificate.
- (2) Where share application money brought in advance by the promoters is deployed in the project and the same is being adjusted towards their rights entitlement in the rights issue, the extent of deployment and utilisation of the funds brought in by the promoters.

(I) **Sources of financing of funds already deployed:** Means and source of financing, including details of "bridge loan" or other financial arrangement, which may be repaid from the proceeds of the issue.

(J) **Details of balance fund deployment:** Year wise break-up of the expenditure proposed to be incurred on the said project.

(K) **Interim use of funds:** A statement that net issue proceeds pending utilization (for the stated objects) shall be deposited only in the scheduled commercial banks.

- (L) **Expenses of the issue::** Expenses of the issue (in terms of amount, as a percentage of total issue expenses and as a percentage of total issue size) under the following heads:
- (1) Lead manager(s) fees including underwriting commission
  - (2) Brokerage, selling commission and upload fees
  - (3) Registrars to the issue
  - (4) Legal Advisors
  - (5) Advertising and marketing expenses
  - (6) Regulators including stock exchanges
  - (7) Printing and distribution of issue stationary
  - (8) Others, if any (to be specified).
- (A) Any special tax benefits for the issuer and its shareholders and its material subsidiaries identified in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
- (B) Key Industry Regulations for the proposed objects of the issue (if different from existing business of the issuer)
- (C) Interest of promoters, promoter group and directors, as applicable to the project or objects of the issue
- (IX) **History and Corporate Structure of the issuer::** A brief statement about the history and corporate structure of the issuer, main objects of the issuer and major events in the past, in case the issuer has not come out with any issue in the past ten years or more,
- (X) **Management (Board of Directors):**
- (A) Name, date of birth, age, Director Identification Number, address, occupation and date of expiration of the current term of office of manager, managing director and other directors (including nominee directors and whole-time directors), period of directorships and directorships in other companies.
- (1) For each person, details of current and past directorship(s) for a period of five years in listed companies whose shares have been/were suspended from being traded on any of the stock exchanges, , during his/her tenure, as follows:
- Name of the Company:
  - Listed on [give name of the stock exchange(s)]
  - Date of suspension on the stock exchanges:
  - If trading suspended for more than three months, reasons for suspension and period of suspension:
  - If the suspension of trading revoked, the date of revocation of suspension:
  - Term (along with relevant dates) of the director in the above company(ies).
- (The above details shall be given for the preceding five years. In case of offer documents for fast track issues filed under the provisions of these regulations, the period of five years shall be reckoned on the date of filing of the letter of offer.)
- (2) For each person, details of current and past directorship(s) in listed companies who have been/were delisted from the stock exchange(s) during his/her tenure in the past ten years, as follows:
- Name of the Company

- Listed on [give name of the stock exchange(s)]
  - Date of delisting on the stock exchange(s)
  - Compulsory or voluntary delisting:
  - Reasons for delisting
  - If relisted, date of relisting on [give name of the stock exchange(s)]
  - Term (along with relevant dates) of the director in the above company(ies).
- (B) Nature of any family relationship between any of the directors.
- (C) Any arrangement or understanding with major shareholders, customers, suppliers or others, pursuant to which of the directors was selected as a director
- (D) Details of service contracts entered into by the directors with the issuer providing for benefits upon termination of employment and a distinct negative statement in the absence of any such contract.

(XI) **Financial Information of the issuer:**

One standard financial unit shall be used in the Letter of Offer.

(A) Consolidated financial statements of the issuer:

- (1) A report by the auditors of the issuer with respect to profit or loss and assets and liabilities (indicating changes in accounting policies, if any) in respect of the last completed accounting year for which the audit has been completed.
- (2) A report by the auditors of the issuer on a limited review of the profit or loss and assets and liabilities (indicating changes in accounting policies, if any), as at a date not earlier than six months prior to the date of the opening of the issue, where audited accounts as at such date are not available.
- (3) For the purpose of clauses (1) and (2) above, it shall be sufficient if:
  - a) In the statement of the assets and liabilities, the main heads of assets and liabilities as provided in Part I of Schedule III of the Companies Act, 2013 have been provided. If an issuer is governed by a statute other than the Companies Act, 2013, the main heads of assets and liabilities as specified in such statute shall be provided in the statement of assets and liabilities.
  - b) In the statement of profit or loss, the information required to be disclosed under the heads of income and expenditure as per Regulation 33 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 in respect of quarterly financial information to be filed with the stock exchanges, has been provided .
- (4) Material changes and commitments, if any, affecting the financial position of the issuer.
- (5) Week-end prices for the last four weeks; current market price; and highest and lowest prices of equity shares during the period with the relative dates. If the equity shares of the issuer are listed on more than one stock exchange, the above information shall be provided for each stock exchange separately.
- (6) Stock market quotation of shares/convertible instruments of the issuer (high/low price in each of the last three years and monthly high/low price during the last six months). If the equity shares of the issuer are listed on more than one stock

exchange, the above information shall be provided for each stock exchange separately.

- (7) Accounting and other ratios: The following key accounting ratios shall be given for each of the accounting periods for which the financial information is given:
- Earnings per share (Basic and Diluted)
  - Return on net worth
  - Net Asset Value per share
  - EBITDA
- (8) Capitalisation Statement:
- a. A Capitalisation Statement showing total debt, net worth, and the debt/ equity ratios before and after the issue is made.
  - b. In case of any change in the share capital since the date as of which the financial information has been disclosed in the prospectus, a note explaining the nature of the change.
  - c. An illustrative format of the Capitalisation Statement is specified hereunder:

Particulars	Pre-issue at	As adjusted for the proposed issue
(₹ in Crores)		
<b>Total borrowings</b>		
Current borrowings*		
Non-current borrowings (including current maturity)*		
<b>Total equity</b>		
Share capital*		
Reserves and surplus*		
Money received against share warrants*		
<b>Total Capital</b>		
Ratio: Non-current borrowings/ Total equity		

\*These terms shall carry the meaning as per Schedule III of the Companies Act, 2013 (as amended).

- (XII) A statement to the effect that the price has been arrived at in consultation between the issuer and the lead manager(s).
- (XIII) **Disclosures pertaining to wilful defaulters:** If the issuer or any of its promoter or director has been declared as a wilful defaulter, it shall make the following disclosures with respect to each such person separately:
- (a) Name of the person declared as a wilful defaulter;

- (b) Name of the bank declaring the person as a wilful defaulter;
- (c) Year in which the person was declared as a wilful defaulter;
- (d) Outstanding amount when the person was declared as a wilful defaulter;
- (e) Steps taken, if any, by the person for removal of its name from the list of wilful defaulters;
- (f) Other disclosures, as deemed fit by the issuer, in order to enable investors to take an informed decision;
- (g) Any other disclosure as specified by the Board.

The fact that the issuer or any of its promoters or directors is a wilful defaulter shall be disclosed prominently on the cover page with suitable cross-referencing to the inside pages.

Disclosures specified herein shall be made in a separate chapter or section, distinctly identifiable in the Index / Table of Contents.

(XIV) **Outstanding Litigations and Defaults:**

- (A) Pending matters which, if they result in an adverse outcome, would materially and adversely affect the operations or the financial position of the issuer.
- (B) Matters which are pending:
  - (1) Issues of moral turpitude or criminal liability on the part of the issuer
  - (2) Material violations of the statutory regulations by the issuer
  - (3) Economic offences where proceedings have been initiated against the issuer.

For the purpose of determining materiality, the threshold shall be determined by the issuer as per requirements under the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

- (C) For the purpose of determining materiality, the threshold shall be determined by the issuer as per requirements under the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
- (D) These disclosures shall be made in respect of the issuer and the subsidiary companies of the issuer whose financial statements are included in the draft letter of offer or letter of offer, either separately or in a consolidated form.

(XV) **Government Approvals or Licensing Arrangements:** In case of a new line of activity/project, all pending government and regulatory approvals.

In case of an existing line of activity/project, all material pending regulatory and government approvals.

(XVI) **Material Developments:** Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on the performance and prospects of the issuer.

(XVII) **Other Regulatory and Statutory Disclosures:**

- (A) Authority for the issue and details of the resolution passed for the issue.
- (B) A statement by the issuer that the issuer, promoters, promoter group, directors or have not been or are not prohibited from accessing or operating in the capital markets or restrained from buying, selling or dealing in securities under any order or direction passed by the Board.
- (C) A statement by the issuer if any of the directors of the issuer are associated with the securities market in any manner, and if yes, details of any outstanding action initiated by the Board against the said entities with the relevant details.

- (D) A statement by the issuer that the issuer, promoters, or directors, have not been or are not identified as wilful defaulters.
- (E) A statement by the issuer that it is in compliance with the provisions specified in Clause (1) of this Schedule.
- (F) For a fast track issue, details of compliance with the eligibility requirements.
- (G) Disclaimer clauses:

- (1) The letter of offer shall contain the following disclaimer clause in bold capital letters:

"It is to be distinctly understood that submission of Letter of Offer to SEBI should not in any way be deemed or construed that the same has been cleared or approved by SEBI. SEBI does not take any responsibility either for the financial soundness of any scheme or the project for which the issue is proposed to be made or for the correctness of the statements made or opinions expressed in the Letter of Offer. Lead manager(s), ..... has certified that the disclosures made in the Letter of Offer are generally adequate and are in conformity with SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 in force for the time being. This requirement is to facilitate investors to take an informed decision for making investment in the proposed issue.

It should also be clearly understood that while the issuer is primarily responsible for the correctness, adequacy and disclosure of all relevant information in the letter of offer, the lead manager(s) is expected to exercise due diligence to ensure that the issuer discharges its responsibility adequately in this behalf and towards this purpose, the lead manager(s) ..... has furnished to the Securities and Exchange Board of India (SEBI) a due diligence certificate dated .....which reads as follows:

*(due diligence certificate submitted to the Board to be reproduced here)*

The filing of the letter of offer does not, however, absolve the issuer from any liabilities under the Companies Act, 2013 or from the requirement of obtaining such statutory or other clearances as may be required for the purpose of the proposed issue. SEBI further reserves the right to take up, at any point of time, with the lead manager(s) any irregularities or lapses in letter of offer."

- (2) Disclaimer statement from the issuer and lead manager(s):

A statement to the effect that the issuer and the lead manager(s) accept no responsibility for statements made otherwise than in the Letter of Offer or in the advertisement or any other material issued by or at the instance of the issuer and that anyone placing reliance on any other source of information would be doing so at their own risk.

Investors who invest in the issue will be deemed to have been represented by the issuer and lead manager(s) and their respective directors, officers, agents, affiliates and representatives that they are eligible under all applicable laws, rules, regulations, guidelines and approvals to acquire equity shares of our company, and are relying on independent advice / evaluation as to their ability and quantum of investment in this issue.

- (3) Disclaimer in respect of jurisdiction: A brief paragraph mentioning the jurisdiction under which the provisions of law and the rules and regulations are applicable to the letter of offer.
- (4) Disclaimer clause of the stock exchanges

(5) Disclaimer clause of the Reserve Bank of India, the Insurance Regulatory and Development Authority of India and of any other regulatory authority (if applicable).

(H) The fact of filing the letter of offer with the Board and the stock exchange(s) and the office of the Board where the letter of offer has been filed.

(I) Arrangements or any mechanism evolved by the issuer for redressal of investor grievances and the time normally taken by it for disposal of various types of investor grievances.

**(XVIII) Offering Information:**

(1) Terms of payments and procedure and time schedule for allotment and issue of certificates/demat credit.

(2) How to apply, availability of application forms and letter of offer and mode of payment, including the following:

(a) Applications by mutual funds:

1. A statement under the heads "Procedure for applications by mutual funds" and "Multiple Applications" to indicate that a separate application can be made in respect of each scheme of an Indian mutual fund registered with the Board and that such applications shall not be treated as multiple applications.
2. A statement that the application made by an asset management company or by custodian of a mutual fund shall clearly indicate the name of the concerned scheme for which the application is being made.

(b) Applications by non-resident Indians:

1. the name and address of at least one place in India from where individual non-resident Indian applicants can obtain the application forms.
2. A statement that: "Non-resident Indian applicants may please note that only such applications as are accompanied by payment in free foreign exchange shall be considered for allotment under the reserved category. The non-resident Indians who intend to make payment through Non-Resident Ordinary (NRO) accounts shall use the form meant for Resident Indians and shall not use the forms meant for reserved category."

(c) Application by ASBA investors: Details of Application Supported by Blocked Amount process including specific instructions for submitting Application Supported by Blocked Amount.

(d) A statement that the shareholders who have not received the application form can apply, along with the requisite application money, by making an application on a plain paper.

(e) The format to enable shareholders to make an application on a plain paper specifying therein necessary particulars such as name, address, ratio of rights issue, issue price, number of equity shares held, ledger folio numbers, depository participant ID, client ID, number of equity shares entitled and applied for, additional shares if any, amount to be paid along with application, and particulars of cheque, etc. to be drawn in favour of the issuer's account;

(f) A statement that shareholders making an application on a plain paper cannot renounce their rights and shall not utilise the application form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently.

(3) Dealing with Fractional Entitlement: Manner of dealing with fractional entitlement viz. payment of the equivalent of the value, if any, of the fractional rights in cash etc.

- (4) Provisions of the Companies Act, 2013, as relating to punishment for fictitious applications, including the disclosures that any person who:
- (a) makes or abets making of an application in a fictitious name to a company for acquiring, or subscribing for, its securities; or
  - (b) makes or abets making of multiple applications to a company in different names or in different combinations of his/her name or surname for acquiring or subscribing for its securities; or
  - (c) otherwise induces directly or indirectly a company to allot, or register any transfer of, securities to such person, or to any other person in a fictitious name.

Provided that any penalty imposed pursuant to Companies Act, 2013 shall also be disclosed.

- (5) A statement that credit of specified securities to the demat account / refunds shall be done within a period of fifteen days and interest shall be payable in case of delay in refund at the prescribed rate. Liability of issuer and its directors (who are officers in default) to make refunds along with specified rate of interest shall also be mentioned, in case refunds not made within the specified timeline.
- (6) Mode of making refunds:
- (a) The mode in which the issuer shall make refunds to applicants in case of an oversubscription or failure to list or otherwise.
  - (b) If the issuer proposes to use more than one mode of making refunds to applicants, the respective cases where each such mode will be adopted shall be disclosed.
  - (c) The permissible modes of making refunds are as follows:
    - (i) In case of applicants residing in any of the centres specified by the Board: by crediting of refunds to the bank accounts of applicants through electronic transfer of funds by using Direct Credit, RTGS (Real Time Gross Settlement) or NEFT (National Electronic Funds Transfer) or NACH (National Automated Clearing House), as applicable, as is for the time being permitted by the Reserve Bank of India;
    - (ii) In case of other applicants: by despatch of refund orders by registered post, where the value is ₹1500/- or more, or under certificate of posting in other cases, (subject however to postal rules); and
    - (iii) In case of any category of applicants specified by the Board: crediting of refunds to the applicants in any electronic manner permissible by the Board.

**(XIX) Undertakings by the issuer in connection with the issue:** The issuer shall undertake that:

- (a) complaints received in respect of the issue shall be attended to by the issuer expeditiously and satisfactorily.
- (b) steps for completion of the necessary formalities for listing and commencement of trading at all stock exchanges where the specified securities are to be listed are taken within the time limit specified by the Board. of finalisation of basis of allotment.
- (c) funds required for making refunds to unsuccessful applicants as per the mode(s) disclosed shall be made available to the Registrar to the issue by the issuer.
- (d) where refunds are made through electronic transfer of funds, a suitable communication shall be sent to the applicant within 15 days of closure of the issue giving details of the bank where refunds shall be credited along with amount and expected date of electronic credit of refund.
- (e) Where release of block on the application amount for unsuccessful bidders or part of the application amount in case of proportionate allotment, a suitable communication shall be sent to the applicants.



- (f) adequate arrangements shall be made to collect all ASBA applications and to consider them similar to non-ASBA applications while finalizing the basis of allotment.
- (g) In case of convertible debt instruments, the issuer shall additionally undertake that:
  - (1) it shall forward the details of utilisation of the funds raised through the convertible debt instruments, duly certified by the statutory auditors of the issuer, to the debenture trustee at the end of each half-year.
  - (2) it shall disclose the name and address of the debenture trustee in the annual report.
  - (3) it shall provide a compliance certificate to the convertible debt instrument holders on a yearly basis in respect of compliance with the terms and conditions of issue of debentures as contained in the Letter of Offer, duly certified by the debenture trustee.
  - (4) it shall furnish a confirmation certificate that the security created by the issuer in favour of the convertible debt instrument holders is properly maintained and is adequate to meet the payment obligations towards the convertible debt instrument holders in the event of a default.
  - (5) it shall extend necessary cooperation to the credit rating agency(ies) in providing the requisite information in a true and adequate manner till the debt obligations in respect of the instrument are outstanding.
- (XX) **Utilisation of Issue Proceeds:** The letter of offer, other than for an issue made by a scheduled commercial bank or a public financial institution, shall contain a statement of the board of directors of the issuer to the effect that:
  - (A) all monies received out of issue of shares or specified securities to the public shall be transferred to a separate bank account.
  - (B) details of all monies utilised out of the issue referred to in clause (A) shall be disclosed under an appropriate separate head in the balance sheet of the issuer indicating the purpose for which such monies had been utilised; and
  - (C) details of all unutilised monies out of the issue of specified securities referred to in clause (A) shall be disclosed under an appropriate separate head in the balance sheet of the issuer indicating the form in which such unutilised monies have been invested.
- (XXI) **Restrictions on foreign ownership of Indian securities, if any:**
  - (A) Investment by NRIs.
  - (B) Investment by foreign portfolio investors and foreign venture capital investors.
  - (C) investment by other non-residents.
- (XXII) **Statement regarding minimum subscription clause:**
  - (A) "If the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the issue, including devolvement the of underwriters, the entire subscription monies shall be refunded to the applicants within the specified time from the date of closure of the issue."
  - (B) "If there is a delay in the refund of subscription money by more than 8 days after the issuer becomes liable to pay the subscription amount, the issuer shall pay interest for the delayed period, at rates prescribed under the Companies Act, 2013."
- (XXIII) **Statutory and other information:**
  - (A) Option to subscribe in the issue:

- (1) The details of option, if any for a rights issue (applicable for a period of six months from the date of coming into force of these regulations), to receive the specified securities either in dematerialised form or in physical form.
- (2) A statement that the investors shall have an option either to receive the security certificate(s) or to hold the securities in dematerialised form with a depository.
- (B) Material contracts and time and place of inspection which shall include copies of the Annual Reports of the issuer for the last five years.
- (XXIV) Any other material disclosures, as deemed necessary.
- (XXV) Declaration:

“No statement made in this letter of offer contravenes any of the provisions of the Companies Act, 2013 and the rules made thereunder. All the legal requirements connected with the issue as also the guidelines, instructions, etc., issued by SEBI, Government and any other competent authority in this behalf, have been duly complied with.”

The draft letter of offer (in case of issues other than fast track issues) and the letter of offer shall be approved by the Board of Directors of the issuer and shall be signed by all directors including the Managing Director within the meaning of the Companies Act, 2013 or Manager within the meaning of the Companies Act, 2013 and the Chief Financial Officer or any other person heading the finance function and discharging that function. The signatories shall further certify that all disclosures made in the letter of offer are true and correct.

- (6) An issuer shall make a copy of the offer document of the immediately preceding public issue or rights issue available to the public in the manner specified in these regulations and shall also make such document available as a material document for inspection.

#### **Part C - Certain disclosures not mandatory in case of a further public offer**

**[See regulation 123(2)(d), 186(3)(d), 218(2), 220(1)]**

- (1) An issuer making a further public offer of specified securities may not make the disclosures indicated hereunder and specified in Part A of this Schedule, subject to fulfilment of the conditions specified in para 2:
  - (i) Para (a) of sub-item (B) of item (8) under capital structure section;
  - (ii) Para (f) of sub-item (B) of item (8) under capital structure section;
  - (iii) Para (h) of sub-item (F) of item (10) under management section;
- (2) The conditions referred to in para (1) above are as follows:
  - (a) The issuer has been filing periodic statements in regard to financial results and shareholding pattern with the designated stock exchange and also with the Registrar of Companies (in case of a public issue), for the last three years and such statements are available on the website of the designated stock exchange or on a common e-filing platform;
  - (b) The issuer has in place an investor grievance handling mechanism, which includes meeting of the Shareholders/Investors' Grievance Committee at frequent intervals, appropriate delegation of power by the board of directors of the issuer with regard to share transfer and clearly laid out systems and procedures for timely and satisfactory redressal of investor grievances;
  - (c) The lead manager(s) has certified that the conditions specified at (a) and (b) above have been complied with;
  - (d) The issuer has furnished to the Board the following undertaking along with the draft offer document, which shall also be incorporated in the offer document:
 

“We confirm that other than the disclosures made in this offer document, nothing material has changed in respect of disclosures made by us at the time of our previous issue made on .....

- (e) The issuer has made the offer document of its immediately preceding public or rights issue public in the manner specified in sub-regulation (4) of regulation 26 and/or sub-regulation (4) of regulation 72, as applicable, and has also kept this document for public inspection in the manner specified in para (e) of sub-item (E) of Item (10) of Part A of this Schedule.

**Part D - Certain disclosures not mandatory in case of a fast track public issue**

An issuer making a fast track public issue of specified securities may not make the disclosures indicated hereunder and specified in Part A of this Schedule:

- (1) Para (a) of sub-item (B) of item (8) under capital structure section;
- (2) Para (f) of sub-item (B) of item (8) under capital structure section;
- (3) Para (h) of sub-item (F) of item (10) under management section;
- (4) Sub-para (ii) of para (a) of sub-item (G) of item (10) under promoter/ principle shareholder section;
- (5) Sub-para (iv) of para (b) of sub-item (G) of item (10) under promoter/ principle shareholder section

**Part E - Disclosures in an abridged prospectus**

[See regulation 34(1), 71(2)(d) and 131(1)]

An abridged prospectus shall contain information as is material and appropriate to enable investors to make an informed decision, and shall be as per the format and order specified by the Board in Annexure I.

**General Instructions:**

- (I) A copy of the abridged prospectus shall be submitted to the Board.
- (II) Information which is of a generic nature and not specific to the issuer shall be provided in the form of a General Information Document (GID) as specified by the Board and which shall be available separately and not be included in the draft offer document and offer document.
- (III) The abridged prospectus shall be printed in a booklet form of A4 size paper and, along with the application form and revision form, shall not exceed five sheets, printed both sides. Additional sheets may be appended for bidding centres.
- (IV) The abridged prospectus shall be printed in a font size which shall not be visually smaller than Times New Roman size 11 (or equivalent) with 1.0 line spacing.
- (V) The application form shall be so positioned that on the tearing-off of the application form, no part of the abridged prospectus is mutilated.

## Annexure I

This is an abridged prospectus containing salient features of the Red Herring Prospectus (RHP). You are encouraged to read greater details available in the RHP.

**THIS ABRIDGED PROSPECTUS CONTAINS 'XYZ' PAGES. PLEASE ENSURE THAT YOU HAVE RECEIVED ALL THE PAGES.**

You may obtain a physical copy of the Bid-cum-Application form and the RHP from stock exchange/s, syndicate members, registrar to issue, share transfer agents, depository participants, stock brokers, underwriters, bankers to the issue, investors' associations or Self Certified Syndicate Banks. You may also download the RHP from the websites of SEBI, Book Running Lead Managers and Stock Exchanges that is [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in); [www.nseindia.com](http://www.nseindia.com); [www.bseindia.com](http://www.bseindia.com); websites of BRLM's (to be specified).

## NAME OF THE ISSUER COMPANY

Registered Office and Corporate Office:

Contact Person:

Telephone:

E-mail:

Website:

CIN:

## NAMES OF PROMOTER OF THE COMPANY

## ISSUE DETAILS, LISTING AND PROCEDURE

This is an **initial public offering (IPO)** of equity shares or convertible securities of face value Rs [.] each of the company and we plan to raise (amount to be specified) by issuing equity shares or convertible securities at offer price of Rs. [.] each including a premium of Rs. [.] each. **These equity shares are proposed to be listed on (to be specified) (designated stock exchange) and (to be specified).**

The price band and the minimum Bid lot size for the IPO shall be advertised at least five (5) working days prior to bid/issue opening date in English national daily (to be specified), Hindi national daily (to be specified) and regional daily (to be specified). Details about the basis for the Issue Price will be available on the websites of BSE and NSE.

## Procedure:

If you wish to know about processes and procedures applicable to public issues, you may request for a copy of the General Information Document from Book Running Lead Managers (BRLMs) or download it from the websites of (stock exchanges to be specified along with website address) and the BRLMs (websites to be specified).

## ELIGIBILITY FOR THE ISSUE

Whether the company is compulsorily required to allot at least 75% of the net offer to public, to qualified institutional buyers - Yes / No

## INDICATIVE TIMETABLE

Bid Opening Date		Initiation of Refunds	
Bid Closing Date		Credit of Equity Shares to demat accounts of Allotees	
Finalisation of basis of allotment with the Designated Stock Exchange		Commencement of trading of Equity Shares on the Stock Exchanges	

\* The company may consider participation by Anchor Investors. The Anchor Investors shall Bid during the Anchor Investor Bidding Period, i.e., one Working Day prior to the Bid Opening Date.

**GENERAL RISKS**

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Issue unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the Issuer and this Issue, including the risks involved. The Equity Shares have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section titled "Risk Factors" at page XXX of the Red Herring Prospectus and on page XX of this Abridged Prospectus.

**PRICE INFORMATION OF BRLM'S\***

Issue Name	Name of Merchant Banker	+/- % change in closing price, (+/- % change in closing benchmark)- 30th calendar days from listing	+/- % change in closing price, (+/- % change in closing benchmark)- 90th calendar days from listing	+/- % change in closing price, (+/- % change in closing benchmark)- 180th calendar days from listing
		+1% (+5%)	-2% (-5%)	

\* Disclosures subject to recent 7 issues (initial public offerings) in current financial year and two preceding financial years managed by each Merchant Banker with common issues disclosed once.

Names of Book Running Lead Manager/s and contact details (telephone and email id) of each BRLM	
Names of Syndicate Members	

In case of issues by Small and Medium Enterprises under Chapter IX, details of the market maker to be included

Name of Registrar to the Issue and contact details (telephone and email id)	
Name of Statutory Auditor	
Name of Credit Rating Agency and the rating or grading obtained, if any	
Name of Debenture trustee, if any	
Self Certified Syndicate Banks	The list of banks is available on <a href="http://www.sebi.gov.in/sebiweb/home/list/5/33/0/0/Recognised-Intermediaries">http://www.sebi.gov.in/sebiweb/home/list/5/33/0/0/Recognised-Intermediaries</a>
Non Syndicate Registered Brokers	You can submit Bid cum Application Forms in the Issue to Non Syndicate Registered Brokers at the Non Syndicate Broker Centres. For further details, see section titled "Issue Procedure" beginning at page XXX of the Red Herring Prospectus
Details regarding website address(es)/link(s) from which the investor can obtain list of registrar to issue and share transfer agents, depository participants and stock brokers who can accept application from investor (as applicable)	

**PROMOTERS OF ISSUER COMPANY**

Details of promoter/s in not exceeding 1000 words explaining their experience

**BUSINESS MODEL / BUSINESS OVERVIEW AND STRATEGY**

500 word limit in total.

**BOARD OF DIRECTORS**

Sr. No.	Name	Designation (Independent / Whole time / Executive / Nominee)	Experience including current / past position held in other firms (20 - 40 words for each Director)
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			

### OBJECTS OF THE ISSUE

#### Details of means of finance -

The fund requirements for each of the objects of the Issue are stated as follows: (Rs in crores)

Sr. No.	Objects of the Issue	Total estimated cost	Amount deployed till	Amount to be financed from Net Proceeds	Estimated Net Proceeds Utilization	
					Fiscal 20__	Fiscal 20__
1						
2						
3						
4						
5	General corporate purposes					
	<b>Total</b>					

Details and reasons for non-deployment or delay in deployment of proceeds or changes in utilization of issue proceeds of past public issues/rights issues, if any, of the Company in the preceding 10 years.

Name of monitoring agency, if any

#### Terms of Issuance Of Convertible Security, if any

Convertible securities being offered by the Company	
Face Value/ Issue Price per Convertible securities	
Issue Size	
Interest on Convertible securities	
Conversion Period of Convertible securities	
Conversion Price for Convertible securities	
Conversion Date for Convertible securities	
Details of security created for CCD	

#### Shareholding Pattern

Sr. No.	Particulars	Pre Issue number of shares	% Holding of Pre issue
1.	Promoter & Promoter Group		
2.	Public		
	<b>Total</b>		100%

Number / amount of equity shares proposed to be sold by selling shareholders - if any



**RESTATED AUDITED FINANCIALS****Standalone**

	Latest Stub period	FY 5 (Last audited financial year prior to issue opening)	FY 4	FY 3	FY 2	FY 1
Total income from operations (net)						
Net Profit / (Loss) before tax and extraordinary items						
Net Profit / (Loss) after tax and extraordinary items						
Equity Share Capital						
Reserves and Surplus						
Net worth						
Basic earnings per share (Rs.)						
Diluted earnings per share (Rs.)						
Return on net worth (%)						
Net asset value per share (Rs.)						

**Consolidated**

	Latest Stub period	FY 5 (Last audited financial year prior to issue opening)	FY 4	FY 3	FY 2	FY 1
Total income from operations (net)						
Net Profit / (Loss) before tax and extraordinary items						
Net Profit / (Loss) after tax and extraordinary items						
Equity Share Capital						
Reserves and Surplus						
Net worth						
Basic earnings per share (Rs.)						
Diluted earnings per share (Rs.)						
Return on net worth (%)						
Net asset value per share (Rs.)						

**INTERNAL RISK FACTORS**

(Minimum 5 and maximum 10 risk factors to be specified)

The below mentioned risks are top 5 or 10 risk factors as per the RHP. (500 word limit in total)

**SUMMARY OF OUTSTANDING LITIGATIONS, CLAIMS AND REGULATORY ACTION**

A. Total number of outstanding litigations against the company and amount involved

B. Brief details of top 5 material outstanding litigations against the company and amount involved

Sr. No.	Particulars	Litigation filed by	Current status	Amount involved

C. Regulatory Action, if any - disciplinary action taken by SEBI or stock exchanges against the Promoters / Group companies in last 5 financial years including outstanding action, if any (200 - 300 word limit in total)

D. Brief details of outstanding criminal proceedings against Promoters (200 - 300 word limit in total)

**ANY OTHER IMPORTANT INFORMATION AS PER BRLM / ISSUER COMPANY****DECLARATION BY THE COMPANY**

We hereby declare that all relevant provisions of the Companies Act, 1956, the Companies Act, 2013 and the guidelines/regulations issued by the Government of India or the guidelines/regulations issued by the Securities and Exchange Board of India, established under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, as the case may be, have been complied with and no statement made in the Red Herring Prospectus is contrary to the provisions of the Companies Act, 1956, the Companies Act, 2013, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 or rules made or guidelines or regulations issued there under, as the case may be. We further certify that all statements in the Red Herring Prospectus are true and correct.

**Part F - Disclosures in an abridged letter of offer****[See regulation 75]**

- (1) A listed issuer making a rights issue of specified securities shall make disclosures, as specified in Part E of this Schedule.
- (2) However, if the conditions specified in clause (1) in Part B of this Schedule are satisfied, the disclosure requirements specified in the following clauses in Part E of this Schedule, shall not be applicable:
  - (a) Promoters of the issuer;
  - (b) Business Model/Business Overview and Strategy;
  - (c) Details and reasons for non-deployment or delay in deployment of proceeds or changes in utilization of issue proceeds of past public issues/rights issues, if any, of the Company in the preceding 10 years;
  - (d) Regulatory Action, if any - disciplinary action taken by SEBI or stock exchanges against the Promoters in last 5 financial years including outstanding action, if any;
  - (e) Price information of the lead manager (s); and
  - (f) Brief details of outstanding criminal proceedings against Promoters.

The following requirements of Part E shall be applicable in the manner provided below:

- (a) “Restated Audit Financials” should be read as “Audited and Limited Reviewed Financial Statements” and should provide disclosure for stub period and last completed accounting year for which audit has been completed
- (b) “Summary of Outstanding Litigations, Claims and Regulatory Action” shall also include brief details of pending matters involving moral turpitude or criminal liability on the part of the issuer and subsidiaries and economic offences where proceedings have been initiated against the issuer and subsidiaries.
- (3) The order in which the items shall appear in the abridged letter of offer shall correspond, wherever applicable, to the order in which the items appear in Part D of this Schedule.
- (4) The abridged letter of offer shall also include the following disclosures:
  - (a) Provisions pertaining to applications referred to in sub-regulations (1), (2) and (3) of regulation 78;
  - (b) Rights entitlement ratio;
  - (c) Fractional entitlements;
  - (d) Renunciation;
  - (e) Application for additional equity shares;
  - (f) Intention of promoters to subscribe to their rights entitlement;
  - (g) Statement that a copy of the offer document of the immediately preceding public or rights issue is available to the public as specified under sub-regulation (4) of regulation 26 and/or sub-regulation (4) of regulation 72, as applicable, and also as a document for public inspection.

**SCHEDULE VII - DISCLOSURES IN A PLACEMENT DOCUMENT****[See regulations 175(2)]**

- (1) Disclaimer

“The preliminary placement document and placement document relates to an issue made to qualified institutional buyers under Chapter VI of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 and that no offer is being made to the public or any other class of investors.”

- (2) Glossary of terms/abbreviations
- (3) Lead manager(s) and other advisors
- (4) Summary of the issue and the eligible security
- (5) Risk factors
- (6) Market prices:
  - (a) high, low and average market prices of the equity shares of the issuer during the preceding three years;
  - (b) monthly high and low prices for the six-month period preceding the date of filing of the preliminary placement document/placement document;
  - (c) number of equity shares traded on the days when high and low prices were recorded in the relevant stock exchange during period of (a) and (b) above, and total volume traded on those dates; (stock market data referred to above shall be shown separately for periods marked by a change in capital structure, with such period commencing from the date the concerned stock exchange recognizes the change in the capital structure (e.g., when the equity shares have become ex-rights or ex-bonus)
  - (d) market price immediately after the date on which the resolution of the board of directors approving the issue was approved
  - (e) volume of securities traded in each month during the six-month period preceding the date on which the preliminary placement document / placement document is filed with Registrar of Companies; (along with high, low and average prices of shares of the issuer, details relating to volume of business transacted should also be stated for respective periods.)
- (7) Use of proceeds:
  - (a) purpose of the placement;
  - (b) break-up of the cost of the project for which the money is being raised;
  - (c) means of financing for the project;
  - (d) proposed deployment status of the proceeds at each stage of the project.
- (8) Capitalization statement
- (9) Dividends in the preceding three years prior to the date of the placement document.
- (10) Selected financial and other information
- (11) The audited consolidated or unconsolidated financial statements, as applicable prepared in accordance with applicable accounting standards for the last three financial years. In addition, latest reviewed financials disclosed to the stock exchange.
  - (a) Report of statutory auditor's on the financial statements included in the preliminary placement document/placement document.
  - (b) Balance sheets
  - (c) Statements of income
  - (d) Schedules to accounts
  - (e) Statements of changes in stockholders' equity
  - (f) Statements of cash flows

- (g) Statement of accounting policies
- (h) Notes to financial statements
- (i) Statement relating to subsidiary companies (in case of unconsolidated financial statements)
- (12) Management's discussion and analysis of financial condition and results of operations
- (13) Industry description
- (14) Business description
- (15) Organizational structure
- (16) Board of directors and senior management
- (17) Latest shareholding pattern as submitted to the stock exchange (s)
- (18) Taxation aspects relating to the eligible securities
- (19) Legal proceedings to be disclosed in accordance with the materiality policy framed under the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015
- (20) Auditors
- (21) General information
- (22) Such other information as is material and appropriate to enable investors to make an informed investment decision.
- (23) Disclosures pertaining to wilful defaulters: If the issuer or any of its promoter or director has been declared as a wilful defaulter in the last ten years, it shall make the following disclosures with respect to each such person separately:
  - (a) Name of the person declared as a wilful defaulter;
  - (b) Name of the bank declaring the person as a wilful defaulter;
  - (c) Year in which the person was declared as a wilful defaulter;
  - (d) Outstanding amount when the person was declared as a wilful defaulter;
  - (e) Steps taken, if any, by the person for removal of its name from the list of wilful defaulters;
  - (f) Other disclosures, as deemed fit by the issuer, in order to enable investors to take an informed decision;
  - (g) Any other disclosure as specified by the Board.

### **SCHEDULE VIII - DISCLOSURES IN OFFER DOCUMENT AND ABRIDGED PROSPECTUS AND LETTER OF OFFER FOR ISSUE OF INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS**

[See regulations 185(2)(b), 193(1), 200(1), 218(2) and 222(1)]

#### **Part A - Disclosures in offer document for issue of Indian depository receipts**

[See regulation 185(2)(b) and 200(1)]

A prospectus for issue of Indian Depository Receipts (IDR) shall contain details as specified herein.

#### **(1) General instructions with respect to contents of the offer document:**

- (a) The lead manager(s) has the option to file the draft prospectus as a public filing or as a confidential filing, accompanied with fees as prescribed in Rule 5(1)(ii) of the Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004.
- (b) Where the lead manager(s) opts for confidential filing of the draft prospectus, it shall subsequently file an updated draft prospectus with the Board (without payment of any

additional fees), after incorporating therein changes, if any, specified by the Board. The updated draft prospectus shall be made public for a period of twenty one days from the date of its filing with the Board.

- (c) The contents of the prospectus including the financial statements of the issuing company, its subsidiaries and associates shall be in simple English.
- (d) The term “associate” for the purpose of this Schedule would mean “associate” as defined in Indian Accounting Standards, or IFRS or US GAAP in which the financial statements of the issuing company are disclosed.
- (e) The prospectus shall contain all material information which shall be true and adequate so as to enable the investors to make an informed decision.
- (f) The prospectus shall contain all information and statements specified herein.
- (g) The issuing company shall, through a lead manager(s), file a prospectus certified by two authorized signatories of the issuing company, one of whom shall be a whole-time director and other the Chief Accounts Officer or the Chief Financial Officer, stating the particulars of the resolution of the Board or the shareholders by which it was approved, with the Board and Registrar of Companies, New Delhi, before such issue. They shall also certify that all the disclosures made in the prospectus are correct and adequate.
- (h) The agreement made with the domestic depository shall be furnished along with the prospectus.
- (i) The lead manager(s) who is responsible for conducting due diligence exercise with respect to contents of the draft offer documents/offer document, as per inter-se allocation of responsibilities, shall sign the due diligence certificate.
- (j) A statement shall be made by the lead manager(s) in the prospectus (including a due diligence certificate) in the format as specified in these regulations.
- (k) A statement shall be made by the issuing company, disclaiming responsibility for statements made otherwise than in the prospectus, as follows:

“The issuing company, its directors and the lead manager (s) accept no responsibility for statements made otherwise than in the prospectus or in the advertisements or any other material issued by at our instance and anyone placing reliance on any other source of information including our website ..... shall be doing so at their own risk.”

(2) **The issue:**

Summary of the terms of the offer, including:

- (a) Offer and listing details
- (b) Plan of distribution
- (c) Markets
- (d) Selling shareholders, if any
- (e) Dilution
- (f) Expenses of the Issue

(3) **Forward-looking statements:**

A paragraph on the statements that are forward-looking and not matters of historical facts shall be incorporated. A statement on the sources of data used in the prospectus and their accuracy shall also be incorporated. A declaration shall also be incorporated on whether these have been independently verified.

(4) **General information:**

- (a) Definitions/terms used in the offer document;
- (b) Name, address and contact information of the registered office of the issuing company;

- (c) Name, address and contact information of the domestic depository, the overseas custodian bank with the address of its office in India, the lead manager (s), the underwriter to the issue, advisors to the issue and any other intermediary which may be appointed in connection with the issue of IDR;
  - (d) Names, addresses and contact information of experts and counsel;
  - (e) Name, address and contact information of the compliance officer in relation to the issue of IDR;
  - (f) Name, address and contact information of stock exchanges where applications are made or proposed to be made for listing of the IDR;
  - (g) Disclosure about provisions relating to punishment for fictitious applications;
  - (h) Statement/declaration for refund of excess subscription;
  - (i) Statement that an interest of 15 per cent. p.a. shall be paid to the investors if the allotment letters/refund orders are not despatched within fifteen days of the closure of the public issue;
  - (j) Declaration about issue of allotment letters/certificates/IDR within the stipulated period;
  - (k) Date of opening of issue;
  - (l) Date of earliest closing of the issue;
  - (m) Date of closing of issue;
  - (n) Method and expected timetable of the issue;
  - (o) A statement that subscription to the issue shall be kept open for at least three working days and not more than ten working days;
  - (p) Declaration by the lead manager(s) with regard to adequacy of resources of underwriters to discharge their respective obligations, in case of being required to do so;
  - (q) A statement by the issuing company that all monies received out of issue of IDR shall be transferred to a separate domestic bank account, name and address of the bank and the nature and number of the account to which the amount shall be credited;
  - (r) Details of availability of prospectus and forms, i.e., period, time, place etc.;
  - (s) Amount and mode of payment seeking issue of IDR;
  - (t) Disclosure on Investor Grievances and Redressal System:
    - (i) The arrangements or any mechanism evolved by the issuing company for redressal of investor grievances.
    - (ii) The past record (for a minimum period of three years before the date of the prospectus) of investor grievance redressal of the issuing company and its listed subsidiaries/associates including details as to the time normally taken by it for disposal of various types of investor grievances.
    - (iii) The company undertakes to subject itself to the jurisdiction of Indian courts having jurisdiction over the place where the stock exchange is situated regarding grievances of the IDR applicants and IDR holders.
- (5) **Risk factors:**
- (a) Risk factors shall be in relation to the following:
    - (i) Risk factors associated with the issuing company's business
    - (ii) Risk factors associated with the country of the issuing company proposing to issue IDR
    - (iii) Risk factors associated with the IDR/underlying shares
  - (b) Risk factors shall be classified as those which are specific to the project and internal to the issuing company and those which are external and beyond the control of the issuing company.

- (c) Risk factors shall be determined on the basis of their materiality. In doing so, the following shall be considered:
  - (i) Some risks may not be material individually but may be found material collectively.
  - (ii) Some risks may have a material impact which is qualitative though not quantitative.
  - (iii) Some risks may not be material at present but may have a material impact in the future.
- (d) Each risk factor shall appear in the following manner:
  - (i) Risk as envisaged by the issuer
  - (ii) Proposals, if any, to address the risks.

Any 'notes' required to be given prominence shall appear immediately after the risk factors.

(6) **Recent developments:**

Important events in the recent past (two financial years preceding the issue) providing details of important developments on three key areas: Operations & Management, Shareholding Patterns and Business Environment.

(7) **Exchange-wise market price information and other information concerning the shares in the domestic market of the issuing company:**

This information should be updated as on the last available date before the date of the prospectus.

- (a) Market price of shares for each quarter of the last three calendar years preceding the calendar year preceding the year of the issue of the prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
- (b) Market price of shares for each month of the calendar year preceding the year of the issue of the prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
- (c) Market price of shares for the month preceding the date of the prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
- (d) The opening and closing price on the last day of the month preceding the date of the prospectus along with the volume

(8) **Dividends:**

- (a) Dividend policy of the issuing company
- (b) Rate of dividend and amount of dividend paid for the last five financial years
- (c) Regulatory framework in the country of incorporation/share listed concerning dividends
- (d) Details of arrangement with the depositories for payment of dividend to the IDR holders
- (e) Changes, if any, in dividends announced and dividends paid and time gap between the dividends announced and dividends paid
- (f) Dividend yield
- (g) Taxation aspects of dividend distribution

(9) **Exchange rates:**

- (a) Brief history of the pattern of the exchange rates between the country of incorporation/where shares are listed and India
- (b) High, Low and Average exchange rates for the last five years
- (c) High, Low and Average exchange rates for the last twelve months

(10) **Foreign investment and exchange controls of the country of incorporation/ where the shares are listed:**



Information relating to the relevant foreign investment laws and exchange control regulations of the country of incorporation or country where the underlying equity shares are listed.

**(11) Objects of the issue/use of proceeds:**

- (a) Purpose of the issue
- (b) Break-up of the cost of the project for which the money is raised through the IDR issue
- (c) Means of financing of the project
- (d) Proposed deployment of the proceeds at each stage of the project.

**(12) Interim use of funds:**

The issuer company shall keep funds in a bank having a credit rating of 'A' or above by an international credit rating agency.

**(13) Capitalisation statement:**

Particulars	Pre-issue as at ..... (Rupees in crores)
Short-Term Debt	
Long Term Debt	
Shareholders' Funds	
– Share Capital	
– Reserves	
Total Shareholders' Funds	
Long Term Debt/Equity	

**(14) Capital structure:**

- (a) Authorised, issued, subscribed and paid-up capital (number of instruments, description, aggregate nominal value)
- (b) Size of the present issue
- (c) Paid-up Capital:
  - (i) before the issue;
  - (ii) after the issue (if the IDR issue involves issue of fresh equity shares); and
  - (iii) share premium account (before and after the issue)
- (d) Detailed notes to the capital structure
- (e) Details regarding holdings of major shareholders i.e., the person or persons who are in overall control of the company
- (f) Different classes of shares based on different criteria, if any.

**(15) Financial information:**

**General Instructions:**

(1) The format of disclosure of financial results may be as per the disclosure requirements of the issuing company in the home country where the issuer is listed.

(2) The issuing company shall mention the type of disclosures that it will follow i.e. whether as per Indian Accounting Standards, IFRS or US GAAP and any change in such format shall be informed to the IDR holders by way of notices to the stock exchanges.

- (a) The audited consolidated or unconsolidated financial statements, prepared in accordance with the Indian Accounting Standards (including all Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India) or with the International Financial Reporting Standards (IFRS) or US GAAP, for a period of three financial years immediately preceding the date of the prospectus shall contain the following:
- (i) Report of Auditors on the Financial Statements
  - (ii) Balance Sheets
  - (iii) Statements of Income
  - (iv) Schedules to Accounts
  - (v) Statements of Changes in Stockholders' Equity
  - (vi) Statements of Cash Flows
  - (vii) Statement of Accounting Policies
  - (viii) Notes to the Financial Statements
  - (ix) Statement Relating to Subsidiary Companies (in case of unconsolidated financial statements)
  - (x) Related Party Transactions
  - (xi) Liquidity and Capital Resources
- (b) The financial information in the prospectus shall be disclosed in the issuing company's functional currency/reporting currency/national currency and the reporting currency shall be restricted to Sterling Pound/Euro/Yen/US Dollar.
- (c) In case the financial results are prepared as per IFRS or US GAAP, the financial results shall be audited by a professional accountant or certified public accountant or equivalent (by whatever name called in the home country in accordance with the International Standards on Auditing (ISA)).
- (d) Where the law of the home country requires annual statutory audit of the accounts of the issuing company, a report of the statutory auditor on the audited financial statements of the issuing company for each of the three financial years immediately preceding the date of the prospectus including the profits or losses, assets, liabilities and cash-flow statement of the issuing company at the last date to which the accounts of the issuing company were made in the specified form:
- Provided the gap between date of opening of issue and date of report shall not exceed 120 days.
- (e) The report prepared by the statutory auditors of the issuing company should disclose financial statements (as per relevant period in the annual report) in Indian Rupees (at the closing rate of exchange, as at the date on which the financial information is presented), compiled in a tabular form and include the consolidated or unconsolidated income statement, consolidated or unconsolidated cash flow statements, consolidated or unconsolidated balance sheet and the capitalisation statement required under item (12).
- (f) The interim audited financial statements in respect of the period ending on a date which is less than 180 days prior to the date of opening of the issue have to be included in the report, if the gap between the ending date of the latest audited financial statements disclosed as above and the date of the opening of the issue is more than 180 days:
- Provided that if the gap between such date of latest audited financial statements and the date of opening of issue is 180 days or less, the requirement above shall be deemed to be complied with, if disclosures in respect of material changes in the financial position of issuing company for such gap are disclosed in the prospectus:

Provided further that in case of an issuing company which is a foreign bank incorporated outside India and which is regulated by a member of the Bank for International Settlements or a member of the International Organization of Securities Commissions which is a signatory to a Multilateral Memorandum of Understanding, the requirement above, in respect of period beginning with last date of period for which the latest audited financial statements are made and the date of opening of the issue shall be satisfied, if the relevant financial statements are based on limited review report of such statutory auditor.

- (g) In case the issuing company opts to prepare and disclose the financial results as per US GAAP, a reconciliation statement vis-a-vis Indian Accounting Standards and summary of significant differences between the Indian Accounting Standards and US GAAP has to be annexed with the report. If financial results are prepared in accordance with IFRS, issuing company shall annex the summary of significant differences between the Indian Accounting Standards and IFRS.
- (h) Where the law of the home country does not require annual statutory audit of the accounts of the issuing company, a report, prepared in accordance with Indian accounting standards certified by Chartered Accountant in practice within the terms and meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 on the financial statements/ results of the issuing company for each of the three financial years immediately preceding the date of prospectus including the profits or losses, assets, liabilities and cash-flow statement of the issuing company at the last date to which the accounts of the issuing company were made in the specified form:

**Provided that** the gap between date of opening of issue and date of report shall not exceed 120 days.

- (i) The report prepared by the Chartered Accountants should disclose financial statements in Indian Rupees (at the closing rate of exchange, as at the date on which the financial information is presented), compiled in a tabular form and include the consolidated or unconsolidated income statement, consolidated or unconsolidated cash flow statements, consolidated or unconsolidated balance sheet and the capitalisation statement required under item (13).
- (j) The interim financial statements in respect of the period ending on a date which is less than 180 days prior to the date of opening of the issue have to be included in report, if the gap between the ending date of the latest financial statements disclosed above and the date of the opening of the issue is more than 180 days:

Provided that if the gap between such date of latest audited financial statements and the date of opening of issue is 180 days or less, the requirement above shall be deemed to be complied with if disclosures in respect of material changes in the financial position of issuing company for such gap are disclosed in the prospectus.

- (k) If the proceeds of the IDR issue are used for investing in other body(ies) corporate, following details of such body(ies) corporate shall be given:
  - (i) Names and address of the body(ies) corporate;
  - (ii) The reports as stated above in respect of those body(ies) corporate also.

**(16) Statement on material developments subsequent to the date of the last financial statements as disclosed in the offer document:**

A statement by the directors of the issuing company whether in their opinion there have arisen any circumstances since the date of the last financial statements as disclosed in the prospectus any which materially and adversely affect or is likely to affect the trading or profitability of the issuing company, or the value of its assets, or its ability to pay its liabilities within the next twelve months, and if so, an outline of such circumstances and an assessment of their likely impact.

**(17) Management discussion and analysis of the financial statements (by comparing the recent financial year with the previous three financial years):**

- (a) A summary of the past financial results after adjustments as given in the auditors report for the past three years containing significant items of income and expenditure shall be given
- (b) Overview of the business of the issuing company
- (c) Factors that may affect the results of the operations
- (d) An analysis of reasons for the changes in significant items of income and expenditure , *inter alia*, containing the following:
  - (i) unusual or infrequent events or transaction
  - (ii) significant economic changes that materially affected or are likely to effect income from continuing operations
  - (iii) known trends or uncertainties that have had or are expected to have a material adverse impact on sales, revenue or income from continuing operations
  - (iv) future changes in relationship between costs and revenues, in case of events such as future increase in labour or material costs or prices that will cause a material change are known
  - (v) extent to which material increases in net sales or revenue are due to increased sales volume, introduction of new products or services or increased sales prices
  - (vi) total turnover of each major industry segment in which the issuing company operated
  - (vii) status of any publicly announced new products or business segment
  - (viii) extent to which business is seasonal
  - (ix) any significant dependence on a single or few suppliers or customers
  - (x) competitive conditions
- (18) **Industry and business overview:**

Market including details of the competition, past production numbers for the industry, existing industry capacity, past trends and future prospects regarding exports (if applicable), demand and supply forecasts (if given, should be essentially with assumptions unless sourced from a market research agency of repute), etc. Source of data shall be mentioned.
- (19) **Details of the issuing company:**
  - (a) Main object, history and present business of the issuing company
  - (b) Location of the project, if any
  - (c) Installed capacity and the details of plant and machinery, infrastructure facilities, technology etc., where applicable
  - (d) Schedule of implementation of the project and progress made so far, if applicable
  - (e) Nature of product(s)/ services, consumer (s), industrial user (s)
  - (f) Research and development, patents and licenses, etc.
  - (g) Property, plants and equipment
  - (h) Financial and other defaults, if any
  - (i) Underwriting
  - (j) Experts
  - (k) Where you can find additional information
  - (l) Enforcement of civil liabilities against foreign persons
- (20) **Subsidiaries and associates of the issuing company:**

- 
- (a) The following information for the last three years based on the audited statements in respect of subsidiaries and associates of the issuing company:
- (i) Date of incorporation
  - (ii) Nature of activities
  - (iii) Equity capital
  - (iv) Reserves (excluding revaluation reserve)
  - (v) Sales
  - (vi) Profit After Tax (PAT)
  - (vii) Earnings Per Share (EPS) and
  - (viii) Net Asset Value (NAV)
- (b) If the subsidiaries and associates are not required to prepare such audited statements as per the laws prevailing in those countries, the same may be certified as true and correct by the Board of Directors and the management of such companies, provided a certificate from a certified public accountant or equivalent practicing in the concerned country is submitted to the Board.
- (21) Management:**
- (a) Details with respect to the promoters and their background. If there are no identifiable promoters, the details and background of all persons who hold 5 per cent. or more equity share capital of the issuer.
  - (b) Details of the board of directors and the key managerial personnel (i.e. name, address of directors, manager, managing director or other principal officers of the issuing company, date of birth, age, qualifications, industry experience, other directorships).
  - (c) Remuneration of the Directors and the Key managerial personnel with detailed breakup, sitting fees, their relation with promoters/controlling shareholder(s), if any, their equity holding in the issuing company, duration of their association with the issuing company.
  - (d) Organisation structure.
  - (e) Practices of the Board of Directors
  - (f) Employees
- (22) Securities market of the country of incorporation where the shares are listed:**
- (a) Brief history
  - (b) Stock exchange regulations
  - (c) Listing regulations
  - (d) Details of the securities market regulator of the country of the issuing company
  - (e) Whether the securities market regulator of the country of the issuing company has signed any MoU with the Board/IOSCO
  - (f) Disclosure under the Companies Act and Securities Regulations (or equivalent thereof)
  - (g) Stock exchanges
  - (h) Takeover Code/Buy back Code
  - (i) Reforms in some key sectors of the economy
  - (j) Restriction on foreign ownership of securities
  - (k) Overview of the financial sector
  - (l) Nature of the securities trading market in that country

- (m) A statement of how the enforcement of Indian securities laws would be affected by the fact that the issuing company is located outside India
  - (n) A comparative analysis of the corporate governance provisions that would be followed by the issuing company vis-à-vis that is applicable to Indian listed companies
- (23) **Description of the IDR and rights of IDR holders:**
- (a) Brief description of the IDR
  - (b) Dividends, other distributions and rights of IDR holders
  - (c) Voting rights if any and the manner of their exercise by IDR holders, if any
  - (d) Record dates and how the same will be disclosed.
  - (e) Reports and other communication to which the IDR holders will be entitled.
  - (f) Procedure of conversion of IDR into shares
  - (g) Governing law regarding various aspects of IDR and transactions therein
- (24) **Provisions regarding transfer of shares and depository receipts:**
- (a) Provisions regarding transfer of IDR
  - (b) Outline of provisions regarding transfer of underlying shares after conversion
- (25) **Information relating to the depository — Indian and international:**
- Brief details of the domestic depository, overseas custodian bank and depository agreement.
- (26) **Approvals of the government/regulatory authorities:**
- Information relating to statutory and regulatory approvals required in home country for the issue and the related aspects and their status, and approvals from Indian regulatory authorities
- (27) **Taxation framework in India and the country of incorporation/ where shares are listed:**
- Information relating to relevant provisions of taxation law, tax treaties and their impact for IDR holders
- (28) **Outstanding litigations and defaults:**
- (a) Material litigation/liabilities/default including arrears/potential liabilities of the issuing company, its promoters/controlling shareholders/directors and its subsidiaries and associates.
  - (b) Materiality shall be determined on the basis of factors which are specific to the project and to the issuing company, its promoters/controlling shareholders/directors, its subsidiaries and associates, which may have a bearing on the performance of the issuing company.
  - (c) Materiality shall be decided taking the following factors into account:
    - (i) Some litigation/default may not be material individually but may be material when considered collectively.
    - (ii) Some litigation/default may have material impact which is qualitative though not quantitative.
    - (iii) Some litigation/default may not be material at present but may have a material impact in the future.
- (29) **Basis of issue price:**
- (a) Earnings Per Share (EPS) pre-issue for the last three years (as adjusted for changes in capital)
  - (b) P/E pre-issue
  - (c) Average return on net worth in the last three years
  - (d) Minimum return on increased net worth required to maintain pre-issue EPS

- (e) Net Asset Value per share based on last balance sheet
- (f) Net Asset Value per share after issue and comparison thereof with the issue price
- (g) Comparison of all the accounting ratios of the issuing company as mentioned above with the industry average and with the accounting ratios of the peer group (i.e. companies of shares and of the IDR). The aggregate face value of the total equity shares underlying a single comparable size in the same industry. *[The source from which industry average and accounting ratios of the peer group has been taken should be indicated]*.
- (h) The face value of the IDR shall also be given.

**Provided that** the projected earnings shall not be used as a justification for the issue price in the prospectus.

**Provided further that** the accounting ratios disclosed in the prospectus in support of basis of the issue price shall be calculated after giving effect to the consequent increase in capital on account of compulsory conversions outstanding, as well as on the assumption that the options outstanding, if any, to subscribe for additional capital will be exercised.

(30) **Main provisions of articles of association/main charter of the issuing company**

(31) **Material contracts and documents for inspection:**

Place at which inspection of the documents specified under rule 7 of the Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004, the prospectus, the financial statements and auditor's report thereof will be allowed during the normal business hours.

(32) **Other information:**

- (a) Disclosure of mandatory vetting of the prospectus by the legal counsel to the issuing company operating at the place where the registered office of the Issuing company is situated.
- (b) Consent of the lead manager(s), overseas custodian bank, the domestic depository and all other intermediaries associated with the issue of IDRs.
- (c) Fees and expenses payable to the intermediaries involved in the issue of IDRs.

**Part B - Disclosures in an abridged prospectus for Indian depository receipts**

[See regulation 193(1)]

**General Instructions:**

- (I) A copy of the abridged prospectus shall be submitted to the Board.
- (II) The abridged prospectus shall be printed in a booklet form of A4 size paper and, along with the application form and revision form, shall not exceed five sheets, printed both sides. Additional sheets may be appended for bidding centres.
- (III) The abridged prospectus shall be printed in a font size which shall not be visually smaller than Times New Roman size 11 (or equivalent) with 1.0 line spacing.
- (IV) The application form shall be so positioned that on the tearing-off of the application form, no part of the abridged prospectus is mutilated.
- (V) The format of the abridged prospectus should include the following:

The abridged prospectus for the issue of Indian Depository Receipts (IDR) shall contain the following disclosures:

(1) **General Information:**

- (a) The name of the issuing company and address of the registered office of the issuing company, along with telephone number, e-mail address and website address, and if there has been a change in the address of the registered office or name of the issuing company, details thereof.
- (b) Name, address and contact information of the registered office of the issuing company;

- (c) Name, address and contact information of the domestic depository, the overseas custodian bank with the address of its office in India, the lead manager(s), the underwriter to the issue, the advisors to the issue and any other intermediary which has been appointed in connection with the issue of IDRs;
- (d) Name, address and contact information of the compliance officer in relation to the issue of IDRs. The compliance officer should be based in India
- (e) Name, address and contact information of the stock exchanges where applications have been made or are proposed to be made for listing of the IDRs;
- (f) Date of opening of issue;
- (g) Date of closing of issue;
- (h) Method and expected timetable of the issue;
- (i) Date of earliest closing of the issue;
- (j) Details of availability of prospectus and forms, i.e., date, time, place etc.;
- (k) Amount and mode of payment seeking issue of IDRs;
- (l) Disclosure on Investor Grievances and Redressal System;
- (m) Undertaking that the issuing company shall subject itself to the jurisdiction of the Indian Courts having jurisdiction over the place where the stock exchange is situated regarding grievances of the IDR applicants and IDR holders.

(2) **Capital Structure of the Issuing Company:**

Sr. No.	Particulars	Pre Issue number of shares	% Holding of Pre Issue
1.	Promoter & Promoter Group		
2.	Public		
	Total		

**Note:** Information required for each class of shares

(3) **Terms of the Present Issue:**

- Issue details, including issue size
- Names of stock exchanges where IDRs are proposed to be listed
- Designated stock exchange
- Procedure
- Indicative timeline

(4) **Instructions for Applicants:**

- (a) How to apply, availability of prospectus, abridged prospectus and application forms, mode of payment and book building procedure, if relevant.
- (b) In the application form, the declaration relating to nationality and residency shall be shown prominently as under:
 

"Nationality and Residency (Tick whichever is applicable)

  - (i) I am/We are Indian National(s) resident in India and I am/We are not applying for the said equity shares as nominee(s) of any person resident outside India or Foreign National(s).



- (ii) I am/We are Indian National(s) resident in India and I am/We are applying for the said equity shares as Power of Attorney holder(s) of Non- Resident Indian(s) mentioned below on non-repatriation basis.
- (iii) I am/We are Indian National(s) resident outside India and I am/We are applying for the said equity shares on my/our own behalf on non-repatriation basis."
- (c) The application form should contain necessary instructions/provisions for the following:
  - (i) Instructions to applicants to mention the number of application form on the reverse of the instruments to avoid misuse of instruments submitted along with the applications for shares/debentures in public issues.
  - (ii) Provision in the application form for inserting particulars relating to bank account number and the name of the bank with whom such account is held, to enable printing of the said details in the refund orders or for refunds through Electronic Clearing System.
  - (iii) Instruction to applicants to disclose Permanent Account Number in the application form, irrespective of the amount for which application/bid is made, along with the instruction that applications without Permanent Account Number would be rejected.
  - (iv) PAN/GIR number.
  - (v) Details of options, if any, to receive securities subscribed for and a statement that trading in securities on the stock exchanges in physical form will be available only subject to limits prescribed by the Board.
- (d) Any special tax benefits for issuing company and its shareholders (Only section numbers of the Income Tax Act and their substance should be mentioned, without reproducing the text of the sections).
- (e) Restrictions on investments in IDRs/fungibility of IDRs.
- (5) **Particulars of the Issue:**
  - (a) Objects of the issue
  - (b) Project cost
  - (c) Means of financing
  - (d) Name of the Appraising Agency, if any
  - (e) Name of the Monitoring Agency, if any
- (6) **Description of the IDRs and Rights of IDR Holders:**
  - (a) Brief description of the IDRs
  - (b) Dividends, other distributions and rights of IDR holders
  - (c) Voting rights and their manner of exercise by IDR holders, if any
  - (d) Record dates and how the same will be disclosed
  - (e) Reports and other communication to which the IDR holders will be entitled
  - (f) Conversion procedure of IDRs into shares
  - (g) Governing law regarding various aspects of IDRs and transactions therein.
- (7) **Business Model/ Business Overview and Strategy** (500 word limit in total)
- (8) **Exchange-wise stock market data:**

This information should updated as on the last available date before the date of the prospectus

  - (a) Market price of shares for each quarter of the last three calendar years preceding the calendar year preceding the year of the issue of the prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)

- (b) Market price of shares for each month of the calendar year preceding the year of the issue of the prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
  - (c) Market price of shares for the month preceding the date of the prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
  - (d) The Opening and Closing price on the last day of the preceding month of the date of the prospectus along with the volume
- (9) **Internal Risk Factors:** Minimum 5 and maximum 10 risk factors to be specified (500 word limit in total)
- (10) **Outstanding Material Litigations and Defaults**

**A.** Total number of outstanding litigations against the company and amount involved

**B.** Brief details of top 5 material outstanding litigations against the company and amount involved

Sr. No.	Particulars	Litigation filed by	Current status	Amount involved

- (11) **Material Developments:** Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on performance and prospects of the company.
- (12) **Board of Directors**

Sr. No.	Name	Designation (Independent/ Whole time / Executive / Nominee)	Experience including current / past position held in other firms (20 - 40 words for each Director)

- (13) **Financial Performance of the Issuing company for the last three years** (Figures to be taken from the audited annual accounts in a tabular form):
- (a) Balance Sheet Data: Equity Capital, Reserves (State Revaluation Reserve, the year of revaluation and its monetary effect on assets) and borrowings
  - (b) Profit and Loss data: Sales, Gross profit, Net profit, dividend paid, if any
  - (c) Any change in accounting policies during the last three years and their effect on the profits and the reserves of the issuing company
  - (d) Following information as extracted from the report of the auditors reproduced in the main prospectus:
    - (i) net profit before accounting for extra ordinary items
    - (ii) extra ordinary items
    - (iii) net profit after accounting for extra ordinary items
- (14) Disclosure on Investor Grievances and Redressal System

- (15) Information relating to relevant provisions of taxation law, tax treaties and their impact for IDR holders.
- (16) Brief details of the domestic depository, overseas custodian bank and depository agreement.
- (17) Signatories to the Prospectus.

**Part C - Disclosures in the addendum to an offer document for rights issue of Indian depository receipts**

**[See regulation 218 (2)]**

- (1) A listed issuer making a rights issue of IDRs shall make the disclosures as specified in this Part in the form of an addendum to the offer document.
- (2) Notwithstanding the above, where disclosures of matters similar or equivalent to those set out in this Schedule are required by home country regulations to be made in a particular form or by reference to particular requirements of such regulations, the same shall prevail over the requirements of this Schedule and shall be deemed to be complied with by disclosures made in the offer document on the basis of the home country regulations, but a reference shall be made in the addendum, to the concerned page numbers of the offer document where such disclosures are made.

**(I) Cover page:**

**(A) Front cover page:**

- (1) The front outside cover page of the addendum for a rights offering shall contain the following details:
  - (a) The name of the issuer, its logo, address of its registered office, principal office in India, its telephone number, fax number, contact person, website address and e-mail address.
  - (b) The number and price of IDRs offered and issue size, as may be applicable.
  - (c) The following disclaimer and advisory on general risk:
 

"Investment in IDRs involves a degree of risk and investors should not invest any funds in this offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this offering. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the issuer and the offer including the risks involved. The securities being offered in the issue have not been recommended or approved by Securities and Exchange Board of India (SEBI) nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of this document."
  - (d) Specific attention of investors shall be invited to the statement of "Risk factors" given on page number(s) ..... under the section "General Risks".
  - (e) Save where a form of responsibility statement is required in the offer document in accordance with the home country regulations, the following clause on 'Issuer's Absolute Responsibility' shall be incorporated in a box format:
 

"The issuer, having made all reasonable inquiries, accepts responsibility for and confirms that the offer document and the addendum contains all information with regard to the issuer and the issue, which is material in the context of the issue, that the information contained in the offer document and the addendum is true and correct in all material respects and is not misleading in any material respect, that the opinions and intentions expressed herein are honestly held and that there are no other facts, the omission of which make these documents as a whole or any of such information or the expression of any such opinions or intentions misleading in any material respect."
  - (f) The name, logo and address of the lead manager(s) and the designation of the officers/employees who have signed the due diligence certificate and filed the offer

document and the addendum with the Board, along with their telephone numbers, fax numbers, website addresses and e-mail addresses.

(g) The name, logo and address of the registrar to the issue, along with its telephone number, fax number, website address and e-mail address.

(h) Issue schedule:

(i) Date of opening of the issue.

(ii) Date of closing of the issue.

(iii) Last date for request for split.

(iv) The names of the stock exchanges where the IDRs of the issuer are listed and the details of in-principle approval for listing of the IDRs proposed to be offered in the rights issue.

(B) **Back cover pages:** The back inside cover page and back outside cover page of the addendum shall be in white.

**(II) Instructions for applicants:**

(A) Disclosure in relation to the process for announcement of record date, terms of payments and procedure and time schedule for allotment and issue of certificates, credit of IDRs to the investors' demat account.

(B) How to apply, availability of application forms and offer document for rights offering and mode of payment for all category of investors.

(C) A statement that the IDR holders who have not received the application form may, along with the requisite application money, apply in writing on a plain paper.

(D) The format to enable the IDR holders to make the application on plain paper specifying therein necessary particulars such as name, address, ratio of rights issue, issue price, number of IDRs held, ledger folio numbers, depository participant ID, client ID, number of IDRs entitled and applied for, additional IDRs if any, amount to be paid along with application, and particulars of cheque, etc. to be drawn in favour of the issuer's account.

(E) A statement that the IDR holders making the application otherwise than on the application form shall not renounce their rights and shall not utilise the application form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently.

(F) Provisions relating to punishment for fictitious applications, including the disclosures that any person who:

(a) makes in a fictitious name an application to a company for acquiring, or subscribing for, any IDRs therein, or

(b) otherwise induces a company to allot, or register any transfer of, IDRs therein to such person, or any other person in a fictitious name, shall be punishable in accordance with the provisions of law.

(G) Mode of making refunds:

(1) The mode in which the issuer shall make refunds to applicants in case of oversubscription or failure to list.

(2) If the issuer proposes to use more than one mode of making refunds to applicants, the respective cases where each such mode will be adopted shall be disclosed.

**(III) General information:**

(A) Name, address and contact information including telephone numbers, fax numbers, contact person, website addresses and e-mail addresses of the domestic depository, the overseas custodian bank with the address of its office in India, the merchant banker, the underwriter to

the issue, syndicate member(s), bankers to the issue, self certified syndicate banks, auditors of the issuer, legal advisors to the issue and any other intermediary which may be appointed in connection with the issue of IDRs.

- (B) Names, addresses and contact information of experts and counsel.
- (C) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers and e-mail addresses of the Company Secretary and compliance officer of the issuer in India.
- (D) The statement of inter-se allocation of responsibilities among lead manager(s), where more than one merchant banker is associated with the issue.
- (E) The details of underwriting of the IDRs, if any:
  - (1) The names, address, telephone numbers, fax numbers and e-mail address of the underwriters and the amount underwritten by them.
  - (2) A declaration by the board of directors of the issuer that, as far as the directors are aware, the underwriters of IDRs have sufficient resources to discharge their respective obligations.
- (F) In case of partial underwriting of the issue, the extent of underwriting.
- (G) The details of final underwriting arrangement in the addendum for rights offering filed with the designated stock exchange, indicating actual number of IDRs underwritten.
- (H) Method and expected timetable of the issue.
- (I) A statement by the issuing company that all monies received out of issue of IDR shall be transferred to a separate domestic bank account, name and address of the bank and the nature and number of the account to which the amount shall be credited.
- (J) Details of availability of the offer document along with the addendum and forms, i.e., date, time, place etc.
- (K) Amount and mode of payment seeking issue of IDRs.
- (L) A brief statement about the history, corporate structure and business overview of the issuer and major events in the past.
- (M) A brief status or statement on the compliance status of the issuer of its obligations under Depository Agreement and the provisions of the listing agreement entered between the issuer and the stock exchanges, wherever its securities are listed, including the listing agreement entered with stock exchanges in India.

**(IV) Management (Board of Directors):**

- (A) Name, date of birth, age, qualifications, experience, address, occupation and date of expiration of the current term of office of executive or whole time directors, giving their directorships in other companies, as the case may be.
- (B) The nature of any family relationship between any of the directors.
- (C) Any arrangement or understanding with major shareholders, customers, suppliers or others, pursuant to which of the directors was selected as a director or member of senior management.
- (D) Details of service contracts entered into by the directors with the issuer providing for benefits upon termination of employment and a distinct negative statement in the absence of any such contract.

**(V) Financial information of the issuer:**

- (A) Convenience translation of the latest annual audited statements of consolidated profit and losses, assets and liabilities and cash flows, in Indian Rupees at the closing rate of exchange, as at the date on which the financial information is presented, as filed with the stock exchanges, pursuant to relevant provisions of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

- (B) Convenience translation of the latest periodical financial results, in Indian Rupees (at the closing rate of exchange as at the date on which the financial information is presented), as filed with the stock exchanges, pursuant to relevant provisions of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
- (C) One standard financial unit shall be used in the Letter of Offer.
- (D) Link from where the investors can download the soft copy of detailed Annual Report of the issuer and their periodical filings.

**(VI) Risk factors:**

- (A) Risk factors shall be disclosed as follows:
  - (1) Risk factors associated with the issuing company's business
  - (2) Risk factors associated with the country of the issuing company proposing to issue IDR
  - (3) Risk factors associated with the IDR / underlying shares
- (B) Risk factors shall be classified as those which are specific to the project and internal to the issuing company and those which are external and beyond the control of the issuing company.
- (C) Risk factors shall be determined on the basis of their materiality. Materiality shall be decided taking the following factors into account:
  - (1) Some events may not be material individually but may be found material collectively
  - (2) Some events may have material impact qualitatively instead of quantitatively
  - (3) Some events may not be material at present but may be having material impacts in future.

**(VII) Capital structure:**

- (A) The authorised, issued and subscribed capital after suitable incorporation of the outstanding convertible securities (number of securities, description and aggregate nominal value).
- (B) Paid-up capital.(segregating IDRs).
- (C) The following details of outstanding instruments:
  - (1) Details of options, if any.
  - (2) Details of convertible securities, if any.
- (D) The shareholding pattern and IDR holding pattern as per the latest filing with the stock exchange(s).
- (E) The details of the shareholders holding more than three per cent. of the share capital of the issuer.
- (F) The details of IDRs lock-in, pledge of and encumbrance on such IDRs held by promoters, if applicable.
- (G) The details of IDRs acquired by promoters and promoter group, if applicable in the last six months immediately preceding the date of filing of the offer document along with addendum for rights offering with the designated stock exchange, in case of a fast track issue and in any other case, the date of filing draft offer document along with addendum for rights offering with the Board.

**(VIII) Particulars of the issue:**

- (A) Objects of the Issue:
  - (1) The purpose of the issue.

- (2) Break-up of the cost of project for which the money is raised through the IDR issue.
  - (3) The means of financing such project.
  - (4) The proposed deployment status of the proceeds at each stage of the project.
  - (5) Interest of promoters (if any) and directors, as applicable to the project or objects of the issue.
- (B) Interim Use of Funds: The issuer company shall keep funds in a bank having a credit rating of 'A' or above by an international credit rating agency.
- (C) Any special tax benefits to the IDR holders.

**(IX) Market price information and other information concerning the shares/ IDRs:**

Following information should be provided exchange-wise, if the securities are listed in more than one exchange. This information should be updated as on last practicable date before the date of the offer document.

- (A) Week-end prices for the last four weeks and highest and lowest prices of equity shares during the period with the relative dates.
- (B) Stock market quotation of shares of the company (high/low price in each of the last three years and monthly high/low price during the last six months).
- (C) The same details shall be provided for IDRs listed in stock exchange.

**(X) Exchange rates:**

- (A) Brief history of the pattern of exchange rates between the country of incorporation/where shares are listed and India.
- (B) High, Low, Average Rates for the last twelve months.

**(XI) Material litigations and defaults:**

- (A) Material litigation/liabilities/defaults including arrears/potential liabilities of the issuing company, its promoters/controlling shareholders/directors and its subsidiaries and associates.
- (B) Materiality shall be determined on the basis of factors which are specific to the project and to the issuing company, its promoters/controlling shareholders/directors, its subsidiaries and associates, which may have a bearing on the performance of the issuing company.
- (C) Materiality shall be decided taking the following factors into account:
  - (1) Some litigation/defaults may not be material individually but may be found material collectively.
  - (2) Some litigation/defaults may have material impact qualitatively instead of quantitatively.
  - (3) Some litigation/defaults may not be material at present but may be having a material impact in future.

**(XII) Material development:**

Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on performance and prospects of the issuer in accordance with the home country regulations.

**(XIII) Material contracts and documents for inspection:**

Place at which inspection of the documents specified under rule 7 of the Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004, the offer document along with the addendum, the financial statements and auditor's report thereof will be allowed during the normal business hours.

**(XIV) Other regulatory and statutory disclosures:**

- (A) Authority for the issue and details of resolution passed for the issue.
- (B) A statement by the issuer that the issuer, promoters, directors or person(s) in control of the promoter or the issuer, if applicable, have not been prohibited from accessing or operating in the capital markets or restrained from buying, selling or dealing in securities under any order or direction passed by the Board or the securities regulator of its home country.
- (C) It may be disclosed whether the issuer, promoters, the relatives of promoters, group companies, if applicable, are identified as wilful defaulters in India or in its home country.
- (D) Disclaimer clauses:

The addendum for rights offering shall contain the following disclaimer clauses in bold capital letters:

- (1) Disclaimer Statement with respect to SEBI:

*(To be written in bold capital letter)*

"It is to be distinctly understood that submission of the offer document and the addendum to SEBI should not in any way be deemed or construed that the same has been cleared or approved by SEBI. SEBI does not take any responsibility either for the financial soundness of any scheme or the project for which the issue is proposed to be made or for the correctness of the statements made or opinions expressed in the offer document and the addendum. Lead manager(s), has certified that the disclosures made in the addendum are generally adequate and are in conformity with SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 in force for the time being. This requirement is to facilitate investors to take an informed decision for making investment in the proposed issue.

It should also be clearly understood that while the issuer is primarily responsible for the correctness, adequacy and disclosure of all relevant information in the addendum, the lead manager(s) is expected to exercise due diligence to ensure that the issuer discharges its responsibility adequately in this behalf and towards this purpose, the lead manager(s) ..... has furnished to the Securities and Exchange Board of India (SEBI) a due diligence certificate dated .....which reads as follows: *(due diligence certificate submitted to the Board to be reproduced here)*

The filing of the offer document along with the addendum does not, however, absolve the issuer from any liabilities under the Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004 or from the requirement of obtaining such statutory or other clearances as may be required for the purpose of the proposed issue. SEBI further reserves the right to take up, at any point of time, with the lead manager(s) any irregularities or lapses in the offer document and the addendum."

- (2) Disclaimer Statement from the issuer and lead manager(s):

A statement to the effect that the issuer and the lead manager(s) accept no responsibility for statements made otherwise than in the offer document for the rights offering or in the advertisement or any other material issued by or at the instance of the issuer and that anyone placing reliance on any other source of information would be doing so at their own risk.

Investors who invest in the issue will be deemed to have been represented by the issuer and lead manager and their respective directors, officers, agents, affiliates and representatives that they are eligible under all applicable laws, rules, regulations, guidelines and approvals to acquire IDRs of the Company, and are relying on independent advice / evaluation as to their ability and quantum of investment in this issue.

- (3) Disclaimer in respect of jurisdiction: A brief paragraph mentioning the jurisdiction under which provisions of law and the rules and regulations are applicable to the offer document for rights offering.
- (4) Disclaimer statement of the stock exchanges, if any.



- (5) Disclaimer statement of the Reserve Bank of India (if applicable).
- (E) Broad details of fees payable to various intermediaries involved in the IDR rights offering.
- (F) Arrangements or any mechanism evolved by the issuer for redressal of investor grievances in respect of IDRs and the time normally taken by it for disposal of various types of investor grievances.

**(XV) Undertakings by the issuer in connection with the issue:**

The issuer shall undertake that:

- (1) the complaints received in respect of the issue shall be attended to by the issuer expeditiously and satisfactorily.
- (2) that steps for completion of the necessary formalities for listing and commencement of trading at all stock exchanges where the IDRs are to be listed are taken within seven working days of closing of the issue.
- (3) funds required for making refunds to unsuccessful applicants as per the mode(s) disclosed shall be made available to the registrar to the issue by the issuer.
- (4) that where refunds are made through electronic transfer of funds, a suitable communication shall be sent to the applicant within 15 days of closure of the issue giving details of the bank where refunds shall be credited along with amount and expected date of electronic credit of refund.
- (5) that adequate arrangements shall be made to collect all applications.
- (6) that adequate arrangements shall be made to collect all ASBA applications and to consider them similar to non-ASBA applications while finalizing the basis of allotment.
- (7) that the IDRs shall be credited to the demat account / refunds made within a period of fifteen days and interest in case of delay in refund at the prescribed rate.

**(XVI) Utilisation of issue proceeds:** The addendum for the rights offering shall contain a statement of the board of directors of the issuer in relation to the use of issue proceeds.

**(XVII) Restrictions on foreign ownership of Indian securities, if any:**

- (A) Investment by NRIs.
- (B) Investment by [foreign portfolio investors].

**(XVIII) Any other material disclosures (as deemed necessary):**

**(XIX) Declaration:**

- (A) The addendum for the rights offering shall be approved by the Board of Directors of the issuer and shall be signed by all directors, the Chief Executive Officer, i.e., the Managing Director or Manager within the meaning of the respective applicable corporate laws of the home country and the Chief Financial Officer, i.e., the whole-time finance director or any other person heading the finance function and discharging that function.
- (B) The following statement shall be disclosed:
 

“No statement made in this addendum contravenes any of the provisions of the applicable corporate laws in the home country or of provisions of Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004. All the legal requirements connected with the issue as also the Regulations, guidelines, instructions, etc., issued by SEBI, Government and any other competent authority in this behalf, have been duly complied with.”
- (C) The signatories shall further certify that all disclosures made in the offer document and the addendum for rights offering are true and correct.

**Part D - Disclosures in an abridged letter of offer for rights issue of Indian depository receipts****[See regulation 222(1)]**

- (1) A listed issuer making a rights issue of IDRs shall make disclosures, as required under its home country regulations, if any, and as specified in Part B of this Schedule, in the abridged letter of offer for rights offering.
- (2) Notwithstanding the above, where disclosures of matters similar or equivalent to those set out in this Schedule are required to be made in a particular form or by reference to particular requirements of home country regulations, the same shall prevail over the requirements of this Schedule and shall be deemed to be complied with by such disclosures made in the offer document on the basis of the home country regulations.
- (3) The order in which items shall appear in the abridged letter of offer for rights offering shall correspond, wherever applicable, to the order in which items appear in the offer document and the addendum for rights offering.
- (4) The abridged letter of offer for rights offering shall also include the following disclosures:
  - (a) Provisions pertaining to applications forms;
  - (b) Rights entitlement ratio;
  - (c) Fractional entitlements;
  - (d) Renunciation;
  - (e) Application for Additional IDRs;
  - (f) Intention of promoters to subscribe to their rights entitlement, if any.
- (5) General Instructions:
  1. The information to be provided under each of the heads specified below shall be as per the requirement of Part A of this Schedule except when specified otherwise.
  2. The abridged prospectus shall be printed in a font size which shall not be visually smaller than Times New Roman size 11 (or equivalent) with 1.0 line spacing.
  3. The application form shall be so positioned that on the tearing-off of the application form, no part of the information given in the abridged letter of offer is mutilated.

The abridged letter of offer for the issue of Indian Depository Receipts (IDR) shall contain the following disclosures:

**I. Instructions for applicants:**

How to apply, availability of letter of offer, abridged letter of offer and application forms, mode of payment and how to apply through white sheet, if relevant.

**II. General information:**

- (A) The name of the issuing company and address of the registered office of the issuing company, along with telephone number, fax number, e-mail address and website address, and where there has been a change in the address of the registered office or name of the issuing company, details thereof.
- (B) Name, address and contact information of the principal office of the issuing company in India.
- (C) Name, address and contact information of the domestic depository, the overseas custodian bank with the address of its office in India, the merchant banker, the underwriter to the issue, advisors to the issue and any other intermediary which may be appointed in connection with the issue of IDRs.

- (D) Names, addresses and contact information of experts and counsel.
- (E) Name, address and contact information of the compliance officer in relation to the issue of IDRs. The compliance officer should be placed in India.
- (F) Name, address and contact information of stock exchanges where applications are made or proposed to be made for listing of the IDRs.
- (G) Disclosure about provisions relating to punishment for fictitious applications.
- (H) Statement/declaration for refund of excess subscription.
- (I) Statement that an interest of 15 per cent. p.a. would be paid to the investors if the allotments letters / refund orders are not despatched within 15 days of the closure of the rights issue, as the case may be.
- (J) Declaration about issue of allotment letters/certificates/ IDR within the stipulated period.
- (K) Date of opening of issue.
- (L) Date of closing of issue.
- (M) Last date for request for split.
- (N) Method and Expected Timetable of the issue.
- (O) Date of earliest closing of the issue.
- (P) Declaration by the merchant banker with regard to adequacy of resources of underwriters to discharge their respective obligations, in case of being required to do so.
- (Q) A statement by the issuing company that all monies received out of issue of IDR shall be transferred to a separate domestic bank account, name and address of the bank and the nature and number of the account to which the amount shall be credited.
- (R) Details of availability of letter of offer and forms, i.e., date, time, place etc.
- (S) Amount and mode of payment seeking issue of IDRs.
- (T) Disclosure on Investor Grievances and Redressal System.
- (U) That the issuing company undertakes to subject itself to the jurisdiction of Indian Courts having jurisdiction over the place where the stock exchange is situated regarding grievances of the IDR applicants and IDR holders.

### III. Capital structure of the issuing company:

- (A) Authorised, issued, subscribed and paid-up capital (Number of instruments, description, aggregate nominal value).
- (B) Size of present issue.(Segregating issue of IDRs)
- (C) Paid-up Capital:
  - (1) before the issue;
  - (2) after the issue (if the IDR issue involves issue of fresh equity shares); and
  - (3) share premium account (before and after the issue).

### IV. Terms of the present Issue:

- (A) Authority for the issue, terms of payment and procedure and time schedule for allotment and issue of certificates/ refund orders.
- (B) The clause "Interest in Case of Delay in Despatch of Allotment Letters/ Refund Orders" shall appear.

### V. Particulars of the issue:

- (A) Objects of the issue.

- (B) Project cost.
- (C) Means of financing.
- VI. **Company, management and project:**
  - (A) History and present business of the company.
  - (B) Details of major shareholders disclosed in Letter of Offer.
  - (C) Names, address and occupation of manager, managing director, and other Directors (including nominee-directors and whole-time directors) giving their directorships in other companies.
- VII. **Outstanding material litigations and defaults** (in a summarised tabular form)
- VIII. **Material development:** Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on performance and prospects of the company.
- IX. Time and Place of Inspection of material contracts. (List of material contracts not required)
- X. Financial Performance of the Issuing company as per last completed accounting year for which audit has been completed and for the latest stub period for which audit/limited review has been completed.
- XI. Disclosure on Investor Grievances and Redressal System.
- XII. Brief details of the Domestic Depository, Overseas Custodian Bank and Depository Agreement
- XIII. Signatories to the Letter of offer.

#### **SCHEDULE IX – PUBLIC COMMUNICATIONS AND PUBLICITY MATERIALS**

**[See regulation 42, 83, 138, 199 and 264]**

- (1) Any public communication including advertisements, publicity material and research reports (referred to as public communication) issued or made by the issuer or its associate company, or by the lead manager(s) or their associates or any other intermediary connected with the issue or their associates, shall contain only such information as contained in the draft offer document/offer document and shall comply with the following:
- (a) it shall be truthful, fair and shall not be manipulative or deceptive or distorted and it shall not contain any statement, promise or forecast which is untrue or misleading;
  - (b) if it reproduces or purports to reproduce any information contained in the draft offer document or draft letter of offer or offer document, as the case may be, it shall reproduce such information in full and disclose all relevant facts not to be restricted to select extracts relating to that information;
  - (c) it shall be set forth in a clear, concise and understandable language;
  - (d) it shall not include any issue slogans or brand names for the issue except the normal commercial name of the issuer or commercial brand names of its products already in use or disclosed in the draft offer document or draft letter of offer or offer document, as the case may be;
  - (e) it shall not contain slogans, expletives or non-factual and unsubstantiated titles;
  - (f) if it presents any financial data, data for the past three years shall also be included alongwith particulars relating to revenue, net profit, share capital, reserves / other equity (as the case may be), earnings per share, dividends and the book values, to the extent applicable;
  - (g) issue advertisements shall not use technical, legal or complex language and excessive details which may distract the investor;
  - (h) issue advertisements shall not contain statements which promise or guarantee rapid increase in revenue or profits;

- (i) issue advertisements shall not display models, celebrities, fictional characters, landmarks, caricatures or the likes;
- (j) issue advertisements on television shall not appear in the form of crawlers (advertisements which run simultaneously with the programme in a narrow strip at the bottom of the television screen) on television;
- (k) issue advertisements on television shall advise the viewers to refer to the draft offer document or offer document, as the case may be, for the risk factors;
- (l) an advertisement or research report containing highlights, shall advise the readers to refer to the risk factors and other disclosures in the draft offer document or the offer document, as the case may be, for details in not less than point seven size;
- (m) an issue advertisement displayed on a billboard/banners shall contain information as specified in Part D of Schedule X;
- (n) an issue advertisement which contains highlights or information other than the details contained in the formats as specified in Schedule X shall prominently advise the viewers to refer to the draft offer document and offer document for details and risk factors.

(2) All public communications issued or published in any media during the period commencing from the date of the meeting of the board of directors of the issuer in which the public issue is approved till the date of filing draft offer document with the Board shall be consistent with its past practices:

Provided that where such public communication is not consistent with the past practices of the issuer, it shall be prominently displayed or announced in such public communication that the issuer is proposing to make a public issue of specified securities in the near future and is in the process of filing a draft offer document.

(3) All public communications issued or published in any media during the period commencing from the date of filing draft offer document or draft letter of offer till the date of allotment of securities offered in the issue, shall prominently disclose that the issuer is proposing to make a public issue or rights issue of the specified securities and has filed the draft offer document or the draft letter of offer or has filed the offer document or letter of offer, as the case may be, and that it is available on the websites of the Board, lead manager(s) and stock exchanges :

Provided that requirements of this sub-regulation shall not be applicable in case of advertisements of products or services of the issuer.

(4) The issuer shall make a prompt, true and fair disclosure of all material developments which take place between the date of filing offer document and the date of allotment of specified securities, which may have a material effect on the issuer, by issuing public notices in all the newspapers in which the issuer had released pre-issue advertisement under applicable provisions of these regulations;

(5) The issuer shall not, directly or indirectly, release, during any conference or at any other time, any material or information which is not contained in the offer document.

(6) For all issue advertisements and public communications, the issuer shall obtain the approval from the lead manager(s) responsible for marketing the issue and shall also provide copies of all issue related materials to all lead manager(s).

(7) Any advertisement or research report issued/ made by the issuer/cause to be issued by the issuer or its associate company (as defined under the Companies Act, 2013), or by the lead manager(s) or their associates (as defined in the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992) or any other intermediary connected with the issue or their associates (as defined under Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008) shall comply with the following:

- a) it shall be truthful, fair and shall not be manipulative or deceptive or distorted and it shall not contain any statement, promise or forecast which is untrue or misleading;

- b) if it reproduces or purports to reproduce any information contained in the draft an offer document or draft letter of offer or offer document, as the case may be, it shall reproduce such information in full and disclose all relevant facts not to be restricted to select extracts relating to that information;
- c) it shall be set forth in a clear, concise and understandable language;
- d) it shall not include any issue slogans or brand names for the issue except the normal commercial name of the issuer or commercial brand names of its products already in use or and disclosed in the draft offer document or draft letter of offer or offer document, as the case may be;
- e) if it presents any financial data, data for the past three years shall also be included along with particulars relating to sales, gross profit, net profit, share capital, reserves, earnings per share, dividends and the book values, to the extent applicable;
- f) no advertisement shall use extensive technical, legal terminology or complex language and excessive details which may distract the investor;
- g) no issue advertisement shall contain statements which promise or guarantee rapid increase in profits;
- h) no issue advertisement shall display models, celebrities, fictional characters, landmarks or caricatures or the likes;
- i) no issue advertisement shall appear in the form of crawlers (the advertisements which run simultaneously with the programme in a narrow strip at the bottom of the television screen) on television;
- j) in any issue advertisement on television screen, the risk factors shall not be scrolled on the television screen and the advertisement shall advise the viewers to refer to draft offer document or draft letter of offer or offer document, as the case may be, or other documents, the red herring prospectus or other offer document for details;
- k) no issue advertisement shall contain slogans, expletives or non-factual and unsubstantiated titles;
- l) if an advertisement or research report contains highlights, the advertisement or research report, as applicable, shall prominently advise the viewers to refer to the draft offer document or draft letter of offer or offer document, as the case may be, for details contains highlights, it shall also contain risk factors with equal importance in all respects including print size of not less than point seven size;
- m) an issue advertisement displayed on a billboard shall not contain information other than that specified in Part D of Schedule X;
- n) an issue advertisement which contains highlights or information other than the details contained in the format as specified in Schedule X shall prominently advise the viewers to refer to the offer document for details and risk factors.

(8) No public information with respect to the issue shall contain any offer of incentives, to the investors whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise.

(9) No advertisement relating to product or service provided by the issuer shall contain any reference, directly or indirectly, to the performance of the issuer during the period commencing from the date of the resolution of the board of directors of the issuer approving the public issue till the date of allotment of specified securities offered in such issue.

(10) No information which is extraneous to the information disclosed in the draft offer document or offer document, as the case may be, or otherwise, shall be given by the issuer or any member of the issue management team or syndicate to any particular section of the investors or to any research analyst in any manner whatsoever, including at road shows, presentations, in research or sales reports or at bidding centres.

(11) The lead manager(s) shall submit a compliance certificate in the format specified in Part E of Schedule X for the period between the date of filing the draft offer document and the date of closure of the issue, in respect of news reports appearing in any of the following media:

- a) newspapers mentioned in these regulations;
- b) print and electronic media controlled by a media group where the media group has a private treaty or shareholders' agreement with the issuer or promoters of the issuer.

**Explanation:** For the purpose of this schedule:

- (I) “public communication or publicity material” includes corporate, issue advertisements of the issuer, interviews by its promoters, directors, duly authorized employees or representatives of the issuer, documentaries about the issuer or its promoters, periodical reports and press releases.
- (II) Any advertisement issued by the issuer shall be considered to be misleading, if it contains:
- Statements made about the performance or activities of the issuer without necessary explanatory or qualifying statements, which may give an exaggerated picture of such performance or activities.
  - An inaccurate portrayal of past performance or its portrayal in a manner which implies that past gains or income will be repeated in the future.

## **SCHEDULE X - FORMATS OF ADVERTISEMENTS FOR A PUBLIC ISSUE**

### **Part A - Format of pre-issue advertisement for a public issue**

**[See regulations 43(2), 29(4), 127(4), 139(2), 189(4), 264(2) and 250(3)]**

*This is only an advertisement for information purposes and is not a prospectus announcement.*

**ABC LTD.** (name of the issuer)

(Incorporated on \_\_\_\_\_ under the \_\_\_\_\_ Act as \_\_\_\_\_ and subsequently renamed as \_\_\_\_\_ (applicable only when the name of issuer has changed in the last three years except if there is a change in status from private limited company to limited company) \_\_\_\_\_ on \_\_\_\_\_)

Registered Office: \_\_\_\_\_

Tel: \_\_\_\_\_

Corporate Office: \_\_\_\_\_

Tel: \_\_\_\_\_ e-mail: \_\_\_\_\_ Website: \_\_\_\_\_ CIN: \_\_\_\_\_

### **PROMOTERS**

[ \_XYZ\_ ]

### **THE ISSUE**

Public issue of \_\_\_\_\_ (nature of the specified securities) of \_\_\_\_\_ each at a price of \_\_\_\_\_

*(In the case of book building issues, disclosure about the details of allocation shall be given in the following manner, as percentage of offer size/ net offer:*

*QIB Category: \_\_\_\_\_%*

*Retail Category: \_\_\_\_\_%*

*Non institutional investor category: \_\_\_\_\_%*

*Reserved categories: \_\_\_\_\_ Equity Shares or \_\_\_\_\_%*

### **PROPOSED LISTING**

Names of the stock exchanges (Cross reference to the disclaimer clause of the stock exchanges as provided in their in-principle listing approval)

### **DISCLAIMER CLAUSE OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

“SEBI only gives its observations on the draft offer document and this does not constitute approval of either the issue or the specified securities stated in the offer document.”

**LEAD MANAGER(S)**

Name, address, telephone numbers, email ID, website address and contact person

**COMPLIANCE OFFICER OF THE ISSUER**

Name, address, telephone numbers, email ID, website address

**CREDIT RATING** (if applicable)

**DEBENTURE TRUSTEES** (if applicable)

**IPO GRADING** (if obtained)

**AVAILABILITY OF APPLICATION FORMS**

Names of the issuer, lead manager(s), syndicate member(s), stock brokers self certified syndicate banks, registrar and share transfer agents and depository participants with the website link of where the detailed information is available (addresses optional).

**AVAILABILITY OF RED HERRING PROSPECTUS**

Investors are advised to refer to the prospectus and the risk factors contained therein before applying in the issue. Full copy of the prospectus is available at [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in) and websites of lead manager(s) / stock exchange/s at [www.....](http://www.....)

**ISSUE/BID OPENS ON:**

**ISSUE/BID CLOSES ON:**

**FLOOR PRICE/ PRICE BAND**

(Floor price or price band or as the case may be in case of book built issue) for cash aggregating \_\_\_\_\_ (appropriate disclosure for book built issue) including face value

**MINIMUM LOT SIZE**

**DISCOUNT (IF ANY)**

**RISK TO INVESTORS**

(As specified by the Board) (In the same font size as the floor price/ price band)

**BASIS FOR ISSUE PRICE**

(Relevant financial ratios on the floor price and cap price (based on the financials disclosed in the offer document) in case of a price band, as per the basis for issue price disclosures in the offer document)

**Investor should read the offer document carefully, including the Risk Factors on page \_\_\_\_\_ of the offer document before making any investment decision.**

**Issued by**

**Authorized personnel of the issuer**

**Part B - Format of issue opening advertisement for a public issue**

**[See regulations 43(3), 200(1) and 264(3)]**

*This is only an advertisement for information purposes and is not a prospectus announcement.*

**ABC LTD.** *(name of the issuer)*



(Incorporated on \_\_\_\_\_ under the \_\_\_\_\_ Act as \_\_\_\_\_ and subsequently renamed as \_\_\_\_\_ (applicable only when the name of issuer has changed in the last three years except if there is a change in status from private limited company to limited company) \_\_\_\_\_ on \_\_\_\_\_)

Registered Office: \_\_\_\_\_

Tel: \_\_\_\_\_

Corporate Office: \_\_\_\_\_

Tel: \_\_\_\_\_ e-mail: \_\_\_\_\_ Website: \_\_\_\_\_ CIN: \_\_\_\_\_

### PROMOTERS

[ \_XYZ\_ ]

### FLOOR PRICE/ PRICE BAND

(Floor price or price band or as the case may be in case of book built issue) for cash aggregating \_\_\_\_\_ (appropriate disclosure for book built issue), including face value

### MINIMUM LOT SIZE

### DISCOUNT (IF ANY)

### RISK TO INVESTORS

(As specified by the Board) (In the same font size as the floor price/ price band)

### THE ISSUE

Public issue of \_\_\_\_\_ (nature of the specified securities) of ` \_\_\_\_\_ each at a price of ` \_\_\_\_\_

*(In the case of book building issues, disclosure about the details of allocation shall be given in the following manner, as percentage of offer size/ net offer:*

*QIB Category: \_\_\_\_\_%*

*Retail Category: \_\_\_\_\_%*

*Non institutional investor category: \_\_\_\_\_%*

*Reserved categories: \_\_\_\_\_ Equity Shares or \_\_\_\_\_%*

### PROMOTERS

[ \_XYZ\_ ]

### PROPOSED LISTING

Names of the stock exchanges (Cross reference to the disclaimer clause of the stock exchanges as provided in their in-principle listing approval)

### DISCLAIMER CLAUSE OF SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

“SEBI only gives its observations on the draft offer document and this does not constitute approval of either the issue or the specified securities stated in the offer document.”

### LEAD MANAGER(S)

Name, address, telephone numbers, e-mail ID, website address and contact person

### COMPLIANCE OFFICER OF THE ISSUER

Name, address, telephone numbers, e-mail ID, website address

**CREDIT RATING** (if applicable)

**DEBENTURE TRUSTEES** (if applicable)

**IPO GRADING** (if obtained)

**AVAILABILITY OF APPLICATION FORMS**

Names of the issuer, lead manager(s), bankers to the issue, self certified syndicate banks, stock brokers, registrar to the issue and share transfer agents and depository participants (addresses optional)

**AVAILABILITY OF PROSPECTUS**

Investors are advised to refer to the prospectus and the risk factors contained therein before applying in the issue. Full copy of the prospectus is available at [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in) and websites of issuer / lead manager(s) / Stock Exchange/s at [www.....](http://www.....)

**ISSUE / BID OPENS TODAY:**

**ISSUE/BID CLOSES ON:**

Investor should read the offer document carefully, including the Risk Factors on page \_\_\_\_\_ of the offer document before making any investment decision.

**Issued by**

**Authorized personnel of the issuer**

**Part C - Format of issue closing advertisement for a public issue**

[See regulation 43(3), 200(1) and 264(3)]

*This is only an advertisement for information purposes and is not a prospectus announcement.*

**ABC LTD.** (name of the issuer)

(Incorporated on \_\_\_\_\_ under the \_\_\_\_\_ Act as \_\_\_\_\_ and subsequently renamed as \_\_\_\_\_ (applicable only when the name of issuer has changed in the last three years except if there is a change in status from private limited company to limited company) \_\_\_\_\_ on \_\_\_\_\_)

Registered Office: \_\_\_\_\_

Tel: \_\_\_\_\_

Corporate Office: \_\_\_\_\_

Tel: \_\_\_\_\_ e-mail: \_\_\_\_\_ Website: \_\_\_\_\_ CIN: \_\_\_\_\_

**PROMOTERS**

[\_\_XYZ\_\_]

**FLOOR PRICE/ PRICE BAND**

(Floor price or price band or as the case may be in case of book built issue) for cash aggregating \_\_\_\_\_ (appropriate disclosure for book built issue), including Face Value

**MINIMUM LOT SIZE**

**DISCOUNT (IF ANY)**

**RISK TO INVESTORS**

(As specified by the Board) (In the same font size as the floor price/ price band)

**THE ISSUE**

Public issue of \_\_\_\_\_ (nature of the specified securities) of ` \_\_\_\_\_ each at a price of ` \_\_\_\_\_

*(In the case of book building issues, disclosure about the details of allocation shall be given in the following manner, as percentage of offer size/ net offer:*

*QIB Category: \_\_\_\_\_%*

*Retail Category: \_\_\_\_\_%*

*Non institutional investor category: \_\_\_\_\_%*

*Reserved categories: \_\_\_\_\_Equity Shares or \_\_\_\_\_%*

**PROMOTERS**

[\_\_XYZ\_\_]

**PROPOSED LISTING**

Names of the stock exchanges (Cross reference to the disclaimer clause of the stock exchanges as provided in their in-principle listing approval)

**DISCLAIMER CLAUSE OF SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

“SEBI only gives its observations on the draft offer document and this does not constitute approval of either the issue or the specified securities stated in the offer document.”

**LEAD MANAGER(S)**

Name, address, telephone numbers, e-mail ID, website address and contact person

**COMPLIANCE OFFICER OF THE ISSUER**

Name, address, telephone numbers, e-mail ID, website address

**CREDIT RATING** (if applicable)

**DEBENTURE TRUSTEES** (if applicable)

**IPO GRADING** (if obtained)

**AVAILABILITY OF APPLICATION FORMS**

Names of the issuer, lead manager(s), bankers to the issue, self certified syndicate banks, stock brokers, registrar to the issue and share transfer agents and depository participants (addresses optional)

**AVAILABILITY OF PROSPECTUS**

Investors are advised to refer to the prospectus and the risk factors contained therein before applying in the issue. Full copy of the prospectus is available at [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in) and websites of issuer / lead manager(s) / Stock Exchange/s at [www.....](http://www.....)

**ISSUE / BID CLOSES TODAY**

**Investor should read the offer document carefully, including the Risk Factors on page \_\_\_\_\_ of the offer document before making any investment decision.**

**Issued by**

**Authorized personnel of the issuer**

**Part D - Format of billboards and banners**

[Schedule IX]

*This is only an advertisement for information purposes and is not a prospectus announcement.*

**ABC LTD.** (name of the issuer)

Registered Office: \_\_\_\_\_

Corporate Office: \_\_\_\_\_

Tel: \_\_\_\_\_ e-mail: \_\_\_\_\_ Website: \_\_\_\_\_ CIN: \_\_\_\_\_

**FLOOR PRICE/ PRICE BAND**

(Floor price or price band or as the case may be in case of book built issue) for cash aggregating \_\_\_\_\_ (appropriate disclosure for book built issue), including face value

**RISK TO INVESTORS**

(As specified by the Board) (In the same font size as the floor price/ price band)

**PROMOTERS**

[\_\_XYZ\_\_]

**PROPOSED LISTING**

Names of the stock exchanges

Cross reference to the disclaimer clause of Securities and Exchange Board of India and Stock Exchange(s)

**NAMES, TELEPHONE NUMBERS AND EMAIL ADDRESSES OF THE LEAD MANAGER(S), REGISTRAR TO THE ISSUE****CREDIT RATING AND NAME OF THE CREDIT RATING AGENCY** (if applicable)**NAMES AND TELEPHONE NUMBER OF THE DEBENTURE TRUSTEE** (if applicable)**IPO GRADING** (if obtained)**ISSUE / BID OPENS ON** \_\_\_\_\_**ISSUE / BID CLOSSES ON** \_\_\_\_\_**The following disclosure shall be included in the billboard/banner in such manner that it is prominent and covers at least 10% of the size of the billboard/banner:**

Investor should read the offer document carefully, including the Risk Factors on page \_\_\_\_\_ of the offer document, before making any investment decision.

**Issued by****Authorized personnel of the issuer****Part E - Compliance certificate in respect of news reports****[See Schedule IX]**

Sl. No.	Newspaper, edition, date	Subject matter	Whether contents of the news report are supported by disclosures in the offer document or advertisements made pursuant to these Regulations or information available on the website of the	If yes, page numbers in the draft offer document where the disclosures are made	If no, action taken by the lead manager(s)

stock exchanges

Yes/No

## SCHEDULE XI - FORMAT OF REPORT TO BE SUBMITTED BY THE MONITORING AGENCY

[See regulation 82(2) and 82(3)]

Front Page:

### Report of the Monitoring Agency

Name of the issuer:

For quarter ended:

Name of the Monitoring Agency:

(a) Deviation from the objects:

- *Utilization different from Objects stated in the offer document but in line with change of objects approved by shareholders' resolution;*  
*or*
- *Utilization neither in line with Objects stated in the offer document nor approved by shareholders' resolution*
- *In case there is no deviation, the same shall be stated.*

(b) *Range of Deviation\**:

*Indicate the range of percentage deviation from the amount of issue proceeds earmarked for the objects. For example, up to 10%, 10- 25%, 25-50%, 50-75%, 75-100%, not ascertainable etc.*

*\* The range of deviation may be computed by taking weighted average of financial deviation of each object in the ratio of issue proceeds allocated for it. Non-financial deviation may be indicated separately by way of notes.*

**Declaration:**

*We declare that this report is based on the format prescribed by the SEBI (ICDR) Regulations, 2018, We further declare that this report provides a true and fair view of the utilization of the issue proceeds.*

*We declare that we do not have any direct/indirect interest in or relationship with the issuer/promoters/directors/management and also confirm that we do not perceive any conflict of interest in such relationship/interest while monitoring and reporting the utilization of the issue proceeds by the issuer.*

Signature:

Name and designation of the Authorized Signatory:

Designation of Authorized person/Signing Authority:

Subsequent Pages:**1) Issuer Details:**

Name of the issuer :

Names of the promoter :

Industry/sector to which it belongs

**2) Issue Details**

Issue Period

Type of issue (public/rights)

Type of specified securities :

IPO Grading, if any

Issue size (in ₹ crore)

**3) Details of the arrangement made to ensure the monitoring of issue proceeds:**

(Give item by item description for all the objects stated in the offer document separately in following format)

Particulars	Reply	Comments of the Monitoring Agency	Comments the Board of Directors
Whether all utilization is as per the disclosures in the Offer Document?	Yes/ No		
Whether shareholder approval has been obtained in case of material deviations# from expenditures disclosed in the Offer Document?	Yes/ No		
Whether the means of finance for the disclosed objects of the issue has changed?	Yes/ No		
Is there any major deviation observed over the earlier monitoring agency reports?	Yes/ No		
Whether all Government/statutory approvals related to the object(s) have been obtained?	Yes/ No		
Whether all arrangements pertaining to technical assistance/collaboration are in operation?	Yes/ No		
Are there any favorable events improving the viability of these object(s)?	Yes/ No		
Are there any unfavorable events affecting the viability of the object(s)?	Yes/ No		
Is there any other relevant information that may materially affect the decision making of the investors?	Yes/ No		

*\*Where material deviation may be defined to mean:*

(a) Deviation in the objects or purposes for which the funds have been raised

(b) Deviation in the amount of funds actually utilized by more than 10% of the amount projected in the offer documents.

**4) Details of object(s)s to be monitored:**

(i) Cost of object(s)-

(Give Item by Item Description for all the Objects Stated in Offer Document separately in following format)

Sl. No	Item Head	Original Cost (as per the Offer Document)	Revised Cost	Comments of the Monitoring Agency	Comments of the Board of Directors				
					Reason of cost revision	Proposed financing option	Particulars of firm arrangements made		
(ii) Progress in the object(s) -									
(Give item by item description for all the Objects stated in the Offer Document in the following format)									
Sr. No.	Item Head <sup>§</sup>	Amount as proposed in the Offer Document	Amount utilized			Total unutilized amount	Comments of the Monitoring Agency	Comments of the Board of Directors	
			As at beginning of the quarter	During the quarter	At the end of the quarter			Reasons for idle funds	Proposed course of action
<sup>§</sup> Provide following details under Item Head: (a) Name of the object(s): (b) Brief description of the object(s): (c) Location of the object(s) (if applicable):  (iii) Deployment of unutilised IPO proceeds:									
Sr. No.	Type of instrument and name of the entity invested in	Amount invested	Maturity date	Earning	Return on Investment (%)	Market Value as at the end of quarter*			
* Where the market value is not feasible, provide NAV/NRV/Book Value of the same									
(iv) Delay in implementation of the object(s)									
Object(s)	Completion Date		Delay (no. of days/ months)	Comments of the Board of Directors					
	As per the Offer Document	Actual*		Reason of delay	Proposed course of action				
* In case of continuing object(s), please specify latest/revised estimate of the completion date.									

## SCHEDULE XII – MANDATORY COLLECTION CENTRES

[See regulation 23(6), 69(6), 121(6), 184(6) and 244(6)]

- (1) The issuer shall designate collection centre(s) at the four metropolitan centres situated at Mumbai, Delhi, Kolkata and Chennai.
- (2) All such places where recognised stock exchanges are located.

- (3) In addition, all designated branches of the self-certified syndicate banks, as displayed on the websites of such banks and of the Board, shall be deemed to be mandatory collection centres.
- (4) The issuer may appoint other collection centres as it may deem fit.

### **SCHEDULE XIII - BOOK BUILDING PROCESS**

[See regulation 28(2), 30(1)(c), 32(2), 126(2), 128(1)(d), 129(3), 188(2), 190(1)(b), 250(2), 252(1)(c) and 291(4)]

#### **Part A – Book building process**

An issuer proposing to issue specified securities through the book building process shall comply with the requirements of this Schedule.

- (1) **Lead Manager(s)**
  - (a) The issuer shall appoint one or more merchant banker(s) as lead manager(s) and their name(s) shall be disclosed in the draft offer document and the offer document(s).
  - (b) In case there is more than one lead manager(s), the rights, obligations and responsibilities of each shall be delineated in the inter-se allocation of responsibility as specified in **Schedule I**.
  - (c) Co-ordination of various activities may be allocated to more than one lead manager.
- (2) **Syndicate Member(s)**

The issuer may appoint syndicate member(s).
- (3) **Underwriting**
  - (a) The lead manager(s) shall compulsorily underwrite the issue and the syndicate member(s) shall sub-underwrite with the lead manager(s).
  - (b) The lead manager(s) / syndicate member(s) shall enter into underwriting/ sub underwriting agreement on a date prior to filing of the prospectus.
  - (c) The details of the final underwriting arrangement indicating actual numbers of shares underwritten shall be disclosed and printed in the prospectus before it is registered with the Registrar of Companies.
  - (d) In case of an under-subscription in an issue, the shortfall shall be made good by the lead manager(s) and the same shall be incorporated in the inter-se allocation of responsibility as specified in **Schedule I**.
- (4) **Agreement with the stock exchanges**
  - (a) The issuer shall enter into an agreement with one or more stock exchange(s) which have the facility of book building through the electronic bidding system.
  - (b) The agreement shall specify inter-alia, the rights, duties, responsibilities and obligations of the issuer and the stock exchange(s) inter se.
  - (c) The agreement may also provide for a dispute resolution mechanism between the issuer and the stock exchange.
- (5) **Appointment of stock brokers as bidding/collection centres**
  - (a) The lead manager(s)/syndicate member(s) shall appoint stock brokers who are members of the stock exchange(s) and registered with the Board, for the purpose of accepting bids and placing orders with the issuer and ensure that the stock brokers so appointed are financially capable of honouring their commitments arising out of defaults of their clients/investors, if any;

Provided that in case of Application Supported by Blocked Amount, the self certified syndicate banks, registrar and share transfer agents, depository participants and stock brokers shall also be authorised to accept and upload the requisite details in the electronic bidding system of the stock exchange(s).



- (b) The self certified syndicate banks, registrar and share transfer agents, depository participants and stock brokers accepting applications and application monies shall be deemed as 'bidding/collection centres'.
- (c) The issuer shall pay to the SEBI registered intermediaries involved in the above activities a reasonable commission/fee for the services rendered by them. These intermediaries shall not levy service fee on their clients/investors in lieu of their services.
- (d) The stock exchanges shall ensure that no stock broker levies a service fee on their clients/investors in lieu of their services.

(6) **Price not to be disclosed in the draft red herring prospectus**

The draft red herring prospectus shall contain the total issue size which may be expressed either in terms of the total amount to be raised or the total number of specified securities to be issued. and shall not contain the price of the specified securities.

In case the offer has an offer for sale and/or a fresh issue, each component of the issue may be expressed in either value terms or number of specified securities.

(7) **Floor price and price band**

Subject to applicable provisions of these regulations and the provisions of this clause, the issuer may mention the floor price or price band in the red herring prospectus.

- (a) where the issuer opts not to make the disclosure of the price band or floor price in the red-herring prospectus, the following shall also be disclosed in the red-herring prospectus:
  - (i) a statement that the floor price or price band, as the case may be, shall be disclosed at least two working days (in case of an initial public offer) and at least one working day (in case of a further public offer) before the opening of the issue;
  - (ii) a statement that the investors may be guided by the secondary market prices (in case of a further public offer);
  - (iii) names and editions of the newspapers where the announcement of the floor price or price band would be made;
  - (iv) website addresses where the announcement is available.
- (b) where the issuer decides to opts for a price band instead of a floor price, the issuer shall also ensure compliance with the following conditions:
  - (i) The cap of the price band should not be higher by more than 20 per cent. of the floor of the band; i.e. cap of the price band shall be less than or equal to 120 per cent. of the floor of the price band;
  - (ii) The price band can be revised during the bidding period, provided the maximum revision on either side shall not exceed 20 per cent. i.e. floor of price band can move up or down to the extent of 20 per cent. of floor of the price band disclosed in the red herring prospectus and the cap of the revised price band will be fixed in accordance with clause (i) above;
  - (iii) Any revision in the price band shall be widely disseminated by informing the stock exchanges, by issuing public notice and also indicating the change on the relevant website and the terminals of the syndicate member(s).
  - (iv) In case the price band is revised, the bidding period will be extended as per the provisions of these regulations.
  - (v) The manner in which the shortfall, if any, in the project financing will be met, arising on account of lowering of the price band shall be disclosed in the red herring prospectus or the public notice and that the allotment shall not be made unless the financing is tied up.

- (8) The manner and contents of the bid-cum-application form and revision form (accompanied with abridged prospectus) shall be as specified by the Board.
- (9) **Extension of issue period**
- (i) In case of a revision in the price band, the issuer shall extend the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus, for a minimum period of three working days, subject to the total bidding (issue) period not exceeding ten working days.
  - (ii) in case of force majeure, banking strike or similar circumstances, the issuer may, for reasons to be recorded in writing, extend the bidding/issue period for a minimum period of three working days, subject to the total bidding/issue period not exceeding ten working days.
- (10) **Anchor Investors**
- a) An anchor investor shall make an application of a value of at least ten crore rupees in a public issue on the main board made through the book building process or an application for a value of at least two crore rupees in case of a public issue on the SME exchange made in accordance with **Chapter IX** of these regulations.
  - b) Up to sixty per cent. of the portion available for allocation to qualified institutional buyers shall be available for allocation/allotment (“anchor investor portion”) to the anchor investor(s).
  - c) Allocation to the anchor investors shall be on a discretionary basis, subject to the following:
    - (I) In case of public issue on the main board, through the book building process:
      - (i) maximum of 2 such investors shall be permitted for allocation up to ten crore rupees;
      - (ii) minimum of 2 and maximum of 15 such investors shall be permitted for allocation above ten crore rupees and up to two fifty crore rupees, subject to minimum allotment of five crore rupees per such investor;
      - (iii) in case of allocation above two fifty crore rupees; a minimum of 5 such investors and a maximum of 15 such investors for allocation up to two fifty crore rupees and an additional 10 such investors for every additional two fifty crore rupees or part thereof, shall be permitted, subject to a minimum allotment of five crore rupees per such investor.
    - (II) In case of public issue on the SME exchange, through the book building process:
      - (i) maximum of 2 such investors shall be permitted for allocation up to two crore rupees.
      - (ii) minimum of 2 and maximum of 15 such investors shall be permitted for allocation above two crore rupees and up to twenty five crore rupees, subject to minimum allotment of one crore rupees per such investor;
      - (iii) in case of allocation above twenty five crore rupees; a minimum of 5 such investors and a maximum of 15 such investors for allocation up to twenty five crore rupees and an additional 10 such investors for every additional twenty five crore rupees or part thereof, shall be permitted, subject to a minimum allotment of one crore rupees per such investor.
  - d) One-third of the anchor investor portion shall be reserved for domestic mutual funds.
  - e) The bidding for anchor investors shall open one day before the issue opening date.
  - f) The anchor investors shall pay on application the same margin which is payable by other categories of investors and the balance, if any, shall be paid within two days of the date of closure of the issue.
  - g) The allocation to anchor investors shall be completed on the day of the bidding by the anchor investors.

- h) If the price fixed as a result of book building is higher than the price at which the allocation is made to the anchor investors, the anchor investors shall pay the additional amount. However, if the price fixed as a result of book building is lower than the price at which the allocation is made to the anchor investors, the excess amount shall not be refunded to the anchor investors and the anchor investor shall be allotted the securities at the same price at which the allocation was made to it.
- i) The number of shares allocated to the anchor investors and the price at which the allocation is made, shall be made available to the stock exchange(s) by the lead manager(s) for dissemination on the website of the stock exchange(s) before opening of the issue.
- j) There shall be a lock-in of 30 days on the shares allotted to the anchor investors from the date of allotment.
- k) Neither the (i) lead manager(s) or any associate of the lead managers [other than mutual funds sponsored by entities which are associate of the lead managers or insurance companies promoted by entities which are associate of the lead managers or Alternate Investment Funds (AIFs) sponsored by the entities which are associate of the lead manager or FPIs other than Category III sponsored by the entities which are associate of the lead manager] nor (ii) any person related to the promoter/promoter group/ shall apply under the Anchor Investors category.

**Explanation:** For the purpose of clause (k) above, a qualified institutional buyer who has any of the following rights shall be deemed to be a person related to the promoters or promoter group of the issuer:

(I) rights under a shareholders' agreement or voting agreement entered into with promoters or promoter group of the issuer;

(II) veto rights; or

(III) right to appoint any nominee director on the board of the issuer.

Further, for the purposes of this regulation, an anchor investor shall be deemed to be an "associate of the lead manager" if: (i) either of them controls, directly or indirectly through its subsidiary or holding company, not less than fifteen per cent. of the voting rights in the other; or (ii) either of them, directly or indirectly, by itself or in combination with other persons, exercises control over the other; or (iii) there is a common director, excluding nominee director, amongst the anchor investor and the lead manager.

- l) Applications made by a qualified institutional buyer under the anchor investor category and under the non anchor Investor category shall not be considered as multiple applications.

#### (11) **Margin money**

- (a) The entire application money shall be payable as margin money by all the applicants.
- (b) Payment accompanied with any revision of bid, shall be adjusted against the payment made at the time of the original bid or the previously revised bid.

#### (12) **Bidding process**

- (a) The bidding process shall only be through an electronically linked transparent bidding facility provided by the stock exchange (s).
- (b) The lead manager(s) shall ensure the availability of adequate infrastructure with the syndicate member(s) for data entry of the bids in a timely manner.
- (c) At each of the bidding centres, at least one electronically linked computer terminal shall be available for the purpose of bidding.
- (d) During the period the issue is open to the public for bidding, the applicants may approach the stock brokers of the stock exchange/s through which the securities are offered under on-line

system, self-certified syndicate bank(s), registrar and share transfer agents or depository participants, as the case may be, to place their bids.

- (e) Every stock broker, self-certified syndicate bank, registrar and share transfer agent and depository participant shall accept applications supported by blocked amount.
- (f) The qualified institutional buyers shall place their bids only through the stock broker(s) who shall have the right to vet the bids;
- (g) At the end of each day of the bidding period, the demand, shall be shown graphically on the bidding terminals of the syndicate member(s) and websites of the stock exchanges for information of the public (details in relation to allocation made to anchor investors shall also be disclosed).
- (h) The retail individual investors may either withdraw or revise their bids until the closure of the issue.
- (i) The qualified institutional buyers and the non-institutional investors shall not be permitted to withdraw or lower the size of their bids at any stage of the issue.
- (m) The issuer may decide to close the bidding by the qualified institutional buyers one day prior to the closure of the issue, subject to the following conditions:
  - (i) the bidding period shall be minimum of three days for all categories of applicants;
  - (ii) necessary disclosures are made in the red herring prospectus regarding the issuer's intent to close the bidding by the qualified institutional buyers one day prior to the closure of the issue.
- (n) The names of the qualified institutional buyers making the bids shall not be made public.
- (o) The retail individual investors may bid at the "cut off" price instead of a specific bid price.
- (p) The stock exchanges shall continue to display on their website, the book building data in a uniform format, *inter alia*, giving category-wise details of the bids received, for a period of at least three days after the closure of the issue. Such display shall be as per the format specified in Part B of this Schedule.

**(13) Determination of price**

- (a) The issuer shall, in consultation with the lead manager(s), determine the final issue price based on the bids received, and on determination of the same, the number of specified securities to be offered or issue size shall be determined.
- (b) Once the final issue price is determined, all bidders whose bids have been at and above the final price shall be considered for allotment of specified securities.

**(14) Registering of prospectus with the Registrar of Companies**

A copy of the prospectus, which shall include the price and the number of specified securities, shall be registered by the issuer with the Registrar of Companies.

**(15) Manner of allotment/ allocation**

- (a) The issuer shall make allotments only if the minimum subscription has been received.
- (b) The allotment/allocation to qualified institutional buyers and non-institutional investors, other than the anchor investors, shall be made on a proportionate basis as illustrated in this Schedule. The allotment to retail individual investors and allotment to employees shall be made in accordance with applicable provisions of these regulations.
- (c) In case of under-subscription in any category, the undersubscribed portion in that category shall be allocated to such bidders as described in the red herring prospectus;

**Provided that** the unsubscribed portion in the qualified institutional buyer category shall not be available for subscription to other categories in the case of issues made under sub-regulation (2) of regulation 6 of these regulations.

**(16) Maintenance of records**

- (a) The final book of the demand showing the result of the allocation process shall be maintained by the lead manager and the registrar to the issue.
- (b) The lead manager(s) and other intermediaries associated in the book building process shall maintain records of the book building prices.
- (c) The Board shall have the right to inspect the records, books and documents relating to the book building process and such person shall extend full co-operation.

**(17) Applicability to Fast Track Issues**

Unless the context otherwise requires, in relation to the fast track issues, all references in this Schedule to 'draft prospectus' shall be deemed to have been made to the 'red herring prospectus'.

**Part B - Format of bid data displayed on stock exchange****<NAME OF THE ISSUER> - BID DETAILS**

The total demand shall be aggregated by all the stock exchanges on an hourly basis and be displayed on their websites

**(1) Details of Allocation to the Anchor Investors**

S. No.	Name of the Anchor Investor	No. of securities available under the Anchor Investor portion	Details of Allocation	
			No. of securities	No. of securities allocated as a percentage of securities under the Anchor Investor portion
	AI 1 AI 2			
	<b>Total (a) + (b)</b>			

**(2) Details of Allocation to Investors other than Anchor Investors**

S. No.	Category of Investor	No. of securities offered/ reserved	No. of securities bid for/allocated	No. of times of the total meant for the category
1.	QIBs			
(a)	Foreign Portfolio Investors			
	Domestic Financial Institutions (Banks/FIs/Insurance Companies, etc.)			
(b)	Mutual Funds			
(c)	Others			
2.	Non Institutional Investors			
(a)	Corporates			
(b)	Individuals (other than RIIs)			

S. No.	Category of Investor	No. of securities offered/ reserved	No. of securities bid for/allocated	No. of times of the total meant for the category
(c)	Others			
3.	Retail Individual Investors (RIIs)			
(a)	Cut off			
(b)	Price bids			
4.	Reservation categories, if any			
(a)	Cut off			
(b)	Price bids			

**Notes:**

- (1) The graph should have the title “Graphical display of bids received”.
- (2) A statement to the effect that the position indicated above is only the bids position and does not necessarily convey the subscription to the issue.
- (3) A statement as to how the multiple bids are accounted for in the data and graph.
- (4) The time of each updation.
- (5) Additional comments, if any.

**Part C - Illustration regarding allotment to qualified institutional buyers other than anchor investors****(1) Issue Details**

Sr. No.	Particulars	Issue details
1	Issue size	200 crore equity shares
2	Portion available to QIBs*	100 crore equity shares
3	Anchor Investor Portion	60 crore equity shares
	of which	
a.	Reservation for Mutual Funds (1/3 <sup>rd</sup> )	20 crore equity shares
b.	Balance for all QIBs including Mutual Funds	40 crore equity shares
4	Portion available to QIBs* other than Anchor Investors [(2) – (3)]	40 crore equity shares
	of which	
a.	Reservation to Mutual Funds (5 per cent.)	2 crore equity shares
b.	Balance for all QIBs including Mutual Funds	38 crore equity shares
5	No. of QIB applicants	10
6	No. of shares applied for	500 crore equity shares

\* Where 50 per cent. of the issue size is required to be allotted to QIBs.

**(2) Details of QIB Bids**

S. No.	Type of QIB bidders	No. of equity shares bid for (in crores)
1	A1	50
2	A2	20

3	A3	130
4	A4	50
5	A5	50
6	MF1	40
7	MF2	40
8	MF3	80
9	MF4	20
10	MF5	20
	<b>TOTAL</b>	<b>500</b>

A1-A5 : QIB bidders other than Mutual Funds

MF1-MF5: QIB bidders which are Mutual Funds

### (3) Details of Allotment to QIB Bidders/Applicants

(No. of equity shares in crores)

Type of QIB bidders	Equity shares bid for	Allocation of 2 crore equity shares to Mutual Funds proportionately (See Note 2)	Allocation of balance 38 crore equity shares to QIBs proportionately (See Note 4)	Aggregate allocation to Mutual Funds
A1	50	0	3.82	3.82
A2	20	0	1.53	1.53
A3	130	0	9.92	9.92
A4	50	0	3.82	3.82
A5	50	0	3.82	3.82
MF1	40	0.4	3.02	3.42
MF2	40	0.4	3.02	3.42
MF3	80	0.8	6.04	6.84
MF4	20	0.2	1.51	1.71
MF5	20	0.2	1.51	1.71
	<b>500</b>	<b>2.0</b>	<b>38.00</b>	<b>40.00</b>

#### Notes:

- (1) The illustration presumes compliance with the provisions of these regulations pertaining to minimum allotment.
- (2) Out of 40 crore securities allocated to QIBs, 2 crore equity shares (i.e. 5 per cent.) shall be allocated on a proportionate basis among 5 mutual fund applicants who applied for 200 crore equity shares in the QIB category.
- (3) The balance 38 crore equity shares, i.e. 40 – 2 available for the mutual funds, shall be allocated on a proportionate basis among 10 QIB applicants who applied for 500 crore equity shares (including 5 mutual fund applicants who applied for 200 crore equity shares).
- (4) The figures at column no. IV are arrived as under:

- a. For QIBs other than mutual funds (A1 to A5) = No. of equity shares bid for (i.e. column no. II) X 38 / 498
- b. For mutual funds (MF1 to MF5) = { (No. of equity shares bid for (i.e. column no. II) less no. of equity shares allotted (i.e. column no. III ) } X 38 / 498
- c. The numerator and denominator for arriving at allocation of 38 crore equity shares to the 10 QIBs are reduced by 2 crore equity shares, which have already been allotted to the mutual funds at column. no. III.

#### **Part D - Alternate method of book building**

In the case of a further public offering, the issuer may opt for an alternate method of book building, subject to the following:

- (a) The issuer shall follow the procedure laid down in Part A of this Schedule except clause (13) and clause (15) (c) thereof.
- (b) The issuer may mention the floor price in the red herring prospectus or announce the floor price at least one working day before opening of the issue in all newspapers in which the pre-issue advertisement was released.
- (c) Qualified institutional buyers shall bid only at a price above the floor price.
- (d) The bidder who bids at the highest price shall be allotted the number of securities it has bid for, the bidder who has bid at the second highest price shall be allotted the number of securities that it has bid for and so on, until all the specified securities on offer are allotted.
- (e) Allotment shall be on a price priority basis for the qualified institutional buyers.
- (f) Allotment to the retail individual investors, non-institutional investors and reserved categories of the issuer shall be made on a proportionate basis as illustrated in this Schedule.
- (g) Where, however, the number of specified securities bid for at a price are more than the available quantity, the allotment shall be done on a proportionate basis.
- (h) Retail individual investors and non-institutional investors shall be allotted specified securities at the floor price.
- (i) Employees may be allotted specified securities at a price lower than the floor price;  
**Provided that** the difference between the floor price and the price at which the specified securities are offered to employees shall not be more than ten per cent. of the floor price.
- (j) The issuer may decide and disclose in the offer document:
  - (i) to place a cap either in terms of number of specified securities or percentage of issued capital of the issuer that may be allotted to a single bidder;
  - (ii) whether a bidder shall be allowed to revise the bid upwards or downwards in terms of price and/or quantity;
  - (iii) whether a bidder shall be allowed only a single or multiple bids.

#### **SCHEDULE XIV - ILLUSTRATION EXPLAINING THE PROCEDURE OF ALLOTMENT**

[See regulation 47(3), 49(5), 145(5), 192(1)(a), 204(4), 267(3), 143(3) and 268(5)]

##### **Part A - Illustration explaining the procedure of allotment**

##### **Example A.**

- (1) Total number of specified securities on offer@ ₹ 600 per share: 1 crore specified securities.
- (2) Specified securities on offer for retail individual investors' category: 35 lakh specified securities.



(3) The issue is over-all subscribed by 2.5 times, whereas the retail individual investors' category is oversubscribed 4 times.

(4) The issuer has fixed the minimum application/bid size as 20 specified securities (falling within the range of ten thousand to fifteen thousand rupees) and in multiples thereof.

(5) A total of one lakh retail individual investors have applied in the issue, in varying number of bid lots i.e. between 1 – 16 bid lots, based on the maximum application size of up to two lakh rupees.

(6) Out of the one lakh investors, there are five retail individual investors A, B, C, D and E who have applied as follows: A has applied for 320 specified securities. B has applied for 220 specified securities. C has applied for 120 specified securities. D has applied for 60 specified securities and E has applied for 20 specified securities.

(7) As the allotment to a retail individual investor cannot be less than the minimum bid lot, subject to availability of shares, the remaining available shares, if any, shall be allotted on a proportionate basis.

The actual entitlement shall be as follows:

Sr. No.	Name of Investor	Total Number of specified securities applied for	Total number of specified securities eligible to be allotted
1	A	320	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 38 specified securities $\left[ \frac{\{35,00,000 - (1,00,000 * 20)\}}{\{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\}} * 300 \right]$ (i.e. 320-20)
2	B	220	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 25 specified securities $\left[ \frac{\{35,00,000 - (1,00,000 * 20)\}}{\{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\}} * 200 \right]$ (i.e. 220-20)
3	C	120	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 13 specified securities $\left[ \frac{\{35,00,000 - (1,00,000 * 20)\}}{\{(140,00,000 - (1,00,000 * 20)\}} * 100 \right]$ (i.e. 120-20)
4	D	60	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 5 specified securities $\left[ \frac{\{(35,00,000 - 1,00,000 * 20)\}}{\{(140,00,000 - (1,00,000 * 20)\}} * 40 \right]$ (i.e. 60-20)
5	E	20	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot)

#### Example B.

(1) Total number of specified securities on offer @ ₹ 600 per share: 1 crore specified securities.

(2) Specified securities on offer for retail individual investors' category: 35 lakh specified securities.

(3) The issue is overall subscribed by 7 times, whereas the retail individual investors' category is over-subscribed 9.37 times.

(4) The issuer has decided the minimum application/bid size as 20 specified securities (falling within the range of ten thousand to fifteen thousand rupees) and in multiples thereof.

(5) A total of two lakh retail individual investors have applied in the issue, in varying number of bid lots i.e. between 1-16 bid lots, based on the maximum application size of up to two lakh rupees.

(6) As per the allotment procedure, the allotment to retail individual investors shall not be less than the minimum bid lot, subject to availability of shares.

(7) Since the total number of shares on offer to the retail individual investors is 35,00,000 and the minimum bid lot is 20 shares, the maximum number of investors who can be allotted this minimum bid lot

should be 1,75,000. In other words, 1,75,000 retail applicants shall get the minimum bid lot and the remaining 25,000 retail applicants will not get any allotment.

The details of the allotment shall be as follows:

No. of lots	No. of shares at each lot	No. of retail investors applying at each lot	Total no. of shares applied for at each lot	No. of investors who shall receive minimum bid-lot (to be selected by a lottery)
A	B	C	D= (B*C)	E
1	20	10,000	2,00,000	8,750 =(1,75,000/2,00,000)*10,000
2	40	10,000	4,00,000	8,750
3	60	10,000	6,00,000	8,750
4	80	10,000	8,00,000	8,750
5	100	20,000	20,00,000	17,500
6	120	20,000	24,00,000	17,500
7	140	15,000	21,00,000	13,125
8	160	20,000	32,00,000	17,500
9	180	10,000	18,00,000	8,750
10	200	15,000	30,00,000	13,125
11	220	10,000	22,00,000	8,750
12	240	10,000	24,00,000	8,750
13	260	10,000	26,00,000	8,750
14	280	5,000	14,00,000	4,375
15	300	15,000	45,00,000	13,125
16	320	10,000	32,00,000	8,750
<b>Total</b>		<b>2,00,000</b>	<b>328,00,000</b>	<b>1,75,000</b>

**Note:** For IDRs, the minimum application size shall be twenty thousand rupees.

#### **Part B - Illustration explaining minimum application size**

For inviting applications in multiples of the minimum value as referred to in sub-regulation (2) of regulation 49, the procedure is clarified by following example:

Assuming an issue is being made at a price of ₹ 900 per equity share. In this case, the issuer in consultation with the lead merchant banker can determine the minimum application lot within the range of 12 – 16 equity shares (in value terms between Rs.10,000- Rs.15,000), as explained hereunder:

Options	I	II	III	IV	V
Lot Size @ ₹.900/- per share	12 shares	13	14	15	16

		shares	shares	shares	shares
Application / Bid amount for 1 lots	10800	11700	12600	13500	14400
Application / Bid amount for 2 lots	21600	23400	25200	27000	28800
Application / Bid amount for 4 lots	43200	46800	50400	54000	57600
Application / Bid amount for 8 lots	86400	93600	100800	108000	115200
Application / Bid amount for 16 lots	172800	187200	--	--	--
Application / Bid amount for 18 lots	194400	--	--	--	--

The options given above are only illustrative and not exhaustive.

Where the issuer in consultation with the lead merchant banker decides to fix the minimum application / bid size as 14 (Option III), necessary disclosures to the effect that the applicant can make an application for 14 shares and in multiples thereof shall be made in the offer document.]

#### **SCHEDULE XV - FORMAT OF REPORT FOR GREEN SHOE OPTION**

**[See regulation 57(10), 153(10) and 279(10)]**

- (1) Name of the issuer:
- (2) Name of the Stabilising Agent (Registration No. as a merchant banker with SEBI):
- (3) Issue size (No. of securities):
- (4) Issue opened on:
- (5) Issue closed on:
- (6) Over-allotment in the issue (per cent):
- (7) Date of commencement of trading:
- (8) Amount in the 'Green Shoe Option Bank Account' (in rupees):
- (9) Name of the promoter and number of the shares borrowed:
- (10) Date on which the stabilisation period ended:
- (11) Number of shares bought during the stabilization period:
- (12) Date on which the issuer allotted further shares to the extent of the shortfall:
- (13) Date when the shares in the Green Shoe Option Demat Account were returned to the promoter(s):
- (14) Date when the money in the Green Shoe Option Bank Account was remitted to the issuer:
- (15) Details of the Depository account (Special account for Green Shoe Option securities) where shares purchased from the market were kept inter-alia the following:
  - (a) Depository Participant
  - (b) Account No.
  - (c) Number of shares purchased, date wise.
  - (d) Number of shares taken out, date wise.
- (16) Details of amount transferred to the Investor Protection and Education Fund established by the Board:
 

Amount (in rupees)	Cheque/Pay Order details
--------------------	--------------------------

**Place:**

**Stabilising Agent with Official Seal**

**Date:**

**SCHEDULE XVI - NATURE OF CHANGES IN THE OFFER DOCUMENT REQUIRING FILING OF UPDATED OFFER DOCUMENT**

**[See regulation 25(6), 71(6), 123(6) and 186(5)]**

**(1) Changes which require fresh filing of the draft offer document with the Board, along with fees:**

If changes are made in the offer document with respect to any of the following, the issuer shall file fresh draft offer document with the Board in terms of applicable provisions of these regulations, along with the fees as specified Schedule IV:

- (a) Change in promoter of the issuer.
- (b) Change in more than half of the board of directors of the issuer.
- (c) Change in main object clause of the issuer.
- (d) Any addition to objects of the issue resulting in an increase in the estimated issue size or estimated means of finance by more than twenty per cent.
- (e) If there are grounds to believe that there is an exacerbation of risk on account of deletion of an object resulting in a decrease in issue size by more than twenty per cent
- (f) Any increase or decrease in estimated issue size by more than twenty per cent.
- (g) Any increase in estimated deployment in any of the objects of the issue by more than twenty per cent.

Changes which may result in non-compliance with the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 and the lead manager(s) or issuer do not intend to seek relaxation under regulation 303 of the said regulations.

**(2) Changes which require filing of the updated offer document with the Board, along with fees:**

- (a) If changes are made in the offer document with respect to any of the following, the issuer shall file an updated offer document with the Board, along with payment of fees as specified in Schedule IV
  - (i) **Section 1: Risk Factors:** Any material development which may result in potential risk and may require updation in this section.
  - (ii) **Section 2: Capital Structure:** An aggregate increase of 5 per cent. or more in the shareholding of the promoter or promoter group or an aggregate increase of 5 per cent. or more in the shareholding of the top ten shareholders.
  - (iii) **Section 3: Issue Size:** Any addition or deletion to the objects of the issue resulting in a change in the estimated issue size or estimated means of finance by more than 10 per cent. and not exceeding 20 per cent.
  - (iv) **Section 4: Management:** Appointment of any new director.
  - (v) **Section 5: Promoter Group:** Any addition to the promoter group or group companies.
  - (vi) **Section 6: Financial Statements:** Any variation in net profit after tax or net loss and/or extraordinary items in excess of 10 per cent. over the last updated financials included in the draft offer document.

- (vii) **Section 7: Legal and other information:** Any new litigation or any development about a pending litigation which is considered material by the lead manager(s).
- (a) After filing the updated offer document with the Board, the issuer may proceed with the issue after receiving a confirmation to this effect from the Board.
- (3) **Changes which require filing of the updated offer document with the Board, without fees:**
- All other changes or updations in the offer document which are not covered under paras (1) and (2) above shall be carried out in the offer document and the updated offer document shall be filed with the Board, without any fees.

## SCHEDULE XVII - FORMATS OF POST-ISSUE REPORTS

### Part A - Format of final post-issue report for a public issue

[See regulations 55, 151, 210 and 273]

#### Subscription Status: (Subscribed / Undersubscribed)

**Note:**

The lead manager(s) shall provide correct information after verifying it from the issuer and the registrar to the issue.

**(I) IN CASE OF A SUBSCRIBED ISSUE:**

- (1) Name of the issuer :
- (2) Issue opening date:
- (3) Actual closing date :
- (4) Issue Details (as per the prospectus) :
  - (a) Nature of specified securities (equity shares/fully convertible debentures/partly convertible debentures, etc.) :
  - (b) Offer price per instrument :
  - (c) Amount per instrument on application :
  - (d) Issue size (₹ lakhs) :
- (5) Number of collecting banks :  
(Also specify number of bank branches)
- (6) Bank-wise names of branches which did not submit final consolidated certificates on the date of closure of the issue and the dates when they actually submitted the same :
- (7) Subscription Details:
  - (a) Public Offer (Net) (including unsubscribed portion of the reserved category added back to the net public offer)
    - (i) No. of applications received :
    - (ii) No. of instruments applied for :
    - (iii) Amount of subscription received (₹ lakhs) :
    - (iv) No. of times issue subscribed :
  - (b) Information relating to reserved categories

Reservations	No. of applications	No. of instruments	Amount
Employees			
Others			
(Specify)			

- (8) Date of finalisation of the Basis of Allotment (enclose copy of Basis of Allotment) :
- (9) Allotment Details:
- (a) No. of successful allottees per 1 lakh shares :
- (b) No. of unsuccessful allottees :
- (1) Date of completion of:
- (a) Unblocking instructions :
- (b) Certificates/Allotment Letters :
- (c) Reasons for delay, if any : :
- (2) Amount of refund due : `
- (3) Name and address of the Refund Banker :
- (4) Date of transfer of refund amount to the Refund Banker, if any :
- (5) Name of the Designated Stock Exchange :
- (6) Names of other stock exchanges where listing sought :
- (7) Dates on which application was filed with each stock exchange for listing :
- (8) Dates on which listing and trading permission was given by each stock exchange (enclose copies of permission letters of the stock exchanges) :
- (9) Reasons for delay in listing, if any :

**(II) IN CASE OF UNDER SUBSCRIBED ISSUE:**

- (1) If the issue is underwritten, the amount of issue underwritten :
- (2) Extent of under-subscription on the date of closure of the issue
- (a) Percentage :
- (b) Amount :
- (3) Total number of underwriters :
- (4) If the devolvement notices had not been issued, how was the shortfall met :
- (5) Number of underwriters to whom devolvement notices had been issued :
- (6) Date of issue of devolvement notices :
- (7) Number of underwriters who did not honour the devolvement (Names, amount underwritten and reasons for not honouring) :
- (8) In case of default by the underwriters, how was the shortfall was met :
- (9) In case QIBs have subscribed to make up the shortfall, not as an underwriter :
- (a) Names of the QIBs :
- (b) Number of securities applied for :

(c) Amount received :

Certified that the information given above and also in the enclosures are true to the best of our knowledge and no unblocking or demat credits are pending.

Certified that the specified securities to be locked-in are duly inscribed with the words “specified securities cannot be hypothecated / transferred / sold till .....” or necessary instructions to this effect have been sent to the depositories.

**Signed by**

**Registrars to the issue**

**Issuer**

**Lead manager(s)**

**Place:**

**Date:**

### **Part B - Format of initial post-issue report for a rights issue**

**[See regulation 96(a)]**

#### **Subscription Status: (Subscribed / Undersubscribed)**

**Note:** The lead manager(s) shall provide correct information after verifying it from the issuer and the registrar to the issue.

- (1) Name of the issuer :
- (2) Issue opening date:
- (3) Actual closing date :
- (4) Date of filing of the letter of offer with the stock exchanges :
- (5) **Issue details (as per the letter of offer) :**
  - (a) Basis of offer (ratio) :
  - (b) Nature of specified securities (equity shares/fully convertible debentures/partly convertible debentures, etc.) :
  - (c) Offer price per instrument :
  - (d) Amount per instrument on application :
  - (e) Issue size (₹ lakhs) :
- (6) Record date :
- (7) Provisional subscription details of the issue :
  - (a) Total amount that was to be collected on application (₹ lakhs) :
  - (b) Actual amount collected on application :

(₹ lakhs)

- (c) Per cent. subscribed i.e. per cent. of (ii) to (i) :
- (d) Whether 90 per cent. minimum subscription collected : Yes/ No

**Signed by**

**Registrars to the issue**

**Issuer**

**Lead manager(s)**

**Place:**

**Date:**

### **Part C - Format of final post-issue report for a rights issue**

[See regulations 96(b)]

#### **Subscription Status: (Subscribed / Undersubscribed)**

**Notes:**

The lead manager(s) shall provide correct information after verifying it from the issuer and the registrar to the issue.

**(A) IN CASE OF A SUBSCRIBED ISSUE:**

- (1) Name of the issuer
- (2) Issue opening date
- (3) Actual issue closing date
- (4) Issue details (as per the letter of offer)
  - (a) Basis of offer
  - (b) Nature of the instrument
  - (c) Offer price per instrument
  - (d) Amount per instrument on application
  - (e) Issue size (₹ lakhs)
- (5) 3-Day Report
  - (a) Due on
  - (b) Submitted on
- (6) Number of collecting banks (also specify number of bank branches)
- (7) Bank-wise names of branches which did not submit the final consolidated certificate on the date of closure of the issue and the dates when they actually submitted the same
- (8) Details of subscription
  - (a) Percentage of rights issue taken up by



- (i) Promoters
- (ii) Other Shareholders
- (b) Percentage of rights issue renounced by
  - (i) Promoters
  - (ii) Other Shareholders
- (c) Percentage of rights issue taken by shareholders/ renounces
- (d) Percentage of rights issue for suitable allotment at the disposal of the Board
- (e) Out of the unsubscribed portion, as in above, taken by
  - (i) Promoters
  - (ii) Other Shareholders
- (9) Promoters' shareholding No. of shares      Percentage
  - (f) Prior to the issue
  - (g) On expanded capital after the issue
- (10) Date of finalisation of allotment (enclose copy of the Basis of Allotment)
  - (a) Name and address of the Refund Banker
  - (b) Amount of refund due
  - (c) Date of transfer of refund amount to the Refund Banker, if any
- (11) Dates of
  - (a) Unblocking      instructions
  - (b) Demat credits
  - (c) Reasons for delay, if any
- (12) Name of the Designated Stock Exchange
- (13) Names of the other stock exchanges where listing sought
- (14) 15th day from the date of closure of the issue
- (15) Dates on which application was filed with each stock exchange for listing of instruments
- (16) Dates on which listing and trading permission was given by each stock exchange (enclose copies of permission letters of the stock exchanges)
- (17) Reason for delay in listing, if any

**(B) IN CASE OF UNDER-SUBSCRIBED ISSUE:**

- (1) Name of the issuer
- (2) Extent of under-subscription on the date of closure of the issue
  - (a) Percentage

- (b) Amount
- (3) Details of standby assistance, if any
- (a) Number of underwriters
- (b) Number of underwriters who did not honour the devolvement  
(Names, amount underwritten and reasons for not honouring)
- (4) In case QIBs have subscribed to make up the shortfall, not as an underwriter
- (a) Names of the QIBs
- (b) No. of securities applied for
- (c) Amount received

Certified that the information given above and also in the enclosures are true to the best of our knowledge and no unblocking/ demat credit are pending.

Certified that the specified securities to be locked-in are duly inscribed with the words "specified securities cannot be hypothecated / transferred / sold till ....." or necessary instructions to this effect have been sent to the depositories.

**Signed by**

**Registrars to the issue**

**Issuer**

**Lead manager(s)**

**Place:**

**Date:**

### **SCHEDULE XVIII - FORMAT OF UNDERWRITING DEVOLVEMENT STATEMENT**

[See regulation 52(7), 93(7), 148(7), 202(4), 207(7) and 271(7)]

- (1) Name of the lead manager(s) :
- (2) Name of the issuer :
- (3) Issue size :
- (4) Statement of non-acceptance of underwriting devolvement :

<b>Sr. No.</b>	<b>Name of the underwriter</b>	<b>Amount underwritten</b>	<b>Amount devolved</b>	<b>Date of issue of notice of devolvement, if any</b>	<b>Reasons for not accepting devolvement</b>

**SCHEDULE XIX - LISTING OF SECURITIES ON STOCK EXCHANGES****[See regulation 7(1)(a), 62(1)(a), 104(1)(a) and 183(3)(a)]****In-principle approval of recognised stock exchange(s)**

- (1) The issuer shall obtain an in-principle approval from the recognised stock exchange as follows:
- a) in case of an initial public offer or an issue of Indian Depository Receipts (hereinafter referred to as 'IDRs'), from all the recognised stock exchange(s) on which the issuer, proposes to get its specified securities or IDRs, as the case may be, listed; and
  - b) in case of other issues, before issuance of further securities, as follows:
    - (i) where the securities are listed only on the recognised stock exchange(s) having nationwide trading terminals, from all such stock exchange(s);
    - (ii) where the securities are not listed on any recognised stock exchange having nationwide trading terminals, from all the stock exchange(s) on which the securities of the issuer are proposed to be listed;
    - (iii) where the specified securities are listed on recognised stock exchange(s) having nationwide trading terminals as well as on the recognised stock exchange(s) not having nationwide trading terminals, from all recognised stock exchange(s) having nationwide trading terminals.

**Application for listing**

- (1) The issuer shall complete the pre-listing formalities within the timelines specified by the Board.
- (2) The issuer shall make an application for listing, from the date of allotment, within such period as may be specified by the Board from time to time, to one or more recognized stock exchange(s).
- (3) In the event of failure to make an application for listing by the issuer within the time stipulated in (2) above, or non-receipt of the listing permission by the issuer from the stock exchange(s) or withdrawal of the Observation Letter issued by the Board, wherever applicable, the securities shall not be eligible for listing and the issuer shall be liable to refund the subscription monies, if any, to the respective allottees immediately, along with penal interest for each day of delay at the rate of fifteen per cent. per annum from the date of allotment.

**Listing agreement**

Every issuer desirous of listing its securities on a stock exchange shall execute a listing agreement with such a stock exchange in terms of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

**Obligation of stock exchange(s)**

The stock exchange(s) shall grant an in-principle approval or list the securities or reject the application for the in-principle approval or listing by the issuer within thirty days from the later of the following dates:

- (a) the date of receipt of application for in-principle approval or listing from issuer;
- (b) the date of receipt of satisfactory reply from the issuer in cases where the stock exchange(s) has sought any clarification from it.

**SCHEDULE XX - CONDITIONS/ MANNER OF PROVIDING EXIT OPPORTUNITY TO DISSENTING SHAREHOLDERS****[See regulation 59 and 157]****Applicability**

- (1) The provisions of this Chapter shall apply to an exit offer made by the promoters or shareholders in control of an issuer to the dissenting shareholders in terms of section 13(8) and section 27(2) of the Companies Act, 2013, in case of change in objects or variation in the terms of contract referred to in the offer document.

(2) The provisions of this Chapter shall not apply where there are neither identifiable promoters nor shareholders in control of the listed issuer.

### **Definitions**

For the purpose of this Schedule:

- (a) “dissenting shareholders” means those shareholders who have voted against the resolution for change in objects or variation in terms of a contract relating to objects, referred to in the offer document of the issuer;
- (b) “frequently traded shares” shall have the same meaning as assigned to it in the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011.
- (c) “relevant date” means date of the board meeting in which the proposal for change in objects or variation in terms of a contract relating to objects, referred to in the offer document is approved, before seeking shareholders’ approval.

### **Conditions for exit offer**

The promoter or the shareholders in control, as the case may be, shall make an exit offer in accordance with the provisions of this Chapter, to the dissenting shareholders, in cases only if a public issue has opened after April 1, 2014; if,

- (a) the proposal for change in objects or variation in terms of a contract, referred to in the offer document is dissented by at least ten per cent. of the shareholders who voted in the general meeting; and
- (b) the amount to be utilized for the objects for which the offer document was issued is less than seventy five per cent. of the amount raised (including the amount earmarked for general corporate purposes as disclosed in the offer document).

### **Eligibility of shareholders for availing the exit offer**

Only those dissenting shareholders of the issuer who are holding shares as on the relevant date shall be eligible to avail the exit offer.

### **Exit price**

The ‘exit price’ payable to the dissenting shareholders shall be the highest of the following:

- (a) the volume-weighted average price paid or payable for acquisitions, whether by the promoters or by any person acting in concert with them, during the fifty-two weeks immediately preceding the relevant date;
- (b) the highest price paid or payable for any acquisition, whether by the promoter or by any person acting in concert with them, during the twenty-six weeks immediately preceding the relevant date;
- (c) the volume-weighted average market price of such shares for a period of sixty trading days immediately preceding the relevant date as traded on the stock exchange where the maximum volume of trading in the shares of the issuer are recorded during such period, provided such shares are frequently traded;
- (d) where the shares are not frequently traded, the price determined by the promoter or shareholders having control and the lead manager(s) taking into account valuation parameters including book value, comparable trading multiples, and such other parameters as are customary for valuation of shares of such issuers.

### **Manner of providing exit to dissenting shareholders.**

- (1) The notice proposing the passing of special resolution for changing the objects of the issue and varying the terms of contract relating to objects, referred to in the offer document, shall also contain information about the provision for an exit offer to the dissenting shareholders.
- (2) A statement to the effect that the promoter/shareholders in control shall provide an exit opportunity to the dissenting shareholders shall be included in the explanatory statement to the notice for passing special resolution.

- (3) After passing of the special resolution, the issuer shall submit the voting results to the stock exchange(s), in terms of the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
- (4) The issuer shall also submit the list of dissenting shareholders, as certified by its compliance officer, to the stock exchange(s).
- (5) The promoter /shareholders in control, as the case may be, shall appoint a merchant banker registered with the Board and finalize the exit offer price in accordance with these regulations.
- (6) The issuer shall intimate the stock exchange(s) about the exit offer to dissenting shareholders and the price at which such offer is being given.
- (7) The stock exchange(s) shall, on receipt of such intimation, disseminate the same to the public within one working day.
- (8) To ensure security for performance of their obligations, the promoter or shareholders in control, as the case may be, shall create an escrow account which may be interest-bearing and deposit the aggregate consideration in the escrow account at least two working days prior to opening of the tendering period.
- (9) The tendering period shall start not later than seven working days from the passing of the special resolution and shall remain open for ten working days.
- (10) The dissenting shareholders who have tendered their shares in acceptance of the exit offer shall have the option to withdraw such acceptance till the date of closure of the tendering period.
- (11) The promoter /shareholders in control, as the case may be, shall facilitate tendering of shares by the shareholders and settlement of the same through the stock exchange mechanism as specified by SEBI for the purpose of takeover, buy-back and delisting.
- (12) The promoter /shareholders in control, as the case may be, shall, within a period of ten working days from the last date of the tendering period, make payment of the consideration to the dissenting shareholders who have accepted the exit offer.
- (13) Within a period of two working days from the payment of the consideration, the issuer shall furnish to the stock exchange(s), disclosures giving details of aggregate number of shares tendered, accepted, payment of the consideration and the post-offer shareholding pattern of the issuer and a report by the lead manager(s) that the payment has been duly made to all the dissenting shareholders whose shares have been accepted in the exit offer.

**Offer not to exceed maximum permissible non-public shareholding.**

In the event the shares accepted in the exit offer were such that the shareholding of the promoters or shareholders in control, taken together with persons acting in concert with them pursuant to completion of the exit offer, results in their shareholding exceeding the maximum permissible non-public shareholding, the promoters or shareholders in control, as applicable, shall be required to bring down the non-public shareholding to the level specified and within the time permitted under Securities Contract (Regulation) Rules, 1957.

AJAY TYAGI, CHAIRMAN

[ADVT-III/4/Exty./219/18]